वार्षिक रिपोर्ट 2017-18

ओएनजीसी
ONGC





ओएनजीसी
ONGC

असीम वृद्धि का डीएनए

भारत की शीर्षस्थ ऊर्जा कंपनी और **विश्व में पहले स्थान** पर होने वाली **अन्वेषण तथा उत्पादन कंपनी** ओएनजीसी को अंसभव को संभव बनाने के लिए जाना जाता है। **इसके डीएनए के कोर में अन्वेषण की भावना** के साथ, ओएनजीसी केवल अवसरों को जोड़ने के लिए ही नहीं बल्कि ऊर्जा के नए क्षेत्रों पर विजय प्राप्त करने में भी रत है। ओएनजीसी कर्मी विश्व में सबसे कठिन तथा चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों एवं स्थितियों में कार्य करते हुए एक मजबूत राष्ट्र के लिए ग्रिड बनाने में भी सहायता करते है। राष्ट्र को सदैव शीर्ष पर रखना, इसकी संवृद्धि एवं प्रगति करना ओएनजीसी के डीएनए में रचा–बसा हुआ है। इसे समूची हाइड्रोकार्बन मूल्य श्रृंखला में आंतरिक सेवा क्षमताओं वाली अनूठी कंपनी होने का भी गौरव प्राप्त है। 32,000 से अधिक समर्पित कार्मिकों की हमारी दृढ़, सशक्त तथा कुशल टीम सपनों को साकार करने के लिए अथक रूप से कार्य कर रही है।

वार्षिक रिपोर्ट 2017-18

गौरव के क्षण

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ओएनजीसी कॉरपोरेट कार्यालय 'दीनदयाल ऊर्जा भवन' 25 सितम्बर, 2017 को राष्ट्र को समर्पित किया।



भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ओएनजीसी कॉरपोरेट कार्यालय से प्रधानमंत्री सौभाग्य योजना का शुभारंभ करते हुए, इस अवसर पर श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री, श्री आर.के.सिंह, माननीय विद्युत राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री के.डी.त्रिपाठी, पूर्व सचिव, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और ओएनजीसी के निदेशक मंडल के सदस्य भी उपस्थित थे।

ओएनजीसी विहंगम दृष्टि

निष्पादन झलकियां (वित्तीय वर्ष 2018)

वित्तीय झलकियां

- सकल राजस्व 850,041 (₹ मिलियन)
- कर पश्चात लाभ 199,453 (₹ मिलियन)
- लाभांश 84,699 (₹ मिलियन) जमा लाभांश पर लागू कर 17,277 (₹ मिलियन) अर्थात कर पश्चात लाभ का 51.13% (लाभांश कर सहित)

नए क्षेत्रों की खोज

- 12 तेल और गैस खोजें
- 2 खोजों से उत्पादन प्रारंभ
- 67.83 एमएमटीओई 2पी भंडार संचयन
- 1.48 आरआरआर (2पी)

मूल्य सृजन के 60+ वर्ष

- घरेलू बेसिन में 8,840 एमएमटीओई की इन–प्लेस हाइड्रोकार्बन मात्रा (ओएनजीसी प्रचालित)
- 1,798 एमएमटीओई का संचयी ओ+ओईजी उत्पादन

देश के ओ + ओईजी उत्पादन में योगदान

- भारत के ओ+ओईजी उत्पादन में 73% का योगदान
- 500+ कुओं का वेधन
- 50.05 मिलियन मीट्रिक टन ओ+ओईजी उत्पादन

कर्मचारी

- 32,265

वैश्विक मान्यताएं

प्लैटस शीर्ष 250 वैश्विक ऊर्जा कंपनी रैंकिंगस-2017

- विश्व में पहले स्थान वाली ई एण्ड पी कंपनी का दर्जा
- वैश्विक अग्रणी ऊर्जा कंपनियों में मध्य 11वां स्थान

फार्चून ग्लोबल 500 सूची 2018

- विश्व में 197वां स्थान

फोर्ब्स ग्लोबल 2000 सूची 2018

- भारत में तीसरी सबसे बड़ी और विश्व में 246वां स्थान

वसुधारा - समृद्धि की धारा

ऐतिहासिक अंकलेश्वर#1, ओएनजीसी का पहला वाणिज्यिक कुआं

ओएनजीसी
समूह की विशिष्टताएँ
वित्तीय वर्ष 18

भारत का ऊर्जा सुरक्षा बल



ओएनजीसी विदेश
ONGC VIDESH

ओएनजीसी विदेश लिमिटेड

- 20 देशों में 41 तेल तथा गैस परियोजनाएं
- यूएई में लोअर जाकूम कन्सेशन परियोजना में 4 प्रतिशत हित प्राप्त किए
- 14.16 एमएमटीओई ओ+ओईजी का अब तक का सबसे अधिक उत्पादन; पिछले वर्ष की तुलना में 10.6 प्रतिशत वृद्धि
- कर पश्चात लाभ 9,815 मिलियन रूपए; पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत
- इजराइल में एक अन्वेषण ब्लाक में ओएनजीसी विदेश के नेतृत्व वाले भारतीय संघ को 25 प्रतिशत हिस्सेदारी दी गई

ONGC एमआरपीएल MRPL

मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड

- 16.31 एमएमटी का सर्वाधिक थ्रूपुट
- 630,836 मिलियन ₹ का टर्नओवर और 22,241 मिलियन ₹ का कर पश्चात लाभ दर्ज किया

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम HP

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड

- 15,000 से अधिक खुदरा आउटलेट और 3370 किलोमीटर का पाइपलाइन नेटवर्क
- ₹ 2,432,267 मिलियन का टर्नओवर और ₹ 63,571 मिलियन का निवल कर पश्चात लाभ दर्ज किया
- 7.40 डालर का सकल रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम)

ओपीएएल OPaL

ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड (ओपीएएल)

- भारत में ओएनजीसी संयंत्रों से उत्पन्न सी2, सी3 तथा सी4 गैस फीड और नाफ्था का उपयोग करने वाली एक भव्य पेट्रोरसायन परियोजना
- दक्षिण एशिया में सबसे बड़ा दोहरा फीड क्रैकर (1.1 एमएमटीपीए इथाइलीन क्रैकर)
- प्रमुख उत्पाद पॉलीप्रोपीलीन, एचडीपीई, एलएलडीपीई, ब्यूटाडाइन और बैन्जीन
- घरेलू क्षमता अंश : एचडीपीई और एलएलडीपीई (20 प्रतिशत), पीपी (7 प्रतिशत)
- परियोजना लागत 308,260 मिलियन ₹
- वित्तीय वर्ष 2018 : कुल आय 56,073 मिलियन ₹

ओ एम पी एल OMPL

ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड (ओएमपीएल)

- पैराजाइलीन के 914 केटीपीए तथा बेंजीन की 283 केटीपीए क्षमता वाला एक एरोमेटिक काम्प्लेक्स
- उच्च गुणवत्ता उत्पादों हेतु ब्राण्ड स्थापित
- वैश्विक रूप से उल्लेखनीय मौजूदगी - 78 प्रतिशत उत्पादों का निर्यात किया गया
- परियोजना लागत ₹ 69,110 मिलियन

असीम वृद्धि का डीएनए

अध्यक्ष का संदेश



प्रिय सदस्यो,

हमारे कारोबार में आपकी भागीदारी ओएनजीसी के सतत विकास और देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में इसके योगदान के मूलभूत परिदृश्यों में से एक है। निरंतर मूल्य सृजन के माध्यम से शेयरहोल्डर के हितों को सुरक्षित करना कंपनी की शीर्ष प्राथमिकता है। मैं आपके निरंतर समर्थन के लिए आपको हृदय से धन्यावद देता हूँ।

हालाँकि वर्ष 2017–18 (वित्तीय वर्ष 18) में भारी अनिश्चितताएँ रहीं, फिर भी पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष बाजार में उतार–चढ़ाव कम रहा। वैश्विक स्तर पर क्रूड ऑयल के मूल्य में रिकार्ड वृद्धि हुई है और यह वर्ष 2016 के प्रारंभ के मूल्य स्तर के दोगुने से अधिक हो गए है। यह तेल और गैस क्षेत्र की मजबूती और विकास संभावना का एक सकारात्मक सूचक है।

ईरान के साथ चल रही परमाणु डील से अमरीका के बाहर निकलने और इसके बाद उस पर प्रतिबंधों को पुनः लगाए जाने का तेल और गैस बाजार की भू–राजनैतिक स्थिति पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। जलवायु परिवर्तन की चिंताओं, नवीकरणीय साधनों की उल्लेखनीय वृद्धि तथा अनुमानित ऊर्जा परिवर्तन से इस उद्योग के परिदृश्य में जटिलता और बढ़ी है।

इस पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है कि यद्यपि स्रोत एजेंसी के ऊर्जा मिक्स अनुमान अलग–अलग हैं फिर भी भविष्य में तेल और प्राकृतिक गैस के ऊर्जा के सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्रोतों में बने रहने की संभावना है। दीर्घावधि फोकस को ध्यान में रखते हुए, आपकी कंपनी ने क्रूड मूल्यों में अत्यधिक अस्थिरता के बावजूद अन्वेषण और उत्पादन (ई एण्ड पी) के अपने प्रमुख क्षेत्र में सतत रूप से निवेश का अच्छा स्तर बनाए रखा है।

मैं, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) के निदेशक मंडल और 32,265 कर्मठ ऊर्जा सेनानियों की ओर से आपके समक्ष वित्तीय वर्ष 2017–18 की कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर रहा हूँ ।

वित्तीय वर्ष 2018 आपकी कंपनी के कारोबार के लिए लगातार सफलता की कहानी का एक और वर्ष था। हमने 12 हाइड्रोकार्बन खोजें की हैं, जिसमें से खंभात और कावेरी अभितट दोनों में से एक–एक खोज अर्थात दो खोजों में पहले ही उत्पादन शुरू हो गया है। इस वर्ष भंडार में 67.83 एमएमटीओई की वृद्धि (2पी) हुई है। 1.48 की भंडार प्रतिस्थापन दर (आरआरआर) से, हमने लगातार बारहवें वर्ष अपने हाइड्रोकार्बन संसाधन भंडार बढ़ाए हैं। हमारी क्रूड उत्पादन मात्रा गैस आउटपुट के मामले में बाजार में हुए सुधार के अनुरूप बनी हुई है, पूंजीगत परिव्यय सुदृढ़ हुआ है, लाभ बढ़ा है और लाभांश का भुगतान अच्छा रहा है। ई एण्ड पी के अलावा, एचपीसीएल के अधिग्रहण से हमारी पहले से महत्वपूर्ण डाउनस्ट्रीम कंपनी में और अधिक मजबूती आई है ।

ई एण्ड पी, हमारे ऊर्जा कारोबार का प्रमुख आधार है और यह आगामी वर्षों में प्रबंधन कार्यनीति और निवेश का प्रमुख फोकस क्षेत्र बना रहेगा ।

यह व्यापक रूप से स्वीकृत है कि 'ईजी ऑयल' का युग समाप्त हो गया है । हाइड्रोकार्बन अन्वेषण का कार्य कठिन होता जा रहा है क्योंकि इसकी अनुमानित लागत बढ़ गई है । लंबे समय तक तेल मूल्यों में गिरावट के चलते लागत प्रभावी और प्रचालन दक्ष दृष्टिकोण को अपनाना और अधिक अनिवार्य हो गया है । हमने इस संबंध में अच्छा कार्य किया है । मात्र 6 अमरीकी डॉलर प्रति बैरल तेल समतुल्य की दर से हमारी अनुसंधान लागत दुनिया भर में सर्वाधिक प्रतिस्पर्धी लागत में शामिल है । हम इसे और अधिक ईष्टतम बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। हम अपने अभियान में 'सही प्रौद्योगिकी' को व्यापक रूप से शामिल करने तथा बेहतर भूकंपीय एपीआई के जरिए और अधिक फोकस्ड अन्वेषणात्मक इनपुट पर ध्यान दे रहे हैं । जैसेकि आप सभी को ज्ञात है, आपकी कंपनी राष्ट्रीय भूकंपीय कार्यक्रम के एकीकृत भाग के रूप में भी संबद्ध है ।

उत्पादन का कार्य सही दिशा में चल रहा है और मुख्य रूप से उच्चतर गैस आउटपुट के बाद घरेलू हाइड्रोकार्बन आपूर्ति में हमारा योगदान वर्ष दर वर्ष बढ़ा है। वित्तीय वर्ष 2018 में एकल क्रूड ऑयल उत्पादन में 22.31 एमएमटी तक की वृद्धि दर्ज हुई है जो वित्तीय वर्ष 2017 में 22.25 एमएमटी उत्पादन की तुलना में अधिक है। प्राकृतिक गैस उत्पादन में 6% से अधिक की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज हुई है जो वित्तीय वर्ष 2017 में 22.09 बीसीएम उत्पादन से बढ़ कर वित्तीय वर्ष 2018 में उत्पादन में 23.48 बीसीएम तक हो गया। हमारी संचयी घरेलू हाइड्रोकार्बन मात्रा (जेवी–प्रचालित परिसंपत्तियों में हमारे हिस्से को शामिल करते हुए) में भी वृद्धि दर्ज हुई है अर्थात वित्त वर्ष 2017 में 48. 81 एमएमटीओई उत्पादन की तुलना में 50.05 एमएमटीओई का उत्पादन हुआ है । लगातार चौथे वर्ष में मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि हुई है–वित्त वर्ष 2018 में वीएपी आउटपुट 3.39 एमएमटी रहा है जो वित्त वर्ष 2017 की उत्पादन मात्रा में 4.9% की वृद्धि दर्शाता है।

हम मुख्य रूप से परिपक्व पोर्टफोलियो से लगातार उत्पादन को बढ़ाते जा रहे है जो हमारी इस उपलब्धि को और अधिक सराहनीय बनाता है। हालांकि हमारे प्रमुख क्षेत्र परिपक्व हो गए हैं फिर भी हमारी आईओआर–ईओआर योजनाओं का उद्देश्य इन पुराने ब्राउनफील्ड से अधिकतम हाइड्रोकार्बन की निकासी करना है। वित्त वर्ष 2018 में, इन परियोजनाओं से तेल उत्पादन में हुई वृद्धि कुल 7.5 एमएमटी हैं। जो इस वर्ष हमारे कुल तेल आउटपुट का लगभग एक तिहाई हिस्सा है।

तथापि, विशेष रूप से नकदी संकट से घिरे हुए प्रचालन के महौल में विरासत पर निर्भर पोर्टफोलियो की अपनी ही चुनौतियाँ होती हैं । अगले कुछ वर्षों में और अधिक परियोजनाओं के आने से हमें विश्वास है कि पुराने क्षेत्रों पर हमारी निर्भरता कम होगी। हमें आशा है कि हमारा घरेलू हाइड्रोकार्बन आउटपुट नियमित रूप से आगे बढ़ेगा और प्रमुख रूप से प्रमुख परियोजनाओं जैसे केजी–डीडब्ल्यूएन–98/2, दमन और वशिष्ठ फील्डों से गैस आउटपुट में बढ़ोतरी होगी । हालाँकि क्रूड ऑयल की मात्रा में गैस के समान वृद्धि नहीं होगी फिर भी पश्चिमी अपतटीय पुनर्विकास योजनाओं से हमारे पोर्टफोलियो में तेल की बढ़ोतरी होगी और हमारे आधारभूत पोर्टफोलियो प्राकृतिक गैस की कमी को पूरा करने में मदद मिलेगी । पिछले 4 वर्षों में पूरी की गई 17 परियोजनाओं से तेल और गैस की आपूर्ति में 6 एमएमटीओई से अधिक का योगदान रहा है । आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष 2018 में 2 प्रमुख परियोजनाओं को पूरा किया है जिनके नाम डेवलेपमेंट ऑफ वेस्टर्न पेरीफरी और इंटीग्रेटेट डेवलेपमेंट ऑफ वशिष्ठ तथा एस 1 फील्ड हैं । इनसे उत्पादनकाल में 17 एमएमटीओ से अधिक तेल और गैस प्राप्त होने की परिकल्पना की गई है ।

वेधन कार्य किसी भी ई एण्ड पी कार्यकलाप का केन्द्र होता है। वित्त वर्ष 2018 हमारे वेधन प्रचालनों के लिए एक और रिकार्ड स्थापित करने वाला वर्ष सिद्ध हुआ है । लगातार दूसरे वर्ष, हमने 503 कूपों का वेधन किया जो अब तक का सर्वाधिक है । आपकी कंपनी ने 119 अन्वेषणात्मक कूपों का वेधन किया जो पिछले 6 वर्षों में सर्वोच्च संख्या है और अपनी सर्वोच्च चक्रीय और वाणिज्यिक गति हासिल की । अपतट में 37 रिगों के प्रचालन के साथ ही कंपनी क्षेत्र में अपनी पैठ और विशेषज्ञता को बढ़ाने पर फोकस कर रही है जो ऐतिहासिक रूप से इसका मजबूत क्षेत्र रहा है । इस क्षेत्र में गहरा समुद्री वेधन एक रोमांचपूर्ण नया कार्य क्षेत्र है और कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2019 में 24 गहरे समुद्री कूपों का वेधन करने की योजना बनाई है। हमारी अधिकांश भावी तेल और गैस आपूर्तियाँ अपतट आधारित होंगी जिसके चलते मध्यम अवधि में अपतटीय वेधन कंपनी की सफलता के लिए महत्वपूर्ण बन गया है । पूँजीपरक अपतटीय प्रचालनों को ध्यान में रखते हुए, लागत को इष्टतम बनाना किसी भी अपतटीय अपस्ट्रीम परियोजना की अंतर्निहित जोखिम को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। वित्त वर्ष 2018 में, ओएनजीसी के अपतटीय वेधन लागत में 7% तक कमी आई है जो वास्तविक अर्थ में महत्वपूर्ण है। कंपनी वेधन लागतों को और कम करने का सतत रूप से प्रयास कर रही है।

पिछले 4 वर्षों में प्रमुख तेल और गैस ऑपरेटरों की तुलना में आपकी कंपनी का अपस्ट्रीम पूंजी कार्यक्रम निरंतर विकास कर रहा है। इस अवधि में क्रूड मूल्यों में कमी के चलते बजट में व्यापक कटौती हुई है। वित्त वर्ष 2019 में 320,770 मिलियन का प्रतिबद्ध पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) ई एण्ड पी कार्यकलाप के लिए दिया गया है। हालांकि तेल की भारी घरेलू मांग और देश

के आयातों पर अत्यधिक निर्भरता घरेलू अपस्ट्रीम कार्यकलाप में दीर्घकालिक मजबूत निवेश के आधार हैं फिर भी यह घरेलू हाइड्रोकार्बन संभाव्यता पर हमारे सकारात्मक दृष्टिकोण का भी एक आधार है। हाल ही में समाप्त हुए हाइड्रोकार्बन संसाधन मूल्यांकन परियोजना से इस दृष्टिकोण की पुष्टि होती है कि आज देश का अनुमानित हाइड्रोकार्बन संसाधन बेस 42 बिलियन टन तेल समतुल्य ठहरता है, जो पिछले अनुमानों से 50% अधिक है। कंपनी ने माननीय प्रधानमंत्री द्वारा की गई परिकल्पना के अनुसार आयात में 10% की कमी करने के अभियान के समर्थन में अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए ठोस योजनाएँ भी शुरू की हैं।

इसके अलावा, आंतरिक संस्थानों द्वारा किए गए विभिन्न ''अनुसंधान और विकास'' कार्यकलापों के जरिए प्रचालन दक्षता में सुधार करने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

जहां तक वित्त का प्रश्न है, कंपनी ने वित्त वर्ष 2017 में प्राप्त ₹ 779,078 राजस्व की तुलना में वित्त वर्ष 2018 में प्रचालन से ₹ 850,041 मिलियन का राजस्व दर्ज किया है। वित्त वर्ष 2018 में करोपरांत लाभ में 11% से अधिक अर्थात ₹ 199,453 मिलियन की वृद्धि हुई है जो वित्त वर्ष 2017 में प्राप्त ₹ 179,000 मिलियन की तुलना में है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2018 में घरेलू बाजार में बेचे गए क्रूड से 57.33 अमरीकी डॉलर/बीबीएल प्राप्त किया है जो वित्त वर्ष 2017 में प्राप्त 50.27 अमरीकी डॉलर/बीबीएल की तुलना में है।

वित्तीय वर्ष 2018 में शेयरधारकों को अच्छा लाभांश दिया गया और 51.13 प्रतिशत की प्रभावशाली अदायगी अनुपात (लाभांश वितरण कर सहित) की दर से ₹ 84,699 मिलियन की कुल अदायगी की गई। पिछले 4 वर्षों में हमने लगातार लाभांश अदायगी दर को 50% से अधिक बनाए रखा है। हालाँकि आपकी कंपनी अपने कारोबार का विस्तार कर रही है और उसे विविध बना रही है फिर भी कंपनी शेयर होल्डरों को लांभाश की अदायगी करने में अपने नियमित ट्रैक रिकार्ड को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता पर दृढ़ है। यह पूँजी प्रबंधन के संबंध में एक और कारोबारी मूलभूत और दूरदर्शी दृष्टिकोण का प्रमाण है।

वित्तीय वर्ष 2018 हमारे विदेशी अंग ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के लिए भी अच्छा सिद्ध हुआ है। वर्ष 2016 में रूस के बैंकोरनेफ्त में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी का अर्जन करने के बाद, ओएनजीसी विदेश के नेतृत्व में भारतीय परिसंघ ने फरवरी, 2018 में यूएई के जोकुम अपतटीय तेल और गैस क्षेत्र में महत्वपूर्ण 10% हिस्सेदारी का अर्जन किया है। इन दोनों परिसंपत्तियों से मात्रा में वृद्धि होने से वित्त वर्ष 2018 में विदेशी हाइड्रोकार्बन आउटपुट में 10% से अधिक अर्थात 14.16 एमएमटीओई तक की बढ़ोतरी हुई है जो वित्त वर्ष 2017 में 12.80 एमएमटीओई की तुलना में है। वित्तीय वर्ष 2018 के दौरान प्रचालनों और समेकित पीएटी से समेकित राजस्व क्रमशः ₹ 104,176 मिलियन और ₹ 9,815 मिलियन है जो वित्त वर्ष 2017 में क्रमशः ₹ 100,800 मिलियन और ₹ 7,573 मिलियन की तुलना में है। आगे बढ़ते हुए, ओएनजीसी विदेश के अंतर्राष्ट्रीय उद्यम ओएनजीसी की दीर्घावधिक विकास योजनाओं को साकार करने और वैश्विक पहुंच बनाने में स्वतंत्र ऊर्जा कूटनीति को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं।

डॉउनस्ट्रीम कारोबार में, एमआरपीएल ने वित्तीय वर्ष 2018 में अब तक का सर्वाधिक थ्रुपुट 16.31 एमएमटी दर्ज किया है। रिफाइनिंग यूनिट ने 7.54 अमरीकी डॉलर/बीबीएल का प्रभावशाली जीआरएम दर्ज किया है। प्रचालनों से राजस्व में 6.1 प्रतिशत अर्थात ₹ 630,836 मिलियन तक की बढ़ोतरी हुई है। कर पश्चात लाभ ₹ 22,241 मिलियन है। रिफाइनिंग यूनिट ने भी अपने निर्यातों में वर्ष दर वर्ष 18% की वृद्धि दर्शायी है। इसने कर्नाटक और उसके आस पास के राज्यों में पेट्रोलियम उत्पाद बाजार की सीधी बिक्री क्षेत्र में प्रमुख हिस्सेदारी बनाए हुए है और नए ग्रेडों को शुरू करके पोलीप्रोपीलीन में बाजार हिस्सेदारी को बढ़ाया है। ओएनजीसी समूह की कंपनियों के दीर्घकालिक प्रयासों को और मजबूती देने के लिए रिफाइनरी ने भी देश में रिफाइनरी स्थलों पर सफलतापूर्वक बड़ी सौर विद्युत परियोजना (6 एमडब्ल्यू) शुरू की है।

सरकारी परिशोधन कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में बड़ी हिस्सेदारी का अर्जन एक निर्णायक कदम था जिससे ओएनजीसी के डॉउनस्ट्रीम पोर्टफोलियो में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ । हालांकि ओएनजीसी स्वयं ही अपस्ट्रीम कारोबार में सर्वोत्कृष्टता लाने के प्रति प्रतिबद्ध हैं फिर भी एचपीसीएल इस समूह के एकीकृत ऊर्जा कार्यनीति में बिल्कुल फिट बैठती है। एचपीसीएल देश भर में अपनी व्यापक रिटेल पैठ (15000 से अधिक खुदरा बिक्री केन्द्र) के साथ ही कंपनी को शोधन और विपणन का क्षेत्र उपलब्ध कराएगी। इससे महत्वपूर्ण विविध लाभ होंगे। आज एमआरपीएल के साथ ओएनजीसी समूह की शोधन क्षमता 40 एमएमटी से अधिक है जो उसे संस्थापित क्षमता के लिहाज से हमें देश की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी बनाता है।

कंपनी ने पेट्रोरसायन क्षेत्र में भी सतत रूप से निवेश किया है । ओएनजीसी पेट्रो एडीशंस लिमिटेड (ओपीएएल) की 1.1 एमएमटीपीए इथाईलीन क्रैकर यूनिट आज दुनिया में सबसे बड़ी डुअल–फीड क्रैकर्स है। वर्तमान राजकोषीय वर्ष अर्थात वित्त वर्ष 2019 में संयंत्र की 80% से अधिक क्षमता का उपयोग किए जाने का अनुमान है और इसके दिसंबर, 2019 के अंत तक 100% उपयोग तक पहुंचने की संभावना है। ओपीएएल ने कम समय में ही गुणवत्ता तथा मूल्य के मामले में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में स्वयं को स्थापित किया है। ओएनजसी की एक अन्य पेट्रो रसायन यूनिट अर्थात ओएनजीसी मंगलोर पेट्रो कैमिकल्स लि0 (ओएमपीएल) की एरोमेटिक की 1.2 एमएमटीपीए उत्पादन क्षमता है और इसने प्रचालनों से 55,613 मिलियन का राजस्व दर्ज किया है। इसके उत्पादों नामतः पैराक्सलीन और बेनजीन के लगभग 80% का निर्यात किया जाता है।

देश के पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में हमारे विद्युत संयुक्त उद्यम ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी (ओटीपीसी), 726 मेगावाट (एमडब्ल्यू) कंबाइंड साइकल गैस टर्बाइन पॉवर प्लांट का प्रचालन करती है। इस कंपनी ने वित्त वर्ष 2018 में प्रचालनों से ₹ 12,516 मिलियन का राजस्व और ₹ 1,251 मिलियन करोपरांत लाभ दर्ज किया है। यह ओएनजीसी समूह का एक और उल्लेखनीय उद्यम है और देश का एक हरित यूएनएफसीसीसी–प्रमाणित विद्युत संयंत्र है। यह संयंत्र पूर्वोत्तर राज्यों की 35% विद्युत आवश्यकता को पूरा करता है।

जैसाकि मैंने पहले ही उल्लेख किया है, समग्र ऊर्जा फ्रेमवर्क दीर्घकालिक पुनर्निर्माण के चरम पर है–वास्तव में इसमें बदलाव पहले से ही जारी है। ग्राहकों को ऊर्जा स्रोतों की व्यापक श्रेणी से चुनाव करने की आजादी देने से ऊर्जा कमोडिटी बाजार और अधिक उपभोक्ता संचालित बनेगा। प्रौद्योगिकी संबंधी बाधाएँ, नवीकरण, डिजिटलाइजेशन और निरंतरता इस बदलाव के केन्द्र में होगी।

आपकी कंपनी परिवर्तन की इस अवधि के लिए स्वयं को तैयार कर रही है। प्रौद्योगिकी के उन्नत अनुप्रयोग तथा दीर्घकालिकता पर आधारित दृष्टिकोण को ओएनजीसी विकास के नए मार्गों की खोज करने के लिए अपना रही है। हाइड्रोकार्बन का पता लगाने और उसे प्राप्त करने में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना, पेपरलेस ऑफिस बनाना तथा गैस फ्लेरिंग को कम करना, ये सभी कंपनी ऊर्जा कारोबार करने के लचीले सिद्धांत का हिस्सा है। हमारी वैश्विक रूप से स्थापित सीएमडी परियोजनाएँ और नवीकरणीय क्षेत्र में किए जा रहे विस्तार में भी हमारे दीर्घकालिक कारोबारी सिद्धांत का प्रमाण हैं।

निगमित शासन के संबंध में डीपीई दिशा–निर्देशों के अनुसार आपकी कंपनी को लगातार 'उत्कृष्ट" ग्रेड सीपीएसई की रेटिंग मिलती रही है।

कारोबार के अलावा, हमारी सीएसआर पहलों ने संगठनों को लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में भी सहायता की है। इसके साथ ही इसने हमें समाज और पर्यावरण के एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में हमारी भूमिका के प्रति हमें संवेदनशील बनाया है। वित्तीय वर्ष 2018 में, आपकी कंपनी ने अपने विभिन्न सीएसआर कार्यक्रमों के लिए ₹ 5,034 मिलियन व्यय किया है । इन कार्यक्रमों का लक्ष्य में स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता, शिक्षा से लेकर पर्यावरण और धारणीयता तक शामिल हैं।

सरकार की नीति के अनुसार, आपकी कंपनी ने ₹ 1,000 मिलियन का एक स्टार्ट–अप फंड बनाया है जो ऊर्जा से संबंधित नए विचारों को प्रोत्साहित करने, विकसित करने तथा उन्हें मूर्त रूप देने के लिए है। इस पहल के एक भाग के रूप में, हमने वित्तीय वर्ष 2018 में 5 स्टार्टअप्स के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। मुझे, आपको यह सूचित करने में प्रसन्नता हो रही है कि ओएनजीसी के अधिकारियों ने पिछले वर्ष माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई छूने के साथ–साथ, वित्तीय वर्ष 2018 में तीसरी सबसे ऊंची और अत्यधिक चुनौतीपूर्ण पर्वत चोटी माउंट कंचनजंगा पर भी सफलतापूर्वक पहुँचे।

यद्यपि हमारा मुख्य उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा है फिर भी मेरा दृढ़ विश्वास है कि ओएनजीसी ने वर्षों से बृहद राष्ट्रीय लक्ष्यों और प्राथमिकताओं में प्रभावशाली तरीके से योगदान देने की अपनी क्षमता को सिद्ध किया है । यहाँ, मैं भारत सरकार और विशेष रूप से हमारे प्रशासनिक मंत्रालय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को उनके सतत समर्थन और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद देना चाहूँगा । देश के फ्लैगशिप ऊर्जा अन्वेषक के तौर पर जो कुछ उपलब्धि हमने हासिल की है उसे सरकार के नीतिगत समर्थन और सुसाध्य दृष्टिकोण के बिना हासिल करना मुश्किल है।

बाजार में हो रहे बदलावों के बावजूद, हमारी विकास गाथा में आपका सतत विश्वास और हमारे साथ स्थायी संबद्धता ही हमें हर गुजरते वर्ष के साथ ही और अधिक मजबूती से आगे बढ़ने और ज्यादा प्रतिस्पर्धी होने की प्रेरणा देता है। एक और वित्त वर्ष के सफलतापूर्वक समाप्त होने पर, मैं इस बहुमूल्य निवेश और समर्थन के लिए आपका आभार व्यक्त करता हूँ। इस यात्रा को जारी रखते हुए आइए हम आगे बढ़े और साथ–साथ नई ऊंचाइयों को छुएँ।

(शशि शंकर)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

ओएनजीसी

स्वप्न

सतत विकास, उत्कर्ष ज्ञान और अनुकरणीय शासन प्रक्रियाओं के माध्यम से एकीकृत ऊर्जा व्यवसाय में विश्व का नेतृत्व करना।

संकल्प

विश्व स्तर पर

- अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी में संलग्न लोगों की प्रतिस्पर्धा का लाभ उठाते हुए उत्कृष्टता के प्रति समर्पित होना।
- व्यापार संहिता तथा संगठनात्मक मूल्यों के उच्च मानकों को आत्मसात करना।
- संरक्षा, स्वास्थ्य तथा पर्यावरण संबंधी वचनबद्धताओं को कायम रखते हुए सामुदायिक जीवन–स्तर सुधारना।
- विश्वसनीयता, उन्मुक्तता और पारस्परिक सहयोग की संस्कृति का विकास करके अपने लोगों के लिए उत्प्रेरक तथा चुनौतीपूर्ण अनुभव देने वाली कार्यशैली का निर्माण करना।
- उत्तम उत्पादों तथा सेवाओं द्वारा उपभोक्ताओं को प्रसन्न रखने के प्रयास करना।

ऊर्जा व्यवसाय में समेकित

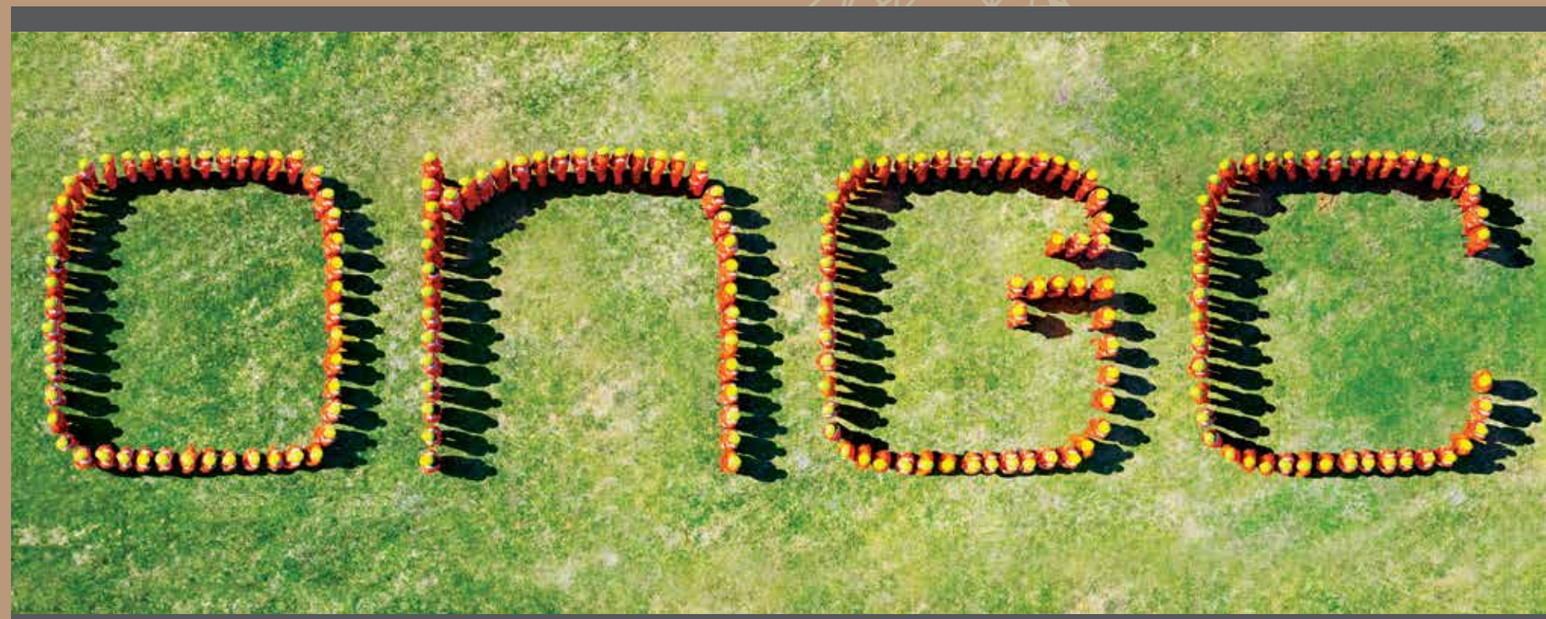
- स्वदेशी और अन्तर्राष्ट्रीय तेल तथा गैस अन्वेषण एवं उत्पादन संबंधी व्यापारिक अवसरों पर ध्यान केन्द्रित करना।
- ऊर्जा व्यापार के अन्य क्षेत्रों में महत्वूपर्ण योगदान करना।
- विकास के अवसर तैयार करना और शेयरधारकों का मूल्य बढ़ाना।

प्रबल भारतीय नेतृत्व

- भारतीय पेट्रोलियम क्षेत्र में प्रबल स्थान बनाये रखना तथा भारत में ऊर्जा की उपलब्धता को बढ़ाना।

कार्बन तटस्थता

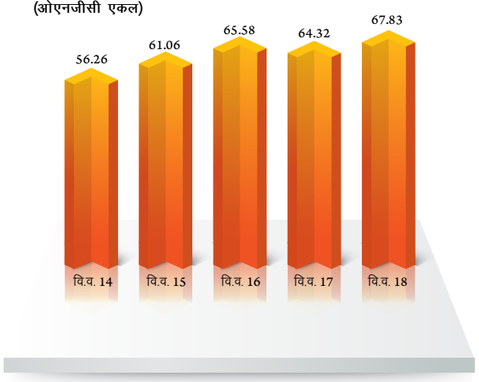
- कार्बन तटस्थता प्राप्त करने के उद्देश्य से ओएनजीसी अपनी संपूर्ण गतिविधि श्रृंखला से कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने का निरंतर प्रयास करेगा।



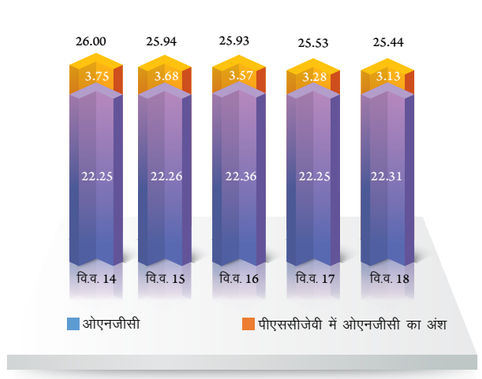
प्रचालनात्मक विशिष्टताएँ

वित्त वर्ष 18

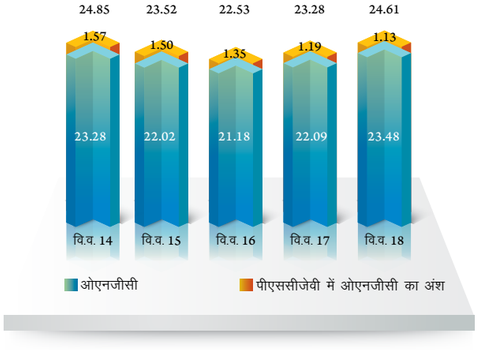
भंडार अभिवृद्धि (2पी)
(ओएनजीसी एकल)



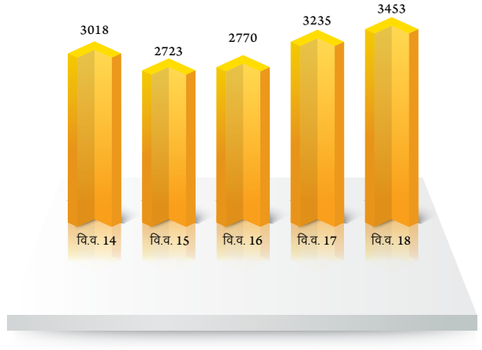
खनिज तेल उत्पादन (एमएमएटी)



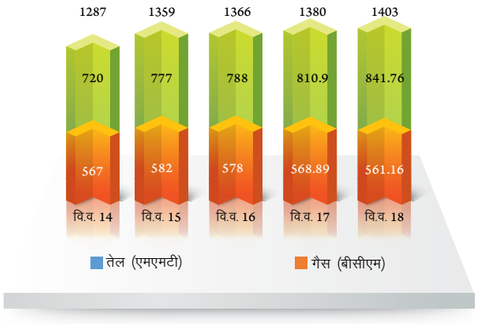
प्राकृतिक गैस उत्पादन (बीसीएम)



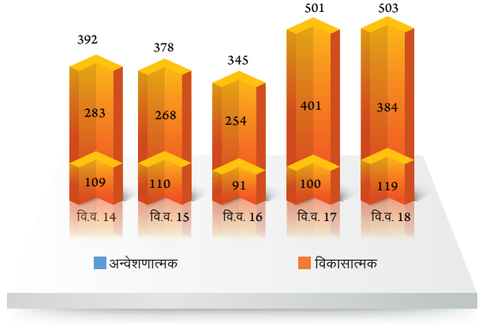
मूल्य वर्धित उत्पादन (केटी)



तेल एवं गैस भंडार (3पी)



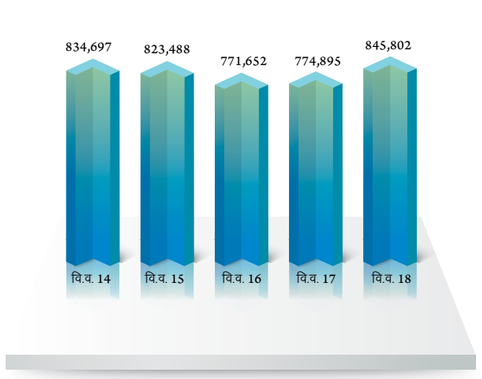
वेधित कूप (संख्या)



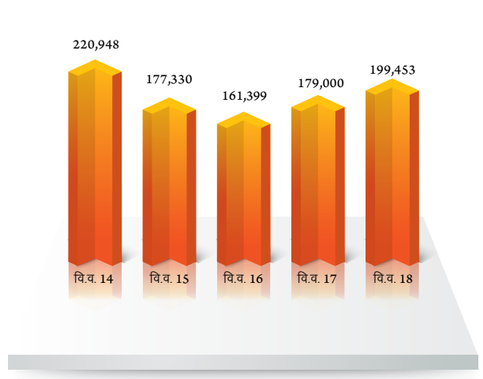
वित्तीय विशिष्टताएँ

वित्त वर्ष 18

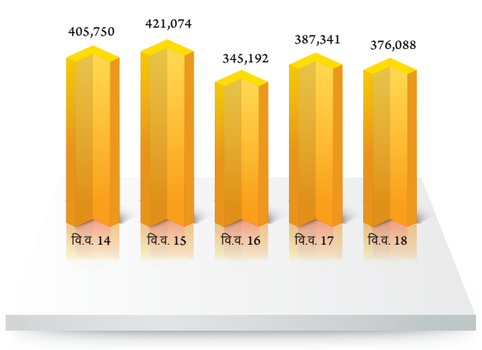
बिक्री से आय (मिलियन ₹)



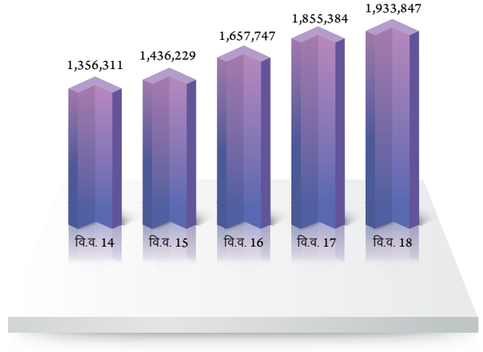
शुद्ध लाभ (मिलियन ₹)



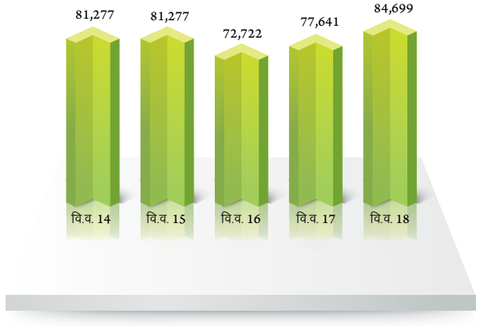
राजकोश में योगदान (मिलियन ₹)



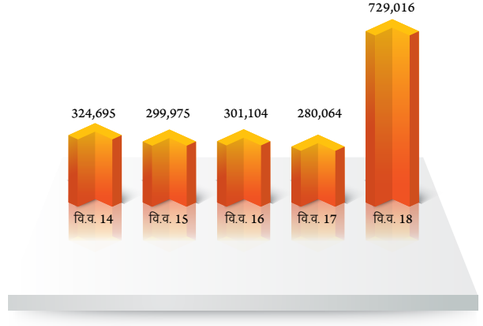
शुद्ध मूल्य (मिलियन ₹)



लाभांश (मिलियन ₹)



कैपेक्स (मिलियन ₹)



ओएनजीसी



निदेशक मंडल

बाएँ से दाएँ (खड़े हुए)

सुमित बोस
स्वतंत्र निदेशक

अमरनाथ
संयुक्त सचिव (अन्वेषण)

ए.के. द्विवेदी
निदेशक (अन्वेषण)

विवेक माल्या
स्वतंत्र निदेशक

डॉ. संतृप्त बी. मिश्रा
स्वतंत्र निदेशक

संजय कुमार मोइत्रा
निदेशक (अभितट)

राजेश कक्कड़
निदेशक (अपतट)

डॉ. संबित पात्रा
स्वतंत्र निदेशक

सुभाष कुमार
निदेशक (वित्त)

दीपक सेठी
स्वतंत्र निदेशक

बाएँ से दाएँ (बैठे हुए)

गंगामूर्ति
स्वतंत्र निदेशक

राजीव बंसल
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार

शशि शंकर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

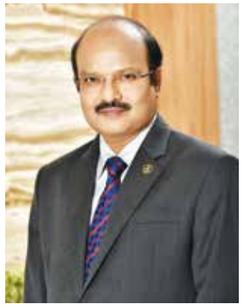
अजय मल्होत्रा
स्वतंत्र निदेशक

प्रो. शिरीष बी. केदारे
स्वतंत्र निदेशक

के. एम. पद्मनाभन
स्वतंत्र निदेशक

निदेशक मंडल

का संक्षिप्त जीवन परिचय



अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

श्री शशि शंकर, कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) हैं और साथ ही वे ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल), मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) और संयुक्त उद्यम कंपनियों नामतः मेंगलोर एस ई जेड लिमिटेड और ओएनजीसी त्रिपूरा पावर कंपनी लिमिटेड, – ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड, ओएनजीसी मंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड, के भी अध्यक्ष हैं। सीएमडी के पद पर पदोन्नत होने से पूर्व वे कंपनी के निदेशक (प्रौद्योगिकी एवं क्षेत्र सेवाएं) के रूप में सेवारत थे।

श्री शशि शंकर इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स, धनबाद से पेट्रोलियम इंजीनियर है और वित्तीय प्रबंधन में विशेषज्ञता के साथ एम. बी. ए. डिग्री धारक भी हैं। उन्होंने प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान, लखनऊ और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद से कार्यपालक शिक्षा भी प्राप्त की है।

श्री शशि शंकर के पास विविध ई एंड पी गतिविधियों में साढे तीन दशक से अधिक के अनुभव के साथ इस उद्योग का भी अनुभव हैं। वे वेधन प्रौद्योगिकी संस्थान, देहरादून; पश्चिम बंगाल परियोजना; असम परियोजना और गहन समुद्र समूह, मुंबई सहित विभिन्न कार्य केन्द्रों से वरिष्ठ प्रबंधन भूमिकाओं के माध्यम से आगे बढ़े हैं। कंपनी के गहन समुद्र / अति गहन समुद्र अभियान, जिसका नाम 'सागर समृद्धि' रखा गया था, के नेतृत्व में उनके प्रदर्शन की भूरि–भूरि प्रशंसा की गयी। उनके मार्गदर्शन मे, कंपनी ने 3147 मीटर की गहराई पर सबसे गहरे समुद्र कूप का वेधन किया, जो अब तक का एक विश्व कीर्तिमान है।

श्री शशि शंकर ने ओएनजीसी की डाउनस्ट्रीम पोर्टफोलियो में सुधार लाने के लिए एचपीसीएल सरकार के 51.11 प्रतिशत शेयर के अधिग्रहण का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में ओएनजीसी ने अबु धाबी के सबसे बड़े अपतटीय तेल रियायत (लोअर जॉकूम) में 10 प्रतिशत शेयर अधिग्रहण कर एक सफल प्रवेश किया है। भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में अबु धाबी में इस समझौते पर भारतीय परिसंघ की ओर से श्री शशि शंकर ने हस्ताक्षर किये थे। इस अधिग्रहण के माध्यम से, भारत ने पहली बार अमीरात के खनिज तेल उत्पादन में एक हिस्सा हासिल किया है। उनके मार्गदर्शन में, कंपनी ने ऐसे अग्रणी आईटी समाधानों का नेतृत्व किया जो संवृद्धि का संचालन करते हैं, निष्पादन को सरल एवं कारगर बनाते हैं और कौशल को बढ़ावा देते हैं। एससीएडीए, ईआरपी (आईसीई), ईएसीएस इत्यादि जैसे आईटी मंचों को सशक्त करने के लिए विभिन्न पथप्रवर्तक पहलें की गयी थी। उन्होंने कंपनी के कागजरहित कार्यालय मंच के सृजन के लिए ''दिशा'' नामक एक महत्वाकांक्षी कंपनी व्यापी परियोजना की अवधारणा तैयार की, जिसका क्रियान्वयन किया जा रहा है।

श्री शशि शंकर भारत सरकार की प्रमुख पहल, नामतः ''मेक इन इंडिया'' और ''स्टार्ट अप इंडिया'' की उच्चाधिकार प्राप्त संचालन समिति के सदस्य हैं। वे एफआईपीआई, जीसीएनआई इत्यादि जैसे विभिन्न अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों के भी सदस्य हैं।

उनकी दृष्टि और ओजस्वी भाव ने कई प्रचालनात्मक और नीतिगत पहल करते हुएं ओएनजीसी को कई उपलब्धियां प्राप्त करने में मदद की। उनकी प्राथमिकता पूर्वी तट खोंजों को विकसित करने, पश्चिमी अपतटीय और अभितटीय परिपक्व क्षेत्रों को पुनरुज्जीवित करने और कुंड प्रबंधन में सुधार करने की दिशा में है।

कार्यात्मक निदेशक



निदेशक (अन्वेषण)

श्री अजय कुमार द्विवेदी, निदेशक (अन्वेषण), कानपुर विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर हैं जिनका ओएनजीसी में 38 वर्ष से अधिक का प्रतिष्ठित कैरियर 'अन्वेषण भूवैज्ञानिक के रूप में उत्कृष्ट उपलब्धियों से समृद्ध है। इस कार्यकाल के दौरान उन्होंने ओएनजीसी के प्रमुख अनुसंधान संस्थान केडीएमआईपीई से शुरु कर, कावेरी, असम एवं असम अराकान, खंभात, एमबीए (महानदी – बंगाल – अंडमान) और बॉम्बे अपतटीय बेसिनों के विविध पदों पर रहते हुए योगदान किया है। उनकी नेतृत्व उत्कृष्टता भूवैज्ञानिक रूप से जटिल और संभरण की दृष्टि से कठिन एमबीए बेसिन और बाद में पश्चिमी अपतटीय बेसिनों के बेसिन प्रबंधक के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान पर्याप्त रूप से प्रदर्शित हुई थी।

श्री द्विवेदी ने 'संगठनात्मक रूपांतरण कार्यक्रम', जिसमें संगठनात्मक प्रणालियों, संरचना, और कारोबारी प्रक्रियाओं का फिर से डिजाइन बनाना शामिल था, में एक प्रमुख भूमिका अदा की। उन्होंने पेट्रोलियम प्रणाली और सिक्वेंस स्ट्रेटीग्राफी' (पीएसक्यूब) संबंधी परियोजना की संचालन समिति का नेतृत्व किया। वे एक कार्य बल सदस्य के रूप में अन्वेषण की दीर्घावधिक रणनीति बनाने और बॉम्बे अपतटीय बेसिन के लिथोस्ट्रेटीग्राफी के मानकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एक सतत प्रक्रिया के रूप में व्यक्तिगत विकास में विश्वास रखने वाले, श्री द्विवेदी ने इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद और अल्बर्टा स्कूल ऑफ बिजनेस, अल्बर्टा, कनाडा के विकास कार्यक्रमों सहित विभिन्न विकास कार्यक्रमों में भाग लिया। वे एसपीजी – भारत, एईजी – भारत और एसपीई के एक एफिलिएट हैं। हाईड्रोकार्बन अन्वेषण में उनकी अनवरत कोशिश ने अंततः वर्ष 2015 में उन्हें निदेशक (अन्वेषण), ओएनजीसी के रूप में अन्वेषण के शिखर पर पहुँचाया। निदेशक (अन्वेषण) के रूप में श्री द्विवेदी ने लागत कुशलता, सहक्रियशीलता, प्ले आधारित अन्वेषण और अन्वेषण की गहन आर्थिक समझ और खोजों के शीघ्र मुद्रीकरण के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से बुनियादी परिवर्तन लाया। उनके नेतृत्व में, भारत सरकार की ओर से ओएनजीसी ने 26 भारतीय अवसादी बेसिनों और अपतटीय क्षेत्रों के हाइड्रोकार्बन संसाधन का पुनः मूल्यांकन कार्य'' पूरा किया है।



निदेशक (वित्त)

श्री सुभाष कुमार ने 31 जनवरी, 2018 को कंपनी के निदेशक (वित्त) के रूप में कार्यभार संभाला। इसके पहले, श्री कुमार एक छोटी अवधि के लिए पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड में सेवा की जहाँ उन्होंने अगस्त, 2017 में निदेशक (वित्त) के रूप में कार्यभार संभाला था।

श्री कुमार आईसीएमएआई के फेलो सदस्य हैं और साथ ही आईसीएसआई के एसोसिएट सदस्य हैं। वे पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के भूतपूर्व छात्र हैं, जहॉ उन्होंने गोल्ड मेडल के साथ स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त किया। श्री कुमार वर्ष 1985 में ओएनजीसी में नियुक्त हुए। प्रारंभ में जम्मू और देहरादून में कार्य करने के पश्चात्, ओएनजीसी की विदेशी शाखा ओएनजीसी विदेश में उनका एक लंबा कार्यकाल रहा। श्री कुमार वर्ष 2001 की एकल परिसंपत्ति कंपनी से वैश्विक उपस्थिति वाली कंपनी बनने तक प्रमुख अधिग्रहणों में कंपनी के साथ थे। श्री कुमार ने सितंबर, 2006 से मार्च, 2010 तक मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड के मुख्य वित्त अधिकारी के रूप में कार्य किया। उन्होंने अप्रैल 2010 से जून, 2016 तक ओएनजीसी विदेश में प्रधान, कारोबार विकास और रणनीति, वित्त एवं बजट और साथ ही प्रधान कोष आयोजना एवं पोर्टफोलियो प्रबंधन समूह के रूप में कार्य किया।

श्री कुमार ने प्रमुख वाणिज्यिक एवं प्रधान कोष के रूप में जुलाई, 2016 में वापस ओएनजीसी में कार्यभार संभाला, जहॉ उन्होंने मूल्यांकन, वार्ता, और संगठन से संबंधित प्रमुख मुद्दों को समापन करने में अहम भूमिका निभाई। श्री कुमार ओएनजीसी समूह कंपनी, नामतः मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड, ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी और ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड के निदेशक मंडल में भी निदेशक हैं।



निदेशक (अपतट)

श्री राजेश श्यामसुंदर कक्कड़ ने दिनांक 19.02.2018 को कंपनी के निदेशक (अपतट) का कार्यभार संभाला। निदेशक (अपतट) ओएनजीसी के अपतटीय क्षेत्रों से तेल एवं गैस उत्पादन की देखरेख करते हैं, जो अंतर्देशीय तेल एवं गैस उत्पादन का क्रमशः 70 प्रतिशत और 78 प्रतिशत का योगदान करता है।

श्री कक्कड़ रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर से यांत्रिक अभियांत्रिकी में ऑनर्स के साथ स्नातक डिग्री धारक हैं। उन्होंने आईआईएम, कोलकाता से ग्लोबल मैनेजर्स प्रोग्राम और आईआईएम, बंगलुरु से लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम पूरा किया। उन्हें वर्ष 1991 में ''वर्ष का युवा कार्यकारी'' सम्मान से सम्मानित किया गया था और उन्हें ''अपतटीय उत्पादन प्रचालनों में सतत प्रदर्शन'' के लिए अध्यक्ष पुरस्कार भी प्रदान किया गया था।

श्री कक्कड़ का अपतटीय और अभितटीय दोनों क्षेत्रों में प्रचालनों और प्रबंधन के विभिन्न पहलूओं में साढे तीन दशक से अधिक का अनुभव प्राप्त है। उन्होंने वर्ष 2015 में पश्चिमी अपतट की उत्पादन प्रवृत्ति को उत्क्रमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे पुराने हो रहे क्षेत्रों से उत्पादन बढ़ाने हेतु ''क्षेत्र जीवन चक्र अधिकतम करने'' के प्रवर्तक रहें हैं। कई ब्राउनफील्ड और साथ ही सीमांत क्षेत्र विकास के माध्यम से उन्होंने तेल एवं गैस का वृद्धिशील उत्पादन सुनिश्चित किया। श्री कक्कड़ ने तेल गैस विकास परियोजनाओं से संबंधित विभिन्न उच्च स्तरीय समितियों और कार्यबलों प्रमुख पद धारित किए और जहॉ तक अपतटीय प्रचालनों का संबंध है, स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने में मुख्य भुमिका निभाई। श्री कक्कड़ प्रचालनों में टीम दृष्टिकोण विकसित करने हेतु अपने लोक प्रबंधन और अंतरवैयक्तिक कौशलों के लिए भी सुविख्यात हैं। श्री कक्कड़ ओएनजीसी समूह कंपनियों, जैसे ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड, ओएनजीसी मंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड और पवन हंस लिमिटेड के निदेशक मंडल में भी शामिल हैं।



निदेशक (अभितट)

श्री संजय कुमार मोइत्रा ने 18 अप्रैल 2018 को कंपनी के निदेशक (अभितट) के रूप में कार्यभार संभाला और ओएनजीसी के अभितटीय तेल एवं गैस उत्पादन की देखरेख कर रहें हैं। श्री मोइत्रा वर्ष 1982 में इस कंपनी में शामिल हुए। वे जबलपुर विश्वविद्यालय, भारत से यांत्रिक अभियांत्रिकी में बी.ई. हैं और उन्होंने वर्ष 2011 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके से उन्नत प्रबंधन पाठ्यक्रम भी पूरा किया है।

श्री मोइत्रा को विभिन्न भारतीय बेसिनों से तेल एवं गैस उत्पादन गतिविधियों में 35 वर्ष से अधिक का अनुभव प्राप्त है। उन्होंने कुशल संसाधन प्रबंधन के लिए कई अलग विचारों की अवधारणा की, जिसके परिणामस्वरूप भारत के तेल एवं गैस उद्योग में कई जटिल और उच्च मूल्य परियोजनाओं का क्रियान्वयन हुआ।

निदेशक (अभितट) के रूप में प्रभार ग्रहण करने से पूर्व, श्री मोइत्रा ने पश्चिमी अभितट, मुंबई के बसीन एंड सेटेलाइट (बी एंड एस) – वर्ष 2013 से ओएनजीसी एवं देश की सबसे बड़ा गैस उत्पादक और दूसरी सबसे बड़ी तेल उत्पादक परिसंपत्ति का नेतृत्व किया। पूर्व में उन्होंने ओएनजीसी के पश्चिमी अभितट प्रचालनों में कई महत्वपूर्ण वरिष्ठ प्रबंधन भूमिकाएं अदा कीं। उन्होंने तेल एवं गैस उत्पादन, सुविधा नवीनीकरण, प्रचालन मुद्दों और प्रौद्योगिकी पहलों से संबंधित महत्वपूर्ण परियोजनाओं का पर्यवेक्षण करने के लिए गठित विभिन्न उच्च स्तरीय समितियों और कार्यबलों का नेतृत्व किया।

संपूर्ण रूप से टेकनोक्रैट श्री मोइत्रा ने तेल एवं गैस उद्योग के प्रासंगिक कई वैज्ञानिक पत्र लिखे। उन्होंने अपतटीय प्रौद्योगिकी सम्मेलन (ओटीसी – 2007), ह्यूस्टन, यूएसए में ''इंटिग्रेटेड एसेट मॉडल ऑफ मुंबई हाई फील्ड'' पर एक शोध पत्र लिखा और प्रस्तुत किया और साथ ही वे अबरडीन, यूके में अपतटीय यूरोप – 2009 में ''इंप्लिमेंटेशन ऑफ इटिग्रेटेड नेटवर्क ऑप्टिमाइजेशन मॉडल फॉर द मुंबई हाई फील्ड – क्षेत्र व्यापी इष्टतमीकरण के लिए महत्वपूर्ण'' के सह लेखक थे। श्री मोइत्रा ओएनजीसी समूह की कंपनियों अर्थात् दाहेज एसईजेड लिमिटेड और ओएनजीसी मंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के निदेशक मंडल में भी निदेशक हैं।

सरकार नामित निदेशक



श्री राजीव बंसल, भा. प्र. से., अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार (जीओआई), एक सरकार नामित निदेशक हैं। वे दिनांक 27.09.2017 को कंपनी के बोर्ड में शामिल हुए।

श्री बंसल पेशे से एक सिविल इंजीनियर हैं, जिन्होंने वर्ष 1986 में आईआईटी, दिल्ली से स्नातक किया है। उन्होंने आईसीएफएआई, हैदराबाद से वित्त डिप्लोमा किया है और आईआईएफटी, नई दिल्ली से अंतर्राष्ट्रीय कारोबार में एक एक्जिक्यूटिव मास्टर हैं।

पूर्व में वे इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में थे, जहॉ वे डिजिटल भुगतान, आई टी अधिनियम, आधार और इंटरनेट अभिशासन के कार्य देख रहे थे। करीब 30 वर्षों के उनके कैरियर में, श्री बंसल अन्य क्षेत्रों के अलावा, सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग विभाग, भारत सरकार और निदेशक, नागर विमानन, भारत सरकार के रूप में कार्य किया। वे भेल, एनएसीआईएल, एवायसीएल, एयरलाइन एलायड सर्विसेज लि. और एचएमटी के निदेशक मंडल में रहे हैं और वर्तमान में वे ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी एलायंस और भारत यंत्र निगम लिमिटेड के बोर्ड में शामिल हैं। उन्होंने राज्य सरकार में भी कई महत्वपूर्ण कार्य भार ग्रहण किया।

श्री बंसल इंडिया स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और भारत यंत्र निगम लिमिटेड के निदेशक मंडल में भी निदेशक हैं।



श्री अमर नाथ, संयुक्त सचिव (अन्वेषण), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भी कंपनी के निदेशक मंडल में सरकार नामित निदेशक हैं।

श्री अमर नाथ, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी (एजीएमयूटी संवर्ग के वर्ष 1994 बैच), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से विज्ञान स्नातक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) और ड्यूक विश्वविद्यालय, यूएसए से स्नातकोत्तर (अंतर्राष्ट्रीय विकास नीति) हैं।

श्री अमर नाथ वर्तमान कार्यभार संभालने से पूर्व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार में सचिव, स्वास्थ्य विभाग थे। उन्होंने केन्द्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप के प्रशासक, दिल्ली शहरी विकास बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और चंडीगढ़ आवास बोर्ड, चंडीगढ़ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद को सुशोभित किया।

उन्हें अरुणाचल प्रदेश, पांडिचेरी, चंडीगढ़ और दिल्ली राज्यों में वरिष्ठ प्रबंधन स्तर पर सरकार के विभिन्न विभागों जैसे वित्त, आर्थिक योजना, पर्यटन और औद्योगिक विकास में व्यापक अनुभव प्राप्त है। वर्ष 1994 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल होने से पूर्व उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय इस्पात प्राधिकरण में कार्य किया।

स्वतंत्र निदेशक



श्री अजय मल्होत्रा दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम. ए. हैं। वे वर्ष 1977 में भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) में शामिल हुए और विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में कार्यभार संभालने के अलावा, बुकारेस्ट, जेनेवा, कुवैत, मास्को, नैरोबी, न्यूयॉर्क और वाशिंगटन डीसी में भारतीय कूटनीतिक मिशन में कार्य किया।

वे भारतीय दूतावास, वाशिंगटन डीसी (वर्ष 1999–2003) में मंत्री (वाणिज्य) थे, साथ–साथ वर्ष 2002 से वर्ष 2003 तक अंतर्राष्ट्रीय सूती सलाहकार समिति के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। करीब 37 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा के पश्चात 30 नवंबर 2013 को भारतीय विदेश सेवा से सेवानिवृत्त होने से पूर्व वे रोमानिया में भारत के राजदूत रहे, साथ साथ अल्बानिया और मोल्डोवा (वर्ष 2003–2005) में प्रत्यायित थे और संयुक्त राष्ट्र, न्यूयॉर्क में भारत के राजदूत और भारत के स्थायी उप प्रतिनिधि, कुवैत में भारत के राजदूत (वर्ष 2009–2011) और रूसी परिसंघ में भारत के राजूदत (वर्ष 2011 –2013) रहे।

उनके विविध अनुभवों में, जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन, मरुस्थलीकरण, शिक्षा, ऊर्जा, वानिकी, स्वास्थ्य, मानवाधिकार, मानव आबादी, बौद्धिक संपदा अधिकारों, अंतर्राष्ट्रीय कानून, श्रम, ओजोन निःशेषण, धारणीय विकास और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार जैसे मुद्दों पर वार्ता करने वाली टीम में रहना, शामिल है। वर्ष 2004 में, उन्हें पर्यावरण सहायता और विकास के क्षेत्र में उनके कार्य के सम्मान में वेस्टर्न यूनिवर्सिटी ऑफ अरद, रोमानिया द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया।

वर्ष 2014 से वे वंचित वर्ग की सेवा में कार्यरत दो संगठनों – चिकित्सा और शिक्षा के अध्यक्ष और प्रबंधन न्यासी रहने के अलावा, ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टेरी), नई दिल्ली के प्रतिष्ठित फेलो हैं। वे अध्यक्ष, विक्टोरिया एवं अल्बर्ट संग्रहालय में भारतीय संग्रह के लिए नेहरु न्यास, अध्यक्ष, एनएबी दृष्टिहीन महिला एवं विकलांगता अध्ययन केन्द्र हैं। दिनांक 30.09.2017 को उन्हें सदस्य, सलाहकार समिति, संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार परिषद, जेनेवा का सदस्य निर्वाचित किया गया है। वे आर्थिक, पर्यावरण संबंधी, रक्षा, राजनीतिक, व्यापार एवं सुरक्षा मुद्दों से संबंधित सेमिनार में अक्सर योगदान करते हैं।



श्री दीपक सेठी, आपकी कंपनी के एक स्वतंत्र निदेशक हैं। श्री सेठी वाणिज्य स्नातक और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के फेलो सदस्य हैं, जिनका कंपनियों, साझीदार फर्मों, स्वाम्य प्रतिष्ठानों, स्कूलों, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, न्यासों इत्यादि के सांविधिक, कर और आंतरिक लेखा परीक्षा आयोजित करने का 33 वर्ष से अधिक का अनुभव है और वे कार्य अनुशासन, विशेषज्ञता, सीधे दृष्टिकोण और विभिन्न विधानों, लेखांकन और अन्य प्रगतियों पर अपनी पेशेवर प्रस्तुति के लिए जाने जाते हैं।

उनके पास प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कराधान में व्यापक कार्य अनुभव है और सेवा कर, बिक्री कर, आय कर इत्यादि के अपीलीय अधिकरणों के समक्ष उपस्थित हुए हैं। उनके पास सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सांविधिक लेखा परीक्षा, निरीक्षण और राजस्व लेखा परीक्षा, बीमा कंपनियों, के लिए हानि आकलन, निगमित और एचएनआई के लिए वित्तीय सलाह एवं परामर्श कार्य का भी अनुभव प्राप्त है।



प्रो. शिरीश बी. केदारे, ने वर्ष 1985 में आईआईटी, बाम्बे से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक किया। उन्होंने वर्ष 1992 में आईआईटी, बॉम्बे से ''रेसिप्रोकेटिंग विंड मशीन'' में पीएचडी की। उन्होंने 'विकास' से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर कार्य करते हुए सामाजिक क्षेत्रों में स्वयंसेवक के रूप में तीन वर्षों (1992–95) तक कार्य किया। उन्होंने वर्ष 1995 में ऊर्जा और पर्यावरण में इंजीनियरिंग परामर्श सेवा शुरु की। उन्होंने अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के तकनीकी परामर्शदाता (1998–2001) के रूप में कार्य किया, जब उन्होंने ग्रामीण उद्योग क्लस्टर के विकास से संबंधित मुद्दों पर कार्य किया। वर्तमान में वे आईआईटी, मुंबई से एक प्रोफेसर के रूप में जुड़े हैं।

उन्होंने संयुक्त संकाय के रूप में ऊर्जा विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, बॉम्बे में कार्यभार ग्रहण किया और साथ साथ क्लिक डेवलपमेंट लि., मुंबई की एक इंजीनियरिंग कंपनी, के निदेशक (आर एंड डी) के रूप में काम किया। विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों संबंधी अध्ययनों पर उनके अध्ययनों के आधार पर उन्होंने बहुत पहले वर्ष 1997 में औद्योगिक प्रक्रिया ताप अनुप्रयोग के लिए सकेन्द्रित सौर उष्मा संग्रहक विकसित करने की जरुरत की पहचान की। उन्होंने एमएनआरई (नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा) मंत्रालय, नई दिल्ली के लिए अरुण 160 (औद्योगिक प्रक्रिया ताप के लिए 160 वर्ग किलोमीटर फ्रेशनेल पैराब्लॉयड सोलर कंसेंट्रेटर) की आईआईटी, बॉम्बे – क्लिक आर एंड डी परियोजना में एक प्रधान अन्वेषक के रूप में कार्य किया। उन्होंने वाष्प, दबावकृत जल अथवा ऊष्मीय तरल को एक माध्यम के रूप में और ताप बिजली संयंत्रों में वाष्प अभिवृद्धि के लिए विभिन्न औद्योगिक प्रक्रियाओं और साथ ही वाणिज्यिक अनुप्रयोगों के लिए सौर संकेन्द्रक प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर भी कार्य किया।

भंडारण रहित या सहित सौर औद्योगिक प्रक्रिया ताप प्रणाली के अनुकूलन के साथ, उनका फोकस भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल 24 घंटे काम करने वाले भंडारण सहित सौर ताप विद्युत संयंत्रों पर है। वे ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वैकल्पिक प्रौद्योगिकी केन्द्र (सीटीएआरए), आईआईटी, बॉम्बे से भी संबद्ध हैं और ग्रामीण ऊर्जा और अन्य प्रौद्योगिकियों पर भी कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में देश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयुक्त परंपरागत लकड़ी जलावन चूल्हों के निष्पादन सुधार के लिए छोटे एवं वहनीय उपकरण के लिए समस्या मूल्यांकन तथा विकास एवं प्रसार पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं।



श्री विवेक माल्या, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान के एक फेलो सदस्य, प्रामाणिक सरकारी लेखाधिकारी (यूएसए) हैं और मैसूर विश्वविद्यालय से वाणिज्य में मास्टर डिग्री धारक हैं। वे आईडीबीआई में एक पंजीकृत ऋणशोधन क्षमता समाधान पेशेवर हैं।

उन्हें सनदी लेखाकार के रूप में समृद्ध अनुभव प्राप्त है। उनके पेशे के क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय कराधान, आय कर, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम और बैंककारी मामले शामिल हैं। वे बंगलुरु के 110 झुग्गी झोपड़ियों में बाल शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए कार्यरत एक गैर सरकारी संगठन, केशव सेवा समिति के निवर्तमान अध्यक्ष हैं। स्वयं का पेशा शुरु करने से पहले वे पीडब्ल्यूसी, चार प्रमुख लेखांकन फर्मों में से एक, के साझीदार थे।



श्री सुमित बोस, आपकी कंपनी के एक स्वतंत्र निदेशक हैं। श्री बोस वर्तमान में राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) के उपाध्यक्ष हैं। वे मार्च, 2014 में सेवानिवृत्त होने तक वित्त मंत्रालय, भारत सरकार में केन्द्रीय वित्त सचिव एवं राजस्व सचिव थे। तत्पश्चात्, वे व्यय प्रबंधन आयोग के सदस्य थे।

श्री बोस दून स्कूल, देहरादून (वर्ष 1970 कक्षा), सेंट स्टीफेंस कॉलेज, दिल्ली और लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स से शिक्षा प्राप्त कर वर्ष 1976 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल हुए।

वित्त मंत्रालय, भारत सरकार मे वे, मई, 2011 से अगस्त, 2012 तक सचिव, व्यय विभाग थे और फरवरी, 2010 से मई, 2011 तक विनिवेश विभाग में सचिव थे। वे अगस्त 2007 से जनवरी, 2010 तक 13वें वित्त आयोग में सचिव थे। पूर्व में वर्ष 2004 और वर्ष 2007 के बीच मध्य प्रदेश सरकार में प्रधान सचिव, वित्त थे। वर्ष 1998 से वर्ष 2003 के बीच मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार में संयुक्त सचिव के रूप में उन्होंने सर्व शिक्षा अभियान कार्य शुरु किया था। उन्होंने वर्ष 1994 से वर्ष 1996 के बीच मध्य प्रदेश में सचिव, स्कूल शिक्षा भी रहे थे।

श्री बोस कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड, एचडीएफसी स्टैंडर्ड लाइफ इंश्योरेस कंपनी लिमिटेड, बीएसई लिमिटेड, फाउंडेशन टू एजुकेट गर्ल्ज ग्लोबली, जल सेवा चेरिटेबल फाउंडेशन, टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और विधि सेंटर फॉर लिगल पॉलिसी के बोर्ड में भी शामिल हैं।



श्री के. एम. पद्मनाभन, आपकी कंपनी के एक स्वतंत्र निदेशक हैं। श्री पद्मनाभन 29 वर्षों से अधिक समय से सनदी लेखाकार के पेशे में हैं और श्रीनिवास और पद्मनाभन, सनदी लेखाकार, चेन्नई के वरिष्ठ साझीदार हैं।

सनदी लेखाकार के पेशेवर के रूप में उन्होंने इंजीनियरिंग, मेडिकल और साथ ही अस्पताल के क्षेत्र में फैले एक बहुत बड़े दक्षिणी भारत के शिक्षण संस्थान के लिए व्यवसाय परामर्श सेवा प्रदान करने के अलावा उन्होंने आंतरिक नियंत्रण प्रणाली, प्रक्रिया और कार्यविधि निर्मित की है।

वे भारतीय प्रबंधन संस्थान (इंदौर), भारतीय प्रबंधन संस्थान (रायपुर), वित्त प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान (आईएफएमआर), आरबीआई कर्मचारी प्रशिक्षण महाविद्यालय, तमिलनाडु न्यायिक अकादमी, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) में वित्त और लेखांकन विषय के एक नियमित अतिथि संकाय रहे हैं। वे हावर्ड बिजनेस स्कूल, बोस्टन, यूएसए और हावर्ड बिजनेस स्कूल सेंटर, शंघाई, चीन में प्रकरण पद्धति शिक्षण में प्रशिक्षित हैं।

वे प्रेरणा हेल्पलाइन फाउंडेशन (गैर सरकारी संगठन) के संस्थापक सदस्य हैं जो दृष्टिहीन व्यक्तियों की जरुरतों को पूरा करता है। पिछले 10 वर्षों के व्यवसाय परामर्श सेवा में वे व्यवसाय प्रक्रिया पुनर्संरचना और कैज़न लागत कमी पद्धति के माध्यम से एसएमई क्षेत्र की विभिन्न कारोबार इकाईयों के लिए फिजूलखर्ची और गैर मूल्य वर्द्धित व्ययों को खत्म करने में सफल रहे।

भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद और हावर्ड बिजनेस स्कूल, बोस्टन, यूएसए में प्रकरण पद्धति शिक्षण के अध्यापन कला में प्रशिक्षित व्यक्ति के रूप में उन्होंने हजारों गैर वित्त कार्यकारियों को वित्त, लागत और रणनीतिक अनुकूलन से कैज़न लागत कमी में प्रशिक्षित किया था। वे भारत के सर्वाधिक प्रतिष्ठित प्रबंधन परिसंघों में से एक मद्रास प्रबंधन परिसंघ के प्रबंधन समिति के सदस्य भी थे। श्री पद्मनाभन राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड और प्रेरणा एजुकेशन मीडिया प्राईवेट लिमिटेड के बोर्ड में भी शामिल हैं।



श्रीमती गंगा मूर्ति मद्रास विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग से एम. फिल हैं। वे वर्ष 1976 में भारतीय आर्थिक सेवा में शामिल हुईं और उनके पास भारत सरकार में अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजना, क्रियान्वयन, योजनाओं और कार्यक्रमों की निगरानी और मूल्यांकन में 3 दशक से अधिक का अनुभव प्राप्त है। उन्होंने अपने कैरियर के दौरान भी यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रैडफोर्ड, यूके से राष्ट्रीय विकास और परियोजना आयोजना में एमएससी किया।

उन्होंने अपने कैरियर की शुरुआत योजना आयोग से की, जहाँ उन्होंने देश के विकेन्द्रीकृत क्षेत्र के लिए आयोजना और क्षेत्रीय असंतुलन का हल निकालने के तरीकों पर कार्य किया। इसके पश्चात् उन्होंने अलग अलग समयावधियों के कार्यकालों में ग्रामीण विकास, पेंशन, आर्थिक कार्य, रसायन एवं पेट्रोकेमिकल्स, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और उपभोक्ता कार्य विभागों / मंत्रालयों में कार्य किया। वे अगस्त, 2013 में उपभोक्ता कार्य मंत्रालय में प्रधान आर्थिक सलाहकार के रूप में कार्य करते हुए अधिवर्षिता की आयु प्राप्त कर सेवानिवृत्त हुईं।

वे, वर्ष 2011 से 2013 तक उपभोक्ता कार्य मंत्रालय में 'प्रधान आर्थिक सलाहकार' के रूप में कार्यभार संभालने से पूर्व वर्ष 2009 से 2011 के बीच वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार के रूप में रेलवे के आर्थिक निदेशालय की प्रभारी थीं। उन्होंने वर्ष 1991 से 1993 तक की अवधि के दौरान लोक सभा में एक दिलचस्प कार्यकाल के दौरान प्रतिभूतियों के लेनदेन में अनियमितता की जॉच करने के लिए लोक लेखा समिति और संयुक्त संसदीय समिति के लिए उप सचिव के रूप में कार्य किया।



डॉ. संबित पात्रा एक योग्यता प्राप्त फिजिशियन हैं और एससीबी मेडिकल कॉलेज, कटक, उत्कल विश्वविद्यालय से मास्टर ऑफ सर्जरी (एमएस) की डिग्री धारित करते हैं। पूर्व में उन्होंने वीएसएस मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल, बुरला, संबलपुर, ओडिशा से वर्ष 1997 में एमबीबीएस किया था। वे वर्ष 2003 में केन्द्रीय लोक सेवा आयोग संयुक्त चिकित्सा सेवाओं के लिए चयनित हुए और एक चिकित्सा अधिकारी के रूप में हिन्दु राव अस्पताल, दिल्ली में कार्यभार संभाला। वर्तमान में वे 'निर्धन एवं भूमिहीन समग्र अभ्युदय और उत्थान केन्द्र' के निदेशक मंडल में निदेशक हैं।





डॉ. संतृप्त मिश्रा, वर्तमान में सीईओ, बिरला कार्बन; निदेशक, केमिकल्स, फर्टिलाइजर्स एंड इनसुलेटर्स और निदेशक, ग्रुप ह्युमन रिसोर्सेज, आदित्य बिरला समूह हैं और वे वर्ष 1996 से इस समूह के साथ हैं।

श्री मिश्रा के पास दो स्नातकोत्तर डिग्री हैं, उत्कल विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में और टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान से कार्मिक प्रबंधन में। इसके अलावा, उनके पास दो पीएचडी है, भारत एवं ब्रिटेन से, एस्टन यूनिवर्सिटी, यूके से। वे नेशनल एकेडमी ऑफ ह्युमन रिसोर्सेज (एनएचएचआर), यूएसए के फेलो हैं; कोचिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के मानद फेलो; साथ ही एक ऐजेनहॉवर फेलो, एक एस्टन बिजनेस स्कूल फेलो, एक एआईएम फेलो और एक राष्ट्रसंघ विद्वान है।

उन्हें जे. के. ग्रुप, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साईंस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, भारत जैसे संगठनों के मानव संसाधन, वैश्विक कारोबार, अनुसंधान और संगठन विकास में साढे तीन दशक से अधिक का पेशेवर अनुभव है और वे अपने कैरियर के शुरुआत में 40 से अधिक संगठनों के परामर्शदाता रहे हैं। वे आदित्य बिरला कैपिटल लिमिटेड सहित आदित्य बिरला समूह की कई कंपनियों में निदेशक हैं और कई अन्य पेशेवर निकायों में बोर्ड स्तरीय पद धारित करते हैं। वे भारत सरकार के प्रमुख उद्यम ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक हैं और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला के शासी निकाय के अध्यक्ष हैं।

वे तीन वर्षों तक राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास नेटवर्क के अध्यक्ष थे और एस्टन बिजनेस स्कूल एडवाइजरी बोर्ड (यूके) के प्रबंधन समिति; एसोसिएशन ऑफ एक्जीक्यूटिव सर्च कंसल्टेंट (एईएससी), अमेरिका जैसे अन्य पेशेवर निकायों में भी रहें हैं। उन्होंने एचएसआरएम सर्टिफिकेशन कमीशन, अमेरिका में 3 वर्ष के कार्यकाल के लिए सदस्य रहें है और ईआरसी, वर्ल्ड वाइड, वाशिंगटन डी. सी. के बोर्ड सदस्य थे। उन्हें उनके पेशेवर कार्य के लिए कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- नेशनल एचआरडी नेटवर्क (एनएचआरडीएन) से द एचआरडी एक्सेलेंस अवार्ड
- राष्ट्रीय वैयक्तिक प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएम) रत्न पुरस्कार
- एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैनेजमेंट स्कूल द्वारा 'रवि मथाई नेशनल फेलो अवार्ड'
- सीईओ इंडिया अवार्ड 2014 में 'ग्लोबल लीडर ऑफ द ईयर'
- वर्ल्ड कंसल्टिंग एंड रिसर्च कॉरपोरेशन द्वारा ''भारत के सर्वाधिक विश्वसनीय सीईओ, 2017'' के रूप में सूचीबद्ध



ओएनजीसी ने 1 अरब से अधिक लोगों को ऊर्जा उपलब्ध कराने के अपने प्रयास में लोग और पृथ्वी को केन्द्र में रखने के लिए महत्वपूर्ण उपाय किए हैं।



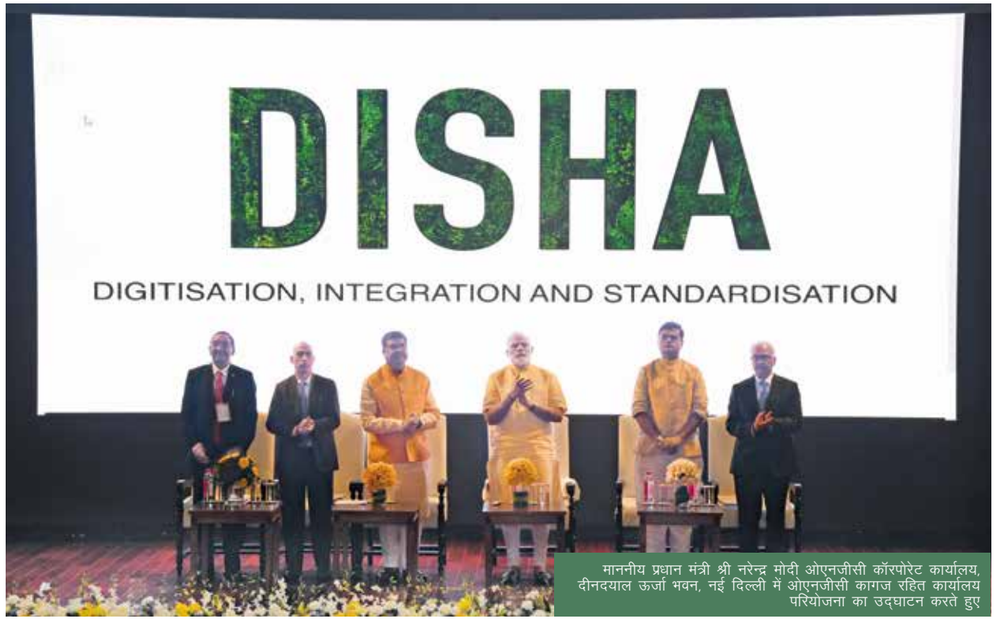
लॉन तये फील्ड, वियतनाम में अपतट प्लेटफार्म का दृश्य



महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायेद और माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ऐतिहासिक एडीएनओसी अपतटीय रियायत समझौता पर हस्ताक्षर के साक्षी बने, जिसके तहत ओएनजीसी के नेतृत्व वाले परिसंघ को 2.2 बिलियन एईडी के प्रतिभागिता शुल्क पर 40 वर्षों के लिए लोअर जैकम अपतटीय रियायत में 10% शेयर प्रदान किया गया था।



एनपीएमटी, मेंगलोर में एमटी वाफराह पर श्री शशि शंकर, अध्यक्ष, ओएनजीसी समूह की उपस्थिति में श्री एन. के. वर्मा, प्रबंध निदेशक, ओएनजीसी विदेश द्वारा श्री एम. वेंकटेश, प्रबंध निदेशक – एमआरपीएल को प्रथम इक्विटी 'डैस ब्लेंड' खनिज तेल का औपचारिक रूप से सौंपते हुए



माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ओएनजीसी कॉरपोरेट कार्यालय, दीनदयाल ऊर्जा भवन, नई दिल्ली में ओएनजीसी कागज रहित कार्यालय परियोजना का उद्घाटन करते हुए



माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी एशिया का सबसे बड़ा पेट्रोकेमिकल परिसर राष्ट्र को समर्पित करते हुए ओएनजीसी पेट्रो एडिसंस लि. (ओपल), दाहेज, गुजरात के केन्द्रीय नियंत्रण कक्ष में कर्मचारियों से बात करते हुए



असीम वृद्धि का डीएनए

विषय सूची

कार्य–निष्पादन एक नजर में 33

बोर्ड की रिपोर्ट 50
बोर्ड की रिपोर्ट के अनुलग्नक 92
नियंत्रक एवं महालेखा–परीक्षक की टिप्पणियाँ 130

प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट 134
कॉरपोरेट अभिशासन रिपोर्ट 160
कॉरपोरेट अभिशासन पर लेखा–परीक्षक का प्रमाण पत्र 180
सचिवीय लेखा–परीक्षा रिपोर्ट 182

व्यापार उत्तरदायित्व रिपोर्ट 188
एकल वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा–परीक्षकों की रिपोर्ट 214
एकल वित्तीय विवरण 224

धारा 129 (एओसी–1) के अनुसरण में विवरण 320
समूह कार्य–निष्पादन एक नजर में 324
समेकित वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा–परीक्षकों की रिपोर्ट 334
समेकित वित्तीय विवरण 344

सामान्य सूचना

नाम : **ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड**

सीआईएन : **एल74899डीएल1993जीओआई054155**

पंजीकृत कार्यालय

प्लॉट सं. 5ए–5बी, नेल्सन मंडेला रोड, वसंत कुंज,
नई दिल्ली, दक्षिण पश्चिम दिल्ली–110070

वेबसाइट : www.ongcindia.com

ई–मेल : secretariat@ongc.co.in

दूरभाष : 011-26754073/79, फैक्स : 011-26129091

कंपनी सचिव
एम ई वी सेल्वम

लेखापरीक्षक	लागत लेखापरीक्षक	सचिवीय लेखापरीक्षक
1. मैसर्स लोढ़ा एण्ड कंपनी, कोलकाता 2. मैसर्स पीकेएफ श्रीधर एण्ड संथानम, एलएलपी, चेन्नै 3. मैसर्स खण्डेलवाल जैन एण्ड कंपनी, मुंबई 4. मैसर्स दास गुप्ता एण्ड एसोसिएटस, नई दिल्ली 5. मैसर्स के सी मेहता एण्ड कंपनी, वडोदरा 6. मैसर्स एमकेपीएस एण्ड एसोसिएटस, मुंबई	1. मैसर्स चन्द्रा वाधवा एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली 2. मैसर्स धनंजय वी. जोशी एण्ड एसोसिएट, पुणे 3. मैसर्स एम. कृष्णा स्वामी एण्ड एसोसिएट, चेन्नै 4. मैसर्स मुसीब एण्ड कम्पनी, मुंबई 5. मैसर्स रोहित एण्ड एसोसिएटस, मुंबई 6. मैसर्स शोमे एण्ड बनर्जी, कोलकाता	1. मैसर्स पी पी अग्रवाल एण्ड कंपनी, नई दिल्ली

रजिस्ट्रार एवं शेयरअंतरण एजेंट	बैंकर
अलंकित असाइनमेंट लिमिटेड अलंकित हाइटस, 1ई/13, झंडेवालान एक्सटेंशन नई दिल्ली-110055 दूरभाश : 91-11-4254 1234/1960, फैक्स : 91-11-42541201/23552001 वेबसाइट : www.alankit.com ई–मेल : vijayps1@alankit.com	भारतीय स्टेट बैंक **निम्नलिखित में सूचीबद्ध** 1. बीएसई लिमिटेड 2. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि.



कार्य-निष्पादन
एक नजर में

कार्य–निष्पादन एक नजर में

(मिलियन ₹ में जब तक कि अन्यथा न बताया गया हो)	2017-18*	2016-17*	2015-16*	2014-15	2013-14	2012-13	2011-12	2010-11
वास्तविक								
बेची गई मात्रा (व्यापार के अलावा)								
–खनिज तेल (एमएमटी)	23.67	23.86	24.15	24.11	23.61	23.69	23.09	22.94
–प्राकृतिक गैस (एमएमएम3)	19,494	17,935	17,100	17,983	19,633	20,160	20,202	20,288
–एलपीजी (000टन)	1,186	1,352	1,191	1,090	1,073	1,005	1,033	1,057
–नाफ्था / एआरएन (000टन)	1,180	1,087	1,065	1,124	1,379	1,520	1,557	1,600
–इथेन–प्रोपेन (सी2–सी3) / इथेन/प्रोपेन/ब्यूटेन 000टन)	914	673	401	337	428	425	461	387
–सुपीरियर केरोसिन तेल (000टन)	34	43	66	74	85	106	79	118
वित्तीय								
प्रचालनों से राजस्व	850,041	779,078	777,417	830,935	842,028	833,090	768,871	686,488
लाभांश आय	37,810	16,969	5,712	4,890	3,744	4,615	5,266	5,528
अन्य गैर प्रचालन आय	41,026	59,794	64,382	48,775	63,388	49,752	39,263	28,541
कुल राजस्व	**928,877**	**855,841**	**847,511**	**884,600**	**909,160**	**887,457**	**813,400**	**720,557**
सांविधिक प्रभार	200,984	208,658	195,306	230,993	229,607	223,614	169,902	142,368
प्रचालन व्यय ^	208,863	210,345	202,995	168,176	167,582	173,925	139,812	142,379
बट्टे खाते में डाली गई अन्वेषण लागतें	70,318	50,545	56,643	105,224	78,357	100,431	93,334	82,490
क्रय	-	26	72	44	32	31	25	138
ब्याज, मूल्यह्रास एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईडीटी)	448,712	386,267	392,495	380,163	433,582	389,456	410,327	353,182
मूल्यह्रास, निशेषण, ऋण–परिशोधन एवं टूट–फूट	144,702	121,895	110,999	114,583	109,259	83,736	74,959	76,767
ब्याज एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईटी)	304,010	264,372	281,496	265,580	324,323	305,720	335,368	276,415
वित्तीय लागत	15,085	12,217	13,242	28	4	277	348	251
कर पूर्व लाभ तथा असाधारण मदें	**288,925**	**252,155**	**268,254**	**265,552**	**324,319**	**305,443**	**335,020**	**276,164**
असाधारण मदें	-	-	(32,266)	-			31,405	-
कर पूर्व लाभ	**288,925**	**252,155**	**235,988**	**265,552**	**324,319**	**305,443**	**366,425**	**276,164**
कारपोरेट कर	89,472	73,155	74,589	88,222	103,371	96,186	115,196	86,924
शुद्ध लाभ (पीएटी)	**199,453**	**179,000**	**161,399**	**177,330**	**220,948**	**209,257**	**251,229**	**189,240**
लाभांश	77,642	95,180	49,194	81,277	81,277	81,277	83,416	74,861
लाभांश पर कर	11,521	19,354	10,005	16,256	13,807	13,012	13,286	12,156
शेयर पूंजी	64,166	64,166	42,778	42,778	42,778	42,778	42,777	42,777
आरक्षिति और अधिशेष	1,653,940	1,544,524	1,504,433	1,403,232	1,324,472	1,201,755	1,086,790	932,267
निवल मूल्य (इक्विटी)	1,933,847	1,855,384	1,657,747	1,436,229	1,356,311	1,229,674	1,117,841	967,084
ऋण	255,922	-	-	13,930	-	-	45,000	-
कार्यशील पूंजी	(278,453)	70,395	98,942	94,232	104,061	124,714	97,739	65,392
नियोजित पूंजी	984,459	1,185,309	1,112,137	1,144,995	1,094,412	1,017,636	908,848	796,972
आंतरिक स्रोत सृजन	353,474	281,916	404,040	218,699	327,545	217,402	352,088	311,191
योजनागत व्यय	729,016	280,064	301,104	299,975	324,695	295,079	292,466	282,755
राजकोष में योगदान	376,088	387,341	345,192	421,074	405,750	408,806	382,873	317,759
कर्मचारियों पर व्यय	113,811	115,508	86,970	86,299	104,051	103,302	67,960	67,282
कर्मचारियों की संख्या	32,265	33,660	33,927	33,185	33,911	32,923	32,909	33,273
वित्तीय निष्पादन अनुपात								
पीबीआईडीटी से कुल कारोबार (%)	52.8	49.6	50.5	45.8	51.5	46.7	53.4	51.4
पीबीडीटी से कुल कारोबार (%)	51.0	48.0	48.8	45.7	51.5	46.7	53.3	51.4
असाधारण मदों सहित लाभ मार्जिन (%)	23.5	23.0	20.8	21.3	26.2	25.1	32.7	27.6
कारोबार के प्रति राजकोष में योगदान (%)	44.2	49.7	44.4	50.7	48.2	49.1	49.8	46.3
नियोजित पूंजी पर प्रतिफल (%) (आरओसीई)	27.04	20.87	24.80	22.77	29.29	29.59	36.32	33.99
असाधारण मदों सहित निवल लाभ के प्रति इक्विटी (%)	10.3	9.6	9.7	12.3	16.3	17.0	22.5	19.6
तुलन–पत्र अनुपात								
चालू अनुपात	0.44 : 1	1.55:1	1.72:1	1.46:1	1.55:1	1.72:1	1.41:1	1.34:1
लेनदारी इक्विटी अनुपात	0.13 : 1	-	-	0.0096:1	-	-	0.0398:1	-
लेनदार कारोबार अनुपात (दिवस)	31	28	45	48	33	30	30	21
प्रति शेयर डाटा								
प्रति शेयर आय (₹) #	15.54	13.95	12.58	13.82	17.22	16.31	19.58	14.75
लाभांश (%)	132	121	170	190	190	190	195	175
प्रति शेयर बही मूल्य (₹) (पुनः बताया गया) #	151	145	129	112	106	96	87	75

(मिलियन ₹ में जब तक कि अन्यथा न बताया गया हो)	2009-10	2008-09
वास्तविक		
बेची गई मात्रा (व्यापार के अलावा)		
–खनिज तेल (एमएमटी)	22.33	22.88
–प्राकृतिक गैस (एमएमएम3)	20,598	20,534
–एलपीजी (000टन)	1,108	1,029
–नापथा / एआरएन (000टन)	1,598	1,545
–इथेन / प्रोपेन (000टन)	533	497
–सुपीरियर केरोसिन तेल (000टन)	166	153
वित्तीय		
प्रचालनों से आय (टर्नओवर)	619,832	650,494
लाभांश आय	3,263	2,956
सांविधिक प्रभार	121,841	118,013
प्रचालन व्यय	126,297	123,812
विनिमय हानि / (लाभ)	(4,033)	3,819
क्रय (व्यापार)	139	85,166
ब्याज, मूल्यह्रास एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईडीटी)	375,588	319,684
वसूल की गई लागतें	146,588	120,849
प्रचालन आय (पीबीआईटी)	229,000	198,835
ब्याज (निवल)	(20,839)	(40,314)
कर पूर्व लाभ तथा असाधारण मदें	**249,839**	**239,149**
असाधारण मदें	-	658
कर पूर्व लाभ	**249,839**	**239,807**
कारपोरेट कर	82,163	78,544
शुद्ध लाभ (पीएटी)	**167,676**	**161,263**
लाभांश	70,583	68,444
लाभांश पर कर	11,616	11,632
शेयर पूंजी	21,389	21,389
निवल मूल्य	864,413	780,848
ऋण	50	267
आरक्षिति और अधिशेष	342,714	334,949
नियोजित पूंजी	738,014	640,583
आंतरिक स्रोत सृजन	228,068	172,449
योजनागत व्यय	235,591	218,201
राजकोष में योगदान	280,983	280,496
कर्मचारियों पर व्यय	57,191	47,396
कर्मचारियों की संख्या	32,826	33,035
वित्तीय निष्पादन अनुपात		
पीबीआईडीटी से कुल कारोबार (%)	60.6	49.1
पीबीडीटी से कुल कारोबार (%)	64.0	55.3
लाभ मार्जिन (%)	27.1	24.8
कारोबार के प्रति राजकोष में योगदान (%)	45.3	43.1
नियोजित पूंजी पर प्रतिफल (%) (आरओसीई)	33.50	37.06
निवल लाभ के प्रति इक्विटी (%)	19.4	20.7
तुलन–पत्र अनुपात		
चालू अनुपात	2.38:1	2.26:1
लेनदारी इक्विटी अनुपात	0.00006:1	0.0003:1
लेनदार कारोबार अनुपात (दिवस)	19	23
प्रति शेयर डाटा		
प्रति शेयर आय (₹) असाधारण मदों से पूर्व (पुनः बताया गया) #	13.07	12.53
प्रति शेयर आय (₹) असाधारण मदों के पश्चात (पुनः बताया गया) #	13.07	12.57
लाभांश (%)	330	320
प्रति शेयर बही मूल्य (₹) (पुनः बताया गया) #	67	61

** वित्तीय वर्ष 2017–18, वित्तीय वर्ष 2016–17 तथा वित्तीय वर्ष 2015–16 (इंड एएस के अनुपालन में पुनः बताए गए) हेतु आंकड़ों को कंपनी अधिनियम, 2013 की इंड एएस के साथ अनुपालन वाली अनुसूची–3 की आवश्यकता के अनुसार दिया गया है। वर्ष 2014–15 हेतु आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–3 की आवश्यकताओं के अनुसार दिए गए हैं, वित्तीय वर्ष 2010–11 तथा वित्तीय वर्ष 2013–14 हेतु आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की संशोधित अनुसूची 6 और वित्तीय वर्ष 2007–08 से वित्तीय वर्ष 2009–10 हेतु आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की पुरानी अनुसूची 6 के अनुसार दिए गए हैं।*

इंड एएस 33 'प्रति शेयर अर्जन' के अनुसार प्रति इक्विटी शेयर अर्जन को सभी वर्षों हेतु बोनस इश्यु तथा विभाजन हेतु समायोजित किया गया है। प्रति शेयर बही मूल्य हो भी बोनस तथा विभाजन पश्चत समायोजित किया गया है।

^ स्टाक में (वृद्धि)/कमी, क्रय, प्रावधान तथा पश्चलेखन शामिल है।

***टिप्पणी** :*

1. *टर्नओवर = प्रचालनों से राजस्व*
2. *नियोजित पूंजी = निवल कार्यशील पूंजी + निवल गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य, अन्वेषणात्मक/विकास कुएं तथा निवेश के अतिरिक्त।*
3. *इक्विटी (निवल मूल्य) = इक्विटी शेयर पूंजी और कंपनी के स्वामियों को आरोप्य अन्य इक्विटी।*
4. *ऋण = अल्पावधि ऋण + दीर्घावधि ऋण।*
5. *लाभ अंतर (प्रतिशत) = वर्ष हेतु कर पश्चात लाभ/टर्नओवर।*
6. *कार्यशील पूंजी = वर्तमान परिसंपत्तियाँ (निवेश के अतिरिक्त) – वर्तमान देयताएँ।*
7. *आरओसीई = ब्याज, लाभांश आय और कर पूर्व लाभ (लाभांश आय के अतिरिक्त पीबीआईटी)/ नियोजित पूँजी।*
8. *वर्तमान अनुपात = वर्तमान परिसंपत्तियां (वर्तमान निवेश सहित)/ वर्तमान देयताएँ।*
9. *ऋण इक्विटी अनुपात = कुल ऋण (दीर्घावधि तथा अल्पावधि)/इक्विटी (निवल मूल्य)।*
10. *इक्विटी के प्रति निवल लाभ (प्रतिशत) = वर्ष हेतु कर पश्चात लाभ/इक्विटी (निवल मूल्य)*
11. *देनदार टर्नओवर अनुपात (दिवस) = (औसत प्राप्य/प्रचालनों से राजस्व) *365*
12. *प्रति शेयर अर्जन = कंपनी के स्वामियों को आरोप्य कर पश्चात लाभ/इक्विटी शेयरों की संख्या*
13. *प्रति शेयर बही मूल्य = इक्विटी (निवल मूल्य)/ इक्विटी शेयरों की संख्या*

आय और प्रतिधारित अर्जन का विवरण

(मिलियन ₹ में)	2017-18*	2016-17*	2015-16*	2014-15	2013-14	2012-13	2011-12	2010-11
राजस्व								
बिक्री #								
खनिज तेल (संघनित सहित)	603,899	548,036	511,316	536,638	525,734	533,269	507,873	448,645
प्राकृतिक गैस (गैस विपणन मार्जिन सहित)	137,372	139,398	182,239	187,381	183,291	165,400	141,397	127,544
तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) – घरेलू बाजार	40,352	37,276	34,951	34,380	30,145	31,484	23,711	18,369
ईथेन–प्रोपन (सी2–सी3)/ ईथेन/प्रोपन/ब्यूटेन	24,226	17,264	9,441	10,064	14,837	13,440	12,741	8,796
नापथा	38,084	30,455	30,609	50,835	75,743	76,804	72,167	56,342
केरोसीन (एसकेओ)	1,178	1,321	2,118	2,771	2,779	3,686	1,520	679
एचएसडी	-	421	406	312	522	170	100	-
एलएसएचएस (निम्न सल्फर हैवी स्टाक)/ आरसीओ (अवशिष्ट खनिज तेल)	482	562	412	705	1,295	1,063	1,250	473
विमानन टरबाइन ईंधन	-	-	-	286	220	318	436	527
अन्य	209	131	76	56	87	38	62	3
उप–जोड़	**845,802**	**774,864**	**771,568**	**823,428**	**834,653**	**825,672**	**761,257**	**661,378**
व्यापार की जाने वाली वस्तुओं की बिक्री	-	31	84	60	44	43	34	171
अन्य प्रचालन आय	4,239	4,183	5,765	7,447	7,331	7,375	7,580	24,939
प्रचालनों से राजस्व	**850,041**	**779,078**	**777,417**	**830,935**	**842,028**	**833,090**	**768,871**	**686,488**
लाभांश आय	37,810	16,969	5,712	4,890	3,744	4,615	5,266	5,528
अन्य गैर प्रचालन आय	41,026	59,794	64,382	48,775	63,388	49,752	39,263	28,541
कुल राजस्व	**928,877**	**855,841**	**847,511**	**884,600**	**909,160**	**887,457**	**813,400**	**720,557**
व्यय								
रायल्टी	99,090	115,748	89,591	116,079	114,890	108,094	97,745	71,373
उपकर	99,638	89,045	101,916	102,535	99,734	99,971	57,831	56,963
मोटर स्प्रिट उपकर	-	-	-	-	3	-	-	-
प्राकृतिक आपदा आकस्मिक शुल्क	1,122	1,129	1,137	1,123	1,097	1,101	1,097	1,114
उत्पाद शुल्क	410	2,093	1,990	2,206	3,076	3,093	3,599	3,228
बिक्री कर #	-	-	-	2,586	3,123	3,834	3,339	3,113
सेवा कर	334	289	339	290	439	353	236	227
शिक्षा उपकर	-	-	-	91	2,348	3,111	1,871	1,828
चुंगी और पत्तन न्यास प्रभार #	390	354	333	6,083	4,897	4,057	4,184	4,522
उप–जोड़	**200,984**	**208,658**	**195,306**	**230,993**	**229,607**	**223,614**	**169,902**	**142,368**
प्रचालन व्यय	206,602	210,082	197,672	163,654	165,833	153,839	134,110	136,058
विनिमय हानि–निवल	-	-	1,033	241	1,021	922	3,613	-
क्रय	-	26	72	44	32	31	25	138
स्टाक में (वृद्धि)/ कमी	(630)	(1,329)	352	(1,674)	1,043	(230)	(913)	(129)
बट्टे खाते में डाली गई अन्वेषण लागतें #								
– सर्वेक्षण लागतें	14,801	17,549	15,274	19,146	15,912	15,668	12,409	16,675
– अन्वेषण कूप लागतें	55,517	32,996	41,369	86,078	62,445	84,763	80,925	65,815
मूल्यह्रास, क्षय, परिशोधन और क्षति	**144,702**	**121,895**	**110,999**	**114,583**	**109,259**	**83,736**	**74,959**	**76,767**
प्रावधान और पश्च–लेखन	2,891	1,592	3,938	2,116	2,189	18,863	3,097	6,114
पूर्वावधि व्यय (निवल)	-	-	-	3,839	(2,504)	531	(95)	336
कुल व्यय	**624,867**	**591,469**	**566,015**	**619,020**	**584,837**	**581,737**	**478,032**	**444,142**
ब्याज और कर से पूर्व प्रचालन आय	304,010	264,372	281,496	265,580	324,323	305,720	335,368	276,415
ब्याज भुगतान	**15,085**	**12,217**	**13,242**	**28**	**4**	**277**	**348**	**251**
कर और असाधारण मदों से पूर्व लाभ	**288,925**	**252,155**	**268,254**	**265,552**	**324,319**	**305,443**	**335,020**	**276,164**
असाधारण मदें	-	-	(32,266)	-	-	-	31,405	-
कर पूर्व लाभ	288,925	252,155	235,988	265,552	324,319	305,443	366,425	276,164
कारपोरेट कर (निवल)	**89,472**	**73,155**	**74,589**	**88,222**	**103,371**	**96,186**	**115,196**	**86,924**
कर पश्चात लाभ	**199,453**	**179,000**	**161,399**	**177,330**	**220,948**	**209,257**	**251,229**	**189,240**
अन्य व्यापक आय (ओसीआई)	(31,827)	133,171	6,120	-	-	-	-	-
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	**167,626**	**312,171**	**167,519**	**177,330**	**220,948**	**209,257**	**251,229**	**189,240**
वर्ष के प्रारंभ में प्रतिधारित अर्जन*	**25,704**	**28,692**	**(691)**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
वर्ष हेतु कर पश्चात लाभ	199,453	179,000	161,399	177,330	220,948	209,257	251,229	189,240
निर्धारित लाभ बाध्यता के पुनः मापन से उत्पन्न होने वाली अन्य व्यापक आय, आयकर का निवल	(873)	(2,988)	(297)	-	-	-	-	-
लाभांश	77,642	95,180	49,194	81,277	81,277	81,277	83,416	74,861
लाभांश पर कर	11,521	19,354	10,005	16,256	13,807	13,012	13,286	12,156
सामान्य आरक्षित में अंतरित	110,290	64,466	72,520	79,797	125,864	114,968	154,527	102,223
वर्ष के अंत में प्रतिधारित अर्जन	**24,831**	**25,704**	**28,692**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**

(मिलियन ₹ में)	2009-10	2008-09
राजस्व		
बिक्री		
खनिज तेल	445,053	391,718
प्राकृतिक गैस	73,797	75,528
एलपीजी	21,924	22,752
नापथा/ सुगंधित प्रचुर नापथा	47,137	48,406
ईथेन/प्रोपन	10,249	9,890
सुपिरीयर केरोसीन तेल (एसकेओ)	3,256	16,701
एचएसडी	156	61,910
मोटर स्प्रिट	27	11,062
अन्य	463	1,526
मूल्य संशोधन बकाया	-	-
उप जोड़	**602,062**	**639,493**
पाइपलाइन राजस्व	1,078	2,329
अन्य प्राप्तियां	3,263	2,956
स्टाक में (वृद्धि)/ कमी	12,249	4,905
प्रचालनों से कुल आय	1,180	811
लागत और व्यय	**619,832**	**650,494**
प्रचालन, बिक्री और सामान्य		
(क) रायल्टी	54,832	44,934
(ख) उपकर/उत्पाद शुल्क	56,752	59,174
(ग) प्राकृतिक आपदा आकस्मिक शुल्क	1,062	1,081
(घ) बिक्री कर	2,990	6,910
(ङ) शिक्षा उपकर **	1,719	1,784
(च) चुंगी और पत्तन न्यास प्रभार	4,486	4,130
उप जोड़ (क से च)	**121,841**	**118,013**
पाइपलाइन प्रचालन (मूल्यह्रास के अतिरिक्त)	7,975	6,963
अन्य प्रचालनात्मक लागतें	118,322	116,849
विनिमय हानि	(4,033)	3,819
खरीद	139	85,166
वसूल की गई लागतें		
(क) क्षय	45,302	42,148
(ख) मूल्यह्रास	12,312	14,491
(ग) परिशोधन	89,407	67,320
(घ) क्षति	(433)	(3,110)
उप जोड़ (क से घ)	**146,588**	**120,849**
कुल लागत और व्यय	**390,832**	**451,659**
ब्याज और कर से पूर्व प्रचालन आय	**229,000**	**198,835**
ब्याज		
– भुगतान	686	1,190
– प्राप्तियां	21,525	41,504
– निवल	(20,839)	(40,314)
कर और असाधारण मदों से पूर्व लाभ	**249,839**	**239,149**
असाधारण मदें	-	658
कर पूर्व लाभ	**249,839**	**239,807**
कारपोरेट कर (निवल)	82,163	78,544
कर पश्चात लाभ	**167,676**	**161,263**
वर्ष के प्रारंभ में प्रतिधारित अर्जन *	-	-
वर्ष हेतु कर पश्चात लाभ	167,676	161,263
निर्धारित लाभ बाध्यता के पुनः मापन से उत्पन्न होने वाली अन्य व्यापक आय, आयकर का निवल	-	-
लाभांश	70,583	68,444
लाभांश पर कर	11,616	11,632
सामान्य आरक्षिति में अंतरित	85,477	81,187
वर्ष के अंत में प्रतिधारित अर्जन	-	-

*** वर्ष 2005–06 तक, शिक्षा उपकर को उद्ग्रहणों के संबंधित शीर्षों में शामिल किया गया है।*

** वित्तीय वर्ष 2017–18, वित्तीय वर्ष 2016–17 तथा वित्तीय वर्ष 2015–16 (इंड एएस के अनुपालन में पुनः बताए गए) हेतु आंकड़ों को कंपनी अधिनियम, 2013 की इंड एएस के साथ अनुपालन वाली अनुसूची–3 की आवश्यकता के अनुसार दिया गया है। वर्ष 2014–15 हेतु आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–3 की आवश्यकताओं के अनुसार दिए गए है, वित्तीय वर्ष 2010–11 तथा वित्तीय वर्ष 2013–14 हेतु आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की संशोधित अनुसूची 6 और वित्तीय वर्ष 2007–08 से वित्तीय वर्ष 2009–10 हेतु आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की पुरानी अनुसूची 6 के अनुसार दिए गए हैं।*

इंड एएस 18 'राजस्व' के पैरा 8 के अनुसार वर्ष 2017–18, वर्ष 2016–17 तथा वर्ष 2015–16 हेतु वस्तुओं की बिक्री को बिक्री कर तथा चुंगी के निवल के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

वित्तीय स्थिति का विवरण

(मिलियन ₹ में)	31 मार्च, 2018 के अनुसार*	31 मार्च, 2017 के अनुसार*	31 मार्च, 2016 के अनुसार*
संसाधन			
क. निजी			
1. निवल मूल्य			
क) इक्विटी			
i) इक्विटी शेयर पूंजी	64,166	64,166	42,778
ii) अन्य इक्विटी			
क) अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी लिखत हेतु आरक्षित	215,741	246,694	110,536
ख) अन्य	1,653,940	1,544,524	1,504,433
कुल अन्य इक्विटी	**1,869,681**	**1,791,218**	**1,614,969**
निवल मूल्य (क) #	**1,933,847**	**1,855,384**	**1,657,747**
2. विलंबित कर देयता (निवल)	262,592	221,632	192,973
कुल संसाधन (क + ख)	**2,196,439**	**2,077,016**	**1,850,720**
संसाधनों की स्थिति			
क. गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां			
1) ब्लाक पूंजी			
क) तेल और गैस परिसंपत्तियां ^	1,102,648	955,312	856,787
ख) अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरण ^	92,507	91,875	85,339
ग) अमूर्त परिसंपत्तियां	1,129	883	665
कुल ब्लाक पूंजी	**1,196,284**	**1,048,070**	**942,791**
2) वित्तीय परिसंपत्तियां			
क) दीर्घावधि ऋण और अग्रिम	21,335	28,071	41,488
ख) स्थल पुनरूद्धार निधि योजना के अंतर्गत जमा	159,912	145,387	135,592
ग) अन्य	1,647	1,418	1,486
कुल वित्तीय परिसंपत्तियां	**182,894**	**174,876**	**178,566**
3) अन्य गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां (पूंजीगत अग्रिम को छोड़कर)	6,495	7,349	6,789
4) गैर–वर्तमान कर परिसंपत्तियां	99,464	87,763	74,316
उप–जोड़ (क)	**1,485,137**	**1,318,058**	**1,202,462**
ख. गैर–वर्तमान देयताएं			
क) वित्तीय देयताएं	1,494	2,583	2,313
ख) प्रावधान	213,018	192,852	186,843
ग) अन्य गैर–वर्तमान देयताएं	7,713	7,709	111
उप–जोड़ (ख)	**222,225**	**203,144**	**189,267**
ग. निवल गैर वर्तमान परिसंपत्तियां (क)–(ख)	**1,262,912**	**1,114,914**	**1,013,195**
घ. निवल कार्यशील पूंजी			
1) वर्तमान परिसंपत्तियां			
क) मालसूची	66,889	61,653	56,256
ख) वित्तीय परिसंपत्तियां			
1) प्राप्य व्यापार	77,726	64,762	54,314
2) नकदी और नकदी शेष	10,127	95,108	99,566
3) अल्पावधि ऋण और अग्रिम	14,021	14,269	10,272
4) अन्य	30,418	11,347	23,202
ग) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां	15,984	15,591	34,113
उप–जोड़ (1)	**215,165**	**262,730**	**277,723**
2) वर्तमान देयताएं			
क) वित्तीय देयताएं			
i) अल्पावधि ऋण	255,922	-	-
ii) देय व्यापार	73,345	51,548	51,264
iii) अन्य	122,513	94,969	95,693
ख. अन्य वर्तमान देयताएं	22,893	18,361	16,390
ग) अल्पावधि प्रावधान	12,582	21,328	7,043
घ) वर्तमान कर देयताएं (निवल)	6,363	6,129	8,391
उप–जोड़ (2)	**493,618**	**192,335**	**178,781**
कार्यशील पूंजी (घ) त्र (1)–(2)	**(278,453)**	**70,395**	**98,942**
ङ नियोजित पूंजी (ग+घ)	**984,459**	**1,185,309**	**1,112,137**
च. निवेश			
i) गैर–वर्तमान निवेश	-	36,343	30,032
ii) वर्तमान निवेश	857,308	505,154	368,278
छ. प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य (पूंजीगत अग्रिम सहित)	**113,835**	**126,122**	**132,686**
ज. प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक / विकासात्मक कुएं	**240,837**	**224,088**	**207,587**
समग्र स्थिति (ङ+च+छ+ज)	**2,196,439**	**2,077,016**	**1,850,720**

(मिलियन ₹ में)	31 मार्च, 2015 के अनुसार	31 मार्च, 2014 के अनुसार	31 मार्च, 2013 के अनुसार	31 मार्च, 2012 के अनुसार	31 मार्च, 2011 के अनुसार
संसाधन					
क. निजी					
1. निवल मूल्य					
क) इक्विटी					
i) शेयर पूंजी	42,778	42,778	42,778	42,777	42,777
ii) आरक्षिति एवं अधिशेष	1,403,232	1,324,472	1,201,755	1,086,790	932,267
उप–जोड़ (क)	**1,446,010**	**1,367,250**	**1,244,533**	**1,129,567**	**975,044**
ख) घटाएं : विलंबित राजस्व व्यय	9,781	10,939	14,859	11,726	7,960
निवल मूल्य (क)–(ख)	**1,436,229**	**1,356,311**	**1,229,674**	**1,117,841**	**967,084**
ख. विलंबित कर देयता	177,332	165,787	128,880	111,979	99,504
कुल संसाधन (क + ख)	**1,613,561**	**1,522,098**	**1,358,554**	**1,229,820**	**1,066,588**
संसाधनों की स्थिति					
क. गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां					
1) ब्लाक पूंजी					
क) स्थिर परिसंपत्तियां (निवल) *	314,907	302,792	274,835	216,801	186,395
ख) उत्पादशील संपत्तियां (निवल) / तेल और गैस परिसंपत्तियां ^	667,110	657,833	524,407	463,768	435,757
कुल ब्लाक पूंजी	**982,017**	**960,625**	**799,242**	**680,569**	**622,152**
2) दीर्घावधि ऋण और अग्रिम (पूंजीगत अग्रिमों को छोड़कर)	**193,177**	**181,718**	**221,454**	**254,482**	**239,392**
3) स्थल पुनरूद्धार निधि योजना के अंतर्गत जमा	**125,444**	**113,102**	**101,331**	**91,826**	**81,155**
4) अन्य गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां (डीआरई को छोड़कर)	**4,397**	**3,956**	**4,011**	**2,983**	**2,941**
उप जोड़ (क)	**1,305,035**	**1,259,401**	**1,126,038**	**1,029,860**	**945,640**
ख. गैर–वर्तमान देयताएं					
1) दीर्घावधि प्रावधान :					
क) परित्याग हेतु प्रावधान	227,138	228,022	177,052	176,477	175,608
ख) अन्य दीर्घावधि प्रावधान	26,494	29,178	44,823	36,654	32,627
2) अन्य गैर–वर्तमान देयताएं	640	11,850	11,242	5,620	5,825
उप–जोड़ (ख)	**254,272**	**269,050**	**233,116**	**218,751**	**214,060**
ग. निवल गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां (क)–(ख)	**1,050,763**	**990,351**	**892,922**	**811,109**	**731,580**
घ. कार्यशील पूंजी					
क) वर्तमान परिसंपत्तियां					
i) मालसूची	59,623	58,825	57,044	51,654	41,190
ii) प्राप्य व्यापार	135,783	81,657	68,637	61,948	39,947
iii) नकदी और नकदी शेष	27,601	107,989	132,186	201,246	144,811
iv) अल्पावधि ऋण और अग्रिम	69,477	43,670	37,021	31,237	26,734
v) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां (डीआरई को छोड़कर)	4,933	2,718	4,565	8,633	4,276
उप–जोड़ (क)	**297,417**	**294,859**	**299,453**	**354,718**	**256,958**
ख) वर्तमान देयताएं					
i) अल्पावधि ऋण	13,930	-	-	45,000	-
ii) देय व्यापार	55,611	63,725	53,410	52,612	52,253
iii) अन्य वर्तमान देयताएं	112,867	119,262	112,227	136,941	130,055
iv) अल्पावधि प्रावधान	20,777	7,811	9,102	22,426	9,258
उप–जोड़ (ख)	**203,185**	**190,798**	**174,739**	**256,979**	**191,566**
कार्यशील पूंजी (घ) = (क)–(ख)	**94,232**	**104,061**	**124,714**	**97,739**	**65,392**
ङ नियोजित पूंजी (ग+घ)	**1,144,995**	**1,094,412**	**1,017,636**	**908,848**	**796,972**
च. निवेश					
i) वर्तमान निवेश	-	-	-	8,519	1
ii) गैर–वर्तमान निवेश	181,244	172,042	91,731	43,644	51,827
छ. प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य (पूंजीगत अग्रिम सहित)	128,437	116,516	144,429	182,997	140,316
ज. प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक / विकास कुएं	158,885	139,128	104,759	85,812	77,472
समग्र स्थिति (ङ+च+छ+ज)	**1,613,561**	**1,522,098**	**1,358,554**	**1,229,820**	**1,066,588**

** वित्तीय वर्ष 2017–18, वित्तीय वर्ष 2016–17 तथा वित्तीय वर्ष 2015–16 (इंड एएस के अनुपालन में पुनः बताए गए) हेतु आंकड़ों को कंपनी अधिनियम, 2013 की इंड एएस के साथ अनुपालन वाली अनुसूची–3 की आवश्यकता के अनुसार दिया गया है। वर्ष 2014–15 हेतु आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–3 की आवश्यकताओं के अनुसार दिए गए है, वित्तीय वर्ष 2010–11 तथा वित्तीय वर्ष 2013–14 हेतु आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की संशोधित अनुसूची 6 और वित्तीय वर्ष 2007–08 से वित्तीय वर्ष 2009–10 हेतु आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की पुरानी अनुसूची 6 के अनुसार दिए गए हैं।*

अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी निवेश हेतु आरक्षित शामिल है।

^ टिप्पणी : 1 अप्रैल, 2015 को परिवर्तन तिथि को उत्पादन और संबद्ध सुविधाओं से संबंधित परिसंपत्तियों को वहन मूल्य को अन्य संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण से ''तेल और गैस परिसंपत्तियों'' में पुनः समूहबद्ध किया गया है ताकि तेल एवं गैस परिसंपत्तियों की संचित राशि को प्रदर्शित किया जा सकें।

वित्तीय स्थिति का विवरण

(मिलियन ₹ में)	31 मार्च, 2010 के अनुसार	31 मार्च, 2009 के अनुसार
संसाधन		
क. निजी		
1. निवल मूल्य		
क) इक्विटी		
i) शेयर पूंजी	21,389	21,389
ii) आरक्षिति एवं अधिशेष	851,437	765,965
उप–जोड़	**872,826**	**787,354**
ख) घटाएं : विलंबित राजस्व व्यय	8,413	6,506
निवल मूल्य	**864,413**	**780,848**
2. दीर्घावधि देयताएं		
ख. विलंबित कर देयता	89,182	78,023
कुल संसाधन (1 + 2)	**953,595**	**858,871**
ख. बाहरी		
अप्रतिभूत ऋण		
क) भारतीय ऋण	-	-
ख) विदेशी ऋण	50	267
कुल बाहरी संसाधन	**50**	**267**
कुल संसाधन (क+ख)	**953,645**	**859,138**
संसाधनों की स्थिति		
क. ब्लाक पूंजी		
क) स्थायी परिसंपत्तियां	156,485	104,144
ख) उत्पादनशील संपत्तियां (निवल)	402,822	361,580
घटाएं : परित्याग लागत हेतु देयता	164,007	160,090
कुल ब्लाक पूंजी	**395,300**	**305,634**
ख. कार्यशील पूंजी		
क) वर्तमान परिसंपत्तियां		
i) मालसूची	46,786	40,607
ii) देनदार (प्रावधानों का निवल)	30,586	40,838
iii) नकदी और बैंक शेष	108,279	121,405
iv) स्थल पुनरूद्धार निधि योजना के अंतर्गत बैंक में जमा	74,031	69,557
v) अन्यों को ऋण तथा अग्रिम	278,031	273,593
उप जोड़	**537,713**	**546,000**
घटाएं		
(ख) वर्तमान देयताएं और प्रावधान तथा अल्पावधि ऋण		
(परित्याग तथा क्षति को छोड़कर) *	**194,999**	**211,051**
कार्यशील पूंजी = (क–ख)	**342,714**	**334,949**
ग. नियोजित पूंजी	**738,014**	**640,583**
घ. निवेश	**57,720**	**50,903**
ङ. प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य	**102,414**	**116,965**
च. प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक/विकासात्मक कुएं	**55,497**	**50,687**
समग्र स्थिति (ग+घ+ङ+च)	**953,645**	**859,138**

** वित्तीय वर्ष 2017–18, वित्तीय वर्ष 2016–17 तथा वित्तीय वर्ष 2015–16 (इंड एएस के अनुपालन में पुनः बताए गए) हेतु आंकड़ों को कंपनी अधिनियम, 2013 की इंड एएस के साथ अनुपालन वाली अनुसूची–3 की आवश्यकता के अनुसार दिया गया है। वर्ष 2014–15 हेतु आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–3 की आवश्यकताओं के अनुसार दिए गए हैं, वित्तीय वर्ष 2010–11 तथा वित्तीय वर्ष 2013–14 हेतु आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की संशोधित अनुसूची 6 और वित्तीय वर्ष 2007–08 से वित्तीय वर्ष 2009–10 हेतु आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की पुरानी अनुसूची 6 के अनुसार दिए गए हैं।*

अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी निवेश हेतु आरक्षित शामिल है।

^ टिप्पणी : 1 अप्रैल, 2015 को परिवर्तन तिथि को उत्पादन और संबंद्ध सुविधाओं से संबंधित परिसंपत्तियों को वहन मूल्य को अन्य संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण से ''तेल और गैस परिसंपत्तियों'' में पुनः समूहबद्ध किया गया है ताकि तेल एवं गैस परिसंपत्तियों की संचित राशि को प्रदर्शित किया जा सकें।

मूल्यह्रास और राजकोष में योगदान

(मिलियन ₹ में)	2017-18 *	2016-17 *	2015-16 *	2014-15	2013-14	2012-13
निम्न को आवंटित मूल्यह्रास का ब्यौरा :						
सर्वेक्षण	550	430	433	589	448	567
अन्वेषणात्मक वेधन	4,894	4,111	2,729	3,284	2,506	1,335
विकास	2,317	3,586	3,216	36,774	66,628	62,584
लाभ एवं हानि लेखा	13,293	11,971	13,786	14,367	20,518	14,620
अन्य	389	768	535	298	162	114
कुल	**21,443**	**20,866**	**20,699**	**55,312**	**90,262**	**79,220**
राजकोष में योगदान						
केन्द्रीय						
1. उत्पाद शुल्क	411	2,093	1,990	2,207	3,076	3,093
2. ओआईडी उपकर	99,639	89,053	101,928	102,550	99,740	99,993
3. प्राकृतिक आपदा आकस्मिक शुल्क	1,122	1,129	1,137	1,123	1,097	1,101
4. रायल्टी	45,797	43,783	45,974	35,870	41,965	39,407
5. शिक्षा उपकर	-	-	-	91	2,349	3,112
6. कारपोरेट कर						
क) ओएनजीसी के लेखों पर	61,331	42,915	55,843	76,152	67,646	79,285
ख) विदेशी संविदाकारों हेतु	8	(7)	(38)	25	36	11
7. लाभांश #	52,748	65,439	33,912	56,029	56,153	56,268
8. लाभांश पर कर #	11,521	19,354	10,005	16,256	13,807	13,012
9. सीमा शुल्क	636	2,200	151	77	87	75
10. मुंबई पत्तन न्यास प्रभार	1,219	1,148	1,062	984	884	923
11. केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी)	2,054					
12. एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (आईजीएसटी)	2,411					
उप जोड़	**278,897**	**267,107**	**251,964**	**291,364**	**286,840**	**296,280**
राज्य						
1. बिक्री कर/वैट	39,117	40,212	44,006	43,765	41,344	40,144
2. रायल्टी	53,298	72,007	43,639	80,194	72,971	68,699
3. चुंगी शुल्क आदि	2,424	8,015	5,583	5,751	4,592	3,683
4. मोटर स्प्रिट – उपकर	-	-	-	-	3	-
5. राज्य वस्तु एवं सेवा कर (एसजीएसटी)	2,352					
उप जोड़	**97,191**	**120,234**	**93,228**	**129,710**	**118,910**	**112,526**
सकल जोड़	**376,088**	**387,341**	**345,192**	**421,074**	**405,750**	**408,806**

** वित्तीय वर्ष 2017–18, वित्तीय वर्ष 2016–17 तथा वित्तीय वर्ष 2015–16 (इंड एएस के अनुपालन में पुनः बताए गए) हेतु आंकड़ों को कंपनी अधिनियम, 2013 की इंड एएस के साथ अनुपालन वाली अनुसूची–3 की आवश्यकता के अनुसार दिया गया है। वर्ष 2014–15 हेतु आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–3 की आवश्यकताओं के अनुसार दिए गए है, वित्तीय वर्ष 2010–11 तथा वित्तीय वर्ष 2013–14 हेतु आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की संशोधित अनुसूची 6 और वित्तीय वर्ष 2007–08 से वित्तीय वर्ष 2009–10 हेतु आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की पुरानी अनुसूची 6 के अनुसार दिए गए हैं।*

भारतीय लेखांकन मानकों के अनुसार तुलन–पत्र की तिथि के पश्चात घोषित लाभांश को तुलन–पत्र तिथि को देयता के रूप में मान्यता नहीं दी जाती है। तदनुसार, अंतिम प्रस्तावित लाभांश और तत्संबंधी लाभांश पर कर को वर्ष 2016–17 तथा 2015–16 के लिए शामिल नहीं किया गया है।

मूल्यह्रास और राजकोष में योगदान

(मिलियन ₹ में)	2011-12	2010-11	2009-10	2008-09
निम्न को आवंटित मूल्यह्रास का ब्यौरा :				
सर्वेक्षण	756	1,052	1,181	1,555
अन्वेषणात्मक वेधन	4,844	5,415	4,842	3,005
विकास	52,782	41,734	34,098	24,426
लाभ एवं हानि लेखा	13,395	19,993	12,201	14,434
अन्य	16	156	105	136
कुल	**71,793**	**68,350**	**52,427**	**43,556**
राजकोष में योगदान				
केन्द्रीय				
1. उत्पाद शुल्क	3,599	3,228	2,214	3,386
2. ओआईडी उपकर	57,852	57,005	54,545	55,799
3. प्राकृतिक आपदा आकस्मिक शुल्क	1,098	1,115	1,062	1,082
4. रायल्टी	36,144	36,519	32,190	31,394
5. शिक्षा उपकर	1,872	1,830	1,719	1,784
6. कारपोरेट कर			-	
क) ओएनजीसी के लेखों पर	102,722	76,628	71,203	79,770
ख) विदेशी संविदाकारों हेतु	73	27	7	277
7. लाभांश #	60,372	55,502	52,330	50,744
8. लाभांश पर कर #	13,286	12,156	11,616	11,632
9. सीमा शुल्क	96	44	125	354
10. मुंबई पत्तन न्यास प्रभार	855	891	793	657
11. केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी)				
12. एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (आईजीएसटी)				
उप जोड़	**277,969**	**244,945**	**227,804**	**236,879**
राज्य				
1. बिक्री कर/वैट	39,393	33,711	26,355	26,258
2. रायल्टी	61,648	34,890	22,649	13,551
3. चुंगी शुल्क आदि	3,863	4,213	4,176	3,808
4. मोटर स्प्रिट – उपकर	-	-	-	-
5. राज्य वस्तु एवं सेवा कर (एसजीएसटी)				
उप जोड़	**104,904**	**72,814**	**53,180**	**43,617**
सकल जोड़	**382,873**	**317,759**	**280,984**	**280,496**

** वित्तीय वर्ष 2017–18, वित्तीय वर्ष 2016–17 तथा वित्तीय वर्ष 2015–16 (इंड एएस के अनुपालन में पुनः बताए गए) हेतु आंकड़ों को कंपनी अधिनियम, 2013 की इंड एएस के साथ अनुपालन वाली अनुसूची–3 की आवश्यकता के अनुसार दिया गया है। वर्ष 2014–15 हेतु आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–3 की आवश्यकताओं के अनुसार दिए गए है, वित्तीय वर्ष 2010–11 तथा वित्तीय वर्ष 2013–14 हेतु आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की संशोधित अनुसूची 6 और वित्तीय वर्ष 2007–08 से वित्तीय वर्ष 2009–10 हेतु आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की पुरानी अनुसूची 6 के अनुसार दिए गए हैं।*

भारतीय लेखांकन मानकों के अनुसार तुलन–पत्र की तिथि के पश्चात घोषित लाभांश को तुलन–पत्र तिथि को देयता के रूप में मान्यता नहीं दी जाती है। तदनुसार, अंतिम प्रस्तावित लाभांश और तत्संबंधी लाभांश पर कर को वर्ष 2016–17 तथा 2015–16 के लिए शामिल नहीं किया गया है।



ओएनजीसी की तातीपाका मिनी रिफाइनरी का रात्रि का दृश्य।

ऊर्जा एवं वित्तीय पारिभाषिक शब्दावली

क. ऊर्जा शब्दावली

मूल्यांकन कूप : मूल्यांकन वेधन कार्यक्रम के भाग के रूप में वेधित एक कूप हैं, जिसे तेल तथा गैस भंडार और उनकी विशेषताएँ तथा इसके अंतर्गत पाने योग्य पेट्रोलियम की मात्रा के वास्तविक सीमा निर्धारण करने के लिए वेधन किया जाता है।

कंडेन्सेट : प्राकृतिक गैस के साथ उत्पादित द्रव हाइड्रोकार्बन जिन्हें ठंडा करके तथा अन्य तरीकों से अलग किया जाता है।

विकास : तेल या प्राकृतिक गैस की खोज होने के बाद, इनका उत्पादन प्रारम्भ करने के लिए आवश्यक वेधन तथा संबंधित गतिविधियाँ।

विकासात्मक कूप : तेल तथा गैस आगार के प्रमाणित क्षेत्र में उत्पादनशील माने गये संस्तर की गहराई तक वेधित कूप।

अभिवर्धित प्रतिप्राप्ति : तेल तथा प्राकृतिक गैस क्षेत्रों से लम्बे समय तक उत्पादन करने या उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रयोग की जाने वाली तकनीक।

अन्वेषण : तेल तथा/अथवा प्राकृतिक गैस की खोज, जिसमें स्थलाकृतिक सर्वेक्षण, भौमिकीय अध्ययन, भूभौतिकीय सर्वेक्षण, भूकम्पीय सर्वेक्षण तथा कूप वेधन शामिल हैं।

अन्वेषणात्मक कूप : यह कूप विकास कूप, एक सर्विस कूप अथवा एक स्तर विन्यास परीक्षण करने वाला कूप नहीं है अर्थात् विशिष्ट भूगर्भिक स्थिति से संबंधित सूचना प्राप्त करने के उद्देश्य से ऐसे क्षेत्र में वेधित किया गया कूप, जो प्रमाणिक नही होता है।

हैवी कट : ये अपेक्षाकृत अधिक भारी हाइड्रोकार्बन हैं, जो केरोसिन प्रतिप्राप्ति प्रक्रिया की प्रभाजन इकाई में वहाँ से पाये जाते हैं जहाँ अधिक सुगंधित नेप्था तथा उत्कृष्ट केरोसिन तेल की प्राप्ति के लिए प्राकृतिक गैस द्रव का प्रसंस्करण किया जाता है।

एकीकृत पेट्रोलियम कंपनी : एकीकृत पेट्रोलियम कंपनी से तात्पर्य है, इस उद्योग से संबंधित सभी पहलुओं, खनिज तेल तथा प्राकृतिक गैस के अन्वेषण और उत्पादन (अपस्ट्रीम) से लेकर इन उत्पादों के परिशोधन, विपणन तथा परिवहन (डाउनस्ट्रीम) में संलग्न कंपनी से है।

द्रवित प्राकृतिक गैस (एलएनजी) : एक विशेष प्रकार से डिजाइन किये गये वेसल में भंडारण और परिवहन के लिए अत्यधिक ठंडे तापमान तथा उच्च दाब पर द्रवित की गई गैस।

द्रवित पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) : ब्यूटेन और प्रोपेन जैसी हल्की गैसें, जिन्हें निम्न दाब पर द्रव के रूप में रखा जा सकता है।

खनन लीज : विकास और उत्पादन गतिविधियां निष्पादित करने के लिए अपतटीय और अभितटीय संपत्तियों हेतु जारी लाइसेंस।

प्राकृतिक गैस द्रव (एनजीएल) : प्राकृतिक गैस से पृथक किये गए उत्पाद, इनमें ईथेन, प्रोपेन, ब्यूटेन और प्राकृतिक गैसोलिन शामिल हैं।

तेल समतुल्य गैस (ओईजी) : प्राकृतिक गैस की मात्रा जिसे जलाकर एक बैरल तेल को जला कर प्राप्त उष्मा के बराबर मात्रा में ऊष्मा प्राप्त की जा सकती है। (6,000 घनफीट गैस एक बैरल तेल के बराबर होती है)।

पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस : अन्वेषण गतिविधियों को करने के लिए अपतटीय और अभितटीय संपत्तियों हेतु जारी किए गए लाइसेंस।

भूभंडार (रिजर्व) : भूमिगत शैल खंडों के आगारों में विद्यमान तेल एवं प्राकृतिक गैस को भूभंडार कहा जाता है। प्रमाणित भूभंडार से तात्पर्य उस अनुमानित मात्रा से है जो भूवैज्ञानिक और अभियांत्रिकी आँकड़े प्रदर्शित करते हैं और जिसे वर्तमान आर्थिक तथा प्रचालनगत स्थितियों में ज्ञात तेल भंडारों से युक्तिसंगत निश्चितता के साथ उत्पादित किया जा सकता है। नयी सूचनाएँ प्राप्त होने पर भूभंडार संबंधी अनुमान बदल जाते हैं। प्रतिप्राप्य भूभंडार उन्हें कहेंगे, जिनसे सभी ज्ञात, प्राथमिक व संवर्धित प्रतिप्राप्ति विधियों का उपयोग कर उत्पादन किया जा सके।

सेवा कूप (सर्विस वेल) : सेवा कूप किसी मौजूदा क्षेत्र में उत्पादन को संभालने के प्रयोजन से सुवेधित अथवा संपन्न कूप है। इस श्रेणी के कूप गैस अंतःक्षेपण, जल अंतःक्षेपण, वाष्प अंतःक्षेपण, वायु अंतःक्षेपण, पॉलिमर अंतःक्षेपण, लवण जल निपटान, अंतःक्षेपण हेतु जल आपूर्ति, प्रेक्षण, अथवा दहन हेतु अंतःक्षेपण के लिए वेधित किया जाता है।

उत्पादन इकाई पद्धति : मूल्यह्रास (निःशेषण) की वह पद्धति है जिसके अंतर्गत उत्पादन की संख्या के आधार पर मूल्यह्रास (निःशेषण) या उद्यम द्वारा परिसंपत्तियों से प्राप्त होने वाली समान ईकाइयों का आकलन किया जाता है।

वर्क – ओवर : कूप के भीतर उपकरण के लिए उपचारी कार्य तथा कूप पाइप कार्य या दर प्रवाह में वृद्धि से संबंधित कार्य करने के लिए किए गए प्रयास।

ख. वित्तीय शब्दावली

लेखा नीतियाँ : विशिष्ट लेखांकन सिद्धांतों और वित्तीय विवरणों को तैयार करने और प्रस्तुत करने में एक उद्यम द्वारा उन सिद्धांतों को लागू करने की पद्धति।

लेखांकन का प्रोद्भवन आधार : लेन–देन रिकॉर्डिंग की पद्धति जिसके द्वारा राजस्व, व्यय, परिसंपत्ति और देयताओं को उन प्रोद्भूत अवधि के लेखों में दर्शाया जाता है। लेखांकन का प्रोद्भूत आधार में आस्थगित, आबंटन, मूल्यह्रास और ऋण

परिशोधन से संबंधित विचार शामिल है। इस आधार को वाणिज्य लेखांकन आधार के रूप में भी जाना जाता है।

अधिग्रहण लागत : इनमें प्रमाणित अथवा अप्रमाणित सम्पत्ति अथवा खनिज अधिकार खरीदने, लीज़ पर लेने अथवा अन्यथा अर्जित करने पर होने वाली सभी लागत सम्मिलित होती हैं। इनमें लीज़/सिग्नेचर बोनस, ब्रोकर्स का शुल्क, कानूनी लागत, किसानों को भुगतान किए गए फसल क्षतिपूर्ति सहित भूमि के अस्थाई अधिकार की लागत, फर्म इन प्रबन्ध हेतु क्षतिपूर्ति तथा इन अधिकारों को अर्जित करने में होने वाले सभी अन्य लागत सम्मिलित होती है। अधिग्रहण लागतों को वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियों के अन्तर्गत महत्त्वपूर्ण लेखाकरण नीतियों पर लेखा टिप्पणी सं. 3.10.(ii) में स्वीकार किया गया है।

अवशोषण लागत : वह पद्धति जिसमें लागत को परिवर्ती तथा निर्धारित दोनों के उचित अंश को शामिल कर निर्धारित किया जाता है।

तुलन–पत्र : किसी दी गई तारीख को उद्यम की वित्तीय स्थिति का विवरण, जो उनसे संबंधित बही मूल्यों पर परिसंपत्तियों, देयताओं, पूँजी, भंडार और अन्य लेखा शेष दर्शाते हैं।

बही मूल्य : बही लेखा या वित्तीय विवरणों में मदों की राशि को दर्शाया जाता है। राशि जिसको किसी विशेष आधार पर भेजा नहीं जाता अर्थात् लागत, प्रतिस्थापन मूल्य आदि पर निर्धारित किया जाता है।

समान नियंत्रण के अधीन होने वाले व्यापार संयोजन : समान नियंत्रण के अधीन होने वाले किसी निकाय या व्यापार में सम्मिलित होने वाले किसी व्यापार संयोजन में एक ऐसा व्यापार संयोजन होता है जिसमें सभी सम्मिलित निकायों या व्यापारों को अंततः समान पक्षकार या पक्षकारों द्वारा व्यापार संयोजन से पूर्व तथा पश्चात नियंत्रित किया जाता है तथा यह नियंत्रण अस्थायी नहीं होता है।

पूँजीगत प्रतिबद्धता : किए गए करारों के प्रति पूँजीगत व्यय के लिए भावी देयता।

नियोजित पूँजी : किसी उद्यम द्वारा अपनी शुद्ध स्थायी परिसंपत्तियों, निवेशों और कार्यशील पूँजी में नियोजित वित्त। हालांकि किसी प्रचालन में नियोजित पूँजी उस प्रचालन से बाहर किये गये निवेश से अलग हो सकती है।

पूँजी आरक्षिति : किसी निगमित उद्यम की आरक्षिति जो लाभांश के रूप में वितरण हेतु उपलब्ध नहीं होती है।

आकस्मिक परिसंपत्ति एक संभाव्य परिसंपत्ति है जो पूर्व की घटनाओं से उत्पन्न होती है और जिसके अस्तित्व की पुष्टि कंपनी के पूरी तरह अनधिन एक अथवा अधिक भावी घटनाओं के घटित होने अथवा न होने पर ही होगी।

आकस्मिक देयता एक संभावित देयता है जो पूर्व की घटनाओं से उत्पन्न होती है परंतु मान्य नहीं होती है क्योंकि :

(i) इसकी संभावना नहीं होती है कि देयता निस्तारित करने के लिए आर्थिक लाभों वाले संसाधनों के बहिप्रवाह की आवश्यकता होगी; अथवा

(ii) देयता की राशि पर्याप्त विश्वसनीयता के साथ मापी नहीं जा सकती है।

चालू परिसंपत्तियाँ : किसी भी परिसंपत्ति को चालू परिसंपत्ति के रूप में तभी वर्गीकृत किया जाएगा, जब यह निम्नलिखित में से किसी भी मापदंड को पूरा करता हो :

(क) जब यह कंपनी के सामान्य प्रचालन चक्र में बिक्री अथवा खपत के लिए अपेक्षित होती है अथवा अभीष्ट होती है।

(ख) यह मुख्य रूप से व्यापार के उद्देश्य से रखी जाती है ।

(ग) इसका रिपोर्टिंग तिथि के बारह माह के अंदर वसूली की जानी अपेक्षित होती है; अथवा

(घ) यह नकद और नकद तुल्य होती है जब तक कि यह विनिमय करने अथवा रिपोर्टिंग तिथि के कम से कम बारह माह के पश्चात देयता निस्तारित करने के लिए प्रतिबंधित न हो।

चालू देयताएँ : किसी भी देयता को चालू देयता के रूप में तभी वर्गीकृत किया जाएगा, जब यह निम्नलिखित में से किसी भी मापदंड को पूरा करता हो :

(क) यह कंपनी के सामान्य प्रचालन चक्र में निस्तारन के लिए अपेक्षित होती है ।

(ख) यह मुख्य रूप से व्यापार के उद्देश्य से रखी जाती है ।

(ग) इस देय को रिपोर्टिंग तिथि के बारह माह के अंदर निपटान किया जाना अपेक्षित होता है।

(घ) कंपनी को रिपोर्टिंग तिथि के बाद कम से बारह माह के लिए देयता के निर्धारण को आस्थगित करने का कोई स्पष्ट अधिकार नहीं होता है ।

उपकर : यह लेवी तेल उद्योग (विकास) अधिनियम, 1974 के अधीन रिफाइनरी में अभिस्वीकृत एवं प्राप्त उत्पादित खनिज तेल पर लगायी जाती है तथा केन्द्र सरकार को दी जाती है।

सेवामुक्ति, पुनःप्रचलन लागत /प्रावधान : ये लागतें सभी प्रचालनों को बंद करने तथा संपत्ति स्वामित्व स्वामी को लौटा देने पर वहन की जाती हैं। ये लागतें कूप को बंद करने तथा परित्याग, वेलहेड का विघटन, उत्पादन तथा परिवहन सुविधाएँ और उत्पादनशील क्षेत्रों के पुनरुद्धार से संबंधित हैं। सेवामुक्ति लागत को वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणियों के अन्तर्गत महत्त्वपूर्ण लेखाकरण नीतियों पर लेखा टिप्पणी सं. 3.13 में स्वीकार किया गया है। जहाँ धनराशि का समय मान का प्रभाव महत्वपूर्ण है, इन लागतों को देयता के निपटान के लिए प्रत्याशित व्यय के वर्तमान मान पर स्वीकार करना आवश्यक होता है।

विकास लागत : उत्पादन के लिए प्रमाणित भूभंडारों को उत्पादन हेतु तैयार करने अर्थात् प्रमाणित भूभंडारों को प्राप्त करने तथा तेल और गैस को निकालने, उनको संसाधित करने, एकत्र करने तथा भण्डारण के लिए सुविधा प्रदान करने पर वहन हुई लागत।

मूल्यह्रास विधि : उपयोग की गयी मूल्यह्रास विधि उस पद्धति को दर्शाती है जिससे परिसंपत्ति का भावी आर्थिक लाभ का उपभुक्त होना प्रत्याशित होता है। किसी परिसंपत्ति के मूल्यह्रास राशि का निर्धारण इसके उपयोगिता अवधि की तुलना में एक प्रणालीगत आधार पर क्षय राशि आवंटित करने के लिए विभिन्न मूल्यह्रास पद्धति का उपयोग किया जा सकता है। इन पद्धतियों में सरल रेखा पद्धति, ह्रास शेष प्रणाली और उत्पादन इकाई पद्धति शामिल हैं।

लाभांश : लाभ अथवा इस उद्देश्य के लिए उपलब्ध आरक्षिति में से शेयरधारकों को वितरित की जानेवाली धनराशि।

प्रभावी ब्याज दर पद्धति : यह किसी वित्तीय परिसंपत्ति या किसी वित्तीय देयता की परिशोधित लागत की गणना करने और प्रासंगिक अवधि में ब्याज आय अथवा ब्याज व्यय आवंटित करने की एक पद्धति है। प्रभावी ब्याज दर वह दर है जो वित्तीय परिसंपत्ति के अपेक्षित जीवन या किसी वित्तीय परिसंपत्ति की सकल चलन राशि या वित्तीय देनदारी के परिशोधित लागत के लिए वित्तीय देयता के प्राक्कलित भावी नकद भुगतान या प्राप्तियों की ठीक–ठीक कटौती करता है।

व्यय : परिसंपत्तियों, उत्पादों और सेवाओं को प्राप्त करने के उद्देश्य से देयता का वहन, नकदी का वितरण और संपत्ति का हस्तांतरण करना।

खर्च : किसी लेखांकन अवधि में प्रचालनों से संबंधित लागत अथवा अवधि के दौरान अर्जित राजस्व जअथवा लाभ जो उस अवधि के बाद नहीं दिये जाते हैं।

अन्वेषण लागत : यह सम्पदा के अन्वेषण पर वहन हुई लागत है। अन्वेषण में क्षेत्रों की शिनाख्त करना, आवश्यकतानुसार उनका परीक्षण करना, विशिष्ट क्षेत्रों की जाँच–पड़ताल तथा अन्वेषणात्मक कूपों का वेधन कार्य करना भी शामिल है।

अपलिखित अन्वेषण लागत : यह वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों के अंतर्गत विशिष्ट लेखा नीतियों पर टिप्पणी सं. 3.8 (ii) और 3.10 (iii) के अनुरूप लेखों में सर्वेक्षण व्यय और शुष्क कूप व्यय से संदर्भित है।

उचित मूल्य : वह मूल्य जो किसी परिसंपत्ति का विक्रय करने से प्राप्त होता है अथवा किसी देयता को मापन तिथि को बाजार प्रतिभागियो के बीच एक व्यवस्थित लेनदेन में हस्तांरित करने के लिए भुगतान किया जाता है।

प्रथम आगत, प्रथम निर्गत (एफआईएफओ) : किसी अवधि के दौरान बिक्रीत अथवा उपभुक्त मदों की लागत की गणना जो उनकी प्राप्ति के क्रम में विक्रीत अथवा उपभुक्त हो।

वित्तीय परिसंपत्ति : वह परिसंपत्ति है जो नकद है, किसी अन्य कंपनी का एक इक्विटी लिखत है, किसी अन्य कंपनी से नकद या कोई अन्य वित्तीय परिसंपत्ति प्राप्त करने या किसी अन्य कंपनी से वित्तीय परिसंपत्तियां अथवा वित्तीय देयताओं का उन शर्तों के अधीन विनिमय करने का संविदात्मक अधिकार है जो संभावित रूप से कंपनी के पक्ष में हो; अथवा एक संविदा जिसका कंपनी के स्वयं के इक्विटी लिखत में भुगतान किया जा सकता है और गैर व्युत्पन्न है जिसके लिए कंपनी अपने स्वयं के इक्विटी लिखत अथवा एक व्युत्पन्न जिसे कंपनी के इक्विटी लिखतों की एक निश्चित संख्या के लिए नकदी की निश्चित राशि अथवा अन्य वित्तीय परिसंपत्ति के विनिमय द्वारा के अलावा, की परिवर्ती संख्या प्राप्त करता है या प्राप्त करने के लिए बाध्य है।

वित्तीय लिखत : एक ''वित्तीय लिखत'' को किसी अनुबंध के रूप में परिभाषित किया जाता है जो एक कंपनी की वित्तीय परिसंपत्ति को बढ़ाता है और जो किसी अन्य कंपनी की एक वित्तीय देयता अथवा इक्विटी लिखत है।

वित्तीय देयता एक देयता है जो एक दूसरी कंपनी के साथ वित्तीय परिसंपत्तियों अथवा वित्तीय देयताओं का इस शर्त के साथ कि वह संभावित रूप से उस कंपनी के अनुकूल हो, विनिमय करने के लिए है, जो कि एक अन्य कंपनी को नकद (अर्थात् एक देय) अथवा एक अन्य वित्तीय परिसंपत्ति प्रदान करने का एक संविदात्मक दायित्व है; अथवा एक संविदा जो कंपनी के स्वयं की इक्विटी लिखतों से निस्तारित किया जा सकता है और एक गैर – व्युत्पन्न संविदा है जिसके लिए वह कंपनी अपनी स्वयं के इक्विटी लिखतों (अर्थात् एक लिखत जो उस लिखत की धारित राशि के मूल्य के स्वयं के शेयरों में शोध्य है) की परिवर्ती संख्या प्रदान करने के लिए बाध्य है।

स्थायी लागत : उत्पादन की वह लागत जो अपनी भिन्न – भिन्न प्रकृति के होने पर भी एक निर्धारित अवधि के भीतर उत्पादन की मात्रा में परिवर्तन से अप्रभावित रहती है।

मूलभूत लेखांकन मान्यताएँ : मूलभूत लेखांकन मान्यताएँ जो वित्तीय विवरणों को तैयार करने और प्रस्तुतीकरण का आधार होती हैं। ये प्रचलित, सुसंगत और प्रोद्भवन होती हैं। हालांकि इनका कहीं उल्लेख नहीं किया जाता है, क्योंकि इनकी स्वीकार्यता और उपयोग कल्पित है। इनका अनुपालन न किये जाने पर इनका प्रकटन आवश्यक है।

मालसूची : व्यवसाय की सामान्य अवधि के दौरान बिक्री हेतु रखी गयी मूर्त संपत्ति, अथवा ऐसी बिक्री हेतु प्रक्रियाधीन उत्पादन अथवा माल के उत्पादन में खपत हेतु अथवा बिक्री हेतु सेवाएँ जिसमें मशीनरी के कलपुर्जों के अतिरिक्त अन्य अनुरक्षण आपूर्तियों तथा उपभोज्य का रख–रखाव शामिल है।

निवेश : ब्याज, आय, लाभ अथवा अन्य लाभ प्राप्त करने के लिए रखी गयी परिसंपत्तियों पर व्यय।

संदिग्ध ऋणों की क्षति : वसूली के लिए संदिग्ध माने जाने वाले कर्ज हेतु किया गया प्रावधान।

देयता : किसी कंपनी की देयता पिछली घटनाओं से उत्पन्न एक वर्तमान दायित्व है, जिसके निस्तारण से कंपनी के आर्थिक लाभ निहित साधनों का बहिर्वाह होना अपेक्षित है।

भौतिकता :ऐसी लेखांकन संकल्पना जिसके अनुसार सभी आवश्यक समझी जानेवाली महत्वपूर्ण और संबंधित मदें अर्थात् मदों की जानकारी जो वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं के निर्णयों को प्रभावित कर सकती है, वित्तीय विवरणों में प्रकट की जाती है। भौतिकता आसपास की परिस्थितियों में की गयी चूक अथवा गलती के आकार अथवा प्रकृति पर निर्भर करती है। मद का आकार अथवा उसकी प्रकृति, अथवा दोनों का संयोजन, निर्धारक कारक हो सकता हैं।

शुद्ध परिसंपत्तियाँ : किसी उद्यम की देयताओं से अधिक परिसंपत्तियों (कल्पित परिसंपत्तियों को छोड़कर) का बही मूल्य। इसे शुद्ध मूल्य अथवा शेयरधारकों की निधि भी कहा जाता है।

शुद्ध लाभ : किसी विशेष लेखा अवधि के दौरान व्यय से अधिक राजस्व। जब इस गणना का परिणाम ऋणात्मक होता है, तो इसे शुद्ध हानि कहा जाता है। शुद्ध लाभ को कर से पूर्व अथवा कर के बाद दर्शाया जा सकता है। निवल लाभ / हानि में अन्य व्यापक आय शामिल नहीं होती है।

शुद्ध वसूली योग्य मूल्य : व्यवसाय की सामान्य अवधि के दौरान किसी परिसंपत्ति के वास्तविक/अनुमानित बिक्री मूल्य में से समापन की लागत तथा बिक्री हेतु आवश्यक वहन की जा सकने वाली लागत को घटाने के बाद का मूल्य है।

गैर चालू परिसंपत्ति : चालू परिसंपत्तियों को छोड़कर सभी परिसंपत्तियाँ गैर चालू परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत हैं ।

गैर चालू देयताएँ : चालू देयताओं को छोड़कर सभी देयताएँ गैर चालू देयताओं के रूप में वर्गीकृत हैं ।

गैर–नियंत्रक हित : गैर–नियंत्रक हित अनुषंगी कंपनियों में आय, अन्य व्यापक आय और निवल परिसंपत्तियों के उस अनुपात का प्रतिनिधित्व करते हैं जो कंपनी के शेयरधारकों पर आरोप्य नहीं है।

शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) : यह भावी नकद अंतःप्रवाह में से वर्तमान नकद बहिःप्रवाह को घटाने के बाद का वर्तमान (कटौती) मूल्य है।

तेल एवं गैस परिसंपत्तियां : इन्हें प्रमाणित विकसित तेल एवं गैस भंडार वाले किसी क्षेत्र / फील्ड के प्रति सृजित की जाती हैं। तेल एवं गैस परिसंपत्तियों में सफल अन्वेषणात्मक कूप, सभी विकासात्मक कूप, सेवा कूप, उत्पादन संयंत्र और अनुमानित भावी परित्याग लागत शामिल होती है।

अप्रचलन : किसी परिसंपत्ति का पुराना होना अथवा प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों के कारण कम उपयोगी होना, उत्पादन पद्धति में सुधार होना, उत्पादों की बाजार माँग में परिवर्तन होना अथवा परिसंपत्ति के सर्विस आउटपुट अथवा विधिक या अन्य प्रतिबंधों के कारण उसके मूल्य में कमी होना।

प्रचालन चक्र : प्रचालन चक्र प्रसंस्करण हेतु परिसंपत्तियों के अधिग्रहण तथा नकद अथवा नकद समकक्ष में उनकी प्राप्ति के बीच का समय होता है।

अन्य व्यापक आय (ओसीआई) : ओसीआई में आय और व्यय मदों से बना होता है; पुनर्वगीकरण (समायोजन सहित) जो भारतीय लेखांकन मानकों द्वारा यथा अपेक्षित अथवा अनुमत लाभ अथवा हानि में मान्य नहीं होते हैं। ये वस्तुतः दीर्घावधि परिसंपत्तियों अथवा देयताओं पर अप्राप्त लाभ अथवा हानि होती हैं। ओसीआई के घटकों में : पुनर्मूल्यांकन अधिशेष में परिवर्तन, परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनः मापन, किसी विदेशी परिचालनों के वित्तीय विवरणों की परिणति से उत्पन्न लाभ और हानियां, अन्य व्यापक आय इत्यादि के माध्यम से उचित मूल्य पर निर्दिष्ट / परिमित मदों की लाभ और हानियां, शामिल हैं।

संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर (स्थायी परिसंपत्तियाँ) : वस्तु अथवा सेवाओं उत्पादित करने अथवा प्रदान करने के प्रयोजन से धारित परिसंपत्तियाँ और जो व्यवसाय के सामान्य प्रचालन चक्रों में पुनर्बिक्री के लिए धारित नहीं है।

प्रावधान : प्रावधान एक अनिश्चित समय अथवा राशि की देयता है जिसकी वास्तविक शुद्धता निर्धारित नहीं की जा सकती हो।

भागीदारी हित : उत्पादन भागीदारी संविदा (पीएससी) में प्रत्येक पार्टी के अधिकार एवं दायित्व में प्रतिशत के रूप में दर्शाए गए शेयर हैं।

उत्पादन लागत : सतह तक तेल तथा गैस को उठाने तथा उन्हें एकत्र करने, संसाधित करने तथा भंडारण पर वहन हुई लागत।

रॉयल्टी : यह पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के अधीन लगायी जानेवाली लेवी है जो राज्य या केन्द्र सरकार द्वारा (अपतट के मामले में केन्द्र सरकार) खनिज तेल तथा प्राकृतिक गैस निकालने के लिए पट्टा देने के बदले वसूली जाती है।

पुनःप्राप्ति लागत : यह लेखों में भारित मूल्यह्रास, निःशेषण, टूट–फूट से हानि तथा ऋण परिशोधन का द्योतक है। यह गैर–नकदी लागत है।

क) **मूल्यह्रास :** मूल्यह्रास योग्य किसी परिसंपत्ति के उपयोग काल में मूल्यह्रास योग्य राशि का प्रणालीगत आवंटन है। यह वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों के तहत महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों से संबंधित टिप्पणी सं. 3.7 में यथा उल्लिखित प्रावधानित एवं आवंटित है।

ख) **निःशेषण :** क्षरणशील परिसंपत्ति (तेल एवं गैस परिसंपत्ति) के क्षय की एक माप, जिसे लागत के आवधिक अपलेखन द्वारा दर्शाया जाता है। इसकी गणना संबंधित पूँजी लागत को हाइड्रोकार्बन भंडार से विभाजित कर ऋण तथा उत्पादन से गुणित कर ऋण परिशोधन आधार बनाकर की जाती है। यह वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों के तहत महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों से संबंधित टिप्पणी सं. 3.11 के अनुसार लेखा में स्वीकृत है।

ग) **टूट – फूट से हानि** : टूट – फूट से हानि उसकी वसूली योग्य राशि से अधिक परिसंपत्ति की वहन राशि है। लेखों में टूट – फूट से हानि वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों के तहत महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों से संबंधित टिप्पणी सं. 3.9 के अनुसार लेखा में स्वीकृत है।

घ) **ऋण परिशोधन** : इसका तात्पर्य वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों के तहत महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों से संबंधित टिप्पणी सं. 3.8 के अनुरूप अमूर्त परिसंपत्तियों की परिशोधित राशि है।

लाभ और हानि विवरण : वित्तीय विवरण जो किसी लेखा अवधि के दौरान किसी उद्यम के राजस्व और व्यय को दर्शाता है तथा व्यय से अधिक राजस्व (अथवा इसके विपरीत) को दर्शाता है। इसे लाभ और हानि लेखा के नाम से भी जाना जाता है।

कुल व्यापक आय (टीसीआई) : टीसीआई, स्वामियों के साथ स्वामी के रूप में उनकी हैसियत से, लेन–देन के परिणामस्वरूप हुए परिवर्तनों के अलावा, लेन–देन और अन्य घटनाओं के परिणामस्वरूप किसी अवधि के दौरान इक्विटी में संशोधन है। कुल व्यापक आय में 'लाभ अथवा हानि' और अन्य व्यापक आय के सभी घटक शामिल होते हैं।

व्यापार प्राप्य : एक प्राप्य व्यापार प्राप्य में वर्गीकृत तभी होता है, जब यह राशि सामान्य व्यवसाय की अवधि में बेचे गये सामान अथवा प्रदान की गयी सेवाओं के लिए देयों के संबंध में हो।

व्यापार देय : कोई भी देय व्यापार देय के रूप में वर्गीकृत तभी होता है, जब यह राशि सामान्य व्यवसाय की अवधि में बेचे गये सामान अथवा प्रदान की गयी सेवाओं के कारण देयों से संबंधित हो।

उपयोगी जीवन : जीवन जो या तो (i) वह अवधि जिसमें किसी उद्यम द्वारा मूल्यह्रास योग्य परिसंपत्ति के प्रयोग किये जाने की आशा हो या (ii) किसी उद्यम द्वारा परिसंपत्ति के उपयोग से उत्पादन की संख्या अथवा इस प्रकार की ईकाइयों के प्राप्त किये जा सकने की आशा हो।

कार्यशील पूँजी : किसी उद्यम के दिन – प्रतिदिन प्रचालनों के लिए उपलब्ध धनराशि। इसे चालू देयताओं जिसमें अल्पकालिक ऋण भी सम्मिलित हों, से अधिक चालू परिसंपत्तियों के द्वारा भी प्रदर्शित किया जाता है।

प्रक्रियाधीन कार्य : प्रक्रियाधीन कार्य में वे सभी सामग्रियाँ शामिल होती हैं, जिनका निर्माण किया जा रहा है अथवा प्रचालन हो रहा है, परन्तु जिसके बाद बिक्री हेतु उत्पाद तैयार होने से पहले अग्रतर प्रचालन आवश्यक हो। ■





बोर्ड की रिपोर्ट 50
बोर्ड की रिपोर्ट के लिए अनुलग्नक 92
नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां 130

बोर्ड की रिपोर्ट

प्रिय शेयरधारकगण,

मुझे, आपकी कंपनी के निदेशक मंडल की ओर से 31 मार्च, 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) के व्यवसाय और प्रचालन पर 25वीं वार्षिक रिपोर्ट और इसके अंकेक्षित वित्तीय विवरणों को, लेखा परीक्षक की रिपोर्ट और उस पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणी (लेखा पर) के साथ प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष हो रहा है।

आपकी कंपनी ने अपने अन्वेषण प्रयासों के माध्यम से दृढ़तापूर्वक कार्बनिक संवृद्धि पर ध्यान केंद्रित किया है और भविष्य में संवृद्धि बनाए रखने के लिए एक यथेष्ट हाईड्रोकार्बन भंडार प्रोफाइल निर्मित किया है। वित्त वर्ष 18 के दौरान कंपनी ने 1.48 (2पी भंडार) का भंडार प्रतिस्थापन अनुपात (आरआरआर) दर्ज किया है और इस प्रकार लगातार 12वें वर्ष एक से अधिक का आरआरआर बनाए हुए है। देश के विभिन्न बेसिनों में बारह तेल और गैस खोजें की गयीं। इन खोजों से आपकी कंपनी 67.83 मिलियन मैट्रिक टन तेल और तेल समतुल्य गैस (एमएमटीओई) का भंडार (2पी) अभिवर्द्धित किया है। ऐसा ज्ञात बेसिनों और साथ ही सीमांत प्लेज में व्यापक अन्वेषण के कारण संभव हो सका है। 12 खोजों में से 2 खोज, अर्थात् मेट्टर वेस्ट – 1 (कावेरी अभितट) और मटार – 1 (खंभात अभितट) पहले ही मुद्रीकृत कर लिए गए हैं और ये प्रोस्पेक्ट्स क्रमशः 31 मई 2017 और 30 जनवरी 2018 से उत्पादन कर रहें हैं।

वित्त वर्ष 18 के दौरान आपकी कंपनी का घरेलू खनिज तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादन, घरेलू संयुक्त उद्यमो (पीएससी–जेवी) में इसके हिस्से के साथ, 50.04 एमएमटीओई रहा जो वित्त वर्ष 17 के उत्पादन (48.80 एमएमटीओई) से 2.5 प्रतिशत अधिक है। स्टैंडअलोन आधार पर प्रचालित क्षेत्रों से कंपनी का खनिज तेल उत्पादन, वित्त वर्ष 2017 के 22.25 मिलियन मैट्रिक टन (एमएमटी) की तुलना में वित्त वर्ष 2018 में 22.31 एमएमटी रहा। ज्यादातर परिपक्व उत्पादनकारी फील्ड पोर्टफोलियो को देखते हुए, यह कंपनी के विवेकपूर्ण भंडार प्रबंधन और उत्पादन में सुधार लाने के लिए कारगर प्रौद्योगिकीय अंतर्क्षेपों को उजागर करता है। प्राकृतिक गैस उत्पादन, वित्त वर्ष 17 के दौरान हुए 22.09 बिलियन घन मीटर (बीसीएम) की तुलना में वित्त वर्ष 18 में 23.48 बीसीएम रहा, जो 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि कंपनी ने लगातार दूसरे वर्ष घरेलू प्राकृतिक गैस आउटपुट में वृद्धि दर्ज की है।

अंतर्देशीय संयुक्त उद्यमों के उत्पादन में आपकी कंपनी का हिस्सा 3.13 एमएमटी खनिज तेल (वित्त वर्ष 17 में 3.29 एमएमटी) और 1.13 बीसीएम (वित्त वर्ष 17 के दौरान 1.18 बीसीएम) प्राकृतिक गैस था। दोनों को मिला दिया जाए तो कुल अंतर्देशीय उत्पादन 25.43 एमएमटी तेल और 24.61 बीसीएम गैस रहा है। सी2 – सी3 और हाजिरा, गुजरात में तथा महाराष्ट्र के उरण से योगदान के साथ मूल्य वर्द्धित उत्पादों के उत्पादन में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, वित्त वर्ष 17 के 3.24 एमएमटी की तुलना में इस वर्ष के दौरान 3.39 एमएमटी।

मूल्य श्रृंखला एकीकरण के लिए स्थापित आपकी कंपनी के सभी उद्यम, अर्थात् ओएनजीसी पेट्रो एडिसंस लिमिटेड (ओपल), ओएनजीसी मेंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लि. (ओएमपीएल), दाहेज एसईजेड लि. (डीसेज) और मैंगलोर एसईजेड लि. (एमएसईजेड) अब प्रचालन में हैं और राजस्व सृजित करना शुरु कर दिया है।

प्रमुख आकर्षण :

वित्त वर्ष 18 के दौरान आपकी कंपनी के प्रदर्शन के प्रमुख हाइलाइट इस प्रकार हैं :

- आपकी कंपनी ने 12 तेल और गैस खोजें की हैं, जिनमें से 6 अभितटीय हैं और 10 अपतटीय। एक खोज नयी अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति (नेल्प) ब्लॉक में है । इनमें से दो खोजों से पहले ही उत्पादन शुरु हो गया है
- इन 12 खोजों के साथ, आपकी कंपनी ने अंतर्देशीय क्षेत्रों से 2पी भंडार में 67.83 एमएमटीओई का अभिवर्द्धन किया है।
- वित्त वर्ष 18 का आरआरआर (2पी) 1.48 था, लगातार 12 वें वर्ष एक से अधिक।
- स्टैंडअलोन तेल और तेल समतुल्य गैस (ओ+ओईजी) आउटपुट 45.79 एमएमटीओई है; वित्त वर्ष 17 के मुकाबले 3.3 प्रतिशत अधिक।
- अभितटीय खनिज तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादन क्रमशः 1.7 प्रतिशत और 8.3 प्रतिशत बढ़ा।
- अभितटीय गैस उत्पादन में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है।
- प्रचालनों से राजस्व, जो वित्त वर्ष 17 में ₹ 7,79,078 मिलियन था, वित्त वर्ष 18 में बढ़कर ₹ 8,50,041 मिलियन हो गया।
- कर उपरांत लाभ (पीएटी) वित्त वर्ष 17 के ₹ 1,79,000 मिलियन की तुलना में इस वर्ष ₹ 1,99,453 मिलियन था।
- हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में 51.11 प्रतिशत का अर्जन। इस अर्जन से कंपनी की

शोधन क्षमता बढ़कर 42.198 एमएमटीपीए हो गयी; जो देश की कुल शोधन क्षमता का 18 प्रतिशत है।

- अपतटीय परिचालनों के लिए 37 रिगों की तैनाती अब तक का सर्वाधिक।
- पिछले 27 वर्षों में सर्वाधिक 503 कूपों का वेधन (119 अन्वेषणात्मक और 384 विकासात्मक)।
- वर्ष 2017 : 18 के दौरान हासिल अन्वेषणात्मक और विकासात्मक वेधन समग्र चक्र गति और वाणिज्यिक गति स्थापना के बाद से अब तक सर्वश्रेष्ठ रहा और यह क्रमशः 997 मीटर / रिग माह और 1616 मीटर / रिग माह है। पिछले वर्ष की तुलना में वाणिज्यिक गति में 9 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई।
- ₹ 68,300 मिलियन (करीब करीब) मूल्य की 4 परियोजनाएं पूरी की गयीं।
- कृष्णा – गोदावरी (केजी) बेसिन के केजी – डीडब्ल्यूएन – 98 /2 ब्लॉक का अहम विकास, जिसमें करीब 5,076 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब ₹ 3,49,000 मिलियन) का निवेश किया गया, जिसके परिणामस्वरूप इस फील्ड से शीर्ष तेल उत्पादन 78,000 बीपीडी तक और प्राकृतिक गैस 16 मिलियन मेट्रिक मानक घन मीटर प्रति दिन (एमएमएससीएमडी) तक रहा।
- गैस बिक्री वित्त वर्ष 17 के 17.06 बीसीएम से बढ़कर 18.58 बीसीएम हो गयी, जो 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।
- गैस फ्लेयरिंग वर्ष के दौरान 2.4 प्रतिशत से घट कर 1.9 प्रतिशत रह गया।
- ब्लॉक केजी – ओएसएन – 2001/3 में प्रचालक अधिकार के साथ 80 प्रतिशत पीआई का अभिग्रहण करने के लिए 10 मार्च 2017 को जीएसपीसी के साथ फार्म इन / फार्म आउट (एफआईएफओ) समझौता पर हस्ताक्षर किया गया। अर्जन 4 अगस्त 2017 का पूरा हुआ, जिसमें 1,195 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया गया।
- झारखंड के बोकारो और उत्तरी करनपुरा ब्लॉकों में कोल बेड मिथेन (सीबीएम) फील्ड विकास प्रचालन की शुरुआत। झरिया में प्रचालन फिर से शुरु हुआ। रानीगंज ब्लॉक में तकनीकी आर्थिक विश्लेषण किया गया।
- वित्त वर्ष 18 के दौरान ओएनजीसी समूह को अपने प्रचालनों से ₹ 36,22,462 मिलियन का राजस्व प्राप्त हुआ और करोपरांत लाभ ₹ 2,21,059 मिलियन (स्वामी के लिए) रहा।
- आपकी कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) ने वर्ष के दौरान अब तक का सर्वाधिक उत्पादन किया, जो 14–16 एमएमटीओई, ओ+ओईजी था। इसने प्रचालनों से ₹1,04,176 मिलियन का समेकित राजस्व और ₹ 9,815 मिलियन (वित्त वर्ष 17 में ₹ 7,573 मिलियन) का करोपरांत समेकित लाभ दर्ज किया, जो स्वामी का अधिकार है।
- मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल), आपकी कंपनी की एक समनुषंगी कंपनी, ने वित्त वर्ष 18 के दौरान अब तक का उच्चतम 16.31 का थ्रोपुट दर्ज किया।
- एमआरपीएल ने अपने प्रचालनों से प्राप्त राजस्व में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और यह बढ़कर ₹ 6,30,836 मिलियन (वित्त वर्ष 17 में ₹ 36,437 मिलियन) हो गया।
- एचपीसीएल अपनी सकल रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान 7.40 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल किया जो वित्त वर्ष 2016 – 17 के दौरान 6.20 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल था।

वैश्विक मान्यताएं :

आपकी कंपनी को प्लैट्स टॉप द्वारा 250 वैश्विक ऊर्जा कंपनी रैंकिंग – 2017 द्वारा विश्व की अन्वेषण एवं उत्पादन कंपनियों में प्रथम स्थान और परिसंपत्तियों, राजस्वों, निवेश की गई पूंजी पर लाभ तथा प्रतिप्राप्ति की दृष्टि से प्रमुख वैश्विक ऊर्जा कंपनियों में 11वां स्थान दिया गया है। प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय बिजनेस जर्नल फोर्ब्स ने बिक्री, लाभ, परिसंपत्ति और बाजार मूल्य के आधार पर भारत की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी को विश्व की 246वीं सबसे बड़ी का दर्जा दिया है।

नई खोजों और संसाधनों के विवरण :

वर्ष 2017–18 के दौरान आपकी कंपनी ने तेल और गैस की 23 खोजें (5 नये प्रोस्पेक्ट्स और 7 नये पूल) की हैं, जिनमें से 1 नेल्प रकबा में था जबकि अन्य 11 नामांकन रकबों में थे। वर्ष के दौरान प्रमुख सफलता कूप डब्ल्यूओ – 24 – 3 (डब्लयूओ–24–सी) से एक तेल खोज थी जिसने खोज क्षेत्र में करीब 29.74 एमएमटीओई के इन–प्लेस हाइड्रोकार्बन की संभाव्यता का संकेत दिया है और मूल्यांकन अन्वेषणात्मक प्रयासों के माध्यम से और मूल्यांकन किया जा रहा है।

इन खोजों के विवरण इस प्रकार हैं :

क.सं.	बेसिन	कूप सं.	पीईएल / पीएमएल / नेल्प	हाई. का. प्रकार .	प्रोस्पेक्ट/पूल
1	एएएफबी – त्रिपुरा	कुंजाबन – 8	कुंजाबन पीएमएल	गैस	पुल
2	एएएफबी – कछार	भुबंदर – 6	भुबंदर पीएमएल	गैस	पुल
3	केजी अभितट (एसडब्ल्यू)	वेस्ट मटर – 1	मटर पीएमएल	तेल	प्रोस्पेक्ट
4	केजी अभितट (एसडब्ल्यू)	एएनओआर – 1	सीबी–ओएनएन–2005/10	तेल	प्रोस्पेक्ट
5	केजी अभितट (एसडब्ल्यू)	मैटुर पश्चिम – 1	एल–।। पीएमएल	तेल	प्रोस्पेक्ट
6	कावेरी अभितट (एसडब्ल्यू)	वेड़िरेस्वरम – 1	गोदावरी अभितट पीएमएल	गैस	पुल
7	केजी अपतट (एसडब्ल्यू)	जीएस– 29 – 11	जीएस–29 विस्तार पीएमएल	तेल	पुल
8	केजी अपतट (एसडब्ल्यू)	जी – 1 – 15	गोदावरी अभितट पीएमएल	गैस	पुल
9	केजी अपतट (एसडब्ल्यू)	जीएस – 71–2	जीएस–15/23 पीएमएल	तेल	पुल
10	केजी अपतट (डीडब्ल्यू)	जीडी – 10 –1	केजी – ओएस – डीडब्ल्यू –।।। पीईएल	गैस	प्रोस्पेक्ट
11	केजी अपतट (डीडब्ल्यू)	जीएस – 29 – 8 एसयूबी	जीएस–29 विस्तार पीएमएल	तेल	पुल
12	मुम्बई अपतट (डीडब्ल्यू)	एसडब्ल्यू – डब्ल्यूओ – 24/ डब्ल्यूओ – 24 – 3	मुम्बई हाई – एस पीएमएल	गैस	प्रोस्पेक्ट
*नेल्प					

हाइड्रोकार्बन संसाधन पुनर्मूल्यांकन :

वर्ष के दौरान आपकी कंपनी गहन समुद्र सहित सभी 26 अवसादी बेसिनों के हाइड्रोकार्बन संसाधन पुनर्मूल्यांकन अध्ययनों से संबद्ध रही है। अब यह मूल्यांकन पूरा हो गया है और इसकी रिपोर्ट 31 अक्तूबर 2017 को हाइड्रोकार्बन महानिदेशक (डीजीएच) को सौंप दी गयी थी। परिणाम उत्साहवर्द्धक हैं और अध्ययन अनुमानित हाइड्रोकार्बन संसाधनों में वृद्धि की ओर इशारा करते हैं।

राष्ट्रीय भूकंपीय कार्यक्रम :

आपकी कंपनी भारत में, बेसिनों में अधिक ऊर्जा का उपयोग कर अपने अन्वेषणात्मक प्रयासों को व्यापक करने के प्रति कटिबद्ध है। 48,243 लाइन किलोमीटर के कुल लक्ष्य में से 40,835 एलकेएम के लक्ष्य के साथ यह कंपनी राष्ट्रीय भूकंपीय कार्यक्रम (एनपीएस) का प्रमुख पणधारक है। कंपनी ने डेटा अर्जन और व्याख्या के फास्ट–ट्रैक के लिए सम्मिलित प्रयास किए हैं। 2डी भूकंपीय डेटा अर्जन कार्य पहले ही अक्तूबर 2016 तक 10 सेक्टरों अर्थात् सौराष्ट्र, राजस्थान, महानदी, डेक्कन सिंक्लाइज, भीमा, कालादगी, विंध्यम और हिमालय के उच्च अंतरीप क्षेत्रों; जून, 2017 में गंगा, कड्डापाह – कृष्णा गोदावरी में; और अक्तूबर, 2017 में दक्षिण रेवा दामोदर – छत्तीसगढ़ में शुरु किया जा चुका है। वित्त वर्ष 18 के दौरान 14,621.16 एलकेएम का 2डी डेटा (ओएनजीसी के नियमित 2डी/3डी सर्वेक्षण के अलावा) अर्जित किया गया था। कुल मिलाकर कंपनी का 19,655 एलकेएम डेटा अर्जित किया। डेटा का प्रसंस्करण और व्याख्या की जा रही है और इसके वर्ष 2019–20 तक पूरा होने की संभावना है।

नेल्प ब्लॉकों में की गई खोजों के विवरण

01 अप्रैल 2018 की स्थिति के अनुसार आपकी कंपनी को 74 खोजों का श्रेय प्राप्त था, जिनमें से 26 नेल्प ब्लॉकों की खोज इस कंपनी द्वारा की गयी जबकि शेष 15 खोजें इन ब्लॉकों के अन्य प्रचालकों द्वारा की गयी जिन्हें आपकी कंपनी द्वारा अर्जित किया गया। कुल 74 खोजों में से कंपनी द्वारा की गयी 12 खोजों का परित्याग कर दिया गया है।

01 अप्रैल 2018 की स्थिति के अनुसार मुद्रीकरण स्थिति

- आपकी कंपनी ने गुजरात राज्य के खंभात बेसिन के चार अभितटीय ब्लॉकों अर्थात् सीबी – ओएनएन – 2001 / 1 (नाडियाड – 1), सीबी – ओएनएन – 2002 / 1 (पश्चिम पाटन – 3), सीबी – ओएनएन – 2004/2 (वडाताल – 1, वडाताल – 3, वडाताल – 5) में 6 अभितटीय नेल्प खोजों को मुद्रीकृत किया है।
- केजी अपतट के नेल्प ब्लॉक केजी – ओएसएन – 2001/3 में की गयी तीन अपतटीय खोजों को भी मुद्रीकृत किया गया है।
- अन्य खोजें मुद्रीकरण हेतु अन्वेषण/मूल्यांकन/आकलन/विकास के विभिन्न चरणों में हैं ।

भंडार अभिवर्द्धन और भंडार प्रतिस्थापन अनुपात (आरआरआर)

अर्थात् केजी – 08, केजी – 15, केजी – 17 परित्याग कर दिया गया है। सभी सक्रिय ब्लॉकों में कंपनी द्वारा इसके प्रचालित क्षेत्रों में और गैर प्रचालित क्षेत्रों (जेवी हिस्सा) में वर्ष 2017 – 18 के दौरान इन–प्लेस हाइड्रोकार्बन और परम भंडार अभिवृद्धि स्थापित इन – प्लेस और परम भंडार की स्थिति के साथ निम्नवत है :

कंपनी प्रचालित और जेवी (अंतर्देशीय) फील्ड के इन–प्लेस हाइड्रोकार्बन परिमाण और परम भंडार

वर्ष 2017 – 18 के दौरान अभिवृद्धि					दिनांक 01.04.2018 की स्थिति के अनुसार		
भंडार का प्रकार		अंतर्देशीय (प्रचालित)	जेवी – अंतर्देशीय (ओएनजीसी हिस्सा)	कुल	अंतर्देशीय (प्रचालित)	जेवी – अंतर्देशीय (ओएनजीसी हिस्सा)	कुल
इन–प्लेस हाईड्रोकार्बन एमएमटी (ओ+ओईजी)	3 पी	185.84	59.65	245.49	8840.30	1005.03	9845.33
	2 पी	163.78	59.65	223.43	7659.86	925.12	8584.98
परम भंडार एमएमटी (आ +ओईजी)	3 पी	57.61	1.02	58.63	3094.17	107.04	3201.21
	2 पी	67.83	1.02	68.85	2827.98	106.49	2934.47
वर्ष के दौरान 2 पी आधार पर भंडार प्रतिस्थापन (आरआरआर) अनुपात 1.48 रहा।							

निम्नलिखित सारणी अंतर्देशीय बेसिनों और साथ ही विदेशी परिसंपत्तियों से पिछले पॉच वर्षों के दौरान परम भंडार अभिवृद्धि (2पी – प्रमाणित और संभावित) का ब्यौरा प्रदान करती है :

परम भंडार (2पी) अभिवृद्धि (ओ. ओईजी)					
वर्ष	अंतर्देशीय परिसंपत्तियां	अंतर्देशीय जेवी में ओएनजीसी का हिस्सा	कुल अंतर्देशीय (1+2)	विदेशी परिसंपत्तियों में ओएनजीसी विदेश का हिस्सा	कुल ओएनजीसी समूह (3+4)
	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
2013-14	56.26	4.29	60.55	213.24	273.79
2014-15	61.06	-1.03	60.03	20.03	80.06
2015-16	65.58	0.80	66.38	-7.22	59.16
2016-17	64.32	0.22	64.54	120.28	184.82
2017-18	67.83	1.02	68.85	21.56	90.41



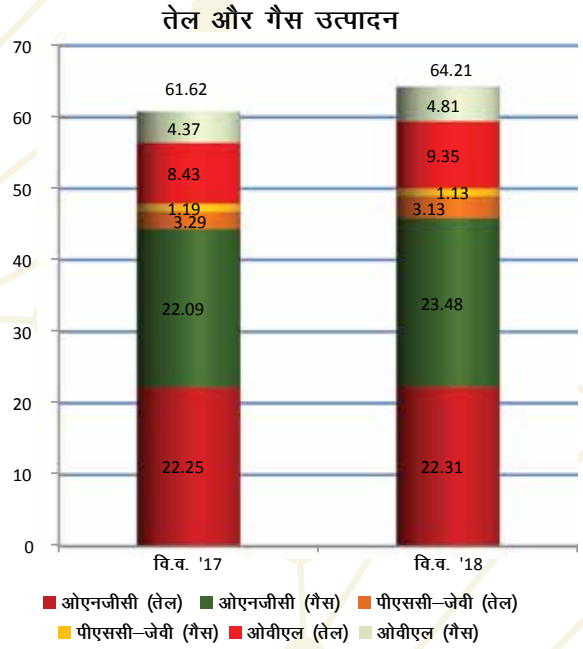
ओएनजीसी के जियोपिक – भूवैज्ञानिक प्रसंस्करण और व्याख्या के लिए एक अनुसंधान एवं विकास केन्द्र, में भू–वैज्ञानिकों द्वारा भू–कंपीय डेटा व्याख्या

तेल एवं गैस उत्पादन

स्टैंडअलोन आधार पर, वित्त वर्ष 18 में कंपनी का अंतर्देशीय खनिज तेल उत्पादन स्तर 22.31 एमएमटी दर्ज किया गया, जबकि वित्त वर्ष 17 में यह 22.25 एमएमटी था। अभितटीय परिसंपत्तियों से तेल उत्पादन में 1.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि अभितटीय उत्पादन मे 0.3 प्रतिशत की गिरावट आयी।

अभितटीय तेल उत्पादन में वृद्धि मुख्यतः अंकलेश्वर, कावेरी (मडनाम) और राजमुंदरी (केशनापल्ली पश्चिम) इत्यादि में की गयी विभिन्न पहलों और शीघ्र मुद्रीकरण के कारण हुई थी। वर्ष 2015 – 16 से पिछले 2 वर्षों में अभितटीय खनिज तेल उत्पादन में 4.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है।

उत्पादन में कायापलट पुराने और परिपक्व क्षेत्रों से उत्पादन की पुनः शुरुआत, नेल्प ब्लॉकों सहित नये क्षेत्रों से उत्पादन, विकासात्मक कूपों के वेधन में वृद्धि, वर्कओवर एवं कूप उत्प्रेरण कार्य और नयी प्रौद्योगिकियों को शामिल कर हासिल किया गया है।



वित्त वर्ष 18 के दौरान प्राकृतिक गैस उत्पादन (अंतर्देशीय प्रचालित क्षेत्र से) पिछले वर्ष के उत्पादन (22.09 बीसीएम) की तुलना में वित्त वर्ष 2018 का उत्पादन (23.48 बीसीएम) 6.3 प्रतिशत अधिक रहा। कंपनी के अभितटीय गैस उत्पादन में 8.3 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि हुई जबकि अपतटीय उत्पादन में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सभी परिसंपत्तियों से अभितटीय गैस उत्पादन में वृद्धि हुई है; अंकलेश्वर, असम, राजमुंदरी और कराईकल में काफी वृद्धि हुई।

वर्ष 2017 के दौरान अपतट में वृद्धिशील गैस उत्पादन दमन/सी – 26, वशिष्ठ एवं एस1 विकास से हुआ।

पीएससी जेवी से आपकी कंपनी का तेल एवं गैस हिस्सा क्रमशः 3.13 एमएमटी और 1.13 बीसीएम था।

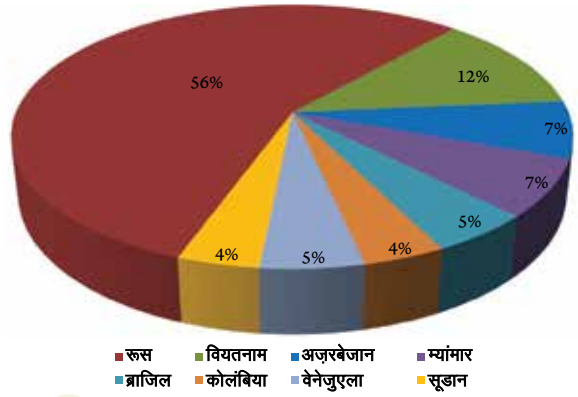
प्रत्यक्ष	इकाई	उत्पादन परिमाण		विक्री परिमाण		मूल्य (मिलियन में)	
		वि. व. 18	वि. व. 17	वि. व. 18	वि. व. 17	वि. व. 18	वि. व. 17
खनिज तेल							
प्राकृतिक गैस	(एमएमटी)	25.43	25.53	23.67	23.86	603,899	548,036
द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस	(बीसीएम)	24.61	23.27	19.49	17.94	137,372	139,398
नाफ्था	000 एमटी	1,187	1,355	1,186	1,352	40,352	37,276
इथेन – प्रोपेन	000 एमटी	1,176	1,101	1,180	1,087	38,084	30,455
इथेन	000 एमटी	264	137	264	135	7,050	5,354
प्रोपेन	000 एमटी	194	91	191	87	6,250	2,223
ब्यूटेन	000 एमटी	103	31	103	30	3,423	1,131
सुपेरियर केरोसिन तेल	000 एमटी	46	36	34	43	1,178	1,321
अन्य						692	1,112
उप योग						**845,802**	**774,863**
ट्रेडिंग							
एचएसडी	000 कि.ली.			-	0.43	-	20
मोटर स्प्रिट	000 कि.ली			-	0.21	-	11
उप योग						-	**31**
कुल						**845,802**	**774,894**

ओवीएल द्वारा विदेशी परिसंपत्तियों से उत्पादन :

वर्ष के दौरान विदेशी परिसंपत्तियों से कुल तेल एवं गैस उत्पादन, वित्त वर्ष 17 के दौरान हुए 12.80 एमएमटीओई की तुलना में (14.16) एमएमटीआई तेल एवं तेल समतुल्य गैस (तेल : 9.35 एमएमटी; गैस 4.81 बीसीएम) रहा, 10.6 प्रतिशत की वृद्धि, जो मुख्यतः वैंकोरनेफ्ट और सखालिन – 1, रूस; बीसी – 10 परियोजना, ब्राजील से वृद्धिशील उत्पादन; संयुक्त अरब अमीरात में लोअर जैक्युम कंशेसन परियोजना में 4 प्रतिशत पण के अर्जन और ब्लॉक सीपीओ – 5, कोलंबिया में अन्वेषणात्मक सफलता के कारण हुआ।

वित्त वर्ष 18 के दौरान पीएससी जेवी में हिस्सा और विदेशी परिसंपत्तियों से उत्पादन सहित ओएनजीसी समूह का तेल और गैस उत्पादन 64.21 एमएमटीओई (वित्त वर्ष 17 के दौरान 61.62 एमएमटीओई) था, जो 4.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

ओएनजीसी विदेश लि. देश वार उत्पादन (वि.व. 18)

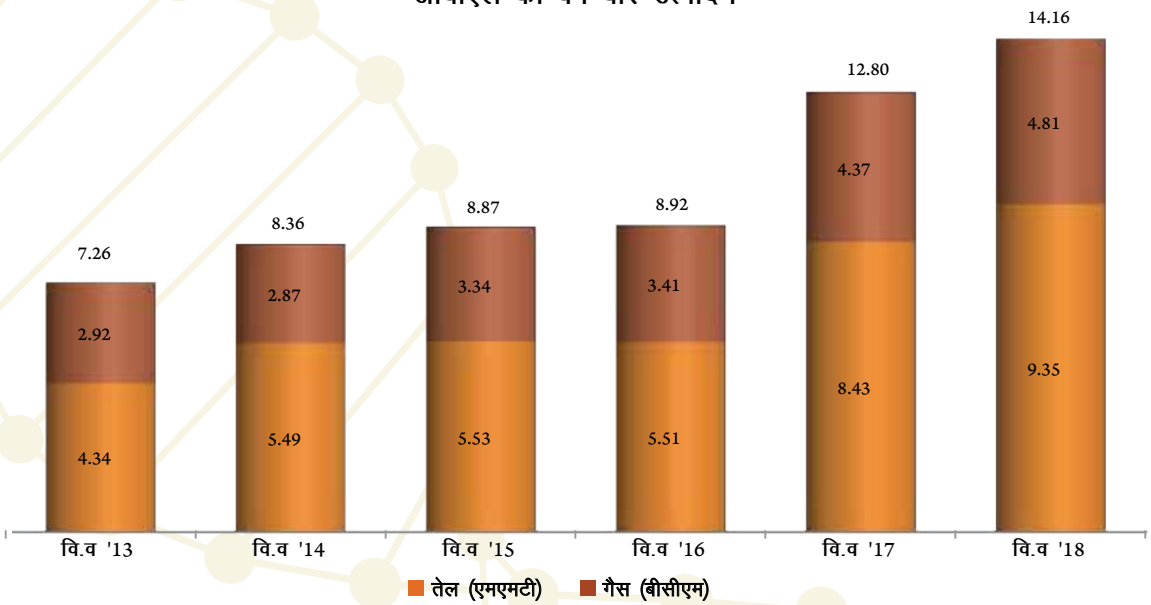


प्रौद्योगिकी उपपादन / उन्नयन

आपकी कंपनी प्रतिस्पर्द्धी बने रहने के लिए अपने प्रचालन के विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के उपपादन, उन्नयन और अनुप्रयोग को अधिकतम महत्व देती है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित प्रौद्याोगिकी का अनुप्रयोग /उन्नयन / उपपादन किया गया था :

- केडीएमआईपीई, देहरादून में उन्नत रूप का गैस क्रोमाटोग्राफ एंड रेसिस्टीविटी मीटर लगाया गया है। गैस क्रोमाटोग्राफ माइक्रोबियल मूल के मेटाबोलायट्स से संबंधित अध्ययन निष्पादित कर अन्वेषण में सुविधा प्रदान करेगा, वहीं रेसिस्टीविटी मीटर कुंड की वास्तविक संरचना मूल्यांकन में सहायक होगा।
- टेकलॉग पेट्रोफिजिकल विश्लेषण उपकरण में अंतरण।
- रेड हैट इंटरप्राइज लाइनक्स और साथ ही वी एमवेयर सिस्टम का उपयोग करते हुए हार्डवेयर वर्चुअलाइजेशन प्रौद्योगिकी का अधिष्ठापन किया गया है।
- पहली बार भूकंपी प्रसंस्करण क्षेत्र में लस्चर फाइल सिस्टम अंगीकृत किया गया है।
- पहली बार भूकंपी प्रसंस्करण क्षेत्र में हाल में स्थापित एचपीसीसी पर इनफिनीबैंड आधारित नेटवर्किंग प्रौद्योगिकी अधिष्ठापित की गयी है।

ओवीएल का वर्ष वार उत्पादन



- पश्चिमी अपतटीय फील्ड के कुओं में टाइट कार्बोनेट रिजर्वोयर के उत्प्रेरण के माध्यम से उत्पादन वर्द्धन, कुल 14 कुओं में (आईओजीपीटी द्वारा क्रियान्वित)।
- असम / त्रिपुरा / मेहसाणा के निम्न गैस उत्पादन कुओं में गैस उत्पादन वर्द्धन के लिए नवोन्मेषी तकनीक (आईओजीपीटी द्वारा क्रियान्वित), त्रिपुरा के एक कुएं में (आरओ नं. 8)।
- ओएनजीसी क्षेत्रों के गैस कूपों में वाटर शाट ऑफ के लिए रासायनिक फॉर्मूलेशन का विकास और इसका क्षेत्र क्रियान्वयन (आईआरएस, अहमदाबाद द्वारा क्रियान्वित), वर्ष 2017 – 18 के दौरान 3 कुओं में।

अलग अलग संरचनाओं (प्लेज) में अन्वेषण

(क) बेसमेंट अन्वेषण :

कंपनी द्वारा एक प्रमुख पहल के रूप में एक सीमांत अन्वेषण संरचना, बेसमेंट अन्वेषण के लिए सम्मिलित प्रयास शुरु किए गए हैं। वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी एक सीमांत अन्वेषण संरचना के रूप में ज्यादातर प्रचालन क्षेत्रों मे बेसमेंट अन्वेषण क्रियान्वित कर रही थी और 24 कुओं का वेधन किया, जिनमें से 11 कुओं का प्राथमिक उद्देश्य बेसमेंट के रूप में था। पश्चिमी अपतट के जीके – 28 – 11, एन – 24 – 4, एन – 24 – 5, एचवाय – 11 एक्स कुओं, खंभात बेसिन के कूप पादरा – 114, 116, 117, 119, 120, ए एंड ए ए बेसिन के खोराघाट – 42 और बीजेएबी में उत्साहवर्द्धक परिणाम प्राप्त किए गए हैं। पश्चिमी अपतटीय बेसिन में वेधित कूप बीएच – 76 और एसएमएच – 1 कूओं के बेसमेंट से तेल प्रवाहित हुआ।

मैट्युर पश्चिम – 1 और पुंडी – 8 के उत्साहवर्द्धक परिणामों से बेसमेंट संरचना के लिए कावेरी बेसिन एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में विकसित हो रहा है। बेसमेंट संरचना में खोजों के विकास के लिए पनडानल्लुर फील्ड की फील्ड विकास योजना (एफडीपी) अनुमोदित की गयी है और एफडीपी क्रियान्वयन वित्त वर्ष 19 में शुरु होगा।

(ख) एचपी – एचटी और सख्त कुंड में अन्वेषण :

कंपनी ने केजी, कावेरी, पश्चिमी अपतटीय बेसिन और असम और अरकान फोल्ड बेल्ट में एचपी – एचटी / सख्त / गहरी संरचनाओं को प्राथमिकता प्रदान की है। ये संरचनाएं गहरी हैं, जहाँ से वेधन, परीक्षण और उत्पादन करना कठिन हैं। वर्ष 2017 – 18 के दौरान, परियाकुडी फील्ड के ऑनलैंड कूप पीडी – 3, कावेरी बेसिन, उत्पादन करने वाला प्रथम एचपी – एचटी कूप बन गया। केजी ऑनलैंड बेसिन में एक और कूप बीटीएस – 3 का सफलतापूर्वक वेधन किया गया है और वाणिज्यिक परिमाण में गैस का परीक्षण किया गया है। विकासात्मक वेधन वर्ष 2018 – 19 में शुरु किया जाएगा। इसके अलावा, कंपनी ने नेल्प ब्लॉक केजी – ओएनएन – 2003 / 1 का प्रचालक अधिकार प्राप्त करने के पश्चात इस ब्लॉक में दो खोजों की एफडीपी सौंप दी है। इसके अलावा, कंपनी ने ब्लॉक केजी – ओएसएन – 2001 / 3 में गुजरात राज्य पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएसपीसीएल) से 80 प्रतिशत पण और प्रचालक अधिकार अर्जित किया हैं। यह फील्ड पहले से उत्पादन कर रहा है और इस ब्लॉक के छह और मुद्रीकृत खोजों के लिए एफडीपी तैयार की जा रही है।

गैर परंपरागत और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत

आपकी कंपनी ने गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोत जैसे – शेल (सीबीएम), हाई प्रेशर / हाई टेंपरेचर (एचपी / एचटी), विखंडित बेसमेंट संरचनाओं इत्यादि के अन्वेषण और विकास और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर अच्छी तरह ध्यान केन्द्रित किया हुआ है।



पश्चिमी अपतट में ओएनीजीसी का अपतटीय प्रसंस्करण परिसर 'बीपीसीए'

उत्पादन पोर्टफोलियो में गैर परंपरागत / वैकल्पिक ऊर्जा के हिस्से में वृद्धि करने के लिए सुसंरचित कार्रवाई शुरु की गयी है।

(क) शेल गैस / तेल अन्वेषण :

कंपनी ने 50 नामित एमएल ब्लॉकों (खंभात में 28, केजी में 10, कावेरी में 9 और ए एंड ए ए बेसिनों में 3) में शेल तेल एवं गैस का अन्वेषण करने के लिए एक कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया है।

अब तक 23 मूल्यांकन कूपों का वेधन किया गया है और खंभात तथा केजी बेसिन में प्रोस्पेक्ट की पुष्टि की गयी है। बेहतर समझ और मूल्यांकन हेतु, भविष्य में उत्तरी खंभात और केजी बेसिन में और कुओं (अनन्य और दोहरे उद्देश्य) के वेधन की योजना बनाई गयी है। जिन क्षेत्रों को शामिल करने की योजना बनाई गयी है, उनमें उत्तरी खंभात बेसिन का नावागाम, कालोल, लिंच; कृष्णा गोदावरी बेसिन में मनडापेटा और महादेवपतनम इत्यादि शामिल हैं।

(ख) कोल बेड मिथेन (सीबीएम) :

आपकी कंपनी चार सीबीएम ब्लॉकों अर्थात् झारखंड के झरिया, बोकारो और उत्तरी करनपुरा और पश्चिम बंगाल के रानीगंज में परिचालन कर रही है। बोकारो और उत्तरी करनपुरा ब्लॉकों की एफडीपी अनुमोदित हो गयी है। इन ब्लॉकों में शुरु की गयी विभिन्न गतिविधियों से संबंधित विवरण इस प्रकार हैं :

1. **बोकारो ब्लॉक** : बोकारो ब्लॉक की एफडीपी में 141 विकास कुओं के वेधन पर विचार किया गया है। पाँच कूपों के वेधन सफलतापूर्वक पूरे कर लिए गए हैं और छठे कूप का वेधन प्रगतिधीन है। 10 और कूप स्थल निर्धारित किए गए हैं और वर्ष 2018 – 19 के दौरान कुल 30 कुओं का वेधन करने की योजना बनाई गयी है।

2. **उत्तरी करनपुरा ब्लॉक** : उत्तरी करनपुरा ब्लॉक की एफडीपी में कुल 68 विकास कुओं पर विचार किया गया है। वर्ष 2018 – 19 के दौरान 30 कुओं का वेधन करने की योजना बनाई गयी है।

3. **झरिया ब्लॉक** : डीजीएमएस से अनुमति प्राप्त करने के पश्चात, पहले से वेधित कूप जेएच नं 14 का हाइड्रो–फ्रैक्चरिंग और परीक्षण कर मार्च, 2018 से प्रचालन फिर से शुरु किए गए है। करीब 10,000 से 15,000 एससीएमडी इंसीडेंटल गैस बेची जा रही हैं और इस ब्लॉक में उत्पादन के साथ इस बिक्री को पुर्नसंरचित करने की योजना बनाई गयी है। सह विकास योजना, के अनुरूप 12 कुओं की डिस्काउंटिंग के पश्चात संशोधित व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की गयी है, जो स्वतंत्र वित्त संस्थाओं द्वारा पुनरीक्षण के अधीन है और इस व्यवहार्यता रिपोर्ट पर जेवी साझीदार कोल इंडिया लिमिटेड की सहमति प्राप्त की जा रही है। 10,000 एससीएमडी के लिए जीसीवी आधार पर 6.12 अमेरिकी डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की दर पर गैस ऑफ टेकर के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

4. **रानीगंज ब्लॉक** : इस ब्लॉक के मुद्रीकरण हेतु तकनीकी वाणिज्यिक विश्लेषण किया गया है और उत्पादन लागत की मितव्ययिता के लिए प्रयास किए जा रहें हैं।

(ग) गैस हाईड्रेट

आपकी कंपनी वर्ष 1997 से भारत सरकार (जीओआई) के राष्ट्रीय हाइड्रेट कार्यक्रम (एनजीएचपी) के अंतर्गत देश के गैस हाइड्रेट अन्वेषणात्मक अनुसंधान में एक सक्रिय प्रतिभागी रही है। एनजीएचपी – 02 के परिणाम काफी उत्साहवर्द्धक रहें हैं और केजी गहन अपतट में दो गैस हाइड्रेट कुंड खोजे गए हैं। गैस



कुंड अध्ययन संस्थान, अहमदाबाद, ओएनजीसी में एयर इंजेक्शन प्रयोगशाला में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां निष्पादित करते हुए

हाइड्रेट के उत्पादन और दोहन हेतु एक गहन फोकस के लिए आपकी कंपनी ने पनवेल, महाराष्ट्र में एक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी केन्द्र (जीएचआरटीसी) स्थापित किया है। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी का परीक्षण करने के लिए और भारतीय अपतटीय क्षेत्रों में गैस हाइड्रेट दोहन के लिए उत्पादन प्रौद्योगिकी का आकलन करने के लिए कंपनी एनजीएचपी अभियान – 03 के शुरु होने का इंतजार कर रही है।

(घ) वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत

- हाजिरा संयंत्र ने नवीकरणीय ऊर्जा के जनन की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप 10 एमडब्ल्यूपी सौर संयंत्र स्थापित किया है और यह प्रचालनरत है। दाहेज संयंत्र ने भी 500 किलोवाट रूफ टॉप सौर ऊर्जा परियोजना कियान्वित करने के लिए पहल की है।
- पूर्व में, नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर हरित ऊर्जा की दिशा में एक कदम के रूप में, हाजिरा संयंत्र ने ओएनजीसी टाउनशिप में केन्द्रीय विद्यालय के एक 40 केडब्ल्यूपी सौर ऊर्जा संयंत्र शुरु किया है और उरण संयंत्र ने कुंड के छत पर एक 125 केडब्ल्यूपी सौर ऊर्जा संयंत्र संस्थापित किया है।

तेल एवं गैस परियोजनाएं

(क) वित्त वर्ष 18 के दौरान पूरी की गयी परियोजना

वर्ष 2017 – 18 के दौरान, निम्नलिखित 04 प्रमुख परियोजनाएं (2 विकासात्मक और 2 अवसंरचनात्मक) पूरी की गयीं हैं :

क.सं.	परियोजना का नाम	समापन तिथि	अनुमोदित लागत (मिलियन ₹ में)	परिकल्पित तेल प्राप्ति (एमएमटी)	परिकल्पित गैस प्राप्ति (बीसीमएम)
1	राजमुंदरी में 3 ईटीपी का निर्माण	28.06.2017	1,480.00	-	-
2	सोनामुरा जीजीएस और पाइपलाइन परियोजना, त्रिपुरा	31.01.2018	2,153.80	-	-
3	एमएचएस के पश्चिमी परिधि का विकास	23.02.2018	7409.90	0.933	0.149
4	वशिष्ठ एवं एस–1 फील्डों का एकीकृत विकास	31.03.2018	57,255.00	-	14.611
	कुल		68,298.70	0.933	14.76

(ख) सीमांत क्षेत्रों का फास्ट ट्रैक मुद्रीकरण

आपकी कंपनी तेल एवं गैस उत्पादन मे वृद्धि करने के लिए नये एवं सीमांत क्षेत्रों का विकास कर रही है। यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि पश्चिमी अपतट के कई सीमांत क्षेत्र जो पूर्व में स्टैंडअलोन आधार पर दोहन के लिए तकनीकी वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य नहीं थे, अब क्लस्टर परिकल्पना के साथ विकसित किए जा रहें हैं।

पिछले कुछ वर्षों मे कुछ सीमांत क्षेत्रों जहॉ से उत्पादन शुरु किए गए थें, में कुछ अतिरिक्त विकास के साथ एनबीपी (डी–1), वसाई पश्चिम, वसाई पूर्व इसके कुछ अतिरिक्त विकास के साथ, उत्तरी ताप्ती, बीएचई – एसबी – 14, डब्ल्यूओ – 16, क्लस्टर – 7 फील्ड, बी–46 क्लस्टर फील्ड, सी – 24 एवं सी – 26 क्लस्टर फील्ड, बी – 22 क्लस्टर फील्ड और बी – 193 क्लस्टर फील्ड इत्यादि शामिल हैं।

बेसिन फील्ड के मुक्ता, बेसिन और पन्ना संरचना और दामन विकास परियोजनाओं के एकीकृत विकास से उत्पादन शुरु हो गए हैं और इन परियोजनाओं के अंतर्गत और कुओं के वेधन से और योगदान प्राप्त होगा। साथ ही, मई, 2018 से बी 127 क्लस्टर से उत्पादन शुरु हो गया है।

इसके अलावा, एनडब्ल्यू बी – 173 ए का विकास, एनबीपी फील्ड का चतुर्थ चरण विकास, आर – 12 (रत्न) के पुनरुज्जीवन के साथ आर श्रृंखला फील्डों के विकास, बी–147 फील्ड का विकास एव बीएसई – 11 ब्लॉक के विकास कियान्वयन के विभिन्न चरणों मे हैं।

(ग) पूर्वी अपतट के क्षेत्रों का विकास

कृष्णा गोदावरी बेसिन, जिसमें जी1 /जीएस 15, वशिष्ठ, एस1, जीएस – 29 और केजी – डीडब्ल्यूएन – 98 / 2 इत्यादि खोजें की गयीं हैं, से बहुत आशा है, में खोजों के विकास पर काफी जोर दिया जा रहा है।

आपकी कंपनी इन फील्डों का यथा शीघ्र विकास करने के लिए जोरदार प्रयास कर रही है। छिछला समुद्र फील्ड जीएस – 15 और गहरा समुद्र फील्ड जी – 1 से पहले ही उत्पादन शुरु हो चुका है। परियोजना – 'वशिष्ठ एवं एस–1 फील्ड का एकीकृत विकास' पूरी कर ली गयी है और यह परियोजना वर्ष 2026 – 27 तक 14.61 बीसीएम गैस का योगदान प्राप्त करने पर लक्षित है। इसके अलावा, पूर्वी अपतट से तेल एवं गैस उत्पादन बढ़ाने के लिए, नेल्प ब्लॉक केजी – डीडब्ल्यूएन – 98/2 के क्लस्टर 2 फील्डों के

विकास की एक बड़ी परियोजना क्रियान्वयनाधीन है और यहॉ से वर्ष 2034 – 35 तक परिकल्पित उत्पादन परिमाण 25.87 एमएमटी तेल और 45.49 बीसीएम गैस है।

केजी अपतट की अन्य खोजों के विकास जैसे केजी – डीडब्ल्यूएन – 98 /2 (क्लस्टर 1 और 3 फील्ड), जीएस – 49 और जीएस – 29, जी – 4 – 6 फील्ड, छिछला समुद्र नेल्प ब्लॉक केजी – ओएसएन – 2004/1 इत्यादि विकास के लिए मूल्यांकन / अनुमोदन के विभिन्न चरणों में हैं।

1. मुख्य वित्तीय बिन्दु

आपकी कंपनी ने ₹ 1,99,453 मिलियन का करोपरांत (पीएटी) लाभ कमाया है, वित्त वर्ष 17 के ₹ 1,79,000 मिलियन से 11.4 प्रतिशत अधिक है और प्रचालनों से ₹ 8,50,041 मिलियन का राजस्व दर्ज किया है, वित्त वर्ष 17 (₹ 7,79,000 मिलियन) की तुलना में 9.10 प्रतिशत अधिक।

मुख्य बिन्दु – स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण

- प्रचालनों से राजस्व : ₹ 8,50,041 मिलियन
- कर उपरांत लाभ (पीएटी) : ₹ 1,99,453 मिलियन
- राजकोष में योगदान : ₹ 3,76,088 मिलियन
- योजित पूंजी से प्रत्यागम : 27.04 प्रतिशत
- ऋण – इक्विटी अनुपात : 0.13 : 1
- आय / शेयर : ₹ 15.54
- बही मूल्य / शेयर : ₹ 151

विवरण	मिलियन ₹ में	
	2017-18	2016-17
प्रचालनों से राजस्व	850,041	779,078
अन्य आय	78,836	76,763
कुल राजस्व	**928,877**	**855,841**
ब्याज, मूल्यह्रास एवं कर पूर्व लाभ (पीबीडीआईटी)	448,712	386,267
कर पूर्व लाभ (पीबीटी)	288,925	252,155
कर पश्चात् लाभ (पीएटी)	**199,453**	**179,000**
सामान्य आरक्षित निधि में अंतरित	110,290	64,466

2. लाभांश

आपकी कंपनी ने ₹ 5 प्रत्येक के प्रति शेयर पर दो बार में (₹ 3.00 और ₹ 2.25) ₹ 5.25 (105 प्रतिशत) के अंतरिम लाभांश का भुगतान किया है। निदेशक मंडल ने ₹ 1.35 प्रति शेयर (27 प्रतिशत) का अंतिम लाभांश की सिफारिश की है, जिससे वित्त वर्ष 18 का कुल लाभांश ₹ 6.60 प्रति शेयर (132 प्रतिशत) हो गया। ₹ 17,277 मिलियन के लागू लाभांश वितरण कर (डीडीटी), जो पीएटी का 51.13 प्रतिशत बैठता है (डीडीटी सहित) के अलावा, वर्ष के लाभांश की कुल राशि ₹ 84,699 मिलियन है।

कंपनी द्वारा यथा निर्धारित लाभांश वितरण नीति वेब लिंक *https://www.ongcindia.com/wps/wcm/connect/en/investors/policies* पर देखी जा सकती है।

3. प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट

सेबी सूचीकरण विनियम के विनियम 34 (2) (ङ) के अनुसार, यथा संलग्न प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट (एमडीएआर), इस वार्षिक रिपोर्ट का भाग है।

4. वित्तीय लेखांकन

वित्तीय विवरण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी भारतीय लेखांकन मानक (इंड ए एस), जो 01 अप्रैल 2016 से प्रवृत्त है, और कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रयोज्य प्रावधानों के अनुसार तैयार किया गया है।

5. ऋण, गारंटी या निवेश

आपकी कंपनी अन्वेषण एवं उत्पादन (ई एंड पी) कारोबार में लगी है, जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 (11) के तहत प्रदत्त छूट के अंतर्गत आता है। तदनुसार, दिए गए ऋण, किए गए निवेश या कंपनी द्वारा समनुषंगी कंपनियों और सहायक कंपनियों द्वारा दी गयी गारंटी या प्रतिभूति के विवरण की रिपोर्ट नहीं की गयी है।

6. इस अधिनियम के अध्याय के अंतर्गत शामिल जमाओं से संबंधित विवरण :

विवरण	राशि (₹ में)
वर्ष के दौरान स्वीकृत जमा	शून्य
वर्ष के अंत में अदत्त या अदावाकृत रह गए जमा	शून्य
वर्ष के दौरान जमा के पुनर्भुगतान या उस पर ब्याज के भुगतान में चूक	शून्य

7. संबंधित पक्षकार लेन–देन

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188 (1) मे यथा उल्लिखित संबंधित पक्षकार के साथ करारों या व्यवस्थाओं के विवरण यथानिर्दिष्ट फॉर्म एओसी – 2 मे प्रदान किया गया है, और अनुलग्नक – क में संलग्न किया गया है।

8. समनुषंगी कंपनी

आपकी कंपनी ने 31 जनवरी 2018 को हिन्दुस्तान कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में भारत के राष्ट्रपति द्वारा धारित 51.11 प्रतिशत शेयर (₹ 10 प्रत्येक के अंकित मूल्य के 77,88,45,375 इक्विटी शेयर) कुल ₹ 3,69,150 मिलियन के नकद भुगतान पर अर्जित किया। अर्जन के उपरांत, एचपीसीएल आपकी कंपनी की समनुषंगी कंपनी बन गयी है।

एचपीसीएल के अधिग्रहण से, पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड को संयुक्त उद्यम कंपनी से पुनर्वर्गीकृत कर एक समनुषंगी कंपनी

बना दिया गया है, क्योंकि आपकी कंपनी की शेयरधारिता 32.72 प्रतिशत से बढ़कर 65.44 प्रतिशत हो गयी है, अर्थात्, कंपनी और एचपीसीएल प्रत्येक द्वारा 32.72 प्रतिशत।

इसके अलावा, एचपीसीएल की अनुषंगी कंपनी, अर्थात् प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड, एचपीसीएल बायो फयूल लिमिटेड, एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड और एचपीसीएल मिडल ईस्ट एफजेडसीओ आपकी कंपनी की अप्रत्यक्ष समनुषंगी कंपनियां बन गयीं हैं।

समनुषंगी कंपनियों के विवरण इस प्रकार हैं :

(I) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल)

ओवीएल, आपकी कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी, भारत से बाहर ई एंड पी गतिविधियां करती हैं और 20 देशों की 41 परियोजनाओं में इसकी प्रतिभागिता है, अर्थात् अजरबैजान (2 परियोजनाएं), बांग्लादेश (2 परियोजनाएं), ब्राजील (2 परियोजनाएं), कोलंबिया (7 परियोजनाएं), इरान (1 परियोजनां), इराक (1 परियोजना), इजरायल (1 परियोजना), कजाखस्तान (1 परियोजना), लीबिया (1 परियोजना), मोजांबिक (1 परियोजना), म्यांमार (6 परियोजनाएं), नामीबिया (1 परियोजना), न्यूजीलैंड (1 परियोजना), रूस (3 परियोजनाएं), दक्षिणी सूडान (2 परियोजनाएं), सूडान (2 परियोजनाएं), सीरिया (2 परियोजनाएं), संयुक्त अरब अमीरात (1 परियोजना), वेनेजुएला (2 परियोजनाएं) और वियतनाम (2 परियोजनाएं)। इनमें 7 परियोजनाओं में यह संयुक्त प्रचालक है और शेष 20 गैर प्रचालित परियोजनाएं हैं। वर्ष के दौरान, ओवीएल ने इजरायल, नामीबिया और संयुक्त अरब अमीरात में अपना प्रवेश दर्ज किया। ओवीएल एक संतुलित पोर्टफोलियो दृष्टिकोण अपनाता है और इसके पास 15 उत्पादनकारी, 4 अन्वेषित / विकासाधीन, 18 अन्वेषण परियोजनाएं और 4 पाइपलाइन परियोजनाएं हैं।

वित्त वर्ष 18 के दौरान, ओवीएल ने स्वामियों के लिए ₹ 9,815 मिलियन का समेकित करोपरांत लाभ कमाया, जबकि वित्त वर्ष 17 के दौरान स्वामियों के लिए यह ₹ 7,573 मिलियन था। लाभ में वृद्धि मुख्यतः अधिक उत्पादन, उच्चतर खनिज तेल मूल्य और कम क्षरण प्रावधान के कारण था।

क. वित्त वर्ष 18 के दौरान ओवीएल के महत्वपूर्ण अर्जन और संधियां :

- ओएनजीसी विदेश वैंकोरेनेफ्ट पीटीई लि. (ओवीवीएल), ओवीएल की पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी ने 3 अक्तूबर 2017 को तुल्लो ऑयल पीएलसी की पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी तुल्लो नामीबिया लिमिटेड (तुल्लो) से ब्लॉक 2112ए, 2012बी और 2113बी के लिए नामीबिया पेट्रोलियम एक्सप्लोरेशन में 30 प्रतिशत प्रतिभागिता अधिकार का अभिग्रहण पूरा किया है। तुल्लो अपने शेष 35 प्रतिशत पीआई के साथ इस लाइसेंस का प्रचालक बना हुआ है।
- ओवीएल के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम जिसमें इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) और भारत पेट्रो रिसोर्सेज लिमिटेड (बीपीआरएल) शामिल हैं, ने लोअर जैक्यूम कंशेसन, अपतट, अबु धाबी में 10 प्रतिशत पीआई अर्जित किया है। इस फील्ड से उत्पादन करीब 4,19,000 बीओपीडी था और भारतीय कंसोर्टियम का हिस्सा करीब 42,000 बीओपीडी था और ओवीएल का हिस्सा करीब 16,800 बीओपीडी था।
- 27 मार्च 2018 को इजरायल में भारतीय कंसोर्टियम को लाइसेंस 412 / "32" के साथ एक अन्वेषण ब्लॉक प्रदान किया था, जिसकी अन्वेषण अवधि 3 वर्ष थी। ओवीएल इस ब्लॉक का प्रचालक है और इस कंसोर्टियम का प्रत्येक साझीदार, अर्थात् ओवीएल, बीपीआरएल, आईओसीएल और ओआईएल इस लाइसेंस में 25 प्रतिशत प्रतिभगिता अधिकार (पीआई) धारित करता है।

ख. वित्त वर्ष 18 के दौरान ओवीएल ने निम्नलिखित समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए :

i. टीपीएओ, तुर्की के साथ एमओयू : ओवीएल ने अपस्ट्रीम और साथ ही किसी अन्य पारस्परिक रूप से चयनित और सहमत क्षेत्र में तेल और गैस अवसरों का मूल्यांकन करने के लिए 12 जुलाई 2017 को टीपीएओ के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

ii. पीईएमईएक्स, मेक्सिको के साथ एमओयू : पूर्व में 25 सितंबर 2014 को पीईएमईएक्स एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन और ओवीएल के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस एमओयू की अवधिं को मूल एमओयू में एक संशोधन के जरिए 24 सितंबर 2019 तक बढ़ा दिया गया थां। यह एमओयू मेक्सिको, भारत और तीसरी दुनिया के देशों के अपस्ट्रीम क्षेत्र में सहयोग और प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन, अनुसंधान और विकास में सहयोग पर लक्षित है।

iii. जियोपार्क, लेटिन अमेरिका के साथ समझौता ज्ञापन : ओवीएल और लेटिन अमेरिका केन्द्रित ई एंड पी कंपनी जियोपार्क लिमिटेड ने लैतिन अमेरिका के अपस्ट्रीम क्षेत्र में सहयोग के लिए 16 फरवरी 2018 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एमओयू में पूरे लैतिन अमेरिका मे संयुक्त रूप से आस्तियों और प्रचालनों का एक बड़े पैमाने पर, आर्थिक रूप से लाभप्रद और जोखिम संतुलित पोर्टफोलियों सृजित करने के उद्देश्य से अपस्ट्रीम तेल और गैस परियोजनाएं अधिग्रहित करने, इनमें निवेश करने और मूल्य सृजित करने के लिए एक दीर्घावधिक रणनीतिक साझीदारी की परिकल्पना है।

ग. **वित्त वर्ष 18 के दौरान, अन्वेषण और प्रचालन के क्षेत्र में निम्नलिखित महत्वपूर्ण घटनाक्रम घटित हुए है:**

i. सीपीओ – 5, कोलंबिया : कूप मारिपोसा – 1 कुल 11,556 फीट (एमडी) की गहराई तक वेधित किया गया था और लॉग विश्लेषण से लोअर सैंड्स यूनिट में करीब 121 फीट तेल संतृप्त नेट पे होने के संकेत मिले थे। यह कूप वर्तमान में परीक्षण और एक्टिवेटेड ऑन शेल्फ अधीन है । इस खोज से सीपीओ – 5 ब्लॉक में नये प्ले के मार्ग प्रशस्त हुए हैं और इस प्ले के लिए और कूप वेधित किए जाने की संभावना है।

ii. सखालिन – 1, रूस : सखालिन – 1 ब्लॉक के उत्पादन साझीदारी करार (पीएसए) में वर्ष 2021 से 2051 तक का 30 वर्ष का विस्तार प्रदान किया गया है। सखालिन – 1 ने विश्व का सबसे बड़ा एक्सटेंडेट रीच ड्रिलिंग (ईआरडी) कूप नं. #ओ5आरडी पूरा किया है जिसकी मापी गयी गहराई 30 जून 2017 को15,000 मीटर है।

iii. एसीजी अज़रबैजान :– अज़रबैजान के विशाल एसीजी फील्ड के कंसोर्टियम साझीदारों ने गुनेशली तेल क्षेत्र के अज़ेरी चिराग (एसीजी) के गहन जल भाग के उत्पादन साझीदारी करार (पीएसए) के 31 दिसंबर 2049 तक विस्तार के लिए अज़रबैजान सरकार और स्टेट ऑयल कंपनी ऑफ द अज़रबैजान रिपब्लिक (एसओसीएआर) के साथ एक करार किया है।

iv. रोवुमा एरिया – 1 परियोजना, मोजांबिक : मोजांबिक सरकार ने मोजांबिक के रोवुमा अपतटीय बेसिन मे अवस्थित एरिया – 1 ब्लॉक के गोल्फिनो – एतम प्राकृतिक गैस फील्ड की विकास योजना के लिए मंजूरी दी है। यह योजना प्रारंभिक टू ट्रेन ऑनशोर लिक्विफेक्शन संयंत्र के माध्यम से गोल्फिनो – एतम फील्ड के एकीकृत विकास की रूपरेखा खींचती है, जिसकी कुल प्रसंस्करण क्षमता 12.88 एमएमटीपीए है।

ओवीएल की प्रत्यक्ष समनुषंगी और संयुक्त उद्यम :

1. **ओएनजीसी नील गंगा बी.वी. (ओएनजीबीवी)** : ओएनजीबीवी सूडान, दक्षिणी सूडान, सीरिया, वेनेजुएला, ब्राजील और म्यांमार में समनुषंगी कंपनियों / जेवी के माध्यम से प्रत्यक्ष तौर पर ई एंड पी गतिविधियां कर रहा है। ओएनजीबीवी ग्रेटर नील तेल परियोजना (जीएनओपी), सूडान मे 25 प्रतिशत पीआई धारित करता है, जहॉ वित्त वर्ष 18 के दौरान इसके हिस्से का तेल उत्पादन करीब 0.282 एमएमटी था। ओएनजीबीवी ग्रेटर पायनियर ऑपरेटिंग कंपनी (जीपीओसी), दक्षिणी सूडान में भी 25 प्रतिशत पीआई धारित करता है। प्रतिकूल भू–राजनीतिक परिस्थितियों के कारण ओएनजीसी विदेश वित्त वर्ष 18 के दौरान जीपीओसी, दक्षिणी सूडान से कोई उत्पादन नहीं कर सका।

   ओएनजीबीवी ए1 फुरात परियोजना (एईपीसी), सीरिया की चार परियोजनाओं में 18.75 प्रतिशत पीआई धारित करता है। सीरिया में अप्रत्याशित स्थिति (फोर्स मैज्योर) के कारण, वित्त वर्ष 18 के दौरान एईपीसी परियोजना में कोई उत्पादन नहीं हो सका। ओएनजीबीवी की अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी ओएनजीसी नील गंगा (सैन क्रिस्टोबल) बीवी के माध्यम से वेनेजुएला की सैन क्रिस्टोबल परियोजना में 40 प्रतिशत पीआई धारित करता है, जिसके ओ+ ओईजी उत्पादन में इसका हिस्सा वित्त वर्ष 18 के दौरान 0.389 एमएमटीओई था। ओएनजीबीवी अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी ओएनजीसी कैंपोस लि. के माध्यम से ब्राजील की बीसी – 10 परियोजना में 27 प्रतिशत पीआई धारित करता है, जिसमें इसके हिस्से का तेल और तेल समतुल्य गैस उत्पादन हिस्सा वित्त वर्ष 18 के दौरान 0.704 एमएमटीओई था। यह अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी ओएनजीसी कैंपोस लिमिटाडा के माध्यम से गहन जल, ब्राजील में अवस्थित बीएम – एसईएल – 4 ब्लॉक में भी 25 प्रतिशत पीआई धारित करता है। ओएनजीबीवी अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी ओएनजीसी कैस्पियन ई एंड पी बी. वी. के माध्यम से अभितटीय पाइपलाइन परियोजना, म्यांमार के लिए दक्षिण पूर्व एशिया गैस पाइपलाइन कं. लि. (एसईएजीपी) में भी 8.347 प्रतिशत पीआई धारित करता है।

   सैन किस्टोबल परियोजना : 04 नवंबर 2016 को पीडीवीएसए और ओएनजीसी नील गंगा (सैन क्रिस्टोबल) बीवी के बीच पुनर्मध्यस्थता योजना के लिए सैन क्रिस्टोबल के लंबित भुगतान और वित्त पोषण समझौता पर हस्ताक्षर किए जाने के परिणामस्वरूप, पीडीवीएस ने जेवी पेट्रोलेरा इंडो वेनेजोलाना एस. ए. (पीआईवीएसए) से देय बकाया लाभांश के अंश का भुगतान करने के लिए मार्च 2018 तक 88.42 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया है।

2. **ओएनजीसी नर्मदा लिमिटेड (ओएनएल)** : ओएनएल को नाइजेरिया की भावी ई एंड पी परियोजनाओं के लिए प्रतिधारित रखा गया है।

3. **ओएनजीसी अमेजन अलकनंदा लिमिटेड (ओएएएल)** : ओवीएल की पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी ओएएएल चीन के सिनोपेक के साथ एक 50 : 50 संयुक्त उद्यम मानसरोवार एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड (एमईसीएल) के माध्यम से कोलंबिया की ई एंड पी परियोजनाओं में पण धारित करता है। वित्त वर्ष 18 के दौरान एमईसीएल में ओएनजीसी विदेश का तेल और तेल समतुल्य गैस हिस्सा करीब 0.487 एमएमटीओई था।

4. **इंपेरियल एनर्जी लिमिटेड (आईईएल)** : साइप्रस में निगमित ओवीएल की पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी आईईएल, की मुख्य गतिविधियां पश्चिमी साइबेरिया, रूस

के टॉम्स्क क्षेत्र मे है। वित्त वर्ष 18 के दौरान, इंपेरियल एनर्जी का तेल और तेल समतुल्य गैस उत्पादन करीब 0.924 एमएमटीओई था।

5. **कारोबोबो वन एबी** : स्वीडेन में निगमित कारोबोबो वन एबी अप्रत्यक्ष रूप से कारोबोबो 1 परियोजना, वेनेजुएला में 11 प्रतिशत पीआई धारित करता है। वित्त वर्ष 18 के दौरान ओएनजीसी विदेश का तेल और तेल समतुल्य गैस हिस्सा करीब 0.169 एमएमटीओई था।

6. **ओएनजीसी बीटीसी लिमिटेड** : ओएनजीसी बीटीसी लिमिटेड बाकु – त्बिल्सी सेयहान पाइपलाइन (''बीटीसी'') में 2.36 प्रतिशत अधिकार धारित करता है, जो अज़रबैजान, जॉर्जिया और तुर्की से गुजरने वाली तेल 1,768 किमी लंबी पाइपलाइन का स्वामी है और इसका परिचालन करता है। यह पाइपलाइन मुख्यतः एसीजी फील्ड, अज़रबैजान से खनिज तेल भूमध्य सागर मे ले जाता है।

7. **ब्यास रोवुमा एनर्जी मोजांबिक लिमिटेड (बीआईईएमएल)** : बीआरईएमएल ब्रिटिश वर्जिन द्वीप (बीवीआई) में निगमित किया गया था और 23 जनवरी 2018 से मॉरिशश में जारी रख इसे प्रवासित किया गया है। ओवीएल बीआरईएमएल में 60 प्रतिशत शेयर धारित करता है और शेष 40 प्रतिशत शेयर ओआईएल द्वारा धारित है, बीआरईएमएल रोवुमा एरिया 1, मोजांबिक में 10 प्रतिशत पीआई धारित करता है।

8. **ओएनजीसी विदेश अटलांटिक इंक (ओवीएआई)** : ओवीएल ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी ओवीएआई के माध्यम से हाउस्टन, अमेरिका में भूगर्भीय और भू–भौतिकी (जी एंड जी) केन्द्र स्थापित किया है। यह केन्द्र ओएनजीसी की मौजूदा परियोजना पोर्टफोलियो का जी एंड जी अध्ययन सहित ओएनजीसी विदेश के नये अर्जनों के लिए जी एंड जी अध्ययन की आवश्यकता को पूरा करता है।

9. **ओएनजीसी विदेश रोवुमा लिमिटेड (ओवीआरएल)** : ओवीएल की पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी ओवीआरएल रोवुमा एरिया 1, मोजांबिक में 10 प्रतिशत पीआई की पुनर्संरचना के लिए मॉरिशश में निगमित की गयी थीं।

10. **ओएनजीसी विदेश सिंगापुर पीटीई लि. (ओवीएसएल)** : ओवीएसएल को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश वैंकोरेनेफ्ट पीटीई लि. (ओवीवीएल) के माध्यम से वैंकोरेनेफ्त, रूस में शेयरों के अधिग्रहण के लिए सिंगापुर में निगमित किया गया था। ओवीवीएल वैंकोरनेफ्त, रूस में 26 प्रतिशत शेयर धारित करता है और वित्त वर्ष 18 के दौरान इसका उत्पादन हिस्सा 6.191 एमएमटीओई था।

11. **इंडस ईस्ट मेडिटेरेनियन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड (आईईएमईएल)** : ओवीएल की पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी आईईएमईएल को 27 फरवरी 2018 को इजरायल में निगमित किया गया था और यह ब्लॉक–32, अपतट इजरायल से संबंधित ई एंड पी गतिविधियों में शामिल है।

12. **ओएनजीसी मित्तल इनर्जी लिमिटेड (ओएमईएल)** : ओवीएल ने मित्तल इंवेस्टमेंट सार्ल (एमआईएस) के साथ मिलकर साइप्रस मे निगमित एक संयुक्त उद्यम कंपनी ओएमईएल स्थापित की। ओवीएल और एमआईएस दोनों साथ – साथ 49.98 : 48.02 अनुपात में ओएमईएल का 98 प्रतिशत इक्विटी शेयर धारित करते हैं।

13. **एसयूडीडी पेट्रोलियम ऑपरेटिंग कंपनी (एसपीओसी)** : ब्लॉक 5ए, सूडान में परिचालन करने के लिए दक्षिण सूडान में निगमित संयुक्त प्रचालन कंपनी एसपीओसी, जिसमें ओवीएल, पेट्रोनास एवं दक्षिण सूडान का नीलपेट क्रमशः 24.125 प्रतिशत, 67.875 प्रतिशत एवं 8 प्रतिशत पीआई धारित करते हैं। ब्लॉक 5ए विशाल मुगलाद बेसिन में अवस्थित है और करीब 20,917 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल में फैला हुआ है।

14. **मोजांबिक एलएनजी1 कंपनी पीटीई लि.** : मोजांबिक एलएनजी1 कंपनी पीटीई लि. को गोल्फिनो – एतम फील्ड के प्रथम दो ट्रेनों से एलएनजी की विपणन और पत्तन गतिविधियों की देखरेख करने के लिए रोवुमा एरिया – 1 मोजांबिक कंसोर्टियम द्वारा सिंगापुर में निगमित किया गया था। ओवीएल इस कंपनी में 16 प्रतिशत अधिकार धारित करता है, जो रोवुमा एरिया – 1 परियोजना, मोजांबिक में इसके अधिकार के अनुपातिक है।

15 **फाल्कन ऑयल एण्ड गैस बी.वी (एफओजीबीवी)** : एफओजीबीवी को 06 फरवरी 2018 को नीदरलैंड में निगमित किया गया था। ओवीएल की पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी ओएनजीबीवी एफओजीबीवी में 40 प्रतिशत शेयर धारित करती है और आईओसी तथा बीपीआरएल प्रत्येक अपने अपने संबंधित समनुषंगी कंपनियों के माध्यम से 30 प्रतिशत शेयर धारित करते हैं। 09 मार्च 2018 से 40 वर्षों की अवधि के लिए लोअर जैक्युम कंशेसन में 10 प्रतिशत पीआई अर्जित करने हेतु 10 फरवरी 2018 को एडीएनओसी, सुप्रीम पेट्रोलियम काउंसिल (एसपीसी) और ऑपरेटिंग कंपनी (ओपीसीआ) के साथ अंतरण दस्तावेज निष्पादित किए गए थे।

(II) मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल)

एमआरपीएल को 07 मार्च 1988 को निगमित किया गया था। आपकी कंपनी अनुसूची 'क' मिनी रत्न और एक सूचीबद्ध कंपनी एमआरपीएल में 71.63 प्रतिशत इक्विटी धारित किए हुए है, पश्चिमी तट पर एकल स्थान 15 एमएमटीपीए रिफाइनरी है। इसके अलावा, एचपीसीएल, आपकी कंपनी की एक और समनुषंगी कंपनी है, भी एमआरपीएल में 16.96 प्रतिशत इक्विटी धारित किया हुआ है।

प्रदर्शन के प्रमुख बिन्दु वित्त वर्ष 18

एमआरपीएल ने वित्त वर्ष 17 के 16.27 एमएमटी के थ्रोपुट की तुलना में वित्त वर्ष 18 में 16.31 का अब तक का अधिकतम थ्रोपुट हासिल किया है और परिचालन से ₹ 6,30,836 मिलियन का राजस्व प्राप्त किया है और ₹ 22,241 मिलियन का कर उपरांत लाभ दर्ज किया है। एमआरपीएल बोर्ड ने वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के लिए ₹ 3 प्रति शेयर (चूकता पूंजी का 30 प्रतिशत) के लाभांश की घोषणा की है।

विपणन एवं खुदरा विक्रय प्रचालन

एमआरपीएल कर्नाटक और साथ के राज्यो में पेट्रोलियम उत्पादों प्रत्यक्ष बिक्री खंड का सबसे बड़ा हिस्सा बनाए प्रतिधारित रखा है और बिटुमेन, ईंधन तेल, डीजल, सल्फर, पेटकोक, ज़ाइलोल (जाइलिन) इत्यादि जैसे उत्पादों की प्रत्यक्ष बिक्री में शीर्ष स्थान बनाए रखा है। एमआरपीएल ने इस अवधि के दौरान नये रेलवे उपभोक्ता डिपो को सीधे ही डीजल आपूर्ति शुरु की है और अपने खुदरा बिक्री नेटवर्क का भी विस्तार किया है। वित्त वर्ष 18 के दौरान सभी उत्पादों की घरेलू बिक्री का कुल परिमाण 1786 टीएमटी रहा है।

एमआरपीएल नये और आला श्रेणियों की पॉलिप्रोपाइलिन के अपने बाजार हिस्से को बढ़ाता जा रहा है और साथ ही नये भौगोलिक क्षेत्रों में भी प्रवेश किया है।

भावी परियोजनाएं

एमआरपीएल निम्न लागत पुनर्संरचना के द्वारा रिफाइनरी क्षमता 18 / 25 एमएमटीपीए तक उन्नयन शुरु किया है। कर्नाटक सरकार ने इस प्रयोजन के लिए 1050 एकड़ भूमि आवंटित की है। वर्ष 2020 तक बीएस – 6 ईंधन गुणवत्ता का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहें हैं।

ओएनजीसी मेंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (ओएमपीएल)

मूल्य श्रृंखला एकीकरण परियोजना के रूप में मेंगलोर विशेष आर्थिक क्षेत्र में 914 केटीपीए पैरा जाइलिन और 283 केटीपीए बेंजिन की वार्षिक क्षमता वाले ऐरोमेटिक ओएमपीएल कॉम्पलेक्स स्थापित करने के लिए कंपनी द्वारा ओएमपीएल की स्थापना की गयी है। ₹ 69,110 मिलियन के कुल परिव्यय से स्थापित इस परियोजना से 01 अक्तूबर 2014 को परिचालन शुरु हुआ। ओएमपीएल वित्त वर्ष 18 में करीब 18 प्रतिशत के औसत क्षमता उपयोग के साथ अपनी क्षमता के उपयोग को बढ़ाता जा रहा है।

ओएमपीएल आपकी कंपनी की एक समनुषंगी कंपनी है, क्योंकि यह प्रत्यक्ष रूप से 48.998 प्रतिशत शेयर धारित करती है और शेष 51.002 प्रतिशत एमआरपीएल द्वारा धारित है।

(III) हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)

आपकी कंपनी ने 31 जनवरी 2018 को भारत सरकार से एचपीसीएल का 51.11 प्रतिशत इक्विटी शेयर अभिग्रहित किया है और इस प्रकार एचपीसीएल एक समनुषंगी कंपनी बन गयी है।

एचपीसीएल 2 प्रमुख रिफाइनरियों का स्वामी है और इनका प्रचालन कर रहा है, एक 7.5 मिलियन मेट्रिक टन प्रतिवर्ष



विशाखापत्तनम में एचपीसीएल रिफाइनरी का एक विहंगम दृश्य

(एमएमटीपीए) क्षमता की रिफाइनरी मुंबई (पश्चिमी तट) में है और दूसरा 8.3 एमएमटीपीए की क्षमता की रिफाइनरी विशाखापत्तनम (पूर्वी तट) पर अवस्थित है। ये रिफाइनरी पेट्रोलियम ईंधन और विशेष उत्पादों का उत्पादन कर रहें हैं। एचपीसीएल अंतर्राष्ट्रीय स्तरों के ल्यूब बेस तेलों का उत्पादन करने वाली देश की सबसे बड़े ल्यूब रिफाइनरी का भी स्वामी है और इसका परिचालन करता है, जिसकी क्षमता 428 एमएमटी है ।

यह ल्यूब रिफाइनरी भारत के कुल ल्यूब बेस तेल उत्पादन का 40 प्रतिशत से अधिक का उत्पादन करती है। मित्तल एनर्जी इंवेस्टमेंट पीटीई लि. के साथ मिलकर एचपीसीएल 49 प्रतिशत इक्विटी के साथ भटिंडा में 9 एमएमटीपीए क्षमता की रिफाइनरी का प्रचालन कर रहा है और साथ ही एमआरपीएल, जिसकी रिफाइनिंग क्षमता 15 एमएमटीपीए है, में 16.96 प्रतिशत इक्विटी धारित करती है।

एचपीसीएल के पास पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए 3370 किलोमीटर से अधिक के पाइपलाइन नेटवर्क के साथ भारत के उत्पाद पाइपलाइनों का दूसरा सबसे बड़ा हिस्सा और प्रमुख शहरों में 21 आंचलिक कार्यालयों और 128 क्षेत्रीय कार्यालयों का एक विशाल विपणन नेटवर्क है, जिसमें टर्मिनलों, पाइपलाइन नेटवर्कों, वैमानिक सेवा स्टेशनों, एलपीजी बोटलिंग संयंत्रों, अंतर्देशीय रिले डिपो एवं खुदरा बिक्री केन्द्रों, ल्यूब और एलपीजी वितरकों से संरचित एक आपूर्ति और वितरण अवसंरचना से समर्थित है।

एचपीसीएल ने वर्ष 2017 – 18 के दौरान ₹ 24,32,267 मिलियन का बिक्री राजस्व और ₹ 63,571 मिलियन का कर उपरांत लाभ दर्ज किया है।

एचपीसीएल की अनुषंगी कंपनियां

i) प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड (पीपीसीएल)

पीपीसीएल, एचपीसीएल की पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी है। पीपीसीएल, एचपीसीएल की एक अपस्ट्रीम शाखा है और हाईड्रोकार्बन के अन्वेषण और उत्पादन (ई एंड पी) और साथ ही ई एंड पी ब्लॉकों को प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने के कारोबार मे लगा है।

वर्ष 2017 – 18 के दौरान, पीपीसीएल ने हीरापुर (गुजरात) के अंतर्देशीय तेल क्षेत्र से कुल 33,752 बैरल खनिज तेल का उत्पादन हासिल किया है। पीपीसीएल की एक पूर्ण स्वामित्व वाली सिंगापुर मे निगमित एक समनुषंगी कंपनी है जिसका नाम प्राइज पेट्रोलियम इंटरनेशनल पीटीई लि. (पीपीआईपीएल) है। पीपीआईपीएल की आस्ट्रेलिया में दो ई एंड पी ब्लॉक – टी /एल1 और टी / 18पी में क्रमशः 11.25 प्रतिशत और 9.75 प्रतिशत पीआई है। पीपीआईएल ने योल्ला उत्पादनकारी फील्ड (टी/एल1) से 4,59,269 बीओई (बैरल तेल समतुल्य) का उत्पादन हिस्सा हासिल किया है। वर्ष 2017 – 18 के दौरान, पीपीसीएल ने पिछले वर्ष के दौरान प्राप्त ₹ 865 मिलियन के राजस्व की तुलना में ₹ 1,063 मिलियन का कुल राजस्व प्राप्त किया है।

ii) एचपीसीएल बायो फ्यूल लिमिटेड

एचपीसीएल बायो फ्यूल लि. (एचबीएल), पेट्रोल में सम्मिश्रण हेतु इथेनॉल का विनिर्माण के क्षेत्र में प्रवेश हेतु एक बैकवार्ड एकीकरण पहल के रूप में एचपीसीएल की पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी है । एचबीएल के पास वर्तमान में बिहार राज्य में सुगौली और लौरिया में दो एकीकृत चीनी – इथेनॉल – सहसृजन संयंत्र हैं। वर्ष 2017 – 18 के दौरान, एचबीएल ने 9.04 प्रतिशत की औसत चीनी वसूली के साथ ₹ 1,365 मिलियन का कुल राजस्व और 699 टीएमटी का गन्ना पिराई दर्ज की है । एचबीएल ने वर्ष 2017 – 18 के दौरान 63,870 एमटी का चीनी उत्पादन, 7,025 किलो लीटर का इथेनॉल उत्पादन और 79,085 मेगा वाटर हाउर का बिजली उत्पादन हासिल किया है।

iii) एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल)

एचआरआरएल एचपीसीएल लिमिटेड और राजस्थान सरकार का एक संयुक्त उद्यम है, जिनके इक्विटी प्रतिभागिता क्रमशः 74 प्रतिशत और 26 प्रतिशत है। एचआरआरएल राजस्थान राज्य में 9 एमएमटीपीए क्षमता का ग्रीनफील्ड रिफाइनरी सह पेट्रोकेमिकल्स परिसर स्थापित कर रहा है। संशोधित मापदंडों के साथ उक्त रिफाइनरी के निर्माण के लिए एचपीसीएल और राजस्थान सरकार ने 18 अप्रैल 2017 को एक संशोधित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। संशोधित संयुक्त उद्यम समझौता पर 17 अगस्त 2017 को हस्ताक्षर किए गए थे। 9 एमएमटीपीए राजस्थान रिफाइनरी का उद्घाटन 16 जनवरी 2018 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा किया गया था। इस परियोजना के परियोजना पूर्व कार्यकलाप अग्रिम चरण में हैं। इस परियोजना की लागत ₹ 4,31,290 मिलियन आकलित किया गया है।

(iv) एचपीसीएल मध्य पूर्व एफजेडसीओ

एचपीसीएल की पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी कंपनी एचपीसीएल मध्य पूर्व एफजेडसीओ 11 फरवरी 2018 को दुबई हवाई अड्डा मुक्त क्षेत्र के अंतर्गत एक मुक्त क्षेत्र कंपनी के रूप में निगमित किया गया था और कंपनी के लिए स्थापना कार्ड 22 मार्च 2018 को जारी किया गया था। एचपीसीएल मध्य पूर्व एफजेडसीओ की स्थापना लुब्रिकेंट और ग्रीज, पेट्रोरसायन और परिशोधित पेट्रोलियम उत्पादों के व्यापार के लिए स्थापित किया गया था। यह समनुषंगी कंपनी मध्य पूर्व और अफ्रिका के चयनित बाज़ारों में अपने उत्पाद बेचेगी।

(IV) पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल)

31 जनवरी 2018 को एचपीसीएल की पूंजी में नियंत्रक अधिकार अर्जित करने के पश्चात पीएमएचबीएल आपकी कंपनी की एक समनुषंगी कंपनी बन गयी है। कंपनी और एचपीसीएल दोनों पीएमएचबीएल की पूंजी में 65.44 प्रतिशत (प्रत्येक 32.72

प्रतिशत) इक्विटी धारित करते हैं। शेष 34.56 प्रतिशत इक्विटी बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा धारित हैं।

पीएमएचबीएल, एमआरपीएल के उत्पादों को कर्नाटक के सुदूर क्षेत्रों में परिवहन करने के लिए एक बहु उत्पाद पाइपलाइन का स्वामी है और इसका प्रचालन करता है। पीएमएचबीएल पाइपलाइन ने पिछले वर्ष के 3.43 एमएमटी की कुल थ्रोपुट की तुलना में वित्त वर्ष 18 में 3.5 एमएमटी का थ्रोपुट हासिल किया है और वर्ष 2017 – 18 के लिए 9 प्रतिशत का प्रथम अंतरिम लाभांश की घोषणा की है। पीएमएचबीएल ने पिछले वर्ष के ₹ 1,702 मिलियन के राजस्व की तुलना में इस वर्ष ₹ 1,711 मिलियन का कुल राजस्व दर्ज किया है। इसके अलावा पीएमएचबीएल ने पिछले वित्त वर्ष के ₹ 810 मिलियन के कर उपरांत लाभ की तुलना में वित्त वर्ष 18 में ₹ 835 मिलियन का कर उपरांत लाभ कमाया है।

9. समनुषंगी कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट और समेकित वित्तीय विवरण

आपकी कंपनी के 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के समेकित वित्तीय विवरण, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 और भारतीय लेखांकन मानक – 103 पूलिंग ऑफ इंटरेस्ट के अनुसार ''व्यवसाय संयोजन'' भारतीय लेखांकन मानक – 110 ''समेकित वित्तीय विवरण'' तथा भारतीय लेखांकन मानक – 28 ''सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश'' के अनुसार तैयार किए गए हैं। 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए यह लेखा परीक्षित समेकित वित्तीय विवरण वार्षिक रिपोर्ट का भाग हैं।

आपकी कंपनी की समनुषंगी कंपनियों की पूरी वार्षिक रिपोर्ट किसी शेयरधारक के अनुरोध उनको उपलब्ध कराई जाएगी, जो कंपनी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। इसके अलावा, ओवीएल, एमआरपीएल, एचपीसीएल और पीएमएचबीएल की वार्षिक रिपोर्टें क्रमशः वेबसाइट www.ongcvidesh.com; www.mrpl.co.in; www.hindustanpetroleum.com और www.petronetmhbl.com पर भी उपलब्ध हैं।

10. संयुक्त उद्यम सहित सहयोगी कंपनियां

क) पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)

अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के अलावा सुदूर / दुरस्थ क्षेत्रों में अवस्थित तेल क्षेत्रों की संभरण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पीएचएल नागरिक उड्डयन मंत्रालय के माध्यम से कार्य करते हुए भारत सरकार (51 प्रतिशत) के साथ मिलकर बनाई गयी कंपनी की एक सहयोगी कंपनी (49 प्रतिशत) है। पीएचएल एक एक मिनी रत्न – 1 श्रेणी पीएसयू है और इसके पास मेडि चॉपर सहित 43 हेलिकॉप्टर हैं।

भारत सरकार अपनी संपूर्ण धारिता के लिए एक रणनीतिक अभिग्रहणकर्ता की पहचान करने के लिए कार्रवाई कर रही है और इसलिए आपकी कंपनी ने भी सरकार के साथ पीएचएल से बाहर निकलने का निर्णय लिया है।

ख) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)

02 अक्तूबर 1998 को निगमित पीएलएल आपकी कंपनी का एक संयुक्त उद्यम और एक सूचीबद्ध कंपनी है, जिसमें अन्य सह प्रवर्तक तेल पीएसयु, अर्थात् आईओसीएल, गेल और बीपीसीएल के साथ आपकी कंपनी का एक समान 12.5 प्रतिशत इक्विटी पण है। भारत के ऊर्जा क्षेत्र का सबसे तेजी से बढ़ रही कंपनियों में से एक, पीएलएल, एक विश्वस्तरीय कंपनी, ने दाहेज, गुजरात में देश का प्रथम एलएनजी प्राप्ति और पुनर्गैसीकरण टर्मिनल स्थापित किया है और कोची, केरल मे एक अन्य टर्मिनल स्थापित किया है। जहॉ दाहेज टर्मिनल की अंकित क्षमता 15 एमएमटीपीए है, कोची टर्मिनल की क्षमता 5 एमएमटीपीए है।

वित्त वर्ष 2018 के दौरान पीएलएल के प्रचालनों से प्राप्त राजस्व ₹ 3,05,160 मिलियन था और करोपरांत लाभ ₹ 20,778 मिलियन था।

ग) दाहेज एसईजेड लिमिटेड (डीएसएल)

गुजरात सरकार के साथ आपकी कंपनी का 50:50 संयुक्त उद्यम डीएसएल दाहेज में एक बहु उत्पाद एसईजेड स्थापित करने के लिए बनाया गया था। आपकी कंपनी ने मूल्य श्रृंखला एकीकरण के रूप में सी2 –सी3 निष्कर्षण संयंत्र स्थापित किया है, जो ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड के लिए एक फीडर के रूप में कार्य करता है।

वित्त वर्ष 18 के दौरान डीएसएल के प्रचालनों से ₹ 541 मिलियन का राजस्व प्राप्त हुआ और 369 मिलियन का कर उपरांत लाभ प्राप्त हुआ ।

घ) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी)

ओटीपीसी को त्रिपुरा राज्य (0.5 प्रतिशत) और आईएल एंड एफएस एनर्जी डेवलपमेंट कं. लि. (आईईडीसीएल – एक आईएल एंड एफएस समनुषंगी कंपनी) के साथ आपकी कंपनी (50 प्रतिशत) का एक संयुक्त उद्यम के रूप में 27 सितंबर 2004 को निगमित किया गया था; शेष 23.5 प्रतिशत आईडीएफसी अल्टरनेटिव लिमिटेड के माध्यम से भारतीय अवसंरचना निधि – 2 से प्रबंधित है।

ओटीपीसी ने पलटाना में 726.6 मेगा वाट गैस आधारित संयुक्त चक्र ऊर्जा संयंत्र संस्थापित किया है, जिसकी परियोजना लागत ₹ 40,470 मिलियन है। इस परियोजना का मूल उद्देश्य भूमिबंध त्रिपुरा राज्य में कंपनी की व्यर्थ गैस आस्तियों का मुद्रीकरण करना और इस क्षेत्र में अन्वेषणात्मक प्रयासों को बढ़ाना है।

दोनों इकाईयों से बिजली ले जाने का कार्य नॉर्थ – ईस्ट ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (एनईटीसी), जो पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, ओटीपीसी और पूर्वोत्तर राज्य सरकारों का एक संयुक्त उद्यम है, द्वारा 663 किलोमीटर लंबे 400 केवी दोहरे सर्किट प्रेषण नेटवर्क के माध्यम से किया जाता है।

ओटीपीसी की 363.3 मेगा वाट प्रत्येक की दोनों ऊर्जा इकाईयां दो चरणों में पूरी तरह प्रचालनगत हैं।

वित्त वर्ष 18 के दौरान ओटीपीसी के प्रचालनों से प्राप्त राजस्व की राशि ₹ 12,516 मिलियन थी और कर उपरांत लाभ ₹ 1,251 मिलियन था।

ङ) मैंगलोर एसईजेड लिमिटेड (एमएसईजेडएल)

एमएसईजेड, 26 प्रतिशत इक्विटी पण के साथ आपकी कंपनी द्वारा प्रवर्तित विशेष आर्थिक क्षेत्र में केआईएडीबी (23 प्रतिशत), आईएल एंड एफएस (50 प्रतिशत), ओएमपीएल (0.96 प्रतिशत) और केसीसीआई (0.04 प्रतिशत) अन्य साझीदार हैं। एमएसईजेड ओएमपीएल सहित औद्योगिक प्रतिष्ठानों को सुविधा प्रदान करने और अवस्थित करने के लिए आवश्यक अवसंरचना के विकास के लिए एक क्षेत्र के रूप में स्थापित किया गया था। एमएसईजेड 01 अप्रैल 2015 से प्रचालनरत है। 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश और इसकी इकाईयों से 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के मूल्य के निर्यात के साथ एमएसईजेड भारत का सर्वाधिक सक्रिय प्रचालनात्मक बहु – उत्पाद एसईजेड के रूप में उभर कर आया है।

च) ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड (ओपल)

ओपल आपकी कंपनी (26 प्रतिशत) द्वारा गेल (9.85 प्रतिशत) के साथ और जीएसपीसी द्वारा नाममात्र के निवेश से 15 नवंबर 2006 को निगमित एक संयुक्त उद्यम है। शेष इक्विटी की व्यवस्था रणनीतिक साझीदारों / वित्तीय संस्थाओं से की जानी है या आईपीओ के माध्यम से आवंटित किया जाना है। वर्तमान में, इक्विटी अंतराल को अर्द्ध इक्विटी लिखतों – अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय ऋण पत्र और अल्पावधिक ऋण के माध्यम से पूरा किया जा रहा है।

ओपल, कंपनी की निकटस्थ इकाई से आंतरिक उत्पादन सी – सी3 और नाफ्था का उपयोग करने के लिए दाहेज में स्थापित एक मेगा पेट्रोकेमिकल परियोजना है। ओपल की परियोजना लागत इसके समापन के समय ₹ 3,08,260 मिलियन थी।

ओपल ने अपना उत्पादन वर्ष 2016–17 में शुरु किया था और चरणों में अपने उत्पादन बढ़ाता रहा है।

ओपल ने उत्तम श्रेणी के उत्पादों की बिक्री से घरेलू / निर्यात बाजार में अपने आपको स्थापित किया है।

छ) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल)

ओटीबीएल, आपकी कंपनी (49.98 प्रतिशत) द्वारा द एनर्जी रिसर्च इंस्टीट्यूट (48.02 प्रतिशत) के साथ बनाया गया एक संयुक्त उद्यम है, जिसकी शेष 2 प्रतिशत इक्विटी अलग अलग व्यक्तियों द्वारा धारित है।

ओटीबीएल ने कंपनी और टेरी को शामिल करते हुए सहयोगात्मक शोधों के माध्यम से तेल एवं गैस उद्योगों के लिए विभिन्न जैवतकनीकी समाधान विकसित किए हैं। इन प्रौद्योगिकियों में बायोरिमेडिएशन, पैराफिन डिग्रेडिंग बैक्टीरिया (पीडीबी), वैक्स डिपोजिशन प्रिवेंशन (डब्ल्यूडीपी) और माइक्रोबियल इनहैंस्ड ऑयल रिकवरी (एमईओआर) शामिल हैं, जो भारत और विदेश के तेल और गैस उद्योगों को प्रदान किए जा रहें हैं।

वित्त वर्ष 18 के दौरान ओटीबीएल के प्रचालनों से प्राप्त राजस्व की राशि ₹ 178 मिलियन थी और कर उपरांत लाभ ₹ 81 मिलियन था।

11. अन्य कारोबारी पहलें, महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन / करार

क) हाइड्रोकार्बन संसाधनों का पुनर्मूल्यांकन, केडीएमआईपीई, देहरादून

आपकी कंपनी ने ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) और डीजीएच के साथ मिलकर ''भारत के अवसादी बेसिनों और गहन जल क्षेत्रों के हाइड्रोकार्बन संसाधनों का पुनः आकलन'' संबंधी प्रतिष्ठित परियोजना निर्धारित समय से पहले पूरी कर ली है। अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों, डीजीएच और ओआईएल के प्रतिनिधियों द्वारा इन व्यवहार्यता रिपोर्टो की समीक्षा की थी और ये रिपोर्टें 31 जनवरी 2017 को डीजीएच को प्रस्तुत कर दी गयीं थी। 26 अवसादी बेसिनों और अपतटीय क्षेत्रों के लिए देश के अनुमानित हाइड्रोकार्बन संसाधान पूर्वानुमान मे पुनः आकलन पर महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शायी गयी है।

ख) गहन जल क्षेत्रों से अधिकतम मूल्य पर गैस आपूर्ति : पहली बार एस1 वशिष्ठ गैस के लिए दूसरी निविदा के अंतर्गत, 45,000 एससीएमडी गहन जल गैस के लिए अधिकतम मूल्य पर एक उपभोक्ता के साथ करार किया गया था।

ग) केजी डीडब्ल्यूएन 98 / 2 गैस के लिए संशोधित निकासी योजना : उत्पादित होने वाली केजी डीडब्ल्यूएन 98 / 2 गैस के एक भाग को ईडब्ल्यूपीएल (ईस्ट वेस्ट पाइपलाइन) से संपर्क के आलोक में इस गैस को पूरे भारत के ग्राहक तक पहुँचाने के लिए और साथ ही जीएसपीसी के अभिग्रहित मल्लावरम स्थित अभितटीय गैस टर्मिनल के उपयोग के लिए भी एक अन्य लैंड फॉल पोइंट अर्थात् मल्लावरम तक लाने के लिए एक संशोधित पद्धति को अंतिम रूप दिया गया है।

घ) जीएसपीसी के साथ एफआईएफओ करार : केजी – ओएसएन – 2001 / 3 ब्लॉक के रूप में चयनित संविदा क्षेत्र के लिए फार्म इन फार्म आउट (एफआईएफओ) करार के अनुरूप जीएसपीसी (गैस उत्पादक के रूप में) और जीएसपीसी (एक क्रेता के रूप में) के बीच 1 जून 2017 को गैस बिक्री एवं खरीद समझौता (जीएसपीए) निष्पादित किया गया था। तदोपरांत, 04 अगस्त 2017 को इनोवेशन करार पर हस्ताक्षर द्वारा इस जीएसए को कंपनी को नोवेट कर दिया गया था।

ङ) एचएफएचएसडी एवं एलएसएचएस

हाजिरा में, एक एनजीएल फ्रेकशनेशन यूनिट चालू की गयी है जो नये उत्पाद जैसे एचएफएचएसडी (हाई फ्लैश हाई स्पीड डीजल) और एलएसएचएस (लो सल्फर हैवी स्टॉक) उत्पादित करेगी। तातीपाका मिनी रिफाइनरी में भी एचएफएचएसडी उत्पादन शुरु हो गया है और नमूने का एचपीसीएल, विजाग में परीक्षण किया गया है।

हाजिरा और तातिपाका से एचएफएचएसडी और हाजिरा से एलएसएचएस के लिए बिक्री व्यवस्था को एचपीसीएल के साथ अंतिम रूप दिया गया है। एचपीसीएल को 05 सितंबर 2017 को तातीपाका आपूर्ति विस्तार से एलएसएचएस का ठेका दिया गया है।

च) सी2 – सी3

उरण से आरआईएल को उत्पाद आपूर्ति के लिए सी2 – सी3 मूल्य निर्धारण तंत्र पर वार्ता के परिणामस्वरूप उत्पाद मूल्य में सुधार हुआ। उरण से आरआईएल सी2 – सी3 आपूर्ति के लिए नयी मूल्य निर्धारण पद्धति पर 28 नवंबर 2017 को हस्ताक्षर किए गए, जो 1 अप्रैल 2017 से इस करार की समाप्ति तक अर्थात, 31 मार्च 2020 तक वैध है।

छ. संयुक्त उद्योग परियोजना (जआईपी) : ''एपीआई एंड सीपीटी आधारित एक्सियल पाइल कैपेसिटी डिजाइन मेथड्स की विश्वसनीयता'' के लिए संयुक्त उद्योग परियोजना (जेआईपी) में प्रतिभागिता के लिए 07 अगस्त 2015 को इस कंपनी और एनजीआई (नॉर्वेजियन जियोटेकनिकल इंस्टीट्यूट) के बीच एक करार किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय जगत के पॉच प्रतिष्ठित कंपनियों (पेट्रोब्रास, स्टेटॉयल, डोंग एनर्जी, डीएनवी जीएल और लनडिन) ने कंपनी के साथ प्रतिभागिता की। इस परियोजना का दिनांक 31 दिसंबर 2017 को सफलतापूर्वक समापन किया गया।

यह परियोजना ऑफशोर पाइल फाउंडेशन और पुराने प्लेटफॉर्मों के जीवन विस्तार के अनुकूलतम में लाभ पहुँचाएगी।

ज. ओएनजीसी – संपूर्ण आईआईटी सहयोगात्मक शोध कार्यक्रम : आपकी कंपनी ने हाइड्रोकार्बन और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों के अन्वेषण और दोहन में वृद्धि करने के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकसित करने हेतु एक सामूहिक अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम के अंतर्गत कार्य करने के लिए नई दिल्ली में 19 जनवरी, 2015 को संपूर्ण – आईआईटी के साथ एक सहयोग ज्ञापन (एमओसी) पर हस्ताक्षर किया है। संपूर्ण – आईआईटी सात शीर्ष भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नामतः खडगपुर, कानपुर, मद्रास, मुंबई, दिल्ली, गुवाहाटी और रूड़की का एक कंसोर्टियम है। यह सतत अनुसंधान, विकास और क्षमता निर्माण के लिए एक दीर्घावधि पहल है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न चरणों (चरण – 1 : 15 परियोजनाएं, चरण 2 : 12 परियोजनाएं, चरण 3 : 5 परियोजनाएं) परियोजनाएं (32 नग) शुरु की गयीं हैं जो विभिन्न समय खंडों में वर्ष 2020 तक नियोजित हैं।

झ. 25 जून 2015 को 'लानवा फील्ड में साइक्लिक स्टीम स्टिमुलेशन पायलट' के लिए मैसर्स बेलग्रेव ऑयल एंड गैस कॉरपोरेशन, कैलगेरी, कनाडा के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किया गया था और यह करार 31 दिसंबर 2017 तक वैध है। इस करार को दिसंबर 2019 तक विस्तारित किया गया है।

ञ. आपकी कंपनी ने 20 दिसंबर 2017 को आईएफपी एनर्जीज नूवेल्स, फ्रांस के साथ भूविज्ञान एवं कुंड प्रबंधन के क्षेत्र में दीर्घावधिक कार्यकारी संबंध के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और यह ज्ञापन 5 वर्षों के लिए वैध है।

ट. 03 दिसंबर 2017 को आपकी कंपनी ने ''कठिन वातावरण में संपन्न तेल / गैस कूपों में जल नियंत्रण के लिए पॉलिमर नैनो संमिश्रित हाइड्रोजेल प्रणालियों के विकास'' नामक परियोजना के क्रियान्वयन के लिए आईआईटी (आईएसएम), धनबाद के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किया है।

ठ. आपकी कंपनी ने 23 दिसंबर 2015 को ईओआर और वाटर शट ऑफ (डब्ल्यूएसओ) कार्य के क्षेत्र में पॉच वर्षों के लिए परामर्श और साझा प्रौद्योगिकी प्रदान करने के लिए ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ज्ञापन ईओआर लैब स्थापित करने, ईओआर परियोजनाओं, हैवी ऑयल, रासायनिक वाटर शट ऑफ (डब्ल्यूएसओ) कार्य और ऑयल फील्ड जल प्रबंधन इत्यादि के लिए किया गया है और यह पॉच वर्षों के लिए वैध है। वर्ष 2016 – 17 और 2017 – 18 के दौरान, करीब छह डब्ल्यूएसओ कार्य निष्पादित किए गए थे और वर्तमान में दो कार्य निष्पादित किए जाने के लिए तैयार हैं। अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में, ऑआइएल के 15 कुओं में डब्ल्यूएसओ कार्य के लिए परामर्श सेवा प्रदान करने हेतु एक नये अनुरोध को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

ड. मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, जवाहर लाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट और प्रतिभागी तेल कंपनियों के साथ एमओयू

आपकी कंपनी का मुंबई पोर्ट ट्रस्ट (एमबीपीटी), जवाहर लाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) और प्रतिभागी तेल कंपनियों अर्थात् भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, केमिकल टर्मिनल ट्रॉम्बे लिमिटेड, ऐजिस लॉजिस्टिक्स लिमिटेड और टाटा पावर कंपनी लिमिटेड, जिनके तेल का इन पोर्टों पर हैंडल किए जाते हैं, को एमबीपीटी और जेएनपीटी, जो कंपनी के उरण संयंत्र और न्हावा आपूर्ति

बेस को कवर करते हैं, पर टियर 1 ऑयल स्पिल प्रत्युत्तर सेवाएं प्रदान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। प्रतिभागी तेल कंपनियां टियर 1 ऑयल स्पिल प्रत्युत्तर सेवाएं और सुविधाओं का निधियन कर रहें हैं, जिसके लिए एमबीपीटी द्वारा साधव शिपिंग लिमिटेड, मुंबई को पॉच वर्षों के लिए संविदा दिया है, जो 21 अक्तूबर 2019 तक वैध है, और इसमें कंपनी का हिस्सा 41.5 प्रतिशत है। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत, एमबीपीटी द्वारा प्रतिभागी तेल कंपनियों के साथ पोर्ट क्षेत्र में तिमाही ऑयल स्पिल प्रत्युत्तर अभ्यास का आयोजन कर रहा है।

ढ. सीएसआईआर – राष्ट्रीय समुद्रविज्ञान संस्थान (एनआईओ) के साथ निम्नलिखित विषयों को कवर करते हुए एक समझौता ज्ञापन

- पर्यावरणात्मक निगरानी;
- पर्यावरणात्मक नमूनों में भारी धातु का विश्लेषण और आर एंड डी अध्ययन;
- तेल अन्वेषण और उत्पादन गतिविधियों के दौरान जनित अपशिष्ट का जैवोपचार अध्ययन;
- अपशिष्टों का टॉक्सिकोलॉजिकल अध्ययन;
- वेधन तरलों, वेधन कीचड़ और ड्रिल कटिंग्स का पर्यावरणात्मक परीक्षण;
- तलछटी लक्षणों का अध्ययन;
- अपतटीय गतिविधियों के लिए ईआईए अध्ययन;
- पेट्रोलियम क्षेत्र में जोखिम मूल्यांकन अध्ययन के लिए ऑयल स्पिल, वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण के लिए प्रभाव भविष्यवाणी और मॉड्लिंग इत्यादि।

ण. ऑयल स्पिल रिस्पॉस लिमिटेड (ओएसआरएल), यूके के साथ समझौता

आपकी कंपनी का ऑयल स्पिल रिस्पॉस लिमिटेड (ओएसआरएल), यू.के. के साथ टियर – 3 स्तर के बड़े तेल स्पिल के शमन के लिए एक समझौता है। ओएसआरएल के पास ऑयल स्पिल का उत्तर देने के लिए विश्व का सबसे बड़ा तकनीकी संसाधन है। यह प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय तेल और ऊर्जा कंपनियों जैसे शेवरॉन, ब्रिटिश पेट्रोलियम, स्टेटॉयल, ब्रिटिश गैस इंटरनेशनल की एक गैर लाभ सहकारी संस्था के रूप में परिचालन करता है। आपकी कंपनी वर्ष 1999 से ओएसआरएल का प्रतिभागी सदस्य है।

सेवा संविदा के एक भाग के रूप में ओएसआरएल को प्रत्येक वर्ष कंपनी के अपतटीय और तटीय सुविधाओं की तैयारी समीक्षा करनी होती है। विकासात्मक गतिविधियों के मद्देनजर 24 जुलाई 2017 को पूर्वी अपतटीय परिसंपत्ति में वार्षिक तैयारी समीक्षा आयोजित की गयी थी।

त. पूर्वी तट पर रिलायंस इंडस्ट्रीज लि., केयर्न इंडिया लिमिटेड, गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और ऑयल इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता

आपकी कंपनी ने 01 जून 2017 को पूर्वी तट पर ऑयल स्पिल घटनाओं के दौरान संसाधन जुटाने और सहयोग के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज लि., केयर्न इंडिया लिमिटेड, गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और ऑयल इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता 5 वर्षों के लिए वैध है।

12. सूचना प्रौद्योगिकी

i) दिशा के अंतर्गत कागजरहित परियोजना – हार्नेसिंग ऑटोमेशन द्वारा अंकीकरण, एकीकरण और मानकीकरण

आपकी कंपनी ने 12 जुलाई 2017 को मुंबई क्षेत्र में और उसके बाद 31 जुलाई 2017 को दिल्ली में कागज रहित कार्यालय प्रणाली शुरु करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। तदोपरांत, इसे 25 सितंबर 2017 को माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पश्चिमी क्षेत्र में शुरु किया गया था। वर्तमान में, इस कंपनी के सभी कार्य केन्द्र कागज रहित कार्यालय प्रणाली में कार्य कर रहे हैं।

ii) परियोजना प्रबंधन कार्यालय

आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में ध्यान परियोजनाओं को समय पर संपन्न करने पर होता है। इस लक्ष्य की दिशा में, एक परियोजना प्रबंधन सॉफ्टवेयर क्रियान्वित किया गया है। यह उपकरण अभिविन्यासित किया गया है और वर्तमान में रणनीतिक परियोजनाओं की निगरानी की जा रही है। आने वाले समय में इस उपकरण का उपयोग करते हुए सभी परियोजनाओं की निगरानी की जाएगी।

iii) पश्चिमी अपतट में अभितटीय रिगों के लिए बीडब्ल्यूए

अभितटीय वेधन के लिए वाई – मैक्स प्रौद्योगिकी पर आधारित हाई बैंड विड्थ कनेक्टिविटी को विस्तारित किया गया है। यह उन्हें रिगों पर कार्यालय जैसा नेटवर्क प्राप्त करने में सक्षम करेगा।

iv) वाई–फाई

कंपनी ने कर्मचारियों को अपने मोबाइल और ब्रिंग योर ओन डिवाइस (बीवायओडी) को कंपनी नेटवर्क से जोड़ने में सक्षम करने के लिए एक प्रयोग के रूप में स्कॉप मिनार में एंटरप्राइज सुरक्षा फीचरों के साथ वाई–फाई क्रियान्वित किया है। कंपनी के कार्यकेन्द्रों के महत्वपूर्ण सम्मेलन कक्षों को इस वाई – फाई से जोड़ा गया है जिससे सभी कार्य केन्द्रों पर प्रयोक्ताओं को निर्बाध रोमिंग सुविधा मिल रही है।

v) लैन और वैन

कंपनी में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी आधारित नेटवर्क उपकरण लगाए गए हैं, जिसका उपयोग लैन और वैन अवसंरचना को उन्नत करने के लिए किया गया है। यह पूरे संगठन मे सुरक्षित और कुशल नेटवर्क संपर्क प्रदान करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप निर्बाध आईटी अनुभव और बेहतर कर्मचारी उत्पादकता प्राप्त हो रही है।

vi) सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसएमएस) :

आईएसएमएस समूह पूरी कंपनी में सूचना सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने और सूचना सुरक्षा तथा साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में कर्मचारी जागरूकता बढ़ाने के लिए सभी प्रयास कर रहा है। आईएसएमएस संवहनीयता की प्रक्रिया को कारगर बनाने और निखारने के लिए 30 डेटा केन्द्रो के लिए और 18 नये डेटा केन्द्रों पर आईएसएमएस के क्रियान्वयन के लिए दो अलग अलग आईएसएमएस लेखापरीक्षा चक्र को एक एकल लेखा परीक्षा चक्र में समेकित किया गया है। यह प्रक्रिया कंपनी के कुल 48 डेटा केन्द्रों पर आईएसएमएस का क्रियान्वयन सुनिश्चित करती है। सूचना सुरक्षा और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र के मुद्दों और वर्तमान प्रवृति पर कर्मचारी जागरूकता बढ़ाने के प्रयास के भाग के रूप में ओएनजीसी रिपोर्ट पोर्टल पर नियमित रूप से एक तिमाही आईएस – ई – न्यूजलेटर प्रकाशित किया जा रहा है। अब तक, पॉच (5) अंक प्रकाशित किए गए हैं। आईएसओ 27001 : 2013 मानक के अनुसार 48 डेटा केन्द्रों के लिए प्रमाणन लेखा परीक्षा भी मार्च, 2018 तक पूरी कर ली गयी है। सीईआरटी – इन और एनसीआईआईपीसी से प्राप्त परामर्शी और सावधानी क्रियान्वयन हेतु और सतत सतर्कता बरतने हेतु कॉरपोरेट आईटी टीम के साथ साझा किए गए हैं। विभिन्न रैनसम वेयर्स पर सीआईएसओ की परामर्शी "reports.ongc.co.in" पर अपलोड की गयी थी। सीईआरटी – इन से प्राप्त परामर्शी को आईएस – फोरम सदस्यों और इन्फोकॉम डेटा केन्द्रों के प्रभारियों को मेल किया गया था।

vii) उपक्रम व्यापी एक्सेस कंट्रोल और आवेक्षण (ईएसीएस) परियोजना :

आपकी कंपनी के तेल प्रतिष्ठानों और साथ ही साथ कार्यालयों की सुरक्षा को किसी खतरे का शमन करने के लिए एक अत्याधुनिक उपक्रम व्यापी एक्सेस कंट्रोल और आवेक्षण (ईएसीएस) प्रणाली परियोजना की परिकल्पना की गयी है। मैसर्स बीईएल 330 स्थलों पर इस परियोजना का क्रियान्वयन करने के लिए एलएसटीके संविदाकार है। इस परियोजना के दिसंबर 2018 तक पूरी तरह से प्रचालनात्मक हो जाने की संभावना है।

13. आईएनडीईजी – मेक इन इंडिया अभियान

आपकी कंपनी तेल एवं गैस क्षेत्र में मेक इन इंडिया अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए अपस्ट्रीम क्षेत्र को नेतृत्व कर रही है। भारत को एक विनिर्माण केन्द्र बनाने और भारत में आर्थिक परिवर्तन लाने के लिए इस प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम को निवेश सुगम करने, नवाचार का पोषण करने, कौशल विकास में वृद्धि करने, बौद्धिक संपदा का संरक्षण करने और सर्वोत्तम श्रेणी के विनिर्माण / सेवाएं सृजित करने हेतु तैयार किया गया है।

आपकी कंपनी आयात प्रतिस्थापन और स्वदेशीकरण पर पहल करने में एक पथप्रदर्शक कॉरपोरेट होने की अपनी परंपरा चला रही है। पिछले कुछ दशकों में अपने आईएनडीईजी समूह के जरिए आपकी कंपनी ने अनेक



ओएनजीसी आयात प्रतिस्थापन और स्वदेशीकरण शुरु करने में प्रवर्तक होने के नाते अपनी विरासत संजोता है

भारतीय वेंडर बनाएं किए हैं और उनमें से कुछ अब अपने क्षेत्रों कीं अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां हैं। ओएनजीसी की पहलों सें सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को अपनी सक्षमताओं में विस्तार करने में सहायता मिली है और आपकी कंपनी ने तेल और गैस की सेवाओं और परियोजना क्षेत्रों में बड़ी भारतीय कंपनियों में से कुछ का सृजन करने में सहायता की है। "मेक इन इंडिया" अभियान के जरिए इस पर जोर देने के साथ आपकी कंपनी ने वैश्विक कंपनियों के साथ गठबंधन के जरिए और भारत में विकास हेतु भारतीय वेंडरों के संवर्धन के जरिए भारतीय उपकरण, सामान, सेवाओं और परियोजना बाज़ार की सक्षमताओं में वृद्धि करने के लिए अपने बहुविध दृष्टिकोण को पुनर्जीवित किया है।

क. मेक इन इंडिया और स्थानीयकरण अभियान

आपकी कंपनी का खरीद स्थानीयकरण और मेक इन इंडिया के संवर्द्धन का अभियान गति प्राप्त कर रहा है। कंपनी की वार्षिक खरीद में स्वदेशी हिस्सा 33.36 प्रतिशत रहा, जो पिछले वित्त वर्ष के दौरान 32.7 प्रतिशत था।

ख. आंतरिक नवीनीकरण क्षमताएं

कंपनी के सभी कार्य केन्द्रों पर बीओपी मरम्मत / नवीनीकरण की विशायकाय मांग को पूरा करने के लिए केन्द्रीय कार्यशाला, वडोडरा ने बीओपी मरम्मत शॉप, कैमरॉन, एनएल शाफर और विभिन्न आकार के हाइड्रिल विनिर्मित बीओपी की मरम्मत / नवीनीकरण और ओईएम के अनुसार दवाब श्रेणीकरण के लिए पूरी कंपनी में एकल आंतरिक सुविधा केन्द्र सृजित किया है। विदेश से खरीदे गए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरण होने के कारण बीओपी कंपनी की मूल गतिविधियों में हमेशा से काफी महत्वपूर्ण रहा है।

प्रत्येक बीओपी की औसत मरम्मत लागत वर्ष 2014 – 15 के ₹ 5.85 मिलियन से कम होकर वर्ष 2016 – 17 में ₹ 3.2 मिलियन रह गयी है।

ग. स्वदेशीकरण पहल

आपकी कंपनी ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फोरम में मेक इन इंडिया का संवर्द्धन करने के लिए एमएसएमई / एमएसएमई (अनु.जा. – अनु. जन. जा.) सहित विक्रेताओं और विनिर्माताओं के साथ बातचीत का आयोजन किया है। व्हाइट स्टार मड पंप के पूर्जे, यूपीईटी वर्कओवर के लिए पूर्जे, पिस्टन रॉड, एक्सटेंशन रॉड, स्टड, पंपों के लिए वियर प्लेट का घरेलू उद्योग के माध्यम से स्वदेशीकरण किया गया था :

घ. आयात के विकल्प स्वरूप वैकल्पिक स्वदेशी स्रोत विकसित करने की पहल :

क्र. सं.	फर्म का नाम	मद विवरण
1	मैसर्स धारियाल पॉलिमर, अहमदाबाद	एक्ससी पॉलिमर (ई एंड पी प्रचालनों के लिए आवश्यक एक विशेष मड रसायन)
2	मैसर्स माधुज हाईड्रोकॉलॉयड्स, अहमदाबाद	एक्ससी पॉलिमर (ई एंड पी प्रचालनों के लिए आवश्यक एक विशेष मड रसायन)

ङ. मेक इन इंडिया अभियान के तहत आर एंड डी पहल :

आईआईएससी, बेंगलोर के प्रोफेसरों द्वारा प्रवर्तित एक कंपनी के साथ ''शॉक वेव सहायता प्राप्त फ्रैकिंग का विकास'' नामक एक आर एंड डी सहयोगात्मक परियोजना शुरु की जा रही है। माननीय प्रधान मंत्री की उपस्थिति में इस प्रयोजनार्थ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस परियोजना की लागत ₹ 680 मिलियन है।

14. 'स्टार्ट अप' पहल

कंपनी ने अपने 60वें स्थापना दिवस अर्थात् 14 अगस्त 2016 को ऊर्जा सेक्टर से संबंधित नए विचारों को पोषित, प्रोत्साहित और आत्मसात करने के लिए ₹ 1000 मिलियन की स्टार्ट–अप निधि का शुभारंभ किया है। स्टार्ट – अप नामक यह पहल भारत सरकार की 'स्टार्ट–अप इंडिया' पहल के अनुरूप है।

यह पहल एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र का सृजन कर युवा भारतीयों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आशयित है जो ऊर्जा क्षेत्र, जहॉ प्रौद्योगिकी सक्षम विचारों की विशाल संभावना है, के स्टार्ट–अप की संवृद्धि में सहायक हो। ऊर्जा क्षेत्र अर्थव्यवस्था की संवृद्धि में बहुत अधिक योगदान करता है। वर्तमान में, यह क्षेत्र विभिन्न नाजुक चुनौतियों का सामना कर रहा है और इन चुनौतियों का सामना करने के लिए नये विचारों की आवश्यकता है।

'ओएनजीसी स्टार्ट अप' पहल के लिए प्रस्तावों के पंजीकरण हेतु एक अलग वेबसाइट startup.ongc.co.in बनाई गयी है और कंपनी ने आईआईटी बॉम्बे (आईआईटीबी) और सोसायटी ऑफ इनोवेशन एंड इंटरप्रेनियरशिप (साइन) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। कंपनी द्वारा चयनित स्टार्ट अप के मूल्यांकन और इनक्यूबेशन के लिए आईआईएम लखनऊ के एल इनक्युबेटर के साथ एक और एमओयू पर हस्ताक्षर किया है।

वर्तमान के अनुसार, दो दौरों के स्टार्ट – अप चयन पूरे किए गए हैं। प्रथम चरण में प्रथम आवेदन भाग से करीब 30 आवेदकों की संक्षिप्त सूची बनाई गयी थी और मुंबई में पिचिंग सत्र के लिए आमंत्रित किया गया था। संचालन समिति ने आगे की जॉच पड़ताल और निबंधनों एवं शर्तों की स्वीकृति के अध्यधीन इनक्युबेशन सहायता पद्रान करने के लिए छह स्टार्ट अप का चयन किया। माननीय केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री की उपस्थिति में दिनांक 25.10.2017 को पॉच चयनित स्टार्ट अप के साथ एमओयू आदान – प्रदान किए गए।

दूसरे दौर मे, एल इनक्युबेटर द्वारा विस्तृत मूल्यांकन के लिए 20 आवेदनों पर विचार किया गया जिनमें से 12 को संचालन समिति के समक्ष पिचिंग सत्र में आमंत्रण हेतु चयन किया गया था। निधियन और इनक्युबशन हेतु पॉच स्टार्टअप का चयन किया गया है।

i. नवाचार चुनौती

आपकी कंपनी ने प्रचालनों के उनके क्षेत्रों से संबंधित निम्नलिखित पाँच समस्यात्मक क्षेत्रों को वेबसाइट innovate.mygov.in पर हॉस्ट करते हुए दिनांक 18.05.2017 को नवोन्मेष चुनौती शुरु की है, ये क्षेत्र हैं, क्षैतिज कूपों के लिए कृत्रिम लिफ्टिंग उपकरण (क्षैतिज कूपों के लिए ईएसपी पंप सहित), खनिज तेल पाइपलाइन में प्रवाह सुधार, डेटा संकलन और विश्लेषण, तेल एवं गैस के उत्पादन के दौरान सैंड इनफ्लक्स नियंत्रण, पश्चिमी अपतट के कूपों में मड हानि।

प्रत्येक चुनौती क्षेत्र में दो सर्वश्रेष्ठ प्रस्तावों के लिए पुरस्कार धनराशि क्रमशः ₹ 1 मिलियन और ₹ 0.5 मिलियन रखा गया था।

पुणे के श्री निर्मल घोटेकर ने डेटा संकलन और विश्लेषण क्षेत्र में ₹ 0.5 मिलियन का पुरस्कार जीता जो दिनांक 26. 01. 2018 को देहरादून में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान दिया गया।

ii. सौर चुल्हा पहल

माननीय प्रधान मंत्री ने 25 सितंबर 2017 को कॉरपोरेट कार्यालय को समर्पित करते समय कंपनी को खाना पकाने के लिए एक ऊर्जा कुशल विद्युत चुल्हा विकसित करने की एक चुनौती स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया, जो सौर ऊर्जा के उपयोग के माध्यम से खाना बनाना सक्षम करेगा।

तदनुसार, आपकी कंपनी ने भारतीय व्यंजन को घर के अंदर पकाने (तलने, सेंकने और रोटी बनाने सहित) के लिए उपयुक्त सौर चुल्हा (विद्युत और थर्मल) के डिजाइन, विकास और प्रदर्शन पर स्वदेशी विकास प्रयास में प्रतिभागिता करने के लिए नवोन्मेष में रूचि रखने वाले उद्यमियों, वैज्ञानिकों / शोधकर्ताओं को आमंत्रित करते हुए एक राष्ट्रव्यापी सौर चुल्हा चुनौती शुरु किया है।

आवेदनों के मूल्यांकन डॉ. अनिल ककोदकर, पूर्व अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग के नेतृत्व में विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों / निकायों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों का एक पैनल बनाया गया था।

अंतिम तिथि तक प्राप्त 1550 आवेदनों पर विषेशज्ञ पैनल द्वारा मूल्यांकन के दो दौर आयोजित किए गए। प्रस्तावित अवधारणाओं के प्रदर्शन के लिए 23 – 24 अप्रैल 2018 के दौरान पॉच प्रतिभागियों को बुलाया गया था।

शीर्ष तीन प्रविष्टियों को क्रमशः ₹ 1 मिलियन, ₹ 0.5 मिलियन और ₹ 0.3 मिलियन का पुरस्कार दिया गया था।

आपकी कंपनी विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन के लिए 1,000 इकाईयों की खरीद करेगी।

15. स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) प्रत्यायन और अन्य उपलब्धियां –

एक उच्च जोखिम उद्योग होने के कारण अपने कर्मचारियों की सुरक्षा आपकी कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हाइड्रोकार्बन अन्वेषण एवं उत्पादन (ई एंड पी) प्रचालन मरुस्थल से तटीय क्षेत्रों, पहाड़ी इलाकों से वन क्षेत्रों, छिछले जल से गहरे समुद्र और अति गहरे समुद्री क्षेत्रों जैसे विविध जलवायु और परिवेश में किए जाते हैं। ई एंड पी गतिविधियां अक्सर पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करते हैं और प्रतिवेश वातावरण पर इसके भौतिक – रासायनिक एवं जैव – भूरासायनिक प्रभाव हो सकते हैं। आपकी कंपनी एक जिम्मेदार कॉरपोरेट होने के नाते पर्यावरण के बचाव और संरक्षण के लिए सभी प्रयास करती है। कंपनी ने हाल में मौजूदा नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों के अनुरूप अपनी पर्यावरण नीति और ई–अपशिष्ट नीति संशोधित की है। प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के अलावा स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के लिए आपकी कंपनी का गोवा में एक समर्पित संस्थान, पेट्रोलियम सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (आईपीएसएचईएम) है।

आपकी कंपनी अपने प्रचालनों से जनित गैस उज्सर्जन, तरल बहिस्त्रावी और ठोस अपशिष्ट के लिए स्वच्छ प्रौद्योगिकियां अपना कर पर्यावरण पर ई एंड पी गतिविधियों के प्रभाव को कम से कम करने के लिए सभी अपेक्षित उपाय करती है।

आपकी कंपनी ने अपने सभी प्रचालन इकाईयों में क्यूएचएसई प्रमाणनों आईएसओ 9001, आईएसओ 14001 और आईएसओ 18001 (ओएचएसएएस) की अपेक्षाओं के समरूप और प्रतिष्ठित प्रमाणन एजेंसियों द्वारा प्रमाणित वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त क्यूएचएसई प्रबंधन प्रणाली क्रियान्वित की है। अंतर्राष्ट्रीय संव्यवहारों के अनुरूप पूरे संगठन में एकरूपता लाने के लिए, ऑनलाइन

प्रसंग संसूचना, अन्वेषण और लेखा परीक्षा टिप्पणियों के अनुपालन से संबंधित कॉरपोरेट दिशानिर्देश तैयार किया है और क्रियान्वित किया है।

वर्ष 2017 – 18 के दौरान एचएसई के मुख्य बिन्दु

क. **आंतरिक और बाह्य सुरक्षा लेखा परीक्षा** : कार्यकलापों और प्रक्रियाओं की एचएसई प्रबंधन प्रणालियों और साथ ही विद्यमान नियमों, विनियमों, दिशानिदशों और मानकों से समरूपता की जॉच करने के लिए वाह्य एजेंसियों नामतः तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी) एवं खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) और कंपनी की बहु विषयक टीमों द्वारा आंतरिक सुरक्षा लेखा परीक्षा (आईएसए) आयोजित किए जा रहें हैं।

ओआईएसडी पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत एक तकनीकी निदेशालय है। इसने 34 अभितटीय प्रतिष्ठापनों, 13 अपतटीय प्रतिष्ठापनों और 2 गैस प्रसंस्करण की लेखा परीक्षा आयोजित किया। साथ ही वर्ष 2017–18 के दौरान नावागाम कोयाली पाइपलाइन और हाजिरा गैस प्रसंस्करण संयंत्र की दो इकाईयों का प्रि–कमिशनिंग सुरक्षा लेखा परीक्षा की गयी। वर्ष 2017–18 के दौरान प्रचालन क्षेत्र वार अनुपालन अभितटीय प्रचालनों के लिए 95.86 प्रतिशत और अपतटीय प्रचालनों के लिए 76.65 प्रतिशत, प्रक्रिया संयंत्र के लिए 71.40 प्रतिशत, पाइपलाइन के लिए 82.53 प्रतिशत है।

डीजीएमएस श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत व्यवसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण और खानों (कोयला, धातुयुक्त पदार्थ और तेल खान) में नियोजित व्यक्तियों से संबंधित मामलों के लिए एक विनियामक एजेंसी है। वर्ष 2017– 18 में इसने 176 अभितटीय प्रतिष्ठापनों के निरीक्षण निष्पादित किए।

आपकी कंपनी वाह्य सुरक्षा लेखा परीक्षाओं (ईएसए) और आंतरिक सुरक्षा लेखा परीक्षाओं (आईएसए) के दौरान की गयी टिप्पणियों के क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। टिप्पणियों की अनुपालना स्थिति को निम्नवत सारबद्ध किया गया है :

आंतरिक सुरक्षा लेखा परीक्षा (आईएसए)	बाह्य सुरक्षा लेखा परीक्षा (ईएसए)	
	ओआईएसडी	डीजीएमएस
91.3%	92.42%	93.26%

ख. **अपशिष्ट जल प्रबंधन** : पर्यावरण में प्रदूषकों के निस्सरण की निगरानी करने के लिए और सांविधिक अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए आपकी कंपनी ने करीब 78110 घन मीटर अपशिष्ट जल प्रतिदिन उपचार करने के लिए सभी अभितटीय कार्य केन्द्रों में 26 निस्सरण उपचार संयंत्र (ईटीपी) स्थापित किए है। प्रक्रिया प्लेटफॉर्म पर उत्पादित जल अनुकूलक (पीडब्ल्यूसी) स्थापित किए गए हैं। अपतटीय सुविधाओ में जनित गन्दा पानी के उपचार के लिए निस्सरण से पूर्व गन्दे पानी का उपचार करने के लिए प्लेटफॉर्म पर मल उपचार संयंत्र (एसटीपी) उपलब्ध कराए गए हैं।

ग. **ठोस अपशिष्ट प्रबंधन** : तेलीय अपशिष्ट को पर्यावरण के दृष्टिकोण से सुरक्षित निस्सरण के लिए आपकी कंपनी की एक संयुक्त उद्यम कंपनी ओएनजीसी – टेरी बायोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल) है, जिसने तेलीय गाद / तेल प्रदूषित मिट्टी के जैवोपचार के लिए विशेषीकृत पेटेंट प्राप्त प्रौद्योगिकी विकसित की है। यह प्रौद्योगिकी हाइड्रोकार्बन नाशक बैक्टीरिया के एक संकाय का उपयोग करती है, जो अपशिष्ट / मिट्टी में टीपीएच (कुल पेट्रोलियम हाइड्रोकार्बन) लेवल को 1 प्रतिशत से कम कर देती है। वर्ष 2017 – 18 के दौरान 54012 एमटी तेलीय गाद का जैवोपचार किया गया है।

घ. **पर्यावरण मंजूरी** : पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) ने अन्वेषण, विकास और उत्पादन कार्यकलापों के लिए 21 पर्यावरण मंजूरी दी है। इसमें अभितट और अपतट के 441 कुओं, हाजिरा के संयुक्त चक्र विद्युत संयंत्र. के लिए मंजूरी, उरण के विलवणीकरण संयंत्र और एलपीजी के स्टोरेज बुल्लेट; और खंभात और केजी – पीजी बेसिन के शेल गैस अन्वेषण शामिल हैं।

ङ. **वर्ष 2017 – 18 के दौरान अन्य पहल** :

i) **दस सुरक्षा नियम जागरूकता कार्यक्रम** : दस सुरक्षा नियम जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत, शुरुआत से अब तक कुल 28,497 कार्मिकों (संविदा कार्मिक सहित) को कवर किया गया है। करीब करीब सभी फील्ड कार्मिकों को कवर किया गया है। अब, यह सुरक्षा पहलूओं की स्थायी विशेषता है।

ii) **खान व्यवसायिक प्रशिक्षण (एमवीटी, 1966)** : वित्त वर्ष 18 के दौरान कुल 2,034 कार्मिकों (523 कर्मचारी और 1511 संविदा कार्मिक) को एमवीटी प्रदान किया गया।

iii) **विनियमन संगम** : 15–16 सितंबर, 2017 को तेल खान विनियम – 2017 (ओआईएसडी मानक आधारित) पर एक राष्ट्र स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम 'विनियमन संगम' आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में 110 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें डीजीएमएस, ओआईएसडी के अधिकारी, विभिन्न कार्य केन्द्रों के प्रमुख कार्यकारी और अधिकारीगण शामिल थे।

iv) **तेल खान विनियमों की समीक्षा** : फील्डों में कार्य सुगम करने और सुरक्षा मानकों में सुधार लाने के लिए डीजीएमएस ने ओएमआर – 1984 की समीक्षा करने हेतु एक समिति बनाई है। कंपनी का

प्रतिनिधित्व कॉरपोरेट एचएसई द्वारा किया गया और महत्वपूर्ण योगदान किए गए। कॉरपोरेट एचएसई द्वारा दिए गए सुझाव को अद्यतित तेल खान विनियम – 2017 में शामिल किया गया था, जिसे 19 अगस्त 2017 को श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया था।

v) सामान्य टिप्पणियों का संकलन : ओआईएम (अपतटीय प्रतिष्ठापन प्रबंधकों) / आईएम (प्रतिष्ठापन प्रबंधकों) / डीआईसी (वेधन स्थल प्रभारियों) / आरई (अधिवासी अभियंताओं) / आरपीएस (अधिवासी उत्पादन अधीक्षक) द्वारा स्व–लेखा परीक्षण कर स्थिति अपलोड करने के लिए द्वारा एक संकलन तैयार किया गया था और आपकी कंपनी के आंतरिक पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया। स्थिति की सीएचएसई द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है।

vi) छात्रों को प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिए पहल : छात्रों को वास्तविक तेल क्षेत्र स्थितियों के बारे में प्रशिक्षण और प्रत्यक्ष ज्ञान प्रदान करने के लिए, अंकलेश्वर – ओएनजीसी कॉलोनी में में एक ई एंड पी पार्क का निर्माण किया गया है, जिसमें वास्तविक फील्ड उपकरण / मशीनरी जैसे वर्क ओवर रिग (सीडब्ल्यू – 100 – 6), सकर रॉड पंप, मड पंप, सीएमटी (संकट प्रबंधन टीम) मॉड्यूल, समूह विभाजक, परीक्षण विभाजक, गैस फ्लेयरिंग सुविधा, हीटर – ट्रीटर, एक्समस ट्री, नॉक आउट सुविधा और लचीला पानी टंकी सहित विभिन्न भूविज्ञान मॉड्ल, तेल नमूने, कोर नमूने और कृत्रिम लिफ्ट प्रदर्शित किए गए हैं। प्रशिक्षण और प्रदर्शन हेतु लॉगिंग यूनिट, सिमेंटिंग यूनिट और अग्निशमन वाहन की जब कभी भी आवश्यकता होती है, उपलब्ध कराया जाता है। इस सुविधा का उपयोग स्थानीय आईआईटी छात्रों को प्रशिक्षण देने और ऑन जॉब तथा एमवीटी प्रशिक्षण देने के लिए भी किया जा सकता है। प्रशिक्षुता प्रशिक्षु के दो बैचों को भी प्रशिक्षित किया गया है।

च. पर्यावरण सुरक्षा और संरक्षण के लिए पहल : पर्यावरण सुरक्षा और संरक्षण के लिए उठाए गए ऊपर वर्णित विभिन्न कदमों के अलावा, प्रदूषण कम करने के लिए मैंग्रोव और रिंगल पौधरोपण के माध्यम से वनीकरण पर जोर दिया जाता है।

- **मैंग्रोव पौधरोपण** : परियोजना मैंग्रोव कंपनी की परिसंपत्तियों के समीप तट को स्थिरता प्रदान करने और धंडार नदी तट पर गांधार फील्ड में मृदा अपक्षरण से कूपों की सुरक्षा करने के लक्ष्य से शुरु किया गया था। आपकी कंपनी द्वारा परियोजना के चरण – 1 के दौरान, गुजरात में गांधार फील्ड, अंकलेश्वर के 100 हैक्टेयर में कुल 17,85250 मैंग्रोव पौधों, नवांकुरों और प्रोपेग्युल्स का पौधरोपण और चरण – 2 में, गुजरात में हाजिरा संयंत्र के निकट कुल 2.16 मिलियन मैंग्रोव पौधों, नवांकुरों और प्रोपेग्युल्स का पौधरोपण किया गया था।

- **रिंगल पौधरोपण** : हिमालय के नाजुक पारिस्थितिकी को बनाए रखने के लिए प्रधान मंत्री द्वारा शुरु की गयी राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना के तहत एक पहल के रूप में ऊपरी हिमालय क्षेत्र में रिंगल पौधरोपण किया जा रहा है। आपकी कंपनी पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में एक जिम्मेदार संगठन होने के नाते न सिर्फ अपने प्रचालन कार्य क्षेत्रों में अपितु अपने कार्य केन्द्रों के बाहर भी पौधरोपण और उनकी उत्तरजीविता को हमेशा उच्च महत्ता देता आया है। ऊपरी हिमालय के 430 हैक्टेयर के क्षेत्र में कुल 1,075 मिलियन रिंगल पौधरोपण किया गया है, परिणामस्वरूप, 1.97 मिलियन टन कार्बन डाईऑक्साइड का प्रतिवर्ष फिक्सेशन किया गया है।

प्रत्यायन :

क्यूसीआई – एनएबीईटी प्रत्यायन : आपकी कंपनी पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) अध्ययन आयोजित करने और अपतटीय और अभितटीय तेल और गैस अन्वेषण, उत्पादन और विकास के लिए ईआईए रिपोर्ट तैयार करने के प्रयोजन से परामर्श संगठन के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रत्यायन बोर्ड द्वारा प्रत्यायित होने वाला प्रथम पीएसयू है। इस प्रत्यायन ने महत्वपूर्ण वित्तीय और समय बचतों के अलावा कंपनी की छवि सुधारने में काफी योगदान किया है।

16. कार्बन प्रबंधन एवं संवहनीय विकास

संवहनीय विकास कंपनी का अतिमहत्वपूर्ण कार्यप्रणाली आदर्श है और यह आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक प्रदर्शन का तिहरा आधारभूत बेंचमार्क में लगातार सुधार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में परिलक्षित होता है।

कंपनी का कॉरपोरेट स्तर पर पर्याप्त संसाधन और सशक्तीकरण के साथ कार्बन प्रबंधन और संवहनीयता समूह (सीएम एंड एसजी) नामक एक समर्पित व्यवस्था है। सीएम एंड एसजी कार्य केन्द्रों पर तैनात संवहनीयता विकास अधिकारियों (एसडीओ) के सहयोग से संवहनीय विकास कार्यकलापों की योजना बनाने, उन्हें क्रियान्वित करने और निगरानी करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों का एक समूह है।

संवहनीय जल प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम)

एक ई एंड पी कंपनी के रूप में, कंपनी का कारोबार जल संसाधनों की संवहनीयता पर निर्भर करता है, जो वर्तमान में दबाव में है। वैश्विक रूप से, ताजा जल की प्रति व्यक्ति उपलब्धता लगातार कम हो रही है और बढ़ते खपत स्तर और ज्यों ज्यों जलवायु परिवर्तन सामने आ रहा है, यह प्रवृत्ति निस्सन्देह जारी रहेगी। इस स्थिति में, संवहनीय

संवृद्धि और विकास हासिल करने के लिए जल प्रबंधन हेतु कंपनी के लिए नयी रणनीतियां बनाना आवश्यक हो जाता है।

वर्षा–जल संचयन (आरडब्ल्यूएच) परियोजनाएं : वर्षा जल संचयन धोने, सिंचाई, बागबानी इत्यादि और साथ ही वर्षा जल को नाले में जाने देने की जगह भू–जल एक्विफर्स की रिचार्जिंग जैसे लाभदायक उपयोगों के लिए वर्षा जल का संचयन और भंडारण है। कंपनी की वर्षा जल संचयन नीति में वर्षा जल संचयन परियोजनाओं के अखिल भारत स्तर पर क्रियान्वयन हेतु आवश्यक ढॉचा और दिशानिर्देश प्रदान करती है।

साथ ही कंपनी की प्रचालन परिसीमा के बाहर वर्षा जल संचयन निष्पादित करने के दायरे को विस्तारित करने और पास के क्षेत्रों को सूखे और बाढ़ से जलवायु प्रतिरोध क्षमता प्रदान करने के दृष्टिकोण से मौजूदा वर्षा जल संचयन नीति में सुधार लाया जा रहा है।

समुद्र जल विलवणीकरण : दुनिया भर में और विशेष रूप से भारत में ताजा पानी की कमी के बढ़ते संकट के मद्देनजर ताजा पानी की बढ़ती मांग का हल निकालने के लिए समुद्री जल का विलवणीकरण सबसे महत्वपूर्ण उपकरण है। आपकी कंपनी उरण प्रसंस्करण संयंत्र के अंदर ही 10 एमएलडी समुद्री जल विलवणीकरण संयंत्र स्थापित कर रही है। इस संयंत्र को 20 एमएलडी की क्षमता तक उन्नत किया जा सकता है, यदि ताजा जल आवश्यकता में वृद्धि होती है। महाराष्ट्र में मुंबई के निकट अवस्थित उरण प्रसंस्करण संयंत्र कंपनी के सर्वाधिक महत्वपूर्ण संयंत्रों में से एक है, जो मुंबई हाई से आने वाले खनिज तेल को प्रसंस्करण करने और इससे मूल्य वर्द्धित उत्पादों को उत्पादित करने के लिए जिम्मेदार है। विलवणीकरण संयंत्र प्रसंस्करण संयंत्र के ताजा जल जोखिमों का शमन करेगा और क्षेत्र की पर्यावरणीय संवहनीयता में योगदान करेगा।

आपकी कंपनी ताजा जल उपलब्धता और संवहनीय संवृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अन्य तटीय कार्य केन्द्रों में भी समुद्री जल विलवणीकरण संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है। एमआरपीएल और राजमुंदरी परिसंपत्ति में उपयुक्त क्षमता की विलवणीकरण परियोजनाएं स्थापित करने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन आयोजित किए जा रहें हैं।

मल–जल उपचार संयंत्र : ओएनजीसी कॉलोनी, मेहसाणा परिसंपत्ति में 199 किलो लीटर प्रतिदिन (केएलडी) प्रत्येक की क्षमता के तीन उपचार संयंत्र निर्माणाधीन हैं।

वाटर फूटप्रिंट अध्ययन : ताजा जल खपत के स्वरूप, इसके स्रोत और खपत में कमी की संभावनाओं को समझने के लिए आंतरिक विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए सभी कार्य–केन्द्रों में वाटर फूटप्रिंट अध्ययन किए गए। इस वर्ष असम परिसंपत्ति डेटा का टेबल टॉप विश्लेषण किया गया था।

स्वच्छ विकास तंत्र परियोजनाएं

सीडीएम परियोजनाओं के माध्यम से उत्सर्जन में कमी : कंपनी ने अपनी स्वच्छ विकास तंत्र (सीडीएम) यात्रा वर्ष 2006 में शुरु की थी। वर्तमान में, जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कंवेंशन (यूएनएफसीसीसी) में पंजीकृत 15 सीडीएम परियोजनाएं हैं जिनकी प्रमाणित उत्सर्जन कमी (सीईआर) क्षमता करीब 2.1 मिलियन प्रतिवर्ष है। सीईआर के साथ पंजीकृत सीडीएम परियोजनाओं की सूची व्यापार दायित्व रिपोर्ट की बिन्दु सं. 6.10 पर दी गयी है।

आपकी कंपनी ने सीडीएम विनियम के तहत अनुमत, परियोजना के गुण–दोषों के अध्यधीन 51 मेगा वाट पवन ऊर्जा परियोजना सुरजबारी, गुजरात हेतु और 7 वर्षों के लिए क्रेडिट अवधि विस्तार की पहल शुरु की है। यह परियोजना 7 वर्ष की क्रेडिट अवधि के लिए वर्ष 2010 में एक सीडीएम परियोजना के रूप में यूएनएफसीसी में पंजीकृत किया गया था। इसके अलावा, आपकी कंपनी नयी सीडीएम परियोजनाओं को यूएनएचफसीसीसी से वैधीकरण और इसमें पंजीकरण करवाने की प्रक्रिया में है। ये हैं, कोल बेड मिथेन (सीबीएम) परिसंपत्ति, बोकारो, सी2 – सी3 संयंत्र, दाहेज, गुजरात, अपशिष्ट ताप वसूली इकाई, एमएच परिसंपत्ति, 10 मेगावाट सौर विद्युत परियोजना, हाजिरा, गुजरात।

संवहनीयता रिपोर्टिंग

कंपनी ने पहली बार वर्ष 2009–10 में अपनी स्वतंत्र रूप से आश्वासित संवहनीयता रिपोर्ट बनाना शुरु की थी और तब से कंपनी ने हमारी समनुषंगी कंपनियों ओवीएल और एमआरपीएल को शामिल करने के लिए धीरे धीरे रिपोर्टिंग का घेरा बढ़ा दिया है और वर्ष 2017 से उद्यम कंपनियों ओटीपीसी, ओपल और ओएमपीएल को शामिल करते हुए समूह कॉरपोरेट संवहनीयता रिपोर्ट शुरु कर दी है। जीआरआई आधारित वाह्य आश्वासित रिपोर्ट अब कंपनी के लिए तिहरे आधारभूत मूल्य सृजन की दिशा में और सभी पूंजी स्वरूप के लिए एक प्रमुख समर्थकारी कारक है।

भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के तहत धार्मिक शहर पुरी में एक सीएसआर परियोजना के रूप में ''अवशेष से ऊर्जा'' पायलट परियोजना की स्थापना

आपकी कंपनी ने भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के तहत धार्मिक शहर पुरी, ओडिशा में एक सीएसआर परियोजना के रूप में ''अवशेष से ऊर्जा'' पायलट परियोजना शुरु की है। अवशेष से ईंधन परियोजनाएं नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र का एक उभरता विषय है, जहॉ एकत्रित अवशेषों को अलग अलग किया जाता है और इससे ठोस / तरल / गैसीय ईंधन बनाने के लिए प्रसंस्कृत किया जाता है। प्रस्तावित पायलट संयंत्र स्थापित करने के लिए, पुरी नगरपालिका ने

आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने की सहमति दी है और साथ ही संयंत्र की पूरी उपयोगिता चक्र के दौरान संयंत्र को नियमित रूप से एमएसडब्ल्यू की आपूर्ति करने पर अपनी सहमति दी है। कंपनी सीएसआर अनुदान के रूप में आवश्यक पूंजीगत व्यय करेगी। संयंत्र प्रतिदिन जनित मिश्रित अवशेषों को अलग अलग करेगा और उनसे ईंधन बनाने के लिए नवीनतम और लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्रसंस्कृत करेगा।

जलवायु परिवर्तन जोखिमों पर एक अध्ययन : तेल एवं गैस क्षेत्र के लिए तैयारी

आपकी कंपनी ने अन्य तेल और गैस क्षेत्र पीएसयू के साथ मिलकर ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टेरी) और भारतीय पेट्रोलियम उद्योग परिसंघ (पहले भारतीय पेट्रोलियम परिसंघ) द्वारा एक ''जलवायु परिवर्तन जोखिमों : तेल एवं गैस क्षेत्र के लिए तैयारी पर एक वैज्ञानिक अध्ययन '' करवाया। इस अध्ययन का लक्ष्य नई जलवायु नीतियों के कारण आने वाली चुनौतियों सहित भारत के तेल एवं गैस की अपस्ट्रीम, मिडस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम अवसंरचना को जलवायु परिवर्तन से होने वाली जोखिमों को समझना और उसका आकलन करना और जलवायु परिवर्तन जोखिमों को रणनीतिक निर्णयन में समाहित करने को सुविधाजनक बनाने के लिए एक ढॉचा विकसित करना था।

17. व्यापार उत्तरदायित्व रिपोर्ट – 2017–18

सेबी (सूचीकरण दायित्व एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 34 के खंड के उप विनियम (2) के खंड (च) में यह प्रावधान है कि वार्षिक रिपोर्ट में एक व्यापार उत्तरदायित्व रिपोर्ट होनी चाहिए, जिसके अंतर्गत विनिर्दिष्ट प्रारूप में पर्यावरणीय, सामाजिक और अभिशासन के परिप्रेक्ष्य से सूचीबद्ध कंपनी द्वारा की गयी पहलों का वर्णन किया जाना चाहिए। तदनुसार, **वर्ष 2017 – 18 की व्यापार उत्तरदायित्व रिपोर्ट** इस वार्षिक रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

18. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली

आपकी कंपनी ने अपने कारोबारों का कुशल संचालन ; अपनी परिसंपत्तियों के संरक्षण; धोखेधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और संसूचन; लेखा अभिलेखों की सटीकता और संपूर्णता सुनिश्चित करने; और कंपनी के प्रचालन के अनुरूप विश्वसनीय वित्तीय सूचना समय पर तैयार करने हेतु नीतियां और प्रक्रियाएं निर्धारित कर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की व्यवस्था की है ।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की कार्यसाधकता, प्रबंधन समीक्षा, नियंत्रण स्व–मूल्यांकन और आंतरिक लेखा परीक्षा टीम द्वारा स्वतंत्र लेखा परीक्षा कर सुनिश्चित किया जाता है, जो यह संकेत देते हैं कि आपकी कंपनी का कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुरूप वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण है और ये आंतरिक वित्तीय नियंत्रण कारगर रूप से कार्य कर रहे थे। लेखा परीक्षा एवं आचरण समिति आशयित प्रयोजन के लिए आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की कार्यसाधकता सुनिश्चित करने के लिए उनकी समीक्षा करती है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उप–धारा 3 के खंड (i) के अनुसार कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा स्वतंत्र लेखा परीक्षक रिपोर्ट वित्तीय विवरणों के साथ संलग्न है।

19. ओएनजीसी ऊर्जा केन्द्र ट्रस्ट (ओईसीटी) के माध्यम से अनुसंधान एवं विकास के प्रयास

I. स्वीकृत पेटेंट

अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट :

वित्त वर्ष 18 के दौरान, ओईसीटी और आईसीटी – मुंबई द्वारा छह देशों (अमेरिका, कनाडा, जापान, ब्रिटेन, कोरिया और चीन) में कॉपर – क्लोरिन चक्र पर पूर्व में दाखिल किए गए तीन अंतर्राष्ट्रीय पीसीटी पेटेंटों में से निम्नलिखित दो आवेदनों को स्वीकार कर लिया गया :

1. ब्रिंटेन (जापान, कनाडा और अमेरिका में पेटेंट पहले से स्वीकृत) में स्वीकृत 'कॉपर – क्लोरिन चक्र में विद्युत रासायनिक बैटरी के प्रदर्शन पर प्रचालन मापदंडों का प्रभाव'।
2. चीन में स्वीकृत (कनाडा, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका में पहले से स्वीकृत पेटेंट) 'कॉपर – क्लोरिन उष्मीयरासायनिक चक्र का उपयोग करते हुए हाइड्रोजन के उत्पादन में प्रयुक्त विद्युत रासायनिक बैटरी'

राष्ट्रीय पेटेंट :

वित्त वर्ष 18 के दौरान निम्नलिखित दो राष्ट्रीय पेटेंट संस्वीकृत किए गए थे :

1. पेटेंट सं. 294447 के तहत आईसीटी, मुंबई के साथ ओईसीटी द्वारा संयुक्त रूप से दाखिल ''मल्टी स्टेप कॉपर – क्लोरिन थर्मोकेमिकल साइकल द्वारा हाइड्रोजन उत्पादन पद्धति''
2. पेटेंट सं. 294960 के तहत आईसीटी, मुंबई के साथ ओईसीटी द्वारा संयुक्त रूप से दाखिल ''कॉपर – क्लोरिन साइकल में इलेक्ट्रोकेमिकल सेल के प्रदर्शन पर ऑपरेटिंग पैरामीटर का प्रभाव''

दाखिल राष्ट्रीय पेटेंट :

1. अन्वेषण शीर्षक ''उच्च ताप उष्मीय ऊर्जा भंडारण के लिए एक द्रवित नमक संरचना'' के राष्ट्रीय पेटेंट के लिए आईसीटी, मुंबई के साथ ओईसीटी द्वारा संयुक्त रूप से दाखिल किया गया (भारत : 201721016058)।

2. अन्वेषण शीर्षक ''एसिड एंड ऑक्सीडेटिव रेसिसटेंट केशन एक्सचेंज मेंम्ब्रेन फॉर इलेक्ट्रो डाइलेसिस, इलेक्ट्रोलाइसिस और अन्य वैद्युत रासायनिक प्रक्रियाएं'' के राष्ट्रीय पेटेंट के लिए सीएसआईआर – सीएसएमसीआरआई के साथ ओईसीटी द्वारा संयुक्त रूप से दाखिल किया गया (भारत : 0016एनएफ2018)।

अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट :

पूर्व में दाखिल राष्ट्रीय पेटेंट के प्रति वर्ष 2017 – 18 में तीन पीसीटी आवेदन दाखिल किए गए थे :

1. पीसीटी आवेदन सं. पीसीटी / आईएन 2017 / 050151 शीर्षक 'कैटालिस्ट कंपोजिशन फॉर कनवर्सन ऑफ सल्फर ट्राई ऑक्साइड एंड हाईड्रोजल प्रोडक्शन प्रोसेस'' दिनांक 28. 04. 2017 को आईआईटी दिल्ली के साथ ओईसीटी द्वारा संयुक्त रूप से दाखिल।
2. पीसीटी आवेदन सं. पीसीटी / आईएन 2017 / 050150 शीर्षक ''सल्फर ट्राई ऑक्साइड के रूपांतरण और हाइड्रोजन उत्पादन की प्रक्रियाएँ'' दिनांक 28. 04. 2017 को आईआईटी दिल्ली के साथ ओईसीटी द्वारा संयुक्त रूप से दाखिल।
3. पीसीटी आवेदन सं. पीसीटी / आईएन 2017 / 050461 शीर्षक ''भूमिगत कोलबेड मिथेन वेल्स से मिथेन उत्पादन'' दिनांक 10. 10. 2017 को टेरी दिल्ली के साथ ओईसीटी द्वारा संयुक्त रूप से दाखिल किया गया था।

II. नई परियोजनाएं

वित्त वर्ष 18 के दौरान नई परियोजनाएं, ओईसीटी नई पहलों के अलावा नये आंतरिक / सहयोगात्मक परियोजनाएँ आरम्भ की हैं। विवरण इस प्रकार हैं :

क. यूरेनियम अन्वेषण :

1. कैकालुर लिंगाला क्षेत्र, केजी बेसिन, आंध्र प्रदेश में 8800 मीटर (16 मापदंड बोरहोल्स) वेधन, कोरिंग और लॉगिंग – आंतरिक परियोजना।
2. सन वैली और सागर क्षेत्र, एम. पी. और करजान – पाडरा क्षेत्र, गुजरात में 20,150 मीटर (16 मापदंड बोरहोल्स) वेधन, कोरिंग और लॉगिंग – आंतरिक परियोजना।
3. अद्यस्तल गादों से यूरेनियम के निष्कर्षण के लिए आईएसएल प्रक्रिया का विकास – केडीएमआईपीई की आंतरिक परियोजना : प्रत्याशित अन्वेषण क्षेत्रों का लीचेंट फॉर्मूलेशन विकसित करना।

ख. हाइड्रोजन कार्यक्रम :

4. आईसीटी – ओईसी कॉपर – क्लोरिन चक्र पर आगे का अन्वेषण : सेपेरेशन, मेटेरियल स्क्रीनिंग और कॉपर – क्लोरीन चक्र के साथ मोल्टेन साल्ट मिडिया का एकीकरण पर अध्ययन – आईसीटी मुंबई के साथ सहयोग।
5. कोलॉयडल गैस एफ्रन्स (सीजीए) और मेटल हाइब्राइड्स से लोडेड सीजीए का उपयोग करते हुए हाइड्रोजन स्टोरेज– **आईआईटी, दिल्ली के सहयोग से।**

ग. जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम

6. झरिया के सीबीएम उत्पादनकारी कुएं से मिथेन जनन / वर्द्धन के लिए यथा स्थान उत्प्रेरण और जैव–आवर्धन का प्रदर्शन – टेरी, दिल्ली के सहयोग से।
7. अद्यस्तल लिग्नाइट गाद से मिथेन के जनन के लिए बायोकनवर्सन का विकास और प्रदर्शन – टेरी और एआरआई के सहयोग से।
8. अल्प से आंशिक उत्पादनकारी सीबीएम कुओं के लिए उपयुक्त माइक्रोबियल मिथेन जनन प्रक्रिया का डिजाइन, विकास और प्रदर्शन – टेरी – डीएसटी के साथ सहयोग से।

घ. अन्य

9. फोटो – कैटालाइटिक रियक्टर अवधारणा का साक्ष्य और सौर ऊर्जा का उपयोग करते हुए कार्बन डाई–ऑक्साइड की हाइड्रोकार्बन में पुनर्चक्रण का प्रदर्शन – टेरी–डीएसटी के साथ सहयोग से।
10. लिग्नाइट से मिथेन में रूपांतरण को बढ़ाने के लिए अद्यस्तल लिग्नाइट गाद के रासायनिक उपचार पर लेबोरेटरी स्केल इन्वेस्टिगेशन – सीएसआईआर – आईआईसीटी, हैदराबाद के साथ सहयोग से।
11. औद्योगिक निस्सरण के उपचार के लिए स्लज मुक्त स्वच्छ प्रौद्योगिकी का विकास – टेरी के साथ।
12. उत्तरी कडी, जीजीएस 4, मेहसाणा – उत्तरी गुजरात में कूप तरल के तापायन के लिए उत्पादित पानी से अपशिष्ट ताप का उपयोग – ईआईएल के साथ।
13. जीसीएस, कुठालम में हेलियम निष्कर्षण पायलट संयंत्र की पुनर्संरचना / पुनरुज्जीवन।
14. कॉपर – क्लोरीन चक्र और संबंधित गतिविधियों में निर्माण के लिए सामग्री का चयन।
15. बार्क में हाइड्रोसल्फाइड और सल्फर डाइ–ऑक्साइड संसूचन के लिए संसूचकों का विकास : बार्क द्वारा हाइड्रोसल्फाइड और सल्फर डाइ–ऑक्साइड संसूचकों का स्वदेशी विकास।
16. ईंधन गैस खपत कम करने के लिए कंपनी प्रतिष्ठापनों में कूप द्रव्य प्रसंस्करण के लिए सौर उष्मीय ऊर्जा : यूएनआईडीओ के माध्यम से तैयार की गयी व्यवहार्यता रिपोर्ट।

20. मानव संसाधन

आपकी कंपनी मानव संसाधन को काफी महत्व देती है। उनका मनोबल ऊँचा रखने के लिए आपकी कंपनी अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों को व्यापक चिकित्सा देखभाल, शिक्षा, आवास और सामाजिक सुरक्षा के रूप में कई कल्याणकारी हितलाभ प्रदान करती है।

21. मानव संसाधन विकास

ओएनजीसी के 32,265 ओएनजीसी कर्मियों ने, वर्ष के दौरान आपकी कंपनी के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अपने आपको समर्पित किया। आपकी कंपनी द्वारा अपनाई गई कार्य बल भर्ती रणनीति, एक ऐसे व्यवसाय में प्रतिभा का निरंतर प्रवाह बनाए रखने की मांग पूरी करती है, जिसमें उच्च जोखिम और अनिश्चितताएं, विशाल लागत, तेजी से बदलता प्रौद्योगिकी स्तर, भौतिक रूप से चुनौतीपूर्ण पर्यावरण, अस्थिर उत्पाद मूल्य और बढ़ती प्रतिस्पर्द्धा है। आपकी कंपनी ने व्यवसाय योजनाओं के संरेखन में और कंपनी के जनशक्ति प्रोफाइल को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक जनशक्ति भर्ती योजना बनाई है।

मानव संसाधन प्रक्रियाओं को सशक्त करने के लिए निम्नलिखित विशिष्ट पहलें की गयीं :

- एसीआर / एपीआर को लिखने (अधिकरियों की संख्या का प्रतिशत) से संबंधित निर्धारित समय सीमा की अनुपालना, जो 99.75 प्रतिशत रहा, के साथ सभी अधिकारियों (ई–0 और ऊपर) के एसीआर / एपीआर की ऑनलाइन प्रस्तुति सफलता पूर्वक शुरु की गयी।
- वरिष्ठ अधिकारियों (ई–5 और ऊपर के स्तर के अधिकारी) के लिए ऑनलाइन तिमाही सतर्कता मंजूरी अद्यतन में उपलब्धि 100 प्रतिशत रही।
- 28 सितंबर 2017 को निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित उत्तराधिकार योजना की तैयारी।

आपकी कंपनी यह मानती है कि इसके मानव संसाधनों का निरंतर विकास संलग्नता को बढ़ावा देता है और प्रतिस्पर्द्धी बढ़त प्रेरित करता है। इस लक्ष्य की ओर, वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी ने कृत्रिम कारोबारी बाधाओं में एक प्रतिस्पर्द्धी परिदृश्य में अपने अधिकारियों के कारोबारी कौशल को प्रखर करने के लिए व्यापार खेल आयोजित किए। व्यापार खेल काफी लोकप्रिय पहल साबित हुए और यह व्यवसाय पहेलियों, व्यापार सिमुलेशन और वृत्त अध्ययन प्रस्तुति के माध्यम से अधिकारियों की क्षमता की परीक्षा लेता है। वर्ष 2017–18 के दौरान इस कार्यक्रम में कुल 159 दलों और 636 अधिकारियों ने भाग लिया। एमडीटी (बहु–विधा दल) अवधारणा और भाईचारे की भावना तथा संगठन के साथ अपनत्व की भावना मन में बैठाने के लिए ई–0 और उससे नीचे के स्तर के कर्मचारियों के लिए 'फन टीम खेल' (एफजीटी) आयोजित किए गए, जिनका प्रतिभागियों द्वारा बहुत स्वागत किया गया। वर्ष 2017–18 के दौरान कुल 119 दलों और 476 कर्मचारियों ने एफटीजी में भाग लिया। व्यापार खेलों और फन टीम खेलों के विजेताओं को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर सम्मानित किया गया।

आपकी कंपनी अपनी प्रशिक्षण गतिविधियों के स्पेक्ट्रम का नाम 'एक्सपोनेंट' रखा है, एक व्यापक कार्यक्रम जो कल के ऊर्जा अग्रणियों को कुशल बना रहा है। एक ओएनजीसी कर्मी की ऊर्जा व्यवसाय के एक घातांक तक संवृद्धि ओएनजीसी एकेडमी, कौशल विकास केन्द्रों (एसडीसी), अन्य आंतरिक संस्थानों; विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रशिक्षकों के माध्यम से सुलभ की जाती है। ओएनजीसी के प्रशिक्षण संस्थान सभी आयामों में प्रशिक्षण आयोजित करते हैं – तकनीकी और गैर तकनीकी और प्रबंधन।

वर्ष के दौरान, कुल 17,947 अधिकारियों और 5,319 गैर–अधिकारियों को समुचित प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जो सभी कार्य केन्द्रों को मिलाकर वर्ष 2017–18 के दौरान अधिकारियों के लिए 1,67,369 श्रम दिवस और गैर–अधिकारियों के 17,817 श्रम दिवस थे।

प्रतिभा प्रबंधन और कैरियर प्रगति प्रथाओं को एक संवेग प्रदान करने के लक्ष्य से आपकी कंपनी ने ई5 और उसके ऊपर के स्तर के अपने 11.9 प्रतिशत अधिकारियों को उत्कृष्टता केन्द्रों अर्थात् आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, आईसीएआई इत्यादि के माध्यम से कम से कम एक सप्ताह का प्रशिक्षण प्रदान किया है। इसके अलावा, तेल और गैस अन्वेषण और उत्पादन से संबंधित नयी और उभरती प्रौद्योगिकीय प्रगतियों का समावेशन करने के लिए वर्ष के दौरान विदेशी संकायों के माध्यम से 14 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से 302 प्रतिभागियों को अपेक्षित अनुभव प्राप्त हुआ।

22. कर्मचारी कल्याण

आपकी कंपनी मानव संसाधन को काफी महत्व देती है। उनका मनोबल ऊँचा रखने के लिए आपकी कंपनी अपने कर्मचारियों और उनके आश्रितों को व्यापक चिकित्सा देखभाल, शिक्षा, आवास और सामाजिक सुरक्षा के रूप में कई कल्याणकारी हितलाभ प्रदान करना जारी रखा है। आपकी कंपनी बदलती अर्थव्यवस्था और कारोबारी परिदृश्य के अनुरूप अपनी नीतियों को संरेखित करना जारी रखा है।

कर्मचारी कल्याण न्यास –

आपकी कंपनी ने कर्मचारियों के कल्याण हेतु निम्नलिखित प्रमुख न्यास स्थापित किए हैं :–

- **कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि (ईसीपीएफ) न्यास,** आपकी कंपनी के कर्मचारियों के भविष्य निधि लेखों का प्रबंधन करता है।

- **आपकी कंपनी का सेवानिवृत्ति–पश्च हितलाभ योजना (पीआरबीएस),** न्यास, आपकी कंपनी के कर्मचारियों की पेंशन का प्रबंधन करता है। डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार नवंबर 2013 में इस योजना को एक परिभाषित अंशदान योजना में रूपांतरित कर दिया गया था।
- **आपकी कंपनी द्वारा तैयार की गई संयुक्त सामाजिक सुरक्षा योजना (सीएसएसएस),** सेवा में रहते हुए किसी कर्मचारी की सेवा काल में दुर्भाग्यवश मृत्यु होने पर या स्थायी विकलांगता होने पर एक सुनिश्चित अनुग्रह भुगतान उपलब्ध कराती है। मत्यु/पूर्ण स्थायी विकलांगता के अलावा, अंग विच्छेद की दशा में कर्मचारियों का स्वयं का अंशदान, ब्याज सहित वापस कर दिया जाता है।
- **उपदान निधि न्यास** अधिनियम के उपबंधों के अनुसार उपदान के भुगतान के लिए उपदान निधि न्यास मौजूद है।
- **सहयोग न्यास** आपकी कंपनी में, उन कर्मचारियों और उनके संबंधियों, जिनके पास भरण–पोषण के पर्याप्त साधन नहीं हैं, के कल्याण सुनिश्चित करने के लिए, गुजारे, चिकित्सा सहायता, उपचार, पुनर्वास, शिक्षा, महिला आश्रित के विवाह और किसी कठिनाई या कष्ट के उपशमन हेतु अनुग्रह वित्तीय अनुदान प्रदान करने के लिए अपनी सहयोग योजना हेतु एक सहयोग न्यास है। इस योजना के अंतर्गत लाभग्राहियों में, नियमित और पूर्व कर्मचारियों के अलावा, कंपनी द्वारा नियुक्त किए गए नैमित्तिक, आकस्मिक, दैनिक दिहाड़ी, अंशकालिक तदर्थ, ठेका नियुक्ति वाले, कार्यकाल आधारित कर्मचारी, प्रशिक्षु और प्रशिक्षणार्थी शामिल हैं। इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2017–18 के दौरान न्यास द्वारा 1200 हितधारकों का ₹ 48 मिलियन की धनराशि संवितरित की गई थी।
- **आशा किरण योजना** : 01 जनवरी 2007 के पूर्व सेवानिवृत्त पूर्व कर्मचारियों की आकस्मिक आवश्यकताएं पूरी करने के लिए आपकी कंपनी की आशा किरण योजना है। यह योजना डीपीई दिशा निर्देशों के अनुसार पीबीटी के 1.5 प्रतिशत का कॉरपस बनाया गया था।

प्राथमिकता प्राप्त वर्गों के लिए सरकारी निदेशों का क्रियान्वयन

आपकी कंपनी, समाज के प्राथमिकता प्राप्त वर्ग के लिए जारी सरकारी निर्देशों का पालन करती है। दिनांक 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) कर्मचारियों की कुल संख्या क्रमशः 15 प्रतिशत और 9.9 प्रतिशत थी।

आपकी कंपनी, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के कल्याण के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। अपने प्रचालनात्मक क्षेत्रों में और उसके आसपास उनके उत्थान के लिए आपकी कंपनी द्वारा निम्नलिखित कल्याण क्रियाकलाप किए गए हैं:

वार्षिक संघटक योजना:

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए वार्षिक संघटक योजना के अंतर्गत वित्त वर्ष 12 से प्रत्येक वर्ष ₹ 200 मिलियन का आबंटन किया जाता है। इसमें से, ₹ 60 मिलियन, हमारे प्रचालन क्षेत्रों में और उनके आसपास के क्षेत्रों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों के कल्याण के लिए क्रियाकलाप आरंभ करने के लिए सभी कार्य केंद्रों के बीच वितरित किए जाते हैं। इसके अलावा, ₹ 140 मिलियन का प्रबंध केंद्रीय रूप से किया जाता है और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों से संबंधित व्यक्तियों/क्षेत्रों के कल्याण के लिए विशेष परियोजनाओं/प्रस्तावों/योजनाओं के लिए निर्धारित किया जाता है। इस निधि का उपयोग विशेष रूप से शिक्षा और प्रशिक्षण, सामुदायिक विकास और चिकित्सा तथा स्वास्थ्य सुरक्षा में सहायता और समर्थन प्रदान करने के उद्देश्य के लिए किया जाता है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति

आपकी कंपनी, स्नातक अभियंता, एमबीबीएस, एमबीए के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों और भूगर्भीय विज्ञानों में पूरे देश के भिन्न–भिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों में उच्च व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के लिए मेधावी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति छात्रों को 500 छात्रवृत्तियां प्रदान करती है। इस योजना की मुख्य विशेषता यह है कि ये छात्रवृत्तियां छात्रों और छात्राओं दोनों में समान रूप से विभाजित की गई हैं और छात्रवृत्ति की धनराशि, योजना की निबंधनों एवं शर्तों के अधीन ₹ 4000 प्रति माह दी जाती है जो ₹ 48000 प्रति वर्ष बैठती है।

23. औद्योगिक संबंध

इस वर्ष के दौरान आपकी कंपनी ने पूरे वर्ष सौहार्दपूर्ण औद्योगिक संबंध बनाए रखे हैं। आंतरिक औद्योगिक कार्रवाई के कारण नष्ट हुए श्रम दिवस, वर्ष 2017–18 के लिए 'शून्य' सूचित किए गए थे।

24.शिकायत प्रबंधन प्रणाली

आपकी कंपनी ने सभी हितधारकों अर्थात् नागरिक / विक्रेताओं / कर्मचारियों / पूर्व कर्मचारियों के लिए किसी प्रचालनात्मक स्कंध से संबंधित उनकी शिकायतों दर्ज करने के लिए और उनके ऑनलाइन निवारण सक्षम करने के लिए वर्ष 2005 से एक कारगर ऑनलाइन प्रत्युत्तर प्रणाली *(https://grievance.ongc.co.in)* स्थापित की है।

आपकी कंपनी ने कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए शिकायत प्रबंधन प्रणाली भी स्थापित की है, जिसमें कॉरपोरेट स्तर पर स्वतंत्र अपील समिति, जिसकी अध्यक्षता, पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए, एक वाह्य पेशेवर द्वारा की जाती है, के साथ शिकायतों के निवारण के

लिए तीन टियर चैनल हैं। यदि स्थानीय चेनेल शिकायतों के निवारण में कारगर नहीं होते हैं तो शिकायतों के समाधान के लिए कॉरपोरेट कार्यालय में अवस्थित अपील समिति तक पहुँचा जा सकता है। आरक्षित श्रेणी के कर्मचारियों के हित का संरक्षण करने के लिए अपील समिति में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़े वर्ग के मुख्य संपर्क अधिकारियों के माध्यम से प्रतिवेदन के प्रावधान भी अन्तर्निहित हैं।

बाहरी हितधारकों के लिए, मामले को बोर्ड स्तर (हितधारक संबंध समिति – एक स्वतंत्र निदेशक के नेतृत्व में एक बोर्ड स्तरीय समिति) तक उठाने के लिए पर्याप्त प्रावधान के साथ कंपनी की एक सुव्यवस्थित शिकायत निवारण प्रणाली है।

कंपनी स्वेच्छा से स्वतंत्र वाह्य मॉनिटर्स (आईईएम) और वाह्य विशेषज्ञ समिति (ओईसी) के माध्यम से सुगम करती है।

25. सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत क्रियान्वयन

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत प्राप्त अनुरोधों पर कार्रवाई करने के लिए पूरे संगठन में एक विस्तृत तंत्र स्थापित किया गया है। इस प्रयोजन के लिए महाप्रबंधक के स्तर के एक नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जो दिल्ली स्थित पंजीकृत कार्यालय में तैनात है। इसके अलावा, अधिनियम की धारा के प्रावधानों के अनुपालन में, पूरे देश में अलग – अलग कार्य केंद्रों पर केंद्रीय जनसूचना अधिकारी (सीपीआईओ) के रूप में 22 अधिकारी नामजद किए गए हैं। आम जनता की व्यापक सूचना के लिए ओएनजीसी कॉरपोरेट पोर्टल (www.ongcindia.com) पर, सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के दायरे के अंतर्गत अर्ध–न्यायिक प्राधिकरणों के ब्यौरे अपलोड किए गए हैं। सरकारी निदेशों के अनुसार आपकी कंपनी ने अगस्त 2016 से इस अधिनियम के अंतर्गत आवेदनों का ऑनलाइन संसाधित करना शुरु किया है।

वर्ष 2016 – 17 से 111 आवेदन अग्रेणित किए गए थे। इसके अलावा, अप्रैल, 2017 से मार्च 2018 की अवधि के दौरान 1719 आवेदन प्राप्त किए गए थे। कुल प्राप्त 1830 आवेदनों में से इस अवधि के दौरान सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत कुल 1647 आवेदनों का जवाब दिया गया। इस अवधि के दौरान 273 प्रथम अपील निस्तारित किए गए थे। इसके अलावा, जन सूचना विभाग / आरटीआई प्रकोष्ठ ने भी 109 द्वितीय अपील निस्तारित किए, जिन्हें वित्त वर्ष 18 के दौरान केन्द्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) में सुनवाई हेतु सूचीबद्ध किया गया था।

26. राजभाषा नीति का क्रियान्वयन

आपकी कंपनी ने राजभाषा को बढ़ावा देने और उसके क्रियान्वयन हेतु सम्मिलित प्रयास करती है। इस संबंध में वर्ष के दौरान उठाए गए कुछ कदम इस प्रकार हैं:

- अपने सभी कार्यालयों में यूनिकोड हिंदी सॉफ्टवेयर अधिष्ठापित किए गए।
- नियमित अंतरालों पर सभी कार्य – केन्द्रों पर हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गईं।



ओएनजीसी वर्ष 2017 में एवरेस्ट पर्वत पर और वर्ष 2018 में कंचनजंघा पर्वत शिखर पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करने वाला प्रथम कॉरपोरेट दल बना

- विभिन्न कार्य केंद्रों पर हिंदी तकनीकी संगोष्ठियां, कवि गोष्ठियां और हिंदी नाटक आयोजित किए गए।
- 'राजभाषा पखवाड़ा' (14 – 28 सितंबर 2017) के दौरान और 'विश्व हिन्दी दिवस' (10 जनवरी 2018) के अवसर पर कंपनी के सभी कार्य केंद्रों पर राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- कंपनी के सभी क्षेत्रीय कार्य केन्द्रों पर भारत सरकार की हिन्दी शिक्षण योजना का कारगर तरीके से क्रियान्वयन किया गया।
- हिन्दी के कार्यकारी ज्ञान के संबंध में कर्मचारियों का ई – रोस्टर बनाया गया।
- विभिन्न कार्य केन्द्रों पर हिन्दी इलेक्ट्रॉनिक पत्रिका का प्रकाशन किया गया।
- स्थानीय इंट्रानेट और ओएनजीसी के आंतरिक पोर्टल पर राजभाषा क्रियान्वयन सहायता पुस्तिका अपलोड की गयी।
- कार्यालय के कार्यों में राजभाषा नीति के कारगर क्रियान्वयन के लिए कागज रहित कार्यालय (दिशा) को द्विभाषी बनाया गया।
- राजभाषा के संवर्द्धन के लिए किए गए प्रयासों के सम्मान में आपकी कंपनी को 'पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की 'पेट्रोलियम राजभाषा शील्ड' प्रदान की गयी और साथ ही गृह मंत्रालय द्वारा ''राजभाषा गौरव पुरस्कार'' से सम्मानित किया गया।

27. महिला सशक्तीकरण

आपकी कंपनी के कार्यबल महिला कर्मचारियों का प्रतिशत 6.7 प्रतिशत से अधिक हैं। इस वर्ष के दौरान लिंग संवेदीकरण संबंधी कार्यक्रम सहित, महिला सशक्तीकरण और विकास संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए गए। आपकी कंपनी प्रतिष्ठित एजेंसियों द्वारा आयोजित किए गए कार्यक्रमों को समर्थन प्रदान किया अपने महिला कर्मचारियों को नामांकित किया। 2000 से अधिक कर्मचारियों ने ऑनलाइन लिंग संवेदीकरण मॉड्यूल पर सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न नीति (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 के अंतर्गत प्रकटीकरण :

आपकी कंपनी ने कार्य – स्थलों पर महिलाओं के उत्पीड़न की शिकायतों की देखरेख करने के लिए आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के गठन सहित कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निशेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 के सभी प्रावधानों का अनुपालन किया। वर्ष 2017 – 18 के दौरान यौन उत्पीड़न की चार शिकायतें प्राप्त हुईं। इन सभी मामलों में आईसीसी की रिपोर्टें संलग्न हैं।

28. कार्य और जीवन के बीच संतुलन

आपकी कंपनी ने अपने कर्मचारियों के कार्य और उनके जीवन के बीच संतुलन सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयास जारी रखे हैं। अनेक कार्य केंद्रों के टाउनशिप में व्यायाम शालाएं, संगीत कक्ष आदि जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं थीं। व्यायामशाला, योग इत्यादि की सुविधाएं अपतटीय आवासीय क्वार्टरों में भी उपलब्ध कराए गए हैं। विभिन्न कार्य केंद्रों पर परिवारों के साथ बाहर जाने के कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कर्मचारियों के बीच इस विषय पर जागरूकता बढ़ाने के लिए 'कार्य और जीवन के बीच संतुलन' की महत्ता पर नाटकों का मंचन भी किया गया था। इसके अलावा, कर्मचारियों और उनके परिवारों को शामिल करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में महिला समितियों और निवासी कल्याण संघों (आरडब्ल्यूए) को शामिल किया गया। आपकी कंपनी में "ओएनजीसी हिमालयन एसोसिएशन" नामक एक एडवेंचर स्कंध है, जो पर्वतारोहण, लंबी पैदल यात्रा, व्हाइट वाटर राफ्टिंग, स्नो स्किइंग, मरूस्थल सफारी, ऐयरो स्पोर्टस इत्यादि आदि जैसे साहसिक कार्यक्रम आयोजित करता है, जो मनोबल, सहलग्नता, दल भावना, भ्रातृभाव, तनाव प्रबंधन और अज्ञात की खोज की भावना में वृद्धि करते हैं।

29. खेलकूद

आपकी कंपनी ने, 173 खिलाड़ियों को रोजगार प्रदान कर और 23 खेलों के 289 उभरते खिलाड़ियों को छात्रवृत्तियां प्रदान कर देश में खेलकूद विकास के लिए बड़े पैमाने पर सहायता करना जारी रखा है। खेलकूद के कार्यक्रम आयोजित करने और अवसंरचना विकसित करने के लिए विभिन्न खेलकूद संघों/परिसंघों/खेलकूद निकायों को वित्तीय सहायत प्रदान की गई थीं।

वर्ष के दौरान हमारे खिलाड़ियों की प्रमुख उपलब्धियों के विवरण इस प्रकार हैं

- श्री पंकज अडवाणी को अप्रैल, 2018 में प्रतिष्ठित **पद्म भूषण पुरस्कार** से अलंकृत किया गया।
- ओएनजीसी के तीन खिलाड़ियों, नामतः सुश्री वेन्नोम ज्योति सुरेखा (तीरंदाजी), श्री जसबीर सिंह (कबड्डी) और श्री अमल राज (टेबल टेनिस) को वर्ष 2017 का प्रतिष्ठित **''अर्जुन पुरस्कार''** प्रदान किए गए।
- श्री भूपेन्द्र सिंह (एथलीट) को **''ध्यानचंद पुरस्कार''** से अलंकृत किया गया।
- आपकी कंपनी में कुल राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ियों की संख्या 40 (पद्म भूषण – 1, खेल रत्न – 1, पद्म श्री – 3, अर्जुन पुरस्कार – 34 और ध्यानचंद पुरस्कार – 1) है।

- गोल्ड कोस्ट, आस्ट्रेलिया में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2018 में कंपनी के खिलाड़ियों ने 13 पदक जीते, जिनमें से 5 स्वर्ण, 3 रजत और 5 कांस्य पदक शामिल हैं, जिसने भारतीय टीम के 66 पदकों की पदक तालिका में योगदान दिया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में आपकी कंपनी के खिलाड़ियों की संख्या 21 थी। ओएनजीसी के खिलाड़ी श्री यादविंदर सिंह ने सीनियर भारतीय बास्केटबॉल की पुरुष टीम का नेतृत्व किया।
- ओएनजीसी खिलाड़ियों ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशीप, 2017 में भारत की पदक तालिका में 2 स्वर्ण, 1 रजत और 2 कांस्य पदक का योगदान किया। ओएनजीसी के एथलेटिक सुश्री एम. आर.पूवम्मा ने 4x100 मीटर रिले दौड़ में स्वर्ण पदक जीता, सुश्री स्वप्ना बर्मन ने हैप्थालॉन में स्वर्ण पदक जीता, सुश्री अनु राघवन ने 400 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता, सुश्री संजीवनी जाधव ने 5000 मीटर में कांस्य पदक जीता और सुश्री सीना एन. वी. ने तिहरी कूद में कांस्य पदत जीता।
- श्री पंकज अडवाणी, श्री सौरव कोठारी और श्री रुपेश शाह की ओएनजीसी तिकड़ी ने अप्रैल, 2017 में आयोजित वर्ष 2017 की ओएनजीसी – एशियाई बिलियर्ड चैंपियनशिप में क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीता। यह श्री पंकज अडवाणी का 7वां एशियाई बिलियर्डस खिताब था। श्री पंकज अडवाणी ने मार्च, 2018 में क्यू स्पोर्टस दोहा, कतर में अपना 19 वां विश्व खिताब जीता।
- सुश्री यूकी भांबरी ने नवंबर, 2017 में पुणे में आयोजित एटीपी चैलेंजर वर्ल्ड रैंकिंग टेनिस टुर्नामेंट जीता।
- श्री सिद्धार्थ थिंगालया ने मार्च, 2018 में बर्मिंघम में आयोजित वर्ल्ड इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लिया। इस चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने वे इकलौते खिलाड़ी थे।
- ओएनजीसी खिलाड़ी श्री विराट कोहली में वर्तमान में क्रिकेट के सभी प्ररूप में, टेस्ट, एक दिवसीय एवं टी – 20, में कप्तान के रूप में भारतीय क्रिकेट टीम का नेतृत्व कर रहें हैं।
- ओएनजीसी के खिलाड़ी श्री साई प्रनीथ ने अप्रैल 2017 में अपना पहला सिंगापुर सुपर श्रृंखला खिताब जीता।
- ओएनजीसी श्री एच. एस. प्रणॉय ने जुलाई, 2017 में यू एस ऑपेन बैंडमिंटन 2017 खिताब जीता।
- सुश्री हीना सिधु ने नवंबर, 2017 में गोल्ड कोस्ट, आस्ट्रेलिया में आयोजित राष्ट्रमंडल निशानेबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- तीन कबड्डी खिलाड़ी, श्री प्रदीप नरवाल, श्री संदीप नरवाल और श्री सचिन उस भारतीय कबड्डी टीम के सदस्य थे, जिसने 22 से 26 नवंबर, 2017 के दौरान इरान में आयोजित एशियाई चैंपियनशिप जीती।
- श्री जी. साथियन, टेबल टेनिस खिलाड़ी नवंबर, 2017 में आईटीटीएफ चैलेज सिरिज स्पैनिश ओपेन मे स्वर्ण पदक जीता।
- 10 ओएनजीसी पर्वतारोही जिन्हें कठोर भारद प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया था, ने मई, 2018 में कंचनजंघा (8,586 मीटर) की चढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी की। पूर्व में, मई, 2017 में, 6 ओएनजीसी पर्वतारोहियों ने माउंट एवरेस्ट (8,848 मीटर) की चढ़ाई पूरी की थी।

30. कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)

एनजीसी सीएसआर – समावेशी संवृद्धि के लिए भागीदारी

वित्त वर्ष 2017 – 18 में ₹ 4,870 मिलियन की सीएसआर बजट की तुलना में आपकी कंपनी ने 100 प्रतिशत से अधिक, ₹ 5,034 मिलियन की राशि का उपयोग सुनिश्चित किया।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 में यथा उपबंधित, आपकी कंपनी मे सीएसआर के लिए एक बोर्ड स्तरीय समिति, नामतः सीएसआर और एसडी समिति है, जिसने वित्त वर्ष 18 में ₹ 2,600 मिलियन की 19 प्रमुख सीएसआर परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इसके अलावा, सीएसआर परियोजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया में मानकीकरण और पारदर्शिता लाने के लिए एक विस्तृत सीएसआर मानक प्रचालन प्रक्रिया निर्धारित की है।

कॉरपोरेट सीएसआर और देश के 24 कार्य केन्द्रों द्वारा स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्रों में 2,400 से अधिक सीएसआर परियोजनाओं / कार्यक्रमों के क्रियान्वयन और निष्पादन द्वारा ₹ 5,034 मिलियन का व्यय संभव किया जा सका।

आपकी कंपनी ने ₹ 1,844.6 मिलियन के व्यय से स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत कई प्रमुख पहलें शुरु की हैं। ₹ 1,320.3 मिलियन की राशि शिक्षा को बढ़ावा देने, आजीविका और कौशल विकास संबंधी परियोजनाओं के क्रियान्वयन के मद खर्च की गयी। और 1,307.9 मिलियन की राशि स्वास्थ्य अवसंरचना और निरोधक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रमों / परियोजनाओं पर खर्च की गयीं। शेष व्यय पर्यावरण संवहनीयता, महिला सशक्तीकरण, खेलकूद, ग्रामीण विकास, क्षमता निर्माण इत्यादि से संबंधित परियोजनाओं के क्रियान्वयन के मद में किया गया।

कंपनी की सीएसआर कार्यक्रमों की पहुँच भारतीय सेना के साथ मिलकर क्रियान्वित परियोजनाओं के माध्यम से जम्मु एवं कश्मीर से एक प्रभावपूर्ण ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम निष्पादित करने से लेकर रामेश्वरम के समुद्र तट तक देखा जा सकता है। इस वर्ष के दौरान भी कंपनी ने पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में ₹ 776.3 मिलियन मूल्य की परियोजनाएं क्रियान्वित की हैं।

वित्त वर्ष 18 के दौरान आपकी कंपनी द्वारा शुरु की गयी कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) संबंधी एक पृथक रिपोर्ट अनुलग्नक 'ख' के रूप में संलग्न है।

प्रमुख स्वच्छ भारत पहल :

एक नजर में :

- देश भर में ₹ 1,844.6 मिलियन मूल्य की सीएसआर परियोजनाएं / कार्यक्रम क्रियान्वित किए गए।
- देश भर में 1,208 व्यक्तिगत घरेलू शौचालय (आईएचएचएल) के निर्माण किए गए।
- 53 सामूदायिक शौचालय परियोजनाएं।
- 234 स्कूल शौचालय ।
- 181 जल आरओ संयंत्र / जल एटीएम परियोजनाएं।
- 358 ट्यूब वेल संस्थापित किए गए।
- 11 ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाएं ।
- 14 धूम्र रहित ग्राम संबंधी परियोजनाएं।
- पार्कों के विकास और सौंदर्यीकरण संबंधी 3 परियोजनाएं।

वाराणसी के कुंडों का पुनरुत्थान

आपकी कंपनी ने, भारत सरकार द्वारा संचालित स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत ₹ 114.6 मिलियन की लागत पर वाराणसी के चार प्रसिद्ध कुंडों अर्थात दुर्गा कुंड, लक्ष्मी कुंड और लात भैरव कुंड और करीम कुंड की सफाई और उसके सौंदर्यीकरण की जिम्मेदारी ली। माननीय प्रधान मंत्री ने वाराणसी में दुर्गा कुंड और लक्ष्मी कुंड का उद्घाटन किया। यह परियोजना राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड और नगर निगम वाराणसी के साथ साझीदारी में क्रियान्वित की जा रही है।

स्वच्छ प्रतिष्ठित स्थान : तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में स्वच्छ और हरित पहल

स्वच्छ प्रतिष्ठित स्थानों के लिए भारत सरकार के पहल के भाग के रूप में, आपकी कंपनी ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में स्वच्छता और हरित पहल शुरु की हैं, जहॉ तृतीयक उपचार संयंत्रों से उपचारित पानी को घाट रोड के साथ लगे बगीचों तक पंप करने के लिए 7 किलोमीटर लंबी अलग जल पाइप लाइन बिछाई जा रही है। साथ ही, 130 सफाई मशीनें और 30 मेट्रिक टन प्रतिदिन की क्षमता की ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, एससीएडीए प्रणाली के संस्थापन जैसे ऊर्जा बचत उपाय किए गए हैं और तीथयात्रियों के लिए बैटरी परिचालित वाहन भी शुरु किए जा रहें हैं। इस परियोजना से इस तीर्थ पर आने वाले लाखो श्रद्धालु लाभान्वित होंगे। इस परियोजना के क्रियान्वयन के मद में ₹ 130 मिलियन की राशि संस्वीकृत की गयीं हैं।

सरस्वती नदी के पैलियो चैनल के साथ गहन समुद्र वेधन परियोजना

प्राचीन और पौराणिक नदी सरस्वती को सिंधु घाटी सभ्यता के समय से जाना जाता है। हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में कई ऐसे जगह हैं, जहॉ इसकी अस्तित्व के साक्ष्य मिले हैं, क्योंकि इस नदी का पानी कई स्थानों पर दिखाई देने के लिए जाना जाता है। सरस्वती नदी के पानी, जो सतह से कई सौ मीटर नीचे बहता है, का दोहन करने के लिए हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड (एचएसएचडीबी) ने कंपनी से संपर्क किया है। सिंधु – गंगा मैदानों के उत्तरी भाग में मौजूदा भूमिगत पैलियो चेनेल का पता लगाने के लिए कंपनी के विषेशज्ञों के एक दल द्वारा एक सर्वेक्षण किया गया। तदनुसार, कंपनी द्वारा 10 कुओं के वेधन पर सहमति बनी, जहॉ पानी के दोहन की काफी अधिक संभावना है। इन कुओं के वेधन के लिए जल एवं विद्युत परामर्शी सेवा लिमिटेड (डब्ल्यूएपीसीओएस) के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए गए। 10 कुओं में से 9 कुओं का सफलता पूर्वक वेधन कर लिया गया है और ये कुएं अच्छी मात्रा में पानी उत्पादित कर रहें हैं।

हरिद्वार में जैव – सीएनजी संयंत्र

आपकी कंपनी ने ₹ 16 मिलियन की लागत पर हरिद्वार में जैव – सीएनजी सह उर्वरक और बोटलिंग संयंत्र स्थापित कर गाय के गोबर को उपयोगी ईंधन और मूल्य वर्द्धित उत्पादों में रूपातंरित करने की एक अनोखी पहल शुरु की है। यह संयंत्र उत्तराखंड के सबसे बड़े गौशाला द्वारा संचालित किया जाएगा और गौशाला परिसर में स्वच्छ स्वास्थ्यकर अपशिष्ट प्रबंधन करने में मदद करेगा। यह हरिद्वार की स्थानीय जनसंख्या को स्वच्छ वातावरण की उपलब्धता सुलभ करेगा और साथ ही इस परियोजना से जनित राजस्व से गौशाला को स्वयंधारी बना कर जीवजंतु अर्थात् गौशाला के 2200 गैर दुधारु गायों के संरक्षण में भी मदद करेगा। यह संयंत्र कार्बनिक और तरल उर्वरक भी उत्पादित करेगा जिसे स्थानीय कृषकों में वितरित किया जाएगा और इस प्रकार से कार्बनिक खेती को बढ़ावा मिलेगा।

खुले में शौच से मुक्ति की पहल :

देश को खुले में शौच से मुक्ति दिलाने के माननीय प्रधानमंत्री के सपने के भाग के रूप में आपकी कंपनी ने जिला प्रशासन और अन्य गैर सरकारी संगठनों के साथ साझीदारी में देश भर में व्यक्तिगत घरेलू शौचालय के निर्माण की पहल शुरु की है। पिछले एक वर्ष में ₹ 846.6 मिलियन की लागत पर गुजरात, तमिलनाडु, झारखंड, असम और देश के अन्य राज्यों में ओएनजीसी के परिचालन क्षेत्रों में 21,085 से अधिक आईएचएचएल के निर्माण किए गए हैं।

रामेश्वरम में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना

रामेश्वरम शहर को स्वच्छ और हरित बनाने की दृष्टि से, भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम द्वारा ''हरित रामेश्वरम'' पहल शुरु की गयी थी। विवेकानंद केन्द्र विद्यालय, नरदेप ने भूतपूर्व राष्ट्रपति के सपनों को साकार करने के लिए अपने आपको प्रतिबद्ध किया है और हैंड इन हैंड जैसे गैर लाभ संगठनों के साथ स्वच्छता पहल शुरु की है। हैंड इन हैंड द्वारा रामनाड जीसीएस से करीब 25 किमी की दूरी पर रामेश्वरम के चार नगरपालिका वार्डों में एक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना की योजना बनाई थी। परियोजना परिदेयों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सुदृढ़ अवसंरचना, घर घर

से ठोस अपशिष्ट संग्रहण के लिए वाहन, सड़कों, नालों की सफाई सुनिश्चित करने, कचरा और अपशिष्ट संग्रहण, अपशिष्ट का नवीकरणीय और जैवसड़न शील श्रेणियों में पृथक्करण और एक संवहनीय तरीके से दोनों श्रेणियों के अपशिष्टों का प्रसंस्करण शामिल हैं।

इस परियोजना के प्रथम चरण की सफलता और इसके प्रभाव के आधार पर, इस परियोजना के दूसरे चरण को थंगाचिमदम ग्राम के चार वार्डों तक बढ़ाया गया था, जो रामनाड जीसीएस से करीब 23 किमी की दूरी पर अवस्थित हैं। रामेश्वरम नगरपालिका में आइईसी अंतर्क्षेप के साथ थंगाचिमदम ग्राम पंचायत में इस परियोजना के दूसरे चरण को क्रियान्वित करने की दिशा में ₹ 9.5 मिलियन की राशि संस्वीकृत की गयी है।

स्वच्छ हिमालय पहल

आपकी कंपनी स्वच्छ भारत पहल को हिमालय तक ले जाने वाली प्रथम कंपनी है। कंपनी ने ऊपरी हिमालय, जहॉ जाने वाले पर्यटक प्रत्येक वर्ष हजारों टन हानिकारक कूड़ा छोड़ आते हैं, तक पहुँचने के लिए भारतीय पर्वतारोहण फाउंडेशन (आईएमएफ) के साथ साझीदारी की है। पिछले तीन वर्षों के दौरान ''स्वच्छ हिमालय पहल'' के भाग के रूप में हिमाचल प्रदेश से उत्तराखंड तक के पर्वत शिखर तक, 13 से अधिक स्वच्छता अभियान चलाए गए। टनों कूड़े नीचे लाए गए और पर्यावरण अनुकूल तरीके से उनका निपटान किया गया। इस पहल के मद में ₹ 8.76 मिलियन की राशि खर्च की गयी ।

शिक्षा, आजीविका और कौशल विकास को बढ़ावा देने की पहलें

एक नजर में :

- शिक्षा, आजीविका और कौशल विकास के मद में ₹ 1,302 मिलियन मूल्य की परियोजना।
- 6,058 युवाओं एवं महिलाओं से कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- 4,821 युवाओं एवं महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित किए गए।
- कक्षा हेतु कमरों, छात्रावास और स्मार्ट कक्षाएं जैसी अवसंरचनाएं सृजित करने के मद में ₹ 192 मिलियन से अधिक का व्यय किया गया।
- देश के दूरदराज क्षेत्रों में 420 एकल विद्यालयों को निधि प्रदान की गयी।
- देश भर में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति और बीपीएल परिवारों के 1500 से अधिक छात्रों को ₹ 4,000 प्रति माह की राशि छात्रवृत्ति स्वरूप में सहायता।

अहमदाबाद में कौशल विकास संस्थान

कुशल भारत माननीय प्रधान मंत्री की दृष्टि है। कुशल भारत मिशन के अनुरूप, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने तेल क्षेत्र पीएसई के निधियन से देश भर में 6 कौशल विकास संस्थान (एसडीआई) स्थापित करने की पहल की है। आपकी कंपनी को गुजरात में एसडीआई स्थापित करने का निदेश दिया गया है। 90 छात्रों के पहले बैच ने मार्च 2018 में 3 अलग अलग पाठ्यक्रमों में अपने अपने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। सभी 90 छात्रों को अहमदाबाद में अवस्थित अलग अलग कंपनियों में सफलतापूर्वक नियोजित किया गया। प्रथम बैच की सफलता को देखते हुए, अगले वर्ष से ट्रेडों की संख्या बढ़ायी जाएगी, जिससे 780 युवाओं को लाभ होगा। आपकी कंपनी ने देश भर में इन 6 एसडीआई स्थापित करने के मद में ₹ 136 मिलियन की राशि का योगदान किया है।

संस्कृत भाषा का पुनरूज्जीवन

संस्कृत एक प्राचीन भारतीय भाषा है जिसकी उत्पत्ति पुरानी इंडो – आर्यन युग में हुई थी, जिसका विज्ञान और गणित से संबंधित मानव जाति को अज्ञात समृद्ध साहित्य और पाठ्य है। प्रशिक्षण के माध्यम से संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए और विज्ञान, गणित और ज्योतिष शास्त्र से संबंधित प्राचीन ज्ञान भंडार पर शोध आयोजित करने के लिए संस्कृत संवर्द्धन फाउंडेशन ने इस प्राचीन और समृद्ध भाषा के विकास कार्य निष्पादित करने के लिए वित्तीय सहायता हेतु कंपनी से संपर्क किया, जिसे सीएसआर पहल के रूप में कंपनी द्वारा शुरु की गयी। इस परियोजना की कुल लागत प्रथम चरण में ₹ 57 मिलियन था। इस परियोजना के पहले चरण के सितंबर, 2017 में सफलतापूर्वक पूरा होने के पश्चात् नवंबर, 2017 में इस परियोजना का दूसरा चरण शुरु किया गया है, जिसके लिए ₹ 59 मिलियन की राशि मंजूर की गयी है।

हरियाणा के दौला ग्राम में स्मार्ट ग्राम

भारत के माननीय राष्ट्रपति के स्मार्ट ग्राम पहल के तहत, देश भर के विभिन्न ग्रामों को अंगीकृत किया गया है। दौला ग्राम में ''आदर्श ग्राम विकास'' भारत के माननीय राष्ट्रपति की ऐसी ही एक पहल है। इस पहल के भाग के रूप में, कंपनी को दौला ग्राम में एक माध्यमिक विद्यालय का निर्माण करने की जिम्मेदारी दी गयी थी। 18,223 घन फीट क्षेत्रफल का स्कूल भवन जो वर्तमान में कंपनी की निधि से निर्माणाधीन है, में 12 कक्षाएं, 2 स्टाफ कक्ष, प्राध्यापक कक्ष, तीन प्रयोगशालाएं / बहु – उद्देश्यीय कार्य कक्ष, पुस्तकालय, शिल्प कक्ष और एक कंप्यूटर कक्ष होगा। इस परियोजना के क्रियान्वयन के मद में कुल वित्तीय विविक्षा ₹ 30 मिलियन है।

एकल विद्यालय

आपकी कंपनी ने 'एकल विद्यालय' के माध्यम से बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के लिए देश भर के अपने परिचालन क्षेत्रों के आसपास के दूरदराज के गॉवों तक पहुँचने के लिए भारत लोक शिक्षा परिषद के साथ साझीदारी की है। यह परियोजना 10 राज्यों के ग्रामीण, जनजातीय और पिछड़े क्षेत्रों के 420 ग्रामों के इतने ही एकल विद्यालयों को कवर करती है। प्रति स्कूल 30 छात्रों के औसत पंजीकरण से यह परियोजना दो वर्षों की अवधि में ₹ 19 मिलियन की वित्तीय विविक्षा से

24,000 छात्रों को मुफ्त बुनियादी अनौपचारिक शिक्षा प्रदान करने पर लक्षित है।

सिपेट के माध्यम से कौशल विकास

आर्थिक रूप से वंचित युवाओं को प्लास्टिक प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सिपेट के साथ दो अलग अलग परियोजनाएं भुवनेश्वर और जयपुर में चलाई गयीं थीं। दो अलग अलग पाठ्यक्रमों में कुल 217 युवाओं को टूल रूम मैकेनिक ऑपरेटर और इंजेक्शन मॉउल्डिंग मशीन ऑपरेटर में प्रशिक्षित किया गया। दोनों परियोजनाओं की कुल लागत ₹ 15 मिलियन है। 6 माह का आवासीय प्रशिक्षण पूरा करने के पश्चात् सभी 217 युवाओं को प्लास्टिक इंजीनियरिंग से संबंधित अलग अलग कंपनियों में नियोजित कर लिया गया और इस प्रकार 100 प्रतिशत नियोजन पूरा किया गया।

एकलव्य कार्बनिक कृषि अनुसंधान और प्रशिक्षण केन्द्र :

वर्ष 2022 तक कृषकों की आय दोगुनी करने के माननीय प्रधान मंत्री के सपनों को साकार करने के लिए और कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए एकलव्य फाउंडेशन (एकलव्य कार्बनिक कृषि अनुसंधान और प्रशिक्षण केन्द्र) ने तेलंगना के तन्दुर और विकाराबाद मंडल में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के माध्यम से कार्बनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए एक परियोजना बनाई है। इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने हेतु एकलव्य फाउंडेशन ने वित्तीय सहायता हेतु कंपनी को संपर्क किया। यह परियोजना संपूर्ण तेलंगना क्षेत्र और अन्य पड़ोसी क्षेत्रों में कार्बनिक खेती के दायरे में वृद्धि करने में अत्यंत लाभकारी होगी। यह परियोजना किसानों और युवाओं को उनके व्यवसायिक कौशल बढ़ा कर उन्हें रोजगार प्रदान कर उनकी आजीविका बढ़ा कर किसानों और स्थानीय युवाओं को मदद करेगी। इस परियोजना को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्र के सर्वाधिक पिछड़े मंडलों में से एक में कार्यान्वित किया जा रहा है। इस परियोजना से समग्र रूप से कार्बनिक खेती को बढ़ावा देकर करीब 3500 किसान, 200 छात्र और उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। आपकी कंपनी ने इस परियोजना के संचालन के लिए ₹ 47 मिलियन की राशि संस्वीकृत की है।

विवेकानंद योग, प्राकृतिक चिकित्सा और शोध केन्द्र : आपकी कंपनी ने जोर बाग दिल्ली में अत्याधुनिक योग, प्राकृतिक चिकित्सा और अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस परियोजना को विवेकानदं योग अनुसंधान संस्थान (वीवायएएसए) द्वारा क्रियान्वित की गयी है जिसके लिए कंपनी ने ₹ 60 मिलियन की राशि संस्वीकृत की है। यह केन्द्र निरोधक स्वास्थ्य देखभाल, रोग प्रबंधन, पुनर्वास, मूल्यांकन, निगरानी और शोध में सेवा प्रदान करेगा। लोग भी तनाव और जीवन शैली, दर्द, महिला स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, बाल और चर्म देखभाल इत्यादि में नैदानिक विशेषज्ञ सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

योग थीम गार्डेन, मुंबई :

आपकी कंपनी ने बांद्रा भूमि सुधार, मुंबई में भारत के पहले योग थीम पार्क के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। यह परियोजना ₹ 8 मिलियन की लागत पर रविन्द्र जोशी मेडिकल फाउंडेशन (आरजेएमएफ) के साथ साझीदारी में क्रियान्वित की जा रही है। इस पार्क को भारत के प्रथम योग थीम पार्क के रूप में सुसज्जित किया गया है। इसमें एक आकर्षक लॉन और उर्ध्वाधर बगीचा है। इस पार्क में सात योग मुद्राओं को उर्ध्वाधर हरित दीवार पर विजुअल लाइटिंग से प्रदर्शित किया गया है। लोगों को प्रेरित करने के लिए योग गुरु पतंजली की पदमासन मुद्रा में 15 फीट ऊँची मूर्ति स्थापित की गयी है। इन सबके अलावा, इस पार्क में वर्षा जल संचयन प्रणाली, सिंचाई प्रणाली, एलईडी लाइटिंग जैसे कई उन्नत विशिष्टियां हैं, तटीय मौसम को सहने के लिए 20 स्वदेशी स्थानीय पौधों का उपयोग किया गया है। पार्क के आसपास रहने वाले 5,00,000 निवासी इस थीम पार्क से सीधे ही लाभान्वित होंगे।

एस – व्यास बालक छात्रावास

आपकी कंपनी ने गिड्डेन हल्ली, जिगानी होबली, बेंगलोर में अवस्थित एस – व्यास विश्वविद्यालय परिसर में 350 बिस्तर वाले बाल छात्रावास के निर्माण के मद में ₹ 120 मिलियन की वित्तीय सहायता से 'विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान' (वीवायएएसए) को समर्थन किया है। इस छात्रावास में सोलर लाइट्स, सोलर हीटिंग प्रणाली, सीसीटीवी, लिफ्ट, आंतरिक फर्निचर, विद्युत इत्यादि सहित सभी नवीनतम सुविधाएं होंगी। एस – व्यास विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति और जनजातीय छात्रों को मुफ्त आवास प्रदान किया जाएगा, जबकि पात्र निर्धन छात्रों को 50 प्रतिशत रियायत दी जाएगी।

प्रमुख स्वास्थ्य देखभाल पहल :

- स्वास्थ्य देखभाल पहल की दिशा में ₹ 1,308 मिलियन मूल्य की परियोजनाएं क्रियान्वित की गयीं।
- शिबसागर, असम में ₹ 3,130 मिलियन मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल परियोजना शुरु की गयी।
- वित्त वर्ष 18 में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से 541208 डॉर स्टेप चिकित्सा उपचार प्रदान किया गया।
- राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, नागपुर की स्थापना के मद में ₹ 1,000 मिलियन संस्वीकृत।

वरिष्ठजन स्वास्थ्य सेवा अभियान : बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को घर पर चिकित्सा उपचार

हैल्पेज इंडिया के साथ साझीदारी में क्रियान्वित यह प्रमुख सीएसआर परियोजना कंपनी के परिचालन क्षेत्रों के दूरदराज के गॉवों में मेडिकल मोबाइल यूनिटो के माध्यम से एक लाख से अधिक बुजुर्ग नागरिकों, महिलाओं और बच्चों को घर पर चिकित्सा उपचार प्रदान करने में सफल रही है। यह परियोजना शुरु में 20 एमएमयू के साथ वर्ष 2010 से वर्ष 2016 तक के

लिए शुरु की गयी थी, जिसके माध्यम से जरुरतमंद लोगों को 1.58 मिलियन से अधिक उपचार प्रदान किए गए। प्रथम चरण के प्रभाव आकलन रिपोर्ट के आधार पर आपकी कंपनी ने 11 नये एमएमयू को कार्य पर लगाते हुए वर्ष 2019 तक के विस्तार को मंजूरी दी। इसके परिणामस्वरूप, आज 31 एमएमयू हमारे देश के दूरदराज क्षेत्रों में निवास कर रहे लाखों वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और बच्चों को घर पर चिकित्सा उपचार प्रदान कर रहें हैं। वर्ष 2010 से वर्ष 2019 तक इस परियोजना के क्रियान्वयन के मद में कुल संस्वीकृत राशि ₹ 364 मिलियन है। यह परियोजना 2.5 मिलियन से अधिक उपचार प्रदान करने में सफल रही है।

राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, नागपुर

राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, नागपुर 455 बिस्तरों वाला क्वाटरनरी केयर ऑनकोलॉजी केन्द्र होगा। यह केन्द्र संवहनीय पूर्त के माध्यम से व्यापक कैंसर उपचार, मरीज देखभाल और अनुसंधान उपलब्ध कराएगा। सामान्य कैंसर देखभाल प्रदान करने के अलावा, संस्थान काफी कुशल पेशेवरों का स्पेशलिटी समूह भी बनाएगा। यह संस्थान ऑनकोलॉजी में सुपर स्पेशलिटी प्रशिक्षण और पीएचडी कार्यक्रम सहित नर्सो, पैरा मेडिकल कर्मचारियों और मेडिकल समुदाय के लिए विश्वविद्यालयों से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी शुरु करने की योजना बना रहा है।

आपकी कंपनी ने इस अस्पताल के लिए इसके प्रथम तल, दूसरे तल के निर्माण और रेडियो नैदानिक सुविधाओं (जैसे एमआरआई, सिटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, मैमोग्राफी, एक्स–रे और बोन मैरो डेंसिटी मीटर इत्यादि) के लिए ₹ 1000 मिलियन की वित्तीय सहायता प्रदान की है। इन उपकरणों को पहले ही अस्पताल भू–तल पर चालू कर दिया गया है और मरीजों के अन्वेषण के लिए पहले से इनका उपयोग किया जा रहा है। इस परियोजना के प्राथमिक हितधारक नागपुर के 500 किमी की परिधि में एनजीओ, स्थानीय चिकित्सकों द्वारा अनुशंसित मरीज इससे महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और आंध्र प्रदेश के कुछ भाग से आने वाले लोगों के लाभान्वित होने की संभावना है।

ओएनजीसी – एमआरपीएल लेडी गोशेन अस्पताल, मंगलोर

वर्ष 1849 में मंगलोर शहर के मध्य में स्थापित लेडी गोशेन अस्पताल पूरे कोंकण क्षेत्र का एक मात्र अस्पताल है जो अनन्य रूप से प्रसव पूर्व और प्रसव पश्चात देखभाल प्रदान करता है। औसतन प्रत्येक माह 500 से 600 महिलाएँ अस्पताल में भर्ती की जाती है और प्रसव पूर्व / पश्चात उपचार किया जाता है। 167 वर्ष पुराना अस्पताल भवन जीर्ण – शीर्ण अवस्था में था और आने वाले मरीजों की बढती संख्या के कारण तत्काल अतिरिक्त सुविधाओं की आवश्यकता थी। मंगलोर जिला प्रशासन ने अस्पताल परिसर में एक नया विंग शुरु करने के लिए वित्तीय सहायता हेतु कंपनी से संपर्क किया। आपकी कंपनी ने राजकीय लेडी गोशेन अस्पताल, मेंगलोर के लिए नये 'ओएनजीसी – एमआरपीएल विंग' के निर्माण के मद में ₹ 128 मिलियन की वित्तीय सहायता प्रदान की है। नया अस्पताल भवन वर्ष 2018 में ही चालू किए जाने का प्रस्ताव है।

ग्रामीण विकास परियोजनाएं

एक नजर में :

- ₹ 223 मिलियन मूल्य की ग्रामीण विकास योजनाएं क्रियान्वित की गयीं।



बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए घर पर चिकित्सा उपचार

- संसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत दो आदर्श ग्राम परियोजना, अरुणाचल प्रदेश के यिगी कौम ग्राम और असम के नातुम जेलॉम ग्राम में, बुनियादी ढॉचा विकास कार्य किया गया।
- ओएनजीसी प्रचालन क्षेत्रों के निकट ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण के लिए 67 अलग अलग परियोजनाएं क्रियान्वित की गयीं।
- देश भर में दूर–दराज के गॉवों की सड़कों पर प्रकाश के लिए वर्ष 2017 – 18 में 8853 सौर स्ट्रीट लाइट्स मंजूर की गयीं।

त्रिपुरा में कॉरबॉग समुदाय के पुनरुज्जीवन के लिए आदर्श ग्राम विकास

केवल 120 की जनसंख्या वाले त्रिपुरा के कॉरबोंग समुदाय विलुप्त होने के कगार पर था। तेजी से विलुप्त हो रहे इस समुदाय को बचाने के लिए आपकी कंपनी ने इस गॉव को स्वयंधारी मॉडल में विकसित करने के लिए ट्राइबल इंजीनियर्स सोसायटी के साथ साझीदारी की। इस परियोजना के भाग के रूप में, समुदायिक केन्द्र, बाजार शेड, शौचालय ब्लॉक और सिंचाई सुविधाओं के लिए स्थायी अवसंरचना विकसित की गयी। साथ ही, सुअर पालन, बकरी पालन, मत्स्य पालन, बत्तख पालन इत्यादि के लिए आजीविका अवसर सृजित किए गए। ₹ 6.5 मिलियन की वित्तीय विविक्षा पर पर कॉरबोंग समुदाय के पुनरुज्जीवन के लिए यह एक सर्वांगीण अंतर्क्षेप था।

ओएनजीसी सौर लाइट्स परियोजना :

आपकी कंपनी ने पिछले एक वर्ष में देश के सुदूरवर्ती ग्रामों में प्रकाश की व्यवस्था करने के लिए ₹ 177 मिलियन मूल्य की 8853 सौर लाइटें मंजूर कीं। पूर्व निर्धारित विनिर्देशों के अनुसार सौर लाइट संस्थापित करने के लिए कंपनी द्वारा एमएनआरई मान्यता प्राप्त साझीदार पैनलित किया गया। ये एजेंसियां एएमसी के माध्यम से इन स्ट्रीट लाइटों का अनुरक्षण भी सुनिश्चित करतीं हैं।

मंगलाजोड़ी, ओडिशा का विकास

चिलका झील, हमारे देश की सबसे बड़ी खारा पानी झील और अनूठी जैव विविधता विश्व भर से करोड़ों प्रवासी पक्षियों को आकर्षित करती है। चिलका झील के अप्रवाही पानी में अवस्थित एक छोटा सा गॉव, मंगलाजोड़ी इन पक्षियों का मेजबान रहा है। आपकी कंपनी चिलका झील को विश्व धरोहर स्थल के रूप में घोषित करने में मदद करने के लिए यूनेस्को के साथ एक परियोजना शुरु करने की प्रक्रिया में है। परंतु, यूनेस्को के साथ परियोजना शुरु करने से पहले, कंपनी ने मंगलाजोड़ी ग्राम को विकसित करने के लिए 360 डिग्री दृष्टिकोण अपनाया है। आवश्यकता मूल्यांकन के आधार पर पिछले एक वर्ष में कई सीएसआर अंतर्क्षेप शुरु किए गए हैं, जिनमें 1300 व्यक्तिगत घरेलू शौचालय का निर्माण कर खुले मे शौच से मुक्ति पहल, 200 सौर लाइट्स लगाकर अंधेरी गलियों में प्रकाश व्यवस्था करना, पेयजल सुविधाएं सृजित करना, स्थायी आजीविका सृजित करने हेतु ग्रामीणों को 12 नग नाव उपलब्ध कराना, 40 स्कूल शौचालयों का निर्माण और कई आजीविका सृजन और अवसंरचना विकास परियोजना शामिल हैं। इन परियोजनाओं को क्रियान्वित करने की दिशा में ₹ 63 मिलियन की राशि संस्वीकृत की गयीं हैं।

पूर्वोत्तर विजन 2030

माननीय प्रधान मंत्री के पूर्वोत्तर भारत के लिए विजन के अनुरूप, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने फरवरी 2016 में पूर्वोत्तर भारत के लिए हाइड्रोकार्बन विजन 2030 दस्तावेज जारी किया है। विजन दस्तावेज में अन्य बातों के साथ साथ सीएसआर पहलों के माध्यम से इस क्षेत्र के विकास पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। आपकी कंपनी, जिसका पूर्वोत्तर राज्यों में प्रचालनात्मक उपस्थिति है, ने इस क्षेत्र में प्रमुख सीएसआर परियोजनाएं शुरु की हैं। विजन 2030 दस्तावेज के जारी होने के बाद से, आपकी कंपनी ने कौशल विकास, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, स्वच्छ भारत, पर्यावरण, जैव – विविधता इत्यादि जैसे विभिन्न फोकस क्षेत्रों में पूरे पूर्वोत्तर में सीएसआर परियोजनाओं के क्रियान्वयन के मद में ₹ 1,522 मिलियन का व्यय किया है।

खुले में शौच से मुक्त ग्राम बनाने की दिशा में आपकी कंपनी द्वारा उचित महत्व दिया गया है, जिसके अंतर्गत ₹ 134 मिलियन की लागत पर असम के 4 जिलों में 11,165 आईएचएचएल निर्मित किए गए हैं। अरुणाचल प्रदेश में, आपकी कंपनी ने पिछले दो वर्षों में ₹ 78 मिलियन राशि की कई अवसंरचना विकास और स्वास्थ्य देखभाल परियोजनाएं शुरु की हैं। कौशल विकास की दिशा में समग्र दृष्टिकोण के भाग के रूप में, कंप्यूटर शिक्षा, वेल्डिंग, गैस कटिंग, विडियो प्रलेखीकरण, फल प्रसंस्करण, इत्यादि में कौशल विकास प्रशिक्षण के अलावा, नातुन जेलोन और हाफलोंग में ₹ 13.7 मिलियन की लागत पर बहु–उद्देश्यीय कौशल विकास और सामूदायिक केन्द्र खोले जा रहें हैं। स्थानीय कला, संस्कृति और विरासत को संरक्षित रखने के लिए ₹ 8 मिलियन की लागत पर रिवाच (आरआईडब्ल्यूएटीसीएच) के साथ साझेदारी में अरुणाचल प्रदेश के रोइंग में एक प्रलेखीकरण केन्द्र स्थापित किया जा रहा है। असम, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा के दूरदराज के अलग अलग क्षेत्रों में लड़कों एवं लड़कियों दोनों के लिए ₹ 50 मिलियन से अधिक मूल्य के छात्रावासों और स्कूल भवनों का निर्माण किया जा रहा है। सेवा भारती पूर्वांचल के साथ चलाई जा रही ''योगानिलयम'' परियोजना, पूर्वोत्तर में योग को बढ़ावा देने के लिए एक केन्द्र होगा। यह केन्द्र ₹ 26 मिलियन की लागत पर उत्तरी गुवाहाटी के अभॉयपुर में स्थापित किया जा रहा है। ऊपरी असम की पूरी जनसंख्या के हितलाभ के लिए शुरु की गयी एक प्रमुख स्वास्थ्य देखभाल पहल शिवसागर में मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल है। कंपनी द्वारा क्रियान्वित यह परियोजना अब तक की सबसे बड़ी सीएसआर परियोजना है । असम के खतरनाक स्वास्थ्य देखभाल परिदृश्य का पूरी तरह विश्लेषण करने के पश्चात, कंपनी ने ₹ 3161 मिलियन की प्राक्कलित लागत पर तीन चरणों में क्रियान्वित

की जाने वाली परियोजना शिवसागर में 362 बिस्तरों वाले मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है। कंपनी का मुख्य उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्यों के निवासियों को वहनीय लागत पर गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं उपलब्ध करवाना है। उपचार की प्रभारें, बाजार मूल्य के 70 प्रतिशत तक कम होगा और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को और 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह परियोजना तीन चरणों में क्रियान्वित की जाएगी, जिसके प्रथम चरण हेतु पहले ही ₹ 991 मिलियन रुपए की राशि संस्वीकृत की जा चुकी है, जिसके जुलाई, 2019 तक पूरी होने की संभावना है। पूर्वोत्तर में आपकी कंपनी द्वारा क्रियान्वित की जा रही कुछ अन्य परियोजनाएं इस प्रकार हैं :–

बी. एड. कॉलेज, निरजुली :

आपकी कंपनी शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए निरजुली में एक बी. एड. कॉलेज स्थापित करने के लिए विवेकानंद केन्द्र विद्यालय, अरुणाचल प्रदेश को समर्थन प्रदान कर रही है। निर्माण कार्य प्रगति पर है और अस्थायी भवन में कक्षाएं पहले से ही शुरु की जा चुकीं हैं। इस परियोजना के क्रियान्वयन के मद में ₹ 59 मिलियन की राशि संस्वीकृत की गयी है। बी. एड. कॉलेज के निर्माण का कार्य वर्ष 2018 के अंत तक पूरा होने की संभावना है।

हरित केन्द्र परियोजना : यह पूर्वोत्तर के 20 युवाओं को वन्य जीव फोटोग्राफी और प्रलेखीकरण में प्रशिक्षित करने की एक अनूठी पहल है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य संरक्षण में विशेषज्ञता प्राप्त पर्यावरण उत्साहियों की एक टीम बनानी है। पिछले तीन वर्षों में 60 युवाओं और महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है। हाल ही में इस केन्द्र को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जैव विविधता का संरक्षण करने के लिए युवा शक्ति के उपयोग के लिए पर्यावरण एवं हरित ऊर्जा की श्रेणी में मंथन पुरस्कार से अलंकृत किया गया है। पिछले तीन वर्षों के दौरान इस परियोजना के क्रियान्वयन के मद में ₹ 6 मिलियन की राशि संस्वीकृत की जा गयी है।

शिवसागर के ग्रामीण महिलाओं के लिए जल कुंभी परियोजना :

ओएनजीसी की सीएसआर पहल के माध्यम से शिवसागर जिले के 50 महिलाओं को एनईडीएफआई द्वारा जल कुंभी से उत्पाद विकसित करने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन महिलाओं में से 20 महिलाओं को बाजार की मांग के अनुसार उन्नत उत्पाद बनाने के लिए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा और प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शिवसागर के निमाजल में एक सुविधा केन्द्र स्थापित किया गया है और तैयार उत्पादों की बिक्री के लिए एक खुदरा विक्रय केन्द्र खोला गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित महिलाएं वर्तमान में अन्य को प्रशिक्षण प्रदान कर रहीं हैं। इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए ₹ 3.3 मिलियन की राशि संस्वीकृत की गयी हैं।

ओएनजीसी सुपर 30 :

आपकी कंपनी ने प्रत्येक वर्ष 30 आकांक्षी छात्रों को आईआईटी और अन्य प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश प्राप्त करने हेतु प्रशिक्षित करने के लिए शिवसागर में ओएनजीसी सुपर 30 केन्द्र स्थापित किया है। वर्ष 2014 से तीन बैचों में कुल 85 छात्रों ने पहले ही प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है जिनमें से 18 छात्रों को आईआईटी और एनआईटी में प्रवेश प्राप्त हो गया है, 54 छात्रों को अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश प्राप्त हुआ है और शेष 13 छात्र ने अन्य पाठ्यक्रमों का विकल्प चुना है। 30 छात्रों का चौथा बैच वर्तमान में शिवसागर ''ओएनजीसी सुपर 30'' में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है। यह परियोजना सामाजिक नेतृत्व के लिए एक एनजीओ केन्द्र के साथ साझीदारी में चलाई जा रही है। पिछले चार वर्षों में इस परियोजना के मद में ₹ 28 मिलियन की राशि संस्वीकृत की गयी है।

बारामूला में एक बुनियादी स्तरीय मुद्दे के हल हेतु की गयी एक अनूठी पहल

भारतीय सेना, अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को सुरक्षित रखने और जम्मु एवं कश्मीर के आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अलावा लगातार युवाओं की ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण की दिशा में दिग्दर्शित करने का कार्य कर रही है। बारामूला के स्थानीय महिलाओं एवं युवाओं को सशक्त करने के लिए उनकी पहल का समर्थन करने हेतु कंपनी ने चिनार 9, जवान क्लब, भारतीय सेना के कौशल विकास कार्यक्रमों को निधि प्रदान कर रही है।

इस पहल के भाग के रूप में बारामूला और पड़ोस के क्षेत्रों के 120 कश्मीरी महिलाओं को ₹ 3.4 मिलियन की लागत पर फैशन डिजाइनिंग, कटाई एवं सिलाई में प्रशिक्षण दिया गया है। इसके अलावा, एक और कौशल विकास कार्यक्रम के माध्यम से ₹ 1.7 मिलियन की लागत पर 150 युवाओं को आतिथ्य में और 150 महिलाओं को 'खुदरा बिक्री' में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। आतिथ्य और खुदरा बिक्री में प्रशिक्षित 300 छात्रों में से 201 (लड़कों एवं लड़कियों) को पहले ही विभिन्न उद्योगों में नियोजन मिल गया है। उनमें से कुछ को ताज और मौर्या शेराटन जैसे नामी होटल में नियोजन प्राप्त हुआ। ये कौशल विकास प्रशिक्षण रीचा नामक एक एनजीओ के माध्यम से प्रदान किए गए। जम्मु एवं कश्मीर में की गयी इन पहलों से पूर्व कंपनी ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित गॉवों बोबिया, लडवाल और करोल बिधो जो जम्मु एवं कश्मीर के कठुआ जिला के महरीन ब्लॉक के अंतर्गत आते हैं, में 100 आईएचएचएल के निर्माण की पहल की गयी।

उरी के निकट कलगई ग्राम में, भारतीय सेना द्वारा चार आतंकवादियों को निश्क्रिय करते समय स्थानीय निवासियों के तीन घर नष्ट हो गए। परिणामस्वरूप, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के ये परिवार रातोंरात बेघर हो गए। ग्रामीणों के घरों के नष्ट हो जाने के पश्चात, इन ग्रामीणों की दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति पर विचार करते हुए, आपकी कंपनी ने भारतीय सेना के माध्यम से

इन तीन घरों के पुनर्निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। इन तीन घरों के पुनर्निर्माण पॉच माह के रिकॉर्ड समय में पूरा कर लिया गया। इस परियोजना के क्रियान्वयन के मद में ₹ 1.6 मिलियन की राशि संस्वीकृत की गयी।

31. प्रशंसा

पिछले वर्षों की प्रवृत्तियों के अनुरूप, आपकी कंपनी, इसके विभिन्न प्रचालन इकाईयां और इसके वरिष्ठ प्रबंधन विभिन्न पुरस्कारों और सम्मानों के प्रापक रहें हैं। ऐसे प्रशंसाओं के विवरण अनुलग्नक 'ग' के रूप में संलग्न है।

32. विनियामक या न्यायालय आदेश

वित्त वर्ष 2017 – 18 के दौरान, किसी न्यायालय या अधिकरण या विनियामक का ऐसा कोई आदेश या निदेश नहीं है जो कंपनी के चालू समुत्थान की स्थिति को प्रभावित करता हो या जो कंपनी के कारोबारी प्रचालनों को प्रभावित करता है।

33. निदेशकों का उत्तरदायित्व कथन

निदेशकों के उत्तरदायित्व कथन के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3)(ग) के अंतर्गत की गई अपेक्षा के अनुसरण में एतद्द्वारा पुष्टि की जाती है कि :

(i) वार्षिक लेखे तैयार करने में, प्रयोज्य लेखांकन मानकों का पालन किया गया है और उनसे कोई महत्वपूर्ण विपथन नहीं किया गया है;

(ii) निदेशकों ने ऐसी लेखांकन नीतियों का चयन किया है और उन्हें लगातार लागू किया है तथा ऐसे निर्णय और अनुमान किए गए हैं, जो तर्कसंगत और विवेकपूर्ण हैं ताकि 31 मार्च, 2018 को यथास्थिति कंपनी के कारबार की और उस तारीख को समाप्त वर्ष के कंपनी के लाभ की सही और उचित तस्वीर प्रस्तुत की जा सके;

(iii) निदेशकों ने, कंपनी की परिसंपत्तियों की रक्षा करने और धोखाधड़ी तथा अन्य अनियमितताएं रोकने और उनका पता लगाने के लिए, कंपनी अधिनियम, 2013 के उपबंधों के अनुसार, पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों के रखरखाव के लिए उचित और पर्याप्त सावधानी बरती है;

(iv) निदेशकों ने एक 'चालू समुत्थान' आधार पर कंपनी के वार्षिक लेखे तैयार किए हैं; और

(v) निदेशकों ने, आंतरिक वित्तीय नियंत्रण विनिर्धारित किए हैं, जिनका पालन कंपनी द्वारा किया जा रहा है और ये आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त हैं और कारगर रूप से कार्य कर रहें हैं;

(vi) लागू होने वाले सभी कानूनों के उपबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निदेशकों ने उचित प्रणालियां तैयार की हैं और ये प्रणालियां पर्याप्त हैं तथा प्रचालनरत हैं।

34. कॉरपोरेट अभिशासन

आपकी कंपनी ने निगमित अभिशासन के प्रति संरचित पहलें की हैं और इसकी पद्धतियों को विभिन्न हितधारकों द्वारा महत्त्व दिया जाता है। ये पद्धतियां, निर्णय लेने की प्रक्रिया में इसके प्रचालनों की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न स्तरों पर बहु–स्तरीय जांच और संतुलन स्थापित करने की आवश्यकता से उत्पन्न हुई हैं।

सेबी (सूचीकरण दायित्व एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के अनुसार, कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों से प्राप्त प्रमाणपत्र, जिसमें शर्तों के अनुपालन की पुष्टि की गई है, के साथ–साथ 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए निगमित अभिशासन रिपोर्ट, इसके साथ संलग्न है।

आपकी कंपनी ने, निगमित अभिशासन पर लोक उद्यम विभाग (डीपीई), भारत सरकार के अनिवार्य दिशानिर्देशों को अधिकतम संभव सीमा तक कार्यान्वित किया है।

आपकी कंपनी ने, कंपनी अधिनियम, 2013 और सूचीकरण विनियम के अनुरूप निम्नलिखित नीतियां/संहिताएं तैयार किए हैं और अपनी वेबसाइट पर अपलोड किए हैं:

i. बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों के लिए आचार संहिता;

ii. संबंधित पक्षकार लेनदेन (दिनांक 09. 02. 2018 से संशोधित);

iii. महत्वपूर्ण सहायक नीति;

iv. आंतरिक प्रक्रिया संहिता और ओएनजीसी की प्रतिभूतियों की लेनदेन में अंदरुनी ट्रेडिंग के निषेध के लिए आचार संहिता;

v. घटनाओं के प्रकटीकरण के लिए सात्विकता नीति;

vi. दस्तावेज़ों के संरक्षण और उनके पुरालेखीकरण संबंधी कॉरपोरेट नीति;

vii. निदेशकों के प्रशिक्षण संबंधी नीति;

viii. लाभांश वितरण नीति;

ix. धोखाधड़ी रोकथाम नीति;

x. सीएसआर और संवहनीयता नीति; और

xi. जोखिम प्रबंधन नीति।

वैश्विक संव्यवहारों के अनुरूप आपकी कंपनी ने, कंपनी की कारपोरेट वेबसाइट *www.ongcindia.com* पर, निवेशकों द्वारा अपेक्षित सभी सूचना उपलब्ध कराई है। सेबी (सूचीकरण दायित्व एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के अनुरूप आपकी कंपनी ने निगमित अभिशासन के अन्य उपाय भी (अनिवार्य/स्वैच्छिक) कार्यान्वित किए हैं जिनका उल्लेख

निगमित अभिशासन रिपोर्ट में किया गया है और वे इस प्रकार हैं :

i. **व्हिसल ब्लोअर नीति/निगरानी तंत्र** : आपकी कंपनी के व्हिसल ब्लोअर तंत्र के जरिए दिनांक 31. 03. 2018 तक कुल 41 संरक्षित प्रकटीकरण संसाधित किए गए हैं, जिसे 01 दिसंबर, 2009 से कार्यान्वित किया गया था। यह नीति सुनिश्चित करती है कि असली व्हिसल ब्लोअर को किसी अत्याचार से उचित संरक्षण प्रदान किया जाता है। यह नीति, कंपनी के सभी कर्मचारियों पर लागू होती है और इसे कंपनी के इंट्रानेट पर अपलोड किया गया है।

इसके अलावा, कंपनी के पास एक पूर्ण विकसित सतर्कता विभाग है, जिसका नेतृत्व मुख्य सतर्कता अधिकारी करते है, जो कंपनी के एक कार्यात्मक निदेशक का पद धारित करते हैं। मुख्य सतर्कता अधिकारी की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की दृष्टि से, वे भारत सरकार के मुख्य सतर्कता आयुक्त को रिपोर्ट करते हैं।

ii. **उद्यम व्यापी जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) ढांचा** : सेबी (सूचीकरण दायित्व एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 की अपेक्षाओं के अनुरूप आपकी कंपनी ने पूरे संगठन में एक विस्तृत उद्यम व्यापी जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) नीति बनाई और क्रियान्वित की है। लेखापरीक्षा एवं आचार समिति आवधिक रूप से ओएनजीसी में जोखिम आकलन एवं अल्पीकरण प्रक्रिया की समीक्षा करती है।

आपकी कंपनी की जोखिम प्रबंधन नीति इस प्रकार है :

"ओएनजीसी, अपने व्यवसाय से संबद्ध संभावित जोखिम की पहचान करेगा और बिना किसी व्यवधान के व्यवसाय के उद्देश्य की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए सतत आधार पर शामिल जोखिम का हल निकालने के लिए जोखिम प्रबंधन ढांचा लागू करने के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध करता है।

ओएनजीसी उनकी अनावृत्ति का प्रबंधन करके और उन्हें कंपनी के स्वीकार्य जोखिम प्रवृत्ति के अनुरूप लाकर, अंतर्ग्रस्त जोखिमों के प्रति आशावादी रहेगा।"

सेबी (सूचीकरण दायित्व एवं प्रकटन अपेक्षाएं) विनियम, 2015 की शर्तों के अनुसार निदेशक मंडल ने एक बोर्ड स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति का गठन किया है। आदिनांक इस समिति की चार बैठकें आयोजित की गयीं हैं।

iii. **बोर्ड और समिति बैठकें** : बोर्ड और बोर्ड स्तरीय समिति बैठकों के विवरण कॉरपोरेट अभिशासन रिपोर्ट के तहत शामिल किए गए हैं, जो इस रिपोर्ट का भाग है।

iv. **स्वतंत्र निदेशकों की बैठक** : वित्त वर्ष 18 के दौरान स्वतंत्र निदेशकों की तीन बैठकें आयोजित की गयीं।

v. **स्वतंत्र निदेशकों द्वारा दिया गया स्वतंत्रता प्रमाण पत्र** : स्वतंत्र निदेशकों ने यह घोषणापत्र प्रस्तुत किया है कि वे कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149(6) के अनुसार स्वतंत्रता के मापदंड पूरा करते हैं।

35. सांविधिक प्रकटीकरण

आपके निदेशकों ने, कंपनी अधिनियम और सेबी (सूचीकरण दायित्व एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 के विभिन्न उपबंधों के अंतर्गत यथाअपेक्षित आवश्यक प्रकटीकरण कर दिए हैं।

वार्षिक विवरणी का सार

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 92(3) की अपेक्षा के अनुसार, फॉर्म एमजीटी–9 में वार्षिक विवरणी का सार **अनुबंध–'घ'** में दिया गया है।

कर्मचारियों के विवरण

ओएनजीसी के एक सरकारी कंपनी होने के कारण, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 (12) के प्रावधान और प्रासंगिक नियमों के प्रावधान भारत सरकार, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा जारी दिनांक 05. 06. 2015 की राजपत्र अधिसूचना के आलोक में, लागू नहीं होते हैं।

कार्यात्मक निदेशकों की नियुक्ति की निबंधनें और शर्तें लोक उद्यम विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अध्यधीन हैं। कंपनी सचिव, जो ओएनजीसी के एक केएमपी हैं, का वेतन और नियुक्ति की निबंधनें एवं शर्तें भारत सरकार द्वारा विनिर्धारित मापदंडों के अनुरूप हैं।

36. ऊर्जा संरक्षण

कंपनी (लेखा) नियमावली, 2014 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3) (ड) के अंतर्गत अपेक्षित सूचना **अनुबंध–'ङ'** के रूप में संलग्न है।

37. लेखा परीक्षा और नीति समिति

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177(8) के अनुपालन में, लेखापरीक्षा और नीति समिति से संबंधित ब्यौरे, निगमित अभिशासन रिपोर्ट, जो वार्षिक रिपोर्ट का भाग है, के अंतर्गत उपलब्ध कराए गए हैं। ऐसा कोई दृष्टांत नहीं है, जहां लेखापरीक्षा और नीति समिति की सिफारिशें, निदेशक मंडल द्वारा स्वीकार नहीं की गई हैं।

38. लेखापरीक्षक

आपकी कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षक, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। मैसर्स दास गुप्ता एंड एसोसिएट्स, नई दिल्ली, मैसर्स केपीएस एंड एसोसिएट्स, मुंबई, मैसर्स लोढा एंड कंपनी, कोलकाता, मैसर्स पीकेएफ

श्रीधर एंड संथानम एल एल पी, चेन्नै, मैसर्स खंडेलवाला जैन एंड कंपनी, मुंबई और मैसर्स के सी मेहता एंड कंपनी, बड़ौदा, सनदी लेखाकारों को वित्त वर्ष 2017 – 18 के लिए संयुक्त सांविधिक लेखा परीक्षकं के रूप में नियुक्त किया गया था। इन सांविधिक लेखा परीक्षकों को लेखा परीक्षा शुल्कों, प्रमाणन और अन्य सेवाओं के प्रति ₹ 36.55 मिलियन (गत वर्ष ₹ 43. 41 मिलियन) के कुल पारिश्रमिक का भुगतान किया गया है। उपर्युक्त शुल्कों में, लागू सेवा कर /जीएसटी शामिल है, परंतु इसमें वास्तविक रूप से की गयी यात्रा के प्रति व्यय और जेब खर्च की प्रतिपूर्ति शामिल नहीं है।

39. लेखाओं पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएंडएजी) की टिप्पणियां इस रिपोर्ट के भाग हैं और अनुलग्नक 'च' में संलग्न हैं। कंपनी के वित्तीय लेखा विवरण पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में कोई अर्हक नहीं है।

40. सचिवीय लेखा परीक्षा

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204(1) के अनुसार, कंपनी ने, 31 मार्च, 2018 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए सचिवालयीय अनुपालन लेखापरीक्षा आयोजित करने के लिए सचिवालयीय लेखा परीक्षकों के रूप में पूर्ण कालिक पद्धति में मैसर्स पीपी अग्रवाल एंड कंपनी, कंपनी सचिव को अभिनियोजित किया है। उनकी रिपोर्ट निगमित अभिशासन रिपोर्ट के साथ संलग्न कर दी गई है ।

41. लागत लेखा परीक्षा

दिनांक 31. 03. 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आपकी कंपनी के लागत अभिलेखों की लेखापरीक्षा करने के लिए निदेशक मंडल द्वारा लागत लेखाकारों की 6 फर्मों को लागत लेखा परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया था। वर्ष 2016–17 की लागत लेखापरीक्षा रिपोर्ट दिनांक 11. 09. 2017 को एक्सबीआरएल मोड के अंतर्गत दाखिल कर दी गई है, जो पूरी तरह दाखिल करने की नियत तारीख के अंदर है।

इसके अलावा, कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत यथा विनिर्दिष्ट अपेक्षित लागत अभिलेख कंपनी द्वारा तैयार किए गए हैं और अनुरक्षित रखे गए हैं।

42. निदेशक

निदेशकों के चयन एवं उनकी नियुक्ति के लिए नीति और उनके पारिश्रमिक

आपकी कंपनी एक सरकारी कंपनी होने के कारण, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3)(ङ) के प्रावधान भारत सरकार, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा जारी 05 जून 2015 के राजपत्र अधिसूचना के आलोक में लागू नहीं होते हैं

कार्य–निष्पादन मूल्यांकन

बोर्ड/निदेशकों के मूल्यांकन से संबंधित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(त) के उपबंध आपकी कंपनी पर लागू नहीं होंगे क्योंकि सभी सरकारी कंपनियों को आवश्यक छूट प्रदान की गई है। कंपनी एक सरकारी कंपनी होने के कारण, निदेशकों के कार्य–निष्पादन मूल्यांकन से संबंधित प्रावधान से कंपनी को छूट प्राप्त हो जाता है। इसके अलावा, सूचीकरण विनियम, 2015 के उपबंधों के अंतर्गत सेबी से भी इसी प्रकार की छूट प्रतीक्षित है।

नियुक्तियां /परिविरति

27 सितंबर 2017 को आयोजित 24वीं वार्षिक आम बैठक के बाद से श्रीमती गंगा मुर्ति और श्री संबित पात्रा को क्रमशः 23 सितंबर 2017 और 28 अक्तूबर 2017 से कंपनी के स्वतंत्र निदेशक (कों) में शामिल किया गया था।

श्री दिनेश कुमार सर्राफ, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, 30 सितंबर 2017 को अधिवर्षिता की आयु प्राप्त कर कंपनी की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए। बोर्ड उनके कार्यकाल के दौरान उनके योगदान के लिए उनकी भूरि भूरि प्रशंसा करता है। श्री शशि शंकर, जिन्हें पहले निदेशक (प्रौद्योगिकी एवं क्षेत्र सेवाएं) के रूप में नियुक्त किया गया था, को 01 अक्तूबर 2017 से कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

श्री अडप कृष्णराव श्रीनिवासन 31 अक्तूबर 2017 को अधिवर्षिता की आयु प्राप्त कर कंपनी के निदेशक (वित्त) और सीएफओ पद से प्रविरत हो गए। बोर्ड उनके कार्यकाल के दौरान उनके योगदान की भूरि – भूरि प्रशंसा करता है। श्री सुभाश कुमार को 31 जनवरी, 2018 से कंपनी का निदेशक (वित्त) और सीएफओ नियुक्त किया गया है।

श्री तापस कुमार सेनगुप्ता, निदेशक (अपतट) 31 दिसंबर 2017 को अधिवर्षिता की आयु प्राप्त कर कंपनी के निदेशक (अपतट) पद से प्रविरत हो गए। बोर्ड उनके कार्यकाल के दौरान उनके योगदान की भूरि – भूरि प्रशंसा करता है। श्री राजेश कक्कड़ को 19 फरवरी, 2018 से कंपनी का निदेशक (अपतट) नियुक्त किया गया है।

श्री वेद प्रकाश महावर 28 फरवरी 2018 को अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने के कारण कंपनी के निदेशक (अभितट) पद से प्रविरत हो गए। बोर्ड उनके कार्यकाल के दौरान उनके योगदान की भूरि – भूरि प्रशंसा करता है। श्री संजय कुमार मॉयत्रा को 18 अप्रैल, 2018 से कंपनी का निदेशक (अभितट) नियुक्त किया गया है।

श्री देश दीपक मिश्र 30 जनवरी 2018 को अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने के कारण कंपनी के निदेशक (मानव संसाधन) पद से प्रविरत हो गए। बोर्ड उनके कार्यकाल के दौरान उनके योगदान की भूरि – भूरि प्रशंसा करता है।

31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार कंपनी के निदेशक मंडल में निदेशकों की संख्या 16 थी, जिसमें 5 कार्यकारी निदेशक (सीएमडी सहित कार्यात्मक निदेशक) और दो सरकारी निदेशक और नौ स्वतंत्र निदेशक सहित 11 गैर कार्यकारी निदेशक शामिल हैं। यद्यपि कार्यकारी निदेशकों के लिए दो रिक्तियां रह गयीं थी, बोर्ड की संरचना कंपनी अधिनियम, 2013 और साथ ही सूचीकरण विनियम, 2015 के प्रावधानों के अंतर्गत निर्धारित अपेक्षाओं का अनुपालन करती है।

43. आभारोक्ति

आपके निदेशक, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, लोक उद्यम विभाग, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और केंद्र तथा राज्य सरकारों की अन्य एजेंसियों से प्राप्त सभी सहायता, मार्गदर्शन और समर्थन के लिए अत्यधिक कृतज्ञ हैं। आपके निदेशक, सांविधिक लेखापरीक्षकों और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक से प्राप्त रचनात्मक सुझावों के लिए आभार व्यक्त करते हैं और उनके निरंतर समर्थन तथा सहयोग के लिए कृतज्ञ हैं।

आपके निदेशक सभी शेयरधारकों, व्यवसाय साझेदारों और ओएनजीसी परिवार के सभी सदस्यों को बोर्ड के प्रति उनकी निष्ठा, भरोसे और विश्वास के लिए धन्यवाद देते हैं।

आपके निदेशक, यह सुनिश्चित करने के लिए कि कंपनी प्रगति करती रहे और उत्कृष्ट बनी रहे, सभी स्तरों पर ओएनजीसी के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए अथक प्रयासों और समर्पित योगदान के लिए उनकी हृदय से सराहना करना चाहते हैं।

निदेशक मंडल की ओर से

(शशि शंकर)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली
02.08.2018

अनुलग्नक क

फॉर्म एओसी – 2

(अधिनियम की धारा 134 की उप धारा (3) के खंड (ज) और कंपनी (लेखा) नियमावली, 2014 के नियम 8 (2) अनुसरण में)

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 188 की उप धारा (1) में उल्लिखित संबंधित पक्षों के साथ कंपनी द्वारा किए गए अनुबंधों/व्यवस्थाओं के विवरण के प्रकटन के लिए प्रपत्र, उसके तीसरे परंतुक के अंतर्गत कुछ आर्मज लेंथ लेन–देन सहित।

1. उन अनुबंधों या व्यवस्थाओं या लेन – देन के विवरण जो आर्मज – लेंथ आधार पर नहीं हैं : शून्य

2. उन अनुबंधों या व्यवस्थाओं या लेन – देन के विवरण जो आर्मज – लेंथ आधार पर हैं:

क्र. सं.	(क)संबंधित पक्ष के नाम और संबंध की प्रकृति		(ख) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रकृति	(ग) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की अवधि	(घ) मूल्य यदि कोई सहित अनुबंध /व्यवस्था/ लेन देन की प्रमुख शर्तें		(ङ) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि(यों), यदि कोई है	(च) अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि यदि कोई है
	नाम	संबंध			प्रमुख शर्तें	लेन–देन मूल्य (₹ मिलियन में)		
1	मेंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लि. (एमआरपीएल)	अनुषंगी	कच्चे तेल की बिक्री	वित्त वर्ष 18	कच्चा तेल बिक्री समझौता के अनुसार	48,868.99		
2	मेंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लि. (एमआरपीएल)	अनुषंगी	पेट्रोलियम तेल और लुब्रिकेंट / हाई स्पीड डीजल की खरीद	वित्त वर्ष 18	संविदात्मक समझौते के अनुसार	8,453.89		
3	मेंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लि. (एमआरपीएल)	अनुषंगी	एमआरपीएल को मुंबई में कार्यालय स्थान का पट्टा	वित्त वर्ष 18		13.30		
4	मेंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लि. (एमआरपीएल)	अनुषंगी	कच्च तेल के आयात के लिए प्राप्त गारंटी शुल्क	वित्त वर्ष 18	वास्तविक	10.43		
5	मेंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लि. (एमआरपीएल)	अनुषंगी	कच्च तेल के आयात के लिए गारंटी शुल्क	वित्त वर्ष 18	गैर नकदी लेन–देन (इंड एएस उचित मूल्यांकन)	7.88		
6	मेंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लि. (एमआरपीएल)	अनुषंगी	प्राप्त ब्याज आय	वित्त वर्ष 18	बाजार दर	1,657.81		
7	मेंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लि. (एमआरपीएल)	अनुषंगी	प्राप्त लाभांश आय	वित्त वर्ष 18	लाभांश	7,532.12		
8	मेंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लि. (एमआरपीएल)	अनुषंगी	कच्चे तेल के आयात के लिए जारी वित्तीय गारंटी	वित्त वर्ष 18	गारंटी राशि (₹14,607 मिलियन)	5,059.00		

क्र. सं.	(क)संबंधित पक्ष के नाम और संबंध की प्रकृति		(ख) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रकृति	(ग) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की अवधि	(घ) मूल्य यदि कोई सहित अनुबंध /व्यवस्था/ लेन देन की प्रमुख शर्तें		(ङ) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि(यों), यदि कोई है	(च) अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि यदि कोई है
	नाम	संबंध			प्रमुख शर्तें	लेन–देन मूल्य (₹ मिलियन में)		
9	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	प्राप्त लाभांश आय	वित्त वर्ष 18	लाभांश	2,100.00		
10	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	ऋण पर ब्याज प्राप्ति	वित्त वर्ष 18	बाजार दर	3.98		
11	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	ओवीएल को प्रदत्त वित्तीय गारंटी के लिए गारंटी शुल्क	वित्त वर्ष 18	गैर नकदी लेन–देन (इंड एएस उचित मूल्यांकन)	321.60		
12	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	ब्याज आय	वित्त वर्ष 18	गैर नकदी लेन–देन (इंड एएस उचित मूल्यांकन)	35.94		
13	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	61 मिलियन अमेरिकी डॉलर के लिए एरिया 43 हेतु लीबिया की राष्ट्रीय तेल कंपनी को निष्पादन गारंटी	दिनांक 5. 3. 2007 से प्रभावी	गारंटी राशि (₹3,960.12 मिलियन)	1,623.00		
14	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	उत्पादन साझीदारी करार में यथा निर्धारित कंपनी के दायित्वों के संबंध में मैसर्स पेट्रोबंगला के पक्ष में दिनांक 27. 03. 2014 को ब्लॉक एसएस 4 , बंगलादेश के लिए मूल कंपनी ओएनजीसी द्वारा दी गयी गारंटी	दिनांक 27. 3. 2014 से प्रभावी	गारंटी राशि (₹1,246.46 मिलियन)	1,246.46		
15	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	उत्पादन साझीदारी करार में यथा– निर्धारित कंपनी के दायित्वों के संबंध में मैसर्स पेट्रोबंगला के पक्ष में दिनांक 27. 03. 2014 को ब्लॉक एसएस 09, बंगलादेश के लिए मूल कंपनी ओएनजीसी द्वारा दी गयी गारंटी	दिनांक 27. 03. 2007 से प्रभावी	गारंटी राशि (₹2,103.41 मिलियन)	2,103.41		
16	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	इंपीरियल रूस के लिए 8.54 % 10 वर्षीय बांड हेतु ओवीएल द्वारा 4000 मिलियन ₹ की राशि के लिए प्रतिदेय गैर परिवर्तनीय ऋणपत्रों के निर्गम के लिए आईडीबीआई न्यासी सेवाएं लिमिटेड हेतु वित्तीय गारंटी	दिनांक 06. 01. 2020 को देय	गारंटी राशि (₹3,773.58 मिलियन)	3,773.58		

क्र. सं.	(क)संबंधित पक्ष के नाम और संबंध की प्रकृति		(ख) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रकृति	(ग) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की अवधि	(घ) मूल्य यदि कोई सहित अनुबंध /व्यवस्था/ लेन देन की प्रमुख शर्तें		(ङ) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि(यों), यदि कोई है	(च) अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि यदि कोई है
	नाम	संबंध			प्रमुख शर्तें	लेन–देन मूल्य (₹ मिलियन में)		
17	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	एसीजी क्षेत्र में हेस कॉरपोरेशन के 2.7213% भागीदारी हित और बीटीसी पाइपलाइन में 5 वर्ष की 2.36% भागीदारी हित के अर्जन के लिए बंधपत्र: 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर – 7 मई 18 को देय 10 वर्ष 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर: 7 मई 2023 को देय	07.05.2023	गारंटी राशि (₹19,670.76 मिलियन) (₹32,946.16 मिलियन)	52,617.66		
18	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	अंडार्को से आर – 2 10% पीआई के अर्जन के लिए 1775 मिलियन अमेरिकी डॉलर के दीर्घकालिक ऋण के लिए वित्तीय गारंटी	27. 11. 2020 को देय	गारंटी राशि	115,264.16		
19	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	मोजाम्बिक बीआरईएमएल 6% वीडियोकॉन 3.25% कूपन 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर के लिए वित्तीय गारंटी – 15 जुलाई 19 को देय	15. 07. 2019 को देय	गारंटी राशि ₹49,024.07मिलियन	49,024.07		
20	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	मोजाम्बिक बीआरईएमएल 6% वीडियोकॉन 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर के लिए वित्तीय गारंटी –15 जुलाई 2024 को देय	15. 07. 2024 को देय	गारंटी राशि ₹49,165.40मिलियन	49,165.40		
21	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	मोजांबित ओवीएल – अंडार्को 10% यूरो 525 मिलियन हेतु वित्तीय गारंटी – देय – 15 जुलाई 2021	15. 07. 2021 को देय	गारंटी राशि ₹48,971.21 मिलियन	43,184.31		
22	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	400 मिलियन अमेरिकी डॉलर बंध पत्र 2.875% देय 27 जनवरी 2022; ओवीएल को प्रदत्त गारंटीय कुल मूल राशि के 109% पर सीमा निश्चित	27. 01. 2022 को देय	गारंटी राशि ₹28,447.53 मिलियन	28,447.53		
23	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	600 मिलियन अमेरिकी डॉलर बंध पत्र 3.75% हेतु वित्तीय गारंटी, देय 27 जुलाई 2026 ओवीएल को दी गयी गारंटी; कुल मूल राशि के 109% पर निर्धारित।	27. 07. 2026 को देय	गारंटी राशि ₹42,736.31 मिलियन	42,736.31		

क्र. सं.	(क)संबंधित पक्ष के नाम और संबंध की प्रकृति		(ख) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रकृति	(ग) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की अवधि	(घ) मूल्य यदि कोई सहित अनुबंध /व्यवस्था/ लेन देन की प्रमुख शर्तें		(ङ) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि(यों), यदि कोई है	(च) अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि यदि कोई है
	नाम	संबंध			प्रमुख शर्तें	लेन–देन मूल्य (₹ मिलियन में)		
24	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	ओएनजीसी विदेश वैंकोरनेफ्ट पीटीई लि. सिंगापुर द्वारा सीजे एससी वैंकोरनेफ्ट के 11% शेयरों का अर्जन के लिए 875 मिलियन अमेरिकी डॉलर के अंतर वित्त के पुनर्वित्त करने के लिए 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर का सावधि ऋण अप्रैल 2022 तक देय है: कुल प्रतिबद्धता के 103% पर गारंटी निर्धारित है।	26. 04. 2022 को देय	गारंटी राशि ₹28,591.94 मिलियन	28,591.94		
25	ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल)	अनुषंगी	ओएनजीसी विदेश वैंकोरनेफ्ट पीटीई लि. सिंगापुर द्वारा सीजे एससी वैंकोरनेफ्ट के 11% शेयरों के अर्जन के लिए 875 मिलियन अमेरिकी डॉलर के अंतर वित्त का पुनर्वित्त करने के लिए 38 बिलियन जेपीवाय सावधि ऋण अप्रैल 2024 तक देय है: कुल प्रतिबद्धता के 103% पर गारंटी निर्धारित है।	26. 04. 2024 को देय	गारंटी राशि ₹24,092.90 मिलियन	24,092.90		
26	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)*	अनुषंगी	खनिज तेल और मूल्य वर्द्धित उत्पादों की बिक्री	वित्त वर्ष 18	बिक्री करार के अनुसार	37,506.46		
27	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)*	अनुषंगी	पेट्रोलियम तेल और लुब्रिकेंट / हाई स्पीड डीजल की खरीद	वित्त वर्ष 18	संविदात्मक समझौते के अनुसार	916.39		
28	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)*	अनुषंगी	लाभांश आय प्राप्त	वित्त वर्ष 18	लाभांश	11,293.26		
29	पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड	अनुषंगी	लाभांश आय प्राप्त	वित्त वर्ष 18	लाभांश	161.56		
30	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी)	संयुक्त उद्यम	प्राकृतिक गैस की बिक्री	वित्त वर्ष 18	संविदात्मक समझौते के अनुसार	5,486.38		
31	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी)	संयुक्त उद्यम	लाभांश आय प्राप्त	वित्त वर्ष 18	लाभांश	700.00		

क्र. सं.	(क)संबंधित पक्ष के नाम और संबंध की प्रकृति		(ख) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रकृति	(ग) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की अवधि	(घ) मूल्य यदि कोई सहित अनुबंध /व्यवस्था/ लेन देन की प्रमुख शर्तें		(ङ) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि(यों), यदि कोई है	(च) अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि यदि कोई है
	नाम	संबंध			प्रमुख शर्तें	लेन–देन मूल्य (₹ मिलियन में)		
32	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी)	संयुक्त उद्यम	प्रदत्त प्रबंधन परामर्श और ब्याज प्रभार	वित्त वर्ष 18	संविदात्मक समझौते के अनुसार	0.12		
33	ओएनजीसी पेट्रो एडीशंस लिमिटेड (ओपल)	संयुक्त उद्यम	नाथा एवं सी 2 – सी 3की बिक्री	वित्त वर्ष 18	संविदात्मक समझौते के अनुसार	36,599.87		
34	ओएनजीसी पेट्रो एडीशंस लिमिटेड (ओपल)	संयुक्त उद्यम	जनशक्ति प्रतिनियुक्ति, लोडिंग और अन्य प्रदत्त प्रभारें	वित्त वर्ष 18	संविदात्मक समझौते के अनुसार	202.12		
35	ओएनजीसी पेट्रो एडीशंस लिमिटेड (ओपल)	संयुक्त उद्यम	अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय ऋण पत्रों हेतु बैकस्टोपिंग सहायता के लिए प्रदत्त प्रतिबद्धता	वित्त वर्ष 18	संविदात्मक समझौते के अनुसार	21,630.00		
36	ओएनजीसी पेट्रो एडीशंस लिमिटेड (ओपल)	संयुक्त उद्यम	अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय ऋण पत्रों हेतु बैकस्टोपिंग सहायता के लिए प्रतिबद्धता– प्रादभूत ब्याज	वित्त वर्ष 18	संविदात्मक समझौते के अनुसार	1,058.13		
37	ओएनजीसी टेरी आयोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल)	संयुक्त उद्यम	प्राप्त जैवोपचार सेवाएं	वित्त वर्ष 18	संविदात्मक समझौते के अनुसार	127.60		
38	ओएनजीसी टेरी आयोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल)	संयुक्त उद्यम	क्षेत्र अध्ययन प्रभारें और उपलब्ध कराए गए कॉलोनी आवास के लिए किराया	वित्त वर्ष 18	संविदात्मक समझौते के अनुसार	0.19		
39	दहेज एसईजेड लि. (डीएसईजेड)	संयुक्त उद्यम	सी 2 – सी 3 संयंत्र के लिए एसईजेड भूमि हेतु पट्टा किराया	वित्त वर्ष 18	संविदात्मक समझौते के अनुसार	13.67		
40	मेंगलोर एसईजेड	संयुक्त उद्यम	मेंगलोर एसईजेड को प्रदत्त सेवाएं	वित्त वर्ष 18	वास्तविक	0.09		
41	पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	सहयोगी	पीएचएल से हेलिकॉप्टर सेवाओं को किराए पर लेने से एफई हानि (लाभ)	वित्त वर्ष 18	वास्तविक	5.46		
42	पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	सहयोगी	पीएचएल से हेलिकॉप्टर किराए पर लेना	वित्त वर्ष 18	संविदात्मक समझौते के अनुसार	1,456.81		
43	पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	सहयोगी	परिसमाप्त क्षतियों के मद में पीएचएल से प्राप्त प्रकीर्ण प्राप्तियां	वित्त वर्ष 18	वास्तविक	0.45		
44	पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	सहयोगी	पीएचएल के इक्विटी शेयर में निवेश	वित्त वर्ष 18	वास्तविक	1,528.16		
45	पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	सहयोगी	लाभांश आय प्राप्त	वित्त वर्ष 18	वास्तविक	181.24		
46	पट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)	सहयोगी	सी 2 सी 3 संयंत्र में प्राप्त उपयोगिता सेवाएं	वित्त वर्ष 18	संविदात्मक समझौते के अनुसार	210.69		

क्र. सं.	(क)संबंधित पक्ष के नाम और संबंध की प्रकृति		(ख) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की प्रकृति	(ग) अनुबंध / व्यवस्था / लेन देन की अवधि	(घ) मूल्य यदि कोई सहित अनुबंध /व्यवस्था/ लेन देन की प्रमुख शर्तें		(ङ) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि(यों), यदि कोई है	(च) अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि यदि कोई है
	नाम	संबंध			प्रमुख शर्तें	लेन–देन मूल्य (₹ मिलियन में)		
47	पट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)	सहयोगी	प्राप्त निदेशक बैठक शुल्क	वित्त वर्ष 18	वास्तविक	0.26		
48	पट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)	सहयोगी	एलएनजी की खरीद	वित्त वर्ष 18	वास्तविक	2,025.47		
49	पट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)	सहयोगी	प्राप्त लाभांश आय	वित्त वर्ष 18	वास्तविक	468.75		
50	ओएनजीसी सीएसएसएस ट्रस्ट	ट्रस्ट	योगदान	वित्त वर्ष	वास्तविक	1,217.78		
51	ओएनजीसी सहयोग ट्रस्ट	ट्रस्ट	योगदान	वित्त वर्ष 18	वास्तविक	28.07		
52	ओएनजीसी पीआरबीएस ट्रस्ट	ट्रस्ट	योगदान	वित्त वर्ष 18	वास्तविक	11,066.09		
53	ओएनजीसी अंशदायी भविष्य निधि ट्रस्ट	ट्रस्ट	योगदान	वित्त वर्ष 18	वास्तविक	12,158.32		
54	ओएनजीसी उपदान निधि	ट्रस्ट	योगदान	वित्त वर्ष 18	वास्तविक	8,822.28		
55	ओएनजीसी उपदान निधि	ट्रस्ट	प्रतिपूर्ति	वित्त वर्ष 18	वास्तविक	3,651.09		
56	ओएनजीसी एनर्जी सेंटर ट्रस्ट	ट्रस्ट	अनुसंधान एवं विकास के लिए योगदान	वित्त वर्ष 18	वास्तविक	300.00		
57	ओएनजीसी फाउंडेशन	ट्रस्ट	योगदान	वित्त वर्ष 18	वास्तविक	1,563.61		

** दिनांक 31. 01. 2018 को अनुषंगी बन गयी*

निर्देशक मंडल की ओर से

शशि शंकर

(शशि शंकर)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली
02.08.2018

सीएसआर गतिविधि संबंधी वार्षिक रिपोर्ट– 2017–18

प्र.1. प्रस्तावित परियोजनाओं अथवा कार्यक्रमों के विवरण और सीएसआर नीति और परियोजना अथवा कार्यक्रम के वेबलिंक संदर्भ सहित कंपनी की सीएसआर नीति का एक संक्षिप्त विवरण।

उत्तर: ओएनजीसी निदेशक मंडल की 28 मई 2015 को आयोजित 269 वीं बैठक में इसके द्वारा अनुमोदित ओएनजीसी की कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) और संवहनीय विकास (एसडी) नीति, कंपनी अधिनियम 2013 की धारा–135, कंपनी कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित कंपनी (सीएसआर नीति) नियमावली, 2014 और लोक उद्यम विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व और संवहनीयता दिशानिर्देश (डीपीई दिशानिर्देश, 2014) के अनुरूप है।

यह केवल भारतवर्ष की भौगोलिक सीमा के अंदर, विशेष रूप से समाज के हाशिए पर रहने वाले, सुविधाविहीन, निर्धन और वंचित लोगों और पर्यावरण के लाभ के लिए इस अधिनियम की अनुसूची–VII में सूचीबद्ध गतिविधियों की उदार व्याख्या के अनुसार ओएनजीसी द्वारा संचालित सभी सीएसआर परियोजनाओं/कार्यक्रमों पर लागू है।

इस नीति के अनुसार, एक प्रक्रिया के माध्यम से जिसमें उपयुक्त क्रियान्वयन एजेंसी का चुनाव, आवश्यकता आकलन और वांछित परिणामों की स्पष्ट रूपरेखा शामिल हैं, परियोजनाओं/कार्यक्रमों की पहचान की जाती हैं और बजट आवंटित किए जाते हैं। सीएसआर परियोजना/कार्यक्रम, जिसमें जहाँ तक संभव हो, निम्नलिखित घटक शामिल होते हैं:

i. आवश्यकता आधारित आकलन/बेस लाइन सर्वेक्षण/अध्ययन जहाँ आवश्यकता/व्यवहार्य हो;

ii. निर्धारित क्षेत्रों और भूभागों में विशिष्ट और परिमेय उद्देश्यों/लक्ष्यों की पहचान;

iii. परियोजना का गठन और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना;

iv. समय सारणी का निर्धारण – प्रारंभ तिथि और समापन तिथि का स्पष्ट निर्धारण;

v. वार्षिक वित्तीय आवंटन का विनिर्देशन;

vi. लाभार्थियों की स्पष्ट पहचान (जहाँ संभव हो नाम से)

vii. परियोजना/कार्यक्रम की संपूर्ण अवधि के लिए लक्ष्यों की पहचान;

viii. क्रियान्वयन एजेंसियों का साथ समझौता की रूपरेखा तैयार करना और उस पर हस्ताक्षर;

ix. एक विस्तृत और संगामी प्रलेखीकरण प्रक्रिया की रचना और क्रियान्वयन;

x. मजबूत, आवधिक समीक्षा एवं निगरानी;

xi. मूल्यांकन एवं आकलन, अच्छा हो संगामी और अंतिम दोनों (जहाँ कहीं भी संभव हो, एक सक्षम तृतीय पक्षकार द्वारा);

xii. अनिवार्य रिपोर्टिंग।

अलग अलग सीएसआर परियोजनाओं/कार्यक्रमों/गतिविधियों के फोकस क्षेत्रों/कार्यक्रमों/ गतिविधियों के लिए लक्ष्य क्षेत्रों और बजट आवंटन प्रत्येक वर्ष के प्रारंभ में सीएसआर और एसडी समिति द्वारा की जाती है। गतिविधियों के मुख्य क्षेत्रों के लिए संदर्शी बजट आवंटन इस प्रकार है :

क्रम	गतिविधि क्षेत्र	संदर्शी बजट आवंटन
1	निरोधक स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता सहित स्वास्थ्य देखभाल का संवर्धन और पेय जल उपलब्ध करवाना।	सीएसआर बजट का करीब 20%
2	विशेष शिक्षा और रोजगार वृद्धक व्यावसायिक कौशल सहित शिक्षा का संवर्द्धन, विशेष रूप से बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों, और दिव्यांगों के लिए और आजीविका वृद्धि परियोजनाएं	सीएसआर बजट का करीब 20%
3	पर्यावरण संवहनीयता, पारिस्थितिकि संतुलन, वनस्पति एवं जीव पशु कल्याण, कृषि वानिकी, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित करना और मृदा, हवा और जल की गुणवत्ता बनाए रखना	सीएसआर बजट का करीब 20%
4	ग्रामीण विकास परियोजनाएं	सीएसआर बजट का करीब 20%

5	(1) महिलाओं और अनाथों के लिए गृह और छात्रावास बनाना; वृद्धा आश्रम, दिवस देखभाल केन्द्र और वरिष्ठ नागरिकों के लिए इस प्रकार की अन्य सुविधाएं स्थापित करना (2) ऐतिहासिक महत्व के भवनों और स्थलों सहित राष्ट्रीय धरोहर, कला, संस्कृति और कलाकृति का संरक्षण; सार्वजनिक पुस्तकालय खोलना; परंपरागत कला और हस्तशिल्प का संवर्धन और विकास (3) ग्रामीण खेलकूद, क्षेत्रीय रूप से मान्यता प्राप्त खेलों, पैरालंपिक खेलों और ओलंपिक खेलों का संवर्धन करने के लिए प्रशिक्षण (4) अनुसूची–VII में उल्लिखित अन्य क्षेत्र	सीएसआर बजट का करीब 20%

ओएनजीसी की वेबसाइट, www.ongcindia.com, पर सीएसआर और एसडी गतिविधियों और हितधारकों के सुविधाहीन, वंचित और उपेक्षित वर्ग के लोगों की बेहतरी के लिए बनाई गयी कई नीतियों का लिंक उपलब्ध है।

प्र.2. दिनांक 31.03.2018 की स्थिति के अनुसार सीएसआर समिति की संरचना

उत्तर: ओएनजीसी सीएसआर समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं

- श्री अजय मल्होत्रा, स्वतंत्र निदेशक – समिति के अध्यक्ष
- प्रो. एस. बी. केदारे, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
- श्री विवेक माल्या, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
- डॉ संतृप्त मिश्रा, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
- डॉ संबित पात्रा, स्वतंत्र निदेशक – सदस्य
- श्री डी. डी. मिश्र, निदेशक (मा.सं.), ओएनजीसी – सदस्य

प्र.3. पिछले तीन वित्त वर्षों के दौरान कंपनी का औसत निवल लाभ

उत्तर: पिछले तीन वित्त वर्षों के दौरान कंपनी का औसत निवल लाभ इस प्रकार है;

मिलियन रुपये में

विवरण	2014-15	2015-16	2016-17
धारा 198 के अनुसार लाभ	26,358.17	23,081.03	23,616.73

पिछले तीन वर्षों के लिए धारा 135 के अंतर्गत औसत निवल लाभ ₹ 24,351.97 मिलियन

प्र.4. विहित सीएसआर व्यय (ऊपर मद 3 के अनुसार उस राशि का 2%)

उत्तर: वित्त वर्ष 2017–18 के लिए विहित सीएसआर व्यय ₹ 4,870.4 मिलियन है (धारा 135 के तहत औसत लाभ का 2%)

प्र.5. इस वित्त वर्ष के दौरान सीएसआर व्यय का विवरण

उत्तर: कुल ₹ 4,870.40 मिलियन के सीएसआर बजट में से, ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान ₹ 5,034.4 मिलियन की राशि व्यय की है। यह सीएसआर बजट के 103.37% के समग्र उपयोग में परिणत होता है।

इसका ब्यौरा **अनुलग्नक–ख के संलग्नक** में संलग्न है।

प्र.6. यदि कंपनी पिछले तीन वित्त वर्षों के औसत निवल लाभ का दो प्रतिशत या उसका कोई भाग व्यय करने में विफल रही हैं, तो कंपनी बोर्ड रिपोर्ट में उस राशि का व्यय नहीं करने का कारण बताएगी।

उत्तर: कंपनी ने वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान ₹ 5,034.4 मिलियन की राशि का व्यय किया है। यह पिछले तीन वित्त वर्षों के औसत निवल लाभ के दो प्रतिशत से अधिक बैठता है।

उत्तरदायित्व वक्तव्य

प्रमाणित किया जाता है कि वर्ष 2017–18 की सीएसआर पहलों के तहत शामिल सभी परियोजनाएं/कार्यक्रम के संबंध में सीएसआर नीति का क्रियान्वयन और इसकी निगरानी, कंपनी के सीएसआर लक्ष्यों और नीति के अनुरूप है।

(शशि शंकर)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(अजय मल्होत्रा)
स्वतंत्र निदेशक
अध्यक्ष, सीएसआर एंड एसडी समिति

अनुलग्नक ख का संलग्नक

क्रम सं.	चिन्हित सीएसआर परियोजना या गतिविधि	जिस क्षेत्र में परियोजना कवर की गयी है	परियोजना या कार्यक्रम		परिव्यय राशि (बजट) परियोजना या कार्यक्रम वार (मिलियन ₹ में)	परियोजना या कार्यकम पर व्यय की गयी राशि (₹ मिलियन में)		प्रतिवेदनाधीन अवधि तक संचयी व्यय (मिलियन ₹ में)	प्रत्यक्ष या क्रियान्वयनय एजेंसी (आईए) के माध्यम से व्यय की गयी राशि
			स्थानीय या अन्य	राज्य और जिला जहाँ परियोजना क्रियान्वित की गयी		प्रत्यक्ष व्यय (मिलियन ₹ में)	ऊपरी व्यय (मिलियन ₹ में)		
1	राष्ट्रीय कैंसर अस्पताल, नागपुर, महाराष्ट्र के लिए सहायता	स्वास्थ्य देखभाल	स्थानीय	नागपुर, महाराष्ट्र	1000.00	1000.00		1000.00	ओएनजीसी फाउंडेशन के माध्यम से डॉ. आबाजी थट्टे सेवा और अनुसंधान संस्था
2	16,000 आईएचएचएल का निर्माण	स्वच्छता	स्थानीय / अन्य	पूर्वी गोदावरी, पश्चिमी गोदावरी, आंध्रप्रदेश; जोरहाट, असम; मेहसाणा, सुरत, वडोदरा, गुजरात; मंगलाजोड़ी, ओडिशा; अरियालुर, रामनाड, थिरुवरुर, तमिलनाडु; वाराणसी, उ. प्र.	559.90	559.90		559.90	ओएनजीसी फाउंडेशन के माध्यम सुलभ इंटरनेशनल सामाजिक सेवा संगठन
3	राजाबारी, शिबसागर में ओएनजीसी मल्टी स्पेशिलिटी अस्पताल	स्वास्थ्य देखभाल	स्थानीय	असम	990.70	109.80		109.80	ओएनजीसी फाउंडेशन के माध्यम से डॉ. बाबासाहब अंबेडकर वैद्यकीय प्रतिष्ठान
4	बनशंकरी, बेंगलोर (कर्नाटक) में राष्ट्रोत्थान विद्या केन्द्र के लिए तापस और पी. यू कॉलेज भवन का निर्माण	शिक्षा	अन्य	कर्नाटक	53.30	47.90		47.90	राष्ट्रोत्थान परिषद
5	तिरुमला तिरुपति देवस्थानम् (टीटीडी) में स्वच्छता अभियान	स्वच्छता	स्थानीय	आंध्र प्रदेश	130.00	42.30		42.30	ओएनजीसी फाउंडेशन के माध्यम से तिरुमला तिरुपति देवस्थानम
6	धारवाड़ में खेल परिसर	खेल संवर्द्धन	अन्य	कर्नाटक	136.80	41.11		41.11	एकीकृत ग्रामीण विकास संस्थान
7	सरस्वती परियोजना	पेयजल सुविधाएं	अन्य	हरियाणा	56.40	40.00		40.00	ओएनजीसी फाउंडेशन के माध्यम से वाटर एंड पावर कंसल्टेंसी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (वापकोस)
8	केदारनाथ में पुनरुत्थान कार्य	राष्ट्रीय धरोहर का संरक्षण	स्थानीय	उत्तराखंड	56.40	35.40		35.40	जिला प्रशासन, रुद्र प्रयाग, श्री केदारनाथ उत्थान धर्मार्थ न्यास
9	संस्कृत भाषा का संवर्द्धन	शिक्षा	अन्य	अखिल भारत	116.00	43.60		43.60	संस्कृत संवर्द्धन फाउंडेशन
10	वरिष्ठजन स्वास्थ्य सेवा अभियान	स्वास्थ्य देखभाल	स्थानीय	प्रचालन राज्यों सहित प्रचालन क्षेत्र	199.00	49.00		49.00	हैल्पेज इंडिया

क्रम सं.	चिन्हित सीएसआर परियोजना या गतिविधि	जिस क्षेत्र में परियोजना कवर की गयी है	परियोजना या कार्यक्रम		परिव्यय राशि (बजट) परियोजना या कार्यक्रम वार (मिलियन ₹ में)	परियोजना या कार्यकम पर व्यय की गयी राशि (₹ मिलियन में)		प्रतिवेदनाधीन अवधि तक संचयी व्यय (मिलियन ₹ में)	प्रत्यक्ष या क्रियान्वयनय एजेंसी (आईए) के माध्यम से व्यय की गयी राशि
			स्थानीय या अन्य	राज्य और जिला जहाँ परियोजना क्रियान्वित की गयी		प्रत्यक्ष व्यय (मिलियन ₹ में)	ऊपरी व्यय (मिलियन ₹ में)		
11	वाराणसी मे 4 ऐतिहासिक कुंडों की सफाई एवं जीर्णोद्धार	राष्ट्रीय धरोहर का संरक्षण	अन्य	उत्तर प्रदेश	106.90	30.60		30.60	नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड
12	ईकोआर्ट में प्रशासनिक खंड और छात्र डॉरमिटरी का निर्माण	पारिस्थितिकी संतुलन	अन्य	विकाराबाद, तेलंगना	47.20	28.30		28.30	एकलव्य फाउंडेशन
13	लेडी गोशेन अस्पताल, मेंगलोर मे एक नये ओएनजीसी एमआरपीएल विंग का निर्माण	महिला सशक्तीकरण	अन्य	कर्नाटक	146.80	24.20		24.20	लेडी गोशेन अस्पताल एवं एमआरपीएल ब्लॉक बिल्डिंग फंड
14	स्वच्छ विद्यालय अभियान – सूचना, शिक्षा, संचार (आईईसी) गतिविधियां	शिक्षा	स्थानीय/ अन्य	असम, मेघालय, त्रिपुरा, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, गोवा, गुजरात, तमिलनाडु	78.00	22.20		22.20	अरोविले फाउंडेशन
15	नवादा और भोखपूरा मे खादी सौर चर्खा के माध्यम से महिला कौशल एवं उद्यमिता विकास	महिला सशक्तीकरण	अन्य	बिहार	67.10	20.10		20.10	भारतीय माइक्रो क्रेडिट
16	हरिद्वार, उत्तराखंड में बायो – सीएनजी संयंत्र	पर्यावरणीय संवहनीयता सुनिश्चित करने के लिए	स्थानीय	उत्तराखंड	18.90	18.90		18.90	श्री कृष्णायन देशी गौरक्षा एवंम गोलोकधाम सेवा समिति
17	धौला हरियाणा मे एक माध्यमिक स्कूल का निर्माण	शिक्षा	अन्य	हरियाणा	34.10	17.30		17.30	इंडियन सोसायटी ऑफ एग्री बिजनेस प्रोफेशन
18	निरजुली, अरुणाचल प्रदेश में बी. एड कॉलेज का निर्माण	शिक्षा	अन्य	अरुणाचल प्रदेश	59.00	14.80		14.80	विवेकानंद केन्द्र विद्यालय अरुणाचल प्रदेश ट्रस्ट
19	जिगानी, होबली, बेंगलोर के विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान में बालक छात्रावास का निर्माण	शिक्षा	अन्य	कर्नाटक	137.60	14.20		14.20	स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान (एसवीवायएएसए)

क्रम सं.	चिन्हित सीएसआर परियोजना या गतिविधि	जिस क्षेत्र में परियोजना कवर की गयी है	परियोजना या कार्यक्रम		परिव्यय राशि (बजट) परियोजना या कार्यक्रम वार (मिलियन ₹ में)	परियोजना या कार्यक्रम पर व्यय की गयी राशि (₹ मिलियन में)		प्रतिवेदनाधीन अवधि तक संचयी व्यय (मिलियन ₹ में)	प्रत्यक्ष या क्रियान्वयनय एजेंसी (आईए) के माध्यम से व्यय की गयी राशि
			स्थानीय या अन्य	राज्य और जिला जहाँ परियोजना क्रियान्वित की गयी		प्रत्यक्ष व्यय (मिलियन ₹ में)	ऊपरी व्यय (मिलियन ₹ में)		
20	शिवानंद सेंटिनरी ब्यायज हाई स्कूल, भुवनेश्वर, ओडिशा में एक शैक्षणिक ब्लॉक और 2 छात्रावास का निर्माण	शिक्षा	स्थानीय	ओडिशा	47.20	14.20		14.20	शिवानंद सेंटिनरी ब्यायज हाई स्कूल
21	स्वच्छ भारत अभियान	कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII	स्थानीय	अखिल भारत	1156.00	765.90		765.90	विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियां
22	स्वास्थ्य अवसंरचना सीएसआर परियोजना	स्वास्थ्य देखभाल	स्थानीय / अन्य	असम, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, अरुणाचल प्रदेश, झारखंड, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, त्रिपुरा, प. बंगाल, उत्तराखंड, हरियाणा	134.70	58.50		58.50	विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियां
23	स्वास्थ्य पहलें	स्वास्थ्य देखभाल	स्थानीय / अन्य	अखिल भारत	156.00	140.80		140.80	विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियां
24	शिक्षा एवं कौशल विकास परियोजनाएं	शिक्षा एवं कौशल विकास	स्थानीय / अन्य	अखिल भारत	565.00	300.00		300.00	विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियां
25	के वी स्कूल को समर्थन	शिक्षा	स्थानीय	महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तराखंड, त्रिपुरा, असम, आंध्रप्रदेश	483.50	479.60		479.60	केन्द्रीय विद्यालय
26	महिला सशक्तीकरण एवं असमानता कम करने वाली सीएसआर परियोजना	कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII	स्थानीय / अन्य	असम, त्रिपुरा, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा, कर्नाटक, राजस्थान, हरियाणा	55.20	29.30		29.30	विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियां
27	पर्यावरण संरक्षण सीएसआर परियोजनाएं	कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII	स्थानीय / अन्य	असम, बिहार, दिल्ली, गोवा, हरियाणा, जे एंड के, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, नागालैंड, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड	202.40	152.40		152.40	विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियां
28	अनु. जा. / अनु. जनजाति के कल्याण के लिए सीएसआर परियोजनाएं / गतिविधियां	कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII	स्थानीय / अन्य	आंध्र प्रदेश, असम, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, झारखड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, तलंगना, त्रिपुरा, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल	85.40	79.60		79.60	विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियां
29	कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने वाली सीएसआर परियोजनाएं	कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII	स्थानीय / अन्य	अरुणाचल प्रदेश, असम, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, उत्तर प्रदेश	31.60	25.00		25.00	विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियां

क्रम सं.	चिन्हित सीएसआर परियोजना या गतिविधि	जिस क्षेत्र में परियोजना कवर की गयी है	परियोजना या कार्यक्रम		परिव्यय राशि (बजट) परियोजना या कार्यक्रम वार (मिलियन ₹ में)	परियोजना या कार्यकम पर व्यय की गयी राशि (₹ मिलियन में)		प्रतिवेदनाधीन अवधि तक संचयी व्यय (मिलियन ₹ में)	प्रत्यक्ष या क्रियान्वयनय एजेंसी (आईए) के माध्यम से व्यय की गयी राशि
			स्थानीय या अन्य	राज्य और जिला जहाँ परियोजना क्रियान्वित की गयी		प्रत्यक्ष व्यय (मिलियन ₹ में)	ऊपरी व्यय (मिलियन ₹ में)		
30	खेलकूद को बढ़ावा देने वाली परियोजनाएं	कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII	स्थानीय/ अन्य	अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, ओडिशा, पंजाब, त्रिपुरा, उत्तराखंड	97.90	78.40		78.40	विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियां
31	ग्रामीण विकास संबंधी सीएसआर परियोजनाएं	कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII	स्थानीय/ अन्य	आंध्र प्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, जम्मू एवं कश्मीर, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड	64.60	42.40		42.40	विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियां
32	अभितटीय परिसंपत्ति / बेसिन की सीएसआर परियोजनाएं	कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII	स्थानीय	प्रचालन राज्यों सहित प्रचालन क्षेत्र	557.80	438.20		438.20	विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियां
33	अभितटीय परिसंपत्ति / बेसिन की सीएसआर परियोजनाएं	कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII	स्थानीय	प्रचालन राज्यों सहित प्रचालन क्षेत्र	25.00	19.10		19.10	विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियां
34	अन्वेषण समूह की सीएसआर परियोजनाएं	कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII	स्थानीय	प्रचालन राज्यों सहित प्रचालन क्षेत्र	2.90	2.90		2.90	विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियां
35	संयंत्रों की सीएसआर परियोजनाएं	कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII	स्थानीय	प्रचालन राज्यों सहित प्रचालन क्षेत्र	15.30	10.10		10.10	विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियां
36	प्रशासनिक कार्यालयों / संस्थानों द्वारा सीएसआर परियोजनाएं	कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII	स्थानीय	प्रचालन राज्यों सहित प्रचालन क्षेत्र	49.50	24.70		24.70	विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियां
37	प्रशासनिक व्यय						213.70		विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियां
						4820.71	**213.70**	**5034.41**	

पुरस्कार और सराहना

अनुलग्नक–ग



विश्व की नं. 1 ई एंड पी कंपनी, वैश्विक ऊर्जा कंपनियों में 11वां – प्लैट्स ग्लोबल रैंकिंग 2017



फॉर्ट्यून 500 ग्लोबल रैंकिंग्स 2018 द्वारा 197वां स्थान दिया गया

1. **दैनिक भास्कर का 'इंडिया प्राइड पुरस्कार'**

   आपकी कंपनी ने 'महारत्न श्रेणी में उत्कृष्टता' में दैनिक भास्कर इंडिया प्राइड पुरस्कार प्राप्त किया। मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 28 मार्च 2018 को नई दिल्ली में यह पुरस्कार प्रदान किया। माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने भी इस समारोह को सुशोभित किया।

2. **'उत्तम कॉरपोरेट नागरिक' – पीएचडी चैंबर पुरस्कार**

   पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने 26 अक्तूबर 2017 को नई दिल्ली में आयोजित वार्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार – 2017 समारोह के दौरान ओएनजीसी को 'उत्तम कॉरपोरेट नागरिक' पुरस्कार प्रदान किया। यह पुरस्कार ओएनजीसी को इसकी सार्थक सीएसआर नीतियों और साथ साथ प्रचालनों में सुदृढ़ स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण (एचएसई) ढाँचा के लिए दिया गया।

3. **इंडियन चैबर आफ कॉमर्स – पीएसई उत्कृष्टता पुरस्कार**

   आपकी कंपनी ने इंडियन चैबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित पीएसई उत्कृष्टता पुरस्कार 2016 में लगातार चार विजेता पुरस्कार प्राप्त कर ख्याति बटोर ली। ओएनजीसी को कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं संवहनीयता, मानव संसाधन प्रबंधन, कॉरपोरेट अभिशासन और सबसे सम्मानीय कंपनी ऑफ द ईयर पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। कंपनी ने महारत्न और नवरत्न श्रेणी में शीर्ष पुरस्कार जीते। ये पुरस्कार 7 सितंबर 2017 को नई दिल्ली में आयोजित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के 7 वें शिखर सम्मेलन के दौरान प्रदान किए गए थे।

4. **'पर्यावरणीय संवहनीयता अनुसंधान एवं विकास' – गवर्मेंट नाउ पीएसयू पुरस्कार**

   ओएनजीसी को 27 फरवरी 2018 को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह के दौरान गवर्नेंस नाउ द्वारा इसके पीएसयू पुरस्कारों के 5वें संस्करण में "पर्यावरणीय संवहनीयता अनुसंधान एवं विकास" पुरस्कार से अलंकृत किया गया।

5. **डन एंड ब्रैडस्ट्रीट कॉरपोरेट पुरस्कार 2017**

   ओएनजीसी ने 1 जून 2017 को आयोजित डन एवं ब्रैडस्ट्रीट कॉरपोरेट पुरस्कार – 2017 के 11वें संस्करण के दौरान तेल एवं गैस अन्वेषण क्षेत्र में डन एंड ब्रैडस्ट्रीट कॉरपोरेट पुरस्कार जीता।

6. **डन एंड ब्रैडस्ट्रीट पीएसयू पुरस्कार 2017**

   आपकी कंपनी डन एंड ब्रैडस्ट्रीट पीएसयू पुरस्कार 2017 की विजेता थी। ओएनजीसी ने 'खनन : खनिज तेल' और 'सर्वश्रेष्ठ महारत्न' श्रेणियों में दो शीर्ष पुरस्कार जीते। यह पुरस्कार 25 जुलाई 2017 को ओएनजीसी द्वारा प्राप्त किया गया।

7. **एनआईपीएम सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन संव्यवहार पुरस्कार – 2017**

   ओएनजीसी ने श्रेणी 'क' का नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनेल मैनेजमेंट (एनआईपीएम) सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन संव्यवहार पुरस्कार – 2017 जीता। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार हमारे देश के संगठनों को उनके सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन संव्यवहारों के लिए स्वीकार करना है।

8. उत्तम आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए कॉरपोरेट उत्कृष्टता पुरस्कार

भारतीय सामग्री प्रबंधन संस्थान (आईआईएमएम) ने ओएनजीसी को ''कंपनी लाभप्रदता में परिणाम उत्तम आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन संव्यवहार'' क्रियान्वित करने के लिए कॉरपोरेट उत्कृष्टता पुरस्कार – 2017 से अलंकृत किया है। यह पुरस्कार 16 नवंबर 2017 को बेंगलुरु में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया था।

9. 'वर्ष 2017 की सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए पीएमआई इंडिया पुरस्कार

परियोजना प्रबंधन संस्थान (पीएमआई), भारत ने ओएनजीसी को मध्यम वर्ग के अंतर्गत इसकी वसई ईस्ट का अतिरिक्त विकास (एडीवीई) परियोजना के लिए वर्ष की सर्वश्रेष्ठ परियोजना पुरस्कार से अलंकृत किया है। यह पुरस्कार 16 सितंबर 2017 को चेन्नई में आयोजित पीएमआई वार्षिक सम्मेलन में प्राप्त किया गया था।

10. ओएनजीसी ईसीपीएफ ट्रस्ट को ''स्टार परफोर्मर'' पुरस्कार

ओएनजीसी ईसीपीएफ ट्रस्ट को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर 17 नवंबर 2017 को ''सेवानिवृत्ति निधि कान्क्लैव – 2017'' में ''स्टार परफोर्मर' का पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह समारोह ईपीएफओ के इक्विटी निधि प्रबंधकों में से एक एसबीआई म्युचुअल फंड द्वारा आयोजित किया गया था।

11. ओएनजीसी रिपोर्ट्स को ''सर्वश्रेष्ठ कॉरपोरेट इंट्रानेट': 57वां एबीसीआई पुरस्कार

कंपनी की आंतरिक संचार वेबसाइट 'ओएनजीसी रिपोर्ट्स' ने सर्वश्रेष्ठ आंतरिक कॉरपोरेट इंट्रानेट' के लिए एसोसिएशन ऑफ बिजनेस कम्युनिकेशन ऑफ इंडिया (एबीसीआई) से पुरस्कार प्राप्त किया। यह पिछले 3 वर्षों में इस वेबसाइट को प्राप्त तीसरा सार्वजनिक सम्मान है।

12. आईपीएसएचईएम – गोवा को प्रतिष्ठित ग्रो केयर इंडिया इनवॉयरमेंट अवार्ड

पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संस्थान (आईपीएसएचईएम), गोवा ने पेट्रोलियम क्षेत्र में पर्यावरण प्रबंधन में अपनी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए 3 अगस्त 2017 को चंडीगढ़ में 'ग्रो केयर इंडिया इनवॉयरमेंट अवार्ड' जीता।

13. जीसीआई पुरस्कार – 2017 में हाजिरा संयंत्र को सराहा गया

ग्रो केयर इंडिया फाउंडेशन (जीसीआई) द्वारा चंडीगढ़ में 3 अगस्त 2017 को आयोजित एक समारोह में प्लेटिनम श्रेणी के दोनों पुरस्कार 'व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन पुरस्कार – 2017' और 'पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार 2017' ओएनजीसी के हाजिरा संयंत्र को प्राप्त हुआ।

14. हाजिरा संयंत्र को ''सुपर एचीवर पुरस्कार''

हाजिरा संयंत्र सुरक्षा और व्यवसायिक स्वास्थ्य प्रबंधन में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए गैस प्रसंस्करण क्षेत्र में 16वां वार्षिक ग्रीनटेक सुरक्षा सुपर एचीवर पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार 14 दिसंबर 2017 को गोवा में 16वें वार्षिक ग्रीनटेक ओएचएस सम्मेलन 2017 के दौरान प्राप्त हुआ। हाजिरा संयंत्र सुपर एचीवर श्रेणी में पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली ओएनजीसी इकाई है।

15. आईडीटी ने गोल्ड स्कॉच ब्लू इकॉनोमी पुरस्कार 2017

कंपनी के संस्थान वेधन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईडीटी) को, ''प्रौद्योगिकी – ब्लू इकॉनोमी'' श्रेणी के अंतर्गत इसके नामांकन के आधार पर नई दिल्ली में 20 – 21 दिसंबर



एफआईपीआई तेल एवं गैस पुरस्कार 2017: फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री (एफआईपीआई) द्वारा 'अन्वेषण एवं उत्पादन –कंपनी ऑफ द इयर' और 'पर्यावरण संवहनीयता – कंपनी ऑफ द इयर' श्रेणियों के अंतर्गत ओएनजीसी को दो प्रतिष्ठित पुरस्कारों से अलंकृत किया गया

2017 को आयोजित 50वें स्कॉच शिखर सम्मेलन में गोल्ड स्कॉच ब्लू इकॉनोमी पुरस्कार से अलंकृत किया गया था। आईडीटी को यह पुरस्कार ''नोवेल सिमेंटिंग सॉल्यूशन फॉर इन–सीटु कंबशन वेल्स एंड सक्सेसफुल फील्ड इंप्लिमेंटेशन : केश हिस्ट्रीज'' नामक इसकी सिमेंटिंग (आर एंड डी) परियोजना के लिए प्राप्त हुआ। यह स्कॉच समूह द्वारा प्रौद्योगिकी के लिए दिया जाने वाला उच्चतम स्वतंत्र सम्मान है।

16. हाजिरा संयंत्र को इन्नोव अवार्ड 2017

हाजिरा संयंत्र को एक काम देश के नाम फाउंडेशन द्वारा प्लेटिनम श्रेणी का व्यवसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन के लिए 'इन्नोव अवार्ड 2017' प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार 15 जनवरी, 2018 को प्रदान किया गया था।

17. अंकलेश्वर को सीएसआर के लिए गवर्नर पुरस्कार

ओएनजीसी अंकलेश्वर परिसंपत्ति को सीएसआर के तहत इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा थैलेसेमिया रोकथाम के संवर्द्धन के लिए विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार राजभवन, गांधी नगर मे आयोजित सम्मान समारोह के दौरान प्रदान किया गया था।

18. हाजिरा संयंत्र को ओशई पुरस्कार 2017

हाजिरा संयंत्र को भारतीय व्यवसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संघ (ओशई) द्वारा 4 मई 2017 को मुंबई में आयोजित चौथे वार्षिक एचएसई कांग्रेस इंडिया के दौरान ''वर्ष का सुरक्षित नियोक्ता'', ''वर्ष का पर्यावरण हितैशी नियोक्ता'' और ''वर्ष का संवहनीय नियोक्ता'' होने के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया था।

19. सर्वश्रेष्ठ अभितटीय परिसंपत्ति 2016 – 17

राजमहेन्द्री परिसंपत्ति को दुघर्टना रहित प्रचालनों और बिना किसी श्रम दिवस हानि के लिए वर्ष 2016–17 के लिए निजी कंपनियों सहित सभी तेल एवं गैस कंपनियों में सर्वश्रेष्ठ अभितटीय परिसंपत्ति घोषित किया गया। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इस परिसंपत्ति को यह पुरस्कार प्रदान किया।

20. कॉरपोरेट एचएसई उत्कृष्टता पुरस्कार 2017

असम परिसंपत्ति के वर्कओवर रिग सीडब्ल्यू – 100 – 12 को कॉरपोरेट एचएसई उत्कृष्टता पुरस्कार 2017 के तहत ''सर्वश्रेष्ठ अभितटीय वर्कओवर रिग'' घोषित किया गया।

21. 16वां ग्रीनटेक सुरक्षा पुरस्कार 2017

लॉगिंग सर्विसेज नाजिरा, असम परिसंपत्ति ग्रीनटेक फाउंडेशन द्वारा ''16वां वार्षिक ग्रीनटेक सुरक्षा पुरस्कार 2017'' में सुरक्षा प्रबंधन में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण क्षेत्र का स्वर्ण पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अलावा, असम परिसंपत्ति ने भी ''16वें वार्षिक ग्रीनटेक सुरक्षा पुरस्कार 2017'' में 3 और स्वर्ण पदक जीते।

22. असम परिसंपत्ति ने पूर्वोत्तर तेल एवं कोयला खान सुरक्षा सप्ताह अनुपालन – 2017 (एनईओसीएमएसडब्ल्यू – 2017) (डीजीएमएस के तत्वाधान में आयोजित) में 12 सुरक्षा पुरस्कार (8 प्रथम और 4 द्वितीय) जीते।



ओएनजीसी को स्वच्छ भारत को बढ़ावा देने में सर्वश्रेष्ठ कंपनी का पुरस्कार प्रदान किया गया; डॉ. एम एम कुट्टी, सचिव, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, श्री शशि शंकर, सीएमडी, ओएनजीसी को स्वच्छता पुरस्कार प्रदान करते हुए

23. 16वां वार्षिक ग्रीनटेक फाउंडेशन

जोरहाट के तीन उत्पादन प्रतिष्ठापनों को गोवा में आयोजित 16वें वार्षिक ग्रीनटेक फाउंडेशन में प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए गए। बोरहोल्ला जीजीएस और नाम्बर जीजीएस को पेट्रोलियम क्षेत्र के स्वर्ण पुरस्कार प्रदान किए गए और खोराधाट जीजीएस को पेट्रोलियम क्षेत्र का रजत पुरस्कार प्रदान किया गया।

24. राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार

राजमहेन्द्री परिसंपत्ति को वर्ष 2017 में भारत के महामहिम राष्ट्रपति से वर्ष 2017 के लिएखान वेधन वर्ग में ''निम्नतम चोट आवृत्ति दर'' के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किया गया था।

25. आरसीएमटी, शिवसागर ने गो केयर इंडिया, दिल्ली द्वारा ''जीसीआई व्यवसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पुरस्कार 2017'' में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त हुआ।

26. डब्ल्यूओआर सीडब्ल्यू – 50 – 4 को सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के लिए ''ग्रीन टेक सुरक्षा पुरस्कार (स्वर्ण), 2017 प्रदान किया गया है। कूप सेवाएं अंकलेश्वर को स्वर्ण वर्ग में वर्कओवर रिग सीडब्ल्यू – 100 – 7 और डब्लयूसी एंड टी को सुरक्षा के लिए और प्लेटिनम वर्ग में डब्ल्यूएसएस को पर्यावरण के लिए 16वां ग्रीनटेक पुरस्कार – 2017 प्रदान किया गया है।

27. इंफोकॉम सर्विसेज ने 1 सितंबर 2017 को पुणे में आईडीजी इंडिया द्वारा भोगन 2017 के अनुसार उद्योग सराहना प्राप्त हुई है।



ओएनजीसी ने 'तेल एवं गैस अन्वेषण' वर्ग में डन एंड ब्रैडस्ट्रीट पुरस्कार 2018 जीता



द इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) पीएसई उत्कृष्टता पुरस्कार 2017 ने ओएनजीसी को पुरस्कार श्रेणियों – 'प्रचालनात्मक निष्पादन उत्कृष्टता', 'पीएसई में महिलाओं का योगदान' और 'निगमित अभिशासन' में ओएनजीसी को सम्मानित किया गया

फार्म सं. एमजीटी–9 अनुलग्नक–घ

वार्षिक विवरणी का सार

31 मार्च, 2018 को समाप्त वित्त वर्ष की स्थिति के अनुसार

{कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 92(3) और कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियमावली, 2014 के नियम 12(1)के अनुसरण में}

I. पंजीकरण और अन्य विवरण

i)	सीआईएन	:	एल74899डीएल1993जीओआई054155
ii)	पंजीकरण तिथि	:	23 जून, 1993
iii)	कंपनी का नाम	:	ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड
iv)	कंपनी की श्रेणी/उप–श्रेणी	:	सरकारी कंपनी
v)	पंजीकृत कार्यालय का पता और संपर्क विवरण	:	प्लॉट सं. 5ए–5बी, नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंतकुंज, नई दिल्ली, दक्षिण पश्चिम दिल्ली –110070, दूरभाषः 011–26754073/79, फैक्सः 011–26129081
vi)	क्या सूचीबद्ध कंपनी है	:	हाँ।
vii)	रजिस्ट्रार और अंतरण एजेंट, यदि कोई, का नाम, पता और संपर्क विवरणः	:	अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड, अलंकित हाइट्स, 1ई/13, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली – 110055, दूरभाषः 91–11–42541201/23552001, वेबसाइटः www.alankit.com, Email: vijayps1@alankit.com

II. कंपनी की मुख्य कारोबार गतिविधियांः

कंपनी के कुल कारोबार में 10% या उससे अधिक का योगदान करने वाले सभी कारोबारः

क. सं.	मुख्य उत्पादों/सेवाओं के नाम और विवरण	उत्पाद/सेवा का एनआईसी कोड	कंपनी के कुल कारोबार का %
1	खनिज तेल	061	71.40%
2	प्राकृतिक गैस	062	16.24%

III. धारक, अनुषंगी और सहयोगी कंपनियों के विवरणः

क. सं.	कंपनी का नाम व पता	सीआईएन/जीएलएन	धारण/नियंत्रित/सहयोगी	धारित शेयर का % ओएनजीसी/एचपीसीएल	लागू धारा
1.	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऊर्जा भवन, 5, नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली	U74899DL1965GOI004343	अनुषंगी कंपनी	100.00%	2(87)
2.	मंगलौर रिफाइनरी पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड, मुडापाडा, कुथेथर, डाकघर, वाया कटिपल्ला, मंगलोर–575030	L85110KA1988GOI008959	अनुषंगी कंपनी	71.63%	2(87)
3.	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड 'पेट्रोलियम हाउस', 17, जमशेदजी टाटा रोड, चर्च गेट, मुंबई–400020	L23201MH1952GOI008858	अनुषंगी कंपनी	51.11%	2(87)

क्र. सं.	कंपनी का नाम व पता	सीआईएन / जीएलएन	धारण / नियंत्रित / सहयोगी	धारित शेयर का % ओएनजीसी / एचपीसीएल	लागू धारा
4.	पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड, कारपोरेट मिलर, दूसरा तल, ब्लाक बी 332 / 1, तिममेया रोड, वसंत नगर, बंगलौर, बंगलौर–560052	U85110KA1998PLC024020	अनुषंगी कंपनी	65.44%	2(87)
5.	प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड* 'जीवन भारती बिल्डिंग, 11वीं मंजिल, टावर–1, 124, कनाट प्लेस, इंदिरा चौक, नई दिल्ली – 110001	U74899DL1998GOI096845	अनुषंगी कंपनी	100.00%	2(87)
6.	एचपीसीएल बायो फ्यूल लिमिटेड, हाउस नं. 271, रोड नं. 3ई, होल्डिंग नं 437 एवं 438, वार्ड नं. 22, न्यू पाटलिपुत्र कालोनी, पटना–800013	U24290BR2009GOI014297	अनुषंगी कंपनी	100.00%	2(87)
7.	एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लि.,* 'तेल भवन', सहकार मार्ग लाल कोठी विस्तार, ज्योति नगर, जयपुर–302005	U23201RJ2013GOI043865	अनुषंगी कंपनी	74.00%	2(87)
8.	एचपीसीएल मिडिल ईस्ट एफजेडसीओ*, 1 डब्ल्यू 101, पीओ बाक्स नं. 54618, दुबई एअरपोर्ट फ्री जोन, तलवार दुबई	लागू नही	अनुषंगी कंपनी	100.00%	2(87)
9.	ओएनजीसी मंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड* मंगलौर विशेष आर्थिक क्षेत्र, परमुडे, मंगलोर– 574 509	U40107KA2006PLC041258	अनुषंगी कंपनी	48.99%	2(87)
10.	ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड, प्रथम तल, ओकारा बिल्डिंग, साई चौकड़ी, मंजलपुर, वड़ोदरा– 380011	U23209GJ2006PLC060282	सहयोगी (सं. उ.)	49.36%	2(6)
11.	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड ओएनजीसी त्रिपुरा परिसंपत्ति, बदरघाट कांप्लेक्स, अगरतला, त्रिपुरा–799014	U40101TR2004PLC007544	सहयोगी (सं. उ.)	50.00%	2(6)
12.	मंगलौर एसईजेड लिमिटेड, एआई, लतीफ, प्रथमतल,नं–2, यूनियन स्ट्रीट, ऑफ इन्फैंट्री रोड, बंगलौर, कर्नाटक–560001	U45209KA2006PLC038590	सहयोगी (सं. उ.)	26%	2(6)
13	दहेज एसईजेड लिमिटेड, ब्लॉक सं.14, तीसरी मंजिल, उद्योग भवन, सेक्टर–11, गांधीनगर, गुजरात – 382017,	U45209GJ2004PLC044779	सहयोगी (सं. उ.)	50%	2(6)
14	ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड, टेरी कॉम्पलेक्स, दरबारी सेठ ब्लॉक, आईएचसी कॉम्पलेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली–110003	U74120DL2007PLC161117	सहयोगी (सं. उ.)	49.98%	2(6)
15	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, पहली मंजिल, बाबर रोड, बाराखंबा लेन, नई दिल्ली–110001	L74899DL1998PLC093073	सहयोगी (सं. उ.)	12.50%	2(6)
16.	पवन हंस लिमिटेड, सफदरजंग एयरपोर्ट, दक्षिण दिल्ली, नई दिल्ली–110003	U62200DL1985GOI022233	सहयोगी (सं. उ.)	49.00%	2(6)

'एचपीसीएल की प्रत्यक्ष अनुषंगी कंपनी / पीएमएचबीएल में कंपनी और एचपीसीएल, प्रत्येक की धारिता 32.27% एमआरपीएल की प्रत्यक्ष अनुषंगी

IV. शेयरधारिता पैटर्न *(कुल इक्विटी के :के रूप में इक्विटी शेयर पूंजी का अलग–अलग ब्योरा)*

(i) श्रेणी–वार शेयरधारिता

शेयरधारकों की श्रेणी	वर्ष के प्रारंभ में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के अंत में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के दौरान परिवर्तन का %
	डीमैट	भौतिक	कुल	कुल शेयरों का %	डीमैट	भौतिक	कुल	कुल शेयरों का %	
क. संप्रवर्तक									
(1) भारतीय									
क) व्यक्तिगत / एचयूएफ	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) केंद्र सरकार	**8735650510**	**-**	**8735650510**	**68.07**	**8690032256**	**-**	**8690032256**	**67.72**	**(0.35)**
ग) राज्य सरकार (रें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) निगमित निकाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ङ) बैंक / वित्तीय संस्था	-	-	-	-	-	-	-	-	-
च) कोई अन्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अनुयोग (क)(1)	**8735650510**	**-**	**8735650510**	**68.07**	**8690032256**	**-**	**8690032256**	**67.72**	**(0.35)**
(2) विदेशी									
क) गैर–निवासी भारतीय–व्यक्तिगत	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) अन्य – व्यक्तिगत	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) निगमित निकाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) बैंक / वित्तीय संस्था	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ङ) कोई अन्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अनुयोग (क) (2):–	-	-	-	-	-	-	-	-	-
संप्रवर्तकों की कुल शेयरधारिता (क)=(क)(1)+(क)(2)	**8735650510**	**-**	**8735650510**	**68.07**	**8690032256**	**-**	**8690032256**	**67.72**	**(0.35)**
ख. सार्वजनिक शेयरधारिता									
1. संस्थागत									
क) म्युचुअल फंड	179794903	9450	179804353	1.40	341414893	6300	341421193	2.66	1.26
ख) बैंक / वित्तीय संस्था	144508062	198	144508260	1.13	113390044	60	113390104	0.88	(0.25)
ग) केंद्र सरकार	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) राज्य सरकार(रें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ङ) उद्यम पूंजी निधि	-	-	-	-	-	-	-	-	-
च) बीमा कंपनियां	1210574790	8550	1210583340	9.43	1245172348	8550	1245180898	9.70	0.27
छ) एफआईआई	807485859	0.00	807485859	6.29	702033402	0.00	702033402	5.47	(0.82)

शेयरधारकों की श्रेणी	वर्ष के प्रारंभ में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के अंत में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के दौरान परिवर्तन का %
	डीमैट	भौतिक	कुल	कुल शेयरों का %	डीमैट	भौतिक	कुल	कुल शेयरों का %	
ज) विदेशी उद्यम पूंजी निधि	-	-	-	-	-	-	-	-	-
झ) अन्य (विनिर्दिष्ट)	-	-	-	-	1800	-	1800	-	-
अनुयोग (ख)(1)	2342363614	18198	2342381812	18.25	2402012487	14910	2402027397	18.71	0.46
1. गैर–संस्थागत									
क) निगमित निकाय i)भारतीय ii)विदेशी	1473905689	14829	1473920518	11.49	1449730114	12910	1449743024	11.30	(0.19)
ख) व्यक्तिगत									
i)एक लाख रूपये तक संज्ञात्मक शेयर पूंजी के व्यक्तिगत शेयर धारक	218872401	1187030	220059431	1.71	221861000	1133938	222994938	1.74	0.03
ii)एक लाख रूपये से अधिक संज्ञात्मक शेयर पूंजी के व्यक्तिगत शेयर धारक	28907717	-	28907717	0.22	21970788	4500	21975288	0.17	(0.05)
ग) अन्य (विर्निदिष्ट)									
गैर निवासी भारतीय	7650988	58603	7709591	0.06	8515476	45183	8560659	0.07	0.01
शोधन सदस्य/ अन्य	168631	7110940	7279571	0.06	2963893	6334042	9297935	0.07	0.01
न्यास	17323369	-	17323369	0.13	28601414	-	28601414	0.22	0.09
विदेशी नागरिक	2661	-	2661	-	2269	-	2269	-	-
अनुयोग (ख)(2):–	1746831456	8371402	1755202858	13.68	1733644954	7530573	1741175527	13.57	(0.11)
कुल सार्वजनिक शेयरधारिता (ख)=(ख) (1)+(ख) (2)	4089195070	8389600	4097584670	31.93	4135657441	7545483	4143202924	32.28	0.35
ग. जीडीआर एवं एडीआर के संरक्षकों द्वारा धारित शेयर	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल योग (क+ख+ग)	**12824845580**	**8389600**	**12833235180**	**100.00**	**12825689697**	**7545483**	**12833235180**	**100.00**	**0.00**

(ii) संप्रवर्तकों की शेयरधारिता

क्र. सं.	शेयर धारक का नाम	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता			वर्ष के अंत में शेयरधारिता			वर्ष के दौरान शेयरधारिता में % परिवर्तन
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	कुल शेयरों में भारग्रस्त/गिरवी शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	कुल शेयरों में भारग्रस्त/गिरवी शेयरों का %	
1.	भारत के राष्ट्रपति	8735650510	68.07	--	8690032256	67.72	--	(0.35)
	कुल	8735650510	68.07	--	8690032256	67.72	--	(0.35)

(iii) संप्रवर्तकों की शेयरधारिता में परिवर्तन *(कृपया निर्दिष्ट करें, यदि कोई परिवर्तन नहीं है)*

क्र. सं.	विवरण	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
1.	वर्ष के प्रारंभ में	8735650510	68.07		
2.	वर्ष के दौरान शेयरधारिता में तिथि वार वृद्धि/कमी, वृद्धि / कमी का कारण विनिर्दिष्ट करते हुए (जैसे आबंटन/अंतरण/बोनस/स्वीट इक्विटी इत्यादि)	45618254 (इक्विटी बाजार से इतर बिक्री) 24.11.2017 को	(0.35)	8690032256	67.72
3.	वर्ष के अंत में			8690032256	67.72

(iv) शीर्ष दस शेयरधारकों की शेयरधारिता पैटर्न

(निदेशक, संप्रवर्तक और जीडीआर एवं एडीआर धारकों को छोड़कर) : (*)

क्र. सं.	विवरण	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता		वर्ष के अंत में शेयरधारिता	
	प्रत्येक शीर्ष 10 शेयरधारकों के लिए	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
1.	वर्ष के प्रारंभ में				
2.	वर्ष के दौरान शेयरधारिता में तिथि वार वृद्धि/कमी, वृद्धि / कमी का कारण विनिर्दिष्ट करते हुए (जैसे आबंटन/अंतरण/बोनस/स्वीट इक्विटी इत्यादि)	ब्यौरा परिशिष्ट में दिया गया है।			
3.	वर्ष के अंत में (वर्ष के अंत में अथवा पृथक्करण की तिथि को, यदि वर्ष के दौरान विलगन हुआ है)				

**विवरण परिशिष्ट में दिया गया है।*

(v) निदेशक और प्रमुख प्रबंधन कर्मियों की शेयरधारिता:

क्र. सं.	विवरण	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता		वर्ष के दौरान में शेयरधारिता	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
(क)	वर्ष के प्रारंभ में				
(ख)	वर्ष के दौरान शेयरधारिता में तिथि वार वृद्धि/कमी, वृद्धि / कमी का कारण विनिर्दिष्ट करते हुए (जैसे आबंटन/अंतरण/बोनस/स्वीट इक्विटी इत्यादि)	वर्ष के दौरान निदेशकों और के एमपी की शेयरधारिता में कोई परिवर्तन नहीं हुआ था ।			
(ग)	वर्ष के अंत में				

क्र. सं.	विवरण	वर्ष के प्रारंभ में शेयरधारिता		वर्ष के दौरान में शेयरधारिता	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
1.	श्री डी. के. सर्राफ (सीएमडी) दिनांक 30.09.2017 को सेवानिवृत्त)	4788	-	4788	-
2.	श्री शशि शंकर (सीएमडी) दिनांक 01.10.2017 को नियुक्त	5568	-	5568	-
3.	श्री देश दीपक मिश्र, निदेशक, (मा.सं.)	2550	-	2550	-
4.	श्री अजय कुमार द्विवेदी, निदेशक, (अन्वेषण)	1230	-	1230	-
5.	श्री अदापा कृष्णाराव श्रीनिवासन, निदेशक (वित्त), दिनांक 31.10.2017 को सेवानिवृत्त	8628	-	8628	-
6.	श्री सुभाष कुमार, निदेशक, (वित्त), दिनांक 31.01.2018 से नियुक्त	30	-	30	-
7.	श्री तापस कुमार सेन सेनगुप्ता, निदेशक (अपतट), दिनांक 31.12.2017 को सेवानिवृत्त	5508	-	5508	-
8.	श्री राजेश कक्कड़, निदेशक (अपतट), दिनांक 31.12.2017 को नियुक्त	4758	-	4758	-
9.	श्री वेद प्रकाश महावर, (अभितट), दिनांक 31.12.2017 को नियुक्त	1908	-	-	-
10.	श्री अजय मल्होत्रा, स्वतंत्र निदेशक	1650		1650	-
11.	डॉ. संतृप्त बी. मिश्रा, स्वतंत्र निदेशक, दिनांक 06.02.2017 को नियुक्त	630		630	-
12.	श्रीमती गंगा मूर्ति, स्वतंत्र निदेशक, दिनांक 23.09.2017 को नियुक्त	455		455	-

निदेशकों की उपर्युक्त शेयरधारित नगण्य है। अन्य निदेशक और के एमपी ने वर्ष के दौरान कोई शेयर धारित नही किया।

V. ऋणग्रस्तता

बकाया/प्रोद्भूत ब्याज, परंतु भुगतान के लिए दाय नहीं, सहित कंपनी की ऋणग्रस्तता

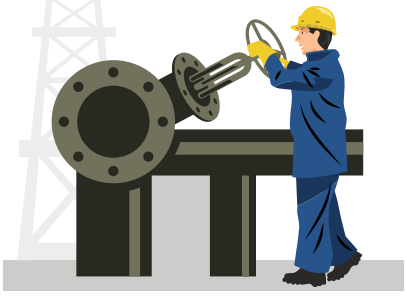
(मिलियन ₹ में)

विवरण	जमा के अलावा प्रत्याभूत ऋण	अप्रत्याभूत ऋण	जमा	कुल ऋणग्रस्तता
I. वित्त वर्ष के प्रारंभ में ऋणग्रस्तता				
(i) मूल राशि	-	-	-	-
(ii) ब्याज देय परंतु अदत्त	-	-	-	-
(iii) उपचयित ब्याज परंतु देय नहीं	-	-	-	-
जोड (i+ii+iii)	-	-	-	-
II. इस वित्त वर्ष के दौरान ऋणग्रस्तता में परिवर्तन				
वृद्धि	186,157	396,078	-	582,235
कमी	186,157	140,144	-	326,301
निवल परिवर्तन	-	255,934	-	255,934
III. इस वित्त वर्ष के अंत में ऋणग्रस्तता				
(i) मूल राशि	-	255,922	-	255,922
(ii) ब्याज देय परंतु अदत्त	-	-	-	-
(iii) उपचयित ब्याज परंतु देय नही	-	12	-	12
जोड़ (i+ii+iii)	-	**255,934**	-	**255,934**

VI. निदेशक और मुख्य प्रबंधन कार्मिकों के पारिश्रमिक

क. प्रबंध निदेशक, पूर्णकालिक निदेशक और/अथवा प्रबंधक:

क्र. सं.	पारिश्रमिक के ब्यौरे	प्रबंध निदेशक/पूर्णकालिक निदेशक/प्रबंधक का नाम									कुल राशि (₹)
		श्री दिनेश कुमार सर्राफ दिनांक 30.09.2017 को सेवानिवृत	श्री शशि शंकर दिनांक 01.10.2017 को नियुक्त	श्री देश दीपक मिश्रा	श्री ए. के. द्विवेदी	श्री ए. के. श्रीनिवासन दिनांक 31.10.2017 को सेवानिवृत	श्री सुभाश कुमार दिनांक 31.01.2018 से नियुक्त	श्री टी. के. सेनगुप्ता दिनांक 31.12.2017 को सेवानिवृत	श्री राजेश कक्कड़ दिनांक 19.02.2018 से नियुक्त	श्री वी. पी. महावर, दिनांक 31.12.2017 को सेवानिवृत	
		(सीएमडी)	(सीएमडी)	निदेशक मा.सं	निदेशक (अन्वेषण)	निदेशक (वित्त)	निदेशक (वित्त)	निदेशक (अपतट)	निदेशक (अपतट)	निदेशक (अभितट)	
1.	सकल वेतन										
क)	आय कर अधिनियम,1961 की धारा 17(1) में निहित प्रावधानों के अनुसार वेतन	22,93,658	38,75,169	36,15,083	38,69,427	23,00,511	5,92,676	28,72,624	3,12,121	35,28,233	2,32,59,501
(ख)	आय कर अधिनियम,1961 की धारा 17(2) के अनुसार परिलब्धियों का मूल्य	8,27,236	13,45,220	13,80,935	12,79,103	7,89,627	32,065	9,06,841	2,27,207	10,09,119	77,97,352
(ग)	आय कर अधिनियम,1961 की धारा 17(3) के अंतर्गत वेतन के बदले लाभ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2.	शेयर विकल्प	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3.	स्वेट इक्विटी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4.	कमीशन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	–लाभ के % के रूप में	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	–अन्य, स्पष्ट करें	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	अन्य, निर्दिष्ट करें	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5.	अन्य – एएस–15 के तहत पीआरपी, उपदान, छुट्टी नकदीकरण, सीएसएसएस, पीएफ, ईपीएफ में अंशदान, नियोक्ता मुक्त करों की प्रतिपूर्ति, धारा 17(2) के तहत न शामिल प्रतिपूर्ति	95,18,443	55,16,812	47,40,506	50,05,064	95,08,289	4,27,360	40,78,378	9,56,116	41,40,005	4,38,90,973
	कुल (क)	126,39,337	107,37,200	97,36,524	101,53,594	125,98,427	10,52,102	78,57,842	14,95,443	86,77,357	749,47,825
	अधिनियम के अनुसार अधिकतम सीमा	लागू नहीं, क्योंकि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 सरकारी कंपनियों पर लागू नहीं होती।									



ख. अन्य निदेशकों के पारिश्रमिक

क्रसं	पारिश्रमिक का विवरण	निदेशक का नाम									कुल राशि (₹)
		श्री अजय मल्होत्रा	प्रो. शिरिश बलवंत केदारे	श्री के. एम. पदमा नाभन	श्री दीपक सेठी	श्री विवेक माल्या	श्री सुमित बोस	डॉ. संतृप्त बी मिश्रा	श्रीमती गंगा मूर्ति 23.9.17 को नियुक्त	डॉ. संबित पात्रा दिनांक 28. 10.17 को नियुक्त	
1	स्वतंत्र निदेशक										
	• बोर्ड समिति बैठकों में भाग लेने के लिए शुल्क	17,80,000	14,40,000	16,90,000	16,10,000	18,60,000	14,60,000	6,70,000	6,50,000	3,50,000	1,15,10,000
	• कमीशन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	• अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (1)	17,80,000	14,40,000	16,90,000	16,10,000	18,60,000	14,60,000	6,70,000	6,50,000	3,50,000	1,15,10,000
2.	• अन्य गैर कार्यकारी निदेशक • बोर्ड समिति बैठकों में भाग लेने के लिए शुल्क • कमीशन अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (2)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (ख) = (1 +2)	**17,80,000**	**14,40,000**	**16,90,000**	**16,10,000**	**18,60,000**	**14,60,000**	**6,70,000**	**6,50,000**	**3,50,000**	**1,15,10,000**
	कुल प्रबंधकीय पारिश्रमिक										**8,64,57,825**
	अधिनियम के अनुसार अधिकतम सीमा	लागू नहीं, क्योंकि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 सरकारी कंपनियों पर लागू नहीं होती									



ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी (ओटीपीसी), प्राकृतिक गैस आधारित 726.6 मेगावाट विद्युत परियोजना, पलटाना, त्रिपुरा का रात्रि दृश्य

ग. प्रबंध निदेशक/ प्रबंधक/ पूर्णकालिक निदेशक के अलावा, प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों के पारिश्रमिकः

क्र. सं.	पारिश्रमिक के ब्यौरे	प्रमुख प्रबंधन कार्मिक				कुल राशि (₹)
		मु. का. अ.	कंपनी सचिव		सीएफओ	
			श्री वी.एन. मूर्ति दिनांक 31.05.2017 को सेवानिवृत	श्री एम. ई. वी. सेल्वम दिनांक 01.06.2017 से नियुक्त		
1.	सकल वेतन					
	(क) आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 17(1) में निहित प्रावधानों के अनुसार वेतन		6,44,247	22,00,103		28,44,350
	(ख) आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 17(2) के तहत परिलब्धियों का मूल्य		27,188	1,82,784		2,09,972
	(ग) आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 17(3) के तहत वेतन के बदले लाभ					
2.	स्टॉक विकल्प					
3.	स्वेट इक्विटी					
4.	कमीशन – लाभ के % के रूप में – अन्य, विर्निदिष्ट करें					
5.	अन्य – पीआरपी के प्रावधान,, एएस–15 के अंतर्गत प्रावधान, सीएसएसएस, भविष्य निधि, ईपीएस में अंशदान, नियोक्ता द्वारा किए गए कर भुगतान की प्रतिपूर्ति, 17(2) के अंतर्गत नहीं शामिल प्रतिपूर्ति		41,92,660	14,56,216		56,48,876
	कुल		48,64,095	38,39,103		87,03,198

VII. अर्थ दंड/सजा/समझौताः शून्य

प्रकार	कंपनी अधिनियम की धारा	संक्षिप्त विवरण	दिए गए अर्थ दंड/दी गई सजा/लगाए गए समझौता शुल्क का विवरण	प्राधिकरण	(आरडी/एनसीएलटी/ न्यायालय)	की गई अपील, यदि कोई है (कृपया ब्यौरे दें)
क. कंपनी						
अर्थ दंड	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
सजा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
समझौता	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
ख. निदेशक						
अर्थ दंड	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
सजा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
समझौता	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
ग. अन्य चूककर्ता अधिकारी						
अर्थ दंड	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
सजा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
समझौता	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

अनुलग्नक 'घ' का परिशिष्ट

नाम		शेयरधारिता में परिवर्तन		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
(I) भारतीय जीवन बीमा निगम		शेयरधारिता में परिवर्तन	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
(क) वर्ष के शुरु में		1,152,808,803	8.98		
(ख) वृद्धि/कमी के कारण (जैसे आबंटन/अंतरण/बोनस/स्वेट शेयर इत्यादि) विनिर्दिष्ट करते हुए वर्ष के दौरान शेयर/धारिता में तिथि–वार वृद्धि/कमी					
दिनांक	अंतरण				
5 मई – 17	बिक्री	-2,132,587		1,150,676,216	8.97
12 मई – 17	बिक्री	-4,142,683		1,146,533,533	8.93
19 मई – 17	बिक्री	-7,725,677		1,138,807,856	8.87
26 मई – 17	बिक्री	-4,284,016		1,134,523,840	8.84
2 जून – 17	बिक्री	-7,259,426		1,127,264,414	8.78
9 जून – 17	बिक्री	-1,351,258		1,125,913,156	8.77
21 जुलाई – 17	खरीद	3,744,254		1,129,657,410	8.80
28 जुलाई – 17	खरीद	8,670,002		1,138,327,412	8.87
4 अगस्त – 17	खरीद	4,898,985		1,143,226,397	8.91
11 अगस्त – 17	खरीद	7,440,606		1,150,667,003	8.97
18 अगस्त – 17	खरीद	5,238,315		1,155,905,318	9.01
25 अगस्त – 17	खरीद	2,327,367		1,158,232,685	9.03
1 सितंबर – 17	खरीद	2,300,000		1,160,532,685	9.04
8 सितंबर – 17	खरीद	2,499,750		1,163,032,435	9.06
15 सितंबर – 17	खरीद	5,249,544		1,168,281,979	9.10
20 सितंबर – 17	खरीद	4,229,606		1,172,511,585	9.14
22 सितंबर – 17	खरीद	1,248,638		1,173,760,223	9.15
29 सितंबर – 17	खरीद	7,377,486		1,181,137,709	9.20
6 अक्तूबर – 17	खरीद	680,733		1,181,818,442	9.21
13 अक्तूबर – 17	खरीद	367,919		1,182,186,361	9.21
20 अक्तूबर – 17	खरीद	2,272,682		1,184,459,043	9.23
16 फरवरी – 18	खरीद	800,000		1,185,259,043	9.24
23 फरवरी – 18	खरीद	2,061,201		1,187,320,244	9.25
2 मार्च – 18	खरीद	2,009,440		1,189,329,684	9.27
9 मार्च – 18	खरीद	1,695,000		1,191,024,684	9.28
(ग) वर्ष के अंत में (अथवा वियोजन की तिथि को, यदि वर्ष के दौरान वियोजन हुआ है)				1,191,024,684	9.28

नाम	शेयरधारिता में परिवर्तन		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
(2) इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
(क) वर्ष के शुरू में	986,885,142	7.69		
(ख) वृद्धि/कमी के कारण (जैसे आबंटन/अंतरण बोनस/स्वेट शेयर इत्यादि) विनिर्दिष्ट करते हुए वर्ष के दौरान शेयर/धारिता में तिथि–वार वृद्धि/कमी	शून्य			
(ग) वर्ष के अंत में (अथवा वियोजन की तिथि को, यदि वर्ष के दौरान वियोजन हुआ है)			986,885,142	7.69

नाम	शेयरधारिता में परिवर्तन		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
(3) गेल (इंडिया) लिमिटेड	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
(क) वर्ष के शुरू में	308,401,602	2.40		
(ख) वृद्धि/कमी के कारण (जैसे आबंटन/अंतरण/बोनस/स्वेट शेयर इत्यादि) विनिर्दिष्ट करते हुए वर्ष के दौरान शेयर/धारिता में तिथि–वार वृद्धि/कमी	शून्य			
(ग) वर्ष के अंत में (अथवा वियोजन की तिथि को, यदि वर्ष के दौरान वियोजन हुआ है)			308,401,602	2.40

नाम		शेयरधारिता में परिवर्तन		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
(4) सीपीएसई ईटीएफ		शेयरधारिता में परिवर्तन	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
(क) वर्ष के शुरु में		100,491,719	0.78		
(ख) वृद्धि/कमी के कारण (जैसे आबंटन/अंतरण/बोनस/स्वेट शेयर इत्यादि) विनिर्दिष्ट करते हुए वर्ष के दौरान शेयर/धारिता में तिथि–वार वृद्धि/कमी					
दिनांक	अंतरण				
7 अप्रैल– 17	बिक्री	-1,103,604		99,388,115	0.77
14 अप्रैल – 17	बिक्री	-730,391		98,657,724	0.77
21 अप्रैल – 17	बिक्री	-4,287,604		94,370,120	0.74
28 अप्रैल – 17	बिक्री	-1,988,024		92,382,096	0.72
5 मई– 17	बिक्री	-1,160,917		91,221,179	0.71
12 मई – 17	बिक्री	-4,932,970		86,288,209	0.67
19 मई – 17	बिक्री	-14,836		86,273,373	0.67
26 मई – 17	बिक्री	-3,979,757		82,293,616	0.64
2 जून – 17	बिक्री	-110,298		82,183,318	0.64
9 जून – 17	बिक्री	-118,816		82,064,502	0.64
16 जून – 17	बिक्री	-118,816		81,945,686	0.64
23 जून – 17	बिक्री	-311,892		81,633,794	0.64
30 जून – 17	बिक्री	-63,121		81,570,673	0.64
7 जुलाई – 17	खरीद	83,234		81,653,907	0.64
14 जुलाई – 17	बिक्री	-122,826		81,531,081	0.64
21 जुलाई – 17	बिक्री	-930,500		80,600,581	0.63
28 जुलाई – 17	बिक्री	-29,776		80,570,805	0.63

नाम		शेयरधारिता में परिवर्तन		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
(4) सीपीएसई ईटीएफ		शेयरधारिता में परिवर्तन	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
4 अगस्त – 17	बिक्री	-107,938		80,462,867	0.63
11 अगस्त – 17	बिक्री	-465,250		79,997,617	0.62
18 अगस्त – 17	बिक्री	-93,050		79,904,567	0.62
25 अगस्त – 17	बिक्री	-4,198,416		75,706,151	0.59
1 सितंबर – 17	बिक्री	-4,272,856		71,433,295	0.56
8 सितंबर – 17	बिक्री	-197,266		71,236,029	0.56
15 सितंबर – 17	बिक्री	-3,954,225		67,281,804	0.52
20 सितंबर – 17	खरीद	63,325		67,345,129	0.52
22 सितंबर – 17	बिक्री	-74,500		67,270,629	0.52
29 सितंबर – 17	बिक्री	-160,175		67,110,454	0.52
6 अक्तूबर – 17	बिक्री	-57,669		67,052,785	0.52
13 अक्तूबर – 17	बिक्री	-185,558		66,867,227	0.52
20 अक्तूबर – 17	बिक्री	-321,468		66,545,759	0.52
27 अक्तूबर – 17	बिक्री	-583,128		65,962,631	0.51
31 अक्तूबर – 17	बिक्री	-235,494		65,727,137	0.51
3 नवंबर – 17	बिक्री	-209,328		65,517,809	0.51
6 नवंबर – 17	बिक्री	-59,808		65,458,001	0.51
10 नवंबर – 17	बिक्री	-228,018		65,229,983	0.51
17 नवंबर – 17	बिक्री	-238,803		64,991,180	0.51
24 नवंबर – 17	बिक्री	-71,307		64,919,873	0.51
1 दिसंबर – 17	बिक्री	-30,994		64,888,879	0.51
8 दिसंबर – 17	बिक्री	-60,160		64,828,719	0.51
15 दिसंबर – 17	बिक्री	-67,680		64,761,039	0.50
22 दिसंबर – 17	बिक्री	-282,000		64,479,039	0.50
29 दिसंबर – 17	बिक्री	-63,920		64,415,119	0.50
5 जनवरी – 18	खरीद	146,640		64,561,759	0.50
12 जनवरी – 18	बिक्री	-236,880		64,324,879	0.50
19 जनवरी – 18	बिक्री	-82,720		64,242,159	0.50
26 जनवरी – 18	बिक्री	-180,480		64,061,679	0.50
2 फरवरी – 18	बिक्री	-106,950		63,954,729	0.50
9 फरवरी – 18	बिक्री	-233,616		63,721,113	0.50
16 फरवरी – 18	बिक्री	-45,216		63,675,897	0.50
23 फरवरी – 18	खरीद	532,047		64,207,944	0.50
2 मार्च – 18	बिक्री	-999,926		63,208,018	0.49
9 मार्च – 18	खरीद	503,966		63,711,984	0.50
14 मार्च – 18	बिक्री	-45,816		63,666,168	0.50
16 मार्च – 18	बिक्री	-11,454		63,654,714	0.50
23 मार्च – 18	खरीद	206,596		63,861,310	0.50
30 मार्च – 18	खरीद	84,282		63,945,592	0.50
(ग) वर्ष के अंत में (अथवा वियोजन की तिथि को, यदि वर्ष के दौरान वियोजन हुआ है)				63,945,592	0.50

नाम		शेयरधारिता में परिवर्तन		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
(5) आईआईसीआई प्रुडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
(क) वर्ष के शुरू में		85,461,655	0.67		
(ख) वृद्धि/कमी के कारण (जैसे आबंटन/अंतरण/बोनस/स्वेट शेयर इत्यादि) विनिर्दिष्ट करते हुए वर्ष के दौरान शेयर/धारिता में तिथि–वार वृद्धि/कमी					
दिनांक	लेनदेन				
7 अप्रैल 17	बिक्री	-288,522		85,173,133	0.66
14 अप्रैल 17	बिक्री	-241,734		84,931,399	0.66
21 अप्रैल 17	बिक्री	-1,237,696		83,693,703	0.65
28 अप्रैल 17	बिक्री	-2,148,692		81,545,011	0.64
5 मई 17	बिक्री	-1,558,008		79,987,003	0.62
12 मई 17	बिक्री	-1,255,155		78,731,848	0.61
19 मई 17	बिक्री	-35,137		78,696,711	0.61
26 मई 17	बिक्री	-472,992		78,223,719	0.61
2 जून 17	बिक्री	-967,143		77,256,576	0.60
9 जून 17	खरीद	317,714		77,574,290	0.60
16 जून 17	खरीद	22,692		77,596,982	0.60
23 जून 17	खरीद	151,145		77,748,127	0.61
30 जून 17	बिक्री	-1,025,523		76,722,604	0.60
7 जुलाई 17	खरीद	1,000,024		77,722,628	0.61
14 जुलाई 17	खरीद	537,326		78,259,954	0.61
21 जुलाई 17	बिक्री	-32,509		78,227,445	0.61
28 जुलाई 17	बिक्री	-500,192		77,727,253	0.61
4 अगस्त 17	बिक्री	-188,077		77,539,176	0.60
11 अगस्त 17	बिक्री	-242,338		77,296,838	0.60
18 अगस्त 17	बिक्री	-395,322		76,901,516	0.60
25 अगस्त	बिक्री	-360,718		76,540,798	0.60
1 सितंबर 17	बिक्री	-4,057,235		72,483,563	0.56
8 सितंबर 17	खरीद	521,554		73,005,117	0.57
15 सितंबर 17	खरीद	1,126,369		74,131,486	0.58
20 सितंबर 17	खरीद	931,205		75,062,691	0.58
22 सितंबर 17	खरीद	7,432		75,070,123	0.58
29 सितंबर 17	खरीद	488,210		75,558,333	0.59
6 अक्तूबर 17	बिक्री	-555,091		75,003,242	0.58
13 अक्तूबर 17	बिक्री	-447,644		74,555,598	0.58
20 अक्तूबर 17	खरीद	69,972		74,625,570	0.58
27 अक्तूबर 17	बिक्री	-644,070		73,981,500	0.58
31 अक्तूबर 17	बिक्री	-170,556		73,810,944	0.58
3 नवंबर 17	बिक्री	-52,985		73,757,959	0.57
6 नवंबर 17	खरीद	2,893		73,760,852	0.57
10 नवंबर 17	बिक्री	-1,724,164		72,036,688	0.56
17 नवंबर 17	बिक्री	-205,817		71,830,871	0.56
24 नवंबर 17	खरीद	500,403		72,331,274	0.56
1 दिसंबर 17	बिक्री	-5,234		72,326,040	0.56

नाम		शेयरधारिता में परिवर्तन		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
(5) आईआईसीआई प्रुडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
8 दिसंबर 17	खरीद	906,018		73,232,058	0.57
15 दिसंबर 17	खरीद	22,667		73,254,725	0.57
22 दिसंबर 17	खरीद	376,449		73,631,174	0.57
29 दिसंबर 17	खरीद	571,608		74,202,782	0.58
5 जनवरी 18	खरीद	801,884		75,004,666	0.58
12 जनवरी 18	खरीद	233,485		75,238,151	0.59
19 जनवरी 18	बिक्री	-721,579		74,516,572	0.58
26 जनवरी 18	बिक्री	-37,107		74,479,465	0.58
2 फरवरी 18	बिक्री	-68,979		74,410,486	0.58
9 फरवरी 18	बिक्री	-45,755		74,364,731	0.58
16 फरवरी 18	बिक्री	-1,517,605		72,847,126	0.57
23 फरवरी 18	खरीद	3,197		72,850,323	0.57
2 मार्च 18	बिक्री	-30,770		72,819,553	0.57
9 मार्च 18	खरीद	294,206		73,113,759	0.57
14 मार्च 18	खरीद	18,673		73,132,432	0.57
16 मार्च 18	बिक्री	-362,423		72,770,009	0.57
23 मार्च 18	खरीद	119,339		72,889,348	0.57
30 मार्च 18	खरीद	642,014		73,531,362	0.57
(ग) वर्ष के अंत में (अथवा वियोजन की तिथि को, यदि वर्ष के दौरान वियोजन हुआ है)				73,531,362	0.57

नाम		शेयरधारिता में परिवर्तन		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
(6) फ्रैंकलिन टेम्पल्टन इंवेस्टमेंट फंड		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
(क) वर्ष के शुरू में		53,658,313	0.42		
(ख) वृद्धि/कमी के कारण (जैसे आबंटन/अंतरण/बोनस/स्वेट शेयर इत्यादि) विनिर्दिष्ट करते हुए वर्ष के दौरान शेयर/धारिता में तिथि–वार वृद्धि/कमी					
तिथि	लेनदेन				
7 अप्रैल 17	प्रारंभिक	-		53,658,313	0.42
14 अप्रैल 17	बिक्री	-4,297,962		49,360,351	0.38
21 अप्रैल 17	बिक्री	-2,119,522		47,240,829	0.37
5 मई 17	बिक्री	-452,079		46,788,750	0.36
9 जून 17	बिक्री	-1,073,409		45,715,341	0.36
16 जून 17	बिक्री	-5,628,157		40,087,184	0.31
23 जून 17	बिक्री	-5,451,591		34,635,593	0.27
30 जून 17	बिक्री	-2,678,460		31,957,133	0.25
18 अगस्त 17	बिक्री	-1,302,087		30,655,046	0.24
1 सितंबर 17	बिक्री	-3,082,746		27,572,300	0.21
8 सितंबर 17	बिक्री	-3,589,169		23,983,131	0.19
15 सितंबर 17	बिक्री	-3,728,042		20,255,089	0.16
20 सितंबर 17	बिक्री	-3,884,599		16,370,490	0.13
22 सितंबर 17	बिक्री	-122,347		16,248,143	0.13

नाम		शेयरधारिता में परिवर्तन		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
(6) फ्रैंकलिन टंम्पल्टन इंवेस्टमेंट फंड		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
29 सितंबर 17	बिक्री	-4,356,746		11,891,397	0.09
13 अक्तूबर 17	बिक्री	-2,341,832		9,549,565	0.07
20 अक्तूबर 17	बिक्री	-1,858,266		7,691,299	0.06
27 अक्तूबर 17	बिक्री	-4,022,316		3,668,983	0.03
(ग) वर्ष के अंत में (अथवा वियोजन की तिथि को, यदि वर्ष केदौरान वियोजन हुआ है)					

नाम		शेयरधारिता में परिवर्तन		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
(7) वैनगार्ड इमर्जिंग मार्केट स्टॉक इंडेक्स फंड, वैनगार्ड इंटरनेशनल इक्विटी इंडेक्स फंड की एक श्रृंखला		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
क) वर्ष के शुरू में		49,550,004	0.39		
(ख) वृद्धि/कमी के कारण (जैसे आबंटन/अंतरण/बोनस/स्वेट शेयर इत्यादि) विनिर्दिष्ट करते हुए वर्ष के दौरान शेयर/धारिता में तिथि–वार वृद्धि/कमी					
दिनांक	लेनदेन				
7 अप्रैल 17	खरीद	417,786		49,967,790	0.39
14 अप्रैल 17	खरीद	172,340		50,140,130	0.39
28 अप्रैल 17	खरीद	54,140		50,194,270	0.39
5 मई 17	खरीद	433,120		50,627,390	0.39
12 मई 17	खरीद	135,350		50,762,740	0.40
19 मई 17	खरीद	292,356		51,055,096	0.40
2 जून 17	खरीद	119,108		51,174,204	0.40
7 जुलाई 17	खरीद	189,490		51,363,694	0.40
14 जुलाई 17	खरीद	135,350		51,499,044	0.40
4 अगस्त 17	खरीद	119,108		51,618,152	0.40
11 अगस्त 17	खरीद	157,006		51,775,158	0.40
25 अगस्त 17	खरीद	1,530,819		53,305,977	0.42
1 सितंबर 17	खरीद	588,282		53,894,259	0.42
8 सितंबर 17	खरीद	276,114		54,170,373	0.42
15 सितंबर 17	खरीद	249,044		54,419,417	0.42
20 सितंबर 17	बिक्री	-1,096,357		53,323,060	0.42
6 अक्तूबर 17	खरीद	162,420		53,485,480	0.42
13 अक्तूबर 17	खरीद	167,834		53,653,314	0.42
20 अक्तूबर 17	खरीद	124,522		53,777,836	0.42
27 अक्तूबर 17	खरीद	113,694		53,891,530	0.42
22 दिसंबर 17	बिक्री	-1,618,342		52,273,188	0.41
26 जनवरी 18	खरीद	239,841		52,513,029	0.41
2 फरवरी 18	खरीद	214,326		52,727,355	0.41
23 मार्च 18	बिक्री	-1,246,852		51,480,503	0.40
30 मार्च 18	बिक्री	-239,650		51,240,853	0.40
(ग) वर्ष के अंत में (अथवा वियोजन की तिथि को, यदि वर्ष के दौरान वियोजन हुआ है)				51,240,853	0.40

नाम		शेयरधारिता में परिवर्तन		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
(8) गवर्मेंट पेंशन फंड ग्लोबल		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
(क) वर्ष के शुरू में		40,151,680	0.31		
(ख) वृद्धि/कमी के कारण (जैसे आबंटन/अंतरण/बोनस/स्वेट शेयर इत्यादि) विनिर्दिष्ट करते हुए वर्ष के दौरान शेयर/धारिता में तिथि–वार वृद्धि/कमी					
दिनांक	लेनदेन				
7 अप्रैल 17	प्रारंभिक	-		40,151,680	0.31
14 अप्रैल 17	खरीद	344,501		40,496,181	0.32
28 अप्रैल 17	खरीद	1,084,200		41,580,381	0.32
5 मई 17	खरीद	900,000		42,480,381	0.33
12 मई 17	खरीद	1,216,638		43,697,019	0.34
16 जून 17	खरीद	1,000,000		44,697,019	0.35
7 जुलाई 17	खरीद	952,991		45,650,010	0.36
14 जुलाई 17	खरीद	253,087		45,903,097	0.36
28 जुलाई 17	खरीद	638,027		46,541,124	0.36
4 अगस्त 17	खरीद	865,000		47,406,124	0.37
11 अगस्त 17	खरीद	243,902		47,650,026	0.37
20 सितंबर 17	खरीद	708,617		48,358,643	0.38
22 सितंबर 17	खरीद	632,381		48,991,024	0.38
29 सितंबर 17	खरीद	1,089,520		50,080,544	0.39
6 अक्तूबर 17	खरीद	22,048		50,102,592	0.39
27 अक्तूबर 17	खरीद	2,770,242		52,872,834	0.41
10 नवंबर 17	खरीद	-1,262,415		51,610,419	0.40
24 नवंबर 17	खरीद	745,402		52,355,821	0.41
1 दिसंबर 17	बिक्री	1,850,592		54,206,413	0.42
8 दिसंबर 17	खरीद	302,014		54,508,427	0.42
5 जनवरी 18	खरीद	1,609,471		56,117,898	0.44
19 जनवरी 18	खरीद	170,904		56,288,802	0.44
26 जनवरी 18	खरीद	516,262		56,805,064	0.44
2 फरवरी 18	खरीद	1,370,877		58,175,941	0.45
23 फरवरी 18	खरीद	247,096		58,423,037	0.46
2 मार्च 18	खरीद	1,753,429		60,176,466	0.47
9 मार्च 18	खरीद	675,231		60,851,697	0.47
14 मार्च 18	खरीद	23,902		60,875,599	0.47
(ग) वर्ष के अंत में (अथवा वियोजन की तिथि को, यदि वर्ष के दौरान वियोजन हुआ है)				60,875,599	0.47

नाम		शेयरधारिता में परिवर्तन		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
(9) भारतीय जीवन बीमा निगम पी एंड जीएस फंड		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
(क) वर्ष के शुरू में		38,838,951	0.30		
(ख) वृद्धि/कमी के कारण (जैसे आबंटन/अंतरण/बोनस/स्वेट शेयर इत्यादि) विनिर्दिष्ट करते हुए वर्ष के दौरान शेयर/धारिता में तिथि–वार वृद्धि/कमी					
दिनांक	लेनदेन				
7 अप्रैल 17	प्रारंभिक	-		38,838,951	0.30
21 जुलाई 17	खरीद	370,000		39,208,951	0.31
28 जुलाई 17	खरीद	480,000		39,688,951	0.31
4 अगस्त 17	खरीद	250,000		39,938,951	0.31
20 सितंबर 17	खरीद	725,000		40,663,951	0.32
22 सितंबर 17	खरीद	580,000		41,243,951	0.32
29 सितंबर 17	खरीद	1,525,706		42,769,657	0.33
6 अक्तूबर 17	खरीद	68,003		42,837,660	0.33
13 अक्तूबर 17	खरीद	150,000		42,987,660	0.33
20 अक्तूबर 17	खरीद	707,068		43,694,728	0.34
16 फरवरी 18	खरीद	200,000		43,894,728	0.34
23 फरवरी 18	खरीद	502,255		44,396,983	0.35
2 मार्च 18	खरीद	322,000		44,718,983	0.35
9 मार्च 18	खरीद	364,537		45,083,520	0.35
(ग) वर्ष के अंत में (अथवा वियोजन की तिथि को, यदि वर्ष के दौरान वियोजन हुआ है)				45,083,520	0.35



काकिनाडा के निकट एचपीएचटी परिसंपत्ति के वेल हेड प्लेटफॉर्म डीडीडब्ल्यू1 ओएनजीसी के भारत के पूर्वी तट से बढ़े हुए तेल और गैस उत्पादन की सतत लंलक का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा

नाम		शेयरधारिता में परिवर्तन		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
(10) वैनगार्ड टोटल इंटरनेशनल स्टॉक इंडेक्स फंड		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
(क) वर्ष के शुरू में		37,180,535	0.29		
(ख) वृद्धि/कमी के कारण (जैसे आबंटन/अंतरण/बोनस/स्वेट शेयर इत्यादि) विनिर्दिष्ट करते हुए वर्ष के दौरान शेयर/धारिता में तिथि–वार वृद्धि/कमी					
दिनांक	लेनदेन				
7 अप्रैल 17	खरीद	337,096		37,517,631	0.29
14 अप्रैल 17	खरीद	139,054		37,656,685	0.29
21 अप्रैल 17	खरीद	178,229		37,834,914	0.29
5 मई 17	खरीद	174,686		38,009,600	0.30
26 मई 17	खरीद	173,069		38,182,669	0.30
23 जून 17	खरीद	192,725		38,375,394	0.30
30 जून 17	खरीद	196,773		38,572,167	0.30
14 जुलाई 17	खरीद	307,289		38,879,456	0.30
11 अगस्त 17	खरीद	192,351		39,071,807	0.30
25 अगस्त 17	खरीद	245,824		39,317,631	0.31
27 अक्तूबर 17	खरीद	564,131		39,881,762	0.31
8 दिसंबर 17	खरीद	319,046		40,200,808	0.31
19 जनवरी 18	खरीद	235,629		40,436,437	0.32
16 फरवरी 18	खरीद	371,839		40,808,276	0.32
23 फरवरी 18	खरीद	268,913		41,077,189	0.32
2 मार्च 18	खरीद	263,603		41,340,792	0.32
9 मार्च 18	खरीद	437,098		41,777,890	0.33
14 मार्च 18	खरीद	345,888		42,123,778	0.33
23 मार्च 18	बिक्री	-652,520		41,471,258	0.32
(ग) वर्ष के अंत में (अथवा वियोजन की तिथि को, यदि वर्ष के दौरान वियोजन हुआ है)				41,471,258	0.32



प्रकृति के साथ सामंजस्य में: सभी ओएनजीसी प्रतिष्ठापन और प्रचालन कड़े पर्यावरण मानदंडों का अनुपालन करते हैं

अनुलग्नक 'ङ'

क. ऊर्जा संरक्षण

1. ऊर्जा के संरक्षण के लिए उठाए गए कदम या प्रभाव

क. एलईडी लाइटिंग कार्यक्रम के अंतर्ग विभिन्न कार्य केन्द्रों पर करीब 15,000 एलईडी लाइटें लगायीं गयीं। इससे लाइटिंग पर बिजली की खपत में 50% की कमी होगी और इससे सालाना ₹180 मिलियन की बचत होने की संभावना है।

ख. पीसीआरए के माध्यम से तकनीकी सेवाओं द्वारा कुशल आंतरिक गैस उपयोग के लिए अध्ययन किया गया, प्रायोगिक आधार पर मेहसाणा परिसंपत्ति के हीटर ट्रीटर में ऊर्जा संरक्षण उपाय क्रियान्वित किए गए। इससे गैस खपत में करीब 33% की बचत हुई। प्रायोगिक परियोजना की सफलता के आधार पर, इस पहल को पूरे ओएनजीसी के कार्य केन्द्रों पर क्रियान्वित किया जाएगा।

ग. ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली – पूरे ओएनजीसी में चरणबद्ध तरीके से आईएसओ 50001 क्रियान्वित किया जा रहा है। उरण संयंत्र, आईडीटी, जीसीपी एवं जीजीएस – 1 कलोल के पश्चात् केन्द्रीय कार्यशाला वडोदरा 5वां अधिष्ठापन बन गया है जहाँ यह क्रियान्वित किया जा चुका है। चार और प्रतिष्ठानों पर संस्थापन की प्रक्रिया चल रही है।

घ. आंतरिक ऊर्जा लेखा परीक्षकों द्वारा पूरे ओएनजीसी के विभिन्न रिगों / संस्थापनों में ऊर्जा लेखा परीक्षा आयोजित की गयी थी, जिन्होंने समग्र ऊर्जा कुशलता में सुधार के लिए उपायों की सिफारिश की है। वर्ष 2017 – 18 के दौरान कुल 218 ऊर्जा लेखा परीक्षाएं आयोजित की गयीं थी।

ङ. विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण जागरुकता अभियान जैसे माह भर का सक्षम – 2018 और ऊर्जा संरक्षण दिवस चलाया गया और इस प्रकार आम लोगों को शिक्षित किया गया।

च. निम्न दाब गैस (जो वाणिज्यिक रूप से दोहन योग्य नहीं होता है / जिसका मुद्रीकरण कठिन होता है और इसे जला दिया जाता है) का उपयोग करने के लिए और साथ ही कार्बन फुट प्रिंट की बचत करने के लिए, ओएनजीसी ने मार्च – अप्रैल 2017 के दौरान प्रायोगिक आधार पर अंकलेश्वर परिसंपत्ति के वेधन रिग ईवी – 2000 – 2 में दोहरी ईंधन प्रौद्योगिकी क्रियान्वित की है। यह ओईएम समर्थित प्रौद्योगिकी भारत में पहली बार वेधन रिगों में सफलतापूर्वक क्रियान्वित की गयी है।

यह प्रौद्योगिकी (जिसे डीजीबी प्रणाली कहा जाता है) डीजल और गैस के मिश्रण से रिग डीजल इंजन चलाना सक्षम करता है और डीजल को 60% तक गैस से प्रतिस्थापित करती है। इससे ईंधन लागत काफी कमी आती है, साथ ही ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन भी कम होता है। इस प्रायोगिक परियोजना की सफलता के परिणामस्वरूप वर्ष 2017 – 18 के दौरान करीब ₹41.2 मिलियन की बचत हुई (गैस की लागत को भी ध्यान में रखते हुए)। ओएनजीसी इस प्रौद्योगिकी को अन्य कार्य केन्द्रों पर भी क्रियान्वित करने की प्रक्रिया में है।

छ. गैस फ्लेयरिंग कमी की दिशा में अभितटीय परिसंपत्तियों में उठाए गए कदम।

- अंकलेश्वर परिसंपत्ति में नयी संपीडक की हायरिंग और मौजूदा संपीडकों की पुनर्संरचना कर संपीडक क्षमता में वृद्धि।
- गेलेकी से असम परिसंपत्ति के लकवा में अधिशेष गैस के परिवहन के लिए संपीडकों की हायरिंग और गेलेकी से दिखाव जंक्शन पोइंट (डीजेपी) तक नयी 16 इंच गैस ट्रंक पाइप लाइन की कमिशनिंग।
- कावेरी परिसंपत्ति मे नारीमनम जीजीएस से उपभोक्ताओं द्वारा खट्टी गैस ऑफ टेक की शुरुआत।

2. ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का उपयोग करने के लिए उठाए गए कदम

क. हाजिरा संयंत्र नवीकरणीय ऊर्जा के जनन की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप 10 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया है और यह परिचालन में है।

ख. वडोडरा में 100 किलोवाट और 60 किलोवाट के रूफ टॉप सौर संयंत्र संस्थापित किए गए।

ग. गोवा में 1 मेगा वाट भू आरूढ़ सौर संयंत्र और वाग्रा, अंकलेश्वर में 5 मेगावाट भू आरूढ़ सौर संयंत्र क्रियान्वयनाधीन हैं और अक्तूबर, 2018 तक इनके चालू हो जाने की अपेक्षा है।

घ. चार राज्यों में रूफ टॉप सौर परियोजनाएं क्रियान्वयनाधीन हैं और वर्ष 2018–19 तक इनके पूरी होने की उम्मीद है। संस्थापित की जाने वाली कुल क्षमता करीब 7.5 मेगावाट (गुजरात 3.9 मेगावाट, उत्तराखंड 1 मेगावाट, असम 1.8 मेगावाट और त्रिपुरा 0.7 मेगावाट) है।

3. ऊर्जा संरक्षण उपकरणों पर पूंजीगत निवेश

वर्ष 2017 – 18 के दौरान चालू किए गए सौर आधारित विद्युत संयंत्रों पर कुल पूंजीगत व्यय ₹532.44 मिलियन है। इसके विवरण इस प्रकार हैं :

हाजिरा में भू–आरूढ़ 10 मेगावाट –₹527.9 मिलियन
वडोदरा में रूफ टॉप 100 किलोवाट –₹5.4 मिलियन
वडोदरा में रूफ टॉप –₹4 मिलियन

ख. प्रौद्योगिकी समावेशन

- पूर्व में आपूर्ति किए गए **हैलिबर्टन के लैंडमार्क वेल प्लानिंग अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर** आर 5000 वी 1 को

1 वर्ष के वार्षिक अनुरक्षण करार के साथ आर 5000 वी 14.1 (5 लाइसेंस. 4 ईडीएम) में उन्नत किया गया।

- सीमेंटिंग लैब में उन्नत एचपीएचडी कंसीसटोमीटर (315 डिग्री सेंटीग्रेड तक) : एचपीएचटी कंसीसटोमीटर संबंधित एपीआई विनिर्देशन 10ए एवं आरपी 10बी – 2 मानक के अनुरूप थिकनिंग समय के निर्धारण और सिमेंट स्लरी की कंसीसटेंसी के लिए अपेक्षित आवश्यक उपकरण है। इस एचपीएचटी कंसीसटोमीटर के उन्नयन से आईडीटी सिमेंटिंग लैब को 315 डिग्री सेलसियस तक मापदंड को मापने में सक्षम बनाता है। इससे पूर्व अधिकतम ताप क्षमता 260° सेलसियस थी
- उन्नत **कंप्रेसिव स्ट्रेंथ परीक्षण मशीन**: कंप्रेसिव स्ट्रैंथ परीक्षण मशीन एपीआई विनिर्देशन 10ए एवं आरपी 10बी – 2 के अनुसार सिमेंट माउल्ड की कंप्रेसिव शक्ति के निर्धारण के लिए अपेक्षित आवश्यक उपकरण है। इस उन्नयन के साथ, यह मशीन अब कंप्रेसिव शक्ति के साथ यंग की मॉडुलस एवं प्वॉयजन्स अनुपात माप सकती है।
- **स्वेल पैकर एवं स्लाइडिंग स्लीव के साथ सेगमेंटेड समापन**: स्वेल पैकर एवं स्लाइडिंग स्लीव के साथ सेगमेंटेड समापन का उपयोग पश्चिमी अपतट के कुओं में जलयुक्त क्षेत्रों / ऐसे क्षेत्रों से जिन्हें ओपेन होल स्वेल पैकर्स का उपयोग करते हुए सह मिश्रित नहीं किया जाना है को अलग करने के लिए और स्लाइडिंग स्लीव / इनफ्लो नियंत्रण वाल्व के माध्यम से प्रवाह अनुमत किया जा रहा है।
- **इंटेलिजेंट कूप** समापन बेहतर स्तल वार उत्पादन नियंत्रण के लिए पश्चिमी अपतट के कुओं में सफलता पूर्वक निष्पादित किया गया है।
- एमच फील्ड में **क्लोज्ड फ्रैक्चरिंग एसिडाइजेशन (सीएफए)** कार्य सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया है।
- एंजाइम ब्रेकर्स और विशेष रूप से इनहाउस विकसित रासायनिक सम्मिश्रण अपतट में वेलबोर उत्पादकता को बेहतर करने के लिए ड्रेन होल की सफाई के लिए।
- **''डिसोलवाइन स्टिमवेल''**, एक कूप उत्प्रेरण तकनीक को पन्ना फील्ड के मुक्ता संरचना के एनएच परिसंपत्ति में क्रियान्वित किया गया है।
- **ईएसपी** उपलब्धता में सुधार लाने के लिए और रिग रहित अंतर्क्षेप सुनिश्चित करने के लिए दोहरे ईएसपी का संस्थापन। दोहरे ईएसपी को एनबीपी फील्ड में संस्थापित किया गया है।
- कूपों से इष्टतम उत्पादन सुगम करने के लिए सतत दाब निगरानी के लिए मुंबई हाई फील्ड के कुओं में **स्थायी डाउन होल गेज (पीडीजी)** का संस्थापन।
- प्लेटफॉर्म की **फ्लोट ओवर पद्धति** : ओएनजीसी ने अपतटीय प्लेटफॉर्म संस्थापन के लिए अत्याधुनिक ''फ्लॉट ओवर मेथड ऑफ तकनीक''अपनाई है जिससे अपतटीय प्लेटफॉर्म निर्माण समय की बचत हुई। बी – 193 – एपी एवं एचआरडी प्रोसेस प्लेटफॉर्म में क्रमशः दिसंबर 12 और जनवरी 2015 मे फ्लोट ओवर पद्धति का उपयोग करते हुए स्थापित किया गया है।
- **एक्वा एमटीएम (चुंबकीय टोमोग्राफी पद्धति)**, समुद्र मग्न पाइपलाइनों के लिए एक गैर इंट्रुसिव प्रकार का डायगनोस्टिक सर्वेक्षण, न सिर्फ ओएनजीसी में अपितु भारत में भी पहली बार पाइपलाइनों के अखंडता मूल्यांकन के लिए एनएच परिसंपत्ति में क्रियान्वित किया गया है।
- सीबीएम कूपों में **सीटीयू कंवेयड सैंड जेट पर्फोरेशन**।
- अत्यधिक असंहत रेतों से रेत उत्पादन रोकने के लिए मेहसाणा और खंभात परिसंपत्ति के कूपों में **प्रीमियम स्क्रीन्स फॉर सैंड कंट्रोल** संस्थापित किए।
- **सैंडफेस केमिकल डोजिंग** मेहसाणा परिसंपत्ति के हैवी ऑयल बेल्ट में बेहतर प्रवाह आश्वासन के लिए किया जा रहा है। केमिकल डोजिंग के लिए कंट्रोल लाइन के साथ प्रोग्रसिव केविटी पंप (पीसीपी) से 36 कूप संपन्न किए गए।
- **दिशात्मक वेधन तकनीक**: दिशात्मक वेधन से संबंधित तकनीक जैसे एमडब्ल्यूडी, एलडब्ल्यूडी और पेरिस्कोप सही क्षेत्र में लक्ष्य बनाने के लिए और भूमि उपलब्धता (अभितट में) मुद्दे से निपटने के लिए उपयोग में लाए जा रहें हैं। इसके अलावा, रोटरी स्टियरेबल सिस्टम (आरएसएस) को नियंत्रित वेधन और कूप प्लेसमेंट के लिए उपयोग किया जा रहा है।
- **केसीएल – पीएचपीए पॉलिमर मड सिस्टम** का उपयोग 12 1/4 इंच और 8 1/2 इंच फेजेज में किया जा रहा है, इसने त्रिपुरा परिसंपत्ति में कूप समस्याओं को कम करने में मदद की है।
- **एसआरपी निगरानी प्रणाली**: प्रचालनात्मक दक्षता में सुधार लाने के लिए लिम्बोडरा (अहमदाबाद परिसंपत्ति) में 57 कूपों में लागत प्रभावी ''मेक इन इंडिया'' एसआरपी निगरानी प्रणाली क्रियान्वित की गयी है। इसके अलावा, इस तकनीक का उपयोग और कूपों तक विस्तारित किया जा रहा है।
- **वीएफडी (वेरिएबल फ्रिक्वेंसी ड्राइव)**: कूप उत्पादकता के अनुसार, जोरहाट परिसंपत्ति में एसआरपी के प्रति मिनट स्ट्रोक (एसपीएम) को नियंत्रित करने के लिए पहली बार संस्थापित किए गए हैं। वीएफडी के उपयोग से अनुरक्षण में कमी के साथ एसआरपी में विद्युत खपत में काफी कमी आयी है।

- **निम्न फ्रिक्वेंसी माइक्रो सिस्मिक साउंड्रिंग सर्वे** (एलएफएस तकनीक) को अंकलेश्वर परिसंपत्ति के गांधार फील्ड में हाईड्रोकार्बन स्तरों की पहचान करने के लिए क्रियान्वित किया गया है।
- लाइन सफाई, थिकनेस मापन, विकृति पहचान (पाइपलाइन में किसी छेद) और पाइपलाइन ज्यामिती की जाँच करने के लिए एडीबी सीजीएस से ओटीपीसी पलाटना तक 53 किमी 20 इंच पाइपलाइन में इंटेलिजेंट पिग्गिंग के माध्यम से इन लाइन निरीक्षण निष्पादित किया गया।
- खंभात परिसंपत्ति के अखलोल – जुनी फील्ड में नैनो तकनीक की मदद से प्रदूशित पानी का उपचार।
- उत्पादन वर्द्धन के लिए हाई वे हाईड्रो फ्रैक्चरिंग तकनीक का उपयोग असम परिसंपत्ति के गेलेकी फील्ड (कूप सं. जी–149 एवं जी – 321 जेड) में किया गया है।
- **हाइड्रोजन थर्मो बारो केमिकल तकनीक (टीजीसी – एचईआर)** को उत्पादन वर्द्धन के लिए अहमदाबाद परिसंपत्ति के कूप सं. एनजे – 69 में क्रियान्वित किया गया है।
- **स्टिम गन पर्फोरेशन तकनीक** का उपयोग अहमदाबाद परिसंपत्ति के कूप सं. एसके 141 और एएम – 134 और असम परिसंपत्ति के जी – 391 में रिजर्वॉयर कनेक्टिविटि के वेल बोर में सुधार लाने के लिए किया गया है।
- **प्रोपेलेंट स्टिमुलेशन तकनीक (पीएसटी)** अंकलेश्वर परिसंपत्ति के कूप मटर – 23 में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया है।
- **माइक्रो बबल ड्रिलिंग फ्लूड सिस्टम** का उपयोग रिक्त कुंडों में मड हानि कम करने के लिए गेलेकी के 2 कूपों में किया गया है।
- **सिमेक्स (सिमुलटेनियस एक्सप्लोरेशन)** दृष्टिकोण से अहमदाबाद परिसंपत्ति में विकासात्मक वेधन के दौरान इसके दक्षिणी काडी फील्ड में 2 विकासात्मक कूपों के माध्यम से नये तेल पूल का पता लगाने में मदद मिली है।

तेल अन्वेषण और उत्पादन जैसे लागत सघन कारोबार और भारत जैसे परिपक्व प्रदेशों के लिए लागत इष्टतमीकरण आर्थिक रूप से अर्थक्षम बने रहना असली समाधान है। आपकी कंपनी जैसे अन्य ई एंड पी कंपनियां ई एंड पी प्रौद्योगिकियों की उपयुक्त पहचान / वर्गीकरण और प्राथमिकता के माध्यम से अत्याधुनिक प्रौद्योगिकीय समाधानों के साथ कदम से कदम मिला कर चलती है।

अन्वेषण मंच पर, आपकी कंपनी लगातार अद्यस्तल इमेंजिंग में वृद्धि करने, इन हाउस प्रोसेसिंग क्षमता निर्माण के लिए लगातार नयी तकनीकें अपना रहीं है और नयी तकनीक के प्रवेशन और इसके जी एंड जी कार्मिकों/तकनीकी कर्मचारियों के कौशल विकास सहित डेटा एकीकरण के लिए इंटरेक्टिव कार्य स्टेशनभी एक लगातार प्रयास रहा है। कार्मिकों के कौशल विकास के लिए और विशेष जानकार और प्रक्षेत्र विशेषज्ञ बनाने के लिए कंपनी द्वारा विशेषीकृत प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहें हैं।

पिछले तीन वर्षों में आयातित प्रौद्योगिकी के संबंध में सूचना

वित्त वर्ष 2015 – 16

1. डिजिटल मल्टी ऐरे टूल्स
2. भूकंपी डेटा प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी में एनिसोट्रोपिक माइग्रेशन
3. रिग रहित पी3 छिद्रन
4. वेधन हेतु चुंबकीय अनुकम्पन
5. पृष्ठ तनाव विश्लेषण प्रौद्योगिकी
6. पेट्रोलियम प्रणाली प्रतिरूपण समाधान
7. टोमो फेसिलिटेटर
8. नेटवक्र संलग्न भंडारण
9. इनडक्टिवली कपल्ड प्लाज्मा मास स्पेक्ट्रोमेट्री
10. माइक्रोवेव पाचन प्रणाली

वित्त वर्ष 2016 – 17

1. नाभिकीय चुंबकीय अनुकम्पन उपकरण
2. मोटरयुक्त पोलराइजिंग फ्लूरेसेंस माइक्रोस्कोप
3. प्राकृतिक गामा किरण स्पेक्ट्रोस्कॉपी
4. भूकंपी निर्वचन सॉफ्टवेयर पैकेज
5. जियोटेरिक
6. रॉक मोड
7. रॉक एसआई
8. टोमो प्लस एवं जियोथ्रस्ट
9. प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर मॉड्यूल अर्थ स्टडी – 360 (ईएस – 360)
10. ओमेगा सॉफ्टवेयर
11. एयरबोर्न ग्रेविटी ग्रेडियोमेट्री सर्वे तकनीक
12. लूक अहेड वीएसपी
13. एलडब्ल्यूडी का सोनिक स्कॉप कूप बी–12सी–2 (परमेश्वरा) में सफल रहा।
14. साइक्लिक स्टीम स्टिमुलेशन और उसके बाद इन–सीटु दहन (आईएससी) प्रक्रिया
15. हैवी ऑयल कुंडों में पॉलिमर फ्लडिंग

वित्त वर्ष 2017 – 18

1. गैस क्रोमेटोग्राफ
2. रेसिस्टीविटी मीटर
3. स्टिम गन प्रोपेलेंट – असिस्टेड पर्फोरेटिंग सिस्टम
4. डीएसटी के माध्यम से परीक्षण हेतु वायरलेस सर्फेस रीड आउट
5. मैकेनिक पाइप कटर टूल
6. डीएसटी वायरलेस क्रॉस फायर तकनीक
7. जीएसएमपी (जेनरल सर्फेस मल्टीपल प्रिडिक्शन) डि–मल्टीपल सॉफ्टवेयर
8. 5डी – विनियमतीकरण सॉफ्टवेयर
9. टेकलॉग पेट्रोफिजिकल विश्लेषण टूल्स
10. साइक्लिक स्टीम स्टिमुलेशन और उसके बाद इन–सीटु दहन (आईएससी) प्रक्रिया
11. हैवी ऑयल कुंडों में पॉलिमर फ्लडिंग
12. मुंबई हाई साउथ फील्ड में लो साल माइक्रो पायलट
13. बोरहोल्ला फील्ड में अमिश्रणीय गैस अंतर्क्षेपन
14. गैस सहायता प्राप्त ग्रेविटी ड्रेनेज प्रक्रिया
15. गैस ट्रैकर
16. रासायनिक ट्रेसर परीक्षण
17. एमईओआर प्रक्रिया प्रौद्योगिकी
18. कुंड प्रतिरूप और 3डी – एमईएम तकनीक एकीकरण

अनुसंधान एवं विकास पर वहन व्यय

(मिलियन ₹ में)

विवरण	2017-18	2016-17
पूंजीगत व्यय	196.41	292.33
राजस्व व्यय	4,590.79	4,124.26

ग. विदेशी मुद्रा अर्जन और व्यय संबंधी सूचना

(मिलियन ₹ में)

विवरण	2017-18	2016-17
विदेशी मुद्रा अर्जन	35,524.51	30,728.66
विदेशी मुद्रा व्यय	169,246.86	185,110.43



दीनदयाल ऊर्जा भवन, ओएनजीसी कॉरपोरेट कार्यालय, नई दिल्ली में ओएनजीसी सौर चुल्हा चुनौती के फाइनल के दौरान लगायी गयी ओएनजीसी सोर चुल्हा प्रदर्शनी। पॉच प्रख्यात वैज्ञानिकों के पैनल द्वारा 1500 आवेदनों में से अंतिम दौर में पहुँचने वाले पॉच उम्मीदवारों ने प्रदर्शनी में अपने डिजाइन प्रस्तुत किए।

अनुलग्नक 'च'

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के वित्तीय विवरणों के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (6) (ख) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के अंतर्गत विहित वित्तीय रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क के अनुसार 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के वित्तीय विवरण तैयार करने की जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन की है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 139(5) के अंतर्गत भारत केनियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त किए गए सांविधिक लेखापरीक्षक इस अधिनियम की धारा 143(10) के अंतर्गत विहित लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार परइस अधिनियम की धारा 143 के अंतर्गत इन वित्तीय विवरणों पर अपना दृष्टिकोण व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार होंगे। 30 मई, 2018 की उनकी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के तहत इस बात का उल्लेख किया गया है कि यह कार्य उनके द्वारा कर लिया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की ओर से ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए तैयार किए गए वित्तीय विवरणों की अधिनियम 143(6) के अंतर्गत पूरक लेखापरीक्षा की है। यह पूरक लेखापरीक्षा सांविधिक लेखापरीक्षा के सार्थक पत्रों को देखे बिना स्वतंत्र रूप से की गई है और यह मुख्यतया सांविधिक लेखापरीक्षकों और कंपनी कार्मिकों की पूछताछ और कुछ लेखांकन अभिलेखों के प्रवृत्य परीक्षण के आधार पर की गई है।

मेरी लेखा परीक्षा के आधार पर कोई ऐसी महत्त्वपूर्ण बात नहीं आई है जो सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी या अनुपूरण उत्पन्न करती हो।

कृते और की ओर से
भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

ह./–
(रूप राशि)
प्रधान निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा और
पदेन सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड–II, मुंबई

मुंबई
02.08.2018



आयात मे 10% कटौती के मिशन को हासिल करने के लिए ऐतिहासिक निवेश निर्णय लिए गए

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के समेकित लेखा विवरणों पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 (4) के साथ पठित, धारा 143 (6) (ख) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के अंतर्गत विहित वित्तीय रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क के अनुसार 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने की जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन की है। अधिनियम की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 139(5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त किए गए सांविधिक लेखापरीक्षक इस अधिनियम की धारा 143(10) के अंतर्गत विहित लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार स्वतंत्र इन वित्तीय विवरणों पर अपना दृष्टिकोण व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार होंगे। 30 मई, 2018 की उनकी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के तहत इस बात का उल्लेख किया गया है कि यह कार्य उनके द्वारा कर लिया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की ओर से ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए तैयार किए गए समेकित वित्तीय विवरणों की इस अधिनियम की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 143(6)(क) के अंतर्गत पूरक लेखापरीक्षा की है। हमने उक्त तारीख को समाप्त वर्ष हेतु ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड और उसकी अनुशंगी कंपनियों (अनुलग्नक –1) के वित्तीय विवरणों की अनुपूरक लेखापरीक्षा की है। इसके अतिरिक्त सांविधिक लेखापरीक्षकों की नियुक्ति और इन कंपनियों की अनुपूरक लेखापरीक्षा के संचालन से संबंधित अधिनियम की धारा 139(5) और 143(6)(ख) (अनुलग्नक –2) में शामिल कंपनियों पर लागू नहीं होती है क्योंकि वे विदेशों में संबंधित कानूनों के अंतर्गत अधिनिगमित निजीनिकाय/निकाय हैं। इसके अलावा, विदेशों में उनके संबंधित कानूनों के अंतर्गत निगमित निजी कंपनियों (अनुलग्नक – 3) पर उनके सांविधिक लेखा परीक्षकों की न तो नियुक्ति और ना ही अनुपूरक लेखा परीक्षा आयोजन के लिए कंपनी अधिनियम की धारा 139 (5) और 143 (6) (ख) लागू है। तदनुसार, नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक ने न ही सांविधिक लेखा परीक्षक की नियुक्ति की और न ही इन कंपनियों की पूरक लेखापरीक्षा आयोजित की है। यह लेखापरीक्षा सांविधिक लेखापरीक्षकों के सार्थक पत्रों को देखे बिना स्वतंत्र रूप से की गई है और प्राथमिक रूप से सांविधिक लेखापरीक्षकों और कंपनी के कार्मिकों की पूछताछ और कुछ लेखांकन अभिलेखों की चयनात्मक जांच तक सीमित है।

मेरी लेखापरीक्षा के आधार पर मेरे ध्यान में ऐसी कोई बात नहींआई है, जो सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के पूरक के तौर पर व्यक्त करने अथवा उसके संबंध में कोई टिप्पणी करने के लिए अपरिहार्य हो।

कृते और की ओर से
भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

ह./–
(रूप राशि)
प्रधान निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा और
पदेन सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड–II, मुंबई

मुंबई
02.08.2018



परितोष का आनंदः युवा एवं ऊर्जस्वी महिला अधिकारी गहरे से गहरे समुद्र में चुनौतीपूर्ण कार्य का बीड़ा उठाते हुए

अनुलग्नक–I लेखा परीक्षा आयोजित

अनुषंगी कंपनियाँ

1. मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड
2. ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड
3. हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड
4. पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड
5. एचपीसीएल बायो फ्यूल लिमिटेड
6. प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड

संयुक्त उद्यम कंपनियां

1. एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड

स्हयोगी कंपनियां – शून्य

अनुबंध–II लेखा परीक्षा लागू नहीं

अनुषंगी कंपनियां

1. ओएनजीसी विदेश लिमिटेड

संयुक्त उद्यम कंपनी

1. ओएनजीसी पेट्रो एडिशंस लिमिटेड

सहयोगी कंपनियां

1. पवन हंस लिमिटेड

अनुलग्नक–III लेखा परीक्षा लागू नहीं

अनुषंगी कंपनियां

1. ओएनजीसी नील गंगा बी.वी
2. ओएनजीसी कैंपोस लिमिटेड
3. ओएनजीसी नील गंगा (साइप्रस) लिमिटेड
4. ओएनजीसी नील गंगा (सैन क्रिस्टोबल) लिमिटेड
5. ओएनजीसी कैस्पियन ई. एंड पी. बी.वी.
6. ओएनजीसी नर्मदा लिमिटेड
7. ओएनजीसी अमेजन अलकनंदा लिमिटेड
8. इम्पीरियल इनर्जी लिमिटेड
9. इम्पीरियल इनर्जी टॉम्स्क लिमिटेड
10. इम्पीरियल इनर्जी (साइप्रस) लिमिटेड
11. इम्पीरियल इनर्जी नॉर्ड लिमिटेड
12. बायनकस होल्डिंग लिमिटेड
13. रेडक्लिफ होल्डिंग लिमिटेड
14. इम्पीरियल फ्रैक सर्विसेज (साइप्रस) लिमिटेड
15. सैन एजियो इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड
16. एलएलसी सिबिंटरनेफ्त
17. एलएलसी एलायंसनेफ्तगैस
18. एलएलसी नॉर्ड इम्पीरियल
19. एलएलसी रस इम्पीरियल ग्रुप
20. एलएलसी इम्पीरियल फ्रैक सर्विसेज
21. काराबोबो वन एबी
22. पेट्रो काराबोबो गंगा बी.वी.
23. ओएनजीसी (बीटीसी) लिमिटेड
24. ब्यास रोवूमा इनर्जी मोजांबिक लिमिटेड
25. ओएनजीसी विदेश रोवूमा लिमिटेड
26. ओएनजीसी विदेश एटलांटिक इंक
27. ओएनजीसी विदेशी सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड
28. ओएनजीसी विदेश वेंकोरनेफ्त प्राइवेट लिमिटेड
29. इंडस ईस्ट मेडिटेरेनियन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड
30. एचपीसीएल मिडल ईस्ट एफजेडसीओ

संयुक्त उद्यम कंपनी

1. ओएनजीसी मित्तल इनर्जी लिमिटेड
2. मंगलौर एसईजेड लिमिटेड
3. ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड
4. ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड
5. दहेज एसईजेड लिमिटेड
6. शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड (एसएमएएसएल) (एमआरपीएल के माध्यम से)
7. मानसरोवर इनर्जी कोलंबिया लिमिटेड
8. हिमालय इनर्जी सीरिया बी.वी.

सहयोगी कंपनियां

1. तांबा बी.वी
2. पेट्रो काराबोबो एस.ए.
3. काराबोबो इंजीनेरिया वी. कंस्ट्रक्शंस एस.ए.
4. पेट्रोलेरा इंडोवेनेजोलाना एस.ए.
5. साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड
6. जेएससी वैकोरनेफ्त
7. मोजांबिक एलएनजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
8. एसयूडीडी पेट्रोलियम ऑपरेटिंग कंपनी
9. पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड



प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट 134
कॉरपोरेट अभिशासन रिपोर्ट 160
कॉरपोरेट अभिशासन पर लेखा–परीक्षक का प्रमाण पत्र 180
सचिवीय लेखा–परीक्षा रिपोर्ट 182

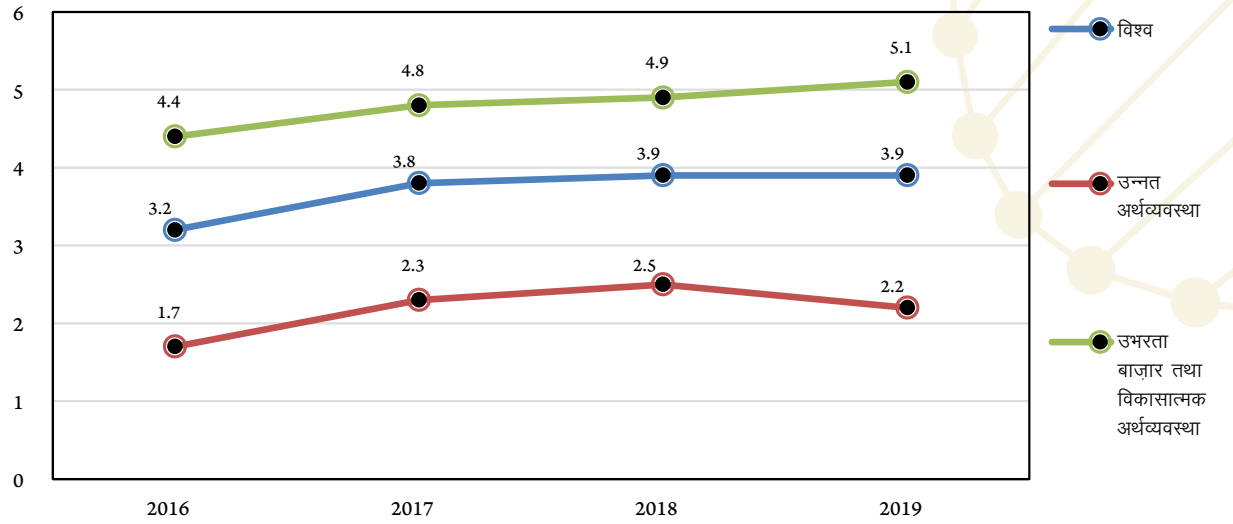
प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट

1. वैश्विक अर्थव्यवस्था

वैश्विक विकास में समान रूप से वितरित करने में असफल निराशाजनक संवृद्धि की एक दीर्घ अवधि के पश्चात् और अक्सर कई मुद्दों के रूप में पूर्वानुमानित संख्याओं से पीछे रहने वाली, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद संवृद्धि (वास्तविक रूप सें) ने पिछले 7 वर्षों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अप्रैल 2018 वर्ल्ड इकोनोमिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) के अनुसार, वर्ष 2017 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद संवृद्धि वर्ष 2016 के उत्तरार्ध में जहाँ से छोड़ी गई थी, वहां से दुनिया के आउटपुरट में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया था, वर्ष के अंत में बढ़ कर 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुँच गया। आईएचएस – माक्रिट के अनुसार, वर्ष 2017 में वैश्विक खनिज तेल मांग में 1.9 मिलियन बैरल प्रति दिवस की वृद्धि हुई, जो वर्ष 2015 की गति के बराबर थी, जो ज्यादातर खनिज तेल में भारी गिरावट के कारण था। प्राकृतिक गैस मूल्य सूचकांक में तेजी से वृद्धि हुई, अगस्त 2017 से फरवरी, 2018 में 45 प्रतिशत की वृद्धि। अगस्त 2017 से फरवरी 2018 के दौरान धातु मूल्य में भी 8.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

अग्रिम अर्थव्यवस्था वर्ष 2017 में 2.3 प्रतिशत बढ़ी, जिसने वर्ष 2016 में 1.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी। मजबूत संवृद्धि से

जीडीपी वृद्धि



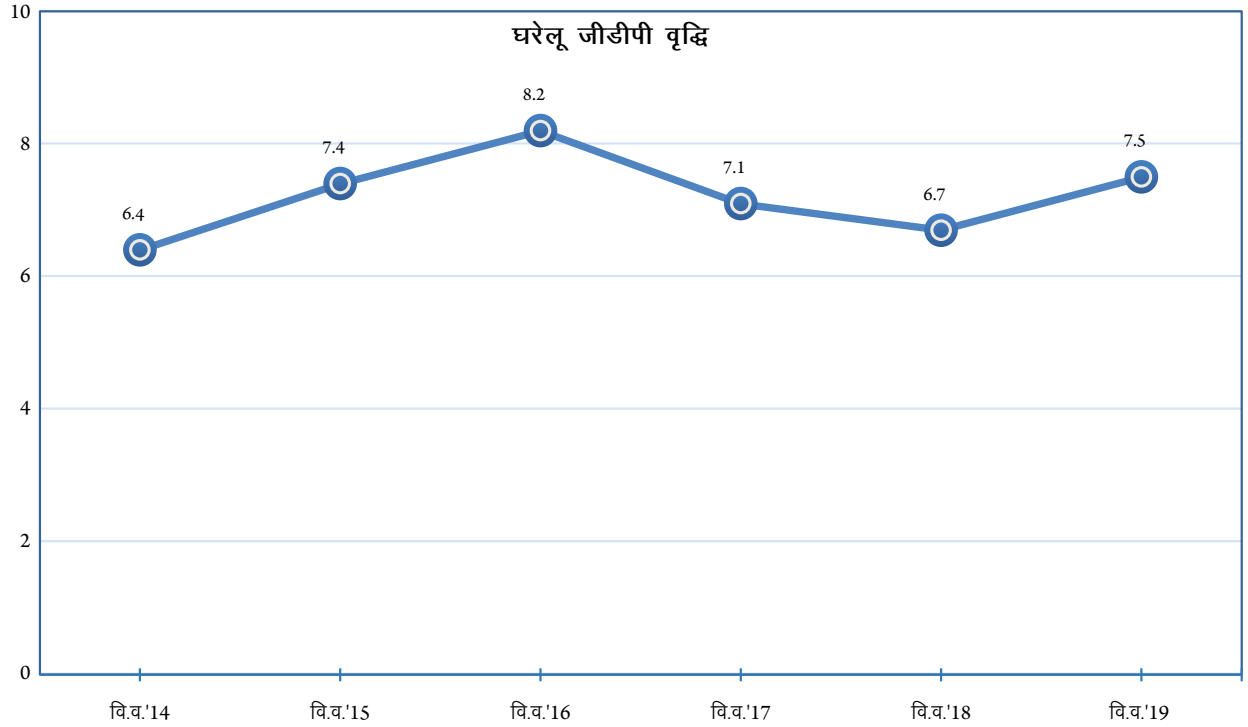
निवेश वृद्धि से समर्थित साल की दूसरी छमाही का प्रदर्शन विशेष रूप से प्रभावशाली था, जो 4 प्रतिशत से अधिक, वर्ष 2010 की दूसरी छमाही के बाद सबसे मजबूत था।

यह मजबूत और, अधिक महत्वपूर्ण, समान रूप सेफैली हुई मूल्य वापसी मुख्य रूप से वैश्विक व्यापार और निवेश में पुनरुत्थान से प्रेरित थी। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में मूल्य वापसी रूग्णता के दो वर्षों के बाद वर्ष 2017 में मजबूती से एक प्राक्कलित 4.9 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि दर पर आयी। वर्ष 2017 में पूरी दुनिया के शेयर बाजारों में तेजी आयी : एमएससीआई सभी देशों के विश्व सूचकांक में वर्ष के दौरान 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई या कहें 9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर बढकर 514.53 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की स्वस्थ स्थिति का एक और विश्वसनीय संकेतक वैश्विक ऊर्जा और जिन्स कीमतों की जोड़ी है। खनिज तेल मूल्य जो वर्ष 2016 की प्रारंभिक अवधि में घट कर 30 कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं में बेरोजगारी स्तर में कमी लाने में भी मदद मिली है।

उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं वर्ष 2016 के 4.4 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017 में 4.8 प्रतिशत की दर से बढीं। चीन का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2017 में 6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ा जो वर्ष 2016 में 6.7 प्रतिशत था, उभरते बाजारों और विकासशील अथव्यवस्था औसत से काफी ऊपर।

''भारतीय अर्थव्यवस्था की एक झलक'': भारतीय अर्थव्यवस्था हाल के समय में धीमी हुई है और आईएमएफ डब्ल्यूईओ (अप्रैल 2018) के अनुसार वर्ष 2017 में जीडीपी संवृद्धि, वर्ष 2016 के 7.1 प्रतिशत की तुलना मे नीचे गिर कर 6.7 प्रतिशत हो गयी है। सबसे तेज संवृद्धि करने वाले विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में चीन को पीछे छोड़ने के पश्चात् निम्नतर संवृद्धि का यह लगातार दूसरा वर्ष है। हालांकि, यह गिरावट संरचनात्मक प्रकृति का कम है और अधिकांशतः मुद्रा विनिमय पहल द्वारा



विवश किए गए बाजार समायोजन और देश भर में शुरु किए गए राष्ट्रव्यापी कराधान ढांचा वस्तु एवं सेवा कर के प्रत्युत्तर में है।

और वापसी की प्रक्रिया पहले ही शुरु हो चुकी है – केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) द्वारा जारी डेटा के अनुसार, वित्त वर्ष 18 की चौथी तिमाही में जीडीपी 7.7 प्रतिशत की दर पर बढ़ी है और वर्ष की समग्र संवृद्धि 6.7 प्रतिशत रही है। आईएमएफ डब्ल्यूईओ के अनुसार, देश वर्ष 2018 और वर्ष 2019 में जीडीपी संवृद्धि दर क्रमशः 7.4 प्रतिशत और 7.8 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। क्राइसिल रिसर्च ने वित्त वर्ष 19 के लिए 7.5 प्रतिशत की जीडीपी संवृद्धि का अनुमान लगाया है।

ऐसा कहे जाने के बाद, नीति निर्माताओं को अपनी नजर बढ़ते खनिज तेल मूल्यों और अशोध्य ऋण से ग्रसित बैंकिंग क्षेत्र के गंभीर मुद्दों पर रखना जरुरी है। हलांकि सरकार ने पूंजी पुनर्संरचना योजना के माध्यम से बैंकिंग क्षेत्र के संकट को कम करने के लिए कदम उठाए हैं, खनिज तेल मूल्य के लिए सरकार के पास करने के लिए कुछ नहीं है। पूरे वर्ष 2017 (और वर्ष 2017 की द्वितीय छमाही) के दौरान अंतर्राष्ट्रीय खनिज तेल मूल्य मे वृद्धि ने अर्थव्यवस्था में वित्त वर्ष 17 तक इसके नियंत्रणाधीन इस अप्रत्यक्ष उत्साह को बिल्कुल समाप्त कर दिया है। वित्त वर्ष 18 का चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 17 के 0.7 प्रतिशत की तुलना मे 1.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

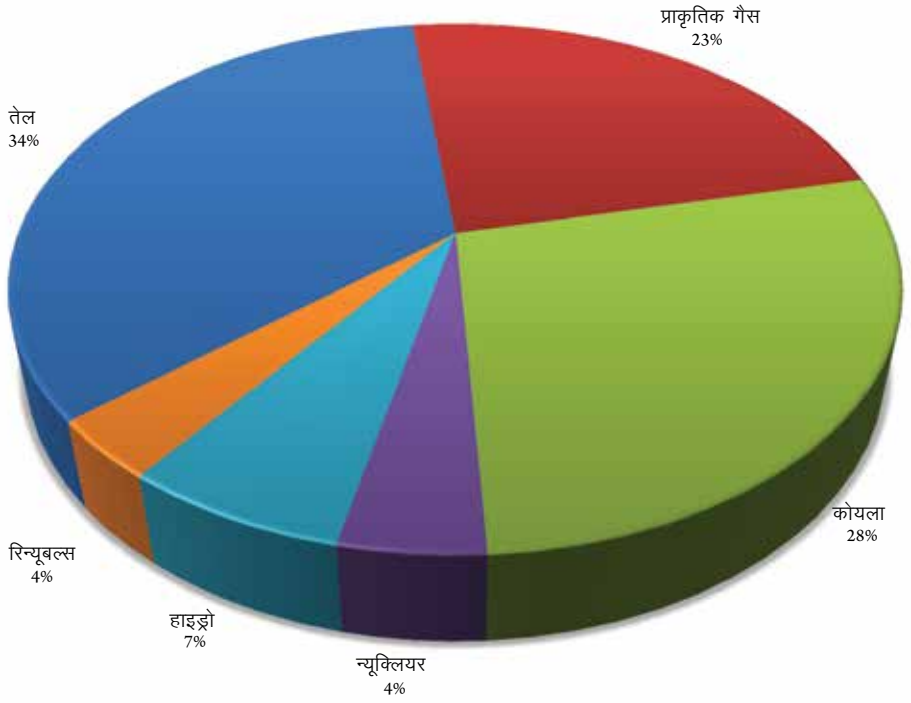
वैश्विक स्तर पर, आईएमएफ डब्ल्यूईओ के अनुसार वर्ष 2018 और साथ ही साथ वर्ष 2019 में भी सकल घरेलू उत्पाद में 3.9 प्रतिशत बढ़ोत्तरी से अर्थव्यवस्था का संवृद्धि प्रक्षेप पथ पर उच्चतर रहने की संभावना है। उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं और विकसित अर्थव्यवस्थाओं सें, विशेष रूप से अमेरिका की उदारराजकोषीय स्थितियों से विश्व बाजारों पर सकारात्मक दस्तक के चलते गति बनी रही है। उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच, भारत की संवृद्धि से चीनी अर्थव्यवस्था की मंदी से हुई कमी को एक सीमा तक पूरी की जा सकती है और जिन्स कीमतों में मूल्य वापसी निवेश को उत्साहित कर सकता है और इस समूह के निर्यातकों के लिए वित्तीय स्थिति में सुधार होना चाहिए।

वर्ष 2016 और वर्ष 2017 में विकास के तक्रसंगत रूप से दो मजबूत वर्षों तथा वर्ष 2018 और वर्ष 2019 में पुनरावृत्ति की भविष्यवाणी के बावजूद, अधिकांश वैश्विक आर्थिक रिपोर्टों एवं विश्लेषण के अनुसार वर्ष 2019 के बाद मध्यम अवधि में विकास का वैश्विक परिदृश्य गिरावट के अधिक जोखिमों के निश्चित उद्भव के साथ सावधानी पूर्वक रूढ़िवादी बना रहा। वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़े जोखिमों में से एक संरक्षणवादी दृष्टिकोण में वृद्धि है जिसका प्रमाण हाल के अमेरिका–चीन व्यापार युद्ध में दिखाई दे रहा है। यूरोपीय संघ से यूके का हटना – जो वैश्विक सक्रलों में ब्रेक्सिट के नाम से विख्यात है – एक अन्य जोखिम है। इसके अलावा, ईरान पर यूएस द्वारा फिर से प्रतिबंध लगाए जाने के कारण मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने, कतर तथा खाड़ी के अन्य देशों के बीच राजनयिक गतिरोध, रूस पर प्रतिबंधों एवं चीन की बेल्ट रोड पहल के क्षेत्रीय प्रभाव के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर जोखिम के परिमाण में वृद्धि हुई है। जलवायु से संबंधित जोखिम भी विनाशकारी प्रभाव उत्पन्न करने की अपनी क्षमता के कारण उच्च श्रेणी में आते हैं, इसी तरह साइबर हमलों के मामलों की बढ़ती संख्या से संबद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता के लिए खतरा उत्पन्न होता है।

2. वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य वैश्विक ऊर्जा बास्केट

विश्व ऊर्जा की बीपी सांख्यिकीय समीक्षा, 2018 के अनुसार वर्ष 017 में ऊर्जा की मांग में 2.2 प्रतिशत वृद्धि हुई जो वर्ष 2013

वैश्विक प्रमुख ऊर्जा खपत 2017 : 13511 एमएमटीओई



के बाद सबसे अधिक वृद्धि है तथा पिछले दशक में 1.7 प्रतिशत की वृद्धि से काफी अधिक है।

नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत सबसे तेजी से विकास करने वाले ऊर्जा के स्रोत थे (+17 प्रतिशत) तथा इसने 69 मिलियन मीट्रिक टन तेल समतुल्य गैस की वृद्धि के साथ अपने आधार में अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि दर्ज की है। इसके बावजूद, न्यून कार्बन के सभी स्रोतों ने वर्ष 2017 की वैश्विक ऊर्जा मांग में 253 मिलियन टन तेल समतुल्य गैस (2.2 प्रतिशत) वृद्धि के केवल एक तिहाई को पूरा किया। पिछले वर्ष जीवाष्म ईंधनों ने शेष दो तिहाई मांग पूरी की तथा गैस (+83 मिलियन टन तेल समतुल्य गैस, 3.0 प्रतिशत) नई ऊर्जा आपूर्ति का सबसे बड़ा एकल स्रोत है। तेल की खपत में लगातार तीसरे वर्ष औसतन 1.8 प्रतिशत या 1.7 मिलियन बैरल प्रतिदिन की वृद्धि हुई जो इसके 10 वर्षों के 1.2 प्रतिशत के औसत से अधिक है। रोचक तथ्य यह है कि वर्ष 2013 के बाद कोयले की खपत में पहली बार वृद्धि हुई। इसका अभिप्राय यह है कि ऊर्जा मिश्रण में ईंधन का शेयर लगातार घट रहा है और वर्ष 2004 से 27.6 प्रतिशत के अपने न्यूनतम स्तर पर है।

कोयला, तेल और गैस की मांग में वृद्धि का अभिप्राय यह है कि वर्ष 2017 में कार्बन डाइआक्साइड के उत्सर्जन में 426 मीट्रिक टन (1.6 प्रतिशत) की वृद्धि हुई। उत्सर्जन में गिरावट या समरूपता के तीन साल बाद ऐसा हुआ है, जब कोयले का उपयोग भी घट रहा था।

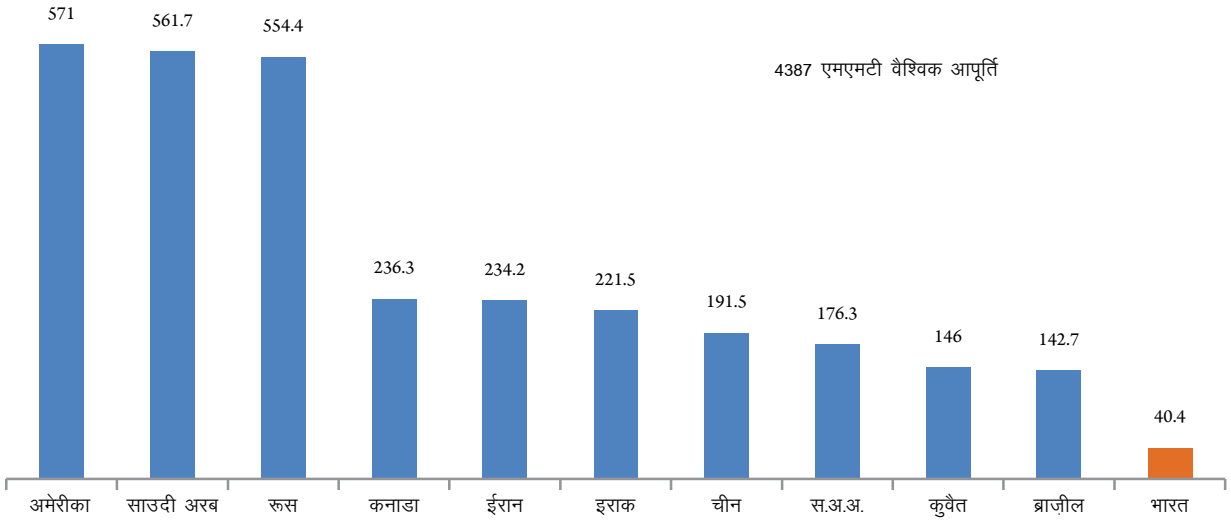
तेल और गैस की मांग – आपूर्ति :

विश्व ऊर्जा की बीपी सांख्यिकीय समीक्षा के अनुसार, वर्ष 2017 में तेल की मांग में वृद्धि हुई (+1.7 मिलियन बैरल प्रतिदिन) जिसने 10 वर्षों के औसत (~1.1 मिलियन बैरल प्रतिदिन) को आसानी से पीछे छोड़ दिया। चीन (500,000 बैरल प्रतिदिन) और यूएस (190,000 बैरल प्रतिदिन) वृद्धि में योगदान करने वाले सबसे बड़े एकल देश थे। मांग बढ़ने, कार दक्षता में वृद्धि तथा इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार के प्रति बढ़ हुए आकर्षण पर संकेन्द्रित सभी वार्ता के बावजूद ऐसा हुआ है, जो ऊर्जा इको सिस्टम में तेल की खासियत को उजागर करता है। अनुमान है कि मांग वर्ष 2018 और वर्ष 2019 में भी मजबूत बनी रहेगी। भारत में तेल की मांग में 1,30,000 बैरल प्रति दिन की वृद्धि हुई।

जहां तक आपूर्ति का संबंध है, वर्ष 2017 में उत्पाद में वृद्धि (+600,000 बैरल प्रति दिन) वर्ष 2016 में हुई वृद्धि के समान थी। हालांकि ओपेक तथा चुनिंदा गैर ओपेक देशों (जो एक साथ वियना समूह के नाम से जाने जाते हैं) ने वर्ष 2016 में आपूर्ति का नेतृत्व किया, अन्य गैर ओपेक देशों, मुख्य रूप से अमेरिका ने 2017 में परिमाण बढ़ाने में योगदान दिया। आईएचएस – मार्किट के अनुसार, यूएस के कच्चे तेल के उत्पादन में वर्ष 2017 में तकरीबन 5,00,000 बैरल प्रतिदिन की वृद्धि हुई। बीपी सांख्यिकीय समीक्षा के अनुसार, वियना समूह द्वारा उत्पादन में कटौती का प्रभाव अधिक गहरा होता यदि यह अमेरिका के सख्त तेल एवं एनजीएल के प्रत्युत्तर के लिए न होता, जिसमें अक्टूबर 2016 से लगभग 2 मिलियन बैरल प्रतिदिन की वृद्धि हुई है। ईआईए के अनुमानों के अनुसार ऐसा अनुमान है कि यूएस 2018 और 2019 में अपने उत्पादन में वृद्धि को और गहन करेगा जो इस अवधि के दौरान 2.4 मिलियन बैरल प्रतिदिन के करीब पहुंचेगा।

वियना समूह के सदस्यों में उत्पादन में कटौती की व्यवस्था निर्धारित अवधि से पहले बंद हो जाने से मांग – आपूर्ति की गति

विश्व तेल आपूर्ति (एमएमटी में) – 2017



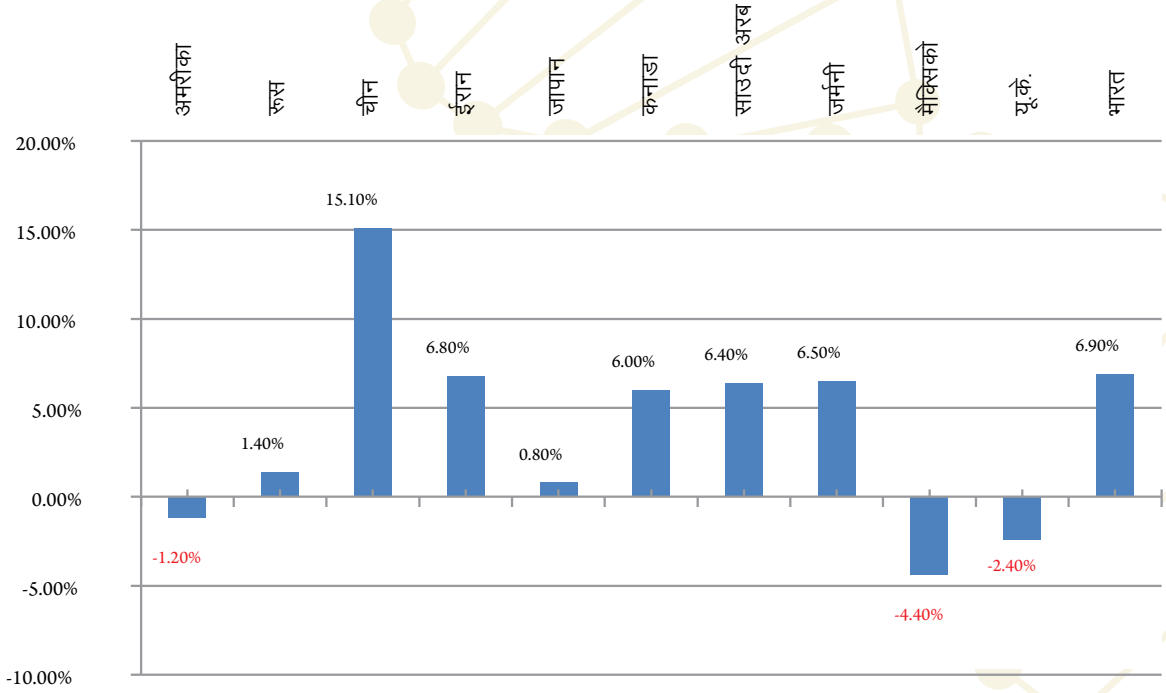
में अस्थिरता के आगे बढ़ने की संभावना है। तथापि, वेनेजुएला का उत्पादन निरंतर घटने, ईरान और लीबिया के उत्पादन में निरंतर अनिश्चितता और कनाडा में एक प्रमुख ऑयल सैंड सुविधा के अचानक बंद हो जाने के मद्देनजर बाजार से बाहर के बैरल के अनुमानित पुनः प्रवेश से कीमतों में उल्लेखनीय कटौती होने की संभावना नहीं है। वर्ष 2018 के अंत की पिछली डेडलाइन से पूर्व करार को समाप्त करने के निर्णय के बाद दो सप्ताहों में ब्रेंट क्रूड का औसत मूल्य 75 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से अधिक था।

उत्पादन एवं खपत दोनों दृष्टि से प्राकृतिक गैस ने वर्ष 2017 में रिकार्ड तोड़ वृद्धि दर्ज की जो वैश्विक वित्तीय मंदी के बाद

विश्व तरल मांग – आपूर्ति गतिशीलता



शीर्ष उपभोक्ताओं के लिए गैस मांग वृद्धि
मज़बूत मांग चीन और ईरान के कारण संचालित हुई



अब तक की सर्वोच्च वृद्धि है। खपत में 96 बिलियन घन मीटर वृद्धि मध्य पूर्व (ईरान – 13 बिलियन घन मीटर) और यूरोप की सहायता से अधिकांशतः चीन (31 बिलियन घन मीटर) के कारण हुई। खपत में वृद्धि को उत्पादन में वृद्धि से पाटा गया था, विशेष रूप से रूस (46 बिलियन घन मीटर), जो इरान (21 बिलियन घन मीटर), आस्ट्रेलिया (17 बिलियन घन मीटर) और चीन (11 बिलियन घन मीटर) समर्थित था। चीनी बाजार में गैस की मांग में जो तीक्ष्ण वृद्धि हुई है उसका श्रेय वायु की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए वर्ष 2013 में घोषित पंचवर्षीय पर्यावरण कार्य योजना की डेडलाइन को दिया जा सकता है। वैश्विक एलएनजी व्यापार में लगातार वृद्धि ने भी अंतर्राष्ट्रीय गैस बाजार के विस्तार में मदद की।

कच्चे तेल की वैश्विक कीमतें :

यदि वर्ष 2016 ऐसा वर्ष था जब वर्ष के शुरुआती भाग में कच्चे तेल की कीमत 30 अमेरिकी डालर प्रति बैरल से नीचे पहुंचने के साथ कीमतों में गिरावट की दृष्टि से कुछ भी संभव दिखता था, वर्ष 2017 में तेल की कीमतों में वृद्धि तथा इसके साथ हाईड्रोकार्बन के क्षेत्र में, विशेष रूप से अपस्ट्रीम सेगमेंट में निकट मियादी एवं भावी निवेश योजनाओं के लिए अधिक आशावादी तस्वीर प्रस्तुत की, क्योंकि कीमतें 55 अमेरिकी डालर प्रति बैरल के आसपास बनी रहीं और समय के साथ– साथ कीमतों में वृद्धि जारी रही।

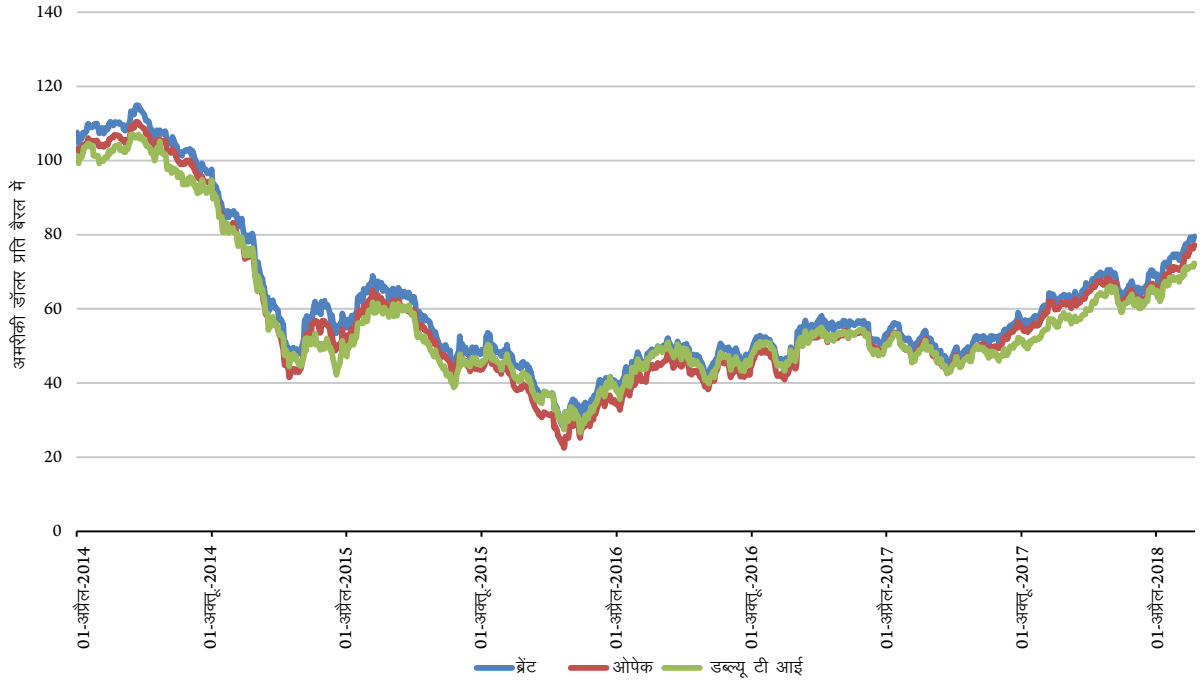
हालांकि इस वृद्धि के लिए शुरुआती गति ओपेक तथा एक चुनिंदा गैर ओपेक उत्पादक समूह के सौजन्य से उत्पादन में कटौती के लिए करार से प्राप्त हुआ, वर्ष 2017 में तेल की वैश्विक मांग में आकर्षक वृद्धि से वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतें और स्थिर हुईं तथा निरंतर 50 अमेरिकी डालर प्रति बैरल से ऊपर बनी रही।

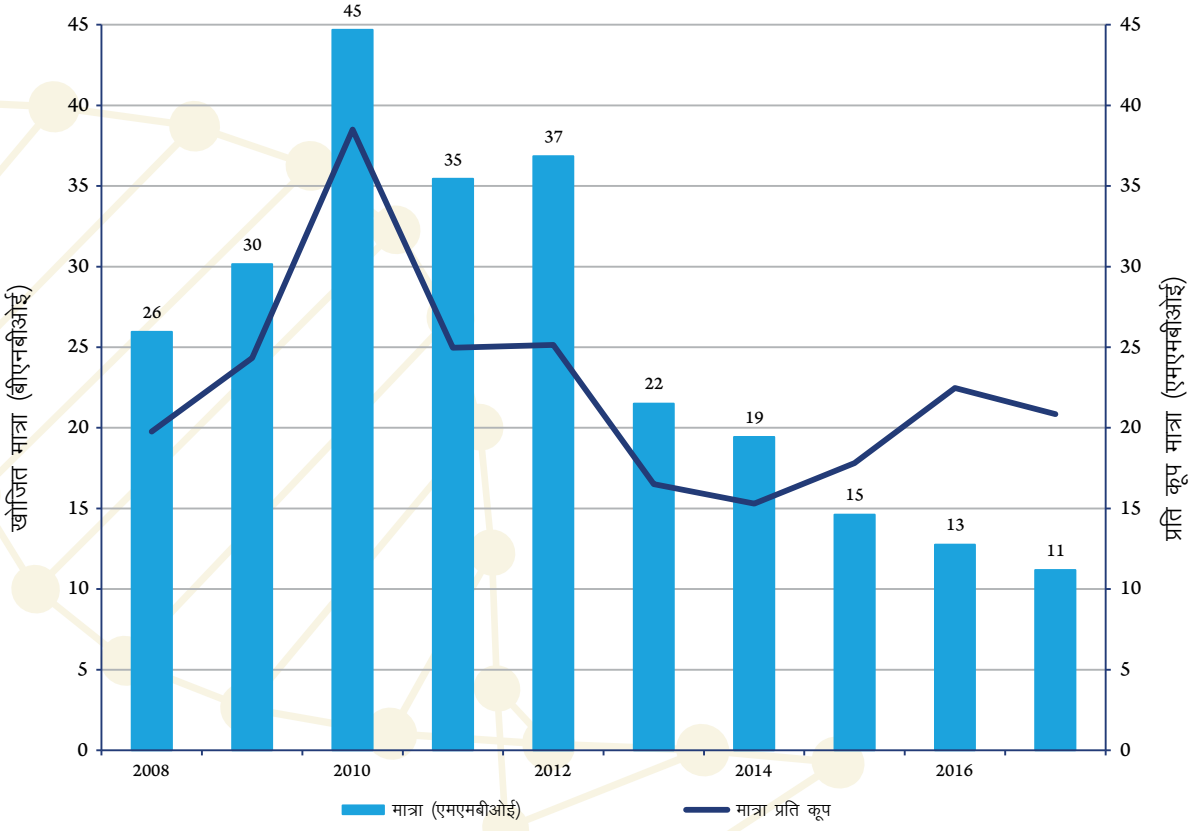
वर्ष 2018 में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने और गति पकड़ी है क्योंकि भू–राजनीतिक तनाव ने भी बाजार पर भार डालना शुरू कर दिया जो दो साल पहले की तुलना में मूर्त रूप से अधिक सख्त है। मई 2018 के लिए ब्रेंट क्रूड की औसत कीमतें 76 अमेरिकी डालर प्रति बैरल थीं जबकि डब्ल्यूटीआई औसतन 70 अमेरिकी डालर प्रति बैरल के आसपास था।

ओपेक और गैर ओपेक उत्पादन कटौती :

ओपेक तथा अन्य गैर ओपेक उत्पादकों के एक समूह के बीच उत्पादन में कटौती की घोषणा के साथ वर्ष 2016 के उत्तरार्ध में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि ने जोर पकड़ा। करार, जो जनवरी 2017 में प्रभावी हुआ, ने अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से 1.8 मिलियन बैरल प्रति दिन क्रूड हटाने का वायदा किया। 2018 के अंत तक व्यवस्था को लागू रखने की पिछली योजना का त्याग करते हुए समूह ने वियना में 22 जून की अपनी बैठक में 2018 की पहली छमाही में तेल की कीमतों में उछाल को देखते हुए कच्चे तेल की कीमतों की एक सीमातय करने के लिए उत्पादन आपूर्ति बढ़ाने का निर्णय लिया।

खनिज तेल मूल्य प्रक्षेप पथ





वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल कें प्रस्ताव की कारगरता पर आरंभिक संदेह के बावजूद समूह ने बाजार से 1.8 मिलियन बैरल प्रतिदिन हटाने के अपने लक्ष्य से अधिक उपलब्धि हासिल की। मई 2018 में समूह ने कटौती के अपने निर्धारित लक्ष्य में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि की। नई डील का उद्देश्य सऊदी अरब और रूस जैसे देशों जिनके पास पर्याप्त अतिरिक्त क्षमता है, से अधिक उत्पादन के माध्यम से मूलतः वर्ष 2016 में सहमत स्तर पर कटौतियों पर वापस लौटते हुए वेनेजुएला जैसे देशों से आशयित से अधिक कटौती को प्रभावी ढंग से रोल बैक करना है। हालांकि यह व्यवस्था वैश्विक बाजारों को समायोजित करने के लिए आनलाइन को 1 मिलियन बैरल प्रतिदिन के करीब लाना है, विश्लेषक यह मानते हैं कि अंतिम वृद्धि 6,00,000 बैरल प्रतिदिन के आसपास होने की संभावना है जो वैश्विक आपूर्ति का लगभग 0.5 प्रतिशत है, क्योंकि वेनेजुएला और लीबिया जैसे अनेक सदस्य स्वैच्छिक रूप से उत्पादन बढ़ाने में अक्षम हैं।

अन्वेषण

वुड मैकेंजी के आरंभिक अनुमानों के अनुसार 11.2 बिलियन तेल समतुल्य बैरल पर परंपरागत खोज किसी एक दशक में सबसे कम है – परंतु 36 प्रतिशत की सफलता दर की वजह से यह अन्वेषण के लक्षित एवं अधिक कारगर प्रयासों की दृष्टि से वर्ष 2013 से सर्वोत्तम वर्ष है। 10 में से 8 खोजों के तेल भारित होने के साथ खोज की गई मात्रा में तेल का हिस्सा 56 प्रतिशत है जो पिछली बार वर्ष 2008 में देखा गया था।

हालांकि वर्ष 2016 की तुलना में खोज की लागत में थोड़ी वृद्धि हुई, खोज के औसत आकार में वृद्धि तथा अति गहन समुद्र एवं सीमांत बेसिन में वाइल्ड कैट की वापसी बड़े सकारात्मक पहलू हैं। जहाँ वर्ष 2016 की अन्वेषण परियोजनाएं ज्यादातर फील्ड के निकट संभावनाओं पर संकेन्द्रित थी वहीं कमोबेश फ्रंटियर एरिया का परिहार किया जा रहा था, 2017 की वाइल्ड कैट सफलताएं अधिक संतुलित दृष्टिकोण दर्शातीं हैं क्योंकि वे संभवतः दीर्घ अवधि में प्रचालकों के लिए अधिक संपोशणीय दृष्टिकोण है और वे परिमाण वृद्धि (या संसाधन प्रतिस्थापन) तथा लागत दक्षता दोनों का प्रबंधन करने का प्रयास करते हैं। वेधित किए गए कुल कूपों में फ्रंटियर एरिया में अन्वेषणात्मक वेधन का हिस्सा केवल 10 प्रतिशत था परंतु वेधित प्रतिफल कुल परिमाण का 33 प्रतिशत था।

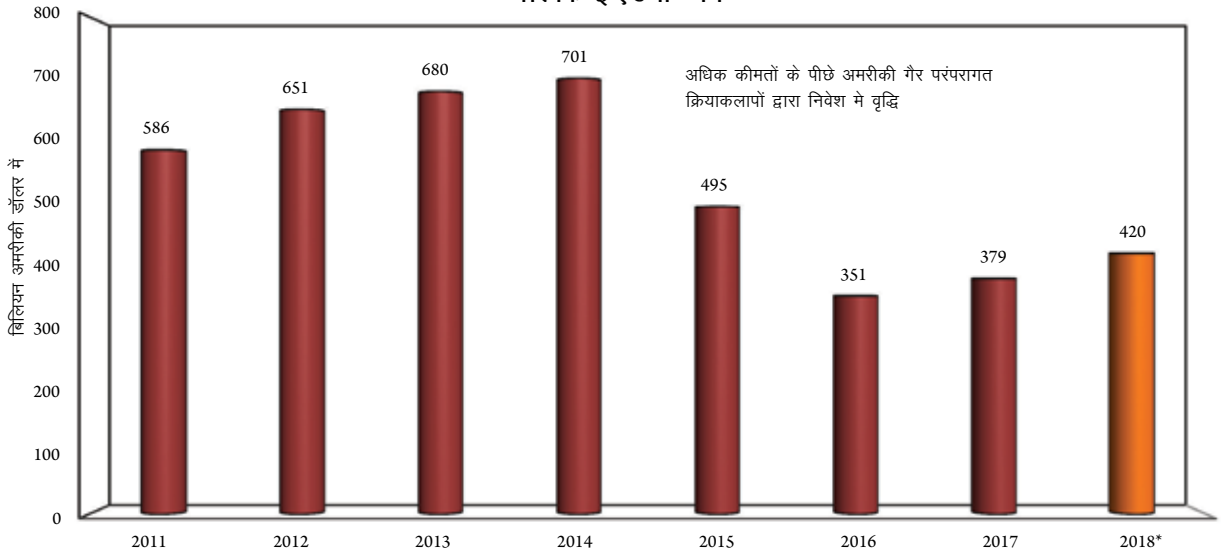
वुड मैकेंजी के अनुसार वर्ष 2017 में कासमास बीपी द्वारा 2.6 बिलियन तेल समतुल्य बैरल की याकार गैस की खोज के साथ 5 बड़ी कंपनियों (>500 मिलियन तेल समतुल्य बैरल) और 14 विशाल कंपनियों (>100 मिलियन तेल समतुल्य बैरल) ने खोज की जो वर्ष 2017 में सेनेगल के अति गहन समुद्रकी सबसे बड़ी खोज है।

जहाँ अमेरिका के अपरंपरागत स्पेस ने वर्तमान दशक में सबसे अधिक ध्यान आकृष्ट किया है, वैश्विक स्तर पर तेल की बढ़ती मांग को पूरा करने में परंपरागत अन्वेषण की अहमियत तथा इसके तहत गहरे समुद्र की खोजों की अहमियत की अनदेखी नहीं की जा सकती है। ग्लोबल डाटा के अनुसार वर्ष 2001 से 2016 तक कुल प्राप्य अन्वेषित परिमाण के लगभग आधे भाग का श्रेय गहरे और अति गहरे समुद्री संसाधन को दिया गया। गहरे समुद्र के प्रचालनों पर प्रचालकों के अधिक आशावादी दृष्टिकोण को जिसने और पुख्ता किया वह है अपतटीय रिग की दरों में कटौती तथा कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में वृद्धि है। सेनेगल और गुआना में की बड़ी खोज तथा मैक्सिको के गहरे समुद्र में गहरी रुचि और ब्राजील की प्री–साल्ट नीलामियां अपतटीय / गहन समुद्र अपस्ट्रीम व्यवसाय के नजरिए में परिवर्तन का संकेत देती हैं।

अपस्ट्रीम निवेशों तथा परियोजना एफआइडी

तेल एवं गैस कंपनियों ने वर्ष 2016 की तुलना में वर्ष 2017 में प्रचालनों में अधिक पूंजी की प्रतिबद्ध की है। इसके अलावा, वुड मैकेंजी के अनुसार वर्ष 2017 के उत्तरार्ध में 60 अमेरिकी डालर प्रति बैरल से अधिक के स्तर पर तेल की स्थिर कीमतों का निकट भविष्य में कीमतों में गिरावट न आने की भविष्यवाणियों के साथ पूंजी व्यय में वर्ष 2018 में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि होने की संभावना है। कंपनियों के बजट में वर्ष दर वर्ष 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अमेरिका का अपरंपरागत क्षेत्र और भी आशावान है।

वैश्विक ई एंड पी व्यय



वर्ष 2017 में अपस्ट्रीम ई एण्ड डी कैपेक्स 222 बिलियन अमेरिकी डालर था तथा इस बात की संभावना है कि वर्ष 2018 में यह 245 बिलियन अमेरिकी डालर से अधिक हो जाएगा।

अधिक अपस्ट्रीम गतिविधि की बढ़ी हुईचाहवर्ष 2017 में परियोजना अंतिम निवेश निर्णय (एफआईडी) की अधिक संख्या में परिलक्षित होती है। 12 बिलियन तेल समतुल्य बैरल से अधिक के संचयी भंडार के साथ वर्ष 2017 ने कुल 32 परियोजनाएं आयीं जिन्हें कार्यान्वयन के लिए अनुमोदित किया जा रहा है जो वर्ष 2016 के दौरान 14 और वर्ष 2015 के दौरान मात्र 9 की तुलना में उल्लेखनीय उछाल है। मई 2018 तक 15 परियोजनाओं के लिए एफआईडी प्राप्त हो जाने के साथ परियोजना अनुमोदन की गति वर्ष 2018 में भी जारी रहने की पूरी संभावना है।

फिटनेस टेस्ट पास करने वाली परियोजनाओं की संख्या निश्चित रूप से उद्योग जगत के लिए एक सकारात्मक पहलू है – परंतु आज की परियोजनाएं एक से अधिक दृष्टि से कुछ साल पहले की परियोजनाओं से काफी भिन्न हैं। सेवा क्षेत्र की लागतों में कटौती, आंतरिक पूंजी अनुशासन तथा प्रचालन में दक्षता से वर्ष 2017 में परियोजनाओं के हानि रहित औसत लागत में 20 प्रतिशत से अधिक की कटौती हुई है और अनुमान है कि वर्ष 2018 में इसमें 15 प्रतिशत की और गिरावट होगी।

परियोजनाएं छोटी भी होती जा रहीं हैं –वर्ष 2017 में प्रति परियोजना औसत व्यय एवं भंडार क्रमशः 2.7 बिलियन अमेरिकी डालर और 376 मिलियन बैरल था जो दोनों ही किसी एक दशक में सबसे कम है। पिछले दशक की प्रति परियोजना 5.5 बिलियन अमेरिकी डालर व्यय के साथ इसकी तुलना करें। इस प्रकार, जबकि परियोजना लागत में कटौती के कुछ भाग का श्रेय लागत अवस्फीति हो जाता है, कंपनियों ने भी जान बूझकर कम लागत वाली क्रियान्वयन रणनीति वाली ऐसी रणनीति अपनाई है जो तीव्र गति से नकदी प्रवाह सृजन की निष्पादन रणनीति अपनाई है। कंपनियां का भी झुकाव ब्राउनफील्ड क्रियान्वयन योजनाओं की ओर हो रहा है क्योंकि मौजूदा अवसंरचना से करार करने की क्षमता से अवसंचना सृजन के लिए नकद पूंजीगत व्यय कम हो जाता है। यह कहते हुए, विश्वस्तरीय भंडार और अच्छे भंडार वाली ग्रीनफील्ड गहन समुद्र परियोजनाएं (जैसे गुआना की लिज़ा और ब्राजील की लिब्रा) अभी भी आर्थिक रूप से विवेकसम्मत है। इन मे से कुछ का हानि रहित मूल्य अमेरिकी सख्त तेल के समकक्ष है।

हालांकि परियोजना अनुमोदन की दृष्टि से वर्ष 2017 सकारात्मक वर्ष था, आईएचएस – मार्किट के अनुसार 1.4–1.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन की संस्वीकृत क्षमता,भारी गिरावट से पूर्व वर्ष 2013 की संस्वीकृत क्षमता 2.7 मिलियन बैरल प्रतिदिन से काफी कम है।

लागत

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट से ऑयल फील्ड सेवा कंपनियों के व्यवसाय को काफी क्षति पहुंची है। इसके बाद सेवा क्षेत्र की लागतों की अवस्फीति उस प्रभाव की अभिव्यक्ति थी क्योंकि भारी डिस्काउंट तथा संविदा पर पुनर्वार्ता प्रचलन बन गई।

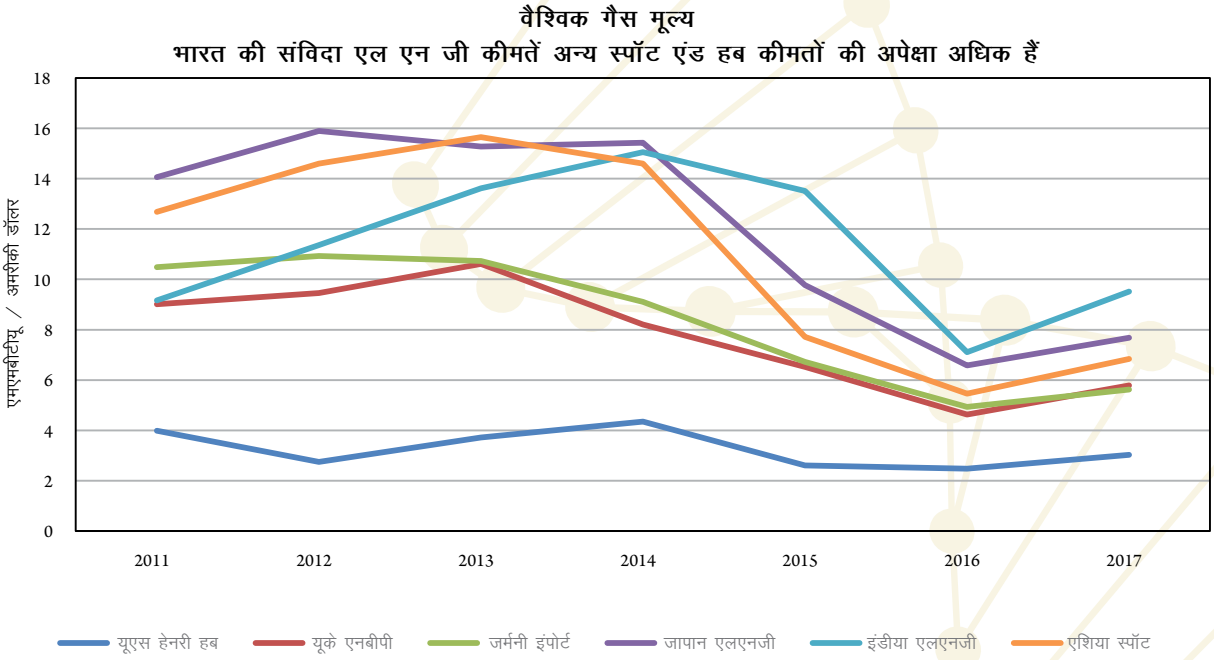
आईएचएस – मार्किट के अनुमानों के अनुसार वैश्विक स्तर पर नई तेल परियोजनाओं के विकास के लिए हानि रहित व्यापार करने की पूर्ण चक्र लागत वर्ष 2014 में 57 अमेरिकी डालर प्रति बैरल के वैश्विक औसत से घटकर वर्ष 2017 में 42 अमेरिकी डालर प्रति बैरल हो गई जो लगभग 25 प्रतिशत की गिरावट है। नए ऑयल फील्ड के विकास से संबद्ध लागत बचत 10 प्रतिशत से कम और 50 प्रतिशत के बीच है जो प्ले पर निर्भर करती है। आज अधिकांश प्रमुख वैश्विक तेल खेलों का हानिरहित व्यापार 60 अमेरिकी डालर प्रति बैरल से कम है, जबकि वर्ष 2014 में कीमतों में गिरावट से पूर्व यह 90 अमेरिकी डालर प्रति बैरल था। यहॉ तक कि अमेरिकी शेल बाजार, जिसे कीमतों में गिरावट के प्रभाव का भार वहन करना था, ने वर्ष 2014 में हानिरहित व्यापार लागत को 75 अमेरिकी डालर प्रति बैरल से घटकर वर्ष 2017 में 44 अमेरिकी डालर प्रति बैरल होते देखा।

निम्नतर रिग दरों तथा समुद्र तल लागतों की बदौलत मूल्य गिरावट अवधि के दौरान गहन समुद्र की इकाई लागतों में भारी कमी हासिल की गयी है। औसत लीडिंग एज रिग दरें वर्ष 2014 की दरों से करीब 65 प्रतिशत कम है। उथला जल अपतटीय फील्ड हानिरहित मूल्य वर्ष 2014 के औसतन 44 अमेरिकी डालर प्रति बैरल से घटकर वर्ष 2018 में 25 अमेरिकी डालर प्रति बैरल हो गईं, जबकि गहरे समुद्र परियोजनाओं के लिए हानिरहित व्यापार की पूर्ण चक्र लागत वर्ष 2014 में औसतन 60 अमेरिकी डालर प्रति बैरल से घटकर वर्ष 2018 में 34 अमेरिकी डालर प्रति बैरल हो गई। परंतु तेल की कीमतों में फिर से उछाल और सेवा क्षेत्र की आवश्यकताओं में वृद्धि के साथ बड़ा प्रश्न जिसका कंपनियों को अगले दो वर्षों में उत्तर देना चाहिए, यह है कि पिछले 4 वर्षों में लागत में जो बचत हुई है उसमें से कितना अधिक मूल्य परिवेश में बना रह सकता है। वुड मैकेंजी के अनुसार अमेरिका के अपरंपरागत स्पेस के बाहर, चक्रीय पूंजी एवं प्रचालन लागत में अधिकांश कटौतियों को दशक के अंत तक बरकरार रखा जा सकता है परंतु संभवतः इससे और आगे तक नहीं। अमेरिका के सख्त तेल बाजार में भी, जैसा कि सेवा क्षेत्र की बढ़ती दरों के कारण लागत बचत समाप्त हो रही है, उत्पादकता तथा दक्षता के लाभ उस लागत वृद्धि के बड़े भाग को प्रतितुलित कर सकते हैं। मध्यम अवधि में अपतट आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है – आईईए के ऑफशोर एनर्जी आउटलुक के अनुसार वर्ष 2025 तक तेल और गैस की अपतटीय परियोजनाओं के लिए औसत पूंजी लागत अपतटीय रिग की अधिक आपूर्ति के कारण वर्ष 2014 के स्तर से 25 प्रतिशत कम पर बनी रह सकती है।

वैश्विक गैस एवं एलएनजी

उभरते एनर्जी मैट्रिक्स में 'सेतु ईंधन' के रूप में गैस की भूमिका की कहानी में अनिश्चितता का घटक जुड़ गया है हालांकि यह जीवाष्म ईंधनों में सबसे तेजी से विकास कर रहा है और सबसे स्वच्छ दहन है। यह अनेक प्रकार के कारकों की देन है : यूरोप के मुख्य भूभाग में उत्पादन क्षीण होना जिसने इसे उच्च निर्यात के लिए निर्धारित किया है और इसकी वजह से रूस पर बढ़ती निर्भरता; एशिया के मांग केन्द्रों में अपर्याप्त घरेलू संसाधन आधार और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा। इसका अभिप्राय यह है कि विशाल संसाधन, प्रौद्योगिकी में उन्नति, बाजार चालित अर्थव्यवस्था तथा मजबूत मांग के कारण उत्तरी अमेरिका में गैस का भविष्य अधिक सुरक्षित प्रतीत होता है।

यूरोप में गैस परिदृश्य के और जटिल होने का कारण यह है कि यह महाद्वीप जलवायु परिवर्तन की नीतियों को सक्रियता से लागू कर रहा है जो ऐसे देशों में भी दीर्घ अवधि में इसके विस्तार पर प्रतिबंध लगाने का काम करता है जो कोयला और परमाणु ऊर्जा को पहले से ही समाप्त कर रहे हैं। विविध



राजनीतिक एवं भू–राजनीतिक हितों के कारण गैस का पाइपलाइन परिवहन भी निष्पादन के महत्वपूर्ण जोखिमों से भरा हुआ है। इसका एक उदाहरण गजप्रोम की 55 बिलियन घन मीटर क्षमता की नाड्रस्ट्रीम 2 पाइपलाइन है जो यूरोपीय संघ के अंदर ढेरों विवाद पैदा कर चुकी है क्योंकि देश घरेलू ऊर्जा सुरक्षा तथा रूसी गैस पर यूरोप की निर्भरता घटाने के बीच नाजुक संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। ऊर्जा के लिए एशिया की लालसा को देखते हुए यह गैस निर्यात करने वाले अधिकांश देशों के लिए फोकस बिंदु बना हुआ है। हालांकि विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस आयातक के रूप में जापान को पछाड़ने के लिए चीन तैयार है और भारत गैस की खपत बढ़ाने के लिए आक्रामक लक्ष्य निर्धारित कर रहा है जो पिछले कुछ वर्षों में एलएनजी के आयात में वृद्धि से परिलक्षित होता है, इंडोनेशिया और मलेशिया जैसे देशों के साथ दक्षिण पूर्व एशिया भी दीर्घावधिक एलएनजी मांग वृद्धि के लिए केन्द्र के रूप में उभर रहा है। सस्ते कोयले की प्रचुरता, अवसंरचना निर्माण की गति और आयात की कीमतें इसके विकास के मार्ग में संभावित बाधाएं हैं।

एलएनजी के वैश्विक व्यापार ने वर्ष 2017 में अपनी विकास दर को बनाए रखा तथा आईएचएस – मार्किट डाटा के अनुसार 11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वर्ष दर वर्ष आधार पर परिमाण में 297 मिलियन मीट्रिक टन की वृद्धि हुई। अधिकांश मांग एशियाई उपभोक्ताओं से आई हैं तथा वृद्धिमूलक परिमाण में चीन का हिस्सा 40 प्रतिशत से अधिक था। वर्ष 2017 के कुल व्यापार आयतन में एशियाई आयात का हिस्सा 70 प्रतिशत से अधिक था।

तथापि, एलएनजी उद्योग को परियोजना एफआईडी पर अपने वर्तमान गतिरोध का कोई समाधान शीघ्रता से ढूंढना चाहिए – पिछले दो वर्षों में केवल तीन परियोजनाओं को आगे बढ़ने की मंजूरी प्रदान की गई। परियोजनाओं का अभाव न केवल अधिक आपूर्ति की संभावना को धुंधला करता है अपितु यह अगले कुछ वर्षों में सख्त बाजार की संभावना में भी भारी वृद्धि करता है जिससे कीमतों में उछाल का मार्ग प्रशस्त होता है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के साथ एलएनजी की कीमतों में उछाल के कारण निष्क्रियता की लंबी अवधि एलएनजी की भावी मांग को कम करेगी। भारद 2017–18 में एशियाई एलएनजी कीमतें बढ़कर 11 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू से अधिक हो गईं जो ग्रीष्म स्तर से दोगुना से अधिक और तीन वर्षों में सबसे अधिक कीमत है।

विलय एवं अधिग्रहण

आईएचएस मार्किट की रिपोर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की बेहतर कीमतों की पृष्ठभूमि में लगातार दूसरे वर्ष विलय एवं अधिग्रहण की वैश्विक गतिविधि में फिर से उछाल आया। विशेष रूप से वर्ष के शुरुआती भाग में अधिक सौदे हुए क्योंकि कीमतें 50 अमेरिकी डालर से ऊपर पहुंच गईं; तथापि आगामी तिमाहियों में गति धीमी पड़ गई क्योंकि बाजारों में अस्थिरता वापस लौट आई और क्रेताओं एवं विक्रेताओं की अपेक्षाएं लेनदेन के उचित मूल्य पर भिन्न होने लगीं।

आईएचएस–मार्किट के अनुसार पूर्ण वर्ष के लिए कुल लेनदेन मूल्य में साधारण वृद्धि हुई और यह 160 बिलियन अमेरिकी डालर के करीब पहुंच गया। लगातार दूसरे वर्ष परिसंपत्ति सौदा मूल्य में काफी वृद्धि हुई और यह 112 बिलियन अमेरिकी डालर हो गया जो तीन वर्षों में सर्वाधिक है, जबकि कॉरपोरेट सौदों की संख्या 25 थी जो पिछले 15 वर्षों में सबसे कम है तथा केवल एक सौदे का मूल्य 10 बिलियन अमेरिकी डालर से अधिक था।

परिसंपत्ति सौदों का दबदबा तेल की वर्तमान कीमतों में उछाल से जुड़ी अनिश्चितता को दर्शाता है क्योंकि कंपनियां ऐसे पोर्टफोलियो जो मिश्रित परिणाम दे सकता है, में जाने की बजाए रणनीतिक मूल्य प्लस अधिग्रहण को पसंद करती हैं।

नवीकरणीय ऊर्जा

कीमतों में गिरावट तथा विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (चीन, भारत, ब्राजील) में ऊर्जा विकास के लिए कम कार्बन सघन पथ के लिए मजबूत प्रतिबद्धताओं की पृष्ठभूमि में सौर ऊर्जा के नेतृत्व में वर्ष 2017 में नवीकरणीय ऊर्जा ने मजबूत विकास का एक और वर्ष देखा। यूएनईपी की वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा रुझान रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2017 में 157 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा अधिष्ठापित की गई जो वर्ष 2016 में 143 गीगावाट की तुलना में अधिक है और पिछले साल 70 गीगावाट की दूरस्थ आउट स्ट्रिपिंग निवल जीवाष्म ईंधन उत्पादन क्षमता शामिल की गई। अकेले सौर ऊर्जा की 98 गीगावाट क्षमता अधिष्ठापित की गई जो वर्ष के दौरान आनलाइन आयी निवल नई विद्युत क्षमता का 38 प्रतिशत है।

वर्ष 2016 के दौरान नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश 2 प्रतिशत बढ़कर 279.8 बिलियन अमेरिकी डालर हो गया जिससे वर्ष 2004 से संचयी निवेश 2.9 ट्रिलियन अमेरिकी डालर पर पहुंच गया। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं ने वर्ष 2016 में 177 बिलियन अमेरिकी डालर की प्रतिबद्धता की जो विकसित देशों के लिए 103 बिलियन अमेरिकी डालर की प्रतिबद्धता से 20 प्रतिशत अधिक है, तथा विकसित देशों की प्रतिबद्धता विकासशील देशों से 19 प्रतिशत कम है। पवन और सौर ऊर्जा की घटती लागतों तथा कच्चे तेल की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि (और हाईड्रोकार्बन क्षेत्र में व्यवसाय करने की भूख के साथ) की पृष्ठभूमि में इस क्षेत्र में निवेश बढ़ना जारी रहा जो इस बात की पुष्टि करता है कि ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा को शामिल करना यहां बने रहने के लिए है और भावी ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इसकी क्षमता ने वैश्विक स्तर पर स्वीकृति प्राप्त की है।

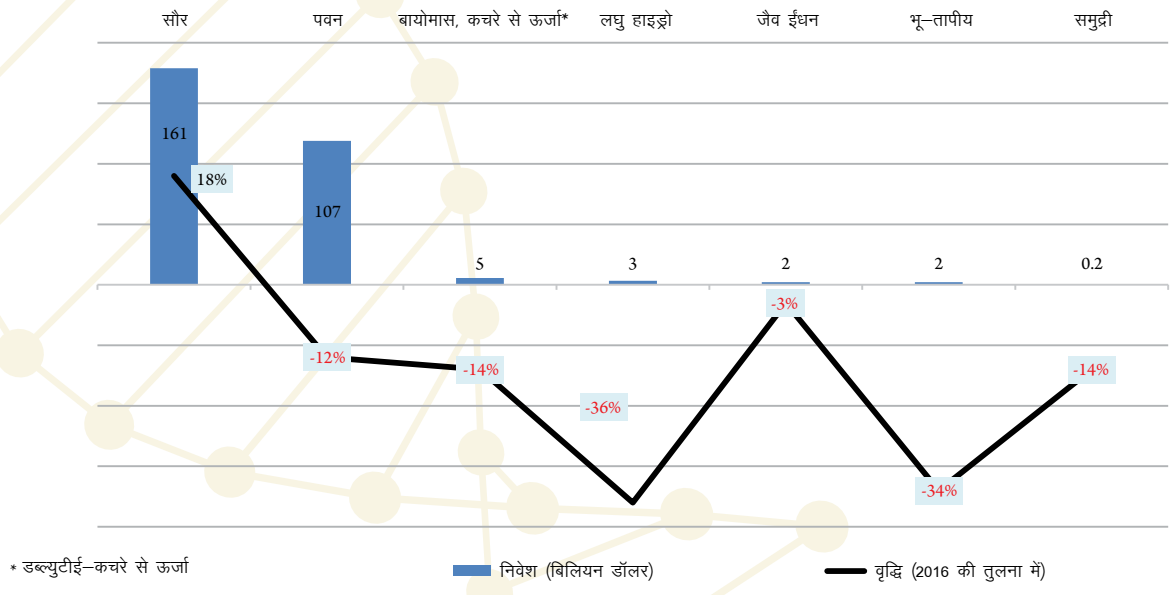
नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के लिए संभावना हमारे देश में काफी है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार भारत में 100 मीटर की हब हाइट पर 300 गीगावाट से अधिक पवन ऊर्जा क्षमता है, ~750 गीगावाट की सौर ऊर्जा क्षमता है यदि यह मान लें कि 3 प्रतिशत बंजर भूमि उपलब्ध कराई जाती है तथा लघु जल विद्युत क्षमता ~20 गीगावाट है। मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार देश में नवीकरणीय विद्युत उत्पादन (बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं सहित) की अधिष्ठापित क्षमता 114.31 गीगावाट है जो 344 गीगावाट की कुल अधिष्ठापित क्षमता का 33.23 प्रतिशत है। देश की सीओपी 21 प्रतिबद्धताओं के अंग के रूप में सरकार ने मार्च 2022 तक जल विद्युत से कुल 60 गीगावाट और अन्य आरईएस (बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं को छोड़कर) से 175 गीगावाट क्षमता प्राप्त करने की कार्य योजना बनाई है जिसमें सौर विद्युत से 100 गीगावाट, पवन विद्युत से 60 गीगावाट, बायोमास विद्युत से 10 गीगावाट और लघु जल विद्युत से 5 गीगावाट शामिल हैं।

जैसा कि इस क्षेत्र के आकार और कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो रही है, उद्योग के हितधारकों को कुछ महत्वपूर्ण प्रश्नों का समाधान करना चाहिए : किसी सब्सिडी या सरकारी सहायता के बगैर इस क्षेत्र की वाणिज्यिक दृष्टि से लाभप्रद होने की सामर्थ्य अनिरंतरता एवं बैटरी की लागतों का मुद्दा।

भू–राजनीति

वैश्विक तरल मांग बढ़ने और ओपेक एवं गैर ओपेक दोनों द्वारा कार्यान्वित उत्पादन कटौती की पृष्ठभूमि में आपूर्ति में कटौती के साथ बाजार के उत्तरोत्तर सख्त होने के कारण भू–राजनीति के हौआ ने वर्ष 2017 में वैश्विक तेल बाजार में इसके पुनः प्रकटन को संभव बनाया। वास्तव में वर्ष 2017 के अंतिम तिमाही से वर्ष 2018 के अधिकांश पूर्वार्ध तक कच्चे तेल की कीमतों में स्थायी वृद्धि का भिन्न भू–राजनीतिक रुख पर प्रभाव हो सकता है –ईरान के परमाणु सौदे पर यूएस के परिवर्तित रवैये पर प्रतिक्रिया तथा मध्य पूर्व जो वर्तमान वैश्विक क्रूड सप्लाई में तीसरे स्थान पर है, में क्षेत्रीय तनाव में वृद्धि।

क्षेत्र और वृद्धिवार वैश्विक नवीन नवीकरणीय निवेश 2017



भू–राजनीतिक तनाव में वर्तमान वृद्धि ज्यादातर वर्ष 2015 के ईरान परमाणु सौदे से अमेरिका के पीछे हटने से उत्पन्न हुई है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ ईरान के पुनः एकीकरण को सुगम बनाया तथा इसमें मध्य पूर्व की जटिलताओं का भी योगदान है, जो ऐसा क्षेत्र है जो पिछले कुछ वर्षों में उथल–पुथल एवं अशांति का पर्याय बन गया है। हालांकि उद्योग विश्लेषक यह मानते हैं कि यूएस के नेतृत्व में वर्तमान प्रतिबंध पिछले प्रतिबंधों की तरह प्रभावी नहीं हो सकते हैं, जिसे अमेरिका –यूरोपीय संघ द्वारा एक साथ लागू किया था, जिससे ईरान का निर्यात लगभग 105 मिलियन बैरल प्रतिदिन घट गया था, अमेरिका द्वारा इस बार अधिक आक्रामक दृष्टिकोण अपनाया गया है जिस पर उसके सहयोगी ईरानी बैरल में कटौती करने की उसकी मांग पर कार्रवाई कर रहे हैं जिससे स्थिति अधिक अनिश्चित हो गई है।

क्षेत्र में चल रहे राजनयिक एवं व्यापार गतिरोध से मध्य पूर्व की तस्वीर और जटिल हो गई है जिसमें कतर तथा खाड़ी सहयोग परिषद के अन्य सदस्य तथा सऊदी तेल प्रतिस्थापनों पर यमन द्वारा हमलों का प्रयास शामिल है। इसके अलावा, सीरिया, लीबिया और यमन जैसे देशों में सरकारों की वैधता का अभाव जिसकी वजह से अस्थिर करने वाले गैर सरकारी संस्थाएं परिदृश्य में शामिल हो गयीं हैं, तेल एवं गैस क्षेत्र के लिए आज अनंत पीड़ा का स्रोत बन गया है। इसका एक उदाहरण लीबिया के उत्पादन का विकास पथ है। वेनेजुएला के उत्पादन में आश्चर्यजनक गिरावट, जहां उत्पादन में पिछले एक वर्ष में 5,00,000 बैरल प्रतिदिन से अधिक गिरावट हुई है और दिसंबर 2019 तक और 6,00,000 बैरल प्रतिदिन गिरावट होने का अनुमान है, वैश्विक तेल बाजार की स्थिरता के लिए अधिक निकटस्थ जोखिम है।

हालांकि अमेरिका से आपूर्ति की प्रचूरता ने हाल के समय में ओपेक देशों के अंदर बिगड़ती हालतों के पूर्ण प्रभाव से बाजार को बचा लिया है, लंबी अवधि में जब शेल का उत्पादन बढ़ती मांग को पूरा करने में असमर्थ हो जाएगा, हाईड्रोकार्बन की दृष्टि से विश्व के सबसे समृद्ध क्षेत्रों में से एक में बिगड़ती स्थितियों का समाधान न होने का कच्चे तेल के बाजार पर और अधिक गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

3. भारतीय ऊर्जा परिदृश्य

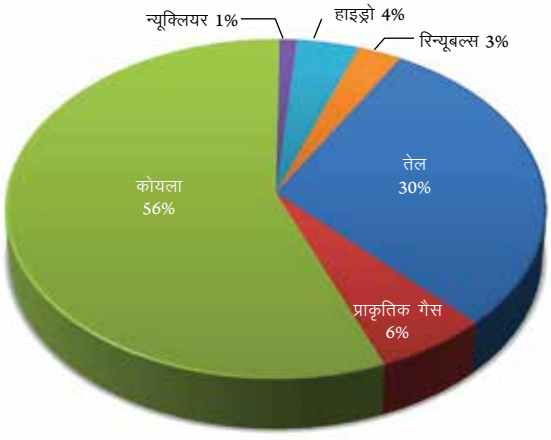
मजबूत ऊर्जा मांग मजबूत अर्थव्यवस्था का द्योतक होती है और भारत की ऊर्जा मांग की रुझान स्पष्ट रूप से इसकी पुष्टि करती है। पिछले 10 वर्षों में (अंतिम वर्ष 2016), भारत की ऊर्जा मांग 1.7 प्रतिशत के वैश्विक औसत की तुलना में 5.7 प्रतिशत सीएजीआर की दर से बढ़ी है। भविष्य में अर्थव्यवस्था के पटरी पर आने के साथ मांग बढ़ने की संभावना है। आईईए वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक 2017 के अनुसार नई नीतियों के परिप्रेक्ष्य में भारत की प्राथमिक ऊर्जा खपत वर्ष 2016 के लगभग 900 मिलियन टन तेल समतुल्य से बढ़कर वर्ष 2040 मे 1900 मिलियन टन तेल समतुल्य (3.2 प्रतिशत सीएजीआर) होना तय है।

हालांकि हमारा ऊर्जा बास्केट प्राथमिक रूप से कोयला के नेतृत्व में जीवाष्म ईंधन आधारित बना हुआ है, जीवाष्म ईंधन के लिए मांग में वृद्धि दीर्घ अवधि में नवीकरणीय ऊर्जा के लिए मांग में वृद्धि से कम होने का अनुमान है। नवीकरणीय ऊर्जा के विकास की दर 13 प्रतिशत प्रतिवर्ष से अधिक होने का अनुमान है – तेल एवं कोयला दोनों के लिए 3 प्रतिशत मांग वृद्धि से इसकी तुलना करें। तथापि, स्वच्छ कार्बन प्रोफाइल होने तथा सरकारी प्राथमिकता की पृष्ठभूमि में इसके बढ़ते एकीकरण, आवश्यक अवसंरचना के तेजी से निर्माण तथा सस्ते एवं विविध आपूर्ति स्रोतों तक पहुंच के कारण भावी घरेलू अर्थव्यवस्था में गैस की मजबूत भूमिका देखी जा रही है। सरकार ने गैस के शेयर को वर्तमान में लगभग 6 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2030 तक 15 प्रतिशत करने का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया है। गैस क्षेत्र का विस्तार अनेक राष्ट्रीय प्राथमिकताओं की आवश्यकताओं को कारगर ढंग से पूरा करता है – हमारी अर्थव्यवस्था की कार्बन सघनता को सीमित करना, रोजगार के विशाल अवसर सृजित करना, औद्योगिक गतिविधि को सुगम बनाना और घरेलू ई एण्ड पी गतिविधि को बहाल करना।

बीपी एनर्जी आउटलुक के अनुसार, दीर्घ अवधि में नवीकरणीय ऊर्जा के लिए मांग में उछाल के बावजूद ईंधन मिश्रण का उद्भव एक क्रमिक मामला बना हुआ है जिसमें जीवाष्म ईंधन का शेयर ऊर्जा बास्केट में 85 प्रतिशत से अधिक बना हुआ है (वर्तमान में 90 प्रतिशत से अधिक)।

देश के ऊर्जा मिश्रण के अंग के रूप में हाइड्रोकार्बन के निरंतर महत्व के मद्देनजर आयात पर अत्यधिक निर्भरता देश को अनेक बाहरी कारकों के अधीन करती है। कच्चे तेल का बढ़ता आयात हमारी ऊर्जा अर्थव्यवस्था की एक स्थायी एवं कष्टप्रद विशेषता रही है। हालांकि वित्त वर्ष 2016 और वित्त वर्ष 2017 के दौरान कच्चे तेल की कम कीमतों ने वित्त वर्ष 2016 और वित्त वर्ष 2017 के दौरान बढ़ते आयात के प्रभाव को प्रतितुलित किया, वित्त वर्ष 2018 में कीमतें बढ़ने के साथ वही पीड़ा वापस आ गई। ओएनजीसी जैसी सरकारी अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए सब्सिडी साझेदारी से संबंधित शाश्वत अनिश्चितता कच्चे तेल की ऊंची कीमतों की अवधियों के दौरान पुनः सामने आ गई। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने तेल की ऊंची कीमतों तथा तंगहाल वित्तीय स्थितियों का हवाला देते हुए कलेंडर वर्ष 2018 के लिए भारत की विकास दर 7.3 प्रतिशत रहने की भविष्यवाणी की जबकि पहले उसने 7.5 प्रतिशत की भविष्यवाणी की थी।

भारत की ऊर्जा बास्केट–2017



2022 तक आयात में 10 प्रतिशत कटौती करने का प्रधानमंत्री का लक्ष्य घरेलू ऊर्जा क्षेत्र में इस मुद्दे की विशालता का स्पष्ट वर्णन है। मजबूत घरेलू हाईड्रोकार्बन उत्पाद इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए अनिवार्य आवश्यकता बन गया है। इन परिस्थितियों में देश के सबसे अग्रणी ऊर्जा अन्वेषक के रूप में ओएनजीसी की भूमिका का महत्व और बढ़ गया है।

हालांकि पिछले वर्षों में ओएनजीसी का वर्ष दर वर्ष उत्पादन निष्पादन स्थिर बना रहा और रिजर्व संचय का लेखा जोखा भी समान रूप से सकारात्मक रहा, हमने वर्ष 2022 तक आयात में कटौती के लक्ष्य में परिणामी योगदान करने के उद्देश्य से अधिक चुनौतीपूर्ण उत्पादन मील का पत्थर एवं अन्वेषण बेंचमाक्र तैयार किया है।

पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा प्रगतिशील सुधारों और नीतिगत घोषणाओं ने भी घरेलू ई एण्ड पी क्षेत्र के समय से जीर्णोद्धार के लिए परिवेश सृजित किया है। नई लाइसेंस व्यवस्था (एचईएलपी) दुर्गम फील्ड से विकसित गैस के लिए प्रीमियम मूल्य, डिस्कवड्र स्माल फील्ड (डीएसएफ) बिड राउंड तथा खुलारकबा लाइसेंस नीति (ओएएलपी) नीलामियों की शुरुआत अधिक व्यवसाय हितैशी प्रशासनिक ढांचा तथा लाभप्रद प्रचालन परिवेश का सुझाव देती है।

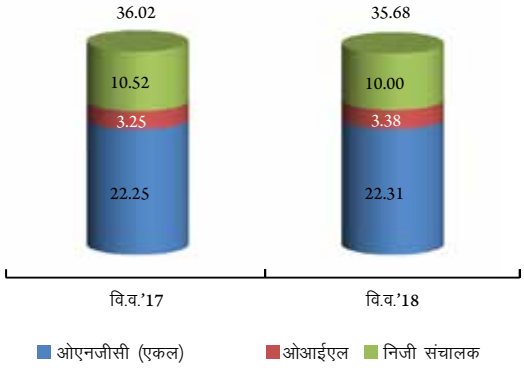
इस क्षेत्र में हाल के परिणामों को उत्साहवर्धक कहा जा सकता है। डीएसएफ बोली दौर में अपस्ट्रीम क्षेत्र में नई कंपनियों का प्रवेश हुआ है, जबकि ओएएलपी नीलामियों को हाईड्रोकार्बन क्षेत्र के परंपरागत खिलाड़ियों से अच्छा प्रत्युत्तर मिला। ओएनजीसी के नेतृत्व में घरेलू हाईड्रोकार्बन पुनर्मूल्यांकन कार्यक्रम से हाईड्रोकार्बन संसाधन की मात्रा (1995 में अनुमानतः 28.1 बिलियन टन तेल समतुल्य) 41.8 बिलियन टन तेल समतुल्य हो गई है। राष्ट्रीय 2डी भूकंपी कार्यक्रम जिसमें ओएनजीसी लीड एजेंसी है, अपस्ट्रीम क्षेत्र में अन्य महत्वपूर्ण पहल है जो इस समय जारी है। वर्ष 2019–20 तक पूर्ण हो जाने की संभावना वाले कार्यक्रम से कंपनियों के लिए भावी बोली चक्रों को अधिक आकर्षक होना चाहिए।

कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस का उत्पादन

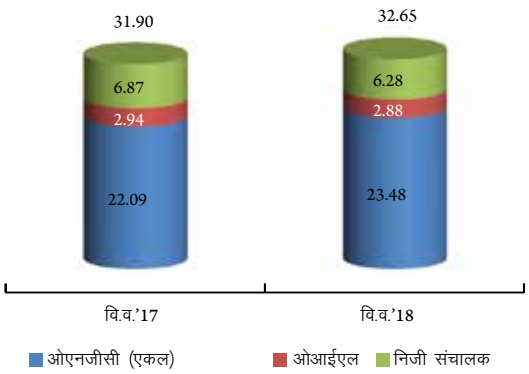
वित्त वर्ष 2018 में कच्चे तेल का घरेलू उत्पादन 35.68 मिलियन मीट्रिक टन था जबकि वित्त वर्ष 2017 के दौरान इसका उत्पादन 36.02 मिलियन मीट्रिक टन था। अकेले ओएनजीसी का उत्पादन 22.31 मिलियन मीट्रिक टन था, जबकि वित्त वर्ष 2017 में इसका उत्पादन 22.25 मिलियन मीट्रिक टन था। ऑयल इंडिया लिमिटेड तथा पीएससी / जेवी से उत्पादन क्रमशः 3.38 मिलियिन मीट्रिक टन और 10 मीलियन मीट्रिक टन था।

वित्त वर्ष 2018 में प्राकृतिक गैस का उत्पादन बढ़कर 32.65 बिलियन घन मीटर हो गया जो पिछले तीन वर्षों में सर्वाधिक है, जबकि वित्त वर्ष 2017 में इसका उत्पादन 31.90 बिलियन घन मीटर था। ओएनजीसी के घरेलू उत्पादन में 6 प्रतिशत से अधिक वृद्धि (23.48 बिलियन घन मीटर) के कारण ऐसा हुआ जिससे ऑयल इंडिया (2.88 बिलियन घन मीटर) तथा अन्य निजी प्रचालकों (6.28 बिलियन घन मीटर) से उत्पादन में गिरावट प्रतितुलित हुई।

खनिज तेल उत्पादन (एमएमटी में)



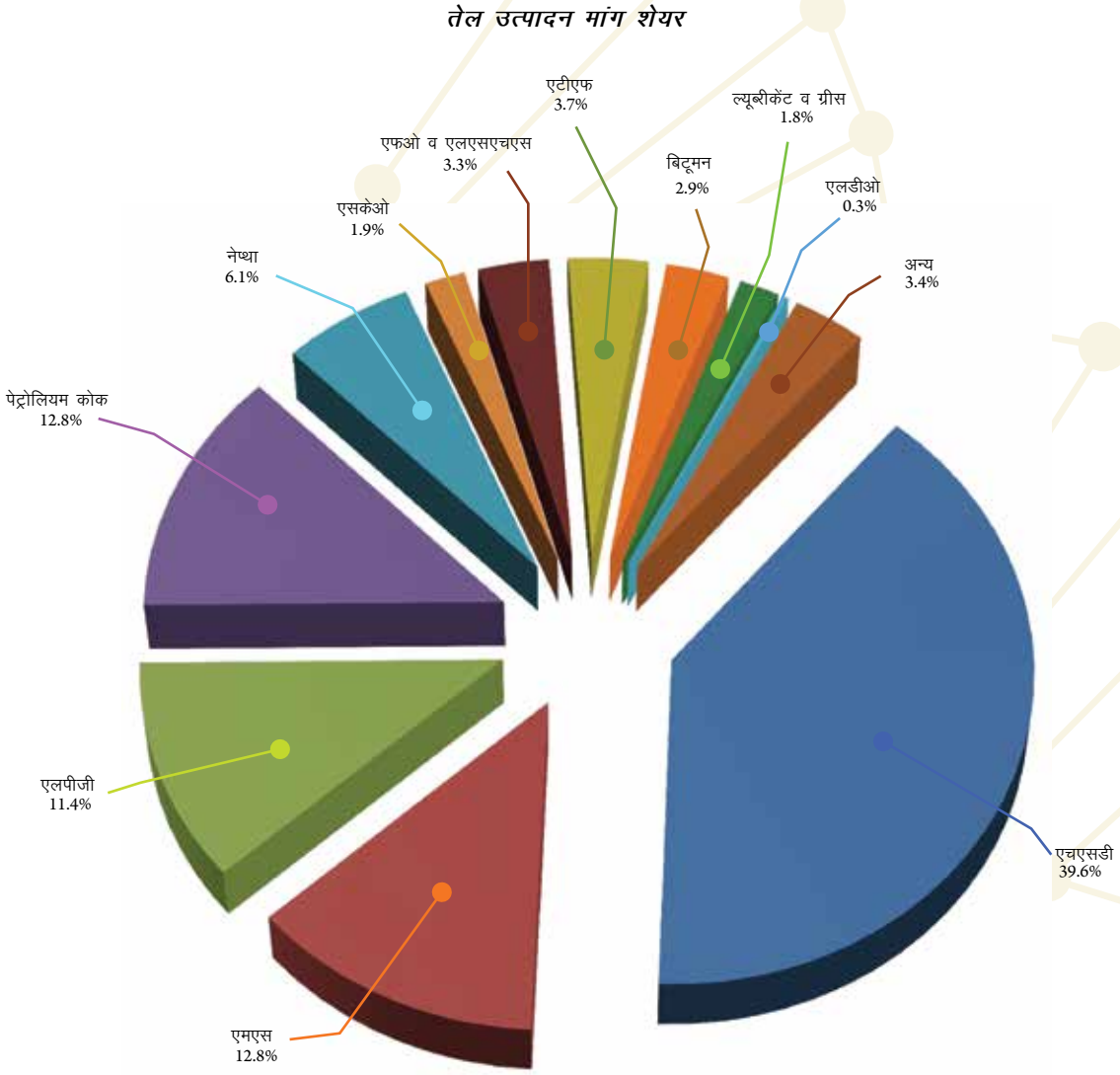
गैस उत्पादन (बीसीएम में)



पेट्रोलियम उत्पादों की खपत

वित्त वर्ष 2018 में घरेलू लिक्विड खपत की कुल मात्रा 205 मिलियन मीट्रिक टन थी जो वित्त वर्ष 2017 में खपत की मात्रा से 5.3 प्रतिशत अधिक है। लगातार दूसरे वर्ष तेल उत्पादन मांग वित्त वर्ष 2016 में दर्ज 11 प्रतिशत से अधिक मांग वृद्धि को पूरा करने में असफल रही क्योंकि अर्थव्यवस्था ने नोटबंदी तथा जीएसटी की राष्ट्रव्यापी शुरुआत के दोहरे प्रभावों को समायोजित किया। मांग घटने के बावजूद विकास 10 वर्षों के औसत (4.8 प्रतिशत) से ऊपर बना रहा।

डीजल सबसे अधिक मांग वाला उत्पाद बना रहा तथा कुल उत्पाद मात्रा में इसका हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत रहा। वित्त वर्ष 2017 में भारी मंदी के बाद आर्थिक एवं विनिर्माण की गतिविधियां फिर से शुरू होने, राज्यों में विधानसभा चुनावों तथा वाणिज्यिक वाहनों की जोरदार बिक्री की पृष्ठभूमि में औद्योगिक ईंधन के लिए मांग में वृद्धि हुई (+6.6 प्रतिशत)। अन्य प्रमुख उत्पादों में पेट्रोल (+10.1 प्रतिशत), एलपीजी (+8 प्रतिशत) और पेट्रोलियम कोक (+9.3 प्रतिशत) के उपभोग में अच्छी वृद्धि हुई, जबकि नाफ्था एवं केरोसिन की मांग घटी। भविष्य में, आईएचएस–मार्किट ने आर्थिक विकास में निरंतर उछाल, प्रमुख



राज्य एवं आम चुनावा क मद्दनजर सरकारा व्यय म वृाद्ध, आर सहायक नीतियों, विशेष रूप से एलपीजी की पैठ से संबंधित नीति के जारी रहने की अपेक्षाओं पर वर्ष 2018 और वर्ष 2019 में मजबूत उत्पाद मांग पथ के वापस लौटने का अनुमान व्यक्त किया है, हालांकि तेल की ऊंची कीमतें उपभोक्ता ईंधनों के विकास पर थोड़ा अंकुश लगा सकती हैं।

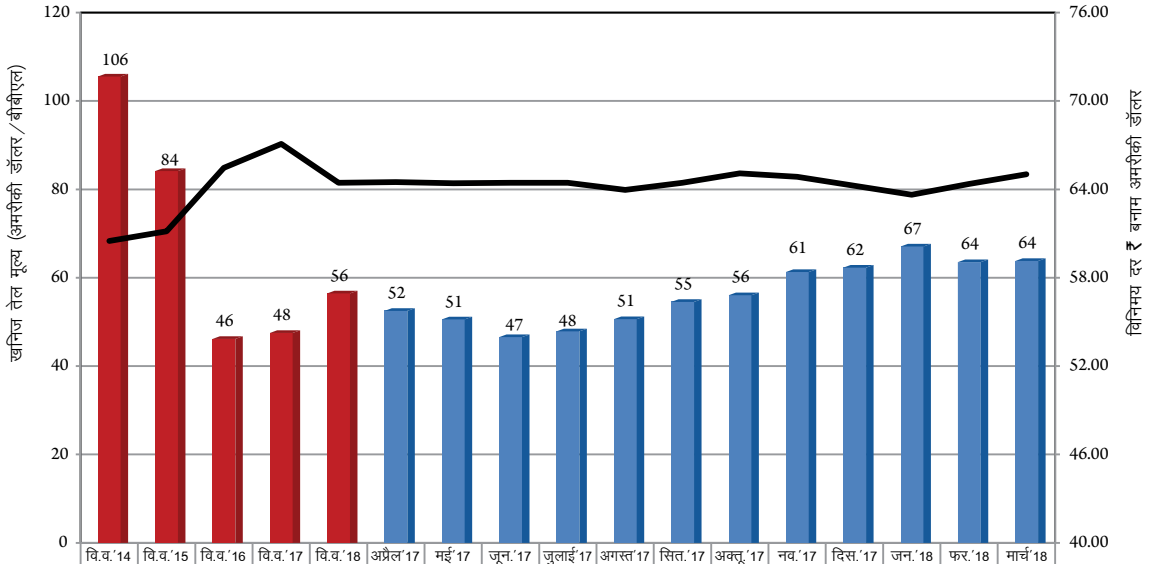
आयात और निर्यात

वित्त वर्ष 2018 में कच्चे तेल का आयात 3 प्रतिशत बढ़कर 220.4 मिलियन मीट्रिक टन पर पहुंच गया जो 6 प्रतिशत से अधिक विकास के दशकीय सीएजीआर के आधे से कम है। देश में समग्र रूप से मंदी के कारण ऐसा हो सकता है जिसकी वजह से हर क्षेत्र में मांग सुस्त हुई। तथापि, घरेलू मांग में मजबूती आने के साथ अगले दो वर्षों में आयात बढ़ने की उम्मीद है। तेल उत्पादों का आयात वित्त वर्ष 2018 में थोड़ा घटकर 36 मिलियन मीट्रिक टन के आसपास था।

ावत्त वष 2018 क लए कच्च तल क आयात का मूल्य 5659.51 बिलियन रुपए (87.76 बिलियन अमेरिकी डालर) था जबकि वित्त वर्ष 2017 के दौरान इसका मूल्य 4701.59 बिलियन रुपए (70.19 बिलियन अमेरिकी डालर) था। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से विदेशी मुद्रा की बचत घट गई है जो वित्त वर्ष 2016 और वित्त वर्ष 2017 के दौरान सरकारी खजाने को प्राप्त हुई थी। पिछले दो वर्षों में कच्चे तेल के आयात पर अमेरिकी डालर में व्यय में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

वित्त वर्ष 2017 में 36.28 मिलियन मीट्रिक टन की तुलना में वित्त वर्ष 2018 में पेट्रोलियम उत्पादों का आयात 35.89 मिलियन मीट्रिक टन था। वित्त वर्ष 2017 में 65.51 मिलियन मीट्रिक टन की तुलना में वित्त वर्ष 2018 में 66.75 मिलियन मीट्रिक टन का निर्यात हुआ। उत्पाद के आयात में गिरावट के बावजूद वित्त वर्ष 2018 के लिए आयात का मूल्य वित्त वर्ष 2017 की तुलना में 26.4 प्रतिशत अधिक था, जो उत्पाद की कीमतों में वृद्धि तथा डालर की तुलना में रुपए के अवमूल्यन के कारण हुआ।

खनिज तेल मूल्यः भारतीय बास्केट



	वि.व.'14	वि.व.'15	वि.व.'16	वि.व.'17	वि.व.'18	अप्रैल'17	मई'17	जून.'17	जुलाई'17	अगस्त'17	सित.'17	अक्तू.'17	नव.'17	दिस.'17	जन.'18	फर.'18	मार्च'18
कच्चे तेल का मूल्य (यूएसडी/बीबीएल)	105.52	84.16	46.17	47.56	56.43	52.49	50.57	46.56	47.86	50.63	54.52	56.06	61.32	62.29	67.06	63.54	63.80
विनिमय दर (यूएसडी बनाम ₹)	60.50	61.15	65.46	67.09	64.44	64.50	64.42	64.44	64.45	63.96	64.44	65.08	64.86	64.24	63.63	64.37	65.02

कच्चे तेल की कीमत : भारतीय बास्केट

भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की कीमत वित्त वर्ष 2018 के दौरान औसतन 56.43 अमेरिकी डालर प्रति बैरल (3636 रुपए प्रति बैरल) थी, जबकि पिछले वित्त वर्ष (2017) में इसकी कीमत 47.56 अमेरिकी डालर प्रति बैरल (3191 रुपए प्रति बैरल) थी। जनवरी 2016 में 12 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर पहुंचने के बाद, जब इसका मूल्य घटकर 30 अमेरिकी डालर प्रति बैरल हो गया, आज कच्चे तेल की कीमतें 2016 के पूर्वार्ध की तुलना में दोगुना से अधिक हो गई हैं। तथापि, ये 4 वर्ष पहले की तुलना में अभी भी काफी कम हैं, जब कीमतें लगातार औसतन 100 अमेरिकी डालर प्रति बैरल से अधिक बनी रहीं।

इसका अभिप्राय यह है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें व्यापक विकास एवं अवसंरचना योजना वाले देश के राजकोष पर अनुचित दबाव डालती हैं। इंडिया रेटिंग से एक रिसर्च नोट के अनुसार, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से भारत के चालू खाता घाटा (सीएडी)– निर्यात की तुलना में माल एवं सेवाओं का आयात अधिक होना – बढ़कर मार्च 2019 में समाप्त हो रहे वर्तमान वित्त वर्ष में 22 बिलियन अमेरिकी डालर से 31 बिलियन अमेरिकी डालर के बीच पहुंचने की संभावना है।

संवेदनशील उत्पादों पर कम वसूलियां

वित्त वर्ष 2018 के लिए संवेदनशील ईंधनों (एसकेओ एवं एलपीजी) पर कम वसूली (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना सहित) 282.37 बिलियन अमेरिकी डालर थी जो वित्त वर्ष 2017 (227.38 बिलियन अमेरिकी डालर) की तुलना में 24.2 प्रतिशत अधिक है। इससे पिछले 4 वित्त वर्षों की गिरावट की रुझान परिवर्तित हो गई है। तथापि, यह वित्त वर्ष 2017 की सर्वाधिक की तुलना में 80 प्रतिशत अधिक है जब कम वसूली की कुल मात्रा 1610 बिलियन रुपए थी।

कम वसूलियों को बढ़ाना सरकार के लिए विशेष रूप से ऐसे समय में राजकोषीय तनाव का स्रोत है जब तेल उत्पादों के मांग में उछाल आने की संभावना है। यदि कीमतें इस स्तर पर बनी रहती हैं तो वास्तविक कम वसूलियां आसानी से वित्त वर्ष 2019 के लिए पेट्रोलियम सब्सिडी के लिए सरकारी आवंटन को लांघ जाएंगी, जो पूरे वर्ष के लिए कच्चे तेल की 57.50 अमेरिकी डालर प्रति बैरल कीमत के साथ 249 बिलियन रुपए है। बैंक ऑफ अमेरिका–मेरिल लिंच द्वारा बजट पश्चात रिपोर्ट के अनुसार, 62.50 अमेरिकी डालर प्रति बैरल पर कच्चे तेल की औसतन कीमतों को देखते हुए 2018–19 के लिए कम वसूलियों की मात्रा 363 बिलियन अमेरिकी डालर है।

राज्य अपस्ट्रीम कंपनियों से पिछले तीन वित्त वर्षों में से केवल एक में कम वसूलियों के लिए व्यय को साझा करने की अपेक्षा थी जिसमें सरकार कम वसूली की काफी भरपाई कर रही है (वित्त वर्ष 2016 से वित्त वर्ष 2018 तक 729.26 बिलियन रुपए की कुल संयुक्त राशि) तथापि, कच्चे तेल की लगातार ऊंची कीमत मौजूदा गतिकी को परिवर्तित कर सकती है

कम वसूलियों को साझा करना (बिलियन रुपए में)			
	वि.व.'16	वि.व.'17	वि.व.'18
सरकार	263.01	197.28	256.28
अपस्ट्रीम	12.51	0	0
तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी)	0.18	0	0

घरेलू गैस की कीमतें

हमारे गैस बाजार को विनियमित मूल्य व्यवस्था से अलग करने के उद्देश्य से नवंबर 2014 में सरकार द्वारा घरेलू गैस की कीमतें संशोधित की गई ताकि अधिक बाजार उन्मुख संरचना का

निर्माण हो सके और प्रतिस्पर्धी एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संबद्ध मूल्य के साथ घरेलू फील्ड का विकास संभव हो सके।

तथापि, पिछले कुछ वर्षों में बाजार में मंदी जिसने वैश्विक ऊर्जा उत्पाद मूल्य को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया, के कारण घरेलू गैस का व्युत्पन्न मूल्य घटा है। यह अधिकांश घरेलू अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए चिंता का विषय है क्योंकि वर्तमान कीमतें पंजीकरण – युग फील्ड के लिए सरकार द्वारा निर्धारित गैस की पूर्व मौजूदा कीमतों से कम हैं।

संशोधन से पूर्व गैस की कीमतें	4.2 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू (एनसीवी आधार पर)
संशोधन पश्चात गैस की कीमतें (एनसीवी आधार पर)	
1 नवंबर 2014 – 31 मार्च 2015	5.61 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू
1 अप्रैल 2015 – 30 सितंबर 2015	5.18 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू
1 अक्तूबर 2015 – 31 मार्च 2016	4.24 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू
1 अप्रैल 2016 – 30 सितंबर 2016	3.40 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू
1 अक्तूबर 2016 – 31 मार्च 2017	2.78 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू
1 अप्रैल 2016 – 30 सितंबर 2016	2.75 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू
1 अक्तूबर 2017 – 31 मार्च 2018	3.21 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू
1 अप्रैल 2018 – 30 सितंबर 2018	3.40 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू

देश में संवहनीय आर्थिक विकास के लिए सरकार की योजनाओं में गैर संसाधनों के महत्व को देखते हुए विशेष मूल्य निर्धारण की अनुमति प्रदान की गई ताकि वैकल्पिक ईंधनों की उतराई लागत के आधार पर परिकलित कीमतों पर एक सीलिंग के साथ दुर्गम क्षेत्रों (उच्च दाब, उच्च तापमान, गहरे समुद्र और अल्ट्रा गहरे समुद्र) में स्थित देशी गैस संसाधनों का मुद्रीकरण संभव हो सके।

एचपी–एचटी / डीप / अल्ट्रा गहरे समुद्र से गैस के लिए सीलिंग प्राइस (जीसीवी आधार पर)	
1 अप्रैल 2016 – 30 सितंबर 2016	6.61 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू
1 अक्तूबर 2016 – 31 मार्च 2017	5.30 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू
1 अप्रैल 2016 – 30 सितंबर 2016	5.56 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू
1 अक्तूबर 2017 – 31 मार्च 2018	6.30 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू
1 अप्रैल 2018 – 30 सितंबर 2018	6.78 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू

घरेलू गैस हब :

घरेलू गैस के लिए जो सही कीमत है उसके इर्द गिर्द उद्योग के अंदर लगातार दलीलों के मद्देनजर एक घरेलू गैस हब की स्थापना उपयोगी लक्ष्य है जिसे बढ़ते घरेलू गैस बाजार के बृहद हित में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। यह न केवल पारदर्शी एवं उचित मूल्य वसूली तंत्र को संभव बनाता है जो कंपनियों, विक्रेताओं और क्रेताओं समान रूप से अधिक भागीदारी को प्रेरित करता है, अपितु अवसंरचना सृजन (पाइपलाइन, भंडारण, गैर भरण सुविधाएं आदि) की गति भी तेज करता है।



ओएनजीसी के एक अपतटीय कूप अंकलेश्वर में कूप उत्प्रेरण का कार्य प्रगतिशील

हाईड्रोकार्बन अन्वेषण लाइसेंस नीति (एचईएलपी) :

भारतीय तलछटी बेसिन में तेल एवं गैस का उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने संकल्प दिनांक 30 मार्च 2016 के माध्यम से हाईड्रोकार्बन अन्वेषण एवं लाइसेंस नीति (एचईएलपी) नामक एक नई अन्वेषण एवं लाइसेंस नीति बनाई एवं अनुमोदित की है जिसके द्वारा परंपरागत एवं गैर परंपरागत तेल एवं गैस संसाधनों सहित सभी हाईड्रोकार्बन संसाधनों के अन्वेषण एवं निष्कर्षण के लिए ई एण्ड पी प्रचालकों को एकसमान लाइसेंस प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

एचईएलपी के अनुसरण में सरकार ने पेट्रोलियम संसाधनों का अन्वेषण, खोज और वाणिज्यिक उत्पादन करने का अधिकार प्राप्त करने हेतु प्रतिस्पर्धी बोलियां प्रस्तुत करने के लिए कंपनियों को आमंत्रित किया। इस नई लाइसेंस व्यवस्था के कुछ प्रमुख पहलू इस प्रकार हैं: खुला रकबा लाइसेंस, सभी प्रकार के हाईड्रोकार्बन के लिए एकसमान लाइसेंस, राजस्व हिस्सेदारी माडल, विपणन एवं मूल्य निर्धारण की छूट, अपतटीय फील्ड के लिए कम रॉयल्टी, संविदा अवधि के दौरान लगतार अन्वेषण आदि।

खुलारकबा लाइसेंस नीति (ओएएलपी):

एचईएलपी रूपरेखा को लागू करने के लिए भारत सरकार ने खुला रकबा लाइसेंस कार्यक्रम (ओएएलपी) शुरू किया जिसमें अपस्ट्रीम प्रचालकों को क्षेत्र का उल्लेख करते हुए रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) प्रस्तुत करके किसी समय राष्ट्रीय डाटा रिपाजिटरी (एनडीआर) में उपलब्ध डाटा के आधार पर संविदा के लिए अपनी पसंद के ब्लाकों के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति होगी। ओएएलपी से संविदाओं (पेट्रोलियम प्रचालन संविदा तथा आवीक्षण संविदा) चुनने के लिए अखंड एवं वर्ष पर्यंत जी एण्ड जी डाटा पहुंच एवं लोच के माध्यम से घरेलू अपस्ट्रीम क्षेत्र में प्रचालन के आकर्षण में वृद्धि होने की उम्मीद है। अब तक सरकार ने ओएएलपी बोली के दो चक्र आयोजित किए हैं। ओएएलपी–1 में 55 ब्लाकों के लिए 9 कंपनियों से कुल 110 बोलियां प्राप्त हुई, जो डीजीएच द्वारा उपलब्ध कराए गए थे। ओएनजीसी ने 37 ब्लाकों (30 ब्लाक प्रचालक के रूप में और 7 ब्लाक संयुक्त उद्यम साझेदार के रूप में) के लिए ई–बोली प्रस्तुत की। ओएएलपी–2 के लिए ईओआई प्रस्तुत करने के लिए विंडो 16 नवंबर 2017 से 15 मई 2018 तक खुली थी। ओएनजीसी ने 7 ब्लाकों के लिए ईओआई प्रस्तुत की है।

आविष्कृत लघु फील्ड नीति :

सरकार ने लघु एवं सीमांत फील्डों के विकास को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से वर्ष 2015 में सीमांत फील्ड नीति (एमएफपी) घोषित की जो उस समय तक वाणिज्यिक दृष्टि से लाभप्रद नहीं माने जाते थे। नई नीति के आधार पर आविष्कृत लघु फील्ड (डीएसएफ) के दो बोली चक्र आयोजित किए जा चुके हैं।

डीएसएफ–I (2016) : इसकी घोषणा मई 2016 में हुई तथा डीजीएच द्वारा फरवरी 2017 में परिणाम घोषित किए गए। 9 तलछट बेसिनों में फैले 67 तेल एवं गैस फील्ड (61 फील्ड पहले ओएनजीसी को आवंटित किए गए थे) वाले कुल 46 संविदा क्षेत्र संभावित बोलीदाताओं को प्रस्तावित किए गए। 34 संविदा क्षेत्रों के लिए कुल 134 ई–बोलियां प्राप्त हुईं। 31 संविदा क्षेत्रों के लिए 22 कंपनियों (एकल रूप में या कंसोर्टियम में) को छांटा गया। इन 22 कंपनियों में से 15 कंपनियां ई एण्ड पी सेक्टर के लिए नई कंपनियां हैं। सौंपे गए सभी फील्डों से 15000 बैरल प्रतिदिन तेल और दो एमएमएससीएमडी गैस का संचयी पीक उत्पादन होने का अनुमान है।

डीएसएफ–II (2018) : भारत सरकार ने 5 अप्रैल 2018 को डीएसएफपी के दूसरे चक्र को अधिसूचित किया। वर्तमान बोली चक्र के तहत 26 संविदा क्षेत्र प्रस्तुत किए गए जिसमें 1.4 बिलियन तेल समतुल्य बैरल के स्थान पर अनुमानित कुल हाईड्रोकार्बन के साथ 8 तलछट बेसिनों में 3100 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल में 60 लघु फील्ड शामिल हैं। इनमें से 46 फील्ड पहले ओएनजीसी को आवंटित थे।

प्रचालनात्मक निष्पादन:

वित्त वर्ष 2018 के लिए पीएससी–जेवी तथा विदेशी परिसंपत्तियों सहित ओएनजीसी ग्रुप का तेल एवं गैस उत्पादन 64.21 मिलियन मीट्रिक टन तेल समतुल्य गैस था, जबकि वित्त वर्ष 2017 के दौरान उत्पादन 61.64 मिलियन मीट्रिक टन तेल समतुल्य गैस था। ओएनजीसी द्वारा प्रचालित घरेलू फील्ड का तेल एवं गैस उत्पादन में बड़ा योगदान –क्रमशः 64 प्रतिशत और 80 प्रतिशत था।

पिछले 5 वर्षों के दौरान घरेलू एवं विदेशी परिसंपत्तियों से तेल एवं गैस उत्पादन की प्रोफाइल नीचे दी गई है:

तेल एवं गैस उत्पादन	वित्त वर्ष 2018	वित्त वर्ष 2017	वित्त वर्ष 2016	वित्त वर्ष 2015	वित्त वर्ष 2014
कच्चे तेल का उत्पादन (मिलियन मीट्रिक टन में)	**34.79**	**33.99**	**31.44**	**31.47**	**31.49**
ओएनजीसी	22.31	22.25	22.36	22.26	22.25
संयुक्त उद्यम में ओएनजीसी का शेयर	3.13	3.29	3.57	3.68	3.75
ओएनजीसी विदेश	9.35	8.43	5.51	5.53	5.49
प्राकृतिक गैस का उत्पादन (बिलियन घन मीटर में)	**29.42**	**27.65**	**25.94**	**26.86**	**27.72**
ओएनजीसी	23.48	22.09	21.18	22.02	23.29
संयुक्त उद्यम में ओएनजीसी का शेयर	1.13	1.18	1.35	1.50	1.56
ओएनजीसी विदेश	4.81	4.37	3.41	3.34	2.87

प्रमाणित भंडार

आपकी कंपनी के प्रमाणित भंडारों की स्थिति नीचे दी गई है :

प्रमाणित भंडार (मिलियन टन तेल समतुल्य गैस)	वित्त वर्ष 2018	वित्त वर्ष 2017	वित्त वर्ष 2016	वित्त वर्ष 2015	वित्त वर्ष 2014
अनुमानित निवल प्रमाणित ओ+ओईजी भंडार	**982.01**	**928.16**	**909.34**	**936.44**	**961.91**
ओएनजीसी	683.46	696.47	691.28	711.24	724.13
संयुक्त उद्यम का शेयर	11.42	14.46	18.59	22.56	30.65
ओएनजीसी विदेश	287.13	271.23	199.47	202.64	207.13

वित्तीय निष्पादन: ओएनजीसी (एकल)

(₹ मिलियन में)

विवरण	वित्त वर्ष 2018	वित्त वर्ष 2017	वृद्धि / (कटौती) का प्रतिशत
राजस्व :			
कच्चा तेल	603,899	548,036	10.19
प्राकृतिक गैस	137,372	139,398	(1.45)
मूल्य वर्धित उत्पाद	104,531	87,461	19.52
अन्य प्रचालन राजस्व	4,239	4,183	1.34
प्रचालनों से कुल राजस्व:	**850,041**	**779,078**	**9.11**
अन्य आय	78,836	76,763	2.70
ईबीआईडीटीए	448,712	386,267	16.17
पीबीटी	288,925	252,155	14.58
पीएटी	**199,453**	**179,000**	**11.43**
ईपीएस	15.54	13.95	11.40
प्रति शेयर लाभांश	6.60	6.05*	9.09
निवल मूल्य**	1,933,847	1,855,384	4.23
निवल मूल्य पर प्रतिफल का प्रतिशत	10.31	9.65	6.84
नियोजित पूंजी	984,459	1,185,309	(16.94)
प्रयुक्त पूंजी पर प्रतिफल का प्रतिशत	27.04	20.87	29.56
योजना व्यय	729,016	280,064	160.30

*बोनस पश्चात समायोजित
** अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर इक्विटी लिखतों के लिए रिजर्व शामिल है

ओएनजीसी समूह

(₹ मिलियन में)

विवरण	वित्त वर्ष 2018	वित्त वर्ष 2017	वृद्धि / (कटौती) का प्रतिशत
प्रचालनों से राजस्व :	**3,622,462**	**3,256,662**	**11.23**
अन्य आय	74,681	93,232	(19.90)
ईबीआईडीटीए	643,338	621,268	3.55
पीबीटी	392,075	417,175	(6.02)
पीएटी	**260,680**	**291,691**	**(10.63)**
– कंपनी के स्वामियों को आरोप्य लाभ	221,059	244,192	(9.47)
– गैर नियंत्रक अधिकारों पर आरोप्य लाभ	39,621	47,499	(16.59)
ईपीएस	17.23	19.03	(9.46)
निवल मूल्य**	2,040,189	1,943,852	4.96
निवल मूल्य पर प्रतिफल का प्रतिशत	10.84	12.56	(13.69)
नियोजित पूंजी	1,844,539	1,649,004	11.86
नियोजित पूंजी पर प्रतिफल का प्रतिशत	21.49	24.35	(11.75)

*वित्त वर्ष 2017 में एचपीसीएल के अधिग्रहण का फिर से उल्लेख किया गया
** अन्य व्यापक आय के माध्यम से अंतिम मूल्य पर इक्विटी लिखतों के लिए रिजर्व शामिल है

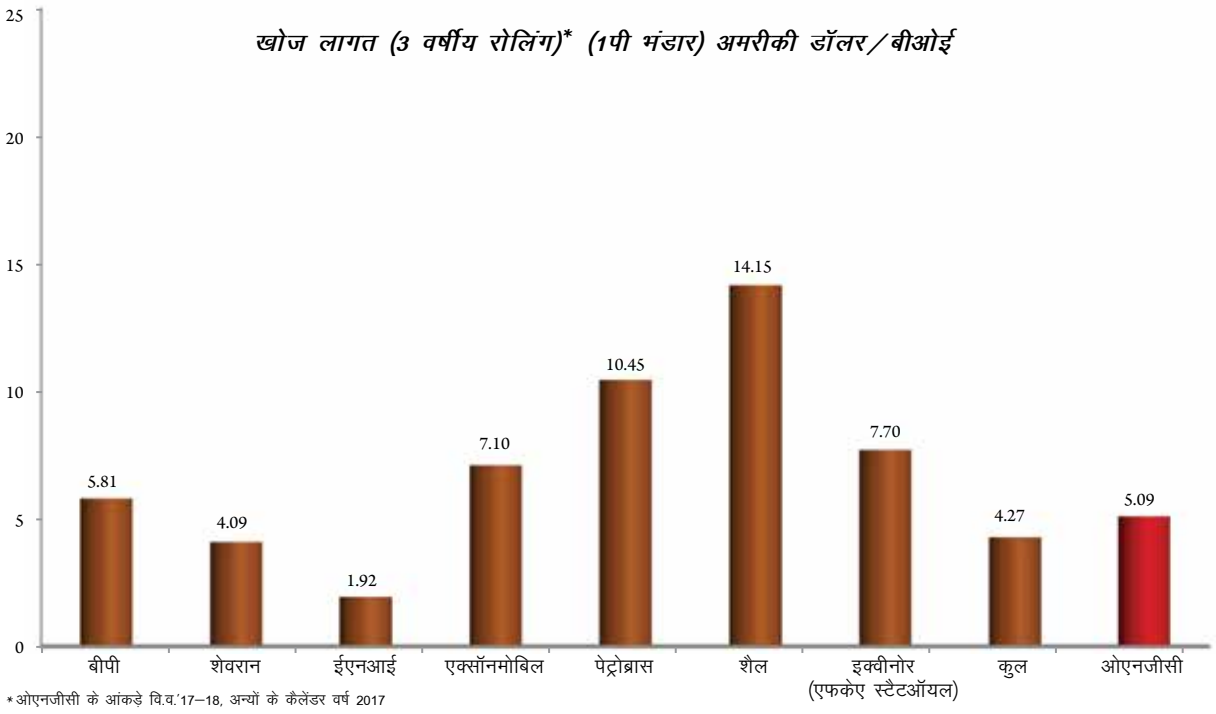
समकक्ष समीक्षा

वित्त वर्ष 2018 में ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) के निष्पादन की तुलना में आपकी कंपनी का वित्तीय निष्पादन नीचे दिया गया है :

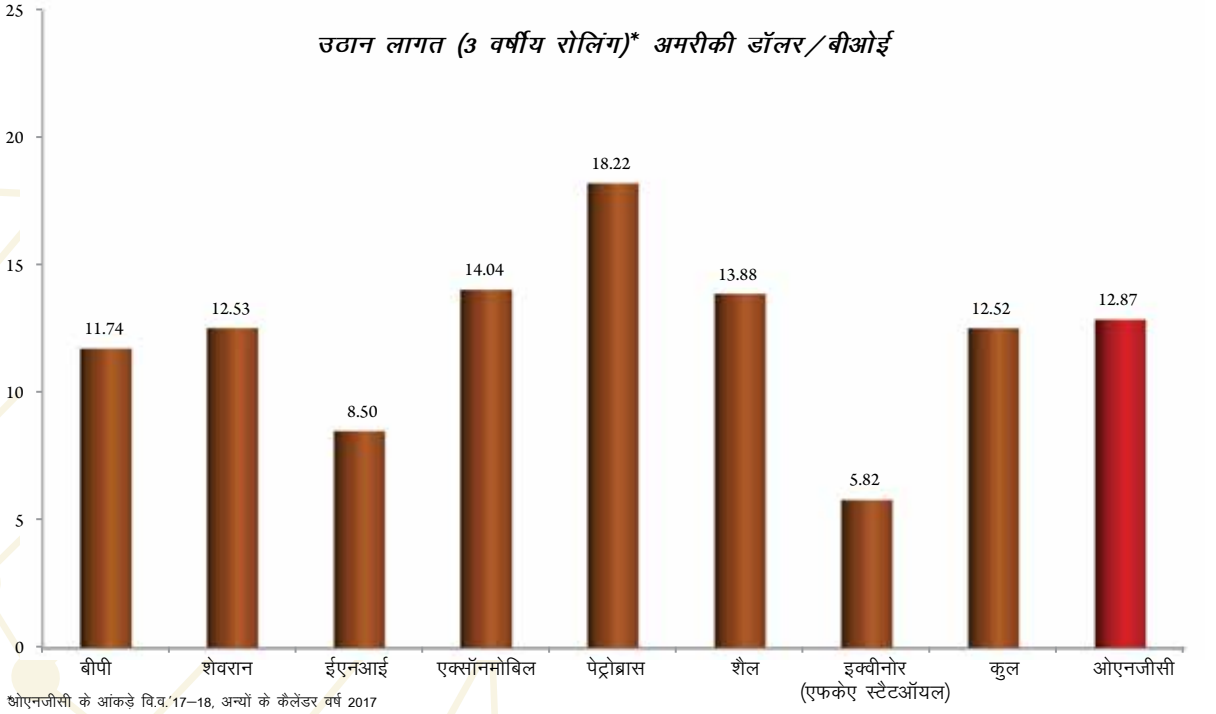
(मिलियन रूपयें में)	ओएनजीसी	ओआईएल
राजस्व	8,50,041	106,565
कर पश्चात लाभ (पीएटी)	1,99,453	26,679
निवल मूल्य	19,33,847	279,094

ओएनजीसी की अन्वेषण लागत (अमेरिकी डालर / तेल समतुल्य बैरल) का रोलिंग तीन वर्षीय औसत 5.09 अमेरिकी डालर प्रति तेल समतुल्य बैरल रहा है जो अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय अपस्ट्रीम प्रचालकों की तुलना में बेहतर है।

ओएनजीसी के संबंध में तीन वर्षों के लिए उठान लागत का रोलिंग औसत (अमेरिकी डालर / तेल समतुल्य बैरल) 12.87 अमेरिकी डालर प्रति बैरल रहा है जो अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय अपस्ट्रीम कंपनियों से तुलनीय है।



*ओएनजीसी के आंकड़े वि.व.'17–18, अन्यों के कैलेंडर वर्ष 2017



*ओएनजीसी के आंकड़े वि.व.'17–18, अन्यों के कैलेंडर वर्ष 2017

4. अवसर एवं चुनौतियां

बाजार की अस्थिरता अधिकांश ऊर्जा कंपनियों के लिए एक वास्तविक एवं निरंतर चुनौती है। बाजार की अस्थिरता, ज्यादातर, कीमतों में अत्यधिक उतार चढ़ाव का पर्याय है। वर्ष 2014 से लेकर वर्ष 2017 की अधिकांश अवधि तक सुस्पष्ट रूप से कम कीमतों की विस्तारित अवधि ने इस क्षेत्र से कई बिलियन डालर के निवेश पूरी तरह से नष्ट कर दिया – जिससे न केवल कंपनियों के विकास पर जोखिम मंडराने लगा, अपितु अनेक संप्रभु कंपनियों, विशेष रूप से ऐसी कंपनियों की स्थिति भी खतरे में पड़ गया जो ज्यादातर

ऊर्जा निर्यात से संबंधित राजस्व पर निर्भर हैं। हालांकि अनुमानों में अंतर है, कच्चे तेल की कम कीमतों के कारण 800 बिलियन अमेरिकी डालर से 1 ट्रिलियन अमेरिकी डालर के आसपास अपस्ट्रीम पूंजी व्यय आस्थगित या निरस्त हुआ है। अल्प अवधि में इस स्तर के पूंजी फ्रीज के प्रभाव अगले कुछ वर्षों में भावी तेल एवं गैस आपूर्तियों की पाइपलाइन की संकीर्णता में अभिव्यक्त हो सकते हैं।

ऐसे परिदृश्य में अन्वेषण पर कम व्यय (परंपरागत हाईड्रोकार्बन अन्वेषण व्यय 2017 में न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया) और एकल डिजिट परियोजना एफआईडी एक महत्वपूर्ण जोखिम है और बाजार को अत्यधिक ऊंची कीमतों के दूसरे छोर पर ले जा सकती है। आईएचएस – मार्किट का यह अनुमान है कि ऊर्जा की मांग को पूरा करने के लिए वर्ष 2040 में कंपनियों द्वारा 43 मिलियन बैरल प्रतिदिन नया खनिज तेल उत्पादित करने की आवश्यकता हो सकती है।

आईईए ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि मांग और आपूर्ति की रुझानें सख्त वैश्विक तेल बाजार का संकेत देती हैं और वर्ष 2015 एवं वर्ष 2016 की दो वर्षीय निवेश मंदी के मद्देनजर वर्ष 2022 में अतिरिक्त उत्पादन क्षमता घटकर 14 वर्ष के न्यूनतम स्तर तक पहुंच सकती है।

यदि घरेलू बाजार को देखें तो आयात पर निर्भरता के हमारे स्तर को देखते हुए तेल की कम कीमतें श्रेयस्कर हैं क्योंकि यह देश को बजटीय सहूलियत प्रदान करती है। तथापि, यह देशी हाईड्रोकार्बन संसाधनों के विकास को बाधित भी करता है जिससे आयात पर हमारी निर्भरता और बढ़ती है। इसका अभिप्राय यह है कि ऐतिहासिक दृष्टि से ऊंची कीमतों के जवाब में तेल की मांग अनिवार्य रूप से संकुचित नहीं हुई है – अनिवार्य रूप से महत्वपूर्ण अदृश्य मांग तथा हमारी अर्थव्यवस्था के विकास चरण को दर्शाती है।

अगले दो दशकों के लिए भारत को वैश्विक ऊर्जा मांग विकास का केन्द्र माना जा रहा है। कहा गया है कि तेल और गैस दोनों की आवश्यकताएं इस अवधि के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करेंगी। मांग में इस तीव्र विस्तार को देखते हुए तथा विदेशी आपूर्तियों पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए, जो आयात पर निर्भरता घटाने के लिए प्रधानमंत्री के विजन के साथ संरेखित है, ओएनजीसी इन्हें अपने पूंजी कार्यक्रम और परियोजना निवेश के लिए एक काउंटर चक्रीय दृष्टिकोण अपनाया है। हाल के वर्षों में परियोजना एफआईडी और पूंजी व्यय में गिरावट की बृहद उद्योग व्यापी रुझान के विरुद्ध कंपनी ने वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 2017 तक लगभग 720 बिलियन रुपए की संयुक्त कैपेक्स प्रतिबद्धता के साथ 17 परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए हैं। इन परियोजनाओं से उनकी प्रोफाइल अवधि के दौरान 67 मिलियन मीट्रिक टन और 118 बिलियन घन मीटर अतिरिक्त कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन की परिकल्पना है।

पिछले दशक में अपरंपरागत हाईड्रोकार्बन का त्वरित विकास अपने पोर्टफोलियो में वृद्धि के लिए परिपक्व बेसिन क्षेत्रों एवं परंपरागत भंडारों से आगे देखने के लिए सभी प्रकार एवं आकार के तेल एवं गैस कंपनियों के लिए जोरदार अवसर प्रस्तुत करता है। हालांकि उल्लेखनीय रूप से उर्वर अमेरिकी शेल उद्योग तथा कनाडियन ऑयल सैंड के पर्याप्त संसाधन आधार के नेतृत्व में उत्तरी अमेरिका हाईड्रोकार्बन के अंदर इस भूकंपीय शिफ्ट का केन्द्र है, अर्जेंटीना (वाका म्यूर्टा) और चीन (सिचुआन और फुलिंग) के गतिविधि एवं संसाधन आकार के वर्तमान स्तर के आधार पर प्राथमिक प्रतियोगी होने के कारण अन्यत्र परियोजनाओं की संभावना भी बढ़ रही है। हालांकि उत्तरी अमेरिका की सफलता अनिवार्य रूप से अन्य क्षेत्रों में रूपांतरित नहीं हो सकती है, तेल एवं गैस कंपनियों को भावी आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने के लिए संभावना की तलाश अवश्य करनी चाहिए।

हमारे देश में अपरंपरागत हाईड्रोकार्बन अभी भी बहुत शैशव अवस्था में है। ओएनजीसी 4 सीबीएम ब्लाकों का प्रचालन करता है जिसमें से बोकारो विकास के उन्नत चरण पर है। कंपनी शेल गैस की वाणिज्यिक संभाव्यता का पता लगाने के राष्ट्रीय अभियान का भी नेतृत्व कर रही है तथा गैस हाइड्रेट की संभावना तलाश रही है जो एनजीएचपी–02 अन्वेषण के उत्साहवर्धक परिणामों के मद्देनजर गेम चेंजर हो सकता है।

पिछले कुछ वर्षों में कीमतों में गिरावट के परिवेश ने कंपनियों को प्रचालन की दृष्टि से अधिक दक्ष बनने तथा परियोजना संस्वीकृत एवं निष्पादित करते समय कठोर पूंजी अनुशासन अपनाने के लिए मजबूर किया है। इसलिए कंपनियां अधिक जोखिम अधिक भंडार वाले दृष्टिकोण के स्थान पर आज हल्की बनने की फिराक में हैं। संवहनीय प्रचालन एवं व्यवसाय माडल सृजित करना ऐसा अवसर है जिसे कंपनियों को दूर दृष्टि के साथ वर्तमान परिस्थितियों में नहीं गंवाना चाहिए। आज परियोजना का हानिरहित प्रचालन लागत वर्ष 2014 के स्तर की तुलना में 30 से 40 प्रतिशत कम है। अन्वेषण में भी वैश्विक रुझान फील्ड के निकट अन्वेषण एवं आकलन की ओर अधिक है जो परंपरागत रूप से अधिक जोखिम, अधिक लाभ वाले वाइल्ड कैट की तुलना में प्रतिफल की अधिक सुनिश्चितता प्रदान करता है।

हालांकि ओएनजीसी के लिए अन्वेषण लागत हाल के वर्षों में काफी कम हो गई है, विरासत संविदाओं के साथ परिपक्व पोर्टफोलियो के कारण हमारे उत्पादन लागत के मामले में ऐसा नहीं है। तथापि, नई परियोजनाएं जैसे कि हमारी केजी गहरे समुद्र परियोजना निश्चित रूप से सेवा लागत तथा रिग हायरिंग लागत में कटौती से लाभान्वित होगी। तथापि, ऐसी कोई लागत अपस्फीति दुर्गम फील्डों के विकास में शामिल संभरणीय चुनौतियों तथा अधिक प्रचालनात्मक जटिलता के संदर्भ में निर्धारित होनी चाहिए जिसमें अधिक पूंजी के निवेश की आवश्यकता हो सकती है।

आज तक अभिभावी प्रमाणित उत्पादन क्षमता के बावजूद घरेलू हाईड्रोकार्बन प्रांत अगले कुछ वर्षों में तेल एवं गैस के अन्वेषकों के लिए बहुल्य संख्या में आकर्षक अवसर प्रस्तुत कर सकते हैं। हमारी तलछट बेसिनों अभी तक ज्यादातर कम अन्वेषित हैं; तथापि, एचईएलपी की शुरुआत, ओएएलपी बोली चक्रों के शुभारंभ और एक सुगम विनियामक दृष्टिकोण की वजह से हमारी बेसिनों में अपस्ट्रीम गतिविधियां बढ़ने की प्रबल संभावना है। राष्ट्रीय संसाधन पुर्नअनुमान पहल की समाप्ति के बाद हमारे हाईड्रोकार्बन संसाधन आधार काफी अपग्रेड हो गए हैं।

परंपरागत तेल एवं गैस कंपनियों द्वारा भावी विकास एवं मूल्य सृजन का खाका दृढ़ करने के उद्देश्य से मौजूदा व्यवसाय माडलों पर पुनर्विचार करने के लिए विंडो के रूप में भी वर्तमान परिदृश्य का उपयोग किया गया है। परिसंपत्ति विनिवेश कार्यक्रम जैसे कि गैस व्यवसाय पर अधिक ध्यान के लिए बीपी और रॉयल

डच शेल जैसी कंपनियों द्वारा शुरू किया गया कार्यक्रम, मूल विशेषज्ञता के अवसरों को दोगुना कम करना जैसे कि अपाचे का परिपक्व कार्यकाल परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए टिल्ट या मूल्य श्रृंखला एकीकरण – ये सभी नई रुझानों एवं सच्चाइयों के लिए मौजूदा रूपरेखाओं के इस अनुकूलन का द्योतक हैं।

वापस अपने देश लौटते हुए, ओएनजीसी ने सरकारी स्वामित्व वाले ओएमसी हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) का अधिग्रहण किया और अपने डाउनस्ट्रीम व्यवसाय के अधिकारों को और सुदृढ़ किया। घरेलू खनिज तेल बाजार के लिए मजबूत विकास के अनुमानों को देखते हुए एचपीसीएल का अधिग्रहण हमें विकास बाजार में निवेशित रहने और उसमें अवसरों को लाभ उठाने की अनुमति प्रदान करता है। एचपीसीएल और एमआरपीएल के साथ हमारी संयुक्त ग्रुप रिफाइनिंग क्षमता 15000 से अधिक रिटेल आउटलेट के साथ 40 एमएमटीपीए से अधिक है। यह सौदा भविष्य में समूह के लिए विभिन्न अवसर प्रस्तुत करता है। पहला, यदि सभी अनुकूल परिस्थितियां बनी रहती हैं तो अधिक संतुलित अपस्ट्रीम – डाउनस्ट्रीम पोर्टफोलियो तेल की कीमतों में अस्थिरता के विरुद्ध संरक्षण प्रदान करता है जिससे अधिक स्थिर अर्जन का मार्ग प्रशस्त होगा। दूसरा, ओएनजीसी और एचपीसीएल के संयुक्त तुलन पत्र की ताकत समूह को विशेष रूप से प्रतिस्पर्धी एवं भीड़भाड़ वाले वैश्विकऊर्जा बाजार में अधिक निवेश की आवश्यकताओं वाली अधिक महत्वाकांक्षी परियोजनाएं शुरू करने की अनुमति प्रदान कर सकती है। अंत में, एचपीसीएल और एमआरपीएल की संयुक्त शोधन क्षमता से अधिक उन्नत अंतर्राष्ट्रीय क्रूड प्रापण सौदा करने का अवसर है। साथ ही, विपणन एवं वितरण में संभावित प्रचालनात्मक दक्षताएं हैं जिनका दोनों कंपनियां उपयोग कर सकती हैं।

सभी प्रमुख एजेंसियों के अनुमानों के अनुसार केमिकल और पेट्रो केमिकल सेगमेंट अगले 15–20 वर्षों में तेल उद्योग में प्रमुख मांग चालक के रूप में उभर रहा है। पेट्रोकेमिकल व्यवसाय में ओपीएएल और ओएमपीएल की मौजूदगी हमारे डाउनस्ट्रीम पोर्टफोलियो के लिए महत्व प्रदान करती है। ओपीएएल जो विश्व में सबसे बड़े डुअल फीड क्रैकर में से एक है, के वित्त वर्ष 2019 के अंत तक 100 प्रतिशत संयंत्र उपयोग तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि ओएमपीएल के उत्पाद, जिसमें से लगभग 80 प्रतिशत उत्पाद निर्यात उन्मुख हैं, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में आला उपस्थिति दर्ज कर चुके हैं। एचपीसीएल ने विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से विशाल पेट्रोकेमिकल क्षमता स्थापित करने की भी योजना बनाई है। इनमें बाड़मेर में प्रस्तावित रिफाइनरी सह पेट्रोकेमिकल काम्प्लेक्स, गेल के साथ काकीनाडा में एक अन्य पेट्रोकेमिकल परियोजना तथा एचएमईएल रिफाइनरी में आगामी पेट्रोकेमिकल क्षमता शामिल हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, अधिकांश तेल एवं गैस फर्मों में नवीकरणीय ऊर्जा पर संकेन्द्रित चर्चा जिज्ञासु एवं उदार होने के स्थान पर अब एहतियाती और सर्वथा भय प्रसारक हो गई है। वैश्विक स्तर पर प्रौद्योगिकीय, आर्थिक एवं नीतिगत उन्नति (पेरिस में सीओपी–21) के त्वरित अभिसरण की पृष्ठभूमि में पिछले दशक में नवीकरणीय ऊर्जा में उछाल आया है। केवल अस्तित्व को लेकर ही खतरा नहीं है क्योंकि वैश्विक वाहन फ्लीट में ईवी की बढ़ती पैक तथा नवीकरणीय ऊर्जा से ऊर्जा मिश्रण में जीवाश्म ईंधनों का शेयर तेजी से समाप्त होने का खतरा है; जलवायु परिवर्तन के नए सरोकारों के कारण अपस्ट्रीम सेक्टर के लिए पूंजी की उपलब्धता घट रही है क्योंकि विश्व बैंक वर्ष 2019 की शुरुआत से अपस्ट्रीम गतिविधियों का वित्त पोषण बंद करने के लिए उद्यत है।

ऊर्जा के क्षेत्र में इन आसन्न परिवर्तनों के मद्देनजर भारत सरकार ने भारतीय ऊर्जा बास्केट में जैव ईंधन के लिए एक रणनीतिक भूमिका की परिकल्पना की है। हाल ही में अधिसूचित जैव ईंधन नीति 2018 इस क्षेत्र में सरकार द्वारा ध्यान दिए जाने का प्रमाण है। इस नीति के अनुसार 2030 तक पेट्रोल (वर्तमान में ~2 प्रतिशत) में 20 प्रतिशत एथनोल मिलाने और डीजल (वर्तमान में 0.1 प्रतिशत से कम) में 5 प्रतिशत बायो डीजल मिलाने का सांकेतिक लक्ष्य प्रस्तावित किया गया है। एचपीसीएल बायोफ्यूल लिमिटेड, जो एचपीसीएल की पूर्णतः स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, सुगौली एवं लौरिया में एकीकृत शुगर एथनोल कोजेन प्लांट का भी स्वामी है। कंपनी भटिंडा में सेकंड जनरेशन (2 जी) प्रौद्योगिकी आधारित एथनोल उत्पादन क्षमता में भी निवेश करने का प्रस्ताव कर रही है।

यद्यपि ओएनजीसी ईएण्डपी संकेन्द्रित कंपनी बनी रहेगी, हम अपने व्यवसाय की कार्बन सघनता का उपशमन करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं। हमारी 15 स्वच्छ विकास तंत्र (सीडीएम) परियोजनाएं हैं जो हमारे लिए 2 मिलियन सीईआर अर्जित कर चुकी हैं। हम ऐसी पहली कुछ घरेलू कंपनियों में से एक हैं जिन्होंने कार्बन तटस्थता का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य के अंग के रूप में हम पेपरलेस कार्यालय की ओर बढ़ रहे हैं, अपनी प्रतिष्ठापनों पर सोलर लाइटें लगा रहे हैं तथा वर्ष 2020 तक सभी लाइटों को एलईडी में परिवर्तित करने की योजना बनाई गई है। हमारे पास 153 मेगावाट पवन विद्युत का एक नवीकरणीय पोर्टफोलियो भी है।

सभी अनिश्चितता के बीच, जिनका ऊर्जा व्यवसाय को निकट भविष्य में मुकाबला करना चाहिए, आवश्यक परिवर्तन की अवधि में तेल एवं गैस कंपनियों की सामरिक रूपरेखा में प्रौद्योगिकी 'क्रिटिकल इनेबरल' के रूप में आती है। सही प्रौद्योगिकी के विवेकपूर्ण प्रयोग में कई प्रकार की स्थितियों में रामबाण के रूप में काम करने की क्षमता है – बढ़ती कीमतों के परिवेश में लागत वृद्धि के प्रभाव को धुंधला करना, पुराने भंडारों में नए तेल का दोहन करना, नए ऊर्जा फ्रंटियर खोलना (आक्रटिक, गैस हाइड्रेट आदि), प्रचालन में सुरक्षा बढ़ाना आदि। अपस्ट्रीम प्रचालन में प्रौद्योगिकी के बृहद क्षेत्र के अंदर डिजिटीकरण एक नया अवसर है। वुड मैकेंजी के अनुसार, हालांकि दीर्घावधिक लागतों एवं दक्षता पर प्रभाव की मात्रा का निर्धारण करना अभी जल्दबाजी होगी, परंतु डिजिटीकरण कम हानिरहित व्यवसाय संचालन भविष्य का केन्द्र होगा। प्राइसवाटर हाउस कूपर्स (पीडब्ल्यूसी) के अनुमानों के अनुसार, अपस्ट्रीम सेक्टर में डिजिटल प्रौद्योगिकी के प्रयोग से वर्ष 2025 तक पूंजी व्यय एवं प्रचालन व्यय में 100 बिलियन अमेरिकी डालर से 1 ट्रिलियन अमेरिकी डालर की संचयी बचत हो सकती है। यह ओएनजीसी जैसी कंपनियों के लिए प्रचुर अवसर का क्षेत्र प्रस्तुत करता है।

5. जोखिम एवं चिंताएं

अधिकांश प्रचालनात्मक निर्णयों एवं रणनीतिक रोडमैप पर इसके प्रभाव के मद्देनजर तेल की कीमतें तेल एवं गैस कंपनियों के लिए जोखिम का स्रोत बनी रहेगी। हालांकि हाल के वर्षों में हब आधारित गैस की कीमतों में वृद्धि हुई है, वैश्विक गैस कीमतों का संबंध तेल से बना हुआ है। यदि कम कीमतें अपस्ट्रीम क्षेत्र में पूंजी निवेश को रोकती हैं जिससे हाईड्रोकार्बन की आपूर्ति कम होने की संभावना बढ़ती है तो तेल की ऊंची कीमतें अक्सर मांग को सुस्त करती हैं जिससे जीडीपी विकास धीमा होने की संभावना पैदा होती है। वर्ष 2017 में क्रूड की बेंचमाक्र कीमतों ने मजबूत रिकवरी दर्ज की तथा वर्ष 2019 में स्थिर होने से पूर्व वर्ष 2018 में गति बढ़ना तय है। वर्ष 2017 में ब्रेंट की औसत कीमत 54 अमेरिकी डालर थी (वर्ष 2016 में 44 अमेरिकी डालर की तुलना में) तथा आईएचएस–मार्किट की भविष्यवाणी के अनुसार वर्ष 2018 में औसतन 77 अमेरिकी डालर और वर्ष 2019 में 75 अमेरिकी डालर रहने का अनुमान है। वर्ष 2018 और वर्ष 2019 दोनों में लगभग 63 अमेरिकी डालर प्रति बैरल की भविष्यवाणी के साथ यूएस–ईआईए कम आक्रामक बना रहा।

घरेलू ऊर्जा परिदृश्य में, कीमतें अधिक होने पर आयात बिल बढ़ता है और सरकारी अपस्ट्रीम कंपनियों द्वारा ओएमसी कम वसूलियां साझा करने की संभावना बढ़ जाती है।

बढ़ती कीमतें अपस्ट्रीम प्रचालकों के लिए जोखिम का अन्य स्रोत हैं क्योंकि क्रूड की ऊंची कीमतों के जवाब में गतिविधि बढ़ जाती है और सेवा क्षेत्र की अतिरिक्त क्षमता क्षीण हो जाती है। वुड मैकेंजी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 3–4 वर्षों में उठान की लागतें 30 प्रतिशत गिर गई हैं। डीपवाटर रिग के लिए वर्ष 2017 की दैनिक दरें 2014 के स्तर से 65 प्रतिशत कम हैं; परंतु वैश्विक सेवा क्षेत्र के पास मुनाफे में कटौती के लिए अब क्षमता नहीं बची है। वर्ष 2019–20 तक इसकी लागतों में उछाल आएगा, क्योंकि मांग मजबूत हो रही है।

इस समय कच्चे तेल की अधोमुखी कीमतों की तुलना में घरेलू गैस की कम कीमतें ओएनजीसी जैसे घरेलू ईएंडपी प्रचालकों के अपस्ट्रीम व्यवसाय की लाभप्रदता के लिए बड़ा जोखिम है। आज की संशोधित गैस कीमत (3.06 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू) शुरू में अधिसूचित गैस की 5.05 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू कीमत से काफी कम है तथा 4.2 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू की पूर्व मौजूदा विनियमित एपीएम गैस कीमत से भी कम है। वर्ष 2016–17 और वर्ष 2017–18 के दौरान ओएनजीसी (संयुक्त उद्यमों को छोड़कर) द्वारा प्राकृतिक गैस के उत्पादन की औसत लागत जीसीवी आधार पर क्रमशः 3.10 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू और 3.59 अमेरिकी डालर प्रति एमएमबीटीयू थी। इस प्रकार ओएनजीसी को सरकार द्वारा अधिदेशित कीमतों पर अपने गैस व्यवसाय पर काफी कम वसूली हो रही है। इस वजह से राजस्व की क्षति अपनी कैपेक्स योजनाओं को वित्त पोषित करने की कंपनी की सामर्थ्य को नुकसान पहुंचाती है और अधिकांश जारी एवं भावी विकास परियोजनाओं को बाधित करती है।

इसके अलावा, घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर लगाए गए उपकर का स्तर अर्जन में सुधार को सीमित करने वाला अन्य कारक है। आज की कीमतों पर 20 प्रतिशत यथामूल्य 4500 रुपए प्रति टन की पूर्व सपाट दर से काफी अधिक है, जिससे उपकर को संशोधित करने का संपूर्ण प्रयोजन विफल हो रहा है। इसके अलावा, उत्पादकों द्वारा वहन किया गया उपकर रिफाइनरीज से वसूली योग्य नहीं है और इस प्रकार यह कच्चे तेल के उत्पादन की लागत का हिस्सा बनता है। ओएनजीसी जैसी सरकारी अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए सब्सिडी साझेदारी से संबंधित शाश्वत अनिश्चितता जो कच्चे तेल की ऊंची कीमतों की अवधियों के दौरान पुनः सामने आ जाती है, इसके नकदी प्रवाह में जोखिम का एक अन्य कारक शामिल करती है।

वैश्विक स्तर पर ढेरों मूल्य है जो विरासत फील्ड से अभी भी प्राप्त किए जा सकते हैं। वुड मैकेंजी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2017 से वर्ष 2025 के बीच लगभग 20 प्रतिशत नया उत्पादन



पर्यावरण की देखभाल करते हुए: ओएनजीसी ने पारिस्थितिकी का संरक्षण करने और भूक्षरण की रोकथाम करने के लिए गुजरात के तट पर मैंग्रोव वृक्षारोपण किया

वृद्धिमूलक परियोजनाओं से आएगा। ओएनजीसी अपने पुराने फील्डों से अधिकतम रिकवरी पर भी ध्यान दे रहा है – 28 आईओआर / ईओआर स्कीमों से 190 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक तेल की कुल संचयी उपलब्धि की परिकल्पना है। कच्चे तेल की कम कीमतें ऐसी स्कीमों की वाणिज्यिक लाभप्रदता के लिए हानिकर हैं, जिनका लागत कर्व सामान्यतया ऊंचा है। मुंबई हाई नार्थ में वर्ष 2000 से तीन निरंतर पुनर्विकास चरणों की हानिरहित व्यापार लागत 30 अमेरिकी डालर प्रति बैरल से बढ़कर 53 अमेरिकी डालर प्रति बैरल हो गई है। कंपनी विशेष ईओआर मूल्य निर्धारण व्यवस्था को लेकर आशावादी है जो हमारी पुरानी परिसंपत्तियों से आपूर्ति में वृद्धि के लिए प्रोत्साहन प्रदान करती है।

मांग बढ़ने का मुद्दा आज उद्योग में एक वैध सरोकार है और इसे कल के तेल बाजार के आकार एवं दायरे के लिए असली जोखिम के रूप में देखा जा सकता है। बैटरी प्रौद्योगिकी एवं लागत में आकर्षक उन्नति के साथ ईवी बाजार में लगभग वास्तविक उछाल, चालक रहित प्रौद्योगिकी के विकास और पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न बाजारों में बड़े पैमाने पर राइड शेयरिंग अपनाने से तेल कंपनियों के लिए इस नए ऊर्जा मैट्रिक्स की नई सच्चाइयां और सुदृढ़ हो रही हैं क्योंकि कुल प्रयुक्त खनिज तेल में गतिशीलता / परिवहन में प्रयुक्त तेल का हिस्सा बहुत बड़ा है। आईएचएस मार्किट के अनुसार, अनुमान है कि दीर्घ अवधि में वार्षिक तेल मांग वृद्धि की गति 1 मिलियन प्रतिदिन के वर्तमान स्तर से घटकर लगभग 2,60,000 बैरल प्रतिदिन रह जाएगी। विकास की धीमी गति के बावजूद विश्व की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अभी भी तेल एवं गैस पर भरोसा किया जाएगा। बीपी एनर्जी आउटलुक के अनुसार तेल की खपत वर्ष 2016 में 96 मिलियन बैरल प्रतिदिन से बढ़कर वर्ष 2040 में 109 मिलियन बैरल प्रतिदिन हो जाएगी।

हालांकि समग्र मांग में ऐतिहासिक स्तरों की तुलना में गिरावट आएगी, अधिकांश अनुमानों के अनुसार अगले दो दशकों में तेल उत्पादों के लिए घरेलू मांग के मजबूत होने की संभावना है। इसका अभिप्राय यह है कि वायु प्रदूषण पर बढ़ते सरोकारों, आयात पर निर्भरता को कम करने की आवश्यकता तथा कार्बन उत्सर्जन कम करने की दृढ़ प्रतिबद्धता के कारण गतिशीलता खंड में भारतीय बाजार में भी व्यवधान उत्पन्न होने की संभावना है। फिक्की तथा रॉकी माउंटेन इंस्टीट्यूट के अध्ययन के अनुसार 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने से भारत 2030 तक तेल आयात में 300 बिलियन अमेरिकी डालर (20 लाख करोड़ रुपए) तथा कार्बनडाई आक्साइड के उत्सर्जन में लगभग 1 गीगाटन की बचत कर सकता है।

फ्रंटियर अन्वेषण क्षेत्रों के स्थान पर अधिक निकट फील्ड मूल्यांकन कार्यक्रमों में ई एण्ड पी निवेश करने की वर्तमान प्रवृत्ति तथा मौजूदा रकबा एवं पुरानी बेसिनों में गहन अन्वेषण, हालांकि नकदी की कमी वाले परिवेश में यह उपयुक्त है, मौजूदा भंडारों के अवक्षय के परिप्रेक्ष्य में विश्व की भावी हाईड्रोकार्बन आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। रिस्टैड एनर्जी के विश्लेषण के अनुसार वर्ष 2006 आखिरी वर्ष था जब भंडार प्रतिस्थापन अनुपात 100 प्रतिशत पर पहुंच गया था। अपरंपरागत हाईड्रोकार्बन में एकाएक चढ़ाई से उत्तरी अमेरिका के अनुभव की तरह अन्यत्र नाटकीय परिणाम प्राप्त नहीं हुए हैं। अंततः तेल एवं गैस कंपनियों को अपनी संपोषणीय संसाधन नवीकरणीय रणनीति के अंग के रूप में परंपरागत वाइल्डकैट पर वापस आना चाहिए। विशुद्ध अन्वेषण में वर्तमान रुचि का कम स्तर भी वित्तीय विस्तार वाली कंपनियों को भविष्य में नजर रखते हुए पोर्टफोलियो स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है। लागतों में कटौती (विशेष रूप से अपतटीय) और परिवर्धित राजकोषीय मियादों (कुछ क्षेत्रों में) के साथ यह अन्वेषण को और अकाट्य अवसर बनाता है।

हालांकि घरेलू अपस्ट्रीम क्षेत्र में परंपरागत अन्वेषण में कोई पुलबैक नहीं हुआ है, तथापि, ओएनजीसी जैसी सरकारी अपस्ट्रीम फर्मों के नियंत्रण में अन्वेषण के फुटप्रिंट में कटौती से आक्रामक अभियान की संभावना सीमित होती है। एचईएलपी व्यवस्था तथा डीएसएफ एवं खुले रकबा बोली चक्रों के शुभारंभ से इस समस्या का समाधान होने की उम्मीद है। सरकार ने एचईएलपी के तहत हर साल दो बोली चक्रों का आयोजन करने की योजना बनाई है; अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हाईड्रोकार्बन ब्लाक आवंटित करने की पूरी शक्ति पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को प्रदान करने के संबंध में मंत्रिमंडल का निर्णय न केवल अवाड्र प्रक्रिया की गति तेज करने में सहायक होना चाहिए अपितु घरेलू ई एण्ड पी खिलाड़ियों को नितांत अपेक्षित रकबा हेडरूम उपलब्ध होना चाहिए।

हाईड्रोकार्बन संसाधनों के भू–रणनीतिक एवं आर्थिक महत्व को देखते हुए, मेजबान सरकारों के राजकोषीय एवं विनियामक निर्णय संबंधित व्यवस्थाओं के जोखिम अनुपात में वृद्धि या कटौती करते हुए यथास्थिति में किसी परिवर्तन के साथ तेल एवं गैस संबंधी निर्णयों में जोखिम के निरंतर स्रोत हैं। संप्रभु प्रणालियों की स्थिरता ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के माध्यम से विदेशी बाजारों में ओएनजीसी के जोखिम के संबंध में इसके लिए विशेष महत्व रखती है।

भूराजनीति का असली जोखिम वर्ष 2017 के उत्तरार्ध में सामने आया और बाजारों के धीरे–धीरे सख्त होने के साथ वर्ष 2018 में तेल की कीमतों को प्रभावित करना जारी रखा है। हालांकि भूराजनीतिक जोखिम खड़ा करने वाले देशों की सूची में ज्यादातर मध्य पूर्व का दबदबा है – तेल आपूर्ति में महत्वपूर्ण व्यवधान की दृष्टि से सबसे बड़ा जोखिम ईरान (अमेरिका द्वारा फिर से प्रतिबंध लगाए जाने की संभावना के कारण) और वेनेजुएला (इसके पुराने फिल्डों से उत्पादन में अनियंत्रित गिरावट के साथ) से आता है। हालांकि भारत ने आपूर्ति के अपने स्रोतों में विविधता लाने के लिए हाल में ऊर्जा राजनय के अपने प्रयासों में उल्लेखनीय वृद्धि की है, संसाधन संपन्न क्षेत्रों में भूराजनीतिक तनाव बढ़ना अब भी हमारी आयात पर निर्भर अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का कारण है।

तेल एवं गैस क्षेत्र में प्रतिभा की आसन्न कमी का जोखिम निराधार नहीं है। किसी उद्योग की सफलता के लिए सही प्रतिभा तलाशना बहुत आवश्यक है परंतु अपस्ट्रीम तेल एवं गैस जैसे प्रौद्योगिकी गहन एवं जोखिम भारित व्यवसाय जहां प्रतिभा पूल अपेक्षाकृत छोटा है, में ऐसा और भी आवश्यक है। इस संदर्भ में, बाजार के धराशायी होने के परिप्रेक्ष्य में पिछले दो वर्षों के दौरान बड़े पैमाने पर नौकरी से बर्खास्तगी / छंटनी की खबर किसी उद्योग के लिए इससे बुरे समय में नहीं हो सकती थी जिसे

आज उत्तरोत्तर कार्बन सजग विश्व में अपनी स्थिति से प्रतिरक्षा भी करना है। इसके अलावा, काफी संख्या में अनुभवी एवं पुराने लोगों के छोड़कर जाने से भी मदद नहीं मिलने वाली है।

बढ़ी प्रचालनात्मक जटिलताओं के दौर में अधिकांश अपस्ट्रीम प्रचालनों के लिए संरक्षा उच्च जोखिम घटक बन जाता है। बीपी का गहरा समुद्र सीमा त्रासदी किसी गलती के भयानक लागत के बारे में कंपनियों को दुर्भाग्यपूर्ण चेतावनी देती रही है। सर्वाधिक सुव्यवस्थित आपदा प्रत्युत्तर /आकस्मिक योजना और ठोस एचएसई फ्रेमवर्क किसी बुरे दिन में बिगड़ सकता है, तथापि, यह किसी कंपनी के अंदर अनुपालित संरक्षा मानकों में निरंतर सुधार की आवश्यकता को अनावश्यक नहीं बनाता है। ओएनजीसी ने आकस्मिक आपदा समाधात क्षमता में सुधार लाने के लिए परिशोधित ओआईएसडी मानक क्रियान्वित किया है। अंतर्राष्ट्रीय बीमाकर्ता इन आस्तियों के लिए समकक्ष से निम्नतर एक बीमा प्रीमियम समर्थ करने के लिए, ओएनजीसी परिसंपत्तियों को 'स्वीकार्य जोखिम' के तहत श्रेणीकरण किया है।

आपकी कंपनी घरेलू हाईड्रोकार्बन आपूर्ति का करीब 70 प्रतिशत का योगदान कर देश की प्रथम ई एंड पी कंपनी बनी हुई है। ज्यों – ज्यों घरेलू ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करने और साथ ही शेयर धारक मूल्य सृजित करने के लक्ष्य से हम एक ऊर्जा कंपनी के रूप में प्रगति कर रहें हैं, हमारा फोकस मूल ई एंड पी कारोबार पर बना रहेगा, और हम एक एकीकृत ऊर्जा दृष्टिकोण के भाग के रूप में पूरे हाईड्रोकार्बन मूल्य श्रृंखला में अर्थक्षम कारोबार और निवेश अवसर की तलाश करते रहेंगे। रिफाइनिंग और पेट्रोरसायन में हमारा बढ़ता डाउनस्ट्रीम हित,ऊर्जा क्षेत्र में हमारी बढ़ती उपस्थिति और नवीकरणीय ऊर्जा प्रतिबद्धताएं इसे ही प्रतिबिंबित करती हैं।

6. आउटलुक

क. अन्वेषण संचयन तथा खनन पट्टा

प्रचालक के रूप में आपकी कंपनी के पास भारत में सबसे बड़ा अन्वेषण रकबा है। दिनांक 01. 04. 2018 की स्थिति के अनुसार, ओएनजीसी के पास कुल 9 नामांकन पीईएल ब्लॉक (37,763. 50 वर्ग किमी), 345 नामांकन पीएमएल ब्लॉक (56020.07 वर्ग किमी) और 2 नेल्प पूर्व ब्लॉक (955 वर्ग किमी) धारित करता है। नेल्प व्यवस्था में, आपकी कंपनी के पास 27 पीईएल (16 ब्लॉक अभितट पर, 10 ब्लॉक उथले जल में और 1 ब्लॉक गहरे समुद्र में) हैं, जो करीब 27,954.49 वर्ग किलोमीटर में फैला है और नेल्प ब्लॉक से पूर्ण या आंशिक रूप से सृजित 10 पीएमएल ब्लॉक (खंभात बेसिन में 6 पीएमएल, आंध्र प्रदेश में 1 पीएमएल, उथले जल में 2 और 1 गहरा समुद्र पीएमएल) 1440.98 वर्ग किलोमीटर में फैला है। इसके अलावा, ओएनजीसी के पास गैर प्रचालक के रूप में 2 ब्लॉकों में पीआई है (क्षेत्रफल : 567 वर्ग किलोमीटर), जो देश के विभिन्न तलछटी बेसिनों के अभितटीय और उथले समुद्र (एसडब्ल्यू) क्षेत्रों को कवर करते हैं।

ख. अन्वेषण

वर्श 2017 – 18 के दौरान, आपकी कंपनी ने 12 खोजें (1 नेल्प, 11 नामांकन रकबे) की हैं। इनमें से, 5 नये प्रोस्पेक्ट हैं और 7 नये पूल खोजें हैं। वर्ष की सबसे बड़ी खोज कूप डब्ल्यू ओ – 24 – 3 (डब्ल्यूओ – 24 – सी) से तेल खोज थी जिसके खोज क्षेत्र में 29.74 एमएमटीओई इन–प्लेस हाईड्रोकार्बन परिमाण के संकेत प्राप्त हुए हैं। आपकी कंपनी ने दो अभितट खोजें (पश्चिम मटरः 1 खंभात बेसिन, मैट्टर वेस्ट – 1: कावेरी बेसिन) मुद्रीकृत की हैं और अन्य खोजों से उत्पादन शुरु करने के प्रयास किए जा रहें हैं।

भारत में कंपनी परिचालित क्षेत्रों से कुल इन–प्लेस हाईड्रोकार्बन (3पी प्रमाणित, प्रायिक और संभावित) अभिवृद्धि 185.84 एमएमटीओई रहा, जिसमें से करीब 79 प्रतिशत अभिवृद्धि अन्वेषणात्मक प्रयासों से हुआ है। वर्ष 2017 – 18 के दौरान घरेलू बेसिनों से कुल इन–प्लेस भंडार अभिवृद्धि, पीएससी जेवी में कंपनी के हिस्से सहित 245.49 एमएमटीओई (जेवी से 59.65 एमएमटीओई) रहा।

दिनांक 01. 04. 2018 की स्थिति के अनुसार, ओएनजीसी समूह का कुल इन–प्लेस हाईड्रोकार्बन परिमाण 9845.33 एमएमटीओई है, जो पिछले वर्ष दिनांक 01. 04. 2017 की स्थिति के अनुसार 9,655.36 एमएमटीओई था। वित्त वर्ष 18 का परम भंडार (3 पी), वित्त वर्ष 17 के दौरान 3,132.35 एमएमटीओई की तुलना में 3201.21 एमएमटीओई आकलित किया गया है।

ग. एनईएलपी

नेल्प की 9वीं बोली दौर तक, आपकी कंपनी को प्रचालक के रूप में 111 ब्लॉक आवंटित किए गए थे। इसके अतिरिक्त, आपकी कंपनी ने सीईआईएल से केजी – डीडब्ल्यूएन – 98/2, वीएन–ओएनएन – 2003/1 और ईईपीएल से एमबी – ओएनएन–2003 /1 मे प्रचालकता के साथ पीआई अर्जित किया है। सीईआईएल से ब्लॉक केजी – ओएनएन – 2003/1 की प्रचालकता विकासात्मक चरण के दौरान हासिल की गयी थी। वर्ष 2017 – 18 के दौरान, आपकी कंपनी ने अगस्त, 2017 में जीएसपीसी से 37.5 वर्ग किलोमीटर के पीएमएल क्षेत्र के साथ नेल्प ब्लॉक केजी – ओएसएन – 2001/3 अभिग्रहित किया है, जो 493 वर्ग किलोमीटर के अन्वेषण क्षेत्र में फैला है। अब तक, दिनांक 01. 04. 2018 की स्थिति के अनुसार आपकी कंपनी प्रचालक के रूप में 17 सक्रिय नेल्प ब्लॉक धारित कर रही है (27,954.49 वर्ग किलोमीटर माप के पीईएल क्षेत्र और 1440.98 वर्ग किलोमीटर माप के पीएमएल क्षेत्र) और 89 ब्लॉकों का परित्याग कर दिया गया। दिनांक 01. 04. 2018 की स्थिति के अनुसार, आपकी कंपनी ने कुल 74 खोजें की हैं। इनमें से 59 खोजें (18 गहन समुद्र, 21 उथले समुद्र और 20 अभितटीय क्षेत्र) प्रचालक के रूप में की गयीं और शेष 15 खोजें अन्य प्रचालक द्वारा की गयीं और कंपनी द्वारा अभिग्रहित किए गए।

दिनांक 01.04.2018 की स्थिति के अनुसार, आपकी कंपनी ने गुजरात राज्य के खंभात बेसिन में चार अभितटीय ब्लॉक अर्थात् सीबी – ओएनएन – 2001 /1 (नाडियाड – 1), सीबी – ओएनएन – 2002/1 (पश्चिम पाटन), सीबी – ओएनएन – 2004 / 1 (कारननगर – 1), सीबी – ओएनएन – 2004/2 (वडाताल – 1, वडाताल – 3, वडाताल –)में की गयी 6 नेल्प अभितटीय खोजें मुद्रीकृत की है। केजी अपतट में अभिग्रहित नेल्प केजी – ओएसएन – 2001/3 ब्लॉक की तीन अपतटीय खोजों (केजी – 08, केजी – 15, केजी – 17)को भी मुद्रीकृत

किया गया है। अन्य खोजें उनके मुद्रीकरण हेतु अन्वेषण/ आकलन / मूल्यांकन / विकास के विभिन्न चरणों के तहत है। अन्य खोजों से उत्पादन की शुरुआत संबंधित पीएससी में निर्धारित उपबंधों से प्रबंधित होते हैं और इन्हें मूल्यांकन कार्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन और उसके बाद डीओसी के दाखिल करने और क्षेत्र विकास योजना के अनुमोदन के पश्चात् शुरु किया जाना है।

घ. गैर परंपरागत एवं वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत

i. शेल गैस / तेल अन्वेषण :

आपकी कंपनी ने पहले ही शेल गैस / तेल संभाव्यता का आकलन करने के लिए खंभात, केजी, कावेरी और ए एंड एए बेसिनों में अवस्थित 50 नामांकन पीएमएल (पेट्रोलियम खनन पट्टे) में शेल गैस / तेल अन्वेषण शुरु किए हैं। दिनांक 31. 03. 2018 की स्थिति के अनुसार, 18 पीएमएल ब्लॉकों में 22 आकलन कूपों (खंभात बेसिन के 5 अनन्य शेल गैस और 17 द्वि प्रयोजन कूप) के वेधन किए गए हैं और शेल गैस / तेल के लिए अपेक्षित डेटा जनित / मूल्यांकित किए गए हैं। विभिन्न अनन्य शेल गैस कूपों में हाइड्रो–फ्रैक्चरिंग के लिए कई स्वीट स्पॉट / अनुकूल क्षेत्रों की पहचान की गयी है और तदनुसार, 3 अनन्य शेल गैस कूपों (जेएमएसजीए, जीएनएसजीए, जीएनएसजीबी) में 4 अनुकूल क्षेत्रों में शेल गैस / तेल संभाव्यता के लिए हाईड्रो–फ्रैक्चरिंग की गयी है। खंभात, केजी, कावेरी और असम – अरकार बेसिनों मे शेल गैस / तेल अन्वेषण की ब्लॉक वार सविवरण स्टेटस रिपोर्ट डीजीएच को प्रस्तुत कर दी गयी है। संभाव्यता का मूल्यांकन करने के लिए कूप जीएनएसजीसी में हाईड्रो–फ्रैक्चरिंग करने की योजना बनाई गयी है, वहीं कूप जीएनएसजीए एवं जीएनएसजीबी में हाईड्रो–फ्रैक्चरिंग के लिए और क्षेत्रों की योजना बनाई जा रही है।

ii. कोल बेड मिथेन (सीबीएम) अन्वेषण :

भारत सरकार ने चार बोली दौरों और और नामांकन के माध्यम से विभिन्न प्रचालकों को 33 ब्लॉक आवंटित किए हैं। इनमें से, आपकी कंपनी को 9 सीबीएमब्लॉक आवंटित किए गए थे। अन्वेषणात्मक क्रियाकलापों में सृजित आंकड़ों के आधार पर निकाले गए निष्कर्ष, निम्न सीबीएम संभावना के कारण पांच ब्लॉकों अर्थात सतपुड़ा (मध्य प्रदेश), वर्धा (महाराष्ट्र), बाड़मेर–संचोर (राजस्थान),उत्तरी कर्णपुरा (पश्चिम) और दक्षिणी कर्णपुरा (झारखंड) कापरित्याग कर दिया गया है।वर्तमान में ओएनजीसी चार सीबीएम ब्लॉकों अर्थात झरिया,बोकारो और झारखंड में उत्तरी कर्णपुरा तथा पश्चिम बंगालमें रानीगंज में प्रचालन कर रही है और इनमें से तीन ब्लॉकों में विकासात्मक गतिविधियां अग्रिम चरण मे हैं, ये ब्लॉक हैं, बोकारो, झरिया और उत्तरी करनपुरा।

iii. गैस हाइड्रेट अन्वेषणः–

आपकी कंपनी भारत सरकार के राष्ट्रीय गैस हाइड्रेट कार्यक्रम (एनजीएचपी) की वर्ष 1997 में शुरुआत से ही इसके तहत भारत में गैस हाइड्रेट अन्वेषण अनुसंधान का एक सक्रिय प्रतिभागी रहा है। अब तक, आपकी कंपनी ने एनजीएच – 01 और एनजीएचपी आर एंड डी अभियान 02 के लिए स्थल की पहचान करने हेतु जी एंड जी अध्ययन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और दोनों अभियानों के ऑन बोड्र अध्ययनों को सफलतापूर्वक निष्पादित और संपन्न किया है। एनजीएचपी – 02 के परिणाम बहुत उत्साहवर्द्धक हैं और दो विश्वस्तरीय गैस हाइड्रेट भंडारों की (ब्लॉक केजी – डीडब्ल्यूएन – 98 /3) खोज की गयी है । अभियान पश्चात् अध्ययनों और अतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा के आधार पर केजी – डीडब्ल्यूएन – 98 / 5 में अवस्थित स्थल को एनजीएचपी – 03 के दौरान प्रायोगिक उत्पादन परीक्षण के लिए उपयुक्त पाया गया है जिसके लिए रेत नियंत्रण उपाय, कूप डिजाइन, भंडार और उत्पादन उत्प्रेरण मॉड्लिंग जैसे विभिन्न अध्ययन प्रायोगिक उत्पादन के लिए पूर्व आवश्यकता के रूप में पूरा कर लिया गया है।

iv. बेसमेंट अन्वेषण

बेसमेंट अन्वेषण, एक सीमांत अन्वेषण प्ले, को कंपनी द्वारा एक बड़ी पहल के रूप में सम्मिलित प्रयास शुरु किया गया है। इस वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी ने बेसमेंट के रूप में प्राथमिक लक्ष्य के साथ 11 कूपों के वेधन सहित 24 कुओं के वेधन किए हैं। मैट्टर वेस्ट 1 और पुंडी – 8 में उत्साह वर्द्धक परिणाम के साथ कावेरी बेसिन बेसमेंट प्ले के अनुशीलन के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। बेसमेंट प्ले में खोजों के विकास के लिए पंडानाल्लुर फील्ड की एफडीपी (फील्ड विकास योजना) को डीजीएच द्वारा मंजूरी दे दी गयी है और ओएनजीसी इसको मुद्रीकृत करने का प्रयास कर रहा है। पश्चिमी अपतट और खंभात बेसिन के परिणाम भी उत्साहवर्द्धक हैं जो बेसमेंट अन्वेषण की गुंजाइश बनाए हुए हैं। इसके अलावा, आपकी कंपनी ने बेसमेंट अन्वेषण के लिए जी एंड जी व्याख्या से 25 प्रोस्पेक्टों की पहचान की है, जिन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है।

v. एचपी– एचटी एवं सघन भंडार में अन्वेषण

कंपनी ने केजी, कावेरी, पश्चिमी अपतटीय बेसिन और असम एवं अरकान फोल्ड बेल्ट के एचपी – एचटी / सख्त / गहरी संरचनाओं की प्राथमिकता तय की है। ये संरचनाएं वेधन और साथ ही साथ परीक्षण के लिए एक अन्वेषण चुनौती रही है। वर्ष 2017 – 18 के दौरान, कावेरी बेसिन के पेरियाकुडी फील्ड में अभितटीय कूप पीडी – 3 से उत्पादन शुरु किया जाने वाला प्रथम एचपी – एचटी कूप है। केजी – पीजी बेसिन का बनटुमिल्ली दक्षिण फील्ड के ऑनलैंड कूप बीटीएस – 3 का सफलतापूर्वक वेधन किया गया है और वाणिज्यिक परिमाण में गैस के होने का परीक्षण किया गया है। पेरियाकुडी और बनटुमिल्ली दक्षिण फील्ड का फास्ट ट्रैक का निकट भविष्य में मुद्रीकरण करने की योजना बनाई गयी है। इसके अतिरिक्त, ओएनजीसी ने नेल्प ब्लॉक केजी – ओएनएन – 2003/1 की प्रचालकता हासिल करने के पश्चात् इस ब्लॉक में की गयी दो खोजों की एफडीपी प्रस्तुत कर दी है। राज्य सरकार से पीएमएल संस्वीकृति प्राप्त कर ली गयी है।

ङ. नये क्षेत्रों का विकास

आपकी कंपनी ने, नई फील्ड विकास परियोजनाओं और उत्पादन इष्टतमीकरण ब्राउन फील्ड योजनाओं, जिनमें से कुछ आगामी वर्षों में ओएनजीसी के उत्पादन प्रोफाइल में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, पर अधिक ध्यान केंद्रित किया है और कार्य में तेजी लाई है। वर्तमान में 740 बिलियन रुपये से अधिक के प्राक्कलित परिव्यय और 190 एमएमटीओई से अधिक के परिकल्पित जीवन चक्र लाभ वाली 18 उत्पादन परियोजनाएं (विकास और पुनर्विकास) क्रियान्वयनाधीन हैं। इसमे पूर्वी अपतट की महत्वपूर्ण गहन समुद की हमारी परियोजना – केजी – डीडब्ल्यूएन – 98 /2 शामिल है, जिसका शीर्ष उत्पादन वर्तमान स्टैंड अलोन वार्षिक तेल एवं गैस उत्पादन का क्रमशः 17 प्रतिशत और 24 प्रतिशत प्राक्कलित है। हमने वित्त वर्ष 18 के दौरान दो परियोजनाएं भी पूरी की हैं : पश्चिमी तट (मुंबई हाई दक्षिण) का विकास और वशिष्ठा एवं एस – 1 फील्ड का एकीकृत विकास।

हम वर्ष 2022 तक हाईड्रोकार्बन आयात में 10 प्रतिशत कमी हासिल करने के माननीय प्रधान मंत्री जी के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उत्पादन संवृद्धि के लिए 10 प्रतिशत रोडमैप के भाग के रूप में हम अपने घरेलू उत्पादन में महत्वपूर्ण वृद्धि की परिकल्पना कर रहें हैं। गैस आपूर्ति 40 बीसीएम से अधिक पर देखा जा रहा है और तेल उत्पादन वित्त वर्ष 22 तक करीब 26 एमएमटी पर रूका हुआ है।

7. आंतरिक नियंत्रण प्रणालियां

ऊर्जा व्यवसाय, विशेष रूप से तेल एवं गैस का ऊर्जा व्यवसाय हमेशा एक बहुत गतिशील व्यवसाय रहा है, न सिर्फ दुनिया के राष्ट्रों के लिए इसके बुनियादी आर्थिक और रणनीतिक महत्व के लिए अपितु इस कारोबार के उच्च जोखिम प्रकृति के कारण भी। इस कारोबार को अनिश्चितताओं, भूवैज्ञानिक आश्चर्यों, अस्थिर बाजारों और कई वाह्य कारकों जैसे – भू–राजनीतिक अनिश्चितताओं, राजकोषीय एवं विनियामकीय व्यवस्थाओं इत्यादि से चुनौती मिलती है।

ऐसे परिदृश्य में, जहॉ अनिश्चितताएं नियम हैं, एक संतुलित पोर्टफोलियो रखना अनिवार्य हो जाता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए, आपकी कंपनी ने एक एकीकृत वैश्विक ऊर्जा कंपनी के रूप में विकसित होने का विज़न अपनाया है। तेल और गैस का अन्वेषण और उत्पादन, आपकी कंपनी का मुख्य व्यवसाय बना हुआ है, तथापि व्यवसाय की अनिवार्यताओं को ध्यान में रखते हुए ओएनजीसी ने स्वयं को हाइड्रोकार्बन मूल्य श्रृंखला में सार्थक रूप से एकीकृत किया। अब आपकी कंपनी का पोर्टफोलियो (विदेश स्थित परिसंपत्तियों सहित) व्यापक, विविधीकृत और आश्वस्त करने वाला है।

इतनी बड़ी पोर्टफोलियो का प्रबंधन करने के लिए आपकी कंपनी ने सुदृढ़ आंतरिक नियंत्रण प्रणालियां से लेकर नाजुक कारोबार, प्रकार्यों और प्रचालनों, विशेष रूप से फील्ड प्रचालनों की निरंतर निगरानी करने तक को संस्थागत किया है।

आपकी कंपनी का शीर्ष प्रबंधन, निरंतर आधार पर विभिन्न क्रियाकलापों की मॉनीटरिंग और समीक्षा करता है। यह सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर तक भी सर्वोत्तम पद्धतियां अपनाई गई हैं, मानकीकृत प्रक्रियाएं और दिशानिर्देशों का एक सेट जारी किया गया है। प्रत्येक व्यवसाय इकाई के कार्य–निष्पादन को, समय से उचित सुधारात्मक उपाय, यदि कोई हो, करने के लिए संबंधित निदेशालयों द्वारा मॉनीटर किया जाता है।

आपकी कंपनी में एक समर्पित कार्य–निष्पादन प्रबंधन और बेंच मार्किंग समूह (पीएमबीजी) है जो शीर्ष प्रबंधन और मुख्य कार्यकारियों के बीच किए गए कार्य–निष्पादन संविदाओं में परिभाषित मुख्य कार्य–निष्पादन संकेतकों (केपीआई) के प्रति प्रत्येक व्यवसाय इकाई का कार्य–निष्पादन मॉनीटर करता है। ये कार्य–निष्पादन संविदा, आपकी कंपनी के लक्ष्यों और उद्देश्यों के साथ संरेखित हैं।

व्यवस्थित रूपांतरण और नियंत्रण प्रणालियों के सुदृढ़ीकरण के लिए अपने प्रयास के भाग के रूप में आपकी कंपनी ने उन साधनों, पद्धतियों और प्रणालियों पर पर्याप्त जोर दिया है जो अपेक्षाकृत अधिक प्रचालनात्मक दक्षताओं और कार्य स्थल उत्पादकता को सुसाध्य बनाती हैं। गुणवत्ता वाली सामग्रियों और सेवाओं का उपापन और विश्व स्तरीय वेंडरों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए वर्ष के दौरान 'सामग्री प्रबंधन मैनुअल' में सुधार किया गया है। कार्यचालन स्तरीय अधिकारियों को सशक्त बनाने और सभी निर्णय लेने वालों पर अनुरूप जवाबदेही डालने के लिए प्रत्यायोजन की वृद्धि के उद्देश्य से 1 जनवरी, 2015 से 'शक्तियों के प्रत्यायोजन की पुस्तक' (बीओडी) में सुधार किया गया था। आपकी कंपनी ने अपने विभिन्न हितधारकों की शिकायतों के शीघ्र निवारण के लिए ई–शिकायत देखरेख तंत्र भी शुरु किया है।

व्यावसायिक स्वास्थ्य, संरक्षा एवं पर्यावरणीय संरक्षण, आपकी कंपनी के स्वीकृत आदर्श हैं। इन क्षेत्रों में प्रबंधन उच्चतम मानक प्राप्त करना आपकी कंपनी का एक प्राथमिक लक्ष्य है। आंतरिक और वाह्य लेखा परीक्षाएं संस्थागत की गयीं हैं और विभिन्न उद्योग मानकों और बेंचमार्कों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निरंतर आधार पर लेखा परीक्षा आयोजित किए जा रहें हैं।

आपकी कंपनी का एक समर्पित आंतरिक लेखा परीक्षा (आईए) समूह है जो आंतरिक लेखा परीक्षा निष्पादित करता है। साथ ही साथ आवश्यकताओं के आधार पर, चयनित क्षेत्रों में लेखा परीक्षा निष्पादित करने के लिए विशेषीकृत एजेंसियां की सेवाएं ली जाती हैं। सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा एक निश्चित कार्यकाल के लिए सांविधिक लेखा परीक्षकों की नियुक्ति की जाती है। बोर्ड की लेखा परीक्षा और आचार समिति आंतरिक लेखा परीक्षा और नियंत्रण प्रणालियों के कार्यकलाप का पर्यवेक्षण करती है।

प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एचएसई एजेंसियों, जैसे तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय ('ओआईएसडी'), जो तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के नियंत्रणाधीन एक संगठन है, जो सुरक्षा दिशानिर्देश

जारी करता है, द्वारा अपतट और अभितट संस्थापनाओं का नियमित रूप से अन्य पक्षकार सुरक्षा लेखापरीक्षा की जाती है। इसके अलावा, खान एवं सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) द्वारा विनिर्धारित सुरक्षा विनियमों के अध्यधीन, प्रत्येक कार्य केंद्र में एचएसई के प्रति समर्पित दल है, जो ओआईएसडी और डीजीएमएस द्वारा विनिर्धारित सुरक्षा दिशानिर्देश कार्यान्वित करते हैं। एचएसई दल, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों से आवश्यक लाइसेंस और अनुमतियां प्राप्त करने के लिए भी जिम्मेदार है।

कंपनी में सभी लेनदेन, एसएपी आर/3 ईआरपी आधारित व्यवसाय पोर्टल पर किए जाते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक नियंत्रण की उचित और उपयुक्त प्रणाली विद्यमान है कि अनधिकृत इस्तेमाल या निक्षेप में क्षति के प्रति सभी पहलुओं की रक्षा और संक्षण किया जाता है और कि प्रत्येक लेनदेन प्राधिकृत है, इन्हें अभिलेखित किया जाता है और रिकार्ड किया जाता है और इसकी रिपोर्टिंग की जाती है। यह प्रणाली यह भी सुनिश्चित करती है कि वित्तीय और अन्य रिकार्ड, तथ्यों पर आधारित हैं और वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए विश्वसनीय हैं।

8. मानव संसाधन विकास

आपके संगठन ने अपने सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण मानव संसाधन को सदैव महत्त्व दिया है और केवल वास्तविक प्रयासों के कारण ही, अनुभवी और प्रतिभावान वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और व्यवसायविदों का एक बड़ा पूल आज मनोभाव से देश की ऊर्जा आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं। संरचित मानव संसाधन विकास के प्रति प्रयासों में 'स्टाफिंग और सक्षमताओं का सुदृढ़ीकरण' सदैव फोकस क्षेत्र रहा है। अगले कुछ वर्षों में होने वाले परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए यह एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा है। यह मूलभूत सिद्धांत, भावी 'ऊर्जा अग्रणियों' के रूप में अपेक्षाकृत युवा पीढ़ियों को तैयार करने के इर्द–गिर्द घूमता है। प्रतिभा आपूरण और सक्षमता अंतराल पूरा करना मानव संसाधन विकास के लिए महत्त्वपूर्ण पहलू बन जाता है। इसके अलावा, आपकी कंपनी विश्वास करती है कि उसके मानव संसाधन का निरंतर विकास, संलग्नता लाता है। तकनीकी प्रतिभा तैयार करने और प्रबंधकीय सक्षमता विकसित करने के लिए बहुफलकीय प्रयास किए गए हैं। चुनिंदा महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में लोगों को अपेक्षित कौशल प्रदान करने के लिए संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। प्रशिक्षण के अलावा, व्यवसाय के चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में उद्योग अग्रणियों के साथ कार्य सहयोग, सक्षमताओं में सुधार करने के अन्य प्रयास हैं। आपकी कंपनी ने, कर्मचारियों को एक वांछित कार्य–जीवन संतुलन उपलब्ध कराने और जीवनयापन तथा कार्यकारी परिस्थितियों में सुधार करने के लिए भी संरचित पहलें की हैं। मानव संसाधन विकास के प्रति आपकी कंपनी के प्रयास उद्योग में खुबसराहा गया है।

9. कॉरपोरेट अभिशासन

आपकी कंपनी द्वारा की गई पहलें, कॉरपोरेट अभिशासन रिपोर्ट, जो इस वार्षिक रिपोर्ट का एक भाग है, में विस्तार से वर्णित हैं।

10. कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)

बोर्ड की रिपोर्ट में सीएसआर के प्रति आपकी कंपनी द्वारा की गई पहलों का विस्तार से वर्णन किया गया है।

11. सचेतक कथन

प्रबंधन चर्चा एवं विष्लेषण तथा निदेशकों की रिपोर्ट, जिनमें कंपनियों की शक्तियों, कार्यनीतियों, पूर्वानुमानों और अनुमानों का वर्णन किया गया है, में दिए गए विवरण, अग्रदर्शी विवरण हैं और लागू होने वाले कानूनों तथा विनियमों के अर्थ में प्रगामी हैं। आर्थिक दशाओं, सरकारी नीतियों और अन्य प्रासंगिक कारकों पर निर्भर करते हुए वास्तविक परिणाम, अभिव्यक्त या अंतर्निहित परिणामों से भिन्न हो सकते हैं। पाठकों को सावधान किया जाता है कि वे अग्रदर्शी विवरणों पर अनुचित भरोसा न करें।

कॉरपोरेट अभिशासन रिपोर्ट

कॉरपोरेट अभिशासन का अर्थ है वह तरीका जिससे किसी कंपनी को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रबंधित किया जाता है कि उसके सभी हितधारकों को उस कंपनी की कमाई और परिसंपत्तियों में उसका उचित हिस्सा मिल सके। उत्तम कॉरपोरेट अभिशासन में एक कंपनी को कानूनी, नैतिक और पारदर्शी तरीके से संचालित करने के प्रति उस कंपनी की प्रतिबद्धता शामिल होती है – समर्पण जो कंपनी के शीर्ष प्रबंधन से आना चाहिए और पूरे संगठन में पारगम्य होना चाहिए। उत्तम कॉरपोरेट अभिशासन न केवल विश्वसनीयता और विश्वास प्राप्त करने के लिए, बल्कि विकास, संपोषण और समेकन के लिए कार्यनीतिक प्रबंधन के एक हिस्से के रूप में भी आवश्यक है। कॉरपोरेट अभिशासन शेयर बाजार में विश्वास प्रवर्तित करने में मदद करता है और इस प्रकार संपूर्ण आर्थिक माहौल में विश्वास पैदा करता है और इससे निवेश /निवेशकों के लिए एक आकर्षक वातावरण तैयार होता है।

1.1 ओएनजीसी का कॉरपोरेट अभिशासन दर्शन

- हितधारकों के हित में कानूनों, नियमों और विनियमों का अक्षरशः **अनुपालन**।
- अल्पावधि, मध्यम अवधि और दीर्घ अवधियों में कारोबार लक्ष्यों की प्राप्ति से संबद्ध जोखिमों का उपशमन करने के लिए एक **सुदृढ़ आंतरिक नियंत्रण प्रणाली**।
- **जोखिम प्रबंधन** के माध्यम से जोखिमों का उपशमन / अल्पतमीकरण।
- संपत्ति के कारगर प्रबंधन और वितरण के लिए और हितधारकों के धारणीय विकास हेतु सामाजिक उत्तरदायित्व के निवर्हन के लिए **नैतिक मानकों का अनुपालन**।
- स्पष्ट रूप से **परिभाषित मानक** जिससे उत्तरदायित्वों के निष्पादन को मापा जाता है।
- प्रचालनों, निष्पादन, जोखिम और वित्तीय स्थिति से संबंधित प्रकटनों मे **सटीकता और पारदर्शिता**।
- सभी हितधारकों को सभी महत्वपूर्ण सूचना के समयबद्ध और संतुलित **प्रकटन** और शेयरधारकों के अधिकारों का स्पष्ट वर्णन।

1.2 इसके अलावा, कंपनी ने सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 **(सूचीकरण विनियमावली)** के तहत घोषित 'निगमित अभिशासन के सिद्धांत' के लक्ष्यों का अनुपालन सुनिश्चित किया है, जिसे नीचे स्पष्ट किया गया है:

क. शेयरधारकों के अधिकार

कंपनी ने शेयरधारकों के अधिकार सुनिश्चित करने और कंपनी अधिनियम, 2013 के या अन्य प्रयोज्य विधानों के उपबंधों के अनुसार, जब कभी आवश्यक हुआ, शेयरधारकों का अनुमोदन प्राप्त करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए हैं।

कंपनी, महत्त्वपूर्ण घटनाक्रमों के संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी करती है और इसे सम्मानित निवेशकों के सूचनार्थ शेयर बाजारों को भेजा गया है।

वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की सूचना में एजीएम के संचालन की प्रक्रियाओं, मतदान प्रक्रियाओं इत्यादि का विस्तार से वर्णन किया जाता है। उन शेयरधारकों को पर्याप्त अवसर प्रदान किए जाते हैं जो निदेशक मंडल से प्रश्न पूछने के लिए बैठक में भाग लेते हैं और लेखाओं, कंपनी के भावी परिप्रेक्ष्यों इत्यादि से संबंधित प्रश्न पूछने के लिए इस बैठक में भाग लेते हैं।

कंपनी की एक बोर्ड स्तरीय हितधारक संबंध समिति है जो शेयरधारकों की शिकायतों के निवारण के लिए आवधिक बैठकें करती हैं। शेयरधारकों को, उनकी पृच्छाओं / शिकायतों के निवारण के लिए, जिसे आमतौर पर 7 से 10 दिनों में हल किया जाता है, सीधे ही कंपनी को और साथ ही साथ रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट (आरटीए) से संपर्क करने की सुविधा प्राप्त है।

अल्पसंख्य शेयरों के धारकों के अधिकारों का संरक्षण किया जाता है और नियंत्रक शेयरधारकों द्वारा अनुचित कार्रवाई का कोई प्रसंग नहीं था।

ख. समय पर सूचना का प्रेषण

समय पर सूचना भेजने के लिए उन सभी शेयरधारकों को कंपनी ई–मेल के जरिए सूचना भेजती है जिन्होंने कंपनी को और / या निक्षेपागार प्रतिभागियों को अपनी ई–मेल आई डी उपलब्ध कराई है और अन्य सभी को डाक द्वारा भौतिक रूप से सूचना भेजती है।

कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट का संकलन कंपनी के कार्यकरण से संबंधित प्रत्येक कल्पनीय सूचना प्रदान करने के लिए सुविस्तृत रूप से संकलित किया जाता है।

कंपनी की वेबसाइट को आम बैठक की सूचना, वार्षिक रिपोर्टों, तिमाही परिणामों, लाभांश सूचना इत्यादि सहित विभिन्न घटनाक्रमों के बारे में हितधारकों को संसूचित रखने के लिए निरंतर अद्यतित किया जाता है।

ग. निष्पक्ष व्यवहार

सभी इक्विटी शेयरधारकों के साथ उनके स्थान या उनकी शेयरधारिता के परिमाण भिन्न होने के बावजूद समान रूप से व्यवहार किया जाता है।

शेयरधारकों के प्रभावी प्रतिभागिता हेतु कंपनी आम बैठकों की सूचना शेयरधारकों को काफी पहले भेजती है।

इसके अलावा, सभी शेयरधारकों को ई–मतदान की सुविधा उपलब्ध कराई गयी है। उनके मत इलेक्ट्रॉनिक तरीके से

और साथ ही साथ मतदान के माध्यम से प्राप्त करने के लिए सरल और किफायती प्रक्रिया अपनाई गयी है।

सेबी (अंतरंग व्यापार निषेध) विनियमावली, 2015 के अनुसार कंपनी ने ओएनजीसी की प्रतिभूतियों के लेन–देन हेतु एक आंतरिक प्रक्रिया एवं आचार संहिता लागू की है। यह संहिता ओएनजीसी के सभी अंतरंग व्यक्तियों पर लागू होती है, जो कंपनी के शेयरों का उनके द्वारा अप्राधिकृत लेन–देन की रोकथाम भी सुनिश्चित करती है।

घ. कॉरपोरेट अभिशासन में हितधारकों की भूमिका

कंपनी की व्यापार उत्तरदायित्व रिपोर्ट में इस संबंध में कंपनी द्वारा उठाए जा रहे कदमों का विस्तार से विवरण दिया गया है। कंपनी का एक सूचीबद्ध सार्वजनिक उपक्रम होने के नाते अपना संचालन देश के कानून के अनुसार नैतिकता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ करता है और भारत सरकार द्वारा अधिदेशित सभी नीतियों, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों आदि का अनुपालन सुनिश्चित करती है।

कंपनी के प्रत्येक हितधारक को प्रभावी निवारण तंत्र उपलब्ध है, यदि उनके अधिकारों का कोई उल्लंघन होता है।

कॉरपोरेट अभिशासन में प्रभावी प्रतिभागिता हेतु कंपनी समय–समय पर समाचार–पत्रों, कंपनी की वेबसाइट और अन्य माध्यम से संबंधित हितधारकों को विभिन्न घोषणाएं संप्रेषित करती है।

कंपनी सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रावधानों की परिधि के अंतर्गत आती है और इस अधिनियम के तहत यथा उपबंधित भारत के नागरिकों को सभी सूचनाएं प्रदान करती हैं।

कंपनी ने एक व्हिसल ब्लोअर तंत्र कार्यान्वित किया है, जो अपने कर्मचारियों को यह अवसर प्रदान करता है कि वे संगठन में हो रहे किसी गैर–कानूनी/अनैतिक क्रियाकलापों या नैतिकता से संबंधित किसी सरोकार को लेखा–परीक्षा समिति के समक्ष उठाएं।

कंपनी में एक सतर्कता विभाग है, जिसका प्रमुख भारत सरकार से प्रतिनियुक्ति पर आए संयुक्त सचिव या इससे ऊपर के रैंक के एक अधिकारी होते है।

ङ प्रकटन और पारदर्शिता

कंपनी ऐसे सभी मामलों पर, जो जनता को सार्वजनिक किए जाने हों, सूचना को समय से और पूर्ण प्रसार सुनिश्चित करती है। कंपनी की वेबसाइट और कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में कंपनी के संचालन, वित्तीय स्थिति, स्वामित्व और शासकीय संव्यवहारों के प्रत्येक पहलू के संबंध में विस्तृत सूचना दी गई है।

कंपनी के सभी प्रकटन लेखांकन, वित्तीय और गैर–वित्तीय मामलों के संबंधित विनायमक प्राधिकरण द्वारा विनिर्धारित प्ररूपों के अनुरूप होते हैं।

कंपनी प्रेस विज्ञप्ति, आधिकारिक वेबसाइट और / या शेयर बाजारों के माध्यम से सूचना का प्रसार करती है और ये सभी प्रणालियां सभी प्रयोक्ताओं को निःशुल्क उपलब्ध हैं।

कंपनी सभी बैठकों (बोर्ड/समितियों/आम बैठकों, आदि) की कार्यवाहियों के अभिलेख कंपनी अधिनियम, 2013 में विहित सचिवीय मानकों के अनुरूप रखती है। कार्यवृत्तों को विमत विचारों, यदि कोई हों, को अलग से अभिलेखित करते हुए रखा जाता है।

च. निदेशक मंडल के उत्तरदायित्व

कंपनी के पास एक विस्तृत प्रत्यायोजित शक्तियों की पुस्तिका (बीडीपी) और अन्य मैनुअल हैं– जैसे सामग्री प्रबंधन, कार्य मैनुअल आदि, जिनमें प्रक्रियाएं दी गई हैं और जो उस स्तर को परिभाषित करती हैं (बोर्ड कार्यकारिणी समिति/कार्यात्मक निदेशक/प्रमुख कार्यपालक और निचले स्तर के अधिकारी), जिस स्तर पर कोई निर्णय लिया जाना होता है और यह सुनिश्चित करने के लिए समय–समय पर समीक्षा की जाती है कि उन्हें अद्यतित कर दिया गया है और वे संगठन की आवश्यकताएं पूरी करते हैं।

कंपनी में पर्याप्त संख्या में बोर्ड स्तरीय समितियां हैं, जो विभिन्न महत्त्वपूर्ण मामलों पर विचार–विमर्श करती हैं और की जाने वाली कार्रवाई पर बोर्ड को सलाह देती हैं।

कंपनी के बोर्ड के निदेशकों की नियुक्ति और कार्यात्मक निदेशकों का पारिश्रमिक भारत सरकार द्वारा तय किया जाता है।

निदेशक मंडल के सदस्य और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों के लिए यह आवश्यक है कि वे सभी संविदाओं और शेयरधारिता आदि के संबंध में अपना हित घोषित करें, जिन्हें बोर्ड द्वारा नोट किया जाता है। कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि सभी संबंधित पक्षकार लेन–देन लेखा–परीक्षा समिति/बोर्ड की जानकारी/ अनुमोदन के लिए लाया जाता है।

बोर्ड मूल्यांकन भारत सरकार के कार्यक्षेत्र के अंदर आता है।

बोर्ड के सदस्यों को अग्रिम में परिचालित कार्यसूची मदें सुविस्तृत प्रकृति की होती हैं और चर्चा के दौरान विस्तृत प्रस्तुति की जाती है। स्वतंत्र निदेशकों को प्रत्येक कल्पनीय सूचना प्रदान की जाती है ताकि अल्पसंख्य शेयरधारकों के हितों का संरक्षण किया जा सके। कंपनी में निदेशकों के प्रशिक्षण के लिए एक बोर्ड अनुमोदित प्रशिक्षण नीति है।

प्रत्येक प्रस्ताव की जॉच की जाती है और उन पर निर्णय लेने से पूर्व उन पर चर्चा की जाती है। बोर्ड समितियां बोर्ड को संस्तुत करने से पूर्व प्रत्येक प्रमुख प्रस्ताव पर विचार करती हैं।

बोर्ड नियमित रूप से अपने निर्णयों पर कृत कार्रवाई की निगरानी करता है। जोखित क्षेत्रों को परिनिर्धारित किया जाता है और उपशमन प्रक्रियाएं स्थापित की जाती हैं।

निर्देश निबंधनों, कोरम, बैठक आवृत्ति इत्यादि को प्रत्येक बोर्ड समितियों के लिए स्पष्ट रूप से परिभाषित की जाती है और बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

बोर्ड के सदस्य समय समय पर बोर्ड को सभी अपेक्षित सूचना प्रदान करते हैं। बोर्ड शेयरधारकों के मूल्य सृजन के सापेक्ष कंपनी के लिए किफायत, कुशलता और प्रभाविता हासिल करने के लिए जिम्मेदारियों का निवर्हन कर प्रमुख कार्य–कलाप निष्पादित करते हैं।

1.3 कॉरपोरेट अभिशासन सम्मान

कंपनी के कॉरपोरेट अभिशासन संव्यवहारों ने कई पुरस्कार प्राप्त की हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं :

- इंडियन चैंबर्स आफ कॉमर्स द्वारा वर्ष 2012 का ''सर्वश्रेष्ठ कॉरपोरेट अभिशासन'' और ''पर्यावरणीय उत्कृष्टता एवं संवहनीय विकास'।
- कॉरपोरेट अभिशासन, ब्रिटेन द्वारा वर्ष 2005, 2007, 2008, 2009, 2013 और 2016 का 'गोल्डन पीकॉक पुरस्कार'।
- कंपनी ने 'कॉरपोरेट अभिशासन में उत्कृष्टता के लिए आईसीएसआई राष्ट्रीय पुरस्कार' – वर्ष 2010 से 2014 तक लगातार 5 वर्षों के लिए भारतीय कंपनी सचिव संस्थान से सम्मान प्रमाण पत्र प्राप्त किया है।

2. निदेशक मंडल

2.1 संरचना

कंपनी का निदेशक मंडल कार्यनीतियां, नीतियां बनाता है और कंपनी के प्रदर्शन की आवधिक रूप से समीक्षा करता है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और छह पूर्णकालिक निदेशक अर्थात निदेशक (मानव संसाधन), निदेशक (वित्त), निदेशक (प्रौद्योगिकी एवं क्षेत्र सेवाएं), निदेशक (अन्वेषण), निदेशक (अपतट) और निदेशक (अभितट) कंपनी के दैनंदिन के कारोबार का नेतृत्व करते हैं, बोर्ड के समग्र पर्यवेक्षण, नियंत्रण और मार्गदर्शन में कार्यनीतिक निर्णय लिए जाते हैं। सरकारी कंपनी होने के कारण निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है।

निदेशक मंडल में कार्यकारी / कार्यात्मक और गैर–कार्यकारी निदेशकों का अनुकूलतम मिश्रण होता है। 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार निदेशक मंडल में 17 निदेशक थे, जिनमें भारत सरकार द्वारा नियुक्त 6 कार्यात्मक निदेशक (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सहित) और 11 गैर कार्यकारी निदेशक थे (जिनमें से 2 सरकार नामित निदेशक और 9 स्वतंत्र निदेशक थे)।

कंपनी के निदेशक मंडल की संरचना सूचीकरण विनियम के विनियम 17(1) के अनुपालन में है और कंपनी ने दिनांक 23.09.2017 से स्वतंत्र निदेशकों और महिला निदेशक से संबंधित अपेक्षाओं का अनुपालन किया है।

सूचीकरण विनियमावली के विनियम 46(2)ख के अंतर्गत यथा अपेक्षित स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति के निबंधन एवं इसकी शर्तें कंपनी की वेबसाइट वेब लिंक https://www.ongcindia.com/wps/wcm/connect/en/investors/independent-director/ पर उपलब्ध हैं।

2.2 बोर्ड / समिति की बैठकें एवं प्रक्रियाविधियां

आगामी वर्ष के दौरान आयोजित की जाने वाली बोर्ड बैठकों का एक संभावित कार्यक्रम, बैठकों की संख्या और दो बैठकों के बीच अधिकतम अनुज्ञात समय अंतराल से संबंधित कानूनी अपेक्षाओं पर विचार करते हुए बोर्ड द्वारा अनुमोदित की जाती है। जब कभी आवश्यक होता है अतिरिक्त बैठकें भी की जाती हैं। अत्यावश्यकता के मामले में संकल्प परिचालन द्वारा पारित किए जाते हैं।

कंपनी निदेशकों को प्रतिभागिता करने में सक्षम बनाने के लिए, यदि वे व्यक्तिगत रूप से बैठकों में शामिल नहीं होते हैं, वीडियो कान्फ्रेंसिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराती है।

बैठकों की कार्यसूची ज्यादातर अग्रिम में परिचालित कर दिया जाता है ताकि निदेशकों द्वारा संसूचित निर्णय लिया जा सके। हालांकि, अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील सूचना वाले कार्यसूची मद को बोर्ड / समिति की संबंधित बैठक में रखा जाता है।

निदेशकों को कंपनी के पास उपलब्ध सभी सूचना अबाधित रूप से सुलभ होती हैं। कंपनी सचिव बोर्ड और समितियों की सभी बैठकों में भाग लेते हैं और वे ऐसी बैठकों के कार्यवृत्त को अभिलेखित करने के लिए जिम्मेदार होते हैं।

2.3 बोर्ड के गैर–कार्यकारी सदस्यों का प्रशिक्षण और मूल्यांकन

क) लोक उद्यम विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों हेतु कॉरपोरेट अभिशासन संबंधी दिशानिर्देश 2010 के खंड 3.7 और निदेशकों के प्रशिक्षण से संबंधित सूचीकरण समझौते की अपेक्षा के अनुरूप कंपनी में गैर कार्यकारी निदेशकों के लिए निम्नलिखित प्रशिक्षण नीति है :

- **प्रारंभिक प्रशिक्षण / परिचय कार्यक्रम**
- **बाह्य प्रशिक्षण**

ख) गैर–कार्यकारी बोर्ड सदस्य प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं जिनके पास व्यापार, शिक्षा, उद्योग, वाणिज्य और प्रशासन में व्यापक अनुभव होता है। बोर्ड में उनकी उपस्थिति लाभप्रद तथा व्यापार निर्णय लेने में लाभदायक होतीं हैं। निदेशकों की प्रशिक्षण नीति और वर्ष 2017–18 के दौरान आयोजित परिचय / प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विवरण वेब लिंक http://www.ongcindia.com/wps/wcm/connect/en/investors/independent-directors/ पर देखे जा सकते हैं।

(ख) निदेशकों के प्रदर्शन मूल्यांकन संबंधी नीति

कंपनी के एक सरकारी कंपनी होने के कारण, कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निदेशकों के प्रदर्शन के मूल्यांकन से इसे छूट प्राप्त है। सूचीकरण विनियमों के तहत इसी प्रकार की छूट सेबी के विचाराधीन है।

2.4 बोर्ड बैठकें

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, बोर्ड की चौदह (14) बैठकें आयोजित की गयीं, जो 27 अपैल, 26 मई, 29 जून, 27 जुलाई, 21 एवं 31 अगस्त, 28 सितंबर, 28 अक्तूबर, 30 नवंबर, 28 दिसंबर 2017, 19 जनवरी, 9 फरवरी और 1 एवं 24 मार्च 2018 को आयोजित की गयीं थी।

वित्त वर्ष 2017 – 18 के दौरान निदेशकों द्वारा भाग लिए गए बैठकों की संख्या, अंतिम वार्षिक आम बैठक में उनकी उपस्थिति और दिनांक 31.03.2018 की स्थिति के अनुसार विभिन्न कंपनियों में अन्य निदेशक पदों / समिति सदस्यता की संख्या सहित बोर्ड और संबंधित मामलों से संबंधित, सूचीकरण विनियम की अनुसूची 5 के तहत प्रकटन हेतु यथा अपेक्षित सूचना नीचे सारणीबद्ध की गयी है :–

नाम एवं पदनाम	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या (क)	निदेशकों की उपस्थिति		क्या दिनांक 27. 09. 2017 को आयोजित पिछली बैठक में भाग लिया था	दिनांक 31. 03. 2018 तक का विवरण		
		बैठकों की संख्य (ख)	प्रतिशत (ख / क)		अन्य कंपनियों में धारित निदेशक पदों की सं.	सभी कंपनियों की समिति सदस्यता*	
						अध्यक्ष के रूप में	सदस्य के रूप में
क) कार्यकारी निदेशक							
श्री शशि शंकर, अ. और प्र. नि. (दिनांक 01. 10. 2017 से)	14	14	100	हाँ	7	शून्य	शून्य
श्री डी. डी. मिश्र, निदेशक (मा. सं.)	14	14	100	हाँ	शून्य	शून्य	1
श्री ए. के. द्विवेदी, निदेशक (अन्वेषण)	14	14	100	हाँ	1	शून्य	शून्य
श्री सुभाष कुमार, निदेशक (वित्त) (दिनांक 31. 01. 2018 से)	3	3	100	लागू नहीं	2	शून्य	1
श्री राजेश कक्कड़, निदेशक (अपतट) (दिनांक 19. 02. 2018 से)	2	2	100	लागू नहीं	2	शून्य	1
श्री डी. के. सर्राफ, अ. और प्र. नि. (दिनांक 30. 09. 2017 तक)	7	7	100	हाँ	लागू नहीं		
श्री ए. के. श्रीनिवासन, निदेशक (वित्त) (दिनांक 31. 10. 2017 तक)	8	8	100	हाँ			
श्री टी. के. सेनगुप्ता, निदेशक (अपतट) (दिनांक 31. 12. 2017 तक)	10	9	90	हाँ			
श्री वी. पी. महावर, निदेशक (अभितट) (दिनांक 28. 02. 2018 तक)	12	12	100	हाँ			
ख) गैर–कार्यकारी और सरकार नामित निदेशक							
श्री अमर नाथ संयुक्त सचिव (अन्वेषण)	14	11	79	हाँ	शून्य	शून्य	शून्य
श्री राजीव बंसल, अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार (दिनांक 10. 08. 2017 से)	10	10	100	नहीं	3	शून्य	शून्य

नाम एवं पदनाम	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या (क)	निदेशकों की उपस्थिति		क्या दिनांक 27. 09. 2017 को आयोजित पिछली बैठक में भाग लिया था	दिनांक 31. 03. 2018 तक का विवरण		
		बैठकों की संख्य (ख)	प्रतिशत (ख / क)		अन्य कंपनियों में धारित निदेशक पदों की सं.	सभी कंपनियों की समिति सदस्यता*	
						अध्यक्ष के रूप में	सदस्य के रूप में
श्री ए. पी. साहनी, अपर सचिव (दिनांक 23. 06. 2017 तक)	2	1	50	लागू नहीं	लागू नहीं	शून्य	1
ग) स्वतंत्र निदेशक							
श्री अजय मल्होत्रा	14	13	93	हाँ	1	शून्य	शून्य
प्रो. गिरीश बी. केदारे	14	12	86	हाँ	शून्य	शून्य	1
श्री के. एम. पद्मानाभन	14	13	93	हाँ	1	1	1
श्री दीपक सेठी	14	14	100	हाँ	शून्य	शून्य	2
श्री विवेक माल्या	14	12	86	हाँ	शून्य	शून्य	1
श्री सुमित बोस	14	11	79	हाँ	4	3	2
डॉ. संतृप्त बी. मिश्रा	14	7	50	हाँ	2	शून्य	1
श्रीमती गंगा मूर्ति (दिनांक 23. 09. 2017 से)	8	8	100	हाँ	शून्य	शून्य	2
डॉ. संबित पात्रा (दिनांक 28. 10. 2017 से)	6	5	83	लागू नहीं	शून्य	1	शून्य

रु विदेशी कंपनियों, धारा 8 कंपनियों और प्राईवेट लिमिटेड कंपनियों में धारित निदेशक पद शामिल नहीं हैं।
लेखा परीक्षा समिति और पब्लिक लिमिटेड कंपनियों (ओएनजीसी सहित) की अध्यक्षता/सदस्यता हितधारक संबंध समिति की अध्यक्षता / सदस्यता।
टिप्पणी : (i) कंपनी एक पीएसयू होने के कारण, इसके सभी निदेशक भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त / नामित किए जाते हैं।
(ii) निदेशकों का एक दूसरे से संबंध नहीं है।
(iii) निदेशकों का कंपनी के साथ कोई आर्थिक संबंध नहीं है या इसके साथ कोई लेन–देन नहीं है (सिवाय पारिश्रमिक के जिसके वे हकदार हैं)
(iv) निदेशक पदों / सदस्यता की संख्या निदेशक मंडल के संबंधित निदेशक से प्राप्त नवीनतम प्रकटनों पर आधारित हैं।
(v) कोई भी निदेशक, सूचीकरण विनियमावली के विनियम 26 (1)(क) एवं (ख) के तहत सभी कंपनियों को मिलाकर जिनमें वे निदेशक के पद धारित करते हैं, 10 से अधिक समितियों के सदस्य नहीं हैं और 5 से अधिक समितियों के अध्यक्ष नहीं हैं।

3. बोर्ड समितियां

बोर्ड को उचित बोर्ड स्तरीय समितियों (बीएलसी) द्वारा सहयोग प्रदान किया गया है, जिसके संघटन से संबंधित विवरण, संदर्भ शर्तें (टीओआर), कंपनी की बीएलसी की बैठक और उपस्थिति संबंधी विवरण नीचे दिया गया है :

3.1 लेखा परीक्षा एवं आचार समिति

लेखा परीक्षा एवं आचार समिति को सौंपे गए कार्य कंपनी अधिनियम, 2013, सूचीकरण विनियम और केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के लिए कॉरपोरेट अभिशासन संबंधी लोक उद्यम विभाग (डीपीई) दिशानिर्देश – 2010 मे यथा उपबंधित हैं। इसके अलावा, लेखा, लेखा–परीक्षा, कराधान और निवेश से संबंधित सभी कार्यसूची मदें बोर्ड के अनुमोदनार्थ सामान्यतः इस समिति द्वारा संस्तुत की जाती है।

वर्ष के दौरान, लेखा–परीक्षा एवं आचार समिति की तेरह (13) बैठकें, 26 अप्रैल, 25 मई, 28 जून, 27 जुलाई, 31 अगस्त, 28 सितंबर, 27 अक्तूबर, 29 नवंबर, 27 दिसंबर, 2017, 19 जनवरी, 8 एवं 28 फरवरी और 24 मार्च 2018 को आयोजित की गयीं थी।

परिवर्तन, यदि कोई, सहित सदस्यों के विवरण, उनके कार्यकाल, वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या और उनमें सदस्यों की उपस्थिति के ब्यौर इस प्रकार हैं :

सदस्य	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या (क)	सदस्यों की उपस्थिति	
		बैठकों की संख्या (ख)	प्रतिशत (क/ख)
श्री के. एम. पदमनाभन (अध्यक्ष)	13	13	100
श्री अजय मल्होत्रा (20. 11. 2017 तक)	08	07	88
श्री विवेक माल्या	13	11	85
श्री सुमित बोस	13	09	69
श्री दीपक सेठी (30. 11. 2017 से)	05	05	100
श्रीमती गंगा मूर्ति (30. 11. 2017 से)	05	05	100
श्री राजेश कक्कड़ (19. 02. 2018 से)	02	02	100
श्री टी. के. सेनगुप्ता (30. 11. 2017 से 31. 12. 2017 तक)	01	01	100

3.2 नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी)

एक सरकारी कंपनी होने के कारण इस कंपनी के निदेशकों की नियुक्ति, कार्यकाल और पारिश्रमिक का निर्णय भारत सरकार द्वारा किया जाता है। इसके अलावा, वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिक सहित कंपनी के कर्मचारियों के पारिश्रमिक का निर्णय बोर्ड द्वारा लागू डीपीई दिशानिदेशों के अनुरूप लिया जाता है।

इसके अलावा, निदेशकों की नियुक्ति के मापदंड से संबंधित कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधान, निदेशकों के पारिश्रमिक से संबंधित नीति और एनआरसी से संबंधित प्रदर्शन मूल्यांकन सरकारी कंपनी पर लागू नहीं होगा। सूचीकरण विनियम के अंतर्गत अपेक्षाओं के लिए इसी तरह की छूट सेबी से प्रत्याशित है। हालांकि, एनआरसी के लिए वार्षिक बोनस / परिवर्तनीय वेतन पूल और डीपीई दिशानिर्देशों के तहत यथा उपबंधित सीमाओं के अंदर कंपनियों के कर्मचारियों के बीच इसके वितरण की नीति के संबंध मे निर्णय लेना आवश्यक है।

वर्ष के दौरान, एनआरसी की चार (4) बैठकें, 30 अगस्त, 27 सितंबर, 27 दिसंबर, 2017 और 8 फरवरी 2018 को आयोजित की गयीं थी।

परिवर्तन, यदि कोई, सहित सदस्यों के विवरण, उनके कार्यकाल, वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या और उनमें सदस्यों की उपस्थिति के ब्यौरे इस प्रकार हैं :

सदस्य	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या (क)	सदस्यों की उपस्थिति	
		बैठकों की संख्या (ख)	प्रतिशत (क/ख)
डॉ. संतृप्त बी. मिश्रा (अध्यक्ष)	4	2	50
श्री शशि शंकर (दिनांक 30. 11. 2017 से)	2	2	100
श्री राजीव बंसल	04	00	0
श्री के. एम. पद्मनाभन	04	04	100
श्री विवेक माल्या (दिनांक 29. 11. 2017 तक)	02	02	100
श्री दीपक सेठी (29. 11. 2017 तक)	02	02	100
श्री अजय मल्होत्रा (30. 11. 2017 से)	02	02	100
डॉ. संबित पात्रा (30. 11. 2017 से)	02	02	100

3.2.1 निदेशकों के पारिश्रमिक

सेबी सूचीकरण विनियम, 2015 की अनुसूची V के साथ पठित विनियम 34(3) के तहत यथा अपेक्षित निदेशकों के पारिश्रमिक के विवरण का नीचे उल्लेख किया गया है :

क) कार्यकारी निदेशक

कंपनी के अ. और प्र. नि. तथा पूर्वकालिक निदेशकों को भुगतान किये गए पारिश्रमिक का विवरण (राशि ₹ में)									
दिनांक 01. 04. 2017 से दिनांक 31. 03. 2018 तक की अवधि के दौरान									
क्र.सं.	नाम / पदनाम	डीए सहित वेतन	अन्य हितलाभ एवं परिलब्धियां	छुट्टी नकदीकरण / सेवानिवृत्ति उपदान	प्रदर्शन प्रोत्साहन प्रावधान / भुगतान	भ. नि. में योगदान	यथा संशो. एएस–15 के अनुसार छुट्टी और सेवानिवृत्ति पश्च हितलाभ के लिए प्रावधान	सकल योग	अवधि
1	श्री शशि शंकर, अ. और प्र. नि. (दिनांक 01. 10. 2017 से)	3,875,169	1,345,220	655,143	1,248,492	765,044	2,848,133	10,737,200	31.03.21
2	श्री डी. डी. मिश्र, निदेशक (मानव संसाधन)	3,615,083	1,380,935	-	945,266	718,134	3,077,106	9,736,524	30.06.18
3	श्री ए. के. द्विवेदी, निदेशक (अन्वेषण)	3,869,427	1,279,103	674,274	1,011,493	766,875	2,552,422	10,153,594	31.07.19
4	श्री सुभाष कुमार, निदेशक (वित्त), (दिनांक 31.01.2018 से)	592,676	32,065	-	-	51,388	375,972	1,052,102	31.12.21
5	राजेश कक्कड़ निदेशक (अपतट)	312,121	227,207	-	-	64,945	891,171	1,495,443	30.04.21
6	श्री डी. के. सर्राफ, अ. और प्र. नि. (30. 09. 2017 तक)	2,293,658	827,236	6,052,230	1,518,826	435,258	1,512,130	12,639,337	30.09.17
7	श्री ए. के. श्रीनिवासन, निदेशक (वित्त), (दिनांक 31.10.2017 तक)	2,300,511	789,627	6,150,532	1,383,664	441,350	1,532,743	12,598,427	30.10.17
8	श्री टी. के. सेनगुप्ता, निदेशक (अपतट) (31.12.2017 तक)	2,872,624	906,841	569,139	988,733	560,668	1,959,838	7,857,842	31.12.17
9	श्री वी. पी महावर निदेशक (अभितट), (28.02.2018 तक)	3,528,233	1,009,119	-	1,002,146	696,509	2,441,350	8,677,357	28.02.18
कुल		**23,259,501**	**7,797,352**	**14,101,318**	**8,098,621**	**4,500,170**	**17,190,864**	**74,947,825**	

टिप्पणी 1. कार्यकारी निदेशकों के प्रदर्शन संबंधी वेतन का भुगतान डीपीई सन्नियम के अनुसार किए जाते हैं।
2. कार्यकारी निदेशकों की सेवाएं प्रविरत करने हेतु 3 माह की नोटिस अवधि या तत्संबंधी अवधि का वेतन अपेक्षित है।

(ख) स्वतंत्र निदेशक

इस कंपनी के संगम अनुच्छेद के खंड 123 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 और अन्य लागू प्रावधानों के अनुसरण में स्वतंत्र निदेशकों को प्रत्येक बोर्ड बैठक में भाग लने के लिए ₹ 40,000 प्रति बैठक की दर पर और समिति बैठकों में भाग लेने के लिए ₹ 30,000 प्रति बैठक की दर पर बैठक शुल्क का भुगतान किया जाता है।

वित्त वर्ष 2018 के लिए स्वतंत्र निदेशको को भुगतान किए गए बैठक शुल्क (जीएसटी के निवल) के विवरण का नीचे उल्लेख किया गया है :

नाम	बैठक शुल्क (₹)
श्री अजय मल्होत्रा	17,80,000
प्रो. शिरीश बी. केदारे	14,40,000
श्री के. एम. पद्मनाभन	16,90,000
श्री दीपक सेठी	16,10,000
श्री विवेक माल्या	18,60,000
श्री सुमित बोस	14,60,000
डॉ. संतृप्त बी. मिश्रा	6,70,000
श्रीमती गंगा मूर्ति (23. 09. 2017 से)	6,50,000
डॉ. संबित पात्रा (28. 10. 2017 से)	3,50,000
कुल	**1,15,10,000**

(ग) सरकार नामित निदेशक

सरकार नामित निदेशक के संप्रवर्तकों के प्रतिनिधि होने के नाते उन्हें किसी प्रकार के पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किया जाता है।

निदेशक मंडल के स्तर के ठीक नीचे के वरिष्ठ अधिकारियों के पारिश्रमिक, सूचीकरण विनियम – 2015 की अनुसूची (II) के भाग क (ङ) में यथा विनिर्दिष्ट, सीएफओ और कंपनी सचिव सहित उनकी नियुक्ति करना या हटाना डीपीई दिशा–निर्देशों से प्रशासित होता है और समय समय पर बोर्ड को सूचित किया जाता है।

3.2.2 स्टॉक विकल्प

कंपनी ने अपने निदेशकों / कर्मचारियों को समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कोई स्टॉक विकल्प जारी नहीं किया है।

3.2.3 निदेशकों द्वारा धारित इक्विटी शेयर

नीचे यथा वर्णित के सिवाय, कोई भी निदेशक, उनके द्वारा की गयी घोषणा के अनुसार कंपनी का कोई इक्विटी शेयर उनके नाम पर धारित नहीं है :

निदेशक का नाम	दिनांक 31.03.2018 को धारित शेयरों की संख्या
श्री शशि शंकर, अ. और प्र. नि.	5568
श्री डी. डी. मिश्र, निदेशक (मा.सं.)	2550
श्री ए. के. द्विवेदी, निदेशक (अन्वेषण)	1230
श्री राजेश कक्कड़ निदेशक (अपतट)	4758
श्री सुभाष कुमार, निदेशक (वित्त),	30
श्री अजय मल्होत्रा, स्वतंत्र निदेशक	1650
डॉ. संतृप्त बी. मिश्रा, स्वतंत्र निदेशक	630
श्रीमती गंगा मूर्ति, स्वतंत्र निदेशक	455

अन्य निदेशक दिनांक 31.03.2018 की स्थिति के अनुसार कंपनी की पूंजी में कोई इक्विटी शेयर धारित नहीं करते हैं।

3.3 हितधारक संबंध समिति (एसआरसी)

एसआरसी विशिष्ट रूप से कंपनी के हितधारकों के अधिकार के विभिन्न पहलूओं की देखरेख करती है। समिति रजिस्ट्रार और अंतरण एजेंट के प्रदर्शनों का पर्यवेक्षण और समीक्षा भी करती है और निवेशक सेवाओ की गुणवत्ता में समग्र सुधार के लिए किए जाने वाले उपाय की सिफारिश करती है। यह समिति कंपनी की प्रतिभूतियों के अंतरंग व्यापार की रोकथाम के लिए कंपनी की आचार संहिता के क्रियान्वयन एवं अनुपालन की निगरानी भी करती है।

वर्ष 2017–18 के दौरान, इस समिति की एक (01) बैठक 27 अक्तूबर 2017 को आयोजित की गयी और यह (01) सूचीकरण विनियम के विनियम 20 (3क) की अपेक्षा के अनुपालन में है।

वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या और उस बैठक में सदस्यों की उपस्थिति इस प्रकार है :–

सदस्य	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या (क)	भाग लेने वाले बैठकों की संख्या (ख)	उपस्थिति का प्रतिशत (ख/क)
श्री दीपक सेठी (अध्यक्ष)	1	1	100
श्री के. एम. पदमानाभन (29. 11. 2017 तक)	1	1	100
श्री विवेक माल्या (29. 11. 2017 तक)	1	1	100
श्री डी. डी. मिश्र	1	1	100
श्री ए. के. श्रीनिवासन (30. 10. 2017 तक)	1	1	100

डॉ. संबित पात्रा दिनांक 30.11.2017 से इस समिति के अध्यक्ष हैं।

3.3.1 अनुपालना अधिकारी

श्री एम ई वी सेल्वम, कंपनी सचिव, अनुपालना अधिकारी हैं।

3.3.2 निवेशकों की शिकायतों का निवारण

कंपनी निवेशकों की शिकायतों, सुझावों और व्यथाओं का शीघ्रता से निवारण करती है और सिवाय तथ्यात्मक या अन्य विधिक कठिनाइयों वाले मामले के, विनिर्दिष्ट समय सीमा के अधीन हल निकालती है।

शेयर हस्तांतरण का कोई मामला 30 दिनों से अधिक समय तक लंबित नही रहता है, सिवाय उन मामलों के जो विवादित या न्यायालय में विचाराधीन होते हैं। शेयरों को अभौतिक रूप में परिवर्तित करने के सभी अनुरोध संसाधित किए जाते हैं और निवेशकों और निक्षेपागार प्रतिभागियों को सामान्यतः 10 से 12 कार्य दिवसों के अंदर अभिपुष्टि संसूचित कर दी जाती है।

इसके अलावा, हितधारक संबंध की दिशा में एक सद्भावना उपाय के रूप में भारत सरकार 'बिक्री के लिए ओएनजीसी प्रस्ताव–2004' से संबंधित शिकायतों का निपटान किया जा रहा है।

इस वित्त वर्ष की शुरुआत में बिक्री प्रस्ताव से संबंधित शिकायतों सहित कुल 72 शिकायतें प्राप्त हुईं थीं। दिनांक 31. 03. 18 की स्थिति के अनुसार भारत सरकार के बिक्री प्रस्ताव – 2004 से संबंधित 3 शिकायतों को छोड़कर सभी शिकायतों का समाधान कर दिया गया था।

3.3.3 शिकायतों का समाधान

निवेशक नीचे उल्लिखित तरीके से अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं :

क्र.सं.	शिकायत की प्रकृति	संपर्क	की जाने वाली कार्रवाई
1.	वित्तीय वर्ष 2010–11 (अंतिम) से 2017–18 (दूसरा अंतरिम) तक लाभांश तथा बोनस शेयरों से संबंधित सभी मामले। भौतिक शेयरों के लिए– पते, स्थिति, बैंक खाते, मैंडेट, ईसीएस मैंडेट आदि में परिवर्तन।	अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड, अलंकित हाइट्स, 1ई/13, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली – 110055 दूरभाष सं.011–42541234, फैक्स नं. 011–42541201, 011–23353001 वेबसाइटः **www.alankit.com** ई–मेलः **alankit_ongc@alankit.com**	फोलियो/डीपी आईडी/ग्राहक आईडी संख्या बताते हुए मूल शेयरों तथा अन्य दस्तावेज़/लिखत, जैसा भी मामला हो, का उल्लेख करते हुए सादे कागज पर आवेदन करें। सदस्यों से अनुरोध है कि वर्ष 2010–11 के अंतिम लाभांश 2011–12 के वारंट की अनुलिपि के नवीकरण अथवा जारी करने हेतु क्रमशः 29.09.2018 तथा 03.02.2019 तक आवेदन करें क्योंकि उसके पश्चात उक्त राशि को कंपनी द्वारा भारत सरकार द्वारा स्थापित निवेशक शिक्षा तथा सुरक्षा निधि (आईईपीएफ) को अंतरित कर दिया जाएगा। उसके पशचात् कंपनी के विरुद्ध कोई दावा मान्य होगा।
2.	**डीमेट शेयरों हेतु** – पते, स्थिति, बैंक खाते, मैंडेट, ईसीएस मैंडेट आदि में परिवर्तन।	शेयरधारक का लेखा रखने वाला निक्षेपागार प्रतिभागी (डीपी)।	डीपी के अनुदेशों के अनुसार।
3.	क्रम संख्या 2 के अतिरिक्त अन्य सभी शिकायतें।	कंपनी सचिव, ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड, दीनदयाल उपाध्याय ऊर्जा भवन, 4थी मंजिल, 5, नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली – 110070 दूरभाषः 011 – 2675 4073 ई–मेलः secretariat@ongc.co.in	शिकायत की प्रकृति, फोलियो/डीपीआईडी/ग्राहक आईडी संख्या, नाम तथा पते का उल्लेख करते हुउ सादे कागज पर।

हालांकि, वे शेयर धारक जिनकी अदावाकृत राशि कंपनी द्वारा आईपीएफ को अंतरित कर दी गयी है, अपेक्षित दस्तावेजों के साथ आईईपीएफ–एस फॉर्म भरकर आईईपीएफ प्राधिकारी से उस राशि का दावा कर सकते हैं। इससे संबंधित विवरण और प्रक्रिया वेबलिंक http://www.iepf.gov.in/IEPFA/refund.html *पर उपलब्ध है।*
नोट : ओएनजीसी "बिक्री प्रस्ताव – 2004" से संबंधित "स्कोर्स" में पंजीकृत तीन (3) शिकायतें (पिछले वर्ष – 72 शिकायतें) सेबी के मार्गदर्शन / पर्यवेक्षण के तहत एक बारगी आधार पर कंपनी द्वारा निपटान की प्रक्रिया में है।

3.3.4 निवेशक संबंध प्रकोष्ठ

वैश्विक प्रथाओं के अनुरूप, कंपनी और इसके शेयरधारकों के बीच के संबंधों को सुदृढ़ करते हुए कंपनी कॉरपोरेट अभिशासन के उच्चतम मानकों को सम्पोषित करने के प्रति प्रतिबद्ध है। निवेशकों और विश्लेषकों द्वारा बार–बार मांगी जाने वाली सूचना 'इन्वेस्टर' टैब के अंतर्गत' कंपनी की वेबसाइट www.ongcindia.com पर उपलब्ध है। यह वेबसाइट वित्तीय विवरणों, निवेशक संबंधित घटनाक्रमों एवं प्रस्तुतियों, वार्षिक रिपोर्टों, प्रेस विज्ञप्तियों सहित लाभांश सूचना और शेयरधारिता स्वरूप, कंपनी समीक्षा और कॉरपोरेट अभिशासन संबंधी रिपोर्ट इत्यादि पर अद्यतन सूचना उपलब्ध कराती है। मौजूदा एवं संभावित निवेशक भी अपनी पृच्छाओं के लिए और सूचना प्राप्त करने के लिए इस लिंक के माध्यम से कंपनी से वार्ता कर सकते हैं।

निदेशक (वित्त) की अध्यक्षता में, वरिष्ठ एवं अनुभवी अधिकारियों को शामिल करते हुए एक कोर टीम को उक्त लिंक का अनुरक्षण करने तथा शेयरधारकों हेतु उनकी राय, मत, सुझाव व्यक्त करने, उनके निवेश निर्णयन प्रक्रियो को प्रभावित करने

वाले कारकों को समझने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। इसके अतिरिक्त, यह टीम भारत एवं विदेश में टेली–कॉन्फ्रेंसिंग सहित आवधिक बैठकों के माध्यम से घनिष्ठ संपर्क बनाए रखने और सूचना का साझा करने, निवेशकर्ता बैंकरों, अनुसंधान विश्लेषकों, और संस्थागत निवेशकों इत्यादि के साथ नियमित प्रेस वार्ता करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कंपनी हितधारकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए ऐसे अन्य कदम उठाने के प्रति प्रतिबद्ध है।

4.0 अन्य प्रकार्य / कार्यकलाप विशिष्ट समितियां

उपर्युक्त के अतिरिक्त, बोर्ड ने अन्य सांविधिक समितियां गठित की हैं, जैसे कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, जोखिम प्रबंधन समिति, शेयर प्रमाण पत्र निर्गम समिति और परियोजना मूल्यांकन और समीक्षा समिति, स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण समिति, विवाद निपटान समिति, अनुसंधान और विकास समिति, समनुषंगी और संयुक्त उद्यम समीक्षा समिति, आशा किरण इत्यादि सहित अन्य समितियां।

5.0 स्वतंत्र निदेशकों की बैठकें

कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची IV के तहत यथा अपेक्षित, स्वतंत्र निदेशकों को वर्ष में कम से कम एक बैठक करना आवश्यक है। हालांकि, स्वतंत्र निदेशकों की तीन बैठकें 27 जुलाई, 27 अक्तूबर, 2017 और 24 मार्च 2018 को आयोजित की गयीं थी।

6.0 बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए आचार संहिता

सेबी (सूचीकरण अपेक्षाएं एवं प्रकटन अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 के विनियम 26(3) के अनुसरण में बोर्ड के सभी सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों ने कंपनी की वेबसाइट www.ongcindia.com पर यथा प्रकाशित कंपनी की आचार संहिता के अनुपालन की अभिपुष्टि की है।

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक द्वारा दिनांक 09.07.2018 को हस्ताक्षरित एक घोषणा नीचे प्रस्तुत है :

"मैं एतद्द्वारा पुष्टि करता हूँ कि कंपनी ने बोर्ड के सदस्यों और शीर्ष प्रबंधन कर्मियों (प्रमुख कार्यपालकों) से यह पुष्टि प्राप्त कर ली है कि उन्होंने वित्त वर्ष 2017 – 18 के लिएं निदेशकों तथा वरिष्ठ प्रबंधन हेतु आचार संहिता का अनुपालन किया है।"

7.0 सतर्कता तंत्र/व्हिसल ब्लोअर नीति

यह कंपनी एक सरकारी कंपनी होने के नाते मुख्य सतर्कता अधिकारी, जो केन्द्र सरकार में संयुक्त सचिव या उसके ऊपर के स्तर के अधिकारी होंगे, के माध्यम से केन्द्रीय सतर्कता आयोग के अध्यधीन है। तदनुसार, डॉ. ए. के. अंबष्ट, आई.एफ.एस. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में कंपनी में प्रतिनियुक्त थे।

इसके अलावा, कंपनी की व्हिसल ब्लोअर नीति कर्मचारियों को संगठन में अनैतिक संव्यवहारों, वास्तविक या संदिग्ध धोखाधड़ी पूर्ण लेन–देन के विरुद्ध सक्षम प्राधिकारी के संज्ञान में लाने हेतु शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु पर्याप्त अवसर प्रदान करती है।

8.0 अंतरंग व्यापार संहिता

भारतीय प्रतिभूति एव विनिमय बोर्ड (अतरंग व्यापार निशेधा) विनियमावली, 2015 के अनुसरण में बोर्ड ने "ओएनजीसी की प्रतिभूतियों के कारोबार में आंतरिक प्रक्रियाविधियों तथा आचार संहिता'' को अनुमोदित कर दिया है। संहिता का उद्देश्य किसी भीतरी व्यक्ति द्वारा अप्रकाशित मूल्य संवेदी सूचना के आधार पर कंपनी के शेयरों का क्रय और/अथवा बिक्री को रोकना है। इस संहिता के अंतर्गत भीतरी व्यक्तियों (निदेशक, सलाहकारों, मुख्य अधिकारियों, पदनामित कर्मचारियों तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों) को व्यापार विंडो के बंद होने तथा अन्य निर्दिष्ट अवधियों के दौरान कंपनियों के शेयरों / व्युत्पन्नों का व्यापार करने की मनाही है। विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक प्रतिभूतियों का व्यापार करने के लिए अनुपालन अधिकारी की अनुमति भी अपेक्षित है। सभी निदेशकों/सलाहकारों/अधिकारियों/नामित कर्मचारियों को भी समय–समय पर संहिता में यथा परिभाषित संबंधित सूचना को प्रकट करना भी आवश्यक होता है।

9.0 सीईओ/सीएफओ द्वारा अनुपालना प्रमाण पत्र :

सूचीकरण विनियमावली, 2015 के विनियम 17(8) के अनुसार, वर्ष 2017–18 की वित्तीय रिपोर्टिंग से संबंधित वित्तीय विवरण और आंतरिक नियंत्रण पर सीईओ/सीएफओ द्वारा जारी प्रमाण–पत्र, दिनांक 30 मई, 2018 को आयोजित बोर्ड की बैठक में बोर्ड को प्रस्तुत कर दिया गया था।

10.0 समनुषंगी निगरानी ढाँचा

कंपनी की चार (4) प्रत्यक्ष समनुषंगी कंपनियां हैं, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल), ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) और पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड।

सूचीकरण विनियमावली, 2015 और डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार, सूचीबद्ध कंपनियों के प्रदर्शन की समीक्षा कंपनी की लेखा–परीक्षा और आचार समिति एवं बोर्ड द्वारा की जाती है।

कंपनी की कोई महत्वपूर्ण असूचीबद्ध समनुषंगी कंपनी नहीं है। कंपनी की महत्वपूर्ण समनुषंगी कंपनी संबंधी नीति कंपनी के वेबलिंक https://www.ongcindia.com/wps/wcm/connect/en/investors/policies पर उपलब्ध है।

11.0 वार्षिक आम बैठक

पिछले तीन वर्षों के दौरान आयोजित वार्षिक आम बैठकों के स्थान, तारीखें और समय इस प्रकार है:

वर्ष	स्थान	दिनांक	समय (भा. मा. स.)	विशेश संकल्प
2014-15	एनडीएमसी इनडोर स्टेडियम, तालकटोरा गार्डन, नई दिल्ली – 110 001	15.09.2015	प्रातः 10.00 बजे	नहीं
2015-16	इंदिरा गॉधी इनडोर स्टेडियम, आईपी एस्टेट, राजघाट के निकट, ग्रैंड ट्रंक रोड, नई दिल्ली – 110 002	08.09.2016	प्रातः 10.00 बजे	नहीं
2016-17	मानेक शॉ ऑडिटोरियम, मानेक शॉ केन्द्र, परेड रोड, खेबर लाइन्स, दिल्ली छावनी, दिल्ली – 110 010	27.09.2017	प्रातः 10.00 बजे	हाँ

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा डाक मतपत्र का उपयोग किया गया था और श्री पी. पी. अग्रवाल, पेशागत कंपनी सचिव को संपरीक्षक नियुक्त किया गया था। हालांकि, उक्त डाक मतपत्र के माध्यम से कोई संकल्प पारित नहीं किया गया था।

12. प्रकटन

12.1 महत्वपूर्ण संविदाएं / संबंधित पक्षकार लेन–देन

कंपनी ने कंपनियों और फर्मों आदि के निदेशकों या प्रबंधन या उनके संबंधियों के साथ कोई ऐसा महत्त्वपूर्ण, वित्तीय वाणिज्यिक लेन–देन नहीं किया है, जिसमें वे या तो प्रत्यक्षः या उनके संबंधियों द्वारा निदेशकों और/या भागीदारों के रूप में हितबद्ध हैं, सिवाय कुछ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में, जहां निदेशक अपेक्षित शेयरधारिता के बिना निदेशक हैं।

बोर्ड ने दिनांक 09.02.2018 को ''संबंधित पक्षकार लेनदेन पर ओएनजीसी नीति'' संरचना के अंतर्गत आर.पी.टी. पर संशोधित नीति'' को आत्मसात किया है। यह नीति सेबी विनियमावली और कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुरूप है। उपरोक्त नीति को कंपनी की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।

संबंधित पक्षकारों के साथ लेन–देन के विवरण का टिप्पणी संख्या 44 – 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में पकटन किया गया है। कंपनी ने संबंधित पक्षकार प्रकटन और सरकारी कंपनियों को प्रदत्त छूट के संबंध में भारतीय लेखांकन मानक – 24 की प्रकटन अपेक्षाओं के अनुसार संबंधित पक्षकार के साथ लेन–देन के विवरण का प्रकटन किया है। कंपनी की संबंधित पक्षकार लेन–देन संबंधी नीति https://www.ongcindia.com/wps/wcm/connect/en/investors/policies पर देखी जा सकती है।

12.2 अनुपालन

कंपनी ने पूंजी बाजार संबंधी लागू नियमों और विनियामक प्राधिकरणों की अपेक्षाओं (सिवाय इस रिपोर्ट में अन्यथा कथित) का अनुपालन किया है और पिछले तीन वर्ष के दौरन कंपनी पर कोई जुर्माना या पाबंदी नही लगायी गयी है।

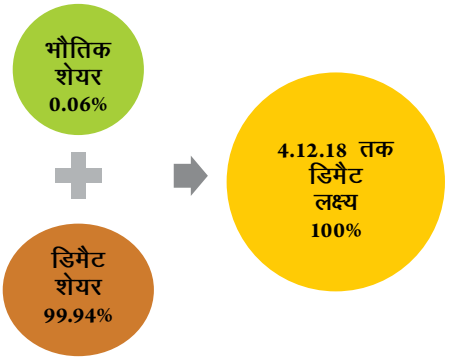
सभी विवरणी / रिपोर्टें निर्धारित समय सीमा के अंदर स्टॉक बाजारों / अन्य प्राधिकरणों मे दाखिल की गयीं हैं।

13. संचार के साधन :

- **तिमाही/वार्षिक परिणाम** : कपंनी नियमित रूप से असपंरीक्षित वित्तीय परिणामों के साथ–साथ लेखा–परीक्षित परिणामों को अभिलेखित/अनमुोदित करने के तुरंत बाद शेयर बाजारों को सूचित करती है। ये वित्तीय परिणाम सामान्यतः पूरे देश में विस्तृत परिचालन वाले अंग्रेजी तथा स्थानीय भाषा के प्रतिष्ठित दैनिक समाचार–पत्रों में प्रकाशित किए जाते हैं । ये परिणाम कपंनी की वेबसाइट www.ongcindia.com पर भी प्रकाशित किए जाते हैं। यह परिणाम शेयरधारकों को व्यक्तिगत रूप से नही भेजे जाते हैं।
- **समाचार विज्ञप्ति, प्रस्तुति आदि** : मीडिया, संस्थागत निवेशकों, वित्तीय विष्लेशकों आदि को जारी आधिकारिक समाचार विज्ञप्तियां, विस्तृत प्रस्तुतियां कंपनी की वेबसाइट www.ongcindia.com पर प्रदर्शित किए जाते हैं।
- **वेबसाइट** : कपंनी की वेबसाइट www.ongcindia.com पर एक समर्पित खंड 'निवेशक संबंध' है, जहाँ शेयरधारकों की सूचना उपलब्ध है। इस वेबसाइट पर पूरी वार्षिक रिपोर्ट, शेयरधारिता स्वरूप और कॉरपोरेट अभिशासन रिपोर्ट इत्यादि भी प्रयोक्ता अनुकूल तरीके में उपलब्ध हैं।

- **वार्षिक रिपोर्ट** : वार्षिक रिपोर्टों में लेखा – परीक्षित लेखे, समेकित वित्तीय विवरण, निदेशकों की रिपोर्ट, प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण (एमडी एंड ए) रिपोर्ट, व्यापार उत्तरदायित्व रिपोर्ट, कॉरपोरेट अभिशासन रिपोर्ट, लेखा परीक्षक रिपोर्ट, शेयरधारिता के लिए सूचना और अन्य महत्वपूर्ण सूचना सहित सदस्यों और अन्य तत्संबंधी हकदारों को परिचालित की जाती है।
- **हरित पहल** : हरित पहल के एक भाग के रूप में, कपंनी वार्षिक आम बैठक आयोजन नोटिस के साथ वार्षिक रिपोर्ट की प्रति उन शेयरधारकों को जिन्होंने अपनी ई–मेल आईडी डीपी / आर एंड टीए में पंजीकृत कराएं हैं और वार्षिक रिपोर्ट की भौतिक प्रति का विकल्प नहीं चुना है, ई–मेल के माध्यम से भेजती है।

14. शेयरधारक सूचना



भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अधिसूचित किया है कि दिनांक 05.12.2018 से, सिवाय प्रतिभूतियों के संप्रेषण और प्रतिस्थापन के मामले के, प्रतिभूति हस्तांतरण प्रभावी करने के अनुरोध को तब तक संसाधित नहीं किया जाएगा जब तक यह निक्षेपागार में अभौतिक स्वरूप में धारित नहीं है।

उपर्युक्त के आलोक में, भौतिक स्वरूप में धारित शेयर के धारकों को अपने शेयर डिमैटेरियलाइज्ड करने की सलाह दी गयी हैं।

14.1 वार्षिक आम बैठक

तिथि : शुक्रवार, 28 सितंबर, 2018

समय : 10:00 बजे

स्थान : मानेक शॉ ओडिटोरियम, मानेक शॉ केन्द्र, परेड रोड, खैबर लाइन्स, दिल्ली छावनी, दिल्ली – 110010

14.2 वित्तीय कैलेंडर

तिथि को समाप्त तिमाही के तिमाही परिणाम अंगीकरण	बोर्ड बैठक की प्रस्तावित तिथि
30 जून 2018 (सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा सीमित समीक्षा के साथ)	02 अगस्त 2018, गुरुवार
30 सितंबर 2018 (सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा सीमित समीक्षा के साथ)	13 नवंबर 2018, मंगलवार
31 दिसंबर 2018 (सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा सीमित समीक्षा के साथ)	14 फरवरी 2018, गुरुवार
31 मार्च 2019 (अंकेक्षित)	30 मई 2019, गुरुवार

ये तिथियां संभावित हैं और परिवर्तन के अध्यधीन हैं तथा अद्यतन अनंकेक्षित तिमाही तथा वार्षिक वित्तीय परिणामों को शेयर बाजारों को प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि प्रत्येक तिमाही समाप्त होने के पैंतालीस दिवस के भीतर है (सिवाय अंतिम तिमाही के)। अंतिम तिमाही के वित्तीय परिणामों को प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि वित्त वर्ष समाप्त होने से सात दिनों के भीतर है।

14.3 अभिलेख तिथि :

अंतिम लाभांश के भुगतान हेतु अभिलेख तिथि **21 सितंबर, 2018 शुक्रवार है**।

14.4 लाभांश भुगतान तिथि :

अंतिम लाभांश का भुगतान 04 अक्तूबर, 2018 के पश्चात, परंतु 27 अक्तूबर, 2018 से पहले किया जाएगा।

14.5 शेयर बाजारों में सूचीकरण :

कंपनी के इक्विटी शेयर, सूचकांक और एस एंड पी सीएनएक्स निफ्टी सूचकांक के भाग हैं और निम्नलिखित शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हैं :

नाम और पता	दूरभाष / फैक्स / ई–मेल आईडी / वेबसाइट	व्यापार संकेत आईडी
बी. एस. ई. लिमिटेड (बीएसई) पी. जे. टॉवर्स, दलाल स्ट्रीट, फोर्ट मुंबई – 400001	दूरभाष: 022–22721233 / 4 फैक्स : 022–22721919 ई–मेल: **info@bseindia.com** **वेबसाइट:** www.bseindia.com	500312
नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) एक्सचेंज प्लाजा, सी–1, जी ब्लॉक, बांद्रा – कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पू), मुंबई – 400001	दूरभाष: 022–26598100–8114 फैक्स : 022–26598120 ई–मेल: **cc_nse@nse.co.in** वेबसाइट: www.nseindia.com	ओएनजीसी

14.6 सूचीकरण शुल्क

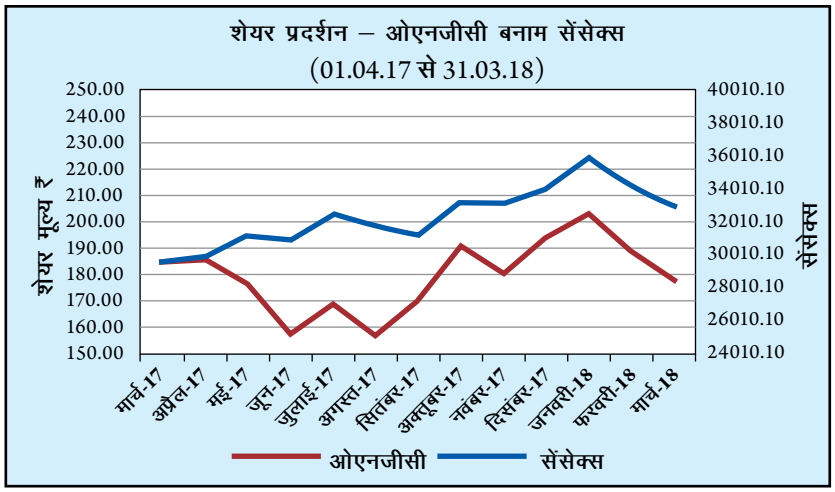
यथा लागू वार्षिक सूचीकरण शुल्क 2017 – 18 का भुगतान कर दिया गया है।

14.7 अभिरक्षा शुल्क

कंपनी के इक्विटी, जिसका कोड आईएनई213ए01029 है, के लिए एनएसडीएल और सीडीएसएल को वर्ष 2017 – 18 के लिए अभिरक्षा शुल्क का भुगतान कर दिया है।

14.8 शेयर बाजार सूचना

दिनांक 1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018 तक की अवधि के दौरान बीएसई की तुलना में ओएनजीसी शेयर के शेयर मूल्य प्रदर्शन का ग्राफ नीचे बनाया गया है :



'डेटा ओएनजीसी और सूचकांक के अंतिम मूल्य पर आधारित हैं

14.8.1 बाजार मूल्य डाटा :

वित्त वर्ष 2017 – 18 के लिए बीएसई और एनएसई पर मासिक उच्चतम और निम्नतम (व्यापार मूल्य) और व्यापार किए गए शेयरों की संख्या इस प्रकार हैं :

माह	बंबई स्टॉक एक्सचेंज			नेशनल स्टॉक एक्सचेंज		
	उच्चतम (₹)	निम्नतम (₹)	परिमाण	उच्चतम (₹)	निम्नतम (₹)	परिमाण
अप्रैल, 17	188.65	178.60	8293249	188.70	178.30	103219648
मई, 17	194.75	171.35	20923549	194.75	171.20	152435961
जून, 17	177.95	155.30	18944771	178.50	155.20	141504492
जुलाई, 17	169.95	156.00	19977419	170.00	155.90	176165600
अगस्त, 17	170.80	156.10	10189217	170.30	156.05	133772237
सितंबर, 17	174.15	157.45	17340282	174.35	157.30	210192374
अक्तूबर, 17	192.00	167.80	8697152	192.00	167.75	135474336
नवंबर, 17	205.50	175.65	14379510	205.50	175.80	158382306
दिसंबर, 17	197.25	175.10	12464762	197.15	175.35	129703481
जनवरी, 18	212.90	191.65	20310099	212.85	192.00	198601264
फरवरी, 18	207.10	181.25	10515881	207.05	180.10	128667366
मार्च, 18	190.30	173.65	9595347	190.20	173.60	88384909
कुल			**171631238**			**1756503974**

स्त्रोतः बीएसई और एनएसई की वेबसाइट

14.9 जिन्स मूल्य जोखिम या विदेशी मुद्रा विनिमय जोखिम और हैजिंग क्रियाकलाप

कच्चे तेल की कीमत अमरीकी डालर (यूएसडी) में निधारित की जाती है, हालाकि इसकी बिलिंग और प्राप्ति भारतीय रुपयों (आईएनआर) में की जाती है। इसलिए, कपंनी को मुख्यतः अमेरिकी डॉलर के प्रति भारतीय रुपये के उतार–चढाव से विदेशी मुद्रा जोखिम रहता है। प्राप्ति/राजस्व और भुगतान / खर्चों के कारण विदेशी मुद्रा जोखिम अका प्रबंधन, जहां कही संभव हो, निर्यात अर्जन के माध्यम से विपरीत जोखिम वाले लेन–देन से पूरी की जाती है और असुरक्षित जोखिमों को घरेलू बिक्री से से उपलब्ध नैसर्गिक हैजिंग से प्रबंधन किया जाता है।

15. शेयर अंतरण प्रणाली :

अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड, कंपनी का रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट (आरटीए) है।

हस्तांतरण, संप्रेषण और डिमेटेरियलाइजेशन आदि के लिए प्राप्त शेयरों के साथ भौतिक स्वरूप में प्राप्त शेयरों के अंतरण का कार्य आरटीए द्वारा निष्पादित किया जाता है। अंतरण के लिए भौतिक स्वरूप में प्राप्त शेयरों को, यदि दस्तावेज पूरे हों और शेयर अंतरण विवादाधीन न हो तो निर्धारित समय सीमा में अंतरित कर दिए जाते हैं। शेयरों के पुनर्भौतिकीकरण, समेकन की प्रतिलिपि के लिए प्राप्त अनुरोधों पर कार्रवाई शेयर प्रमाण पत्र निर्गम समिति द्वारा की जाती है। इस प्रकार से प्राप्त प्रतिभूतियों के अंतरण / संप्रेषण का एक सार शेयर प्रमाण पत्र निर्गम समिति के कार्यवृत्त के साथ बोर्ड की बैठकों में प्रस्तुत किया जाता है। विधिवत हस्ताक्षरित शेयर प्रमाण पत्र आरटीए द्वारा शेयरधारक को भेजा दिया जाता है। शेयरों के डिमैटेरियलाइजेशन के अनुरोध को संबंधित शीघ्रता से निक्षेपागार अर्थात् एनएसडीएल और सीडीएसएन को भेज दिया जाता है।

भौतिक स्वरूप के शेयरों के हस्तांतरण और प्रेषण की प्रक्रिया में और तेजी लाने को ध्यान में रखते हुए निदेशक मंडल ने शेयर अंतरण एजेंट को हस्तांतरण / प्रेषण संसाधित करने के लिए प्राधिकृत किया है।

सूचीकरण विनियम, 2015 के विनियम 40 (10) के अनुसरण में, कंपनी द्वारा शेयर अंतरण औपचारिकताओं के सम्यक अनुपालन की अभिपुष्टि करते हुए अर्द्धवार्षिक आधार पर प्रमाण पत्र, सेबी (निक्षेपागार और प्रतिभागी) विनियम, 1996 के अनुसार शेयरों के समयब' डिमैटेरियलाइजेशन के लिए प्रमाण पत्र शेयर बाजारों को भेजे जाते हैं।

इसके अतिरिक्त, पूंजी एकीकरण लेखा परीक्षा के भाग के रूप में, यह पुष्टि करते हुए कि कंपनी की कुल जारी पूंजी भौतिक स्वरूप के शेयरों और एनएसडीएल और सीडीएसएल द्वारा धारित डिमैटेरियलाइज्ड शेयरों की कुल संख्या से मिलते हैं, एक शेयर पूंजी मिलान लेखा परीक्षा तिमाही आधार पर बोर्ड के समक्ष रखे जाते हैं। लेखा परीक्षा रिपोर्ट की एक प्रति शेयर बाजारों को भेजी जाती है।

पिछले तीन (3) वर्षों के दौरान संसाधित हस्तांतरण विलेखों और अंतरित शेयरों की कुल संख्या इस प्रकार है :

वर्ष	संसाधित अंतरण विलेखों की संख्या	हस्तांतरित शेयरों की संख्या
2017-18	4774	48,739
2016-17	5,635	18,015
2015-16	1,573	12,358

16. 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार शेयरधारिता स्वरूप

क्रम सं.	श्रेणी	फोलियो / धारकों की संख्या	शेयरों की संख्या	इक्विटी का प्रतिशत
1	भारत के राष्ट्रपति	1	8690032256	67.72
2	विदेशी संस्थागत निवेशक	7	3587700	0.03
3	प्रवासी भारतीय	11535	8560659	0.07
4	एनबीएफसी	29	236678	0.00
5	विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक	659	698445702	5.44
6	निकाय कॉरपोरेट			0.00
	आईओसीएल	1	986885142	7.69
	गेल	1	308401602	2.40
	अन्य निकाय कॉरपोरेट	3020	157922345	1.23
7	बैंक	27	4374245	0.03
8	वित्तीय संस्थाएं / बीमा कंपनियां	62	1354198557	10.55
9	यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया	177	13706455	0.11
10	म्युचुअल फंड	179	326587995	2.54
12	कर्मचारी	3187	6334042	0.05
13	आम नागरिक (व्यक्तिगत)	645084	273570953	2.13
14	निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि	1	390849	0.00
कुल		**663970**	**12833235180**	**100.000**

16.1 दिनांक 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार शीर्ष 10 शेयरधारक

क्रम सं.	शेयर धारक का नाम	धारित शेयरों की संख्या	कुल शेयरधारिता का प्रतिशत
1	भारत के राष्ट्रपति	8690032256	67.72
2	भारतीय जीवन बीमा निगम	1191024684	9.28
3	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)	986885142	7.69
4	गेल (इंडिया) लिमिटेड (गेल)	308401602	2.40
5	आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल इंशयोरेंस कंपनी लिमिटेड	73531362	0.57
6	सीपीएसई ईटीएफ	63945592	0.50
7	सरकारी पेंशन निधि ग्लोबल	60875599	0.47
8	वैनगार्ड इमर्जिंग मार्केट स्टॉक इंडेक्स फंड, वैनगार्ड इंटरनेशनल इक्विटी इंडेक्स फंड की श्रेणी	51240853	0.40
9	भारतीय जीवन बीमा निगम लिमिटेड पी एंड जीएस फंड	45083520	0.35
10	आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल बैलेंस्ड फंड	44375708	0.34

16.2 दिनांक 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार आकार की दृष्टि से शेयरधारिता वितरण

श्रेणी	शेयरधारकों की संख्या				धारक का प्रतिशत	शेयरों की संख्या			शेयर धारिता का प्रतिशत
	भौ. धारक	डिमैट धारक	दोनों धारक	कुल धारक		भौ. धारक	डिमैट धारक	कुल धारक	
1 से 500	2277	521577	291	523563	83.21	240292	66448219	66688511	0.52
501 से 1000	534	57824	13	58345	9.27	436384	39874615	40310999	0.31
1001 से 2000	845	22701	14	23532	3.74	1233518	32109366	33342884	0.26
2001 से 3000	185	7510	5	7690	1.22	469427	18923456	19392883	0.15
3001 से 4000	265	4131	1	4395	0.70	946038	14523911	15469949	0.12
4001 से 5000	129	3143	2	3270	0.52	569514	14178067	14747581	0.12
5001 से 10000	657	5891	4	6544	1.04	3615354	38225057	41840411	0.33
10001 से अधिक	4	1884	3	1885	0.30	34956	12601407006	12601441962	98.19
कुल	**4896**	**624661**	**333**	**629224**	**100.00**	**7545483**	**12825689697**	**12833235180**	**100.00**

16.3 दिनांक 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार शेयरधारिता का भौगोलिक वितरण

शहर का नाम	फोलियो / धारकों की संख्या	प्रतिशतता	धारिता	प्रतिशतता
दिल्ली	54279	8.17	9025478719	70.33
मुंबई	105128	15.83	3588921313	27.97
चेन्नई	23492	3.54	27352838	0.21
कोलकाता	28979	4.36	19626759	0.15
अहमदाबाद	37129	5.59	18227771	0.14
वडोडरा	19006	2.86	11040193	0.09
बंगलुरू	27596	4.16	8807401	0.07
पुणे	23619	3.56	6280504	0.05
हैदराबाद	15127	2.28	6038453	0.05
अन्य शहर	329615	49.64	121461229	0.95
कुल	**663970**	**100.00**	**12833235180**	**100.00**

16.4 प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी का इतिहास (अंकित मूल्य ₹5 प्रत्येक)

वर्ष	शेयरों की सं.	संचयी	विवरण
1993-94	10	10	23 जून 1993 को संगम अनुच्छेद का प्रारंभिक अभिदान
1993-94	34,28,53,716	34,28,53,726	तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग (परिवचन का अंतरण और निरसन) अधिनियम, 1993 के अनुसार तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के परिवचन तथा निरसन पर 01 फरवरी, 1994 को भारत के राष्ट्रपति को जारी शेयर।
1994-95	66,39,300	34,94,93,026	प्रति शेयर ₹ 260 के प्रीमियम पर कर्मचारियों को जारी (वर्ष 1995 – 96 में जारी किए गए 600 शेयरों सहित)
1995-96	107,64,40,966	142,59,33,992	सामान्य आरक्षिति के पूंजीकरण द्वारा दिनांक 24.04.1995 को 3.08:1 के अनुपात में कर्मचारियों को निर्गत
2006-07	(-)18,972	142,59,15,020	दिनांक 12.04.2006 को शेयरों की जब्ती
	71,29,57,510	213,88,72,530	सामान्य आरक्षिति के पूंजीकरण द्वारा दिनांक 08.11.2006 को 1:2 के अनुपात बोनस जारी

वर्ष	शेयरों की सं.	संचयी	विवरण
2010-11	-	8,555,490,120	कंपनी के 10 रुपये अंकित मूल्य के प्रत्येक इक्विटी शेयर को 5 रुपये अंकित मूल्य के दो शेयरों में विभक्त किया गया था। दिनांक 09.02.2011 (अभिलेख तिथि) की स्थिति के अनुसार शेयरधारकों को आरक्षित निधि के पूंजीकरण से 1:1 अनुपात में बोनस शेयर जारी किए गए।
2016-17	4,277,745,060	12,833,235,180	आरक्षित निधि के पूंजीकरण से दिनांक 18.12.2016 को 1:2 अनुपात में बोनस शेयर जारी किए गए।

17. कॉरपोरेट हितलाभ

लाभांश इतिहास

वर्ष	दर (प्रतिशत)	प्रति शेयर (₹)	राशि (मिलियन में)
2012-13			
• प्रथम अंतरिम	100	5.00	42,777.45
• दूसरा अंतरिम	80	4.00	34,221.96
• अंतिम	10	0.50	4,277.75
2013-14			
• प्रथम अंतरिम	100	5.00	42,777.45
• दूसरा अंतरिम	85	4.25	36,360.83
• अंतिम	5	0.25	2138.87
2014-15			
• प्रथम अंतरिम	100	5.00	42,777.45
• दूसरा अंतरिम	80	4.00	34221.96
• अंतिम	10	0.50	4,277.75
2015-16			
• प्रथम अंतरिम	90	4.50	38499.71
• दूसरा अंतरिम	15	0.75	6416.68
• अंतिम	65	3.25	27805.34
2016-17			
• प्रथम अंतरिम	90	4.50	38499.71
• दूसरा अंतरिम (बोनस के पश्चात)	45	2.25	28874.78
• अंतिम	16	0.80	10266.61
2017-18			
• प्रथम अंतरिम	60	3.00	38499.71
• दूसरा अंतरिम	45	2.25	28874.89
• अंतिम (प्रस्तावित)	27	1.35	17324.87

18. निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि (आईईपीएफ)

18.1 अदत्त / अदावाकृत लाभांश राशि आईईपीएफ में हस्तांतरण

वर्ष के दौरान, वित्त वर्ष 2009 – 10 (अंतिम) और 2010 – 11 (अंतरिम) के अदत्त लाभांश से संबंधित क्रमशः ₹ 1,19,09,512.00 और ₹ 2,51,37,984.00 की राशि केन्द्र सरकार द्वारा स्थापित आईईपीएफ में अंतरित की गयी थी। इस वर्ष के अंत में आईईपीएफ में अंतरित की जाने वाली कोई राशि देय और लंबित नहीं थी।

नीचे अदावाकृत लाभांश, जो वर्ष 2018 – 19 के दौरान कंपनी द्वारा अंतरित किए जाने के लिए देय है, को आईईपीएफ में अंतरित करने की प्रस्तावित तिथि दी गयी है :–

वित्त वर्ष	घोषणा की तिथि	आईईपीएफ में अंतरण की प्रस्तावित तिथि
2010–11 अंतिम	30.08.2011	29.09.2018
2011–12 अंतरिम	04.01.2012	03.02.2019

जिन सदस्यों ने उक्त वर्षों से संबंधित अपने लांभांश वारंट का नकदीकरण नहीं किया है, वे तत्संबंधी भुगतान प्राप्त करने के लिए आरटीए या कंपनी को संपर्क कर सकते हैं।

18.2 आईईपीएफ में अंतरित शेयर

आईईपीएफ नियमावली और कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय की दिनांक 13.10.2017 की अधिसूचना के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसरण में उन शेयरों को जिन पर लगातार सात वर्शों या अधिक वर्शों से लाभांश का भुगतान नहीं किया गया है, या लाभांश का दावा नहीं किया गया है, उन शेयरों को आईईपीएफ प्राधिकरण के डिमैट खाते में जमा किया जाना चाहिए।

तदनुसार, दिनांक 25.11.2017 और दिनांक 12.02.2018 को क्रमशः 3,65,022 शेयर और 25,683 शेयर आईईपीएफ में हस्तांतरित किए गए। इसके अलावा अदत्त लाभांश राशि और आईईपीएफ में हस्तांतरित शेयरों का दावा करने की प्रक्रिया सहित विवरण वेबसाइट लिंक https://www.ongcindia.com/wps/wcm/connect/en/investors/transfer-of-shares-to-iepf/ पर उपलब्ध है।

19. शेयरों का अभौतिकीकरण और नकदी (दिनांक 31. 03.2018 की स्थिति के अनुसार)

क्रम सं.	विवरण	फोलियो / धारकों की सं.	शेयरों की संख्या	कुल इक्विटी पूंजी का प्रतिशत
1	सीडीएसएल	199962	10052771146	78.33
2	एनएसडीएल	446313	2772918551	21.61
3	भौतिक	17695	7545483	0.06
कुल		663970	12833235180	100.00

'सेबी ने एक ही व्यक्ति की शेयरधारिता के एक से अधिक प्रकटन से बचने के लिए पैन कार्ड और फोलियो संख्या के आधार पर शेयरधारकों को समेकित करने के लिए दिनांक 19. 12. 2017 के परिपत्र सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी/परिपत्र / पी / 2017 के तहत अधिदेश जारी किया है। इसलिए, ऊपर प्रकटन की गयी शेयरों की संख्या पैरा 16.2 के तहत उल्लिखित संख्या से मेल नहीं खाती है।

कंपनी के शेयर अनिवार्य रूप से डिमैटेरियालाइज्ड वर्ग में है और नेशनल सिक्योरिटीज डिपोजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) और सेंट्रल डिपोजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) दोनो डिपोजिटरी प्रणालियों में व्यापार के लिए उपलब्ध है।

20. बकाया जीडीआर/एडीआर/वारंट या रूपांतरणीय विलेख

कंपनी द्वारा कोई जीडीआर / एडीआर / वारंट या रूपांतरणीय विलेख जारी नहीं किए गए हैं।

21. परिसंपत्तियां / बेसिन / संयंत्र / संस्थान

क. परिसंपत्तियां

1. मुंबई हाई परिसंपत्ति, मुंबई
2. नीलम एवं हीरा परिसंपत्ति, मुंबई
3. बसीन एवं सैटेलाइट परिसंपत्ति, मुंबई
4. पूर्वी अपतटीय परिसंपत्ति, काकीनाड़ा
5. अहमदाबाद परिसंपत्ति, अहमदाबाद
6. अंकलेश्वर परिसंपत्ति, अंकलेश्वर
7. मेहसाणा परिसंपत्ति, मेहसाणा
8. राजमहेन्द्री परिसंपत्ति, राजमहेन्द्री
9. कराइकल परिसंपत्ति, करईकल (कावेरी)
10. असम परिसंपत्ति, नाज़िरा
11. त्रिपुरा परिसंपत्ति, अगरतला
12. खंभात परिसंपत्ति, खंभात
13. सीबीएम परिसंपत्ति, बोकारो
14. जोरहाट परिसंपत्ति, जोरहाट
15. एचपीएचटी परिसंपत्ति, काकिनाडा
16. राजस्थान कच्छ अभितटीय अन्वेषणात्मक परिसंपत्ति (आरकेओईए)
17. असम अराकान फोल्ड बेल्ट अन्वेषणात्मक परिसंपत्ति

ख. बेसिन

1. पश्चिमी अपतट बेसिन, मुंबई
2. पश्चिमी अभितट बेसिन, वड़ोदरा
3. केजी–पीजी बेसिन, चेन्नै
4. कावेरी बेसिन, चेन्नै
5. असम एवं असम–अराकान बेसिन, जोरहाट
6. एमबीए बेसिन और सीबीएम विकास परियोजना, कोलकाता/बोकारो
7. फ्रंटियर बेसिन, देहरादून।

ख. संयंत्र

1. उरण संयंत्र, महाराष्ट्र
2. हजीरा संयंत्र, गुजरात
3. सी2 सी3 सी4 संयंत्र, दहेज संयंत्र, गुजरात

घ. संस्थान

1. केशव देव मालवीय पेट्रोलियम अन्वेषण संस्थान (केडीएमआईपीई), देहरादून।
2. वेधन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईडीटी), देहरादून।
3. आगार अध्ययन संस्थान (आईआरएस), अहमदाबाद।
4. तेल एवं गैस उत्पादन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईओजीपीटी), नवी मुंबई।
5. अभियांत्रिकी एवं समुद्री प्रौद्योगिकी संस्थान (आईईओटी), नवी मुंबई।
6. भू–आंकड़ा प्रसंस्करण और निर्वचन केंद्र (जियोपिक), देहरादून।
7. ओएनजीसी अकादमी, देहरादून।
8. पेट्रोलियम संरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान (इप्शेम), गोवा।
9. जैव–प्रौद्योगिकी एवं भू–विवर्तनिक अध्ययन संस्थान (इनबिग्स), जोरहाट।
10. अनुरक्षण पद्धति विद्यालय (एसएमपी), वड़ोदरा।
11. कूप लॉगिंग में उत्कृष्टता हेतु केंद्र (सीवेल), वड़ोदरा।
12. क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान– चेन्नई, मुंबई, शिवसागर और वडोडरा।
13. ओएनजीसी ऊर्जा केन्द्र ट्रस्ट, नई दिल्ली।

22. लेखा परीक्षकों का अनुपालन प्रमाण पत्र

सूचीकरण विनियम की अनुसूची V(ड.) के अंतर्गत यथानिर्धारित कॉरपोरेट शासन की शर्तों का अनुपालन करते हुए कंपनी के लेखा–परीक्षक का प्रमाण–पत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है। प्रमाण–पत्र उन शेयर बाज़ारों को भी भेजे जाएंगे।

23. सूचीकरण विनियमन के विनियम 27(1) की गैर–अनिवार्य अपेक्षाओं का स्वीकरण

सूचीकरण विनियमन की बाध्यकारी अपेक्षाओं के अतिरिक्त आंतरिक लेखा–परीक्षक सीधे लेखा–परीक्षा समिति को रिपोर्ट करते है।

24. लोक उद्यम विभाग द्वारा जारी कॉरपोरेट अभिशासन संबंधी दिशानिर्देश :

लोक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा मई, 2010 में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों हेतु कॉरपोरेट शासन पर दिशानिर्देश जारी किए गए थे, जो अब अनिवार्य प्रकृति के हैं।

दिनांक 1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018 तक की अवधि के दौरान कोई राष्ट्रपति निदेश जारी नहीं किए गए हैं। कंपनी यथा संभव सीमा तक इन दिशानिर्देशों का अनुपालन कर रही है।

लेखा बहियों में व्यय की कोई ऐसी मद डेबिट नहीं की गई है, जो व्यापार के उद्देश्य के लिए नहीं है। निदेशक मंडल और शीर्ष प्रबंधन के लिए कोई ऐसा खर्च नहीं किया गया है, जो व्यक्तिगत स्वरूप का हो।

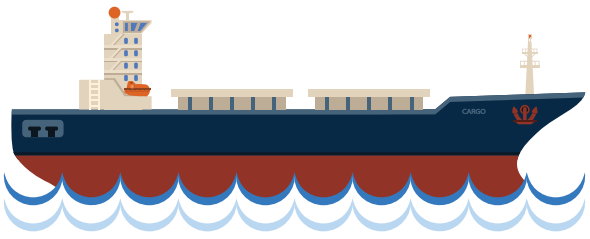
वर्ष 2017 – 18 के दौरान सामान्य प्रशासनिक व्यय कुल व्यय का 6 प्रतिशत था जबकि पिछले वर्ष के दौरान यह 6.67 प्रतिशत था।

25. सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट

सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट, जो कंपनी अधिनियम, 2013, सूचीकरण विनियमावली, सेबी दिशानिर्देश, लोक उद्यम विभाग के दिशानिर्देश और पूंजी बाजार से संबंधित अन्य नियम और विनियम, के लागू होने वाले प्रावधानों के अनुपालन की पुष्टि करती है, एक पेशेवर कंपनी सचिव से प्राप्त किया गया है तथा उसे निदेशक मंडल द्वारा नोट किया गया और यह निदेशकों की रिपोर्ट का भाग है।

26. सांविधिक लेखा–परीक्षकों के शुल्क :

इस वर्ष के लिए सांविधिक लेखा–परीक्षकों को भुगतान किया गया/भुगतान योग्य शुल्क, कॉरपोरेट अभिशासन रिपोर्ट के प्रमाणन हेतु शुल्क के रूप में ₹ 1.59 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 1.55 मिलियन) सहित ₹ 57.06 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 64.02 मिलियन), जून 2017, सितंबर, 2017 और दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए सीमित समीक्षा रिपोर्ट के लिए ₹ 7.43 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 6.90 मिलियन) और 2015 – 16 की पहली, दूसरी और तीसरी तिमाही के लिए पुनः वर्णित भारतीय लेखांकन मानक अनुरूप तिमाही वित्तीय परिणामों की सीमित समीक्षा रिपोर्ट के लिए ₹ शून्य मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 2.07 मिलियन) और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के लिए आय कर अधिनियम की धारा 33 (2 कख) के अंतर्गत अन्य प्रमाणन के लिए ₹ 0.45 मिलियन (गत वर्ष ₹ 2.36 मिलियन) थे। उक्त शुल्कों में प्रमाणन सहित और वास्तव में खर्च किए गए/ प्रतिपूर्ति योग्य तर्क संगत यात्रा और जेब खर्च शामिल थे।





युवा शक्तिः देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए ओएनजीसी मेहसाणा परिसंपत्ति में युवा इंजीनियर कार्य करते हुए

कॉरपोरेट अभिशासन पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रमाण पत्र

सेवा में,
सदस्यगण,

ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड

1. हमने भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीकरण दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएं) विनियम, 2015 (''सूचीकरण विनियम – 2015) के विनियम 17 से 27, विनियम 46 (2) के खंड (ख) से (झ) और अनुसूची V के अनुच्छेद ग, घ, ङ में यथा निर्धारित, 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (''कंपनी'') द्वारा कॉरपोरेट अभिशासन की शर्तों की अनुपालना की जॉच की है।

प्रबंधन की जिम्मेदारी

2. कॉरपोरेट अभिशासन की शर्तों का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। इस जिम्मेदारी में सूचीकरण विनियम – 2015 में निर्धारित कॉरपोरेट अभिशासन की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक नियंत्रण और प्रक्रिया की डिजाइन, क्रियान्वयन और अनुरक्षण शामिल है।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

3. हमारी जिम्मेदारी कॉरपोरेट अभिशासन की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई जा रही प्रक्रियाओं और तत्संबंधी क्रियान्वयन के परीक्षण तक सीमित है। यह न तो कोई लेखा परीक्षा है और न ही कंपनी की वित्तीय विवरणों पर मत की अभिव्यक्ति है।

4. हमने कंपनी द्वारा कॉरपोरेट अभिशासन अपेक्षाओं की शर्तों के अनुपालन पर यूक्तिसंगत आश्वासन प्रदान करने के प्रयोजन से कंपनी द्वारा अनुरक्षित लेखा बहियों और अन्य संबंधित अभिलेखों और दस्तावेजों की जॉच की है।

5. हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा विशेश प्रयोजन (वर्ष 2016 में संशोधित) हेतु जारी रिपोर्टों अथवा प्रमाण पत्रों संबंधी मार्गदर्शी टिप्पणियों के अनुसार कंपनी के प्रासंगिक अभिलेखों पर हमारी जॉच संचालित की है। मार्गदर्शी टिप्पणी में यह अपेक्षित है कि हम भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी आचरण संहिता की नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करें। हमने गुणवत्ता मानक (एसक्यूसी) 1, लेखा परीक्षा निष्पादित करने वाले फर्मों का गुणवत्ता नियंत्रण और ऐतिहासिक वित्तीय सूचना और अन्य आश्वासन और प्रासंगिक सेवा वचनबंध की समीक्षा की प्रासंगिक प्रयोज्य अपेक्षाओं का अनुपालन किया है।

सशर्त राय

6. प्रासंगिक अभिलेखों की हमारी जॉच के आधार पर और हमारी राय और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें उपलब्ध कराए गए स्पष्टीकरणों, के अनुसार निम्नलिखित के अध्यधीन :

   i. कॉरपोरेट अभिशासन रिपोर्ट की मद सं. 2.1 में यथा कथित, कंपनी ने निदेशक मंडल के संघटन के संबंध में सूचीकरण विनियम – 2015 के विनियम 17 (1) की अपेक्षाओं का दिनांक 22. 09. 2017 तक अनुपालन नहीं किया, जिसके तहत निदेशक मंडल में कम से कम एक महिला निदेशक और न्यूनतम 50 प्रतिशत स्वतंत्र निदेशक होने चाहिए।

   ii. कंपनी ने सेबी सूचीकरण विनियमावली के विनियम 17 (10) का अनुपालन नहीं किया है, जिसके अंतर्गत पूरे निदेशक मंडल द्वारा स्वतंत्र निदेशकों का प्रदर्शन मूल्यांकन किया जाना अपेक्षित है और कंपनी ने सेबी सूचीकरण विनियमावली के विनियम 25 (4) का अनुपालन नहीं किया है जिसके तहत गैर स्वतंत्र निदेशकों, अध्यक्ष और समग्र रूप से निदेशक मंडल के प्रदर्शन की समीक्षा अपेक्षित है,

   हम प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए ''सूचीकरण विनियम – 2015 के विनियम 17 से 27, विनियम 46(2) के खंड (ख) से खंड (झ) और अनुसूची V के अनुच्छेद ग और घ में यथा निर्धारित कॉरपोरेट अभिशासन की शर्तों का अनुपालन किया है।

7. हम यह भी कथन करते हैं कि यह अनुपालन न तो कंपनी की भावी अर्थक्षमता का और न ही प्रबंधन के कारोबार संचालन की प्रभाविता अथवा प्रभावकारिता का आश्वासन है, जिससे प्रबंधन कंपनी के कारोबार संचालित करता हैं।

उपयोग पर प्रतिबंध

8. यह प्रमाण पत्र सिर्फ सूचीकरण विनियम की अपेक्षाओं के अनुपालन के प्रयोजन के लिए कंपनी के सदस्यों को

संबोधित और उपलब्ध कराया गया है, और इसका उपयोग किसी अन्य व्यक्ति या किसी अन्य प्रयोजन के लिए नहीं किया जाना चाहिए। तदनुसार, हम किसी अन्य प्रयोजन के लिए अथवा किसी अन्य व्यक्ति को, लिखित में हमारी पूर्व लिखित सहमति के बिना, जिन्हें यह रिपोर्ट दिखायी जाती है अथवा जिस किसी के हाथ में यह आती है, के प्रति कोई देयता अथवा कोई देखभाल कर्तव्य स्वीकार नहीं करते हैं।

कृते लोधा एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. सं.: 301051ई

ह./–
(एच. के. वर्मा)
साझीदार (स. सं. 0551104)

कृते एमकेपीएस एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. सं.: 302014ई

ह./–
(निखिल के. अग्रवाल)
साझीदार (सं. सं. 157955)

कृते खंडेलवाल जैन एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. सं.: 105049डब्ल्यू

ह./–
(आकाश सिंघल)
साझीदार (स. सं. 103490)

कृते के. सी. मेहता एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. सं.: 106237डब्ल्यू

ह./–
(नीला आर शाह)
साझीदार (स. सं. 045027)

कृते पीकेएफ श्रीधर एंड सांथान एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. सं.: 0039905एस/एस200018

ह./–
(वी कोठांदारमन)
साझीदार (स. सं. 025973)

कृते दास गुप्ता एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. सं.: 000112एन

ह./–
(राजीव जिंदल)
साझीदार (स. सं. 504111)

नई दिल्ली
30 अगस्त, 2018



सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2018 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए

{कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 (1) और कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियमावली, 2014 के नियम 9 के अनुसरण में}

सदस्यगण,
ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड

हमने ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (''इसमें इसके पश्चात ''कंपनी'' या ''ओएनजीसी'' कहा गया है) द्वारा लागू सांविधिक प्रावधानों के अनुपालन की तथा श्रेष्ठ कॉरपोरेट पद्धतियों के प्रति अनुवर्तन की सचिवीय लेखा–परीक्षा का संचालन किया है। हमने सचिवीय लेखा–परीक्षा इस तरह से संचालित की थी जो हमें कॉरपोरेट आचरणों/सांविधिक अनुपालनों का मूल्यांकन तथा उस पर हमारे अभिमत को अभिव्यक्त करने का उचित आधार प्रदान कर सके।

सचिवीय लेखा – परीक्षा के संचालन के दौरान कंपनी की बहियों, कागजातों, कार्यवृत्त पंजिओं, प्रपत्रों और प्रस्तुत की गयी विवरणियों, और कंपनी, इसके अधिकारियों, एजेंट एवं प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा बनाए गए अन्य अभिलेखों के सत्यापन के आधार पर, हम एतद्द्वारा सूचित करते हैं कि हमारे अभिमत में, कंपनी ने 31 मार्च 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष को सम्मिलित करने वाली लेखा – परीक्षा अवधि के दौरान नीचे सूचीबद्ध सांविधिक प्रावधानों का अनुपालन किया है तथा यह भी कि कंपनी के पास लागू सीमा तक इससे आगे सूचित रीति में उचित बोर्ड प्रक्रियाएं एवं अनुपालन तंत्र विद्यमान हैं :

हमने निम्नलिखित अधिनियमों के प्रावधानों के अनुसार 31 मार्च 2018 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए कंपनी द्वारा बनाए रखी गयी पुस्तिकाओं, कागजातों, कार्यवृत्त पुस्तिकाओं, प्रपत्रों और प्रस्तुत की गयी विवरणियों तथा अन्य अभिलेखों की जाँच की है :

(i) कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) और उसके तहत बनाए गए नियम;

(ii) प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 (एससीआरए) और उसके तहत बनाए गए नियम;

(iii) निक्षेपागार अधिनियम, 1996 और उसके अधीन निर्मित विनियम एवं उप नियम;

(iv) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, समुद्रपारीय प्रत्यक्ष निवेश और बाह्य वाणिज्यिक उधारों की सीमा तक उसके तहत बनाए गए नियम एवं विनियम;

(v) भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 (''सेबी अधिनियम'') के तहत विहित निम्नलिखित विनियम एवं दिशानिर्देश :

(क) भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (शेयरों एवं अर्जनों की महत्वपूर्ण प्राप्तियां) विनियम, 2011;

(ख) भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (अंतरंग कारोबार निशेध) विनियम, 1992 और भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (अंतरंग कारोबार निशेध) विनियम, 2015;

(ग) भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (पूंजी निर्गम और प्रकटन अपेक्षाएं) विनियम, 2009 और समय–समय पर किए गए संशोधन;

(घ) भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (शेयर निर्गम रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट) विनियम, 1993;

(ङ) भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सूचीकरण दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएं) विनियम, 2015;

(vi) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी में प्रचलित अनुपालना प्रणाली और उसके अनुसरण से संबंधित दस्तावेजों और अभिलेखों की परीक्षण जांच के आधार पर, जांच करने पर, कंपनी पर विशिष्ट रूप से लागू सभी कानूनों का अनुपालन किया है । उनमें से कुछ महत्वपूर्ण कानून, जिनका अनुपालन किया गया है, इस प्रकार हैं :

i. पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियम, 1959;

ii. विस्फोटक अधिनियम, 1884;

iii. खनिज रियायती नियम, 1960;

iv. परमाणु ऊर्जा (निर्माणी) नियम, 1996;

v. पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 और उसके तहत बनाए गए नियम;

vi. तेल क्षेत्र (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 1948;

vii. तेल खान विनियम, 2017;

viii. तेल उद्योग (विकास) अधिनियम, 1974;

ix. तेल वेधन एवं गैस उत्कर्षण मानक, 1996;

x. पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड अधिनियम, 2006;

xi. पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस (अपतटीय परिचालन में संरक्षा) नियमावली, 2008;

xii. खान अधिनियम, 1952 और उसके तहत बनाए गए नियम;

xiii. पेट्रोलियम एवं खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन), 1962;

xiv. अपतटीय क्षेत्र खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 2002;

xv. खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957; और

xvi. वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958।

हमने निम्नलिखित के लागू खंडों के अनुपालन की भी जॉच की है :

(i) भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी निदेशक मंडल की बैठक से संबंधित, सचिवीय मानक (एसएस–1) तथा आम बैठक (एसएस–2) और

(ii) लोक उद्यम मंत्रालय द्वारा जारी 14 मई 2010 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 18 (8)/2005 – जीएम में यथा निर्धारित केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों हेतु कॉरपोरेट अभिशासन संबंधी दिशानिर्देश।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कंपनी ने, निम्नलिखित टिप्पणियों के अध्यधीन, अधिनियम के प्रावधानों, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों इत्यादि का अनुपालन किया है :

1. *समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी के निदेशक मंडल का गठन निम्नलिखित के अध्यधीन कार्यकारी निदेशक, गैर कार्यकारी निदेशक और स्वतंत्र निदेशक के युक्तिसंगत संतुलन के साथ किया गया है :*

(क) कंपनी ने दिनांक 22. 09. 2017 तक सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियम 17(1)(क) और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149 (1), (ख) का अनुपालन नहीं किया है, जिसमें यह अपेक्षा की गयी है कि निदेशक मंडल में कम से कम एक महिला निदेशक का शामिल होना आवश्यक है; और

(ख) कंपनी ने दिनांक 22.09.2017 तक सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियम 17(1)(ख) और कॉरपोरेट अभिशासन संबंधी डीपीई दिशानिर्देशों के खंड 3.1.4 का अनुपालन नहीं किया है, जिसमें यह अपेक्षा की गयी है कि निदेशक मंडल में कम से कम 50 प्रतिशत स्वतंत्र निदेशक होने चाहिए।

2. *कंपनी ने सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियम 17 (10) का अनुपालन नहीं किया है, जिसमें संपूर्ण निदेशक मंडल द्वारा स्वतंत्र निदेशकों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाना अपेक्षित है और कंपनी ने सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटन अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियम 25 (4) का अनुपालन नहीं किया है, जिसके तहत गैर स्वतंत्र निदेशक, अध्यक्ष और समग्र रूप से निदेशक मंडल के प्रदर्शन की समीक्षा अपेक्षित है।*

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि निदेशक मंडल के संघटन में समीक्षाधीन अवधि के दौरानं किए गए परिवर्तन इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप थे।

सामान्यतः निदेशक मंडल और समिति की बैठकों को आयोजित करने के लिए सभी निदेशकों को पर्याप्त नोटिस दिए गए। कार्यसूची मदों और कार्य सूची मदों पर विस्तृत टिप्पणी अनिवार्य रूप से डाक द्वारा या व्यक्तिगत रूप से या ई – मेल द्वारा कम से कम सात दिवस पूर्व प्रेषित किए गए। तथापि, यदि आवश्यक हुआ, कार्यसूची पर पूरक टिप्पणी नोट कम समय के नोटिस पर, निदेशक मंडल के सूचनार्थ बाद में भेजे गए और बैठक से पहले और बैठक में सार्थक भागीदारी के लिए अतिरिक्त सूचना और स्पष्टीकरण मांगने और प्राप्त करने की एक प्रणाली मौजूद है।

बोर्ड / समिति ने बैठकों में निर्णय लेते समय सभी कार्यसूची मदों पर सर्वसम्मत अनुमोदन का अनुपालन किया। इसलिए, वर्ष के दौरान कार्यवृत्त में कोई विसम्मत मत अभिलिखित नहीं किया गया।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी द्वारा स्थापित अनुपालना तंत्र की समीक्षा के आधार पर और निदेशक मंडल द्वारा उनकी बैठकों में अभिलेख में लिए गए कानूनी अनुपालना रिपोर्ट के आधार पर, मेरा मत है कि कंपनी के आकार और प्रचालन के अनुरूप लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों के अनुपालन की निगरानी करने और अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु कंपनी में पर्याप्त प्रणालियाँ और प्रक्रियाएँ हैं। इसके अलावा, हमें यह सूचित किया गया है कि कंपनी ने लेखा परीक्षा अवधि में विभिन्न सांविधिक / नियामक प्राधिकरणों द्वारा की गयी मांगों, किए गए दावों, लगाए गए दण्डों इत्यादि के नोटिस का प्रत्युत्तर दिया है और जहाँ कहीं भी आवश्यक हुआ, उपचारात्मक उपाय के लिए कार्रवाई शुरु की गयी।

कृते पी पी अग्रवाल एंड कं.
कंपनी सचिव
यू.सी.सं.एस2012डीई174200
ह./–
(प्रमोद पी. अग्रवाल)
सीओपी सं : 10566

नई दिल्ली
02. 08. 2018

टिप्पणी : इस रिपोर्ट को हमारे सम तिथि के पत्र के साथ पढ़ा जाए जो 'अनुबंध – 'क' के रूप में संलग्न है और इस रिपोर्ट का अनिवार्य भाग हैं।

अनुलग्नक – क

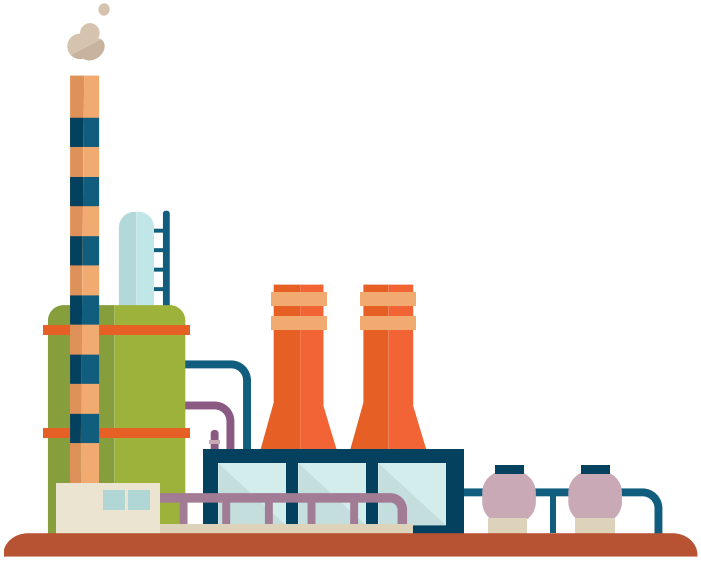
सदस्यगगण,
ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड
सम तिथि की सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट का इस पत्र के साथ पढ़ा जाए।

1. सचिवीय अभिलेख रखना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन सचिवीय अभिलेखों पर अपने मत व्यक्त करना है।
2. हमने ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के वित्तीय अभिलेखों की अंतर्वस्तु की सत्यता के बारे में युक्तिसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए यथा उपयुक्त लेखा संव्यवहारों और प्रक्रियाओं का अनुपालन किया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सचिवीय अभिलेखों में सही तथ्यों को रखा गया है, परीक्षण आधार पर सत्यापन किया गया था। हम मानते हैं कि जिन प्रक्रियाओं एवं संव्यवहारों का हमने अनुपालन किया है, वे हमारे मत के लिए युक्तिसंगत आधार प्रदान करते हैं।
3. हमने कंपनी के वित्तीय अभिलेखों और लेखा बहियों की सत्यता और औचित्य का सत्यापन नहीं किया है।
4. जहाँ कहीं भी आवश्यकता हुई, हमने विधियों, नियमों और विनियमों और घटनाओं के होने इत्यादि के बारे में प्रबंधन का अभ्यावेदन प्राप्त किया है।
5. कॉरपोरेट प्रावधानों और अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जॉच, परीक्षण आधार पर प्रक्रियाओं के सत्यापन तक सीमित थी।
6. सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट न तो कंपनी की भावी अर्थक्षमता का और न ही कंपनी के प्रबंधन के कारोबार संचालन की प्रभाविता अथवा प्रभावकारिता का आश्वासन है।

कृते **पी. पी. अग्रवाल एंड कंपनी**
कंपनी सचिव
यू.सी.सं.एस2012डीई174200

ह./–
प्रमोद प्रसाद अग्रवाल
सीओपी सं : 10566

नई दिल्ली
02. 08. 2018




ONGC
"PRODUCTION IS/MUST
BUT SAFETY FIRST"





व्यापार उत्तरदायित्व रिपोर्ट 188
एकल वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा–परीक्षकों की रिपोर्ट 214
एकल वित्तीय विवरण 224

व्यापार उत्तरदायित्व रिपोर्ट

खंड क : कंपनी के संबंध में सामान्य सूचना

1. कॉरपोरेट पहचान संख्या (सीआईएन) : एल 74899 डीएल 1993 जीओआई 054156
2. नाम : ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड
3. पंजीकृत पता : दीनदयाल ऊर्जा भवन, 5, नेल्सन मंडेला मार्ग
   वसंत कुंज, नई दिल्ली – 110070
4. वेबसाइट : www.ongcindia.com
5. ई–मेल आई डी : secretariat@ongc.co.in
6. प्रतिवेदित वित वर्ष : 2017-18

7. क्षेत्र जिनमें कंपनी कार्य कर रही है (औद्योगिक क्रियाकलाप कूट वार) :

समूह	श्रेणी	उप श्रेणी	विवरण
061	061	06101 06102	खनिज पेट्रोलियम का अपतटीय निष्कर्षण खनिज पेट्रोलियम का अभितटीय निष्कर्षण
062	062	06201 06202	प्राकृतिक गैस का अपतटीय निष्कर्षण प्राकृतिक गैस का अभितटीय निष्कर्षण
091	0910	09101 09102 09103 09104	अपतटीय तेल निष्कर्षण से प्रासंगिक सेवाएं अभितटीय तेल निष्कर्षण से प्रासंगिक सेवाएं अपतटीय गैस निष्कर्षण से प्रासंगिक सेवाएं अभितटीय गैस निष्कर्षण से प्रासंगिक सेवाएं
493	4930	49300	पाइपलाइन के माध्यम से परिवहन
192	1920	19201	तरल और गैसीय ईंधनों, इल्यूमिनेटिंग ऑयल, ल्यूब्रीकेटिंग ऑयल या ग्रीस अथवा खनिज पेट्रोलियम या बिटुमीनस खनिजों से अन्य उत्पादों का उत्पादन

8. उन तीन प्रमुख उत्पादों/सेवाओं की सूची दें, जिनका कंपनी विनिर्माण करती है/प्रदान करती है (तुलन–पत्र के अनुसार) :

कंपनी के तीन प्रमुख उत्पाद/सेवाएं इस प्रकार हैं :

(i) खनिज तेल

(ii) प्राकृतिक गैस एवं

(iii) तरलीकृत पेट्रोलियम गैस।

9. स्थानों की कुल संख्या जहां कंपनी द्वारा व्यापार क्रियाकलाप किए जा रहे हैं:

(क) प्रचालनात्मक स्थल – कपंनी के व्यापार क्रियाकलाप समग्र भारत में समूचे देश के हर कोने में फैले हुए हैं, अभितट तथा अपतट दोनों में। कपंनी के प्रमुख स्थलों का उल्लेख कॉरपोरेट अभिशासन रिपोर्ट के कम संख्य 21 में किया गया है जो वार्षिक रिपोर्ट का भाग होने वाला दस्तावेज है।

ख) अनुषंगी कंपनियां और एसोसिएट – अनुषंगी कंपनियों और सहयोगी कंपनी के ब्यौरे निदेशकों की रिपोर्ट के अनुबंध–घ में मुहैया करवाए गए हैं।

ग) अंतरराष्ट्रीय स्थलों की संख्या – भारत से बाहर ई एण्ड पी क्रियाकलापों हेतु आपकी कंपनी की एक पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड की 20 देशों में 41 तेल तथा गैस परियोजनाओं में प्रतिभागिता है यथा अजरबेजान (2 परियोजनाएं), बांग्लादेश (2 परियोजनाएं), ब्राजील (2 परियोजनाएं), कोलंबिया (7 परियोजनाएं), ईरान (1 परियोजना), ईराक (1 परियोजना), इजराइल (1 परियोजना), कजाकिस्तान (1 परियोजना), लीबिया (1 परियोजना), मोजांबिक (1 परियोजना), म्यांमार (6 परियोजनाएं), नामीबिया (1 परियोजना), न्यूजीलैंड (1 परियोजना), रूस (3 परियोजनाएं), साउथ सूडान (2 परियोजनाएं), सूडान (2 परियोजनाएं), सीरिया (2 परियोजनाएं), संयुक्त अरब अमीरात (1 परियोजना), वेनुजुएला (2 परियोजनाएं), और वियतनाम (2 परियोजनाएं)।

इसके अतिरिक्त, कंपनी की एक अन्य अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल अपनी अनुषंगी कंपनी पीपीसीएल के माध्यम से आस्ट्रेलिया में 2 ब्लाक, एचपीसीएल मिडल ईस्ट एफजेडसीयू नामक एक कंपनी के माध्यम से दुबई में ब्लाक धारित किए हुए है।

10. कंपनी द्वारा सेवित बाजार : स्थानीय/राज्य/राष्ट्रीय

कंपनी अपने घरेलू उत्पादों, मुख्यतः कच्चे तेल को सार्वजनिक क्षेत्र तेल शोधक कंपनियों – आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल, एनआरएल, सीपीसीएल और एमआरपीएल को बेचती है तथा अपने यहाँ उत्पादित प्राकृतिक गैस की आपूर्ति मुख्यतः गेल के माध्यम से करती है। तथापि, गैस का एक भाग का ओएनजीसी द्वारा सीधे ही विपणन किया जाता है।

यह अपने मूल्य वर्द्धित उत्पाद थोक में पीएसयू तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी), ओपल (एक एसोसिएट कंपनी) और शेष अन्य निजी कंपनियों को भी बेचता है। घरेलू बाजार में कम मांग के कारण नाफ्था का निर्यात किया जाता है।

खंड ख : कंपनी के वित्तीय विवरण

1.	**प्रदत्त पँजी**	:	**₹64,166.32 मिलियन**
2.	**प्रचालनों से राजस्व**	:	**₹850,041 मिलियन**
3.	**करोपरांत लाभ**	:	**₹199,453 मिलियन**
4.	**करोपरांत लाभ के प्रतिशत के रूप मे सीएसआर पर कुल व्यय**	:	2.52%

उन गतिविधियों की सूची जिनमें ऊपर 4 से संबंधित व्यय किए गए थे :–

क्रम	गतिविधि क्षेत्र
1	स्वास्थ्य देखभाल का संवर्धन निवारात्मक स्वास्थ्य देखभाल तथा स्वच्छता और पेय जल उपलब्ध करवाने सहित।
2	शिक्षा का संवर्धन विशेष शिक्षा और रोजगार वर्द्धन व्यवसाय कौशल विशेषकर बच्चों, महिलाओं, वृद्धों और विकलांग जनों और आजीविका वृद्धि परियोजनाएं सहित।
3	पर्यावरणीय धारणीयता, पारिस्थितिकीय संतुलन, वनस्पति एवं जीव का संरक्षण सुनिश्चित करना, पशु कल्याण, कृषि वानिकी, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और भूमि, हवा और जल की गुणवत्ता बनाए रखने को सुनिश्चित करना ।
4	ग्रामीण विकास परियोजनाएं
5	1. महिलाओं और अनाथों के लिए घर और छात्रावास स्थापित करना; वृद्धाश्रम, दिवस देखभाल केन्द्र और वरिष्ठ नागरिकों के लिए इस प्रकार की अन्य सुविधाएं 2. ऐतिहासिक महत्व के भवनों और स्थलों तथा चित्रकला कार्य के पुनरुद्धार सहित राष्ट्रीय विरासत, कला और संस्कृति का संरक्षण; सार्वजनिक पुस्तकालय की स्थापना; परंपरागत कला और हस्तकला का संवर्धन एवं विकास 3. ग्रामीण खेलकूद, क्षेत्रीय मान्यता प्राप्त खेलकूद, पाराओलंपिक खेलकूद और ओलंपिक खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण 4. अनुसूची – **VII** में उल्लिखित अन्य क्षेत्र

खंड ग : अन्य विवरण

1. क्या कंपनी की कोई अनुषंगी कंपनी / कंपनियां है?

जी, हाँ। कृपया बोर्ड की रिपोर्ट का अनुबंध–घ देखें।

2. क्या अनुषंगी कंपनी/कंपनियां मूल कंपनी के बीआर पहलों में भाग लेती हैं? यदि हॉ, तो ऐसी अनुषंगी कंपनी (कंपनियों) की संख्या बताएं।

जी, हाँ। चूँकि ये सहयोगी कंपनियां और संयुक्त उद्यम अलग–अलग निकाय हैं, वे स्वयं ही संबंधित कंपनियों पर लागू नीतियों के अनुसार व्यापार जिम्मेदारी निष्पादित करते हैं।

3. क्या कोई अन्य निकाय (अर्थात आपूर्तिकर्ता, वितरक इत्यादि) जिनके साथ यह कंपनी व्यापार करती है, कंपनी की बीआर पहलों में भाग लेती हैं? यदि हाँ, तो ऐसे निकाय / निकायों का प्रतिशत बताएँ? {30 प्रतिशत से कम, 30 प्रतिशत से 60 प्रतिशत, 60 प्रतिशत से अधिक}

ओएनजीसी की बीआर पहलों को इसके सभी पणधारकों (भारत सरकार, कर्मचारी, संविदाकार, आम जनता) का सहयोग प्राप्त होता है। तथापि, ओएनजीसी की उत्तरदायित्व पहल को सुकर करने मे उनकी सहायता का परिमाण बताना कठिन है।

खंड घ : व्यापार उत्तरदायित्व सूचना

1. व्यापार उत्तरदायित्व के लिए जिम्मेदार निदेशक / निदेशकों का ब्यौरा

क) व्यापार उत्तरदायित्व नीति / नीतियों के क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार निदेशकों के विवरण

1. डीआईएन संख्या : 06447938
2. नाम : श्री शशि शंकर
3. पदनाम : अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

ख) बीआर प्रमुखो का ब्यौरा

क्रम सं.	विवरण	विस्तृत सूचना
1	डीआईएन संख्या (यदि लागू हो)	लागू नहीं
2	नाम	श्री जय सिंह
3	पदनाम	कार्यकारी निदेशक – सीएम एवं एसजी प्रमुख
4	दूरभाष संख्या	+91 11 26753007
5	ई – मेल आईडी	singh_jai@ongc.co.in

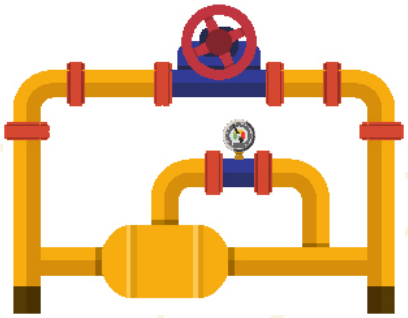
2. सिद्धांत वार {राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिशानिर्देशों (एनवीजी) के अनुसार} बीआर नीति / नीतियां (उत्तर हां या नहीं में)

क्रम. सं.	प्रश्न	पी 1	पी 2	पी 3	पी 4	पी 5	पी 6	पी 7	पी 8	पी 9
1	क्या आपके पास ..... के लिए कोई नीति/नीतियां हैं?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
		पी1 : आचार संहिता, व्हिसल ब्लोअर नीति, संबंधित पक्षकार नीति, निवेशक अंतरंगी व्यापार नीति, घटनाओं के प्रकटीकरण हेतु भौतिकता संबंधी नीति, धोखाधड़ी निवारण नीति, बोर्ड की प्रत्यायोजित शक्तियां 2015, मानव संसाधन मैनुअल, सामग्री प्रबंधन मैनुअल, वित्त मैनुअल। पी2 : एचएसई नीति। पी3 : कल्याण उपायों सहित मानव संसाधन नीतियां। पी4 : भौतिक अनुषंगी नीति, कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं धारणीय विकास नीति, हितधारक नियोजन हेतु संप्रेषण नीति। पी5 : यूएनजीसी पर हस्ताक्षरकर्ता, सीडीए नियम, आंतरिक मानव संसाधन नीतियां, संविदा श्रमिकों हेतु उचित मजदूरी नीति। पी6 : जोखिम प्रबंधन नीति, क्यूएचएसई नीति, दस्तावेजों को बनाए रखने संबंधी नीति। पी7 : पी8 : सीएसआर नीति, लाभांश वितरण संबंधी नीति। पी9 :								
2	क्या नीति संबंधित हितधारकों के साथ परामर्श करके बनायी जा रही है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
3	क्या नीति किन्ही राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है? यदि हां, स्पष्ट करें? (50 शब्दों में)	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
		कंपनी की सभी नीतियों को भारत सरकार द्वारा जारी लागू सांविधियों/दिशा–निर्देशों/नियमों/नीतियों आदि के अनुरूप बनाया गया है। इन नीतियों को उद्योग व्यवहारों तथा मानकों को ध्यान में रखते हुए निरूपित किया गया था।								

4	क्या नीति बोर्ड द्वारा अनुमोदित की जा रही हैं? यदि हां तो, क्या इस पर प्रबंध निदेशक/ स्वामी / मुख्य कार्यकारी अधिकारी/ बोर्ड के उचित निदेशक द्वारा हस्ताक्षर किए गए है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
		कंपनी की नीतियों को बोर्ड/सक्षम प्राधिकारियों द्वारा बोर्ड की प्रत्यायोजित शक्तियों के अनुसार अनुमोदित किया गया है।								
5	क्या नीति के क्रियान्वयन की निगरानी करने के लिए कंपनी के पास निदेशक मंडल/निदेशकों/कार्मिकों की विशिष्ट समिति है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
6	नीति को ऑनलाइन देखने के लिए लिंक दर्शाएँ।	https://www.ongcindia.com/wps/wcm/connect/en/investors/policies/								
7	क्या नीति की जानकारी समस्त प्रासंगिक आंतरिक/बाह्य हितधारकों को औपचारिक रूप से दी गई है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
8	क्या नीति/नीतियों को लागू करने के लिए कंपनी के पास अंतरिक संरचना है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
9	क्या कंपनी के पास हितधारकों की नीति/नीतियों से संबंधित शिकायतों के समाधान के संबंध में शिकायत निवारण तंत्र है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
10	क्या कंपनी ने इस नीति की कार्यप्रणाली का स्वतंत्र लेखापरीक्षा/मूल्यांकन किसी आंतरिक या बाहरी एजेंसी से करवाया है?	कंपनी की नीतियों की जांच तो नहीं की जाती है लेकिन समय–समय पर नियामक/व्यापार/पर्यावरणीय आवश्यकताओं के अनुरूप इनमें संशोधन किया जाता है।								

(क) यदि किसी सिद्धांत के लिए क्रम सं.1 का उत्तर 'नहीं' है, तो कृपया कारण स्पष्ट कीजिए : (अधिकतम 2 विकल्पों पर निशान लगाएं)

क्र.सं.	प्रश्न	पी 1	पी 2	पी 3	पी 4	पी 5	पी 6	पी 7	पी 8	पी 9
1	कंपनी ने सिद्धाँतों को नहीं समझा है।	लागू नहीं								
2	कंपनी ऐसे चरण में नहीं है, जहां वह अपने को विनिर्दिष्ट सिद्धाँतों पर नीतियों के निरूपण तथा क्रियान्वयन की स्थिति में पाती हो।									
3	कंपनी के पास इस कार्य हेतु वित्तीय अथवा जनशक्ति संसाधन उपलब्ध नहीं हैं।									
4	इसे अगले 6 माह में किए जाने की योजना है।									
5	इसे अगले 1 वर्ष में किए जाने की योजना है।									
6	अन्य कोई कारण। (कृपया उल्लेख करें)									



3. **बीआर से संबंधित अभिशासन**

(क) निदेशक मंडल, बोर्ड की समिति या सीईओ द्वारा कंपनी के बीआर कार्य – निष्पादन के आंकलन की आवृत्ति को दर्शाएं। 3 माह के भीतर, 3–6 माह, वार्षिक, 1 वर्ष से अधिक।

बीआर निष्पादन के विभिन्न सिद्धांत कंपनी के दिन–प्रतिदिन के प्रचालनों का अभिन्न भाग है और उक्त की बोर्ड/बोर्ड स्तरीय समिति(यों) द्वारा समीक्षा संबंधित व्यापार के एक अभिन्न मद के रूप में की जाती है।

(ख) क्या कंपनी कोई बीआर या स्थायित्व रिपोर्ट प्रकाशित करती है? इस रिपोर्ट को देखने हेतु हाइपरलिंक क्या है? इसके प्रकाशन की आवृत्ति क्या है?

कंपनी ने एक एकीकृत 8वें जीआरआई आधारित, ओएनजीसी कंपनियों के समूह की स्वतंत्र रूप से सुनिश्चित समूह धारणीयता रिपोर्ट प्रकाशित की है। रिपोर्ट को *-https://www.ongcindia.com/wps/wcm/connect/en/sustainability/sustainability-reports/* पर देखा जा सकता है।

खंड ङ. सिद्धांत–वार निष्पादन

सिद्धांत 1 : व्यापार का चालन एवं शासन नैतिकता, पारदर्शिता तथा जवाबदेही के साथ होना चाहिए।

सिद्धांत 1.1

क्या आपके पास सिद्धांत 1 के लिए कोई नीति / नीतियां हैं?

ओएनजीसी एक सूचीबद्ध सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम होने के नाते, कॉरपोरेट अभिशासन डीपीई दिशानिर्देशों, पूर्व के सूचीकरण समझौता और अब सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटन अपेक्षा) विनियम, 2015 और विशेष रूप से डीपीई और आमतौर पर भारत सरकार के दिशानिर्देशों द्वारा अधिदेशित नीतियों के अनुसार अपने आपको आचार नीतियों, पारदर्शिता और जवाबदेही संचालन एवं अभिशासन करता है।

ओएनजीसी आचार नीति, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति स्वेच्छा से भी कुछ नीतिगत पहल करता है :

- निर्धारित प्रक्रियाविधियों में निरंतरता, पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कंपनी की स्वयं की सुपरिभाषित और सुसंहिताबद्ध प्रत्यायोजित शक्ति पुस्तिका है, जिसे वर्ष 2015 में पूरी तरह संशोधित किया गया और बोर्ड के अनुमोदन के पश्चात पूरे संगठन में लागू किया गया है, मानव संसाधन मैनुअल, सामग्री प्रबंधन मैनुअल (इसकी भी वर्ष 2015 में समीक्षा की गई और संशोधन कर क्रियान्वित किया गया है), निरंतरता सुनिश्चित करने और निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुपालन में निष्पक्षता बरतने के लिए वित्त मैनुअल और कार्य मैनुअल है। कंपनी का एक उद्यम जोखिम प्रबंधन प्रकोष्ठ (ईआरएम), जोखिम रूपरेखा, जोखिम नीति और जोखिम पोर्टफोलियो है जिसकी जोखिम प्रबंधन समिति, लेखा परीक्षा एवं आचरण समिति और बोर्ड द्वारा आवधिक निगरानी की जाती हैं। सेबी (सूचीकरण दायित्व एवं प्रकटन अपेक्षा) विनियमावली, 2015 (सूचीकरण विनियम – 2015) के अनुसार, बोर्ड ने अपनी जोखिम प्रबंधन समिति में बोर्ड स्तरीय समिति के सदस्यों को शामिल कर पुनर्गठित कर दिया है।
- कंपनी का एक सुसंरचित सतर्कता विभाग है जिसकी इकाईयां पूरे संगठन में विभिन्न क्षेत्रों, परिसंपत्तियों, बेसिनों और संयंत्रों में फैली हैं जो निरंतर इस संगठन के कार्यकरण में पारदर्शिता, कुशलता और सत्यनिष्ठा और सर्वश्रेष्ठ कॉरपोरेट संव्यवहारों का सूत्रपात कर रही हैं।
- कंपनी की एक व्हिसल ब्लोअर नीति है जो कर्मचारियों के लिए संगठन के अंदर किसी नैतिक मुद्दों को उठाने के लिए है।
- कंपनी ने (ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के साथ मिलकर) एक सत्यनिष्ठा समझौता तैयार किया है, जो बोलीदाताओं के साथ उन्हें कंपनी द्वारा जारी निविदा से संबंधित मुद्दों को उठाने हेतु उन्हें सक्षम करने के लिए किया जाता है। ओएनजीसी इस सत्यनिष्ठा समझौता पर हस्ताक्षर करने वाली पहली भारतीय कंपनी है। ख्याति प्राप्त और ईमानदार व्यक्ति को बिडर के साथ इस सत्यनिष्ठा समझौता के क्रियान्वयन की निगरानी करने के लिए एक स्वतंत्र बाह्य मॉनीटर के रूप मे नियुक्त किया जाता है।

सिद्धांत 1.2

क्या यह नीति संबंधित पणधारकों के साथ परामर्श कर बनायी गयी है?

सभी नीतियों को संबंधित पणधारकों से व्यापक परामर्श और चर्चा के पश्चात तैयार किया गया है और इसके अलावा समय समय पर पणधारकों के बीच व्यापक परामर्श करने के पश्चात, आने वाली और नयी कारोबार सच्चाई/परिप्रेक्ष्य की मांग को पूरा करने के लिए इसकी समीक्षा की जाती है।कंपनी एक लोक क्षेत्र उपक्रम और एक राष्ट्रीय तेल कंपनी होने के नाते भारत सरकार और अन्य सांविधिक निकायों द्वारा निर्धारित नीतियों का अनुसरण करती है। यह अभिकल्पना की गयी है कि वे नीतियां भारत सरकार द्वारा व्यापक परामर्श और चर्चा के पश्चात तैयार की गयी हैं।

सिद्धांत 1.3

क्या यह नीति किसी राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार की गयी हैं? यदि हॉ, तो स्पष्ट करें? (50 शब्द)

यह नीति और निर्धारित प्रक्रिया भारत सरकार, डीपीई और अन्य सांविधिक निकायों के विधानों और नीतियों के अनुरूप हैं। यह अधिदेशित लागू अंतर्राष्ट्रीय मानकों के भी अनुरूप है।

ओएनजीसी स्वेच्छा से पारदर्शिता के लिए उन सिद्धांतों और नीतियों का अनुपालन करता है जो ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानक हैं।

सिद्धांत 1.4

क्या यह नीति बोर्ड द्वारा अनुमोदित हैं? यदि हाँ, क्या यह प्रबंध निदेशक / मालिक / सीईओ / उपयुक्त निदेशक मंडल द्वारा हस्ताक्षरित है?

भारत सरकार, डीपीई और अन्य भारतीय सांविधिक निकायों द्वारा अधिदेशित सभी नीतियों का ओएनजीसी बोर्ड के विधिवत अनुमोदन के पश्चात ही ओएनजीसी द्वारा अनुपालन किया जाता है। सभी अन्य नीतियां / मैनुअल जिनका ओएनजीसी अनुपालन करता है, ओएनजीसी बोर्ड अथवा बोर्ड द्वारा यथा प्रत्यायोजित निर्दिष्ट सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदन के पश्चात प्रभावी होता है।

सिद्धांत 1.5

क्या कंपनी के पास इस नीति के क्रियान्वयन की देखरेख करने के लिए कोई विनिर्दिष्ट बोर्ड / निदेशक / आधिकारिक समिति है?

कंपनी की एक लेखा परीक्षा और आचरण समिति है जो सूचीकरण समझौता तथा कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार इसके विचारार्थ विषय के प्रति प्रतिबद्ध है और यह बोर्ड द्वारा अनुमोदित है। कंपनी का एक सुसंरचित सतर्कता विभाग है जिसकी इकाईयां पूरे संगठन में विभिन्न क्षेत्रों, परिसंपत्तियों, बेसिनों और संयंत्रों में फैली हैं जो निरंतर रूप से इस संगठन के कार्यकरण में पारदर्शिता, कुशलता और सत्यनिष्ठा और सर्वश्रेष्ठ कॉरपोरेट संव्यवहारों का सूत्रपात कर रही हैं। तथापि, चूँकि इस सिद्धांत की छवि बहुत व्यापक है, कंपनी की विभिन्न संस्था द्वारा इसकी देखरेख की जाती है।

सिद्धांत 1.6

ऑनलाइन देखने के लिए इस नीति का लिंक बताएं?

कंपनी की वेबसाइट (www.ongcindia.com) में कंपनी अभिशासन से संबंधित खंड के अंतर्गत सिद्धांत में यथा कथित विभिन्न नीतियों का संदर्भ है।

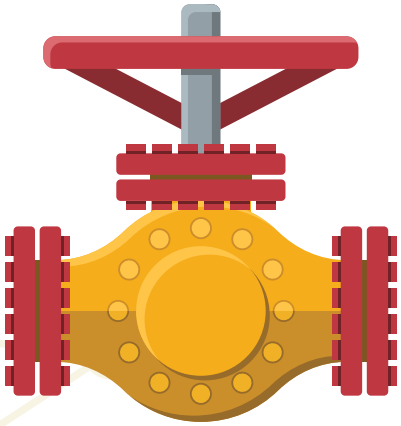
सिद्धांत 1.7

क्या यह नीति औपचारिक रूप से सभी संबंधित आंतरिक और बाह्य पणधारकों को संसूचित कर दी गयी है?

ओएनजीसी की नीतियां और परिचालन ढाँचे ओएनजीसी की वेबसाइट और ओएनजीसी के इंट्रानेट पर उपलब्ध हैं।

सभी पणधारकों के नियोजन मार्ग इस प्रकार हैं:

- ग्राहकों के साथ कच्चा तेल बिक्री करार (सीओएसए), गैस बिक्री करार (जीएसए) और बी 2 बी साझीदारों के साथ नियमित रूप से बैठक के माध्यम से व्यवसाय किया जाता है।
- परिचालन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले समुदायों को सीएसआर परियोजनाओं के माध्यम से शामिल किया जाता है।
- कारोबार साझीदारों / बिक्रेताओं / संविदाकारों के साथ बिक्रेता सभाओं, व्यापार साझीदार सभाओं और नीलामी पूर्व सम्मेलनों के माध्यम से कारोबार किया जाता है।
- संविदा कर्मियों को नियंमित प्रशिक्षण और सहयोग योजना के माध्यम से नियोजन किया जाता हैं।
- कर्मचारियों को खुले सभा मंचों जैसे – विचार मंथन, विचार धारा, विचार विश्लेषण, मंत्रणा इत्यादि और कर्मचारी वेब पोर्टल और साथ ही विभिन्न आंतरिक पत्रिकाओं के माध्यम से शामिल किया जाता है।
- ओएनजीसी समूह के माद्दा मुद्दों की पहचान करने एवं प्राथमिकता निर्धारित करने के लिए ओएनजीसी समूह धारणीयता रिपोर्ट में एक अनिवार्य इनपुट के रूप में कर्मचारियों और अन्य पणधारकों (जैसे आपूर्तिकर्ताओं, विक्रेताओं, ग्राहकों, नियामकों, गैर सरकारी संगठनों इत्यादि) के साथ नियमित संविद भी निष्पादित किया जाता है।
- सरकार और नियामक निकायों को प्रशासनिक मंत्रालय अर्थात् पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी), भारी उद्योग एवं लोक उपक्रम (एचआई एवं पीई) मंत्रालय के तहत लोक उपक्रम विभाग (डीपीई), तेल उद्योग संरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी), तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) और हाईड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच)के साथ बैठकों के माध्यम से शामिल किया जाता है।
- शेयरधारकों और निवेशकों को वार्षिक आम बैठक, निवेशक एवं विश्लेषक सम्मेलन, कॉरपोरेट वेबसाइट www.ongcindia.com और प्रेस विज्ञप्तियों के माध्यम से शामिल किया जाता है।



सिद्धांत 1.8

क्या इस नीति / इन नीतियों के क्रियान्वयन के लिए कंपनी के पास आंतरिक संरचना है?

ओएनजीसी सभी महत्वपूर्ण गतिविधि जैसे – खरीद, भुगतान, निविदाकरण, करार, मानव संसाधन और अन्य कार्यकलाप जो सुप्रलेखित नीतियों द्वारा अभिशासित होते हैं, सभी संबंधितों के संदर्भ हेतु उपलब्ध होते हैं।

सिद्धांत 1.9

क्या इस नीति / इन नीतियों से संबंधित कर्मचारी और पणधारकों, दोनों की शिकायतों का निपटान करने के लिए कंपनी का कोई संरचित शिकायत निवारण तंत्र है?

जी हाँ, कर्मचारियों एवं पणधारकों के नीति / नीतियों से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए कंपनी का एक सुसंरचित शिकायत निवारण तंत्र है। शिकायत प्रणाली में व्यक्ति का रिपोर्टिंग अधिकारी, अनुभागीय प्रभारी, मुख्य कार्यकारी, अपील समिति शामिल है। अपील समिति में सदस्यों के रूप में बाह्य पेशेवर हैं और वे भविष्य में एक ही प्रकार की शिकायतों की रोकथाम करने के लिए किए जाने वाले उपायों का सुझाव देने के लिए सशक्त हैं। सीएमडी, कर्मचारी की शिकायत पर संपूर्णता में अंतिम निर्णय लेते हैं, और इसमें आवश्यकता होने पर निदेशक (मानव संसाधन) से इनपुट लिए जाते है।

बाह्य हितधारकों हेतु कंपनी में एक भलीभांति निर्धारित शिकायत निपटान समझौता उचित प्रावधानों के साथ मामले को बोर्ड तक ले जाने हेतु मौजूद है। हितधारक संबंध समिति एक बोर्ड स्तरीय समिति है और इसकी अध्यक्षता एक स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है।

बाह्य पणधारकों के लिए, किसी मामले को पदक्रम में बोर्ड (पणधारक संपर्क समिति – एक स्वतंत्र निदेशक के नेतृत्व में एक बोर्ड स्तरीय समिति) तक ले जाने संबंधी पर्याप्त प्रावधानों के साथ कंपनी की एक निर्धारित शिकायत निवारण प्रणाली है।

ओएनजीसी स्वेच्छा से स्वतंत्र बाह्य मॉनिटरों (आईईएम) के माध्यम से और बाह्य विशेषज्ञ समिति (ओईसी) के माध्यम से शिकायतों के निवारण को सुकर करता है।

शिकायत निवारण के लिए ओएनजीसी की एक पृथक वेबसाइट (https://grievance.ongc.co.in) है।

सिद्धांत 1.10

क्या कंपनी ने किसी आंतरिक अथवा बाह्य एजेंसी के माध्यम से इस नीति के कार्यकरण की स्वतंत्र संपरीक्षा / मूल्यांकन किया है?

सूचीकरण विनियम में यथा निहित कॉरपोरेट अभिशासन से संबंधित दायित्वों के क्रियान्वयन को कॉरपोरेट अभिशासन रिपोर्ट में वर्णन किया जाता है और सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षा की जाती हैं। अन्य नीतियां संबंधित प्राधिकारियों द्वारा समय समय पर अधिप्रमाणित की जाती हैं।

1. **क्या आचरण, रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार से संबंधित नीति केवल कंपनी को ही कवर करती हैं?**

   आचरण, रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार से संबंधित सभी नीतियाँ ''समावेशी'' हैं और कंपनी के साथ साथ इसके कर्मचारियों और सभी अन्य बाह्य पणधारकों को कवर करती हैं।

2. **क्या यह नीति समूह / संयुक्त उद्यम / आपूर्तिकर्ताओं / संविदाकारों / गैर सरकारी संगठनों / अन्यों पर भी लागू हैं?**

   जी, हाँ।

3. **पिछले वित वर्ष के दौरान पणधारकों की कितनी शिकायतें प्राप्त हुई थी और उनमें से कितने प्रतिशत का प्रबंधन द्वारा संतोषजनक निवारण किया गया था? यदि हाँ, तो करीब 50 शब्दों में तत्संबंधी ब्यौरा उपलब्ध कराएं।**

   ओएनजीसी भारत में सत्यनिष्ठा समझौता (आई पी) शुरु करने वाला भारत का अग्रणी संगठन है। स्वतंत्र बाह्य मॉनिटरों (ओईएम) के माध्यम से आई पी की मॉनिटरिंग तंत्र से निविदा प्रक्रिया के दौरान उठने प्राप्त होने वाले प्रतिवेदन / मुद्दे के समाधान में लगने वाला समय काफी कम हो गया है और इस तंत्र ने ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा निर्धारित लक्ष्यों जैसे क्रेता और बिक्रेता के बीच सत्यनिष्ठा के संबंध मे अधिक पारदर्शिता के प्रति लक्ष्यों को हासिल किया है, बेहतर नैतिक चेतना आए हैं, बिक्रेता के झूठे मुकदमों और उनसे प्राप्त होने वाले प्रतिवेदनों / शिकायतों में कमी हुई है, बाह्य हस्तक्षेपों में कमी हुई है और राजनीतिक / राजनयिक / प्रशासनिक हस्तक्षेप निम्नतर हुए हैं।

   बोलीदाताओं / संविदाकारों के अभ्यावेदनों और साथ ही विभिन्न निविदाओं के संबंध में ओएनजीसी द्वारा मांगी गयी राय को आईईएम को भेज दिया जाता है। जहाँ कहीं भी आवश्यक महसूस की जाती है आईईएम ओएनजीसी और अभ्यावेदकों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करता है और एक विस्तृत आदेश के माध्यम से उनके मत देते हैं।

   ओएनजीसी में एक ''पणधारक संबंध समिति'' है। यह समिति विशिष्ट रूप से शेयरों के हस्तांतरण / प्रेषण, वार्षिक रिपोर्ट के प्राप्त नहीं होने, लाभांश भुगतान, शेयर प्रमाण पत्रों की प्रतिलिपियां जारी करने और अन्य प्रकीर्ण शिकायतों के निवारण का कार्य देखती है। समिति ओएनजीसी प्रतिभूमियों की आंतरिक क्रय–विक्रय की रोकथाम के लिए कंपनी की आचरण संहिता के क्रियान्वयन और अनुपालन की भी निगरानी करती है। यह समिति रजिस्ट्रारों और हस्तांतरण एजेंट के कार्य निष्पादन का पर्यवेक्षण और मॉनिटर करती है और निवेशक सेवाओं की गुणवत्ता में समग्र रूप से सुधार लाने के लिए उपायों का सुझाव देती है।

- अप्रैल 2017 से मार्च 2018 के दौरान विक्रेताओं से प्राप्त शिकायतों की संख्या : 44
- सभी अभ्यावेदन आईईएम को अग्रेषित कर दिए गए थे जिन्होंने सभी मामलों में आगे की कार्रवाई के लिए यथासमय अपने मत दिए।
- वर्ष 2017–18 के दौरान निवेशकों से प्राप्त शिकायतों की संख्या : शेयरधारकों से प्राप्त और उनको संतोषजनक उत्तर दिए गए / शिकायतों / पृच्छाओं / पत्रों की कुल संख्या 7992 थी। दिनांक 31.03.2018 की स्थिति के अनुसार स्कोर्स प्लेटफार्म पर लंबित शिकायतों की कुल संख्या 3 है ये सभी शिकायतें भारत सरकार द्वारा शेयरों के विनिवेश – बिक्री प्रस्ताव – 2004 से संबंधित है।

सिद्धांत 2 : उद्योगों को ऐसी वस्तुएँ और सेवाएं उपलब्ध करवानी चाहिए जो सुरक्षित हों और जो उनके संपूर्ण जीवन चक्र के दौरान संवहनीयता में योगदान करे।

सिद्धांत 2.1 :

क्या सिद्धांत 2 के लिए आपकी कोई नीति/नीतियां हैं?

ओएनजीसी अपनी कारोबारी गतिविधियां एक सुरक्षित तथा धारणीय तरीके से चलाता है। सभी कार्य व्यवहार, प्रक्रियाविधियां और उत्पादन, उद्योग सन्नियम, सरकार और संबंधित सांविधिक निकायों के अनुसार उच्चतम स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण मानकों का अनुपालन करने का प्रयास करते हैं। ओएनजीसी द्वारा बनाए जाने वाले सभी उत्पाद संबंधित उत्पाद–निर्माण–प्रक्रियाविधियों, कानूनों, विधानों तथा उनके उत्पादों को अभिशासित करने वाले मानकों के अनुरूप होते हैं। अन्वेषण तथा उत्पादन गतिविधियां इस प्रकार से अनुशीलन एवं संरेखित किया जाता है कि संसाधनों को दोहन और उत्पादन उनके पूरे जीवनकाल को शामिल करते हुए एक धारणीय तरीके से किया जाता है।

सिद्धांत 2.2 :

क्या इस नीति को संबंधित पणधारकों से परामर्श करने के पश्चात बनाया गया है?

ओएनजीसी उद्योग, सरकार तथा संबंधित सांविधिक निकायों द्वारा यथा अधिदेशित अपनी गतिविधियों / परिचालनों के क्षेत्र से संबंधित सभी कार्य संव्यवहारों / परिचालनों, प्रक्रियाविधियों तथा उत्पादन प्रयासों का अनुपालन करता है। (सिद्धांत 1.2 में यथा वर्णित)।

सिद्धांत 2.3 :

क्या यह नीति राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है? यदि हां, तो निर्दिष्ट करे? (50 शब्दों में)

जी, हां, ओएनजीसी पूरे विश्व में अन्य ई एंड पी कंपनियों द्वारा अपनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय मानकों, संव्यवहारों तथा मानक प्रचालन प्रक्रियाओं का अनुपालन करता है। इसके अतिरिक्त, ओएनजीसी एक राष्ट्रीय तेल कंपनी होने के नाते भारत सरकार और अन्य सांविधिक निकायों जैस`डीजीएच तथा ओआईएसडी के सभी विधानों तथा नीतियों का अनुपालन करता है।

सिद्धांत 2.4 :

क्या इस नीति को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है? यदि हां, तो क्या इस पर प्रबंध निदेशक/स्वामी/सीईओ/समुचित बोर्ड निदेशक द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं?

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय देश में हाइड्रोकार्बन उद्योग हेतू शीर्षस्थ निकाय है। अन्य सभी परिचालन क्षेत्र भारत सरकार द्वारा यथा अधिनियमित विभिन्न कानूनों के अंतर्गत आते हैं। उक्त सभी के अध्यधीन, सभी आंतरिक नीतियां बोर्ड या बोर्ड द्वारा इसके लिए प्रत्यायोजित प्राधिकारियों द्वारा अनुमोदित होती हैं।

सिद्धांत 2.5 :

क्या कंपनी की नीति के क्रियान्वयन की निगरानी हेतु बोर्ड/निदेशक/अधिकारियों की कोई निर्दिष्ट समिति है?

बोर्ड वार्षिक रिपोर्ट के भाग के रूप में कॉरपोरेट अभिशासन रिपोर्ट में यथा वर्णित अपनी विभिन्न समितियों के माध्यम से इन नीतियों के अनुपालन और क्रियान्वयन की निगरानी करता हैं।

सिद्धांत 2.6 :

इस नीति को ऑनलाइन देखने के लिए वेबसाइट का लिंक बताएं?

कंपनी की बेवसाइट (www.ongcindia.com) में विभिन्न स्थानों के अंतर्गत सिद्धांत में यथा वर्णित विभिन्न नियमों का संदर्भ है। इसके अलावा, संगठन के विभिन्न कार्यो पर लागू आंतरिक नीतियां इंट्रानेट पर उपलब्ध हैं।

सिद्धांत 2.7 :

क्या इस नीति को औपचारिक रूप से सभी संबंधित आंतरिक एवं बाह्य पणधारकों को संप्रेषित किया गया है?

ओएनजीसी की नीतियां और प्रचालनात्मक ढांचा ओएनजीसी की वेबसाइट और साथ ही साथ ओएनजीसी के इंट्रानेट पर उपलब्ध है।

सिद्धांत 2.8 :

क्या कंपनी के पास इस नीति/इन नीतियों को क्रियान्वित करने के लिए आंतरिक ढांचा है?

जी, हां। कंपनी की वस्तुओं तथा सेवाओं की सुरक्षित तथा धारणीय उत्पादन के क्षेत्र की प्रदत्त नीतियों को क्रियान्वित करने के लिए कंपनी का एक सुस्थापित आधारभूत ढांचा, जनशक्ति

पूल, प्रलेखित मानक प्रचालन प्रक्रियाविधि और अन्य कार्यपालन तथा प्रशासनिक तंत्र है। कंपनी का एचएसई (स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण) और सीएम एंड एसजी (कार्बन प्रबंधन और धारणीयता समूह) विभाग कंपनी के शीर्ष प्रबंधन के साथ संरक्षा, स्वास्थ्य तथा पर्यावरण–अनुकूल प्रचालनों से संबंधित नीतियों के निष्पादन और निगरानी के लिए एक नोडल विभाग के रूप में कार्य करता है।

खरीद, भुगतान, निविदाकरण, जोखिम प्रबंधन, सुरक्षित प्रेषण, धोखाधड़ी रोकथाम, नियंत्रण स्व – मूल्यांकन (आंतरिक नियंत्रण) और विभिन्न अन्य प्रक्रियाएं सुप्रलेखित नीतियों द्वारा कवर होती हैं, जो सभी संबधितों के संदर्भ के लिए कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

सिद्वांत 2.9 :

क्या कंपनी के पास इस नीति/इन नीतियों से संबंधित पणधारकों की शिकायतों पर ध्यान देने के लिए इस नीति/इन नीतियों से संबंधित कोई शिकायत निवारण तंत्र है?

जी, हाँ। यह सिद्धांत 1.9 के अंतर्गत वर्णित है।

सिद्वांत 2.10 :

क्या कंपनी ने किसी आंतरिक या बाहरी एंजेंसी द्वारा इस नीति के कार्यकरण की स्वतंत्र जांच/मूल्यांकन करवाया है?

ओएनजीसी विभिन्न संपरीक्षा जैसे नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त छह सनदी लेखाकार फर्मो द्वारा सांविधिक लेखा–परीक्षा, सी एंड एजी लेखा–परीक्षा, लागत लेखा–परीक्षा, सचिवीय लेखा–परीक्षा, तकनीकी संपरीक्षा, गुणवत्ता संपरीक्षा, ऊर्जा संपरीक्षा, सुरक्षा संपरीक्षा, आदि के अध्यधीन है। ये संपरीक्षाएं विभिन्न आंतरिक और बाह्य नीतियों का अनुपालन सुनिश्चित करते हैं।

1. अपने तीन उत्पादों अथवा सेवाओं को सूचीबद्ध करें, जिनके डिजाइन में सामाजिक अथवा पर्यावरणीय चिंताओं, जोखिमों और / अथवा अवसरों को शामिल किया गया है।

क. हजीरा गैस प्रसंस्करण परिसर, सूरत, गुजरात में 10 मेगावाट सौर पीवी संयंत्र :

कुल ऊर्जा उत्पादन में नवीकरणीय ऊर्जा के अंश में अत्यधिक वृद्धि हेतु भारत सरकार के महत्वकांक्षी लक्ष्य को बढ़ावा देने के लिए हजीरा संयंत्र के भीतर 10 मेगावाट क्षमता का एक सौर पीवी विद्युत संयंत्र को लगाए जाने की योजना है। पर्यावरण पर इसके लाभकारी प्रभाव के अतिरिक्त यह कंपनी की सौर विद्युत के माध्यम से "नवीकरणीय खरीद बाध्यता" आवश्यकता को पूरा करने में भी सहायता करेगा। संयंत्र द्वारा विद्युत उत्पादन में जीवाष्म ईंधन के अभाव के चलते 11689 टन तक CO_2 उत्सर्जन में कमी करने का अनुमान है। तकनीकी–वाणिज्यिक व्यवहार्यता रिपोर्ट को कपंनी के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक "अभियांत्रिकी एवं महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान" द्वारा तैयार किया गया था। संयंत्र ने वित्तीय वर्ष 2018 में आंशिक विद्युत उत्पादन प्रारंभ किया और इसके वित्तीय वर्ष 2019 में पूर्णतः प्रचालनशील होने की प्रत्याशा है।

ख. वर्षा जल संचयन :

स्थायी जल प्रबंधन के अंतर्गत ओएनजीसी के विभिन्न कार्य कन्द्रों में वर्षा जल संग्रहण (आरडब्ल्यूएच) परियोजनाए क्रियान्वित की गई/की जा रही हैं। एकत्र किए गए जल का उपयोग बागबानी, शौचालय उपयोग आदि और साथ ही भूमिगत जलवाही स्तर के पुनर्भरण के लिए भी किया जा रहा है।

ओएनजीसी की चालू वर्षा जल संचयन परियोजनाएं इस प्रकार हैं :

क्रम सं.	विवरण
1	अहमदाबाद परिसंपत्ति के विभिन्न अवस्थानों पर 29 भू – जल पुनर्भरण कुएं
2	हरित भवन, मुंबई में छत और जमीन से प्राप्त वर्षा जल का उपयोग किया जाता है।
3	आवासीय परिसर, अंकलेश्वर परिसंपत्ति में बोरवेल के लिए अंतःस्रवण कूप
4	सी 2 – सी 3 संयंत्र, दाहेज, गुजरात के एकीकृत भाग के रूप में वर्षा जल संचयन प्रणाली
5	राजमहेन्द्री परिसंपत्ति बेस परिसर में वर्षा जल संचयन
6	इप्रोम, गोवा में 16 भू – जल पुनर्भरण कुप
7	आईआरएस, अहमदाबाद में 2 भू – जल पुनर्भरण कुप
8	केडीएमआईपीई, देहरादून में 6 भू – जल पुनर्भरण कुप
9	बेस परिसर, आरएफबी, जोधपुर में 1 भू – जल पुनर्भरण कुप
10	के. वी. स्कूल, एनओबीएच और अगरतला, त्रिपुरा परिसंपत्ति के ऑफिसर्स क्लब में वर्षा जल संचयन प्रणाली
11	पीपीसीएल भवन, उरण संयंत्र में वर्षा जल संचयन प्रणाली
12	भवाले हिल वर्षा जल संचयन प्रणाली, महाराष्ट्र
13	एसपीआईसी कैंपस, ओएनजीसी पनवेल, महाराष्ट्र में वर्षा जल संचयन प्रणाली
14	पश्चिमी अभितट बेसिन, वडोडरा के विभिन्न अवस्थितियों पर वर्षा जल संचयन प्रणालियां

ग. समुद्र जल विलवणीकरण :

पूरी दुनिया और विशेषकर भारत में, ताजा पानी की कमी के मँडराते संकट को देखते हुए, ताजा पानी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए समुद्र जल का विलवणीकरण सर्वाधिक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है। मुंबई हाई से आने वाले कच्चे तेल के प्रसंस्सकरण और मूल्य वर्द्धित उत्पादों का उत्पादन करने के लिए जिम्मेदार, मुंबई के निकट उरण में उरण प्रसंस्सकरण संयंत्र, ओएनजीसी के सर्वाधिक महत्वपूर्ण संयंत्रों में से एक है। वर्तमान में, उरण

को अपने सामान्य परिचालन के लिए प्रतिदिन 1700 घन मीटर ताजे जल की आवश्यकता होती है। इस पानी की आपूर्ति एमआईडीसी द्वारा की जाती हैं जो इस क्षेत्र का एक मात्र आपूर्तिकर्ता है। उरण, ओएनजीसी में और इसके आसपास द्रुत संवृद्धि के कारण, ओएनजीसी को ताजे जल की आपूर्ति में विघ्न का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि एमआईडीसी के पास सीमित ज्ञात जल स्रोत हैं। भविष्य में किसी प्रकार की बाधा को दूर करने के लिए 20 एमएलडी क्षमता वाले विलवणीकरण संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। व्यवहार्यता अध्ययन किया जा चुका है। व्यवहार्यता अध्ययन मेकॉन द्वारा किया गया है और परियोजना को इसके कार्यान्वयन हेतु कार्यकारी समिति से सिद्धांत अनुमोदन प्राप्त हुआ है। यह निर्णय लिया गया है कि उरण, महाराष्ट्र में एक 10 एमएलडी डीसेलीनेशन संयंत्र को लगाया जाएगा जिसका भविष्य में 20 एमएलडी क्षमता तक उन्नयन किया जा सके। पीएमसी हेतु संविदा दी जा चुकी है।

2. **इस प्रकार के प्रत्येक उत्पाद के लिए, उत्पाद (वैकल्पिक) की प्रति इकाई में प्रयुक्त संसाधन (ऊर्जा, जल, कच्ची सामग्री इत्यादि) के संदर्भ में निम्नलिखित ब्यौरा दें :**

जल, ईंधन की प्रति इकाई उपयोग का माप अभी नहीं किया गया है। तथापि, कंपनी ने ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन के संरक्षण के लिए सभी नीतियां एवं कार्यविधियां निर्धारित कर दी हैं।

पूरी मूल्य श्रृंखला में पिछले वर्ष की तुलना में स्रोतीकरण/ उत्पादन/ वितरण के दौरान हासिल कमी?

पिछले वर्ष की तुलना में उपभोगकर्ताओं (ऊर्जा, पानी) द्वारा उपभोग के दौरान हासिल कमी ?

कंपनी ने ऊर्जा और पानी के उपयोग में कमी के लिए कई उपाय शुरु किए हैं। कंपनी का लक्ष्य ताजा जल संसाधन पर कम निर्भरता से परिचालन करना है। कंपनी ने बहुत बड़े पैमाने पर ओएनजीसी कार्य केन्द्रों पर कुल जल उपयोग माप कार्य शुरु किया है और पहले ही 8 परिसंपत्तियों, 2 संयंत्रो एवं 1 संस्थान में चार आर (R) अवधारणा अपनाते हुए कुल जल उपयोग माप का कार्य शुरु कर दिया है :

रिड्युस (कम करना) : ताजा जल उपयोग को कम करने के क्षेत्रों की पहचान करनां।

रियूज (पुनः उपयोग) : ताजा जल पुनर्उपयोग के अवसरों की पहचान करना।

रिसाइकल (पुनर्चक्रण) : ताजा जल के स्थान पर उत्पादित/ बहिःस्त्रावी पानी का उपयोग करने के तरीकों की पहचान करना।

रिप्लेनिश (पुनर्भरण) : वर्षा जल संचयन के माध्यम से भू – जल पुनर्भरण।

3. **क्या कंपनी में संवहनीय स्रोतीकरण (परिवहन सहित) के लिए कोई कार्य विधि स्थापित है?**

कंपनी में संवहनीय स्रोतीकरण के लिए एक सुस्थापित कार्य विधि स्थापित हैं। कंपनी की सुप्रलेखित सामग्री प्रबंधन नीति है (इस नीति को हाल में पुनर्संरचित किया गया है और यह ओएनजीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है) जो परिचालन और कारोबार गतिविधियों की आवश्यकताओं को एक संतुलित, सतत और संवहनीय तरीके से स्रोतीकरण मे मदद करती है। कंपनी में यह सुनिश्चित करने के लिए इसका परिचालन और कारोबार प्रयास पर बाह्य कारणों से कोई आँच न आए, दीर्घावधि करार एवं दर अनुबंध हैं।

संवहनीयता और धारणीय विकास कंपनी मंत्र के रूप में कार्य प्रचलनों में अन्तर्निहित हैं और क्योटो प्रोटोकॉल समझौता, जीएचजी उपशमन, कार्बन प्रबंधन, धारणीयता और बिक्रेता श्रृंखला कायाकल्प से संरेखित हैं।

यदि हाँ, तो आपके कितने प्रतिशत आदान संधारणीय स्रोतों से प्राप्त किए गए थे? साथ ही, करीब 50 शब्दों में तत्संबंधी ब्यौरा प्रस्तुत करें।

कंपनी में वर्तमान में इस विशिष्ट मानदंड को मापने के लिए कोई कार्य विधि स्थापित नहीं है। तथापि, भविष्य में, संबंधित सूचना एकत्र करने के प्रयास किए जाएंगे।

4. **क्या कंपनी ने अपने कार्यस्थल के आसपास के समुदायों सहित, स्थानीय एवं छोटे उत्पादकों से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद करने के लिए कोई कदम उठाया है?**

जी, हां। एक भारतीय सीपीएसई (केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम) होने के नाते, ओएनजीसी की खरीद नीति और संव्यवहार सरकारी नीतियों और संव्यवहारों द्वारा मार्गदर्शित होते हैं। ये पारदर्शी खरीद तंत्र पर आधारित होते हैं जो तकनीकी रूप से सक्षम आपूर्तिकर्ताओं से खरीद को बढ़ावा देते हैं। तथापि, सीपीसी दिशानिर्देशो की रूपरेखा के अंदर स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं और संविदाकारों के हित का ध्यान रखा जाता है। उदाहरणार्थ पूर्वोत्तर क्षेत्र में परिवहन से संबंधित सेवाओं के लिए छोटे उद्यमियों को प्रोत्साहित करने हेतुओएनजीसी की एक विशेष नीति है।

यदि हाँ, तो स्थानीय और छोटे बिक्रेताओं की क्षमता और सामर्थ्य में सुधार लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

ओएनजीसी ने हमेशा से ही स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को अपनी निविदा प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया है और साथ ही उनको बिक्रेता विकास कार्यक्रमों के माध्यम से बढ़ावा दिया है। इस दिशा में हमारे सतत प्रयासों से छोटे स्थानीय बिक्रेताओं की भागीदारी में काफी सुधार आया है और परिचालन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले समुदायों का सामाजिक आर्थिक विकास हुआ है। कार्य स्थलों पर, छोटे स्थानीय बिक्रेताओं की मदद करने

के लिए वस्तुओं और सेवाओं की खरीद से संबंधित प्रक्रिया विधियों और नीतियों को स्पष्ट करने के लिए नियमित रूप से बिक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। कंपनी ने एमएसई से खरीद हेतु लोक प्रापण नीति के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक कदम उठाए है। सामग्री एवं वस्तुओं हेतु सभी निविदाओं में आवश्यक प्रावधान शामिल किए गए है। सामान्यतः निविदाओं में पात्र एमएसई हेतु आवश्यकता के न्यूनतम 20 प्रतिशत को आरक्षित किया जाता है।

5. **क्या उत्पादों और अपशिष्ट के पुनर्चक्रण के लिए कंपनी के पास कोई तंत्र है? यदि हाँ, तो उत्पादों और अपशिष्ट के पुनर्चक्रण का प्रतिशत क्या है (अलग अलग 5 प्रतिशत से कम, 5 से 10 प्रतिशत के बीच, 10 प्रतिशत से अधिक)। साथ ही, तत्संबंधी ब्यौरा दें, करीब 50 शब्दों में।**

खतरनाक रसायनों और सामग्रियों के प्रबंधन के लिए ओएनजीसी की एक नीति है जिसे 2002 में जारी किया गया था। इस नीति के अनुसार, खतरनाक रसायन पर काम करने वाले कार्मिकों को सुरक्षित कार्य संव्यवहारों के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। खतरनाक रसायनों के भंडारण के लिए एक पृथक निर्दिष्ट क्षेत्र उपलब्ध कराए जाते हैं और सभी कार्मिकों को व्यक्तिगत सुरक्षात्मक उपस्कर (पीपीई)उपलब्ध कराए जाते हैं, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण भी दिया जाता है। खतरनाक अपशिष्ट की नीलामी/बिक्री के संबंध में और अनुदेश वर्ष 2004 में जारी किए गए थे। पर्यावरण, वन एव जलवायु परिवर्तन मंत्रालय खतरनाक अपशिष्टों जैसे प्रयुक्त / अवशिष्ट तेल, प्रयुक्त लेड एसिड बैटरियों और अन्य गैर लौह धातु अपशिष्ट के पंजीकरण योजना के अंतर्गत के पुनर्चक्रण/पुनर्प्रसंस्करण को विनियमित करता है, जिसका ध्येय इस प्रकार के अपशिष्टों को केवल उन यूनिटों में भेजना है जिनके पास पर्यावरण की दृष्टि से स्वस्थ प्रबंधन (ईएसएम) सुविधाएं हो। यह पंजीकरण केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे हैं जो नियमित रूप से पंजीकृत यूनिटों की सूची उनकी वेबसाइट http://cpcb.delhi.nic.in पर नियमित रूप से अद्यतित करते हैं और खतरनाक अपशिष्ट को केवल सीपीबीपी द्वारा पंजीकृत यूनिटों को बेचना / नीलामी करनी होती है। इस प्रकार स्पष्ट निदेश जारी किए गए हैं और उक्त नीति का अनुपालन किया जा रहा है। उदाहरणार्थ सभी लेड एसिड बैटरियों को नयी बैटरियां खरीदते समय वापस आपूर्तिकर्ताओं को बेचना होता है।

इलेक्ट्रॉनिक ई–अपशिष्ट के निपटान के लिए, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से इस प्रकार की वस्तुओं के लिए पंजीकृत फर्मो से सीमित निविदा आमंत्रित किया जाना होता है और ई–अपशिष्ट के वस्तुओं को, इसके सुरक्षित निपटान सुनिश्चित करने के लिए केवल उन्हीं को बेचना होता है। कंपनी की ई–अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक ई–अपशिष्ट नीति है।

कंपनी, जहाँ कहीं भी व्यवहार्य है, सामग्रियों के पुनर्चक्रण के प्रति कटिबद्ध है। ओएनजीसी, मेहसाणा परिसंपत्ति ने व्ययों, कीमती सामग्रियों का गैर – इष्टतम उपयोग, भू – जल को नियंत्रित करने के लिए और साथ ही अवशिष्ट निपटान का प्रभावी रूप से प्रबंधन करने के लिए प्रभावी अवसंरचना स्थापित की है और गाद प्रिपेरेशन और भंडारण क्षमता बढ़ा करमौजूदा गाद प्रिपेरेशन का उन्नत किया है।

मेहसाणा परिसंपत्ति अब कीमती पॉलिमर आधारित गाद को उपचार और भंडारण के लिए वेघन स्थल से केन्द्रीकृत



केजी डीडब्ल्यूएन 98/2 स्पडिंग : श्री धर्मेन्द्र प्रधान, केजी – डीडब्ल्यूएन – 98/2 की विशाल पूर्वी तट परियोजना के कूप #केडीजी–ए का स्पडिंग कर ओएनजीसी की विशाल पूर्वी तट परियोजना को झंडी दिखाया। उनके साथ हैं, श्री अमर नाथ, संयुक्त सचिव, श्री सत्यजीत मोहंती – निदेशक, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, श्री शशि शंकर, सीएमडी, ओएनजीसी और श्री राजेश कक्कड़, निदेशक, अपतट – ओएनजीसी।

गाद संयंत्र में परिवहन किया जा रहा है और तत्पश्चात अन्य वेधन स्थलों पर भेज दिया जाता है, जहाँ नये कूपों का वेधन किया जा रहा है। चूँकि वेधन सर्वाधिक जल सघन परिचालन है, वेधन गाद के पुनर्चक्रण ने जल खपत को प्रभावी रूप से कम किया है।

अन्वेषण और उत्पादन परिचालन के दौरान ओएनजीसी में जनित अवशिष्ट मुख्यतः वेधन गाद और गाद कटिंग (गैर खतरनाक), रासायनिक गाद और टंकी तल गाद (खतरनाक) होते हैं। रासायनिक गाद लैगँस में संग्रहित होते हैं जिसमें निक्षालित संग्रह सुविधा होती है जहाँ जल को गाद प्रमात्रा कम करने के लिए निथारा जाता है। यह रासायननिक गाद राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानदंडों के अनुसार अपशिष्ट भरण द्वारा निस्तारित किया जाता है। टंकी तल गाद को उपचारित करने के लिए, जो मुख्यतः कार्बनिक तत्व होते हैं, जैवोपचारण तकनीक का उपयोग किया जाता है। परिचालन से उत्पन्न ठोस अवशिष्ट का प्रबंधन करने के लिए तेल उद्योग की सर्वश्रेष्ठ प्रथाएं अपनाई जाती हैं। वेधन गाद और कटिंग को उद्योग प्रथाओं के अनुसार निस्तारित, भूमि भराव के पुनः उपयोग किया जाता है या प्राधिकृत बिक्रेताओं को बेचा जाता है।

अपशिष्ट प्रबंधन को धारणीय विकास गतिविधियों के लिए ओएनजीसी द्वारा एक महत्वपूर्ण विषय माना गया है। ओएनजीसी परिचालनों के दौरान जनित खतरनाक एवं गैर खतरनाक अवशिष्टों के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए ओएनजीसी में एक अवशिष्ट प्रबंधन नीति है। ओएनजीसी अवशिष्ट को कम करने और इसका प्रबंधन करने के लिए तीन आयामी नीति अपनाती आ रही है:

- अपना अवशिष्ट परिमाण जानें – अवशिष्ट आधार रेखा खींचे
- जहाँ कहीं भी व्यवहार्य हो अवशिष्ट परियोजना बनाएँ और लागू करें
- अवशिष्ट प्रबंधन एवं रिपोर्टिंग

ठोस एवं तैलीय अपशिष्ट प्रबंधन

कुछ प्रमुख अपशिष्टों में वेधन कटिंग, वेधन द्रव्य और भंडारण टंकियों की सफाई से और उत्प्रवाही उपचार संयंत्रों की विभिन्न प्रक्रिया इकाईयो से प्राप्त तैलीय गाद शामिल हैं। ओएनजीसी ने जल युक्त कीचड़ के उपयोग से जनित वेधन कटिंग की सुरक्षित प्रकृति के संबंध में, विभिन्न मंचों पर द्योतित किया है। परिणामस्वरूप, जल युक्त कीचड़ के उपयोग से जनित वेधन कटिंग को खतरनाक और अन्य अवशिष्ट (प्रबंध और सीमापारीय संचलन) नियमावली, 2016 की अनुसूची I से निकाल दिया गया है। टंकी तल गाद और तैलीय अवशिष्ट को एकमात्र खतरनाक अवशिष्ट के रूप में पहचान की गयी थी और तदनुसार स्थानीय सांविधिक दिशानिर्देशों के अनुसार इनका निपटान किया जाता है। आवधिक रूप से निकाले गए तैलीय गाद को ऑयल जैपर्स के रूप में ज्ञात जीवाणु समूह का उपयोग करते हुए पर्यावरण के दृष्टिकोण से सही जैवोपचारण तकनीक द्वारा उपचारित किया जाता है और इसे सुरक्षित बना दिया जाता है। अपनी वेधन गतिविधियाँ करने के लिए ओएनजीसी द्वारा सामान्यतः भूमि का छोटी अवधि के लिए अधिग्रहण किया जाता है। विभिन्न स्रोतों से अवशिष्ट जल के निःस्सरण के कारण वेधन परिचालन के दौरान भूमि अपक्षय होता है। वेधन गतिविधियों के दौरान अधिग्रहित भूमि को भू – स्वामियों को वापस करने से पूर्व इसकी पुरानी स्थिति में उपयोग योग्य और पूर्वावस्था में लाया जाता है।

उत्पादित जल / उत्प्रवाह

तेल एवं गैस के साथ उत्पादित पानी, कंपनी की उत्पादन गतिविधियों के भाग के रूप में एक प्रमुख उत्प्रवाह होता है। उत्पादित पानी, जो कूप द्रव्य का भाग होता है, को पृथक किया जाता है और आगे उपचार हेतु अभितट संस्थापनों में उत्प्रवाह उपचार संयंत्र मे भेजा जाता है। ओएनजीसी अभितटीय प्रतिष्ठानों से जनित उत्प्रवाह का उपचार करने के लिए छब्बीस ईटीपी का परिचालन करती है। पूराने हो रहे तेल क्षेत्रों के कारण उच्च वाटर कट की वजह से बढ़े हुए द्रव्य उत्पादन का निपटान करने के लिए, इक्कीस नए/प्रतिस्थापित ईटीपी बनाने की योजना है।

वेधन स्थलों पर वेधन गतिविधियों के दौरान जनित अवशिष्ट जल को एक अवशिष्ट गड्ढ़े में संचयित किया जाता है, जिसमें उच्च सघनता वाली पॉली इथिलिन शीट (एचडीपीई) की लाइनिंग होती हैं। अवशिष्ट गड्ढ़े से अवशिष्ट जल को कीचड़ बनाने और अन्य उपयोग के लिए पुनः चक्रण किया जाता है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में, जहाँ काफी अधिक वर्षा होती है, अवशिष्ट गड़ढे से पास के क्षेत्र में अधिप्रवाह से बचने के लिए अवशिष्ट जल को मोबाइल ईटीपी से उपचारित किया जाता है और उसका पुनः उपयोग किया जाता है।

अभितटीय लोकेशनों में, उपचारित उत्पादित पानी के भाग को दवाब रखरखाव के लिए कुंड में जल अंतःक्षेपण के लिए उपयोग किया जाता है; शेष परिमाण को 1000 मीटर नीचे भूमिगत अवस्थित अद्यस्तल निस्तारण कूपों में पुनः अंतःक्षेपण किया जाता है। अपतटीय लोकेशनों में, उपचारित उत्पादित पानी समुद्र तल से 40 मीटर नीचे निस्तारित किया जाता है।

कंपनी ने बेहतर योजना बनाने और प्रबंधन करने के लिए स्रोत पर अवशिष्ट के परिमाणीकरण और अलग अलग करने के लिए एक व्यापक कॉर्पोरेट अवशिष्ट प्रबंधन नीति बनाई है।गैर खतरनाक अवशिष्ट के लिए, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण मार्ग के माध्यम से निर्वर्त्य परिमाण को कम से कम करने के प्रयास किए जाते हैं।

सिद्धांत 3 : उद्योग को सभी कर्मचारियों के कुशल क्षेम का संवर्धन करना चाहिए।

सिद्धांत 3.1 : क्या सिद्धांत 3 हेतु आपकी कोई नीति / नीतियाँ है?

जी, हाँ। कंपनी के पास मानव संसाधन नीतियों की एक विस्तृत श्रृंखला है जो सभी श्रेणियों के कर्मचारियों (कर्मी, अधिकारी, महिला कर्मचारी, अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति कर्मचारी, खिलाड़ियों) को कवर करती हैं। यह पेशेवर कौशल एवं ज्ञान उन्नयन के सभी पहलूओं, कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं सामान्य कुशल क्षेम, महिला सशक्तीकरण, अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति और अन्य सुविधाविहीन वर्ग के कर्मचारियों के सशक्तीकरण, कार्य मुक्ति / अधिवर्षिता और सेवानिवृत्ति पश्चात कल्याण उपायों का ध्यान रखती है।

सिद्धांत 3.2

क्या यह नीति संबंधित पणधारकों से परामर्श कर बनायी गयी है?

ओएनजीसी की मानव संसाधन नीतियां डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप और संगठन और कर्मचारियों से परामर्श करने के पश्चात बनाई गयी है।

सिद्धांत 3.3

क्या यह नीति किसी राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय मानक का अनुपालन करती है? यदि हाँ, तो स्पष्ट करें? (50 शब्दों में)

ओएनजीसी की मा. सं. नीतियाँ सर्वोत्तम अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय मानकों के समनुरूप है। कंपनी को देश के सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं मे से एक माना जाता है।

सिद्धांत 3.4

क्या यह नीति बोर्ड द्वारा अनुमोदित की गयी है? यदि हाँ, तो क्या इस पर प्रबंध निदेशक / स्वामी / मुख्य कार्यकारी अधिकारी / उपयुक्त बोर्ड निदेशक द्वारा हस्ताक्षर किया गया है?

सभी मानव संसाधन नीतियाँ बोर्ड द्वारा यथा प्रत्यायोजित सक्षम प्राधिकारियों द्वारा अनुमोदित होती हैं और तदनुसार हस्ताक्षरित होती हैं।

सिद्धांत 3.5

क्या इस नीति के क्रियान्वयन की निगरानी करने के लिए कोई विनिर्दिष्ट बोर्ड / निदेशक / आधिकारिक समिति है?

मानव संसाधन के क्षेत्र में प्रमुख निर्णयों की निगरानी करने के लिए निदेशक मंडल ने एक बोर्ड स्तरीय मानव संसाधन प्रबंधन समिति का गठन किया गया है।

सिद्धांत 3.6

इस नीति को ऑनलाइन देखने के लिए लिंक बताएं?

कंपनी का इंट्रानेट "reports.ongc.co.in" और "webice.ongc.co.in" में विभिन्न मानव संसाधन नीतियों के लिंक हैं। इसके अलावा, विभिन्न कल्याण नीतियां, समय समय पर जारी कार्यालय आदेशों, परिपत्रों के तहत संसूचित किए जाते हैं और व्यापक प्रसार हेतु इसे कंपनी के इंट्रानेट "reports.ongc.co.in" पर अपलोड किया जाता है।

सिद्धांत 3.7

क्या यह नीति औपचारिक रूप से सभी संबंधित आंतरिक और बाह्य पणधारकों को संसूचित की गयी है?

जी, हां। ओएनजीसी की मानव संसाधन नीतियां कंपनी की वेबसाइट और साथ ही कंपनी की आंतरिक वेबसाइट वेबआइस पोर्टल और ongcreports.net पर ऑनलाइन उपलब्ध है। सभी नीतियां, कार्यविधियां और कार्य – प्रवाह प्रलेखित हैं और सभी कर्मचारियों के आसान पहुँच, उपयोग और सूचना हेतु ऑनलाइन उपलब्ध हैं। सभी नयी पहलें, परिवर्तन अथवा नयी घोषणा आंतरिक वेबसाइट के माध्यम से कर्मचारियों को ऑनलाइन संसूचित की जाती हैं और साथ ही नोटिस बोर्ड पर औपचारिक आदेश के रूप में और अलग अलग व्यक्तियों को परिपत्र जारी कर भी सूचित किया जाता है।

सिद्धांत 3.8

क्या इस नीति / इन नीतियों को क्रियान्वित करने के लिए कंपनी की कोई आंतरिक संरचना है?

ओएनजीसी का एक संरचित मानव संसाधन विभाग है जिसका नेतृत्व निदेशक (मानव संसाधन) द्वारा किया जाता है, जो वरिष्ठ मानव संसाधन कार्यकारियों की सहायता से पूरी कंपनी मे इन नीतियों को क्रियान्वित करते हैं।

सिद्धांत 3.9

क्या इस नीति / इन नीतियों से संबंधित पणधारकों की शिकायतों के निवारण के लिए कंपनी में इस नीति / इन नीतियों से संबंधित कोई शिकायत निवारण तंत्र है?

जी, हाँ। ओएनजीसी की सुसंरचित कर्मचारी शिकायत निवारण तंत्र है। ब्यौरे उपर्युक्त सिद्धांत 1.9 में मुहैया करवाए गए है। यह तंत्र/कार्यविधियां कर्मचारी को अपनी शिकायतें कंपनी के निदेशक (मानव संसाधन) तक और कुछ मामलों में मुददों एवं चिंताओं के न्यायोचित निवारण के लिए कार्यकारी समिति तक ले जाने की अनुमति देते हैं। संगठन और अधिकारी संघ को विवादित मुद्दों पर चर्चा करने / समझौता करने और उनकी चिंताओं के निवारण के लिए प्रत्येक चरण में शामिल किया जाता है। एक कार्यकारी निदेशक स्तर पर कर्मचारी संबंध और औद्योगिक संबंध (ईआर एवं आईआर) की निगरानी करते हैं और

मैत्रीपूर्ण, अभिप्रेरित और जोशपूर्ण कार्य माहौल बनाए रखते हैं। सभी कर्मचारियों को ई–मेल के जरिए सीएमडी और निदेशकों तक पहुँच होती है।

सिद्धांत 3.10

क्या कंपनी ने किसी आंतरिक अथवा बाह्य एजेंसी के द्वारा इस नीति के कार्यकरण की स्वतंत्र लेखा परीक्षा/ मूल्यांकन करवाया है?

नवीनतम वस्तुस्थितियों का संज्ञान लेते हुए मानव संसाधन नीतियां और प्रचलनों का नियमित रूप से समीक्षा की जाती है। कर्मचारी नियोजन एवं संतुष्टि स्तर का पता लगाने के लिए नियमित स्वतंत्र लेखा परीक्षक, आंतरिक एवं बाह्य दोनों, करवायी जाती है। जहाँ कहीं भी वांछित और आवश्यक होता है, हमारे प्रचलनों / नीतियों को सर्वोत्तम उद्योग मानकों के स्तर तक बढ़ाने के लिए बाह्य एजेंसियों / परामर्शदाताओं से विशेषज्ञ सलाह ली जाती हैं।

कंपनी ने मानव संसाधन नीतियों की लेखा परीक्षा / मूल्यांकन किया है। आईएसओ 9001 : 2008 लेखा परीक्षा, आंतरिक लेखा परीक्षा, सरकारी एजेंसियों द्वारा बाह्य लेखा परीक्षा जैसी अनेक लेखा परीक्षाएं पूरे संगठन में आयोजित की जाती हैं।

1. कर्मचारियों की कुल संख्या : 32265
2. अस्थायी / ठेका / आकस्मिक आधार नियोजित कर्मचारियों की कुल संख्या।
   - ठेका श्रमिक : 22070 (नैमित्तिक संविदाओं में 3450 शामिल है)
   - कार्यकाल आधारित : 636
   - अस्थायी /आकस्मिक श्रमिक : 280
3. कृपया कुल अस्थायी महिला कर्मचारियों की संख्या बताएं : 2208
4. कृपया स्थायी रूप से विकलांग कर्मचारियों की संख्या बताएं : 245
5. क्या आपके यहाँ कोई कर्मचारी संघ है जो प्रबंधन द्वारा मान्यता प्राप्त है?

   जी, हाँ।

क. अधिकारी संवर्ग : वैज्ञानिक और तकनीकी अधिकारी संघ (एएसटीओ) को अधिकारियों के मुद्दे उठाने के लिए मान्यता प्रदान की गयी है।

ख. गैर अधिकारी संवर्ग : बारह मान्यता प्राप्त संघ :

1. ओएनजीसी (बीओपी) कर्मचारी संगठन, मुंबई
2. ओएनजीसी कर्मकार संघ, कोलकाता
3. पेट्रोलियम कर्मचारी संघ, चेन्नई
4. पेट्रोलियम कर्मचारी संघ, राजमहेन्द्री
5. पेट्रोलियम कर्मचारी संघ, राजमहेन्द्री
6. पेट्रोलियम मजदूर संघ, अहमदाबाद
7. ओएनजी मजदूर संघ, अंकलेश्वर
8. ओएनजीसी कर्मचारी मजदूर सभा, बड़ौदा
9. ओएनजीसी पूर्बांचल मजदूर संघ, शिबसागर
10. राष्ट्रीय ओएनजीसी कर्मचारी संघ, देहरादून
11. ओएनजीसी श्रमिक संघ, अगरतला
12. ओएनजीसी श्रमिक ट्रेड यूनियन, सिलचर।

उपर्युक्त के अलावा, अखिल भारतीय अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ और अखिल भारतीय अन्य पिछड़े वर्ग/सर्वाधिक अन्य पिछड़े वर्ग कर्मचारी कल्याण संघ को ओएनजीसी द्वारा मान्यता प्रदान की गयी है।

6. **आपके स्थायी कर्मचारियों के कितने प्रतिशत कर्मचारी इन मान्यता प्राप्त संघों के सदस्य हैं?**

ज्यादातर अधिकारी एएसटीओ के सदस्य हैं। कर्मचारियों के गैर अधिकारी संवर्ग विभिन्न संघों से सम्बद्ध हैं। 12 मान्यता प्राप्त संघों को गुप्त मतदान के माध्यम से सत्यापन के आधार पर कंपनी द्वारा मान्यता दी गयी है। वे उनके संबंधित कार्य केन्द्रों के सभी संगठित श्रेणियों के कर्मचारियों को मान्यता प्रदान करते हैं, हालांकि उनमें से कुछ प्रतिद्वंदी संघों की सदस्तया रखते होंगे।

7. **कृपया पिछले वित्त वर्ष के बाल श्रम, बेगार श्रम, अस्वैच्छिक श्रम, यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों की संख्या और वित्त वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या बताएं।**

क्रम सं.	श्रेणी	वित्त वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	वित्त वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या
1	बाल श्रम/बेगार श्रम/ अस्वैच्छिक श्रम	शून्य	शून्य
2	यौन उत्पीड़न	4	1
3	विभेदकारी नियोजन	शून्य	शून्य

8. नीचे वर्णित कर्मचारियों के कितने प्रतिशत कर्मचारियों को पिछले वर्ष संरक्षा एवं कौशल उन्नयन प्रशिक्षण दिया गया था?

• स्थायी कर्मचारी • स्थायी महिला कर्मचारी • आकस्मिक / अस्थायी / ठेका कर्मचारी • विकलांग कर्मचारी	14681 अधिकारियों और 6494 गैर अधिकारियों को हमारे प्रमुख संस्थान, इप्रोम गोवा और ओएनजीसी अकादमी, देहरादून के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किए गए थे। उपर्युक्त के अलावा, आकस्मिक, अस्थायी और ठेका श्रमिकों को परिचालन संरक्षा में अपेक्षित प्रशिक्षण दिए गए थे।

सिद्धांत 4 : उद्योग को सभी पणधारकों, विशेष रूप से जो सुविधाविहीन, वंचित और अधिकारविहीन हैं, के हितों का आदर करना चाहिए और उनके प्रति उत्तरदायी होना चाहिए।

सिद्धान्त 4.1 :

4.1 क्या सिद्धान्त 4 हेतु आपकी नीति/नीतियां हैं?

जी, हां । ओएनजीसी समाज के कमजोर वर्ग के उत्थान के लिए सरकारी निर्देशों का अनुपालन करता है। यह समाज के अधिकारविहीन और असुरक्षित वर्ग के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमारी प्रत्येक रणनीतिक व्यवसाय इकाई की यह जिम्मेदारी है कि वह सहजीवी संबंध स्थापित करने के लिए सुसंगत पणधारकों की पहचान करे और उन्हें शामिल करे।

कंपनी की कई नीतियां हैं, जो सभी पणधारकों के हितों का ध्यान रखती हैं। एक पीएसई होने के कारण कंपनी सरकार द्वारा अधिदेशित सभी नीतियों का अनुपालन करती है। कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) और सतत विकास नीति के साथ–साथ सरकार की कई सारी नीतियां समाज के सुविधाविहीन, कमजोर और अधिकार विहीन तबके के लिए बनाई गई हैं। लोक उद्यम विभाग के दिशानिर्देशों में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ओएनजीसी ने अपनी सीएसआर नीतियों को समरूप किया है। हमारे पणधारक अभिनियोजन को प्रमाणित करने के लिए एक 'पणधारक अभिनियोजन के लिए संसूचन नीति' का मसौदा तैयार किया गया है। लक्ष्य है – जोड़ना, ध्यान से सुनना, प्रत्युत्तर देना, कायम रखना– जिसके परिणामस्वरूप आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थायित्व के विचार के साथ व्यवसाय मूल्य सृजन होगा।

सीएसआर एवं सतत विकास नीति के अनुसार ओएनजीसी के सुनिश्चित उद्देश्य हैं, जिसमें लाभग्राहियों, रणनीतिक और परियोजना क्रियाकलापों की स्पष्ट रूपरेखा दी गई है जो इसकी सामाजिक परियोजनाओं की विशेषता बताती है। उपर्युक्त नीति को अंतिम रूप देते समय कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 और अनुसूची VII के सुसंगत उपबंधों को भी ध्यान में रखा गया है। ये परियोजनाएं इस प्रकार बनाई गई हैं, ताकि समुदायों, विशेष रूप से सुविधावंचित, कमजोर और अधिकारविहीन वर्गों के लिए स्पष्ट, दीर्घावधि, सतत लाभ प्राप्त हो सकें। समुदाय प्रेरित विकास के जरिए हम लोगों की आजीविकाओं में सुधार करते समय बढ़ती जिम्मेदारी के अपने रणनीतिकक उद्देश्य को मूर्त रूप देने के लिए रोज़गार के अधिक अवसर सृजित करने हेतु पूरे समुदायों में अपने पणधारकों के साथ एक सहजीवी संबंध को पोषित करते हैं।

निम्नलिखित तालिका दर्शाती है कि किस प्रकार कंपनी सभी पणधारकों के हितों का ध्यान रखने में लगी हुई है:

पणधारक	नियोजन का तरीका
ग्राहक	कच्चा तेल बिक्री समझौते (सीओएसए) तथा गैस बिक्री समझौते (जीएसए) के माध्यम से ढांचाबद्ध नियोजन, बी2बी भागीदारों और साथ ही बाहरी पणधारकों के साथ नियमित/आवधिक बैठकें।
समुदाय	सीएसआर कार्यक्रमों तथा मानव संसाधन विभागों के माध्यम से कार्य केंद्रों पर सीधे नियोजन।
उद्योग भागीदार/ संविदाकार/ विक्रेता	विक्रेता बैठकें, उद्योग भागीदार बैठकें, बोली–पूर्व सम्मेलन और साथ ही बाहरी पणधारकों के साथ बैठकें।
संविदा कामगार	संरक्षा प्रशिक्षण तथा सहयोग योजना।
कर्मचारी	खुला सत्र, विचार–मंथन, विचारधारा, विचार विश्लेषण, मंत्रणा, कर्मचारी वेब पोर्टल और साथ ही आंतरिक पणधारक बैठक।
नियामक निकाय (डीजीएमएस, एनएसई,बीएसई, सेबी, ओआईएसडी, ओआईडीबी, आदि)	प्रशासनिक मंत्रालय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, लोक उद्यम विभाग,भारी उद्योग एवं लोक उद्यम, ओआईएसडी, ओआईडीबी, आदि और साथ ही बाहरी पणधारकों के साथ बैठकों के माध्यम से ढांचाबद्ध नियोजन।
सरकारी निकाय	
शेयरधारक, निवेशक	निवेशक तथा विश्लेषक बैठक, वार्षिक आम बैठक, निवेशक सम्मेलन, कॉरपोरेट वेबसाइट तथा प्रेस विज्ञप्ति और साथ ही बाहरी पणधारक बैठक।

सिद्धांत 4.2

क्या यह नीति संबंधित पणधारकों के परामर्श से निरूपित की गई है ?

सीएसआर नीति और धारणीय विकास नीति कंपनी अधिनियम 2013 और कंपनी (सीएसआर नीति) नियमावली 2014 और लोक उपक्रम विभाग के दिशानिर्देशों के अनुरूप हैं।

सिद्धांत 4.3

क्या यह सीएसआर नीति किसी राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय मानको के अनुरूप हैं? यदि हाँ, तो विनिर्दिष्ट करें?

यह नीति और निर्धारित प्रक्रियाविधि भारत सरकार, लोक उपक्रम विभाग और अन्य सांविधिक निकायों के विधानों और नीतियों के अनुपालन में हैं।

सिद्धांत 4.4

क्या इस नीति को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है? यदि हां, तो क्या इस पर प्रबंध निदेशक/स्वामी/सीईओ/उपयुक्त बोर्ड निदेशक द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं?

ओएनजीसी द्वारा अनुपालन की जाने वाली ऐसी सभी नीतियों को बोर्ड द्वारा उसकी विभिन्न समितियों अथवा निदेशक (मानव संसाधन) के माध्यम से अनुमोदित करवाया जाता है। कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार संशोधित सीएसआर नीति बोर्ड द्वारा अनुमोदित की गई है और ओएनजीसी की वेबसाइट पर डाल दी गई है।

सिद्धांत 4.5

क्या कंपनी की नीति के क्रियान्वयन की निगरानी हेतु बोर्ड/निदेशक/अधिकारियों की कोई विनिर्दिष्ट समिति है?

जी, हां। निदेशक (मानव संसाधन) को ओएनजीसी के सीएसआर पहलों को क्रियान्वित करने के लिए शक्ति प्रत्यायोजित की गई है।सीएसआर नीति के क्रियान्वयन की निगरानी कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी एवं सतत विकास (सीएसआर एण्ड एसडी) संबंधी बोर्ड स्तर की समिति द्वारा की जाएगी। इसके अलावा, बोर्ड के अनुमोदन के अनुरूप ओएनजीसी ने सीएसआर क्रियाकलाप चलाने के लिए भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 के अंतर्गत ओएनजीसी फाउंडेशन स्थापित और पंजीकृत किया है।

सिद्धांत 4.6

ऑनलाइन देखे जा सकने के लिए नीति का लिंक बताएं।

ओएनजीसी की वेबसाइट ongcindia.com में सीएसआर और धारणीय विकास नीति सभी के लिए उपलब्ध है।

सिद्धांत 4.7

क्या नीति को औपचारिक रूप से सभी संबंधित आंतरिक एवं बाहरी पणधारकों को संप्रेषित किया गया है?

जी, हाँ। आंतरिक पणधारकों हेतु, ये सभी नीतियां कंपनी की वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं और इनका प्रसार संघों, अधिकारी संघों तथा संबंधित एसोसिएशनों के माध्यम से भी किया जाता है। बाहरी पणधारकों हेतु, इस संबंध में संप्रेषण बहु–स्तरों पर परस्पर संपर्क के माध्यम से किया जाता है।

सिद्धांत 4.8

क्या कंपनी के पास इस नीति/ इन नीतियों को क्रियान्वित करने के लिए आंतरिक ढांचा है?

ओएनजीसी के पास अपनी नीतियों के निष्पादन तथा क्रियान्वयन के लिए एक व्यवस्थित ढांचा और निर्धारित सुप्रलेखित प्रक्रियाविधियां हैं। समूचे संगठन में सीएसआर क्रियाकलापों के क्रियान्वयन हेतु ओएनजीसी में एक पृथक विभाग जिसका नेतृत्व प्रमुख, सीएसआर करते है।

सिद्धांत 4.9

क्या कंपनी के पास इस नीति/ इन नीतियों सें संबंधित पणधारकों की शिकायतों का समाधान करने के लिए इस नीति/ इन नीतियों से संबंधित कोई शिकायत समाधान तंत्र है?

जी, हाँ।

सिद्धांत 4.10

क्या कंपनी ने किसी आंतरिक या बाहरी एजेंसी द्वारा इस नीति के कार्यकरण की स्वतंत्र लेखापरीक्षा/मूल्यांकन करवाया है?

जी, हाँ।

1. **क्या कंपनी ने अपने आंतरिक और बाह्य पणधारक निर्धारित किए हैं?**

   जी, हां।

2. **उक्त में से क्या कंपनी ने सुविधावंचित, कमजोर और अधिकारविहीन पणधारकों की पहचान की है?**

   जी, हां। पिछले आठ वर्षों में ओएनजीसी ने'कृपा आधारित परोपकार' दृष्टिकोण को छोड़कर 'पणधारक प्रतिभागिता' दृष्टिकोण अपना लिया है, जिसके तहत ओएनजीसी के परिचालन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले समुदायो को एक महत्वपूर्ण पणधारक के रूप में देखा जाता है और इसलिए उनके विकास को कंपनी के कारोबार विकास के संरेख में देखा जाता हैं। चूँकि ओएनजीसी के परिचालन क्षेत्र सुदूर और पिछड़े क्षेत्रों में है, परिचालन क्षेत्रों के आसपास के समुदायों सहित बाह्य पणधारकों के साथ काम करने की प्रक्रिया हमें सुविधाविहीन और वंचित सीमांत पणधारकों की जरुरतों से संबंधित महत्वपूर्ण आदान प्रदान करते हैं। इसके अलावा, पिछले एक – दो वर्षों में ओएनजीसी ने संरचित अंतःक्रिया और फीडबैक के माध्यम से समुदाय की जरुरतों का वृहतर परख प्राप्त करने के लिए बेसलाइन सर्वेक्षण और जरुरत मूल्यांकन किया है।

3. **क्या कंपनी द्वारा सुविधावंचित, कमजोर और अधिकारविहीन पणधारकों को शामिल करने के लिए कोई विशेष पहलें की जा रही हैं? यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा लगभग 50 शब्दों में दीजिए।**

   ओएनजीसी की सीएसआर नीति में भारत की भौगोलिक सीमाओं के भीतर, विशेष रूप समुदाय के सुविधाविहीन, निर्धन और वंचित वर्गों और पर्यावरण के लाभ की दिशा में, ओएनजीसी द्वारा निष्पादित इस अधिनियम की अनुसूची VII में सूचीबद्ध सीएसआर परियोजनाएं /कार्यक्रम शामिल हैं। इस प्रकार अंतिम उद्देश्य हमारे जनसांख्यिकीय स्तर के पिरामिड के निचले स्तर पर पहुँचना है और उनके जीवन को साकारात्मक तरीके से छूना है। इस प्रकार ओएनजीसी अपनी स्थापना के बाद से ही विभिन्न कल्याण उपायों के माध्यम से समाज की सेवा में लगा है। अवसंरचना विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित कई परियोजनाएं सुदूरवर्ती क्षेत्रों में किया गया है, जहाँ मुख्यतः इस प्रकार के वंचित समूहों के लोग रहते हैं। इस तरह की पहलों में, प्रत्येक वर्ष 1000 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति छात्रों को और 1000 ओबीसी/आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के छात्रों को ओएनजीसी मेधा छात्रवृत्ति योजना शामिल है।

सिद्धांत 5 : कारोबार को मानवाधिकारों का सम्मान और संवर्धन करना चाहिए.

सिद्धांत 5.1

क्या सिद्धांत 5 हेतु आपकी कोई नीति/नीतियां हैं?

ओएनजीसी की सभी नीतियां न केवल कर्मचारियों के बल्कि कंपनी के प्रचालनों द्वारा प्रभावित होने की संभावना वाले लोगों के भी मानवाधिकारों का ध्यान रखती हैं।

ओएनजीसी अपने कारोबार प्रचालनों तथा रणनीतिकयों को मानव अधिकार, बाल मजदूरी, भ्रष्टाचार विरोधी और पर्यावरण के क्षेत्र में 10 सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य सिद्धांतों के अनुसार



सीबीएम परिसंपत्ति ने प्रथम कुआं वेधित किया : श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय गोमिया, बोकारो जिला स्थित सीबीएम परिसंपत्ति के प्रथम विकास कूप बीई#95 को स्पड किया।

संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है। ओएनजीसी इन 10 सिद्धांतों को अपनाता है तथा उनका समर्थन करता है, विशेष रूप से मानवाधिकार संबंधित सिद्धान्त का अर्थात "कारोबार को अंतर्राष्ट्रीय रूप से घोषित मानवाधिकारों की रक्षा का समर्थन और सम्मान करना चाहिए" और "यह सुनिश्चित करें कि वे मानवाधिकार दुर्व्यवहारों में संलिप्त न हों।" ओएनजीसी मानवाधिकारों संबंधी संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पेक्ट के सिद्धान्तों के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और क्योटा प्रोटोकॉल, मांट्रियल प्रोटोकॉल, यूएनसीएलओएस (एमएमडी), एसओएलएएस तथा एमआरपीओएल जैसे अंतर्राष्ट्रीय समझौतों/सम्मेलनों में भारत सरकार के निर्देशों के ढांचे के भीतर योगदान देता है। कंपनी विभिन्न श्रमिक अधिनियमों जैसे कि मजदूरी भुगतान अधिनियम, 1936, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948, समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, ईएसआई अधिनियम, 1948, कर्मचारी भविष्य निधि एवं प्रकीर्ण अधिनियम, 1952, सीएलआरए, 1970, बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 का अनुपालन सुनिश्चित करती है। उत्तरदायी प्रधान नियोक्ता के रूप में ओएनजीसी यह सुनिश्चित करती है कि संविदात्मक श्रमिक के साथ विधि अनुसार उचित व्यवहार किया जाए और किसी शिकायत या विवाद हेतु संविदाकार को विधि अनुसार मुद्दे का निपटान करने का परामर्श दिया जाता है। विभिन्न आंतरिक नीतियां जैसे कि सेवा नियम, अवकाश नियम, उपदान नियम, सीपीएफ नियम, भवन निर्माण अग्रिम, वाहन अग्रिम, शिक्षा ऋण भी मानवाधिकार मूल्यों के अनुरूप हैं। कंपनी ने संविदा कर्मियों को न्यूनतम मजदूरी से काफी अधिक मजदूरी प्रदान करने और अन्य सांविधिक तथा गैर–सांविधिक लाभ प्रदान करने के लिए उचित मजदूरी नीति लागू की है।

सिद्धांत 5.2

क्या नीति को संबंधित पणधारकों के परामर्श से बनाया गया है?

ओएनजीसी एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम होने के नाते मुख्यतः भारत सरकार की नीतियों से मार्गदर्शित होता है। इसकी नीतियों, नियमों तथा विनियमों का समूचा तंत्र जो इसके कार्यकरण को शासित करता है, उसका आधार 'लोक प्रथम' है। संविदा श्रमिकों हेतु उचित मजदूरी नीति को इन कामगारों का प्रतिनिधित्व करने वाले श्रमिक संघों के साथ परामर्श से बनाया गया था।

सिद्धांत 5.3

क्या यह नीति राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है? यदि हां, तो ब्यौरा दें (50 शब्दों में)

ओएनजीसी की नीतियां इसके प्रचालन तथा उद्योग कार्यों हेतु राष्ट्रीय मानकों और संगत अंतर्राष्ट्रीय मानकों के भी अनुरूप हैं।

सिद्धांत 5.4

क्या इस नीति को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है? यदि हां, तो क्या इस पर प्रबंध निदेशक/स्वामी/सीईओ/उपयुक्त बोर्ड निदेशक द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं?

सभी नीतियों को या तो बोर्ड द्वारा अथवा उसके द्वारा मनोनीत सक्षम प्राधिकारियों द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

सिद्धांत 5.5

क्या कंपनी की इस नीति के क्रियान्वयन की निगरानी हेतु बोर्ड/निदेशक/अधिकारियों की कोई विनिर्दिष्ट समिति है ?

प्रत्येक नीति में यह सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षोपाय समाहित किए गए हैं कि उनके कार्यकरण की निगरानी किसी सक्षम प्राधिकारी/समिति द्वारा की जाए।

सिद्धांत 5.6

इस नीति को ऑनलाइन देखने के लिए लिंक बताएं?

कंपनी की वेबसाइट www.ongcindia.com में विभिन्न नीतियों, नियमों तथा विनियमों का लिंक दिया गया है।

सिद्धांत 5.7

क्या इस नीति को औपचारिक रूप से सभी संगत आंतरिक एवं बाह्य पणधारकों को संप्रेषित किया गया है?

ओएनजीसी की सभी नीतियों को संबंधित पणधारकों, आंतरिक और बाहरी दोनों, को विधिवत संप्रेषित किया गया है।

सिद्धांत 5.8

क्या कंपनी के पास इस नीति/ इन नीतियों को क्रियान्वित करने के लिए आंतरिक ढांचा है?

जी, हां। कंपनी के पास अपेक्षित नीतियों के क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त प्राधिकार के साथ एक व्यवस्थित ढांचा विद्यमान है।

सिद्धांत 5.9

क्या कंपनी के पास इस नीति/ इन नीतियों से संबंधित पणधारकों की शिकायतों के समाधान के लिए इस नीति/ इन नीतियों से संबंधित कोई शिकायत निवारण तंत्र है?

जी, हां (पूर्व में सिद्धांत 1.9 के अंतर्गत दिये गए ब्यौरे के अनुसार)।

सिद्धांत 5.10

क्या कंपनी ने किसी आंतरिक या बाह्य एजेंसी द्वारा इस नीति के कार्यकरण की स्वतंत्र लेखापरीक्षा/मूल्यांकन करवाया है?

सिद्धांत 5 द्वारा यथानिर्धारित निदेश में नीतियां, नियम तथा विनियम आंतरिक तथा वाह्य, दोनों एजेंसियों द्वारा आवधिक

लेखापरीक्षा/समीक्षा के अधीन होते हैं। इसके अतिरिक्त, अक्सर जांच जैसे कि आईएसओ 9001:2008, आंतरिक लेखापरीक्षा, सरकारी एजेंसियों द्वारा बाह्य लेखापरीक्षा समूचे संगठन में की जाती है।

1. **क्या मानवाधिकारों पर कंपनी की नीति केवल कंपनी को कवर करती है अथवा इसका विस्तार समूह/संयुक्त उद्यमों/आपूर्तिकर्ताओं/संविदाकारों/एनजीओ/अन्यों हेतु भी किया जाता है?**

   मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए इस नीति का विस्तार संयुक्त उद्यमों और ओएनजीसी के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगियों तक भी है।

2. **गत वित्त वर्ष में कितनी पणधारक शिकायतें प्राप्त हुई हैं और प्रबंधन द्वारा कितने प्रतिशत का संतोषजनक रूप से निपटान किया गया है?**

   कृपया सिद्धांत 1.10 के पैरा 3 का उत्तर देखें।

सिद्धांत 6 : उद्योग को पर्यावरण का ध्यान रखना चाहिए, इसका बचाव करना चाहिए और उसके पुनरुद्धार के प्रयास करने चाहिए

सिद्धांत 6.1

क्या सिद्धांत 6 हेतु आपकी नीति/नीतियां हैं?

कंपनी सदैव यह सुनिश्चित करती है कि वह पर्यावरण का बचाव तथा देखभाल करे। कंपनी की एक एकीकृत स्वास्थ्य, संरक्षा तथा पर्यावरण (एचएसई) नीति है। कंपनी सतत रूप से इसके कारोबारी क्रियाकलापों जैसेकि अन्वेषण, वेधन तथा उत्पादन से होने वाले पर्यावरणीय प्रभाव को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी में भारी निवेश के द्वारा, अपगामी तथा ठोस कचरा प्रबंधन, पर्यावरण निगरानी तथा सूचना, जैव–विविधता संरक्षण प्रयासों और पर्यावरणी प्रबंधन प्रणालियों के उन्नयन तथा धारण द्वारा प्रशमन करने का प्रयास करता है। ओएनजीसी की क्यूएचएसई प्रणाली हेतु आंतरिक लेखापरीक्षा तथा प्रबंधन की समीक्षा की एक सुदृढ़ प्रक्रिया है और यह नियमित रूप से अपनी क्यूएचएसई नीति की समीक्षा करता है तथा जोखिमों को चिह्नित करता है। कुछ उल्लेखनीय एचएसई व्यवहार – नियमित क्यूएचएसई आंतरिक जांच, अग्नि सुरक्षा उपाय, नियमित रूप से अग्नि तथा भूकंप छद्म अभ्यास, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, सामग्री सुरक्षा डाटा शीट (एमएसडीएस), व्यक्तिगत बचाव उपकरण, पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) का क्रियान्वयन, व्यावसायिक स्वास्थ्य संरक्षा (ओएचएस), बाल–बाल बचने वाली घटना की रिपोर्टिंग, शासन, जोखिम प्रबंधन तथा अनुपालन रिपोर्टिंग है।

सिद्धांत 6.2

क्या इस नीति को संबंधित पणधारकों के साथ परामर्श कर निरूपित किया गया है?

जी, हां। कंपनी की सभी नीतियों को सभी पणधारकों, मुख्यतः पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार और अन्य सांविधिक निकायों के साथ परामर्श और उनके दिशानिर्देशों के अंतर्गत निरूपित किया गया है।

सिद्धांत 6.3

क्या यह नीति राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है? यदि हां, तो ब्यौरा दें? (50 शब्दों में)

ओएनजीसी की एचएसई नीति अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है और आईएसओ–14000 तथा ओएसएचएएस – 18001 की पुष्टि करती है। नीतियां तेल तथा गैस उद्योग में लगी कंपनी से प्रत्याशित तथा अधिदेशित पर्यावरणीय प्रतिबद्धताओं से संबंधित सभी मानकों, व्यवहारों तथा संविधियों के अनुरूप है।

सिद्धांत 6.4

क्या इस नीति को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है? यदि हां, तो क्या इस पर प्रबंध निदेशक/स्वामी/सीईओ/उपयुक्त बोर्ड निदेशक द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं?

जी, हां। नीति को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है और अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ओएनजीसी द्वारा हस्ताक्षरित किया गया है।

सिद्धांत 6.5

क्या कंपनी की नीति के क्रियान्वयन की निगरानी हेतु बोर्ड/निदेशक/अधिकारियों की कोई विनिर्दिष्ट समिति है?

ओएनजीसी की स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण संबंधी निदेशकों की एक समिति (सीओडी) है, जिसके प्रमुख एक स्वतंत्र निदेशक हैं। यह बोर्ड स्तरीय समिति एचएसई से संबंधित नीतिगत मामलों की निगरानी करती है और निर्णयों की समीक्षा करती है।

सिद्धांत 6.6

इस नीति को ऑनलाइन देखने के लिए लिंक बताएं?

कंपनी की वेबसाइट www.ongcindia.com में एचएसई क्रियाकलापों हेतु एक पृथक लिंक है।

सिद्धांत 6.7

क्या नीति को औपचारिक रूप से सभी संगत आंतरिक एवं बाहरी पणधारकों को संप्रेषित किया गया है?

एचएसई नीति को सभी कार्य केंद्रों पर प्रदर्शित किया जाता है और उसे प्रत्येक कर्मचारी तथा साथ ही संविदात्मक कर्मचारियों को संप्रेषित किया जाता है। हमारी एचएसई नीति का एक लिंक ओएनजीसी वेबसाइट पर बाहरी पणधारकों को मुहैया करवाया गया है। ओएनजीसी विविध चैनलों के माध्यम से बहु–स्तरों पर इसके विभिन्न पणधारकों से नियोजन करती है। इस नियोजन से समय के साथ उत्तरोत्तर रूप से समृद्धिकरण व्यवहारों तथा धारणीय प्रचालनों से मार्गदर्शित कंपनी की नीतियों के निरूपण में सहायता मिलती है।

सिद्धांत 6.8

क्या कंपनी के पास इस नीति/ इन नीतियों को क्रियान्वित करने के लिए आंतरिक ढांचा है?

ओएनजीसी के पास कॉरपोरेट स्तर और साथ ही साथ रणनीतिक उद्योग इकाई (एसबीयू) स्तर, जिसमें परिसंपत्ति, बेसिन, संयंत्र तथा संस्थान शामिल हैं, पर समर्पित एचएसई विभाग है। सुरक्षा अधिकारियों को उचित प्रशिक्षण और प्रमाणीकृत करके एसबीयू स्तरों पर तैनात किया जाता है, ताकि सुरक्षा कार्य–निष्पादन का प्रभावी रूप से प्रबंधन और रिपोर्टिंग की जा सके।

सिद्धांत 6.9

क्या कंपनी के पास इस नीति/इन नीतियों से संबंधित पणधारकों की शिकायतों पर ध्यान देने के लिए इस नीति/इन नीतियों से संबंधित कोई शिकायत निवारण तंत्र है?

जी, हां।

सिद्धांत 6.10

क्या कंपनी ने किसी आंतरिक या बाहरी एजेंसी द्वारा इस नीति के कार्यकरण की स्वतंत्र लेखापरीक्षा/ मूल्यांकन करवाया है?

कंपनी नियमित रूप से पूर्व–निर्धारित अंतरालों पर एचएसई लेखापरीक्षा करती है। आईएसओ–14000 तथा ओएचएसएएस प्रदान करने में लगे हुए बाहरी निकाय और अन्य प्रमाणीकरण एजेंसियां प्रमाणीकरण अवधि के भीतर यह देखने के लिए नियमित लेखापरीक्षा करती हैं कि पूर्वापेक्षाओं को इन प्रमाणीकरणों को विस्तार प्रदान किए जाने से पूर्व पूरा किया जा रहा है।

1. **क्या सिद्धांत 6 से संबंधित कंपनी की नीति केवल कंपनी को कवर करती है अथवा इसका विस्तार समूह/संयुक्त उद्यमों/आपूर्तिकर्ताओं/ संविदाकारों/एनजीओ/अन्यों हेतु किया जाता है?**

   एचएसई नीति तथा प्रक्रियाएं ओएनजीसी और इसके विक्रेताओं को भी कवर करती है। कंपनी के परिसर के भीतर कंपनी के साथ व्यापार करने वाले सभी आपूर्तिकर्ता, एनजीओ तथा अन्य, पर्यावरण के प्रति कंपनी की नीतियों तथा प्रतिबद्धताओं का पालन करते हैं। कंपनी की नीतियों का विस्तार इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगियों, अन्य अनुषंगियों और संयुक्त उद्यमों को पर्यावरण संबंधी मतों एवं परिसरों के संबंध में संयुक्त उद्यम भागीदारों का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात किया जाता है।

2. **क्या कंपनी की वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दों जैसे कि जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग आदि पर ध्यान देने के लिए कोई रणनीति/पहलें हैं?**

   कंपनी को जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले जोखिमों की जानकारी है। इसका एक समर्पित कार्बन प्रबंधन तथा धारणीयता समूह (सीएम एंड एसजी) है जिसका विशिष्ट अधिदेश ओएनजीसी को कार्बन प्रबंधन (एसडी) क्षेत्र में एक अग्रणी संगठन बनाना और कार्बन प्रबंधन के साथ सभी उद्योग क्रियाकलापों की सहक्रिया को करने के एक क्रियाकलाप के रूप में स्वैच्छिक रूप से कार्बन प्रबंधन को लेना, ताकि विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन जोखिमों और कार्बन प्रबंधन पहलों से उत्पन्न अवसरों से संबंधित मुद्दों का समाधान किया जा सके। प्रबंधन राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन मंच के साथ नियोजन हेतु सक्रिय है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संगठन वैश्विक जलवायु परिवर्तन विचार–विमर्शों तथा भारत की घरेलू प्रतिबद्धताओं से अवगत रहे। तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रणालियों से फ्यूजिटिव मीथेन उत्सर्जन मुख्यतः सामान्य प्रचालनों तथा प्रणाली अवरोधकों का परिणाम है। इन उत्सर्जनों को प्रौद्योगिकी अथवा उपकरण के उन्नयन और प्रचालनों में सुधार द्वारा किफायती रूप से कम किया जा सकता है। वैश्विक मीथेन पहल (जीएमआई) आर्थिक वृद्धि में बढ़ोतरी, ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा, पर्यावरण में सुधार और ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए वैश्विक फ्यूजिटिव मीथेन उत्सर्जन को कम करने के लिए यूएसईपीए की एक कार्रवाई–अभिमुख पहल है। वैश्विक मीथेन पहल सहकारी प्रशमन उपायों को सुकर बनाती है जो पहचान, मात्रात्मक तथा कमी (आईक्यूआर) पथ के माध्यम से बाज़ारों में अधिक गैस लाने में परिणत होते हैं।

   ओएनजीसी ने अपने यहां मीथेन से बाज़ार (अब जीएमआई) परियोजनाओं को लेने के लिए अगस्त, 2007 में अमेरिकी पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी (यूएसईपीए) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और ओएनजीसी में एक आंतरिक तथा मापन दल गठित किया है जो मीथेन उत्सर्जन का पता लगाने और उपकरण द्वारा उसे मापने के लिए है ताकि इसकी प्रचालन सुविधाओं पर फ्यूजिटिव उत्सर्जन का पता लगाकर उसे मात्रात्मक रूप दिया जा सके और अब तक लगभग 16.7 एमएमएससीएम फ्यूजीटिव उत्सर्जन को कम किया है। ओएनजीसी ने फ्यूजीटिव हाइड्रोकार्बन उत्सर्जन हेतु अपनी सभी उत्पादन संस्थापनाओं को चिह्नित करने और निकट भविष्य में उन्हें रिसावमुक्त बनाने के लिए एक प्रभावी योजना भी बनाई है।

3. **क्या कंपनी संभाव्य पर्यावरणीय जोखिमों की पहचान तथा मूल्यांकन करती है?**

   जी, हां। पर्यावरणीय फुटप्रिंटों को परियोजना चरण के दौरान ही व्यवस्थित किया जाता है और प्रभाव मूल्यांकन के आधार पर प्रचालनात्मक चरण के दौरान निवारक उपाय किए जाते हैं। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की सितंबर, 2006 की पर्यावरणीय स्वीकृति पर राजपत्र अधिसूचना के पश्चात, ओएनजीसी की सभी नई और विस्तार परियोजनाओं को प्रचलानात्मक क्रियाकलापों को आरंभ करने से पूर्व पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) से पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करना अधिदेशित है। कंपनी ने अभी तक 131

पर्यावरणीय स्वीकृतियां प्राप्त की है। कंपनी ने अपने सभी प्रचालनात्मक कार्य केंद्रों पर आईएसओ 9001, ओएचएसएएस 18001 तथा आईएसओ 14001 जैसी वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त पर्यावरणीय प्रबंधन प्रणाली को क्रियान्वित किया है।

4. क्या कंपनी की स्वच्छ विकास तंत्र से संबंधित कोई परियोजना है? यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा लगभग 50 शब्दों में दीजिए।

जी हां। ओएनजीसी ने अपनी सीडीएम यात्रा वर्ष 2006 में प्रारंभ की थी। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र रूपरेखा संबंधी सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) के साथ 15 सीडीएम परियोजनाओं को पंजीकृत किया गया है, जो प्रति वर्ष लगभग 2.1 मिलियन की प्रमाणित उत्सर्जन कमी (सीईआर) करती है। पंजीकृत सीडीएम परियोजनाएं निम्नलिखित हैं :

क्र.स.	परियोजना	प्रति वर्ष सीईआर
1.	प्रोसेस गैस कम्प्रेसरों (पीजीसी), मुंबई हाई साउथ (अपतटीय प्लेटफार्म) से 1 अपशिष्ट ऊष्मा पुनः प्राप्ति	5320
2.	हजीरा गैस प्रसंस्करण परिसर (एचजीपीसी) के सह–उत्पादन संयंत्र पर गैस टरबाइन 1 (जीटी 1) और गैस टरबाइन 2 (जीटी 2) का उन्नयन	7802
3.	उरण संयंत्र में फ्लेयर गैस पुनः प्राप्ति परियोजना	97740
4.	हजीरा गैस प्रसंस्करण संयंत्र (एचजीपीसी), हजीरा संयंत्र में फ्लेयर गैस पुनः प्राप्ति परियोजना	8793
5.	हजीरा संयंत्र में एमाइन सर्कुलेशन पंप की ऊर्जा दक्षता	4043
6.	सूरजबारी में ओएनजीसी की 51 मेगा वाट पवन विद्युत परियोजना	85762
7.	मुंबई में ऊर्जा दक्ष हरित भवन	544
8.	देहरादून में ऊर्जा दक्ष हरित भवन	735
9.	नीलम तथा हीरा परिसंपत्ति में गैस फ्लेयरिंग में कमी	65811
10.	त्रिपुरा, भारत में ओटीपीसी प्राकृतिक गैस आधारित मिश्रित चक्र विद्युत संयंत्र	1612506
11.	कोलकाता में ऊर्जा दक्ष हरित भवन	1881
12.	दिल्ली में ऊर्जा दक्ष हरित भवन	5944
13.	जीजीएस, चरिआली, सिबसागर, ओएनजीसी, असम में गैस फ्लेयरिंग में कमी	15172
14.	नीलम और पन्ना में एमओएल पंपों का प्रतिस्थापन	10539
15.	जैसलमेर, राजस्थान में 102 मेगा वाट पवन ऊर्जा परियोजना	180177
कुल		**2102769**

5. क्या कंपनी ने स्वच्छ प्रौद्योगिकी, ऊर्जा दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा आदि पर अन्य पहलें की हैं?

जी, हां। कंपनी ने स्वच्छ प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा दक्षता उपायों और नवीकरणीय ऊर्जा अवसरों के लिए कई पहलें की हैं। इनमें से कुछ पहलों को प्रश्नावली 2 एवं 3 के अंतर्गत सिद्धांत 2 में विस्तारपूर्वक दिया गया है (कृपया इनके लिए इस प्रश्नावली के प्रति हमारे अनुपूरक प्रत्युत्तर का संदर्भ लें)। कंपनी ने कुछ ऊर्जा बचत पहलें की हैं जो निम्नानुसार हैं:

- फ्लेयर गैस पुनः प्राप्ति
- एलपीजी उत्पादन में टर्बो–एक्सपैंडर्स का उपयोग
- पवन एवं सौर ऊर्जा का उपयोग
- गैस जेनसेट/गैस आधारित आंतरिक विद्युत संयंत्र का उपयोग
- पवन वेंटिलेटर्स/वाष्प पुनः प्राप्ति यूनिट का उपयोग
- गैस टरबाइनों से अपशिष्ट ऊष्मा पुनः प्राप्ति
- सौर जल हीटिंग प्रणालियों तथा ऊर्जा प्रकाश व्यवस्था का उपयोग
- भाप लीकेज को रोकना।

स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर ध्यान केंद्रित करते हुए ओएनजीसी ने भुज, गुजरात में 51 मेगावाट की नवीकरणीय पवन ऊर्जा परियोजना को वर्ष 2008 में चालू किया था और 102 मेगावाट की दूसरी पवन ऊर्जा परियोजना भी जैसलमेर, राजस्थान में विकसित की जा रही है। कंपनी ने 'ओएनजीसी एनर्जी सेंटर' स्थापित किया है, जो ओएनजीसी द्वारा वैकल्पिक ऊर्जा अवसरों को सक्रिय रूप से प्राप्त करने के लिए स्थापित एक ट्रस्ट है।

यदि हां, तो कृपया बेबपृष्ठ का हाइपरलिंक दें :

http://www.ongcindia.com/wpswcm/connect/ongcindia/Home/Initiatives Corporate+Sustainability/

6. **क्या समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष हेतु कंपनी द्वारा उत्पन्न उत्सर्जन/अपशिष्ट सीपीसीबी/एसपीसीबी द्वारा दी गई अनुमेय सीमाओं के भीतर है?**

   जी, हां। कंपनी द्वारा उत्पन्न उत्सर्जन तथा अपशिष्ट अनुमेय सीमाओं के भीतर है। संबंधित कार्य यूनिटों द्वारा वार्षिक पर्यावरण अनुपालन रिपोर्ट संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों (एसपीसीबी) को प्रस्तुत की जाती है। सभी संस्थापनाएं पर्यावरणीय विनियमों का अनुपालन करती हैं। हानिकारक रसायनों तथा अपशिष्टों के भंडारण, संचालन तथा निपटान हेतु प्रक्रिया विधियां निर्धारित की गई हैं।

7. **सीपीसीबी/एसपीएसबी से प्राप्त कारण बताओ/विधिक नोटिस जो वित्त वर्ष के अंत में लंबित है (अर्थात जिनका संतुष्टिपूर्ण समाधान नहीं निकाला गया है):**

   विनियमों के अनुसार पर्यावरणीय प्रदूषण के कुछ प्रासंगिक मामले हैं। सभी मुद्दों का सीपीसीबी/एसपीसीबी के साथ समाधान कर लिया गया है।

सिद्धांत 7 : यदि कारोबार लोगों एवं विनियामक नीति को प्रभावित करते हों तो ये कारोबार जिम्मेदार तरीके से किए जाएं ।

सिद्धांत 7.1

क्या सिद्धांत 7 हेतु आपकी नीति/नीतियां हैं?

भारत में ई एंड पी कंपनियों के प्रचालन से संबंधित लोक तथा नियामक नीतियों को भारत सरकार द्वारा निरूपित किया जाता है। ओएनजीसी, स्वतः लोक एवं नियामक नीति को प्रभावित करने में प्रवृत्त नहीं है। तथापि, एक पीएसई और भारत का जिम्मेदार कॉरपोरेट नागरिक होने के नाते यह अपना उद्योग एक जिम्मेदार तरीके से करती है और सदैव श्रेष्ठ नैतिकतापूर्ण उद्योग व्यवहारों का पालन करता है।

सिद्धांत 7.2

क्या इस नीति को संबंधित पणधारकों के साथ परामर्श कर बनाया गया है?

ओएनजीसी, एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम होने के नाते पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के नियंत्रणाधीन है।

सिद्धांत 7.3

क्या यह नीति राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है? यदि हां, तो ब्यौरा दें? (50 शब्दों में)

कंपनी अपने कारोबार को एक जिम्मेदारी पूर्ण तरीके से करती है और नीतियां ई एंड पी उद्योग हेतु लागू श्रेष्ठ विद्यमान राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकों के भी अनुरूप है।

सिद्धांत 7.4

क्या इस नीति को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है? यदि हां, तो क्या इस पर प्रबंध निदेशक/स्वामी/सीईओ/उपयुक्त बोर्ड निदेशक द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं?

ओएनजीसी भारत सरकार की नीतियों का पालन करता है। इसकी सभी आंतरिक नीतियों को निदेशक मंडल या उसके नामित प्राधिकारियों द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

सिद्धांत 7.5

क्या कंपनी की नीति के क्रियान्वयन की निगरानी हेतु बोर्ड/निदेशक/अधिकारियों की कोई विनिर्दिष्ट समिति है?

प्रचालन के क्षेत्र के अनुसार, संगत कार्य संबंधित कार्यात्मक निदेशक के अधिकार क्षेत्र में आता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि इसे एक जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से क्रियान्वित किया जाए। ओएनजीसी बोर्ड ने संबंधित क्षेत्रों के कार्यकरण की निगरानी के लिए कई बोर्ड स्तरीय समितियां गठित की हैं जिसे वार्षिक रिपोर्ट 2017–18 की कॉरपोरेट अभिशासन रिपोर्ट में विस्तारपूर्वक दिया गया है।

सिद्धांत 7.6

ऑनलाइन देखे जा सकने के लिए नीति का लिंक बताएं?

ओएनजीसी की वेबसाइट (www.ongcindia.com) में ओएनजीसी की विभिन्न नीतियों का लिंक है, जिसके माध्यम से हर कोई यह देख सकता है कि ओएनजीसी अपने कारोबार को जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से करता है।

सिद्धांत 7.7

क्या इस नीति को औपचारिक रूप से सभी संगत आंतरिक एवं बाहरी पणधारकों को संप्रेषित किया गया है?

ओएनजीसी एक पारदर्शी तथा नैतिकतापूर्ण तरीके से कार्य करता है और इसकी नीतियां इसके सभी आंतरिक और बाहरी पणधारकों हेतु ऑनलाइन उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, एक पीएसई होने के नाते यह सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के अनुसरण में सभी नागरिकों को सभी सूचना मुहैया करवाने के लिए बाध्य है।

सिद्धांत 7.8

क्या कंपनी के पास इस नीति/इन नीतियों को क्रियान्वित करने के लिए आंतरिक ढांचा है?

ओएनजीसी का एक व्यापक संगठनात्मक ढांचा है जिसमें नीतियों का समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में 6 कार्यात्मक निदेशक शामिल हैं।

सिद्धांत 7.9

क्या कंपनी के पास इस नीति/इन नीतियों संबंधी पणधारकों की शिकायतों के समाधान के लिए इस नीति/इन नीतियों से संबंधित कोई शिकायत निवारण तंत्र है?

जी, हां।

सिद्धांत 7.10

क्या कंपनी ने किसी आंतरिक या बाहरी एजेंसी द्वारा इस नीति के कार्यकरण की स्वतंत्र लेखापरीक्षा/मूल्यांकन करवाया है?

कंपनी का एक समर्पित आंतरिक लेखा–परीक्षा विभाग है और साथ ही साथ नीतियों द्वारा वांछित परिणाम देने को सुनिश्चित करने के लिए नियमित आधार पर बाहरी एजेंसियों के माध्यम से लेखापरीक्षा करवाई जाती है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत एक पीएसई होने के नाते कंपनी नियंत्रक एवं महालेखा–परीक्षक जैसे सांविधिक निकायों द्वारा संवीक्षा के अधीन आती है।

1. **क्या आपकी कंपनी किसी व्यापार–मंडल या संघ का सदस्य है? यदि हां, तो केवल उन प्रमुख संघों के नाम दें, जिनके साथ कंपनी का व्यापार संबंध है:**

   जी, हां। कंपनी कई उद्योग मंडलों तथा संघों से संबद्ध है जैसे कि:

   भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल महासंघ (फिक्की)

   भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)

   लोक उद्यम संबंधी स्थायी सम्मेलन (स्कोप)

   भारतीय पेट्रोलियम उद्योग परिसंघ (एफआईपीआई)

2. **क्या आपने लोक हित को बढ़ावा देने या उसमें सुधार के लिए उक्त एसोसिएशनों के माध्यम से समर्थन मांगा है ? हां/नहीं; यदि हां तो मोटे तौर पर क्षेत्रों का ब्यौरा दें (ड्रॉप बॉक्स: अभिशासन तथा प्रशासन, आर्थिक सुधार, समावेशी विकास नीतियां, ऊर्जा सुरक्षा, जल, भोजन सुरक्षा, धारणीय डद्योग सिद्धांत, अन्य)**

   ओएनजीसी ने सदैव ही कराधान मामलों, मूल्य निर्धारण नीतियों, आर्थिक सहायता हिस्सेदारी, अन्वेषण एवं लाइसेंसिंग नीतियों, ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने के प्रति नीतियों, सतत विकास, कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, आदि के क्षेत्र में रचनात्मक सुझावों का समर्थन किया है जो विशिष्ट रूप से डद्योग और आमतौर पर समाज के लिए लाभकारी हैं। इसके अतिरिक्त, विवरण कंपनी की वेबसाइट (www.ongcindia.com) पर उपलब्ध है।

सिद्धांत 8 : उद्योग को समावेशी वृद्धि और साम्यतापूर्ण विकास का समर्थन करना चाहिए

सिद्धांत 8.1

क्या सिद्धांत 8 हेतु आपकी कोई नीति/नीतियां हैं?

ओएनजीसी में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं धारणीय विकास(सीएसआर एवं एसडी) उन क्षेत्रों के स्थानीय समुदायों को शामिल करने और लाभान्वित करने के लिए एक संरचित तंत्र है, जहाँ हम परिचालन करते हैं। यह समाज के उस संरचना को सशक्त करने पर लक्षित है, जहाँ हम परिचालन करते हैं। साझीदारों के माध्यम से हम समुदायों की जरुरतों की पहचान करते हैं और उन जरुरतों को पूरा करने वाले कार्यक्रमों का चयन एवं क्रियान्वयन करते हैं। हमारी सीएसआर परियोजनाएं समाज के कमजोरतम वर्गों, जैसे बच्चे, महिलाएं, और बुजुर्गों को सशक्त करने पर लक्षित हैं। हमारे कार्यक्रमों से रोजगार और कारोबार के अवसर पैदा होते हैं, जिससे समुदाय के जीवन – स्तर में सुधार होता है और इस प्रकार उस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में सुधार होता है।

सिद्धांत 8.2

क्या इस नीति को संबंधित पणधारकों के साथ परामर्श कर बनाया गया है?

ओएनजीसी एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम होने के नाते भारत सरकार द्वारा निरूपित डीपीई दिशानिर्देशों और कंपनी अधिनियम, 2013 के सुसंगत उपबंधों के अनुसार सीएसआर नीति और सतत विकास संबंधी नीति को अपनाती है।

सिद्धांत 8.3

क्या यह नीति राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है? यदि हां, तो ब्यौरा दें? (50 शब्दों में)

सीएसआर नीति कंपनी अधिनियम, 2013 और लोक उद्यम विभाग के दिशानिर्देशों का अनुसरण करती है, जो सीएआर संबंधी अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों को पूरा करती है।

सिद्धांत 8.4

क्या इस नीति को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है? यदि हां, तो क्या इस पर प्रबंध निदेशक/ स्वामी/ सीईओ/उपयुक्त बोर्ड निदेशक द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं?

जी हाँ। ओएनजीसी की सभी सीएसआर तथा एसडी योजनाएं बोर्ड द्वारा अनुमत होती हैं! सीएसआर तथा एसडी योजनाओं के अंतर्गत किए गए सभी क्रियाकलाप प्रत्यायोजित शक्तियों की पुस्तिका–2015 के अनुसार सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किए जाते हैं।

सिद्धांत 8.5

क्या कंपनी की नीति के क्रियान्वयन की निगरानी हेतु बोर्ड/निदेशक/अधिकारियों की कोई विनिर्दिष्ट समिति है?

कंपनी की सीएसआर तथा एसडी संबंधी एक समिति है जिसकी अध्यक्षता एक स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है जो सीएसआर एवं एसडी संबंधी लोक उद्यम विभाग के दिशानिर्देशों और साथ ही साथ कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 का अनुपालन करती है। सीएसआर पहलों के क्रियान्वयन हेतु निदेशक (मानव संसाधन) केन्द्रीय कार्यात्मक निदेशक हैं, जो कॉरपोरेट तथा कार्य केंद्र स्तरीय इकाइयों के माध्यम से क्रियाकलापों को निष्पादित करते हैं।

सिद्धांत 8.6

इस नीति को ऑनलाइन देखने के लिए नीति का लिंक बताएं?

कंपनी की वबेसाइट www.ongcindia.com में सीएसआर नीति और सतत विकास संबंधी नीति तथा ओएनजीसी के अन्य क्रियाकलापों के संबंध में एक लिंक है।

सिद्धांत 8.7

क्या नीति को औपचारिक रूप से सभी संगत आंतरिक एवं बाहरी पणधारकों को संप्रेषित किया गया है?

जी हाँ, आंतरिक पणधारकों के लिए, ये सभी नीतियां कंपनी की वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं और साथ ही इन्हें अपने सामूहिक, अधिकारी संघ और अन्य संबंधित संघों के माध्यम से जारी किया जाता है। बाह्य पणधारकों के लिए इससे संबंधित संचार बहु–स्तरों पर अंतःक्रिया के माध्यम से जारी रखा जाता है।

सिद्धांत 8.8

क्या कंपनी के पास इस नीति/इन नीतियों को क्रियान्वित करने के लिए आंतरिक ढांचा है?

ओएनजीसी के पास अपनी नीतियों के निष्पादन तथा क्रियान्वयन के लिए एक व्यवस्थित ढांचा और निर्धारित सुप्रलेखित प्रक्रियाविधियां हैं। समूचे संगठन में सीएसआर क्रियाकलापों के क्रियान्वयन हेतु ओएनजीसी में एक पृथक विभाग जिसका नेतृत्व प्रमुख, सीएसआर करते है।

सिद्धांत 8.9

क्या कंपनी के पास इस नीति/इन नीतियों संबंधी पणधारकों की शिकायतों के समाधान के लिए इस नीति/इन नीतियों से संबंधित कोई शिकायत निवारण तंत्र है?

जी, हाँ।

सिद्धांत 8.10

क्या कंपनी ने किसी आंतरिक या बाहरी एजेंसी द्वारा इस नीति के कार्यकरण की स्वतंत्र लेखापरीक्षा/मूल्यांकन करवाया है?

जी हाँ।

1. **क्या कंपनी के सिद्धांत 8 से संबंधित नीति के क्रियान्वयन हेतु कोई विशिष्ट कार्यक्रम/पहलें/परियोजनाएं हैं?**

   ओएनजीसी भारत के चिह्नित भौगोलिक अवस्थितियों, मुख्य रूप से कंपनी के सुदूरवर्ती परिचालन क्षेत्रों के आसपास, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, विकलांगों और वंचित वर्ग के लोगों की विकासात्मक जरुरतों को समझने और इस प्रकार समावेशी और समतामूलक दुनिया सृजित करने के प्रति कटिबद्ध है।

   ओएनजीसी में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) उन क्षेत्रों के स्थानीय समुदायों को शामिल करने और लाभान्वित करने के लिए एक संरचित तंत्र है, जहाँ हम परिचालन करते हैं। यह समाज के उस संरचना को सशक्त करने पर लक्षित है, जहाँ हम परिचालन करते हैं। साझीदारों के माध्यम से हम समुदायों की जरुरतों की पहचान करते हैं और उन जरुरतों को पूरा करने वाले कार्यक्रमों का चयन एवं क्रियान्वयन करते हैं। हमारी सीएसआर परियोजनाएं समाज के कमजोरतम वर्गों, जैसे बच्चे, महिलाएं, और बुजुर्गों को सशक्त करने पर लक्षित हैं। हमारे कार्यक्रमों से रोजगार और कारोबार के अवसर पैदा होते हैं, जिससे समुदाय के जीवन – स्तर में सुधार होता है और इस प्रकार उस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में सुधार होता है।

2. **क्या कार्यक्रमों/ परियोजनाओं को आंतरिक दल/ स्वयं के प्रतिष्ठान/ बाहरी गैर–सरकारी संगठनों/ सरकारी निकाय/अन्य किसी संगठन के माध्यम से करवाया जाता है?**

   सीएसआर परियोजनाएं अथवा कार्यक्रम आंतरिक सीएसआर टीम और ओएनजीसी फाउंडेशन के माध्यम से क्रियान्वित किए जाते हैं। ओएनजीसी अपने सीएसआर कार्य अन्य न्यास, समिति अथवा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा–8 के तहत स्थापित कंपनी, उसी प्रकार के कार्यक्रम अथवा परियोजना निष्पादित करने का तीन वर्ष का इतिहास है, के माध्यम से भी करती हैं।

3. **क्या आपने अपनी पहलों का कोई प्रभाव आकलन किया है?**

   कुछ चुनिंदे परियोजनाओं का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव आकलन करने के लिए विशेषज्ञ तृतीय पक्ष एजेंसी द्वारा समवर्ती और अंतिम, दोनों, प्रभाव आकलन आयोजित किए जाते हैं।

4. **सामुदायिक विकास परियोजनाओं में आपकी कंपनी का प्रत्यक्ष योगदान क्या है – राशि भारतीय रुपए में और चलाई गई परियोजनाओं के ब्योरे क्या हैं?**

वर्ष 2017–18 के दौरान ओएनजीसी द्वारा सीएसआर गतिविधियां 2017–18 संबंधी वार्षिक रिपोर्ट के अनुबंध–ख में यथा वर्णित समुदाय विकास परियोजनाओं पर 5,034.35 मिलियन रुपये खर्च किए गए हैं।

5. **क्या आपने यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस सामुदायिक विकास पहल को समुदाय द्वारा सफलतापूर्वक अपनाया गया है, कोई कदम उठाए हैं? कृप्या 50 शब्दों में बताएं।**

ओएनजीसी एक संरचित कार्य प्रक्रिया और संचार रणनीति के माध्यम से पणधारक अपेक्षाओं को समझने का प्रयास करता है और इस समझ का उपयोग सभी पणधारकों की बेहतरी के लिए करता है। यह एक ऐसे कारोबार परिप्रेक्ष्य घोषित करने की अनूठी स्थिति में है, जो नागरिकों और स्थानीय समुदायों को इस उद्यम संसूचित साझीदार बनने में सक्षमकर, पर्यावरणात्मक संसाधनों की अपनी खपत के प्रति जिम्मेदार बनने; और स्थानीय समुदायों को सहायता कर जो समृद्ध और संतुष्ट हो; और उनके संसाधनों को साझे ढ़ंग से और संवहनीय तरीके से प्रबंधन कर,सभी लोगों के कुशल – क्षेम, संवृद्धि एवं संतुष्टि पर आधारित है। ओएनजीसी परिचालन क्षेत्रों में और उसके आसपास के समुदायों में, न सिर्फ परिचालनात्मक प्रभाव का उपशमन कर अपितु इस प्रकार के सामाजिक मूल्य सृजित कर जो संवहनीय और समावेशी हो, सौहार्द्र बनाना।

सिद्धांत 9 : उद्योग को अपने ग्राहकों तथा उपभोक्ताओं को एक जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से नियोजित करना और मूल्य देना चाहिए।

सिद्धांत 9.1

क्या सिद्धांत 9 हेतु आपकी कोई नीति/नीतियां हैं?

ओएनजीसी स्वयं को ग्राहकों तथा उपभोक्ताओं के साथ उस तरीके से नियोजित करती है जो श्रेष्ठ उद्योग व्यवहारों और परस्पर सहमत उद्योग सिद्धांतों तथा प्रदेय उत्पाद के अनुसार कंपनी के साथ व्यापार करने वाले सभी लोगों हेतु लाभकारी स्थिति को दर्शाता है। ओएनजीसी के मुख्य उपभोक्ता तेल परिष्करण और गैस विपणन कपंनियां हैं जिनके लिए कपंनी उत्पादन करती है, जो भारत सरकार द्वारा आबंटित तेल तथा गैस है। कंपनी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के साथ खनिज तेल, गैस आदि की बिक्री तथा गेल, जिसे यह कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस आदि बेचती है, के साथ गैस बिक्री समझौता (जीएसए) भारत सरकार द्वारा किए गए कच्चे तेल /गैस बिक्री आबंटनों का अनुपालन करते हुए करती है। सीओएसए/जीएसए में ओएनजीसी द्वारा आपूर्ति किए जा रहे उत्पाद की गुणवत्ता और मात्रा के संबंध में उचित प्रावधान सम्मिलित होते हैं। इसके अतिरिक्त, ओएनजीसी अपने उत्पाद की बिक्री अन्य ग्राहकों को बिक्री जीएसए के अन्तर्गत भी करती है और जो ओएनजीसी की नीतियों तथा व्यापार सिद्धान्तों से शासित होती हैं।

सिद्धांत 9.2

क्या इस नीति को संबंधित पणधारकों के साथ परामर्श कर बनाया गया है?

ओएनजीसी के सभी सीओएसए/जीएसए, ओएमसी तथा गैस विपणन कंपनियों के साथ परामर्श से परस्पर सहमत सिद्धांतों पर किए जाते हैं। अन्य बिक्री अथवा क्रय समझौतों को भी परस्पर सहमति से किया जाता है। अतः ओएनजीसी ने ग्राहकों और उपभोक्ताओं के साथ एक उत्तरदायी तरीके से नियोजित होने और मूल्य मुहैया करवाने हेतु नीतियों और दिशानिर्देशों को निर्धारित किया है।

सिद्धांत 9.3

क्या यह नीति राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है? यदि हां, तो ब्यौरा दें ? (50 शब्दों में)

सीओएसए/जीएसए में गुणवत्ता आदि के विनिर्देशन राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होते हैं। इसके अतिरिक्त, ओएनजीसी यह सुनिश्चित करती है कि अपनाई जाने वाली नीतियां भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप हों।

सिद्धांत 9.4

क्या इस नीति को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है? यदि हां, तो क्या इस पर प्रबंध निदेशक/ स्वामी/ सीईओ/समुचित बोर्ड निदेशक द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं?

जी, हां। प्रत्यायोजित शक्तियों की पुस्तिका–2015 के अनुसार अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात नामजद प्राधिकारियों द्वारा सीओएसए/ जीएसए पर हस्ताक्षर किए जाते हैं।

सिद्धांत 9.5

क्या कंपनी की इस नीति के क्रियान्वयन की निगरानी हेतु बोर्ड/निदेशक/अधिकारियों की कोई विनिर्दिष्ट समिति है?

कंपनी का एक ढांचाबद्ध और समर्पित विपणन विभाग/संस्थापना है जिसके प्रमुख महाप्रबंधक स्तर के अधिकारी हैं, जो इस संबंध में संगत नीतियों के क्रियान्वयन की निगरानी करते हैं।

सिद्धांत 9.6

इस नीति को ऑनलाइन देखने का लिंक बताएं?

सीओएसए/जीएसए एक द्विपक्षीय समझौता होने के कारण एक गोपनीय दस्तावेज़ है और जनता हेतु निरीक्षण के लिए उपलब्ध नहीं होता है। तथापि, ओएनजीसी के साथ व्यापार करने के लिए सामान्य दिशानिर्देश तथा ओएनजीसी के साथ कारोबार

की मानक व्यापार/संविदा निबंधन और शर्तें भी वेबसाइट www.ongcindia.com पर उपलब्ध हैं।

सिद्धांत 9.7

क्या इस नीति को औपचारिक रूप से सभी संबंधित आंतरिक एवं बाहरी पणधारकों को संप्रेषित किया गया है?

जी हाँ।

सिद्धांत 9.8

क्या कंपनी के पास इस नीति/इन नीतियों को क्रियान्वित करने के लिए आंतरिक ढांचा है?

उपर्युक्त 9.5 में दिए गए प्रत्युत्तर के अनुसार।

सिद्धांत 9.9

क्या कंपनी के पास इस नीति/इन नीतियों संबंधी पणधारकों की शिकायतों के समाधान के लिए नीति/नीतियों से संबंधित कोई शिकायत निवारण तंत्र है?

जी हाँ। सीओएसए/जीएसए में पणधारकों की शिकायतों के समाधान हेतु अंतर्निहित तंत्र विद्यमान है।

सिद्धांत 9.10

क्या कंपनी ने किसी आंतरिक या बाहरी एजेंसी द्वारा इस नीति के कार्यकरण की स्वतंत्र लेखापरीक्षा/मूल्यांकन करवाया है?

सीओएसए/जीएसए परस्पर सहमत शर्तों पर समीक्षा के अधीन है।

1. **वित्त वर्ष के अंत में ग्राहक शिकायतों/उपभोक्ता मामलों का कितना प्रतिशत लंबित है:**

   कोई नहीं।

2. **क्या कंपनी स्थानीय विधियों द्वारा अधिदेशित किए गए से अधिक उत्पाद सूचना को उत्पाद लेबल पर प्रदर्शित करती है?**

   कच्चे तेल की बिक्री हेतु कच्चे तेल के लिए बैच–वार प्रमाणपत्र जारी किए जाते हैं, जिसमें बीएस एण्ड डब्ल्यू सहित विभिन्न गुणवत्ता मानदण्डों को शामिल किया जाता है। भण्डारण प्रक्रियाविधियों और सुरक्षा सावधानियों से संबंधित उत्पाद लेबलिंग को स्पष्ट रूप से कच्चे तेल रखने संबंधी ओएनजीसी संस्थापना में स्पष्ट रूप से बताया गया है।

   विभिन्न ग्राहकों को ओएनजीसी द्वारा आपूर्ति की गई सभी प्राकृतिक गैस, सहमति वाले संविदात्मक विनिर्देशनों के अनुरूप है।

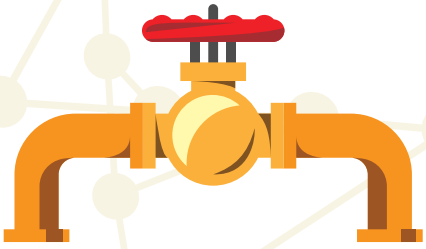
   सभी वीएपी को बैच–वार परीक्षण रिपोर्ट तथा ओआईएसडी/अन्य सांविधिक मानकों के अनुरूप मानक हैण्डलिंग प्रक्रियाविधियों के साथ दिया जाता है। संगत बीआईएस विनिर्देशन (यदि लागू हो) और मानदण्डों के साथ गुणवत्ता प्रमाणपत्रों को प्रेषण के दौरान जारी किया जाता है। भण्डारण प्रक्रियाविधियों और सुरक्षा सावधानियों से संबंधित उत्पाद लेबलिंग के स्पष्ट रूप से मूल्य वर्धित उत्पाद रखी गई ओएनजीसी संस्थापना में स्पष्ट रूप से बताया गया है।

3. **क्या गत पांच वर्षों के दौरान किसी पणधारक द्वारा कंपनी के विरुद्ध अनुचित व्यापार व्यवहार, जिम्मेदारी रहित विज्ञापन और/अथवा प्रतिस्पर्धा–रोधी व्यवहार हेतु कोई मामला दायर किया गया है जो वित्त वर्ष के अंत में लंबित हो:**

   जी, नहीं।

4. **क्या आपकी कंपनी ग्राहक सर्वेक्षण करवाती है/ग्राहक संतुष्टि प्रवृत्तियों का पता करती है?**

   जी, हां। कंपनी उत्पाद गुणवत्ता तथा मूल्य निर्धारण के संबंध में बी2बी ग्राहकों के साथ नियमित आधार पर विचार–विमर्श करती है। हमारे भागीदारों के साथ इस प्रकार का नियोजन ग्राहक संतुष्टि सुनिश्चित करता है। हमारे किसी भी ग्राहक द्वारा उत्पाद के संबंध में व्यक्त की गई किसी चिंता का समाधान तत्काल किया जाता है। बैठकों के माध्यम से सतत विचार–विमर्श और फीडबैक के मद्देनज़र ग्राहक संतुष्टि के मापन हेतु किसी पृथक सर्वेक्षण को करने की आवश्यकता महसूस नहीं की गई है।



स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में

ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के सदस्यगण

1. एकल भारतीय लेखांकन मानकों (इंड एएस) वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

हमने, ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड ('कंपनी') के संलग्न एकल इंड एएस वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च, 2018 को यथास्थिति तुलन–पत्र, उस तारीख को समाप्त लाभ एवं हानि विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), नकदी प्रवाह विवरण और तब समाप्त वर्ष हेतु इक्विटी में परिवर्तन के कथन और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सार तथा अन्य व्याख्यात्मक सूचना शामिल है।

2. इंड एएस एकल वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी का निदेशक मंडल, उन एकल इंड एएस वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') की धारा 134(5) में उल्लिखित मामलों के लिए जिम्मेदार है, जो अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखांकन मानकों (इंड एएस) सहित भारत में आमतौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार कंपनी की वित्तीय स्थिति, अन्य व्यापक आय सहित वित्तीय कार्य–निष्पादन, नकदी प्रवाह और कंपनी की इक्विटी में परिवर्तन की सही और उचित तस्वीर पेश करते हैं।

इस जिम्मेदारी में, कंपनी की परिसंपत्तियों की रक्षा करने के लिए और निधियों की रोकथाम करने तथा कपटों और अन्य अनियमितताओं का पता लगाने, समुचित लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग, निर्णय लेने और आकलन करने, जो तर्कसंगत और विवेकपूर्ण हों और पर्याप्त आंतरिक नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और अनुरक्षण, जो लेखांकन रिकार्डों की परिशुद्धता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से प्रचालन कर रहे थे, जो ऐसे इंड एएस वित्तीय विवरण तैयार करने और प्रस्तुत करने से सुसंगत थे, जो सही और उचित तस्वीर प्रस्तुत करते हैं और किसी सारवान मिथ्या कथन से मुक्त हैं, चाहे वह कपट के कारण हो या गलती के कारण हो, अधिनियम के उपबंधों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकार्डों का अनुरक्षण भी शामिल है।

3. लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी, अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन एकल इंड एएस वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

हमने, अधिनियम के उपबंधों, लेखांकन और लेखापरीक्षा करने के उन मानकों और मामलों, को ध्यान में रखा है, जिन्हें अधिनियम और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के उपबंधों के अंतर्गत लेखापीरक्षा रिपोर्ट में शामिल किया जाना आवश्यक है।

हमने एकल इंड एएस वित्तीय विवरणों की अपनी लेखापरीक्षा, अधिनियम की धारा 143(10) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखांकन मानकों के अनुसार की है। इन मानकों में यह अपेक्षा की गई है कि हम नैतिकतापूर्ण शर्तों का अनुपालन करें और इस बारे में तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए अपनी लेखापरीक्षा की योजना बनाएं और लेखापरीक्षा करें कि क्या इंड एएस वित्तीय विवरण सारवान मिथ्या कथन से मुक्त हैं।

किसी लेखापरीक्षा में, एकल इंड एएस वित्तीय विवरणों में धनराशियों और विगोपनों के बारे में लेखापरीक्षा का साक्ष्य प्राप्त करने के लिए कार्य–निष्पादन करने की प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। चुनी गई प्रक्रियाएं, इंड एएस एकल वित्तीय विवरणों के सारवान मिथ्या कथन, चाहे वह कपट के कारण हो या गलती के कारण, के जोखिमों के मूल्यांकन सहित लेखापरीक्षक के निर्णय पर निर्भर होती हैं। इन जोखिमों का मूल्यांकन करने में, लेखापरीक्षक, उन इंड एएस एकल वित्तीय विवरणों की कंपनी की तैयारी से सुसंगत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर विचार करता है, जो ऐसी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं, जो उन परिस्थितियों में समुचित हैं, तैयार करने की दृष्टि से सही और उचित तस्वीर प्रस्तुत करती हैं। लेखापरीक्षा में, कंपनी के निदेशकों द्वारा बनाए गए लेखांकन अनुमानों की तर्कसंगतता और इस्तेमाल की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना और इंड एएस एकल वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन करना भी शामिल है।

हमारा विश्वास है कि हमने जो लेखापरीक्षा प्राप्त की है, वह इंड एएस एकल वित्तीय विवरणों पर अपनी लेखापरीक्षा संबंधी राय देने के लिए एक आधार उपलब्ध करने हेतु पर्याप्त और समुचित है।

4. मत

हमारे मतानुसार और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दी गई सूचना के अनुसार, उक्त इंड एएस एकल वित्तीय विवरण, इसके लिए अपेक्षित तरीके से अधिनियम द्वारा अपेक्षित सूचना देते हैं और 31 मार्च, 2018 को यथास्थिति, इंड एएस सहित कंपनी की वित्तीय स्थिति और अन्य व्यापक आय सहित इसके वित्तीय निष्पादन, इसके नकदी प्रवाह तथा उक्त तिथि को समाप्त वर्ष हेतु इक्विटी में परिवर्तन की, भारत में आमतौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही एवं उचित चित्र प्रस्तुत करते हैं।

5. मामले पर बल दिया जाना

हम एकल इंड एएस वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 48.1.1(ग) की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं जिसमें यह बताया गया है कि वर्ष के दौरान हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) ने पन्ना–मुक्ता और मिड तथा साउथ तापती फील्ड संयुक्त उद्यम (पीएमटी) के सभी संयुक्त उद्यम भागीदारों, बीजी एक्सप्लोरेशन एण्ड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड (बीजीईपीआईएल) और रिलायन्स इण्डस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) (साथ मिला कर ''दावाकर्ता'') और कंपनी को अंतिम आंशिक निर्णय (एफपीए) की सरकार की व्याख्या के अनुपालन में संविदाकार द्वारा देय तथाकथित लाभ पेट्रोलियम एवं रायल्टी के विभेदीय भारत सरकार के अंश के भुगतान हेतु कहा था (कंपनी का 40 प्रतिशत का अंश 1574.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि का होता है जो 30 नवम्बर, 2016 तक ब्याज सहित समतुल्य रूप में ₹102,233.41 मिलियन बनता है)। दिनांक 16 अप्रैल, 2018 और 2 मई, 2018 के लंदन उच्च न्यायालय के आदेशों के परिणामस्वरूप डीजीएच ने दिनांक 4 मई, 2018 और 15 मई, 2018 के पत्र के माध्यम से पीएमटी संयुक्त उद्यम के लेखे को रिकास्ट करने और प्रेषण की तिथि तक ब्याज सहित शेष देयों के संबंधित प्रतिभागिता हित के अंश को प्रेषित करने के लिए कहा है। माध्यस्थम कार्यवाही और लंदन उच्च न्यायालय के आदेशों की धारक कंपनी को जानकारी नहीं है क्योंकि कंपनी माध्यस्थम कार्यवाही की एक पक्षकार नहीं है। कंपनी ने डीजीएच को यह प्रतिउत्तर दिया है कि अभी तक न तो माध्यस्थम अधिकरण और न ही न्यायालय ने कोई आदेश पारित किया है अथवा कंपनी द्वारा देय तथा भुगतान योग्य किसी राशि को मात्रात्मक रूप दिया है और इन परिस्थितियों में डीजीएच द्वारा किसी राशि या तत्संबंधी ब्याज की मांग किया जाना अपरिपक्व है तथा न्यायोचित नहीं ठहरता। कंपनी के मतानुसार माध्यस्थम अधिकरण द्वारा देयताओं को अंतिम तौर पर मात्रात्मक रूप दिए जाने के लंबित होने तक, अंतिम आंशिक निर्णय (एफपीए) को कार्यन्वित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह परिपक्वता से पूर्व है अतः उक्त हेतु किसी प्रावधान को आवश्यक नहीं समझा गया है तथा इसे आकस्मिक देयता माना गया है।

इस मामले के संबंध में हमारा मत अर्हक नहीं है।

6. अन्य मामले

i. एकल इंड एएस वित्तीय विवरणों में, नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (नेल्प)/संयुक्त प्रचालनों (जेओ) अन्वेषण एवं उत्पादन लेखाओं के तहत 136 ब्लॉकों की परिसंपत्तियों, देयताओं, व्यय एवं आय के कुल मूल्य में कंपनी का हिस्सा शामिल है, जिसमें से 3 नेल्पों/संयुक्त प्रचालन लेखों को सनदी लेखाकारों द्वारा प्रमाणित किया गया है तथा 11 नेल्प/जेओ लेखों को अन्य प्रचालकों द्वारा प्रचालित नेल्प/जेओ के संबंध में प्रबंधन द्वारा प्रमाणित किया गया है। इन 11 नेल्प/जेओ के संबंध में समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण में 31 मार्च, 2018 के अनुसार परिसंपत्तियों तथा देयताओं में अनुपातिक अंश शामिल हैं जिसकी राशि क्रमशः ₹74,914.29 मिलियन तथा ₹54,785.18 मिलियन की होती है और 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु राजस्व तथा अन्य व्यापक आय सहित लाभ की राशि क्रमशः ₹82,340.43 मिलियन तथा ₹16,375.29 मिलियन होती है। हमारा मत पूर्णतः अन्य सनदी लेखाकारों के प्रमाणपत्र तथा प्रबंधन प्रमाणित लेखाओं पर निर्भर हैं।

ii. हमने, अन्वेषणात्मक, विकास, उत्पादन, उत्पादनशील कूपों की श्रेणी, उन पर खर्च की गई लागतों के आबंटन, प्रमाणित विकसित हाइड्रोकार्बन भंडारों, तेल एवं गैस परिसंपत्तियों पर उनके निःशेषण, हानिकरण, परित्याग लागतों के लिए देयता, सहमति वाले न्यूनतम कार्य के कार्यक्रम के प्रति कार्य–निष्पादन के अंतर्गत नेल्प और नामांकन ब्लॉकों के लिए देयता के श्रेणीकरण के संबंध में प्रबंधन द्वारा किए गए तकनीकी/वाणिज्यिक मूल्यांकन को आधार बनाया है।

इस मामले में हमारा मत अर्हक नहीं है।

7. अन्य विधिक एवं विनियामक आवश्यकताओं के संबंध में रिपोर्ट

(i) अधिनियम की धारा 143(11) के संदर्भ में भारत की केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए कंपनी (लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट) आदेश 2016 ("आदेश") द्वारा यथा अपेक्षित, हम "अनुबंध–I" में, लागू होने वाली सीमा तक, उक्त आदेश के पैराग्राफ 3 और 4 में विनिर्दिष्ट मामलों पर एक विवरण देते हैं।

(ii) कंपनी की लेखा पुस्तिकाओं के सत्यापन के आधार पर और हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार हम, अधिनियम की धारा 143(5) के संदर्भ में भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा जारी किए गए निर्देशों पर नीचे एक रिपोर्ट देते हैं :

(क) लेखा पुस्तिकाओं के साथ उपलब्ध रिकार्डों का समाधान लंबित रहते हुए, कंपनी द्वारा संकलित सीमा तक सूचना के आधार पर और मात्रा संबंधी स्वरूप तथा विभिन्न स्थानों पर विचार करते हुए, हम रिपोर्ट देते हैं कि फ्री होल्ड/लीज़ होल्ड भूमि के लिए स्वामित्व/पट्टा विलेख, कंपनी के नाम में रखे गए हैं, सिवाय निम्नलिखित के, जहां इसके लिए स्वामित्व विलेख और क्षेत्र के ब्योरे कंपनी के पास उपलब्ध नहीं हैं :

(₹ मिलियन में)

स्वरूप	परिसंपत्तियों की संख्या	सकल ब्लॉक	निवल ब्लॉक
लीज़ होल्ड भूमि	14	632.03	392.40
फ्री होल्ड भूमि	4	58.21	58.21
कुल	**18**	**690.24**	**450.61**

सभी इकाइयों को कवर करने वाले पूरे ब्योरों का प्रबंधन द्वारा पूरा करने का काम लंबित रहते हुए, उपर्युक्त के लिए संबंधित लाइन मदों के अंतर्गत क्षेत्र नहीं दिया जा सकता।

(ख) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार, कारणों और शामिल धनराशि के साथ–साथ वर्ष के दौरान, जहां कहीं लागू हो, ऋणों/कर्जों/ब्याज की छूट/बट्टे खाते डालने के मामलों का उल्लेख "अनुबंध–II" में किया गया है।

(ग) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार, कंपनी ने तृतीय पार्टियों के पास पड़ी माल–सूचियों और सरकार या अन्य प्राधिकारियों से उपहार/अनुदान के रूप में कंपनी द्वारा प्राप्त परिसंपत्तियों के संबंध में पर्याप्त रिकार्ड रखे हैं।

(iii) अधिनियम की धारा 143(3) द्वारा यथा अपेक्षित हम यह रिपोर्ट देते हैं कि :

(क) हमने उन सभी सूचना एवं स्पष्टीकरणों को प्राप्त किया है, जो हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनार्थ हमारे सर्वोत्तम ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार आवश्यक थे।

(ख) हमारी राय में, कंपनी द्वारा कानून यथा–अपेक्षित उचित लेखा–बहियों को रखा गया है, जैसाकि इन बहियों की हमारी जांच से प्रतीत होता है।

(ग) इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन–पत्र, अन्य व्यापक आय सहित लाभ एवं हानि के विवरण, नकदी प्रवाह विवरण और इक्विटी में परिवर्तन के कथन लेखा–बहियों के अनुरूप है।

(घ) हमारी राय में, उक्त वर्णित एकल इंड एएस वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखाकरण मानकों का अनुपालन करते हैं।

(ङ) निगमित कार्य मंत्रालय द्वारा जारी की गई अधिसूचना संख्या जीएसआर 463(ङ) दिनांक 5 जून, 2015 के अनुसार निदेशकों की अनर्हकता के संबंध में धारा 164(2) कंपनी पर लागू नहीं होती क्योंकि यह एक सरकारी कंपनी है।

(च) कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और इन नियंत्रणों के प्रचालन संबंधी प्रभावीपन के संबंध में इस रिपोर्ट के "अनुबंध–3" में हमारी अलग रिपोर्ट देखें, और

(छ) कंपनी (लेखापरीक्षा एवं लेखापरीक्षक) नियमावली, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम सूचना और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसारः

(i) कंपनी ने अपने एकल इंड एएस वित्तीय विवरणों में अपनी वित्तीय स्थिति पर, लंबित मुकदमों के प्रभाव का प्रकटीकरण कर दिया है – एकल इंड एएस वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 48.1.1 देखें;

(ii) कंपनी के पास, व्युत्पन्न संविदाओं सहित कोई ऐसे दीर्घावधि संविदा नहीं थे, जिनके लिए कोई सारवान अनुमान लगाने योग्य हानियां थीं – एकल इंड एएस वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 53.2 देखें; और

(iii) कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षा निधि को अंतरित किए जाने हेतु अपेक्षित राशियों को अंतरित किए जाने में कोई विलंब नहीं हुआ है।

कृते लोधा एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. सं.: 301051ई

कृते एमकेपीएस एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. सं.: 302014ई

कृते खंडेलवाल जैन एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. सं.: 105049डब्ल्यू

ह./–
(प्रशांत खंडेलवाल)
साझीदार (स. सं. 056652)

ह./–
(निखिल के. अग्रवाल)
साझीदार (सं. सं. 157955)

ह./–
(नरेंद्र जैन)
साझीदार (स. सं. 048725)

कृते के. सी. मेहता एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. सं.: 106237डब्ल्यू

कृते पीकेएफ श्रीधर एंड सांथान एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. सं.: 003990एस/एस200018

कृते दास गुप्ता एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. सं.: 000112एन

ह./–
(विशाल पी. दोशी)
साझीदार (स. सं. 101533)

ह./–
(वी कोठांदारमन)
साझीदार (स. सं. 025973)

ह./–
(राजा जिंदल)
साझीदार (स. सं. 504111)

नई दिल्ली
30.05.2018



असम के हरे भरे चाय बगान के बीच एक अभितटीय रिग

स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट का अनुबंध–I

(हमारी समसंख्यक तिथि की रिपोर्ट "अन्य विधिक और विनियामक शर्तों पर रिपोर्ट" के पैराग्राफ 7(*i*) में उल्लिखित)

i. (क) कंपनी सामान्यतया प्रमात्रात्मक ब्योरों तथा स्थायी परिसंपत्तियों की स्थिति सहित पूर्ण विवरणों को दर्शाने वाले समुचित रिकार्डों को रखती है।

(ख) हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार और कंपनी के रिकार्ड की हमारे द्वारा की गई जांच के आधार पर, भूमिगत/जलमग्न/संयुक्त प्रचालनों के अधीन स्थायी परिसंपत्तियों के अतिरिक्त, बहुमूल्य स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन चरणबद्ध रूप में प्रबंधन द्वारा किया गया है, जो हमारी राय में, कंपनी के आकार एवं इसके व्यापार की प्रकृति के संबंध में समुचित है। भौतिक रूप से सत्यापित परिसंपत्तियों का बही रिकार्डों से मिलान का कार्य प्रगति पर है। भौतिक सत्यापन में पाई गई विसंगतियों तथा परिणामी समायोजनों को मिलान कार्य पूरा होने पर किया जाता है। प्रबंधन द्वारा दी गई जानकारी एवं स्पष्टीकरण के अनुसार तथा हमारी राय में, वे इतनी नहीं हैं कि उनका कोई प्रभाव हो।

(ग) लेखा पुस्तिकाओं के साथ उपलब्ध रिकार्डों का समाधान लंबित रहते हुए, कंपनी द्वारा संकलित सीमा तक सूचना के आधार पर और मात्रा संबंधी स्वरूप तथा विभिन्न स्थानों पर विचार करते हुए, हम रिपोर्ट देते हैं कि फ्री होल्ड/लीज़ होल्ड भूमि के लिए स्वामित्व/अस्थायी परिसंपत्तियों के पट्टा विलेख, कंपनी के नाम में रखे गए हैं, सिवाय निम्नलिखित के, जहां इसके लिए स्वामित्व विलेख और क्षेत्र के ब्योरे कंपनी के पास उपलब्ध नहीं हैं:

(₹ मिलियन में)

प्रकृति	परिसंपत्तियों की संख्या	सकल ब्लॉक	निवल ब्लॉक
लीज़ होल्ड भूमि	14	632.03	392.40
फ्री होल्ड भूमि	4	58.21	58.21
भवन	6	154.92	57.65
कुल	**24**	**845.16**	**508.26**

ii. प्रबंधन द्वारा दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार, प्रबंधन द्वारा वर्ष के दौरान माल–सूची (कुछ स्थानों पर तीसरी पार्टी के पास रखी मालसूची, कुछ स्थलों पर रखी, संयुक्त उद्यमों के पास रखी माल–सूची तथा मार्गस्थ अंतरा–स्थल–सामग्री छोड़कर) का भौतिक सत्यापन चरणबद्ध रूप में किया गया है। तथापि, हमारी राय में स्टोर्स और अतिरिक्त पुर्जों के वास्तविक सत्यापन, विसंगतियों का पता लगाने और परिणामी लेखांकन समायोजन करने की प्रक्रियाओं को कंपनी के आंतरिक दिशानिर्देशों के अनुरूप और सशक्त बनाए जाने की आवश्यकता है ताकि उन्हें कंपनी के आकार और उसके व्यवसाय की प्रकृति के अनुरूप बनाया जा सके।

iii. कंपनी ने, अधिनियम की धारा 189 के अंतर्गत रखे गए रजिस्टर में कवर की गई अन्य पार्टियों या किसी कंपनियों, फर्मों, सीमित देयता वाली साझेदारी फर्मों के प्रत्याभूत ऋण स्वीकृत नहीं किये।

iv. हमारी राय में और हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने निदेशकों/कंपनी, जिसमें निदेशक हितबद्ध हैं, को ऐसे ऋण नहीं दिए हैं, जिन पर अधिनियम की धारा 185 के उपबंध लागू होते हैं। हमारी राय में अधिनियम की धारा 186 के उपबंध इस कंपनी पर लागू नहीं होते।

v. हमारी राय में और हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने, अधिनियम के उपबंधों के अनुसार कोई जमा राशियां स्वीकार नहीं की हैं।

vi. हमने, अधिनियम की धारा 148 की उप–धारा–(i) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा यथा संशोधित और विनिर्धारित कंपनी (लागत रिकार्ड एवं लेखापरीक्षा) नियमावली, 2014 के अनुसरण में कंपनी द्वारा रखे गए लागत रिकार्डों की मोटे तौर पर समीक्षा की है और हमारी राय है कि प्रथम दृष्टया, विनिर्धारित लेखे और रिकार्ड तैयार किए गए हैं और उन्हें बनाए रखा गया है। तथापि हमने लागत रिकार्डों की विस्तृत जांच, यह निर्धारित करने की दृष्टि से नहीं की है कि क्या वे सही या पूर्ण हैं।

vii. (क) कंपनी के रिकार्डों के अनुसार, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आय कर, बिक्री कर, सेवा कर, संपत्ति कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर, उप–कर तथा अन्य सांविधिक देयों सहित अविवादित सांविधिक देयों को सामान्यतया उपयुक्त प्राधिकारियों के पास नियमित रूप से जमा किया गया। हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार, भुगतान करने की तिथि से छह माह से अधिक अवधि के लिए 31 मार्च, 2018 को उपरोक्त देयों के संबंध में कोई अविवादित देय राशि बकाया नहीं थी।

(ख) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार, आय कर, उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क, बिक्री कर, सेवा कर और मूल्य वर्धित कर के संबंध में ऐसी कोई देय धनराशियां नहीं हैं, जो किसी विवाद के कारण जमा नहीं की गई हैं, सिवाय निम्नलिखित के:

(₹ मिलियन में)

संविधि का नाम	फोरम, जहां विवाद लंबित है	राशि से संबंधित अवधि (वित्तीय वर्ष)	सम्मिलित सकल धनराशि	विवाद के अंतर्गत अदा की गई राशि	अप्रदत्त धनराशि
केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	आयुक्त (अपील), सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर	2015-17	0.92	0.05	0.87
	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय अधिकरण	2001-09; 2011-16	8,735.84	275.31	8,460.53
	माननीय उच्च न्यायालय	1996-97; 2007-14; 2015-2016	353.68	4.32	349.36
	माननीय उच्चतम न्यायालय	2000-01	1,176.60	-	1,176.60
	कुल (क)		**10,267.04**	**279.68**	**9,987.36**
सीमा शुल्क अधिनियम, 1962	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर आयुक्त (अपील)	1987-88	304.95	-	304.95
	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय अधिकरण	2007 -08 2010 -11	6.50	1.11	5.39
	कुल (ख)		**311.45**	**1.11**	**310.34**
आयकर अधिनियम, 1961	आयुक्त (अपील)	2006-09; 2011-14	76,071.83	76,063.07	8.76
	आय कर अपीलीय अधिकरण	1999-2001; 2007-11	18,530.92	18,514.92	16.00
	माननीय उच्च न्यायालय	2000-01	8.91	-	8.91
	कुल (ग)		**94,611.66**	**94,577.99**	**33.67**
वस्तु एवं सेवा कर	जीएसटी एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त (अपील)	2017-18	14,315.98#	11,704.68*	2,611.30
	कुल (घ)		**14,315.98**	**11,704.68**	**2,611.30**

संविधि का नाम	फोरम, जहां विवाद लंबित है	राशि से संबंधित अवधि (वित्तीय वर्ष)	सम्मिलित सकल धनराशि	विवाद के अंतर्गत अदा की गई राशि	अप्रदत्त धनराशि
केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 तथा संबंधित राज्यों के बिक्री कर अधिनियम	आयुक्त / संयुक्त आयुक्त / आयुक्त – अपील / संयुक्त आयुक्त अपील	2000 -02 2004 -07 2009 -12 2013-14	2,459.21	7.68	2,451.53
	अपीलीय अधिकरण	1993-94; 1998-2000; 2001-03; 2005-06; 2011-14	7,399.40	54.28	7,345.12
	माननीय उच्च न्यायालय	1978-79; 1992-95; 2006-07; 2011-2013	51.77	26.48	25.29
	माननीय उच्चतम न्यायालय	2002-13; 2016-17	11,493.48	623.96	10,869.52
	कुल (ङ)		**21,403.86**	**712.40**	**20,691.46**
सेवा कर	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर के संयुक्त / उप / अपर आयुक्त / आयुक्त (अपील)	2004-05; 2006-07; 2009-13	8,657.79	0.27	8,657.52
	जीएसटी एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त (अपील)	2017-18	19,834.29#	13,448.61*	6,385.68
	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय अधिकरण	2003-04; 2005-13; 2014-15; 2017-18	721.49	19.64	701.85
	माननीय उच्च न्यायालय	2004-16	34.80	2.56	32.24
	माननीय उच्चतम न्यायालय	2015-16	1.35	0.37	0.98
	कुल (च)		**29,249.72**	**13,471.45**	**15,778.27**
सकल जोड़ (क+ख+ग+घ+ङ+च)			**170,159.71**	**120,747.31**	**49,412.40**

शास्ति के अतिरिक्त
** राशि मई, 2018 में जमा करवा दी गई है, देखें टिप्पणी सं. 48.1.1.ख*

viii. कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई डिबेंचर जारी नहीं किए हैं और वित्तीय संस्थाओं, बैंकों और सरकार से कोई निधि उधार नहीं ली है। कंपनी ने बैंक को देय राशियों की अदायगी में कोई चूक नहीं की है।

ix. अपनाई गई हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर और प्रबंधन द्वारा दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव या अगले सार्वजनिक प्रस्ताव और सावधि ऋण द्वारा कोई धनराशि नहीं जुटाई है।

x. हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार वर्ष के दौरान इसके अधिकारियों या कर्मचारियों या कंपनी के साथ की जाने वाली कोई धोखाधड़ी जानकारी में नहीं आई है या सूचित नहीं की गई है।

xi. निगमित कार्य मंत्रालय द्वारा जारी की गई अधिसूचना संख्या जीएसआर 463(ङ) दिनांक 05 जून, 2015 के अनुसार प्रबंधकीय पारिश्रमिक के संबंध में धारा 197 कंपनी पर लागू नहीं होती क्योंकि यह एक सरकारी कंपनी है।

xii. हमारी राय में यह कंपनी कोई निधि कंपनी नहीं है। इसलिए इस आदेश के खंड 3 (xii) के उपबंध इस कंपनी पर लागू नहीं होते।

xiii. प्रबंधन द्वारा दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार संबंधित पार्टियों के साथ किए गए लेन–देन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 और 188, जहां कहीं लागू हों, के अनुपालन में है और लागू होने वाले लेखांकन मानकों द्वारा यथापेक्षित इंड एएस एकल वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में ब्योरों का प्रकटीकरण कर दिया गया है।

xiv. हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा तुलन–पत्र की समग्र जांच पर पाया गया कि कंपनी ने इस वर्ष के दौरान शेयरों या पूर्णतः अथवा अंशतः परिवर्तनीय डिबेंचरों का कोई वरीय आबंटन या निजी प्लेसमेंट नहीं किया है।

xv. प्रबंधन द्वारा दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने निदेशक या उससे संबंधित व्यक्तियों के साथ, अधिनियम की धारा 192 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट कोई गैर–नकदी लेन–देन नहीं किया है।

xvi. हमारी राय में, कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45–Iक के अंतर्गत पंजीकृत किया जाना आवश्यक नहीं है।

कंपनी के लेखापरीक्षकों द्वारा नई दिल्ली में पृष्ठ सं. 217 के अनुसार हस्ताक्षरित और दिनांकित



श्री धर्मेन्द्र प्रधान, वेधन पोत प्लेटिनम एक्सप्लोरर पर, साथ में हैं, संयुक्त सचिव, श्री अमर नाथ, निदेशक, पे.एवं प्रा.गै., श्री सत्यजीत मोहंती, सीएमडी श्री शशि शंकर और निदेशक, अपतट श्री राजेश कक्कड़

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का अनुबंध 2

हमारी समसंख्यक तिथि की रिपोर्ट के "अन्य विधिक एवं विनियामक शर्तों पर रिपोर्ट" खंड के अंतर्गत पैराग्राफ 7(ii)(ख) में उल्लिखित वर्ष 2017–18 के दौरान कर्जों/ऋणों/ब्याज की छूट/बट्टे खाते डालने के मामले

कारणों और इससे संबंधित धनराशि के साथ–साथ, वर्ष के दौरान, कर्जों/ऋणों/ब्याज की छूट/बट्टे खाते में डालने के मामले निम्नलिखित हैं :

क्रम सं.	कारण	मिलियन रुपए में
1	बट्टे अशोध्य ऋण/अपलिखित दावें	10.49
2	अपलिखित अग्रिम	0.62
	कुल	**11.11**

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट का अनुबंध–3

हमारी समसंख्यक तिथि की रिपोर्ट के "अन्य विधिक एवं विनियामक शर्तों पर रिपोर्ट" खंड के अंतर्गत पैराग्राफ 7(iii) (च) में उल्लिखित

कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143 की उप–धारा 3 के खंड (i) के अंतर्गत आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट

सेवा में ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के सदस्यगण

हमने उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के इंड एएस एकल वित्तीय विवरणों की अपनी लेखापरीक्षा के साथ–साथ, 31 मार्च, 2018 को यथास्थिति ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड ("कंपनी") की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी का प्रबंधन भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणो की लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शी टिप्पणी में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य संघटकों पर विचार करते हुए, कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग के मापदंड पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और उसे बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। इन जिम्मेदारियों में कंपनी की नीतियों का पालन करने, इसकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा करने, धोखाधड़ी और गलतियों की रोकथाम तथा उनकी पहचान करने, लेखांकन रिकार्डों की परिशुद्धता और पूर्णता तथा अधिनियम के अंतर्गत यथापेक्षित विश्वसनीय वित्तीय सूचना समय से तैयार करने सहित अपने व्यवसाय का व्यवस्थित और दक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से प्रचालित पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण तैयार करना, कार्यान्वित करना और उन्हें बनाए रखना शामिल है।

लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी अपनी लेखापरीक्षा पर आधारित वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर अपनी राय व्यक्त करना है। हमने अपनी लेखापरीक्षा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर लागू होने की सीमा तक अधिनियम की धारा 143 (10) के अंतर्गत यथाविनिर्दिष्ट लेखापरीक्षा करने पर जारी किए गए मानकों और वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों ("मार्गदर्शी टिप्पणी"), दोनों आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर लागू होते है और दोनों को भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किया गया है, की लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शी टिप्पणी के अनुसार की है। इन मानकों और मार्गदर्शी टिप्पणी में यह अपेक्षा की गई है कि हम नैतिकतापूर्ण शर्तों का पालन करें और इस संबंध में तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाएं तथा लेखापरीक्षा करें कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित किए गए थे और उन्हें बनाए रखा गया था और क्या ये नियंत्रण हर प्रकार से सारवान तरीके से प्रभावी ढंग से प्रचालन में लाए गए थे।

हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली तथा प्रचालन संबंधी प्रभावीपन की पर्याप्तता के बारे में लेखापरीक्षा के साक्ष्य प्राप्त करने के लिए कार्य–निष्पादन संबंधी प्रक्रियाएं शामिल हैं। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझबूझ प्राप्त करना, इस जोखिम का मूल्यांकन करना कि सारवान कमजोरी मौजूद है और मूल्यांकन किए गए जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन और प्रचालन संबंधी प्रभावीपन का परीक्षण तथा मूल्यांकन करना शामिल था। चुनी गई प्रक्रियाएं, इंड एएस एकल वित्तीय विवरणों के सारवान मिथ्या कथन, चाहे वह कपट के कारण हो या त्रुटि के कारण के जाखिमों के मूल्यांकन सहित लेखापरीक्षकों के निर्णय पर निर्भर है।

हमारा विश्वास है कि हमने जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किये हैं, वह वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी लेखापरीक्षा संबंधी राय का आधार उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त और समुचित है।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अर्थ

वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी का आंतरिक नियंत्रण, आमतौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाह्य उद्देश्यों के लिए इंड एएस एकल वित्तीय विवरण तैयार करने और वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के संबंध में तर्कसंगत आश्वासन उपलब्ध कराने के लिए तैयार की गई एक प्रक्रिया है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं, जो

(1) रिकार्ड के रखरखाव से संबंधित हैं, जो तर्कसंगत ब्योरों में कंपनी की परिसंपत्तियों की स्थिति और लेन–देनों को उचित ढंग से दर्शाते हैं; (2) यह तर्कसंगत आश्वासन उपलब्ध कराते हैं कि लेन–देन उस प्रकार दर्ज किए गए हैं, जो आमतौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार करने की अनुमति के लिए आवश्यक थे, और कि कंपनी की प्राप्तियां और व्यय, कंपनी के निदेशकों और प्रबंधन के प्राधिकृत किए जाने के अनुसार ही किए जा रहे हैं; और (3) कंपनी की परिसंपत्तियों की रोकथाम या अधिग्रहण, इस्तेमाल या स्थिति का समय से पता लगाने के संबंध में तर्कसंगत आश्वासन उपलब्ध कराते हैं, जिनका एकल इंड एएस वित्तीय विवरणों पर सारवान प्रभाव पड़ सकता था।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाएं

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण मिलीभगत या अनुचित प्रबंधन की संभावना, नियंत्रणों का आविर्भाव, त्रुटि या कपट के कारण सारवान मिथ्या कथन सहित संभवतः पता लगाया जा सकता है या नहीं भी लगाया जा सकता। इसके अलावा, भावी अवधियों से संबंधित वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी मूल्यांकन के पूर्वानुमान इस जोखिम की शर्त के अधीन हैं कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थितियों में परिवर्तनों के कारण अपर्याप्त हो सकते हैं या कि नीतियों अथवा प्रक्रियाओं के अनुपालन की मात्रा गिर सकती है।

मत

हमारे मतानुसार कंपनी के पास वित्तीय रिपोर्टिंग पर हर प्रकार से पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और वित्तीय रिपोर्टिंग ये आंतरिक वित्तीय नियंत्रण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शी टिप्पणी में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रणों के अनिवार्य संघटकों पर विचार करते हुए, कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग के मापदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर 31 मार्च, 2018 को यथास्थिति, प्रभावी ढंग से प्रचालनरत थे।

कंपनी के लेखापरीक्षकों द्वारा नई दिल्ली में पृष्ठ सं. 217 के अनुसार हस्ताक्षरित और दिनांकित



चौबीसों घंटे कार्य पर तैनातः गुजरात में कार्यरत एक वर्कओवर रिग

31 मार्च, 2018 के अनुसार एकल तुलन–पत्र

(₹ मिलियन में)

	विवरण	टिप्पणी संख्या	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
I.	**परिसंपत्तियां**			
(1)	**गैर–चालू परिसंपत्तियां**			
	(क) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण			
	(i) तेल और गैस परिसंपत्तियां	5	1,102,648.35	955,312.28
	(ii) अन्य संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	6	92,507.13	91,874.77
	(ख) चालू पूंजीगत कार्य	7		
	(i) तेल और गैस परिसंपत्तियां			
	(क) प्रगतिधीन विकास कुएं		22,451.77	32,356.34
	(ख) प्रगतिधीन तेल और गैस सुविधाएं		91,367.07	87,014.72
	(ii) अन्य		21,631.75	38,457.02
	(ग) अन्य अमूर्त परिसपंत्तियां	8	1,128.56	883.43
	(घ) विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियां			
	(i) प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं	9	218,385.31	191,730.89
	(ङ) वित्तीय परिसंपत्तियां			
	(i) निवेश	10	857,308.00	505,154.21
	(ii) ऋण	12	21,334.73	28,071.10
	(iii) स्थल पुनरूद्धार निधि के अंतर्गत जमा	13	159,911.97	145,386.91
	(iv) अन्य	14	1,646.62	1,418.00
	(च) गैर–चालू कर परिसंपत्तियां (निवल)	29	99,463.66	87,763.33
	(छ) अन्य गैर–चालू परिसंपत्तियां	15	7,331.33	7,999.11
	कुल गैर–चालू परिसंपत्तियां		**2,697,116.25**	**2,173,422.11**
(2)	**चालू परिसंपत्तियां**			
	(क) मालसूची	16	66,889.08	61,653.17
	(ख) वित्तीय परिसंपत्तियां			
	(i) निवेश	17	-	36,343.29
	(ii) व्यापार प्राप्य	11	77,726.44	64,762.06
	(iii) नकदी और नकदी तुल्य	18	296.02	426.59
	(iv) अन्य बैंक शेष	19	9,830.97	94,681.25
	(v) ऋण	12	14,021.15	14,269.47
	(vi) अन्य	14	30,418.12	11,346.74
	(ग) अन्य चालू परिसंपत्तियां	15	15,983.75	15,590.25
	कुल चालू परिसंपत्तियां		**215,165.53**	**299,072.82**
	कुल परिसंपत्तियां		**2,912,281.78**	**2,472,494.93**
II.	**इक्विटी तथा देयताएं**			
	इक्विटी			
	(क) इक्विटी शेयर पूंजी	20	64,166.32	64,166.32
	(ख) अन्य इक्विटी	21	1,869,680.49	1,791,217.48
	कुल इक्विटी		**1,933,846.81**	**1,855,383.80**
	देयताए			
(1)	**गैर–चालू देयताएं**			
	(क) वित्तीय देयताएं			

विवरण		टिप्पणी संख्या	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
	(i) वित्तीय पट्टा बाध्यताएं	22	382.93	382.93
	(ii) अन्य	23	1,110.92	2,200.00
	(ख) प्रावधान	24	213,018.35	192,852.90
	(ग) विलंबित कर देयताएं (निवल)	25	262,591.57	221,632.12
	(घ) अन्य गैर–चालू देयताएं	26	7,712.61	7,708.52
	कुल गैर–चालू देयताएं		**484,816.38**	**424,776.47**
(2)	**चालू देयताएं**			
	(क) वित्तीय देयताएं			
	(i) ऋण	27	255,922.08	-
	(ii) देय व्यापार	28	73,345.47	51,548.03
	(iii) वित्तीय पट्टा देयता	22	35.03	35.03
	(iv) अन्य	23	122,477.62	94,933.63
	(ख) अन्य चालू देयताएं	26	22,893.20	18,361.20
	(ग) प्रावधान	24	12,581.91	21,327.75
	(घ) चालू कर देयताएं (निवल)	29	6,363.28	6,129.02
	कुल चालू देयताएं		**493,618.59**	**192,334.66**
	कुल देयताएं		**978,434.97**	**617,111.13**
	कुल इक्विटी और देयताएं		**2,912,281.78**	**2,472,494.93**
	एकल वित्तीय विवरण से संलग्न टिप्पणियां	1-54		

कृते एवं बोर्ड की ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(एम ई वी सेल्वम)	(सुभाष कुमार)	(शशि शंकर)
कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
	(डीआईएन : 07905656)	(डीआईएन : 06447938)

हमारी समसंख्यक तिथि की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते पी.के.एफ. श्रीधर एंड संथानम एलएलपी	कृते लोढ़ा एंड कंपनी	कृते खंडेलवाल जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार	सनदी लेखाकार	सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 003990एस/एस200018	फर्म पंजीकरण स. 301051ई	फर्म पंजीकरण सं. 105049डब्ल्यू
हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(वी. कोथानदरामन)	(प्रशांत खंडेलवाल)	(नरेंद्र जैन)
साझेदार (सदस्यता सं. 025973)	साझेदार (सदस्यता सं.056652)	साझेदार (सदस्यता सं. 048755)
कृते दास गुप्ता एंड एसोसिएट्स	कृते के.सी. मेहता एंड कंपनी	एम.के.पी.एस एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार	सनदी लेखाकार	सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 000112एन	फर्म पंजीकरण सं. 106237डब्ल्यू	फर्म पंजीकरण सं. 302014ई
हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(राजा जिंदल)	(विशाल पी. दोशी)	(निखिल कुमार अग्रवाला)
साझेदार (सदस्यता सं. 504111)	साझेदार (सदस्यता सं. 101533)	साझेदार (सदस्यता सं. 157955)

नई दिल्ली
30 मई, 2018

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु एकल लाभ एवं हानि विवरण

(₹ मिलियन में)

	विवरण	टिप्पणी संख्या	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
I	प्रचालनों से राजस्व	30	850,041.00	779,077.30
II	अन्य आय	31	78,835.48	76,763.43
III	**कुल आय (I+II)**		**928,876.48**	**855,840.73**
IV	**व्यय**			
	व्यापर में रत स्टाक का क्रय	32	-	26.01
	तैयार वस्तुओं, व्यापाररत स्टॉक और प्रगतिधीन कार्य की मालसूची में परिवर्तन	33	(630.24)	(1,328.41)
	उत्पादन, परिवहन, बिक्री और वितरण व्यय	34	407,586.26	418,738.42
	अपलिखित अन्वेषण लागते			
	(क) सर्वेक्षण लागतें		14,800.70	17,548.98
	(ख) अन्वेषण कुआं लागतें		55,517.29	32,995.65
	वित्त–पोषण लागतें	35	15,084.70	12,217.38
	पीपीई का मूल्यह्रास, क्षय, परिशोधन और क्षति	36	144,701.72	121,895.38
	अन्य क्षति और अपलेखन	37	2,891.31	1,592.19
	कुल व्यय (IV)		**639,951.74**	**603,685.60**
V	असाधारण मदें तथा कर से पूर्व लाभ (III–IV)		288,924.74	252,155.13
VI	असाधारण मदें		-	-
VII	**कर पूर्व लाभ (V+VI)**		**288,924.74**	**252,155.13**
VIII	कर व्यय	38		
	(क) निम्नलिखित से संबंधित वर्तमान कर			
	– वर्तमान वर्ष		63,549.19	48,100.00
	– पूर्व वर्ष		(2,217.99)	(5,185.39)
	(ख) विलंबित कर		28,140.94	30,240.75
	कुल कर व्यय (VIII)		**89,472.14**	**73,155.36**
IX	**वर्ष हेतु लाभ (VII–VIII)**		**199,452.60**	**178,999.77**
X	**अन्य व्यापक आय (ओसीआई)**			
	क. जिन्हें लाभ या हानि के रूप में पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
	(i) मदें निर्धारित लाभ बाध्यताओं का पुनः मापन		(1,368.22)	(4,569.46)
	– विलंबित कर		494.99	1,581.40
	(ii) अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी लिखत		(17,640.41)	136,158.71
	– विलंबित कर		(13,313.50)	-
	कुल अन्य व्यापक आय (X)		**(31,827.14)**	**133,170.65**
XI	वर्ष हेतु कुल व्यापक आय (**IX+X**)		**167,625.46**	**312,170.42**
XII	प्रति इक्विटी शेयर अर्जन :	40		
	आधारभूत और तनुकृत (रूपए में)		15.54	13.95
	एकल वित्तीय विवरण से संलग्न टिप्पणियां	1-54		

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त), कंपनी सचिव और कंपनी के लेखापरीक्षकों द्वारा नई दिल्ली में पृष्ठ सं. 225 के अनुसार हस्ताक्षरित तथा दिनांकित।

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु इक्विटी में परिवर्तन का एकल विवरण

(क) इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ मिलियन में)

विवरण	
01 अप्रैल, 2016 को शेष	**42,777.60**
वर्ष के दौरान परिवर्तन – बोनस शेयर जारी करना (टिप्पणी सं. 20.3 देखें)	21,388.72
01 अप्रैल, 2017 को शेष	**64,166.32**
वर्ष के दौरान परिवर्तन	-
31 मार्च, 2018 को शेष	**64,166.32**

(ख) अन्य इक्विटी

(₹ मिलियन में)

विवरण	आरक्षिति और अधिशेष			अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी लिखत	कुल
	सामान्य आरक्षित	पूंजीगत आरक्षित	प्रतिधारित आय		
01 अप्रैल, 2016 को शेष	**1,475,581.90**	**159.44**	**28,692.04**	**110,535.78**	**1,614,969.16**
वर्ष हेतु लाभ	-	-	178,999.77	-	178,999.77
निर्धारित लाभ योजनाओं का पुनः मापन (कर का निवल)	-	-	(2,988.06)	-	(2,988.06)
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय, आय कर का निवल	-	-	-	136,158.71	136,158.71
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	**-**	**-**	**176,011.71**	**136,158.71**	**312,170.42**
बोनस शेयर	(21,388.72)	-	-	-	(21,388.72)
लाभांश का भुगतान	-	-	(95,179.88)	-	(95,179.88)
लाभांश पर कर	-	-	(19,353.50)	-	(19,353.50)
सामान्य आरक्षिति में अंतरण	64,466.39	-	(64,466.39)	-	-
01 अप्रैल, 2017 को शेष	**1,518,659.57**	**159.44**	**25,703.98**	**246,694.49**	**1,791,217.48**
वर्ष हेतु लाभ	-	-	199,452.60	-	199,452.60
निर्धारित लाभ योजनाओं का पुनः मापन (कर का निवल)	-	-	(873.23)	-	(873.23)
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय, आयकर का निवल	-	-	-	(30,953.91)	(30,953.91)
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	**-**	**-**	**198,579.37**	**(30,953.91)**	**167,625.46**
बोनस शेयर	-	-	-	-	-
लाभांश का भुगतान	-	-	(77,641.21)	-	(77,641.21)
लाभांश पर कर	-	-	(11,521.24)	-	(11,521.24)
सामान्य आरक्षिति में अंतरण	110,290.15	-	(110,290.15)	-	-
31 मार्च, 2018 को शेष	**1,628,949.72**	**159.44**	**24,830.75**	**215,740.58**	**1,869,680.49**

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त), कंपनी सचिव और कंपनी के लेखापरीक्षकों द्वारा नई दिल्ली में पृष्ठ सं. 225 के अनुसार हस्ताक्षरित तथा दिनांकित।

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु एकल नकदी प्रवाह विवरण

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष		31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	
क. प्रचालन कार्यकलापों से नकदी प्रवाह				
वर्ष हेतु लाभ		**199,452.60**		**178,999.77**
निम्नलिखित हेतु समायोजन :				
– आय कर व्यय	89,472.14		73,155.36	
– मूल्यह्रास, क्षय, परिशोधन और क्षति	144,701.72		121,895.38	
– अपलिखित अन्वेषणात्मक कुआं लागत	55,517.29		32,995.65	
– वित्त लागत	15,084.70		12,217.38	
– वसूल न की गई विदेशी मुद्रा हानि/(लाभ)	854.98		(991.07)	
– अन्य प्रावधान और अपलेखन	2,891.31		1,592.19	
– पुनर्लेखित अधिक प्रावधान	(4,333.13)		(22,299.62)	
– ब्याज आय	(20,565.83)		(22,778.30)	
– उचित मूल्य हानि/लाभ	700.44		1,071.18	
– वित्तीय गारंटी का परिशोधन	(329.48)		(543.99)	
– निर्धारित लाभ योजनाओं का पुनः मापन	(1,368.22)		(4,569.46)	
– पुनः लेखन की आवश्यकता न होने वाली देयताएं	(1,309.95)		(1,728.80)	
– सरकारी अनुदान का परिशोधन	0.26		(0.55)	
– निवेश की बिक्री पर लाभ	(0.10)		(2.94)	
– गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ	-		(124.08)	
– लाभांश आय	(37,810.26)	**243,505.87**	(16,969.47)	**172,918.86**
कार्यशील पूंजी परिवर्तनों से पूर्व प्रचालनशील लाभ		**442,958.47**		**351,918.63**
निम्नलिखित हेतु समायोजन :				
– प्राप्य	(12,829.93)		(10,602.34)	
– ऋण और अग्रिम	(777.68)		(3,182.40)	
– अन्य परिसंपत्तियां	(18,992.49)		30,441.53	
– मालसूची	(5,695.94)		(4,139.11)	
– देय लाभ और अन्य देयताएं	43,503.35	**5,207.31**	22,064.43	**34,582.11**
प्रचालनों से उत्पन्न नकदी		**448,165.78**		**386,500.74**
अदा किए गए प्रत्यक्ष कर (कर प्रतिदाय का निवल)		**(72,797.27)**		**(58,624.18)**
प्रचालन कार्यकलापों से उत्पन्न निवल नकदी 'क'		**375,368.51**		**327,876.56**
ख. निवेश कार्यकलापों से नकदी प्रवाह				
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण हेतु भुगतान		(182,649.71)		(95,452.80)
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के निपटान से प्राप्तियां		284.63		313.45
अन्वेषणात्मक और विकास वेधन		(156,386.52)		(158,047.92)
3 से 12 माह की परिपक्वता वाले सावधि जमा में निवेश		84,914.09		4,832.05
म्यूचुअल फंडों में निवेश		36,343.39		(6,307.97)
संयुक्त नियंत्रित निकायों में अग्रिम/निवेश		-		(260.92)
निवेश – एसोसिएट		(1,528.16)		-
ऋण – एसोसिएट		-		33.16
निवेश – अनुषंगी कंपनी		(369,150.00)		-
ऋण – अनुषंगी कंपनी		7,002.97		14,272.59

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
निवेश – अन्य	(9.98)	-
स्थल पुनरूद्धार निधि में जमा	(14,525.06)	(9,795.08)
एसोसिएट तथा संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभांश	22,436.93	287.42
अन्य निवेशों से प्राप्त लाभांश	15,373.33	16,682.05
प्राप्त ब्याज	20,590.29	20,408.99
निवेश कार्यकलापों (में प्रयुक्त)/ उत्पन्न निवल नकदी 'ख'	**(537,303.80)**	**(213,034.98)**
ग. वित्त–पोषण कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
अल्पावधि ऋण से प्राप्तियां	549,168.75	-
इक्विटी शेयरों पर अदा किया गया लाभांश	(294,950.92)	-
लाभांश पर अदा किया गया कर	(77,625.92)	(95,168.51)
अदा किया गया ब्याज	(11,521.24)	(19,353.50)
दीर्घावधि ऋण की चुकौती	(3,265.95)	(32.25)
वित्त–पोषण कार्यकलापों में प्रयुक्त निवल नकदी 'ग'	**161,804.72**	**(114,554.26)**
नकदी और नकदी तुल्य में निवल वृद्धि/(कमी) (क+ख+ग)	**(130.57)**	**287.32**
वर्ष के प्रारंभ में नकदी और नकदी तुल्य	**426.59**	139.27
वर्ष के अंत में नकदी और नकदी तुल्य	**296.02**	426.59
	(130.57)	**287.32**

वित्त–पोषण क्रियाकलापों से उत्पन्न देयताओं का मिलान :–

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2017 के अनुसार	वित्त–पोषण नकदी प्रवाह		गैर–नकदी प्रवाह – विनिमय हानि/ (लाभ)	31 मार्च, 2018 के अनुसार
		जुटाई गई प्राप्तियां	पुनर्भुगतान		
अल्पावधि ऋण					
– विदेशी मुद्रा सावधि ऋण (टिप्पणी सं. 27.1 और 27.2)	-	82,691.75	0.29	1,704.25	84,395.71
– रूपया सावधि ऋण (टिप्पणी सं. 27.1 और 27.3)	-	318,135.00	220,393.57	-	97,741.43
– कार्यशील पूंजी ऋण (टिप्पणी सं. 27.4)	-	148,342.00	74,557.06	-	73,784.94
कुल	**-**	**549,168.75**	**294,950.92**	**1,704.25**	**255,922.08**

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त), कंपनी सचिव और कंपनी के लेखापरीक्षकों द्वारा नई दिल्ली में पृष्ठ सं. 225 के अनुसार हस्ताक्षरित तथा दिनांकित।



31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु एकल वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियां

1. कॉरपोरेट सूचना

ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड ("ओएनजीसी" अथवा "कंपनी") भारत में अधिवासित तथा अधिनिगमित एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी है जिसका पंजीकृत कार्यालय दीनदयाल ऊर्जा भवन, 5, नेलसन मंडेला मार्ग, वसन्त कुंज, नई दिल्ली – 110070 है। कंपनी के शेयर भारत के स्टाक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं तथा उनका व्यापार किया जाता है। कंपनी खनिज तेल, प्राकृतिक गैस तथा मूल्य वर्धित उत्पादों के अन्वेषण, विकास तथा उत्पादन में नियोजित है।

2. नए भारतीय लेखांकन मानकों (इंड एएस) को लागू करना

2.1 वित्तीय विवरणों के प्राधिकृत किए जाने तक कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के अंतर्गत जारी और कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियमावली, 2015 (यथा संशोधित) के अंतर्गत कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किए गए सभी भारतीय लेखांकन मानकों का इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने में उपयोग किया गया है।

2.2 मानक जारी किंतु अभी प्रभावी नहीं :

कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने 28 मार्च, 2018 को कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक/इंड एएस) संशोधन नियम, 2018 अधिसूचित किए हैं। जिसके द्वारा वित्तीय वर्ष 2018–19 (अर्थात 1 अप्रैल, 2018 के पश्चात से) से "ग्राहकों के साथ संविदाओं से राजस्व" से संबंधित इंड एएस –115 और "विदेशी मुद्रा कारोबार और अग्रिम प्रतिफल" से संबंधित इंड एएस–21 के परिशिष्ट ख को लागू किया गया है।

इंड एएस–115 – ग्राहकों के साथ संविदाओं से राजस्व

ये मानक विद्यमान इंड एएस–18 "राजस्व" और इंड एएस–11 "निर्माण संविदाएं" को प्रतिस्थापित करते हैं।

इंड एएस–115 यह सिद्धांत स्थापित करता है कि कोई निकाय की किसी ग्राहक के साथ संविदा की प्रकृति, राशि, समय और उससे उत्पन्न होने वाले राजस्व तथा नकदी प्रवाह की अनिश्चितता के संबंध में वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं को उपयोगी जानकारी सूचित करने के संबंध में लागू होगा।

इंड एएस 21– परिशिष्ट ख – विदेशी मुद्रा कारोबार और अग्रिम प्रतिफल।

यह परिशिष्ट किसी विदेशी मुद्रा कारोबार (या उसके किसी हिस्से पर) पर तब लागू होता है जब कोई निकाय उसके द्वारा संबंधित परिसंपत्ति, व्यय या आय (अथवा उसके किसी भाग) को मान्यता प्रदान करने से पूर्व अग्रिम प्रतिफल के भुगतान या प्राप्ति से उत्पन्न होने वाली किसी गैर–मौद्रिक परिसंपत्ति या गैर–मौद्रिक देयता को मान्यता देता है।

कंपनी उक्त की आवश्यकताओं और वित्तीय विवरणों पर उसके प्रभाव का मूल्यांकन कर रही है।

3. महत्वपूर्ण लेखाकन नीतियां

3.1 अनुपालन का विवरण

कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा जारी दिनांक 16 फरवरी, 2015 की अधिसूचना के अनुसार कंपनी ने 1 अप्रैल, 2016 से कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के अंतर्गत जारी कंपनी (भारतीय लेखाकन मानक) नियम, 2015 (यथा संशोधित) के अंतर्गत भारतीय लेखांकन मानकों (जिन्हें "इंड एएस" कहा गया है) को अपनाया है।

वित्तीय विवरणों को कंपनी (भारतीय लेखाकन मानक) नियम, 2015 (यथा संशोधित) के अंतर्गत अधिसूचित इंड एएस और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी तेल तथा गैस उत्पादक क्रियाकलापों हेतु लेखांकन संबंधी मार्गदर्शी नोट (इंड एएस) के अनुसार तैयार किया गया है।

3.2 तैयार करने के आधार

वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक लागत आधार पर तैयार किया गया है सिवाय कुछ परिसंपत्तियों तथा देयताओं के जिनका मापन प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उचित मूल्य/परिशोधित लागत/निवल वर्तमान मूल्य पर किया जाता है, जैसा कि लेखांकन नीतियों में नीचे विस्तारपूर्वक बताया गया है :

ऐतिहासिक लागत सामान्यतः वस्तुओं तथा सेवाओं के विनिमय में दिए गए मूल्य के उचित मांग पर आधारित होती है।

चूंकि प्रचालन चक्र की पहचान सामान्य रूप से उद्योग की विशेष प्रकृति के चलते नहीं की जा सकती है, उक्त को 12 माह की अवधि वाला माना गया है। तदनुसार, सभी परिसंपत्तियों तथा देयताओं को कंपनी के प्रचालन चक्र तथा इंड एएस 1 "वित्तीय विवरणों का प्रस्तुतीकरण" और कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–**III** में निर्धारित किए गए अन्य मानदण्ड के अनुसार वर्तमान या गैर–वर्तमान के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

एकल वित्तीय विवरण भारतीय रूपयों में प्रस्तुत किए जाते हैं और सभी मूल्यों को निकटतम 2 दशमलव मिलियन पर पूर्णांक में बदला जाता है सिवाय जहाँ अन्यथा बताया गया हो।

उचित मूल्य मापन

उचित मूल्य वह मूल्य होता है जो किसी परिसंपत्ति की बिक्री पर प्राप्त किया जाएगा अथवा जिसका भुगतान किसी देयता के अंतरण हेतु वर्तमान बाजार स्थितियों के अधीन मापन तिथि को बाजार प्रतिभागियों के मध्य एक व्यवस्थित लेन–देन में किया जाएगा।

कंपनी उचित मूल्य पर मापी गई परिसंपत्तियों तथा देयताओं को तीन स्तरों में से एक में श्रेणीबद्ध करता है जो उनके मापन में नियोजित आदानों को देख पाने की क्षमता पर निर्भर करता है जिसका वर्णन निम्नानुसार है :

(क) स्तर 1 आदान समान परिसंपत्तियों या देयताओं हेतु सक्रिय बाजार में उद्धृत मूल्य (गैर–समायोजित) होते हैं।

(ख) स्तर–2 आदान ऐसे आदान होते हैं जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर किसी परिसंपत्ति या देयता हेतु स्तर–1 के भीतर शामिल उद्धृत मूल्यों के अतिरिक्त देखे जा सकते हैं।

(ग) स्तर –3 ऐसे आदान होते हैं जो बाजार में प्रतिभागिता वालों द्वारा मूल्य निर्धारण के संबंध में देखे जा सकने वाले संबंधित बाजार डाटा या कंपनी की मान्यताओं में महत्वपूर्ण संशोधनों को दर्शाते हुए परिसंपत्ति या देयता हेतु देखे न जा सकने वाले आदान देते हैं।

3.3 अनुषंगी कंपनी, एसोसिएट और संयुक्त उद्यमों में निवेश

कंपनी द्वारा अनुषंगी कंपनी, एसोसिएट और संयुक्त उद्यमों में निवेश को लागत घटा क्षति हानि, यदि कोई हो, पर रिकार्ड किया जाता है।

जब कंपनी अनुषंगियों की ओर से वित्तीय गारंटी जारी करती है, तो प्रारंभ में यह वित्तीय गारंटियों को उनके उचित मूल्य पर मापती है तथा बाद में निम्नलिखित में उच्चतर में मापी जाती है :

i. इंड एएस 109 "वित्तीय लिखत" की क्षति अपेक्षताओं के अनुसार निर्धारित हानि भत्ते की राशि; और

ii. प्रारंभ में मान्यता दी गई राशि, जब उचित हो, घटा इंड एएस 18 "राजस्व" के सिद्धांतों के अनुसार मान्यता दी गई आय की संचित राशि।

कंपनी वित्तीय गारंटी के प्रारंभिक मूल्य को मानद निवेश के रूप में रिकार्ड करती है तथा तदनुरूपी देयता को वित्तीय गारंटी बाध्यता के अंतर्गत एक विलंबित राजस्व के रूप में दर्ज किया जाता है। ऐसे मानद निवेश को अनुषंगी कंपनियों में निवेश की वहन राशि में जोड़ा जाता है। विलंबित राजस्व को अन्य आय के रूप में जारी वित्तीय गारंटी की शेष अवधि पर लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी जाती है।

अनुषंगी कंपनी, एसोसिएट और संयुक्त उद्यम में निवेश के निपटान पर निवल निपटान प्राप्तियों तथा वहन राशियों (मानद निवेश में कमी के तदनुरूपी मूल्य सहित) के मध्य अंतर को लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी जाती है।

अनुषंगी कंपनी को मुहैया करवाएं गए ऋण मुक्त ब्याज को संवितरण की तिथि को उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है और उचित मूल्य में अंतर को अनुषंगी कंपनी में मानद निवेश माना जाता है। ऐसे मानद निवेश को अनुषंगी कंपनियों में निवेश की वहन राशि पर जोड़ा जाता है। ऋणों को प्रभावी ब्याज दर का उपयोग करते हुए परिशोधित लागत पद्धति पर लेखांकित किया जाता है। यदि किसी अनुषंगी कंपनी द्वारा ऋण का जल्द पुनर्भुगतान किया जाता है, तो पहले मान्यता दिए गए मानद निवेश की अनुपातिक राशि को समायोजित किया जाता है।

3.4 संयुक्त प्रचालनों में हित

संयुक्त प्रचालन एक ऐसी संयुक्त व्यवस्था है जिसके द्वारा व्यवस्था के संयुक्त नियंत्रण वाले पक्षों का उस व्यवस्था से संबंधित परिसंपत्तियों पर अधिकार और देयताओं हेतु दायित्व होता है।

कंपनी के पास भारत सरकार और विभिन्न कॉरपोरेट निकायों के साथ अन्वेषण, विकास तथा उत्पादन क्रियाकलापों हेतु उत्पादन साझेदारी संविदा (पीएससी) की प्रकृति के संयुक्त प्रचालन है।

परिसंपत्तियों तथा देयताओं में कंपनी का अंश और साथ में संयुक्त प्रचालनों को आरोप्य आय तथा व्यय को लाइन–दर–लाइन आधार पर वित्तीय विवरणों की समान मदों के साथ मिलाया जाता है और मूल्यह्रास, क्षय, सर्वेक्षण, शुष्क कुएं, समाप्त किए जाने के प्रावधान, क्षति और साइडट्रेकिंग को कंपनी की लेखांकन नीतियों के अनुसार समायोजित किया जाता है।

ऐसे क्षेत्रों में हाइड्रोकार्बन संसाधनों को कंपनी के प्रतिभागिता हित के अनुपात में दिया जाता है।

किसी ब्लाक में हित की बिक्री पर लाभ या हानि को लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी जाती है सिवाय जब ऐसी बिक्री के समय किसी लाभ को मान्यता न दी गई हो क्योंकि प्रतिधारित हित पर लागू लागतों की वसूली के संबंध में भारी अनिश्चितता मौजूद थी अथवा यदि कंपनी की भविष्य के निष्पादन हेतु व्यापक बाध्यता विद्यमान थी। ऐसी स्थिति में लाभ को उस ब्लाक से संबंधित लागत की वसूली समझा जाता है।

3.5 बिक्री हेतु धारित गैर–चालू परिसंपत्तियां

बिक्री हेतु धारित के रूप में वर्गीकृत गैर–चालू परिसंपत्तियों या निपटान समूहों का मापन वहन मूल्य के निम्नतर स्तर तथा उचित मूल्य घटा बिक्री लागत पर किया जाता है।

गैर–चालू परिसंपत्तियों अथवा निपटान समूहों को बिक्री हेतु धारित के रूप में तब वर्गीकृत किया जाता है यदि उनकी वहन राशि को प्रधान रूप से एक बिक्री लेन देन के माध्यम से वसूला जाएगा बजाए उनके सतत उपयोग के माध्यम से। इस शर्त को केवल तब ही पूरा माना जाता है जब बिक्री अत्यधिक संभाव्य हो और परिसंपत्ति या निपटान समूह अपने वर्तमान स्थिति में तत्काल बिक्री के लिए उपलब्ध हो जो केवल उन्हीं शर्तों के अधीन होगा जो ऐसी परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए सामान्य तथा प्रचलित हैं। प्रबंधन बिक्री के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए जिसे बिक्री हेतु धारित के रूप में वर्गीकरण की तिथि से एक वर्ष के भीतर एक पूर्ण बिक्री के रूप में मान्यता देने के लिए अर्हक

होने की प्रत्याशा की जाती है , और बिक्री की योजना को पूरा करने के लिए अपेक्षित कार्रवाइयों में यह दर्शाया गया होना चाहिए कि इसकी संभावना नहीं है कि योजना में बड़े परिवर्तन किए जाएंगे अथवा योजना को वापिस ले लिया जाएगा।

संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण (पीपीई) और अमूर्त परिसंपत्तियों को बिक्री हेतु धारित के रूप में वर्गीकृत किए जाने के पश्चात उनका मूल्यह्रास अथवा परिशोधन नहीं किया जाता है।

3.6 सरकारी अनुदान

उचित मूल्य पर गैर–मौद्रिक अनुदानों सहित सरकारी अनुदानों को तब तक मान्यता प्रदान नहीं की जाती है जब तक कि इसका कोई तर्कसंगत आश्वासन हो कि कंपनी उसके साथ जुड़ी शर्तों का पालन करेगी और अनुदान प्राप्त होंगे।

सरकारी अनुदान जिसकी प्राथमिक शर्त यह हो कि कंपनी गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों की खरीद, निर्माण या अन्यथा उनका अधिग्रहण करेगा तथा गैर–मौद्रिक अनुदानों को तुलन–पत्र में गैर–वर्तमान देयता के रूप में "विलंबित आय" के रूप् में मान्यता दी जाती है तथा प्रकट किया जाता है और इसे संबंधित परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवनकाल में एक व्यवस्थित तथा तर्कसंगत आधार पर लाभ एवं हानि के विवरण को अंतरित किया जाता है।

3.7 संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण (तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के अतिरिक्त)

कंपनी ने पूर्ववर्ती जीएएपी के अनुसार मापी गई 1 अप्रैल, 2015 (परिवर्तन तिथि) की यथा स्थिति को मान्यता प्रदान की गई अपनी सभी संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण के वहन मूल्य को जारी रखने का विकल्प चुना था और उस वहन मूल्य को परिवर्तन तिथि के अनुसार मानद लागत माना था सिवाय समाप्त किए जाने के प्रावधानों से संबंधित समायोजन के।

वस्तुओं अथवा सेवाओं के उत्पादन या आपूर्ति में उपयोग, अथवा प्रशासनिक प्रयोजनों हेतु धारित भूमि तथा भवनों को तुलन–पत्र में लागत घटा संचित मूल्यह्रास तथा क्षति हानियों, यदि कोई हो, पर बताया जाता है। फ्री–होल्ड भूमि तथा स्थायी पट्टे के अंतर्गत होने वाली भूमि का मूल्यह्रास नहीं किया जाता है।

उत्पादन, आपूर्ति अथवा प्रशासनिक प्रयोजनों हेतु निर्माण के दौरान संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण (पीपीई) को लागत घटा किसी मान्य क्षति–हानि पर लिया जाता है। किसी परिसंपत्ति की लागत में उसका क्रय मूल्य अथवा उसकी निर्माण लागत (लागू कर क्रेडिट का निवल), परिसंपत्ति को स्थल पर लाने तथा उसे प्रबंधन द्वारा मंशा व्यक्त किए गए तरीके से प्रचालन में समर्थ बनाने हेतु आवश्यक स्थिति में लाने तथा नोट 3.13 के अनुसार हटाए जाने की लागत को आरोप्य होने वाली कोई भी प्रत्यक्ष लागत शामिल होती है। इसमें पेशेवर शुल्क और अर्हक परिसंपत्तियों हेतु कंपनी की लेखांकन नीति के अनुसार पूंजीकृत ऋण लागतें शामिल होती हैं। ऐसी संपत्तियों को पूर्ण होने तथा वांछित उपयोग हेतु तैयार होने पर पीपीई की उचित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है। भिन्न उपयोगी जीवनकाल तथा अधिक मूल्य होने वाले पीपीई की किसी मद के हिस्सों और पूंजीगत सुधार या अन्य कारकों के कारण उत्पन्न होने वाले संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण संबंधी बाद के व्यय को पृथक घटकों के रूप मे लेखांकित किया जाता है। रिगों तथा वेसलों की ड्राइ डाकिंग पर व्यय को संगत परिसंपत्तियों के घटक के रूप में लेखांकित किया जाता है।

इन पीपीई का मूल्यह्रास तब प्रारंभ होता है जब परिसंपत्तियां उनके वांछित उपयोग हेतु तैयार हों।

मूल्यह्रास पीपीई (फ्रीहोल्ड भूमि, निर्माणाधीन तेल तथा गैस परिसंपत्तियों और संपत्तियों के अतिरिक्त) की लागत घटा उनके अवशिष्ट मूल्यों पर, मूल्यह्रासित पद्धति (सिवाय पूंजीकृत ड्राइ डॉकिंग घटकों के) का उपयोग करते हुए कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–2 में बताए गए अनुसार अथवा कंपनी द्वारा किए गए तकनीकी आकलन के आधार पर पीपीई के उपयोगी जीवनकाल पर किया जाता है। इन परिसंपत्तियों का उपयोगी जीवनकाल निम्नानुसार है :

विवरण	उपयोगी जीवनकाल वर्षों में
भवन तथा बंक गृह	3 to 60
संयंत्र और मशीनरी	2 to 40
फर्नीचर एवं फिक्सचर	3 to 15
वाहन	5 to 20
कार्यालय उपकरण	2 to 20

अनुमानित उपयोगी जीवनकाल, अवशिष्ट मूल्यों तथा मूल्यह्रास पद्धति की समीक्षा वार्षिक आधार पर की जाती है और आवश्यक होने पर अनुमानों में परिवर्तन संदर्शी रूप से किए जाते हैं।

वर्ष के दौरान पीपीई (तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के अतिरिक्त) पर वर्धन/कटौती के संबंध में मूल्यह्रास का प्रावधान यथानुपात आधार पर वर्धन/हटाए जाने की तिथि के संदर्भ में किया जाता है सिवाय 5000/– रूपये से अधिक न होने वाली निम्न मूल्य मदों के जिनका पूर्ण मूल्यह्रास वर्धन के समय पूरी तरह से कर दिया जाता है।

पीपीई (तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के अतिरिक्त) पर पूंजीगत सुधार या अन्य कारकों के चलते बाद में किए जाने वाले व्यय हेतु उसके शेष उपयोगी जीवनकाल पर संदर्शी रूप से मुहैया करवाया जाता है।

नवीकृत/पुनरूद्धार किए गए पीपीई (तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के अतिरिक्त) पर मूल्यह्रास, जिन्हें पृथक रूप से पूंजीकृत किया जाता है, पुनः आंकलित उपयोगी जीवनकाल पर किया जाता है।

संगत रिग/वेसल के घटक के रूप में पूंजीकृत रिग तथा वेसलों की ड्राइ डॉकिंग संबंधी व्यय पर मूल्यह्रास को सीधी रेखा पद्धति पर ड्राइ डॉक अवधि पर प्रभारित किया जाता है।

अन्वेषणात्मक/विकास ड्रिलिंग हेतु प्रयुक्त सपोर्ट उपकरण तथा सुविधाओं सहित पीपीई (तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के अतिरिक्त) पर मूल्यह्रास को प्रारंभ में ड्रिलिंग लागत के भाग के रूप में पूंजीकृत किया जाता है और उसका व्यय/निपटान नोट 3.11 के अनुसार किया जाता है। सर्वेक्षण क्रियाकलापों हेतु नियोजित उपकरण/परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास को लाभ एवं हानि के विवरण पर प्रभारित किया जाता है।

वित्त पट्टों के अंतर्गत धारित परिसपंतियों का मूल्यह्रास उनके उपयोगी जीवनकाल पर स्वामित्व वाली परिसपंत्तियों के समान आधार पर ही किया जाता है।

पीपीई की किसी मद को निपटान के समय अथवा परिसंपत्ति के सतत उपयोग से भविष्य में कोई आर्थिक लाभ प्रत्याशित न होने पर विमान्य कर दिया जाता है। पीपीई की किसी मद के निपटान या हटाए जाने पर होने वाले किसी लाभ या हानि का निर्धारण बिक्री प्राप्तियों तथा परिसंपत्ति की वहन राशि के मध्य अंतर के रूप में किया जाता है और उसे लाभ एवं हानि के विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है।

3.8 अमूर्त परिसंपत्तियां

(i) अलग से खरीदी गई अमूर्त परिसंपत्तियां

कंपनी ने पूर्ववर्ती जीएएपी के अनुसार मापी गई 1 अप्रैल, 2015 (परिवर्तन तिथि) की यथा स्थिति को मान्यता प्रदान की गई अपनी सभी अमूर्त परिसंपत्तियों के वहन मूल्य को जारी रखने का विकल्प चुना था और उस वहन मूल्य को परिवर्तन तिथि के अनुसार मानद लागत माना था।

निश्चित उपयोगी जीवनकाल वाली अमूर्त परिसंपत्तियां जिन्हें पृथक रूप से खरीदा जाता है, उन्हें लागत घटा संचित परिशोधन तथा क्षति हानियो पर लिया जाता है। परिशोधन को पूंजीकरण की तिथि से 5 वर्ष से अधिक न होने वाली उनके उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा आधार पर मान्यता दी जाती है। अनुमानित उपयोगी जीवनकाल की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में की जाती है और अनुमान में किसी परिवर्तन के प्रभाव को संदर्शी रूप से रेखांकित किया जाता है।

किसी अमूर्त परिसंपत्ति को निपटान अथवा उपयोग या निपटान से भविष्य मे कोई आर्थिक लाभ न होने की संभावना पर विमान्य किया जाता है। किसी अमूर्त परिसंपत्ति को विमान्य किए जाने से उत्पन्न होने वाले लाभों तथा हानियों का मापन निवल निपटान प्राप्तियों तथा परिसंपत्ति की वहन राशि के मध्य अंतर के रूप में किया जाता है और इसे परिसंपत्ति को विमान्य किए जाने पर लाभ एवं हानि विवरण में दर्शाया जाता है।

(ii) विकास के अधीन होने वाली अमूर्त परिसंपत्तियां – प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं

अन्वेषणात्मक तथा मूल्यांकन कुओं के ड्रिलिंग तथा उन्हें उपकरण प्रदान किए जाने में वहन की गई सारी अन्वेषण तथा मूल्यांकन लागतों को प्रारंभ में विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियों–प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं के रूप में पूंजीकृत किया जाएगा जब तक कि इन्हें या तो नोट संख्या 3.11 के अनुसार पूर्णता पर तेल तथा गैस परिसंपत्तियों को अंतरित करवाया जाए अथवा शुष्क या और उपयोग न होने, जैसा भी मामला हो, वाले के रूप में निर्धारित किए जाने के पश्चात अन्वेषण तथा मूल्यांकन लागत (आवंटित मूल्यह्रास सहित) के रूप में व्यय दर्शाया जाए।

अन्वेषणात्मक प्रकार के स्ट्रेटीग्राफिक जांच कुओं की ड्रिलिंग की लागत को प्रारंभ में विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियों–प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं के रूप में पूंजीकृत किया जाएगा जब तक कि इन्हें या तो नोट संख्या 3.11 के अनुसार पूर्णता पर तेल तथा गैस परिसंपत्तियों को अंतरित करवाया जाए अथवा शुष्क या पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस को छोड़ने वाले के रूप में निर्धारित किए जाने के पश्चात अन्वेषण तथा मूल्यांकन लागत (आवंटित मूल्यह्रास सहित) के रूप में व्यय दर्शाया जाए।

आगे न ले जाए गए अन्वेषणात्मक कुओं की लागत जब तक यह तर्कसंगत रूप से दर्शाया न जाए कि भडारो की पर्याप्त मात्रा के संकेत है भंडारो का आकलन करने मे पर्याप्त प्रगति हुई है तथा परियोजना आर्थिक एव प्रचालन रूप से अर्थक्षम है।

आगे ले जाई गई ऐसी सारी लागतें कंपनी की नीति के अनुसार क्षति हेतु समीक्षा के अधीन हैं।

3.9 मूर्त तथा अमूर्त परिसंपत्तियों की क्षति

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में किसी "नकदी उत्पादन इकाई" (सीजीयू) की अपनी मूर्त तथा अमूत परिसंपत्तियों (तेल तथा गैस परिसंपत्तियां, प्रगतिधीन विकास कुएं (डीडब्ल्यूआईपी), और संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण (प्रगतिधीन पूंजी कार्यों सहित) की समीक्षा यह निर्धारित करने के लिए करता है कि क्या इसका कोई संकेत है कि ऐसी परिसंपत्तियों को क्षति हानि हुई है। यदि ऐसा कोई संकेत मौजूद होता है तो परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान हानि क्षति (यदि कोई हो) की सीमा के निर्धारण के लिए लगाया जाता है। जब किसी पृथक संपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाना संभव नहीं होता तो कंपनी उस परिसंपत्ति के नकदी उत्पादन इकाई की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाता है।

वसूली योग्य राशि उचित मूल्य घटा निपटान की लागत तथा उपयोग के मूल्य से अधिक होगी। उपयोग में होने वाले मूल्य का आकलन करते समय अनुमानित भविष्य

के नकदी प्रवाहों को एक कर–पूर्व छूट दर का उपयोग करते हुए उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है जो धन के समय मूल्य के वर्तमान बाजार आकलन और उस परिसपंत्ति से जुड़े विशिष्ट जोखिमों को दर्शाता है जिसके लिए भविष्य के नकदी प्रवाह के अनुमानों को समायोजित नहीं किया गया है।

यदि किसी परिसंपत्ति (अथवा नकदी उत्पादन इकाई) की वसूली योग्य राशि का अनुमान इसकी वहन राशि से कम लगाया गया हो तो परिसंपत्ति (अथवा नकदी उत्पादन यूनिट) की वहन राशि को कम करके उसकी वसूली योग्य राशि तक लाया जाता है। हानि क्षति को तत्काल लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी जाती है।

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में यह देखने के लिए आकलन किया जाता है कि इसके कोई संकेत हैं कि पहले पहचान की गई हानि क्षति के कोई संकेत अब मौजूद हैं अथवा कम हो गए हैं। पिछली हानि क्षति को मान्यता दिए जाने के समय से परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि के निर्धारण में प्रयुक्त अनुमानों में कोई परिवर्तन होने से हानि क्षति को वापिस किया जाता है। यदि ऐसा हो तो परिसंपत्ति की वहन राशि को बढ़ाकर इसके वसूली योग्य मूल्य से कम पर लाया जाता है और मूल्यह्रास के निवल निर्धारित की गई वहन राशि में पिछले वर्षों हेतु किसी क्षति हानि को मान्यता नही दी जाती है। वापिस किए जाने के पश्चात मूल्यह्रास प्रभार को भविष्य की अवधियों में परिसंपत्ति की संशोधित वहन राशि को आवंटित किया जाता है, किसी अवशिष्ट मूल्य को घटाते हुए, इसके शेष उपयोगी जीवनकाल में एक व्यवस्थित आधार पर हानि क्षति की वापिसी को लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी जाती है।

अन्वेषणात्मक और मूल्यांकन परिसंपत्तियों का क्षति हेतु परीक्षण तब किया जाता है जब निकट भविष्य में आगे के अन्वेषण क्रियाकलापों की योजना नहीं बनाई जाती अथवा जब यह दर्शाने के लिए पर्याप्त डाटा मौजूद होता है यद्यपि विशिष्ट क्षेत्र में विकास के होने की संभावना है, अन्वेषण परिसंपत्ति की वहन राशि को सफल विकास या बिक्री द्वारा पूरी तरह से वसूले जाने की संभावना नहीं है। क्षति को बाद में इस सीमा तक वापिस किया जाता है कि क्षति हेतु स्थितियों अब मौजूद नहीं हैं।

3.10 अन्वेषण और मूल्यांकन, विकास एवं उत्पादन लागत

(i) अधिग्रहण–पूर्व लागत

तेल एवं गैस के अन्वेषण, विकास और उत्पादन के अधिकार को प्राप्त करने से पूर्व किए गए व्यय को किए जाने पर लिया जाता है।

(ii) अधिग्रहण लागत

तेल एवं गैस संपत्ति की अधिग्रहण लागत खनिज हित को प्राप्त करने से संबंधित लागत है और उसका लेखांकन उपचार निम्नानुसार किया जाता है :–

अन्वेषण और विकास चरण

अन्वेषण या विकास के अंतर्गत होने वाली परियोजनाओं से संबंधित अधिग्रहण लागत को प्रारंभ में क्रमशः विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां – प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं अथवा विकासाधीन तेल और गैस परिसंपत्तियां – प्रगतिधीन विकास कुएं के रूप में लेखांकित किया जाता है। ऐसी लागतों को तब तेल और गैस परिसंपत्त्यिों को अंतरित करते हुए पूंजीकृत किया जाता है जब कुआं वाणिज्कि उत्पादन प्रारंभ करने के लिए तैयार हो जाता है। विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों – प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुओं के परित्याग/छोड़ दिए जाने के मामले में, ऐसी लागतों को बट्टे खाते में डाला जाता है।

उत्पादन चरण

उत्पादनशील तेल एवं गैस परिसंपत्ति की अधिग्रहण लागत को तेल तथा गैस परिसंपत्ति के अंतर्गत प्रमाणित संपत्ति अधिग्रहण लागत के रूप में पूंजीकृत किया जाता है और अंतर्निहित परिसंपत्तियों के प्रमाणित भंडारों पर उत्पादन पद्धति की इकाई का उपयोग करते हुए परिशोधित किया जाता है।

(iii) सर्वेक्षण लागत

सर्वेक्षण लागत तथा तेल एवं गैस की खोज में संचालित सर्वेक्षण क्रियाकलापों को उसी वर्ष में अन्वेषण लागत के रूप में व्यय में दर्शाया जाता है, जिसमें उन्हें व्यय किया जाता है।

(iv) विकासाधीन तेल और गैस परिसंपत्ति प्रगतिधीन विकास कुएं

विकास कुओं से संबंधित सभी लागतों को प्रारंभ में ''प्रगतिधीन विकास कुए'' के रूप में पूंजीकृत किया जाता है और ''पूर्णता'' पर ''तेल और गैस परिसंपत्तियों'' को अंतरित किया जाता है।

(v) उत्पादन लागत

उत्पादन लागत में सहायक उपस्कर एवं सुविधाओं के मूल्यह्रास एवं लागू प्रचालन लागतों सहित कूप–पूर्व शीर्ष एवं कूप–पश्चात शीर्ष व्यय सम्मिलित रहते हैं।

3.11 तेल एवं गैस परिसंपत्तियाँ

कंपनी ने पूर्ववर्ती जीएएपी के अनुसार मापी गई 1 अप्रैल, 2015 (परिवर्तन तिथि) की यथा स्थिति को मान्यता प्रदान की गई अपनी सभी तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के वहन मूल्य को जारी रखने का विकल्प चुना था और उस वहन मूल्य को परिवर्तन तिथि के अनुसार मानद लागत माना था सिवाय समाप्त किए जाने के प्रावधानों से संबंधित समायोजन के।

तेल एवं गैस परिसंपत्तियों को ऐतिहासिक लागत में से संचित क्षय और क्षति हानियों को घटाकर दर्शाया जाता है। जब किसी क्षेत्र/फील्ड में कोई कूप वाणिज्यिक उत्पादन के लिए तैयार हो जाता है, तब इन्हें प्रमाणित विकसित तेल एवं गैस भंडारों वाले क्षेत्र/फील्ड के संबंध में सृजित किया जाता है।

भूमि के अस्थायी अधिग्रहण, सफल अन्वेषणात्मक कूपों, सभी विकसित कूओं (सेवा कुओं सहित), ड्रिलिंग हेतु प्रयुक्त सम्बद्ध उपस्कर पर मूल्यह्रास एवं अनुमानित भावी परित्याग लागतों को पूंजीगत किया जाता है तथा इन्हें तेल एवं गैस संपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

"उत्पादन की यूनिट पद्धति" का उपयोग करते हुए तेल तथा गैस परिसंपत्तियों का क्षय किया जाता है। क्षय के दर की गणना पृथक पटटे/लाइसेंस/परिसंपत्ति/फील्ड/परियोजना/परिशोधन आधार द्वारा कवर किए गए क्षेत्र के संदर्भ में प्रमाणित विकसित संसाधनों और अनुमानित भविष्य की समाप्ति/परित्याग लागत जो अंतिम मूल्य के निवल होगी, सहित वहन की गई संबंधित पूंजी लागतों और प्रमाणित विकसित भण्डारों पर विचार करते हुए की जाती है। तेल तथा गैस परिसंपत्तियों की अधिग्रहण लागत को प्रमाणित भण्डारों पर विचार करते हुए क्षय किया जाता है। इन भण्डारों का अनुमानन वार्षिक तौर पर कम्पनी की भण्डार आकलन समिति द्वारा किया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय भण्डार अभियांत्रिकी प्रक्रियाओं का पालन करती है।

3.12 साइड ट्रैकिंग

अन्वेषणात्मक कुएं के मामले में, साइड ट्रैकिंग की लागत के साथ वैसा ही व्यवहार किया जाता है जैसा कि किसी नए अन्वेषणात्मक कुएं पर व्यय की गई लागत के साथ। साइड ट्रैक किए गए अन्वेषणात्मक कुओं के परित्यक्त कूप की लागत को ''बट्टेखाते में डाली गई अन्वेषणात्मक कूप लागत'' के रूप में व्यय दर्शाया जाता है।

विकास कुएं के मामले में, परित्यक्त भाग और साइड ट्रैकिंग की समूची लागत को पूंजीकृत किया जाता है।

उत्पादनशील कुओं के मामले में, यदि साइड ट्रैकिंग अतिरिक्त प्रमाणित विकसित तेल तथा गैस भण्डारों में परिणत होती है या कार्य–निष्पादन के पूर्व में आकलित मानक से परे भविष्य के आर्थिक लाभों में वृद्धि करती है, तो कुएं के परित्यक्त भाग की लागत का क्षय सामान्य तरीके से किया जाता है। अन्यथा साइड ट्रैकिंग की लागत को ''वर्क–ओवर व्यय'' के रूप में दर्शाया जाता है।

3.13 समापन लागत

समापन लागत में पुनरूद्धार की लागत शामिल होती है। समाप्त किए जाने की लागतों हेतु प्रावधानों को मान्यता तब दी जाती है जब कंपनी की किसी कुएं को प्लग तथा परित्याग करने की कोई कानूनी या निर्माण संबंधी बाध्यता हो, किसी सुविधा अथवा संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण की मद को हटाना हो और जिस स्थल पर वह स्थित था उसका पुनरूद्धार करना हो। समाप्त किए जाने, परित्याग किए जाने तथा कुआं स्थलों और संबंधित सुविधाओं के पुनरूद्धार से संबंधित लागतों के प्रति कुओं अंतिम अनुमानित देयता की पहचान संबंधित परिसंपत्तियों में तब की जाती है जब कुआं/सुविधाएं पूर्ण हो अथवा संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरणों को स्थापित किया गया हो।

अनुमानित भविष्य के व्यय के वर्तमान मूल्य में मान्यता दी गई राशि का निर्धारण वर्तमान मूल्यों पर विद्यमान प्रौद्योगिकी का उपयोग करके तथा समाप्ति की प्रत्याशित तिथि तक उचित मुद्रास्फीति दर का उपयोग करके इसे बढाकर और उचित जोखिम मुक्त छूट दर का प्रयोग करते हुए रिपोर्टिंग तिथि तक छूट देकर किया जाता है।

समाप्ति प्रावधान के समतुल्य राशि को अन्वेषणात्मक कुएं या संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण की लागत के साथ मान्यता प्रदान की जाती है। शुष्क कुओं के संबंध में समाप्ति लागत का व्यय अन्वेषणात्मक कुआं लागत के रूप में किया जाता है।

छूट को आवधिक रूप से दिए जाने के अतिरिक्त अनुमानित समाप्ति व्यय के वर्तमान मूल्य में किसी परिवर्तन को समाप्ति प्रावधान तथा संबंधित परिसंपत्ति के तदनुरूपी वहन मूल्य में समायोजित किया जाता है। समाप्ति प्रावधान की वापिसी संबंधित परिसंपत्ति की तदनुरूपी वहन राशि से अधिक होने पर आधिक्य राशि को लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है। प्रावधान पर छूट की समाप्ति को लाभ एवं हानि विवरण पर वित्त लागत के रूप में प्रभारित किया जाता है।

संयुक्त प्रचालनों के अंतर्गत परिसंपत्तियों के संबंध में समाप्ति लागत हेतु प्रावधान को कंपनी के प्रतिभागिता हित के अनुरूप संबंधित प्रचालन समिति द्वारा अनुमोदित अनुमानों के आधार पर लिया जाता है। जहां–कहीं उक्त को संबंधित प्रचालन समिति द्वारा अनुमोदित नहीं किया जाता, कंपनी द्वारा बद किए जाने के लागत अनुमानों को लिया जाता है।

3.14 माल–सूची

तैयार माल (गंधक को छोड़कर) तथा पाइपलाइनों/टैंकों में मालसूची एवं कार्बन क्रेडिट को लागत या शुद्ध उगाही योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर मूल्यांकित किया जाता है। तैयार माल की लागत समावेशन लागत विधि के आधार पर निर्धारित की जाती है। गंधक को शुद्ध उगाही योग्य मूल्य पर मूल्यांकित किया जाता है। मालसूचियों के मूल्य में उत्पाद शुल्क, रायल्टी (जहां कहीं लागू हो) शामिल रहते है, परंतु उपकर शामिल नहीं रहता है।

समूह एकत्रीकरण स्टेशनों (जीजीएस) पर अर्द्ध–परिशोधित कच्चे तेल को अवशोषण लागत पद्धति से अथवा शुद्ध प्राप्य मूल्य, जो भी कम हो, पर मूल्यांकित किया जाता है।

समूह एकत्रीकरण स्टेशनों/प्लेटफॉर्म तक प्रवाह लाइनों में गैर परिशोधित स्थिति में खनिज तेल को मूल्यांकित नहीं किया जाता है क्योंकि यह मापन–योग्य नहीं है। प्राकृतिक गैस का मूल्यांकन नहीं किया जाता क्योंकि इसे भंडारित नहीं किया जाता है।

अप्रयोज्य तथा निष्प्रयोज्य मदों के निर्धारण पर अनुमानित निवल वसूली योग्य मूल्य पर उनकी गणना की जाती है।

3.15 राजस्व मान्यता

उत्पादों की बिक्री से उत्पन्न राजस्व को तब मान्यता दी जाती है जब स्वामित्व के व्यापक जोखिम तथा प्रोत्साहन क्रेता को सौंप दिए जाते हैं, जो ग्राहकों को अभिरक्षा के अंतरण बिन्दु पर होती है और राजस्व की राशि का मापन विश्वसनीय ढंग से किया जा सकता है तथा यह संभावना है कि लेन देन से संबद्ध आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे।

सेवाओं से राजस्व को तब मान्यता दी जाती है जब सेवाओं के परिणाम का विश्वसनीय तौर पर अनुमान लगाया जा सके और यह संभावना हो कि सेवाओं के प्रदान किए जाने से संबद्ध आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे और राजस्व की राशि का मापन विश्वसनीय ढंग से किया जा सकेगा।

राजस्व का मापन प्राप्त या प्राप्य मूल्य के उचित मान पर किया जाता है और यह व्यापार के सामान्य चालन के दौरान प्रावधान की गई वस्तुओं तथा सेवाओं हेतु प्राप्य राशि को दर्शाता है जो छूट, सेवाकर/ वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी)/बिक्री कर आदि के निवल होगी। मूल्यों के किसी भी पश्चगामी संशोधन को ऐसे संशोधन के वर्ष में लेखांकित किया जाता है।

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों–प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुओं/विकासाधीन तेल तथा गैस परिसंपत्तियों–प्रगतिधीन विकास कुओं से उत्पादित खनिज तेल और प्राकृतिक गैस की बिक्री (करों का निवल) की ऐसे कुओं पर किए गए व्यय में से कटौती की जाती है।

निम्नलिखित के संबंध में राजस्व को तब मान्यता दी जाती है जब अंतिम एकत्रीकरण के संबंध में एक तर्कसंगत निश्चितता हो :

(1) गैस की कम उठान की गई मात्रा

(2) गैस पूल लेखे से अधिशेष

(3) ग्राहकों से विलंबित वसूली पर ब्याज

(4) संविदाकारों/आपूर्तिकारों से परिसमाप्त क्षतियां

तेल तथा गैस भण्डारों के निष्कर्षण हेतु भारत सरकार के साथ की गई उत्पादन साझेदारी संविदाओं के अनुसार लागत की वसूली के पश्चात भण्डारों के दोहन से होने वाली आय में से राजस्व के एक भाग का भुगतान भारत सरकार को किया जाता है जिसे लाभ पेट्रोलियम कहते हैं और इसे उत्पादों की बिक्री से लाभ पेट्रोलियम में भारत सरकार के अंश के रूप में घटाया जाता है।

लाभांश और ब्याज आय

निवेशों से लाभांश आय को तब मान्यता दी जाती है जब भुगतान प्राप्त करने का शेयरधारक का अधिकार स्थापित हो जाता है।

वित्तीय परिसंपत्तियों से ब्याज आय को लागू प्रभावी ब्याज दर पद्धति पर प्रारंभिक मान्यता दी जाती है।

3.16 पट्टे

पट्टे तब वित्तीय पट्टों के रूप में वर्गीकृत किए जाते हैं जहां पट्टा अंतरण की शर्तें किसी परिसंपत्ति के स्वामित्व से प्रासंगिक सभी जोखिमों तथा पुरस्कारों को व्यापक रूप से कंपनी को अंतरित कर दें। अन्य सभी पट्टों को प्रचालन के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

स्थायी पट्टे के अंतर्गत होने वाली भूमि को वित्तीय पटटे के रूप में रेखांकित किया जाता है जिसे पटटे हेतु अदा किए गए एकमुश्त प्रीमियम तथा पट्टा किराया बाध्यता के वर्तमान मूल्य पर मान्यता दी जाती है। तदनुरूपी देयता को वित्तीय पटटा देयता के रूप में मान्यता दी जाती है। गैर–स्थायी पट्टों के अंतर्गत भूमि को प्रचालनशील पट्टे के रूप में लिया जाता है।

प्रचालनशील पट्टा भुगतानों को पूर्व भुगतान के रूप में मान्यता दी जाती है और इन्हें पट्टे की अवधि पर एक सरल रेखा आधार पर परिशोधित किया जाता है। आकस्मिक किराया, यदि कोई हो, जो प्रचालनशील पट्टों के अंतर्गत उत्पन्न होता हो, उन्हें उनके वहन किए जाने की अवधि में व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है।

3.17 विदेशी मुद्रा लेन–देन

कंपनी की क्रियात्मक मुद्रा भारतीय रूपया है जो उसके प्रचालन के प्राथमिक आर्थिक परिवेश की मुद्रा को दर्शाता है।

संबंधित निकाय की क्रियात्मक मुद्रा (विदेशी मुद्रा) के अंतिरिक्त मुद्राओं में लेन–देन की पहचान लेन–देन की तिथि को विद्यमान विनिमय की दरों पर की जाती है। प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में विदेशी मुद्राओं में दर्शायी गई मौद्रिक मदों को रिपोर्टिंग अवधि के अंतिम दिवस को विद्यमान विनिमय दर का उपयोग करके परिवर्तित किया जाता है।

मौद्रिक मदों पर विनिमय अंतर को लाभ तथा हानि विवरण में उस अवधि में मान्यता दी जाती हैं जिसमें वे उत्पन्न हुए हों।

3.18 कर्मचारी लाभ

कर्मचारी लाभ में वेतन, मजदूरी, भविष्य निधि, उपदान, छुट्टी नकदीकरण, प्रतिपूरक अनुपस्थिति, सेवानिवृत्ति

पश्च चिकित्सा लाभ और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ शामिल हैं।

सभी अल्पावधि कर्मचारी लाभों को उनके वहन किए जाने वाली लेखांकन अवधि में छूट रहित राशि के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है।

परिभाषित अंशदान योजनाएं

निर्धारित अंशदान योजनाओं के अंतर्गत कर्मचारी लाभ में भविष्य निधि, सेवानिवृत्ति पश्च लाभ योजना, कर्मचारी पेंशन योजना–1995, एकीकृत सामाजिक सुरक्षा योजना आदि को योजना में अंशदान देने वाली कंपनी की बाध्यताओं की बिना छूट वाली राशि के आधार पर मान्यता प्रदान की जाती है। उक्त का भुगतान एक पृथक न्यास के माध्यम से प्रशासित निधि द्वारा किया जाता है।

परिभाषित लाभ योजनाएं

उपदान, सेवानिवृत्ति पश्च चिकित्सा लाभ और अन्य सीमांत लाभ शामिल होने वाली निर्धारित सेवानिवृत्ति योजनाओं को निर्धारित लाभ बाध्यता के वर्तमान मूल्य के आधार पर मान्यता प्रदान की जाती है जिसकी गणना प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट पद्धति द्वारा की जाती है, बीमांकित मूल्यांकन प्रत्येक वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में किए जाते हैं। इन्हें या तो वर्तमान कर्मचारी लागत के रूप में लेखांकित किया जाता है अथवा परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किया जाता है, जैसा भी अनुमेय हो।

निवल निर्धारित देयता पर निवल ब्याज की गणना निवल निर्धारित लाभ देयता या परिसंपत्ति के प्रारंभ में छूट दर को लागू करके की जाती है और इसे लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है सिवाय यथा अनुमेय परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किए गए के अतिरिक्त।

निर्धारित सेवानिवृत्ति लाभ योजनाओं को पुनः मापन किया जाता है सिवाय लिए न गए तथा प्रतिपूरक अनुपस्थिति के प्रति नकदीकरण के, जिसमें बीमांकित लाभ तथा हानियां शामिल होती हैं, परिसंपत्ति सीमा (यदि लागू हो) में परिवर्तन और योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (ऊपर परिभाषित निवल ब्याज के अतिरिक्त) को इनके उत्पन्न होने वाली अवधि में लाभ एवं हानि विववरण में अन्य व्यापक आय में मान्यता दी जाती है सिवाय यथा अनुमेय इन परिसंपत्तियों की लागत में शामिल के और बाद में इन्हें लाभ या हानि के रूप में पुनः वर्गीकृत किया जाता है।

कंपनी उपदान और लिए न गए अवकाश के संबंध में सभी पता लगाई गई देयताओं का अंशदान क्रमशः ओएनजीसी उपदान निधि न्यास (ओजीएफटी) तथा भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को देती है। अन्य निर्धारित लाभ योजनाएं गैर–वित्त पोषित हैं।

वित्तीय विवरणों में मान्यता प्रदान की गई सेवानिवृत्ति लाभ बाध्यता कंपनी की निर्धिरित लाभ योजनाओं में वास्तविक कमी या अधिशेष को दर्शाते हैं। इस गणना से उत्पन्न होने वाला कोई अधिशेष योजनाओं को भविष्य के अंशदान में कमी के रूप में उपलब्ध किसी आर्थिक लाभ के वर्तमान मूल्य तक सीमित है।

अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभ

अन्य दीघावधि कर्मचारी लाभ में लिए न गए अवकाश तथा प्रतिपूरक अवकाश के प्रति अवकाश नकदीकरण शामिल है, जिन्हें निर्धारित बाध्यता के वर्तमान मूल्य के आधार पर मान्यता प्रदान की जाती है जिसकी गणना प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट पद्धति द्वारा की जाती है, बीमांकित मूल्यांकन प्रत्येक वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में किए जाते हैं। इन्हें या तो वर्तमान कर्मचारी लागत के रूप में लेखांकित किया जाता है अथवा परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किया जाता है, जैसा भी अनुमेय हो।

लिए न गए अवकाश तथा प्रतिपूरक अवकाश के प्रति अवकाश नकदीकरण के पुनःमापन के लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है सिवाय इनके उत्पन्न होने वाली अवधि में यथा अनुमेय परिसंपत्तियों की लागत में शामिल होने वाली के।

3.19 स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) के व्यय को व्यय किए जाने के समय लाभ तथा हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है।

3.20 सामान्य प्रशासनिक व्यय

सीधे या विशिष्ट रूप से आरोप्य होने वाले सामान्य प्रशासनिक व्ययों को क्रियाकलापों में आबंटित किया जाता है तथा शेष को लाभ एवं हानि के विवरण में प्रभारित कर दिया जाता है।

3.21 बीमा दावे

कंपनी के बीमा दावों का लेखा इस प्रकार होता है :–

परिसंपत्तियों की कुल हानि के मामलों में या तो परिसंपत्तिसंबंधी वहन लागत अथवा बीमा मूल्य (छूट के अध्यधीन) जोकि 'दावा वसूली योग्य – बीमा' शीर्षक के अंतर्गत कम है, बीमादाता को सूचित कर अंतरित किए जाते है। जहां बीमा दावे से वहन लागत कम है, लाभ तथा हानि लेखा में अंतर प्रभारित किया जाता है।

आंशिक अथवा अन्य हानियों के मामले में, ऐसी परिसंपत्तिको उपयोग में लाने के लिए उपगत व्यय/भुगतान तीसरी पार्टी अथवा अन्य देयताओं (पॉलिसी छूट को कम करके), अगर कोई है तो, बीमादाता से 'दावा वसूली योग्य–बीमा' माना गया है। बीमा पॉलिसी कटौती योग्य को जिस वर्ष व्यय होता है, उसके अगले वर्ष लेखों में डाला जाता है।

जब और जहां बीमादाता से दावे प्राप्त हुए, दावे वसूली योग्य, यदि बीमा और प्राप्त दावों के बीच कोई अंतर है तो, उसे लाभ तथा हानि लेखा में समयोजित किया जाता है।

3.22 अनुसंधान और विकास व्यय

पूंजी प्रकृति के व्यय को पूंजीकृत किया जाता है और राजस्व प्रकृति के व्यय को लाभ एवं हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है, जब उनका व्यय किया जाए।

3.23 आयकर

आयकर व्यय वर्तमान कर व्यय तथा विलंबित कर की राशियों को दर्शाते हैं

(i) वर्तमान कर

वर्तमान में देय कर वर्ष हेतु कर योग्य लाभ पर आधारित होता है। कर योग्य लाभ, लाभ एवं हानि के विवरण में यथा सूचित "कर पूर्व लाभ" से भिन्न होता है क्योंकि किसी एक वर्ष में आय या व्यय की कर योग्य अथवा कटौती योग्य होने वाली मदें किसी अन्य वर्ष में कर योग्य तथा कटौती योग्य नहीं भी हो सकती हैं। कंपनी के वर्तमान कर की गणना रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक बनाए या व्यापक रूप से अधिनिगमित कर दरों तथा नियमों का उपयोग करके की जाती है।

(ii) विलंबित कर

विलंबित कर को वित्तीय विवरणों में परिसंपत्तियों तथा देयताओं की वहन राशि के मध्य अस्थायी अंतर के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है और कर योग्य लाभ की गणना में प्रयुक्त तदनुरूपी कर आधारों का उपयोग किया जाता है। सामान्यतः विलंबित कर देयताओं की पहचान सभी कर योग्य अस्थायी अंतरों हेतु की जाती है। विलंबित कर देयताओं को आम तौर पर सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतरों के लिए इस सीमा तक मान्यता प्रदान की जाती है कि यह संभव है कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होंगे जिनके प्रति कटौती योग्य अस्थायी अंतरों का उपयोग किया जा सकता है।

विलंबित कर परिसपत्तियों की वहन राशि की प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समीक्षा की जाती है और उसे उस सीमा तक कम किया जाता है जहां इसकी और संभावना न हो कि पर्याप्त कर योग्य लाभ प्रयुक्त की जाने वाली समूची या आंशिक विलंबित कर परिसंपत्ति के लिए उपलब्ध होंगे।

विलंबित कर देयताओं तथा परिसंपत्तियों का मापन उन कर दरों पर किया जाता है जिनके उस अवधि में लागू होने की संभावना होती है जिनमें देयता का निपटान किया जाए अथवा परिसंपत्ति को वसूल किया जाए, और यह बनाई गई कर दरों (और कर कानूनों) या रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक बनाई गई कर दरों के आधार पर किया जाता है।

विलंबित कर देयताओं तथा परिसंपत्तियों का मापन ऐसे कर परिणामों को प्रदर्शित करता है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में कंपनी की प्रत्याशा के अनुसार इसकी परिसंपत्तियों तथा देयताओं की वहन राशि की वसूली या निपटान के लिए कंपनी द्वारा प्रत्याशित किए गए तरीके से निकलता है।

विलंबित कर परिसंपत्तियों में भारत के कर कानूनों के अनुसार अदा किया गया न्यूनतम वैकल्पिक कर (एमएटी) शामिल है जिसके भविष्य की आय कर देयता के प्रति समायोजन की उपलब्धता के रूप में भविष्य के आर्थिक लाभ देने की संभावना है। तदनुसार, एमएटी को तुलन–पत्र में विलंबित कर परिसंपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है जब परिसंपत्ति का मापन विश्वसनीय ढंग से किया जा सके और यह संभावना हो कि परिसंपत्ति से संबद्ध भविष्य के आर्थिक लाभ को वसूल किया जाएगा।

(iii) वर्ष हेतु वर्तमान तथा विलंबित कर

वर्तमान तथा विलंबित कर व्यय को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है, सिवाय जब वे ऐसी मदों से संबंधित हों जिन्हें अन्य व्यापक आय या सीधे इक्विटी में मान्यता दी गई हो, उस मामले में वर्तमान और विलंबित कर को क्रमशः अन्य व्यापक आय या सीधे इक्विटी में मान्यता प्रदान की जाती है।

3.24 उधार लागतें

अधिग्रहण के लिए विशेष रूप से पहचान की गई अथवा विशेषक परिसम्पत्तियों के निर्माण से संबंधित उधार लागतों को इस प्रकार की परिसम्पत्तियों के भाग के रूप में पूंजीकृत किया जाता है। विशेष अर्हक परिसम्पत्ति वह है जो अभिप्रेत उपयोग के लिए तैयार होने में काफी समय लेती है। सभी अन्य उधार लागतों को लाभ तथा हानि लेखों में प्रभारित किया जाता है।

3.25 रिग दिवस लागतें

रिग संचालन लागतों को अगले वेधित किए जाने वाले स्थल/वेधन के लिए योजनाबद्ध स्थल के लिए आरक्षित किया जाता है। असामान्य रिग दिवस लागतों को गैर–आबंटित करने के योग्य के रूप में समझा जाता है तथा इन्हें लाभ एवं हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है।

3.26 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां

प्रावधानों को तब मान्यता दी जाती है जब किसी पूर्व की घटना के परिणामस्वरूप कंपनी की कोई वर्तमान बाध्यता (विधिक या रचनात्मक) हो और यह संभावना हो कि कंपनी द्वारा बाध्यता का निपटान अपेक्षित होगा और बाध्यता की राशि का एक विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है।

प्रावधान के रूप में मान्यता दी गई राशि बाध्यता से जुड़े जोखिमों तथा अनिश्चितताओं को ध्यान में रखते हुए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में वर्तमान बाध्यता के निपटान हेतु अपेक्षित मूल्य का श्रेष्ठ अनुमान होता है। जब किसी

प्रावधान का मापन वर्तमान बाध्यता के निपटान के लिए अनुमानित नकदी प्रवाहों का उपयोग करके किया जाता है, तो इसकी वहन राशि उन नकदी प्रवाहों का वर्तमान मूल्य होता है (जब राशि के समय मूल्य का प्रभाव भौतिक हो)।

आकस्मिक परिसंपत्तियों को एकल वित्तीय विवरणों में लेखे की टिप्पणियों के रूप में प्रकट किया जाता है जब आर्थिक लाभों का अंतरवाह संभाव्य हो।

आकस्मिक देयताओं को वित्तीय विवरणों में लेखे की टिप्पणियों के रूप में प्रकट किया जाता है, यदि आर्थिक लाभ अंतर्ग्रस्त होने वाले संसाधनों के बाहिरप्रवाह बहुत कम हो।

3.27 वित्तीय लिखत

वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं को मान्यता कंपनी के लिखत के संविदात्मक प्रावधानों का पक्षकार बनने पर की जाती है।

वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं का मापन प्रारंभ में उचित मूल्य पर किया जाता है। वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं (लाभ अथवा हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं के अतिरिक्त) के अधिग्रहण या जारी किए जाने को सीधे आरोप्य संव्यवहार लागतों को वित्तीय परिसंपत्तियों या वित्तीय देयताओं के उचित मूल्य में उचित समझे गए अनुसार प्रारंभिक मान्यता पर जोड़ा या घटाया जाता है।

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों या वित्तीय देयताओं के अधिग्रहण को सीधे आरोप्य संव्यवहार लागतों को लाभ एवं हानि विवरण में तत्काल मान्यता प्रदान की जाती है।

3.28 इक्विटी लिखत

कंपनी द्वारा जारी इक्विटी लिखत को प्राप्त की गई प्राप्तियों, प्रत्यक्ष जारी लागतों के निवल, पर दर्ज किया जाता है।

3.29 वित्तीय परिसंपत्तियां

(i) नकदी तथा नकदी तुल्य

कंपनी सभी अत्यधिक नकदी वाले वित्तीय लिखतों पर विचार करती है जो नकदी की ज्ञात मात्रा में तत्काल परिवर्तित किए जा सके और जो मूल्य में परिवर्तन के एक बहुत कम जोखिम के अधीन है तथा जिनकी मूल परिपक्वता खरीद की तिथि से तीन माह अथवा कम की हैं। नकदी तथा नकदी तुल्य में बैंकों में शेष शामिल होते हैं जो निकासी तथा उपयोग हेतु बाधारहित होते हैं।

(ii) परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां

वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन बाद में परिशोधित लागत पर प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करके किया जाता है यदि ये वित्तीय परिसंपत्तियां उसी व्यापार में धारित है जिसका उद्देश्य संविदात्मक नकदी प्रवाहों को एकत्र करना है और वित्तीय परिसंपत्ति की संविदात्मक शर्तें निर्दिष्ट तिथियों पर ऐसे नकदी प्रवाहों को उत्पन्न करती हैं जो पूर्णतः मूल धन तथा मूलधन की बकाया राशि पर ब्याज का भुगतान है।

(iii) अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां

वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन उचित मूल्य पर अन्य व्यापक आय के माध्यम से किया जाता है यदि ये वित्तीय परिसंपत्तियां उसी व्यापार में धारित है जिसका उद्देश्य संविदात्मक नकदी प्रवाहों को एकत्र करना है और वित्तीय परिसंपत्तियों की बिक्री करना है तथा वित्तीय परिसंपत्ति की संविदात्मक शर्तें निर्दिष्ट तिथियों पर ऐसे नकदी प्रवाहों को उत्पन्न करती हैं जो पूर्णतः मूल धन तथा मूलधन की बकाया राशि पर ब्याज का भुगतान है।

कंपनी ने व्यापार हेतु धारित नहीं किए गए इक्विटी निवेश के उचित मूल्य में बाद के परिवर्तनों को अन्य व्यापक आय में प्रस्तुत करने का अपना एक वापिस न किया जा सकने वाला चयन किया है।

(iv) लाभ अथवा हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्ति

वित्तीय परिसंपत्तियों को लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा जाता है जब तक कि इसका मापन परिशोधित लागत पर या उचित मूल्य पर प्रारंभिक मान्यता पर अन्य व्यापक आय के माध्यम से न किया जाए।

(v) वित्तीय परिसंपत्तियों की क्षति

कंपनी प्रत्येक तुलन–पत्र स्थिति को यह आकलन करती है कि क्या कोई वित्तीय परिसंपत्ति अथवा वित्तीय परिसंपत्तियों का समूह क्षतिग्रस्त तो नहीं है। इंड एएस 109 "वित्तीय लिखत" में प्रत्याशित ऋण हानियों को हानि भत्ते के माध्यम से मापा जाना अपेक्षित है। कंपनी प्राप्य व्यापारों हेतु जीवनकालीन प्रत्याशित हानियों को मान्यता प्रदान करती है जो वित्तीय संव्यवहार नहीं होती। अन्य सभी वित्तीय परिसंपत्तियों हेतु प्रत्याशित ऋण हानियों का मापन 12 माह की प्रत्याशित ऋण हानियों अथवा जीवन पर्यन्त प्रत्याशित हानियों की समतुल्य राशि पर किया जाता है, यदि प्रारंभिक मान्यता से वित्तीय परिसंपत्ति पर ऋण जोखिम में वृद्धि हुई हो तो।

(vi) वित्तीय परिसंपत्तियों को विमान्य करना

कंपनी किसी वित्तीय परिसंपत्ति को तब विमान्य करती है जब परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह के संविदात्मक अधिकार समाप्त हो जाए, अथवा जब यह वित्तीय परिसंपत्ति को और व्यापक रूप से परिसंपत्ति के

स्वामित्व के सभी जोखिमों तथा प्रतिफल को किसी अन्य पक्ष को अंतरित कर दे।

किसी वित्तीय परिसंपत्ति को पूर्ण रूप से विमान्य किए जाने पर (सिवाय एफवीटीओसीआई के रूप में नामित इक्विटी लिखत हेतु) परिसंपत्ति के वहन मूल्य और प्राप्त तथा प्राप्य प्रतिफल की राशि के रूप में मान्यता प्राप्त अंतर को लाभ एवं हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

3.30 वित्तीय देयताएं

क) वित्तीय गारंटी संविदाएं

वित्तीय गारंटी संविदा एक ऐसी संविदा है जिसमें जारीकर्ता को धारक द्वारा वहन की गई किसी हानि के लिए उसे निर्दिष्ट भुगतान की प्रतिपूर्ति करनी होती है क्योंकि वह निर्धारित देनदार ऋण लिखत की शर्तों के अनुसार देय होने पर भुगतान को करने में विफल रहा था।

कंपनी द्वारा जारी वित्तीय गारंटी संविदाओं को प्रारंभ में उनके उचित मूल्य पर मापा जाता है और, यदि एफवीटीपीएल के रूप में निर्धारित न किया जाए, तो बाद में उन्हें निम्नलिखित के उच्चतर पर लिया जाता है :

1. इंड एएस 109 की क्षति अपेक्षताओं के अनुसार निर्धारित हानि भत्ते की राशि; और
2. प्रारंभ में पहचान की गई राशि घटा, जब उचित हो, इंड एएस 18 के सिद्धांतों के अनुसार मान्यता दी गई आय की संचित राशि (अनुषंगी कंपनियों को जारी वित्तीय गारंटी हेतु टिप्पणी सं. 3.3 देखें)।

(ख) वित्तीय देयताएं

वित्तीय देयताओं का मापन प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करते हुए परिशोधित मूल्य पर किया जाता है।

(ग) वित्तीय देयताओं को विमान्य करना

कंपनी केवल अपने दायित्वों के निपटान, निरस्त या समाप्त होने पर ही वित्तीय देयताओं को विमान्य करती है। विमान्य की गई वित्तीय देयता के वहन मूल्य और प्राप्त तथा प्राप्य प्रतिफल की राशि के रूप में मान्यता प्राप्त अंतर को लाभ एवं हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है।

3.31 प्रति शेयर अर्जन

प्रति शेयर आधारभूत अर्जनों की गणना कर पश्चात निवल लाभ को उस अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या द्वारा भाग देकर की जाती है। प्रति शेयर तनुकरण अर्जन की गणना कर पश्चात लाभ को आधारभूत अर्जन प्रति शेयर निकालने हेतु लिए गए इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या और सभी कम किए गए संभाव्य इक्विटी शेयरों के परिवर्तन पर जारी की जा सकने वाली इक्विटी शेयरों की भारित औसत सख्या को भी भाग देकर की जाती है।

3.32 नकदी प्रवाह विवरण

नकदी प्रवाहों को अप्रत्यक्ष पद्धति का उपयोग करके सूचित किया जाता है जिसके द्वारा वर्ष हेतु लाभ को किसी गैर–नकदी प्रकृति के संव्यवहारों, पूर्व या भविष्य की प्रचालन नकदी प्राप्तियों या भुगतानों के विलंबन अथवा प्रोदभवन और नकदी प्रवाहों के निवेश या वित्त–पोषण से संबद्ध आय या व्यय की मद हेतु समायोजित किया जाता है। नकदी प्रवाह को प्रचालन, निवेश तथा वित्त पोषण क्रियाकलापों में पृथक किया जाता है।

3.33 खंड रिपोर्टिंग

प्रचालनशील खंडों की पहचान की जाती है और उन्हें विभिन्न जोखिमों तथा प्रतिफलों, संगठन ढांचे तथा आंतरिक रिपोर्टिंग प्रणालियों को ध्यान में रखते हुए सूचित किया जाता है।

4. महत्वपूर्ण लेखांकन निर्णय, मान्यताएं और अनिश्चितता के अनुमानन के प्रमुख स्रोत

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में प्रयुक्त कई लेखांकन नीतियों के उपयोग में निर्णय लेने, अनुमान तथा मान्यताओं को लेने की प्रबंधन की आवश्यकताएं निहित हैं जो परिसंपत्तियों तथा देयताओं की सूचित राशि, आकस्मिक परिसंपत्तियों तथा देयताओं के प्रकटीकरण और राजस्व तथा व्यय की सूचित राशियों को प्रभावित करते हैं। वास्तविक परिणाम प्रयुक्त अनुमानों तथा मान्यताओं से भिन्न हो सकता है।

अनुमानों तथा निहित मान्यताओं की समीक्षा सतत आधार पर की जाती है। लेखांकन मानकों में संशोधनों को उस अवधि में मान्यता दी जाती है जिनमें अनुमान संशोधित होते हैं तथा भविष्य की अवधियां प्रभावित होती हैं।

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में निर्णय, मान्यताओं तथा अनुमानन अनिश्चितता के प्रमुख स्रोत जो अगले वित्तीय वर्ष के भीतर परिसंपत्तियों तथा देयताओं की वहन राशि में कोई भौतिक समायोजन कर सकते हैं, वे कार्यात्मक मुद्रा, तेल तथा गैस भंडारों, क्षति, संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण के उपयोगी जीवनकाल, तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के क्षय, चालू न किए जाने के प्रावधान, कर्मचारी लाभ बाध्यताओं, प्रावधान, आयकर हेतु प्रावधान, विलंबित कर परिसंपत्तियों और आकस्मिक परिसंपत्तियों तथा देयताओं के मापन से संबंधित हो सकते हैं।

4.1 लेखांकन नीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण निर्णय

अनुमान सम्मिलित होने वाले (टिप्पणी 4.2 देखें) के अतिरिक्त, महत्वपूर्ण निर्णय निम्नलिखित हैं जिन्हें प्रबंधन ने कंपनी की लेखांकन नीतियों को लागू करने की प्रक्रिया

में लिया है और जिनका वित्तीय विवरणों में मान्यता दी गई राशियों पर अत्यधिक प्रभाव हुआ है।

(क) क्रियात्मक मुद्रा का निर्धारण

कंपनी के निकायों द्वारा प्रचालन किए जाने वाले प्राथमिक आर्थिक परिवेश की मुद्रा ("क्रियात्मक मुद्रा") भारतीय रूपये हैं जिसमें कंपनी प्राथमिक रूप से नकदी को उत्पन्न तथा उसका व्यय करती हैं। तदनुसार, प्रबंधन ने इसकी क्रियात्मक मुद्रा भारतीय रूपए के रूप में आंकलित है।

(ख) निवेश का वर्गीकरण

किसी अन्य निकाय में हित की खरीद के लिए किसी संव्यवहार में प्राप्त नियंत्रण के स्तर के आकलन के लिए निर्णय अपेक्षित होता है; प्रत्येक मामले में तथ्य तथा परिस्थितियों पर निर्भर करते हुए कंपनी निकाय या व्यवस्था पर नियंत्रण, संयुक्त नियंत्रण या महत्वपूर्ण प्रभाव प्राप्त कर सकती है। कंपनी को किसी व्यापार पर नियंत्रण देने वाले संव्यवहार व्यापार संयोजन होते हैं। यदि कंपनी किसी व्यवस्था का संयुक्त नियंत्रण प्राप्त करती है, तो यह निर्णय भी किया जाना अपेक्षित होता है कि क्या व्यवस्था का आकलन एक संयुक्त प्रचालन के रूप में किया जाए अथवा संयुक्त उद्यम के। यदि कंपनी के पास न तो नियंत्रण और न ही संयुक्त नियंत्रण है, यह उस निकाय पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की स्थिति में होनी चाहिए, जिसे फिर एसोसिएट के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

कंपनी का ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड (ओपीएएल) में 49.36 प्रतिशत प्रतिभागिता हित है। कंपनी में 25 अगस्त, 2015 को 1922 मिलियन शेयर वारंट हेतु भी सबस्क्राइब किये है जो कंपनी को 10 रूपये प्रत्येक के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर के साथ प्रत्येक वारंट के विनिमय का पात्र बनाता है जिसके प्रति 9.75 रूपये अदा किए जा चुके हैं।

इसके अतिरिक्त, कंपनी ने ओएनजीसी पेट्रो एडीशन लिमिटेड द्वारा जारी 77,780.00 मिलियन रूपये की राशि के बाध्यकारी रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर और 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु 4,670.19 मिलियन रूपये की राशि के ब्याज हेतु मूलधन तथा संचित कूपन राशि के पुनर्भुगतान के प्रति आकस्मिक सहायता हेतु 2 जुलाई, 2016 को एक समझौता भी किया है।

तथापि, प्रबंधन ने ओपीएएल के हित को संयुक्त उद्यम की प्रकृति का पाया है क्योंकि शेयरधारकों के मध्य शेयरधारक समझौते में संगत क्रियाकलापों के निर्णयों के नियंत्रण को साझा करने हेतु सभी शेयरधारकों के मध्य प्रावधान है जिसके लिए नियंत्रण साझा करने वाले सभी पक्षों पर एकमत सहमति अपेक्षित होती है।

(ग) यह निर्धारित करना कि क्या किसी व्यवस्था में पट्टा तथा पट्टों का वर्गीकरण शामिल है

कंपनी विभिन्न परिसंपत्तियों/सेवाओं हेतु सेवा/किराए पर लेने की व्यवस्थाएं करती है। पट्टे के निर्धारण और सेवा/किराए पर लेने की व्यवस्था का एक वित्तीय पटटे या प्रचालन पटटे के रूप में निर्धारण कई कारकों के आकलन पर आधारित है जिसमें पट्टे की अवधि के अंत में पटटा पर ली गई परिसंपत्ति के स्वामित्व का अंतरण, ऐसे विकल्प की खरीद तथा उपयोग की अनुमानित निश्चितता के लिए पट्टाधारी का विकल्प चुनना, परिसंपत्ति के आर्थिक काल से पट्टा अवधि का अनुपात, पटटे पर दी गई परिसंपत्ति के उचित मूल्य को न्यूनतम पट्टा भुगतान के वर्तमान मूल्य का अनुपात और पट्टे पर दी गई संपत्ति की विशेषीकृत प्रकृति की सीमा शामिल है परन्तु यह इन्हीं तक सीमित नहीं है।

(घ) तेल तथा गैस परिसंपतियों की क्षति हेतु संकेतों का मूल्यांकन

परिसंपत्तियों की क्षति के संकेतकों की प्रयोजनीयता के मूल्यांकन में बाहरी कारकों (परिसंपत्ति के मूल्य में भारी कमी, प्रौद्योगिकीय, बाजार, आर्थिक या विधिक परिवेश, बाजार ब्याज दरों में बड़े परिवर्तन आदि) और आंतरिक कारकों (किसी परिसंपत्ति का अप्रचलित होना या उसमें भौतिक क्षति, परिसंपत्ति का खराब आर्थिक निष्पादन आदि) का आकलन अपेक्षित होता है जो तेल तथा गैस परिसंपत्तियों की प्राप्ति योग्य मात्रा में बड़े परिवर्तनों में परिणत हो सकते हो।

(ङ) तेल तथा गैस लेखांकन

यह निर्धारण कि क्या किसी अन्वेषण कुएं द्वारा खोज किए गए संभाव्य आर्थिक तेल तथा प्राकृतिक गैस भंडार आमतौर पर कुआं पूर्णता के पहले वर्ष में हो जाते हैं, पर इसमें भू–वैज्ञानिक ढांचे की जटिलता पर निर्भर करते हुए अधिक समय भी लग सकता है। तेल तथा प्राकृतिक गैस की संभाव्य आर्थिक मात्राओं की खोज करने वाले अन्वेषण कुएं तथा ऐसे क्षेत्रों में जहां उत्पादन को प्रारंभ करने से पूर्व प्रमुख पूंजीगत व्यय (जैसे कि कोई अपतटीय प्लेटफार्म अथवा पाइपलाइन), की आवश्यकता होगी, अथवा जहां प्रमुख पूंजीगत व्यय की आर्थिक व्यवहार्यता उस क्षेत्र में और अन्वेषण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने पर निर्भर करती हो, एकल तुलन–पत्र में तब तक पूंजीकृत रहती है जब तक कि अतिरिक्त अन्वेषण या मूल्यांकन कार्य जारी हो अथवा उसकी दृढ़तापूर्वक आयोजना बनाई गई हो।

कई वर्षों हेतु तुलन–पत्र में अन्वेषण कुओं तथा अन्वेषणात्मक प्रकार के स्ट्रेटीग्राफिक जांच कुओं का

स्थगित रहना असमान्य नहीं है जबकि संभाव्य तेल तथा प्राकृतिक गैस फील्डों में अतिरिक्त मूल्यांकन ड्रिलिंग और भूकंपीय कार्य को निष्पादित किया जाता है अथवा ईष्टतम विकास योजनाओं तथा समय को स्थापित किया जा रहा होता है। ऐसी सभी वहन की जा सकने वाली लागतें कम से कम वार्षिक आधार पर नियमित तकनीकी, वाणिज्यिक तथा प्रबंधन समीक्षा के अधीन है ताकि खोज को विकसित करने या अन्यथा उससे मूल्य के निष्कर्षण हेतु सतत मंशा की पुष्टि की जा सके। जहां ऐसा मामला न हो, लागतों को तत्काल व्यय के रूप में दिखाया जाता है।

4.2 मान्यताएं और अनिश्चितता के मापन हेतु प्रमुख स्रोत

परिसंपत्तियों, देयताओं, आय तथा व्यय की मान्यता तथा मापन पर महत्वपूर्ण प्रभाव होने वाले अनुमानों तथा मान्यताओं के संबंध में सूचना नीचे दी गई है। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं।

(क)बंद किए जाने हेतु प्रावधान का अनुमानन

कंपनी तेल तथा गैस परिसपंत्तियों को उनके आर्थिक जीवनकाल की समाप्ति पर आगे बंद किए जाने हेतु इंड एएस 37 "प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां" के सिद्धांतों के अनुसार चालू न किए जाने हेतु प्रावधानों का अनुमान लगाती है। इनमें से अधिकांश बंद किए जाने के क्रियाकलाप भविष्य में होंगे, हटाए जाने की घटनाओं के समय पूरा की जाने वाली सटीक आवश्यकताओं में अनिश्चितता शामिल हो सकती है। बंद किए जाने हेतु प्रौद्योगिकी तथा लागतों में लगातार बदलाव हो रहे हैं। भविष्य के नकदी प्रवाहों का समय तथा राशि काफी अनिश्चिततापूर्ण है।

भविष्य के व्ययों की समय तथा राशि की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में वर्तमान लागत अनुमानों की वृद्धि हेतु मुद्रास्फीति की दर तथा नकदी प्रवाहों की छूट में प्रयुक्त ब्याज दरों के साथ की जाती है। तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के आर्थिक जीवनकाल का अनुमान संगत तेल तथा गैस परिसपंत्ति की दीर्घावधि उत्पादन प्रोफाइल के आधार पर अनुमानित किया जाता है। मुद्रास्फीति हेतु सामान्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) अर्थात 4.28 प्रतिशत (पिछले वर्ष 3.81 प्रतिशत) का उपयोग वर्तमान लागत अनुमानों में वृद्धि करने हेतु किया गया है और वर्ष के अंत में तुलन–पत्र बाध्यता के निर्धारण हेतु प्रयुक्त छूट दर 7.56 प्रतिशत (पिछले वर्ष 7.12 प्रतिशत) है, जो 10 वर्षीय प्रतिफल के साथ जोखिम मुक्त सरकारी बॉण्ड दर पर है।

(ख) नकदी उत्पादक यूनिट (सीजीयू) का निर्धारण

कंपनी मुख्यतः अभितट तथा अपतट में तेल तथा गैस के अन्वेषण और उत्पादन में रत है। अभितटीय परिसंपत्तियों के मामले में फील्ड आम उत्पादक/परिवहन सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं और एक एकल नकदी उत्पादक यूनिट (सीजीयू) को बनाने के लिए पर्याप्त रूप से आर्थिक तौर पर अंतर निर्भर हैं। तदनुसार, भारत में सभी अपतटीय फील्डों के क्षति परीक्षण को समग्र रूप में परिसंपत्ति स्तर पर ऐसे सभी फील्डों हेतु निष्पादित किया जाता है। अपतटीय परिसंपत्तियों के मामले में, किसी फील्ड को आमतौर पर एक सीजीयू माना जाता है सिवाय ऐसे फील्डों के जिन्हें क्लस्टर के रूप में विकसित किया गया है, जिनके लिए समान सुविधाओं का उपयोग किया जाता है, जिनमें क्षति परीक्षण को क्लस्टर में शामिल सभी फील्डों हेतु पूर्ण रूप से निष्पादित किया जाता है।

(ग) परिसपंत्तियों की क्षति

यह निर्धारित करना कि क्या किसी क्षतिग्रस्त सीजीयू में भविष्य के खनिज तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पादों (वीएपी) मूल्यों, प्रचालन व्ययों पर मुद्रास्फीति के प्रभाव, छूट दरों, खनिज तेल, प्राकृतिक गैस तथा मूल्यवर्धित उत्पादों की उत्पादन प्रोफाइल जैसे अनिश्चित मामलों पर प्रबंधन के अनुमान अंतर्निहित हैं। तेल तथा गैस परिसंपत्तियों हेतु प्रत्याशित भविष्य के नकदी प्रवाहों का अनुमान भविष्य के खनिज तेल और प्राकृतिक गैस मूल्यों, उत्पादन तथा आरक्षित मात्राओं के प्रबंधन के श्रेष्ठ अनुमानों का उपयोग करके लगाया जाता है।

कपंनी के नकदी प्रवाहों के वर्तमान मूल्यों का निर्धारण रूपए संव्यवहारों हेतु 14.48 प्रतिशत (पिछले वर्ष 14.88 प्रतिशत) और खनिज तेल तथा मूल्यवर्धित उत्पाद राजस्व हेतु 9.68 प्रतिशत (पिछले वर्ष 10.57 प्रतिशत) की कर पूर्व छूट दरों को लगाकर किया जाता है। खनिज तेल तथा मूल्यवर्धित उत्पादों की बिक्री से भविष्य के नकदी अंतरवाहों की गणना भविष्य के मूल्यों का उपयोग करते हुए "प्लैट के खनिज तेल बाजार वायर" द्वारा किए गए आकलन और बेंचमार्क खनिज तेल तथा अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के साथ इसके सह–संबंध के अनुसार डेटिड ब्रेंट खनिज तेल के बाजार आधारित औसत मूल्यों के आधार पर की जाती है। प्राकृतिक गैस की बिक्री से भविष्य के नकदी अंतरवाहों की गणना भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के आधार पर प्रत्याशित भविष्य के मूल्यों और भारत सरकार द्वारा जारी नए मूल्य निर्धारण दिशा–निर्देशों के मद्देनजर अमरीकी डॉलर में मापे गए नकदी प्रवाहों पर लागू होने वाली दरों को लगाकर छूट के साथ की जाती है।

प्रयुक्त छूट की दर किसी स्थापित मॉडल से पूंजी की लागत पर आधारित होती है।

उत्पादनशील/विकासशील सीजीयू के उपयोग में मूल्य का निर्धारण एक बहु–स्तरीय एप्रोच के अंतर्गत किया जाता है जिसमें भविष्य के नकदी प्रवाहों का आरंभिक अनुमान प्रमाणित विकसित भंडारों के आधार पर लगाया जाता है। ऐसी परिस्थितियों में जहां सीजीयू में फील्डों में और विकास प्रगति पर है तथा जहां सीजीयू के वहन मूल्य को केवल प्रमाणित विकसित भंडारों के दोहन के माध्यम से वसूले जाने की संभावना नहीं है, सीजीयू के प्रमाणित तथा संभावित भंडारों (2पी) को भी भविष्य के नकदी प्रवाहों के अनुमान लगाने के प्रयोजन हेतु लिया जाता है। ऐसे मामलों में मूल्यांकन/विकास की प्रत्याशित लागत के पूर्ण अनुमान पर भी उपयोग में होने वाले मूल्य के निर्धारण के समय विचार किया जाता है।

क्षति गणना के आकलन में प्रयुक्त छूट दरों का प्रत्येक वर्ष पुनः आकलन किया जाता है।

(घ) भंडारों का अनुमानन

प्रबंधन कंपनी की भंडार अनुमानन समिति (आरईसी) द्वारा निर्धारित नीतियों तथा प्रक्रियाओं के आधार पर तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के संबंध में उत्पादन प्रोफाइल (प्रमाणित तथा विकसित भंडारों) का अनुमान लगाता है। इस प्रकार निर्धारित अनुमानों का उपयोग क्षय तथा क्षति परीक्षण हेतु किया जाता है।

कंपनी के वर्ष के अंत में भंडारों का अनुमानन आरईसी द्वारा लगाया गया है जो सतत रूप से अतर्राष्ट्रीय भंडार अभियांत्रिकी प्रक्रियाओं का पालन करती है। कंपनी ने भंडार अनुमानन हेतु निर्धारणात्मक पद्धति अपनाई है और यह सोसाइटी ऑफ पेट्रोलियम इंजीनियर्स (एसपीई) – 1997 दिशा–निर्देशों का पालन करती है जो भंडारों को "दी गई किसी तिथि से आगे विद्यमान आर्थिक शर्तों के अधीन स्थापित प्रचालन व्यवहारों द्वारा और वर्तमान सरकारी विनियमनों के अधीन किसी ज्ञात संचयन से वाणिज्यिक रूप से प्राप्त किए जा सकने की प्रत्याशा वाले खनिज तेल, संघनित, प्राकृतिक गैस, प्राकृतिक गैस दृव्य और संबद्ध पदार्थों की अनुमानित मात्राओं" के रूप में परिभाषित करते हैं। अनुमानन में मात्रात्मक अनुमानन मुख्य प्रक्रिया है जो भंडार की चट्टान तथा द्रव्य विशेषताओं का उपयोग इनप्लेस हाइड्रोकार्बनों की गणना के लिए करती है और फिर उस हिस्से का अनुमान लगाती है जिसे इससे प्राप्त किया जा सकेगा। फील्ड के परिपक्व होने तथा एक तर्कसंगत अच्छा उत्पादन इतिहास उपलब्ध होने के पश्चात सामग्री संतुलन, सिमुलेशन, घटता हुआ वक्र विश्लेषण जैसी निष्पादन पद्धतियों का उपयोग भंडारों के अधिक सटीक आकलन को प्राप्त करने के लिए किया जाता है।



अनुमानों का वार्षिक संशोधन वार्षिक अन्वेषणात्मक तथा विकास क्रियाकलापों और तत्संबंधी परिणामों पर आधारित होता है। नई इनप्लेस मात्रा और अंतिम भंडारों का अनुमानन पहले से खोज किए गए क्षेत्रों में नई फील्ड खोजों या नई पूल खोजों हेतु लगाया जाता है। साथ ही मूल्यांकन क्रियाकलाप नए उप–सतह डाटा के कारण अनुमानों में संशोधन में भी परिणत होते हैं। इसी प्रकार, पेट्रो–भौतिक पैरामीटरों में बदलाव, स्थिर तथा परिवर्तनशील मॉडलों को अद्यतन करने और भंडारों में परिवर्तन में परिणत होने वाले निष्पादन विश्लेषण के कारण पुराने फील्डों हेतु पुनः व्याख्या क्रिया भी की जाती है। नई प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप, वर्गीकरण तथा संविदात्मक प्रावधानों में परिवर्तन के चलते भी भंडारों के अनुमानन में संशोधन आवश्यक हो जाता है।

कंपनी उचित ध्यान दिए जाने हेतु तृतीय पक्ष एजेंसियों की सेवाओं का उपयोग करता है और यह अपनी परिसंपत्तियों की जांच तृतीय पक्ष द्वारा आवधिक रूप से किसी अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रतिष्ठित परामर्शदाताओं से करवाता है जो अपने मूल्यांकन हेतु नवीनतम उद्योग व्यवहारों को अपनाते हैं।

(ङ) निर्धारित लाभ बाध्यता (डीबीओ)

डीबीओ का प्रबंधन का अनुमान कई महत्वपूर्ण निहित मान्यताओं पर निर्भर है जैसे कि मुद्रास्फीति की मानक दरें, चिकित्सा लागत प्रवृत्तियां, मृत्यु दर, छूट दर और भविष्य की वेतन वृद्धि प्रत्याशाएं। इन मान्यताओं में अंतर डीबीओ राशि और वार्षिक निर्धारित लाभ व्ययों को काफी हद तक प्रभावित कर सकते हैं।

5. तेल तथा गैस परिसंपत्तिया

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को		31 मार्च, 2017 को	
सकल लागत (देखें टिप्पणी सं. 5.1)				
प्रारंभिक शेष	1,184,449.82		979,716.74	
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों से अंतरण – प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं	7,286.12		10,130.13	
प्रगतिधीन विकासात्मक कुएं से अंतरण	85,966.88		103,458.30	
अनुमानित परित्याग लागत में वृद्धि/ (कमी)	12,139.56		8,318.36	
वर्ष के दौरान वर्धन	113,247.59		84,353.05	
अधिग्रहण लागत (टिप्पणी सं. 46.1.10)	57,285.40		-	
वर्ष के दौरान हटाई गई/सेवानिवृत्त की गई	(37.04)		(1,190.98)	
अन्य समायोजन	206.90	**1,460,545.23**	(335.78)	**1,184,449.82**
घटाएं : संचित क्षय एवं क्षति				
संचित क्षय				
प्रारंभिक शेष	216,676.55		98,424.05	
वर्ष के लिए प्रावधान (टिप्पणी सं. 36)	134,383.68		118,903.70	
वर्ष के दौरान हटाई गई/सेवानिवृत्त की गई	(23.56)		(1,190.98)	
अन्य समायोजन	-	**351,036.67**	539.78	**216,676.55**
संचित क्षति				
प्रारंभिक शेष	12,460.99		24,506.30	
वर्ष के दौरान मुहैया करवाई गई	920.58		533.39	
क्षति का पश्चत लेखन	(6,521.36)	**6,860.21**	(12,578.70)	**12,460.99**
		1,102,648.35		**955,312.28**

5.1 कंपनी ने पिछले जीएएपी के अनुसार मापी गई 1 अप्रैल, 2015 (परिवर्तन तिथि) को मान्यता प्रदान की गई अपनी तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के वहन मूल्य को जारी रखने का विकल्प चुना है और उस वहन मूल्य को इंड एएस 101 के पैरा डी7कक के अनुसार परिवर्तन तिथि को इसकी मानद लागत माना है सिवाय बन्द किए जाने और पुनरूद्धार प्रावधान के जिन्हें इंड एएस 101 "भारतीय लेखांकन मानकों को पहली बार अपनाया जाना" के पैरा डी21 के अनुसार तेल तथा गैस परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किया गया है।

6. अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

(मिलियन ₹ में)

निम्नलिखित की वहन राशि (टिप्पणी सं. 6.1)	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
फ्रीहोल्ड भूमि	7,648.56	7,040.66
स्थायी पट्टाधारी भूमि	1,916.57	1,916.57
भवन और बंक गृह	13,703.99	13,269.15
संयंत्र और उपकरण	60,933.09	63,770.50
फर्नीचर और फिक्सचर	3,660.41	1,288.86
कार्यालय उपकरण	842.05	1,254.78
वाहन, जहाज तथा नौकाएं	3,802.46	3,334.25
कुल	**92,507.13**	**91,874.77**

(मिलियन ₹ में)

लागत या मानद लागत	फ्रीहोल्ड भूमि	स्थायी पट्टाधारी भूमि	भवन और बंक गृह	संयंत्र और उपकरण	फर्नीचर और फिक्सचर	कार्यालय उपकरण	वाहन, जहाज तथा नौकाएं	कुल
31 मार्च, 2016 को शेष	**6,381.72**	**1,916.57**	**12,452.85**	**77,246.28**	**2,534.71**	**1,872.98**	**3,580.82**	**105,985.93**
जोड़े	689.27	-	3,633.70	19,601.81	460.28	1,148.30	1,189.81	26,723.17
निपटान / समायोजन	(30.33)	-	53.71	(1,107.08)	(432.61)	(140.77)	336.85	(1,320.23)
31 मार्च, 2017 को शेष	**7,040.66**	**1,916.57**	**16,140.26**	**95,741.01**	**2,562.38**	**2,880.51**	**5,107.48**	**131,388.87**
जोड़े	608.03	-	1,945.29	13,010.53	3,967.85	559.56	2,190.23	22,281.49
निपटान / समायोजन	(0.13)	-	(733.59)	(6,927.31)	(834.99)	(198.50)	(25.40)	(8,719.92)
31 मार्च, 2018 को शेष	**7,648.56**	**1,916.57**	**17,351.96**	**101,824.23**	**5,695.24**	**3,241.57**	**7,272.31**	**144,950.44**

(मिलियन ₹ में)

संचित मूल्यह्रास और क्षति	फ्रीहोल्ड भूमि	स्थायी पट्टाधारी भूमि	भवन और बंक गृह	संयंत्र और उपकरण	फर्नीचर और फिक्सचर	कार्यालय उपकरण	वाहन, जहाज तथा नौकाएं	कुल
31 मार्च, 2016 को शेष	**-**	**-**	**1,519.73**	**17,138.57**	**824.91**	**900.05**	**263.71**	**20,646.97**
मूल्यह्रास व्यय	-	-	1,693.59	16,016.93	690.72	818.08	1,646.76	20,866.08
लाभ एवं हानि में मान्यता प्रदान की गई क्षति हानि	-	-	29.99	53.74	2.12	-	0.53	86.38
परिसंपत्तियों के निपटान / समायोजन पर समाप्त	-	-	27.76	(1,259.51)	(236.08)	(92.40)	(134.00)	(1,694.23)
वर्ष के दौरान पश्चलेखित क्षति हानि	-	-	(399.96)	20.78	(8.15)	-	(3.77)	(391.10)
31 मार्च, 2017 को शेष	**-**	**-**	**2,871.11**	**31,970.51**	**1,273.52**	**1,625.73**	**1,773.23**	**39,514.10**
मूल्यह्रास व्यय	-	-	1,518.56	15,756.88	1,511.50	934.28	1,721.63	21,442.85
लाभ एवं हानि में मान्यता प्रदान की गई क्षति हानि	-	-	3.36	19.16	3.10	0.97	0.05	26.64
परिसंपत्तियों के निपटान / समायोजन पर समाप्त	-	-	(726.86)	(6,782.10)	(753.29)	(161.46)	(25.06)	(8,448.77)
वर्ष के दौरान पश्चलेखित क्षति हानि	-	-	(18.20)	(73.31)	-	-	-	(91.51)
31 मार्च, 2018 को शेष	**-**	**-**	**3,647.97**	**40,891.14**	**2,034.83**	**2,399.52**	**3,469.85**	**52,443.31**

क. भूमि में 58.21 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष 88.89 मिलियन रूपये) राशि की कुछ यूनिटों के संबंध में 4 भूमियां (पिछले वर्ष 36 भूमियां) शामिल हैं, जिनके अंतरण विलेखों का निष्पादन प्रक्रियाधीन है।
ख. 57.65 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष 61.10 मिलियन रूपये) (वहन राशि) की वहन राशि वाली 6 भवनों (पिछले वर्ष 12) के संबंध में स्वामित्व विलेख के हस्तांतरण विलेख का निष्पादन लंबित है।
ग. भवन में भूमि में अविभाजित हित की लागत शामिल है।

6.1 कंपनी ने पिछले जीएएपी के अनुसार मापी गई 1 अप्रैल, 2015 (परिवर्तन तिथि) को मान्यता प्रदान की गई अपनी तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के वहन मूल्य को जारी रखने का विकल्प चुना है और उस वहन मूल्य को इंड एएस 101 के पैरा डी7कक के अनुसार परिवर्तन तिथि को इसकी मानद लागत माना है सिवाय बन्द किए जाने और पुनरूद्धार प्रावधान के जिन्हें इंड एएस 101 "भारतीय लेखांकन मानकों को पहली बार अपनाया जाना" के पैरा डी21 के अनुसार तेल तथा गैस परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किया गया है।

7. चालू पूंजीगत कार्य

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
क) तेल और गैस परिसंपत्तियां				
(1) प्रगतिधीन विकास कुएं (टिप्पणी सं. 7.1)				
प्रारंभिक शेष	32,939.72		36,423.64	
वर्ष के दौरान व्यय	73,703.31		96,350.31	
वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	2,316.86		3,586.15	
अन्य समायोजन	319.37		37.92	
घटाएं : तेल एवं गैस परिसंपत्ति को अंतरण	85,966.88	23,312.38	103,458.30	32,939.72
घटाएं : क्षति				
प्रारंभिक शेष	583.38		1,082.71	
वर्ष हेतु प्रावधान	185.44		1.34	
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	(112.02)		(298.01)	
अन्य समायोजन	203.81	860.61	(202.66)	583.38
कुल प्रगतिधीन विकास कुएं		**22,451.77**		**32,356.34**
(2) प्रगतिधीन तेल और गैस परिसंपत्तियां				
तेल और गैस परिसंपत्तियां (टिप्पणी सं. 7.2)	89,554.05		87,039.48	
अधिग्रहण लागतें – अन्वेषण और उत्पादन परिसंपत्ति (टिप्पणी सं. 46.1.10)	4,853.01	94,407.06	28.59	87,068.07
घटाएं : संचित क्षति				
प्रारंभिक शेष	53.35		-	
वर्ष हेतु प्रावधान	204.87		53.35	
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	(172.28)		-	
पुनः वर्गीकरण	2,954.05		-	
अन्य समायोजन	-	3,039.99	-	53.35
कुल प्रगतिधीन तेल और गैस परिसंपत्तियां		**91,367.07**		**87,014.72**



(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
(ख) प्रगतिधीन अन्य पूंजीगत कार्य (टिप्पणी सं. 7.2)				
भवन	3,393.63		2,130.74	
संयंत्र और उपस्कर	16,942.85		38,572.24	
पूंजीगत भंडार (मार्गस्थ सहित)	3,750.53		3,237.15	
घटाएं : अचल मदों हेतु क्षति	35.52	24,051.49	43.83	43,896.30
घटाएं : संचित क्षति				
प्रारंभिक शेष	5,439.28		5,981.37	
वर्ष हेतु	5.18		47.04	
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	(88.04)		(709.98)	
पुनः वर्गीकरण	(2,954.05)		-	
अन्य समायोजन	17.37	2,419.74	120.85	5,439.28
		21,631.75		**38,457.02**

7.1 कंपनी ने पिछले जीएएपी के अनुसार मापी गई 1 अप्रैल, 2015 (परिवर्तन तिथि) को मान्यता प्रदान किए गए अपने प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य के वहन मूल्य को जारी रखने का विकल्प चुना है और उस वहन मूल्य को इंड एएस 101 के पैरा डी7कक के अनुसार परिवर्तन तिथि को इसकी मानद लागत माना है सिवाय बन्द किए जाने और पुनरूद्धार प्रावधान के जिन्हें इंड एएस 101 "भारतीय लेखांकन मानकों को पहली बार अपनाया जाना" के पैरा डी21 के अनुसार प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य की लागत में शामिल किया गया है।

7.2 ताप्ती ए श्रृंखला परिसंपत्तियों तथा सुविधाओं के संबंध में 7156.89 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष 7156.89 मिलियन रूपये) की राशि शामिल है जो पीएमटी संयुक्त प्रचालन की परिसंपत्तियों का हिस्सा थी और जिन्हें संयुक्त उद्यम समझौते के निबंधन एवं शर्तों के अनुसार भारत सरकार को संयुक्त उद्यम द्वारा अभ्यर्पित किया गया था। वर्ष के दौरान इन परिसंपत्तियों तथा सुविधाओं को भारत सरकार द्वारा कंपनी को निशुल्क इसके नामिति के रूप में अंतरित किया गया है। कंपनी ने एक तृतीय पक्षकार एजेंसी द्वारा दी गई मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर उक्त परिसंपत्तियों तथा सुविधाओं का उचित मूल्य 7156.89 मिलियन रूपये आंकलित किया है जिसे प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य के रूप में तथा विलंबित सरकारी अनुदान के रूप में एक तदनुरूपी देयता के तौर पर लेखांकित किया गया है (टिप्पणी 26.1)।

इन परिसंपत्तियों को कंपनी को अंतरित करते समय भारत सरकार द्वारा समाप्त किए जाने की बाध्यता को विसंयोजित किया गया है। उसे भारत सरकार के निर्णय के अनुसार लिया जाएगा। तथापि, संयुक्त उद्यम में भागीदार होने के चलते समाप्त किए जाने के प्रावधान के प्रति 40 प्रतिशत अंश को एकल वित्तीय विवरणों में वहन किया जा रहा है।



ओएनजीशियन एक अपतटीय रिग के डेरिक फर्श पर – सौहार्द्र की भावना और राष्ट्र के लिए समृद्धि हमें कठिन परिस्थितियों में पसीना बहाने और परिश्रम करने के लिए प्रेरित करती है।

8. अमूर्त परिसंपत्तियों

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर				
(देखें टिप्पणी सं. 8.1)				
प्रारंभिक शेष	1,408.30		911.32	
वर्ष के दौरान वृद्धि	659.20		493.15	
समायोजन	(174.64)	1,892.86	3.83	1,408.30
घटाएं : संचित परिशोधन और क्षति				
संचित परिशोधन				
प्रारंभिक शेष	519.37		240.53	
वर्ष हेतु प्रावधान	297.45		274.44	
समायोजन	(58.10)	758.72	4.40	519.37
संचित क्षति				
प्रारंभिक शेष	5.50		5.39	
वर्ष हेतु प्रावधान	0.08		0.10	
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	-		(1.84)	
समायोजन	-	5.58	1.85	5.50
		1,128.56		**883.43**

8.1 कंपनी ने पिछले जीएएपी के अनुसार मापी गई 1 अप्रैल, 2015 (परिवर्तन तिथि) को मान्यता प्रदान की गई अपनी अन्य अमूर्त परिसंपत्तियां के वहन मूल्य को जारी रखने का विकल्प चुना है और उस वहन मूल्य को इंड एएस 101 के पैरा डी7कक के अनुसार परिवर्तन तिथि को इसकी मानद लागत माना है जिन्हें इंड एएस 101 "भारतीय लेखांकन मानकों को पहली बार अपनाया जाना" के पैरा डी21 के अनुसार लिया गया है।

9. विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं				
प्रारंभिक शेष		201,475.81		178,416.93
वर्ष के दौरान व्यय	72,262.55		61,163.97	
घटाएं : तेल और गैस से बिक्री प्राप्तियां	35.25	72,227.30	56.20	61,107.77
अधिग्रहण लागत (टिप्पणी सं. 46.1.10)		12,930.45		-
वर्ष के दौरान मूल्यह्रास (टिप्पणी सं. 36)		4,894.46		4,110.51
		291,528.02		243,635.21
घटाएं :				
तेल तथा गैस परिसंपत्तियों को अंतरण	7,286.12		10,130.13	
वर्ष के दौरान अपलिखित कुएं	55,356.15		32,029.26	
अन्य समायोजन	-	62,642.27	0.01	42,159.40
		228,885.75		201,475.81
घटाएं : क्षति (टिप्पणी 9.1)				
प्रारंभिक शेष	9,744.92		6,170.82	
वर्ष के दौरान प्रावधान की गई	1,820.96		4,540.15	
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	(1,065.44)		(966.05)	
		10,500.44		9,744.92
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां		**218,385.31**		**191,730.89**

9.1 वर्ष 2004–05 में कंपनी ने अन्वेषण ब्लॉक केजी–डीडब्ल्यूएन–98/2 में मैसर्स केयर्न एनर्जी इंडिया लिमिटेड से ₹ 3,711.22 मिलियन के एकमुश्त मूल्य पर 90 प्रतिशत प्रतिभागिता हित प्राप्त किया है जिसे कुओं की परिणामी अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग लागतों के साथ चालू अन्वेषणात्मक कुओं के अंतर्गत पूंजीकृत किया गया है। वर्ष 2012–13 में कंपनी ने ₹ 2124.44 मिलियन के प्रतिफल पर वास्तविक पूर्व लागत आधार पर मैसर्स केर्न एनर्जी इंडिया लिमिटेड से ब्लाक में शेष 10 प्रतिशत प्रतिभागिता हित को प्राप्त किया है। इस ब्लाक में प्रारंभिक इन–प्लेस भण्डारों को स्थापित किया जा चुका है और मूल पीएससी समय सीमाओं का पालन करते हुए एक अवधारणात्मक क्लस्टर विकास योजना के साथ वाणिज्यिकता की घोषणा (डीओसी) को दक्षिणी खोज क्षेत्र हेतु 21.12.2009 को और उत्तरी खोज क्षेत्र हेतु 15.7.2010 को प्रस्तुत किया गया था। तत्पश्चात, दिसम्बर, 2013 में प्रस्तुत संशोधित डीओसी में समूचे विकास क्षेत्र को 3 क्लस्टरों में विभाजित करके ब्लाक के क्लस्टर–वार विकास की परिकल्पना की गई थी। क्लस्टर–2 के संबंध में डीओसी की समीक्षा 25.9.2014 को ब्लाक की प्रबंध समिति (एमसी) द्वारा की गई थी। क्लस्टर–2 के लिए फील्ड विकास योजना (एफडीपी) दिनांक 08–09–2015 को प्रस्तुत की गई थी और इसे प्रबंध समिति द्वारा दिनांक 31–3–2016 को अनुमोदित कर दिया गया था। कंपनी द्वारा निवेश निर्णय को अनुमोदित कर दिया गया है। क्लस्टर–2 में कुओं की ड्रिलिंग 8 अप्रैल, 2018 को प्रारंभ हुई।

क्लस्टर–1 हेतु डीओसी को 14 दिसम्बर, 2016 को अनुमोदित किया गया था और क्लस्टर–1 हेतु एफडीपी 13 दिसम्बर, 2017 को दायर की गई है तथा डीजीएच द्वारा समीक्षा के अधीन है। क्लस्टर–3 की संशोधित डीओसी 14 दिसम्बर, 2017 को एसओपी प्रारूप के अंतर्गत डीजीएच को प्रस्तुत की गई है और अनुमोदन की प्राप्ति पर एफडीपी प्रस्तुत की जाएगी।

सभी क्लस्टरों के विकास हेतु निश्चित योजना के मद्देनजर ब्लाक में अन्वेषणात्मक कुओं की लागत को अग्रेनित किया गया है।

10. निवेश

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
इक्विटी लिखतों में निवेश (टिप्पणी सं. 10.1)	832,187.63	479,149.63
अधिमानी शेयरों में निवेश (टिप्पणी सं. 10.2)	9.74	-
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश (टिप्पणी सं. 10.3)	1,975.08	1,975.08
अन्य निवेश (टिप्पणी सं. 10.4)	23,135.55	24,029.50
कुल निवेश	**857,308.00**	**505,154.21**

10.1 इक्विटी लिखतों में निवेश

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
(i) अनुषंगी कंपनियों में निवेश (लागत पर)				
(टिप्पणी सं. 10.1.1)				
(क) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	1,500.00	150,000.00	1,500.00	150,000.00
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 100 रूपए प्रति शेयर)				
(ख) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	1,255.35	10,405.73	1,255.35	10,405.73
(उद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)				
ग) ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	920.00	9,200.00	920.00	9,200.00
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)				
(देखें टिप्पणी सं. 10.1.2 और 10.1.5)				
(घ) हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड	778.85	369,150.00	-	-
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)				
(देखें टिप्पणी सं. 10.1.3)				

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
(ङ) पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड	179.51	1,839.32	-	-
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)				
(देखें टिप्पणी सं. 10.1.4)				
अनुषंगी कंपनियों में कुल निवेश		**540,595.05**		**169,605.73**
(ii) एसोसिएट्स में निवेश (लागत पर)				
क) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	187.50	987.50	93.75	987.50
(उद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर) (टिप्पणी सं.10.1.8)				
(ख) पवन हंस लिमिटेड	0.27	2,731.66	0.12	1,203.50
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 10,000 रूपए प्रति शेयर)				
(टिप्पणी सं.10.1.7)				
एसोसिएट्स में कुल निवेश		**3,719.16**		**2,191.00**
(iii) संयुक्त उद्यम में निवेश (लागत पर)				
(क) पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड	-	-	179.51	1,839.32
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)				
(देखें टिप्पणी सं. 10.1.4)				
(ख) मंगलौर एसईजेड लिमिटेड	13.00	130.00	13.00	130.00
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)				
(ग) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	997.96	9,979.56	997.96	9,979.56
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)				
(टिप्पणी सं.10.1.5)				
(घ) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	0.02	0.25	0.02	0.25
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)				
(ङ) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	560.00	5,600.00	560.00	5,600.00
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)				
(च) दहेज एसईजेड लिमिटेड	23.02	230.25	23.02	230.25
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)				
संयुक्त उद्यमों में कुल निवेश		**15,940.06**		**17,779.38**
(iv) अन्य निकायों में निवेश (एफवीटीओसीआई में)				
(क) इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड	1,337.22	236,152.21	668.61	258,784.58
(उद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं. 10.1.8)				
(ख) गेल (इंडिया) लिमिटेड	108.91	35,780.89	81.68	30,788.94

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
(उद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं. 10.1.8)				
अन्य				
(क) ऑयल स्पिल रिस्पॉन्स लिमिटेड*	-	0.01		0.01
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)				
(ख) प्लेनिस टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड	-	0.25	-	-
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं. 10.1.8)				
अन्य निकायों में कुल निवेश		**271,933.36**		**289,573.53**
इक्विटी लिखत में कुल निवेश		**832,187.63**		**479,149.63**
उद्धृत निवेश का कुल वहन मूल्य		652,476.33		300,966.75
अनुद्धृत निवेश का कुल वहन मूल्य		179,711.30		178,182.88
उद्धृत निवेश का कुल बाजार मूल्य		721,721.70		461,252.34
निवेश के मूल्यों में क्षति की कुल मात्रा		-		-

** ऑयल स्पिल रिस्पॉन्स लिमिटेड के 100 इक्विटी शेयर जिनका मूल्य जारी किए जाने के समय एक जीबीपी प्रत्येक का था। शेयर जारी किए जाने के समय भारतीय राष्ट्रीय रूपए में कुल मूल्य 6,885/–रूपए था।*

10.1.1 कंपनी ने पिछले जीएएपी के अनुसार मापे गए अनुषंगी कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और एसोसिएट में निवेश को इसके वहन मूल्य पर जारी रखने का विकल्प चुना है और उक्त वहन मूल्य का उपयोग 1 अप्रैल, 2015 की परिवर्तन तिथि को इंड एएस 101 "भारतीय लेखांकन मानकों को पहली बार अपनाया जाना" के पैरा डी15(ख)(2) के अनुसार किया है।

10.1.2 ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड को अनुषंगी कंपनी के रूप में वर्गीकृत किया गया है क्योंकि कंपनी का इसमें 48.99 प्रतिशत स्वामित्व हित है और इसकी अनुषंगी कंपनी मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स 51.01 प्रतिशत हित धारित किए हुए है।

10.1.3 वर्ष के दौरान 31 जनवरी, 2018 को कंपनी ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में भारत के राष्ट्रपति द्वारा धारित 51.11 प्रतिशत शेयरधारिता (10 रूपये प्रति शेयर के अंकित मूल्य वाले 778,845,375 इक्विटी शेयर) को 473.97 रूपये प्रति शेयर की दर से 369,150.00 मिलियन रूपये के कुल नकद मूल्य पर खरीदा है। इस निवेश के चलते एचपीसीएल कंपनी की एक अनुषंगी कंपनी बन गई है।

10.1.4 पेट्रोनेट एचएचबी लिमिटेड को वर्ष के दौरान एक संयुक्त उद्यम से अनुषंगी कंपनी के रूप में पुनःवर्गीकृत किया गया है क्योंकि कंपनी के पास 32.72 प्रतिशत स्वामित्व हित है तथा इसकी अनुषंगी कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड 32.72 प्रतिशत स्वामित्व हित धारित किए हुए है।

10.1.5 कंपनी को अन्य कंपनियों के साथ संबंधित ऋण समझौतों की प्रसंविदाओं के अनुसार प्रायोजित ऋणों की पूर्णतः चुकौती होने तक संबंधित कंपनियों में निवेश को कम करने की अनुमति नही है।

10.1.6 वर्ष के दौरान कंपनी ने एक स्टार्टअप कंपनी प्लैनिस टैक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड के 10 इक्विटी शेयरों को सब्सक्राइब किया है जिनका अंकित मूल्य 10 रूपये प्रति शेयर है और ऐसा 25430 रूपये प्रति शेयर के प्रीमियम पर किया गया है।

10.1.7 कंपनी ने वर्ष के दौरान पवन हंस लिमिटेड में 1528.16 मिलियन रूपये की राशि के 152,816 अतिरिक्त इक्विटी शेयरों हेतु सबस्क्राइब किया है और कंपनी द्वारा 49 प्रतिशत स्वामित्व हित को धारित किए रहना जारी है।

10.1.8 वर्ष के दौरान कंपनी को 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर के तौर पर इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड से 668,607,628 इक्विटी शेयर, 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर के रूप में पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड से 93,743,705 इक्विटी शेयर और 1:3 के अनुपात में बोनस शेयर के रूप में गेल (इंडिया) लिमिटेड से 227,226,365 इक्विटी शेयर प्राप्त हुए हैं।

10.1.9 अनुषंगी कंपनियों का ब्यौरा

अनुषंगी कंपनी का नाम	प्रमुख कार्यकलाप	अधिनिगमन का स्थान और व्यापार का प्रमुख स्थल	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित/ मताधिकार का अनुपात	
			31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	अन्वेषण और उत्पादन क्रियाकलाप	भारत में अधिनिगमित जिसके सभी प्रचालन भारत से बाहर है	100.00%	100.00%
मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	रिफाइनरी	भारत	71.63%	71.63%
ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड (टिप्पणी सं. 10.1.2)	पेट्रोरसायन	भारत	48.99%	48.99%
हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (टिप्पणी सं. 10.1.3)	रिफाइनिंग और विपणन	भारत	51.11%	-
पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (टिप्पणी सं. 10.1.4)	बहु उत्पाद पाइपलाइन	भारत	32.72%	-

10.1.10 सहयोगी कंपनियों के ब्यौरे

सहयोगी कंपनी का नाम	प्रमुख कार्यकलाप	अधिनिगमन का स्थान और व्यापार का प्रमुख स्थल	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित/ मताधिकार का अनुपात	
			31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
पवन हंस लिमिटेड	हैलीकॉप्टर सेवाएं	भारत	49.00%	49.00%
पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड*	तरलीकृत प्राकृतिक गैस आपूर्ति	भारत	12.50%	12.50%

** पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल) को एक एसोसिएट के रूप में वर्गीकृत किया गया है क्योंकि कंपनी का पीएलएल पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव है।*

10.1.11 संयुक्त उद्यमों के ब्यौरे

संयुक्त उद्यम का नाम	प्रमुख कार्यकलाप	अधिनिगमन का स्थान और व्यापार का प्रमुख स्थल	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित/ मताधिकार का अनुपात	
			31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (टिप्पणी सं. 10.1.4)	बहु उत्पाद पाइपलाइन	भारत	-	32.72%
मंगलौर एसईजेड लिमिटेड	विशेष आर्थिक क्षेत्र	भारत	26.00%	26.00%
ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	पेट्रोरसायन	भारत	49.36%	49.36%
ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	जैवउपचार	भारत	49.98%	49.98%
ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	विद्युत उत्पादन	भारत	50.00%	50.00%
दहेज एसईजेड लिमिटेड	विशेष आर्थिक क्षेत्र	भारत	50.00%	50.00%

10.2 बाध्यकारी परिवर्तनीय अधिमानी शेयर में निवेश

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
एफवीटीपीएल पर बाध्यकारी परिवर्तनीय अधिमानी शेयर में निवेश				
(क) प्लैनिस टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड				
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
(अंकित मूल्य 1500 रूपए प्रति शेयर)	-	9.74	-	-
अधिमानी शेयर में कुल निवेश		**9.74**		-
अनुद्धृत निवेश का कुल वहन मूल्य		9.74		-

10.2.1 वर्ष के दौरान कंपनी ने एक स्टार्टअप कंपनी प्लैनिस टैक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड के 383 बाध्यकारी परिवर्तनीय अधिमानी शेयर (सीसीपीएस) को सबस्क्राइब किया है जिनका अंकित मूल्य 1500 रूपये प्रति शेयर है और ऐसा 23940 रूपये प्रति शेयर के प्रीमियम पर किया गया है। सीसीपीएस जारी किए जाने की तिथि अर्थात 13 मार्च, 2017 से 19 वर्ष की समाप्ति पर बाध्यकारी रूप से इक्विटी शेयरों के रूप मे परिवर्तनीय है। कंपनी जारी किए जाने की तिथि से 19 वर्ष की समाप्ति से पूर्व किसी भी समय, चाहे पात्र आईपीओ या निकास हो अथवा न हो, 360 मिलियन रूपये के पूर्व–राशि मूल्यांकन पर 1:1 आधार (अर्थात एक सीसीपीएस हेतु पीटीपीएल एक इक्विटी शेयर जारी करेगा) ("परिवर्तन अनुपात ") पर किसी सीसीपीएस के इक्विटी शेयरों में परिवर्तन हेतु पीटीपीएल को नोटिस जारी कर सकती है, जो कमी–रोधी बचाव के अधीन होगा और ऐसे नोटिस की प्राप्ति पर पीटीपीएल बिना किसी तत्संबंधी और मूल्य को प्राप्त करने की आवश्यकता के परिवर्तन अनुपात के अनुसार ऐसे सीसीपीएस को इक्विटी शेयरों में परिवर्तित करने के लिए बाध्य होगा।

सीसीपीएस में 0.0001 प्रतिशत की स्थिर दर पर अथवा सीसीपीएस के परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली इक्विटी शेयरों अर्थात यथा परिवर्तित आधार पर पात्र होने वाले सीसीपीएस के धारकों को इक्विटी शेयरों पर वित्तीय वर्ष में देय होने वाले लाभांश, जो भी अधिक हो, पर एक संचित लाभांश देय होगा। यदि परिवर्तित आधार पर लाभांश राशि का सीसीपीएस के धारकों को भुगतान केवल तब ही किया जाएगा जब यदि इक्विटी शेयरों पर लाभांश को घोषित किया जाए।

10.3 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
परिशोधित लागत पर वहन की गई वित्तीय परिसंपत्तियां				
(क) 8.40 प्रतिशत तेल कंपनी भारत सरकार विशेष बाण्ड 2025	0.20	1,975.08	0.20	1,975.08
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)				
सरकारी प्रतिभूतियों या न्यास प्रतिभूतियों में कुल निवेश		**1,975.08**		**1,975.08**
अनुद्धृत निवेश का कुल वहन मूल्य		1,975.08		1,975.08
निवेश के मूल्य में क्षति की कुल राशि		-		-

10.4 अन्य निवेश

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
(1) अनुषंगी कंपनियों में मानद निवेश –				
(क) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड				
(टिप्पणी 10.4.1)		38.40		30.53
(ख) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड				
(टिप्पणी 10.4.2)		4,357.65		5,259.47

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
अनुषंगी कंपनियों में कुल मानद निवेश		**4,396.05**		**5,290.00**
(2) शेयर वारंट का सबस्क्रिपशन – संयुक्त उद्यम (अनुद्धृत – आंशिक रूप से प्रदत्त)				
(क) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड (टिप्पणी 10.4.3)	1,922	18,739.50	1,922	18,739.50
कुल निवेश – शेयर वारंट		**18,739.50**		**18,739.50**
कुल अन्य निवेश		**23,135.55**		**24,029.50**
निवेश का कुल वहन मूल्य		23,135.55		24,029.50
निवेश के मूल्य में क्षति की कुल राशि		-		-

10.4.1 38.40 मिलियन रूपए (गत वर्ष 30.53 मिलियन रूपए) की राशि बिना किसी मूल्य के मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड हेतु दी गई वित्तीय गारंटी के प्रति शुल्कों के उचित मूल्य को दर्शाती है।

10.4.2 4,357.65 मिलियन रूपए (गत वर्ष 5,259.47 मिलियन रूपए) की राशि में (1) बिना किसी मूल्य के दी गई वित्तीय गारंटी पर गारंटी शुल्क के उचित मूल्यों के प्रति 2,753.34 मिलियन रूपए (गत वर्ष 3,674.35 मिलियन रूपए) (2) ब्याज मुक्त ऋण के उचित मूल्य के प्रति 1,604.31 मिलियन रूपए (गत वर्ष 1,585.11 मिलियन रूपए) शामिल है।

10.4.3 वर्ष 2015–16 के दौरान कंपनी ने ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड के शेयर वारंट को सबस्क्राइब किया था जो कंपनी को प्रत्येक वारंट को 25 अगस्त, 2015 को जारी शेयर वारंट के सबस्क्रिपशन्स के 48 माह के भीतर 0.25/– रूपये प्रति इक्विटी शेयर के शेष भुगतान के पश्चात 10/– रूपये प्रत्येक के अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयर के साथ बदलने का पात्र बनाता है।

10.4.4 कंपनी ने ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड द्वारा जारी 77,780.00 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष 56,150.00 मिलियन रूपए) की राशि के बाध्यकारी परिवर्तनीय डिबेंचरों और 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु 4,670.19 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष 3,612.06 मिलियन रूपये) की राशि के ब्याज हेतु मूलधन की चुकौती तथा संचित कूपन राशि के प्रति सपोर्ट को रोकने के लिए एक समझौता किया है।

10.4.5 प्रत्येक अनुषंगी कंपनी, सहयोगी कंपनी और संयुक्त उद्यमों में संचित निवेश निम्नवत है :

(मिलियन ₹ में)

निकाय का नाम	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	ओएनजीसी मंगलौर पेट्रकैमिकल्स लिमिटेड	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड	पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	पवन हंस लिमिटेड	पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड	ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	मंगलौर एसईजेड लिमिटेड	ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	दहेज एसईजेड लिमिटेड
निकाय का नाम	अनुषंगी कंपनी					सहयोगी कंपनी		संयुक्त उद्यम					
31.03.2018 के अनुसार													
इक्विटी	150,000.00	10,405.73	9,200.00	369,150.00	1,839.32	987.50	2731.66	-	9,979.56	5,600.00	130.00	0.25	230.25
शेयर वारंट	-	-	-	-	-	-	-	-	18,739.50		-	-	-
मानद निवेश	4,357.65	38.40	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**154,357.65**	**10,444.13**	**9,200.00**	**369,150.00**	**1,839.32**	**987.50**	**2,731.66**	**-**	**28,719.06**	**5,600.00**	**130.00**	**0.25**	**230.25**
31.03.2017 के अनुसार													
इक्विटी	150,000.00	10,405.73	9,200.00	-	-	987.50	1,203.50	1,839.32	9,979.56	5,600.00	130.00	0.25	230.25
शेयर वारंट	-	-	-	-	-	-	-		18,739.50		-	-	-
मानद निवेश	5,259.47	30.53	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**155,259.47**	**10,436.26**	**9,200.00**	**-**	**-**	**987.50**	**1,203.50**	**1,839.32**	**28,719.06**	**5,600.00**	**130.00**	**0.25**	**230.25**

11. प्राप्य व्यापार – वर्तमान

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(अप्रतिभूत, अच्छे माने गए जब तक कि अन्यथा न बताया गया हो)		
– अच्छे माने गए (टिप्पणी 11.1 तथा 11.2)	77,726.44	64,762.06
– संदिग्ध माने गए	2,945.62	1,552.03
घटाएं : संदिग्ध प्राप्यों हेतु क्षति	2,945.62	1,552.03
कुल	**77,726.44**	**64,762.06**

11.1 सामान्यतः कंपनी अपने ग्राहकों के साथ दीर्घावधि खनिज तेल तथा गैस बिक्री समझौते करती है। खनिज तेल, गैस तथा मूल्यवर्धित उत्पादों की बिक्री पर ऋण अवधि 7–30 दिवसों की है। इस ऋण अवधि के दौरान कोई ब्याज प्रभारित नहीं किया जाता है। तत्पश्चात, विलंबित भुगतान पर ब्याज एसबीआई आधार दर जमा 4 प्रतिशत–6 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बकाया शेष पर प्रत्येक तिमाही में चक्रवर्ती रूप से किया जाता है।

31 मार्च, 2018 के अनुसार 66,328.20 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 54,071.42 मिलियन रूपये) के शेष प्राप्य व्यापार में से, ये कंपनी के सबसे बड़े उपभोक्ताओं तेल विपणन कंपनियों से है। ऐसे कोई और उपभोक्ता नहीं है जिनसे व्यापार प्राप्य के कुल शेष का 5 प्रतिशत से अधिक देय हो।

तदनुसार, कंपनी तेल विपणन कंपनियों से देयों पर क्षति हानि का आकलन प्रत्येक संव्यवहार से संगत तथ्यों तथा परिस्थितियों पर करती है।

कंपनी के ऋण जोखिम का संकेन्द्रण इस तथ्य के चलते है कि कंपनी को तेल विपणन कंपनियों से बड़ी राशियां प्राप्त करनी है। तथापि, ये कंपनियां प्रतिष्ठित और विश्वसनीय सार्वजनिक क्षेत्रक उपक्रम (पीएसयू) हैं (देखें टिप्पणी सं. 44.2.2)।

11.2 संदिग्ध प्राप्यों हेतु क्षति का संचलन

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	1,552.03	1,552.75
वर्धन	1,494.81	88.22
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(101.22)	(88.94)
वर्ष के अंत में शेष	**2,945.62**	**1,552.03**

12. ऋण

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
(अप्रतिभूत, अच्छे माने गए जब तक कि अन्यथा न बताया गया हो)				
(1) जमा				
– अच्छे माने गए	1,570.13	4,587.98	1,363.40	4,736.80
– संदिग्ध माने गए	14.14	-	83.64	-
घटाएं : संदिग्ध ऋणों हेतु क्षति	14.14	-	83.64	-
कुल जमा	**1,570.13**	**4,587.98**	**1,363.40**	**4,736.80**
(2) संबंधित पक्षों को ऋण				
अनुषंगी कंपनी को ऋण	11,999.70	6,857.20	19,020.35	6,857.20
अनुषंगी कंपनी से प्राप्य	0.01	147.19	0.01	148.71
संबंधित पक्षों को कुल ऋण	**11,999.71**	**7,004.39**	**19,020.36**	**7,005.91**
(3) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को ऋण				
– अच्छे माने गए	-	-	-	-

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
– संदिग्ध माने गए	170.50	-	170.50	-
घटाएं : संदिग्ध ऋणों हेतु क्षति	170.50	-	170.50	-
सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को कुल ऋण	-	-	-	-
(4) कर्मचारियो को ऋण				
(टिप्पणी 12.1)				
– प्रतिभूत, अच्छे माने गए	7,539.90	2,256.72	7,424.76	2,281.74
– अप्रतिभूत, अच्छे माने गए	224.99	172.06	262.58	245.02
– अप्रतिभूत, संदिग्ध माने गए	-	12.61	-	12.96
घटाएं : संदिग्ध ऋणों हेतु क्षति	-	12.61	-	12.96
कर्मचारियों को कुल ऋण	**7,764.89**	**2,428.78**	**7,687.34**	**2,526.76**
कुल ऋण	**21,334.73**	**14,021.15**	**28,071.10**	**14,269.47**

12.1 कर्मचारियों को ऋण में प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों से बकाया 0.70 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 0.72 मिलियन रूपये) की राशि शामिल है।

12.2 संदिग्ध ऋणों हेतु क्षति का संचलन

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	**267.10**	**276.80**
वर्ष के दौरान मानी गई	1.14	24.02
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(219.41)	(71.41)
अन्य समायोजन	148.42	37.69
वर्ष के अंत में शेष	**197.25**	**267.10**

13. स्थल पुनरूद्धार निधि के अंतर्गत जमा

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
स्थल पुनरूद्धार निधि के अंतर्गत जमा	159,911.97	145,386.91
कुल	**159,911.97**	**145,386.91**

उक्त राशि को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 33एबीए के अंतर्गत बैंकों के साथ जमा करवाया गया है और इसे केवल योजना में निर्दिष्ट प्रयोजनों यथा जीवन, संपत्ति, पर्यावरण आदि को होने वाले खतरों को रोकने के लिए किसी परित्याग योजना के अनुसरण में केन्द्र सरकार के साथ सहमत तरीके से उपकरणों तथा संस्थापनाओ को हटाने के प्रति, ही निकाला जा सकता है। इस राशि को प्रतिबंधित नकदी माना गया है और अतः "नकदी तथा नकदी तुल्य" के रूप में नहीं लिया गया है।

14. वित्तीय परिसंपत्तियां – अन्य

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
(अप्रतिभूत, अच्छे माने गए जब तक कि अन्यथा न बताया गया हो)				
(क) नकदी में प्राप्य अग्रिम				
– अच्छे माने गए (टिप्पणी 14.1)	1,646.62	23,706.07	1,252.18	5,178.14
– संदिग्ध माने गए (टिप्पणी 14.2)	408.50	13,465.07	1,085.58	13,281.72
घटाएं : संदिग्ध अग्रिमों हेतु क्षति	408.50	13,465.07	1,085.58	13,281.72
कुल नकदी में प्राप्य अग्रिम	**1,646.62**	**23,706.07**	**1,252.18**	**5,178.14**
(ख) संयुक्त प्रचालन भागीदारों से प्राप्य नकदी आमंत्रण				

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
– अच्छे माने गए	-	4,534.36	165.82	4,350.81
– संदिग्ध माने गए	6,610.91	-	6,540.75	-
घटाएं : संदिग्ध प्राप्य नकदी आमंत्रणों हेतु क्षति	6,610.91	-	6,540.75	-
संयुक्त प्रचालन भागीदारों से प्राप्य कुल नकदी आमंत्रण	**-**	**4,534.36**	**165.82**	**4,350.81**
(ग) जमा और ऋणों पर प्रोदभूत ब्याज				
– अच्छे माने गए	-	377.20	-	1,644.24
– संदिग्ध माने गए	22.87	-	22.87	-
घटाएं : संदिग्ध प्राप्यों हेतु क्षति	22.87	-	22.87	-
	-	**377.20**	**-**	**1,644.24**
(घ) अन्य				
– अच्छे माने गए	-	1,800.49	-	173.55
– संदिग्ध माने गए	-	-	1.97	-
घटाएं : संदिग्ध प्राप्यों हेतु क्षति	-	-	1.97	-
जमा और ऋणों पर प्रोदभूत कुल ब्याज	**-**	**1,800.49**	**-**	**173.55**
कुल अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	**1,646.62**	**30,418.12**	**1,418.00**	**11,346.74**

14.1 वित्तीय वर्ष 2010–11 के दौरान, भारत सरकार की नामिति, तेल विपणन कंपनियों ने संयुक्त रूप से नियंत्रित परिसंपत्तियों पन्ना, मुक्ता एवं ताप्ती के संबंध में भारत सरकार के निदेशों के अनुसार ओएनजीसी का 32.07 मिलियन अमेरीकी डॉलर (₹ 2,081.98 मिलियन) का अंश वसूल किया। वसूली भारत सरकार को देय लागत एवं लाभ पेट्रोलियम अंश के संबंध में वर्ष 2002–03 से 2005–06 तक की अवधि के लिए उत्पादन भागीदारी संविदा (पीएससी) के तहत हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) द्वारा नियुक्त लेखा–परीक्षकों द्वारा लगाई गई कुछ टिप्पणियों के लिए की गई है। आरआईएल के साथ बीजीईपीआईएल (''दावेदारों'') ने पन्ना, मुक्ता एवं ताप्ती उत्पादन भागीदारी संविदा की शर्तों के संबंध में उत्पन्न हुए विवाद, मतभेद एवं दावों के संबंध में भारत सरकार को माध्यस्थ्य का एक नोटिस सौंपा। चूंकि, कंपनी माध्यस्थ्य कार्यवाहियों में एक पक्ष नहीं है, इसलिए इसने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय से अनुरोध किया गया था कि मध्यस्थ अधिनिर्णय की स्थिति में, उत्पादन भागीदारी संविदा दोनों के लिए संविदाकार के संघटक के रूप में ओएनजीसी पर भी उक्त को लागू करवाया जाए। तदुपरांत, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 4 जुलाई, 2011 के पत्र द्वारा ओएनजीसी को पन्ना, मुक्ता एवं ताप्ती उत्पादन भागीदारी संविदा के तहत आरआईएल एवं बीजीईपीआईएल द्वारा प्रारंभ किए गए माध्यस्थम कार्रवाई में शामिल न हो। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने यह भी बताया कि माध्यस्थम निर्णय की स्थिति में, दोनों उत्पादन भागीदारी संविदा के लिए संविदाकार के संघटक के रूप में उक्त ओएनजीसी के लिए भी लागू होगा। आरआईएल, बीजीईपीआईएल तथा भारतीय संघ के मध्य माध्यस्थम मामले में अधिकरण द्वारा एक अंतिम आंशिक निर्णय (एफपीए) दिया गया है।

संयुक्त प्रचालन भागीदार आरआईएल तथा बीजीईपीआईएल ने एफपीए को ब्रिटिश वाणिज्यिक न्यायालय के समक्ष चुनौती दी है। माध्यस्थम अधिकरण द्वारा देयताओं को अंतिम मात्रात्मक रूप दिए जाने और ब्रिटिश वाणिज्यिक न्यायालय का निर्णय लंबित होने के चलते उक्त को "नकदी में प्राप्य अग्रिम" के अंतर्गत भारत सरकार से प्राप्य के रूप में दर्शाया गया है (रूपये में आकड़ों को पुनः व्यक्त किया गया है)।

14.2 रव्वा संयुक्त उद्यम में, प्रचालक के पक्ष में पूर्व के विवाचन अधिकरण अधिनिर्णय को रद्द करते हुए मलेशिया उच्च न्यायालय के निर्णय के आधार पर, कर पश्चात् प्रतिलाभ दर (पीटीआरआर) के अभिकलन के संबंध में उत्पादन भागीदारी संविदा के प्रावधानों की व्याख्या में मतभेद होने के कारण, भारत सरकार (जीओआई) द्वारा उठाई गई अतिरिक्त लाभ पेट्रोलियम की मांग पर प्रचालक मैसर्स वेदांता लिमिटेड (पूर्व में मैसर्स केयर्न एनर्जी इंडिया प्रा. लि.) द्वारा विवाद उत्पन्न किया गया था। कंपनी विवाद की पक्षकार नहीं है लेकिन यह प्रचालक पर लागू होने वाले निर्णय का पालन करने पर सहमत हुई है।कंपनी ब्याज और विनिमय दर उतार–चढ़ाव हेतु समायोजनों के पश्चात 10896.48 मिलियन रूपये (167.84 मिलियन अमेरिकी डॉलर के समतुल्य) की राशि को वहन कर रही है जिससे भारत सरकार द्वारा वसूल किया गया है और इसमें 54.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर (3,562.81 मिलियन रूपये) की राशि का ब्याज शामिल है। कंपनी ने भारत सरकार द्वारा इस वसूली के प्रति क्षति प्रावधान किया है।

बाद की विधिक कार्यवाहियों में, माननीय मलेशिया के उच्च न्यायालय, कुआलालमपुर के अपीलीय प्राधिकरण ने मलेशिया के उच्च न्यायालय के निर्णय को रद्द कर दिया था तथा प्रचालक के पक्ष में विवाचन अधिकरण के पूर्व निर्णय को पुनः स्थापित किया गया, जिसके विरूद्ध भारत सरकार ने फेडरल कोर्ट ऑफ मलेशिया के समक्ष एक अपील प्रस्तुत की। वर्ष के दौरान, फेडरल कोर्ट ऑफ मलेशिया ने 11 अक्तूबर, 2011 के अपने आदेश द्वारा भारत सरकार की उक्त अपील को खारिज कर दिया।

कंपनी ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ फेडरल कोर्ट ऑफ मलेशिया के अनुकूल निर्णय को ध्यान में रखते हुए की गई वसूलियों के प्रतिदाय के संबंध में मामले में उठाया है। तथापि, 13 जनवरी, 2012 को प्राप्त पत्र के अनुसार, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मत अभिव्यक्त किया कि ओएनजीसी के प्रस्ताव की तब जांच की जाएगी जब रव्वा उत्पादन भागीदारी संविदा के तहत रखे ओएनजीसी के मुद्दे पर अन्य भागीदारों के साथ भारत सरकार द्वारा इसकी सम्पूर्णता में निर्णय किया जाएगा।

इस स्थिति में प्रतिदाय प्राप्त करने में अनुभव की गई अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए, उक्त अनुसार लेखा बही में किए गए प्रावधानों को 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों में उक्त अनुसार प्राप्य राशि के प्रति बनाए रखा तथा निवल करके रखा गया है (भारतीय ₹ में आंकडे पुनः बताये गए हैं)।

14.3 वित्तीश परिसंपत्तियों के लिए क्षति का संचलन – अन्य

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	**20,932.89**	**18,761.34**
वर्ष के दौरान मानी गई	167.01	295.32
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(379.06)	(132.39)
अन्य समायोजन	(213.49)	2,008.62
वर्ष के अंत में शेष	**20,507.35**	**20,932.89**

15. अन्य परिसंपत्तियां

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
क. पूंजीगत अग्रिम				
– अच्छे माने गए	836.16	-	650.66	-
– संदिग्ध माने गए	25.44	-	25.44	-
घटाएं : क्षति	25.44	-	25.44	-
	836.16	**-**	**650.66**	**-**
ख. अन्य प्राप्य				
– अच्छे माने गए	8.23	-	7.48	-
– संदिग्ध माने गए	501.38	-	481.07	-
घटाएं : क्षति	501.38	-	481.07	-
	8.23	**-**	**7.48**	**-**
ग. जमा				
सीमा शुल्क/पत्तन न्यास आदि के साथ	13.20	16.31	13.20	11.83
अन्य				
– अच्छे माने गए	1,870.39	3,659.43	1,355.67	2,882.45
– संदिग्ध माने गए	1,262.73	43.11	1,300.13	43.11
घटाएं : क्षति	1,262.73	43.11	1,300.13	43.11
	1,883.59	**3,675.74**	**1,368.87**	**2,894.28**
घ. प्राप्य अग्रिम				
– अच्छे माने गए	151.42	11,023.36	1,710.14	11,270.22
– संदिग्ध माने गए	610.18	1,104.00	1,221.41	21.92
घटाएं : प्राप्य हेतु क्षति	610.18	1,104.00	1,221.41	21.92
	151.42	**11,023.36**	**1,710.14**	**11,270.22**
पूर्व भुगतान – जुटाए जाने के प्रभार	1,296.90	1,120.36	1,021.25	1,358.89
पूर्व भुगतान – पट्टाधारी भूमि	3,155.03	164.29	3,240.71	66.86
कुल	**7,331.33**	**15,983.75**	**7,999.11**	**15,590.25**

15.1 अन्य परिसंपत्तियों की क्षति का संचलन

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	**3,093.08**	**5,221.98**
वर्ष के दौरान मानी गई	395.40	214.25
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(18.46)	(1.51)
अन्य समायोजन	76.82	(2,341.64)
वर्ष के अंत में शेष	**3,546.84**	**3,093.08**

15.2 392.40 मिलियन रूपए (399.87 मिलियन रूपए) की राशि वाली 14 लीजहोल्ड भूमियों (पिछले वर्ष 14) के संबंध में स्वामित्व विलेख का निष्पादन प्रक्रियाधीन है।

16. मालसूची

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
कच्चा माल (संघनित)		7.34		3.76
अर्ध–तैयार वस्तुए		385.32		504.43
तैयार वस्तुए (टिप्पणी सं. 16.1 तथा 16.2)		9,894.06		9,144.71
भंडार तथा कलपुर्जे (टिप्पणी 26.1)				
(क) हस्तगत	55,018.92		48,269.23	
(ख) मार्गस्थ	4,858.26		7,162.74	
	59,877.18		55,431.97	
घटाएं : प्रयुक्त न होने वाली मदों हेतु क्षति	3,797.29	56,079.89	3,586.22	51,845.75
गैर–सेवायोज्य मदें		522.47		154.52
कुल		**66,889.08**		**61,653.17**

16.1 इसमें कार्बन क्रेडिट के संबंध में 1.76 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 2.15 मिलियन रूपये) की राशि शामिल है।

16.2 95.16 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 81.58 मिलियन रूपये) की राशि की माल–सूची को निवल वसूली योग्य मूल्य पर मापा गया है। 119.30 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 24.40 मिलियन रूपये) की राशि को टिप्पणी 34 के अंतर्गत लाभ और हानि के एकल विवरण में व्यय के रूप में पश्चलेखित किया गया है।

17. निवेश – वर्तमान

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
लाभ एवं हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वहन की गई वित्तीय परिसंपत्तियां		
(क) म्युचुअल फंडों में निवेश	-	36,343.29
कुल निवेश – वर्तमान	**-**	**36,343.29**



17.1 निवेश का ब्यौरा – वर्तमान

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष		31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	
	मात्रा (मिलियन में)	राशि (मिलियन में)	मात्रा (मिलियन में)	राशि (मिलियन में)
अनुद्धृत निवेश				
म्युचुअल फंडों में निवेश (लाभ एवं हानि के माध्यम से उचित मूल्य)				
(क) यूटीआई लिक्विड कैश प्लान	-	-	12.76	13,008.83
(ख) यूटीआई मनी मार्केट फंड	-	-	8.97	9,001.86
(ग) एसबीआई प्रीमियर लिक्विड फंड – डायरेक्ट प्लान	-	-	13.96	14,002.60
(घ) आईडीबीआई लिक्विड फंड – डाइरेक्ट डेली डिविडेंड	-	-	0.33	330.00
कुल निवेश – वर्तमान		-		**36,343.29**
अनुद्धृत निवेश का संचित मूल्य		-		36,343.29

18. नकदी और नकदी तुल्य

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
बैंकों में साथ शेष	291.91	421.91
हस्तगत नकदी	4.11	4.68
	296.02	**426.59**

19. अन्य बैंक शेष

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
अन्य बैंक जमा जिनकी मूल परिपक्वता 3 माह से अधिक और 12 माह तक है (टिप्पणी सं. 19.1)	8,233.86	93,147.95
दावा न किया गया लाभांश खाता (टिप्पणी सं. 19.2)	299.41	284.12
एसक्रो खाते में जमा (टिप्पणी सं. 19.3)	1,297.70	1,249.18
	9,830.97	**94,681.25**

19.1 कंपनी द्वारा बैंकों के साथ रखे गए जमा में सावधि जमा शामिल है जिन्हें कंपनी द्वारा किसी भी समय बिना किसी पूर्व सूचना या मूलधन पर जुर्माने के बिना निकाला जा सकता है।

19.2 दावा न किए गए लाभांश खाते में जमा राशि लाभांश के भुगतान हेतु निर्दिष्ट है और इसका उपयोग किसी अन्य प्रयोजन हेतु नहीं किया जा सकता है। निवेशक शिक्षा और संरक्षा निधि में जमा हेतु कोई राशि देय नहीं है।

19.3 भारत सरकार और पीएमटी संयुक्त प्रचालन भागीदारों के मध्य पन्ना–मुक्ता गैस के डिलीवरी बिन्दु के विवाद का मामला संगत पीएससी खंडों की भिन्न व्याख्या के कारण उत्पन्न हुआ। संयुक्त उद्यम भागीदारों के अनुसार पन्ना–मुक्ता गैस हेतु डिलीवरी बिन्दु अपतट है, तथापि, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और गेल का तर्क यह था है कि डिलीवरी बिन्दु अभितट में हजीरा है। पन्ना–मुक्ता फील्डों से उत्पादित गैस का परिवहन कंपनी की पाइपलाइनों के माध्यम से किया जाता है। डिलीवरी बिन्दु विवाद के चलते न तो विक्रेता (पीएमटी जेओ) और न ही गैस का क्रेता (गेल) ओएनजीसी को गैस परिवहन हेतु इसकी पाइपलाइनों के उपयोग हेतु कोई पारितोषिक दे रहा था।

माननीय गुजरात उच्च न्यायालय ने यह निर्णय दिया है कि पन्ना–मुक्ता तेल फील्ड जहां से वस्तुओं का संचलन होता है, भारत के सीमा शुल्क क्षेत्र में आता है। परिणामस्वरूप वस्तुओं की बिक्री को भारत में वस्तुओ का आयात नहीं कहा जा सकता। गुजरात राज्य सरकार ने माननीय गुजरात उच्च न्यायालय के निर्णय के प्रति भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय ने एक याचिका दायर की है।

चूंकि डिलीवरी बिन्दु के निर्धारण का उक्त मामला भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय में लंबित है, राशि को जेओ भागीदारों द्वारा एसक्रो खाते में रखा जा रहा है।

20. इक्विटी शेयर पूंजी

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
इक्विटी शेयर पूंजी	64,166.32	64,166.32
	64,166.32	**64,166.32**
प्राधिकृतः		
₹ 5/– प्रत्येक के 30,000,000,000 इक्विटी शेयर		
(31 मार्च, 2017 को ₹ 5/– प्रत्येक के 30,000,000,000 इक्विटी शेयर)	**150,000.00**	**150,000.00**
निर्गमित एवं अभिदत्तः		
₹ 5/– प्रत्येक के 12,833,273,124 इक्विटी शेयर		
(31 मार्च, 2017 को ₹ 5/– प्रत्येक के 8,555,528,064 इक्विटी शेयर)	**64,166.37**	**64,166.37**
पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयर :		
₹ 5/– प्रत्येक के 12,833,235,180 इक्विटी शेयर		
(31 मार्च, 2017 को ₹ 5/– प्रत्येक के 12,833,235,180 इक्विटी शेयर)	64,166.17	64,166.17
जोड़ें : जब्त शेयर (देखें टिप्पणी सं. 20.5)	0.15	0.15
कुल	**64,166.32**	**64,166.32**

20.1 रिपोर्टिंग अवधि की शुरूआत तथा समाप्ति पर बकाया इक्विटी शेयरों का लेखा–समाधानः

(मिलियन ₹ में)

विवरण	शेयरों की संख्या मिलियन में	शेयर पूंजी
1 अप्रैल, 2016 को शेष	**8,555.49**	**42,777.45**
वर्ष के दौरान परिवर्तन (टिप्पणी सं. 20.3)	4,277.75	21,388.72
01 अप्रैल, 2017 को शेष	**12,833.24**	**64,166.17**
वर्ष के दौरान परिवर्तन	-	-
31 मार्च, 2018 को बकाया	**12,833.24**	**64,166.17**

20.2 इक्विटी शेयरों से संबद्ध शर्तें/अधिकार

कंपनी के पास केवल एक श्रेणी के इक्विटी शेयर हैं जिनका सम मूल्य 5 रूपये प्रति शेयर है। इक्विटी शेयर का प्रत्येक धारक एक मत प्रति शेयर हेतु पात्र है। निदेशक मंडल द्वारा प्रस्तावित लाभांश आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है।

कंपनी के परिसमापन के मामले में इक्विटी शेयर के धारक सभी अधिमानी राशियों के वितरण के पश्चात कंपनी की शेष परिसंपत्तियों को प्राप्त करने के पात्र होंगे। वितरण शेयरधारकों द्वारा धारित इक्विटी शेयरों की संख्या के अनुपात में होगा।

कंपनी में 18 दिसम्बर, 2016 को 5 रूपये पूर्णतः प्रदत्त प्रत्येक 2 विद्यमान इक्विटी शेयर हेतु 5 रूपये प्रत्येक के पूर्णतः प्रदत्त एक इक्वीटी शेयर के अनुपात में 4,277,745,060 पूर्णतः प्रदत्त बोनस शेयर आवंटित किए थे।

20.3 कंपनी में 18 दिसम्बर, 2016 को 5 रूपये पूर्णतः प्रदत्त प्रत्येक 2 विद्यमान इक्विटी शेयर हेतु 5 रूपये प्रत्येक के पूर्णतः प्रदत्त एक इक्वीटी शेयर के अनुपात में 4,277,745,060 पूर्णतः प्रदत्त बोनस शेयर आवंटित किए थे।

20.4 कंपनी ने 5 प्रतिशत से अधिक शेयरधारित करने वाले शेयरधारकों का ब्यौरा निम्नवत है :

इक्विटी शेयर धारक का नाम	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष		31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	
	संख्या मिलियन में	% धारिता	संख्या मिलियन में	% धारिता
भारत के राष्ट्रपति	8,690.03	67.72	8,735.65	68.07
भारतीय जीवन बीमा निगम	1,191.02	9.28	1152.81	8.98
इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	986.89	7.69	986.89	7.69

20.5 वर्ष 2006–07 में 10/– रूपये प्रत्येक के 18972 इक्विटी शेयरों (5/– रूपये प्रत्येक के 37944 इक्विटी शेयरों के समतुल्य) को जब्त किया गया था जिनके प्रति मूल रूप से अदा की गई राशि 0.15 मिलियन रूपये थी।

21. अन्य इक्विटी

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
पूंजीगत आरक्षित	159.44	159.44
अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी लिखत हेतु आरक्षित	215,740.58	246,694.49
सामान्य आरक्षित	1,628,949.72	1,518,659.57
प्रतिधारित आय	24,830.75	25,703.98
कुल	**1,869,680.49**	**1,791,217.48**

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
क. पूंजीगत आरक्षित (टिप्पणी सं. 21.1)		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	159.44	159.44
संचलन	-	-
वर्ष के अंत में शेष	**159.44**	**159.44**
ख. अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी लिखत हेतु आरक्षित (टिप्पणी सं. 21.2)		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	246,694.49	110,535.78
इक्विटी लिखत में निवेश पर उचित मूल्य लाभ	(30,953.91)	136,158.71
वर्ष के अंत में शेष	**215,740.58**	**246,694.49**
ग. सामान्य आरक्षित (देखें टिप्पणी सं. 21.3)		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	1,518,659.57	1,475,581.90
घटाएं : जारी किए गए बोनस शेयर	-	21388.72
जोड़ें : प्रतिधारित आय से अंतरण	1,10,290.15	64,466.39
वर्ष के अंत में शेष	**1,628,949.72**	**1,518,659.57**
घ. प्रतिधारित आय		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	25,703.98	28,692.04
वर्ष हेतु कर पश्चात लाभ	199,452.60	178,999.77
जोड़े : निर्धारित लाभ बाध्यता के पुनः मापन से उत्पन्न होने वाली अन्य व्यापक आय, आय कर का निवल	(873.23)	(2,988.06)
घटाएं : लाभांश का भुगतान (देखें टिप्पणी सं. 21.4)	77,641.21	95,179.88
घटाएं : लाभांश पर कर	11,521.24	19,353.50
घटाएं : सामान्य आरक्षित को अंतरित	110,290.15	64,466.39
वर्ष के अंत में शेष	**24,830.75**	**25,703.98**

21.1 उपहार के रूप में प्राप्त परिसंपत्तियों का आंकलित मूल्य दर्शाया गया है।

21.2 कंपनी में अन्य व्यापक आय में इक्विटी प्रतिभूतियों की कुछ निवेश के उचित मूल्य में परिवर्तनों को मान्यता देने का विकल्प चुना है। यह आरक्षित अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए इक्विटी लिखत के पुनर्मूल्यांकन पर उत्पन्न होने वाले संचित लाभों तथा हानियों को दर्शाता है। कंपनी इस आरक्षित से राशियों को प्रतिधारित आय में तब अंतरित करती है जब संगत इक्विटी प्रतिभूतियों का निपटान किया जाता है।

21.3 सामान्य आरक्षित का उपयोग समय–समय पर विनियोजन प्रयोजनों हेतु प्रतिधारित आय से लाभों को अंतरित करने के लिए किया जाता है। चूंकि सामान्य आरक्षित को इक्विटी की एक घटक से दूसरे में अंतरण द्वारा बनाया जाता है।

21.4 कंपनी द्वारा अपने इक्विटी शेयरधारकों को लाभांश के रूप में वितरित की जा सकने वाली राशि का निर्धारण कंपनी अधिनियम, 2013 की आवश्यकताओं और कंपनी की लाभांश वितरण नीति को ध्यान में रखते हुए किया जाता है।

29 सितम्बर, 2017 को वर्ष 2016–17 हेतु 0.80 रूपये प्रति शेयर (16 प्रतिशत) का एक अंतिम लाभांश पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयरों के धारकों को अदा किया गया था।

28 अक्तूबर, 2017 तथा 01 मार्च, 2018 को कंपनी ने क्रमशः 3.00 रूपये प्रति शेयर (60 प्रतिशत) और 2.25 रूपये प्रति शेयर (45 प्रतिशत) के अंतरिम लाभांश की घोषणा की थी जिसका भुगतान किया जा चुका है।

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के संबंध में निदेशक मंडल ने पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयर पर अदा किए जाने वाले 1.35 रूपये प्रति शेयर (27 प्रतिशत) के अंतिम लाभांश को प्रस्तावित किया है। यह इक्विटी लाभांश वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है और इसे इन वित्तीय विवरणों में किसी देयता के रूप में शामिल नहीं किया गया है। प्रस्तावित इक्विटी लाभांश पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयरों के सभी धारकों को देय है। अदा की जाने वाली कुल अनुमानित इक्विटी लाभांश की राशि 17,324.87 मिलियन रूपये और उस पर लाभांश वितरण कर की राशि 3,561.18 मिलियन रूपये है।

22. वित्तीय पट्टा बाध्यताएं

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
प्रतिभूत				
वित्तीय पट्टा बाध्यताएं (टिप्पणी 22.1)	382.93	35.03	382.93	35.03
कुल	**382.93**	**35.03**	**382.93**	**35.03**

22.1 पट्टा समझौते के अनुसार कंपनी को स्थायित्व तक 35.03 मिलियन रूपये के वार्षिक पट्टा किराया का भुगतान करना है। वित्तीय पटटा बाध्यताएं वार्षिकीकृत पट्टा भुगतान के स्थायीत्व मूल्य को प्रदर्शित करती हैं जो 417.96 मिलियन रूपये है।

23. अन्य वित्तीय देयताएं

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
आपूर्तिकर्ताओं एवं ग्राहकों से प्राप्त जमा राशि	50.74	2,172.22	33.55	2,948.78
वित्तीय गारंटी बाध्यता (टिप्पणी सं. 23.1)	1,060.18	404.76	2,166.45	541.12
अदावाकृत लाभांश (टिप्पणी सं. 23.2)	-	299.41	-	284.12
पूँजीगत वस्तुओं हेतु देयता	-	31,119.35	-	20,896.16
कर्मचारियों हेतु देयता	-	19,998.00	-	11,957.42
सेवानिवृत्ति–पश्च लाभ योजना हेतु देयता	-	1,161.42	-	1,078.65
संयुक्त प्रचालन भागीदारों को देय नकदी आमंत्रण	-	17,287.23	-	15,931.44
पक्षों से कटौती की गई परिसमाप्त क्षतियां	-	34,364.54	-	27,171.62
अन्य देयताएँ	-	15,670.69	-	14,124.32
कुल	**1,110.92**	**122,477.62**	**2,200.00**	**94,933.63**

23.1 यह अनुषंगी कंपनियों की ओर से जारी वित्तीय गारंटी के प्रति शुल्क के उचित मूल्य को दर्शाता है, जिसे अनुषंगी कंपनी में निवेश को तदनुरूपी ऋण के साथ वित्तीय गारंटी बाध्यता के रूप में मान्यता दी गई है।

23.2 निवेशक शिक्षा और बचाव निधि में जमा हेतु कोई राशि देय नहीं है।

24. प्रावधान

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान (देखे टिप्पणी सं. 42.10)				
– सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा और सेवांत लाभों हेतु	36,778.00	1,802.42	36,261.77	1,617.13
– नियमित कर्मचारियों हेतु उपदान	-	143.40	-	8,597.42
– आकस्मिक कर्मचारियों हेतु उपदान	63.68	8.67	73.16	5.62
– लिए न गए अवकाश और प्रतिपूरक अनुपस्थिति	-	3,899.99	-	9,162.14
अन्यों हेतु प्रावधान (देखें टिप्पणी सं. 24.1)				
बंद किए जाने हेतु प्रावधान (देखें टिप्पणी सं. 24.2)	176,176.67	6,170.09	156,517.97	1,289.02
अन्य प्रावधान	-	557.34	-	656.42
कुल	**213,018.35**	**12,581.91**	**192,852.90**	**21,327.75**

24.1 अन्यों हेतु संचलन का प्रावधान

(मिलियन ₹ में)

विवरण	बंद किए जाने हेतु प्रावधान		अन्य प्रावधान	
	2017–18	2016–17	2017–18	2016–17
वर्ष के प्रारंभ में शेष	**157,806.99**	**158,194.05**	**656.42**	**739.63**
वर्ष के दौरान मान्यताएं	6,317.77	9,414.92	-	2.94
वर्ष के दौरान उपयोग की गई राशि	(257.44)	(1,568.54)	-	-
छूट का जारी रखना	11,780.57	12,128.16	-	-
वर्ष के दौरान पुनर्लेखन	(2,035.64)	(20,048.04)	(237.71)	(15.73)
पुनर्मापन/अन्य समायोजन का प्रभाव	8,734.51	(313.56)	138.63	(70.42)
वर्ष के अंत में शेष	**182,346.76**	**157,806.99**	**557.34**	**656.42**

24.2 कंपनी तेल तथा गैस परिसंपत्तियों को उनके आर्थिक जीवनकाल की समाप्ति पर आगे बंद किए जाने हेतु इंड एएस 37 "प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां" के सिद्धांतों के अनुसार चालू न किए जाने हेतु प्रावधानों का अनुमान लगाता है। इनमें से अधिकांश बंद किए जाने के क्रियाकलाप भविष्य में होंगे, हटाए जाने की घटनाओं के समय पूरा की जाने वाली सटीक आवश्यकताओं में अनिश्चितता शामिल हो सकती है। बंद किए जाने हेतु प्रौद्योगिकी तथा लागतों में लगातार बदलाव हो रहे हैं। भविष्य के नकदी प्रवाहों का समय तथा राशि काफी अनिश्चिततापूर्ण है। तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के आर्थिक जीवनकाल का अनुमान संगत तेल तथा गैस परिसंपत्ति की दीर्घावधि उत्पादन प्रोफाइल के आधार पर अनुमानित किया जाता है। भविष्य के व्ययों की समय तथा राशि की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में वर्तमान लागत अनुमानों की वृद्धि हेतु मुद्रास्फीति की दर तथा नकदी प्रवाहों की छूट में प्रयुक्त ब्याज दरों के साथ की जाती है।

25. विलंबित कर देयताएं (निवल)

तुलन–पत्र में प्रस्तुत विलंबित कर परिसंपत्तियों/(देयताओं) का विश्लेषण निम्नवत है :

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
विलंबित कर परिसंपत्तियां	64,691.68	59,422.16
विलंबित कर देयताएं	(327,283.25)	(281,054.28)
कुल	**262,591.57**	**221,632.12**

(मिलियन ₹ में)

2017–18	प्रारंभिक शेष	लाभ एवं हानि लेखे में मान्यता प्रदान किए गए	अन्य व्यापक आय में मान्यता दिए गए	अंतिम शेष
विलंबित कर (देयताओं)/परिसंपत्तियों के संबंध में:				
विलंबित कर परिसंपत्तियां				
दावा न किए गए पश्चलेखित अन्वेषणात्मक कुएं	36,707.93	(2,840.57)	-	33,867.36
आय के अंतर्गत गैर–अनुमेय व्यय/क्षतियां	19,403.60	(1,017.31)	-	18,386.29
वित्तीय परिसंपत्तियां	1,571.84	15.00	-	1,586.84
अमूर्त परिसंपत्तियां		8,617.41	-	8,617.41
निर्धारित लाभ बाध्यता	1,738.79	-	494.99	2,233.78
कुल विलंबित कर परिसंपत्तियां	**59,422.16**	**4,774.53**	**494.99**	**64,691.68**
विलंबित कर देयताएं				
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	227,655.84	15,927.16	-	243,583.00
प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं	42,790.73	17,731.15	-	60,521.88
प्रगतिधीन विकास कुएं	8,547.86	(1,292.25)	-	7,255.61
अमूर्त परिसंपत्तियां	249.20	(249.20)	-	-
वित्तीय देयताएं	1.35	0.37	-	1.72
एफवीटीओसीआई पर इक्विटी शेयरों में निवेश संबंध उचित मूल्य लाभ		-	13,313.51	13,313.51
अन्य	1,809.30	798.23	-	2,607.53
कुल विलंबित कर देयताएं	**281,054.28**	**32,915.46**	**13,313.51**	**327,283.25**
विलंबित कर देयताएं (निवल)	**221,632.12**	**28,140.93**	**12,818.52**	**262,591.57**

(मिलियन ₹ में)

2016–17	प्रारंभिक शेष	लाभ एवं हानि लेखे में मान्यता प्रदान किए गए	अन्य व्यापक आय में मान्यता दिए गए	अंतिम शेष
विलंबित कर (देयताओं)/परिसंपत्तियों के संबंध में :				
विलंबित कर परिसंपत्तियां				
दावा न किए गए पश्चलेखित अन्वेषणात्मक कुएं	33,402.98	3,304.95	-	36,707.93
आय के अंतर्गत गैर–अनुमेय व्यय/क्षतियां	22,194.46	(2,790.86)	-	19,403.60
वित्तीय परिसंपत्तियां	1,434.31	137.53	-	1,571.84
निर्धारित लाभ बाध्यता	157.39	-	1,581.40	1,738.79
कुल विलंबित कर परिसंपत्तियां	**57,189.14**	**651.62**	**1,581.40**	**59,422.16**
विलंबित कर देयताएं				
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	197,083.25	30,572.59	-	227,655.84
प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं	41,043.45	1,747.28	-	42,790.73
प्रगतिधीन विकास कुएं	10,846.06	(2,298.20)	-	8,547.86
अमूर्त परिसंपत्तियां	154.90	94.30	-	249.20
वित्तीय देयताएं	8.36	(7.01)	-	1.35
अन्य	1,025.89	783.41	-	1,809.30
कुल विलंबित कर देयताएं	**250,161.91**	**30,892.37**	**-**	**281,054.28**
विलंबित कर देयताएं (निवल)	**192,972.77**	**30,240.75**	**(1,581.40)**	**221,632.12**

26. अन्य देयताएं

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
ग्राहकों से अग्रिम	-	963.74	-	457.99
विलंबित सरकारी अनुदान (देखें टिप्पणी सं. 26.1 तथा 26.2)	7,624.04	-	7,624.30	-
सांविधिक भुगतान हेतु देयता	-	20,053.18	-	16,004.54
अन्य देयताएं	88.57	1,876.28	84.22	1,898.67
कुल	**7,712.61**	**22,893.20**	**7,708.52**	**18,361.20**

26.1 ताप्ती ए श्रृंखला परिसंपत्तियों, सुविधाएं तथा माल–सूची के संबंध में 7615.73 मिलियन रूपये की राशि शामिल है जो पीएमटी संयुक्त प्रचालन की परिसंपत्तियों का हिस्सा थी और जिन्हें संयुक्त उद्यम समझौते के निबंधन एवं शर्तों के अनुसार भारत सरकार को संयुक्त उद्यम द्वारा अभ्यर्पित किया गया था। वर्ष के दौरान इन परिसंपत्तियों तथा सुविधाओं को भारत सरकार द्वारा कंपनी को निशुल्क इसके नामिति के रूप में अंतरित किया गया है। कंपनी ने एक तृतीय पक्ष एजेंसी द्वारा दी गई मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर उक्त परिसंपत्तियों तथा सुविधाओं का उचित मूल्य 7156.89 मिलियन रूपये आंकलित किया है जिसे प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य के रूप में तथा विलंबित सरकारी अनुदान के रूप में एक तदनुरूपी देयता के तौर पर लेखांकित किया गया है। 458.84 मिलियन रूपये मूल्य की माल–सूची को विलंबित सरकारी अनुदान की तदनुरूपी देयता के साथ लेखांकित किया गया है।

26.2 अनुसंधान एवं विकास के पूंजीगत व्यय की प्रतिपूर्ति के चलते 8.31 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष 8.57 मिलियन रूपये) शामिल हैं।

27. ऋण – वर्तमान

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
अप्रतिभूत – परिशोधित लागत पर				
1300 मिलियन अमेरीकी डॉलर – विदेशी मुद्रा सावधि ऋण (टिप्पणी सं. 27.1 और 27.2)	-	84,395.71	-	-
रूपए अवधि ऋण (टिप्पणी सं. 27.1 और 27.3)	-	97,741.43	-	-
कार्यशील पूंजी ऋण (टिप्पणी सं. 27.4)	-	73,784.94	-	-
कुल	**-**	**255,922.08**	**-**	**-**

27.1 विदेशी मुद्रा और रूपये में सावधि ऋणों को बैंकों से भारत सरकार से एचपीसीएल में 51.11 प्रतिशत की शेयरधारिता के सामरिक अधिग्रहण हेतु आंशिक रूप से वित्त पोषण हेतु लिया गया है।

इन ऋणों को निम्नलिखित शर्तों पर लिया गया है :

27.2 विदेशी मुद्रा सावधि ऋण (एफसीटीएल)/विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) ऋण (एफसीएनआर–बी)

क्रम सं.	31 मार्च, 2018 को राशि अमेरीकी डॉलर में	31 मार्च, 2018 को राशि मिलियन रूपए में	पुनर्भुगतान की अवधि	ब्याज दर
1.	250 मिलियन अमेरीकी डॉलर	16,230.00	31 जनवरी, 2019 तक	1एम लीबोर + 0.90 प्रतिशत मासिक रूप से देय
2.	300 मिलियन अमेरीकी डॉलर	19,476.00	31 जनवरी, 2019 तक (निधियों की उपलब्धता के अधीन 31 जनवरी, 2018 से 6 माह के पश्चात रोल ओवर के साथ)	6एम लीबोर + 0.80 प्रतिशत मासिक रूप से देय
3.	750 मिलियन अमेरीकी डॉलर	48,689.71	31 जनवरी, 2019 तक	1एम लीबोर + 1.30 प्रतिशत 26 अप्रैल, 2018 तक मासिक रूप से देय और 27 अप्रैल, 2018 से मासिक रूप से देय 1एम लीबोर + 1.65 प्रतिशत
कुल	**1300 मिलियन अमेरीकी डॉलर**	**84,395.71**		

27.3 रूपए में सावधि ऋण

(मिलियन ₹ में)

क्रम सं.	31 मार्च, 2018 के अनुसार	पुनर्भुगतान की अवधि	ब्याज दर
1.	40,000.00	31 जनवरी, 2019 तक	3 माह टी–बिल + 1.2027 प्रतिशत मासिक रूप से देय
2.	30,000.00	31 जनवरी, 2019 तक	ओवरनाइट एमसीएलआर मासिक रूप से देय (टिप्पणी सं. 27.3.1)
3.	27,741.43	31 जनवरी, 2019 तक	ओवरनाइट एमसीएलआर
कुल	**97,741.43**		

27.3.1 31 जनवरी, 2018 को आहरित 30,000.00 मिलियन रूपये के ऋण को 1 माह के एमआईबीओआर के साथ बेंचमार्क किया गया था और इसका पुनर्वित्त पोषण 31 मार्च, 2018 को ओवरनाइट एमसीएलआर से बेंचमार्क ऋण के साथ किया गया है।

27.4 कार्यशील पूंजी ऋण

ऋण रेखा को कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बैंकों के एक संघ से प्राप्त किया गया था। ओवरनाइट एमसीएलआर से बेंचमार्क ब्याज

28. देय व्यापार

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
देय व्यापार	73,345.47	51,548.03
कुल	**73,345.47**	**51,548.03**

28.1 देय व्यापार – सूक्ष्म और लघु उद्यमों के कुल बकाया देय*

(मिलियन ₹ में)

	विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
क)	वर्ष के अंत में किसी आपूर्तिकार को अदा किए जाने हेतु शेष मूलधन तथा ब्याज की राशि	119.71	121.50
ख)	क्रेता द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अंतर्गत अदा की गई ब्याज की राशि, और साथ में वर्ष के दौरान निर्धारित दिवस से परे आपूर्तिकार को किए गए भुगतान की राशि	-	-
ग)	भुगतान करने में विलंब की अवधि हेतु देय तथा अदा किए जाने वाले ब्याज की राशि (जिसे वर्ष के दौरान निर्धारित दिवस के पश्चात अदा किया गया है) परन्तु सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अंतर्गत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना	-	-
घ)	वर्ष के अंत में प्रोदभूत तथा अदा किए जाने हेतु ब्याज की शेष राशि; और	-	-
ङ)	आगे के वर्षों में शेष रहने वाली तथा अदा की जाने वाली और ब्याज की राशि की मात्रा जब तक कि ऐसी तिथि को देय ब्याज वास्तव में लघु उद्यम को अदा न किए जाए	-	-

वेंडरों से पुष्टि के आधार पर।

28.2 देय व्यापार के प्रति भुगतान संविदा/क्रय आदेशों के निबंधन एवं शर्तों के अनुसार किया जाता है। औसत क्रेडिट अवधि 21 दिवस की है।

29. कर परिसंपत्तियां/देयताएं (निवल)

(क) गैर–वर्तमान कर परिसंपत्तियां (निवल)

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर–वर्तमान कर परिसंपत्तियां (निवल)	99,463.66	87,763.33

(ख) वर्तमान कर देयताएं (निवल)

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वर्तमान कर देयताएं (निवल)	6,363.28	6,129.02

30. प्रचालनों से राजस्व

वर्ष हेतु प्रचालनों से कंपनी के राजस्व का विश्लेषण निम्नलिखित है :

(मिलियन ₹ में)

	विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष		31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	
क.	**उत्पादों की बिक्री**				
	स्वयं के उत्पाद (उत्पाद शुल्क सहित) (टिप्पणी सं. 30.1 और 30.2)	867,056.14		795,615.83	
	घटाएं : प्रगतिधीन कुओं में अंतरण (कर सहित)	40.87		359.12	
	घटाएं : पेट्रोलियम लाभ में भारत सरकार का अंश	21,213.66		20,393.22	
		845,801.61		774,863.49	
	व्यापार किए गए उत्पाद	-	845,801.61	30.75	774,894.24
ख.	**अन्य प्रचालन राजस्व**				
	संविदात्मक कम मात्रा में उठाई गई गैस से प्राप्तियां	176.63		510.87	
	पाइपलाइन परिवहन प्राप्तियां	487.13		590.07	
	पूर्वोत्तर गैस सबसिडी (टिप्पणी सं. 30.3)	1,555.87		1,897.46	
	उत्पादन बोनस	1,021.84		60.34	
	विद्युत की बिक्री	615.99		700.02	
	प्रसंस्करण प्रभार	381.93	4,239.39	424.30	4,183.06
	कुल		**850,041.00**		**779,077.30**

30.1 वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा तेल विपणन कंपनियों को कोई छूट नहीं दी गई थी।

30.2 नामित खनिज तेल से राजस्व (सिवाय पूर्वोत्तर खनिज तेल के) पहले से ही हस्ताक्षरित खनिज तेल बिक्री समझौतों (सीओएसए) के अनुसार होता है और इसे 01 अप्रैल, 2010 से प्रभावी किया गया है। असम में उत्पादित खनिज तेल हेतु बिक्री राजस्व पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा मुहैया करवाए गए मूल्य निर्धारण सूत्र पर आधरित होता है।

30.3 ''नए घरेलू प्राकृतिक गैस मूल्य निर्धारण दिशा–निर्देश, 2014'' के अनुसार प्राकृतिक गैस का बिक्री राजस्व 1 अप्रैल, 2017 से 30 सितम्बर, 2017 तक और 1 अक्तूबर, 2017 से 31 मार्च, 2018 तक की अवधि के लिए भारत सरकार द्वारा अधिसूचित (जीसीवी आधार पर) क्रमशः 2.48 अमरीकी डॉलर/एमएमबीटीयू और 2.89 अमरीकी डॉलर/एमएमबीटीयू है। पूर्वोत्तर में गैस उपभोक्ताओं हेतु उपभोक्ता मूल्य, घरेलू गैस मूल्य का 60 प्रतिशत होता है और घरेलू गैस मूल्य तथा उपभोक्ता मूल्य के मध्य अंतर का भुगतान कंपनी को भारत सरकार के बजट के माध्यम से किया जाता है और उसे ''पूर्वोत्तर गैस आर्थिक सहायता'' के रूप में दर्शाया जाता है।

30.4 बिक्री राजस्व का ब्यौरा

उत्पाद	यूनिट	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष			31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष		
		मात्रा	मूल्य मिलियन ₹ में		मात्रा	मूल्य मिलियन ₹ में	
खनिज तेल *	एमटी	23,671,832	622,959.72		23,861,020	565,745.17	
घटाएं : अन्वेषणात्मक फील्डों से		413	9.54		2,204	51.01	
घटाएं : लाभ पेट्रोलियम में भारत सरकार का अंश			19,050.90	603,899.28		17,658.64	548,035.52
प्राकृतिक गैस *	000एम3	19,494,107	139,565.82		179,35,475	142,440.40	
घटाएं : अन्वेषणात्मक फील्डों से		2,567	31.33		40,094	308.11	
घटाएं : लाभ पेट्रोलियम में भारत सरकार का अंश			2,162.76	137,371.73		2,734.58	139,397.71
तरलीकृत पेट्रोलियम गैस	एमटी	1,186,456		40,352.37	1,352,078		37,275.69
नाफ्था	एमटी	1,180,210		38,084.01	1,087,070		30,454.88
ईथेन–प्रोपेन	एमटी	355,918		7,501.95	420,496		8,556.86
ईथेन	एमटी	263,717		7,049.89	134,769		5,353.62
प्रोपेन	एमटी	191,071		6,250.23	87,107		2,223.43

उत्पाद	यूनिट	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष			31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष		
		मात्रा	मूल्य मिलियन ₹ में		मात्रा	मूल्य मिलियन ₹ में	
ब्यूटेन	एमटी	103,141		3,423.45	30,287		1,130.69
सुपीरियर कैरोसिन ऑयल	एमटी	33,862		1,178.08	42,833		1,321.29
एलएसएचएस	एमटी	20,267		481.83	26,200		562.20
एचएसडी	एमटी	-		-	8,359		420.93
यूएलएस एचएसडी सहित एचएसडी (व्यापार)	केएल	-		-	431		19.83
मोटर स्पिरिट (व्यापार)	केएल	-		-	206		10.67
एमटीओ	एमटी	5,573		207.34	3,571		129.95
अन्य				1.45			0.97
कुल				**845,801.61**			**774,894.24**

**मात्रा में प्रतिभागिता हित और/अथवा पात्रता हित, जो भी लागू हो, के अनुसार संयुक्त प्रचालनों से मात्रा शामिल है।*

31. अन्य आय

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
निम्नलिखित पर ब्याज :		
बैंकों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में जमा	6,758.64	8,762.31
आयकर प्रतिदाय	6,164.48	3,903.26
ग्राहकों एवं अन्यों से भुगतान में विलंब	203.63	223.21
परिशोधित लागत पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियां		
– अनुषंगी कंपनी/सहयोगी कंपनी को ऋण	1,697.74	2,847.45
– स्थल पुनरूद्धार निधि जमा	10,510.91	9,596.56
– कर्मचारी ऋण	1,040.92	1,076.68
– अन्य निवेश	165.79	165.79
– अन्य	188.20	106.30
कुल	**26,730.31**	**26,681.56**
निम्नलिखित से लाभांश आय :		
अनुषंगी कंपनी, सहयोगी कंपनी और संयुक्त उद्यमों में निवेश	22,436.93	287.42
म्युचुअल फंड में निवेश	1,155.80	1,101.05
अन्य निवेश (एफवीटीओसीआई)	14,217.53	15,581.00
	37,810.26	**16,969.47**
अन्य गैर प्रचालन आय		
पश्चलेखित अधिक समाप्त किए जाने के प्रावधान	2,035.64	20,048.04
पश्चलेखित आधिक्य प्रावधान – अन्य	2,297.49	2,251.58
पश्चलेखन की आवश्यकता न होने वाली देयताएं	1,309.95	1,728.81
सांविदात्मक प्राप्तियां	1,647.04	785.15
निवेश की बिक्री पर लाभ	0.10	2.94
परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ	-	124.07
वित्तीय गारंटी बाध्यता का परिशोधन	329.48	543.99
वित्तीय लिखतों का उचित मूल्यांकन	6.24	8.59
विनिमय लाभ – निवल	499.00	1,282.18
विविध प्राप्तियां	6,169.97	6,337.05
	14,294.91	**33,112.40**
कुल	**78,835.48**	**76,763.43**

32. प्रारंभिक तथा अंतिम माल–सूची का ब्यौरा

(मिलियन ₹ में)

विवरण		31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष		31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	
	यूनिट	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
प्रारंभिक स्टाक					
खनिज तेल*	एमटी	912,225	8,901.03	875,732	7,683.39
तरलीकृत पेट्रोलियम गैस	एमटी	11,094	100.12	8,616	96.81
नाफ्था	एमटी	87,587	414.41	76,083	410.91
ईथेन–प्रोपेन	एमटी	684	7.62	614	9.35
सुपीरियर कैरोसीन ऑयल	एमटी	2,277	15.53	8,464	31.50
एविएशन टरबाइन फ्यूल	एमटी	1,458	10.23	602	2.41
लो सल्फर हैवी स्टाक	एमटी	454	8.34	391	5.77
हाई स्पीड डीजल	एमटी	1,326	38.50	2,325	61.01
ईथेन	एमटी	2,406	78.61	-	-
प्रोपेन	एमटी	1,278	40.19	659	8.83
ब्यूटेन	एमटी	766	25.03	-	-
मिनरल टर्पेन्टाइन ऑयल	एमटी	288	5.84	240	3.90
हाई स्पीड डीजल**	केएल	-	-	14	0.51
मोटर स्पिरिट**	केएल	-	-	6	0.28
कार्बन क्रेडिट	यूनिट	115,093	2.15	264,029	3.37
अन्य		-	1.54	-	2.69
			9,649.14		**8,320.73**
अंतिम स्टाक					
खनिज तेल*	एमटी	897,792	9,439.94	912,225	8,901.03
तरलीकृत पेट्रोलियम गैस	एमटी	9,973	96.55	11,094	100.12
नाफ्था	एमटी	81,274	463.44	87,587	414.41
ईथेन–प्रोपेन	एमटी	465	5.93	684	7.62
सुपीरियर कैरोसीन ऑयल	एमटी	14,397	62.07	2,277	15.53
एविएशन टरबाइन फ्यूल	एमटी	1,815	13.42	1,458	10.23
लो सल्फर हैवी स्टाक	एमटी	1,966	34.50	454	8.34
हाई स्पीड डीजल	एमटी	3,875	93.92	1,326	38.50
ईथेन	एमटी	2,328	43.39	2,406	78.61
प्रोपेन	एमटी	1,006	12.30	1,278	40.19
ब्यूटेन	एमटी	472	5.88	766	25.03
मिनरल टर्पेन्टाइन ऑयल	एमटी	308	5.40	288	5.84
हाई स्पीड डीजल**	केएल	-	-	-	-
मोटर स्पिरिट**	केएल	-	-	-	-
कार्बन क्रेडिट	यूनिट	115,093	1.76	115,093	2.15
अन्य			0.88		1.54
कुल			**10,279.38**		**9,649.14**

** संयुक्त प्रचालन के स्टाक में कंपनी का अंश शामिल है।*
*** व्यापार हेतु खरीदा गया।*

(i) व्यापार में होने वाले स्टाक की खरीद

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
हाई स्पीड डीजल	-	16.83
मोटर स्पिरिट	-	9.08
अन्य	-	0.10
कुल	**-**	**26.01**

33. तैयार वस्तुओं, व्यापार में स्टाक और प्रगतिधीन कार्य की मालसूचियों में परिवर्तन

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
अंतिम स्टाक – तैयार/अर्ध तैयार वस्तुएं और व्यापार के अधीन स्टाक	10,279.38	9,649.14
प्रारंभिक स्टाक – तैयार/अर्ध तैयार वस्तुएं और व्यापार के अधीन स्टाक	9,649.14	8,320.73
माल–सूची में (वृद्धि)/कमी	**(630.24)**	**(1,328.41)**

34. उत्पादन, परिवहन, बिक्री और वितरण व्यय

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
रॉयल्टी	99,089.92	115,748.26
उपकर	99,637.78	89,044.63
राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक शुल्क	1,122.12	1,128.79
उत्पाद शुल्क	410.22	2,092.51
सेवा कर	333.85	288.75
पत्तन न्यास प्रभार	389.50	353.94
कर्मचारी व्यय	25,030.20	23,986.56
वर्क ओवर प्रचालन	23,302.66	20,185.92
जल अंतःक्षेपण, विसादन एवं विपासीकरण	12,210.10	11,885.10
कच्चा माल, भंडार एवं यंत्रांग की खपत	12,092.18	16,556.19
प्रदूषण नियंत्रण	2,379.22	2,566.43
परिवहन व्यय	4,482.50	6,616.54
बीमा	854.64	1,092.43
विद्युत एवं ईंधन	2,535.86	3,058.14
मरम्मत एवं अनुरक्षण	17,038.23	20,008.33
किराया प्रभार आदि सहित संविदात्मक भुगतान	26,339.37	26,769.23
अन्य उत्पादन व्यय	9,900.64	7,106.19
उत्पादों का परिवहन एवं भाड़ा	13,835.32	12,001.00
अनुसंधान एवं विकास	5,862.25	5,918.62
सामान्य प्रशासनिक व्यय	38,425.02	40,169.50
सीएसआर पर किया गया व्यय (देखें टिप्पणी सं.34.2)	5,034.35	5,171.56
विविध व्यय (देखें टिप्पणी सं.34.3)	6,573.65	5,910.03
वित्तीय लिखतों के उचित मूल्यांकन पर हानि	706.68	1,079.77
कुल	**407,586.26**	**418,738.42**

34.1 स्वरूप–वार व्यय का ब्यौरा

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
जनशक्ति लागत		
(क) वेतन, मजदूरी, अनुग्रहपूर्वक भुगतान आदि	92,135.23	74,402.67
(ख) भविष्य निधि और अन्य निधियों में अंशदान	11,396.58	10,122.95
(ग) उपदान के लिए प्रावधान	125.30	9,893.47
(घ) छुट्टी के लिए प्रावधान (प्रतिपूरक अनुपस्थिति सहित)	3,905.40	9,038.07
(ङ) सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा और सेवांत लाभों के लिए प्रावधान	3,272.26	9,205.69
(च) स्टाफ कल्याण व्यय	2,975.76	2,844.81
उप–जोड़	**113,810.53**	**115,507.66**
कच्चे माल, स्टोर्स और अतिरिक्त पुर्जों की खपत	56,158.78	60,902.66
उप–कर	99,637.78	89,044.63
राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक शुल्क	1,122.12	1,128.79
उत्पाद शुल्क	410.22	2,092.51
रॉयल्टी	99,089.92	115,748.26
पोर्ट ट्रस्ट प्रभार	389.50	353.94
सेवा कर	333.85	288.75
किराया	3,519.18	3,743.70
दरें और कर	333.50	358.57
उपकरणों और वाहनों के किराया प्रभार	110,392.98	126,158.87
विद्युत, ईंधन और जल प्रभार	5,004.05	5,586.04
संविदात्मक ड्रिलिंग, लॉगिंग, वर्कओवर आदि	56,317.22	44,793.72
संविदात्मक प्रतिभूति	7,204.36	6,071.54
भवनों की मरम्मत	892.39	1,055.89
संयंत्र और उपकरण की मरम्मत	8,459.81	8,866.81
अन्य मरम्मत	2,289.59	2,868.59
बीमा	1,815.61	1,987.81
दौरे/यात्रा पर किय गया व्यय	4,547.32	4,122.04
सीएसआर पर किया गया व्यय (टिप्पणी सं. 34.2	5,034.35	5,171.56
विविध व्यय (टिप्पणी सं. 34.3)	11,447.38	17,665.26
	588,210.44	**613,517.60**
घटाएं :		
अन्वेषण, विकास ड्रिलिंग, पूंजीगत कार्यों, प्राप्तियोग्य आदि को आबंटित	180,624.18	194,779.18
उत्पादन, परिवहन, बिक्री और वितरण व्यय	**407,586.26**	**418,738.42**



34.2 सीएसआर व्यय में निम्नलिखित शामिल है :

(क) कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान व्यय किए जाने हेतु अपेक्षित सकल राशि – 4,870.40 मिलियन रूपये (गत वर्ष 5356.66 मिलियन रूपये)

(ख) वर्ष के दौरान राशि निम्नलिखित पर व्यय की गई :

(मिलियन ₹ में)

विवरण		31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष			31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष		
		नकदी में	अभी नकदी में भुगतान किया जाना है	कुल	नकदी में	अभी नकदी में भुगतान किया जाना है	कुल
i.	किसी परिसंपत्ति का निर्माण/ खरीद	-	-	-	-	-	-
ii.	उक्त के अतिरिक्त अन्य कोई प्रयोजन	4,085.42	948.93	5,034.35	4,936.94	234.62	5,171.56
	कुल	**4,085.42**	**948.93**	**5,034.35**	**4,936.94**	**234.62**	**5,171.56**

34.3 टिप्पणी संख्या 34 में विविध व्यय में सांविधिक लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक निम्नानुसार शामिल है :

(मिलियन ₹ में)

लेखापरीक्षकों को भुगतान	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
लेखापरीक्षा शुल्क	27.08	30.53
प्रमाणीकरण और अन्य सेवाएं	9.47	12.88
यात्रा और जेबखर्ची व्यय	20.51	20.61
कुल	**57.06**	**64.02**

34.4 आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 35(2एबी) के अंतर्गत कटौती हेतु पात्र वैज्ञानिक अनुसंधान पर विभिन्न आंतरिक आर एंड डी संस्थानों द्वारा किया गया व्यय निम्नानुसार है :

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
पूंजीगत व्यय	196.41	292.33
राजस्व व्यय	4,590.79	4,124.26

35. वित्त–पोषण लागत

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
निम्नलिखित पर ब्याज :		
– ऋण	3,263.65	16.03
– नकदी क्रेडिट	1.43	2.62
– अन्य	0.87	13.60
निम्नलिखित को समाप्त करना :		
– समाप्त किए जाने के प्रावधान	11,780.57	12,128.16
– वित्तीय पट्टा बाध्यता	35.03	35.03
– वित्तीय देयताएं	3.15	21.94
कुल	**15,084.70**	**12,217.38**

36. मूल्यह्रास, क्षय, परिशोधन और क्षति

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष		31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	
तेल और गैस परिसंपत्तियों का क्षय		134,383.68		118,903.70
अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का मूल्यह्रास	21,442.85		20,866.08	
घटाएं : निम्नलिखित को आवंटित				
अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग	4,894.46		4,110.51	
विकासात्मक ड्रिलिंग	2,316.86		3,586.15	
अन्य	389.05	13,842.48	767.70	12,401.72
अमूर्त परिसंपत्तियों का परिशोधन		297.45		274.62
क्षति हानि (टिप्पणी सं.47)				
वर्ष के दौरान प्रावधान की गई	3,163.44		5,261.02	
घटाएं : वर्ष के दौरान प्रत्यावर्तित	6,985.33	(3,821.89)	14,945.68	(9,684.66)
कुल		**144,701.72**		**1 21,895.38**

37. अन्य क्षति और पश्चलेखन

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
निम्नलिखित हेतु क्षति		
संदिग्ध ऋण	1,494.81	88.22
संदिग्ध दावे/अग्रिम	563.54	533.58
खपत न होने वाली मालसूची	478.97	-
अन्य	-	2.94
	2,537.32	**624.74**
पश्चलेखन		
अन्य पीपीई का निपटान/समाप्ति	93.92	237.25
दावे/अग्रिम	11.11	61.04
मालसूची	248.96	669.16
	353.99	**967.45**
कुल	**2,891.31**	**1,592.19**

38. कर व्यय

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
निम्नलिखित के संबंध में वर्तमान व्यय :		
– वर्तमान वर्ष	63,549.19	47,546.55
– अन्य – प्राप्त किया गया एमएटी क्रेडिट	-	553.45
– पहले के वर्ष	(2,217.99)	(5,185.39)
	61,331.20	**42,914.61**
विलंबित कर	28,140.94	30,240.75
	28,140.94	**30,240.75**
वर्तमान वर्ष में मान्य कुल आयकर व्यय	**89,472.14**	**73,155.36**

39. वर्ष हेतु आयकर व्यय का मिलान लेखांकन लाभ के संबंध में निम्नानुसार किया जा सकता है :

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
कर पूर्व लाभ	288,924.74	252,155.13
आयकर व्यय की गणना 34.608%	99,991.08	87,265.84
(वित्तीय वर्ष 2016–17 रू 34.608%) पर की गई		
घटाएं: छूट/कटौती		
लाभांश	13,085.39	5,872.79
धारा 80–1ए के अंतर्गत कटौती	376.13	159.09
निवेश भत्ता/15:	-	5,616.55
जोड़ें : करों का प्रभाव जो करयोग्य लाभ के निर्धारण में कटौती योग्य नहीं है		
पूर्व की अवधियों के वर्तमान कर के अस्थायी अंतरों का तदनुरूपी प्रभाव	1,958.26	2,638.85
सीएसआर व्यय पर वर्तमान कर	1,472.89	1,417.74
आय कर में अनुमेय न किए गए व्यय	1,169.90	366.38
घटाएं: छूट का प्रभाव (अनुसंधान एवं विकास धारा 35 (2एबी) के तहत)	828.38	1,528.48
उप जोड़	**90,302.23**	**78,511.90**
कर दर में परिवर्तन के कारण विलंबित कर में वृद्धि	2,418.38	-
अन्य	(99.67)	(171.15)
	92,620.94	**78,340.75**
पिछले वर्ष के वर्तमान कर के संबंध में वर्तमान वर्ष में मान्यता दिए गए समायोजन	(3,148.80)	(5,185.39)
लाभ या हानि में मान्यता दिए गए आयकर व्यय (सतत प्रचालनों से संबंधित)	**89,472.14**	**73,155.36**

(मिलियन ₹ में)

अन्य व्यापक आय में अभिज्ञात आयकर	31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष
आस्थगित कर		
अन्य व्यापक आय में अभिज्ञात आय और व्यय से उत्पन्न :		
एफवीटीओसीआई पर इक्विटी शेयरों में निवेश से निवल उचित मूल्य लाभ / (हानि)	(13,313.50)	-
परिभाषित हितलाभ देयता का पुनर्मापन	494.99	1,581.40
अन्य व्यापक आय में अभिज्ञात कुल आयकर	(12,818.51)	1,581.40
अन्य व्यापक आय में अभिज्ञात आयकर का विभाजन :–	-	-
मदें जिन्हें लाभ या हानि में पुनवर्गीकृत नहीं किया जाएगा	(12,818.51)	1,581.40
मदें जिन्हें लाभ या हानि में पुनवर्गीकृत किया जा सकता है	-	-

40. प्रति इक्विटी शेयर अर्जन

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
इक्विटी शेयर धारकों को आरोप्य वर्ष हेतु कर पश्चात लाभ (मिलियन ₹ में)	199,452.60	178,999.77
इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या (संख्या मिलियन में)	12,833.24	12,833.24
प्रति इक्विटी शेयर आधारभूत और तनुकृत अर्जन (₹)	15.54	13.95
प्रति इक्विटी शेयर अंकित मूल्य (₹)	5.00	5.00

41. पट्टे

41.1 वित्तीय पट्टे

पट्टा व्यवस्थाएं

पट्टाधारी भूमि जिनकी पट्टा अवधि स्थायीत्व तक है, उन्हें वित्त पट्टे के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

वित्तीय पट्टे के अंतर्गत बाध्यताएं

(मिलियन ₹ में)

विवरण	न्यूनतम पट्टा भुगतान		न्यूनतम पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य	
	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
एक वर्ष से अधिक नहीं	35.03	35.03	32.32	32.32
एक वर्ष से अधिक और पांच वर्ष से अधिक नहीं	140.12	140.12	115.03	115.03
पांच वर्ष से अधिक *	417.96	417.96	417.96	417.96
न्यूनतम पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य *	**417.96**	**417.96**	**417.96**	**417.96**

** पट्टा समझौते के अंतर्गत, स्थायित्व तक कंपनी से 35.03 मिलियन रूपये के वार्षिक पट्टा किराए का भुगतान अपेक्षित है। वित्तीय पट्टा बाध्यता वार्षिकीकृत पट्टा भुगतान के अस्थायित्व को दर्शाती है जो 417.96 मिलियन रूपये है और स्थायित्व तक समान बना रहेगा। वित्त प्रभार वार्षिक आधार पर 35.03 मिलियन स्थायित्व तक बने रहेंगे।*

41.2 प्रचालन पट्टा समझौते

41.2.1 पट्टा व्यवस्थाएं

कंपनी ने रिग, वेसल, हैलीकॉप्टर आदि की किराया/सेवा संविदाओं पर इंड एएस 17 "पट्टे" के परिशिष्ट–ग को लगाया है ताकि यह मूल्यांकन किया जा सके कि इन संविदाओं में कोई पट्टा शामिल है अथवा नहीं। समझौतों के निबंधन एवं शर्तों के मूल्यांकन के आधार पर कंपनी ने ऐसी व्यवस्थाओं का मूल्यांकन प्रचालन पट्टे के रूप में किया है।

प्रचालन पट्टे रिग, वेसल, हैलीकॉप्टर आदि के पट्टे से संबंधित है जिनकी पट्टा अवधि 10 वर्ष तक की हो सकती है। कंपनी के पास पट्टा अवधि की समाप्ति पर पट्टे पर लिए गए रिग, वेसल, हैलीकॉप्टर आदि को खरीदने का विकल्प नहीं है।

41.2.2 वर्ष के दौरान मान्यता दिए गए भुगतान

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
पट्टा भुगतान	113,513.94	109,452.99
	113,513.94	**109,452.99**

41.2.3 निरस्त न किए जा सकने वाले प्रचालन पट्टा प्रतिबद्धताएं

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
एक वर्ष से अधिक नहीं	**86,000.99**	**82,591.09**
एक वर्ष से अधिक और पांच वर्ष से अधिक नहीं	**96,332.85**	**101,938.35**
पांच वर्ष से अधिक	**5,202.91**	**10,470.91**
कुल	**187,536.75**	**195,000.35**

42. कर्मचारी लाभ योजनाएं

42.1 निर्धारित अंशदान योजनाएं :

42.1.1 भविष्य निधि

कंपनी एक पृथक न्यास को पूर्ण निर्धारित दरों पर भविष्य निधि का निश्चित अंशदान अदा करती है, इस ट्रस्ट की निधियों का निवेश अनुमेय प्रतिभूतियों में किया जाता है। कंपनी की बाध्यता ऐसे निर्धारित अंशदान को करने तथा भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट किए अनुसार सदस्यों को प्रतिफल की एक न्यूनतम दर सुनिश्चित करने की है। बीमांकक की रिपोर्ट के अनुसार समग्र ब्याज आय तथा संचित अधिशेष सांविधिक ब्याज भुगतान आवश्यकता से अधिक है। अतः आगे किसी प्रावधान को आवश्यक नहीं समझा गया है। योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य तथा बाध्यताओं का ब्यौरा निम्नानुसार है :

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वर्ष के अंत में बाध्यताएं	120,412.14	112,743.97
वर्ष के अंत में योजनागत परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	121,139.39	113,967.60

भविष्य निधि को एक पृथक न्यास के माध्यम से प्रशासित किया जाता है। न्यास के न्यासी समय–समय पर केन्द्र सरकार या केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की ओर से जारी लागू दिशा–निर्देशों या निदेशों के अनुसार कार्य करते हैं, न्यासी बोर्ड के निम्नलिखित दायित्व होते हैं :

(1) सरकार द्वारा इस संबंध में अधिसूचित पैटर्न के अनुसार अधिशेष का निवेश ताकि समय–समय पर निधियों की आवश्यकताओ को पूरा किया जा सके।

(2) निवेश को पूर्णतः या आंशिक रूप से बिक्री, रेहन अथवा भाराक्रांत द्वारा निधि के प्रयोजन हेतु यथापेक्षित धन जुटाना।

(3) सदस्य के खाते में क्रेडिट की जाने वाली ब्याज की दर का निर्धारण।

42.1.2 सेवानिवृत्ति पश्च लाभ योजना

कंपनी की इसके कर्मचारियों हेतु निर्धारित अंशदान पेंशन योजना का प्रशासन एक पृथक न्यास के माध्यम से किया जाता है। कंपनी का दायित्व भविष्य निधि, उपदान, सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभ (पीआरएमबी) अथवा अन्य किसी सेवांत लाभ के प्रति नियोक्ता का अंशदान घटा मूल वेतन तथा मंहगाई भत्ते के 30 प्रतिशत से अधिक न होने वाली राशि का न्यास में योगदान देने का होता है।

न्यास का न्यासी बोर्ड केन्द्र सरकार द्वारा समय–समय पर इस संबंध में जारी लागू दिशा–निर्देशों या निदेशों के अनुसार कार्य करता है और न्यासी बोर्ड के निम्नलिखित दायित्व होते हैं :

(1) सरकार द्वारा इस संबंध में अधिसूचित पैटर्न के अनुसार अधिशेष का निवेश ताकि समय–समय पर निधियों की आवश्यकताओ को पूरा किया जा सके।

(2) अंशदान की दर तथा उस पर ब्याज का निर्धारण

(3) सदस्यों हेतु वार्षिक वृत्ति की खरीद।

42.2 कर्मचारी पेंशन योजना 1995

कर्मचारी पेंशन योजना 1995 का प्रशासन भारत के कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा किया जाता है जिसमें कंपनी को भविष्य निधि में नियोक्ता के अंशदान के रूप में वेतन के 8.33 प्रतिशत (15,000/– रूपये प्रतिमाह की अधिकतम सीमा के अधीन) का अंशदान देना होता है।

42.3 समेकित सामाजिक सुरक्षा योजना (सीएसएसएस)

कंपनी द्वारा समेकित सामाजिक सुरक्षा योजना को इसके नियमित कर्मचारियों के कल्याण हेतु बनाया गया है और इसका प्रशासन समेकित सामाजिक सुरक्षा योजना न्यास नामक एक पृथक न्यास के माध्यम से किया जाता है। कंपनी का दायित्व अपने नियमित कर्मचारियों के अंशदान की सीमा तक न्यास में समान अंशदान मुहैया करवाने का है। न्यास सेवाकाल के दौरान किसी कर्मचारी की मृत्यु या पूर्ण स्थायी निशक्तता के मामले में एक सुनिश्चित एकमुश्त सहायता राशि मुहैया करवाता है। मृत्यु/स्थायी पूर्ण निशक्तता के अतिरिक्त पृथकीकरण के मामले में कर्मचारी के स्वयं के अंशदान को ब्याज सहित वापिस किया जाता है।

न्यास का न्यासी बोर्ड न्यास विलेख, नियम, योजना तथा समय–समय पर प्रबंधन द्वारा जारी लागू दिशा–निर्देशों या निदेशों के अनुसार कार्य करता है।

न्यासी बोर्ड के निम्नलिखित दायित्व होते हैं :

(1) सरकार द्वारा इस संबंध में अधिसूचित पैटर्न के अनुसार अधिशेष का निवेश ताकि समय–समय पर निधियों की आवश्यकताओ को पूरा किया जा सके।

(2) सदस्य के खाते में क्रेडिट की जाने वाली ब्याज की दर का निर्धारण।

(3) किसी कर्मचारी की मृत्यु अथवा स्थायी पूर्ण निशक्तता जो सेवा समाप्ति में परिणत होती हो, उसके नामितियों को नकदी लाभ मुहैया करवाना और मृत्यु के अतिरिक्त किसी अन्य तरीके से पृथकीकरण के मामले में ब्याज के साथ स्वयं के अंशदान की राशि की वापिसी करना।

42.4 निर्धारित अंशदान योजनाओं हेतु आवंटन से पूर्व वित्तीय विवरणों में मान्यता प्रदान की गई राशियां निम्नानुसार हैं :

(मिलियन ₹ में)

निर्धारित अंशदान योजना	निम्न के दौरान मानी गई राशि		प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों हेतु अंशदान	
	2017-18	2016-17	2017-18	2016-17
भविष्य निधि	**4,436.38**	3,826.70	**1.75**	2.09
सेवानिवृत्ति–पश्च लाभ योजना	**5,981.42**	5,240.96	**2.21**	2.60
कर्मचारी पेंशन योजना – 1995 (ईपीएस)	**379.69**	403.12	**0.02**	0.04
समेकित सामाजिक सुरक्षा योजना (सीएसएसएस)	**599.09**	649.56	**0.13**	0.19

42.5 निर्धारित लाभ योजनाएं

42.5.1 **संक्षिप्त विवरण** : कर्मचारी लाभ योजनाओं के प्रकार का एक सामान्य विवरण निम्नानुसार है :

42.5.2 कंपनी की सभी कर्मचारी लाभ योजनाओं को समूह प्रशासन योजनाओं (एकल नियोक्ता योजना) के रूप में चलाया जाता है जिसमें 100 प्रतिशत अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) में भेजे गए कर्मचारी शामिल हैं।

42.5.3 **उपदान**

सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष हेतु 15 दिवस का वेतन। न्यूनतम अवधि 5 वर्ष है और अधिवर्षिता, त्याग–पत्र, बर्खास्तगी निशक्तता अथवा मृत्यु पर भुगतान दो मिलियन रूपये तक सीमित है।

योजना का वित्त–पोषण स्वयं के उपदान न्यास के माध्यम से किया जाता है। उपर्युक्तानुसार उपदान हेतु देयता को बीमांकित मूल्यांकन के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है।

42.5.4 **सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभ**

कंपनी की एक सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभ (पीआरएमबी) योजना है जिसके अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मचारियों, उनके जीवन साथियों तथा आश्रित माता–पिता को कंपनी के अस्पतालों/पैनलबद्ध अस्पतालों में कर्मचारियों को एक बार विहित अंशदान के भुगतान पर चिकित्सा सुविधाएं मुहैया करवाई जाती हैं। वे बाह्य रोगी के रूप में भी उपचार प्राप्त कर सकते हैं। उक्त हेतु देयता को बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर वार्षिक रूप से मान्यता दी जाती है। अधिवर्षिता तथा स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर पूर्ण चिकित्सा लाभ न्यूनतम 20 वर्ष की सेवा तथा 50 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर उपलब्ध हैं।

किसी कर्मचारी द्वारा सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए पात्र होने हेतु अधिवर्षिता के समय ओएनजीसी में निरंतर न्यूनतम 15 वर्ष की सेवा प्रदान की गई होनी चाहिए।

42.5.5 **सेवांत लाभ**

अधिवर्षिता के समय कर्मचारी अपनी इच्छा के किसी स्थान पर रहने के पात्र होते हैं और इसके लिए वे स्थापन भत्ता पाने के हकदार होते हैं।

42.5.6 ये योजनाएं आमतौर पर कंपनी को बीमांकित जोखिमों जैसे कि निवेश जोखिम, ब्याज दर जोखिम, दीर्घायु जोखिम और वेतन जोखिम के सम्मुख लाती हैं।

निवेश जोखिम	निर्धारित लाभ योजना देयता के वर्तमान मूल्य की गणना एक छूट दर का उपयोग करके की जाती है जिसका निर्धारण सरकारी बॉण्ड पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार प्राप्तियों के संदर्भ में किया जाता है। जब ऐसे बॉण्ड हेतु व्यापक बाजार हो; यदि योजना की परिसंपत्ति पर प्रतिफल इस दर से नीचे हो, तो यह योजनागत घाटा उत्पन्न करेगा। वर्तमान में इन योजनाओं हेतु वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार सरकारी प्रतिभूतियों, ऋण लिखतों, अल्पावधि ऋण लिखतों, इक्विटी लिखतों और परिसंपत्ति आधारित, न्यास ढांचाबद्ध प्रतिभूतियों में निवेश किया जाता है।
ब्याज जोखिम	बॉण्ड ब्याज पर में कमी योजनागत दायित्व में वृद्धि करेगी; तथापि, यह योजना के निवेश पर प्रतिफल में वृद्धि द्वारा आंशिक रूप से समायोजित हो जाएगी।
दीर्घकालिकता जोखिम	निर्धारित लाभ योजना दायित्व के वर्तमान मूल्य की गणना योजना प्रतिभागियो के नियोजन के दौरान तथा उसके पश्चात मृत्यु दर के श्रेष्ठ अनुमान के संदर्भ में की जाती है। योजना प्रतिभागियों की जीवन प्रत्याशा में वृद्धि योजना के दायित्व में वृद्धि करेगी।
वेतन जोखिम	निर्धारित लाभ योजना दायित्व के वर्तमान मूल्य की गणना योजना प्रतिभागियों के भविष्य के वेतनों के संदर्भ में की जाती है। इस प्रकार योजना प्रतिभागियों के वेतन में वृद्धि योजना के दायित्व में वृद्धि करेगी।

इन कर्मचारियों को कोई अन्य सेवानिवृत्ति–पश्च लाभ मुहैया नहीं करवाए जाते हैं।

उक्त योजनाओं के संबंध में योजना परिसंपत्तियों और निर्धारित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य का सबसे हाल का बीमांकिक मूल्यांकन 31 मार्च, 2018 को भारतीय बीमांकिक संस्थान की एक सदस्य फर्म द्वारा किया गया था। निर्धारित लाभ बाध्यता के वर्तमान मूल्य और संबंधित वर्तमान सेवा लागत तथा पिछली सेवा लागत का मापन प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके किया गया था।

42.6 अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभ

42.6.1 **संक्षिप्त विवरणः** अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभ के प्रकार का एक सामान्य विवरण निम्नवत है–

42.6.2 कंपनी की सभी कर्मचारी लाभ योजनाओं को समूह प्रशासन योजनाओं (एकल नियोक्ता योजना) के रूप में चलाया जाता है जिसमें 100 प्रतिशत अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) में भेजे गए कर्मचारी शामिल हैं।

42.6.3 **अर्जित अवकाश (ईएल) लाभ**

बीमांकिक – 30 दिवस प्रति वर्ष

सेवा के दौरान नकदीकरण – अर्जित अवकाश शेष का 75 प्रतिशत जो एक केलेंडर वर्ष में अधिकतम 90 दिवस की सीमा के अधीन है।

सेवानिवृत्ति पर नकदीकरण – अधिकतम 300 दिवस।

योजना का वित्त–पोषण भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के माध्यम से किया जाता है।

42.6.4 **अच्छा स्वास्थ्य प्रोत्साहन (अर्ध वेतन अवकाश)**

बीमांकिक – 20 दिवस प्रति वर्ष

सेवा के दौरान नकदीकरण – शून्य।

सेवानिवृत्ति पर नकदीकरण – अर्ध वेतन अवकाश शेष का 50 प्रतिशत।

योजना का वित्त–पोषण भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के माध्यम से किया जाता है।

उक्त हेतु देयता को बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर वार्षिक रूप में मान्यता दी जाती है।

42.7 बीमांकित मूल्यांकन के प्रयोजनों हेतु प्रयुक्त प्रमुख मान्यताएं निम्नवत हैं :

क्रम सं.	विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
	उपदान		
I.	छूट दर	**7.66%**	7.31%
II.	योजित परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	**7.66%**	7.31%
III.	वेतन में वार्षिक वृद्धि	**6.50%**	6.50%
	अवकाश		
IV.	छूट दर	**7.66%**	7.31%
V.	योजित परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	**7.66%**	7.31%
VI.	वेतन में वार्षिक वृद्धि	**6.50%**	6.50%
	सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभ		
VII.	छूट दर	**7.66%**	7.31%
VIII.	योजित परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	लागू नहीं	लागू नहीं
IX.	लागत में वार्षिक वृद्धि	**6.50%**	6.50%
	सेंवात लाभ		
X.	छूट दर	**7.66%**	7.31%
XI.	योजित परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	लागू नहीं	लागू नहीं
XII.	लागत में वार्षिक वृद्धि	**6.50%**	6.50%
XIII.	वेतन में वार्षिक वृद्धि	**6.50%**	6.50%

क्रम सं.	विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
	कर्मचारी टर्नओवर (प्रतिशत)		
XIV.	30 वर्ष तक	**3.00**	3.00
XV.	31 से 44 वर्ष तक	**2.00**	2.00
XVI.	44 वर्ष से अधिक	**1.00**	1.00
	मृत्यु दर		
XVII.	सेवानिवृत्ति से पूर्व	भारतीय सुनिश्चित जीवन मृत्यु तालिका (2006–08) के अनुसार	
XVIII.	सेवानिवृत्ति के पश्चात	भारतीय सुनिश्चित जीवन मृत्यु तालिका (2006–08) के अनुसार	

छूट दर लेखांकन अवधि को समान अवधि वाले सरकारी बॉण्डों पर उपलब्ध बाजार प्रतिफल पर आधारित होती है। वेतन वृद्धि में दीर्घावधि आधार पर मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति तथा अन्य संगत कारकों को लिया जाता है। योजना परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल की दर वर्ष के प्रारंभ में बाजार प्रत्याशा पर संबंधित बाध्यता के समूचे जीवनकाल पर प्रतिफल पर आधारित होती है।

42.8 इन निर्धारित लाभ योजनाओं और अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभों के संबंध में आवंटन से पूर्व वित्तीय विवरणों में मान्यता दी गई राशियां निम्नानुसार हैं :

उपदानः

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
सेवा लागत :		
वर्तमान सेवा लागत	**1,072.53**	1,137.03
पिछली सेवा लागत और निपटानों से (लाभ)/हानि	**-**	8,194.10
निवल ब्याज व्यय	**626.10**	(112.80)
लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप प्रारंभिक निधि में समायोजन के कारण वृद्धि या कमी	**2.09**	(67.88)
वेतन संशोधन के कारण अतिरिक्त अंशदान	**(221.96)**	-
कर्मचारी लाभ व्ययों में मान्यता प्रदान किए गए निश्चित लाभ लागतों के घटक	**1,478.76**	**9,150.45**
निवल निर्धारित लाभ देयता का पुनः मापन		
योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (निवल ब्याज व्यय में शामिल की गई राशियों के अतिरिक्त)	**-**	-
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	**-**	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	**(478.05)**	1,298.01
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	**(634.79)**	(385.95)
योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल निवल ब्याज लागत में शामिल की गई राशियों के अतिरिक्त	**(232.40)**	(157.38)
पुनः मापन के घटक	**(1,345.24)**	**754.68**
कुल	**133.52**	**9,905.13**

अवकाश:

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
सेवा लागत :		
वर्तमान सेवा लागत	**1,308.60**	1,391.76
पिछली सेवा लागत और निपटानों से (लाभ)/हानि	-	-
निवल ब्याज व्यय	**659.51**	314.86
लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप प्रारंभिक निधि में समायोजन के कारण वृद्धि या कमी	**3.57**	100.34
वेतन संशोधन के कारण अतिरिक्त अंशदान	**(178.46)**	-
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	**(547.30)**	2,566.59
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	**3,189.52**	4,939.10
योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल निवल ब्याज व्यय में शामिल की गई राशियों के अतिरिक्त	**(552.39)**	**(294.22)**
कर्मचारी लाभ व्ययों में मान्यता प्रदान किए गए निश्चित लाभ लागतों के घटक	**3,883.05**	**9,018.43**

सेवानिवृत्ति पश्च चिकित्सा लाभ :

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
सेवा लागत :		
वर्तमान सेवा लागत	**605.29**	544.52
पिछली सेवा लागत और निपटानों से (लाभ)/हानि	-	-
निवल ब्याज व्यय	**2,730.66**	2,431.85
कर्मचारी लाभ व्ययों में मान्यता प्रदान किए गए निश्चित लाभ लागतों के घटक	**3,335.95**	**2,976.37**
निवल निर्धारित लाभ देयता का पुनः मापन		
योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (निवल ब्याज व्यय में शामिल की गई राशियों के अतिरिक्त)	लागू नहीं	लागू नहीं
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	**(953.51)**	4,922.04
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	**3,634.17**	1,214.10
निर्धारित लाभ परिसंपत्ति पर प्रतिबंधों हेतु समायोजन	-	-
पुनः मापन के घटक	**2,680.66**	**6,136.14**
कुल	**6,016.61**	**9,112.51**

सेवांत लाभ

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
सेवा लागत :		
वर्तमान सेवा लागत	**24.01**	21.75
पिछली सेवा लागत और निपटानों से (लाभ)/हानि	-	-

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
निवल ब्याज व्यय	**36.02**	40.25
कर्मचारी लाभ व्ययों में मान्यता प्रदान किए गए निश्चित लाभ लागतों के घटक	**60.03**	**62.00**
निवल निर्धारित लाभ देयता का पुनः मापन		
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	**(10.22)**	40.95
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	**75.26**	(56.54)
निर्धारित लाभ परिसंपत्ति पर प्रतिबंधों हेतु समायोजन	-	-
पुनः मापन के घटक	**65.04**	**(15.59)**
कुल	**125.07**	**46.41**

अन्य व्यापक आय में मान्यता प्रदान की गई निवल निर्धारित लाभ देयता के पुनः मापन के घटक 1368.22 मिलियन रूपए (पिछले वर्ष 4,569.46 मिलियन रूपए) है।

42.9 निर्धारित लाभ बाध्यता और अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभों के वर्तमान मूल्य में संचलन निम्नानुसार है (टिप्पणी सं. 42.5.2) :

उपदानः

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
प्रारंभिक निर्धारित लाभ देयता	**30,133.36**	20,206.15
वर्तमान सेवा लागत	**1,097.13**	1,162.68
ब्याज लागत	**2,202.75**	1,616.49
पुनः मापन (लाभ)/हानियां :		
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित लाभ और हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित लाभ और हानियां	**(481.38)**	1,311.99
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित लाभ और हानियां	**(644.64)**	(383.22)
पूर्व की सेवा लागत, कटौती पर हानियां/(लाभ) सहित	-	8,197.69
अदा किए गए लाभ	**(3,855.67)**	(1,978.42)
अंतिम निर्धारित लाभ देयता	**28,451.55**	**30,133.36**
वर्तमान देयता	**28,451.55**	**30,133.36**
गैर–वर्तमान देयता	-	-

अवकाशः

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
प्रारंभिक निर्धारित लाभ देयता	**28,676.05**	22,080.25
वर्तमान सेवा लागत	**1,409.34**	1,412.29
ब्याज लागत	**2,096.22**	1,766.42
पुनः मापन (लाभ)/हानियां :		
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	**(555.10)**	2,606.05
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	**3,124.16**	5,015.58

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
पूर्व की सेवा लागत, कटौती पर हानियां/(लाभ) सहित	-	-
अदा किए गए लाभ	**(7,038.92)**	(4,204.54)
अंतिम निर्धारित लाभ देयता	**27,711.75**	**28,676.05**
वर्तमान देयता	**27,711.75**	**28,676.05**
गैर–वर्तमान देयता	-	-

सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभः

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
प्रारंभिक निर्धारित लाभ देयता	**37,384.98**	30,417.67
वर्तमान सेवा लागत	**610.40**	550.12
ब्याज लागत	**2,732.84**	2,433.41
पुनः मापन (लाभ)/हानियां :		
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	**(955.18)**	4,918.29
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	**3,628.04**	1,220.99
पूर्व की सेवा लागत, कटौती पर हानियां/(लाभ) सहित	-	-
अदा किए गए लाभ	**(5,361.28)**	(2,155.51)
अंतिम निर्धारित लाभ देयता	**38,039.80**	**37,384.98**
वर्तमान देयता	**1,727.99**	**1,553.39**
गैर–वर्तमान देयता	**36,311.81**	**35,831.59**

सेवांत लाभः

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
प्रारंभिक निर्धारित लाभ देयता	**493.92**	504.11
वर्तमान सेवा लागत	**24.25**	21.97
ब्याज लागत	**36.11**	40.33
पुनः मापन (लाभ)/हानियां :		
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	**(10.25)**	41.10
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकित (लाभ)/हानियां	**75.18**	(56.85)
पूर्व की सेवा लागत, कटौती पर हानियां/(लाभ) सहित	-	-
अदा किए गए लाभ	**(78.59)**	(56.74)
अंतिम निर्धारित लाभ देयता	**540.62**	**493.92**
वर्तमान देयता	**74.42**	**63.75**
गैर–वर्तमान देयता	**466.20**	**430.17**

42.10 निकाय की निर्धारित लाभ योजना और अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभ के संबंध में बाध्यता से उत्पन्न होने वाली एकल तुलन–पत्र में शामिल की गई राशि निम्नवत है :

उपदानः

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वित्त–पोषित निर्धारित लाभ देयता का वर्तमान मूल्य	**28,451.55**	30,133.36
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**28,308.14**	21,535.94
वित्त–पोषित स्थिति	**(143.41)**	**(8,597.42)**
परिसंपत्ति पर माने गए प्रतिबंध	**लागू नहीं**	लागू नहीं
निर्धारित लाभ देयता से उत्पन्न होने वाली निवल देयता	**143.41**	**8,597.42**

रिपोर्टिंग उद्यम के स्वयं के वित्तीय लिखत और इसके द्वारा काबिज किसी संपत्ति, अथवा रिपोर्टिंग उद्यम द्वारा प्रयुक्त की जा रही अन्य परिसंपत्तियों के संबंध में उपदान निधि की योजित परिसंपत्तियों में शामिल राशियां शून्य (31 मार्च, 2017 को शून्य) है।

अवकाशः

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वित्त–पोषित निर्धारित लाभ देयता का वर्तमान मूल्य	**27,711.75**	28,676.05
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**23,811.76**	19,513.91
वित्त–पोषित स्थिति	**(3,899.99)**	**(9,162.14)**
परिसंपत्ति पर माने गए प्रतिबंध	**लागू नहीं**	लागू नहीं
निर्धारित लाभ देयता से उत्पन्न होने वाली निवल देयता	**3,899.99**	**9,162.14**

सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभः

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वित्त–पोषित निर्धारित लाभ देयता का वर्तमान मूल्य	**38,039.80**	37,384.98
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**लागू नहीं**	लागू नहीं
निर्धारित लाभ देयता से उत्पन्न होने वाली निवल देयता	**38,039.80**	**37,384.98**

सेवांत लाभः

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वित्त–पोषित निर्धारित लाभ देयता का वर्तमान मूल्य	**540.62**	493.92
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
निर्धारित लाभ देयता से उत्पन्न होने वाली निवल देयता	**540.62**	493.92

42.11 योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में संचलन निम्नवत है :

उपदानः

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
योजित परिसंपत्तियों का प्रारंभिक उचित मूल्य	**21,535.94**	21,557.88
लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप प्रारंभिक स्थायी निधि में समायोजन	**(2.10)**	68.22
योजित परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	**1,574.12**	1,730.09
पुनः मापन लाभ (हानि)		
योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (निवल ब्याज व्यय में शामिल की गई राशियों को छोड़ कर)	**233.57**	158.17
योजनागत परिसंपत्तियों पर बीमांकित लाभ / (हानि)	-	-

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
नियोक्ता से अंशदान	**8,822.28**	-
अदा किए गए लाभ	**(3,855.67)**	(1,978.42)
योजित परिसंपत्तियों का अंतिम उचित मूल्य	**28,308.14**	**21,535.94**

अगले वर्ष हेतु उपदान के संबंध में प्रत्याशित अंशदान 1,218.49 मिलियन रूपए होगा (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु 1,904.73 मिलियन रूपए)। कंपनी ने विभिन्न कार्य केन्द्रों में नियोजित 256 आकस्मिक कर्मचारियों (31 मार्च, 2017 के अनुसार – 228) हेतु बीमांकित मूल्यांकन के अनुसार 31 मार्च, 2018 को 72.35 मिलियन रूपए (31 मार्च, 2017 को 78.78 मिलियन रूपए) की उपदान देयता को मान्यता प्रदान की है।

अवकाश:

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
योजित परिसंपत्तियों का प्रारंभिक उचित मूल्य	**19,513.91**	18,130.86
लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप प्रारंभिक स्थायी निधि में समायोजन	-	(101.35)
योजित परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	**1,426.47**	1,442.36
पुनः मापन लाभ (हानि)		
योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (निवल ब्याज व्यय में शामिल की गई राशियों को छोड़ कर)	**560.23**	297.19
योजनागत परिसंपत्तियों पर बीमांकित लाभ/ (हानि)	-	-
नियोक्ता से अंशदान	**9,350.07**	3,949.39
अदा किए गए लाभ	**(7,038.92)**	(4,204.54)
योजित परिसंपत्तियों का अंतिम उचित मूल्य	**23,811.76**	**19,513.91**

42.12 प्रत्येक श्रेणी हेतु रिपोर्टिंग अवधि के अंत में योजनागत परिसंपत्तियों का उचित मूल्य निम्नानुसार है :

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
उपदान :		
नकदी और नकदी तुल्य	**6.75**	1.12
म्युचुअल फंड में निवेश	**1.50**	1.50
जारीकर्ता की क्रेडिट रेटिंग द्वारा ऋण निवेशों का श्रेणीकरण		
–एएए	**2,244.71**	2,766.51
–एए+	-	180.05
समूह उपदान नकदी संचयन योजना (परम्परागत निधि)		
जीवन बीमा निगम	**21,598.92**	13,530.77
एसबीआई लाइफ	**1,328.57**	1,812.88
बीमा कंपनी के यूनिट लिंक्ड प्लान	**1,120.00**	1,200.00
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
बैंक टीडीआर	**1,420.72**	1,422.33
ट्रेजरी बिल	-	-
निवल वर्तमान परिसंपत्तियां–	**586.97**	620.78
कुल उपदान	**28,308.14**	**21,535.94**
अवकाश :		
बीमाकर्ता (एलआईसी ट्रस्ट) द्वारा 100 प्रतिशत प्रबंधित	**23,811.76**	**19,513.91**
कुल	**52,119.90**	**41,049.85**

42.12.1 उक्त इक्विटी तथा ऋण लिखतों के उचित मूल्य का निर्धारण सक्रिय बाजारों में उद्धृत बाजार मूल्य पर आधारित होता है।

42.12.2 निवेश की लागत को बीमा कंपनी के यूनिट लिंक्ड प्लान (यूलिप) तथा बैंक टीडीआर में निवेश के उचित मूल्य पर लिया जाता है।

42.12.3 पीएसयू बॉण्ड, सरकारी प्रतिभूतियों और टी बिल में सभी निवेश सक्रिय बाजार में उद्धृत किये जाते हैं।

42.12.4 बीमा कंपनी की समूह उपदान नकदी संचयी योजना (परंपरागत निधि) में निवेश के उचित मूल्य को रिपोर्टिंग तिथि पर बही मूल्य के रूप में लिया गया है।

42.12.5 निवल वर्तमान परिसंपत्तियां निवेश पर प्रोदभूत ब्याज घटा रिपोर्टिंग तिथि को बकाया उपदान प्रतिपूर्तियों को दर्शाता है।

42.12.6 उपदान की योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्रतिफल वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान 1,807.69 मिलियन रूपये (वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान 1,888.26 मिलियन रूपये) और अवकाश हेतु 1,986.70 मिलियन रूपये (वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान 1,739.55 मिलियन रूपये) था।

42.13 निर्धारित बाध्यता के निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण बीमांकित मान्यताएं छूट दर तथा प्रत्याशित वेतन वृद्धि है। नीचे दिए गए संवेदनशीलता विश्लेषण का निर्धारण अन्य सभी मान्यताओं को स्थिर रखते हुए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में होने वाली संबंधित मान्यताओं में तर्कसंगत संभाव्य परिवर्तनों पर आधारित है।

42.13.1 31 मार्च, 2018 के अनुसार संवेदनशीलता विश्लेषण

(मिलियन ₹ में)

महत्वपूर्ण बीमांकित मान्यताए	उपदान	अवकाश	सेवानिवृत्ति– पश्च चिकित्सा लाभ	सेवांत लाभ
छूट दर				
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	(656.21)	(751.51)	(2,705.55)	(14.66)
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	695.29	800.80	2,264.19	15.62
वेतन वृद्धि				
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	172.24	805.91	-	-
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	(178.70)	(762.91)	-	-
लागत वृद्धि				
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	-	-	2,275.29	15.71
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	-	-	(2,691.89)	(14.87)

42.13.2 31 मार्च, 2017 के अनुसार संवेदनशीलता विश्लेषण

(मिलियन ₹ में)

महत्वपूर्ण बीमांकित मान्यताए	उपदान	अवकाश	सेवानिवृत्ति– पश्च चिकित्सा लाभ	सेवांत लाभ
छूट दर				
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	(722.19)	(836.73)	(2,654.51)	(13.90)
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	763.69	869.97	2,221.64	14.79
वेतन वृद्धि				
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	176.91	872.57	-	-
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	(183.70)	(826.51)	-	-
लागत वृद्धि				
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	-	-	2,238.82	13.83
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	-	-	(2,647.25)	(14.71)

प्रस्तुत संवेदनशीलता विश्लेषण निर्धारित लाभ दायित्व में वास्तविक परिवर्तन का प्रतिनिधि नहीं भी हो सकता है क्योंकि इसकी संभावना नहीं है कि मान्यताओं में परिवर्तन एक दूसरे से पृथक होगा क्योंकि कुछ मान्यताएं सह–संबंधित हो सकती हैं। मृत्यु दर तथा निकासी के कारण संवेदनशीलता भौतिक नहीं है और अतः परिवर्तन के प्रभाव की गणना नहीं की गई है।

इसके अतिरिक्त, उक्त संवेदनशीलता विश्लेषण को प्रस्तुत करने में निर्धारित लाभ देयता के वर्तमान मूल्य की गणना रिपोर्टिंग अवधि के अंत में प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके की गई है, जो तुलन–पत्र में मान्यता दी गई निर्धारित लाभ बाध्यता दायित्व की गणना करते समय प्रयोग किए गए के समान है।

42.14 निर्धारित लाभ बाध्यता और अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभों की परिपक्वता प्रोफाइल :

(मिलियन ₹ में)

निर्धारित लाभ	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
उपदान :		
एक वर्ष से कम	5,324.54	4,719.88
एक से तीन वर्ष	4,127.26	2,947.15
तीन से पांच वर्ष	2,050.76	2,504.85
पांच वर्ष से अधिक	16,948.99	19,961.48
अवकाश :		
एक वर्ष से कम	4,003.07	3,777.26
एक से तीन वर्ष	6,753.92	5,717.78
तीन से पांच वर्ष	5,104.01	6,450.95
पांच वर्ष से अधिक	11,850.75	12,730.06

43. खंड रिपोर्टिंग

43.1 कंपनी ने विभिन्न जोखिमों तथा प्रतिफल, संगठन ढांचे और आंतरिक रिपोर्टिंग प्रणालियों को ध्यान में रखते हुए खंडों की पहचान तथा उन्हें सूचित किया है। तदनुसार, कंपनी ने निम्नलिखित भौगोलिक खंडों को सूचना योग्य खंडों के रूप में चिन्हित किया है:

क. अपतट

ख. अभितट

43.2 खंड राजस्व और परिणाम

रिपोर्ट योग्य खंड द्वारा सतत प्रचालनों से कंपनी के राजस्व और परिणामों का विश्लेषण निम्नलिखित है :

(मिलियन ₹ में)

विवरण	खंड राजस्व		खंड लाभ/(हानि)	
	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
अपतट	581,791.74	543,814.43	221,652.65	236,476.31
अभितट	268,249.26	235,262.87	39,591.24	6,416.68
कुल	**850,041.00**	**779,077.30**	**261,243.89**	**242,892.99**
अनावंटित कॉरपोरेट व्यय			(21,775.03)	(22,171.51)
वित्तीय लागतें			(15,084.69)	(12,217.38)
ब्याज/लाभांश आय			64,540.57	43,651.03
कर पश्चात लाभ			**288,924.74**	**252,155.13**

43.2.1 ऊपर सूचित खंड राजस्व बाहरी ग्राहकों से उत्पन्न राजस्व को दर्शाता है। वर्तमान वर्ष में कोई अंतर–खंड बिक्री नहीं हुई थी (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु : शून्य)।

43.2.2 रिपोर्ट किए गए खंडों की लेखांकन नीतियां टिप्पणी–3 में वर्णित कंपनी की लेखांकन नीतियों के समान है। खंड परिणाम प्रत्येक खंड द्वारा वित्त लागत तथा ब्याज/लाभांश आय जैसी अन्य आय को छोड़कर अर्जित कर–पूर्व लाभ को दर्शाता है। यह संसाधन आवंटन और खंड निष्पादन के प्रयोजनों हेतु मुख्य प्रचालक निर्णयकर्ता को सूचित की जाने वाली मद है।

43.3 खंड परिसंपत्तियां और देयताएं

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
खंड परिसंपत्तियां		
अपतट	1,214,209.83	1,082,902.81
अभितट	553,465.02	495,842.64
कुल खंड परिसंपत्तियां	**1,767,674.85**	**1,578,745.45**
अनावंटित	1,144,606.93	893,749.48
कुल परिसंपत्तियां	**2,912,281.78**	**2,472,494.93**
खंड देयताएं		
अपतट	300,171.44	250,732.06
अभितट	109,239.82	94,093.29
कुल खंड देयताएं	**409,411.26**	**344,825.35**
अनावंटित	569,023.71	272,285.78
कुल देयताएं	**978,434.97**	**617,111.13**

खंड निष्पादन और खंडों के मध्य संसाधनों के आवंटन की निगरानी के प्रयोजन हेतु:

43.3.1 सभी परिसंपत्तियों को अनुषंगी कंपनी, सहयोगी कंपनी तथा संयुक्त उद्यमों में निवेश, अन्य निवेश, ऋण और वर्तमान तथा विलंबित कर परिसंपत्तियों के अतिरिक्त रिपोर्ट योग्य खंडों को आवंटित किया जाता है।

43.3.2 सभी देयताओं को ऋण, वर्तमान तथा विलंबित कर देयताओं के अतिरिक्त अन्य रिपोर्ट योग्य खंडों को आवंटित किया जाता है।

43.3.3 खंड राजस्व, परिणामों, परिसंपत्तियों तथा देयताओं में प्रत्येक खंड को चिन्हित संबंधित राशियां तथा तर्कसंगत आधार पर आवंटित राशि शामिल है। आवंटित न किए गए व्यय में सभी खंडों हेतु व्यय किया गया आम व्यय और कॉरपोरेट स्तर पर किए गए व्यय शामिल होते हैं। वित्त लागत में खंड को आवंटित न की गई बंद किए जाने की देयताओं पर छूट को हटाना भी शामिल होता है।

43.4 अन्य सूचना

(मिलियन ₹ में)

विवरण	मूल्यह्रास, क्षय और परिशोधन		अन्य गैर–नकदी मदें – क्षति तथा पश्चलेखन	
	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
अपतट	115,922.82	101,812.60	2,066.87	774.29
अभितट	31,376.05	28,821.29	765.08	791.45
अनावंटित	1,224.74	946.15	59.36	26.45
	148,523.61	**131,580.04**	**2,891.31**	**1,592.19**

43.5 क्षति हानि

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
अपतट	1,085.50	3,338.96
अभितट	(4,907.39)	(13,023.62)
	(3,821.89)	**(9,684.66)**

43.6 गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों को वर्धन

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
अपतट	113,875.28	81,212.69
अभितट	34,761.96	33,793.11
अनावंटित	3,185.46	769.56
कुल	**151,822.70**	**115,775.36**

43.7 प्रमुख उपभोक्ताओं के संबंध में सूचना

कंपनी के राजस्व का एक बड़ा हिस्सा (85 प्रतिशत) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को बिक्री से प्राप्त किया जाता है। ऐसी कंपनियों की कुल बिक्री वर्ष 2017–18 में ₹ 765,001.77 मिलियन और वर्ष 2016–17 में ₹ 682,865.03 मिलियन की राशि की थी।

किसी अन्य एकल ग्राहक ने वर्ष 2017–18 तथा 2016–17 हेतु कंपनी के राजस्व में 10 प्रतिशत या उससे अधिक का योगदान नहीं दिया है।

43.8 भौगोलिक क्षेत्रों के संबंध में सूचना

कंपनी भारत में अधिवासित है। बाहरी उपभोक्ताओं से इसके राजस्व की राशि को ग्राहकों के स्थल–वार नीचे तालिका में दर्शाया गया है :

(मिलियन ₹ में)

स्थल	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
भारत	812,157.36	744,337.58
अन्य देश	33,644.25	30,556.66
कुल	**845,801.61**	**774,894.24**

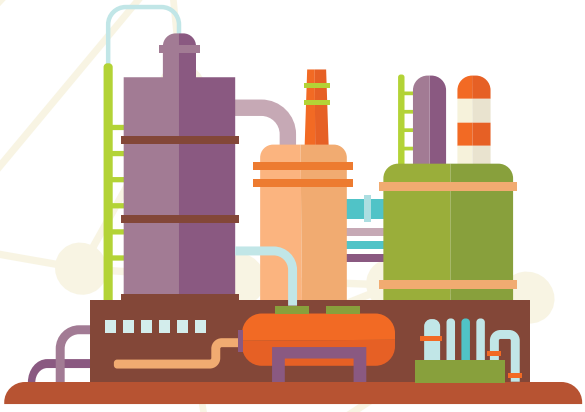
वित्तीय लिखत के अतिरिक्त गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों, विलंबित कर परिसंपत्तियां, नियोजन–पश्च लाभ परिसंपत्तियां, स्थल द्वारा विभाजित परिसंपत्तियों के योग को नीचे दर्शाया गया हैं :

(मिलियन ₹ में)

स्थल	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
भारत	1,557,451.26	1,405,628.57
अन्य देश	-	-
कुल	**1,557,451.26**	**1,405,628.57**

43.9 उत्पादों और सेवाओं के संबंध में सूचना

कंपनी खनिज तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्यवर्धित उत्पादों की बिक्री से राजस्व प्राप्त करती है। प्रत्येक उत्पाद के संबंध में बाहरी ग्राहकों से राजस्व के संबंध में सूचना वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 30.4 में दी गई है।



44. संबंधित पक्ष संव्यवहार

44.1 संबंधित पक्षों के नाम और संबंध का विवरण :

क. अनुषंगी कंपनियाँ

1. ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल)

1.1. ओएनजीसी नील गंगा बी.वी (ओएनजीबीवी)

1.1.1. ओएनजीसी कम्पोस लिमिटेड

1.1.2. ओएनजीसी नील गंगा (साइप्रस) लिमिटेड

1.1.3. ओएनजीसी नील गंगा (सेन क्रिस्टोबल) बी.वी.

1.1.4. ओएनजीसी कैस्पियन ई. एंड पी. बी.वी

1.2. ओएनजीसी नर्मदा लिमिटेड (ओएनएल)

1.3. ओएनजीसी अमेजन अलकनंदा लिमिटेड (ओएएएल)

1.4. इम्पीरियल एनर्जी लिमिटेड

1.4.1. इम्पीरियल एनर्जी टॉम्स्क लिमिटेड

1.4.2. इम्पीरियल एनर्जी (साइप्रस) लिमिटेड

1.4.3. इम्पीरियल एनर्जी नॉर्ड लिमिटेड

1.4.4. बायनकस होल्डिंग्स लिमिटेड

1.4.5. रेडक्लिफ होल्डिंग्स लिमिटेड

1.4.6. इम्पीरियल फ्रेक सर्विसेज़ (साइप्रस) लिमिटेड

1.4.7. सेन एजिओ इन्वेस्टमेंट लिमिटेड

1.4.8. एलएलसी सिबिंटरनेफ्त (टिप्पणी 44.1.1)

1.4.9. एलएलसी एलाइंसनेफ्तगेज

1.4.10. एलएलसी नॉर्ड इम्पीरियल

1.4.11. एलएलसी रस इम्पीरियल ग्रुप

1.4.1.2.एलएलसी इम्पीरियल फ्रैक सर्विसेस (टिप्पणी 44.1.2)

1.5. काराबोबो वन एबी

1.5.1. पेट्रो काराबोबो गंगा बी.वी

1.6. ओएनजीसी (बीटीसी) लिमिटेड

1.7. ब्यास रोवूमा एनर्जी मोजाम्बिक लिमिटेड

1.8. ओएनजीसी विदेश रोवूमा लिमिटेड (ओवीआरएल)

1.9. ओएनजीसी विदेश अटलांटिक कारपोरेशन (ओवीएआई)

1.10. ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्रा. लिमिटेड

1.10.1 ओएनजीसी विदेश वेन्कोरनेफ्ट प्रा. लिमिटेड

1.11 इंडस ईस्ट मेडीटेरेनियन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड, इजराइल

2. मंगलौर रिफाइनरी एडं पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल)

3. ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (ओएमपीएल)

4. हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) (31 जनवरी, 2018 से, टिप्पणी संख्या 10.1.3)

4.1 प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड

4.2 एचपीसीएल बायो फ्यूल्स लिमिटेड

4.3 प्राइज पेट्रोलियम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड

4.4 एचपीसीएल मिडिल ईस्ट एफजेसीओ

5. पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल) (31 जनवरी, 2018 से, टिप्पणी संख्या 10.1.4)

ख. संयुक्त उद्यम

1. पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल) (30 जनवरी, 2018 तक, टिप्पणी संख्या 10.1.4)
2. मंगलौर सेज लिमिटेड (एमएसईजेड)
3. ओएनजीसी पेट्रो एडीशंस लिमिटेड (ओपीएल)
4. ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी)
5. ओएनजीसी टेरी बॉयोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल)
6. दहेज एसईजेड लिमिटेड (डीएसईजेड)
7. ओएनजीसी मित्तल एनर्जी लिमिटेड (ओएमईएल) (ओवीएल के माध्यम से)
8. एसयूडीडी पेट्रोलियम ऑपरेटिंग कंपनी, मॉरीशियस (ओवीएल के माध्यम से)
9. मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड, कोलंबिया (ओवीएल के माध्यम से)
10. हिमालय एनर्जी सीरिया बी.वी., नीदरलैंड्स (ओवीएल के माध्यम से)
11. शैल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड (एसएमएएसएल) (एमआरपीएल के माध्यम से)
12. मंगलम रिटेल सर्विसेस लिमिटेड (एमआरपीएल के माध्यम से) (16 जनवरी, 2017 तक)
13. एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड
14. क्रेडा एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड
15. एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड
16. हिंदुस्तान कोल्स प्राइवेट लिमिटेड
17. साउथ एशिया एलपीएफ कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
18. भाग्यनगर गैस लिमिटेड
19. गोदावरी गैस प्राइवेट लिमिटेड
20. पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड
21. एचपीसीएल शापूरजी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड
22. मुंबई एविएशन फ्यूल फार्म फैसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड
23. नार्थ ईस्ट ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (एनईटीसी) (ओटीपीसी के माध्यम से)

24. मंगलौर एसटीपी लिमिटेड (एमएसईजेड के माध्यम से)
25. एमएसईजेड पावर लिमिटेड (एमएसईजेड के माध्यम से)
26. अडानी पेट्रोनेट दाहेज पोर्ट प्रा. लिमिटेड (एपीपीपीएल) (पीएलएल के माध्यम से)
27. अवंतिका गैस लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
28. रत्नागिरी रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)

ग. सहयोगी कंपनी

1. पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)
2. पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)
3. मोजाम्बिक एलएनजी1 कंपनी प्रा. लिमिटेड (ओवीएल के माध्यम से)
4. पेट्रो कारावोबो एसए, वेनेजुएला (ओवीएल के माध्यम से)
5. कारावोबो इन्जेनेरिया वाई कन्स्ट्रक्शिनोस, एस.ए., वेनेजुएला (ओवीएल के माध्यम से)
6. पेट्रोलेरा इंडोवेनेजोलाना एसए, वेनेजुएला (ओवीएल के माध्यम से)
7. साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन लिमिटेड, हांगकांग (ओवीएल के माध्यम से)
8. तम्बा बी.वी., नीदरलैंड्स (ओवीएल के माध्यम से)
9. जेएससी वैन्कोरनेफ्ट,रूस (ओवीएल के माध्यम से)
10. फाल्कन ऑयल एंड गैस बी.वी., नीदरलैंड्स (ओवीएल के माध्यम से)
11. जीएसपीएल इंडिया गैसनेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
12. जीएसपीएल इंडिया ट्रांसको लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)

घ. न्यास (सेवानिवृत्ति–पश्च कर्मचारी लाभ न्यास सहित) जिन पर ओएनजीसी का नियंत्रण है

1. ओएनजीसी अंशदायी भविष्य निधि न्यास
2. ओएनजीसी सीएसएसएस न्यास
3. ओएनजीसी सहयोग न्यास
4. ओएनजीसी पीआरबीएस न्यास
5. ओएनजीसी उपदान निधि
6. ओएनजीसी एनर्जी सेंटर
7. ओएनजीसी फाउन्डेशन
8. उज्ज्वला प्लस फाउन्डेशन

ङ. कंपनी के प्रमुख प्रबंधन कार्मिक :

ङ1. पूर्णकालिक निदेशक

1. श्री शशि शंकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (01 अक्तूबर, 2017 से)
2. श्री डी.के. सर्राफ, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (30 सितम्बर, 2017 तक)
3. श्री डी.डी. मिश्रा, निदेशक (मानव संसाधन)
4. श्री ए.के. द्विवेदी, निदेशक (अन्वेषण)
5. श्री राजेश कक्कड़, निदेशक (अपतट) (19 फरवरी, 2018 से)
6. श्री सुभाष कुमार, निदेशक (वित्त) (31 जनवरी, 2018 से)
7. श्री संजय कुमार मोइत्रा, निदेशक (अभितट) (28 अप्रैल, 2018 तक)
8. श्री वी.पी. महावर, निदेशक (अभितट) (28 फरवरी, 2018 तक)
9. श्री शशि शंकर, निदेशक (टी एवं एफएस) (30 सितम्बर, 2017 तक)
10. श्री ए.के. श्रीनिवासन, निदेशक (वित्त) (31 अक्तूबर, 2017 तक)
11. श्री टी.के. सेनगुप्ता, निदेशक (अपतट) (31 दिसम्बर, 2017 तक)

ङ2. कंपनी सचिव

1. श्री एम ई वी सेल्वम, कंपनी सचिव (01 जून, 2017 से)
2. श्री वी.एन. मूर्ति, कंपनी सचिव (31 मई, 2017 तक)

ङ3. स्वतंत्र निदेशक

1. श्री अजय मल्होत्रा
2. श्री के.एम. पद्मनाभन
3. प्रो. एस.बी. केदारे
4. श्री विवेक माल्या
5. श्री सुमित बोस
6. श्री दीपक सेठी
7. डॉ. संतृप्त मिश्रा
8. श्रीमती गंगा मूर्ति, 23 सितम्बर, 2017 से
9. श्री संबित पात्रा, 28 अक्तूबर, 2017 से

ङ4. सरकारी नामिति – निदेशक

1. श्री अमर नाथ
2. श्री राजीव बंसल (10 अगस्त, 2017 से)
3. श्री ए.पी. साहनी (23 जून, 2017 तक)
4. श्री यू.पी. सिंह (28 जून, 2016 तक)

टिप्पणी :

44.1.1 अनुषंगी कंपनी ओवीएल का 47.52 प्रतिशत प्रतिभागिता हित है, परंतु इसके पास एलएलसी सिबिंटरनेफ्त में 55.90 प्रतिशत मताधिकार है।

44.2 संव्यवहार का ब्यौरा

44.2.1 अनुषंगी कंपनियों के साथ संव्यवहार

(मिलियन रूपए में)

संबंधित पक्ष का नाम	संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
1) परिसंपत्ति का अंतरण			
क) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	खुदरा आउटलेट का अंतरण	-	37.26
2) निम्नलिखित को उत्पाद की बिक्री			
क) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	खनिज तेल की बिक्री	48,868.99	53,001.84
ख) हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (31 जनवरी, 2018 से) (टिप्पणी सं. 10.1.3)	खनिज तेल की बिक्री	37,506.46	-
3) निम्नलिखित से उत्पाद की खरीद			
क) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	व्यापार उत्पाद की खरीद	-	26.01
ख) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	पेट्रोलियम तेल और ल्यूब्रीकेंट / हाई स्पीड डीजल की खरीद	8,453.89	5,251.07
ग) हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (31 जनवरी, 2018 से) (टिप्पणी सं. 10.1.3)	पेट्रोलियम तेल तथा ल्यूब्रीकेंट / हाई स्पीड डीजल की खरीद	916.39	-
4) निम्नलिखित से सेवांए प्राप्त :			
क) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	जनशक्ति की प्रतिनियुक्ति और अन्य प्रभार	-	1.80
5) निम्नलिखित को सेवांए प्रदान कर गई :			
क) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	मुंबई में कार्यालय स्थान को पट्टे पर देना	13.30	12.59
	गारंटी शुल्क	10.43	4.47
ख) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	ऋण पर ब्याज	3.98	-
	जी एवं जी डाटा की व्याख्या	-	21.90
6) निम्नलिखित से लाभांश और ब्याज आय :			
क) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	लाभांश आय	7,532.12	-
ख) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	ब्याज आय	1,657.81	2,435.03
ग) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	लाभांश आय	2,100.00	-
घ) हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (31 जनवरी, 2018 से) (टिप्पणी सं. 10.1.3)	लाभांश आय	11,293.26	-
ङ) पेट्रोनेट एमएचबी	लाभांश आय	161.56	-
7) गैर नकदी लेनदेन (इंड एएस उचित मूल्यांकन)			
क) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	ब्याज आय	35.94	411.97
	वित्तीय गारंटी के संबंध में गारंटी शुल्क	321.60	531.84
ख) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	वित्तीय गारंटी के संबंध में गारंटी शुल्क	7.88	12.15
8) ऋण का इक्विटी में बदलाव :			
क) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	इक्विटी में परिवर्तित ऋण	-	50,000.00
9) जारी की गई कारपोरेट वित्तीय गारंटी :			
क) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	बॉण्ड के प्रति वित्तीय गारंटी जारी	52,684.85	-
ख) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	खनिज तेल के आयात हेतु वित्तीय गारंटी	-	14,591.25

44.2.2 अनुषंगी कंपनियों के साथ बकाया शेष

(मिलियन ₹ में)

संबंधित पक्ष का नाम	संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
क. ऋण (अप्रतिभूत)			
क) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड (टिप्पणी 44.2.3)	ऋण	18,856.90	25,714.10
ख) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (टिप्पणी 44.2.4)	ऋण	-	180.20
ख. प्राप्य राशि :			
क) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	8,316.77	3,210.92
ख) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	16.02	34.43
ग) ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	-	0.03
घ) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	अन्य प्राप्य	198.11	113.99
ङ) हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	व्यापार और अन्य प्राप्य	16,526.62	-
ग. देय राशि :			
क) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	व्यापार प्राप्य	985.56	644.09
ख) हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	व्यापार प्राप्य	417.37	-
घ. अनुषंगी कंपनियों की ओर से जारी कॉरपोरेट वित्तीय गारंटी			
क) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (टिप्पणी 23.1)	वित्तीय गारंटी का मूल्य	436,897.86	438,844.04
ख) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	वित्तीय गारंटी का मूल्य	5,059.00	4,464.43
ङ) की गई प्रतिबद्धता का बकाया मूल्य :			
क) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	निष्पादन गारंटी	4,972.87	4,967.51

44.2.3 यह ऋण अप्रतिभूत है तथा इस पर 7.17 प्रतिशत (पिछले वर्ष 8.12 प्रतिशत) की ब्याज दर है जो 6.77 प्रतिशत के एफआईएमएमडीए जमा 0.40 बीपीएस के फैलाव के अनुसार 5 वर्ष की अवधि हेतु जी–सेक प्राप्ति पर आधारित है और वित्तीय वर्ष 2020–21 तक अर्ध वार्षिक किश्तों में प्राप्य है।

44.2.4 ऋण ब्याज मुक्त तथा प्रतिभूत है। यह ऋण ओवीएल की विदेशी परियोजनाओं के वित्त–पोषण के लिए प्रदान किया गया है और परियोजनाओं से उत्पन्न होने वाले अधिशेष नकदी प्रवाहों से प्राप्य है। तथापि, कंपनी के पास 15 माह की नोटिस अवधि देकर ऋण की मांग करने का अधिकार है। ऋण को इक्विटी में परिवर्तित करने हेतु सरकार का अंतिम अनुमोदन लंबित होने के अधीन है। वर्ष के दौरान कंपनी को ऐसे परिवर्तन हेतु सरकार का अनुमोदन प्राप्त हुआ है और तदनुसार, उक्त को इक्विटी में परिवर्तित किया गया है। शेष ऋण को इंड एएस 32 के अनुसार प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) पद्धति के आधार पर उचित रूप से मूल्यांकित किया गया है तथा तुलन–पत्र में प्रस्तुत किया गया है। शून्य रूपये (पिछले वर्ष 163.45 मिलियन रूपये) के ओवीएल के शेष ऋण के उचित मूल्य को शून्य प्रतिशत की प्रभावी ब्याज दर (पिछले वर्ष 8.12 प्रतिशत) के आधार पर टिप्पणी–12 में शामिल किया गया है।

44.2.5 संयुक्त उद्यमों के साथ संव्यवहार

(मिलियन ₹ में)

संबंधित पक्ष का नाम	संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
निम्नलिखित को उत्पादों की बिक्री :			
क) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	प्राकृतिक गैस की बिक्री	5,486.38	5,389.99
ख) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	नापथा और सी2–सी3 की बिक्री	36,599.87	16,055.62
निम्नलिखित को सेवाएं प्राप्त की :			
क) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	जैव–उपचार सेवाएं	127.60	191.57
ख) दहेज एसईजेड लिमिटेड	सी2–सी3 संयंत्र हेतु एसईजेड भूमि के लिए पट्टा किराया प्रभार	13.67	8.71
निम्नलिखित को सेवाएं प्रदान किया जाना :			
क) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	जनशक्ति प्रतिनियुक्ति, लोडिंग और अन्य प्रभार	202.12	374.54
ख) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	फील्ड अध्ययन प्रभार और कालोनी आवास हेतु किराया	0.19	3.94
ग) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	प्रबंधन परामर्श और ब्याज प्रभार	0.12	1.10
घ) मंगलौर एसईजेड लिमिटेड		0.09	-
निम्नलिखित से लाभांश आय			
क) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड		700.00	-
दी गई प्रतिबद्धताएं			
क) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	शेयर वारंट का सब्सक्रिपशन	-	480.50
ख) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	बाध्यकारी परिवर्तनीय डिबेंचर हेतु सपोर्ट रोकना	21,630.00	56,150.00
ग) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	बाध्यकारी परिवर्तनीय डिबेंचर हेतु सपोर्ट रोकना – प्रोदभूत ब्याज	1,058.13	3,612.06

44.2.6 संयुक्त उद्यमों के साथ बकाया शेष

(मिलियन ₹ में)

संबंधित पक्ष का नाम	संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
क. प्राप्य राशि :			
क) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	7,412.62	3,658.13
ख) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	258.98	263.30
ग) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	0.01	0.01
ख. देय राशि :			
क) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	देय व्यापार	39.61	96.51
ख) दहेज एसईजेड लिमिटेड	देय व्यापार	-	7.80
ग) मंगलौर एसईजेड लिमिटेड	देय व्यापार	-	0.09
ग. बकाया अग्रिम :			
क) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	लंबित होने वाले इक्विटी/शेयर वारंट सब्सक्रिप्शन के प्रति अग्रिम	18,739.50	18,739.50
घ. प्रतिबद्धताएं :			
क) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	शेयर वारंट के प्रति अदा न किया गया सब्सक्रिपशन	480.50	480.50
ख) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	बाध्यकारी परिवर्तनीय डिबेंचर हेतु सपोर्ट रोकना	77,780.00	56,150.00
ख) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	बाध्यकारी परिवर्तनीय डिबेंचर हेतु सपोर्ट रोकना – प्रोदभूत ब्याज	4,670.19	3,612.06

44.2.7 सहयोगी कंपनी के साथ संव्यवहार

(मिलियन ₹ में)

संबंधित पक्ष का नाम		31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
क. निम्नलिखित से सेवाएं प्राप्त :			
क) पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	हैलीकॉप्टर किराए पर लेने में विदेशी मुद्रा हानि(लाभ)	5.46	(5.24)
	हैलीकॉप्टर सेवाएं किराए पर लेना	1,456.81	1,933.42
ख. पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	एलएनजी की खरीद	2,025.47	-
	सी2–सी3 पर सुविधाएं प्रभार और परामर्शदाता शुल्क की प्रतिपूर्ति	210.69	85.74
ख. निम्नलिखित को प्रदान की गई सेवाएं :			
क) पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	अन्य सेवाएं		8.39
	परिसमाप्त क्षतियों के कारण विविध प्राप्तियां	0.45	19.03
ख. पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	निदेशक बैठक शुल्क तथा अन्य प्रभार	0.26	0.18
ग. निम्नलिखित से प्राप्त आय :			
क) पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	ब्याज आय	-	0.45
	लाभांश आय	181.24	53.04
ख. पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	लाभांश आय	468.75	234.38
घ. निवेश			
क) पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	इक्विटी शेयरों में निवेश (टिप्पणी सं. 10.1.7)	1,528.16	-

44.2.8 सहयोगी कंपनियों में बकाया शेष

(मिलियन ₹ में)

संबंधित पक्ष का नाम	संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
क. प्राप्य राशि			
क) पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	-	0.10
ख) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	-	0.10
ख. देय राशि :			
क) पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	देय व्यापार	202.15	293.60
ख) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	देय व्यापार	464.84	3.51

44.2.9 न्यास के साथ संव्यवहार

(मिलियन ₹ में)

संबंधित पक्ष का नाम	संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
क. भुगतान का प्रेषण			
क) ओएनजीसी अंशदायी भविष्य निधि न्यास	अंशदान	12,158.32	10,727.47
ख) ओएनजीसी सीएसएसएस न्यास	अंशदान	1,217.78	1,319.51
ग) ओएनजीसी सहयोग न्यास	अंशदान	28.07	28.60
घ) ओएनजीसी पीआरबीएस न्यास	अंशदान	11,066.09	10,091.21
ङ) ओएनजीसी उपदान न्यास	अंशदान	8,822.28	-
ख. न्यास की ओर से किए गए उपदान भुगतान की प्रतिपूर्ति			
क) ओएनजीसी उपदान निधि न्यास	प्रतिपूर्ति	3,651.09	1,674.14
ग. न्यास को योगदान			
क) ओएनजीसी एनर्जी सेंटर	अनुसंधान एवं विकास हेतु	300.00	162.50
ख) ओएनजीसी फाउन्डेशन	प्रतिपूर्ति	1,563.61	2,257.50

44.2.10 प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों का पारिश्रमिक

क) पूर्णकालिक निदेशक और कंपनी सचिव

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
अल्पावधि कर्मचारी लाभ	60.12	43.28
नियोजन–पश्च लाभ	18.71	13.90
दीर्घावधि लाभ	4.82	2.32
	83.65	

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
प्राप्य राशि	0.70	0.72
देय राशि	18.55	24.90

ख) स्वतंत्र निदेशक

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
बैठक शुल्क	13.54	8.20
कुल	**13.54**	

44.3 सरकारी निकायों के संबंध में प्रकटीकरण

44.3.1 सरकारी निकायों का नाम और संबंध का विवरण जिनके साथ बड़ी मात्रा में कारबार किया जाता है :

क्रम सं.	सरकारी निकाय	संबंध
1	इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
2	गेल (इंडिया) लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
3	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
4	भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
5	चेन्नई पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
6	नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
7	कोच्चि रिफाइनरीज लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
8	भारत हैवी इलेक्ट्रिक्लस लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
9	यूनाइटेड इंडिया इन्श्योरेन्स कंपनी लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
10	भारत संचार निगम लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
11	महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
12	बामर लॉरी एण्ड कंपनी लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
13	शिपिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया	केन्द्रीय पीएसयू
14	भारत इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
15	ब्रहमपुत्र क्रैकर एण्ड पॉलीमर लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू

44.3.2 सरकारी निकायों के साथ कंपनी का संव्यवहार

(मिलियन ₹ में)

संबंधित सरकारी निकाय का नाम	संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
वर्ष के दौरान निम्नलिखित को उत्पादों की बिक्री :			
क) इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड	खनिज तेल, सी2–सी3, एसकेओ और एलपीजी की बिक्री	245,500.29	201,318.28
ख) हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (30 जनवरी, 2018 तक)	खनिज तेल, सी2–सी3 और एलपीजी की बिक्री	103,665.33	114,672.89
ग) भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड	खनिज तेल, सी2–सी3, एसकेओ, एचएसडी और एलपीजी की बिक्री	121,626.77	111,719.93
घ) चेन्नई पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड	खनिज तेल की बिक्री	47,425.98	42,674.79
ङ) नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड	खनिज तेल की बिक्री	19,661.69	16,251.43
च) कोच्चि रिफाइनरीज लिमिटेड	खनिज तेल की बिक्री	4,393.87	13,539.79
छ) गेल (इंडिया) लिमिटेड	प्राकृतिक गैस की बिक्री	124,650.81	131,778.79
ज) ब्रहमपुत्र क्रैकर एण्ड पॉलीमर लिमिटेड	प्राकृतिक गैस की बिक्री	708.79	100.69
वर्ष के दौरान निम्नलिखित से उत्पादों की खरीद :			
क) इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड	पेट्रोल ऑयल तथा ल्यूब्रीकेंट की खरीद	2,486.30	5,241.81
ख) हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (30 जनवरी, 2018 तक)	पेट्रोल ऑयल तथा ल्यूब्रीकेंट की खरीद	1,384.06	3,240.87
ग) भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड	पेट्रोल ऑयल तथा ल्यूब्रीकेंट की खरीद	546.94	2,200.61
घ) गेल (इंडिया) लिमिटेड	एलएनजी की खरीद	4,950.14	11,226.89
ङ) भारत हैवी इलेक्ट्रिक्लस लिमिटेड	कलपुर्जों सहित ड्रिलिंग रिग से संबंधित मदों की खरीद	2,255.15	1,891.08
निम्नलिखित से सेवाएं प्राप्त :	निम्नलिखित से सेवाएं प्राप्त :		
क) यूनाइटेड इंडिया इन्श्योरेन्स कंपनी लिमिटेड	बीमा प्रीमियम	1,212.42	1,338.81
ख) बामर लॉरी एण्ड कंपनी लिमिटेड	यात्रा व्यय	1,203.32	1,155.12
ग) शिपिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया	वेसल किराए पर लेना	5,872.01	5,464.24
घ) भारत इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड	कर्मचारी पहुंच नियंत्रण प्रणाली	887.51	-
निम्नलिखित से लाभांश आय प्राप्त :			
इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड	लाभांश आय	13,372.15	14,876.52
ख) गेल (इंडिया) लिमिटेड	लाभांश आय	845.38	704.48
प्राप्य राशि :			
क) इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	6,485.78	18,636.84
ख) हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (टिप्पणी सं. 10.1.3)	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	-	8,855.08
ग) भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	10,471.16	10,362.91
घ) चेन्नई पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	2,270.88	2,655.00
ङ) नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	1,856.90	1,543.32
च) गेल (इंडिया) लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	8,915.50	8,387.40
छ) यूनाइटेड इंडिया इन्श्योरेन्स कंपनी लिमिटेड	प्राप्य दावे (निवल)	2.52	2.71

संबंधित सरकारी निकाय का नाम	संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
देय राशि :			
क) इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड	देय व्यापार तथा अन्य देय	51.85	199.33
ख) हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (टिप्पणी सं. 10.1.3)	देय व्यापार तथा अन्य देय	-	326.39
ग) भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड	देय व्यापार तथा अन्य देय	80.75	237.14
घ) गेल (इंडिया) लिमिटेड	देय व्यापार तथा अन्य देय	246.75	539.03
ङ) भारत हैवी इलेक्ट्रिक्लस लिमिटेड	देय व्यापार तथा अन्य देय	1,009.02	470.72
छ) बामर लॉरी एण्ड कंपनी लिमिटेड	देय व्यापार तथा अन्य देय	16.96	64.61
ज) शिपिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया	देय व्यापार तथा अन्य देय	1,973.86	605.10
झ) नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड	देय व्यापार तथा अन्य देय	6.15	-
ञ) भारत इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड	देय व्यापार तथा अन्य देय	887.51	-

सरकारी निकायों के साथ उक्त कारबार में ऐसे संव्यवहार कवर होते हैं जो पृथक तथा सामूहिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। कंपनी ने उक्त उल्लिखित तथा अन्य विभिन्न सरकार संबंधित निकायों के साथ टेलीफोन व्यय, हवाई यात्रा, ईंधन खरीद तथा जमा आदि जैसे अन्य कारबार भी किए हैं। ये कारबार पृथक तथा सामूहिक रूप से नगण्य हैं और अतः इन्हें प्रकट नहीं किया गया है।

45. वित्तीय लिखत प्रकटीकरणत

45.1 पूंजी प्रबंधन

पूंजी के प्रबंधन के समय कंपनी का उद्देश्य निम्नलिखित होता है :

- चालू कंसर्न के रूप में बने रहने की अपनी क्षमता की रक्षा करना ताकि कंपनी हितधारकों को अधिकतम प्रतिफल और अन्य हितधारकों को लाभ मुहैया करवा पाने में समर्थ हो; और
- पूंजी की लागत को कम करने के लिए एक ईष्टतम पूंजीगत ढांचे को बनाए रखना।

कंपनी एक सुरक्षित वित्तीय आधार को सुनिश्चित करते हुए शेयरधारकों के लिए मूल्य वृद्धि की खोज को सपोर्ट करने के लिए अपने वित्तीय ढांचे को बनाए रखती है। पूंजीगत ढांचे को बनाए रखने या समायोजित करने के लिए कंपनी शेयरधारकों को लाभांश की राशि के समायोजन, शेयरधारकों को प्रतिफल पूंजी लौटाने, नए शेयर जारी करने अथवा ऋण को कम करने के लिए परिसंपत्तियों की बिक्री कर सकती है।

कंपनी के पूंजीगत ढांचे में पूर्ण इक्विटी (देखें टिप्पणी 20 तथा 21) शामिल है। कंपनी किसी बाहरी पूंजीगंत आवश्यकताओं की बाध्यता के अधीन नहीं है।

कंपनी की वित्तीय प्रबंधन समितियां नियमित आधार पर पूंजीगत ढांचे की समीक्षा करती हैं। इस समीक्षा के एक भाग के रूप में समिति पूंजी की लागत, पूंजी आवश्यकताओं की प्रत्येक श्रेणी के साथ संबद्ध जोखिमों और पर्याप्त नकदी को बनाए रखने पर विचार करती है।

45.1.1 गियरिंग अनुपात :

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में कंपनी का 255,922 मिलियन रूपए का अल्पावधि ऋण बकाया है (पिछले वर्ष शून्य)। तदनुसार, गियरिंग अनुपात की गणना निम्नानुसार की गई है :

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
अल्पावधि ऋण (टिप्पणी सं. 27)	255,922.08	-
नकदी और बैंक शेष	10,126.99	95,107.84
निवल ऋण	245,795.09	-
कुल इक्विटी	1,933,846.81	1,855,383.80
निवल ऋण से इक्विटी अनुपात	12.71%	NA

45.2 वित्तीय लिखतों की श्रेणियां

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वित्तीय परिसंपत्तियां		
लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापी गई (एफवीटीपीएल)		
क) म्युचुअल फंडों में निवेश	-	36,343.29
ख) बाध्यकारी रूप से परिवर्तनीय अधिमानी शेयर	9.74	-
परिशोधित लागत पर मापी गई		
क) भारत सरकार के विशेष बॉण्ड में निवेश	1,975.08	1,975.08
ख) व्यापार एवं अन्य प्राप्य	77,726.44	64,762.06
ग) नकदी और नकदी तुल्य	296.02	426.59
घ) अन्य बैंक शेष	9,830.97	94,681.25
ङ) स्थल पुनरूद्धार निधि के अंतर्गत जमा	159,911.97	145,386.91
च) ऋण	35,355.88	42,340.57
छ) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	32,064.74	12,764.74
एफवीटीओसीआई में मापी गई		
क) इक्विटी लिखत में निवेश	271,933.36	289,573.52
वित्तीय देयताएं		
परिशोधित लागत पर मापी गई		
(क) अल्पावधि ऋण	255,922.08	-
(ख) देय व्यापार	73,345.47	51,548.03
(ग) अन्य वित्तीय देयताएं	122,122.33	94,426.06
वित्तीय गारंटी संविदाएं	1,464.94	2,707.57
वित्तीय पट्टा बाध्यता	417.96	417.96

45.3 वित्तीय जोखिम प्रबंधन उद्देश्य

यह सुनिश्चित करते हुए कि नकदी कंपनी की प्रचालनात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त होते हुए, कंपनी की वित्तीय प्रबंधन समितियां जोखिमों के डिग्री तथा व्याप्त होने के संपर्कों का विश्लेषण करते हुए संबंधित कंपनियों के प्रचालनों से संबंधित प्रमुख वित्तीय जोखिमों की निगरानी तथा प्रबंधन भी करती हैं। इन जोखिमों में बाजार जोखिम (मुद्रा जोखिम तथा मूल्य जोखिम सहित), ऋण जोखिम तथा नकदी जोखिम शामिल होता है।

45.4 बाजार जोखिम

बाजार जोखिम संभावित बाजार मूल्य संचलनों से उत्पन्न होने वाला जोखिम या अनिश्चितता और व्यापार के भविष्य के निष्पादन पर उनका प्रभाव है। बाजार जोखिम के प्रमुख घटक वस्तु मूल्य जोखिम, विदेशी मुद्रा जोखिम तथा ब्याज दर जोखिम है।

कंपनी जिन प्राथमिक वस्तु मूल्य जोखिमों के संपर्क में आती है उसमें अंतर्राष्ट्रीय खनिज तेल मूल्य शामिल हैं जो कंपनी की वित्तीय परिसंपत्तियों अथवा प्रत्याशित भविष्य के नकदी प्रवाहों के मूल्य को प्रतिकूल ढंग से प्रभावित कर सकते हैं। खनिज तेल तथा प्राकृतिक गैस के अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों में व्यापक तथा विस्तारित कमी का कंपनी के सूचित परिणामों पर प्रतिकूल प्रभाव हो सकता है।

45.5 विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन

कपंनी के मामले में, खनिज तेल के बिक्री मूल्य को अमेरिकी डॉलर में दर्शाया जाता है भले ही इसका बिल तथा प्राप्ति भारतीय रूपयों में हो। अतः कंपनी मूलतः अमेरिकी डॉलर के प्रति भारतीय राष्ट्रीय रूपये के बढ़ने से विदेशी मुद्रा जोखिम के संपर्क में आ जाती है। विदेशी मुद्रा विनिमय जोखिमों का प्रबंधन जहां–कहीं संभव हो निर्यात आय के माध्यम से प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होने वाले विपरीत संपर्कों को निवल करके तथा घरेलू बिक्री से उपलब्ध प्राकृतिक हेज को लेते हुए शेष हेज न किए गए संपर्कों को करके किया जाता है।

कंपनी विभिन्न विदेशी मुद्राओं में दर्शाए गए कारबार को करती है और परिणामस्वरूप विनिमय दर उतार–चढ़ाव के संपर्क में आती है। विनिमय दर प्रभावों का प्रबंधन अनुमोदित नीति पैरामीटरों के भीतर किया जाता है। कंपनी की विदेशी मुद्रा में दर्शायी गई मौद्रिक परिसंपत्तियों तथा मौद्रिक देयताओं की वहन राशि रिपोर्टिंग अवधि के अंत में निम्नानुसार है :

(मिलियन ₹ में)

विवरण	निम्न को देयताएं परिसंपत्तियां		निम्न को	
	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
अमेरीकी डॉलर	177,218.51	66,832.00	26,936.23	12,076.00
ब्रिटिश पाउंड	1,899.94	866.29	-	-
यूरो	1,442.77	1,135.74	0.84	-
जापानी येन	115.72	451.80	-	-
अन्य	566.17	47.30	-	-

45.5.1 विदेशी मुद्रा संवेदनशीलता विश्लेषण

कंपनी मुख्यतः अमेरीकी डॉलर के प्रति विदेशी मुद्रा जोखिम के संपर्क में आती है। लाभ या हानि की संवेदनशीलता अमेरिकी डॉलर द्वारा दर्शाए गए प्राप्यों तथा देयों के प्रति है।

अमेरिकी डॉलर–भारतीय रूपये मुद्रा जोड़ी के मध्य +/- 5 प्रतिशत के विनिमय दर में तर्कसंगत संभाव्य परिवर्तनों के प्रबंधन के आकलन के अनुसार लाभ अथवा हानि की संवेदनशीलता केवल नीचे दी गई अवधि के अंत में दर्शायी गई बकाया विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों पर होती है :

(मिलियन ₹ में)

वर्ष के अंत में अमेरीकी डॉलर संवेदनशीलता	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
प्राप्य :		
भारतीय रूपए का 5 प्रतिशत से कमजोर होना	1,346.81	603.80
भारतीय रूपए का 5 प्रतिशत से मजबूत होना	(1,346.81)	(603.80)
देय		
भारतीय रूपए का 5 प्रतिशत से कमजोर होना	(8,860.93)	(3,341.60)
भारतीय रूपए का 5 प्रतिशत से मजबूत होना	8,860.93	3,341.60

भारतीय रूपये – अमेरिकी डॉलर की मुद्रा जोड़ी के मध्य विनिमय विनियम दर में +/- एक रूपये के परिवर्तन से प्रचालन में राजस्व की संवेदनशीलता को निम्नानुसार प्रस्तुत किया गया है :

(मिलियन ₹ में)

प्रचालन से राजस्व की संवेदनशीलता	2017-2018	2016-2017
विनिमय दर का प्रचालन से राजस्व पर प्रभाव	(+/-) 10,041.06	(+/-) 8,640.13

प्रबंधन के दृष्टिकोण में, संवेदनशीलता विश्लेषण, विदेशी विनिमय का प्रतिनिधित्व नहीं करता है, क्योंकि वर्ष के दौरान, इससे रिपोर्टिंग अवधि के अंत में प्रकटन प्रदर्शित नहीं होता है।

45.5.2 अग्रेषित विदेशी मुद्रा संविदाएं

कंपनी ने रिपोर्टिंग अवधि के दौरान कोई अग्रगामी विदेशी मुद्रा संविदाएं नहीं की हैं।

45.6 ब्याज दर जोखिम प्रबंधन

कंपनी का सामना ब्याज दर जोखिम से होता है क्योंकि कंपनी ने ओवरनाइट एमसीएलआर, ट्रेजरी बिल और अमेरिकी डॉलर लीबोर से बेंचमार्क निधियों का ऋण लिया है। वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं के संबंध में कंपनी के संपर्क को टिप्पणी संख्या 27.2 में विस्तारपूर्वक बताया गया है।

45.7 मूल्य जोखिम

कंपनी के इक्विटी प्रतिभूति मूल्य जोखिम तुलन–पत्र में या तो ओसीआई के माध्यम से उचित मूल्य अथवा लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर तुलन–पत्र में धारित तथा वर्गीकृत निवेश से उत्पन्न होते हैं। आईओसी तथा गेल ने कंपनी के इक्विटी निवेश का सार्वजनिक तौर पर व्यापार किया जाता है।

कंपनी की अल्पावधि अधिशेष निधियों का म्यूचुअल फंडों की नकदी योजनाओं में निवेश धन बाजार प्रतिभूतियों तथा उच्च गुणवत्ता वाले ऋण के एक पोर्टफोलियो से नकदी के उच्च स्तर को मुहैया करवाता है और इसे नकदी तथा ब्याज दर जोखिम परिपेक्ष्य से "निम्न जोखिम" उत्पाद के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया है।

45.7.1 मूल्य संवेदनशीलता विश्लेषण

रिपोर्टाधीन अवधि के अंत में इक्विटी शेयरों तथा म्यूचुअल फंड में निवेश के संबंध में लाभ या हानि के संवेदनशीलता मूल्य तथा निवल परिसंपत्ति मूल्य में +/-55 प्रतिशत परिवर्तन हेतु नीचे दी गई है :

- एफवीटीओसीआई पर मापे गए इक्विटी निवेश के उचित मूल्य में 5 प्रतिशत परिवर्तन के परिणामस्वरूप 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय में 13,596.66 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु 14,478.68 मिलियन रूपये की वृद्धि/कमी) की वृद्धि/कमी होगी।
- चूंकि 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार म्यूचुअल फंडों में कोई निवेश नहीं किया गया है, निवेश के निवल परिसंपत्ति मूल्य में परिवर्तन 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु लागू नहीं है (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु इसमें 1817.16 मिलियन रूपये की वृद्धि/कमी होगी जो म्यूचुअल फंडों में निवेश के निवल परिसंपत्ति मूल्य में 5 प्रतिशत परिवर्तन के परिणामस्वरूप है)।

खनिज तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्यवर्धित उत्पाद (वीएपी) के मूल्यों में +/- एक अमेरिकी डॉलर के परिवर्तन से प्रचालन में राजस्व की संवेदनशीलता

(मिलियन ₹ में)

प्रचालन से राजस्व की संवेदनशीलता	2017-2018	2016-2017
खनिज तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्य वर्धित उत्पाद के मूल्य में अमेरीकी डॉलर हेतु प्रचालन से राजस्व पर प्रभाव	(+/-) 54,162.28	(+/-) 50,010.72

45.8 ब्याज दर जोखिम प्रबंधन

कंपनी प्रचालनों से उत्पन्न अधिशेष निधि का बैंक जमा में निवेश करती है। बैंक जमा 12 माह तक की अवधि के लिए किए जाते हैं और इनमें विद्यमान बाजार ब्याज दर के अनुसार ब्याज दर लागू होती है। यह देखते हुए कि यह बैंक जमा अल्पावधि प्रकृति के हैं, कोई बड़ा ब्याज दर जोखिम नहीं होता है। 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु सावधि जमा पर अर्जित औसत ब्याज 6.16 प्रतिशत था।

45.9 ऋण जोखिम प्रबंधन

ऋण जोखिम नकदी तथा नकदी तुल्यों, परिशोधित लागत पर किए गए निवेश और प्राप्यों सहित बैंकों तथा ग्राहकों के साथ किए गए जमा से उत्पन्न होते हैं। ऋण जोखिम प्रबंधन उपलब्ध तर्कसंगत तथा सहायक अग्रगामी दृष्टि वाली सूचनाओं पर विचार करते हैं जिसमें बाहरी ऋण रेटिंग (जहां तक उपलब्ध हो), व्यष्टि–आर्थिक सूचना (जैसे कि नियामक परिवर्तन, सरकारी निदेश, बाजार ब्याज दर) जैसे संकेतक शामिल होते हैं।

प्रमुख उपभोक्ता सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) और गैस कंपनियां, जिनकी उच्चतम क्रेडिट रेटिंग है, के चलते नगण्य ऋण जोखिम मौजूद है। किसी अन्य प्रति पक्ष को ऋण जोखिम का संकेन्द्रण वर्ष के दौरान किसी समय कुल मौद्रिक परिसंपत्तियों के 4.17 प्रतिशत (पिछले वर्ष 3.19 प्रतिशत) से अधिक नहीं था।

ऋण संपर्क का प्रबंधन अधिशेष निधियों की निवेश हेतु प्रतिपक्षीय सीमाओं द्वारा किया जाता है जिसकी समीक्षा प्रबंधन द्वारा की जाती है। नकदी योजना/स्कीमों में निवेश उच्चतम रेटिंग वाली सार्वजनिक क्षेत्र की परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों में किया गया है। बैंकों हेतु, केवल उच्च रेटिड बैंकों को जमा किए जाने हेतु लिया गया है।

बैंक शेष प्रतिष्ठित तथा साख वाले बैंकिंग संस्थानों में धारित हैं।

कंपनी दायित्व को लेने के लिए तृतीय पक्ष को देय होने वाली अनुमानित राशि के लिए अनुषंगी कंपनियों/संयुक्त उद्यम कंपनियों की ओर से बैंकों/वेंडरों को दी गई वित्तीय गारंटी के संबंध में चूक जोखिम के संपर्क में है। इस संबंध में कंपनी का अधिकतम संपर्क 31 मार्च, 2018 को 441,956.86 मिलियन रूपये है (31 मार्च, 2017 को 443,308.48 मिलियन रूपये)।

45.10 नकदी जोखिम प्रबंधन

कंपनी नकदी जोखिम का प्रबंधन नकदी तथा नकदी तुल्यों को पर्याप्त मात्रा में रख कर करती है जिसमें बैंक जमा और देय होने पर बाध्यताओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध ऋण सुविधाओं की एक पर्याप्त मात्रा के माध्यम से वित्त–पोषण की उपलब्धता शामिल है। प्रबंधन नकदी स्थिति तथा नकदी तथा नकदी तुल्यों के रोलिंग पूर्वानुमानों की निगरानी प्रत्याशित नकदी प्रवाहों के आधार पर करता है। इसके अतिरिक्त, नकदी प्रबंधन में वित्तीय परिसंपत्तियों तथा देयताओं की परिपक्वता प्रोफाइल का मिलान और तुलन–पत्र नकदी अनुपातों की निगरानी करके दायित्वों को पूरा करने हेतु आवश्यक नकदी परिसंपत्तियों के स्तर पर विचार करते हुए नकदी प्रवाहों का प्रक्षेपण भी शामिल है।

निम्नलिखित तालिका सहमत चुकौती अवधि के साथ कंपनी की गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देयताओं हेतु शेष संविदात्मक परिपक्वता को दर्शाती है। तालिकाओं में शामिल सूचना को कंपनी द्वारा भुगतान किए जाने हेतु अपेक्षित सबसे पहली तिथि पर आधारित वित्तीय देयताओं के छूट न होने वाले नकदी प्रवाहों के आधार पर तैयार किया गया है। इस तालिका में ब्याज तथा मूलधन दोनों नकदी प्रवाह शामिल हैं। संविदात्मक परिपक्वता उस सबसे पहली तिथि पर आधारित है जिसमें कंपनी द्वारा भुगतान किया जाना अपेक्षित है।

(मिलियन ₹ में)

	1 माह से कम	1 माह – 1 वर्ष	1 वर्ष – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
31 मार्च, 2018 के अनुसार					
देय व्यापार	73,345.47	-	-	-	**73,345.47**
संविदाकारों से सुरक्षा जमा	2,114.89	51.08	61.59	0.34	**2,227.89**
अल्पावधि ऋण	-	255,922.08	-	-	**255,922.08**
अन्य वित्तीय देयताएं	119,588.42	-	-	-	**119,588.42**
कुल	**195,048.78**	**255,973.16**	**61.59**	**0.34**	**451,083.87**
वित्तीय गारंटी बाध्यता '	-	-	-	-	**441,956.86**
31 मार्च, 2017 के अनुसार					
देय व्यापार	51,548.03	-	-	-	**51,548.03**
संविदाकारों से सुरक्षा जमा	2,812.39	137.97	35.54	0.34	**2,986.24**
अन्य वित्तीय देयताएं	91,159.61	-	-	-	**91,159.61**
कुल	**145,520.03**	**137.97**	**35.54**	**0.34**	**145,693.88**
वित्तीय गारंटी बाध्यता *	-	-	-	-	**443,308.48**

** यह बाध्यता को मानते हुए तृतीय पक्ष को देय होने वाली अनुमानित राशि के लिए अनुषंगी कंपनियों/संयुक्त उद्यम कंपनियों की ओर से बैंकों/वेंडरों को दी गई वित्तीय गारंटी बाध्यता के संबंध में कंपनी के अधिकतम प्रभाव को दर्शाता है।*

कंपनी की नीचे दिए गए अनुसार प्रतिबद्ध ऋण सुविधाओं पर पहुंच है, जिसमें से सभी रिपोर्टिंग अवधि के अंत में अप्रयुक्त थे (31 मार्च, 2018 के अनुसार)। कंपनी अपनी अन्य बाध्यताओं को प्रचालनशील नकदी प्रवाहों तथा परिपक्व होने वाली वित्तीय परिसंपत्तियों की प्राप्तियों से पूरा करने की आशा रखता है।

(मिलियन ₹ में)

अप्रतिभूत बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा, वार्षिक रूप से समीक्षित तथा आमंत्रण पर देय	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
अप्रयुक्त राशि	-	-
अप्रयुक्त राशि	5,000.00	5,000.00

45.11 उचित मूल्य मापन

यह टिप्पणी इस संबंध में जानकारी प्रदान करती है कि कंपनी किस प्रकार विभिन्न वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं के उचित मूल्यों को निर्धारित करती है।

45.12 आवृत्ति आधार पर उचित मूल्य पर मापन की जाने वाली कंपनी की वित्तीय परिसंपत्तियों / वित्तीय देयताओं का उचित मूल्य

कंपनी की कुछ वित्तीय परिसंपत्तियों / वित्तीय देयताओं का मापन प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उचित मूल्यों पर किया जाता है। निम्नलिखित तालिका इन वित्तीय परिसंपत्तियों के उचित मूल्यों के निर्धारण के संबंध में जानकारी देती है :

(मिलियन ₹ में)

वित्तीय परिसंपत्तियां / वित्तीय देयताएं	निम्न को उचित मूल्य		उचित मूल्य स्तर	मूल्यांकन तकनीक(को) और प्रमुख आदान(नों)
इक्विटी लिखत में निवेश (उद्धृत)	271,933.10	289,573.52	स्तर–1	स्टाक एक्सचेंज – एनएसई लिमिटेड से उद्धृत बिड मूल्य।
बाध्यकरी रूप से परिवर्तनीय अधिमानी शेयर	9.74	-	स्तर–2	बाजार में समान लिखतों के आधार पर।
म्यूचल फंडों में निवेश	-	36,343.29	स्तर–2	संबंधित परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों द्वारा घोषित एनएवी
कर्मचारी ऋण	10,193.66	10,214.10	स्तर–2	छूट दिए गए नकदी प्रवाह अर्थात प्रत्याशित प्राप्ति / भुगतान का वर्तमान मूल्य जिसे उचित छूट दर का प्रयोग करके छूट प्रदान की गई है।
वित्तीय गारंटी	(1,464.95)	(2,707.55)	स्तर–2	ब्याज दर विभेदीय मॉडल।
वित्तीय पट्टा बाध्यता	(417.96)	(417.96)	स्तर–2	मूल्यांकन अनंत तक वार्षिकी के वर्तमान मूल्य को प्राप्त करने के लिए लागू जोखिम समायोजित छूट दर पर आधारित है (वार्षिकी पूंजीकरण मॉडल)।
संविदाकारों से सुरक्षा जमा	(2,222.95)	(2,982.33)	स्तर–2	छूट दिए गए नकदी प्रवाह अर्थात प्रत्याशित प्राप्ति / भुगतान का वर्तमान मूल्य जिसे उचित छूट दर का उपयोग करके छूट दी गई है।

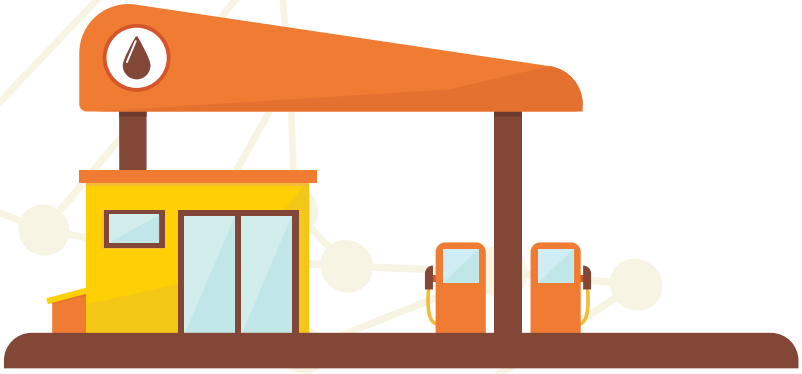
45.13 उचित मूल्य पर मापन न की जाने वाली वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं का उचित मूल्य (परन्तु जिनके उचित मूल्य प्रकटीकरण अपेक्षित हैं)

प्रबंधन वित्तीय विवरणों में मान्य वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं की वहन राशि को उनका लगभग उचित मूल्य मानता है सिवाय टिप्पणी 45.12 के अनुसार।

46. संयुक्त व्यवस्थाओं और एसोसिएट में हितों का प्रकटीकरण :

46.1 संयुक्त प्रचालन

कुछ गैर–अधिनिगमित पीएससी / नेल्प / सीबीएम ब्लाकों के संबंध में कुछ कारपोरेट निकायों के साथ कंपनी के संयुक्त प्रचालन ने भारत में प्रचालन हेतु भारत सरकार के साथ उत्पादन साझेदारी संविदाएं (पीएससी) की हैं। हस्ताक्षरित पीएससी तथा जेओए के अनुसार कंपनी का ब्लाकों की परिसंपत्तियों, देयताओं, आय तथा व्यय पर सीधा अधिकार है। इन संयुक्त प्रचालन ब्लाकों का ब्यौरा निम्नानुसार है :



क्रम सं.	ब्लॉक	कंपनी का सहभागिता हित		अन्य साझेदार और संयुक्त प्रचालन में उनका सहभागिता हित/प्रचालन अधिकार*
		31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	
क	**संयुक्त प्रचालक**			
1	पन्ना, मुक्ता और तापी	40%	40%	बीजीईपीआईएल 30%, आरआईएल 30%
2	एनके–सीबीएम–2001/1	55%	55%	आईओसी 20%, पीईपीएल 25%
ख	**ओएनजीसी द्वारा प्रचालित**			
3	सीबी–ओएस/1 विकास चरण (टिप्पणी 46.1.1)	55.26%	55.26%	टीपीएल 6.7%, एचओईसी 38.04%
4	एए–ओएनएन–2001/2	80%	80%	आईओसी 20%
5	सीवाई–ओएनएन–2002/2	60%	60%	बीपीआरएल 40%
6	केजी–ओएनएन–2003/1	51%	51%	वेदांता लिमिटेड (पूर्व में केयर्न इंडिया) - 49%
7	सीबी–ओएनएन–2004/1 (टिप्पणी 46.1.1)	60%	60%	जीएसपीसी 40%
8	सीबी–ओएनएन–2004/2	55%	55%	जीएसपीसी 45%
9	सीबी–ओएनएन–2004/3	65%	65%	जीएसपीसी 35%
10	सीवाई–ओएनएन–2004/2	80%	80%	बीपीआरएल 20%
11	एमबी–ओएसएन–2005-1	80%	80%	जीएसपीसी 20%
12	रानीगंज	74%	74%	सीआईएल 26%
13	झरिया	74%	74%	सीआईएल 26%
14	बीके–सीबीएम–2001/1	80%	80%	आईओसी 20%
15	डब्ल्यूबी–ओएनएन–2005/4	75%	75%	ओआईएल 25%
16	जीके–ओएसएन–2009/1	40%	40%	एडब्ल्यूईएल 20%, जीएसपीसी 20%, आईओसी 20%
17	जीके–ओएसएन–2009/2	40%	40%	एडब्ल्यूईएल 30%, आईओसी 30%
18	केजी–ओएसएन–2009/2	90%	90%	एपीजीआईसी 10%
19	जीके–ओएसएन–2010/1	60%	60%	ओआईएल 30%, गेल 10%
20	एमबी–ओएसएन–2005/3	70%	70%	ईईपीएल 30%
21	केजी–ओएसएन–2001/3 टिप्पणी सं. 46.1.10)	80%	-	जीएसपीसी 10%, जेओडीपीएल 10%
ग	**संयुक्त प्रचालन साझेदारों द्वारा प्रचालित**			
22	रव्वा	40%	40%	वेदांता लिमिटेड (पूर्व में केयर्न इंडिया) (प्रचालक) 22.5%, वीआईएल 25%, आरओपीएल 12.5%
23	सीवाई - ओएस.90/1 (पीवाई3)	40%	40%	एचईपीआई (प्रचालक) 18%, एचओईसी 21% टीपीएल 21%
24	आरजे - ओएन–90/1	30%	30%	वेदांता लिमिटेड (पूर्व में केयर्न इंडिया) (प्रचालक) 35%, सीईएचएल 35%
25	सीबी - ओएस/2–विकास चरण	50%	50%	वेदांता लिमिटेड (पूर्व में केयर्न इंडिया) (प्रचालक) 40%, टीपीएल 10%
26	सीबी - ओएन - 7	30%	30%	एचओईसी (प्रचालक) 35%, जीएसपीसी 35%
27	सीबी - ओएन - 3 - विकास चरण	30%	30%	ईओएल (प्रचालक) 70%
28	सीबी–ओएन/2 - विकास चरण.	30%	30%	जीएसपीसी (प्रचालक) 56%, जियो–ग्लोबल रिसोर्सिज 14%
29	एए–ओएनएन–2010/2	30%	30%	ओआईएल 40% (प्रचालक), गेल 20%, ईडब्ल्यूपी 10%
30	एए–ओएनएन.2010/3	40%	40%	ओआईएल 40% (प्रचालक), बीपीआरएल 20%

** पिछले वर्ष के ब्यौरों में कोई परिवर्तन नहीं है, जब तक कि अन्यथा बताया न गया हो।*

46.1.1 **भारत सरकार से सहभागिता हित सौंपे जाने के प्रति अनुमोदन प्रतीक्षित है।**

संक्षेपाक्षर :– एपीजीआईसी – एपी गैस इन्फ्रास्ट्रक्चर कारपोरेशन लिमिटेड, एडब्ल्यूईल – अदानी वेलस्पन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड, बीजीईपीआईएल – ब्रिटिश गैस एक्सप्लोरेशन एण्ड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड, बीपीआरएल – भारत पेट्रो रिसोर्स लिमिटेड, केर्न इंडिया – केर्न इंडिया लिमिटेड, सीईएचएल – केयर्न एनर्जी हाइड्रोकार्बन्स लिमिटेड, सीआईएल – कोल इंडिया लिमिटेड, ईईपीएल – एस्सार एक्सप्लोरेशन एण्ड प्रोडक्शन लिमिटेड, ईएनआई – एंटे नेजीनल इदरोकारबुरी, ईओएल – एस्सार ऑयल लिमिटेड, जीएआईएल – गैस अथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, जीएसपीसी– गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, एचईपीआई – हार्डी एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड, एचओईसी– हिंदुस्तान ऑयल एक्सप्लोरेशन कम्पनी लिमिटेड, आईओसी– इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड, एनटीपीसी – नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन लिमिटेड, ओआईएल – ऑयल इंडिया लिमिटेड, पीईपीएल – प्रभा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, आरआईएल – रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड, आरओपीएल – रव्वा आयॅल (सिंगापुर) प्रा. लिमिटेड, टीपीएल – टाटा पेट्रोडाइन लिमिटेड, वीआईएल – वीडियाकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जेओडीपीएल – जुबीलेंट ऑफशोर ड्रिलिंग प्राइवेट लिमिटेड, ईडब्ल्यूपी – ईस्ट वेस्ट पेट्रोलियम।

46.1.2 **क) वर्ष के दौरान अभ्यर्पित किए गए ब्लॉकों की सूची नीचे दी गई है:**

क्रम सं.	संयुक्त प्रचालन/ उत्पादन साझेदारी संविदा	कंपनी का प्रतिभागिता हित	
		31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
1	एएन–डीडब्ल्यूएन-2003/2	45%	45%
2	पीआर–ओएसएन-2004/1	35%	35%
3	सीवाई–ओएसएन-2009/2	50%	50%
4	डब्ल्यूबी–ओएनएन-2005/2	100%	100%
5	सीबी–ओएनएन-2009/4	50%	50%
6	केजी–ओएसएन-2009/4	50%	50%
7	सीबी–ओएनएन-2010/6	80%	80%

46.1.2 **(ख) वर्ष के दौरान फार्म–आउट किए गए ब्लॉकों की सूची नीचे दी गई है:**

क्रम सं.	संयुक्त प्रचालन/ उत्पादन साझेदारी संविदा	कंपनी का प्रतिभागिता हित	
		31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
1	आरजे–ओएन–06 – विकास चरण (टिप्पणी सं. 46.1.7)	30%	30%

46.1.3 46.1.3 कंपनी द्वारा उत्पादन भागीदारी संविदा के अनुसार प्रमाणित विवरणों के आधार पर परिसंपत्ति, देयताएँ, आय, व्यय और कर पूर्व लाभ/(हानि) में कंपनी के भागीदारी हित की सीमा तक, 136 (वित्तीय वर्ष 2016–17 में 135) में से 125 (वित्तीय वर्ष 2016–17 में 125) संयुक्त प्रचालन ब्लाक (जेओ/नेल्प/सीबीएम ब्लाक) के वित्तीय विवरण लेखों में शामिल किये गए है और शेष 11 (वित्तीय वर्ष 2016–17 में 10) संयुक्त प्रचालन ब्लाक (पीएससी/नेल्प/सीबीएम ब्लाक) के संबंध में आंकड़ों को उत्पादन साझेदारी संविदा के अंतर्गत तैयार किए गए अप्रमाणित विवरणों के आधार पर समाहित किया गया हैं। संयुक्त प्रचालित ब्लाकों के वित्तीय विवरणों को टिप्पणी संख्या 3.4 के अनुसार परिवर्तन के लिए समायोजित किया गया है। संयुक्त प्रचालन (पीएससी/नेल्प/सीबीएम ब्लाकों) में कंपनी के अंश की वित्तीय स्थिति टिप्पणी सं. 46.1.4 में प्रकट की गई है।

46.1.4 **संयुक्त प्रचालन की वित्तीय स्थिति – कंपनी का अंश निम्नानुसार है :**

कंपनी द्वारा उत्पादन भागीदारी संविदा के अनुसार प्रमाणित विवरणों के आधार पर परिसंपत्ति, देयताएँ, आय, व्यय और कर पूर्व लाभ/(हानि) में कंपनी के भागीदारी हित की सीमा तक, 136 (वित्तीय वर्ष 2016–17 में 135) में से 125 (वित्तीय वर्ष 2016–17 में 125) संयुक्त प्रचालन ब्लाक (जेओ/नेल्प) के वित्तीय विवरण लेखों में शामिल किये गए है और शेष 11 (वित्तीय वर्ष 2016–17 में 10) संयुक्त प्रचालन ब्लाक (जेओ/नेल्प) के संबंध में आंकड़ों को उत्पादन साझेदारी संविदा के अंतर्गत तैयार किए गए अप्रमाणित विवरणों के आधार पर समाहित किया गया हैं। दोनों आंकड़ों को टिप्पणी संख्या 3.4 के अनुसार परिवर्तन के लिए समायोजित किया गया है। जेओ/नेल्प ब्लाकों की वित्तीय स्थिति निम्नानुसार है :–

31 मार्च, 2018 के अनुसार

(मिलियन ₹ में)

विवरण	वर्तमान परिसंपत्तियां	गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	वर्तमान देयताएं	गैर–वर्तमान देयताएं	राजस्व	सतत प्रचालनों से लाभ अथवा हानि	अन्य व्यापक आय	कुल व्यापक आय
नेल्प–100% पीआई (13)	152.84	67,668.73	358.46	13.40	29.81	(7,299.54)	0.28	(7,299.26)
अन्य भागीदारों के साथ ब्लाक (30)	35,001.75	135,464.10	29,322.18	27,984.05	88,601.64	6,885.90	0.09	6,885.99
अभ्यर्पित (93)	2,013.54	44.75	14,292.04	59.07	-	(1,446.21)	(0.06)	(1,446.27)
कुल	**37,168.13**	**203,177.58**	**43,972.68**	**28,056.52**	**88,631.45**	**(1,859.85)**	**0.31**	**(1,859.54)**
उक्त ब्लाकों का आगे का ब्यौरा निम्नवत है :								
लेखापरीक्षित (125)	7,589.92	157,841.49	13,829.09	3,414.93	6,291.02	(18,235.14)	0.31	(18,234.83)
गैर–लेखापरीक्षित (11)	29,578.21	45,336.08	30,143.59	24,641.59	82,340.43	16,375.29	-	16,375.29
कुल (136)	**37,168.13**	**203,177.58**	**43,972.68**	**28,056.52**	**88,631.45**	**(1,859.85)**	**0.31**	**(1,859.54)**

31 मार्च, 2017 के अनुसार

(मिलियन ₹ में)

विवरण	वर्तमान परिसंपत्तियां	गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	वर्तमान देयताएं	गैर–वर्तमान देयताएं	राजस्व	सतत प्रचालनों से लाभ अथवा हानि	अन्य व्यापक आय	कुल व्यापक आय
नेल्प–100% पीआई (14)	120.01	64,777.15	156.85	11.49	31.55	(2,635.55)	(0.82)	(2,636.37)
अन्य भागीदारों के साथ ब्लाक (35)	19,186.89	69,831.18	22,140.06	27,714.00	80,032.44	9,529.96	(0.12)	9,529.85
अभ्यर्पित (86)	2,005.72	43.51	12,917.39	59.07	262.81	(4,853.43)	(0.58)	(4,854.02)
कुल (135)	**21,312.62**	**134,651.84**	**35,214.30**	**27,784.56**	**80,326.80**	**2,040.98**	**(1.52)**	**2,039.46**
उक्त ब्लाकों का आगे का ब्यौरा निम्नवत है :								
लेखापरीक्षित (125)	20,084.08	131,281.00	30,242.16	25,057.99	75,613.44	2,362.11	(1.52)	2,360.58
गैर–लेखापरीक्षित (10)	1,228.54	3,370.84	4,972.14	2,726.57	4,713.36	(321.13)	-	(321.12)
कुल (135)	**21,312.62**	**134,651.84**	**35,214.30**	**27,784.56**	**80,326.80**	**2,040.98**	**(1.52)**	**2,039.46**

46.1.5 संयुक्त प्रचालन ब्लाकों से संबंधित अतिरिक्त वित्तीय जानकारी निम्नानुसार है :

31 मार्च, 2018 के अनुसार

(मिलियन ₹ में)

विवरण	नकदी और नकदी तुल्य	वर्तमान वित्तीय देयताएं	मूल्यह्रास और परिशोधन	ब्याज आय	ब्याज व्यय
नेल्प–100% पीआई (13)	0.02	282.14	18.42	0.05	0.90
अन्य भागीदारों के साथ ब्लाक (30)	225.22	21,018.60	20,932.23	628.24	1,927.55
अभ्यर्पित (93)	0.31	14,208.12	1.84	1.07	0.00
कुल (136)	**225.55**	**35,508.85**	**20,952.50**	**629.36**	**1,928.45**
लेखापरीक्षित (125)	84.48	13,024.18	4,152.17	107.32	187.94
गैर– लेखापरीक्षित (11)	141.07	22,484.67	16,800.33	522.04	1,740.52
कुल (136)	**225.55**	**35,508.85**	**20,952.50**	**629.36**	**1,928.45**

31 मार्च, 2017 के अनुसार

(मिलियन ₹ में)

विवरण	नकदी और नकदी तुल्य	वर्तमान वित्तीय देयताएं	मूल्यह्रास और परिशोधन	ब्याज आय	ब्याज व्यय
नेल्प–100% पीआई (14)	0.02	89.74	12.61	0.06	0.88
अन्य भागीदारों के साथ ब्लॉक (35)	1,453.27	17,093.31	14,753.48	530.80	1,195.8
अभ्यर्पित (86)	0.27	12,098.49	889.65	0.99	4.27
कुल (135)	**1,453.56**	**29,281.54**	**15,655.74**	**531.85**	**1,200.97**
लेखापरीक्षित (125)	1,450.26	25,252.55	14,365.56	321.76	934.83
गैर– लेखापरीक्षित (10)	3.30	4,028.99	1,290.18	210.09	266.14
कुल (135)	**1,453.56**	**29,281.54**	**15,655.74**	**531.85**	**1,200.97**

46.1.6 31 मार्च, 2018 को समाप्त होने वाले 4 नेल्प ब्लॉकों (पिछले वर्ष 6) के संबंध में ₹ 753.13 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 1,167.54 मिलियन) की राशि के अपूर्ण न्यूनतम कार्य कार्यक्रम के कंपनी के अंश के लिए प्रावधान नहीं किया गया है क्योंकि कंपनी ने पहले ही नेल्प ब्लाकों की विस्तार नीति के भीतर 'क्षमा योग्य विलंब' / तकनीकी जटिलताएँ बताते हुए विशेष व्यवस्थाएं बताते हुए अवधि के और विस्तार के लिए आवेदन किया है, जो भारत सरकार के पास सक्रिय रूप से विचाराधीन है। ये विलंब सामान्यतः विभिन्न सरकारी प्राधिकारियों जैसे कि रक्षा मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय, पर्यावरण ीय स्वीकृतियों, राज्य सरकार की अनुमति आदि से सांविधिक स्वीकृतियों के लंबित होने के कारण हुई थी। ₹ 753.13 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 1,167.54 मिलियन) की एमडब्ल्यूपी को टिप्पणी संख्या 48.2.2 (1) के अंतर्गत एमडब्ल्यूपी प्रतिबद्धता में शामिल किया गया है।

कंपनी द्वारा भारत सरकार के साथ हस्ताक्षरित उत्पादन साझेदारी संविदाओं के अनुसार कंपनी द्वारा निर्धारित समय के भीतर न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) को पूर्ण किया जाना अपेक्षित है। एमडब्ल्यूपी की पूर्णता में विलंब के मामले में, एमडब्ल्यूपी को पूरा करने के लिए समय के विस्तार हेतु परिसमाप्त क्षतियां (एलडी) देय होती है। इसके अतिरिक्त, यदि कंपनी एमडब्ल्यूपी को पूरा नहीं करती है या एमडब्ल्यूपी को पूरा किए बिना ब्लाक को समर्पित कर देती है, तो शेष कार्य कार्यक्रम को पूरा करने के लिए अनुमानित लागत भारत सरकार को अदा की जानी होती है। ₹ 688.06 मिलियन (पिछले वर्ष 14.90 मिलियन रूपए) की राशि की एलडी और भारत सरकार को अदा की गई / अदा की जाने वाली अपूर्ण एमडब्ल्यूपी की लागत के (वापसी का निवल) ₹ 160.71 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 965.69 मिलियन) को क्रमशः सर्वेक्षण तथा कूप बट्टे खाते में डाले गए व्यय में शामिल किया गया है।

46.1.7 भारत सरकार ने एसजीएस फील्ड में ओएनजीसी के 30 प्रतिशत प्रतिभागिता हित का परित्याग फोकस एनर्जी लिमिटेड (प्रचालक) को राजस्थान के जैसलमेर बेसिन में ब्लाक आरजे–ओएन / 6 में भविष्य के हित के साथ परित्याग को इस शर्त के अधीन अनुमोदित किया है कि फोकस एनर्जी लिमिटेड (प्रचालक) पूर्व के रॉयल्टी भुगतान, पीईएल / एमएल शुल्क, अन्य सांविधिक कर (31 मार्च, 2018 के अनुसार 1557.81 मिलियन रूपये की कुल राशि) के प्रति 100 प्रतिशत का भुगतान करेगा और ब्लाक के एसजीएल फील्ड में ओएनजीसी द्वारा देय विकास / उत्पादन लागत में छूट प्रदान करेगा तथा साथ ही साथ लाइसेंसधारी के रूप में ओएनजीसी की भविष्य की शत प्रतिशत रायल्टी बाध्यता को भी लेगा। फार्मआउट समझौते के निष्पादन और उत्पादन साझेदार संविदा (पीएससी) में संशोधन लंबित होने के चलते आरजे–ओएन / 6 के परित्याग के संबंध में लेखे में कोई समायोजन नहीं किया गया है।

46.1.8 कपंनी का ब्लाक आरजे–ओएन–90 / 1 में वेदांता लिमिटेड (पूर्व में केर्न इंडिया लिमिटेड) (प्रचालक) ओर केर्न एनर्जी हाइड्रोकार्बन्स लिमिटेड के साथ 30 प्रतिशत प्रतिभागिता हित है। 1071.51 मिलियन अमेरिकी डॉलर (69,562.43 मिलियन रूपये) की राशि की अन्वेषण, विकास तथा उत्पादन लागत के संबंध में लागत वसूली से संबंधित कुछ अनसुलझे मुद्दे हैं। ये मुद्दे निपटान हेतु संयुक्त उद्यम भागीदारों के मध्य चर्चा के अधीन हैं। मुद्दों का निपटान लंबित होने तक विकास तथा उत्पादन लागत से संबंधित 824.30 अमेरिकी डॉलर (52,513.56 मिलियन रूपये) की राशि को कंपनी के प्रतिभागिता हितों के अनुसार लेखांकित किया गया है।

46.1.9 झरिया सीबीएम ब्लाक के संबंध में भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल) के साथ कुछ अतिव्याप्ति वाले मुद्दे हैं। अतिव्याप्ति मुद्दे के कारण विकासात्मक क्रियाकलाप (सिवाय प्रासंगिक गैस उत्पादन के) जून, 2014 से स्थगित थे। हाल ही में खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) ने ओएनजीसी को सह–विकास समझौते के सिद्धांततः अनुमोदन (डीजीएमएस / डीजीएच

द्वारा) का पालन करते हुए सेल के साथ अतिव्याप्ति वाले क्षेत्र में प्रचालन को बहाल करने की अनुमति प्रदान की है। तथापि, सेल के साथ सह–विकास समझौते का निष्पादन लंबित है। इसी प्रकार, रानीगंज सीबीएम ब्लाक में बंगाल एरोट्रोपोलिस प्रोजेक्टस लिमिटेड (बीएपीएल) की एअरपोर्ट सिटी परियोजना का कुछ हिस्सा रानीगंज सीबीएम ब्लाक के एफडीपी क्षेत्र से अतिव्याप्त होता है। इस मुद्दे पर बीएपीएल और पश्चिम बगाल सरकार से चर्चा की जा रही है। तथापि, पर्यावरणीय स्वीकृति (ईसी) प्राप्त करने के लिए जन सुनवाई आयोजित की गई है और पर्यावरणीय स्वीकृति आवेदन पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत किया गया है। ब्लाक की तकनीकी आर्थिकी को लागत ईष्टतम किए जाने के साथ पुनः निर्धारित किया जा रहा है। ब्लाक पर अंतिम निर्णय लंबित होने के चलते बहियों में 611.95 मिलियन रूपये का क्षति प्रावधान किया गया है।

46.1.10 वर्ष के दौरान कपंनी ने केजी–ओएसएम–2001/3ब्लाक में दीन दयाल वेस्ट (डीडीडब्ल्यू) फील्ड हेतु 995.26 मिलियन अमेरिकी डॉलर (62950.20 मिलियन रूपये) के खरीद मूल्य पर प्रचालन अधिकार सहित गुजरात राज्य पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (जीएसपीसी) में समूचे 80 प्रतिशत प्रतिभागिता हित की खरीद की है। जीएसपीसी के साथ 10 मार्च, 2017 को एक फार्म–इन – फार्म–आउट (एफआईएफओ) समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे जिसकी आर्थिक तिथि 31 मार्च, 2017 (23:59 बजे भारतीय मानक समय) थी और उक्त मूल्य को अंतिम तिथि 4 अगस्त, 2017 को अदा किया गया है।

एफआईएफओ के अनुसार कंपनी द्वारा वास्तविक गैस उत्पादन और सहमत गैस मूल्य में अंतर पर आधारित पहले से भुगतान किए गए मूल्य में समायोजन के रूप में राशियों का भुगतान/प्राप्त करना अपेक्षित है। मदर कूप के निष्पादन और भविष्य के उत्पादन का अनुमान लंबित होने के चलते मूल्य हेतु आकस्मिक समायोजन को मात्रात्मक रूप दिया जाना शेष है।

मूल्य प्रतिफल हेतु समापन समायोजन के लिए लेखांकन (अर्थात कार्यशील पूंजी तथा अन्य समायोजन) यथा आर्थिक तिथि से समापन तिथि तक संव्यवहार को अनंतिम आधार पर किया गया है और 198.31 मिलियन रूपये की राशि जीएसपीसी से निवल प्राप्य है जो जीएसपीसी तथा कंपनी के मध्य परस्पर समझौते के अनुसार अंतिम निपटान के अधीन है।

कंपनी ने जीएसपीसी को केजी–ओएसएन–2001/3 ब्लाक में डीडीडब्ल्यू फील्ड के अतिरिक्त 6 खोजों हेतु 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर (12,650.00 मिलियन रूपये) के आंशिक मूल्य का भुगतान केजी–ओएसएन–2001/3 ब्लाक में इन खोजों हेतु अधिग्रहण अधिकारों के प्रति भी कर दिया है जिसे जीएसपीसी तथा कंपनी के मध्य सहमत मूल्यांकन पैरामीटरों के आधार पर ऐसे फील्डों से मूल्यांकन के प्रति समायोजित किया जाएगा।

47. भारतीय लेखांकन मानक 36–परिसंपत्तियों की क्षति के अंतर्गत प्रकटीकरण

47.1 कंपनी मुख्यतः तट और अपतटीय क्षेत्र में तेल और गैस अन्वेषण और उत्पादन के व्यवसाय में लगी है । तट परिसंपत्तियों के मामले में, फील्डें समान उत्पादन/परिवहन सुविधाओं का प्रयोग करती हैं और एकल नकदी सृजन इकइयां (सीजीयू) की गठन करने के लिए पर्याप्त रूप में आर्थिक दृष्टि से अंतर निर्भर है। तदनुसार सभी तट फील्डों का क्षति परीक्षण परिसंपत्ति स्तर की उन सभी फील्डों के समुच्चय में निष्पादित किया जाता है। अपतटीय परिसंपत्तियों के मामले में फील्ड को सामान्यतः सीजीयू माना जाता है, सिवाए ऐसी फील्डों के जो संकुल के रूप में विकसित हों, और जिनके लिए समान सुविधाओं का प्रयोग किया जाता हो, ऐसी स्थिति में संकुल, में सम्मिलित सभी फील्डों हेतु क्षति परीक्षण समुच्चय में किया जाता है।

47.2 उत्पादक/विकासशील सीजीयू के प्रयोग का मान एक बहुचरणीय दृष्टिकोण के अंतर्गत निर्धारित किया जाता है, जहां भावी नकद भाव प्रारंभ में सिद्ध विकसित आरक्षणों पर आधारित होता है। ऐसी परिस्थितियों में प्रगति अधीन सी जीयू में फील्डों का विकास और जहां सीजीयू का धारक मान केवल सिद्ध विकसित भण्डारों के अन्वेषण से ही नहीं वसूला जा सकता, सीजीयू के सिद्ध और संभावित भण्डारों (2पी) को भावी रोकड़ आवक के अनुमान हेतु भी प्रयोग किया जाता है । ऐसे मामलों में, प्रयोग में मान का निर्धारण करते समय मूल्यांकन/विकास की अपेक्षित लागत का पूर्ण प्राक्कलन किया जाता है।

47.3 प्रयोग में मान का आकलन करते समय परिसंपत्तियों के निरंतर प्रयोग से अनुमानित भावी नकद आवक और इसकी प्रयोग अवधि समाप्त होने पर इसके निपटान से इसके वर्तमान मूल्य में से घटा दिया जाता है। नकद प्रवाह का वर्तमान मूल्य रुपए लेन–देनों हेतु 14.48 प्रतिशत (31 मार्च, 2017 को – 14.88 प्रतिशत) की छूट दरों का प्रयोग करके निर्धारित किया जाता है और कच्चे तेल तथा मूल्य संवर्धित उत्पाद राजस्व, जो अमरीकी डॉलर में मापे जाते हैं, यह 9.68 प्रतिशत (31 मार्च, 2017 को – 10.57 प्रतिशत) है। कच्चे तेल की बिक्री और मूल्य संवर्धित उत्पाद की बिक्री से भावी नकद आवक का परिकलन, भावी मूल्यों के आधार पर किया जाता है, जो संयंत्र के कच्चा तेल मार्किट वायर और बेंचमार्क कच्चे तेल और अन्य पेट्रोलियम

उत्पादों के साथ इसके सह–संबंध द्वारा आकलन के अनुसार डेटेड ब्रंट कच्चा तेल के बाज़ार आधारित औसत मूल्यों पर आधारित होता है। प्राकृतिक गैस की बिक्री से भावी नकद आवक का परिकलन, भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के आधार पर अपेक्षित भावी मूल्यों पर आधारित होता है और भारत सरकार द्वारा जारी किए गए नए मूल्य निर्धारण दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए, अमरीकी डॉलर में मापे गए नकदी प्रवाहों पर लागू दरों को लागू करते हुए इस पर छूट दी जाती है। (संदर्भ टिप्पणी सं. 30.3)

47.4 कंपनी ने 31 मार्च, 2018 को इसके सीजीयू हेतु क्षति का आकलन किया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में खनिज तेल तथा प्राकृतिक गैस के मूल्यों में सुधार हुआ है। मूल्यों तथा अन्य परिवर्तनशील कारकों में परिवर्तन के परिणामस्वरूप 6985.33 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 के अनुसार 13979.63 मिलियन रूपये) की राशि प्रत्यावर्तित की गई है जिसमें मुख्य रूप से अभितटीय सीजीयू शिवसागर हेतु 6954.96 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 के अनुसार 12203.54 मिलियन रूपये) की राशि और शेष अन्य सीजीयू के क्षति के शेष प्रत्यावर्तन से संबंधित है।

47.5 वर्ष के दौरान 1342.92 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष 715. 62 मिलियन रूपये) की राशि क्षति हानि हेतु मुहैया करवाई गई है जिसमें मुख्यतः अभितटीय सीजीयू सिल्चर और जोधपुर से संबंधित 241.96 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष 235.11 मिलियन रूपये) की राशि शामिल है। 1100. 96 मिलियन रूपये (पिछले 480.51 मिलियन रूपये) की राशि की शेष क्षति हानि ताप्ती फील्ड, सीबी–ओएस–1 और अन्य सीजीयू से संबंधित है।

47.6 31 मार्च, 2018 के अनुसार संबंधित सीजीयू हेतु निम्नलिखित 2पी भंडारों को क्षति आकलन हेतु एक आधार के लिए लिया गया है :–

सीजीयू का नाम	क्षति आकलन हेतु प्रयुक्त भंडारों की मात्रा (एमएमटी में)
जी1–जीएस 15	8.65
सिलचर अभितटीय परिसंपत्ति	0.32
आरजे–ओएन–90/1 (नेल्प–पूर्व पीएससी ब्लॉक)	5.10
शिबसागर अभितटीय परिसंपत्ति	40.75
डब्ल्यूओ 16	12.25
राजामुंद्री अभितट	13.74

अन्वेषणात्मक चरण (प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं) के अंतर्गत परिसंपत्तियों के क्षति परीक्षण को 31 मार्च, 2018 को किया गया और वर्ष 2017–18 के दौरान 1,820.94 मिलियन रूपये की राशि क्षति हानि के रूप में मुहैया करवाई गई है (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु 4,539.44 मिलियन रूपये)। इसके अतिरिक्त, लाभ एवं हानि के एकल विवरण में 1,065.43 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु 966.05 मिलियन रूपये) की क्षति हानि को वापिस किया गया है क्योंकि अन्वेषणात्मक चरण परिसंपत्तियों को शुष्क कूप व्यय में अंतरित किया गया है।

48. आकस्मिक देयताएं, आकस्मिक परिसंपत्तियां और प्रतिबद्धताएं (प्रावधान न किए गए की सीमा तक)

48.1 आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां :

48.1.1 कंपनी के प्रति दावे/विवादित माँगे जो ऋण के रूप में नहीं माने गए : (मिलियन ₹ में)

	विवरण	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
I	**कंपनी के संबंध में :**		
I.	आयकर	94,638.09	87,426.84
II.	उत्पाद शुल्क	10,262.65	9,922.79
III	सीमा शुल्क	311.45	264.94
IV	रॉयल्टी (टिप्पणी सं. 48.1.ख)	496.82	496.81
V	उपकर	6.57	6.57
VI	एपी खनिजयुक्त भूमि (आधारभूत ढांचा) उपकर	2,909.76	2,704.18
VII	बिक्री कर	18,782.20	14,311.27
VIII	सेवा कर (टिप्पणी सं. 48.1.(ख))	16,194.20	1,455.84
IX	वस्तु एवं सेवा कर (टिप्पणी सं. 48.1.(ख))	10,141.96	-
X	चुंगी और अन्य नगर निगम कर	66.89	233.98

		विवरण	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
	XI	विनिर्दिष्ट भूमि कर (असम)	4,865.55	4,531.38
	XII	अधिनिर्णय/न्यायालयों में संविदाकारों के दावे (एलएक्यू सहित)	134,773.58	155,793.74
	XIII	कर्मचारी भविष्य निधि	66.35	66.35
	XIV	अन्य	45,243.31	45,807.06
		अनुयोग (क)	**338,759.38**	**323,021.75**
II		**संयुक्त प्रचालनों के संबंध में**		
	I.	आयकर	8.91	8.91
	II.	उत्पाद शुल्क	4.17	4.17
	III	सीमा शुल्क	77.54	77.54
	IV	बिक्री कर	2,621.66	2,621.66
	V	सेवा कर और जीएसटी (टिप्पणी सं. 48.1.(ख))	17,229.54	7,465.02
	VI	अधिनिर्णय/न्यायालयों में संविदाकारों के दावे	6,880.09	319.45
	VII	अन्य (टिप्पणी सं. 48.1.(ग))	113,064.90	7,759.32
		अनुयोग (ख)	**139,886.81**	**18,256.07**
		कुल (क+ख)	**478,646.19**	**341,277.82**

क. कंपनी की लम्बित मुकदमेबाजी में कंपनी के विरूद्ध दावे और कर/सांविधिक/सरकारी प्राधिकारियों के समक्ष लम्बित कार्यवाहियां शामिल है। कंपनी ने अपने सभी लम्बित मुकदमों तथा कार्यवाहियों की समीक्षा की है और जहां कहीं अपेक्षित हों पर्याप्त प्रावधान किए हैं तथा जहां कहीं लागू हों आकस्मिक देयताओं को अपने वित्तीय विवरणों में प्रकट किया है। कंपनी इन कार्यवाहियों के परिणामों की इसकी वित्तीय स्थिति पर अधिक प्रभाव होने की आशा नहीं रखती है। उक्त के संबंध में भविष्य के नकदी बाह्य प्रवाह को विभिन्न फोरम/प्राधिकारियों के साथ लम्बित आदेशों/निर्णयों के प्राप्त होने पर ही निर्धारित किया जा सकता है।

ख. वर्ष के दौरान कंपनी को ऑयल फील्ड (विनियमन और विकास) अधिकार, 1948 के अंतर्गत लगाई गई खनिज तेल और प्राकृतिक गैस पर ब्याज तथा शास्ति सहित सेवा कर, रॉयल्टी के चलते विभिन्न कार्य केन्द्रों को कारण बताओ नोटिस प्राप्त हुए हैं। कंपनी ने एक अप्रैल, 2016 से 30 जून, 2017 की अवधि हेतु 19,834.29 मिलियन रूपये के सेवा कर (ब्याज सहित) की गणना की है। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने 1 जुलाई, 2017 से 31 मार्च, 2018 तक की अवधि हेतु 14,315.98 मिलियन रूपये के जीएसटी (ब्याज सहित) की गणना की है। उक्त के संबंध में शास्ति को मात्रात्मक रूप नहीं दिया जा सकता। कंपनी द्वारा प्राप्त विधिक मत के आधार पर रायल्टी पर सेवा कर/जीएसटी लागू नहीं होता है। कंपनी उचित प्राधिकारियों के समक्ष इसका प्रतिवाद कर रही है और तदनुसार उक्त को आकस्मिक देयता के रूप में दर्शाया गया है। तथापि, पर्याप्त सावधानी के तौर पर कंपनी ने 25,153.29 मिलियन रूपये की राशि को मई, 2018 विरोध के अंतर्गत सेवा कर, जीएसटी तथा ब्याज के रूप में जमा करवाया है।

ग) कंपनी 40 प्रतिशत प्रतिभागिता हित के साथ पन्ना/मुक्ता और मिड तथा साउथ ताप्ती फील्डों में संयुक्त प्रचालक है जिसमें रिलाइंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और बीजी एक्सप्लोरेशन एण्ड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड (बीजीईपीआईएल) प्रत्येक का 30 प्रतिशत प्रतिभागिता हित है। पन्ना–मुक्ता और मिड तथा साउथ ताप्ती संविदा क्षेत्रों के संबंध में उत्पादन साझेदारी संविदाओं (पीएससी) पर संविदाकारों तथा भारत सरकार के मध्य 22 दिसम्बर, 1994 को 25 वर्षों की अवधि के लिए हस्ताक्षर किए गए थे। दिसम्बर, 2010 में आरआईएल और बीजीईपीआईएल ने पीएससी के अनुच्छेद 33 और यूएनसिट्राल नियम, 1976 के प्रावधानों के अनुपालन में पन्ना–मुक्ता और मिड तथा साउथ ताप्ती संविदा क्षेत्रों के संबंध में दोनों पीएससी से उत्पन्न होने वाले या उससे संबंधित कुछ विवादों, मतभेदों तथा दावों के संबंध में भारतीय संघ के विरूद्ध माध्यस्थम कार्यवाही प्रारंभ की। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अपने दिनांक 4 जुलाई, 2011 के पत्र के माध्यम से कंपनी को पन्ना–मुक्ता तथा ताप्ती पीएससी के अंतर्गत आरआईएल तथा बीजीईपीआईएल द्वारा प्रारंभ की गई माध्यमस्थम कार्यवाही में भाग न लेने का परामर्श दिया था। तथापि, माध्यस्थम निर्णय के मामले में वह दोनों पीएससी हेतु संविदाकार के एक घटक के रूप में कंपनी पर भी लागू होता। 12 अक्तूबर, 2016 को आरआईएल, बीजीईआईएल तथा भारतीय संघ के मध्य माध्यस्थम मामले में अधिकरण द्वारा एक अंतिम आंशिक निर्णय (एफपीए) की घोषणा की गई थी। तथापि, इस संबंध में कार्यवाहियों के ब्यौरे

कंपनी को ज्ञात नहीं है क्योंकि कंपनी इस माध्यस्थम की कार्यवाही की पक्षकार नहीं है। हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) ने 25 मई, 2017 के पत्र के माध्यम से सभी संयुक्त उद्यम भागीदारों (आरआईएल, बीजीईपीआईएल तथा ओएनजीसी) को संबोधित करते हुए एफपीए की सरकार की व्याख्या के अनुपालन में संविदाकार द्वारा देय तथाकथित लाभ पेट्रोलियम एवं रायल्टी के विभेदीय भारत सरकार के अंश के भुगतान हेतु कहा था (कंपनी का 40 प्रतिशत का अंश 1574.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि का होता है जो 30 नवम्बर, 2016 तक ब्याज सहित समतुल्य रूप में 102233.41 मिलियन रूपये बनता है। तथापि, डीजीएच के 25 मई, 2017 के पत्र के प्रतिउत्तर में संयुक्त उद्यम भागीदार आरआईएल तथा बीजीईपीआईएल (जिसकी प्रति सभी संयुक्त उद्यम भागीदारों को भेजी गई है) ने कहा है कि डीजीएच की मांग समय से पूर्व की गई है क्योंकि एफपीए में भारत सरकार के पक्ष में राशि का कोई निर्णय नहीं दिया गया है क्योंकि देयताओं को मात्रात्मक रूप दिए जाने का निर्धारण माध्यस्थम कार्यवाही के अंतिम चरण में होगा और उक्त को ब्रिटिश वाणिज्यिक न्यायालय के समक्ष चुनौती दी गई है।

इसके अतिरिक्त, दिनांक 16 अप्रैल, 2018 और 2 मई, 2018 के लंदन उच्च न्यायालय के आदेशों के परिणामस्वरूप डीजीएच ने दिनांक 4 मई, 2018 और 15 मई, 2018 के पत्र के माध्यम से संयुक्त उद्यम के लेखे को रिकास्ट करने और प्रेषण की तिथि तक ब्याज सहित शेष देयों के संबंधित प्रतिभागिता हित के अंश को प्रेषित करने के लिए कहा है। तत्संबंधी कार्यवाही और लंदन उच्च न्यायालय के आदेशों की कंपनी को जानकारी नहीं है क्योंकि कंपनी माध्यस्थम कार्यवाही की एक पक्षकार नहीं है। डीजीएच के पत्र के प्रतिउत्तर में आरआईएल तथा बीजीईपीआईएल ने कहा है (सभी संयुक्त उद्यम भागीदारों को जिसकी एक प्रति भेजी गई है) की अक्तूबर, 2016 के एफपीए में सरकार के पक्ष में कोई राशि से संबंधित निर्णय नहीं दिया गया है। इसके अतिरिक्त, आरआईएल तथा बीजीईपीआईएल द्वारा यह भी बताया गया है कि ब्रिटिश न्यायालय ने "समझौता मामले" के संबंध में दावाकर्ताओं (आरआईएल तथा बीजीईपीआईएल) के चौथे दावे को सही ठहराया है और यह निर्णय दिया है कि अधिकरण के निर्णय में गंभीर अनियमितताएं थी। इसके अतिरिक्त, 2 मई, 2018 के अदालत के निर्णय में ब्रिटिश न्यायालय ने अधिकरण को "समझौता मामले" पर पुनर्विचार करने और उक्त तिथि से 3 माह के भीतर एक नया निर्णय देने का निदेश दिया है। "समझौता मामला प्रबंधन समिति के समक्ष संविदाकार द्वारा दायर लागत वसूली सीमा (सीआरएल) वृद्धि आवेदन के साथ निकट रूप से संयोजित है और इस मुद्दे पर अधिकरण द्वारा पुनर्विचार किया जाना आवश्यक रूप से लेखे की पुनः गणना को प्रभावित करता है। लेखे की पुनः गणना और संविदाकार (कंपनी सहित संयुक्त उद्यम के घटक) द्वारा देय और भुगतान योग्य किसी राशि के परिणामी निर्धारण को अधिकरण द्वारा सभी व्यापक मुद्दों के निर्धारण के पश्चाता माध्यस्थम कार्यवाहियों के अंतिम चरण के दौरान निर्धारित किया जाना है (ताप्ती तथा पन्ना मुक्ता सीआरएल में वृद्धि हेतु किसी आवेदन और समझौता मामले में किसी निर्णय सहित)। कंपनी ने भी डीजीएच को यह प्रतिउत्तर दिया है कि अभी तक न तो माध्यस्थम अधिकरण और न ही न्यायालय ने कोई आदेश पारित किया है अथवा कंपनी द्वारा देय तथा भुगतान योग्य किसी राशि को मात्रात्मक रूप दिया है। इन परिस्थितियों में डीजीएच द्वारा किसी राशि या तत्संबंधी ब्याज की मांग किया जाना अपरिपक्व है तथा न्यायोचित नहीं ठहरता। कंपनी ने डीजीएच से निर्णय को अंतिम रूप दिए जाने तक मुद्दे को लंबित रखने का अनुरोध किया है।

माध्यस्थम अधिकरण द्वारा देयताओं को अंतिम रूप से मात्रात्मक रूप दिए जाने के लंबित होने के चलते उक्त हेतु किसी प्रावधान को आवश्यक नहीं समझा गया है। तथापि, उक्त को आकस्मिक देयता माना गया है।

48.1.2 आकस्मिक परिसंपत्ति एक ऐसी संभावित परिसंपत्ति है जो पूर्व की घटनाओं से उत्पन्न होती है और जिसकी मौजूदगी की पुष्टि भविष्य की एक अथवा अधिक अनिश्चित घटनाओं के होने या न होने पर होगी जिन पर निकाय का कोई नियंत्रण नहीं होता। ऐसे दावों के संबंध में आर्थिक लाभ के अंतर प्रवाह को संबंधित घटनाओं तथा परिस्थितियों के आस–पास मौजूद होने वाली अनिश्चितताओं के चलते मापा नहीं जा सकता।

48.2 प्रतिबद्धताएं

48.2.1 पूंजीगत प्रतिबद्धताएं

पूंजीगत लेखे पर निष्पादन हेतु शेष संविदाओं की अनुमानित राशि

1. कंपनी के संबंध में : 82,223.61 मिलियन रूपये (गत वर्ष 110,082.89 मिलियन रूपये)।
2. संयुक्त प्रचालनों के संबंध में – 2,753.09 मिलियन रूपये (गत वर्ष 2,596.09 मिलियन रूपये)।

48.2.2 अन्य प्रतिबद्धताएं

(1) भारत सरकार /नामांकित ब्लाकों के साथ विभिन्न "उत्पादन साझेदारी संविदाओं" के अंतर्गत प्रतिबद्ध न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) की अनुमानित राशि –

क. नेल्प ब्लाकों के संबंध में जिनमें कंपनी का 100 प्रतिशत प्रतिभागिता हित है – 2,750.40 मिलियन रूपये (गत वर्ष 3,325.69 मिलियन रूपये)।

ख. संयुक्त उद्यमों में नेल्प ब्लाकों के संबंध में कंपनी का अंश 2,581.97 मिलियन रूपये (गत वर्ष 7,576.08 मिलियन रूपये)।

(2) एक संयुक्त उद्यम कंपनी ओएनजीसी पेट्रो एडीशन लिमिटेड के संबंध में शेयर वारंट के सबस्क्रिप्शन के चलते 480.50 मिलियन रूपये की राशि 0.25 रूपये प्रति शेयर के शेष भुगतान के पश्चात शेयरों को परिवर्तित करने की शर्त के साथ है।

(3) कंपनी ने 2 जुलाई, 2016 को ओएनजीसी पेट्रोएडीशन्स लिमिटेड द्वारा जारी 77,780.00 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष 56,150.00 मिलियन रूपए) की राशि के बाध्यकारी परिवर्तनीय डिबेंचर तथा उस पर 31 मार्च, 2018 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु 4,670. 19 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष 3,612.06 मिलियन रूपये) की राशि के ब्याज हेतु मूलधन तथा 3 वर्ष की संचित कूपन राशि के पुनर्भुगतान के प्रति सहायता को रोकने के लिए एक व्यवस्था भी की है।

(4) कंपनी ने ब्लाक केजी–ओएसएन–2001/03 में दीन दयाल वेस्ट (डीडीडब्ल्यू) फील्ड हेतु 995.26 मिलियन अमेरिकी डॉलर (62,950.20 मिलियन रूपये) के क्रय मूल्य पर प्रचालन अधिकार सहित गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (जीएसपीसी) के समूचे 80 प्रतिशत प्रतिभागिता हित की खरीद के प्रस्ताव को अनुमोदित किया है। कंपनी ने ब्लाक केजी–ओएसएन–2001/3 में डीडीडब्ल्यू फील्ड के अतिरिक्त 6 खोजों हेतु ब्लाक केजी–ओएसएन–2001/3 में इन ब्लाकों के अधिग्रहण अधिकार के प्रति जीएसपीसी को 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर (12,650.00 मिलियन रूपये) के आंशिक भुगतान को भी किया है जिसका समायोजन जीएसपीसी तथा कंपनी के मध्य सहमत मूल्यांकन पैरामीटरों पर आधारित ऐसे फील्डों के मूल्यांकन के प्रति किया जाएगा। (टिप्पणी सं. 46.1.10)

49. मात्रात्मक विवरण

49.1 उत्पादन मात्राएं (प्रबंधन द्वारा यथा प्रमाणित)

उत्पाद	यूनिट	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
खनिज तेल	एमटी	25,434,914	25,534,312
प्राकृतिक गैस	हजार घन मीटर	24,609,502	23,269,961
तरलीकृत पेट्रोलियम गैस	एमटी	1,186,654	1,354,700
ईथेन–प्रोपेन	एमटी	355,723	420,585
ईथेन	एमटी	263,639	137,175
प्रोपेन	एमटी	194,017	90,511
ब्यूटेन	एमटी	102,846	31,053
नापथा	केएल	1,176,294	1,101,231
एसकेओ	केएल	45,984	35,790
एटीएफ	एमटी	5,924	2,539
एलएसएचएस	एमटी	21,779	26,263
एचएसडी	एमटी	26,873	30,126
एमटीओ	एमटी	5,593	3,620

टिप्पणी :
क) उत्पादन में आंतरिक उपभोग और मध्यवर्ती हानियां शामिल है।
ख) खनिज तेल उत्पादन में 1.454 एमएमटी (पिछले वर्ष 1.363 एमएमटी) का संघनित शामिल है।

49.2 क्रय (व्यापार किए जाने वाले उत्पाद) :

(मिलियन ₹ में)

उत्पाद	यूनिट	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष		31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	
		मात्रा	राशि	मात्रा	राशि
हाई स्पीड डीजल	केएल	-	-	418	16.83
मोटर स्पिरिट	केएल	-	-	202	9.08
अन्य	-	-	-	-	0.10
कुल	-		-	-	**26.01**

49.3 उपभोग किया गया कच्चा माल :

तरलीकृत पेट्रोलियम गैस, ईथेन/प्रोपन, नापथा, सुपिरियर कैरोसीन ऑयल, लो सल्फर हाई स्टाक, एविएशन टरबाईन ईंधन तथा हाई स्पीड डीजल के उत्पादन हेतु।

(मिलियन ₹ में)

विवरण	यूनिट	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष		31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	
		मात्रा	लागत पर मूल्य	मात्रा	लागत पर मूल्य
स्वयं के उत्पादन में से					
खनिज तेल	एमटी	81,789	1,106.95	85,354	1,066.41
प्राकृतिक गैस	हजार घन मीटर	881,154	6,121.51	971,658	4,968.29
गैस समतुल्य संघनित	हजार घन मीटर	421,647	2,302.51	404,619	1,976.68
क्रय					
तरलीकृत प्राकृतिक गैस	एमटी	645,312	6,730.51	433,812	10,619.68

49.4 भंडार तथा कलपुर्जों की खपत :

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष		31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	
	राशि	%	राशि	%
आयातित	13,935.68	28.31	12,947.76	25.79
देशीय	35,284.36	71.69	37,247.13	74.21
कुल	**49,220.04**	**100**	**50,194.89**	**100.00**

49.5 सीआईएफ आधार पर आयातों का मूल्य :

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
पूंजीगत मदें *	3,482.74	3,353.39
भंडार तथा कलपुर्जे	15,969.80	18,284.11
कुल	**19,452.54**	**21,637.50**

** पूंजीगत कार्यों के प्रति किया गया चरण भुगतान शामिल है।*

49.6 विदेशी मुद्रा में व्यय

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
सेवाएं	167,992.28	184,538.36
अन्य	1,254.58	572.07
कुल	**169,246.86**	**185,110.43**

49.7 विदेशी मुद्रा में आय

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
सेवाएं	826.40	87.94
बिक्री का एफओबी मूल्य	33,644.25	30,556.66
अन्य	1,053.86	84.06
कुल	**35,524.51**	**30,728.66**

50. "तेल और गैस उत्पादन क्रियाकलापों" हेतु लेखांकन संबंधी मार्गदर्शी टिप्पणी (इंड एएस) के अंतर्गत प्रकटीकरण :

50.1. भौगोलिक आधार पर प्रमाणित भंडारों में कंपनी का अंश इस प्रकार है (टिप्पणी सं. 50.3) :

विवरण	ब्यौरा	खनिज तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन क्यूबिक मीटर)		कुल तेल समतूल्य (एमएमटीओई)*	
		31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
	प्रारंभिक	198.98	200.76	186.075	176.306	385.06	377.05
	वर्धन	4.94	14.48	14.903	27.375	19.84	41.86
अपतट	उत्पादन	16.19	16.26	18.607	17.606	34.80	33.86
	अंतिम	**187.73**	**198.98**	**182.371**	**186.075**	**370.10**	**385.05**
	प्रारंभिक	183.30	187.73	142.583	145.083	325.88	332.81
	वर्धन	4.32	3.91	8.867	2.864	13.19	6.77
अभितट	उत्पादन	8.41	8.34	5.888	5.364	14.30	13.70
	अंतिम	**179.21**	**183.30**	**145.562**	**142.583**	**324.77**	**325.88**
	प्रारंभिक	382.28	388.49	328.658	321.389	710.93	709.88
	वर्धन	9.26	18.39	23.770	30.239	33.03	48.62
जोड़	उत्पादन	24.60	24.60	24.495	22.970	49.08	47.57
	अंतिम	**366.94**	**382.28**	**327.933**	**328.658**	**694.88**	**710.93**

भंडारों के अनुमानन की प्रक्रिया हेतु टिप्पणी सं.4.2 (घ) देखें।

50.2. भौगोलिक आधार पर प्रमाणित विकसित भंडारों में कंपनी का अंश इस प्रकार है (टिप्पणी सं. 50.3) :

विवरण	ब्यौरा	खनिज तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन क्यूबिक मीटर)		कुल तेल समतूल्य (एमएमटीओई)*	
		31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
	प्रारंभिक	134.08	146.61	112.541	113.525	246.62	260.14
	वर्धन	9.35	3.73	18.371	16.622	27.72	20.35
अपतट	उत्पादन	16.20	16.26	18.607	17.606	34.80	33.87
	अंतिम	**127.23**	**134.08**	**112.305**	**112.541**	**239.54**	**246.62**
	प्रारंभिक	137.85	142.71	94.438	100.172	232.29	242.88
	वर्धन	3.58	3.49	1.110	(0.370)	4.69	3.12
अभितट	उत्पादन	8.40	8.35	5.991	5.364	14.39	13.71
	अंतिम	**133.03**	**137.85**	**89.557**	**94.438**	**222.59**	**232.29**
	प्रारंभिक	271.93	289.32	206.979	213.697	478.91	503.02
	वर्धन	12.93	7.22	19.481	16.252	32.41	23.47
जोड	उत्पादन	24.60	24.61	24.598	22.970	49.20	47.58
	अंतिम	**260.26**	**271.93**	**201.862**	**206.979**	**462.12**	**478.91**

**एमटीओई "मिलियन टन तेल समतुल्य" को दर्शाता है और तेल समतुल्य गैस का परिकलन करने के लिए 1000 एम3 गैस को 1 एमटी खनिज तेल के बराबर माना गया है। कुल में अंतर, यदि कोई हो, तो वह आंतरिक जोड़ तथा पूर्णांक किए जाने के कारण है।*

50.3 50.1 तथा 50.2 पर उक्त भंण्डार डीएसएफ बोली दौर 2016 (डीएसएफ–1) में दिए गए फील्डों से संबंधित प्रमाणित विकसित भंडारों के 0.03 एमएमटी और प्रमाणित भंडार के 0.02 एमएमटी को हटाने के पश्चात हैं।

51. सेबी (सूचीकरण बाध्यताएं और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन, 2015 के अनुपालन में प्रकटीकरण :

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को बकाया	वर्ष 2017–18 के दौरान अधिकतम बकाया राशि	31 मार्च, 2017 को बकाया	वर्ष 2016–17 के दौरान अधिकतम बकाया राशि
(क) अनुषंगी कंपनी को ऋण*				
(1) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल)* (टिप्पणी 51.1)	-	**2,190.00**	180.20	59,865.20
(2) मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) (टिप्पणी 51.2)	18,856.90	**25,714.10**	25,714.10	32,571.30
(ख) सहयोगी कंपनी को ऋण				
पवन हंस लिमिटेड (पूर्व में पवन हंस हैलीकॉपटर्स लिमिटेड) (पीएचएस)	-	-	-	33.16
(ग) ऐसी फर्मों/कंपनियों को ऋण के रूप में जिनमें निदेशकों के हित है	शून्य	शून्य	शून्य	शुन्य

**चालू खाता लेन–देन शामिल नहीं है।*

51.1 ओवीएल को ऋण ब्याजमुक्त तथा अप्रतिभूत है जिसकी चुकौती एक वर्ष की न्यूनतम अवधि के भीतर की जानी है और इस पर वष 2016–17 तथा 2017–18 के दौरान 31 जनवरी, 2018 तक किसी ब्याज का प्रावधान नहीं है। तत्पश्चात 7.65 प्रतिशत प्रतिवर्ष प्रभारित किया जाएगा।

51.2 एमआरपीएल को ऋण पर 31 मार्च, 2017 को 5 वर्ष की अवधि हेतु जी–सेक प्राप्ति के अनुसार (एफआईएमएमडीए के अनुसार) जमा 40 आधार बिंदुओं के फैलाव वाली ब्याज दर है जो वित्तीय वर्ष 2017–18 हेतु 7.17 प्रतिशत (गत वर्ष 8.12 प्रतिशत) होती है। ब्याज दर को प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल को पिछले वित्तीय वर्ष की 31 मार्च को एफआईएमएमडीए के अनुसार 5 वर्षीय अवधि हेतु जी–सेक प्राप्ति को लागू करते हुए पुनः निर्धारित किया जाएगा। 5 वर्ष की अवधि हेतु जी–सेक प्राप्ति से 40 आधार बिंदु अधिक का फैलाव ऋण की समूची अवधि हेतु जारी रहेगा। यह ऋण 28 समान त्रैमासिक किश्तों में चुकौती योग्य है। ऋण की चुकौती वित्तीय वर्ष 2013–14 की अंतिम तिमाही से प्रारंभ हो चुकी है। ओएनजीसी 90 दिवस के नोटिस पर इन ऋणों की मांग कर सकता है। एमआरपीएल अपनी आवश्यकता के अनुसार ओएनजीसी की ऋण के किसी हिस्से अथवा समूचे ऋण का पूर्व भुगतान कर सकता है।

51.3 कंपनी ने कंपनी की प्रतिभूतियों में निवेश के प्रयोजनों हेतु अपने किसी कर्मचारी को कोई अग्रिम नहीं दिया है।

51.4 ओएनजीसी विदेश लिमिटेड, ऋण लेने वाले, द्वारा निवेश :

अनुषंगी कंपनी का नाम	31 मार्च, 2018 को		31 मार्च, 2017 को	
	शेयरों की संख्या	(मिलियन ₹ में)	शेयरों की संख्या	(मिलियन ₹ में)
(क) ओएनजीसी नील गंगा बी.वी. इक्विटी शेयर				
– श्रेणी क	40	12,308.31	40	12,295.04
– श्रेणी ख	100	28,370.34	100	28,339.75
– श्रेणी ग	880	1,190.02	880	1,188.74

अनुषंगी कंपनी का नाम	31 मार्च, 2018 को		31 मार्च, 2017 को	
	शेयरों की संख्या	(मिलियन ₹ में)	शेयरों की संख्या	(मिलियन ₹ में)
(ख) ओएनजीसी नर्मदा लिमिटेड इक्विटी शेयर	20,000,000	10.08	20,000,000	10.07
(ग) ओएनजीसी अमेजन अलकनंदा लिमिटेड इक्विटी शेयर अधिमानी शेयर	12,000 125,001,131	0.78 8,115.07	12,000 130,886,206	0.78 8,487.97
(घ) इम्पीरियल एनर्जी लिमिटेड(पूर्व में जरपैनो लिमिटेड) इक्विटी शेयर अधिमानी शेयर	1,450 192,210	20,384.97 124,782.73	1,450 192,210	20,362.99 124,648.19
ङ) कारावोबो वन एबी इक्विटी शेयर	377,678	3,696.71	377,678	3,692.73
(च) ओएनजीसी (बीटीसी) लिमिटेड इक्विटी शेयर	973,791	367.35	1,021,044	384.76
(छ) ब्यास रोवूमा एनर्जी मोजाम्बिक लिमिटेड इक्विटी शेयर	7,680	105,842.10	7,680	104,987.04
(ज) ओएनजीसी विदेश रोवूमा लिमिटेड इक्विटी शेयर	42,000	2.73	25,000	1.62
(झ) ओएनजीसी विदेश अटलांटिक लिमिटेड इक्विटी शेयर	2,040,000	132.44	2,040,000	132.29
(ञ) ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्रा. लिमिटेड इक्विटी शेयर	500,000	32.46	10,000	0.65

52. विदेशी मुद्रा संपर्कों पर प्रकटीकरण जिन्हें वर्ष के अंत में व्युत्पन्न लिखत या अन्यथा हैज नहीं किया गया है, नीचे दिए गए है :

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	विदेशी मुद्रा	समतुल्य भारतीय रूपए	विदेशी मुद्रा	समतुल्य भारतीय रूपए
आयात लेनदार				
एईडी	-	-	0.42	7.44
एयूडी	0.05	2.42	0.16	7.80
बीएचडी	-	-	0.00	0.43
यूरो	17.89	1,442.77	16.40	1,135.74
जीबीपी	20.65	1,899.94	10.70	866.29
जेपीवाई	188.07	115.72	780.84	451.80
एनओके	66.89	563.25	3.28	24.80
ओएमआर	-	-	0.02	2.56
एसईके	0.03	0.22	-	-
एसजीडी	0.005	0.27	0.09	4.27
अमेरीकी डॉलर	1,248.38	81,044.75	858.16	55,651.58
कुल		**85,069.35**		**58,152.71**

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	विदेशी मुद्रा	समतुल्य भारतीय रूपए	विदेशी मुद्रा	समतुल्य भारतीय रूपए
अल्पावधि ऋण				
अमेरीकी डॉलर	**1,300.09**	**84,401.81**	-	-
एमडब्ल्यूपी				
अमेरीकी डॉलर	**178.52**	**11,589.52**	**169.04**	**10,962.34**
देय नकदी मांग				
अमेरीकी डॉलर	**2.81**	**182.43**	**3.36**	**218.09**
प्राप्य				
अमेरीकी डॉलर	380.63	24,710.79	**186.21**	**12,076.00**
यूरो	0.01	0.84	-	-
		24,711.63	**186.21**	**12,076.00**
प्राप्य नकदी मांग				
अमेरीकी डॉलर	**34.28**	**2,225.44**	-	-

53.1 कंपनी की माल–सूची, अचल परिसंपत्तियों तथा पूंजीगत भंडारो को एक चरणबद्ध तरीके से कवर करते हुए 3 वर्ष की अवधि में सभी मदों को कवर करने हेतु भौतिम सत्यापन की एक प्रणाली है। समायोजन अंतर, यदि कोई हो, उन्हें मिलान की पूर्णता पर किया जाता है।

53.2 कंपनी की व्युत्पन्न संविधाओं सहित ऐसी कोई दीर्घावधि संविदाएं नहीं हैं जिनके लिए किसी भौतिक पूर्वानुमान योग्य हानियों की संभावना हो।

53.3 इसके अतिरिक्त, व्यापार तथा अन्य प्राप्यों, व्यापार तथा अन्य देयों और ऋणों के कुछ शेष पुष्टि/मिलान के अधीन है। समायोजन, यदि कोई हो, को उक्त की पुष्टि/मिलान पर रेखांकित किया जाएगा जिसका कोई भौतिक प्रभाव नहीं होगा।

53.4 पिछले वर्ष के आंकड़ों को वर्तमान वर्ष के समूहबद्ध किए जाने के अनुरूप बनाने के लिए, जहां–कहीं आवश्यक हो, पुनः समूहबद्ध किया गया है।

54. वित्तीय विवरणों का अनुमोदन

एकल वित्तीय विवरणों को निदेशक मंडल द्वारा 30 मई, 2018 को अनुमोदित किया गया था।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त), कंपनी सचिव और कंपनी के लेखापरीक्षकों द्वारा नई दिल्ली में पृष्ठ सं. 225 के अनुसार हस्ताक्षरित तथा दिनांकित।



हमेशा तैयारः ओएनजीसी सुरक्षा तैयारी पर बहुत जोर देता है। किसी संकट से बचने के लिए नियमित अंतराल पर अग्निशमन अभ्यास किए जाते हैं

धारा 129 (एओसी–1) के अनुसरण में विवरण 320
समूह कार्य–निष्पादन एक नजर में 324
समेकित वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा–परीक्षकों की रिपोर्ट 334
समेकित वित्तीय विवरण 344



ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड
सीआईएन एल74899डीएल1993जीओआई054155
फार्म – एओसी–1

31.03.2018 के अनुसार अनुषंगी कंपनियों या सहयोगी कंपनियों अथवा संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरण की प्रमुख विशेषताएं समाविष्ट करने वाला विवरण

(कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के साथ पढ़े जाने वाली धारा 129 की उप–धारा (3) के प्रथम परंतुक के अनुपालन में)

भाग "क" : अनुषंगी कंपनियां

(₹ मिलियन में)

					31.03.2018 के अनुसार					वर्ष 2017-18 हेतु					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
क्र. सं.	अनुषंगी कंपनी का नाम	तिथि जब अनुषंगी कंपनी का अधिग्रहण किया गया	अनुषंगी कंपनी हेतु रिपोर्टिंग अवधि	रिपोर्टिंग मुद्रा और विनिमय दर (टिप्पणी 4)	शेयर पूंजी	आरक्षित और अधिशेष	कुल परिसंपत्तियां	कुल देयताएं	निवेश	टर्न ओवर	कराधान से पूर्व लाभ	कराधान हेतु प्रावधान	कराधान के पश्चात लाभ	प्रस्तावित लाभांश	शेयरधारिता की सीमा (प्रतिशत)
1	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड	05.03.1965	31.03.2018	भारतीय रूपये	150,000.00	161,741.46	796,292.18	484,550.72	285,506.55	76,763.42	10,572.25	6,466.78	4,105.47	3,000.00	100.00%
2	मंगलौर रिफाइनरी एडं पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	30.03.2003	31.03.2018	भारतीय रूपये	17,526.64	92,804.09	262,144.16	151,813.43	13,496.42	630,836.37	33,507.04	11,265.81	22,241.23	5,257.80	80.29%
3	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड	31.01.2018	31.03.2018	भारतीय रूपये	15,242.10	224,240.10	868,072.20	628,590.00	49,993.80	2,440,851.20	92,019.30	28,448.60	63,570.70	3,809.60	51.11%
4	ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (टिप्पणी 4)	28.02.2015	31.03.2018	भारतीय रूपये	18,776.26	(15,656.38)	77,403.88	74,284.00	4.80	55,612.94	(4,758.49)	(287.42)	(4,471.07)	-	89.95%
5	ओएनजीसी नील गंगा बी.वी	12.03.2003	31.03.2018	अमेरीकी डालर	5.21	174,617.32	202,117.78	27,495.25	62,279.72	463,075.12	274.16	2,070.34	2,344.50	-	100% ए एव बी हेतु 77.491% श्रेणी सी हेतु
6	ओएनजीसी कम्पोस लिमिटेड	16.03.2007	31.03.2018	अमेरीकी डालर	46,924.99	(20,131.20)	53,622.76	26,828.97	-	885,627.05	(9,569.81)	2,972.40	(6,597.41)	-	100.00%
7	ओएनजीसी नील गंगा (साइप्रस) लिमिटेड	26.11.2007	31.03.2018	अमेरीकी डालर	12 जुलाई, 2017 को परिसमाप्त										100.00%
8	ओएनजीसी नील गंगा (सेन क्रिस्टोबल) बी.वी.	29.02.2008	31.03.2018	अमेरीकी डालर	4.32	41,638.58	42,405.18	762.28	26,578.48	-	6.41	-	6.41	4,425.95	100.00%
9	ओएनजीसी कैस्पियन ई. एंड पी. बी.वी	07.06.2010	31.03.2018	अमेरीकी डालर	2.88	7,367.67	7,812.46	441.91	1,009.21	-	1,208.14	99.43	1,108.71	2,092.18	100.00%
10	ओएनजीसी अमेज़न अलकनंदा लिमिटेड	08.08.2006	31.03.2018	अमेरीकी डालर	0.78	29,704.44	37,872.33	8,167.12	37,616.80	-	(867.16)	-	(867.16)	-	100.00%
11	ओएनजीसी नर्मदा लिमिटेड (ओएनएल)	07.12.2005	31.03.2018	अमेरीकी डालर	10.10	(1,979.83)	119.82	2,089.54	-	-	-	-	-	-	100.00%
12	ओएनजीसी (बीटीसी) लि.	28.03.2013	31.03.2018	अमेरीकी डालर	63.22	(85.59)	(22.34)	0.03	-	-	237.75	57.16	180.58	-	100.00%
13	काराबोबो वन एबी	05.02.2010	31.03.2018	अमेरीकी डालर	337.97	3,148.56	3,691.55	205.02	3,690.18	-	(5.93)	-	(5.93)	-	100.00%
14	पेट्रो काराबोबो गंगा बी.वी	26.02.2010	31.03.2018	अमेरीकी डालर	1.44	11,726.13	11,993.11	265.38	-	86.54	21.10	4.26	16.83	-	100.00%
15	इम्पीरियल इनर्जी लिमिटेड	12.08.2008	31.03.2018	अमेरीकी डालर	14.06	162,986.34	173,323.38	10,322.96	-	378.17	43.64	-	43.64	-	100.00%
16	इम्पीरियल इनर्जी टॉम्स्क लिमिटेड	13.01.2009	31.03.2018	अमेरीकी डालर	0.16	630.86	649.83	18.84	-	(0.77)	(2.26)	-	(2.26)	-	100.00%
17	इम्पीरियल इनर्जी (साइप्रस) लिमिटेड	13.01.2009	31.03.2018	अमेरीकी डालर	1.67	15,948.80	15,967.20	16.70	-	(0.81)	(2.22)	-	(2.22)	-	100.00%
18	इम्पीरियल इनर्जी नॉर्ड लिमिटेड	13.01.2009	31.03.2018	अमेरीकी डालर	1.68	66,231.48	66,315.71	82.53	-	(0.93)	(2.35)	-	(2.35)	-	100.00%
19	बायनकस होल्डिंग्स लिमिटेड	13.01.2009	31.03.2018	अमेरीकी डालर	0.13	1,362.67	11,939.64	10,576.89	-	456.25	128.41	-	128.41	-	100.00%
20	रेडक्लिफ होल्डिंग्स लिमिटेड	13.01.2009	31.03.2018	अमेरीकी डालर	0.17	3,912.40	3,920.04	7.48	-	(0.59)	(2.04)	-	(2.04)	-	100.00%
21	इम्पीरियल फ्रेक सर्विसेज़ (साइप्रस) लिमिटेड	13.01.2009	31.03.2018	अमेरीकी डालर	0.15	85.43	86.09	0.49	-	33.08	31.96	-	31.96	-	100.00%
22	सेन एजिओ इन्वेस्टमेंट लिमिटेड	13.01.2009	31.03.2018	अमेरीकी डालर	0.14	(119.76)	1,280.34	1,399.95	-	2.31	(51.01)	-	(51.01)	-	100.00%
23	एलएलसी सिबिंटरनेफ्त	13.01.2009	31.03.2018	अमेरीकी डालर	0.11	(1,631.29)	14.02	1,645.20	-	-	(46.42)	0.87	(47.30)	-	55.90%
24	एलएलसी एलाइंसनेफ्तगेज़	13.01.2009	31.03.2018	अमेरीकी डालर	0.06	(6,556.16)	11,489.05	18,045.18	-	4,599.46	(735.31)	-	(735.31)	-	100.00%
25	एलएलसी नॉर्ड इम्पीरियल	13.01.2009	31.03.2018	अमेरीकी डालर	0.34	14,385.98	17,848.47	3,462.16	-	2,366.22	(407.03)	-	(407.03)	-	100.00%
26	एलएलसी रस इम्पीरियल ग्रुप	13.01.2009	31.03.2018	अमेरीकी डालर	0.11	(708.16)	708.10	1,416.15	-	183.71	(91.23)	2.61	(93.84)	-	100.00%

(₹ मिलियन में)

					31.03.2018 के अनुसार					वर्ष 2017-18 हेतु					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
क्र. सं.	अनुषंगी कंपनी का नाम	तिथि जब अनुषंगी कंपनी का अधिग्रहण किया गया	अनुषंगी कंपनी हेतु रिपोर्टिंग अवधि	रिपोर्टिंग मुद्रा और विनिमय दर (टिप्पणी 4)	शेयर पूंजी	आरक्षित और अधिशेष	कुल परिसंपत्तियां	कुल देयताएं	निवेश	टर्न ओवर	कराधान से पूर्व लाभ	कराधान हेतु प्रावधान	कराधान के पश्चात लाभ	प्रस्तावित लाभांश	शेयरधारिता की सीमा (प्रतिशत)
27	एलएलसी इम्पीरियल फ्रैक सर्विसेस	13.01.2009	31.03.2018	अमेरीकी डालर	0.01	128.16	438.64	310.44	-	436.47	53.83	15.54	38.29	-	50.00%
28	ब्यास रोवूमा एनर्जी मोजाम्बिक लि.	07.01.2014	31.03.2018	अमेरीकी डालर	48,100.32	(12,573.03)	35,559.06	31.78	-	-	(45.85)	-	(45.85)	-	60.00%
29	ओएनजीसी विदेश रोवूमा लि.	24.03.2015	31.03.2018	अमेरीकी डालर	2.73	(2.57)	0.40	9.12	-	-	(0.73)	-	(0.73)	-	100.00%
30	ओएनजीसी विदेश अटलांटिक इंक	14.08.2014	31.03.2018	अमेरीकी डालर	132.44	19.70	161.25	0.24	-	-	3.30	(2.32)	5.62	-	100.00%
31	ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्रा. लि.	15.04.2016	31.03.2018	अमेरीकी डालर	32.46	(60.80)	4,073.13	4,101.47	32.46	-	(49.73)	-	(49.73)	-	100.00%
32	ओएनजीसी विदेश वेन्कोरनफट प्रा. लि.	18.04.2016	31.03.2018	अमेरीकी डालर	-	26,498.51	146,787.86	120,256.90	142,813.87	-	11,210.09	-	11,210.09	-	100.00%
33	इंडस ईस्ट मेडीटेरियन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड	27.02.2018	31.03.2018	अमेरीकी डालर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	100.00%
34	एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड	31.01.2018	31.03.2018	भारतीय रूपये	2,055.20	(2,446.06)	7,977.21	8,368.07	-	1,305.29	(778.45)	-	(778.45)	-	100.00%
35	प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड #	31.01.2018	31.03.2018	भारतीय रूपये	2,450.00	(4,513.66)	3,599.72	5,663.37	-	873.18	(129.57)	-	(129.57)	-	100.00%
36	एचपीसीएल मिडिल ईस्ट एफजेडसीओ	11.02.2018	31.03.2018	संयुक्त अरब दिरहम	-	(0.40)	2.45	2.85	-	-	(0.39)	-	(0.39)	-	100.00%
37	एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड*	31.01.2018	31.03.2018	भारतीय रूपये	1,887.37	(158.27)	3,006.59	1,277.49	-	-	(143.29)	-	(143.29)	-	74.00%
38	पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल)**	31.01.2018	31.03.2018	भारतीय रूपये	5,487.07	1,359.23	7,144.97	298.67	-	1,308.89	1,267.08	432.51	834.58	-	49.44%

टिप्पणी :

1. *अनुषंगी कंपनियों के नाम जिन्हें अभी प्रचालन प्रारंभ करना है :*
   क) एचपीसीएल मिडिल ईस्ट एफजेडसीओ
   ख) एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड
   ग) इंडस ईस्ट मेडीटेरियन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड
2. *अनुषंगी कंपनियों के नाम जिन्हें वर्ष के दौरान परिसमाप्त किया या बेचा गया*
   क) ओएनजीसी नाइल गंगा (साइप्रस) लिमिटेड
   ख) सीआरईडीए एचपीसीएल बायो फ्यूल्ज लिमिटेड
3. *विनिमय दरें*
   तुलन–पत्र मदों हेतु एक अमेरिकी डालर = 64.92 रूपये
   लाभ एवं हानि मद हेतु एक अमेरिकी डालर = 64.4712 रूपये
   1 संयुक्त अरब अमीरात दिरहाम = 17.74 रूपये
4. *उक्त तालिका में दिए गए आंकड़ों में अंतर कंपनी संव्यवहारों का समापन शामिल नहीं है।*
5. *# आंकड़े कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों पर आधारित है।*
6. ** एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(87) के अनुसार अनुषंगी कंपनी माना गया है।*
7. *** पेट्रोनेट एचएचबी लिमिटेड को वर्ष के दौरान एक संयुक्त उद्यम से अनुषंगी कंपनी के रूप में पुनःवर्गीकृत किया गया है क्योंकि कंपनी के पास 32.72 प्रतिशत स्वामित्व हित है तथा इसकी अनुषंगी कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड 32.72 प्रतिशत स्वामित्व हित धारित किए हुए है।*

कृते एवं बोर्ड की ओर से

हस्ता./–
(एम ई वी सेल्वम)
कंपनी सचिव

हस्ता./–
(सुभाष कुमार)
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन : 07905656)

हस्ता./–
(शशि शंकर)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(डीआईएन : 06447938)

संलग्न तारिख की हमारी रिपोर्ट के संदर्भ में

कृते पी.के.एफ. श्रीधर एंड संथानम एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 003990एस/ एस200018

हस्ता./–
(एस नरसिम्हन)
साझेदार (सदस्यता सं. 206047)

कृते लोढ़ा एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण स. 301051ई

हस्ता./–
(प्रशांत खंडेलवाल)
साझेदार (सदस्यता सं. 056652)

कृते खंडेलवाल जैन एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 105049डब्ल्यू

हस्ता./–
(नरेंद्र जैन)
साझेदार (सदस्यता सं. 048725)

कृते दासगुप्ता एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 000112एन

हस्ता./–
(राजा जिंदल)
साझेदार (सदस्यता सं. 504111)

कृते के.सी. मेहता एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 106237डब्ल्यू

हस्ता./–
(विशाल पी. दोशी)
साझेदार (सदस्यता सं. 101533)

एम.के.पी.एस एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 302014ई

हस्ता./–
(निखिल कुमार अग्रवाल)
साझेदार (सदस्यता सं. 157955)

नई दिल्ली
30.05.2018

भाग ''ख'' : सहयोगी कंपनी और संयुक्त उद्यम

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 (3) के अनुपालन में सहयोगी कंपनियों तथा संयुक्त उद्यमों से संबंधित विवरण

(₹ मिलियन में)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
क्र. सं.	संयुक्त उद्यम/सहयोगी कंपनी का नाम	नवीनतम लेखापरीक्षित तुलन–पत्र तिथि	तिथि जिसको सहयोगी कंपनी या संयुक्त उद्यम को संबद्ध किया गया या उसका अधिग्रहण किया गया	वर्ष के अंत में कंपनी द्वारा धारित सहयोगी कंपनी/संयुक्त उद्यमों का अंश			महत्वपूर्ण प्रभाव का विवरण	सहयोगी कंपनी तथा संयुक्त उद्यम के समेकित न होने के कारण	नवीनतम तुलन–पत्र के अनुसार शेयरधारिता को आरोप्य निवल मूल्य	समेकन में नहीं ली गई	
				संख्या	सहयोगी कंपनी/ संयुक्त उद्यम में निवेश की मात्रा	धारण प्रतिशत की सीमा				समेकन में ली गई	समेकन में नहीं ली गई
संयुक्त उद्यम											
1	मंगलौर एसईजेड लिमिटेड (एमएसईजेड) (टिप्पणी 3)	31.03.2018	24.02.2006	13,000,000	130.00	26.82	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	189.92	9.81	-
2	ओएनजीसी पेट्रो एडीशंस लिमिटेड (ओपीएल)	31.03.2018	15.11.2006	997,955,639	9,979.55	49.36	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	3,029.52	(10,955.73)	-
3	ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी)	31.03.2018	27.09.2004	560,000,000	5,600.00	50.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	6,407.32	713.27	-
4	ओएनजीसी टेरी बॉयोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल)	31.03.2018	26.03.2007	24,990	0.25	49.98	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	241.45	40.44	-
5	दहेज एसईजेड लिमिटेड (डीएसईजेड)	31.03.2017	21.09.2004	23,025,000	230.25	50.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	959.69	155.55	-
6	शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड (एसएमएएसएल) (एमआरपीएल के माध्यम से)	31.03.2018	11.03.2008	15,000,000	150.00	50.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	303.75	26.28	-
7	ओएनजीसी मित्तल एनर्जी लिमिटेड (ओएमईएल)	31.03.2017	26.03.2009	24,990,000	1,620.60	49.98	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	(1,622.35)	-	-
8	मानसरोवर एनर्जी कोलम्बिया लिमिटेड	31.03.2018	20.09.2006	6,000	21,401.35	50.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	23,099.31	(876.36)	-
9	हिमालय एनर्जी सीरिया बी.वी.	31.03.2018	07.11.2006	45,000	4.03	50.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	5.06	(24.22)	-
10	सूड पेट्रोलियम ऑपरेटिंग कंपनी	31.12.2015	30.04.2012	241	0.02	25.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं			
11	हिंदुस्तान कोलास प्राइवेट लिमिटेड	31.03.2018	31.01.2018	4,725,000	47.25	50.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	1,251.75	500.81	-
12	एचपीसीएल – मित्तल एनर्जी लिमिटेड	31.03.2018	31.01.2018	3,939,555,200	39,395.55	48.99	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	45,119.80	7,983.02	-
13	साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	31.03.2018	31.01.2018	50,000,000	500.00	50.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	1,278.58	591.03	-
14	भाग्यनगर गैस लिमिटेड	31.03.2018	31.01.2018	43,650,000	1,282.50	24.99	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	766.61	22.89	-
15	पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड	31.03.2018	31.01.2018	16,000,000	1.60	16.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	4.36	3.31	-
16	गोदावरी गैस प्राइवेट लिमिटेड	31.03.2018	31.01.2018	2,600,000	26.00	26.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	23.27	-0.42	-
17	अवंतिका गैस लिमिटेड	31.03.2018	31.01.2018	29,548,663	499.90	49.98	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	844.65	121.34	-
18	एचपीसीएल शपोरजी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	31.03.2018	31.01.2018	20,000,000	200.00	50.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	188.22	(1.38)	-
19	मुंबई एविएशन फ्यूल फार्म फैसिलीटीज प्रा. लिमिटेड	31.03.2018	31.01.2018	41,888,750	418.89	25.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	568.05	118.04	-

(₹ मिलियन में)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
क्र. सं.	संयुक्त उद्यम/सहयोगी कंपनी का नाम	नवीनतम लेखापरीक्षित तुलन–पत्र तिथि	तिथि जिसको सहयोगी कंपनी या संयुक्त उद्यम को संबद्ध किया गया या उसका अधिग्रहण किया गया	वर्ष के अंत में कंपनी द्वारा धारित सहयोगी कंपनी/संयुक्त उद्यमों का अंश			महत्वपूर्ण प्रभाव का विवरण	सहयोगी कंपनी तथा संयुक्त उद्यम के समेकित न होने के कारण	नवीनतम तुलन–पत्र के अनुसार शेयरधारिता को आरोप्य निवल मूल्य	समेकन में नहीं ली गई	
				संख्या	सहयोगी कंपनी/ संयुक्त उद्यम में निवेश की मात्रा	धारण प्रतिशत की सीमा				समेकन में ली गई	समेकन में नहीं ली गई
20	रत्नागिरी रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	31.03.2018	31.01.2018	25,000,000	250.00	25.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	202.98	(47.02)	-
सहयोगी कंपनी											
1	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)	31.03.2018	02.04.1998	187,500,000	987.50	12.50	शेयधारिता समझौते के चलते	लागू नहीं	12,264.11	2,638.05	-
2	पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	31.03.2017	15.10.1985	273,166	2,731.66	49.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	4,826.37	1,188.83	-
3	पेट्रो कारावोबो एस.ए.	31.03.2018	12.05.2010	11,000	4,204.68	11.00	शेयधारिता समझौते के चलते	लागू नहीं	5,824.71	3,599.27	-
4	कारावोबो इन्जेनीरिया कन्स्ट्रक्शियोन्स, एस.ए.	31.03.2017	21.01.2011	275	0.27	37.93	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	0.27	-	-
5	पेट्रोलीरा इंडोवेनेजोलाना एस.ए.	31.03.2018	08.04.2008	40,000	26,578.48	40.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	22,856.92	253.40	-
6	साउथ–ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	31.03.2018	25.06.2010	16,694	15.55	8.347	शेयधारिता समझौते के चलते	लागू नहीं	48.61	799.23	-
7	ताम्बा बी.वी.	31.03.2018	01.11.2006	1,620	358.46	27.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	299.96	3,505.15	-
8	जेएससी वेन्कोरनेफ्ट	31.03.2018	"15% अधिग्रहण 31.05.2016 11% अधिग्रहण- 28.10.2016"	3,092,871	141,187.63	26.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	79,180.30	16,399.79	-
9	मोजाम्बिक एलएनजी कंपनी प्रा. लि.	असंपक्षित	19.03.2017	500	32.43	20.00	शेयधारिता समझौते के चलते	लागू नहीं	-	(32.24)	-
10	फालकॉन ऑयल एण्ड गैस बी.वी.	31.03.2018	09.03.2018	40	15,863.30	40.00	शेयरधारिता 20% से अधिक	लागू नहीं	15,863.30	71.61	-
11	जीएसपीएल इंडिया गैसनेट लिमिटेड	31.03.2018	31.01.2018	42,572,128	425.72	11.00	शेयधारिता समझौते के चलते	लागू नहीं	432.98	0.99	-
12	जीएसपीएल इंडिया ट्रांसको लिमिटेड	31.03.2018	31.01.2018	41,910,000	419.10	11.00	शेयधारिता समझौते के चलते	लागू नहीं	426.85	1.48	-

टिप्पणी :

1. *सहयोगी कंपनी या संयुक्त उद्यमों के नाम जिन्हें अभी प्रचालन प्रारंभ करना है :*
   क) जीएसपीएल इंडिया गैसनेट लिमिटेड
   ख) जीएसपीएल इंडिया ट्रांसको लिमिटेड
   ग) एचपीसीएल शपूरजी एनर्जी लिमिटेड
   घ) रत्नागिरी रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड
2. *सहयोगी कंपनी या संयुक्त उद्यमों के नाम जिन्हें वर्ष के दौरान परिसमाप्त किया या बेचा गया : (क) मंगलम रिटेल सर्विसेस लिमिटेड (एमआरएसएल) जिसमें वर्ष के दौरान 31 प्रतिशत इक्विटी हित बेचा गया था जो एमआरएसएल पर संयुक्त नियंत्रण के खोने में परिणत हुआ।*
3. *ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड द्वारा 0.96 प्रतिशत की धारिता शामिल है।*

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त), कंपनी सचिव और कंपनी के लेखापरीक्षकों द्वारा नई दिल्ली में पृष्ठ सं 321 के अनुसार हस्ताक्षरित तथा दिनांकित।

ओएनजीसी समूह का कार्य–निष्पादन – एक नज़र में

(मिलियन ₹ में जब तक अन्यथा कथित न हो)	2017 – 18*	2016 – 17*	2015 – 16*
वित्तीय			
प्रचालनों से राजस्व	3,622,462	3,256,662	1,356,642
लाभांश आय	15,987	17,527	10,243
अन्य गैर–प्रचालन आय	58,694	75,705	71,205
कुल राजस्व	**3,697,143**	**3,349,894**	**1,438,090**
सांविधिक प्रभार	610,944	651,502	318,823
प्रचालन व्यय^	2,368,241	2,024,929	584,655
विनिमय हानि / (लाभ)	-	-	1,033
बट्टे खाते में डाली गई अन्वेषण लागतें	74,620	52,195	60,785
ब्याज, मूल्यह्रास एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईडीटी)	**643,338**	**621,268**	**472,794**
मूल्यह्रास, निशेषण, ऋण–परिशोधन एवं टूट–फूट	230,886	202,192	163,840
ब्याज एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईटी)	**412,452**	**419,076**	**308,954**
वित्त पोषण लागतें	49,990	35,911	37,656
कर तथा असाधारण मदों से पूर्व लाभ	**362,462**	**383,165**	**271,298**
असाधारण मदें	2,481	5,910	(79,432)
संयुक्त उद्यमों तथा सहयोगी कंपनी के लाभ / (हानि) का अंश	27,132	28,100	8,657
कर पूर्व लाभ	**392,075**	**417,175**	**200,523**
निगमित कर	131,395	125,484	69,507
कर पश्चात लाभ	**260,680**	**291,691**	**131,016**
गैर–नियंत्रक अधिकारोंपर आरोप्य लाभ	39,621	47,499	2,264
कंपनी के स्वामियों पर आरोप्य लाभ	**221,059**	**244,192**	**128,752**
लाभांश	79,206	112,954	49,194
लाभांश पर कर	15,705	22,972	10,005
शेयर पूंजी	64,166	64,166	42,778
निवल मूल्य (इक्विटी)	2,040,189	1,943,852	1,978,137
दीर्घावधि ऋण	550,249	527,723	402,292
कार्यशील पूंजी	(489,298)	(535,501)	38,978
नियोजित पूंजी	1,844,539	1,649,004	1,756,994
वित्तीय निष्पादन अनुपात			
कुल कारोबार में पीबीआईडीटी (%)	17.76	19.08	34.85
कुल कारोबार में पीबीडीटी (%)	16.38	17.97	32.07
असाधारण मदों सहित लाभ मार्जिन (%)	6.45	8.09	9.02
नियोजित पूंजी से प्रतिआय (%) (आरओसीई)	21.49	24.35	17.00
इक्विटी से निवल लाभ (%) – असाधारण मदें सहित	10.84	12.56	6.51
तुलन–पत्र अनुपात			
वर्तमान अनुपात	0.62:1	0.64:1	1.13:1
कर्ज इक्विटी अनुपात			
– दीर्घावधिक कर्ज और इक्विटी का अनुपात	0.29:1	0.3:1	0.21:1
– कुल कर्ज और इक्विटी का अनुपात	0.52:1	0.41:1	0.23:1
लेनदार कारोबार अनुपात (दिवस)	15	13	34
प्रति शेयर डाटा			
प्रति शेयर आय(₹)#	17.23	19.03	10.03
लाभांश (%)	132	121	170
प्रति शेयर बही मूल्य (₹) (पुनर्कथित)#	**159**	**151**	**154**

(मिलियन ₹ में जब तक अन्यथा कथित न हो)	2014–15	2013–14	2012–13	2011–12	2010–11
वित्तीय					
प्रचालनों से आय	1,663,888	1,782,051	1,658,482	1,511,003	1,252,873
लाभांश आय	6,074	4,383	3,303	3,974	4,252
अन्य गैर प्रचालन आय	53,179	64,516	51,604	43,960	32,928
कुल राजस्व	**1,723,141**	**1,850,950**	**1,713,389**	**1,558,937**	**1,290,053**
सांविधिक प्रभार	306,836	299,174	284,369	269,402	247,631
प्रचालन व्यय^	824,585	901,110	824,465	639,629	488,606
विनिमय हानि / (लाभ)	(465)	(650)	4,206	11,925	42
बट्टे खाते में डाली गई अन्वेषण लागतें	109,514	84,881	110,457	105,136	92,620
ब्याज, मूल्यह्रास एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईडीटी)	**482,671**	**566,435**	**489,892**	**532,845**	**461,154**
मूल्यह्रास, निशेषण, ऋण–परिशोधन एवं टूट–फूट	180,330	166,057	117,633	131,866	113,644
ब्याज एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईटी)	**302,341**	**400,377**	**372,259**	**400,979**	**347,510**
वित्त पोषण लागते	28,637	6,243	4,838	4,349	4,377
कर तथा असाधारण मदें पूर्व लाभ	**273,704**	**394,134**	**367,421**	**396,630**	**343,133**
असाधारण मदें	-	-	-	31,405	-
कर पूर्व लाभ	**273,704**	**394,134**	**367,421**	**428,035**	**343,133**
निगमित कर	96,974	127,604	127,519	143,746	114,883
करोपरांत लाभ	**176,730**	**266,530**	**239,902**	**284,289**	**228,250**
वर्ष का सहयोगी कंपनी में लाभ / (हानि) का अंश	303	118	38	(11)	30
माइनरिटी से संबंधित लाभ	(6,302)	1,583	(2,256)	2,842	3,720
कर और माइनरिटी अधिकार उपरांत लाभ	**183,335**	**265,065**	**242,196**	**281,436**	**224,560**
लाभांश	81,277	81,277	81,277	83,416	74,859
लाभांश पर कर	16,317	13,842	13,053	13,611	12,528
शेयर पूंजी	42,778	42,778	42,778	42,778	42,778
निवल मूल्य (इक्विटी)	1,794,742	1,710,556	1,510,417	1,352,666	1,145,312
दीर्घावधि ऋण	475,755	316,809	88,428	52,086	39,771
कार्यशील पूंजी	15,427	(44,857)	63,899	96,213	75,237
नियोजित पूंजी	1,781,995	1,447,991	1,183,203	1,003,223	909,267
वित्तीय निष्पादन अनुपात					
कुल कारोबार में पीबीआईडीटी (%)	29.01	31.79	29.54	35.26	36.81
कुल कारोबार में पीबीडीटी (%)	27.29	31.44	29.25	34.98	36.46
असाधारण मदों सहित लाभ मार्जिन (%)	10.62	14.96	14.47	18.81	18.22
नियोजित पूंजी से प्रतिआय (%) (आरओसीई)	16.63	27.35	31.18	39.57	37.75
इक्विटी से निवल लाभ (%) – असाधारण मदें सहित	10.22	15.50	16.04	20.81	19.61
तुलन–पत्र अनुपात					
वर्तमान अनुपात	1.03:1	0.93:1	1.13: 1	1.21:1	1.21:1
कर्ज इक्विटी अनुपात					
– दीर्घावधिक कर्ज और इक्विटी का अनुपात	0.27:1	0.21:1	0.06:1	0.04:1	0.04:1
– कुल कर्ज और इक्विटी का अनुपात	0.3:1	0.29:1	0.14:1	0.12:1	0.06:1
लेनदार कारोबार अनुपात (दिवस)	38	33	34	28	29
प्रति शेयर डाटा					
प्रति शेयर आय(₹)#	14.29	20.65	18.87	21.93	17.50
लाभांश (%)	190	190	190	195	175
प्रति शेयर बही मूल्य (₹) (पुनर्कथित)#	**140**	**133**	**118**	**105**	**89**

**वि.व. 2017 – 18, वि.व. 2016 – 17 और वि.व. 2015 – 16 के आंकड़े (भारतीय लेखांकन मानक अनुवर्ती पुनर्कथित) कंपनी अधिनियम, 2013 की भारतीय लेखांकन मानक अनुपालना अनुसूची –III की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं। वि.व. 2014–15 के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची –III की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं, वि.व. 2010–11 से वि.व. 2013–14 तक के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 1956 की संशोधित अनुसूची VI के अनुसार दिए गए हैं और वि.व. 2008–09 से वि.व. 2009–10 के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 1956 की पुरानी अनुसूची VI के अनुसार दिए गए हैं।*

कंपनी ने 31 जनवरी 2018 को हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में भारत के राष्ट्रपति द्वारा धारित 51.11 प्रतिशत शेयरधारिता अधिग्रहित की है। परिणामस्वरूप, एचपीसीएल कंपनी की समनुषंगी बन गयी है। इस अधिग्रहण को साझे नियंत्रण के तहत कारोबार संयोजन के रूप में मूल्यांकित किया गया है और इसे कारोबार संयोजन संबंधी भारतीय लेखांकन मानक 103 के अनुसार लेखांकित किया गया है। तदनुसार, वर्ष 2016 – 17 के आंकड़ों को पुनः प्रस्तुत किए गए हैं।

#भारतीय लेखांकन मानक 33 'प्रति शेयर अर्जन', प्रति शेयर अर्जन को बोनस मुद्दे और सभी वर्षों में विभाजन के लिए समायोजित किया गया है। बही मूल्य प्रति शेयर को भी बोनस एवं विभाजन के उपरांत समायोहित किया गया है।

^स्टॉक में (वृद्धि) / कमी, ट्रेड में स्टॉक की खरीद एवं अपलेखन शामिल हैं।

नोट :

1. *टर्नओवर = प्रचालनों से राजस्व*
2. *नियोजित पूंजी निवलत्र कार्यशील पूंजी + निवल गैर वर्तमान परिसंपत्तियां, प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य, अन्वेषणात्मक / विकासात्मक कूप एवं निवेश को छोड़कर*
3. *इक्विटी (निवल मूल्य) = (इक्विटी शेयर पूंजी अन्य इक्विटी) कंपनी के स्वामियों पर आरोप्य*
4. *कुल ऋण = अल्पावधिक उधार + दीर्घावाधिक ऋण + दीर्घावधिक ऋणों की वर्तमान परिपक्वता + ऋणों पर प्रोद्भूत ब्याज*
5. *लाभ मार्जिन (%) = वर्ष का करोपरांत लाभ / टर्नओवर*
6. *वर्तमान अनुपात त्रवर्तमान निवेश / वर्तमान देयताएं सहित वर्तमान परिसंपत्तियां*
7. *दीर्घावधिक ऋण और इक्विटी = (दीर्घावधिक उधार + दीर्घावधिक ऋण) / इक्विटी*
8. *कुल ऋण और इक्विटी = कुल ऋण / इक्विटी*
9. *निवल लाभ और इक्विटी (%) = वर्ष का करोपरांत लाभ / इक्विटी*
10. *लेनदार टर्न ओवर अनुपात (दिवस) = (औसत प्राप्य / प्रचालनों से राजस्व)* 365*
11. *प्रति शेयर अर्जन = कंपनी के स्वामियों पर आरोप्य करोपरांत लाभ / इक्विटी शेयरों की संख्या*
12. *प्रति शेयर बही मूल्य = इक्विटी / इक्विटी शेयरों की संख्या*
13. *आरओसीई = (लाभांश आय को छोड़कर पीबीआईटी) / नियोजित पूंजी*

ओएनजीसी समूह का कार्य–निष्पादन – एक नज़र में

(मिलियन ₹ में जब तक अन्यथा कथित न हो)	2009 – 10	2008 – 09
वित्तीय		
प्रचालनों से आय	1,085,787	1,105,621
सांविधिक प्रभार	213,391	229,963
प्रचालन व्यय ^	407,693	430,150
विनिमय हानि / (लाभ)	(10,671)	11,716
ब्याज, मूल्यह्रास एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईडीटी)	**475,374**	**433,792**
पुनः प्राप्ति लागतें	187,391	155,705
प्रचालन आय (पीबीआईटी)	**287,983**	**278,087**
ब्याज (निवल)	(16,431)	(32,950)
कर तथा असाधारण मदें पूर्व लाभ	**304,414**	**311,037**
असाधारण मदें– बही मूल्य पर बीमा दावों का आधिक्य	-	658
कर पूर्व लाभ	**304,414**	**311,695**
निगमित कर	107,138	110,094
कर पश्चात लाभ	**197,276**	**201,601**
सहयोगी कंपनी लाभ / (हानि) अंश	78	99
माइनरिटी से संबंधित लाभ	3,319	3,747
कर व माइनरिटी अधिकार उपरांत लाभ	**194,035**	**197,953**
लाभांश	70,583	68,444
लाभांश पर कर	11,992	12,017
शेयर पूंजी	21,389	21,389
निवल मूल्य (इक्विटी)	1,005,653	915,729
ऋण	51,769	13,091
कार्यशील पूंजी	192,787	172,257
नियोजित पूंजी	869,009	752,781
वित्तीय निष्पादन अनुपात		
टर्न ओवर में पीबीआईडीटी (%)	43.78	39.21
टर्न ओवर में पीबीडीटी (%)	45.29	42.18
असाधारण मदों सहित लाभ मार्जिन (%)	18.17	18.23
नियोजित पूंजी से प्रतिआय (%) (आरओसीई)	35.44	41.40
इक्विटी से निवल लाभ (%) – असाधारण मदें सहित	19.29	21.62
तुलन–पत्र अनुपात		
वर्तमान अनुपात	1.38:1	1.31:1
कर्ज इक्विटी अनुपात	0.05	0.01
लेनदार कारोबार अनुपात (दिवस)	24	24
प्रति शेयर डाटा		
प्रति शेयर आय (₹) असाधारण मद पूर्व #	15.12	15.39
प्रति शेयर आय (₹) असाधारण मद उपरांत #	15.12	15.43
लाभांश (%)	330	320
प्रति शेयर बही मूल्य (₹) (पुनर्कथित) #	**78**	**71**

**वि.व. 2017 – 18, वि.व. 2016 – 17 और वि.व. 2015 – 16 के आंकड़े (भारतीय लेखांकन मानक अनुवर्ती पुनर्कथित) कंपनी अधिनियम, 2013 की भारतीय लेखांकन मानक अनुपालना अनुसूची –III की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं। वि.व. 2014–15 के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची –III की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं, वि.व. 2010–11 से वि.व. 2013–14 तक के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 1956 की संशोधित अनुसूची VI के अनुसार दिए गए हैं और वि.व. 2008–09 से वि.व. 2009–10 के आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की पुरानी अनुसूची VI के अनुसार दिए गए हैं।*

कंपनी ने 31 जनवरी 2018 को हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में भारत के राष्ट्रपति द्वारा धारित 51.11 प्रतिशत शेयरधारिता अधिग्रहित की है। परिणामस्वरूप, एचपीसीएल कंपनी की समनुषंगी बन गयी है। इस अधिग्रहण को साझे नियंत्रण के तहत कारोबार संयोजन के रूप में मूल्यांकित किया गया है और इसे कारोबार संयोजन संबंधी भारतीय लेखांकन मानक 103 के अनुसार लेखांकित किया गया है। तदनुसार, वर्ष 2016 – 17 के आंकड़ों को पुनः प्रस्तुत किए गए हैं।

रुभारतीय लेखांकन मानक 33 'प्रति शेयर अर्जन', प्रति शेयर अर्जन को बोनस मुद्दे और सभी वर्षों में विभाजन के लिए समायोजित किया गया है। बही मूल्य प्रति शेयर को भी बोनस एवं विभाजन के उपरांत समायोहित किया गया है।

^ स्टॉक में (वृद्धि) / कमी, ट्रेड में स्टॉक की खरीद एवं अपलेखन शामिल हैं।

नोट :

1. *टर्नओवर = प्रचालनों से राजस्व*
2. *नियोजित पूंजी निवल = कार्यशील पूंजी, निवल गैर वर्तमान परिसंपत्तियां, प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य, अन्वेषणात्मक / विकासात्मक कूप एवं निवेश को छोड़कर*
3. *इक्विटी (निवल मूल्य) = (इक्विटी शेयर पूंजी + अन्य इक्विटी) कंपनी के स्वामियों पर आरोप्य*
4. *कुल ऋण = अल्पावधिक उधार + दीर्घावधिक ऋण + दीर्घावधिक ऋणों की वर्तमान परिपक्वता + ऋणों पर प्रोद्भूत ब्याज*
5. *लाभ मार्जिन (प्रतिशत) = वर्ष का करोपरांत लाभ / टर्नओवर*
6. *वर्तमान अनुपात = वर्तमान निवेश / वर्तमान देयताएं सहित वर्तमान परिसंपत्तियां*
7. *दीर्घावधिक ऋण और इक्विटी = (दीर्घावधिक उधार + दीर्घावधिक ऋण) / इक्विटी*
8. *कुल ऋण और इक्विटी = कुल ऋण / इक्विटी*
9. *निवल लाभ और इक्विटी (प्रतिशत) = वर्ष का करोपरांत लाभ / इक्विटी*
10. *लेनदार टर्नओवर अनुपात (दिवस) = (औसत प्राप्य / प्रचालनों से राजस्व) * 365*
11. *प्रति शेयर अर्जन = कंपनी के स्वामियों पर आरोप्य करोपरांत लाभ / इक्विटी शेयरों की संख्या*
12. *प्रति शेयर बही मूल्य = इक्विटी / इक्विटी शेयरों की संख्या*
13. *आरओसीई = (लाभांश आय को छोड़कर पीबीआईटी) / नियोजित पूंजी*

ओएनजीसी समूह की आय और प्रतिधारित अर्जन का विवरण

(मिलियन ₹ में)	2017 – 18	2016 – 17	2015 – 16
राजस्व			
उत्पादों की बिक्री	**3,598,790**	**3,232,749**	**1,348,162**
अन्य प्रचालन राजस्व	23,672	23,913	8,480
प्रचालनों से कुल राजस्व	**3,622,462**	**3,256,662**	**1,356,642**
लाभांश आय	15,987	17,527	10,243
अन्य गैर–प्रचालन आय	58,694	75,705	71,205
कुल राजस्व	**3,697,143**	**3,349,894**	**1,438,090**
लागत एवं व्यय			
प्रचालन, बिक्री एवं सामान्य			
सांविधिक प्रभार			
(क) रायल्टी	109,379	125,242	99,152
(ख) उपकर	99,638	89,045	101,916
(ग) उत्पाद शुल्क	395,407	431,601	115,901
(घ) प्राकृतिक आपदा आकस्मिक शुल्क – खनिज तेल	1,122	1,129	1,137
(ङ) सेवा कर	465	367	384
(च) चूंगी और पत्तन न्यास प्रभार #	4,933	4,118	333
उप योग (क से च)	**610,944**	**651,502**	**318,823**
स्टॉक में (वृद्धि)/कमी	(82)	(47,847)	7,560
उत्पादन, परिवहन, बिक्री और वितरण व्यय	1,136,356	1,027,440	569,416
स्टॉक इन ट्रेड की खरीद	1,216,894	1,041,983	-
प्रावधान और अप–लेखन	15,073	3,353	7,679
विनिमय हानि	-	-	1,033
अपलेखित अन्वेषण लागतें			
– सर्वेक्षण लागत	15,968	19,019	17,389
– अन्वेषणात्मक कूप लागते	58,652	33,176	43,396
मूल्यह्रास, ब्याज और कर से पूर्व लाभ	**643,338**	**621,268**	**472,794**
मूल्यह्रास, निःशेषण, ऋृण परिशोधन एंव टूट–फूट	230,886	202,192	163,840
कुल व्यय और लागत	**3,284,691**	**2,930,818**	**1,129,136**
ब्याज और कर पूर्व प्रचालन आय	**412,452**	**419,076**	**308,954**
वित्तीय लागत	49,990	35,911	37,656
कर और असाधारण मदों से पूर्व लाभ	**362,462**	**383,165**	**271,298**
असाधारण मदे	2,481	5,910	(79,432)
संयुक्त उद्यमों और सहयोगी कंपनी के लाभ का अंश	27,132	28,100	8,657
कर पूर्व लाभ	**392,075**	**417,175**	**200,523**
निगमित कर (निवल)	131,395	125,484	69,507
कर पश्चात लाभ (क)	**260,680**	**291,691**	**131,016**
अन्य व्यापक आय (ख)	**(31,728)**	**137,070**	**22,465**
कुल व्यापक आय (क)+(ख)	**228,952**	**428,761**	**153,481**
निम्नलिखित पर आरोप्य वर्ष का करोपरांत लाभ %			
– कंपनी के स्वामियों	221,059	244,192	128,752
– गैर नियंत्रक अधिकार	39,621	47,499	2,264
अन्य व्यापक आय			
– कंपनी के स्वामियों	(31,914)	136,283	22,467
– गैर नियंत्रक अधिकार	186	787	(2)
निम्नलिखित पर आरोप्य वर्ष का कुल लाभ %			
– कंपनी के स्वामियों	189,146	380,475	151,219
– गैर नियंत्रक अधिकार	39,806	48,286	2,262
वर्ष के प्रारंभ में प्रतिधारित अर्जन	**184,724**	**162,942**	**122,100**
वर्ष हेतु कर पश्चात लाभ	**221,059**	**244,192**	**128,752**
निर्धारित लाभ बाध्यता के पुनः मापन से उत्पन्न होने वाली अन्य व्यापक आय, आयकर का निवल	(534)	(3,121)	(299)
अन्य समायोजन (संयुक्त उद्यम और सहयोगी कंपनी सहित)	(420)	(132)	(24)
निवेशों की अंतर धारिता के कारण समायोजन	(2,989)	(2,834)	-
एचपीसीएल द्वारा बोनस शेयर के लिए अधिग्रहण पूर्व समायोजन	2,483	3,311	-
लाभांश	79,206	112,954	49,194
लाभांश पर कर	15,705	22,972	10,005
विधिक आरक्षित निधि में अंतरित	9,530	581	8,082
सामान्य आरक्षित निधि में अंतरित	110,472	64,691	76,067
ऋणपत्र परिशोधन आरक्षित निधि में से / में अंतरण	(387)	17,482	6,763
वर्ष के अंत में प्रतिधारित अर्जन	**190,809**	**184,724**	**100,418**

**वि.व. 2017 – 18, वि.व. 2016 – 17 और वि.व. 2015 – 16 के आंकड़े (भारतीय लेखांकन मानक अनुवर्ती पुनर्कथित) कंपनी अधिनियम, 2013 की भारतीय लेखांकन मानक अनुपालना अनुसूची –III की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं। वि.व. 2014–15 के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची –III की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं, वि.व. 2010–11 से वि.व. 2013–14 तक के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 1956 की संशोधित अनुसूची VI के अनुसार दिए गए हैं और वि.व. 2008–09 से वि.व. 2009–10 के आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की पुरानी अनुसूची VI के अनुसार दिए गए हैं।*

कंपनी ने 31 जनवरी 2018 को हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में भारत के राष्ट्रपति द्वारा धारित 51.11 प्रतिशत शेयरधारिता अधिग्रहित की है। परिणामस्वरूप, एचपीसीएल कंपनी की समनुषंगी बन गयी है। इस अधिग्रहण को साझे नियंत्रण के तहत कारोबार संयोजन के रूप में मूल्यांकित किया गया है और इसे कारोबार संयोजन संबंधी भारतीय लेखांकन मानक 103 के अनुसार लेखांकित किया गया है। तदनुसार, वर्ष 2016 – 17 के आंकड़ों को पुनः प्रस्तुत किए गए हैं।

#इंड एस 18 'राजस्व' के पैरा 8 के अनुसार वस्तुओं की बिक्री को वर्ष 2017–18, 2016–17 और वर्ष 2015–16 के लिए बिक्री कर और चुंगी के निकल प्रस्तुत किया गया है।

ओएनजीसी समूह की आय और प्रतिधारित अर्जन का विवरण

(मिलियन ₹ में)	2014–15	2013–14	2012–13	2011–12	2010–11
राजस्व					
उत्पादों की बिक्री	**1,645,426**	**1,769,362**	**1,649,074**	**1,501,615**	**1,226,613**
व्यापार किए गए उत्पाद	60	44	43	34	172
अन्य प्रचालन राजस्व	18,402	12,645	9,365	9,354	26,088
प्रचालनों से कुल राजस्व	**1,663,888**	**1,782,051**	**1,658,482**	**1,511,003**	**1,252,873**
लाभांश आय	6,074	4,383	3,303	3,974	4,252
अन्य गैर–प्रचालन आय	53,179	64,516	51,604	43,960	32,928
कुल राजस्व	**1,723,141**	**1,850,950**	**1,713,389**	**1,558,937**	**1,290,053**
लागत एवं व्यय					
प्रचालन, बिक्री एवं सामान्य					
सांविधिक प्रभार					
(क) रायल्टी	141,451	150,102	137,210	155,316	126,529
(ख) उपकर	102,535	99,734	99,971	57,831	56,963
(ग) मोटर स्प्रिट उपकर	-	3			
(घ) उत्पाद शुल्क	52,669	37,432	34,732	37,427	51,544
(ङ) प्राकृतिक आपदा आकस्मिक शुल्क – खनिज तेल	1,123	1,097	1,101	1,097	1,114
(च) बिक्री कर	2,586	3,123	3,834	3,339	3,112
(छ) सेवा कर	298	439	353	8,337	2,018
(ज) शिक्षा उपकर	91	2,348	3,111	1,871	1,828
(झ) चुंगी और पत्तन न्यास प्रभार #	6,083	4,896	4,057	4,184	4,523
उप योग (क से झ)	**306,836**	**299,174**	**284,369**	**269,402**	**247,631**
स्टॉक में (वृद्धि) / कमी	17,229	(5,285)	(11,205)	(4,641)	(8,917)
उत्पादन, परिवहन, बिक्री और वितरण व्यय	793,345	898,504	813,428	632,912	487,776
प्रावधान और अप–लेखन	10,876	10,315	22,243	11,599	9,635
विनिमय हानि	(465)	(650)	4,206	11,925	42
पूर्व अवधि से संबंधित समायोजन (निवल)	3,135	(2,423)	(1)	(241)	112
अपलेखित अन्वेषण लागतें					
– सर्वेक्षण लागत	20,835	17,471	18,078	14,947	19,542
– अन्वेषणात्मक कूप लागते	88,679	67,410	92,379	90,189	73,078
मूल्यह्रास, ब्याज और कर से पूर्व लाभ	**482,671**	**566,435**	**489,892**	**532,845**	**461,154**
मूल्यह्रास, निःशेषण, परिशोधन और क्षति	180,330	166,057	117,633	131,866	113,644
कुल लागत एवं व्यय	**1,420,800**	**1,450,573**	**1,341,130**	**1,157,958**	**942,543**
ब्याज एवं कर पूर्व प्रचालन आय	**302,341**	**400,377**	**372,259**	**400,979**	**347,510**
वित्तीय लागत	28,637	6,243	4,838	4,349	4,377
कर और असाधारण मदों से पूर्व लाभ	**273,704**	**394,134**	**367,421**	**396,630**	**343,133**
असाधारण मद	-	-	-	31,405	-
कर पूर्व लाभ	**273,704**	**394,134**	**367,421**	**428,035**	**343,133**
निगमित कर (निवल)	96,974	127,604	127,519	143,746	114,883
करोपरांत लाभ	**176,730**	**266,530**	**239,902**	**284,289**	**228,250**
वर्ष का सहयोगी कंपनी के लिए अंश	303	118	38	(11)	30
माइनरिटी से संबंधित लाभ	(6,302)	1,583	(2,256)	2,842	3,720
करोपरांत समूह लाभ	**183,335**	**265,065**	**242,196**	**281,436**	**224,560**
लाभ एवं हानि लेखा अग्रेषित शेष	233,115	205,773	179,959	144,332	116,377
शेयर धारिता में परिवर्तन के कारण समयोजन/अन्य समायोजन	1	46	59	44	(137)
पूंजी परिशोधन आरक्षित निधि में अंतरण	-	-	46	46	-
लाभांश	81,277	81,277	81,277	83,416	74,859
लाभांश पर कर	16,317	13,842	13,053	13,611	12,528
स्व बीमा आरक्षित निधि में अंतरण	4	-	-	-	-
सीएसआर निधि में अंतरण	-	-	-	-	-
सामान्य आरक्षित निधि में अंतरण	80,755	132,250	117,757	144,461	104,773
ऋण पत्र परिशोधन आरक्षित में अंतरण	24,003	10,400	4,308	4,319	4,308
वर्ष के अंत मं प्रतिधारित अर्जन	**214,095**	**233,115**	**205,773**	**179,959**	**144,332**

(मिलियन ₹ में)	2009–10	2008–09
राजस्व		
उत्पादों की बिक्री	**1,061,715**	**1,093,940**
पाइपलाइन राजस्व	3,126	5,267
अन्य प्राप्तियां	17,217	9,858
स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	3,729	(3,444)
कुल राजस्व	**1,085,787**	**1,105,621**
लागत एवं व्यय		
प्रचालन, बिक्री एवं सामान्य		
(क) रायल्टी	103,561	111,574
(ख) उपकर / उत्पाद शुल्क	98,831	103,571
(ग) प्राकृतिक आपदा आकस्मिक शुल्क– खनिज तेल	1,062	1,081
(घ) बिक्री कर	3,734	7,823
(ज) शिक्षा उपकर*	1,719	1,784
(झ) चूंगी और पत्तन न्यास प्रभार	4,484	4,130
(ञ) वैट	816	800
उप योग (क से झ)	**213,391**	**229,963**
पाइपलाइन प्रचालन (मूल्यह्रास छोड़कर)	11,967	10,725
अन्य प्रचालन लागत	395,726	419,425
विनिमय हानि / (लाभ)	(10,671)	11,716
पुनः प्राप्त लागतें		
(क) निःशेषण	62,242	55,883
(ख) मूल्यह्रास	20,767	21,822
(ग) परिशोधन	104,815	81,110
(घ) क्षति	(433)	(3,110)
अनुयोग (क से घ)	**187,391**	**155,705**
कुल लागत और व्यय	**797,804**	**827,534**
ब्याज और कर से पूर्व प्रचालन आय	**287,983**	**278,087**
ब्याज		
– भुगतान	5,564	2,386
– प्राप्तियां	21,995	35,336
– निवल	**(16,431)**	**(32,950)**
कर और असाधारण मदों से पूर्व लाभ	**304,414**	**311,037**
असाधारण मदें – बही मूल्य पर बीमा दावों का आधिक्य	-	658
कर पूर्व लाभ	**304,414**	**311,695**
निगमित कर (निवल)	107,138	110,094
करोपरांत लाभ	**197,276**	**201,601**
वर्ष हेतु सहयोगी कंपनी में अंश	78	99
माइनरिटी से संबंधित लाभ	3,319	3,747
कर पश्चात समूह लाभ	**194,035**	**197,953**
लाभ एवं हानि लेखा अग्रेषित शेष	93,335	58,990
समायोजन	(21)	(107)
लाभांश	70,583	68,444
लाभांश कर	11,992	12,017
वर्ष हेतु प्रतिधारित अर्जन	**204,774**	**176,375**

**वि.व. 2017 – 18, वि.व. 2016 – 17 और वि.व. 2015 – 16 के आंकड़े (भारतीय लेखांकन मानक अनुवर्ती पुनर्कथित) कंपनी अधिनियम, 2013 की भारतीय लेखांकन मानक अनुपालना अनुसूची –III की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं। वि.व. 2014–15 के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची –III की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं, वि.व. 2010–11 से वि.व. 2013–14 तक के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 1956 की संशोधित अनुसूची VI के अनुसार दिए गए हैं और वि.व. 2008–09 से वि.व. 2009–10 के आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की पुरानी अनुसूची VI के अनुसार दिए गए हैं।*

कंपनी ने 31 जनवरी 2018 को हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में भारत के राष्ट्रपति द्वारा धारित 51.11 प्रतिशत शेयरधारिता अधिग्रहित की है। परिणाम स्वरूप, एचपीसीएल कंपनी की समनुषंगी बन गयी है। इस अधिग्रहण को साझे नियंत्रण के तहत कारोबार संयोजन के रूप में मूल्यांकित किया गया है और इसे कारोबार संयोजन संबंधी भारतीय लेखांकन मानक 103 के अनुसार लेखांकित किया गया है। तदनुसार, वर्ष 2016 – 17 के आंकड़ों को पुनः प्रस्तुत किए गए हैं।

#भारतीय लेखांकन मानक के पैरा 8 'राजस्व' के अनुसार वस्तुओं की बिक्री को वर्ष 2017 – 18, 2016 – 17 और वर्ष 2015 –16 के लिए बिक्री कर और चुंगी के निवल प्रस्तुत किया गया है।

ओएनजीसी समूह की वित्तीय स्थिति का विवरण

(मिलियन ₹ में)	2017–18	2016–17	2015–16
संसाधन			
क. निजी			
(क) इक्विटी			
(i) शेयर पूंजी	64,166	64,166	42,778
(ii) अन्य इक्विटी			
–अन्य व्यापक आय (ओसीआई) के माध्यम से इक्विटी लिखत हेतु आरक्षिति	215,813	246,864	110,536
–अन्य	1,760,210	1,632,822	1,824,823
कुल अन्य इक्विटी	**1,976,023**	**1,879,686**	**1,935,359**
निवल मूल्य#	**2,040,189**	**1,943,852**	**1,978,137**
ख. दीर्घावधि ऋण	**550,249**	**527,723**	**402,292**
ग. विलंबित कर देयता (निवल)	**398,070**	**352,172**	**264,456**
घ. गैर–नियंत्रक अधिकार	**156,060**	**132,920**	**26,518**
कुल संसाधन (क+ख+ग+घ)	**3,144,568**	**2,956,667**	**2,671,403**
संसाधनों की स्थिति			
क. गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां			
1) ब्लाक पूंजी (निवल)			
i) अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरण^	681,341	667,449	309,498
ii) तेल और गैस परिसंपत्तिया^	1,430,878	1,296,152	1,198,915
iii) अमूर्त परिसंपत्तियां	6,254	5,749	1,054
iv) निवेश संपत्तियां	79	1	-
कुल ब्लाक पूंजी	**2,118,552**	**1,969,351**	**1,509,467**
2. समेकन पर साख	**142,025**	**141,904**	**153,301**
3. वित्तीय परिसंपत्तियां			
क) व्यापार प्राप्य	16,564	13,630	11,695
ख) ऋण	18,240	21,546	21,188
ग) स्थल पुनरूद्धार निधि योजना के अंतर्गत बैंक में जमा	160,640	145,943	135,986
घ) अन्य	11,603	9,392	9,660
कुल वित्तीय परिसंपत्तिया	**207,047**	**190,511**	**178,529**
4. गैर–वर्तमान कर परिसंपत्तिया	**108,314**	**98,720**	**83,615**
5. अन्य गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां (पूंजीगत अग्रिम को छोड़कर)	**29,019**	**25,575**	**15,362**
6. अनुयोग (क)–(1+2+3+4+5)	**2,604,957**	**2,426,061**	**1,940,274**
ख. घटाएं : गैर–वर्तमान देयताएं और प्रावधान			
क) वित्तीय देयताए	7,310	2,321	1,538
ख) प्रावधान	252,002	231,146	220,487
ग) अन्य गैर–वर्तमान देयताए	11,808	8,089	233
अनुयोग (ख)	**271,120**	**241,556**	**222,258**
निवल गैर चालू संपत्तियां (ग) = (क)+(ख)	**2,333,837**	**2,184,505**	**1,718,016**
घ. निवल कार्यशील पूंजी			
1) वर्तमान परिसंपत्तियां			
i) मालसूची	305,630	298,817	99,181
ii) वित्तीय परिसंपत्तियां			
क) व्यापार प्राप्य	138,992	125,471	83,317
ख) नकदी और बैंक शेष	50,784	132,126	246,890
ग) ऋण	9,911	9,927	3,406
घ) अन्य	147,651	110,016	79,004
iii) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां	27,406	28,435	42,804
अनुयोग (1)	**680,374**	**704,792**	**554,602**
घटाएं:			
II- **वर्तमान देयताएं**			
क) वित्तीय देयताएं			
i) अल्पावधि ऋण	462,212	216,274	43,185
ii) व्यापार देय	265,507	240,138	297,780
iii) अन्य	322,356	661,557	130,660
ख) अन्य वर्तमान देयताएं	66,673	63,862	21,244
ग) अल्पावधि प्रावधान	43,440	49,512	12,309
घ) वर्तमान कर देयताएं (निवल)	9,484	8,950	10,446
अनुयोग (II)	**1,169,672**	**1,240,293**	**515,624**
निवल कार्यशील पूंजी (घ) = (I) - (II)	**(489,298)**	**(535,501)**	**38,978**
ङ. नियोजित पूंजी	**1,844,539**	**1,649,004**	**1,756,994**
च. निवेश			
i) गैर वर्तमान निवेश	623,352	620,026	303,836
ii) वर्तमाननिवेश	49,994	87,431	30,032
छ. प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य (पूंजी अग्रिम सहित)	**357,537**	**332,665**	**329,976**
ज. प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक / विकासात्मक कूप	**269,146**	**267,541**	**250,565**
समग्र स्थिति (ग+घ+ङ+च)	**3,144,568**	**2,956,667**	**2,671,403**

(मिलियन ₹ में)	2014–15	2013–14	2012:13	2011–12	2010–11
संसाधन					
क. निजी					
1.निवल मूल्य					
(क) इक्विटी					
(i) शेयर पूंजी	42,778	42,778	42,778	42,778	42,778
(ii) आरक्षित निधि एवं अधिशेश	1,761,766	1,678,738	1,482,498	1,321,614	1,110,495
अनुयोग	**1,804,544**	**1,721,516**	**1,525,276**	**1,364,392**	**1,153,273**
ख) घटाएं : प्रकीर्ण व्यय	9,802	10,960	14,859	11,726	7,961
निवल मूल्य	**1,794,742**	**1,710,556**	**1,510,417**	**1,352,666**	**1,145,312**
ख. दीर्घावधि ऋण	**475,755**	**316,809**	**88,428**	**52,086**	**39,771**
ग. विलंबित कर देयता (निवल)	**181,759**	**178,635**	**142,251**	**121,846**	**111,526**
घ. माइनरिटी अधिकार	**24,731**	**29,120**	**19,466**	**22,240**	**19,891**
कुल संसाधन (क+ख+ग+घ)	**2,476,987**	**2,235,120**	**1,760,562**	**1,548,838**	**1,316,500**
संसाधनों की स्थिति					
क. गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां					
1) ब्लाक पूंजी (निवल)					
i) अचल आस्तियां ^	686,712	462,254	406,745	306,080	266,924
ii) तेल और गैस परिसंपत्तिया / उत्पादनकारी संपत्तियां	910,049	912,681	705,395	608,004	571,896
iii) अमूर्त परिसंपत्तियां	1,169	754	1,041	1,364	1,735
कुल ब्लाक पूंजी	**1,597,930**	**1,375,689**	**1,113,181**	**915,448**	**840,555**
2. समेकन पर साख	**201,399**	**183,545**	**83,255**	**77,976**	**89,928**
3. अन्य गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां (पूंजीगत अग्रिम को छोड़कर)	**94,164**	**83,077**	**67,002**	**51,029**	**58,250**
4. स्थल पुनरुद्धार निधि योजना के अंतर्गत बैंक जमा	**136,424**	**120,830**	**106,349**	**94,753**	**81,262**
5. अन्य गैर वर्तमान परिसंपत्तियां (डीआरई को छोड़कर)	**71,270**	**53,474**	**19,642**	**20,302**	**5,619**
6. अनुयोग (क)–(1+2+3+4+5)	**2,101,187**	**1,816,615**	**1,389,429**	**1,159,508**	**1,075,614**
7. घटाएं : गैर–वर्तमान देयताएं और प्रावधान					
क) अन्य दीर्घावधिक देयताएं	7,625	18,467	17,163	10,758	9,731
ख) परित्याग लागत के लिए प्रावधान	298,198	274,266	207,255	203,982	198,469
ग) दीर्घावधिक प्रावधान	28,796	31,034	45,707	37,758	33,384
अनुयोग (7)	**334,619**	**323,767**	**270,125**	**252,498**	**241,584**
निवल गैर चालू संपत्तियां (क) = (6) - (7)	**1,766,568**	**1,492,848**	**1,119,304**	**907,010**	**834,030**
ख. निवल कार्यशील पूंजी					
1) वर्तमान परिसंपत्तियां					
i) मालसूची	106,198	148,015	127,726	131,680	85,676
ii) व्यापार प्राप्य	188,158	160,290	153,956	117,181	99,730
iii) नकदी और बैंक शेष	160,969	244,801	196,190	278,914	208,158
iv) अल्पावधिक ऋण एवं अग्रिम	100,174	66,317	59,766	52,210	40,124
v) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां (डीआरई को छोड़कर)	9,635	8,135	9,082	19,643	5,955
अनुयोग (1)	**565,134**	**627,558**	**546,720**	**599,628**	**439,643**
घटाएं :					
II-वर्तमान देयताएं					
i) अल्पावधि ऋण	53,448	139,073	115,271	100,538	20,843
ii) व्यापार देय	304,660	306,803	186,148	176,036	155,863
iii) अन्य वर्तमान देयताएं	168,205	217,039	170,869	202,917	176,615
iv) अल्पावधि प्रावधान	23,394	9,500	10,533	23,924	11,085
अनुयोग (2)	**549,707**	**672,415**	**482,821**	**503,415**	**364,406**
निवल कार्यशील पूंजी	**15,427**	**(44,857)**	**63,899**	**96,213**	**75,237**
ग. नियोजित पूंजी	**1,781,995**	**1,447,991**	**1,183,203**	**1,003,223**	**909,267**
घ. निवेश					
i) गैर वर्तमान निवेश	47,470	47,205	20,453	20,412	28,920
ii) वर्तमाननिवेश	22	254	829	8,795	2,080
ङ. प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य (पूंजी अग्रिम सहित)	**435,533**	**557,603**	**419,676**	**399,855**	**273,854**
च. प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक / विकासात्मक कूप	**211,967**	**182,067**	**136,401**	**116,553**	**102,379**
समग्र स्थिति (ग+घ+ङ+च)	**2,476,987**	**2,235,120**	**1,760,562**	**1,548,838**	**1,316,500**

#वर्तमान अनुपात के लिए वर्जित

**वि.व. 2017 – 18, वि.व. 2016 – 17 और वि.व. 2015 – 16 के आंकड़े (भारतीय लेखांकन मानक अनुवर्ती पुनर्कथित) कंपनी अधिनियम, 2013 की भारतीय लेखांकन मानक अनुपालना अनुसूची – III की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं। वि.व. 2014–15 के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची –III की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं, वि.व. 2010–11 से वि.व. 2013–14 तक के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 1956 की संशोधित अनुसूची VI के अनुसार दिए गए हैं और वि.व. 2008–09 से वि.व. 2009–10 के आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की पुरानी अनुसूची VI के अनुसार दिए गए हैं।*

कंपनी ने 31 जनवरी 2018 को हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में भारत के राष्ट्रपति द्वारा धारित 51.11 प्रतिशत शेयरधारिता अधिग्रहित की है। परिणामस्वरूप, एचपीसीएल कंपनी की समनुषंगी बन गयी है। इस अधिग्रहण को साझे नियंत्रण के तहत कारोबार संयोजन के रूप में मूल्यांकित किया गया है और इसे कारोबार संयोजन संबंधी भारतीय लेखांकन मानक 103 के अनुसार लेखांकित किया गया है। तदनुसार, वर्ष 2016 – 17 के आंकड़ों को पुनः प्रस्तुत किए गए हैं।

#अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी लिखतों के लिए आरक्षित निधि शामिल हैं।

^नोट : पारगमन तिथि 1 अप्रैल 2015 की स्थिति के अनुसार, तेल एवं गैस परिसंपत्तियों की कुल राशि को प्रतिबिंबित करने के लिए उत्पादन एवं संबद्ध सुविधाओं से संबंधित परिसंपत्तियों के वहन मूल्य को अन्य संपत्ति संयंत्र और उपकरण से "तेल एवं गैस परिसंपत्तियों" में पुनः एकत्रित किए गए हैं।

ओएनजीसी समूह की वित्तीय स्थितियों के विवरण

(मिलियन ₹ में)	2009–10	2008–09
संसाधन		
क. निजी		
1. निवल मूल्य		
(क) इक्विटी		
(i) शेयर पूंजी	21,389	21,389
(ii) आरक्षित निधि एवं अधिशेष	992,677	900,846
अनुयोग	**1,014,066**	**922,235**
ख) घटाएं : प्रकीर्ण व्यय	8,413	6,506
निवल मूल्य	**1,005,653**	**915,729**
2. दीर्घावधि देयताएं		
निवल विलंबित कर देयता	102,912	92,231
कुल निजी – निधियां (1+2)	**1,108,565**	**1,007,960**
ख. माइनरिटी अधिकार	**16,432**	**14,113**
ग. वाह्य		
1. अप्रत्याभूत ऋण		
क) भारतीय ऋण	34,550	6,015
ख) विदेशी ऋण	10,260	1,492
कुल अप्रत्याभूत ऋण	44,810	7,507
2. प्रत्याभूत ऋण	6,959	5,584
कुल वाह्य ऋण	**51,769**	**13,091**
कुल संसाधन (क+ख+ग)	**1,176,766**	**1,035,164**
संसाधनों का विन्यास		
क. समेकन पर साख	**95,385**	**114,039**
ख. ब्लॉक पूंजी		
1. अचल परिसंपत्तियां	243,762	184,956
2. उत्पादनकारी संपत्तियां (सकल)	511,665	452,980
घटाएं : परित्याग लागत देयता	174,590	171,451
कुल ब्लॉक पूंजी	**580,837**	**466,485**
ग. कार्यशील पूंजी		
क) वर्तमान परिसंपत्तियां		
i) मालसूची	82,400	65,424
ii) लेनदार (प्रावधानों के निवल)	71,424	71,814
iii) नकदी और बैंक शेष	149,704	156,331
iv) स्थल पुनरुद्धार निधि योजना के तहत बैंक में जमा #	74,138	69,624
v) ऋण एवं अग्रिम और अन्य	127,998	143,953
अनुयोग	**505,664**	**507,146**
घटाएं :		
ख) वर्तमान देयताएं और प्रावधान और अल्पावधिक ऋण	312,877	334,889
कार्यशील पूंजी	**192,787**	**172,257**
घ. नियोजित पूंजी	**869,009**	**752,781**
ङ. निवेश	**51,593**	**34,803**
च. प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य	**176,039**	**165,222**
छ. प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक / विकासात्मक कूप	**80,125**	**82,358**
कुल विन्यास	**1,176,766**	**1,035,164**

#वर्तमान अनुपात के लिए वर्जित

**वि.व. 2017 – 18, वि.व. 2016 – 17 और वि.व. 2015 – 16 के आंकड़े (भारतीय लेखांकन मानक अनुवर्ती पुनर्कथित) कंपनी अधिनियम, 2013 की भारतीय लेखांकन मानक अनुपालना अनुसूची–III की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं। वि.व. 2014–15 के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–III की अपेक्षाओं के अनुसार दिए गए हैं, वि.व. 2010–11 से वि.व. 2013–14 तक के आंकड़े कंपनी अधिनियम, 1956 की संशोधित अनुसूची VI के अनुसार दिए गए हैं और वि.व. 2008–09 से वि.व. 2009–10 के आंकड़ें कंपनी अधिनियम, 1956 की पुरानी अनुसूची VI के अनुसार दिए गए हैं।*

कंपनी ने 31 जनवरी 2018 को हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में भारत के राष्ट्रपति द्वारा धारित 51.11 प्रतिशत शेयरधारिता अधिग्रहित की है। परिणामस्वरूप, एचपीसीएल कंपनी की समनुषंगी बन गयी है। इस अधिग्रहण को साझे नियंत्रण के तहत कारोबार संयोजन के रूप में मूल्यांकित किया गया है और इसे कारोबार संयोजन संबंधी भारतीय लेखांकन मानक 103 के अनुसार लेखांकित किया गया है। तदनुसार, वर्ष 2016 – 17 के आंकड़ों को पुनः प्रस्तुत किए गए हैं।

#अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी लिखतों के लिए आरक्षित निधि शामिल हैं।

^ नोटः पारगमन तिथि 1 अप्रैल 2015 की स्थिति के अनुसार, तेल एवं गैस परिसंपत्तियों की कुल राशि को प्रतिबिंबित करने के लिए उत्पादन एवं संबद्ध सुविधाओं से संबंधित परिसंपत्तियों के वहन मूल्य को अन्य संपत्ति संयंत्र और उपकरण से ''तेल एवं गैस परिसंपत्तियों'' में पुनः एकत्रित किए गए हैं।



राष्ट्र सेवा में लीनः ओएनजीशियन देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए दूरदराज के क्षेत्र में और चुनौतीपूर्ण कार्य करते हुए

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में

ऑयल एंड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड के सदस्यगण

1. समेकित भारतीय लेखांकन मानक वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

हमने ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (जिसे तत्पश्चात ''धारक कंपनी'' कहा गया है) और इसकी अनुषंगी कंपनियां (धारक कंपनी और इसकी अनुषंगी कंपनियां को तत्पश्चात एक साथ ''समूह'' कहा गया है), इसकी संहयोगी कंपनियों और संयुक्त रूप से नियंत्रित निकायों के संलग्न समेकित वित्तीय विवरणों, जिसमें 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार समेकित तुलन–पत्र, उस तिथि को समाप्त अन्य व्यापक आय सहित लाभ और हानि का समेकित विवरण है, समेकित नकद प्रवाह विवरण तथा इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का एक सार और अन्य व्याख्यात्मक सूचना शामिल है, की लेखापरीक्षा की है।

2. समेकित भारतीय लेखांकन वित्तीय विवरणों के प्रति प्रबंधन का उत्तरदायित्व

धारक कंपनी के निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम 2013 (तत्पश्चात ''अधिनियम'' कहा गया है) की अपेक्षाओं के अनुसार इन समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति के प्रति उत्तरदायी है जो अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट भारतीय लेखांकन मानकों (इंड एएस) सहित भारत में आमतौर पर स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार इसके सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों सहित इस समूह की समेकित वित्तीय स्थिति, समेकित समेकित लाभ, समेकित अन्य व्यापक आय, समेकित नकदी प्रवाह और समूह की इक्विटी में समेकित परिवर्तन सहित, का सही और निष्पक्ष स्थिति को दर्शाता हो।

इस समूह में शामिल कंपनियों और इसकी सहयोगी कंपनियो और संयुक्त उद्यमों के संबंधित निदेशक मंडल आस्तियों के संरक्षण और धोखाधड़ी और अन्य विनियमितताओं की रोकथाम करने के लिए इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा अभिलेखों के संधारण, उपयुक्त लेखांकन नीतियों के चयन व अनुप्रयोग, तर्कसंगत और विवेकसम्मत निर्णय व आकलन करने, यथेष्ट आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अभिकल्पना, क्रियान्वयन और संधारण के लिए उत्तरदायी हैं जो उन वित्तीय विवरणों को तैयार करने और प्रस्तुत करने हेतु सही और निष्पक्ष दृश्य देता है, के प्रासंगिक लेखा अभिलेखों की सटीकता और संपूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से परिचालित थे और धोखाधड़ी अथवा त्रूटि के कारण किसी तथ्यात्मक गलत बयानी से मुक्त हो, जिनका यथोक्त धारक कंपनी के निदेशकों द्वारा समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण तैयार करने के प्रयोजन से उपयोग किया गया है।

3. लेखापरीक्षक का दायित्व

हमारा उत्तरदायित्व अपनी लेखापरीक्षा पर आधारित इन समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों पर मत व्यक्त करना है। लेखापरीक्षा के संचालन के दौरान, हमने अधिनियम के प्रावधानों, लेखांकन और लेखांकन मानकों तथा उन मामलों पर ध्यान दिया है जिन्हें इस अधिनियम और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अंतर्गत लेखापरीक्षा में शामिल किया जाना होता हे।

हमने अपनी लेखापरीक्षा अधिनियम की धारा 143 (10) के अंतर्गत निर्दिष्ट लेखा –परीक्षा संबंधी मानकों के अनुसार संचालित की है। इन मानकों में यह अपेक्षा की जाती है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करें और लेखापरीक्षा करने के लिए ऐसी योजना बनाएं तथा निष्पादन करें जिसमें वित्तीय विवरणों के संबंध में तर्कसंगत साक्ष्य प्राप्त हो सके कि ये तथ्यात्मक गलत बयानी से मुक्त हैं।

एक लेखापरीक्षा में समेकित वित्तीय विवरणों में राशियों एवं प्रकटन के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने हेतु प्रक्रिया विधियों का निष्पादन शामिल होता है। चयन की गयी प्रक्रिया विधियां समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों की तथ्यात्मक गलत बयानी, चाहे वह धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटिवश, के जोखिमों के आकलन सहित लेखापरीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती है। इन जोखिम के आकलन करने में, लेखा परीक्षक उपयुक्त लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं की अभिकल्पना करने हेतु धारक कंपनी के समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण तैयार करने से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर विचार करता है जो परिस्थितियों के लिए एक सही और निष्पक्ष दृश्य प्रस्तुत करता है। एक लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखांकन नीतियों के औचित्य और धारक कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा लेखांकन आकलनों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करना भी शामिल होता है, साथ ही समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का आकलन करना भी शामिल होता है।

हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य और नीचे पैराग्राफ अन्य मामले के उप पैराग्राफ 6(अ) में संदर्भित उनकी रिपोर्टों के अनुसार अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य पर्याप्त है और समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों पर हमारे संपरीक्षा विचारों को उपयुक्त आधारप्रदान करता है।

4. मत

हमारे मतानुसार तथा सर्वोत्तम जानकारी एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार और पृथक वित्तीय विवरणों तथा अनुषंगी कंपनियों, सहयोगियों तथा संयुक्त उद्यमों की अन्य वित्तीय सूचना पर अन्य लेखापरीक्षकों की रिपोर्टों पर विचार किए जाने के आधार पर ऊपर उल्लिखित समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण इस अधिनियम द्वारा अपेक्षित सूचना यथा अपेक्षित रीति में देते हैं तथा इंड एएस सहित भारत में आमतौर पर स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप 31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार इस समूह, इसकी सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के कार्यों की समेकित स्थिति और उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय, समेकित नकदी प्रवाह और वर्ष हेतु इक्विटी में परिवर्तन के समेकित विवरण सहित उनके निष्पादन का सही एवं निष्पक्ष चित्र प्रस्तुत करते हैं।

5. मामले पर बल दिया जाना

हम समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 55.1.3 की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं जिसमें यह बताया गया है कि वर्ष के दौरान हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) ने पन्ना–मुक्ता और मिड तथा साउथ तापती फील्ड संयुक्त उद्यम (पीएमटी) के सभी संयुक्त उद्यम भागीदारों, बीजी एक्सप्लोरेशन एण्ड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड (बीजीईपीआईएल) और रिलायन्स इण्डस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) (साथ मिला कर ''दावाकर्ता'') और धारक कंपनी को अंतिम आंशिक निर्णय (एफपीए) की सरकार की व्याख्या के अनुपालन में संविदाकार द्वारा देय तथाकथित लाभ पेट्रोलियम एवं रायल्टी के विभेदीय भारत सरकार के अंश के भुगतान हेतु कहा था (धारक कंपनी का 40 प्रतिशत का अंश 1574.76 मिलियन अमेरिकी डालर की राशि का होता है जो 30 नवम्बर, 2016 तक ब्याज सहित समतुल्य रूप में 102,233.41 मिलियन रूपये बनता है)। दिनांक 16 अप्रैल, 2018 और 2 मई, 2018 के लंदन उच्च न्यायालय के आदेशों के परिणामस्वरूप डीजीएच ने दिनांक 4 मई, 2018 और 15 मई, 2018 के पत्र के माध्यम से पीएमटी संयुक्त उद्यम के लेखे को रिकास्ट करने और प्रेषण की तिथि तक ब्याज सहित शेष देयों के संबंधित प्रतिभागिता हित के अंश को प्रेषित करने के लिए कहा है। माध्यस्थम कार्यवाही और लंदन उच्च न्यायालय के आदेशों की धारक कंपनी को जानकारी नहीं है क्योंकि धारक कंपनी माध्यस्थम कार्यवाही की एक पक्षकार नहीं है। धारक कंपनी ने डीजीएच को यह प्रतिउत्तर दिया है कि अभी तक न तो माध्यस्थम अधिकरण और न ही न्यायालय ने कोई आदेश पारित किया है अथवा धारक कंपनी द्वारा देय तथा भुगतान योग्य किसी राशि को मात्रात्मक रूप दिया है और इन परिस्थितियों में डीजीएच द्वारा किसी राशि या तत्संबंधी ब्याज की मांग किया जाना अपरिपक्व है तथा न्यायोचित नहीं ठहरता। धारक कंपनी के मतानुसार माध्यस्थम अधिकरण द्वारा देयताओं को अंतिम तौर पर मात्रात्मक रूप दिए जाने के लंबित होने तक, अंतिम आंशिक निर्णय (एफपीए) को कार्यन्वित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह परिपक्वता से पूर्व है अतः उक्त हेतु किसी प्रावधान को आवश्यक नहीं समझा गया है तथा इसे आकस्मिक देयता माना गया है।

इस मामले के संबंध में हमारा मत अर्हक नहीं है।

6. अन्य मामले

i. समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण में अन्वेषण तथा उत्पादन हेतु नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (नेल्प) संयुक्त प्रचालन (जेओ) लेखे के अंतर्गत 136 ब्लाकों की परिसंपत्तियों, देयताओं, व्यय तथा आय के कुल मूल्य में धारक कंपनी का अंश शामिल है जिसमें से 3 नेल्प/जेओ लेखाओं को अन्य सनदी लेखाकारों द्वारा प्रमाणित किया गया है और अन्य प्रचालकों द्वारा प्रचालित 11 नेल्प/जेओ के संबंध में प्रबंधन द्वारा प्रमाणित किया गया है। इन 11 नेल्प/जेओ के संबंध में समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण में 31 मार्च, 2018 के अनुसार परिसंपत्तियों तथा देयताओं में अनुपातिक अंश शामिल हैं जिसकी राशि क्रमशः 74914.29 मिलियन रूपये तथा 54785.18 मिलियन रूपये की होती है और 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु राजस्व तथा अन्य व्यापक आय सहित लाभ की राशि क्रमशः 82340.43 मिलियन रूपये तथा 16375.29 मिलियन रूपये होती है। इन नेल्प/जेओ के संबंध में शामिल राशियों तथा प्रकटीकरण के संबंध में हमारा मत अन्य सनदी लेखाकारों के प्रमाण–पत्र तथा प्रबंधन प्रमाणित लेखे पर पूर्णतः निर्भर है।

ii. हमने, धारक कंपनी द्वारा अन्वेषणात्मक, विकास, उत्पादन, उत्पादनशील कूपों की श्रेणी, उन पर खर्च की गई लागतों के आबंटन, प्रमाणित (विकसित और अविकसित) हाइड्रोकार्बन भंडारों, तेल एवं गैस परिसंपत्तियों पर उनके निःशेषण, क्षतिकरण, परित्याग लागतों के लिए देयता, सहमति वाले न्यूनतम कार्य के कार्यक्रम के प्रति कार्य–निष्पादन के अंतर्गत नेल्प और नामांकन ब्लॉकों के लिए देयता के श्रेणीकरण के संबंध में प्रबंधन द्वारा किए गए तकनीकी/वाणिज्यिक मूल्यांकन को आधार बनाया है।

iii. हमने चार सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा नहीं की जिनके वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2018 के अनुसार कुल आस्तियों और उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए कुल राजस्व और निवल नकद अंतर्प्रवाह/(बहिर्गमन) को दर्शाता है, अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित वित्तीय विवरणों पर आधारित समेकित वित्तीय विवरणों पर निम्नवत विचार किया गया है :

(₹ मिलियन में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	दिनांक 31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार कुल परिसंपत्तियां #	दिनांक 31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार कुल निवल परिसंपत्तियां #	दिनांक 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के अनुसार कुल राजस्व #	निवल नकद प्रवाह / (बहिर्गमन) #
ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल)	1,104,277.06	464,303.83	131,507.29	6,004.34
मेंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) $	319,506.11	102,334.12	639,619.77	1,942.16
पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल)	7,144.97	6,846.30	1,711.30	(583.82)
हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)	896,717.50	255,324.40	2,457,899.90	(7,837.10)

ओवीएल/एमआरपीएल/एचपीसीएल के समेकित वित्तीय विवरणों के अनुसार

$ एमआरपीएल के समेकित वित्तीय विवरणों में इसकी अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड (ओएमपीएल) शामिल है, जो धारक कंपनी की एक अप्रत्यक्ष अनुषंगी कंपनी है।

iv. समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण में हमारे द्वारा लेखापरीक्षित न किए गए वित्तीय विवरणों पर आधारित समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण के अंतर्गत विचारित 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय सहित निवल लाभ में समूह का अंश शामिल है।

संयुक्त उद्यम और सहयोगी कंपनी

कंपनी का नाम	31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष हेतु निवल लाभ में समूह की हिस्सेदारी	31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष में निवल अन्य व्यापक आय में समूह की हिस्सेदारी	समूह हिस्सेदारी – कुल
संयुक्त उद्यम			
ओएनजीसी टेरी बायोटेक लि. $	40.44	(0.04)	40.40
ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड *	713.25	(0.85)	712.40
ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड $		1.78	(10,953.19)
मेंगलोर एसईजेड लिमिटेड *	9.81	0.03	9.84
सहयोगी कंपनी *			
पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड *	2,638.05	0.65	2638.70

$ एकल वित्तीय विवरण के अनुसार

** समेकित वित्तीय विवरण के अनुसार*

v. पैरा 6 (iii) और पैरा 6 (iv) में संदर्भित वित्तीय विवरणों की अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षा की गयी है जिनकी रिपोर्टें हमें प्रबंधन द्वारा दी गयी हैं और समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों पर हमारे मत, जहाँ तक इसका संबंध इन अनुषंगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों और सहयोगी कंपनियों के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटनों से संबंधित है, वह केवल अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों पर आधारित है।

vi. इस समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण में 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय सहित निवल लाभ में निम्नवत समूह का हिस्सा भी शामिल है जो हमारे द्वारा लेखापरीक्षा न किए गए वित्तीय विवरणों पर आधारित है :

(₹ मिलियन में)

कंपनी का नाम	31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष हेतु निवल लाभ में समूह की हिस्सेदारी	31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष में निवल अन्य व्यापक आय में समूह की हिस्सेदारी	समूह हिस्सेदारी – कुल
संयुक्त उद्यम दहेज एसईजेड लिमिटेड	184.82	-	184.82
सहयोगी कंपनी पवन हंस लिमिटेड	42.98	1.87	44.85

यह वित्तीय सूचना लेखा अपरीक्षित है और यह हमें प्रबंधन द्वारा दी गयी है और समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण पर हमारे मत जहाँ तक यह उपर्युक्तानुसार शामिल राशि और प्रकटन से है, पूरी तरह लेखा अपरीक्षित सूचना पर आधारित है। हमारे मत में और प्रबंधन द्वारा दी गयी सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार, यह वित्तीय सूचना इस समूह के लिए महत्वपूर्ण नहीं है।

समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों पर हमारे मत, और अन्य कानूनी और विनियामकीय अपेक्षाओं पर नीचे हमारी रिपोर्ट, अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा किए गए कार्य और उनकी रिपोर्ट और प्रबंधन द्वारा प्रमाणित वित्तीय विवरणों पर हमारी निर्भरता के संबंध में उपर्युक्त मसलों के संबंध में संशोधित नहीं किए गए हैं।

7. अन्य विधिक और विनियामकीय अपेक्षाओं संबंधी रिपोर्ट

1. धारक कंपनी और ऊपर पैरा 6 (iii) में उल्लिखित अनुषंगी कंपनी की लेखा परीक्षक की रिपोर्टों में की गयी टिप्पणियों के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 143 (5) के अनुसार जारी किए गए निदेशों पर एक पैराग्राफ को धारक कंपनी और इसकी अनुषंगी कंपनियों की लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किया गया है। तदनुसार, हम इस अधिनियम की धारा 143 (5) के अनुसार भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा जारी किए गए निदेशों पर एक रिपोर्ट **अनुबंध 1** में प्रस्तुत करते हैं।

2. इस अधिनियम की धारा 143 उप धारा 3 द्वारा यथा अपेक्षित, हमारी लेखापरीक्षा और पृथक वित्तीय विवरणों पर अन्य लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट तथा अनुषंगी कंपनियों, सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों की अन्य वित्तीय सूचना के आधार पर, 'अन्य मामले' पैराग्राफ में नोट किए गए अनुसार, हम लागू सीमा तक सूचित करते हैं कि :

क. हमने ऐसी सभी जानकारी तथा स्पष्टीकरण मांगे तथा प्राप्त किए हैं जो हमारे श्रेष्ठ ज्ञान तथा विश्वास के अनुसार उक्त वर्णित समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के प्रयोजन हेतु आवश्यक थे।

ख. हमारे मतानुसार कंपनी द्वारा उक्त वर्णित समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में विधि द्वारा यथापेक्षित उचित लेखा बहियों को रखा गया है जो इन बहियों की हमारे द्वारा की गई जांच तथा अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट से प्रतीत होता है।

ग. इस रिपोर्ट से संबद्ध समेकित तुलन पत्र, समेकित लाभ एवं हानि विवरण और समेकित नकद प्रवाह विवरण, रिपोर्ट द्वारा प्रयुक्त इक्विटी में परिवर्तन का विवरण, समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों को तैयार किए जाने के प्रयोजन हेतु रखी गयी संगत लेखा बहियों के अनुरूप हैं।

घ. हमारे मतानुसार उपर्युक्त वर्णित समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत निर्दिष्ट लेखांकन मानकों के अनुरूप हैं।

ड. i. धारक कंपनी और दो अनुषंगी कंपनियों (एचपीसीएल और एमआरपीएल) के संबंध में, कंपनी कार्य मंत्रालय द्वारा 5 जून 2015 को जारी की गयी अधिसूचना सं. जी.एस.आर. 463(अ) के अनुसार, निदेशकों के अनर्हता के संबंध में धारा 164 (2) कंपनियों पर लागू नहीं है, क्योंकि वे सरकारी कंपनियां हैं।

ii. दो अनुषंगी कंपनियों (ओवीएल और पीएमएचबीएल) और एक अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल (ओएमपीएल), जो धारक कंपनी की अप्रत्यक्ष अनुषंगी कंपनी है, की दिनांक 31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार निदेशकों से प्राप्त लिखित अभ्यावेदनों के आधार पर, भारत में अधिनिगमित कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा अभिलेख पर लिए गए, भारत में अधिनिगमित कंपनी का कोई भी निदेशक 31 मार्च 2018 के अनुसार इस अधिनियम की धारा 164 (2) के अनुसार निदेशक के रूप में नियुक्त होने के लिए अयोग्य नहीं हैं।

च. धारक कंपनी, इसकी अनुषंगी कंपनियों, सहयोगी कंपनी तथा संयुक्त उद्यमों की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की यथेष्टता और ऐसे नियंत्रणों की कार्यशील प्रभावोत्पादकता के संबंध में, ''अनुबंध क'' की हमारी पृथक रिपोर्ट देखें।

छ. कंपनी (लेखापरीक्षा तथा लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में हमारे मतानुसार और हमें दी गयी श्रेष्ठ जानकारी तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार :

i. समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों में समूह, इसकी अनुषंगी कंपनियों और संयुक्त उद्यम की वित्तीय स्थिति पर लंबित अदालती मामलों के प्रभाव को प्रकट किया है – देखें समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 55.1;

ii. हमें दी गयी जानकारी तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार समूह, इसकी अनुषंगी कंपनियां एवं संयुक्त उद्यमों ने व्युत्पन्न संविदाओं सहित दीर्घावधि संविदाओं के संबंध में अपेक्षित महत्वपूर्ण हानि हेतु प्रावधान किया है; और

iii. समूह, इसके सहयोगी कंपनी तथा संयुक्त उद्यमों द्वारा निवेशक शिक्षा और बचाव निधि को अंतरित किए जाने हेतु अपेक्षित राशियों को अंतरित किए जाने में कोई विलंब नहीं हुआ है।

कृते लोढ़ा एंड कंपनी सनदी लेखाकार फर्म पंजीकरण स. 301051ई	कृते एमकेपीएस एण्ड एसोसिएटस सनदी लेखाकार फर्म पंजीकरण स. 302014ई	कृते खंडेलवाल जैन एंड कंपनी सनदी लेखाकार फर्म पंजीकरण सं. 105049डब्ल्यू
ह/- (प्रशांत खंडेलवाल) साझेदार (सदस्यता सं.056652)	ह/- (निखिल के. अग्रवाल) साझेदार (सदस्यता सं.157955)	ह/- (नरेंद्र जैन) साझेदार (सदस्यता सं. 048725)
कृते के.सी. मेहता एंड कंपनी सनदी लेखाकार फर्म पंजीकरण सं. 106237डब्ल्यू	कृते पी.के.एफ. श्रीधर एंड संथानम एलएलपी सनदी लेखाकार फर्म पंजीकरण सं. 003990एस/एस200018	कृते दासगुप्ता एंड एसोसिएट्स सनदी लेखाकार फर्म पंजीकरण सं. 000112एन
ह/- (विशाल पी. दोशी) साझेदार (सदस्यता सं. 101533)	ह/- (एस. नरसिम्हन) साझेदार (सदस्यता सं. 206047)	ह/- (राजा जिंदल) साझेदार (सदस्यता सं. 504111)

नई दिल्ली
30 मई, 2018

समेकित इंड एस वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुबंध I

(हमारी समसंख्यक तिथि की रिपोर्ट के 'अन्य कानूनी एवं नियामक अपेक्षाओं संबंधी रिपोर्ट' के तहत पैराग्राफ 7(1) में उल्लिखित)

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा अधिनियम की धारा 143 (5) के अनुसार जारी किए गए निदेश/अतिरिक्त उप निदेश संबंधी रिपोर्ट

धारक कंपनी :

क. उपलब्ध अभिलेखों का लेखा बहियों से मिलान के लंबित रहते हुए कंपनी द्वारा संकलित सीमा तक की सूचना के आधार पर और स्थूल प्रकृति और स्थानों की विविधता को ध्यान में रखते हुए, हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी के पास पूर्ण स्वामित्व/पट्टा भूमि के लिए स्वत्वाधिकार/पट्टा विलेख है सिवाय निम्नलिखित के, जहाँ स्वामित्व विलेख और उसका क्षेत्रफल विवरण कंपनी के पास उपलब्ध नहीं है :

(₹ मिलियन में)

प्रकृति	परिसंपत्तियों की संख्या	सकल ब्लॉक	निवल ब्लॉक
पट्टे वाली भूमि	14	632.03	392.40
पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	4	58.21	58.21
कुल	**18**	**690.24**	**450.61**

प्रबंधन द्वारा सभी इकाईयों को कवर करते हुए संपूर्ण विवरण के लंबित संकलन के कारण, संबंधित लाइन मदों के अंतर्गत क्षेत्रफल का विवरण उपर प्रस्तुत नहीं किया जा सका।

ख. हमें दी गयी सूचना एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार, वर्ष के दौरान कर्जों/ऋणों/ब्याज जहॉ कही भी लागू है की माफी/बट्टे खाते लिखने के मामले, कारणों और अंतर्ग्रस्त धनराशि इस प्रकार हैं :

क्रम सं.	कारण	₹ मिलियन में
1	बट्टे खाते डाले गए खराब ऋण/दावे	10.49
2	बट्टे खाते में डाले गए अग्रिम	0.62
कुल		**11.11**

ग. हमें दी गयी सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने तृतीय पक्षों के पास पड़े माल और कंपनी को सरकार अथवा अन्य प्राधिकरणों से प्राप्त उपहार/अनुदान के संबंध में पर्याप्त अभिलेख रखे हैं।

अनुषंगी कंपनियां :

क्र. सं.	विवरण	ओवीएल	एमआरपीएल	ओएमपीएल	पीएमएचबीएल	एचपीसीएल*
1	क्या कंपनी के पास संपूर्ण अधिकार और पट्टा भूमि के लिए क्रमशः स्पष्ट स्वामित्व/पट्टा विलेख है? यदि नहीं तो उन संपूर्ण अधिकार वाली भूमि और पट्टा भूमि के लिए जिनके स्वामित्व/पट्टा विलेख उपलब्ध नहीं हैं।	कंपनी की भारत में एक स्थायी पट्टाधारी भूमि है और पट्टा विलेख कंपनी के नाम पर है सिवाय भारत से बाहर संयुक्त प्रचालनों के संबंध में अन्य भागीदारों के साथ संयुक्त रूप से स्वामित्व वाली 4.04 मिलियन रूपये की फ्री–होल्ड भूमि के।	देखें अनुबंध ग.1	कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं	देखें अनुबंध ग.2	यादृच्छिक आधार पर कंपनी के रिकार्डों के सत्यापन के आधार पर कंपनी के पास 4 फ्री–होल्ड भूमि/पट्टाधारी भूमि के संबंध में मूल स्पष्ट स्वामित्व विलेख नहीं है। ऐसी भूमि के क्षेत्रफल के विवरण का प्रबंधन द्वारा यथा संकलित ब्यौरा अनुबंध ग.3 में दिया गया है।

क्र. सं.	विवरण	ओवीएल	एमआरपीएल	ओएमपीएल	पीएमएचबीएल	एचपीसीएल*
2	क्या किसी कर्ज/ भूमि/ब्याज इत्यादि की माफी/बट्टे खाते डालने का कोई मामला है, यदि हाँ तो तत्संबंधी कारण और अंतर्ग्रस्त राशि बताएं।	हमें दी गई जानकारी के अनुसार ऋण/ कर्ज/ब्याज आदि में छूट दिए जाने/पश्च लेखन का कोई मामला नहीं है।	कंपनी ने इसके तथा तेल विपणन कंपनियों (इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड) तथा बंगलौर मेट्रोपौलिटन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन के साथ लम्बे समय से लम्बित विवादों के निपटान हेतु निदेशक मंडल के अनुमोदन से 472.34 मिलियन रूपये की राशि के प्राप्य व्यापार का पश्च लेखन किया है। इस राशि को लाभ एवं हानि विवरण में व्यय के रूप में दर्शाया गया है।	कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं	हमें दी गई जानकारी के अनुसार ऋण/ कर्ज/ब्याज आदि में छूट दिए जाने/ पश्चलेखन का कोई मामला नहीं है।	कंपनी द्वारा अपनायी गई प्रक्रिया के अनुसार, ऋण के किसी समापन का लेखांकन केवल प्राधिकार के प्रायोजन के अनुरूप सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से ही किया जाता है। ग्राहकों से विलंबित भुगतान पर ब्याज में छूट अनुमोदन प्राधिकारी द्वारा प्रत्येक मामले के गुण–दोष के आधार पर दी जाती है। वर्ष के दौरान कंपनी ने विरासती और प्रवासी शेष, ग्राहक शेष, विवादित मामलों सहित विधिक मामले, निवेश के चलते पूर्व के वर्षों में किए गए प्रावधानों के चलते 65.96 करोड़ रूपये की राशि का पश्च लेखन किया था।
3	क्या तृतीय पक्षों के पास पड़े माल एवं सरकार अथवा अन्य प्राधिकरणों से उपहार/ अनुदान के रूप में प्राप्त परिसंपत्तियां के लिए कोई उचित अभिलेख रखा गया है।	कंपनी की भारत में कोई माल–सूची नहीं है। हमें दी गई जानकारी के अनुसार भारत से बाहर गैर–प्रचालित/ प्रचालित परियोजनाओं/ संयुक्त प्रचालनों के संबंध में तृतीय पक्ष के पास पड़ी हुई माल–सूचियों का उचित रख–रखाव संघ और/ अथवा प्रचालक द्वारा संघ भागीदारों द्वारा किया जाता है। प्रबंधन द्वारा सूचित किए गए अनुसार कंपनी द्वारा सरकार या अन्य प्राधिकारियों से उपहार के रूप में कोई परिसंपत्ति प्राप्त नहीं की गई है।	कंपनी ने तृतीय पक्षों के पास पड़ी हुई माल–सूचियों के संबंध में पर्याप्त रिकार्डों का अनुरक्षण किया है। कंपनी द्वारा सरकार या अन्य प्राधिकारियों से उपहार के रूप में कोई परिसंपत्ति प्राप्त नहीं की गई है।	कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं	प्रबंधन द्वारा मुहैया करवाई गई सूचना तथा स्पष्टीकरण के अनुसार, तृतीय पक्षों के पास कोई मालसूची नहीं पड़ी हुई है। इसके अतिरिक्त, कंपनी को वर्ष के दौरान सरकार या अन्य प्राधिकारियों से कोई उपहार/ अनुदान प्राप्त नहीं हुए हैं।	तृतीय पक्षों के पास पड़ी हुई माल–सूचियों के संबंध में पर्याप्त रिकार्डों का अनुरक्षण किया गया है। कंपनी को वर्ष के दौरान सरकार या अन्य प्राधिकारियों से उपहार के रूप में कोई परिसंपत्ति प्राप्त नहीं हुई है।

**एकल वित्तीय विवरणों के अनुसार '*

ग.1 कंपनी के पास फ्री–होल्ड तथा पट्टाधारी भूमि के संबंध में स्पष्ट स्वामित्व/पट्टा विलेख है सिवाय निम्नलिखित के :

विवरण	निम्नलिखित के अंतर्गत समूहबद्ध	क्षेत्रफल (एकड़ में)	राशि (₹ मिलियन में)
पट्टे वाली भूमि	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	30.97	36.56
पट्टे वाली भूमि	प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य	236.52	717.31

केआईएडीबी को 1050 एकड़ हेतु 6946.81 मिलियन रूपये की राशि हेतु दिए गए अग्रिम के अतिरिक्त जिसके लिए समझौते अभी निष्पादित किए जाने हैं।

ग.2 पीएमएचबीएल – स्वामित्व/पट्टा विलेख के ब्यौरे

स्थल	धारिता का सीमा	टिप्पणियां
फ्रीहोल्ड भूमि		
नेरिया स्टेशन रोड, नेरिया, बेलटांग्डी, तालुका	4.85 एकड़ और 2.9 एकड़	केआईएडीबी के साथ पट्टा कम बिक्री समझौते को निष्पादित किया गया है। पट्टा अवधि समाप्त हो गई और पूर्ण विक्रय अभिलेख अभी निष्पादित नहीं किया गया है।
हसन–केआईएडीबी में 66 केवी ट्रांसमिशन लाइन	2.03 एकड़	
पट्टे वाली भूमि		
मंगलौर	18.07 एकड़	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड के साथ पट्टा विलेख को अभी निष्पादित किया जाना है। दिनांक 17.3.2003 की बैठक के कार्यवृत्त पर आधारित पट्टा किराए का भुगतान किया गया है।
हसन	16.69 एकड़	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड के साथ पट्टा विलेख को अभी निष्पादित किया जाना है। दिनांक 17.3.2003 की बैठक के कार्यवृत्त पर आधारित पट्टा किराए का भुगतान किया गया है।
देवेनगोंथी	14.30 एकड़	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड के साथ पट्टा विलेख को अभी निष्पादित किया जाना है। दिनांक 17.3.2003 की बैठक के कार्यवृत्त पर आधारित पट्टा किराए का भुगतान किया गया है।

कुछ अन्य भूमियों के मामले में आवंटन मूल्य के भुगतान के पश्चात केआईएडीबी को भूमि का कब्जा दिया गया है तथा कब्जा प्रमाण–पत्र जारी किए गए हैं। भूमि अधिग्रहण प्रतिक्रिया में पट्टा–सह बिक्री विलेख किया जाना शामिल होता है और पट्टा अवधि की समाप्ति के पश्चात पूर्ण बिक्री विलेख किया जाना होता है। भूमि के प्रति अदा की गई राशि को पूंजीगत अग्रिम के रूप में दर्शाया गया है और इसे अभी पूंजीकृत किया जाना शेष है।

ग.3 : एचपीसीएल – स्वामित्व/पट्टा विलेख का ब्यौरा

विवरण	मामलों की संख्या	एकड़	टिप्पणी
पट्टे वाली भूमि	3	0.75	स्वामित्व विलेख प्रमाणीकरण हेतु उपलब्ध नहीं है।
पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	1	0.31	पट्टा विलेख प्रमाणीकरण हेतु उपलब्ध नहीं है।
कुल	4		

इंड एएस समेकित वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक–क

(समसंख्यक तिथि की हमारी रिपोर्ट के 'अन्य कानूनी और विनियामक अपेक्षाएं संबंधी रिपोर्ट' खंड के तहत पैराग्राफ 7(ii)(च) में उल्लिखित)

कंपनी अधिनियम, 2013 (''अधिनियम'') की धारा 143 की उप धारा 3 के खंड (i) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों से संबंधित रिपोर्ट

31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार और उस तिथि को समाप्त वर्ष में कंपनी के समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संयोजन में हमने **ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड** (तत्पश्चात् ''धारक कंपनी'' कहा गया है) और उक्त तिथि को इसकी अनुषंगी कंपनियों, सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यम, जो भारत में अधिनिगमित हैं, की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की संपरीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों से संबंधित प्रबंधन का उत्तरदायित्व

धारक कंपनी, इसकी अनुषंगी कंपनियां और संयुक्त उद्यम, जो भारत में अधिनिगमित कंपनियां हैं, के संबंधित निदेशक मंडल भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की संपरीक्षा की मार्गदर्शी लेख में वर्णित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण मानदंडों पर आधारित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए उत्तरदायी हैं। इन जिम्मेदारियों में यथेष्ट आंतरिक नियंत्रण की डिजाइन, क्रियान्वयन और साधारण शामिल है जो अधिनियम के तहत यथा अपेक्षित संबंधित कंपनियों की नीतियों का अनुशीलन, इसकी परिसंपत्तियों का संरक्षण, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और संसूचन, लेखांकन अभिलेखों की सटीकता और संपूर्णता और विश्वसनीय वित्तीय सूचना का समयबद्ध प्रस्तुति सहित इसके कारोबार के सुनियोजित और कुशल संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से परिचालित किए जा रहे थे।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारी जिम्मेदारी अपनी लेखापरीक्षा पर आधारित वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर अपनी राय व्यक्त करना है। हमने अपनी लेखापरीक्षा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी किए गए आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर लागू होने की सीमा तक अधिनियम की धारा 143 (10) के अंतर्गत यथाविनिर्दिष्ट लेखापरीक्षा करने पर जारी किए गए मानकों और वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों ("मार्गदर्शी टिप्पणी"), दोनों आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर लागू होते है और दोनों को भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किया गया है, की लेखापरीक्षा उस पर मार्गदर्शी टिप्पणी के अनुसार की है। इन मानकों और मार्गदर्शी टिप्पणी में यह अपेक्षा की गई है कि हम नैतिकतापूर्ण शर्तों का पालन करें और इस संबंध में तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाएं तथा लेखापरीक्षा करें कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित किए गए थे और उन्हें बनाए रखा गया था और क्या ये नियंत्रण हर प्रकार से सारवान तरीके से प्रभावी ढंग से प्रचालन में लाए गए थे।

हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली तथा प्रचालन संबंधी प्रभावीपन की पर्याप्तता के बारे में लेखापरीक्षा के साक्ष्य प्राप्त करने के लिए कार्य–निष्पादन संबंधी प्रक्रियाएं शामिल हैं। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण ों की हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझबूझ प्राप्त करना, इस जोखिम का मूल्यांकन करना कि सारवान कमजोरी मौजूद है और मूल्यांकन किए गए जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन और प्रचालन संबंधी प्रभावीपन का परीक्षण तथा मूल्यांकन करना शामिल था। चुनी गई प्रक्रियाएं, इंड एएस वित्तीय विवरणों के सारवान मिथ्या कथन, चाहे वह कपट के कारण हो या त्रुटि के कारण के जाखिमों के मूल्यांकन सहित लेखापरीक्षकों के निर्णय पर निर्भर है।

हमारा विश्वास है कि हमने जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किया है, और नीचे अन्य मामले पैराग्राफ में संदर्भित अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा प्राप्त लेखा साक्ष्य, वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी लेखापरीक्षा संबंधी राय का आधार उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त और समुचित है।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अर्थ

वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी का आंतरिक नियंत्रण, आमतौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाह्य उद्देश्यों के लिए समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण तैयार करने और वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के संबंध में तर्कसंगत आश्वासन उपलब्ध कराने के लिए तैयार की गई एक प्रक्रिया है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं, जो (1) रिकार्ड के रखरखाव से संबंधित हैं, जो तर्कसंगत ब्योरों में कंपनी की परिसंपत्तियों की स्थिति और लेन–देनों को उचित ढंग से दर्शाते हैं; (2) यह तर्कसंगत आश्वासन उपलब्ध कराते हैं कि लेन–देन उस प्रकार दर्ज किए गए हैं, जो आमतौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार करने की अनुमति के लिए आवश्यक थे, और कि कंपनी की प्राप्तियां और व्यय, कंपनी के निदेशकों और प्रबंधन के प्राधिकृत किए जाने के अनुसार ही किए जा रहे हैं; और (3) कंपनी की परिसंपत्तियों की रोकथाम या अधिग्रहण, इस्तेमाल या स्थिति का समय से पता लगाने के संबंध में तर्कसंगत आश्वासन उपलब्ध कराते हैं, जिनका समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों पर सारवान प्रभाव पड़ सकता था।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाएं

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण मिलीभगत या अनुचित प्रबंधन की संभावना, नियंत्रणों का आविर्भाव, त्रुटि या कपट के कारण सारवान

मिथ्या कथन सहित संभवतः पता लगाया जा सकता है या नहीं भी लगाया जा सकता। इसके अलावा, भावी अवधियों से संबंधित वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी मूल्यांकन के पूर्वानुमान इस जोखिम की शर्त के अधीन हैं कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थितियों में परिवर्तनों के कारण अपर्याप्त हो सकते हैं या कि नीतियों अथवा प्रक्रियाओं के अनुपालन की मात्रा गिर सकती है।

मत

हमारी राय में धारक कंपनी, इसकी अनुषंगी कंपनियां और संयुक्त उद्यम, जो भारत में अधिनिगमित हैं, के पास वित्तीय रिपोर्टिंग पर हर प्रकार से एक पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और वित्तीय रिपोर्टिंग ये आंतरिक वित्तीय नियंत्रण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शी टिप्पणी में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रणों के अनिवार्य संघटकों पर विचार करते हुए, कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग के मापदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर 31 मार्च, 2018 को यथास्थिति, प्रभावी ढंग से प्रचालनरत थे।

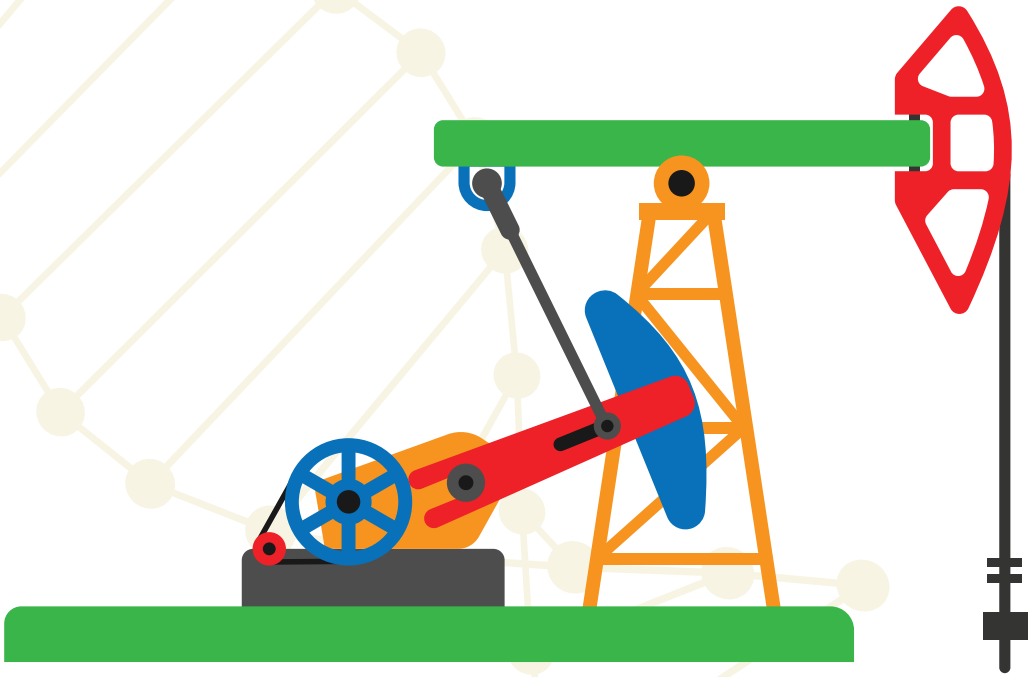
अन्य मामले

इस अधिनियम की धारा 143 (3) (प) के तहत वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और प्रचालनात्मक कार्यसाधकता पर हमारी रिपोर्ट जहॉ तक इसका संबंध 4 अनुषंगी कंपनियों, 1 सहयोगी कंपनी और 4 संयुक्त उद्यमों से हैं, भारत में अधिनिगमित इस प्रकार की कंपनियों, पर यथा लागू, लेखा परीक्षकों की संगत पृथक/समेकित रिपोर्टों पर आधारित हैं।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और प्रचालनशील प्रभावोत्पादकता पर अधिनियम की धारा 143(3) के अंतर्गत हमारी उक्त रिपोर्टों में एक सहयोगी कंपनी और एक संयुक्त उद्यम के संबंध में जानकारी शामिल नहीं है, जो भारत में अधिनिगमित कंपनियां है तथा जिनकी लेखापरीक्षा रिपोर्ट उपलब्ध नहीं है। हमारे मतानुसार और प्रबंधन द्वारा हमें दी गई जानकारी तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, ये वित्तीय जानकारी समूह के लिए भौतिक नहीं है।

इन मामलों के संबंध में हमारा मत संशोधित नहीं है।

कंपनी के लेखापरीक्षकों द्वारा नई दिल्ली में पृष्ठ सं. 338 के अनुसार हस्ताक्षरित और दिनांकित



31 मार्च, 2018 के अनुसार समेकित तुलन–पत्र

(₹ मिलियन में)

	विवरण	टिप्पणी	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(1)	**गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां**			
(I)	**(क) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण**			
	(1) तेल और गैर परिसंपत्तियां	6	1,430,877.68	1,296,151.60
	(2) अन्य संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	7	681,340.56	667,449.12
	(ख) चालू पूंजीगत कार्य	8		
	(1) तेल और गैस परिसंपत्तियां			
	(क) प्रगतिधीन विकास कुएं		26,519.03	40,286.78
	(ख) प्रगतिधीन तेल और गैस सुविधाएं		118,891.88	114,723.70
	(2) अन्य		68,402.53	58,722.37
	(ग) साख (समेकन पर साख सहित)	9	142,025.46	141,903.66
	(घ) निवेश संपत्ति	10	78.74	0.79
	(ङ) अन्य अमूर्त परिसपंत्तियां	11	6,254.38	5,749.11
	(च) विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	12		
	(1) प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं		242,627.21	227,254.71
	(2) अधिग्रहण लागत		158,678.05	149,437.22
	(छ) वित्तीय परिसंपत्तियां			
	(1) निम्नलिखित में निवेश :	13		
	(क) संयुक्त उद्यम और सहयोगी कंपनी		322,687.35	304,195.15
	(ख) अन्य निवेश		300,664.62	315,830.86
	(2) प्राप्य व्यापार	14	16,564.13	13,630.08
	(3) ऋण	15	18,239.60	21,545.86
	(4) स्थल पुनरूद्धार निधि के अंतर्गत जमा	16	160,639.59	145,942.72
	(5) अन्य	18	11,602.59	9,391.84
	(ज) विलंबित कर परिसंपत्तियां (निवल)	31	16,989.89	15,458.12
	(झ) गैर–वर्तमान कर परिसंपत्तियां (निवल)	34	108,313.73	98,720.28
	(ञ) अन्य गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	19	40,583.51	35,356.51
	कुल गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां		**3,871,980.53**	**3,661,750.48**
(2)	**वर्तमान परिसंपत्तियां**			
	(क) मालसूची	20	305,630.44	298,817.31
	(ख) वित्तीय परिसंपत्तियां			
	(1) निवेश	21	49,993.82	87,430.68
	(2) व्यापार प्राप्य	14	138,991.67	125,471.21
	(3) नकदी और नकदी तुल्य	22	25,120.88	18,150.17
	(4) अन्य बैंक शेष	23	25,662.83	113,976.20
	(5) ऋण	15	9,911.35	9,927.09
	(6) प्राप्य वित्त पट्टे	17	-	-
	(7) अन्य	18	147,651.07	110,016.30
	(ग) वर्तमान कर परिसंपत्तियां (निवल)	34	283.88	-
	(घ) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां	19	27,045.69	28,275.73
			730,291.63	**792,064.69**
	बिक्री हेतु रोकी गई परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत	24	76.89	159.61
	कुल वर्तमान परिसंपत्तियां		**730,368.52**	**792,224.30**
	कुल परिसंपत्तियां		**4,602,349.05**	**4,453,974.78**
(II)	**इक्विटी तथा देयताएं**			
(1)	इक्विटी			
	(क) इक्विटी शेयर पूंजी	25	64,166.32	64,166.32
	(ख) अन्य इक्विटी	26	1,976,022.72	1,879,685.92
	कंपनी के स्वामियों को आरोप्य इक्विटी		**2,040,189.04**	**1,943,852.24**
	गैर–नियंत्रक हित	27	156,059.97	132,919.64
	कुल इक्विटी		**2,196,249.01**	**2,076,771.88**
(2)	**देयताएं**			
	गैर–वर्तमान देयताएं			
	(क) वित्तीय देयताएं			
	(1) ऋण	28	550,248.98	527,723.45
	(2) अन्य	29	7,310.02	2,321.15
	(ख) प्रावधान	30	252,001.50	231,146.30
	(ग) विलंबित कर देयताएं (निवल)	31	415,059.44	367,629.79
	(घ) अन्य गैर–वर्तमान देयताएं	32	11,808.09	8,089.30
	कुल गैर–वर्तमान देयताएं		**1,236,428.03**	**1,136,909.99**

31 मार्च, 2018 के अनुसार समेकित तुलन–पत्र

(₹ मिलियन में)

	विवरण	टिप्पणी	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
	वर्तमान देयताएं			
	(क) वित्तीय देयताएं			
	(1) ऋण	28	462,211.54	216,274.39
	(2) देय व्यापार	33	265,506.87	240,137.87
	(3) अन्य	29	322,356.43	661,556.85
	(ख) अन्य वर्तमान देयताएं	32	66,673.48	63,861.63
	(ग) प्रावधान	30	43,439.63	49,511.98
	(घ) वर्तमान कर देयताएं (निवल)	34	9,484.06	8,950.19
	कुल वर्तमान देयताएं		**1,169,672.01**	**1,240,292.91**
	कुल देयताएं		**2,406,100.04**	**2,377,202.90**
	कुल इक्विटी और देयताएं		**4,602,349.05**	**4,453,974.78**

समेकित वित्तीय विवरण से संलग्न टिप्पणियां – 1 से 61

कृते एवं बोर्ड की ओर से

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(एम ई वी सेल्वम)	(सुभाष कुमार)	(शशि शंकर)
कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
	(डीआईएन : 07905656)	(डीआईएन: 06447938)

हमारी सम दिनांकित संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते पी.के.एफ. श्रीधर एंड संथानम	कृते लोढ़ा एंड कंपनी	कृते खंडेलवाल जैन एंड कंपनी
एलएलपी	सनदी लेखाकार	सनदी लेखाकार
सनदी लेखाकार	फर्म पंजीकरण स. 301051ई	फर्म पंजीकरण सं. 105049डब्ल्यू
फर्म पंजीकरण सं. 003990एस/ एस200018		
हस्ता/–	हस्ता/–	हस्ता/–
(एस नरसिम्हन)	(प्रशांत खंडेलवाल)	(नरेंद्र जैन)
साझेदार (सदस्यता सं. 206047)	साझेदार (सदस्यता सं. 056652)	साझेदार (सदस्यता सं. 048725)
कृते दास गुप्ता एंड एसोसिएट्स	कृते के.सी. मेहता एंड कंपनी	एम.के.पी.एस एण्ड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार	सनदी लेखाकार	सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 000112एन	फर्म पंजीकरण सं. 106237डब्ल्यू	फर्म पंजीकरण सं. 302014ई
हस्ता/–	हस्ता/–	हस्ता/–
(राजा जिंदल)	(विशाल पी. दोशी)	(निखिल कुमार अग्रवाल)
साझेदार (सदस्यता सं. 504111)	साझेदार (सदस्यता सं. 0101533)	साझेदार (सदस्यता सं. 157955)

नई दिल्ली
30.05.2018

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु समेकित लाभ एवं हानि विवरण

(राशियां मिलियन ₹ में जब तक कि अन्यथा बताया न गया हो)

	विवरण	टिप्पणी	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
I	प्रचालनों से राजस्व	35	3,622,461.83	3,256,662.21
II	अन्य आय	36	74,681.54	93,231.74
III	**कुल आय (I+II)**		**3,697,143.37**	**3,349,893.95**
IV	**व्यय**			
	व्यापाररत स्टॉक की खरीद		1,216,893.99	1,041,982.65
	तैयार वस्तुओं, व्यापाररत स्टॉक और प्रगतिधीन कार्य की मालसूची में परिवर्तन	37	(81.65)	(47,846.87)
	उत्पादन, परिवहन, बिक्री और वितरण व्यय	38	1,747,299.42	1,678,941.51
	अपलिखित अन्वेषण लागते			
	(क) सर्वेक्षण लागतें		15,968.02	19,019.31
	(ख) अन्वेषण कुआं लागतें		58,652.40	33,176.24
	वित्त–पोषण लागतें	39	49,990.43	35,911.08
	मूल्यह्रास, क्षय, परिशोधन और क्षति	40	230,885.35	2,02,192.01
	अन्य क्षति और अपलेखन	41	15,072.95	3,352.64
	कुल व्यय (IV)		**3,334,680.91**	**2,966,728.57**
V	**असाधारण मदों तथा कर से पूर्व लाभ (III-IV)**		**362,462.46**	**383,165.38**
VI	असाधारण मदें	42	2,481.22	5,910.13
VII	एसोसिएट के लाभ का अंश		27,250.25	20,452.92
VIII	संयुक्त उद्यम के लाभ का अंश		(118.91)	7,646.98
IX	**कर पूर्व लाभ (V+VI+VII+VII)**		**392,075.02**	**417,175.41**
X	**कर व्यय**	43		
	(क) वर्तमान कर		104,765.69	88,083.23
	(ख) पूर्व वर्ष		(5,574.57)	(5,986.42)
	(ग) विलंबित कर		32,204.04	43,387.41
	विलंबित कर व्यय (X)		**131,395.16**	**125,484.22**
XI	**वर्ष हेतु लाभ (IX-X)**		**260,679.86**	**291,691.19**
XII	**अन्य व्यापक आय**			
	क. (i) मदें जिन्हें लाभ या हानि के रूप में पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
	(क) निर्धारित लाभ योजनाओं का पुनः मापन		(426.01)	(4,903.83)
	– विलंबित कर		175.96	1,697.27
	(ख) अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी लिखत		(17,829.25)	137,914.82
	– विलंबित कर		(13,313.50)	-
	(ग) सहयोगी कंपनी तथा संयुक्त उद्यमों में अन्य व्यापक आय का अंश, लाभ अथवा हानि को पुनः वर्गीकृत न किए जाने की सीमा तक		2.42	(5.93)
	– विलंबित कर		(0.51)	(0.46)
	(घ) पूंजीगत आरक्षिति के रूप में मान्यता प्रदान किया गया लाभ या मोल–भाव खरीद		-	-
	ख (i) मदें जिन्हें लाभ या हानि के रूप में पुनः वर्गीकृत किया जाएगा			
	विदेशी प्रचालन के वित्तीय विवरण को परिवर्तित करने में विनिमय अंतर		(687.26)	3,359.49
	– विलंबित कर		350.23	(991.37)
	कुल अन्य व्यापक आय (XII)		**(31,727.92)**	**137,069.99**
XIII	**वर्ष हेतु कुल व्यापक आय (XI+XII)**		**228,951.94**	**428,761.18**
	निम्न को आरोप्य वर्ष हेतु लाभ :			
	– कंपनी के स्वामी		221,059.28	244,192.50
	– गैर–नियंत्रक हित		39,620.58	47,498.69
			260,679.86	291,691.19

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु समेकित लाभ एवं हानि विवरण

(राशियां मिलियन ₹ में जब तक कि अन्यथा बताया न गया हो)

	विवरण	टिप्पणी	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
	वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय :			
	– कंपनी के स्वामी		(31,913.61)	136,282.51
	– गैर–नियंत्रक हित		185.69	787.48
			(31,727.92)	137,069.99
	वर्ष हेतु कुल व्यापक आय :			
	– कंपनी के स्वामी		189,145.67	380,475.01
	– गैर–नियंत्रक हित		39,806.27	48,286.17
			228,951.94	428,761.18
	प्रति इक्विटी शेयर अर्जन :	44		
	(क) आधारभूत (₹) (पुनः बताया गया)		17.23	19.03
	(ख) तनुकृत (₹) (पुनः बताया गया)		17.23	19.03

समेकित वित्तीय विवरण में संलग्न टिप्पणियां – 1 से 61

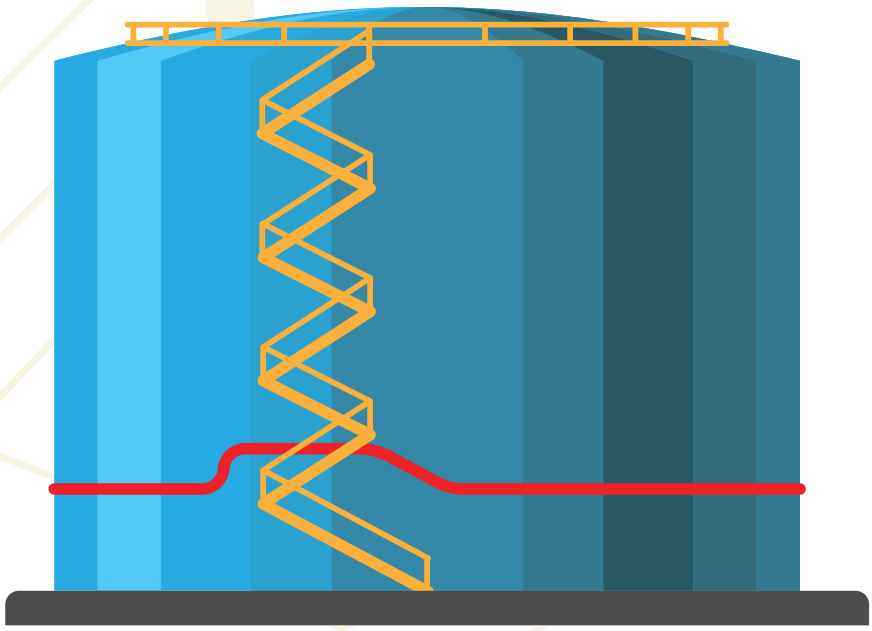
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त), कंपनी सचिव और कंपनी के लेखापरीक्षकों द्वारा नई दिल्ली में पृष्ठ सं. 345 के अनुसार हस्ताक्षरित तथा दिनांकित।

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण

(i) इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ मिलियन में)

विवरण	राशि
31 मार्च, 2016 को शेष	**42,777.60**
वर्ष के दौरान परिवर्तन – बोनस शेयर जारी करना (टिप्पणी सं. 25.3 देखें)	21,388.72
31 मार्च, 2017 को शेष	**64,166.32**
वर्ष के दौरान परिवर्तन	-
31 मार्च, 2018 को शेष	**64,166.32**



31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण

(i) अन्य इक्विटी

(₹ मिलियन में)

	आरक्षित और अधिशेष													
विवरण	पूंजीगत आरक्षित	अन्य पूंजीगत आरक्षित – समान नियंत्रण	पूंजी मोचन आरक्षित	शेयर प्रीमियम	डिबेंचर मोचन आरक्षित	सामान्य आरक्षित	विधिक आरक्षित	विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद परिवर्तन अंतर लेखा	प्रतिधारित आय	विदेशी प्रचालनों के वित्तीय विवरणों के परिवर्तन पर विनिमय हानि	अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी लिखत	मूल कंपनी के स्वामियों को आरोप्य	गैर– नियंत्रक हित (एनसीआई)	कुल
1 अप्रैल, 2016 को शेष (पूर्व में यथासूचित किए अनुसार)	**618.89**	-	**91.86**	-	**58,714.29**	**1,500,421.33**	**39,016.19**	-	**100,417.58**	**125,542.92**	**110,535.78**	**1,935,358.82**	**26,518.09**	**1,961,876.91**
समान नियंत्रण व्यापार संयोजन हेतु ब्याज लेखांकन की पूलिंग (देखें टिप्पणी 26.5)	**2.26**	**(365,759.85)**	**7.96**	**5,896.94**	**1,355.06**	**9,502.22**	-	**(995.64)**	**66,739.87**	**(1.94)**	**(728.31)**	**(283,981.41)**	**81,469.23**	**(202,512.18)**
लेखांकन नीतियों हेतु समायोजन		-							(713.75)			**(713.75)**	(682.75)	**(1,396.50)**
अंतर समूह कंपनी धारिता के कारण समायोजन		-							(10,199.20)			**(10,199.20)**		**(10,199.20)**
एचपीसीएल के अधिग्रहण के कारण गैर–नियंत्रक हितों का समायोजन									7,137.50			**7,137.50**	(4,675.68)	**2,461.83**
अन्य समायोजन									(439.62)	28.73		**(410.89)**		**(410.89)**
1 अप्रैल, 2016 को शेष पुनः बताए गए अनुसार	**621.15**	**(365,759.85)**	**99.82**	**5,896.94**	**60,069.35**	**1,509,923.55**	**39,016.19**	**(995.64)**	**162,942.38**	**125,569.71**	**109,807.47**	**1,647,191.07**	**102,628.89**	**1,749,819.96**
वर्ष हेतु लाभ / (हानि)	-	-	-	-	-	-	-		244,192.50	-	-	244,192.50	47,498.69	291,691.19
निर्धारित लाभ योजनाओं का पुनः मापन (कर का निवल)	-	-	-	-	-	-	-		(3,121.15)	-	-	(3,121.15)	-	(3,121.15)
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय (कर का निवल)	-	-	-	-	-	-	-			2,347.41	137,056.25	139,403.66	787.48	140,191.14
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	-	-	-	-	-	-	-	-	**241,071.35**	**2,347.41**	**137,056.25**	**380,475.01**	**48,286.17**	**428,761.18**
संयुक्त उद्यमों तथा एसोसिएट में निवेश	-	-	-	-	-	-	-		(61.65)	-	-	**(61.65)**	-	**(61.65)**
अंतरण / वर्धन (निवल)	-	-	-	-	-	-	-	993.39	-	-	-	**993.39**	-	**993.39**
अंतर समूह कंपनी धारिता के कारण समायोजन									2,834.15			**2,834.15**		**2,834.15**
लाभांश का भुगतान	-	-	-	-	-	-	-		(112,954.41)	-	-	**(112,954.41)**	(17,002.48)	**(129,956.89)**
लाभांश पर कर	-	-	-	-	-	-	-		(22,971.98)	-	-	**(22,971.98)**	(3,461.31)	**(26,433.29)**
सामान्य आरक्षिति से / को अंतरण	-	-	-	-	-	64,690.79	-		(64,690.79)	-	-	-	-	-
विधिक आरक्षिति से / को अंतरण	-	-	-	-	-	-	581.13		(581.13)	-	-	-	-	-
डीआरआर से / को अंतरण	-	-	-	-	20,460.91	(2,978.96)	-		(17,481.95)	-	-	-	-	-
अन्य समायोजन		-		-	-	(92.39)	-	-	(70.93)	5,706.68	-	**5,543.36**	816.68	**6,360.04**
एचपीसीएल द्वारा बोनस शेयर हेतु अधिग्रहण पूर्व समायोजन		6,772.57		(3,461.46)		(21,388.72)	-		(3,311.11)	-	-	**(21,388.72)**		**(21,388.72)**
अधिग्रहण / निपटान के कारण एनसीआई में परिवर्तन	25.70	-	-	-	-	-	-		-	-	-	**25.70**	1,651.69	**1,677.39**
31 मार्च, 2017 को शेष	**646.85**	**(358,987.28)**	**99.82**	**2,435.48**	**80,530.26**	**1,550,154.27**	**39,597.32**	**(2.25)**	**184,723.93**	**133,623.80**	**246,863.72**	**1,879,685.92**	**132,919.64**	**2,012,605.56**
वर्ष हेतु लाभ	-	-	-	-	-	-	-	-	221,059.28	-	-	**221,059.28**	39,620.58	**260,679.86**
निर्धारित लाभ योजनाओं का पुनः मापन (कर का निवल)	-	-	-	-	-	-	-	-	(533.71)	-	-	(533.71)		**(533.71)**
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय (कर का निवल)	-	-	-	-	-	-	-	-		(329.49)	(31,050.41)	(31,379.89)	185.69	**(31,194.21)**

	आरक्षित और अधिशेष														
विवरण	पूंजीगत आरक्षित	अन्य पूंजीगत आरक्षित – समान नियंत्रण	पूंजी मोचन आरक्षित	शेयर प्रीमियम	डिबेंचर मोचन आरक्षित	सामान्य आरक्षित	विधिक आरक्षित	विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद परिवर्तन अंतर लेखा	प्रतिधारित आय	विदेशी प्रचालनों के वित्तीय विवरणों के परिवर्तन पर विनिमय हानि	अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी लिखत	मूल कंपनी के स्वामियों को आरोप्य	गैर– नियंत्रक हित (एनसीआई)	कुल
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	-	-	-	-	-	-	-	-	**220,525.57**	**(329.49)**	**(31,050.41)**	**189,145.68**	**39,806.27**	**228,951.94**
संयुक्त उद्यमों तथा सहयोगी कंपनी में निवेश	-	-	-	-	-	-	-	-	(419.74)	-	-	**(419.74)**	-	**(419.74)**
अंतरण/ वर्धन (निवल)	-	-	-	-	-	(5.48)	-	(1.06)	-	-	-	**(6.54)**		**(6.54)**
अंतर समूह कंपनी धारिता के कारण समायोजन									2,988.60			2,988.60		2,988.60
लाभांश का भुगतान	-			-	-	-	-		(79,205.90)	-	-	**(79,205.90)**	(13,670.70)	**(92,876.60)**
लाभांश पर कर	-			-	-	-	(427.51)	-	(15,705.07)	-	-	**(16,132.58)**	(2,783.03)	**(18,915.61)**
सामान्य आरक्षिति से/को अंतरण	-			-	-	-	110,471.99	-	(110,471.99)	-	-	-	-	-
विधिक आरक्षिति से/को अंतरण	-			-	-	-	-	9,530.17	(9,530.17)	-	-	-	-	-
डीआरआर से/को अंतरण	-			-	-	(387.30)	-	-	387.30	-	-	-	-	-
एचपीसीएल द्वारा बोनस शेयर हेतु अधिग्रहण पूर्व समायोजन	-	5,079.38		-	(2,435.48)	-	(160.59)	-	(2,483.32)	-	-	-	-	-
अधिग्रहण/ निपटान के कारण एनसीआई में परिवर्तन	(32.71)			-	-	-	-	-	-	-	-	**(32.71)**	494.49	**461.78**
अन्य													(706.70)	**(706.70)**
31 मार्च, 2018 को शेष	**614.14**	**(353,907.90)**	**99.82**	-	**80,142.96**	**1,660,032.68**	**49,127.49**	**(3.31)**	**190,809.21**	**133,294.31**	**215,813.31**	**1,976,022.72**	**156,059.97**	**2,132,082.69**

आरक्षित की प्रकृति और प्रयोजन हेतु टिप्पणी 26 का संदर्भ लें।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त), कंपनी सचिव और कंपनी के लेखापरीक्षकों द्वारा नई दिल्ली में पृष्ठ सं. 345 के अनुसार हस्ताक्षरित तथा दिनांकित।

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु समेकित नकदी प्रवाह विवरण

(₹ मिलियन में)

	विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष		31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	
क.	**प्रचालन कार्यकलापों से नकदी प्रवाह**				
	वर्ष हेतु लाभ		**260,679.86**		**291,691.19**
	निम्नलिखित हेतु समायोजन :				
	– आय कर व्यय	131,395.16		125,484.22	
	– संयुक्त उद्यमों के लाभ का अंश	(27,131.34)		(28,099.90)	
	– असाधारण मदें	(2,481.22)		(5,910.13)	
	– मूल्यह्रास, क्षय, परिशोधन और क्षति	230,885.35		202,192.01	
	– अपलिखित अन्वेषणात्मक कुआं लागत	58,652.40		33,176.24	
	– वित्त लागत	49,990.43		35,911.08	
	– वसूल न की गई विदेशी मुद्रा हानि/(लाभ)	3,316.26		(3,659.68)	
	– अन्य क्षति और अपलेखन	16,092.03		3,617.85	
	– अपलिखित अधिक प्रावधान	(4,333.13)		(22,299.62)	
	बंद किए जाने हेतु प्रावधान	59.11		(76.61)	
	– अपलिखित अन्य गैर नकदी व्यय	(25,403.26)		(28,974.98)	
	– ब्याज आय	951.34		(1,146.52)	
	– उचित मूल्य हानि (निवल)	21.34		24.83	
	– प्रचालन पट्टे, पुरानी भूमि तथा अन्य का परिशोधन	(2,149.44)		(1,794.48)	
	– पश्च लेखित की आवश्यकता न होने वाली देयताएं	(209.64)		(46.55)	
	– सरकारी अनुदान का परिशोधन	602.40		(2.94)	
	– निवेश की बिक्री पर हानि/(लाभ)	295.27		(325.26)	
	– संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की बिक्री पर हानि/(लाभ)	(17,449.94)		(17,822.14)	
	– लाभांश आय	(824.54)		(4,712.11)	
	– निर्धारित लाभ योजनाओं का पुनः मापन	-	**412,278.57**	3,543.80	**289,079.11**
	कार्यशील पूंजी परिवर्तनों से पूर्व प्रचालनशील लाभ		**672,958.43**		**580,770.30**
	निम्नलिखित हेतु समायोजन :				
	– प्राप्य	(14,340.30)		(21,284.03)	
	– ऋण और अग्रिम	(19,529.16)		1,229.49	
	– अन्य परिसंपत्तियां	(8,198.56)		121,404.55	
	– मालसूची	(7,421.18)		(65,937.85)	
	– देय लाभ और अन्य देयताएं	59,495.83	**10,006.63**	(62,141.48)	**(26,729.32)**
	प्रचालनों से उत्पन्न नकदी		**682,965.05**		**554,040.97**
	अदा किए गए प्रत्यक्ष कर (कर प्रतिदाय का निवल)		**(100,039.07)**		**(96,236.22)**
	प्रचालन कार्यकलापों से उत्पन्न निवल नकदी 'क'		**582,925.99**		**457,804.76**
ख.	**निवेश कार्यकलापों से नकदी प्रवाह**				
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण हेतु भुगतान		(292,494.18)		(205,240.29)
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के निपटान से प्राप्तियां		401.96		1,886.06
	अन्वेषणात्मक और विकासात्मक वेधन		(156,386.52)		(158,047.92)
	3 से 12 माह की परिपक्वता वाले सावधि जमा में निवेश		70,799.14		4,410.85
	वर्तमान निवेश की बिक्री प्राप्तियां		13,752.60		1,368.40
	म्यूचुअल फंडों में निवेश		36,343.39		(6,307.97)
	संयुक्त नियंत्रित निकायों तथा एसोसिएट में निवेश		(7,764.85)		(124,821.06)

	विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
	एचपीसीएल के अधिग्रहण के प्रति अदा किया गया प्रतिफल (देखें टिप्पणी 1)	(369,150.00)	-
	संयुक्त नियंत्रित निकायों तथा एसोसिएट में निवेश की बिक्री	-	33.16
	निवेश – अन्य	(9.98)	-
	स्थल पुनरूद्धार निधि में जमा	(14,695.26)	(15,119.35)
	एसोसिएट तथा संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभांश	27,329.40	1,410.30
	अन्य निवेशों से प्राप्त लाभांश	15,748.57	17,226.46
	प्राप्त ब्याज	25,775.37	28,072.24
	गैर वर्तमान परिसंपत्तियों/देयताओं तथा प्रावधानों में परिवर्तन	(14,863.35)	4,568.67
	निवेश कार्यकलापों (में प्रयुक्त)/उत्पन्न निवल नकदी 'ख'	**(665,213.71)**	**(450,560.45)**
ग.	**वित्त–पोषण कार्यकलापों से नकदी प्रवाह**		
	अल्पावधि ऋण से प्राप्तियां/ (चुकौती)	235,290.67	142,109.77
	इक्विटी में परिवर्तन	(2,282.93)	24,981.16
	दीर्घावधि ऋण से प्राप्तियां	10,588.24	17,803.05
	पूंजीगत अनुदान	-	21.70
	इक्विटी शेयरों पर अदा किया गया लाभांश	(90,776.08)	(153,501.28)
	लाभांश पर अदा किया गया कर	(39,440.24)	(19,353.50)
	अदा किया गया ब्याज	(33,967.77)	(21,264.50)
	अन्य गैर–वर्तमान वित्तीय देयता का भुगतान	2,270.91	(9,466.89)
	वित्त–पोषण कार्यकलापों में प्रयुक्त निवल नकदी 'ग'	**81,682.80**	**(18,670.49)**
	नकदी और नकदी तुल्य में निवल वृद्धि/(कमी) (क+ख+ग)	**(604.93)**	**(11,426.19)**
	वर्ष के प्रारंभ में नकदी और नकदी तुल्य	**513.13**	**(475.59)**
	जोड़े : विदेशी मुद्रा में धारित नकदी और नकदी तुल्य के शेष पर विनिमय दर परिवर्तनों का प्रभाव	(361.90)	12,414.91
	वर्ष के अंत में नकदी और नकदी तुल्य	**(453.70)**	**513.13**

1. वर्ष के अंत में नकदी और नकदी तुल्य का ब्यौरा

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
बैंकों में शेष	8,438.93	4,428.23
हस्तगत नकदी	89.19	84.35
3 माह तक की मूल परिपक्वता के साथ बैंक जमा	16,592.76	13,637.59
	25,120.88	**18,150.17**
घटाएं : नकदी ऋण	25,574.58	17,637.04
वर्ष के अंत में नकदी और नकदी तुल्य	**(453.70)**	**513.13**

2. वित्त–पोषण क्रियाकलापों से उत्पन्न देयताओं का मिलान :

नीचे दी गई तालिका वित्त–पोषण क्रियाकलापों से उत्पन्न समूहों की देयताओं मं परिवर्तन को दर्शाती है जिसमें नकदी तथा गैर–नकदी दोनों परिवर्तन शामिल हैं। वित्त–पोषण क्रियाकलापों से उत्पन्न देयताएं वे हैं जिनके लिए नकदी प्रवाह अथवा भविष्य के नकदी प्रवाहों को समूह के नकदी प्रवाह विवरण में वित्त पोषण क्रियाकलापों से नकदी प्रवाह के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा।

(₹ मिलियन में)

क्रम सं.	विवरण	31 मार्च, 2017 के अनुसार	वित्त–पोषण नकदी प्रवाह	गैर–नकदी परिवर्तन	31 मार्च, 2018 के अनुसार
I	**ऋण – दीर्घावधि**				
1	बाहरी वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी)	53,731.46	(15,473.20)	337.80	38,596.06
2	तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) से ऋण	2,500.00	(1,750.00)	-	750.00
3	गैर–परिवर्तनीय डिबेंचर	24,991.90	-	3.89	24,995.79
4	विलंबित भुगतान देयताएं – वैट ऋण	-	485.53	(316.29)	169.24
5	ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी)	-	-	-	-
6	विलंबित भुगतान देयताएं – सीएसटी	1,145.17	(526.54)	-	618.63
7	विदेशी मुद्रा सावधि ऋण (एफसीटीएल)	-	2,570.16	37.04	2,607.20
8	दीर्घावधि ऋण	460,451.42	51,018.93	5,608.57	517,078.92
9	अन्य वित्तीय देयताएं (गैर–वर्तमान) – व्युत्पन्न देयताएं और प्रोदभूत ब्याज	1,425.74	-	(331.96)	1,093.78
10	अन्य वित्तीय देयताएं (गैर–वर्तमान) – प्रोदभूत ब्याज	2,685.42	-	231.31	2,916.73
11	अन्य वित्तीय देयताएं (गैर–वर्तमान) – व्युत्पन्न परिसंपत्तियां	-	-	(1,980.44)	(1,980.44)
	कुल	**546,931.11**	**36,324.88**	**3,589.92**	**586,845.91**
II	**ऋण – अल्पावधि**				
1	बैंकों से कार्यशील पूंजी ऋण	6,471.24	(4,183.37)	1.89	2,289.76
2	विदेशी मुद्रा गैर परिवर्तनीय ऋण (एफसीएनआर)	12,971.00	28,562.01	833.99	42,367.00
3	वाणिज्यिक पत्र	27,244.05	(27,244.05)	-	-
4	क्रेता ऋण और शिपमेंट पूर्व/पश्च निर्यात ऋण	-	14,216.64	122.96	14,339.60
5	अल्पावधि रूपए ऋण	-	3,620.00	-	3,620.00
6	अल्पावधि ऋण	169,407.87	(33,718.19)	7,983.46	143,673.14
7	अन्य वित्तीय देयताएं	41,770.59	(45,355.90)	18,923.41	15,338.10
8	विदेशी मुद्रा सावधि ऋण	-	82,691.46	1,704.25	84,395.71
9	रूपया सावधि ऋण	-	97,741.43	-	97,741.43
10	कार्यशील पूंजी ऋण	-	73,784.94	-	73,784.94
	कुल	**257,864.75**	**190,114.97**	**29,569.96**	**477,549.68**

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त), कंपनी सचिव और कंपनी के लेखापरीक्षकों द्वारा नई दिल्ली में पृष्ठ सं. 345 के अनुसार हस्ताक्षरित तथा दिनांकित।



31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु समेकित वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियाँ

1. कारपोरेट सूचना

ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड ("ओएनजीसी" अथवा "कंपनी") भारत में अधिवासित तथा अधिनिगमित एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी है जिसका पंजीकृत कार्यालय दीनदयाल उपाध्याय ऊर्जा भवन, 5, नेलसन मंडेला मार्ग, वसन्त कुंज, नई दिल्ली – 110070 है। कंपनी के शेयर भारत के स्टाक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं तथा उनका व्यापार किया जाता है। समेकित वित्तीय विवरण कंपनी, इसकी सहायक कंपनियां, संयुक्त उद्यम निकायों तथा एसोसिएटस से संबंधित है। समूह (जिसमें कंपनी तथा इसकी अनुषंगी कंपनियां शामिल हैं), संयुक्त उद्यम निकाय और एसोसिएट मुख्यतः भारत में खनिज तेल, प्राकृतिक गैस तथा मूल्य वर्धित उत्पादों के अन्वेषण, विकास तथा उत्पादन और विदेशों में अन्वेषण, विकास तथा उत्पादन के लिए तेल तथा गैस संचयनों की खरीद, डाउनस्ट्रीम (पेट्रोलियम उत्पादों की रिफाइनिंग तथा विपणन), विद्युत उत्पादन, एलएनजी आपूर्ति, पाइपलाइन परिवहन, एसईजेड विकास और हेलीकॉप्टर सेवाओं में नियोजित है।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड का अधिग्रहण

31 जनवरी, 2018 को कंपनी ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में भारत के राष्ट्रपति द्वारा धारित 51.11 प्रतिशत शेयरधारिता (₹10 प्रति शेयर के अंकित मूल्य वाले 778,845,375 इक्विटी शेयर) को ₹ 473.97 प्रति शेयर की दर से ₹ 369,150.00 मिलियन के कुल नकद मूल्य पर खरीदा है। अदा किए गए मूल्य (₹ 369,150 मिलियन) और अधिग्रहण की तिथि (अर्थात 31 जनवरी, 2018) को एचपीसीएल की निवल पहचान योग्य परिसंपत्तियों में 51.11 प्रतिशत के हित का मूल्य (₹ 138,777.86 मिलियन) के मध्य अंतर ₹ 230,372. 14 मिलियन होता है।

एचपीसीएल एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी है जो खनिज तेल की रिफाइनरी और पेट्रोलियम उत्पादों के विपणन के व्यापार मे नियोजित है।

एचपीसीएल के अधिग्रहण के परिणामस्वरूप पेट्रोनेट एचएचबी लिमिटेड को एक संयुक्त उद्यम से अनुषंगी कंपनी के रूप में पुनःवर्गीकृत किया गया है क्योंकि कंपनी के पास 32.72 प्रतिशत स्वामित्व हित है तथा इसकी अनुषंगी कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड 32.72 प्रतिशत स्वामित्व हित धारित किए हुए है।

इस अधिग्रहण का मूल्यांकन समान नियंत्रण वाले एक व्यापार संयोजन के रूप में किया गया है और इसे टिप्पणी 3.4 में वर्णित किए गए अनुसार ब्याज पद्धति की पूलिंग के आधार पर लेखांकित किया गया है। इंड एएस–1 "वित्तीय विवरणों का प्रस्तुतिकरण" के साथ पढ़े जाने वाले इंड एएस–103 "व्यापार संयोजन" के परिशिष्ट–ग के अनुपालन में 31 मार्च, 2017 के अनुसार समेकित तुलन–पत्र, 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु इक्विटी में परिवर्तन के समेकित विवरण, 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु समेकित लाभ एवं हानि विवरण और 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु समेकित नकदी प्रवाह विवरण को पुनः बताया गया है।

2. नए भारतीय लेखांकन मानकों (इंड एएस) को लागू करना

वित्तीय विवरणों के प्राधिकृत किए जाने तक कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के अंतर्गत जारी और कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियमावली, 2015 (यथा संशोधित) के अंतर्गत कारपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किए गए सभी भारतीय लेखांकन मानकों का इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने में उपयोग किया गया है।

2.1 मानक जारी किंतु अभी प्रभावी नहीं :

कारपोरेट कार्य मंत्रालय ने 28 मार्च, 2018 को कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक/इंड एएस) संशोधन नियम, 2018 अधिसूचित किए हैं। जिसके द्वारा वित्तीय वर्ष 2018–19 (अर्थात 1 अप्रैल, 2018 के पश्चात से) से "ग्राहकों के साथ संविदाओं से राजस्व" से संबंधित इंड एएस–115 और "विदेशी मुद्रा कारोबार और अग्रिम प्रतिफल" से संबंधित इंड एएस–21 के परिशिष्ट ख को लागू किया गया है।

इंड एएस–115 – ग्राहकों के साथ संविदाओं से राजस्वः

ये मानक विद्यमान इंड एएस–18 "राजस्व" और इंड एएस–11 "निर्माण संविदाएं" को प्रतिस्थापित करते हैं।

इंड एएस–115 यह सिद्धांत स्थापित करता है कि कोई निकाय की किसी ग्राहक के साथ संविदा की प्रकृति, राशि, समय और उससे उत्पन्न होने वाले राजस्व तथा नकदी प्रवाह की अनिश्चितता के संबंध में वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं को उपयोगी जानकारी सूचित करने के संबंध में लागू होगा।

इंड एएस 21– परिशिष्ट ख – विदेशी मुद्रा कारोबार और अग्रिम प्रतिफल।

यह परिशिष्ट किसी विदेशी मुद्रा कारोबार (या उसके किसी हिस्से पर) पर तब लागू होता है जब कोई निकाय उसके द्वारा संबंधित परिसंपत्ति, व्यय या आय (अथवा उसके किसी भाग) को मान्यता प्रदान करने से पूर्व अग्रिम प्रतिफल के भुगतान या प्राप्ति से उत्पन्न होने वाली

किसी गैर–मौद्रिक परिसंपत्ति या गैर–मौद्रिक देयता को मान्यता देता है।

इंड एएस–40 – निवेश संपत्ति का अंतरण – यह संशोधन इसे स्पष्ट करता है कि क्या किसी निकाय को निर्माण या विकास के अधीन होने वाली या निवेश संपत्ति में से संपत्ति सहित, संपत्ति का अंतरण करना चाहिए। संशोधन में यह बताया गया है कि प्रयोग में कोई परिवर्तन तब उत्पन्न होता है जब संपत्ति, निवेश संपत्ति की परिभाषा को पूर्ण करती है, अथवा पूर्ण करने से हट जाती है और उपयोग में परिवर्तन का कोई साक्ष्य मौजूद हो। संपत्ति के उपयोग हेतु प्रबंधन की मंशाओं में परिवर्तन मात्र से उपयोग में परिवर्तन का कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं होता है।

निकायों को संशोधन के प्रथम बार लागू होने पर निकाय की वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के प्रारंभ में अथवा उसके पश्चात उपयोग में होने वाले परिवर्तनों को संदर्शी रूप से लागू करना चाहिए। निकाय को उस तिथि को धारित संपत्ति के वर्गीकरण का पुनः आकलन करना चाहिए, और यदि लागू हो तो संपत्ति का वर्गीकरण उस तिथि को विद्यमान स्थितियों को प्रदर्शित करने के लिए करना चाहिए। इंड एएस–8 के अनुसार पश्चगामी अनुप्रयोग केवल तब ही अनुमेय है जब यह पूर्व दृष्टि के उपयोग के बिना संभव हो।

समूह संशोधन की आवश्यकताओं और समेकित वित्तीय विवरणों पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन कर रहा है।

3. महत्वपूर्ण समूह लेखाकन नीतियां

3.1 अनुपालन का विवरण

समेकित वित्तीय विवरणों को कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक)नियम, 2015 (यथा संशोधित) के अंतर्गत अधिसूचित इंड एएस और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी तेल तथा गैस उत्पादन क्रियाकलापों हेतु लेखांकन संबंधी मार्गदर्शी नोट (इंड एएस) के अनुसार तैयार किया गया है।

3.2 तैयार करने के आधार

वर्ष के दौरान कंपनी ने भारत सरकार से हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में 51.11 प्रतिशत हित की खरीद की है। इस अधिग्रहण संव्यवहार का मूल्यांकन समान नियंत्रण वाले एक व्यापार संयोजन के रूप में किया गया है (देखें टिप्पणी–4)। तदनुसार, इंड एएस–1 "वित्तीय विवरणों का प्रस्तुतिकरण" के साथ पढ़े जाने वाले इंड एएस–103 "व्यापार संयोजन" के परिशिष्ट–ग के अनुपालन में समेकित वित्तीय विवरणों में इसे पिछली अवधि (अर्थात 1 अप्रैल, 2016) के प्रारंभ से हुए व्यापार संयोजन के रूप में पुनः बताया गया है।

समेकित वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक लागत आधार पर तैयार किया गया है सिवाय कुछ वित्तीय लिखत के जिनका मापन प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उचित मूल्यों पर किया जाता है, जैसा कि लेखांकन नीतियों में नीचे विस्तारपूर्वक बताया गया है :

ऐतिहासिक लागत सामान्यतः वस्तुओं तथा सेवाओं के विनिमय में दिए गए मूल्य की उचित मांग पर आधारित होती है।

चूंकि प्रचालन चक्र की पहचान सामान्य रूप से उद्योग की विशेष प्रकृति के चलते नहीं की जा सकती है, उक्त को 12 माह की अवधि वाला माना गया है। तदनुसार, सभी परिसंपत्तियों तथा देयताओं को प्रचालन चक्र तथा इंड एएस 1 "वित्तीय विवरणों का प्रस्तुतीकरण" और कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–III में निर्धारित किए गए अन्य मानदण्ड के अनुसार वर्तमान या गैर–वर्तमान के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

समेकित वित्तीय विवरण भारतीय रूपयों में प्रस्तुत किए जाते हैं और सभी मूल्यों को निकटतम 2 दशमलव मिलियन पर पूर्णांक में बदला जाता है सिवाय जहाँ अन्यथा बताया गया हो।

उचित मूल्य मापन

उचित मूल्य वह मूल्य होता है जो किसी परिसंपत्ति की बिक्री पर प्राप्त किया जाएगा अथवा जिसका भुगतान किसी देयता के अंतरण हेतु वर्तमान बाजार स्थितियों के अधीन मापन तिथि को बाजार प्रतिभागियों के मध्य एक व्यवस्थित लेन–देन में किया जाएगा।

समूह उचित मूल्य पर मापी गई परिसंपत्तियों तथा देयताओं को तीन स्तरों में से एक में श्रेणीबद्ध करता है जो उनके मापन में नियोजित आदानों को देख पाने की क्षमता पर निर्भर करता है जिसका वर्णन निम्नानुसार है:

- स्तर 1 आदान समान परिसंपत्तियों या देयताओं हेतु सक्रिय बाजार में उद्धृत मूल्य (गैर–समायोजित) होते हैं।
- स्तर 2 आदान ऐसे आदान होते हैं जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर किसी परिसंपत्ति या देयता हेतु स्तर1 के भीतर शामिल उद्धृत मूल्यों के अतिरिक्त देखे जा सकते हैं।
- स्तर 3 ऐसे आदान होते हैं जो बाजार में प्रतिभागिता वालों द्वारा मूल्य निर्धारण के संबंध में देखे जा सकने वाले संबंधित बाजार डाटा या समूह की मान्यताओं में महत्वपूर्ण संशोधनों को दर्शाते हुए परिसंपत्ति या देयता हेतु देखे न जा सकने वाले आदान देते हैं।

3.3 समेकन के सिद्धांत

समेकित वित्तीय विवरण में कंपनी तथा इसकी अनुषंगी कंपनियों (जिन्हें सामूहिक रूप से "समूह" कहा गया है) के वित्तीय विवरण शामिल होते हैं। समूह के संयुक्त

उद्यम तथा एसोसिएट में निवेश हैं जिन्हें इन समेकित वित्तीय विवरणों में साम्यता पद्धति का उपयोग करते हुए लेखांकित किया गया है। समेकित वित्तीय विवरणों में संयुक्त उद्यम तथा एसोसिएट में निवेश की लेखांकन नीति हेतु टिप्पणी 3.7 देखें।

अनुषंगी कंपनियां कंपनी द्वारा नियंत्रित निकाय होते हैं। कंपनी किसी निकाय को तब नियंत्रित करती है जब इसके उस निकाय के साथ संपर्क हो, अथवा उसमें अपनी भागीदारी से परिवर्तनशील प्रतिफल के अधिकार हों तथा निकाय के संगत क्रियाकलापों को निदेश देकर अपनी शक्तियों के माध्यम से उन प्रतिफलों को प्रभावित करने की क्षमता हो। अनुषंगी कंपनियों को उनके अधिग्रहण (सिवाय समान नियंत्रण के अधीन होने वाले व्यापार संयोजनों के) की तिथि से समेकित किया जाता है, यह वह तिथि होती है जिसको कंपनी उनका नियंत्रण प्राप्त करती है और ऐसे नियंत्रण के समाप्त होने की तिथि तक उनका समेकन जारी रहता है।

समेकित वित्तीय विवरणों को समान कारोबार तथा समान परिस्थितियों में अन्य घटनाओं हेतु लगातार समान लेखांकन नीतियों का उपयोग करके तैयार किया जाता है और इन्हें संभव सीमा तक उसी तरीके से तैयार किया जाता है जैसे कि कंपनी के एकल वित्तीय विवरणों को सिवाय जहां अन्यथा बताया गया हो। आवश्यक होने पर अनुषंगी कंपनी के वित्तीय विवरणों में समायोजन किया जाता है ताकि उनकी लेखांकन नीतियों को समूह की महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के अनुरूप बनाया जा सके।

समेकित वित्तीय विवरणों को कंपनी तथा इसकी अनुषंगी कंपनियों के वित्तीय विवरणों को पंक्ति–दर–पंक्ति आधार पर परिसंपत्तियों, देयताओं, इक्विटी, आय, व्यय तथा नकदी प्रवाह के बही मूल्यों को जोड़कर तथा पूर्ण अंतरा–समूह परिसंपत्तियों, देयताओं, इक्विटी, आय, व्यय तथा अंतरा–समूह लेन–देन और वसूल न किए गए लाभों को हटाने के पश्चात् तैयार किया गया है। वसूल न की गई हानियों को भी हटाया जाता है जब तक कि लेन देन अंतरित परिसंपत्ति की क्षति का साक्ष्य मुहैया न करवाता हो। ऐसे वसूल न किए गए लाभ/हानियों को पूरी तरह से कंपनी पर आरोप्य किया जाता है।

लाभ एवं हानि और अन्य व्यापक आय के प्रत्येक घटक को कंपनी के स्वामी को तथा गैर–नियंत्रक हितों को आरोप्य किया जाता है। कुल व्यापक आय कंपनी के स्वामियों तथा गैर–नियंत्रक हितों को आरोप्य होती है भले ही यह गैर नियंत्रक हितों के एक घाटे वाले शेष में परिणत हो।

अनुषंगी कंपनियों में समूह के स्वामित्व हितों में परिवर्तन जो समूह के अनुषंगी कंपनी पर नियंत्रण को खो देने में परिणत न होता हो, इक्विटी संव्यवहार के रूप में लेखांकित किया जाता है। समूह के हितों की वहन राशि और गैर–नियंत्रक हितों को अनुषंगी कंपनियों में उनके संबंधित हितों में परिवर्तन को दर्शाने के लिए समायोजित किया जाता है। राशि के मध्य ऐसा कोई अंतर जिससे गैर–नियंत्रक हितों को समायोजित किया जाता है और अदा या प्राप्त किए गए मूल्य के उचित मान को सीधे इक्विटी में मान्यता दी जाती है और यह कंपनी के स्वामियों पर आरोप्य होता है।

जब समूह किसी अनुषंगी कंपनी का नियंत्रण खो देता है अथवा लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में किसी लाभ या हानि को मान्यता दी जाती है तथा इसकी गणना (I) प्राप्त मूल्य के उचित मान तथा प्रतिधारित हित के उचित मान के जोड़ और (II) अनुषंगी कंपनी की परिसपंत्तियों (साख सहित) तथा देयताओं की पिछली वहन राशि तथा अन्य किसी गैर–नियंत्रक हित के मध्य अंतर के रूप में की जाती है। उस अनुषंगी कंपनी के संबंध में अन्य व्यापक आय में मान्यता प्रदान की गई पहले की सभी राशियों का लेखांकन किस प्रकार किया जाता है कि जैसे समूह में सीधे अनुषंगी कंपनी की संबंधित परिसंपत्तियों तथा देयाताओं का निपटान किया हो (अर्थात लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में पुनः वर्गीकृत अथवा लागू इंड एएस द्वारा निर्दिष्ट/अनुमेय के अनुसार इक्विटी की किसी अन्य श्रेणी में अंतरित)। पहले की किसी अनुषंगी कंपनी में नियंत्रण समाप्त होने की तिथि को प्रतिधारित किसी निवेश के उचित मूल्य को इंड एएस 109 के अंतर्गत आगे के लेखांकन हेतु प्रारंभिक मान्यता पर उचित मूल्य माना जाता है, अथवा, जब लागू हो, किसी एसोसिएट या संयुक्त उद्यम में निवेश की प्रारंभिक मान्यता की लागत माना जाता है।

3.4 व्यापार संयोजन

व्यापारों के अधिग्रहण (सिवाय समान नियंत्रण के अधीन होने वाले व्यापार संयोजनों के) को अधिग्रहण पद्धति का उपयोग करके लेखांकित किया जाता है। किसी व्यापार संयोजन में अंतरित मूल्य का मापन उस उचित मूल्य पर किया जाता है जिसकी गणना अधिग्रहण तिथि को समूह द्वारा अंतरित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य, समूह द्वारा अधिग्रहणकर्ता के पुराने स्वामी हेतु वहन की गई देयताओं और अधिग्रहण किए जाने वाले के नियंत्रण के आदान–प्रदान में समूह द्वारा जारी इक्विटी हितों के जोड़ के अनुसार की जाती है। अधिग्रहण संबंधी लागतों को सामान्यतः व्यय किए गए अनुसार लाभ तथा हानि के समेकित विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है।

अधिग्रहण तिथि को पहचान योग्य अधिगृहीत परिसंपत्तियों तथा मानी गई देयताओं को उनके उचित मूल्य पर मान्यता प्रदान की जाती है, सिवाय इसके कि :

- विलंबित कर परिसंपत्तियां या देयताएं और कर्मचारी लाभ व्यवस्थाओं से संबंधित परिसंपत्तियों या देयताओं की मान्यता तथा मापन क्रमशः इंड एएस 12 "आयकर "और इंड एएस 19 "कर्मचारी लाभ " के अनुसार किया जाता है;

- परिसंपत्तियां (अथवा निपटान समूह) जिन्हें इंड एएस 105 "बिक्री तथा समाप्त प्रचालनों हेतु धारित गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां" के अनुसार बिक्री हेतु रोकी गई के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, उनका मापन उसी मानक के अनुसार किया जाता है।

साख का मापन अंतरित मूल्य की राशि से आधिक्य, अधिगृहीत की जाने वाली कंपनी में किसी गैर–नियंत्रक हित की राशि, और अधिगृहित किए जाने वाले में अधिग्रहण किए जाने वाले द्वारा पूर्व में धारित किसी इक्विटी हित का उचित मूल्य (यदि कोई हो) और अधिग्रहण की तिथि को ली गई चिह्नित परिसंपत्तियों तथा मानी गई देयताओं की राशि के निवल मूल्य के रूप में किया जाएगा।

अदला–बदली वाली खरीद के मामले में, उसके संबंध में किसी लाभ को मान्यता दिए जाने से पूर्व, समूह यह निर्धारित करता है कि क्या व्यापार संयोजन को एक अदला–बदली वाली खरीद के रूप में वर्गीकृत करने के लिए आधारभूत कारणों का स्पष्ट साक्ष्य मौजूद है। तत्पश्चात, समूह यह पुनः आकलन करता है कि क्या उसने खरीदी गई सभी परिसंपत्तियों तथा ली गई सभी देयताओं की सही पहचान की है और इस पुनः आकलन में चिह्नित किसी अतिरिक्त परिसंपत्ति या देयता को मान्यता दी जाती है। उसके पश्चात समूह उन राशियों के मापन हेतु प्रक्रियाओं की समीक्षा करता है जिनकी इंड एएस को अदला–बदली वाली खरीद की गणना के प्रयोजन हेतु आवश्यकता होती है। यदि इस पुनः आकलन तथा समीक्षा के पश्चात लाभ बना रहता है, तो समूह इसे अन्य व्यापक आय में मान्यता प्रदान करता है और उक्त को पूंजीगत आरक्षिति के रूप में इक्विटी में संचित करता है। यह लाभ अधिग्रहण करने वाले पर आरोप्य होता है। यदि किसी व्यापार संयोजन को अदला–बदली वाली खरीद के रूप में वर्गीकृत करने के लिए आधारभूत कारणों का कोई स्पष्ट साक्ष्य मौजूद नहीं होता है तो समूह पुनः आकलन तथा समीक्षा (ऊपर वर्णित के अनुसार) के पश्चात लाभ को सीधे पूंजीगत आरक्षिति में इक्विटी के रूप में मान्यता प्रदान करता है।

जब किसी व्यापार संयोजन में समूह द्वारा अंतरित मूल्य में किसी आकस्मिक मूल्य व्यवस्था से परिणत होने वाली कोई परिसंपत्ति या देयता शामिल होती है तो उस आकस्मिक मूल्य का मापन उसकी अधिग्रहण तिथि के उचित मूल्य पर किया जाता है और किसी व्यापार संयोजन में अंतरित मूल्य के भाग के रूप में शामिल किया जाता है। आकस्मिक मूल्य के उचित मान में परिवर्तन जो मापन अवधि समायोजनों के रूप में अर्हक होते हैं, उन्हें भूतलक्षी प्रभाव से समायोजित किया जाता है, तथा साख या पूंजीगत आरक्षित के प्रति तदनुरूपी समायोजन भी किया जाता है, जैसा भी मामला हो। मापन अवधि समायोजन ऐसे समायोजन है जो समूह द्वारा "मापन अवधि" के दौरान प्राप्त ऐसे तथ्यों तथा परिस्थितियों के संबंध में प्राप्त अतिरिक्त सूचना से उत्पन्न होते हैं जो अधिग्रहण की तिथि को विद्यमान थे। मापन अवधि अधिग्रहण अवधि से एक वर्ष से अधिक की नहीं होती है।

आकस्मिक मान के उचित मूल्य में परिवर्तनों हेतु बाद के लेखांकन जो मापन अवधि समायोजनों के रूप में योग्य नहीं होते हैं, इस पर निर्भर करते हैं कि आकस्मिक मान को किस प्रकार वर्गीकृत किया जाता है। आकस्मिक मान जिसे इक्विटी के रूप में वर्गीकृत किया जाता है उसे बाद की रिपोर्टिंग तिथियों पर पुनः नहीं मापा जाता है और इसके आगे के निपटान को इक्विटी के भीतर लेखांकित किया जाता है। किसी परिसंपत्ति या देयता के रूप में वर्गीकृत आकस्मिक मांग का बाद की रिपोर्टिंग तिथियों में उचित मूल्य पर पुनः मापन लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में मान्यता दिए गए तदनुरूपी लाभ या हानि पर किया जाता है।

जब कोई व्यापार संयोजन चरणों में प्राप्त किया जाता है तो समूह का अधिग्रहण किए जाने वाले में इक्विटी हित का पुनः मापन उसकी अधिग्रहण की तिथि के उचित मूल्य पर किया जाता है और परिणाम लाभ या हानि, यदि कोई हो, को लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है। अधिग्रहण तिथि से पूर्व अधिग्रहण किए जाने वाले में हितों से उत्पन्न होने वाली राशियों जिन्हें पहले अन्य व्यापक आय में मान्यता प्रदान की जा चुकी है, उन्हें लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में पुनः वर्गीकृत किया जाता है जहां ऐसा संव्यवहार उन हितों के निपटान पर उचित होगा।

यदि किसी व्यापार संयोजन हेतु प्रारंभिक लेखांकन संयोजन होने वाली रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक अधूरा है, तो समूह लेखांकन अपूर्ण होने वाली मदों हेतु अनंतिम राशियों को सूचित करता है। मापन अवधि के दौरान इन अनंतिम राशियों को अतिरिक्त परिसंपत्तियां या देयताएं (यदि कोई हो) को मान्यता प्रदान करते हुए संयोजित किया जाता है ताकि उस अधिग्रहण तिथि को विद्यमान तथ्यों तथा परिस्थितियों के संबंध में प्राप्त नई सूचना को दर्शाया जा सके, जो यदि ज्ञात होती, तो उस तिथि को मान्यता प्रदान की गई राशियों को प्रभावित कर सकती थी।

समान नियंत्रण के अधीन व्यापार संयोजन

किसी व्यापार संयोजन में एक ऐसा व्यापार संयोजन शामिल होता है जिसमें निकाय या व्यापार एक ऐसे समान नियंत्रण के अधीन होते हों जिसमें सभी संयोजन निकाय या व्यापार अंततः समान पक्ष या पक्षों से और व्यापार संयोजन के पूर्व तथा पश्चात दोनों में नियंत्रित होते हों तथा नियंत्रण अस्थायी न हो।

समान नियंत्रण के अधीन होने वाले निकायों के मध्य संव्यवहार विशिष्ट रूप से इंड एएस–103 के परिशिष्ट ग से कवर होते हैं और इनका लेखांकन हित की पूलिंग पद्धति का उपयोग करके निम्नानुसार किया जाता है :

- सम्मिश्रण वाले निकायों की परिसंपत्तियों तथा देयताओं को वहन राशियों में प्रदर्शित किया जाता है।
- उचित मूल्यों को प्रदर्शित करने या नई परिसंपत्तियों अथवा देयताओं को मान्यता प्रदान करने के लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता। समायोजनों को महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों को संतुलित बनाने के लिए किया जाता है।
- पूर्व अवधि के संबंध में वित्तीय विवरणों में वित्तीय जानकारी को इस प्रकार पुनः बताया जाता है जैसे कि वित्तीय विवरणों में व्यापार संयोजन पूर्व की अवधि के प्रारंभ में हुआ हो, चाहे संयोजन की वास्तविक तिथि कुछ भी रही हो।

अंतरणकर्ता के वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित होने वाली प्रतिधारित आय के शेष को अंतरिती के वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित होने वाली शेष राशि के साथ मिलाया जाता है। शेष की पहचान को सुरक्षित रखा जाता है और अंतरणकर्ता के शेष अंतरिती के शेष बन जाते हैं।

जारी की गई शेयरपूजी जमा नकदी या अन्य परिसंपत्तियों के रूप में अदा किए गए किसी अन्य मूल्य के रूप में दर्ज राशियों और अंतरणकर्ता की शेयरपूंजी की राशि के मध्य अंतर, यदि कोई हो, को पूंजीगत आरक्षिति में अंतरित किया जाता है और इसे अन्य पूंजीगत आरक्षिति से पृथक रूप से प्रदर्शित किया जाता है।

3.5 गैर–नियंत्रक हित

गैर–नियंत्रक हित, आय, अन्य व्यापक आय तथा अनुषंगी कंपनियों में निवल परिसंपत्तियों के उस भाग को दर्शाता है जो कंपनी के शेयरधारकों को आरोप्य नहीं होते हैं।

गैर–नियंत्रक हितों का मापन प्रारंभ में अधिग्रहण की जाने वाली कंपनी की चिह्नित परिसंपत्तियों की मान्यता प्राप्त राशियों के गैर–नियंत्रक हितों में उनके अनुपातिक अंश के रूप में की जाती है। अधिग्रहण के पश्चात गैर–नियंत्रक परिसंपत्तियों की वहन राशि प्रारंभिक मान्यता पर हित की राशि जमा इक्विटी में बाद के परिवर्तनों से गैर–नियंत्रक हितों के अंश में परिवर्तन की राशि होती है।

3.6 समेकन पर साख

किसी व्यापार के अधिग्रहण पर उत्पन्न होने वाली साख को व्यापार के अधिग्रहण की तिथि पर यथा स्थापित लागत घटा संचित क्षति हानि, यदि कोई हो, पर लिया जाता है।

क्षति परीक्षण के प्रयोजन हेतु समूह की प्रत्येक नकदी उत्पादक यूनिट (अथवा नकदी उत्पादक यूनिटों क समूहों) को साख आवंटित की जाती है जिससे संयोजन की सहक्रिया के लाभान्वित होने की आशा होती है।

नकदी उत्पादक यूनिट जिस पर साख आवंटित की गई हो उसका वार्षिक रूप से परीक्षण किया जाता है, अथवा अधिक जल्दी, जहां यह संकेत हो कि नकदी उत्पादक यूनिट को क्षति हो सकती है। यदि नकदी उत्पादक यूनिट की वसूल की जाने वाली राशि वहन राशि से कम है तो क्षति का आवंटन पहले नकदी उत्पादक यूनिट को आवंटित किसी साख की वहन राशि कम करने और फिर यूनिट में प्रत्येक परिसंपत्ति की वहन राशि पर आधारित अनुपातिक इकाई को अन्य परिसंपत्तियों पर आवंटित किया जाता है। साख हेतु किसी हानि क्षति को सीधे समेकित लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है। साख हेतु मान्यता प्रदान की गई क्षति को बाद की अवधियों में वापिस नहीं किया जाता है।

संगत नकदी उत्पादक यूनिट के निपटान पर साख की आरोप्य राशि को लाभ एवं हानि के निर्धारण में शामिल किया जाता है।

3.7 एसोसिएट और संयुक्त उद्यम में निवेश

एसोसिएट एक ऐसा निकाय होता है जिस पर समूह का महत्वपूर्ण प्रभाव होता है। महत्वपूर्ण प्रभाव निवेश किए जाने वाले के वित्तीय तथा प्रचालन नीति निर्णयों में भागीदारी की शक्ति होती है परन्तु यह उन नीतियों पर नियंत्रण या संयुक्त नियंत्रण नहीं होता है।

संयुक्त उद्यम एक ऐसी संयुक्त व्यवस्था है जहां पक्षकार व्यवस्था पर संयुक्त नियंत्रण होने वाले पक्षकारों के पास व्यवस्था की निवल परिसंपत्तियों पर अधिकार होते हैं। संयुक्त नियंत्रण किसी व्यवस्था का नियंत्रण साझा करने के लिए संविदात्मक सहमति है जो केवल तभी विद्यमान होती है जब संगत क्रियाकलापों के संबंध में निर्णय के लिए नियंत्रण साझा करने वाले पक्षकारों की एकमत सहमति अपेक्षित हो।

एसोसिएट या संयुक्त उद्यमों के परिणाम, परिसंपत्तियां तथा देयताओं को समेकित वित्तीय विवरण में लेखांकन की इक्विटी पद्धति का उपयोग करके शामिल किया जाता है, सिवाय जब निवेश या उसका कोई तत्संबंधी हिस्सा बिक्री हेतु निर्धारित के रूप में वर्गीकृत किया गया हो, और ऐसे मामलों में इस इंड एएस 105 "बिक्री हेतु धारित गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां और रोके गए प्रचालन" के अनुसार लेखांकित किया जाता है। इक्विटी पद्धति के अंतर्गत किसी एसोसिएट या संयुक्त उद्यम में निवेश को प्रारंभ में समेकित तुलन–पत्र में लागत पर मान्यता दी जाती है और तत्पश्चात समूह के लाभ या हानि के अंश तथा एसोसिएट या संयुक्त उद्यम की अन्य व्यापक आय में मान्यता प्रदान करने के लिए समायोजित किया जाता

है किसी एसोसिएट या संयुक्त उद्यम से प्राप्त वितरण निवेश की वहन राशि को कम कर देते हैं। जब किसी एसोसिएट या संयुक्त उद्यम की हानियों में समूह का अंश उस एसोसिएट या संयुक्त उद्यम में समूह के हित से बढ़ जाता है (जिसमें ऐसे दीर्घावधि हित शामिल हैं जो ठोस तौर पर किसी एसोसिएट या संयुक्त उद्यम में समूह के निवल निवेश का हिस्सा होते हों) तो समूह आगे की हानियों में अपने अंश को मान्यता देने को बन्द कर देता है। अतिरिक्त हानियों की पहचान केवल उसी सीमा तक होती है जहां समूह की विधिक या रचनात्मक बाध्यताएं हो अथवा उसने एसोसिएट या संयुक्त उद्यम की ओर से भुगतान किए हों।

संयुक्त उद्यम तथा एसोसिएट को दिए गए ऋण जिनमें इक्विटी के माध्यम से वित्त पोषण की विशेषताएं हों, उन्हें भी समूह के समेकित तुलन–पत्र में निवेश में शामिल किया जाता है। संयुक्त उद्यम तथा एसोसिएट द्वारा इक्विटी में सीधे मान्यता प्रदान किए गए समूह के अंश को इक्विटी में परिवर्तन के समूह के समेकित विवरण में भी मान्यता दी जाती है।

समूह तथा इसके संयुक्त उद्यम एवं एसोसिएट के मध्य कारोबार पर प्राप्त न किए गए लाभों को संयुक्त उद्यम तथा एसोसिएट में समूह के हित की सीमा तक समाप्त किया जाता है। वसूल न की गई हानियों को भी समूह के हित तक समाप्त किया जाता है। जब तक कि संव्यवहार में अंतरित परिसंपत्ति की क्षति का कोई साक्ष्य मौजूद न हो।

यदि कोई एसोसिएट या संयुक्त उद्यम समान परिस्थितियों में समान संव्यवहार तथा घटनाओं हेतु समूह की लेखांकन नीतियों से भिन्न लेखांकन नीतियों का उपयोग करता है तो इक्विटी पद्धति लागू करने से पूर्व समूह की लेखांकन नीतियों के अनुरूप बनाने के लिए एसोसिएट या संयुक्त उद्यम के वित्तीय विवरणों में समायोजन किए जाते हैं, जब तक कि ऐसे किसी एसोसिएट का मामला हो जहां ऐसा करना व्यवहार्य नहीं है।

किसी एसोसिएट या संयुक्त उद्यम में निवेश को इक्विटी पद्धति का उपयोग करते हुए उस तिथि से किया जाता है जिससे निवेश किए जाने वाला एसोसिएट या संयुक्त उद्यम बनता है। किसी एसोसिएट या संयुक्त उद्यम में निवेश को लिए जाने पर निवेश किए जाने वाले की चिह्नित परिसंपत्तियों तथा देयताओं के निवल उचित मूल्य के समूह के अंश पर निवेश की लागत से किसी भी अधिक राशि को साख के रूप में मान्यता दी जाती है जिसे निवेश की वहन लागत पर किया जाता है। चिह्नित परिसंपत्तियों तथा देयताओं के निवल उचित मूल्य के समूह के अंश पर निवेश की लागत से कोई भी आधिक्य पुनः आकलन के पश्चात सीधे उस अवधि में इक्विटी में पूंजीगत आरक्षित के रूप में मान्य किया जाता है जिसमें निवेश किया गया हो।

लेखांकन की इक्विटी पद्धति को लगाने के पश्चात समूह यह निर्धारित करता है कि क्या किसी एसोसिएट अथवा संयुक्त उद्यम में निवल निवेश की प्रारंभिक मान्यता के पश्चात होने वाली एक या अधिक घटनाओं के परिणामस्वरूप क्षति का कोई निष्पक्ष साक्ष्य मौजूद है और उस घटना का निवल निवेश से भविष्य के अनुमानित नकदी प्रवाहों पर प्रभाव पड़ा था जिसका विश्वसनीयतापूर्ण ढंग से अनुमान लगाया जा सके। यदि क्षति का कोई ऐसा निष्पक्ष साक्ष्य मौजूद है तो समूह क्षति को किसी एसोसिएट या संयुक्त उद्यम में समूह के निवेश के संबंध में मान्यता प्रदान करता है। आवश्यक होने पर निवेश की समूची वहन राशि (साख सहित) का परीक्षण इंड एएस 36 "परिसंपत्तियों की क्षति" के अनुसार क्षति हेतु एक एकल परिसंपत्ति के तौर पर इसकी वसूली जा सकने वाली राशि (उपयोग में मूल्य तथा उचित मूल्य डाटा निपटान की लागत से अधिक) पर किया जाता है, मान्यता दी गई कोई क्षति हानि निवेश की वहन राशि का हिस्सा होती है। ऐसी क्षति की वापसी को इंड एएस 36 के अनुसार उस सीमा तक जहां निवेश की वसूली योग्य राशि में आगे वृद्धि होती है, मान्यता प्रदान की जाती है।

समूह निवेश के किसी एसोसिएट या संयुक्त उद्यम, अथवा निवेश को बिक्री हेतु निर्धारित के रूप में वर्गीकृत किए जाने की तिथि से इक्विटी पद्धति के उपयोग को समाप्त कर देता है। जब समूह किसी पूर्व एसोसिएट या संयुक्त उद्यम में हित बनाए रखता है और बनाए रखा गया हित एक वित्तीय परिसंपत्ति है, समूह उस तिथि को उचित मूल्य पर प्रतिधारित हित का मापन करता है और उचित मूल्य को इंड एएस 109 "वित्तीय लिखत "के अनुसार प्रारंभिक मान्यता पर उसका उचित मूल्य माना जाता है। उस तिथि को एसोसिएट या संयुक्त उद्यम की वहन राशि के मध्य अंतर को समाप्त कर दिया गया था और किसी प्रतिधारित हित के उचित मूल्य तथा किसी एसोसिएट या संयुक्त उद्यम में आंशिक हित के निपटान से प्राप्त होने वाली प्राप्तियों को एसोसिएट या संयुक्त उद्यम का निपटान किए जाने पर लाभ या हानि के निर्धारण में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, किसी एसोसिएट या संयुक्त उद्यम के संबंध में अन्य व्यापक आय के रूप में पहले मान्यता प्राप्त सभी राशियों हेतु समूह लेखे को समान आधार पर मान्यता दी जाएगी जैसे कि उस एसोसिएट या संयुक्त उद्यम द्वारा संबंधित परिसंपत्तियों या देयताओं के सीधे निपटान में अपेक्षित हो। अतः यदि किसी लाभ अथवा हानि को किसी एसोसिएट या संयुक्त उद्यम द्वारा पहले अन्य व्यापक आय में मान्यता प्रदान की गई है तो उसे संबंधित परिसंपत्ति या देयता के निपटान पर लाभ तथा हानि के समेकित विवरण में पुनः श्रेणीबद्ध किया जाता है, तो समूह इक्विटी से लाभ या हानि को लाभ तथा हानि के समेकित विवरण में पुनः वर्गीकृत करेगा जब इक्विटी पद्धति को समाप्त किया जाए (एक पुनः वर्गीकरण समायोजन के रूप में)।

समूह के किसी एसोसिएट में निवेश के बनने अथवा किसी संयुक्त उद्यम में निवेश के एसोसिएट में निवेश बनने पर समूह द्वारा इक्विटी पद्धति का उपयोग जारी रखा जाएगा। स्वामित्व हितों में ऐसे परिवर्तन पर उचित मूल्य का कोई पुनः मापन नहीं होता है।

जब समूह किसी एसोसिएट या संयुक्त उद्यम में अपने स्वामित्व हित को घटाता है परन्तु समूह इक्विटी पद्धति के उपयोग को जारी रखता है, तो समूह इसे समेकित लाभ एवं हानि विवरण में उस लाभ या हानि के रूप में पुनः वर्गीकृत करता है जिसे पहले अन्य व्यापक आय में स्वामित्व हित में कमी के संबंध में मान्यता प्रदान की गई थी, यदि उस लाभ या हानि को संबंधित परिसंपत्ति या देयता के निपटान पर समेकित लाभ या हानि विवरण में पुनः वर्गीकृत किया जाता।

जब कोई समूह निकाय समूह के किसी एसोसिएट या संयुक्त उद्यम के साथ लेन देन करता है, तो ऐसोसिएट या संयुक्त उद्यम के साथ लेन देन से उत्पन्न होने वाले लाभ या हानियों को समूह के समेकित वित्तीय विवरणों में समूह से सबंधित न होने वाले एसोसिएट या संयुक्त उद्यम के हितों की सीमा तक ही मान्यता दी जाती है।

3.8 संयुक्त प्रचालनों में हित

कोई संयुक्त प्रचालन एक ऐसी संयुक्त व्यवस्था है जिसके द्वारा व्यवस्था के संयुक्त नियंत्रण वाले पक्षों का उस व्यवस्था से संबंधित परिसंपत्तियों पर अधिकार और देयताओं हेतु दायित्व होता है। संयुक्त नियंत्रण किसी व्यवस्था के नियंत्रण को संविदात्मक रूप से साझा करने की सहमति है, जो केवल तब ही मौजूद होती है जब संगत क्रियाकलापों के संबंध में निर्णयों के लिए नियंत्रण साझा करने वाले पक्षों को एकमत सहमति की आवश्यकता होती है।

समूह के पास भारत सरकार/अन्य देशों और विभिन्न कारपोरेट निकायों के साथ अन्वेषण, विकास तथा उत्पादन क्रियाकलापों हेतु उत्पादन साझेदारी संविदा (पीएससी) की प्रकृति के संयुक्त प्रचालन है।

परिसंपत्तियों तथा देयताओं में समूह का अंश और साथ में संयुक्त प्रचालनों को आरोप्य आय तथा व्यय को लाइन–दर–लाइन आधार पर समेकित वित्तीय विवरणों की समान मदों के साथ मिलाया जाता है और पट्टों, मूल्यह्रास, अधिक उठान/कम उठान, क्षय, सर्वेक्षण, शुष्क कुएँ, समाप्त किए जाने के प्रावधान, क्षति और साइडट्रेकिंग को समूह की लेखांकन नीतियों के अनुसार समायोजित किया जाता है।

ऐसे क्षेत्रों में हाइड्रोकार्बन संसाधनों को समूह के प्रतिभागिता हित के अनुपात में दिया जाता है।

किसी संयुक्त प्रचालन में हित की बिक्री पर लाभ या हानि को लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में मान्यता दी जाती है सिवाय जब ऐसी बिक्री के समय किसी लाभ को मान्यता न दी गई हो क्योंकि प्रतिधारित हित पर लागू लागतों की वसूली के संबंध में भारी अनिश्चितता मौजूद थी अथवा यदि समूह की भविष्य के निष्पादन हेतु व्यापक बाध्यता विद्यमान थी। ऐसी स्थिति में लाभ को उस ब्लाक से संबंधित लागत की वसूली समझा जाता है।

3.9 बिक्री हेतु धारित गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां

बिक्री हेतु धारित के रूप में वर्गीकृत गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों या निपटान समूहों का मापन वहन मूल्य के निम्नतर स्तर तथा उचित मूल्य घटा बिक्री लागत पर किया जाता है।

गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों अथवा निपटान समूहों को बिक्री हेतु धारित के रूप में तब वर्गीकृत किया जाता है यदि उनकी वहन राशि को मुख्यतः एक बिक्री कारोबार के माध्यम से वसूला जाएगा बजाए उनके सतत उपयोग के माध्यम से। इस शर्त को केवल तब ही पूरा माना जाता है जब बिक्री अत्यधिक संभाव्य हो और परिसंपत्ति या निपटान समूह अपने वर्तमान स्थिति में तत्काल बिक्री के लिए उपलब्ध हो जो केवल उन्हीं शर्तों के अधीन होगा जो ऐसी परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए सामान्य तथा प्रचलित हैं।

प्रबंधन बिक्री के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए जिसे बिक्री हेतु धारित के रूप में वर्गीकरण की तिथि से एक वर्ष के भीतर एक पूर्ण बिक्री के रूप में मान्यता देने के लिए अर्हक होने की प्रत्याशा की जाती है , और बिक्री की योजना को पूरा करने के लिए अपेक्षित कार्रवाइयों में यह दर्शाया जाना चाहिए कि इसकी संभावना नहीं है कि योजना में बड़े परिवर्तन किए जाएंगे अथवा योजना को वापिस ले लिया जाएगा।

संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण (पीपीई) और अमूर्त परिसंपत्तियों को बिक्री हेतु धारित के रूप में वर्गीकृत किए जाने के पश्चात उनका मूल्यह्रास अथवा परिशोधन नहीं किया जाता है।

3.10 सरकारी अनुदान

उचित मूल्य पर गैर–मौद्रिक अनुदानों सहित सरकारी अनुदानों को तब तक मान्यता प्रदान नहीं की जाती है जब तक कि इसका कोई तर्कसंगत आश्वासन न हो कि समूह उसके साथ जुड़ी शर्तों का पालन करेगा और अनुदान प्राप्त होंगे।

सरकारी अनुदानों को लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में व्यवस्थित आधार पर उन अवधियों में मान्यता प्रदान की जाती है जिसमें समूह प्रतिपूर्ति की मंशा के लिए अनुदानों हेतु संबंधित लागतों को व्यय के रूप में मान्यता प्रदान करता है।

सरकारी अनुदान जिसकी प्राथमिक शर्त यह हो कि समूह गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों की खरीद, निर्माण या अन्यथा

उनका अधिग्रहण करेगा तथा गैर–मौद्रिक अनुदानों को समेकित तुलन–पत्र में गैर–वर्तमान देयता के रूप में "विलंबित आय" के रूप् में मान्यता दी जाती है तथा प्रकट किया जाता है और इसे संबंधित परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवनकाल में एक व्यवस्थित तथा तर्कसंगत आधार पर लाभ एवं हानि के समेकित विवरण को अंतरित किया जाता है।

ब्याज की बाजार दर से कम दर पर सरकारी ऋण के लाभ को सरकारी अनुदान माना जाता है और इसका मापन प्राप्त की गई प्राप्तियों तथा विद्यमान बाजार ब्याज दरों पर आधारित ऋण के उचित मूल्य पर किया जाता है।

3.11 संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण (तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के अतिरिक्त)

समूह (ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के अतिरिक्त जहां क्रियाशील मुद्रा में परिवर्तन के परिणामस्वरूप यह छूट इंड एएस 101 के पैरा डी7एए के अनुसार उपलब्ध नहीं है) ने पूर्ववर्ती जीएएपी के अनुसार मापी गई 1 अप्रैल, 2015 (परिवर्तन तिथि) को मान्यता प्रदान किए गए अपनी समूची संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण के वहन मूल्य को जारी रखने का विकल्प चुना है और उक्त वहन मूल्य को परिवर्तन तिथि को मानद लागत माना है सिवाय समाप्त किए जाने की देयताओं से संबंधित समायोजन के।

वस्तुओं अथवा सेवाओं के उत्पादन या आपूर्ति में उपयोग, अथवा प्रशासनिक प्रयोजनों हेतु धारित भूमि तथा भवनों को तुलन–पत्र में लागत घटा संचित मूल्यह्रास तथा क्षति हानियों, यदि कोई हो, पर बताया जाता है। फ्री–होल्ड भूमि तथा स्थायी पट्टे के अंतर्गत होने वाली भूमि का मूल्यह्रास नहीं किया जाता है।

उत्पादन, आपूर्ति अथवा प्रशासनिक प्रयोजनों हेतु निर्माण के दौरान संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण (पीपीई) को लागत घट किसी मान्य क्षति–हानि पर लिया जाता है। किसी परिसंपत्ति की लागत में उसका क्रय मूल्य अथवा उसकी निर्माण लागत (लागू कर क्रेडिट का निवल), परिसंपत्ति को स्थल पर लाने तथा उसे प्रबंधन द्वारा मंशा व्यक्त किए गए तरीके से प्रचालन में समर्थ बनाने हेतु आवश्यक स्थिति में लाने तथा नोट 3.17 के अनुसार हटाए जाने की लागत को आरोप्य होने वाली कोई भी प्रत्यक्ष लागत शामिल होती है। इसमें पेशेवर शुल्क और अर्हक परिसंपत्तियों हेतु समूह की लेखांकन नीति के अनुसार पूंजीकृत ऋण लागतें शामिल होती हैं। ऐसी संपत्तियों को पूर्ण होने तथा वांछित उपयोग हेतु तैयार होने पर पीपीई की उचित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है। भिन्न उपयोगी जीवनकाल तथा अधिक मूल्य होने वाले पीपीई की किसी मद के हिस्सों और पूंजीगत सुधार या अन्य कारकों के कारण उत्पन्न होने वाले संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण संबंधी बाद के व्यय को पृथक घटकों के रूप मे लेखांकित किया जाता है। रिगों तथा वेसलों की ड्राइ डाकिंग पर व्यय को संगत परिसंपत्तियों के घटक के रूप में लेखांकित किया जाता है।

अनुमानित उपयोगी जीवनकाल, अवशिष्ट मूल्यों तथा मूल्यह्रास पद्धति की समीक्षा वार्षिक आधार पर की जाती है और आवश्यक होने पर अनुमानों में परिवर्तन संदर्शी रूप से किए जाते हैं।

पूंजीगत सुधार या अन्य कारकों के चलते पीपीई पर होने वाले बाद के व्यय पर मूल्यह्रास को शेष उपयोगी जीवनकाल हेतु संदर्शी तौर पर मुहैया करवाया जाता है।

वित्त पट्टों के अंतर्गत धारित परिसपंतियों का मूल्यह्रास उनके उपयोगी जीवनकाल पर स्वामित्व वाली परिसपंत्तियों के समान आधार पर ही किया जाता है।

वर्ष के दौरान पीपीई पर वर्धन/कटौती के संबंध में मूल्यह्रास का प्रावधान यथानुपात आधार पर वर्धन/हटाए जाने की तिथि के संदर्भ में किया जाता है सिवाय ₹ 5000/– से अधिक न होने वाली निम्न मूल्य मदों के जिनका पूर्ण मूल्यह्रास भारत में प्रचालनों से संबंधित परिसपंत्ति के वर्धन के समय पूरी तरह से कर दिया जाता है और 100 अमेरीकी डालर से अधिक न होने वाली मदों का भारत से बाहर प्रचालनो से संबंधित परिसंपत्ति के वर्धन के समय पूरी तरह से मूल्यह्रास कर दिया जाता है।

पीपीई की किसी मद को निपटान के समय अथवा परिसंपत्ति के सतत उपयोग से भविष्य में कोई आर्थिक लाभ प्रत्याशित न होने पर विमान्य कर दिया जाता है। पीपीई की किसी मद के निपटान या हटाए जाने पर होने वाले किसी लाभ या हानि का निर्धारण बिक्री प्राप्तियों तथा परिसंपत्ति की वहन राशि के मध्य अंतर के रूप में किया जाता है और उसे लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है।

इन पीपीई का मूल्यह्रास परिसंपत्तियों के अपने वांछित उपयोग हेतु तैयार होने पर प्रारंभ होता है।

समूह निम्नलिखित आधार पर अपने मूल्यह्रास को लेखांकित करता हैं :

(क) मूल्यह्रास – अन्वेषण तथा उत्पादन (ई एण्ड पी) के पीपीई (फ्री–होल्ड भूमि, तेल तथा गैस परिसंपत्तियों और निर्माणाधीन संपत्तियों के अतिरिक्त)

मूल्यह्रास ई एण्ड पी प्रचालनों के पीपीई की लागत घटा उनके अवशिष्ट मूल्यों पर, मूल्यह्रासित पद्ध ति (सिवाय पूंजीकृत ड्राइ डॉकिंग घटकों के) का उपयोग करते हुए कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–II में बताए गए अनुसार अथवा कंपनी द्वारा किए गए तकनीकी आकलन के आधार पर किया जाता है। इन परिसंपत्तियों का उपयोगी जीवनकाल निम्नानुसार है:

विवरण	उपयोगी जीवनकाल वर्षों में
भवन तथा बंक गृह	3 से 60
संयंत्र और मशीनरी	2 से 40
फर्नीचर एवं फिक्सचर	3 से 15
वाहन	5 से 20
कार्यालय उपकरण	2 से 20

नवीकृत/पुनरूद्धार किए गए पीपीई पर मूल्यह्रास, जिन्हें पृथक रूप से पूंजीकृत किया जाता है, पुनः आंकलित उपयोगी जीवनकाल पर किया जाता है जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–II में निर्दिष्ट जीवनकाल से अधिक नहीं है।

संगत रिग/वेसल के घटक के रूप में पूंजीकृत रिग तथा वेसलों की ड्राइ डॉकिंग संबंधी व्यय पर मूल्यह्रास को सीधी रेखा पद्धति पर ड्राइ डॉक अवधि पर प्रभारित किया जाता है।

अन्वेषणात्मक/विकासात्मक ड्रिलिंग हेतु प्रयुक्त सपोर्ट उपकरण तथा सुविधाओं सहित पीपीई पर मूल्यह्रास को प्रारंभ में ड्रिलिंग लागत के भाग के रूप में पूंजीकृत किया जाता है और उसका व्यय/निपटान नोट 3.15 के अनुसार किया जाता है। सर्वेक्षण क्रियाकलापों हेतु नियोजित उपकरण/परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास को लाभ एवं हानि के समेकित विवरण पर प्रभारित किया जाता है।

(ख) मूल्यह्रास – रिफाइनिंग और विपणन, खनिज तेल परिवहन व्यापार का पीपीई (फ्री–होल्ड भूमि तथा निर्माणाधीन संपत्तियों के अतिरिक्त)

मूल्यह्रास पीपीई की लागत घटा रिफाइनरी, पेट्रोरसायन, खनिज तेल परिवहन तथा एलएनी प्रचालन व्यापार से संबद्ध परिसंपत्ति के अवशिष्ट मूल्य पर सीधी रेखा पद्धति का उपयोग करके कंपनी अधिनियम, 2003 की अनुसूची–II में निर्दिष्ट उपयोगी जीवनकाल दर मुहैया करवाया जाता है सिवाय संयंत्र तथा उपकरण के कुछ घटकों के मामले में जिनका उपयोगी जीवनकाल तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित किया जाता है। उपयोगी जीवनकाल निम्नानुसार हैः

विवरण	उपयोगी जीवनकाल वर्षों में
भवन	1-60
संयंत्र और मशीनरी	2-40
फर्नीचर	3-10
कार्यालय उपकरण	3-15
वाहन	4-8

रिफाइनिंग और विपणन व्यापार के संबंध में निम्नलिखित परिसंपत्तियों का उपयोगी जीवनकाल आंतरिक तकनीकी मूल्यांकन पर आधारित होता है :

विवरण	उपयोगी जीवनकाल वर्षों में
खुदरा आउटलेट से संबंधित संयंत्र और मशीनरी (भंडारण टैंक तथा संबंधित उपकरण के अतिरिक्त)	**15 वर्ष**
केवर्न ढांचा	**60 वर्ष**
एलपीजी सिलेण्डर और रेगुलेटर	**15 वर्ष**

अत्यधिक मूल्य वाले (किसी परिसंपत्ति विशेष के मूल्य का 5 प्रतिशत) योजित शटडाउन के कारण पुनरूद्धार तथा मरम्मत पर किए गए व्यय को पीपीई के संगत मदों के घटक के रूप में पूंजीकृत किया जाता है और इसका मूल्यह्रास अगले शटडाउन की अवधि तक सरल रेखा पद्धति के आधार पर मुहैया करवाया जाता है। एक वर्ष से अधिक का जीवनकाल होने वाले उत्प्रेरक को संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण के रूप में पूंजीकृत किया जाता है और इसका उत्प्रेरक का उपयोग प्रारंभ किए जाने पर आपूर्तिकर्ता द्वारा निर्दिष्ट गारंटीबद्ध उपयोगी जीवनकाल पर मूल्यह्रास किया जाता है।

3.12 अमूर्त परिसंपत्तियां

(i) अलग से खरीदी गई अमूर्त परिसंपत्तियां :

समूह (ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के अतिरिक्त जहां क्रियाशील मुद्रा में परिवर्तन के परिणामस्वरूप यह छूट इंड एएस 101 के पैरा डी7कक के अनुसार उपलब्ध नहीं है) ने पूर्ववर्ती जीएएपी के अनुसार मापी गई 1 अप्रैल, 2015 (परिवर्तन तिथि) को मान्यता प्रदान की गई अपनी सभी अमूर्त परिसंपत्तियों के वहन मूल्य को जारी रखने का विकल्प चुना है और उक्त वहन मूल्य को परिवर्तन तिथि को मानद लागत माना है सिवाय समाप्त किए जाने की देयताओं से संबंधित समायोजन के।

अमूर्त परिसंपत्तियों को संचित परिशोधन और संचित क्षति हानियों, यदि कोई हो, की निवल लागत पर वहन किया जाता है। विकास लागतों के अतिरिक्त आंतरिक रूप से सृजित अमूर्त परिसंपत्तियों का पूंजीकरण नहीं किया जाता और संबंधित व्यय को उस अवधि के लाभ एवं हानि विवरण में प्रदर्शित किया जाता है जिसमें व्यय किया गया हो। विकास लागतों को परियोजना की तकनीकी तथा वाणिज्यिक व्यवहार्यता को प्रदर्शित किए जाने, भविष्य के आर्थिक लाभों के संभाव्य होने, समूह के परिसंपत्ति के उपयोग या बिक्री की मंशा तथा क्षमता के पूर्ण होने और लागत के विश्वसनीय ढंग से मापन किए जा सकने पर पूंजीकृत किया जाता है।

ऐसे मामलों में जहां समूह ने परिसंपत्तियों का निर्माण किया है और समूह के पास उपयोग का केवल अधिमानी अधिकार है, इन परिसंपत्तियों को अमूर्त परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और इनके उपयोगी जीवनकाल अथवा समझौते की अवधि, जो भी कम हो, पर परिशोधित किया जाता है (अवशिष्ट मूल्य के प्रतिधारण के पश्चात, यदि लागू हो)।

निश्चित उपयोगी जीवनकाल वाली अमूर्त परिसंपत्तियां जिन्हें पृथक रूप से अधिगृहीत किया गया हो, उन्हें उनके अनुमानित उपयोगी जीवनकाल पर सरल–रेखा आधार पर परिशोधित किया जाता है। उपयोग के अधिकार के रूप में अमूर्त परिसंपत्तियों को संबंधित परिसंपत्ति के उपयोगी जीवनकाल पर सरल रेखा आधार पर परिशोधित किया जाता है। अनुमानित उपयोगी जीवनकाल की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टाधीन अवधि के अंत में की जाती है और अनुमान में किसी परिवर्तन के प्रभाव को क्षति हेतु संदर्शी रूप से लेखांकित तथा परीक्षित किया जाता है।

अनिश्चितकालीन उपयोगी जीवनकाल वाली अमूर्त परिसंपत्तियां जिन्हें पृथक रूप से खरीदा जाता है, परिशोधन के अधीन नहीं है और उन्हें लागत घटा संचित क्षति हानियों, यदि कोई हो, पर किया जाता है।

किसी अमूर्त परिसंपत्ति को निपटान अथवा उपयोग या निपटान से भविष्य मे कोई आर्थिक लाभ न होने की संभावना पर विमान्य किया जाता है। किसी अमूर्त परिसंपत्ति को विमान्य किए जाने से उत्पन्न होने वाले लाभों तथा हानियों का मापन निवल निपटान प्राप्तियों तथा परिसंपत्ति की वहन राशि के मध्य अंतर के रूप में किया जाता है और इसे परिसंपत्ति को विमान्य किए जाने पर समेकित लाभ एवं हानि विवरण में दर्शाया जाता है।

उत्पादन प्रक्रिया तथा प्रक्रिया डिजाइन से संबंधित तकनीकी ज्ञान /लाइसेंस शुल्क को अमूर्त परिसंपत्तियों के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है।

अमूर्त परिसंपत्तियों (अधिगृहीत) का उपयोगी जीवनकाल निम्नानुसार है :

- सॉफ्टवेयर – 2 से 10 वर्ष
- तकनीकी ज्ञान/लाइसेंस शुल्क – 2 से 10 वर्ष
- पवन मिल को उपयोग करने का अधिकार – 22 वर्ष

(ii) विकास के अधीन होने वाली अमूर्त परिसंपत्तियां–प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं :

अन्वेषणात्मक तथा मूल्यांकन कुओं के ड्रिलिंग तथा उन्हें उपकरण प्रदान किए जाने में वहन की गई सारी अन्वेषण तथा मूल्यांकन लागतों को प्रारंभ में विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियों–प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं के रूप में पूंजीकृत किया जाएगा जब तक कि इन्हें या तो टिप्पणी संख्या 3.15 के अनुसार पूर्णता पर तेल तथा गैस परिसंपत्तियों को अंतरित करवाया जाए अथवा शुष्क या और उपयोग न होने, जैसा भी मामला हो, वाले के रूप में निर्धारित किए जाने के पश्चात अन्वेषण तथा मूल्यांकन लागत (आवंटित मूल्यह्रास सहित) के रूप में व्यय दर्शाया जाए।

अन्वेषणात्मक प्रकार के स्ट्रेटीग्राफिक जांच कुओं की ड्रिलिंग की लागत को प्रारंभ में विकास के अधीन अमूर्त परिसंपत्तियों–प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं के रूप में पूंजीकृत किया जाएगा जब तक कि इन्हें या तो टिप्पणी संख्या 3.15 के अनुसार पूर्णता पर तेल तथा गैस परिसंपत्तियों को अंतरित करवाया जाए अथवा शुष्क या पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस/फील्ड/परियोजना को छोड़ने, जैसा भी मामला हो, वाले के रूप में निर्धारित किए जाने के पश्चात अन्वेषण तथा मूल्यांकन लागत (आवंटित मूल्यह्रास सहित) के रूप में व्यय दर्शाया जाए।

आगे न ले जाए गए अन्वेषणात्मक कुओं की लागत जब तक यह तर्कसंगत रूप से दर्शाया न जाए कि भडारो की पर्याप्त मात्रा के संकेत है भंडारो का आकलन करने मे पर्याप्त प्रगति हुई है तथा परियोजना आर्थिक एव प्रचालन रूप से अर्थक्षम है । आगे ले जाई गई ऐसी सारी लागतें समूह की नीति के अनुसार क्षति हेतु समीक्षा के अधीन हैं।

3.13 साख के अतिरिक्त मूर्त तथा अमूर्त परिसंपत्तियों की क्षति

समूह प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में किसी "नकदी उत्पादन इकाई" (सीजीयू) की अपनी मूर्त तथा अमूत परिसंपत्तियों (तेल तथा गैस परिसंपत्तियां, प्रगतिधीन विकास कुएं (डीडब्ल्यूआईपी), और संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण (प्रगत्यधीन पूंजी कार्यों सहित) की समीक्षा यह निर्धारित करने के लिए करता है कि क्या इसका कोई संकेत है कि ऐसी परिसंपत्तियों को क्षति हुई है। यदि ऐसा कोई संकेत मौजूद होता है तो परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान हानि क्षति (यदि कोई हो) की सीमा के निर्धारण के लिए लगाया जाता है। जब किसी पृथक संपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाना संभव नहीं होता तो समूह उस परिसंपत्ति के नकदी उत्पादन इकाई की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाता है।

''मार्गाधिकार'' जैसी अनिश्चितकालीन उपयोगी जीवनकाल वाली अमूर्त परिसंपत्तियों और अभी उपयोग हेतु उपलब्ध न होने वाली अमूर्त परिसंपत्तियों का परीक्षण कम से कम वार्षिक तौर पर या जब कभी परिसंपत्ति में क्षति का कोई संकेत हो तो क्षति हेतु उनकी जांच की जाती है।

वसूली योग्य राशि उचित मूल्य घटा निपटान की लागत तथा उपयोग के मूल्य से अधिक होगी। उपयोग में होने

वाले मूल्य का आकलन करते समय अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाहों को एक कर–पूर्व छूट दर का उपयोग करते हुए उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है जो धन के समय मूल्य के वर्तमान बाजार आकलन और उस परिसपंत्ति से जुड़े विशिष्ट जोखिमों को दर्शाता है जिसके लिए भविष्य के नकदी प्रवाह के अनुमानों को समायोजित नहीं किया गया है।

यदि किसी परिसंपत्ति (अथवा नकदी उत्पादन इकाई) की वसूली योग्य राशि का अनुमान इसकी वहन राशि से कम लगाया गया हो तो परिसंपत्ति (अथवा नकदी उत्पादन यूनिट) की वहन राशि को कम करके उसकी वसूली योग्य राशि तक लाया जाता है। हानि क्षति को तत्काल समेकित लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी जाती है।

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में यह देखने के लिए एक आकलन किया जाता है कि इसके कोई संकेत हैं कि पहले पहचान की गई क्षति के कोई संकेत अब मौजूद हैं अथवा कम हो गए हैं। पिछली क्षति को मान्यता दिए जाने के समय से परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि के निर्धारण में प्रयुक्त अनुमानों में कोई परिवर्तन होने से क्षति को वापिस किया जाता है। यदि ऐसा हो तो परिसंपत्ति की वहन राशि को बढ़ाकर इसके वसूली योग्य मूल्य से कम पर लाया जाता है और मूल्यह्रास के निवल निर्धारित की गई वहन राशि में पिछले वर्षों हेतु किसी क्षति को मान्यता नही दी जाती है। वापिस किए जाने के पश्चात मूल्यह्रास प्रभार को भविष्य की अवधियों में परिसंपत्ति की संशोधित वहन राशि को आवंटित किया जाता है, किसी अवशिष्ट मूल्य को घटाते हुए, इसके शेष उपयोगी जीवनकाल में एक व्यवस्थित आधार पर हानि क्षति की वापिसी को समेकित लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी जाती है।

अन्वेषणात्मक और मूल्यांकन परिसंपत्तियों का क्षति हेतु परीक्षण उस स्तर पर किया जाता है जब निकट भविष्य में आगे के अन्वेषण क्रियाकलापों की योजना नहीं बनाई जाती अथवा जब यह दर्शाने के लिए पर्याप्त डाटा मौजूद होता है कि यद्यपि विशिष्ट क्षेत्र में एक विकास के होने की संभावना है, अन्वेषण परिसंपत्ति की वहन राशि को सफल विकास या बिक्री द्वारा पूरी तरह से वसूले जाने की संभावना नहीं है। क्षति को बाद में इस सीमा तक वापिस किया जाता है कि क्षति हेतु स्थितियों अब मौजूद नहीं हैं।

3.14 अन्वेषण और मूल्यांकन, विकास एवं उत्पादन लागत

(i) अधिग्रहण–पूर्व लागत

तेल एवं गैस के अन्वेषण, विकास और उत्पादन के अधिकार को प्राप्त करने से पूर्व किए गए व्यय को किए जाने पर लिया जाता है।

(ii) अधिग्रहण लागत

तेल एवं गैस संपत्ति की अधिग्रहण लागत खनिज हित को प्राप्त करने से संबंधित लागत है और उसका लेखांकन उपचार निम्नानुसार किया जाता है:

अन्वेषण और विकास चरण

अन्वेषण या विकास के अंतर्गत होने वाली परियोजनाओं से संबंधित अधिग्रहण लागत को प्रारंभ में क्रमशः विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां – प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं अथवा विकासाधीन तेल और गैस परिसंपत्तियां – प्रगतिधीन विकास कुएं के रूप में लेखांकित किया जाता है। ऐसी लागतों को तब तेल और गैस परिसंपत्तियों को अंतरित करते हुए पूंजीकृत किया जाता है जब कुआं वाणिज्कि उत्पादन प्रारंभ करने के लिए तैयार हो जाता है। विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों – प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुओं के परित्याग/छोड़ दिए जाने के मामले में, ऐसी लागतों को बट्टे खाते में डाला जाता है।

उत्पादन चरण

उत्पादनशील तेल एवं गैस परिसंपत्ति की अधिग्रहण लागत को तेल तथा गैस परिसंपत्ति के अंतर्गत प्रमाणित संपत्ति अधिग्रहण लागत के रूप में पूंजीकृत किया जाता है और अंतर्निहित परिसंपत्तियों के प्रमाणित भंडारों पर उत्पादन पद्धति की इकाई का उपयोग करते हुए परिशोधित किया जाता है।

(iii) सर्वेक्षण लागत

सर्वेक्षण लागत तथा तेल एवं गैस की खोज में संचालित सर्वेक्षण क्रियाकलापों को उसी वर्ष में अन्वेषण लागत के रूप में व्यय में दर्शाया जाता है, जिसमें उन्हें व्यय किया जाता है।

(iv) विकासाधीन तेल और गैस परिसंपत्ति – प्रगतिधीन सात्मक कुएं

विकास कुओं से संबंधित सभी लागतों को प्रारंभ में ''प्रगतिधीन सात्मक कुए'' के रूप में पूंजीकृत किया जाता है और ''पूर्णता'' पर ''तेल और गैस परिसंपत्तियों'' को अंतरित किया जाता है।

(v) उत्पादन लागत

उत्पादन लागत में सहायक उपस्कर एवं सुविधाओं के मूल्यह्रास एवं लागू प्रचालन लागतों सहित कूप–पूर्व शीर्ष एवं कूप–पश्चात शीर्ष व्यय सम्मिलित रहते हैं।

(vi) प्रतिभागिता अधिकारों से संबंधित खरीद लागत की क्षति

क्षति परीक्षण के प्रयोजनों हेतु खरीद लागत को समूह के उन सीजीयू (अथवा सीजीयू के समूहों)

में से प्रत्येक को आवंटित किया जाता है जिनकी संयोजन की सहक्रियाओं से लाभान्वित होने की आशा होती है।

खरीद लागत आवंटित किए गए किसी सीजीयू का परीक्षण क्षति हेतु वार्षिक रूप से तब किया जाता है जब यह संकेत हो कि यूनिट को क्षति होगी। यदि नकदी उत्पादन यूनिट की वसूली योग्य राशि उसकी वहन राशि से कम है तो यूनिट को आवंटित किसी खरीद लागत की वहन राशि को कम करने के लिए पहले क्षति को आवंटित किया जाता है और फिर यूनिट की अन्य परिसंपत्तियों को यथा अनुपात आधार पर यूनिट में प्रत्येक परिंपत्ति की वहन राशि पर। खरीद लागत हेतु मान्यता प्रदान की गई क्षति हानि को बाद की अवधियों में वापिस नहीं किया जाता है।

संगत सीजीयू के निपटान पर अधिग्रहण लागत की आरोप्य वहन राशि को निपटान पर लाभ तथा हानि के निर्धारण में शामिल किया जाता है।

3.15 तेल एवं गैस परिसंपत्तियाँ

समूह (ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के अतिरिक्त जहां क्रियाशील मुद्रा में परिवर्तन के परिणामस्वरूप यह छूट इंड एएस 101 के पैरा डी7कक के अनुसार उपलब्ध नहीं है) ने पूर्ववर्ती जीएएपी के अनुसार मापी गई 1 अप्रैल, 2015 (परिवर्तन तिथि) को मान्यता प्रदान की गई अपनी सभी तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के वहन मूल्य को जारी रखने का विकल्प चुना है और उक्त वहन मूल्य को परिवर्तन तिथि को मानद लागत माना है सिवाय समाप्त किए जाने की देयताओं से संबंधित समायोजन के।

तेल एवं गैस परिसंपत्तियों को ऐतिहासिक लागत में से संचित क्षय और क्षति हानियों को घटाकर दर्शाया जाता है। जब किसी क्षेत्र/फील्ड में कोई कूप वाणिज्यिक उत्पादन के लिए तैयार हो जाता है, तब इन्हें प्रमाणित विकसित तेल एवं गैस भंडारों वाले क्षेत्र/फील्ड के संबंध में सृजित किया जाता है।

भूमि के अस्थायी अधिग्रहण, सफल अन्वेषणात्मक कूपों, सभी विकसित कूओं (सेवा कुओं सहित), ड्रिलिंग हेतु प्रयुक्त सम्बद्ध उपस्कर पर मूल्यह्रास एवं अनुमानित भावी परित्याग लागतों को पूंजीगत किया जाता है तथा इन्हें तेल एवं गैस संपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

"उत्पादन की यूनिट पद्धति" का उपयोग करते हुए तेल तथा गैस परिसंपत्तियों का क्षय किया जाता है। क्षय के दर की गणना पृथक पटटे/लाइसेंस/परिसंपत्ति/फील्ड/परियोजना/परिशोधन आधार द्वारा कवर किए गए क्षेत्र के संदर्भ में प्रमाणित विकसित संसाधनों और अनुमानित भविष्य की समाप्ति/परित्याग लागत जो अंतिम मूल्य के निवल होगी, सहित वहन की गई संबंधित पूंजी लागतों और प्रमाणित विकसित भण्डारों पर विचार करते हुए की जाती है। तेल तथा गैस परिसंपत्तियों की अधिग्रहण लागत को प्रमाणित भण्डारों पर विचार करते हुए क्षय किया जाता है। इन भण्डारों का अनुमानन वार्षिक तौर पर कम्पनी की भण्डार आकलन समिति द्वारा किया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय भण्डार अभियांत्रिकी प्रक्रियाओं का पालन करती है।

3.16 साइड ट्रैकिंग

अन्वेषणात्मक कुएं के मामले में, साइड ट्रैकिंग की लागत के साथ वैसा ही व्यवहार किया जाता है जैसा कि किसी नए अन्वेषणात्मक कुएं पर व्यय की गई लागत के साथ। साइड ट्रैक किए गए अन्वेषणात्मक कुओं के परित्यक्त कूप की लागत को ''बट्टेखाते में डाली गई अन्वेषण ात्मक कूपं लागत'' के रूप में व्यय दर्शाया जाता है।

विकास कुएं के मामले में, परित्यक्त भाग और साइड ट्रैकिंग की समूची लागत को पूंजीकृत किया जाता है।

उत्पादनशील कुओं के मामले में, यदि साइड ट्रैकिंग अतिरिक्त प्रमाणित विकसित तेल तथा गैस भण्डारों में परिणत होती है या कार्य–निष्पादन के पूर्व में आकलित मानक से परे भविष्य के आर्थिक लाभों में वृद्धि करती है, तो कुएं के परित्यक्त भाग की लागत का क्षय सामान्य तरीके से किया जाता है। अन्यथा साइड ट्रैकिंग की लागत को ''वर्क–ओवर व्यय'' के रूप में व्यय दर्शाया जाता है।

3.17 समाप्त किए जाने की लागतें

समाप्त की जाने की लागतों में पुनरूद्धार की लागत शामिल होती है। समाप्त किए जाने की लागतों हेतु प्रावधानों को मान्यता तब दी जाती है जब समूह की किसी कुएं को प्लग तथा परित्याग करने की कोई कानूनी या निर्माण संबंधी बाध्यता हो, किसी सुविधा अथवा संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण की मद को हटाना हो और जिस स्थल पर वह स्थित था उसका पुनरूद्ध ार करना हो। समाप्त किए जाने, परित्याग किए जाने तथा कुआं स्थलों और संबंधित सुविधाओं के पुनरूद्धार से संबंधित लागतों के प्रति कुओं अंतिम अनुमानित देयता की पहचान संबंधित परिसंपत्तियों में तब की जाती है जब कुआं/सुविधाएं पूर्ण हो अथवा संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरणों को स्थापित किया गया हो।

अनुमानित भविष्य के व्यय के वर्तमान मूल्य में मान्यता दी गई राशि का निर्धारण वर्तमान मूल्यों पर विद्यमान प्रौद्योगिकी का उपयोग करके तथा समाप्ति की प्रत्याशित तिथि तक उचित मुद्रास्फीति दर का उपयोग करके इसे बढाकर और उचित जोखिम मुक्त छूट दर का प्रयोग करते हुए रिपोर्टिंग तिथि तक छूट देकर किया जाता है।

समाप्ति प्रावधान के समतुल्य राशि को अन्वेषणात्मक कुएं या संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण की लागत के साथ

मान्यता प्रदान की जाती है। शुष्क कुओं के संबंध में समाप्ति लागत का व्यय अन्वेषणात्मक कुआं लागत के रूप में किया जाता है।

छूट को आवधिक रूप से दिए जाने के अतिरिक्त अनुमानित समाप्ति व्यय के वर्तमान मूल्य में किसी परिवर्तन को समाप्ति प्रावधान तथा संबंधित परिसंपत्ति के तदनुरूपी वहन मूल्य में समायोजित किया जाता है। समाप्ति प्रावधान की वापिसी संबंधित परिसंपत्ति की तदनुरूपी वहन राशि से अधिक होने पर आधिक्य राशि को समेकित लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है। प्रावधान पर छूट की समाप्ति को समेकित लाभ एवं हानि विवरण पर वित्त लागत के रूप में प्रभारित किया जाता है।

संयुक्त प्रचालनों के अंतर्गत होने वाले परिसंपत्तियों के संबंध में समाप्ति लागत हेतु प्रावधान संबंधित प्रचालन समिति द्वारा अनुमोदित अनुमान के आधार पर समूह के प्रतिभागिता हित के अनुसार किया जाता है। जहां उक्त को संबंधित प्रचालन समिति द्वारा अनुमोदित न किया जाए, कंपनी के परित्याग लागत अनुमानों पर विचार किया जाता है।

3.18 माल–सूची

(क) कच्चा माल और प्रक्रियाधीन स्टाक – रिफाइनरी तथा पेट्रोरसायन

कच्चे माल तथा प्रक्रियाधीन स्टाक को लागत अथवा निवल वसूली योग्य मूल्य से कम पर मूल्यांकित किया जाता है। कच्चे माल का मूल्यांकन प्रथम आगत प्रथम निर्गत (एफआईएफओ) आधार पर किया जाता है। प्रक्रियाधीन स्टाक की लागत में कच्चा माल सामग्री और आनुपातिक परिवर्तन लागत शामिल है।

ल्यूब्रिकेंट हेतु कच्चे माल का मूल्यांकन भारित औसत लागत या निवल वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है।

(ख) तैयार तथा अर्ध–तैयार वस्तुएं :–

(i) **अन्वेषण और उत्पादन प्रचालन (ई एण्ड पी)**

तैयार माल (गंधक को छोड़कर) तथा पाइपलाइनों/टैंकों में मालसूची एवं कार्बन क्रेडिट को लागत या शुद्ध उगाही योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर मूल्यांकित किया जाता है। तैयार माल की लागत समावेशन लागत विधि के आधार पर निर्धारित की जाती है। गंधक को शुद्ध उगाही योग्य मूल्य पर मूल्यांकित किया जाता है। मालसूचियों के मूल्य में उत्पाद शुल्क, रायल्टी (जहां कहीं लागू हो) शामिल रहते है, परंतु उपकर शामिल नहीं रहता है।

समूह एकत्रीकरण स्टेशनों (जीजीएस) पर अर्द्धपरिशोधित कच्चे तेल को अवशोषण लागत पद्धति से अथवा शुद्ध प्राप्य मूल्य, जो भी कम हो, पर मूल्यांकित किया जाता है।

समूह एकत्रीकरण स्टेशनों/प्लेटफॉर्म तक प्रवाह लाइनों में गैर परिशोधित स्थिति में खनिज तेल को मूल्यांकित नहीं किया जाता है क्योंकि यह मापन–योग्य नहीं है। प्राकृतिक गैस का मूल्यांकन नहीं किया जाता क्योंकि इसे भंडारित नहीं किया जाता है।

(ii) **रिफाइनरी और पेट्रोरसायन**

तैयार वस्तुओं (ल्यूब्रिकेंट के अतिरिक्त) की रिफाइनिंग तथा पेट्रोरसायन लागत का निर्धारण कच्चे माल की लागत, परिवर्तन लागत और उत्पाद शुल्क के आधार पर किया जाता है।

तैयार उत्पादों (ल्यूब्रिकेंट) का मूल्यांकन भारित औसत लागत या निवल वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है।

व्यापार में होने वाले स्टॉक का मूल्यांकन भारित औसत लागत आधार पर किया जाता है।

खाली पैकेज का मूल्यांकन भारित औसत लागत पर किया जाता है।

अर्ध तैयार वस्तुओं की लागत का निर्धारण कच्चे माल की लागत और आनुपातिक परिवर्तन लागत के आधार पर किया जाता है।

कच्चे माल/बॉण्डेड वेअरहाऊस में पड़े माल पर सीमा शुल्क को लागू दरों पर मुहैया करवाया जाता है सिवाय वहां के जहां शुल्क के भुगतान का दायित्व प्रेषिती को अंतरित किया गया है।

विनिर्माण स्थलों पर पड़े तैयार स्टॉक पर उत्पाद शुल्क को लागू शुल्क पर आधारित प्रत्येक स्थल पर लागू आंकलन योग्य मूल्य पर मुहैया करवाया जाता है।

तैयार वस्तुओं और व्यापार में होने वाले स्टॉक का निवल वसूली योग्य मूल्य तेल विपणन कंपनियों को बिक्री हेतु अंतिम बिक्री मूल्य और स्थलों पर लागू डिपो मूल्य है। स्टॉक मूल्यांकन के प्रयोजन हेतु तेल विपणन कंपनियों को बिक्री और उपभोक्ता बिक्री के अनुपात का निर्धारण बाद की अवधि की स्थल–वार तथा उत्पाद वार बिक्री पर किया जाता है।

(ग) भण्डार तथा कलपुर्जे

भण्डारों तथा कलपुर्जों की मालसूची का मूल्यांकन भारित औसत लागत या निवल वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है। जहां कहीं भारित औसत लागत या निवल वसूली योग्य मूल्य उपलब्ध नहीं होता है, प्रचालक द्वारा उपलब्ध कराई गई लागत को भण्डार तथा कलपुर्जे के मूल्यांकन पर

लिया जाता है। अप्रचलित तथा खपत न होने वाली मालसूची के लिए प्रावधान किया जाता है।

गैर–प्रयोज्य तथा निष्प्रयोज्य मदों के निर्धारण पर अनुमानित निवल वसूली योग्य मूल्य पर उनकी गणना की जाती है।

3.19 राजस्व मान्यता

उत्पादों की बिक्री से उत्पन्न राजस्व को तब मान्यता दी जाती है जब स्वामित्व के व्यापक जोखिम तथा प्रोत्साहन क्रेता को सौंप दिए जाते हैं, जो ग्राहकों को अभिरक्षा के अंतरण बिन्दु पर होती है और राजस्व की राशि का मापन विश्वसनीय ढंग से किया जा सकता है तथा यह संभावना है कि लेन देन से संबद्ध आर्थिक लाभ समूह को प्राप्त होंगे।

सेवाओं से राजस्व को तब मान्यता दी जाती है जब सेवाओं के परिणाम का विश्वसनीय तौर पर अनुमान लगाया जा सके और यह संभावना हो कि सेवाओं के प्रदान किए जाने से संबद्ध आर्थिक लाभ समूह को प्राप्त होंगे और राजस्व की राशि का मापन विश्वसनीय ढंग से किया जा सकेगा।

राजस्व का मापन प्राप्त या प्राप्य मूल्य के उचित मान पर किया जाता है और यह व्यापार के सामान्य चालन के दौरान प्रावधान की गई वस्तुओं तथा सेवाओं हेतु प्राप्य राशि को दर्शाता है जो छूट, वस्तु एवं सेवा कर तथा बिक्री कर/वैट आदि के निवल होगी। मूल्यों के किसी भी पश्चगामी संशोधन को ऐसे संशोधन के वर्ष में लेखांकित किया जाता है।

राजस्व का आवंटन निष्ठा कार्यक्रमों तथा बिक्री के अन्य घटकों के मध्य किया जाता है। निष्ठा कार्यक्रम को आवंटित राशि को विलंबित किया जाता है और इसे तब राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है जब समूह ने कार्यक्रम की शर्तों के अधीन उत्पादों की आपूर्ति करने की अपनी बाध्यता को पूरा किया हो या जब इसकी संभावना न हो कि कार्यक्रम के अंतर्गत प्वाइंट को भुनाया जाएगा। जब समूह किसी तृतीय पक्ष की ओर से एजेंट के रूप में कार्य करता है तो संबद्ध आय को निवल आधार पर मान्यता प्रदान की जाती है।

बिक्री में उस समूह के सभी संबधित व्यय शामिल होंगे जिनका भुगतान सरकार द्वारा संबंधित क्षेत्र/परियोजना में समूह के क्रियाकलापो को शासित करने वाले समझौतों के अंतर्गत प्रावधानों पर आधारित होगा।

खनिज तेल (कंडेंसेट सहित) के संबंध में बेची गई मात्राओं रहित हकदार मात्रा के बीच रिपोर्टिंग तिथि को कोई अंतर यदि सकारात्मक (अर्थात् उठाई गई कम मात्रा) होता है, तब आनुपातिक उत्पादन को पूर्व प्रदत्त व्यय के रूप में माना जाता है, यदि ऋणात्मक (अर्थात् उठाई गई अधिक मात्रा हो) हो, तब लाभ एवं हानि के विवरण में तदनुरूपी प्रभार सहित खनिज तेल की अधिक उठाई गई मात्रा के समाधान के लिए भावी अवधि में पूर्व–निश्चित होने वाली खनिज तेल की मात्रा के संबंध में संयुक्त प्रचालन करार(जेओए)/ उत्पादन भागीदारी संविदा(पीएसए) के अनुसार उत्पादन खर्चों में कंपनी के आनुपातिक अंश के सर्वोत्तम प्राक्कलन हेतु एक देयता सृजित की जाती है।

कम उठाई गई गैस मात्रा, जिसके लिए बाद की अवधि में ऐसी गैस की आपूर्ति करने के लिए बाध्यता रहती है, के संबंध में प्राप्त किसी भुगतान को प्राप्ति वर्ष में आस्थगित राजस्व के रूप में स्वीकार किया जाता है। इसी को उस वर्ष में राजस्व के रूप स्वीकार किया जाता है, जिसमें ऐसी गैस की वास्तविक आपूर्ति नई मात्रा के लिए की जाती है या उस वर्ष में जिसमें ऐसी गैस की आपूर्ति करने की बाध्यता समाप्त हो जाती है, जो भी पहले हो।

समूह ने अपने ग्राहकों के साथ कुछ "टेक ओर पे" व्यवस्थाएं की हैं जिसमें समूह को व्यवस्था के अनुसार विशिष्ट मात्रांए डिलीवर करनी होती है। व्यवस्था की शर्तों के अनुसार ग्राहक द्वारा कम उठान के मामले में समूह कम उठान की गई मात्राओं संबंधी राजस्व को प्राप्त करने का पात्र है। ले जाओ या भुगतान करो व्यवस्था के अंतर्गत कम उठान की गई मात्राओं के संबंध में राजस्व, को तब मान्यता दी जाती है जब कम उठान की गई मात्रा की आपूर्ति की समूह की बाध्यताएं व्यवस्था के अनुसार समाप्त हो जाती हैं और इसकी संभावना होती है कि आर्थिक लाभ समूह को प्राप्त होंगे।

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों – प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुओं/विकासाधीन तेल तथा गैस परिसंपत्तियों – प्रगतिधीन विकास कुओं से उत्पादित खनिज तेल और प्राकृतिक गैस की बिक्री (करों का निवल) की ऐसे कुओं पर किए गए व्यय में से कटौती की जाती है।

निम्नलिखित के संबंध में राजस्व को तब मान्यता दी जाती है जब अंतिम एकत्रीकरण के संबंध में तर्कसंगत निश्चितता हो :

- गैस पूल लेखे से अधिशेष
- ग्राहकों से विलंबित वसूली पर ब्याज
- संविदाकारों/आपूर्तिकारों से परिसमाप्त क्षतियां

तेल तथा गैस भण्डारों के निष्कर्षण हेतु भारत सरकार के साथ की गई उत्पादन साझेदारी संविदाओं के अनुसार लागत की वसूली के पश्चात भण्डारों के दोहन से होने वाली आय में से राजस्व के एक भाग का भुगतान भारत सरकार को किया जाता है जिसे लाभ पेट्रोलियम कहते हैं और इसे उत्पादों की बिक्री से लाभ पेट्रोलियम में भारत सरकार के अंश के रूप में घटाया जाता है।

वित्तीय पटटे पर दी गई परिसंपत्तियों के संबंध में वित्त आय को वित्त पट्टे के संबंध में बकाया निवल निवेश पर प्रतिफल की एक स्थिर आवधिक दर को दर्शाने वाले पैटर्न के आधार पर मान्यता दी जाती है।

लाभांश और ब्याज आय

निवेशों से लाभांश आय को तब मान्यता दी जाती है जब भुगतान प्राप्त करने का शेयरधारक का अधिकार स्थापित हो जाता है।

वित्तीय परिसपंत्तियों से ब्याज आय को तब मान्यता दी जाती है जब यह संभाव्य हो कि आर्थिक लाभ समूह को प्राप्त होंगे और आय की राशि का मापन विश्वसनीय ढंग से किया जा सकता हो। ब्याज आय बकाया मूल राशि के संदर्भ में समय आधार और प्रारंभिक मान्यता पर लागू प्रभावी ब्याज दर पर प्रोदभूत होती है।

3.20 पट्टे

पट्टे तब वित्तीय पट्टों के रूप में वर्गीकृत किए जाते हैं जब पट्टा अंतरण की शर्तें किसी परिसंपत्ति के स्वामित्व से प्रासंगिक सभी जोखिमों तथा पुरस्कारों को व्यापक रूप से समूह को अंतरित कर दें। अन्य सभी पट्टों को प्रचालन के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

स्थायी पट्टे के अंतर्गत होने वाली भूमि को वित्तीय पटटे के रूप में रेखांकित किया जाता है जिसे पटटे हेतु अदा किए गए एकमुश्त प्रीमियम तथा पट्टा किराया बाध्यता के वर्तमान मूल्य पर मान्यता दी जाती है। तदनुरूपी देयता को वित्तीय पट्टा देयता के रूप में मान्यता दी जाती है। गैर–स्थायी पट्टों के अंतर्गत भूमि को प्रचालनशील पट्टा भुगतान के रूप में लिया जाता है।

प्रचालनशील पट्टा भुगतानों को पूर्व भुगतान के रूप में मान्यता दी जाती है और इन्हें पट्टे की अवधि पर एक सरल रेखा आधार पर परिशोधित किया जाता है। आकस्मिक किराया, यदि कोई हो, जो प्रचालनशील पट्टों के अंतर्गत उत्पन्न होता हो, उन्हें उनके वहन किए जाने की अवधि में व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है।

3.21 विदेशी मुद्रा लेन–देन

समूह के प्रत्येक निकाय के वित्तीय विवरणों में शामिल मदों का मापन उस प्राथमिक परिवेश की मुद्रा का उपयोग करते हुए किया जाता है जिसमें निकाय प्रचालन करता हो ("क्रियात्मक मुद्रा")। समेकित वित्तीय विवरणों को भारतीय रूपये में प्रस्तुत किया जाता है, जो कंपनी की क्रियात्मक मुद्रा और समूह की प्रस्तुतीकरण मुद्रा है।

संबंधित निकाय की क्रियात्मक मुद्रा (विदेशी मुद्रा) के अंतिरिक्त मुद्राओं में लेन–देन की पहचान लेन–देन की तिथि को विद्यमान विनिमय की दरों पर की जाती है। प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में विदेशी मुद्राओं में दर्शायी गई मौद्रिक मदों को रिपोर्टिंग अवधि के अंतिम दिवस को विद्यमान विनिमय दर का उपयोग करके परिवर्तित किया जाता है। विदेशी मुद्राओं में दर्शायी गई उचित मूल्य पर ली गई गैर–मौद्रिक मदों को उचित मूल्य निर्धारण की जाने वाली तिथि को विद्यमान दरों पर परिवर्तित किया जाता है। किसी विदेशी मुद्रा में ऐतिहासिक लागत पर मापी गई गैर–मौद्रिक मदों का मापन उस तिथि को विद्यमान विनिमय दरों पर परिवर्तन करके किया जाता है।

मौद्रिक मदों पर विनिमय अंतर को समेकित लाभ तथा हानि विवरण में उस अवधि में मान्यता दी जाती हैं जिसमें वे उत्पन्न हुए हों सिवाय भविष्य के उत्पादक उपयोग हेतु निर्माणाधीन परिसंपत्तियों से संबंधित विदेशी मुद्रा ऋणों पर विनिमय अंतर के चलते उत्पन्न होने वाले, जिन्हें विदेशी मुद्रा ऋण पर ब्याज लागतों के एक समायोजन के रूप में इन परिसंपत्तियों की लागत पर शामिल किया जाता है।

मौद्रिक मदों पर विनिमय अंतरों की पहचान लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में उस अवधि में की जाती है जिसमें वे उत्पन्न हुए हों सिवाय मौद्रिक मद पर विनिमय अंतर के, जो किसी विदेशी प्रचालन में समूह के निवल निवेश का हिस्सा होते हैं जिन्हें प्रारंभ में अन्य व्यापक आय में मान्यता दी जाती है और मौद्रिक मदों के पुनर्भुगतान पर लाभ तथा हानि के समेकित विवरण में इक्विटी से पुनः वर्गीकृत किया जाता है।

दीर्घावधि विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों के संबंध में विनिमय अंतर को लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता दी जाती है सिवाय 31 मार्च, 2016 के अनुसार मान्यता प्रदान की गई दीर्घावधि विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों से संबंधित विनिमय अंतर के मामले में जहां तक ये मूल्यह्रास वाली परिसंपत्तियों के अधिग्रहण से संबंधित हैं, और इन्हें ऐसी परिसंपत्तियों की लागत के प्रति समायोजित किया जाता है तथा उक्त समायोजन का मूल्यह्रास परिसंपत्ति के शेष जीवनकाल में और अन्य मामलों में दीर्घावधि विदेशी मुद्रा मौद्रिक परिसंपत्तियों या देयताओं की शेष अवधि में।

किसी विदेशी प्रचालन की समाप्ति (अर्थात विदेशी प्रचालन में समूह के समूचे हित का निपटान, किसी अनुषंगी पर नियंत्रण समाप्ति शामिल होने वाला निपटान जिसमें कोई विदेशी प्रचालन शामिल हो, अथवा संयुक्त व्यवस्था या किसी एसोसिएट में किसी हित का आंशिक निपटान, जिसका कोई विदेशी प्रचालन था जिसमें से प्रतिधारित हित एक वित्तीय संपत्ति बन जाता है) पर कंपनी के स्वामियों को आरोप्य उस प्रचालन के संबंध में इक्विटी में संचित सभी विनियम अंतरों को समेकित लाभ एवं हानि विवरण में पुनः वर्गीकृत किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, किसी अनुषंगी में आंशिक निपटान, जिसमें कोई विदेशी प्रचालन शामिल है जो समूह का ऐसी

अनुषंगी पर नियंत्रण समाप्त नहीं कर देता, से संचित विनिमय अंतरों के अनुपातिक अंश को गैर–नियंत्रक हितों को पुनः आरोपित किया जाता है और उन्हें समेकित लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता नहीं दी जाती। अन्य सभी प्रकार के आंशिक निपटानों (अर्थात एसोसिएट या संयुक्त व्यवस्थाओं का आंशिक निपटान जो समूह के महत्वपूर्ण प्रभाव या संयुक्त नियंत्रण को खोने में परिणत नहीं होता) हेतु संचित विनिमय अंतरों के अनुपातिक अंश को समेकित लाभ एवं हानि विवरण में पुनः वर्गीकृत किया जाता है।

साख और खरीदी गई पहचान योग्य परिसंपत्तियों को उचित मूल्य समायोजन तथा किसी विदेशी प्रचालन के अधिग्रहण के माध्यम से ली गई देयताओं को विदेशी प्रचालन की परिसंपत्तियों तथा दायित्व के रूप में लिया जाता है और उन्हें प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में विद्यमान विनिमय दर पर परिवर्तित किया जाता है। उत्पन्न होने वाली विनिमय अंतरों को अन्य व्यापक आय में मान्यता प्रदान की जाती है।

प्रस्तुतीकरण मुद्रा के अतिरिक्त क्रियात्मक मुद्रा वाले निकायों को भारतीय रूपये में प्रस्तुतीकरण मुद्रा में परिवर्तित किया जाता है। समूह ने क्रियात्मक मुद्रा से प्रस्तुतीकरण मुद्रा तक अपने परिणामों को तथा वित्तीय स्थिति के परिवर्तन हेतु निम्नलिखित सिद्धांतों को लागू किया है :

प्रस्तुत प्रत्येक तुलन–पत्र हेतु परिसंपत्तियों तथा देयताओं (इक्विटी शेयर पूंजी तथा अन्य इक्विटी के अतिरिक्त) (अर्थात तुलनात्मक सहित) को तुलन–पत्र की तिथि को अंतिम दर में परिवर्तित किया गया है।

यौगिक वित्तीय लिखत के इक्विटी घटक सहित इक्विटी शेयर पूंजी को संव्यवहार की तिथि की वित्तीय दरों पर परिवर्तित किया गया है। पूंजीगत आरक्षित को संव्यवहार की तिथि के विनिमय दर पर परिवर्तित किया गया है। अन्य आरक्षितों को संबंधित अवधि की औसत विनिमय दरों का उपयोग करके परिवर्तित किया गया है।

प्रत्येक समेकित लाभ एवं हानि विवरण हेतु आय एवं व्यय को संव्यवहार की तिथि को मौजूद विनिमय दरों पर परिवर्तित किया गया है सिवाय कुछ मदों हेतु अवधि की औसत दर का प्रयोग किया गया है।

3.22 कर्मचारी लाभ

कर्मचारी लाभ में वेतन, मजदूरी, भविष्य निधि, उपदान, लिए न गए अवकाश के प्रति अवकाश नकदीकरण, प्रतिपूरक अनुपस्थिति, सेवानिवृत्ति पश्च चिकित्सा लाभ और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ शामिल हैं।

सभी अल्पावधि कर्मचारी लाभों को उनके वहन किए जाने वाली लेखांकन अवधि में छूट रहित राशि के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है।

निर्धारित अंशदान योजनाएं

निर्धारित अंशदान योजनाओं के अंतर्गत कर्मचारी लाभ में भविष्य निधि, सेवानिवृत्ति पश्च लाभ योजना, कर्मचारी पेंशन योजना–1995, सामूहिक सामाजिक सुरक्षा योजना आदि को योजना में अंशदान देने वाली समूह की बाध्यताओं की बिना छूट वाली राशि के आधार पर मान्यता प्रदान की जाती है। उक्त का भुगतान एक पृथक न्यास के माध्यम से प्रशासित निधि द्वारा किया जाता है।

निर्धारित लाभ योजनाएं

उपदान, सेवानिवृत्ति पश्च चिकित्सा लाभ और अन्य सीमांत लाभ शामिल होने वाली निर्धारित सेवानिवृत्ति योजनाओं को निर्धारित लाभ बाध्यता के वर्तमान मूल्य के आधार पर मान्यता प्रदान की जाती है जिसकी गणना प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट पद्धति द्वारा की जाती है, बीमांकिक मूल्यांकन प्रत्येक वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में किए जाते हैं। इन्हें या तो वर्तमान कर्मचारी लागत के रूप में लेखांकित किया जाता है अथवा परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किया जाता है, जैसा भी अनुमेय हो।

निवल निर्धारित देयता पर निवल ब्याज की गणना निवल निर्धारित लाभ देयता या परिसंपत्ति के प्रारंभ में छूट दर को लागू करके की जाती है और इसे लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है सिवाय यथा अनुमेय परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किए गए के अतिरिक्त।

निर्धारित सेवानिवृत्ति लाभ योजनाओं को पुनः मापन किया जाता है सिवाय लिए न गए तथा प्रतिपूरक अनुपस्थिति के प्रति नकदीकरण के, जिसमें बीमांकिक लाभ तथा हानियां शामिल होती हैं, परिसंपत्ति सीमा (यदि लागू हो) में परिवर्तन और योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (ऊपर परिभाषित निवल ब्याज के अतिरिक्त) को इनके उत्पन्न होने वाली अवधि में लाभ एवं हानि विवरण में अन्य व्यापक आय में मान्यता दी जाती है सिवाय यथा अनुमेय इन परिसंपत्तियों की लागत में शामिल के और बाद में इन्हें लाभ या हानि के रूप में पुनः वर्गीकृत किया जाता है।

समूह संबंधित उपदान निधि न्यास को उपदान के संबंध में सभी ज्ञात देयताओं का योगदान देता है। लिए न गए अवकाश हेतु ज्ञात सभी देयताओं का वित्त पोषण भारतीय जीवन बीमा निगम (एलाआईसी) द्वारा किया जाता है सिवाय कुछ अनुषंगी कंपनियों के मामले में। अन्य निर्धारित लाभ योजनाएं गैर–वित्त पोषित हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों में मान्यता प्रदान की गई सेवानिवृत्ति लाभ बाध्यता समूह की निर्धिरित लाभ योजनाओं में वास्तविक कमी या अधिशेष को दर्शाते हैं। इस गणना से उत्पन्न होने वाला कोई अधिशेष योजनाओं को भविष्य के अंशदान में कमी के रूप में उपलब्ध किसी आर्थिक लाभ के वर्तमान मूल्य तक सीमित है।

अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभ

अन्य दीघावधि कर्मचारी लाभ में लिए न गए अवकाश तथा प्रतिपूरक अवकाश के प्रति अवकाश नकदीकरण शामिल है, जिन्हें निर्धारित बाध्यता के वर्तमान मूल्य के आधार पर मान्यता प्रदान की जाती है जिसकी गणना प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट पद्धति द्वारा की जाती है, बीमांकिक मूल्यांकन प्रत्येक वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में किए जाते हैं। इन्हें या तो वर्तमान कर्मचारी लागत के रूप में लेखांकित किया जाता है अथवा परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किया जाता है, जैसा भी अनुमेय हो।

लिए न गए अवकाश तथा प्रतिपूरक अवकाश के प्रति अवकाश नकदीकरण के पुनःमापन को लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता प्रदान की जाती है सिवाय इनके उत्पन्न होने वाली अवधि में यथा अनुमेय परिसंपत्तियों की लागत में शामिल होने वाली के।

3.23 स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) के व्यय को व्यय किए जाने के समय समेकित लाभ तथा हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है।

3.24 सामान्य प्रशासनिक व्यय

सीधे या विशिष्ट रूप से आरोप्य होने वाले सामान्य प्रशासनिक व्ययों को क्रियाकलापों में आबंटित किया जाता है तथा शेष को समेकित लाभ एवं हानि के विवरण में प्रभारित कर दिया जाता है।

3.25 बीमा दावे

समूह के बीमा दावों का लेखा इस प्रकार होता है :–

परिसंपत्तियों की कुल हानि के मामलों में या तो परिसंपत्ति संबंधी वहन लागत अथवा बीमा मूल्य (छूट के अध्यधीन) जोकि 'दावा वसूली योग्य – बीमा' शीर्षक के अंतर्गत कम है, बीमादाता को सूचित कर अंतरित किए जाते हैं। जहां बीमा दावे से वहन लागत कम है, उसे समेकित लाभ तथा हानि लेखा में प्रभारित किया जाता है।

आंशिक अथवा अन्य हानियों के मामले में, ऐसी परिसंपत्ति को उपयोग में लाने के लिए उपगत व्यय/भुगतान तीसरी पार्टी अथवा अन्य देयताओं (पॉलिसी छूट को कम करके), अगर कोई है तो, बीमादाता से 'दावा वसूली योग्य–बीमा' माना गया है। बीमा पॉलिसी कटौती योग्य को जिस वर्ष व्यय होता है, उसके अगले वर्ष लेखों में डाला जाता है।

जब और जहां बीमादाता से दावे प्राप्त हुए, दावे वसूली योग्य, यदि बीमा और प्राप्त दावों के बीच कोई अंतर है तो, उसे समेकित लाभ तथा हानि लेखा में समयोजित किया जाता है।

3.26 अनुसंधान और विकास व्यय

पूंजी प्रकृति के व्यय को पूंजीकृत किया जाता है और राजस्व प्रकृति के व्यय को लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में प्रभारित किया जाता है, जब उनका व्यय किया जाए।

3.27 आयकर

आयकर व्यय वर्तमान कर व्यय तथा विलंबित कर की राशियों को दर्शाते हैं

(i) वर्तमान कर

वर्तमान में देय कर वर्ष हेतु कर योग्य लाभ पर आधारित होता है। कर योग्य लाभ, लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में यथा सूचित "कर पूर्व लाभ" से भिन्न होता है क्योंकि किसी एक वर्ष में आय या व्यय की कर योग्य अथवा कटौती योग्य होने वाली मदें किसी अन्य वर्ष में कर योग्य तथा कटौती योग्य नहीं भी हो सकती हैं। समूह के वर्तमान कर की गणना रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक बनाए या व्यापक रूप से अधिनिगमित कर दरों तथा नियमों का उपयोग करके की जाती है।

(ii) विलंबित कर

विलंबित कर को समेकित वित्तीय विवरणों में परिसंपत्तियों तथा देयताओं की वहन राशि के मध्य अस्थायी अंतर के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है और कर योग्य लाभ की गणना में प्रयुक्त तदनुरूपी कर आधारों का उपयोग किया जाता है। सामान्यतः विलंबित कर देयताओं की पहचान सभी कर योग्य अस्थायी अंतरों हेतु की जाती है। विलंबित कर देयताओं को आम तौर पर सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतरों के लिए इस सीमा तक मान्यता प्रदान की जाती है कि यह संभव है कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होंगे जिनके प्रति कटौती योग्य अस्थायी अंतरों का उपयोग किया जा सकता है। ऐसी विलंबित कर परिसंपत्तियों तथा देयताओं को तब मान्यता प्रदान नहीं की जाती जब किसी लेन–देन में परिसंपत्तियों तथा देयताओं की प्रारंभिक पहचान (व्यापार संयोजन के अतिरिक्त) से उत्पन्न अस्थायी अंतर नहीं होते जो न तो कर योग्य लाभ और न ही लेखांकन लाभ को प्रभावित करे। इसके अतिरिक्त, साख की प्रारंभिक मान्यता से उत्पन्न अस्थायी अंतर उत्पन्न होने पर विलंबित कर परिसंपत्तियों को मान्यता नहीं दी जाती।

विलंबित कर परिसपत्तियों की वहन राशि की प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समीक्षा की जाती है और उसे उस सीमा तक कम किया जाता है जहां इसकी और संभावना न हो कि पर्याप्त कर योग्य लाभ प्रयुक्त की जाने वाली समूची या आंशिक विलंबित कर परिसंपत्ति के लिए उपलब्ध होंगे।

विलंबित कर देयताओं तथा परिसंपत्तियों का मापन उन कर दरों पर किया जाता है जिनके उस अवधि में लागू होने की संभावना होती है जिनमें देयता का निपटान किया जाए अथवा परिसंपत्ति को वसूल किया जाए, और यह बनाई गई कर दरों (और कर कानूनों) या रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक बनाई गई कर दरों के आधार पर किया जाता है।

विलंबित कर देयताओं तथा परिसंपत्तियों का मापन ऐसे कर परिणामों को प्रदर्शित करता है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समूह की प्रत्याशा के अनुसार इसकी परिसंपत्तियों तथा देयताओं की वहन राशि की वसूली या निपटान के लिए समूह द्वारा प्रत्याशित किए गए तरीके से निकलता है।

विलंबित कर परिसंपत्तियों तथा देयताओं को समेकित तुलन–पत्र में पृथक रूप से प्रस्तुत किया जाता है सिवाय जहां राजकोषीय क्षेत्राधिकार के भीतर समयोजन का अधिकार हो और निवल आधार पर ऐसे शेषों के निपटान की कोई मंशा हो।

विलंबित कर देयताओं को अनुषंगी कंपनियों तथा एसोसिएट में निवेश और संयुक्त उद्यमों में हितों से संबद्ध कर योग्य अस्थायी अंतरों हेतु मान्यता दी जाती है सिवाय जहां समूह अस्थायी अंतर की वापसी को नियंत्रित करने में समर्थ हो और यह संभावना हो कि अस्थायी अंतर को निकट भविष्य में वापिस नहीं किया जाएगा। ऐसे हितों से संबद्ध कटौती योग्य अस्थायी अंतरों से उत्पन्न होने वाली विलंबित कर परिसंपत्तियों को केवल उसी सीमा तक मान्यता प्रदान की जाती है जहां यह संभव हो कि ऐसे पर्याप्त कर योग्य लाभ होंगे जिनके प्रति अस्थायी अंतरों के लाभ का उपयोग किया जा सकेगा और उनकी निकट भविष्य में वापिस किए जाने की प्रत्याशा होगी।

विलबित कर परिसंपत्तियों में भारत के कर कानूनों के अनुसार अदा किया गया न्यूनतम वैकल्पिक कर (एमएटी) शामिल है जिसके भविष्य की आय कर देयता के प्रति समायोजन की उपलब्धता के रूप में भविष्य के आर्थिक लाभ देने की संभावना है। तदनुसार, एमएटी को समेकित तुलन–पत्र में विलंबित कर परिसंपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है जब परिसंपत्ति का मापन विश्वसनीय ढंग से किया जा सके और यह संभावना हो कि परिसंपत्ति से संबद्ध भविष्य के आर्थिक लाभ को वसूल किया जाएगा।

(iii) **वर्ष हेतु वर्तमान तथा विलंबित कर**

वर्तमान तथा विलंबित कर व्यय को लाभ और हानि के समेकित विवरण में मान्यता दी जाती है, सिवाय जब वे ऐसी मदों से संबंधित हों जिन्हें अन्य व्यापक आय या सीधे इक्विटी में मान्यता दी गई हो, उस मामले में वर्तमान और विलंबित कर को क्रमशः अन्य व्यापक आय या सीधे इक्विटी में मान्यता प्रदान की जाती है।

3.28 उधार लागतें

अधिग्रहण के लिए विशेष रूप से पहचान की गई अथवा विशेषक परिसम्पत्तियों के निर्माण से संबंधित उधार लागतों को इस प्रकार की परिसम्पत्तियों के भाग के रूप में पूंजीकृत किया जाता है। विशेष अर्हक परिसम्पत्ति वह है, जो अभिप्रेत उपयोग के लिए तैयार होने में काफी समय लेती है। सभी अन्य उधार लागतों को समेकित लाभ तथा हानि लेखों में प्रभारित किया जाता है।

3.29 रिग दिवस लागत

रिग संचालन लागतों को अगले वेधित किए जाने वाले स्थल/वेधन के लिए योजनाबद्ध स्थल के लिए आरक्षित किया जाता है। असामान्य रिग दिवस लागतों को गैर–आबंटित करने के योग्य के रूप में समझा जाता है तथा इन्हें समेकित लाभ एवं हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है।

3.30 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां

प्रावधानों को तब मान्यता दी जाती है जब किसी पूर्व की घटना के परिणामस्वरूप समूह की कोई वर्तमान बाध्यता (विधिक या रचनात्मक) हो और यह संभावना हो कि समूह द्वारा बाध्यता का निपटान अपेक्षित होगा और बाध्यता की राशि का एक विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है।

प्रावधान के रूप में मान्यता दी गई राशि बाध्यता से जुड़े जोखिमों तथा अनिश्चितताओं को ध्यान में रखते हुए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में वर्तमान बाध्यता के निपटान हेतु अपेक्षित मूल्य का श्रेष्ठ अनुमान होता है। जब किसी प्रावधान का मापन वर्तमान बाध्यता के निपटान के लिए अनुमानित नकदी प्रवाहों का उपयोग करके किया जाता है, तो इसकी वहन राशि उन नकदी प्रवाहों का वर्तमान मूल्य होता है (जब राशि के समय मूल्य का प्रभाव भौतिक हो)।

आकस्मिक परिसंपत्तियों को समेकित वित्तीय विवरणों में लेखे की टिप्पणियों के रूप में प्रकट किया जाता है जब आर्थिक लाभों का अंतःप्रवाह संभाव्य हो।

आकस्मिक देयताओं को समेकित वित्तीय विवरणों में लेखे की टिप्पणियों के रूप में प्रकट किया जाता है, यदि आर्थिक लाभ अंतर्ग्रस्त होने वाले संसाधनों के बहिःप्रवाह बहुत कम हो।

3.31 वित्तीय लिखत

वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं को मान्यता समूह के लिखत के संविदात्मक प्रावधानों का पक्षकार बनने पर की जाती है।

वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं का मापन प्रारंभ में उचित मूल्य पर किया जाता है। वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं (लाभ अथवा हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं के अतिरिक्त) के अधिग्रहण या जारी किए जाने को सीधे आरोप्य संव्यवहार लागतों को वित्तीय परिसंपत्तियों या वित्तीय देयताओं के उचित मूल्य में उचित समझे गए अनुसार प्रारंभिक मान्यता पर जोड़ा या घटाया जाता है। लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों या वित्तीय देयताओं के अधिग्रहण को सीधे आरोप्य संव्यवहार लागतों को समेकित लाभ एवं हानि विवरण में तत्काल मान्यता प्रदान की जाती है।

3.32 इक्विटी लिखत

कंपनी द्वारा जारी इक्विटी लिखत को प्राप्त की गई प्राप्तियों, प्रत्यक्ष जारी लागतों के निवल, पर दर्ज किया जाता है।

(i) ऋण या इक्विटी लिखत के रूप में वर्गीकरण

कंपनी द्वारा जारी ऋण तथा इक्विटी लिखत को संविदात्मक व्यवस्थाओं के साथ अथवा वित्तीय देयता तथा इक्विटी लिखत की परिभाषाओं के अनुसार वित्तीय देयता या इक्विटी के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

(ii) मिश्रित वित्तीय लिखत

समूह द्वारा जारी मिश्रित वित्तीय लिखत के घटक हिस्सों को पृथक रूप से वित्तीय देयताओं तथा इक्विटी के तौर पर संविदात्मक व्यवस्थाओं के तत्व के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है। एक परिवर्तन विकल्प जिसे नकदी या किसी अन्य वित्तीय परिसपंत्ति की एक निश्चित मात्रा के आदान–प्रदान द्वारा कंपनी की स्वयं की इक्विटी लिखत की एक निश्चित संख्या हेतु निपटाया जाएगा, वह एक इक्विटी लिखत है।

जारी किए जाने की तिथि को देयता घटक के उचित मूल्य का अनुमान समान गैर–परिवर्तनीय लिखत हेतु विद्यमान बाजार ब्याज दर का उपयोग करके किया जाता है। इस राशि को प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करके परिशोधित लागत आधार पर एक देयता के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है जब तक कि परिवर्तन पर या लिखत की परिपक्वता तिथि पर समाप्त न हो जाए। इक्विटी के रूप में वर्गीकृत परिवर्तन विकल्प का निर्धारण समग्र रूप से मिश्रित वित्तीय लिखत के उचित मूल्य में से देयता घटक की राशि को घटाकर किया जाता है। इसे आयकर प्रभावों के निवल पर इक्विटी में मान्यता दी जाती है तथा शामिल किया जाता है और इसका बाद में पुनःमापन नहीं किया जाता। इसके अतिरिक्त, इक्विटी के रूप में वर्गीकृत परिवर्तन विकल्प इक्विटी में ही रहेगा जब तक कि परिवर्तन विकल्प का उपयोग न किया जाए और ऐसे मामले में इक्विटी में पहचाने गए शेष को इक्विटी के किसी अन्य घटक में अंतरित किया जाएगा। जब परिवर्तन विकल्प का परिवर्तनीय नोट की परिपक्वता तिथि पर उपयोग नहीं किया जाता है, इक्विटी में मान्यता दिए गए शेष को प्रतिधारित अर्जन में अंतरित किया जाएगा। परिवर्तन विकल्प का उपयोग करने या उसकी समाप्ति पर लाभ एवं हानि में किसी लाभ अथवा हानि को मान्यता नहीं दी जाती है।

संव्यवहार लागतें जो परिवर्तनीय नोट को जारी किए जाने से संबंधित हो उन्हें सकल प्राप्तियों के आवंटन के अनुपात में देयता तथा इक्विटी घटकों को आवंटित किया जाता है। इक्विटी घटक से संबंधित संव्यवहार लागतों को सीधे इक्विटी में मान्यता दी जाती है। देयता घटक से संबंधित संव्यवहार लागत देयता घटक की वहन राशि में शामिल किया जाता है और प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करके परिवर्तनीय नोट के जीवनकाल पर परिशोधित किया जाता है।

3.33 वित्तीय परिसंपत्तियां

(i) नकदी तथा नकदी तुल्य

समूह सभी अत्यधिक नकदी वाले वित्तीय लिखतों पर विचार करता है जो नकदी की ज्ञात मात्रा में तत्काल परिवर्तित किए जा सके और जो मूल्य में परिवर्तन के एक बहुत कम जोखिम के अधीन है तथा जिनकी मूल परिपक्वता खरीद की तिथि से तीन माह अथवा कम की हैं। नकदी तथा नकदी तुल्य में बैंकों के साथ शेष शामिल होते हैं जो निकासी तथा उपयोग हेतु बाधारहित होते हैं।

(ii) ऋण परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां

वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन बाद में ऋण परिशोधित लागत पर प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करके किया जाता है यदि ये वित्तीय परिसंपत्तियां उसी व्यापार में धारित है जिसका उद्देश्य संविदात्मक नकदी प्रवाहों को एकत्र करना है और वित्तीय परिसंपत्ति की संविदात्मक शर्तें निर्दिष्ट तिथियों पर ऐसे नकदी प्रवाहों को उत्पन्न करती हैं जो पूर्णतः मूल धन तथा मूलधन की बकाया राशि पर ब्याज का भुगतान है।

(iii) अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां

वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन उचित मूल्य पर अन्य व्यापक आय के माध्यम से किया जाता है यदि ये वित्तीय परिसंपत्तियां उसी व्यापार में धारित है जिसका उद्देश्य संविदात्मक नकदी प्रवाहों को एकत्र करना है और वित्तीय परिसंपत्तियों की बिक्री करना है तथा वित्तीय परिसंपत्ति की संविदात्मक शर्तें निर्दिष्ट तिथियों पर ऐसे नकदी प्रवाहों को उत्पन्न करती हैं

जो पूर्णतः मूल धन तथा मूलधन की बकाया राशि पर ब्याज का भुगतान है।

समूह ने व्यापार हेतु धारित नहीं किए गए इक्विटी निवेश के उचित मूल्य में बाद के परिवर्तनों को अन्य व्यापक आय में प्रस्तुत करने का अपना वापिस न किया जा सकने वाला चयन किया है।

(iv) **लाभ अथवा हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्ति**

वित्तीय परिसंपत्तियों को लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा जाता है जब तक कि इसका मापन परिशोधित लागत पर या उचित मूल्य पर प्रारंभिक मान्यता पर अन्य व्यापक आय के माध्यम से न किया जाए।

(v) **वित्तीय परिसंपत्तियों की क्षति**

समूह प्रत्येक समेकित तुलन–पत्र स्थिति को यह आकलन करता है कि क्या कोई वित्तीय परिसंपत्ति अथवा वित्तीय परिसंपत्तियों के समूह में कोई क्षतिग्रस्त तो नहीं हुई है। इंड एएस 109 "वित्तीय लिखत" में प्रत्याशित ऋण हानियों को हानि भत्ते के माध्यम से मापा जाना अपेक्षित है। समूह प्राप्य व्यापारों हेतु जीवनकालीन प्रत्याशित हानियों को मान्यता प्रदान करता है जो वित्तीय संव्यवहार नहीं होती। अन्य सभी वित्तीय परिसंपत्तियों हेतु प्रत्याशित ऋण हानियों का मापन 12 माह की प्रत्याशित ऋण हानियों अथवा जीवनपर्यन्त प्रत्याशित हानियों की समतुल्य राशि पर किया जाता है, यदि प्रारंभिक मान्यता से वित्तीय परिसंपत्ति पर ऋण जोखिम में वृद्धि हुई हो तो,

(vi) **वित्तीय परिसंपत्तियों को विमान्य करना**

समूह किसी वित्तीय परिसंपत्ति को तब विमान्य करता है जब परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह के संविदात्मक अधिकार समाप्त हो जाए, अथवा जब यह वित्तीय परिसंपत्ति को और व्यापक रूप से परिसंपत्ति के स्वामित्व के सभी जोखिमों तथा प्रतिफल को किसी अन्य पक्षकार को अंतरित कर दे।

किसी वित्तीय परिसंपत्ति को पूर्ण रूप से विमान्य किए जाने पर (सिवाय एफवीटीओसीआई के रूप में नामित इक्विटी लिखत हेतु) परिसंपत्ति के वहन मूल्य और प्राप्त तथा प्राप्य प्रतिफल की राशि के रूप में मान्यता प्राप्त अंतर को लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में मान्यता दी जाती है।

3.34 वित्तीय देयताएं

(i) **वित्तीय देयताएं**

वित्तीय देयताओं का मापन प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करते हुए परिशोधित मूल्य पर किया जाता है।

(ii) **वित्तीय देयताओं को विमान्य करना**

समूह केवल अपने दायित्वों के निपटान, निरस्त या समाप्त होने पर ही वित्तीय देयताओं को विमान्य करता है। विमान्य की गई वित्तीय देयता के वहन मूल्य और प्राप्त तथा प्राप्य प्रतिफल की राशि के रूप में मान्यता प्राप्त अंतर को लाभ एवं हानि के समेकित विवरण में मान्यता दी जाती है।

3.35 व्युत्पन्न वित्तीय लिखत

समूह वित्तीय विनिमय अग्रगामी संविदाओं और ब्याज दर परिवर्तनों सहित ब्याज दर तथा विदेशी मुद्रा दर जोखिमों के प्रभाव के प्रबंधन हेतु कई व्युत्पन्न वित्तीय लिखत करता है।

व्युत्पन्नों की पहचान प्रारंभ में व्युत्पन्न संविदाएं किए जाने की तिथि को उचित मूल्य पर और बाद में उनका पुनः मापन प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उनके उचित मूल्य पर किया जाता है। परिणामी लाभ अथवा हानि के विवरण को तत्काल लाभ या हानि में मान्यता दी जाती है जब तक कि व्युत्पन्न को एक हेजिंग लिखत के रूप में नामित या प्रभावी न किया गया हो, और ऐसी स्थिति में लाभ या हानि में मान्यता दिये जाने का समय हेजिंग संबंध की प्रकृति और हेज की गई मदों की प्रकृति पर निर्भर करता है।

गैर–व्युत्पन्न मेजबान संविदाओं में शामिल किए गए व्युत्पन्न जो इंड एएस 109 "वित्तीय लिखत" के कार्यक्षेत्र के भीतर वित्तीय परिसंपत्तियां नहीं हैं, उनके साथ पृथक व्युत्पन्नों के रूप में विचार किया जाता है जब उनके जोखिम और विशेषताएं उन मेजबान संविदाओं के साथ निकट रूप से संबंधित नहीं हैं और मेजबान संविदाओं का मापन लाभ एवं हानि के माध्यम से उचित मूल्य (एफवीटीपीएल) पर नहीं किया जाता है।

3.36 वित्तीय लिखतों को समायोजित करना

वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओ को समायोजित किया जाता है और निवल राशि को तुलन–पत्र मे सूचित किया जाता है, यदि मान्यता प्राप्त राशियों के समायोजन हेतु वर्तमान में कोई प्रवर्तनीय विधिक अधिकार हो और निवल आधार पर निपटान की, अथवा साथ–साथ परिसंपत्तियों को मूर्तरूप देने तथा देयताओं के निपटान की कोई मंशा हो।

3.37 निवेश संपत्ति

निवेश संपत्ति वे संपत्तियां होती हैं जिन्हें किराया और/अथवा पूंजी में वृद्धि अर्जित करने के लिए निर्धारित किया गया हो। निवेश संपत्तियों का मापन प्रारंभ में संव्यवहार लागत सहित, लागत पर किया जाता है। प्रारंभिक मान्यता दिए जाने के पश्चात निवेश संपत्तियों का मापन लागत मॉडल हेतु इंड एएस–16 की आवश्यकताओं के अनुसार किया जाता है।

समूह सरल रेखा पद्धति का उपयोग कर के कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–(II) में विहित उपयोगी जीवनकाल पर आधारित मूल निर्माण की तिथि से 30 वर्ष में निवेश संपत्ति के निर्माण घटक का मूल्यह्रास करता है। प्रबंधन का यह मानना है कि यह अनुमानित उपयोगी जीवनकाल व्यावहारिक हैं और परिसंपत्तियों के उपयोग की संभावना वाली अवधि में उचित अनुमानन को प्रदर्शित करते हैं।

किसी निवेश संपत्ति को निपटान पर अथवा निवेश संपत्ति को स्थायी रूप से उपयोग से बाहर किए जाने पर तथा निपटान से भविष्य का कोई आर्थिक लाभ प्रत्याशित न होने पर विमान्य किया जाता है। संपत्ति को विमान्य किए जाने से उत्पन्न होने वाले किसी लाभ या हानि (निवल निपटान प्राप्तियों और परिसंपत्ति के वहन मूल्य के मध्य अंतर के रूप में गणना किए गए) को संपत्ति के विमान्य किए जाने की अवधि में लाभ या हानि में शामिल किया जाता है।

3.38 प्रति शेयर अर्जन

प्रति शेयर आधारभूत अर्जनों की गणना कर पश्चात निवल लाभ को उस अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या द्वारा भाग देकर की जाती है। प्रति शेयर तनुकरण अर्जन की गणना कर पश्चात लाभ को आधारभूत अर्जन प्रति शेयर निकालने हेतु लिए गए इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या और सभी कम किए गए संभाव्य इक्विटी शेयरों के परिवर्तन पर जारी की जा सकने वाली इक्विटी शेयरों की भारित औसत सख्या को भी भाग देकर की जाती है।

3.39 नकदी प्रवाह विवरण

नकदी प्रवाहों को अप्रत्यक्ष पद्धति का उपयोग करके सूचित किया जाता है जिसके द्वारा वर्ष हेतु लाभ को किसी गैर–नकदी प्रकृति के संव्यवहारों, पूर्व या भविष्य की प्रचालन नकदी प्राप्तियों या भुगतानों के विलंबन अथवा प्रोदभवन और नकदी प्रवाहों के निवेश या वित्त–पोषण से संबद्ध आय या व्यय की मद हेतु समायोजित किया जाता है। नकदी प्रवाह को प्रचालन, निवेश तथा वित्त पोषण क्रियाकलापों में पृथक किया जाता है।

3.40 खंड रिपोर्टिंग

प्रचालनशील खंडों की पहचान की जाती है और उन्हें विभिन्न जोखिमों तथा प्रतिफलों, संगठन ढांचे तथा आंतरिक रिपोर्टिंग प्रणालियों को ध्यान में रखते हुए सूचित किया जाता है। भौगोलिक खंड परिसंपत्तियों के आधार पर प्राथमिक खंड और व्यापार खंड द्वितीयक खंड हैं।

4. समेकित वित्तीय विवरण ''ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड'', इसकी सहायक–कंपनियों, संयुक्त उद्यमों एवं सहयोगी कंपनी भागीदारों के लेखों के समेकन को निम्नलिखित ब्यौरे अनुसार निरूपित करते हैं :

क्र.सं.	कंपनी का नाम	संस्थापन देश	स्वामित्व हित का अनुपात		31.03.2018 को संपरीक्षा की स्थिति
			31.03.2018	31.03.2017	
क.	**सहायक कंपनियां**				
1	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल)	भारत	100%	100%	संपरीक्षित
1.1	ओएनजीसी नील गंगा बी.वी (ओएनजीबीवी)	नीदरलैंड	श्रेणी क : 100% श्रेणी ख : 100% श्रेणी ग : 55%	श्रेणी क : 100% श्रेणी ख : 100% श्रेणी ग : 55%	संपरीक्षित
1.1 (i)	ओएनजीसी कम्पोस लिमिटेड	ब्राजील	100%	100%	संपरीक्षित
1.1 (ii)	ओएनजीसी नील गंगा (साइप्रस) लिमिटेड (12 जुलाई, 2017 से परिसमाप्त)	साइप्रस	लागू नही	100%	संपरीक्षित
1.1 (iii)	ओएनजीसी नील गंगा (सेन क्रिस्टोबल) बी.वी.	नीदरलैंड	100%	100%	संपरीक्षित
1.1 (iv)	ओएनजीसी कैस्पियन ई. एंड पी. बी.वी	नीदरलैंड	100%	100%	संपरीक्षित
1.2	ओएनजीसी नर्मदा लिमिटेड (ओएनएल)	नाइजीरिया	100%	100%	असंपरीक्षित
1.3	ओएनजीसी अमेजन अलकनंदा लिमिटेड (ओएएएल)	बरमूडा	100%	100%	संपरीक्षित
1.4	इम्पीरियल एनर्जी लिमिटेड	साइप्रस	100%	100%	संपरीक्षित
1.5	इम्पीरियल एनर्जी टॉम्स्क लिमिटेड	साइप्रस	100%	100%	संपरीक्षित
1.5 (i)	इम्पीरियल एनर्जी (साइप्रस) लिमिटेड	साइप्रस	100%	100%	संपरीक्षित
1.5 (ii)	इम्पीरियल एनर्जी नॉर्ड लिमिटेड	साइप्रस	100%	100%	संपरीक्षित
1.5 (iii)	बायनकस होल्डिंग्स लिमिटेड	साइप्रस	100%	100%	संपरीक्षित
1.5 (iv)	रेडक्लिफ होल्डिंग्स लिमिटेड	साइप्रस	100%	100%	संपरीक्षित
1.5 (v)	इम्पीरियल फ्रेक सर्विसेज़ (साइप्रस) लिमिटेड	साइप्रस	100%	100%	संपरीक्षित
1.5 (vi)	सेन एजिओ इन्वेस्टमेंट लिमिटेड	साइप्रस	100%	100%	संपरीक्षित
1.5 (vii)	एलएलसी सिबिंटरनेफ्त	रूस	55.90%	55.90%	संपरीक्षित
1.5 (viii)	एलएलसी एलाइंसनेफ्तगेज	रूस	100%	100%	संपरीक्षित
1.5 (ix)	एलएलसी नॉर्ड इम्पीरियल	रूस	100%	100%	संपरीक्षित
1.5 (x)	एलएलसी रस इम्पीरियल ग्रुप	रूस	100%	100%	संपरीक्षित
1.5 (xi)	एलएलसी इम्पीरियल फ्रैक सर्विसेस	रूस	100%	50%	संपरीक्षित
1.6	काराबोबो वन एबी	स्वीडन	100%	100%	संपरीक्षित
1.6 (i)	पेट्रो काराबोबो गंगा बी.वी	नीदरलैंड	100%	100%	संपरीक्षित
1.7	ओएनजीसी (बीटीसी) लि.	केमन द्वीप	100%	100%	असंपरीक्षित
1.8	ब्यास रोवूमा एनर्जी मोजाम्बिक लि.	मॉरिशियस	60%	60%	संपरीक्षित
1.9	ओएनजीसी विदेश रोवूमा लि. (ओवीआरएल)	मॉरिशियस	100%	100%	संपरीक्षित
1.10	ओएनजीसी विदेश अटलांटिक कॉरपोरेशन (ओवीएआई)	टेक्सास	100%	100%	संपरीक्षित
1.11	ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्रा. लि.	सिंगापुर	100%	100%	संपरीक्षित
1.11 (i)	ओएनजीसी विदेश वेन्कोरनेफ्ट प्रा. लि.	सिंगापुर	100%	100%	संपरीक्षित
1.12	इंडस ईस्ट मेडीटेरियन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड	इजराइल	100%	लागू नही	असंपरीक्षित
2	मंगलौर रिफाइनरी एडं पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) @@@	भारत	80.29%	80.29%	संपरीक्षित
3	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) **	भारत	51.11%	51.11%	संपरीक्षित
3.1	प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड $	भारत	100%	100%	संपरीक्षित
3.2	एचपीसीएल बायो फ्यूल्स लिमिटेड	भारत	100%	100%	संपरीक्षित
3.3	एचपीसीएल मिडिल ईस्ट एफजेसीओ ++	दुबई	100%	100%	असंपरीक्षित
4	ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (ओएमपीएल)@@@	भारत	89.95%	89.95%	संपरीक्षित
5	पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल) ***	भारत	49.44%	49.44%	संपरीक्षित

क्र.सं.	कंपनी का नाम	संस्थापन देश	स्वामित्व हित का अनुपात		31.03.2018 को संपरीक्षा की स्थिति
			31.03.2018	31.03.2017	
बी	**संयुक्त उद्यम**				
1	मंगलौर सेज लिमिटेड (एमएसईजेड)	भारत	26.82%	26.82%	संपरीक्षित
2	ओएनजीसी पेट्रो एडीशंस लिमिटेड (ओपीएल)	भारत	49.36%	49.36%	संपरीक्षित
3	ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी)	भारत	50.00%	50.00%	संपरीक्षित
4	ओएनजीसी टेरी बॉयोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल)	भारत	49.98%	49.98%	संपरीक्षित
5	दहेज एसईजेड लिमिटेड (डीएसईजेड)	भारत	50.00%	50.00%	असंपरीक्षित
6	ओएनजीसी मित्तल एनर्जी लिमिटेड (ओएमईएल) (ओवीएल के माध्यम से)	साइप्रस	49.98%	49.98%	असंपरीक्षित
7	एसयूडीडी पेट्रोलियम ऑपरेटिंग कंपनी (ओवीएल के माध्यम से)	मॉरीशियस	24.125%	24.125%	असंपरीक्षित
8	मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड (ओवीएल के माध्यम से)	कोलम्बिया	50.00%	50.00%	संपरीक्षित
9	हिमालय एनर्जी सीरिया बी.वी. (ओवीएल के माध्यम से)	सीरिया	50.00%	50.00%	संपरीक्षित
10	शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड (एसएमएएसएल) (एमआरपीएल के माध्यम से)	भारत	50.00%	50.00%	संपरीक्षित
11	नार्थ ईस्ट ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (एनईटीसी) (ओटीपीसी के माध्यम से)	भारत	13.00%	13.00%	संपरीक्षित
12	मंगलौर एसटीपी लिमिटेड (एमएसईजेड के माध्यम से)	भारत	18.78%	18.78%	संपरीक्षित
13	एमएसईजेड पावर लिमिटेड (एमएसईजेड के माध्यम से)	भारत	26.82%	26.82%	संपरीक्षित
14	अडानी पेट्रोनेट दाहेज पोर्ट प्रा. लि. (एपीपीपीएल) (पीएलएल के माध्यम से)	भारत	3.25%	3.25%	संपरीक्षित
15	एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	74.00%	-	संपरीक्षित
16	क्रेडा एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)/	भारत	-	-	संपरीक्षित
17	एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	48.99%	-	संपरीक्षित
18	हिंदुस्तान कोल्स प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	50.00%	-	संपरीक्षित
19	साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) /	भारत	50.00%	-	संपरीक्षित
20	भाग्यनगर गैस लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) //	भारत	24.99%	-	संपरीक्षित
21	गोदावरी गैस प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	26.00%	-	संपरीक्षित
22	पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	16.00%	-	संपरीक्षित
23	अवंतिका गैस लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	49.98%	-	संपरीक्षित
24	रत्नागिरी रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) +++	भारत	25.00%	-	संपरीक्षित
25	एचपीसीएल शापूरजी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	50.00%	-	संपरीक्षित
26	मुंबई एविएशन फ्यूल फार्म फैसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	25.00%	-	संपरीक्षित
सी	**सहयोगी कंपनियाँ**				
1	पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	भारत	49.00%	49.00%	असंपरीक्षित
2	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)	भारत	12.50%	12.50%	संपरीक्षित
3	जेएससी वेन्कोरनेफ्ट (ओवीएल के माध्यम से)	रूस	26.00%	26.00%	संपरीक्षित
4	ताम्बा बी.वी. (ओवीएल के माध्यम से)	नीदरलैण्ड	27.00%	27.00%	संपरीक्षित
5	साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड (ओवीएल के माध्यम से)	हांगकांग	8.35%	8.35%	संपरीक्षित
6	पेट्रोलेरा इंडोवेनेजोलाना एसए (ओवीएल के माध्यम से)	वेनेजुएला	40.00%	40.00%	संपरीक्षित
7	पेट्रो कारावोबो एसए (ओवीएल के माध्यम से)	वेनेजुएला	11.00%	11.00%	संपरीक्षित

क्र.सं.	कंपनी का नाम	संस्थापन देश	स्वामित्व हित का अनुपात		31.03.2018 को संपरीक्षा की स्थिति
			31.03.2018	31.03.2017	
8	काराबोबो इन्जेनेरिया वाई कन्स्ट्रकीसियोन्स, एसए (ओवीएल के माध्यम से)	वेनेजुएला	37.93%	37.93%	संपरीक्षित
9	मोजाम्बिक एलएनजी1 कंपनी प्रा. लि. (ओवीएल के माध्यम से)	सिंगापुर	16.00%	16.00%	असंपरीक्षित
10	फाल्कन ऑयल एंड गैस बी.वी., नीदरलैंड्स (ओवीएल के माध्यम से)	नीदरलैण्ड	40.00%	लागू नही	संपरीक्षित
11	जीएसपीएल इंडिया गैसनेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	11.00%	-	संपरीक्षित
12	जीएसपीएल इंडिया ट्रांसको लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)	भारत	11.00%	-	संपरीक्षित

* *16 फरवरी, 2018 के अनुसार अन्य शेयरधारक ने अपने शेयरों का कंपनी एलएलसी इंपीरियल फ्रैक सर्विस को अभ्यर्पण किया है। 31 मार्च, 2018 के अनुसार इंपीरियल फ्रैक सर्विस (साइप्रस) लिमिटेड द्वारा एलएलसी इम्पीरियल फ्रैक सर्विस में 50 प्रतिशत शेयरों को धारित किया जाना जारी है।*

** *वर्ष के दौरान कंपनी ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में भारत के राष्ट्रपति द्वारा धारित 51.11 प्रतिशत शेयरधारिता (10 रूपये प्रति शेयर के अंकित मूल्य वाले 778,845,375 इक्विटी शेयर) को 473.97 रूपये प्रति शेयर की दर से 369,150.00 मिलियन रूपये के कुल नकद मूल्य पर खरीदा है। इस निवेश के चलते एचपीसीएल कंपनी की एक अनुषंगी कंपनी बन गई है। अधिग्रहण एक समान नियंत्रण संव्यवहार होने के चलते इसे महत्वपूर्ण समूह लेखांकन नीतियों की टिप्पणी 3.2 तथा 3.4 में बताए गए अनुसार लेखांकित किया गया है।*

*** *एचपीसीएल के अधिग्रहण के परिणामस्वरूप, पेट्रोनेट एचएचबी लिमिटेड (संयुक्त उद्यम) में प्रभावी स्वामित्व हित बढ़कर 65.44 प्रतिशत हो गया है और तदनुसार, पीएमएचबीएल को एक संयुक्त उद्यम से अनुषंगी कंपनी के रूप में पुनःवर्गीकृत किया गया है और इसे एक समान नियंत्रण संव्यवहार होने के चलते इसे महत्वपूर्ण समूह लेखांकन नीतियों की टिप्पणी 3.2 तथा 3.4 में बताए गए अनुसार लेखांकित किया गया है।*

$ *प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड की प्राइज पेट्रोलियम इंटरनेशनल पीटीई लिमिटेड नामक एक पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। एचपीसीएल – मित्तल एनर्जी लिमिटेड की एक 100 प्रतिशत अनुषंगी कंपनी नामतः एचपीसीएल – मित्तल पाइपलाइन्स लिमिटेड है (देखें टिप्पणी 3.2 तथा 3.4)।*

$$ *एचपीसीएल मिडल ईस्ट एफजेडसीओ, एचपीसीएल की एक 100 प्रतिशत अनुषंगी कंपनी है जिसे 11 फरवरी, 2018 को दुबई एअरपोर्ट फ्री जोन के अंतर्गत एक फ्री–जोन कंपनी के रूप अधिनिगमित किया गया था और कंपनी हेतु स्थापना कार्ड 22 मार्च, 2018 को जारी किया गया था। इस विदेशी अनुषंगी कंपनी को ल्यूब्रिकेंट तथा ग्रीस, पेट्रो रसायन तथा परिष्कृत तेल उत्पादों मे व्यापार हेतु स्थापित किया गया था। एमओए के एक सबस्क्राइबर होने के चलते एचपीसीएल शेयर पूंजी के प्रति 17742 रूपये (एईडी 1000) का निवेश करने और आवश्यकता आधार पर 10 मिलियन रूपये तक के निवेश को करने की प्रक्रिया में है (देखें टिप्पणी 3.2 तथा 3.4)।*

$$$ *रत्नागिरी रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड को 22 सितम्बर, 2017 को अधिनिगमित किया गया था जिसमें इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) द्वारा क्रमशः 50 प्रतिशत, 25 प्रतिशत, 25 प्रतिशत के अनुपात में इक्विटी धारित की हुई है (देखें टिप्पणी 3.2 तथा 3.4)।*

@ *सीएचबीएल, एचपीसीएल तथा छत्तीसगढ़ राज्य नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (क्रेडा) का एक संयुक्त उद्यम है जिसमें इक्विटी धारण 74 प्रतिशत : 26 प्रतिशत के अनुपात में था जिसे 8 मार्च, 2018 से भंग किया गया है (देखें टिप्पणी 3.2 तथा 3.4)।*

@@ *31 मार्च, 2014 के अनुसार डीजीएल की प्रदत्त इक्विटी पूंजी 0.5 मिलियन थी, जिसमें एचपीसीएल तथा गेल 24.99 प्रतिशत प्रत्येक को धारित किए हुए थे। शेष 50.02 प्रतिशत शेयर काकीनाडा सीपोर्टस लिमिटेड (केएसपीएल) द्वारा वेअर हाउसिंग आधार पर धारित किए गए हुए थे । इसके अतिरिक्त, एचपीसीएल तथा गेल प्रत्येक को पूर्व के वर्षों में इक्विटी/शेयर आवेदन राशि के अग्रिम के रूप में 224.90 मिलियन रूपये (कुल 449.80 मिलियन रूपये) का भुगतान किया था। 20 अगस्त, 2014 को बीजीएल ने पहले अदा की गई राशि के प्रति एचपीसीएल तथा गेल प्रत्येक को अधिमानी आधार पर 22487500 शेयरो का आवंटन किया था । इसी बीच अन्य शेयरधारक के साथ अधिनिर्णय लंबित होने वाले कुछ मामले हैं। तदनुसार, वित्तीय विवेकसम्मतता को ध्यान में रखते हुए एचपीसीएल के अंश को 24.99 प्रतिशत पर लिया गया है (वित्तीय वर्ष 2016–17 में 24.99 प्रतिशत के रूप में माना गया) (देखें टिप्पणी 3.2 तथा 3.4)।*

@@@ *ओएनजीसी द्वारा एचपीसीएल के अधिग्रहण के कारण प्रभावी धारिता में वृद्धि जिसमें एचपीसीएल द्वारा एमआरपीएल में 16.96 प्रतिशत हित धारित हैं (देखें टिप्पणी 3.2 तथा 3.4)।*

5. महत्वपूर्ण लेखांकन निर्णय, मान्यताएं और अनिश्चितता के अनुमानन के प्रमुख स्रोत

समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों को तैयार करने में प्रयुक्त कई लेखांकन नीतियों के उपयोग में निर्णय लेने, अनुमान तथा मान्यताओं को लेने की प्रबंधन की आवश्यकताएं निहित हैं जो परिसंपत्तियों तथा देयताओं की सूचित राशि, आकस्मिक परिसंपत्तियों तथा देयताओं के प्रकटीकरण और राजस्व तथा व्यय की सूचित राशियों को प्रभावित करते हैं। वास्तविक परिणाम प्रयुक्त अनुमानों तथा मान्यताओं से भिन्न हो सकता है।

अनुमानों तथा निहित मान्यताओं की समीक्षा सतत आधार पर की जाती है। लेखांकन मानकों में संशोधनों को उस अवधि में मान्यता दी जाती है जिनमें अनुमान संशोधित होते हैं तथा भविष्य की अवधियां प्रभावित होती हैं।

समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों को तैयार करने में निर्णय, मान्यताओं तथा अनुमानन अनिश्चितता के प्रमुख स्रोत जो अगले वित्तीय वर्ष के भीतर परिसंपत्तियों तथा देयताओं की वहन राशि में कोई भौतिक समायोजन कर सकते हैं, वे कार्यात्मक मुद्रा, तेल तथा गैस भंडारों, क्षति, संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण के उपयोगी जीवनकाल, तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के क्षय, चालू न किए जाने के प्रावधान, कर्मचारी लाभ बाध्यताओं, प्रावधान, आयकर हेतु प्रावधान, विलंबित कर परिसंपत्तियों और आकस्मिक परिसंपत्तियों तथा देयताओं के मापन से संबंधित हो सकते हैं।

5.1 लेखांकन नीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण निर्णय

अनुमान अंतर्ग्रस्त होने वाले (टिप्पणी 5.2 देखें) के अतिरिक्त, महत्वपूर्ण निर्णय निम्नलिखित हैं जिन्हें प्रबंधन ने समूह की लेखांकन नीतियों को लागू करने की प्रक्रिया में लिया है और जिनका समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों में मान्यता दी गई राशियों पर अत्यधिक प्रभाव हुआ है।

(क) क्रियात्मक मुद्रा का निर्धारण

समूह के निकायों द्वारा प्रचालन किए जाने वाले प्राथमिक आर्थिक परिवेश की मुद्रा ("क्रियात्मक मुद्रा") भारतीय रूपये हैं जिसमें निकाय प्राथमिक रूप से नकदी को उत्पन्न तथा उसका व्यय करते हैं। तथापि, प्राथमिक आर्थिक परिवेश जिसमें ओवीएल समूह (ओएनजीसी विदेश लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कपंनियां) कार्य करता है की मुद्रा अमेरिकी डालर है जिसमें यह प्राथमिक रूप से नकदी को उत्पन्न तथा व्यय करता है और तदनुसार, ओवीएल समूह की क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में आंकलित है।

(ख) निवेश का वर्गीकरण

किसी अन्य निकाय में हित की खरीद के लिए किसी संव्यवहार में प्राप्त नियंत्रण के स्तर के आकलन के लिए निर्णय अपेक्षित होता है; प्रत्येक मामले में तथ्य तथा परिस्थितियों पर निर्भर करते हुए कंपनी निकाय या व्यवस्था पर नियंत्रण, संयुक्त नियंत्रण या महत्वपूर्ण प्रभाव प्राप्त कर सकती है। कंपनी को किसी व्यापार पर नियंत्रण देने वाले संव्यवहार व्यापार संयोजन होते हैं। यदि कंपनी किसी व्यवस्था का संयुक्त नियंत्रण प्राप्त करती है, तो यह निर्णय भी किया जाना अपेक्षित होता है कि क्या व्यवस्था का आकलन एक संयुक्त प्रचालन के रूप में किया जाए अथवा संयुक्त उद्यम के। यदि कंपनी के पास न तो नियंत्रण और न ही संयुक्त नियंत्रण है, यह उस निकाय पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की स्थिति में होनी चाहिए, जिसे फिर एसोसिएट के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

(1) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड में एक संयुक्त उद्यम के रूप में (ओपीएएल)

कंपनी का ओपीएएल में 49.36 प्रतिशत प्रतिभागिता हित है। कंपनी ने 25 अगस्त, 2015 को 1922 मिलियन शेयर वारंट हेतु भी सबस्क्राइब किया है जो कंपनी को 10 रूपये प्रत्येक के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर के साथ प्रत्येक वारंट के विनिमय का पात्र बनाता है जिसके प्रति 9.75 रूपये अदा किए जा चुके हैं।

इसके अतिरिक्त, कंपनी ने 2 जुलाई, 2016 को ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड द्वारा जारी 77,780.00 मिलियन रूपये की राशि के बाध्यकारी परिवर्तनीय डिबेंचर तथा उस पर 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु 4,670.19 मिलियन रूपये की राशि के संचयी ब्याज हेतु मूलधन तथा संचित कूपन राशि के पुनर्भुगतान के प्रति सहायता को रोकने के लिए एक व्यवस्था भी की है।

तथापि, प्रबंधन ने ओपीएएल ने हित को संयुक्त उद्यम की प्रकृति का पाया है क्योंकि शेयरधारकों के मध्य शेयरधारक समझौते में संगत क्रियाकलापों के निर्णयों के नियंत्रण को साझा करने हेतु सभी शेयरधारकों के मध्य प्रावधान है जिसके लिए नियंत्रण साझा करने वाले सभी पक्षों पर एक मत सहमति अपेक्षित होती है।

(2) एसोसिएट में प्रतिभागिता अंश 20 प्रतिशत से कम होने के बावजूद

समूह द्वारा लागू समझौतों और/अथवा अन्यथा के अनुसार लिए गए निवेशकर्ताओं के वित्तीय तथा प्रचालन नीति निर्णयों में प्रतिभागिता की शक्ति पर विचार करते हुए निम्नलिखित निकायों को समूह का एसोसिएट माना गया है बावजूद इसके कि उनका प्रतिभागिता हित/शेयरधारण प्रतिशत/अधिकार प्रतिशत 20 प्रतिशत से कम है :

दक्षिण–पूर्व एशिया गैस पाइपलाइन (समूह की शेयरधारिता 8.347 प्रतिशत)

पेट्रो कारोबोबो एस.ए., वेनेजुएला (समूह की शेयरधारिता 11 प्रतिशत)

कंपनी का पीएलएल में 12.50 प्रतिशत इक्विटी हित है। इसे पिछले जीएएपी में संयुक्त उद्यम के रूप में वर्गीकृत किया गया था, तथापि, इंड एएस 111 "संयुक्त व्यवस्थाएं" के पैरा 7 के अनुसार पीएलएल के संगत क्रियाकलापों में सभी प्रमोटरों की एकमत सहमति अपेक्षित नहीं है और इसलिए पीएलएल को संयुक्त उद्यम के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है। कंपनी का पीएलएल पर पीएलएल में किसी निदेशक की नियुक्ति करने और उसके व्यापार निर्णयों में प्रतिभागिता के अधिकार के चलते महत्वपूर्ण प्रभाव है, अतः उक्त को कंपनी के एक एसोसिएट के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

(ग) प्रतिभागिता अंश 50 प्रतिशत से अधिक होने के बावजूद संयुक्त उद्यम

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) और क्रेडा एचपीसीएल बायोफ्यूल लिमिटेड (सीएचबीएल) के मामले में, जहां अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल ने इन कंपनियों में बहुसंख्यक मताधिकार धारित किए हुए हैं (74 प्रतिशत हित), अन्य संयुक्त उद्यम भागीदार के पास अपने सकारात्मक मद के अधिकार के माध्यम से व्यापक प्रतिभागिता अधिकार हैं। तदनुसार, संयुक्त नियंत्रण वाली कपंनी होने के चलते, एचआरआरएल और सीएचबीएल को इंड एएस के अंतर्गत वित्तीय विवरण के समेकन के प्रयोजन हेतु एक संयुक्त उद्यम कंपनी माना गया है। तथापि कंपनी अधिनियम 2013 के प्रयोजन हेतु इन कंपनियों को तत्संबंधी धारा 2 में परिभाषित किए गए अनुसार अनुषंगी कंपनी के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

(घ) यह निर्धारित करना कि क्या किसी व्यवस्था में पट्टा तथा पट्टों का वर्गीकरण शामिल है

समूह विभिन्न परिसंपत्तियों/सेवाओं हेतु सेवा/किराए पर लेने की व्यवस्थाएं करता है। पट्टे के निर्धारण

और सेवा/किराए पर लेने की व्यवस्था का एक वित्तीय पटटे या प्रचालन पटटे के रूप में निर्धारण कई कारकों के आकलन पर आधारित है जिसमें पट्टे की अवधि के अंत में पटटा पर ली गई परिसंपत्ति के स्वामित्व का अंतरण, ऐसे विकल्प की खरीद तथा उपयोग की अनुमानित निश्चितता के लिए पट्टाधारी का विकल्प चुनना, परिसंपत्ति के आर्थिक काल से पट्टा अवधि का अनुपात, पटटे पर दी गई परिसंपत्ति के उचित मूल्य को न्यूनतम पट्टा भुगतान के वर्तमान मूल्य का अनुपात और पट्टे पर दी गई संपत्ति की विशेषीकृत प्रकृति की सीमा शामिल है परन्तु यह इन्हीं तक सीमित नहीं है।

(ङ) तेल तथा गैस परिसंपतियों की क्षति हेतु संकेतों का मूल्यांकन

परिसंपत्तियों की क्षति के संकेतकों की प्रयोजनीयता के मूल्यांकन में बाहरी कारकों (परिसंपत्ति के मूल्य में भारी कमी, प्रौद्योगिकीय, बाजार, आर्थिक या विधिक परिवेश, बाजार ब्याज दरों में बड़े परिवर्तन आदि) और आंतरिक कारकों (किसी परिसंपत्ति का अप्रचलित होना या उसमें भौतिक क्षति, परिसंपत्ति का खराब आर्थिक निष्पादन आदि) का आकलन अपेक्षित होता है जो तेल तथा गैस परिसंपत्तियों की प्राप्ति योग्य मात्रा में बड़े परिवर्तनों में परिणत हो सकते हो।

(च) तेल तथा गैस लेखांकन

यह निर्धारण कि क्या किसी अन्वेषण कुएं द्वारा खोज किए गए संभाव्य आर्थिक तेल तथा प्राकृतिक गैस भंडार आमतौर पर कुआं पूर्णता के पहले वर्ष में हो जाते हैं, पर इसमें भू–वैज्ञानिक ढांचे की जटिलता पर निर्भर करते हुए अधिक समय भी लग सकता है। तेल तथा प्राकृतिक गैस की संभाव्य आर्थिक मात्राओं की खोज करने वाले अन्वेषण कुएं तथा ऐसे क्षेत्रों में जहां उत्पादन को प्रारंभ करने से पूर्व प्रमुख पूंजीगत व्यय (जैसे कि कोई अपतटीय प्लेटफार्म अथवा पाइपलाइन), की आवश्यकता होगी, अथवा जहां प्रमुख पूंजीगत व्यय की आर्थिक व्यवहार्यता उस क्षेत्र में और अन्वेषण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने पर निर्भर करती हो, समेकित तुलन–पत्र में तब तक पूंजीकृत रहती है जब तक कि अतिरिक्त अन्वेषण या मूल्यांकन कार्य जारी हो अथवा उसकी दृढ़तापूर्वक आयोजना बनाई गई हो।

कई वर्षों हेतु समेकित तुलन–पत्र में अन्वेषण कुओं तथा अन्वेषणात्मक प्रकार के स्ट्रेटीग्राफिक जांच कुओं का स्थगित रहना असमान्य नहीं है जबकि संभाव्य तेल तथा प्राकृतिक गैस फील्डों में अतिरिक्त मूल्यांकन ड्रिलिंग और भूकंपीय कार्य को निष्पादित किया जाता है अथवा ईष्टतम विकास योजनाओं तथा समय को स्थापित किया जा रहा होता है। ऐसी सभी वहन की जा सकने वाली लागतें कम से कम वार्षिक आधार पर नियमित तकनीकी, वाणिज्यिक तथा प्रबंधन समीक्षा के अधीन है ताकि खोज को विकसित करने या अन्यथा उससे मूल्य के निष्कर्षण हेतु सतत मंशा की पुष्टि की जा सके। जहां ऐसा मामला न हो, लागतों को तत्काल व्यय के रूप में दिखाया जाता है।

(छ) अनुषंगियों, शाखाओं के अवितरित लाभ/हानियों, एसोसिएट तथा संयुक्त उद्यमों में निवेश के संबंध में विलंबित कर दायित्व/विलंबित कर परिसंपत्ति

प्रबंधन अनुषंगियों, शाखाओं के अवितरित लाभ/हानियों, एसोसिएट तथा संयुक्त उद्यमों में निवेश के संबंध में विलंबित कर दायित्व/विलंबित कर परिसंपत्ति हेतु लेखांकन में निर्णय लेता है। अनुषंगी कंपनियों, शाखाओं के अवितरित लाभ/हानियों, संयुक्त उद्यमों में निवेश के संबंध में प्रबंधन के निर्णय में प्रबंधन अस्थायी अंतरों की वापिसी के समय को नियंत्रित करने में समर्थ होता है और ये अस्थायी अंतर निकट भविष्य में वापिस नहीं किए जाएंगे।

तदनुसार, समूह अनुषंगी कंपनियों, शाखाओं में निवेश और संयुक्त उद्यम में हितों से संबद्ध सभी कर योग्य अस्थायी अंतरों हेतु किसी विलंबित कर दायित्व को मान्यता नहीं प्रदान करता है।

5.2 मान्यताएं और अनिश्चितता के मापन हेतु प्रमुख स्रोत

परिसंपत्तियों, देयताओं, आय तथा व्यय की मान्यता तथा मापन पर महत्वपूर्ण प्रभाव होने वाले अनुमानों तथा मान्यताओं के संबंध में सूचना नीचे दी गई है। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं।

(क) बंद किए जाने हेतु प्रावधान का अनुमानन

समूह तेल तथा गैस परिसपंत्तियों को उनके आर्थिक जीवनकाल की समाप्ति पर आगे बंद किए जाने हेतु इंड एएस 37 "प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां" के सिद्धांतों के अनुसार चालू न किए जाने हेतु प्रावधानों का अनुमान लगाता है। इनमें से अधिकांश बंद किए जाने के क्रियाकलाप भविष्य में होंगे, हटाए जाने की घटनाओं के समय पूरा की जाने वाली सटीक आवश्यकताओं में अनिश्चितता शामिल हो सकती है। बंद किए जाने हेतु प्रौद्योगिकी तथा लागतों में लगातार बदलाव हो रहे हैं। भविष्य के नकदी प्रवाहों का समय तथा राशि काफी अनिश्चितातापूर्ण है।

भविष्य के व्ययों की समय तथा राशि की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में वर्तमान लागत अनुमानों की वृद्धि हेतु मुद्रास्फीति की दर तथा नकदी प्रवाहों की छूट में प्रयुक्त ब्याजदरों के साथ की जाती है। तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के आर्थिक जीवनकाल का अनुमान संगत तेल तथा गैस परिसपंत्ति की दीर्घावधि उत्पादन प्रोफाइल के आधार पर अनुमानित किया जाता है।

(ख) परिसंपत्तियों की क्षति

यह निर्धारित करना कि क्या किसी क्षतिग्रस्त सीजीयू में भविष्य के मूल्यों, प्रचालन व्ययों पर मुद्रास्फीति के प्रभाव, छूट दरों, खनिज तेल, प्राकृतिक गैस तथा मूल्यवर्धित उत्पादों की उत्पादन प्रोफाइल जैसे अनिश्चित मामलों पर प्रबंधन के अनुमान अंतर्ग्रस्त हैं। तेल तथा गैस परिसंपत्तियों हेतु प्रत्याशित भविष्य के नकदी प्रवाहों का अनुमान भविष्य के खनिज तेल और प्राकृतिक गैस मूल्यों, उत्पादन तथा आरक्षित मात्राओं के प्रबंधन के श्रेष्ठ अनुमानों का उपयोग करके लगाया जाता है।

कपंनी के नकदी प्रवाहों के वर्तमान मूल्यों का निर्धारण खनिज तेल हेतु कर पूर्व छूट दरों तथा मूल्यवर्धित उत्पाद राजस्व को लगाकर किया जाता है। खनिज तेल तथा मूल्यवर्धित उत्पादों की बिक्री से भविष्य के नकदी अंतरवाहों की गणना भविष्य के मूल्यों का उपयोग करते हुए "प्लैट के खनिज तेल बाजार वायर" द्वारा किए गए आकलन और बेंचमार्क खनिज तेल तथा अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के साथ इसके सह–संबंध के अनुसार डेटिड ब्रेंट खनिज तेल के बाजार आधारित औसत मूल्यों के आधार पर की जाती है। प्राकृतिक गैस की बिक्री से भविष्य के नकदी अंतरवाहों की गणना भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के आधार पर प्रत्याशित भविष्य के मूल्यों और भारत सरकार द्वारा जारी नए मूल्य निर्धारण दिशा–निर्देशों के मददेनजर अमरेकी डालर में मापे गए नकदी प्रवाहों पर लागू होने वाली दरों को लगाकर छूट के साथ की जाती है।

इसके अतिरिक्त, अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के वर्तमान नकदी प्रवाहों के मूल्यों को कर–पूर्व छूट दर लगाकर निर्धारित किया जाता है जो धन के समय मूल्य के वर्तमान बाजार आकलन और प्रत्येक सीजीयू के संबंध में देयता के प्रति विशिष्ट होने वाले जोखिमों को दर्शाता है। खनिज तेल की बिक्री से भविष्य के नकदी प्रवाह की गणना भविष्य के मूल्यों का उपयोग करके की जाती है और यह ब्लूमबर्ग द्वारा आकलन किए गए अनुसार डेटिड ब्रेंट खनिज तेल मूल्यों और बेंचमार्क खनिज तेल तथा अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के साथ इसके सह–संबंध के अनुसार बाजार आधारित अग्रगामी मूल्यों के आधार पर किया जाता है। प्राकृतिक गैस की बिक्री से भविष्य के नकदी प्रवाह की भी गणना संबंधित अनुबंध और/अथवा बाजार पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित मूल्यों के आधार पर प्रत्याशित भविष्य के मूल्यों पर की जाती है।

प्रयुक्त छूट की दर किसी स्थापित मॉडल से पूंजी की लागत पर आधारित होती है।

उत्पादक/विकासशील सीजीयू के उपयोग में मूल्य का निर्धारण एक बहु–स्तरीय एप्रोच के अंतर्गत किया जाता है जिसमें भविष्य के नकदी प्रवाहों का आरंभिक अनुमान प्रमाणित विकसित भंडारों के आधार पर लगाया जाता है। ऐसी परिस्थितियों में जहां सीजीयू में फील्डों में और विकास प्रगति पर है तथा जहां सीजीयू के वहन मूल्य को केवल प्रमाणित विकसित भंडारों के दोहन के माध्यम से वसूले जाने की संभावना नहीं है, सीजीयू के प्रमाणित तथा संभावित भंडारों (2पी) को भी भविष्य के नकदी प्रवाहों के अनुमान लगाने के प्रयोजन हेतु लिया जाता है। ऐसे मामलों में मूल्यांकन/विकास की प्रत्याशित लागत के पूर्ण अनुमान पर भी उपयोग में होने वाले मूल्य के निर्धारण के समय विचार किया जाता है।

क्षति गणना के आकलन में प्रयुक्त छूट दरों का प्रत्येक वर्ष पुनः आकलन किया जाता है।

(ग) भंडारों का अनुमानन

प्रबंधन कंपनी की भंडार अनुमानन समिति (आरईसी) द्वारा निर्धारित नीतियों तथा प्रक्रियाओं के आधार पर तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के संबंध में उत्पादन प्रोफाइल (प्रमाणित तथा विकसित भंडारों) का अनुमान लगाती है। इस प्रकार निर्धारित अनुमानों का उपयोग क्षय तथा क्षति परीक्षण हेतु किया जाता है।

समूह के वर्ष के अंत में भंडारों का अनुमानन आरईसी द्वारा लगाया गया है जो सतत रूप से अतर्राष्ट्रीय भंडार अभियांत्रिकी प्रक्रियाओं का पालन करती है। कंपनी ने भंडार अनुमानन हेतु निर्धारणात्मक पद्धति अपनाई है और यह सोसाइटी ऑफ पेट्रोलियम इंजीनियर्स (एसपीई)–1997 दिशा–निर्देशों का पालन करती है जो भंडारों को "दी गई किसी तिथि से आगे विद्यमान आर्थिक शर्तों के अधीन स्थापित प्रचालन व्यवहारों द्वारा और वर्तमान सरकारी विनियमनों के अधीन किसी ज्ञात संचयन से वाणिज्यिक रूप से प्राप्त किए जा सकने की प्रत्याशा वाले खनिज तेल, संघनित, प्राकृतिक गैस, प्राकृतिक गैस दृव्य और संबद्ध पदार्थों की अनुमानित मात्राओं" के रूप में परिभाषित करते हैं। अनुमानन में मात्रात्मक अनुमानन मुख्य प्रक्रिया है जो भंडार की चट्टान तथा द्रव्य विशेषताओं का उपयोग इनप्लेस हाइड्रोकार्बनों की गणना के लिए करती है और फिर उस हिस्से का अनुमान लगाती है जिसे इससे प्राप्त किया जा सकेगा। फील्ड के परिपक्व होने तथा एक तर्कसंगत अच्छा उत्पादन इतिहास उपलब्ध होने के पश्चात सामग्री संतुलन, सिमुलेशन, घटता हुआ वक्र विश्लेषण जैसी निष्पादन पद्धतियों का उपयोग भंडारों के अधिक सटीक आकलन को प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

अनुमानों का वार्षिक संशोधन वार्षिक अन्वेषणात्मक तथा विकास क्रियाकलापों और तत्संबंधी परिणामों पर आधारित होता है। नई इनप्लेस मात्रा और अंतिम भंडारों का अनुमानन पहले से खोज किए गए क्षेत्रों में नई फील्ड खोजों या नई पूल खोजों हेतु लगाया जाता है। साथ ही मूल्यांकन क्रियाकलाप

नए उप–सतह डाटा के कारण अनुमानों में संशोधन में भी परिणत होते हैं। इसी प्रकार, पेट्रो–भौतिक पैरामीटरों में बदलाव, स्थिर तथा परिवर्तनशील मॉडलों को अद्यतन करने और भंडारों में परिवर्तन में परिणत होने वाले निष्पादन विश्लेषण के कारण पुराने फील्डों हेतु पुनः व्याख्या क्रिया भी की जाती है। नई प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप, वर्गीकरण तथा संविदात्मक प्रावधानों में परिवर्तन के चलते भी भंडारों के अनुमानन में संशोधन आवश्यक हो जाता है।

समूह उचित ध्यान दिए जाने हेतु तृतीय पक्ष एजेंसियों की सेवाओं का उपयोग करता है और यह अपनी परिसंपत्तियों की जांच तृतीय पक्ष द्वारा आवधिक रूप से किसी अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रतिष्ठित परामर्शदाताओं से करवाता है जो अपने मूल्यांकन हेतु नवीनतम उद्योग व्यवहारों को अपनाते हैं।

(घ) नकदी उत्पादक यूनिट (सीजीयू) का निर्धारण

समूह मुख्यतः अभितट तथा अपतट में तेल तथा गैस के अन्वेषण और उत्पादन में रत है। अभितटीय परिसंपत्तियों के मामले में फील्ड आम उत्पादक/परिवहन सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं और एक एकल नकदी उत्पादक यूनिट (सीजीयू) को बनाने के लिए पर्याप्त रूप से आर्थिक तौर पर अंतर निर्भर हैं। तदनुसार, भारत में सभी अपतटीय फील्डों के क्षति परीक्षण को समग्र रूप में परिसंपत्ति स्तर पर ऐसे सभी फील्डों हेतु निष्पादित किया जाता है। अपतटीय परिसंपत्तियों के मामले में, किसी फील्ड को आमतौर पर एक सीजीयू माना जाता है सिवाय ऐसे फील्डों के जिन्हें क्लस्टर के रूप में विकसित किया गया है, जिनके लिए समान सुविधाओं का उपयोग किया जाता है, जिनमें क्षति परीक्षण को क्लस्टर में शामिल सभी फील्डों हेतु पूर्ण रूप से निष्पादित किया जाता है।

(ङ) निर्धारित लाभ बाध्यता (डीबीओ)

डीबीओ का प्रबंधन का अनुमान कई महत्वपूर्ण निहित मान्यताओं पर निर्भर है जैसे कि मुद्रास्फीति की मानक दरें, चिकित्सा लागत प्रवृत्तियां, मृत्यु दर, छूट दर और भविष्य की वेतन वृद्धि प्रत्याशाएं। इन मान्यताओं में अंतर डीबीओ राशि और वार्षिक निर्धारित लाभ व्ययों को काफी हद तक प्रभावित कर सकते हैं।

6. तेल तथा गैस परिसंपत्तिया

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
सकल लागत		
प्रारंभिक शेष (देखें टिप्पणी सं. 6.1)	1,825,356.33	1,603,836.15
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों से अंतरण – प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं	7,302.49	10,398.14
प्रगतिधीन विकासात्मक कुएं से अंतरण	99,535.09	116,740.10
अनुमानित परित्याग लागत में वृद्धि/(कमी)	12,206.37	9,274.54
वर्ष के दौरान वर्धन	132,538.30	120,226.79
अधिग्रहण लागत (देखें टिप्पणी 50.1.5.6)	57,285.40	-
वर्ष के दौरान हटाई गई/सेवानिवृत्त की गई	(270.99)	(13,434.99)
अन्य समायोजन	(233.69)	(11,514.80)
विदशी मुद्रा विनिमय समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 6.2)	(4,429.55)	(10,169.60)
कुल	**2,129,289.75**	**1,825,356.33**
घटाए : निशेषण और क्षति		
प्रारंभिक शेष (देखें टिप्पणी सं. 6.1)	498,237.65	358,114.40
वर्ष के लिए निशेषण (देखे टिप्पणी सं. 40)	180,433.76	161,031.55
वर्ष के दौरान हटाई गई/सेवानिवृत्त की गई	401.48	(1,249.00)
अन्य समायोजन	-	539.78
विदशी मुद्रा विनिमय समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 6.2)	(2,956.64)	(20,199.08)
कुल	**676,116.25**	**498,237.65**
संचित क्षति		
प्रारंभिक शेष (देखें टिप्पणी सं. 6.1)	30,967.08	42,728.07
वर्ष के दौरान मुहैया करवाई गई क्षति (देखें टिप्पणी सं. 6.3)	5,980.09	1,253.54
क्षति का पश्चात् लेखन	(14,649.96)	(12,578.70)
विदशी मुद्रा विनिमय समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 6.2)	(1.39)	(435.83)
कुल	**22,295.82**	**30,967.08**
तेल एवं गैस परिसंपत्तियों की वहन राशि	**1,430,877.68**	**1,296,151.60**

6.1 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के अतिरिक्त, समूह ने पिछले जीएएपी के अनुसार मापी गई 1 अप्रैल, 2015 (परिवर्तन तिथि) को मान्यता प्रदान की गई अपनी तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के वहन मूल्य को जारी रखने का विकल्प चुना है और उस वहन मूल्य को इंड एएस 101 के पैरा डी7एए के अनुसार परिवर्तन तिथि को इसकी मानद लागत माना है सिवाय बन्द किए जाने और पुनरूद्धार प्रावधान के जिन्हें इंड एएस 101 "भारतीय लेखांकन मानकों को पहली बार अपनाया जाना" के पैरा डी21 के अनुसार तेल तथा गैस परिसंपत्तियों की लागत में शामिल किया गया है।

6.2 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनिमय अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा "भारतीय रूपये" में परिवर्तित किए जाने के कारण अंतरों को दर्शाता है। देखें टिप्पणी 3.21 और 5.1(क)।

6.3 अनुषंगी कंपनी ओवीएल का ब्लाक 14, सीरिया मे 60 प्रतिशत प्रतिभागिता हित हैं। सीरिया में कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति के मद्देनजर परियोजना की प्रचालनों को 29 अप्रैल, 2012 से अस्थायी रूप से निलंबित रखा गया है। उक्त के मद्देनजर तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के संबंध में 68.53 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु शून्य रूपये) की राशि का क्षति प्रावधान किया गया है।

6.4 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में बीसी–10, ब्राजील (समूह का एक गैर–अधिनिगमित संयुक्त प्रचालन) का तम्बा बीवी, नीदरलैंड (समूह की एक संयुक्त उद्यम कंपनी) के साथ दीर्घावधि वित्त पट्टा समझौता है जिसमें तम्बा बीवी बीसी–10 को फ्लोटिंग उत्पादन भण्डार और ऑफलोडिंग वेसल (एफपीएसओ) तथा अन्य उप समुद्री परिसंपतियों जैसे प्रमुख तेल फील्ड उपकरण मुहैया करवा रहा है। गैर–वर्तमान वित्त पट्टों के कारण उत्पन्न होने वाली विदेशी मुद्रा लाभ/हानि को तेल तथा गैस परिसंपत्तियों को पूंजीकृत किया गया है तथा उत्पादन की यूनिट पद्धति का उपयोग करके उनका क्षय किया गया है। दीर्घावधि वित्त पट्टा समझौतों के संबंध में परिशोधन हेतु शेष तथा गैस परिसंपत्तियों का ब्यौरा निम्नवत है :

मूल्यह्रास वाली परिसंपत्तियों से संबंधित दीर्घावधि विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों की रिपोर्टिंग से उत्पन्न होने वाले विनिमय अंतर :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में परिशोधन के लिए शेष राशि	2,800.64	5,843.84
जोड़ें : वर्ष के दौरान उत्पन्न विनिमय हानि / (लाभ)	950.62	(3,036.38)
घटाएं : वर्ष के लाभ – हानि विवरण में प्रभारित क्षय	1,155.02	555.97
जोड़ें : विनिमय अंतर का प्रभाव (टिप्पणी 6.2)	(122.82)	549.15
वर्ष के अंत में परिशोधित की जाने वाली शेष राशि	**2,473.42**	**2,800.64**

7. अन्य संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

(₹ मिलियन में)

निम्नलिखित की वहन राशि	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
फ्रीहोल्ड भूमि (देखें टिप्पणी सं. 7.2.1)	16,615.84	14,377.48
स्थायी पट्टाधारी भूमि (देखें टिप्पणी सं. 7.3.1 तथा 7.3.2)	5,418.30	5,414.89
भवन और बंक गृह (देखें टिप्पणी सं. 7.2.2 तथा 7.2.3)	93,589.85	89,340.51
संयंत्र और उपकरण (देखें टिप्पणी 7.3.3 तथा 7.3.4)	539,250.93	535,602.37
फर्नीचर और फिक्सचर	5,645.69	3,245.20
कार्यालय उपकरण	16,028.77	15,131.78
वाहन, जहाज और नौकाएं	4,791.18	4,336.89
कुल	**681,340.56**	**667,449.12**

लागत या मानद लागत	फ्रीहोल्ड भूमि	स्थायी पट्टाधारी भूमि	भवन और बंक गृह	संयंत्र और उपकरण	फर्नीचर और फिक्सचर	कार्यालय उपकरण	वाहन, जहाज और नौकाएं	कुल
1 अप्रैल, 2016 को शेष (देखें टिप्पणी सं. 7.1)	**13,359.10**	**5,476.44**	**92,630.31**	**603,256.23**	**9,730.74**	**24,097.11**	**6,357.20**	**754,907.12**
वर्धन	1,170.78	12.70	14,296.20	61,237.12	1,449.15	6,158.06	1,574.40	85,898.42
निपटान/समायोजन	152.31	5.69	80.87	3,947.01	467.55	272.06	(320.39)	4,605.09
विनिमय अंतरों का प्रभाव (देखें टिप्पणी सं. 7.4.1)	0.09	(68.55)	(232.47)	(978.10)	(98.00)	(175.33)	62.89	(1,489.47)
31 मार्च, 2017 को शेष	**14,377.48**	**5,414.89**	**106,613.16**	**659,568.24**	**10,614.34**	**29,807.78**	**8,314.89**	**834,710.80**
वर्धन	2,241.34	0.20	11,459.81	49,604.82	4,411.19	5,193.19	2,509.06	75,419.62
निपटान/समायोजन	2.99	-	752.19	8,727.65	870.91	376.22	68.50	10,798.46
विनिमय अंतरों का प्रभाव (देखें टिप्पणी सं. 7.4.1)	-	3.21	14.52	37.88	2.69	7.86	(7.92)	58.24
31 मार्च, 2018 को शेष	**16,615.84**	**5,418.30**	**117,335.31**	**700,483.30**	**14,157.31**	**34,632.61**	**10,747.53**	**899,390.20**

संचित मूल्यह्रास और क्षति	फ्रीहोल्ड भूमि	स्थायी पट्टाधारी भूमि	भवन और बंक गृह	संयंत्र और उपकरण	फर्नीचर और फिक्सचर	कार्यालय उपकरण	वाहन, जहाज और नौकाएं	कुल
1 अप्रैल, 2016 को शेष (देखें टिप्पणी सं. 7.1)	-	-	**10,364.52**	**82,085.48**	**6,652.56**	**10,817.54**	**2,085.69**	**112,005.79**
मूल्यह्रास व्यय	-	(0.00)	7,101.15	44,284.18	1,067.09	4,165.68	1,942.75	58,560.85
लाभ एवं हानि में मान्यता प्रदान की गई क्षति हानि	-	-	271.88	888.39	(3.85)	23.26	37.60	1,217.28
परिसंपत्तियों के निपटान/समायोजन पर समाप्त	-	-	(10.70)	2,437.74	245.42	172.94	142.28	2,987.68
वर्ष के दौरान पश्चलेखित क्षति हानि			399.96	(20.78)	8.15	3.12	3.77	394.22
विनिमय अंतरों का प्रभाव (देखें टिप्पणी सं. 7.4.1)	-		(75.63)	(875.22)	(93.09)	(154.42)	58.01	(1,140.35)
31 मार्च, 2017 को शेष	-	**(0.00)**	**17,272.65**	**123,965.87**	**7,369.14**	**14,676.00**	**3,978.00**	**167,261.68**
मूल्यह्रास व्यय	-	-	7,243.49	45,236.75	1,901.53	4,241.72	2,016.39	60,639.88
लाभ एवं हानि में मान्यता प्रदान की गई क्षति हानि	-	-	3.36	19.16	3.10	0.97	0.05	26.64
परिसंपत्तियों के निपटान/समायोजन पर समाप्त	-	-	762.56	7,954.48	766.12	323.12	52.81	9,859.09
वर्ष के दौरान पश्चलेखित क्षति हानि	-	-	18.20	73.31	-	-	-	91.51
विनिमय अंतरों का प्रभाव (देखें टिप्पणी सं. 7.4.1 तथा 7.3.5)	-	-	6.71	38.38	3.97	8.27	14.72	72.05
31 मार्च, 2018 को शेष	-	**(0.00)**	**23,745.46**	**161,232.37**	**8,511.62**	**18,603.84**	**5,956.35**	**218,049.64**

7.1 सिवाय, अनुषंगी कंपनी ओवीएल के, समूह ने 1 अप्रैल, 2015 (परिवर्तन तिथि) को पिछले जीएएपी के अनुसार मापे गए मान्यता प्रदान किए गए अपनी अन्य संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण (पीपीई) के वहन मूल्य को जारी रखने का विकल्प चुना है और उक्त वहन मूल्य को परिवर्तन की तिथि को इंड एएस 101 के पैरा डी7एए के अनुसार मानक लागत माना है सिवाय, अन्य पीपीई में शामिल बन्द किए जाने के प्रावधानों हेतु जिसे इंड एएस 101 "भारतीय लेखांकन मानकों को पहली बार अपनाया जाना" के पैरा डी21 के अनुसार समायोजित किया गया है, मानद लागत को आगे 1 अप्रैल, 2015 को ऋण की लागतों संबंधी अपरिशोधित संव्यवहार लागत हेतु कम किया गया है, जिसे पहले पीपीई में पूंजीकृत किया गया था।

7.2 कंपनी के संबंध में

7.2.1 भूमि में 58.21 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष 88.89 मिलियन रूपये) राशि की कुछ यूनिटों के संबंध में 4 भूमियां (पिछले वर्ष 36 भूमियां) शामिल हैं, जिनके अंतरण विलेखों का निष्पादन प्रक्रियाधीन है।

7.2.2 57.66 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष 61.10 मिलियन रूपये) (वहन राशि) की वहन राशि वाली 6 भवनों (पिछले वर्ष 12) के संबंध में स्वामित्व विलेख के हस्तांतरण विलेख का निष्पादन लंबित है।

7.2.3 भवन में, भूमि में अविभाजित हित की लागत शामिल है।

7.3 कंपनी अनुषंगी एमआरपीएल के संबंध में

7.3.1 पट्टाधारी भूमियों को वित्तीय पट्टे की प्रकृति वाला माना गया है क्योंकि पट्टा अवधि के अंत में कंपनी को स्वामित्व अंतरित किया जाएगा। इन पट्टाधारी भूमियों का मूल्यह्रास नहीं किया जाता है।

7.3.2 पट्टे के अंतर्गत भूमि में, भूमि मूल्य 36.56 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 28.82 मिलियन रूपये) है, जो कंपनी के कब्जे में है जिनके लिए औपचारिक पट्टा विलेखों को अभी निष्पादित किया जाना है।

7.3.3 संयंत्र तथा उपकरण में, 39.15 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 39.15 मिलियन रूपये) शामिल हैं जो अन्य कंपनियों के साथ संयुक्त स्वामित्व वाली किसी परिसंपत्ति में कंपनी का अंश है।

7.3.4 बाहरी वाणिज्यिक ऋण और तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) से प्राप्त ऋण को अचल संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण पर पहले समरूप प्रभार और चल संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण पर पहले दर्जे के समरूप प्रभार, वर्तमान तथा भविष्य के दोनों, द्वारा प्रतिभूत किया जाता है। संघ के बैंकों से कार्यशील पूंजी ऋण कच्चे माल, तैयार वस्तुएं, प्रक्रियाधीन स्टॉक, भण्डारों, कलपुर्जों, धटकों, प्राप्य व्यापार, प्राप्य बकाया राशि, दावों, बिलों, संविदा, नियोजन, प्रतिभूतियां, वर्तमान तथा भविष्य की दोनों, के कंपनी के स्टाक को रेहन रखकर प्रतिभूत किया जाता है और इसे आगे कंपनी की चल तथा अचल संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण, वर्तमान तथा भविष्य दोनों के, पर द्वितीय दर्जे के समरूप प्रभार से आगे प्रतिभूत किया जाता है (देखें टिप्पणी 28.10)।

7.3.5 संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण के वर्धन में, विदेशी मुद्रा अंतरों के संबंध में 100.71 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु 1,102.75 मिलियन रूपये) पूंजीकृत ऋण लागतों के संबंध में शामिल हैं। परिसंपत्ति वर्ग–वार वर्धन ब्यौरों को नीचे दर्शाया गया है :

(₹ मिलियन में)

वर्ष	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
परिसंपत्ति श्रेणी		
भवन	0.28	(7.97)
संयंत्र और उपकरण	100.43	(1094.78)
कुल	**100.71**	**(1102.75)**

7.3.6 वर्ष के दौरान कंपनी ने 2959.33 मिलियन रूपये के अप्रयुक्त बाहरी वाणिज्यिक ऋणों का समय से पूर्व भुगतान किया है। उक्त के परिणामस्वरूप 25.57 मिलियन रूपये (निवल) राशि की ऋण लागतों (ब्याज आय का निवल) और विनिमय दर अंतर को वर्तमान वर्ष के दौरान संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण के प्रति समायोजित किया गया है।

7.3.7 कंपनी पूर्व के वर्षों के दौरान, पूंजीगत वस्तुओं के आयात/स्थानीय खरीद के संबंध में प्रवेश कर, सीमा शुल्क आदि पर छूट जैसे कुछ आर्थिक लाभों की पात्र है। कंपनी ने संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण की खरीद पर सीमा शुल्क तथा प्रवेश कर हेतु प्राप्त लाभों को सरकारी अनुदान के रूप में लेखांकित किया है। वर्तमान वर्ष में कंपनी ने 01 अप्रैल, 2017 के अनुसार संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण की लागत को समायोजित किया है तथा 3618.21 मिलियन रूपये की राशि के विलंबित सरकारी अनुदान को क्रेडिट किया है। विलंबित सरकारी अनुदान को संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण के शेष उपयोगी जीवनकाल पर परिशोधित किया जाता है (देखें टिप्पणी 32)।

7.3.8 अनुषंगी कंपनी ओएमपीएल के संबंध में बाहरी वाणिज्यिक ऋण और अपरिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) अचल संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण पर प्रथम समरूप प्रभार द्वारा प्रतिभूत हैं। बैंक से कार्यशील पूंजी ऋण को कंपनी की वर्तमान तथा भविष्य दोनों की वर्तमान परिसंपत्तियों के रेहन के माध्यम से प्रतिभूत किया जाता है। कार्यशील पूंजी ऋणदाताओं को एनसीडी धारकों से अनापत्ति प्रमाण–पत्र की प्राप्ति पर कंपनी की वर्तमान तथा भविष्य दोनों की अचल संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण पर दूसरी श्रेणी के समरूप प्रभार से प्रतिभूत किया जाना है।

7.4 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में

7.4.1 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियाशील मुद्रा अमेरिकी डालर निर्धारित की है। समायोजनों में ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा भारतीय रूपये में परिवर्तित करने के चलते 13.81 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 349.30 मिलियन रूपये) के विनिमय अंतरों का निवल प्रभाव शामिल है। देखें टिप्पणी 3.21 और 5.1(क)।

7.4.2 कंपनी हाइड्रोकार्बन के अन्वेषण, विकास तथा उत्पादन के अपने व्यापार को सीधे अथवा अन्य भागीदारों (संघ) के साथ मिलकर मेजबान सरकारों के साथ समझौतों के अंतर्गत करती है। इनमें से कई समझौते, फील्डों/परियोजनाओं में कंपनी के क्रियाकलापों को शासित करते हुए यह प्रावधान करते हैं कि संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण और अन्य सहायक संस्थापनाओं का स्वामित्व या तो खरीद/ऐसी परिसंपत्तियों के प्रथम उपयोग अथवा "लागत तेल" और "लागत गैस" के आवंटन के माध्यम से ऐसी लागतों की 100 प्रतिशत वसूली अथवा संगत संविदा क्षेत्रों के परित्याग अथवा संगत समझौते की समाप्ति पर मेजबान सरकार को अथवा उसके नामित निकाय को मिल जाएगा। तथापि, समझौते की शर्तों के अनुसार संघ और/अथवा प्रचालक के पास ऐसी सभी परिसंपत्तियों का संरक्षण होता है और वह बिना किसी प्रभार के ऐसी सभी परिसंपत्तियों का उपयोग पेट्रोलियम प्रचालनों हेतु संबंधित समझौतों की समूची अवधि के दौरान करने के लिए पात्र होता है। संघ के पास भी ऐसी परिसंपत्तियों के संरक्षण तथा रख–रखाव का जिम्मा है और वह दुर्घटनावश हानि तथा क्षति से जुड़े सभी जोखिमों तथा ऐसी परिसंपत्तियों के रख–रखाव के लिए आवश्यक सभी लागतों और ऐसी किसी क्षति या हानि के प्रतिस्थापन अथवा मरम्मत के लिए होने वाले सभी खर्चों को वहन करता है। इन परिस्थितियों

में ऐसी परिसंपत्तियों को संबंधित समझौते के चालन के दौरान कंपनी के रिकार्डों में रखा जाता है।

7.5 अनुषंगी कंपनी पीएमएचबीएल के संबंध में

7.5.1 मूल्यह्रास वाली परिसंपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवनकाल में परिवर्तन – कंपनी ने तकनीकी परामर्श के आधार पर अपनी पाइप लाइन के स्थापित न किए गए पूंजीगत कलपुर्जों का उपयोगी जीवनकाल पाइपलाइन के समान अर्थात 30 वर्ष माना है। पूर्व में उपयोगी जीवनकाल का प्रारंभ पाइप के स्थापन तक विलंबित किया जाता था। यह वर्तमान अवधि में 1.75 मिलियन रूपये से वृद्धि के मूल्यह्रास में परिणत हुआ है। परिसंपत्ति के उपयोगी जीवनकाल के शेज्ञ 16 वर्षों में मूल्यह्रास प्रभार पिछले वर्षों में परिसंपत्ति पर प्रभारित मूल्यह्रास की तुलना में 1.75 मिलियन अधिक होना जारी रहेगा।

7.5.2 प्रतिभूति के रूप में रेहन रखी गई परिसंपत्तियां – शून्य कूपन बॉण्ड के संबंध में ऋणों को प्रतिभूत करने के लिए 1506.28 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 1506.28 मिलियन रूपये) की परिसंपत्तियों को रेहन रखा गया है। कंपनी को इन परिसंपत्तियों को अन्य ऋणों के रूप में प्रतिभूति के तौर पर रखने अथवा उन्हें किसी अन्य निकाय को बेचने की अनुमति नहीं है। कंपनी ने शून्य कूपन बॉण्ड की पूर्ण चुकौती पुनः प्रतिपूर्ति राशि के रूप में कर दी है और प्रभार की फाइल संतुष्टि के अनुरूप एक बॉण डधारक से अनापत्ति प्रमाण–पत्र की प्रतीक्षा कर रही है और इसलिए कंपनियों के पंजीयक के साथ प्रभार अभी विद्यमान है।

7.6 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

7.6.1 इसमें तत्कालीन कोसान गैस कंपनी, की 0.07 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 0.07 मिलियन रूपये) की लागत वाली परिसंपत्तियां शामिल हैं जिन्हें निगम को नहीं सौंपा गया है। इन परिसंपत्तियों के मामले में कोसान गैस कंपनी को अपना दावा छोड़ना था। तथापि, तृतीय पक्ष द्वारा प्रार्थित कास्तकारी अधिकार के मद्देनजर मामला मुकदमेबाजी के अधीन है।

7.6.2 इसमें अन्य कंपनियों के साथ संयुक्त रूप से स्वामित्व वाली भूमि तथा अन्य परिसंपत्तियों के निगम के अंश के रूप में भवन, अन्य मशीनरी, पाइपलाइन, रेलेव साइडिंग, मार्ग का अधिकार आदि से संबंधित 5014.50 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 क अनुसार 4647.20 मिलियन रूपये) की राशि शामिल है।

7.6.3 इसमें निगम में निहित न होने वाली सड़कों तथा पुलिया, ट्रांसफार्मर और ट्रांसमिशन लाइन, रेलवे साइडिंग तथा चल स्टॉक के प्रति 352.30 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 352.80 मिलियन रूपये की राशि शामिल है। निगम का ऐसी परिसंपत्तियों पर प्रचालनात्मक नियंत्रण नहीं है। इन परिसंपत्तियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–2 में निर्दिष्ट मूल्यह्रास की दर पर परिशोधित किया गया है।

7.6.4 क) इसमें निम्नलिखित परिसंपत्तियां शामिल हैं जिनका उपयोग जन कल्याण परियोजना के अंतर्गत पीडीएस कैरोसीन के वितरण हेतु किया जाता है जिसके लिए वित्तीय सहायता ओआईडीबी द्वारा मुहैया करवाई जारही है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	मूल लागत	
	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
सड़के तथा पुलिया	1.30	1.30
भवन	16.20	16.20
संयंत्र और उपकरण	24.90	25.50
कुल	**42.40**	**43.00**

ख) पहल (डीबीटीएल) योजना के अंतर्गत धारित परिसंपत्तियां शामिल हैं जिसके लिए वित्तीय सहायता पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा मुहैया करवाई जा रही है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	मूल लागत	
	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	74.90	69.30
कम्प्यूटर/अंत उपयोग उपकरण	56.40	44.50
कार्यालय उपकरण	0.10	0.10
ऑटोमेशन, सर्वर और नेटवर्क	15.50	15.50
कुल	**146.90**	**129.40**

7.6.5 कटौती/पुनर्वगीकरण में 31 मार्च, 2018 के अनुसार 34.90 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 39.70 मिलियन रूपये) की राशि शामिल है जिसके लिए प्रबंधन ने निपटान हेतु सहमति प्रदान की है और इसे अतः बिक्री हेतु धारित परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

7.6.6 पट्टाधारी भूमि में कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) से पट्टा सह–बिक्री आधार पर अधिगृहीत भूमि हेतु 275.70 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 275.70 मिलियन रूपये) की राशि पर प्राप्त भूमि शामिल है जिसे पट्टे की अवधि पर परिशोधित किए बिना पूंजीकृत किया जाता है। पट्टे को आवंटन पत्र के अनुसार कुछ निबंधन एवं शर्तों की पूर्ति पर बिक्री में परिवर्तित किया जाएगा।

7.6.7 इंड एएस 101 के पैरा डी–13एए के साथ पढ़े जाने वाले इंड एएस 21 के पैरा 7एए के अनुसार निगम ने दीर्घावधि विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों पर उत्पन्न होने वाले विनिमय अंतरों को परिसंपत्तियों की लागत में समायोजित किया है और परिसंपत्तियों के शेष उपयोगी जीवनकाल पर उनका मूल्यह्रास किया है।

7.6.8 समूह ने आईएसबीएल (बाउंड्री सीमा के भीतर) पाइपलाइन को संयंत्र तथा मशीनरी/टैंक का एक अभिन्न अंग मानते हुए सीधे संबद्ध माना है और ऐसी पाइपलाइनों को संबंधित संयंत्रों के उपयोगी जीवनकाल के आधार पर मूल्यह्रासित किया है, जिसे कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची 2 के अनुरूप 25 वर्ष माना गया है।

8. चालू पूंजीगत कार्य

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
क) तेल और गैस परिसंपत्तियां		
(1) प्रगतिधीन विकास कुएं		
प्रारंभिक शेष (देखें टिप्पणी सं. 8.1)	40,978.03	44,606.86
वर्ष के दौरान व्यय	83,440.55	109,499.58
वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	2,316.86	3,586.15
तेल एवं गैस परिसंपत्ति को अंतरण	(99,535.09)	(116,740.10)
विदेशी मुद्रा विनिमय समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 8.8)	(32.09)	(12.38)
अन्य समायोजन	319.37	37.92
कुल	**27,487.63**	**40,978.03**
घटाएं : संचित क्षति		
प्रारंभिक शेष (देखें टिप्पणी सं. 8.5)	691.25	1,193.08
वर्ष हेतु प्रावधान	185.44	1.34
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(112.02)	(298.01)
विदेशी मुद्रा विनिमय समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 8.8)	0.12	(2.50)
अन्य समायोजन	203.81	(202.66)
कुल	**968.60**	**691.25**
प्रगतिधीन विकास कुओं की वहन राशि	**26,519.03**	**40,286.78**
(2) प्रगतिधीन तेल और गैर परिसंपत्तियां		
तेल और गैस सुविधाएं (देखें टिप्पणी सं. 8.1, 8.2 तथा 8.6)	117,115.34	114,748.46
वर्ष के दौरान व्यय (देखें टिप्पणी सं. 8.7)	-	-
अधिग्रहण लागतें – अन्वेषण और उत्पादन परिसंपत्ति (देखें टिप्पणी सं. 50.1.5.6)	4,853.01	28.59
कुल	**121,968.35**	**114,777.05**
घटाएं : संचित क्षति		
वर्ष के दौरान मुहैया करवाई गई (निवल)	3,076.47	53.35
प्रगतिधीन तेल तथा गैस सुविधाओं की वहन राशि	**118,891.88**	**114,723.70**
(ख) प्रगतिधीन अन्य पूंजीगत कार्य		
अधिग्रहण लागतें – अन्वेषण और उत्पादन परिसंपत्ति (देखें टिप्पणी सं. 8.1)		
भूमि और भवन	5,394.82	3,224.25
संयंत्र और उपस्कर		57,744.08
साफ्टवेयर	17.59	-
पूंजीगत स्टोर (पारगमन सहित)	3,750.53	3,237.15
गैर–चालन मदों हेतु क्षति	(35.52)	(43.83)
कुल	**70,822.27**	**64,161.65**
घटाएं : संचित क्षति		
प्रारंभिक शेष	5,439.28	5,981.37
वर्ष हेतु प्रावधान	5.18	47.04
अन्य समायोजन	(2,936.68)	120.85
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(88.04)	(709.98)
प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य की वहन राशि	**68,402.53**	**58,722.37**

8.1 समूह (सिवाय ओवीएल के) ने पिछले जीएएपी के अनुसार मापी गई 1 अप्रैल, 2015 (परिवर्तन तिथि) को मान्यता प्रदान किए गए अपने प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य के वहन मूल्य को जारी रखने का विकल्प चुना है और उस वहन मूल्य को इंड एएस 101 के पैरा

डी7एए के अनुसार परिवर्तन तिथि को इसकी मानद लागत माना है सिवाय, बन्द किए जाने और पुनरूद्धार प्रावधान के जिन्हें इंड एएस 101 "भारतीय लेखांकन मानकों को पहली बार अपनाया जाना" के पैरा डी21 के अनुसार प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य की लागत में शामिल किया गया है।

8.2 ताप्ती–ए श्रृंखला परिसंपत्तियों तथा सुविधाओं के संबंध में 7,156.89 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष 7,156.89 मिलियन रूपये) की राशि शामिल है जो पीएमटी संयुक्त प्रचालन (जेओ) की परिसंपत्तियों का हिस्सा थी और जिन्हें संयुक्त उद्यम समझौते के निबंधन एवं शर्तों के अनुसार भारत सरकार को संयुक्त उद्यम द्वारा अभ्यर्पित किया गया था। वर्ष के दौरान इन परिसंपत्तियों तथा सुविधाओं को भारत सरकार द्वारा कंपनी को निशुल्क इसके नामिति के रूप में अंतरित किया गया है। कंपनी ने एक तृतीय पक्ष एजेंसी द्वारा दी गई मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर उक्त परिसंपत्तियों तथा सुविधाओं का उचित मूल्य 7,156. 89 मिलियन रूपये आंकलित किया है जिसे प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य के रूप में तथा विलंबित सरकारी अनुदान के रूप में एक तदनुरूपी देयता के तौर पर लेखांकित किया गया है (टिप्पणी 32.1)।

इन परिसंपत्तियों को कंपनी को अंतरित करते समय भारत सरकार द्वारा समाप्त किए जाने की बाध्यता को विसंयोजित किया गया है। उसे भारत सरकार के निर्णय के अनुसार लिया जाएगा। तथापि, संयुक्त प्रचालन में भागीदार होने के चलते समाप्त किए जाने के प्रावधान के प्रति 40 प्रतिशत अंश को समेकित वित्तीय विवरणों में वहन किया जा रहा है।

8.3 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में सीडब्ल्यूआईपी में 13.45 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु शून्य रूपये) की ऋण लागतें राशि शामिल है और इन्हें परिसंपत्तियों की विभिन्न श्रेणियों को आवंटित किया गया है। पूंजीकरण हेतु पात्र ऋण लागतों की राशि के निर्धारण के लिए प्रयुक्त दर 6.24 प्रतिशत (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु शून्य) थी जो ऋणों पर प्रभावी ब्याज दर है।

8.4 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में पट्टाधारी भूमि में 717.31 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 717.31 मिलियन रूपये) राशि की भूमि शामिल है जो कंपनी के कब्जे में है जिसके औपचारिक पट्टा विलेख को अभी निष्पादित किया जाना है।

8.5 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में कंपनी के ब्लाक–24, सीरिया में 60 प्रतिशत के प्रतिभागी हित है। सीरिया में बिगड़ती हुई कानून एवं व्यवस्था की स्थिति के मद्देनजर परियोजना के प्रचालन 29 अप्रैल, 2012 से अस्थायी रूप से स्थगित है। उक्त के मद्देनजर प्रगतिधीन विकास कुओं के संबंध में "शून्य" मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु शून्य मिलियन रूपये) की क्षति का प्रावधान किया गया है। परियोजना के संबंध में 31 मार्च, 2018 के अनुसार संचित क्षति 107.99 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु 107.87 मिलियन रूपये) है।

8.6 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में ब्लाक 5 ए, साउथ सूडान में खुला पाइपलाइन हेतु 36.23 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष शून्य रूपये) का प्रावधान सृजित किया गया है जो वर्तमान में सुरक्षा कारणों के चलते अस्थायी रूप से बन्द है।

8.7 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के दौरान प्रगतिधीन तेल तथा गैस सुविधाओं के अंतर्गत 121.86 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु 101.79 मिलियन रूपये) की ऋण लागत राशि को पूंजीकृत किया गया है। ऋण ली गई निधियों पर भारित औसत पूंजीकरण दर 2.66 प्रतिशत प्रति वर्ष है (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के दौरान 2.23 प्रति वर्ष)।

8.8 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनिमय अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा "भारतीय राष्ट्रीय रूपये" में परिवर्तित किए जाने के कारण अंतरों को दर्शाता है। देखें टिप्पणी 3.21 और 5.1(क)।

9. साख (समेकन पर साख सहित)

9.1 खरीद की गई परिसंपत्ति पर साख

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
लागत या मानद लागत (देखें टिप्पणी सं. 9.2)	4.04	4.04
संचित क्षति हानियां	-	-
साख की वहन राशि (क)	**4.04**	**4.04**

99.2 साख, किसी नाइट्रोजन संयंत्र की खरीद हेतु अधिग्रहण की गई निवल परिसंपत्तियों पर अदा किए गए मूल्य के आधिक्य को दर्शाती है।

9.3 समेकन पर साख

(मिलियन ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
लागत अथवा मानद लागत		
प्रारंभिक शेष	205,395.85	209,866.64
वर्ष के दौरान वर्धन	-	166.95
विनिमय अंतरों का प्रभाव	190.34	(4,637.74)
कुल	**205,586.19**	**205,395.85**

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
घटाएं : संचित परिशोधन		
प्रारंभिक शेष	63,496.23	56,570.12
वर्ष के दौरान वर्धन	-	8,486.50
विनिमय अंतरों का प्रभाव	68.54	(1,560.39)
कुल	**63,564.77**	**63,496.23**
समेकन पर साख की वहन राशि (ख)	**142,021.42**	**141,899.62**
कुल साख की वहन राशि (क+ख)	**142,025.46**	**141,903.66**

9.4 नकदी उत्पादन यूनिटों को समेकन पर साख का आवंटन टिप्पणी सं. 3.6 में उल्लिखित लेखांकन नीति के अनुरूप किया जाता है।

9.5 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनिमय अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा "भारतीय रूपये " में परिवर्तित किए जाने के कारण अंतरों को दर्शाता है। देखें टिप्पणी 3.21 और 5.1(क)।

10. निवेश संपत्ति

(₹ मिलियन में)

निम्नलिखित की वहन राशि:	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
फ्रीहोल्ड भूमि	78.48	0.52
भवन	0.26	0.27
कुल	**78.74**	**0.79**

सकल वहन राशि	राशि
01 अप्रैल, 2016 को शेष	**0.82**
जोड़ें : वर्धन	
घटाएं : निपटान/समायोजन/अंतरण	-
31 मार्च, 2017 को शेष	**0.82**
बिक्री हेतु धारित परिसंपत्ति से पुनर्वर्गीकरण	77.96
जोड़ें : वर्धन	-
घटाएं : निपटान/समायोजन/अंतरण	-
31 मार्च, 2018 को शेष	**78.78**

संचित मूल्यह्रास और क्षति	राशि
01 अप्रैल, 2016 को शेष	**0.01**
जोड़ें : मूल्यह्रास व्यय	
घटाएं : निपटान/समायोजन/अंतरण पर समाप्त	-
31 मार्च, 2017 को शेष	**0.03**
जोड़ें : मूल्यह्रास व्यय	
घटाएं : निपटान/समायोजन/अंतरण पर समाप्त	-
31 मार्च, 2018 को शेष	**0.04**

एमआरपीएल के संबंध में :

10.1 समूह ने 102.31 एकड़ मापन वाली फ्री–होल्ड भूमि को वर्ष 2007 में बोर्ड के अनुमोदन के आधार पर "वर्तमान परिसंपत्तियां–बिक्री हेतु धारित गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों" के रूप में वर्गीकृत किया है। वर्तमान वर्ष के दौरान समूह ने पूंजीगत वृद्धि हेतु उक्त भूमि को धारित करने के बोर्ड के निर्णय के आधार पर उक्त वर्णित भूमि को "गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां निवेश संपत्ति" के रूप में पुनः वर्गीकृत किया है।

10.2 स्वतंत्र मूल्य निर्धारक द्वारा किए गए मूल्यांकन के अनुसार फ्री–होल्ड भूमि का उचित मूल्य 31 मार्च, 2018 के अनुसार 255.80 मिलियन रूपये है।

पेट्रोनेट एमएचबी के संबंध में :

10.3 प्रतिभूति के रूप में रेहन रखी गई परिसंपत्तियां – मेहसाना, गुजरात में भूमि तथा भवन जिसकी वहन राशि ₹ 0.78 मिलियन (31 मार्च, 2017 को 0.79 मिलियन रूपये) है, को शून्य कूपन बॉण्ड के संबंध में ऋण को प्रतिभूत करने हेतु रेहन के रूप में रखा गया है। समूह को इन परिसंपत्तियों को प्रतिभूति के रूप में रेहन रखने अथवा उन्हें किसी अन्य निकाय को बेचने की अनुमति नहीं है। समूह ने वित्तीय वर्ष के दौरान प्रतिपूर्ती राशि का भुगतान किया है और कंपनियों के पंजीयक के पास प्रभार को हटाने की प्रक्रिया में है।

10.4 उक्त निवेश संपत्ति से कोई आय अर्जित नहीं हुई अथवा इस पर कोई व्यय नहीं किया गया सिवाय वर्तमान वर्ष के दौरान 0.01 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष 0.01 मिलियन रूपये) के भूमि राजस्व कर तथा ऊपर उल्लिखित मूल्यह्रास के। श्री फिरोज एन.राज, सरकार द्वारा अनुमोदित मूल्यांकनकर्ता द्वारा जारी 17 अप्रैल, 2018 की मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार संपत्ति का उचित मूल्य 2.11 मिलियन रूपये है।

11. अन्य अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ मिलियन में)

विवरण	साफ्टवेयर	मार्ग का अधिकार	तकनीकी / प्रक्रिया लाइसेंस	पवन ऊर्जा उपकरण	कुल
31 मार्च, 2017 को शेष (देखें टिप्पणी सं. 11.1)	**3,287.76**	**1,784.04**	**616.97**	**1,885.55**	**7,574.33**
वर्ष के दौरान वर्धन	1,032.50	385.57	14.27	-	1,432.34
निपटान / समायोजन	(175.05)	-	(9.27)	-	(184.32)
विदेशी मुद्रा परिवर्तन समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 11.2)	1.54	-	-	-	1.54
31 मार्च, 2018 को शेष	**4,146.75**	**2,169.61**	**621.97**	**1,885.55**	**8,823.88**
घटाएं : संचित परिशोधन और क्षति					
संचित परिशोधन (देखें टिप्पणी सं. 11.1)					
31 मार्च, 2017 को शेष	**1,454.37**	-	**162.12**	**203.22**	**1,819.71**
वर्ष हेतु प्रावधान	603.54	-	103.35	103.27	810.15
निपटान / समायोजन	(58.22)	-	(9.27)	-	(67.49)
विदेशी मुद्रा परिवर्तन समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 11.2)	1.55	-	-	-	1.55
31 मार्च, 2018 को शेष	**2,001.23**	-	**256.20**	**306.49**	**2,563.92**
31 मार्च, 2017 को शेष	**5.50**	-	-	-	**5.50**
वर्ष हेतु प्रावधान	0.08	-	-	-	0.08
निपटान / समायोजन	-	-	-	-	-
31 मार्च, 2018 को शेष	**5.58**	-	-	-	**5.58**
31 मार्च, 2017 को वहन राशि	**1,827.89**	**1,784.04**	**454.86**	**1,682.33**	**5,749.11**
31 मार्च, 2018 को वहन राशि	**2,139.93**	**2,169.61**	**365.78**	**1,579.06**	**6,254.38**

11.1 ओवीएल के सिवाय, समूह ने पिछले जीएएपी के अनुसार मापी गई 1 अप्रैल, 2015 (परिवर्तन तिथि) को मान्यता प्रदान की गई अपनी अन्य अमूर्त परिसंपत्तियां के वहन मूल्य को जारी रखने का विकल्प चुना है और उस वहन मूल्य को इंड एएस 101 के पैरा डी7एए के अनुसार परिवर्तन तिथि को इसकी मानद लागत माना है जिन्हें इंड एएस 101 "भारतीय लेखांकन मानकों को पहली बार अपनाया जाना" के पैरा डी21 के अनुसार लिया गया है।

11.2 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनिमय अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा "भारतीय रूपये" में परिवर्तित किए जाने के कारण अंतरों को दर्शाता है। देखें टिप्पणी 3.21 और 5.1(क)।

11.3 समूह के पास हसन के रास्ते मंगलौर तथा बंगलौर के मध्य पाइपलाइन बिछाने हेतु मार्ग का अधिकार धारित है। अधिकार को प्राप्त करने की लागत को अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में पूंजीकृत किया गया है। यह अधिकार के अनिश्चित (अनंत) अधिकार है जिसमें वैधता की कोई अवधि निर्धारित नहीं की गई है। अतः उक्त को परिशोधित नहीं किया गया है।

12. विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(1) प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं		
लागत अथवा मानद लागत		
प्रारंभिक शेष	241,873.94	218,920.52
वर्ष के दौरान व्यय (देखें टिप्पणी सं. 12.2.4)	77,418.65	62,251.28
तेल और गैस से बिक्री प्राप्तियां	(35.25)	(56.20)
वर्ष के दौरान मूल्यह्रास (देखें टिप्पणी सं. 40)	4,894.46	4,110.51
कुल (क)	**324,151.80**	**285,226.11**
घटाएं :		
तेल तथा गैस परिसंपत्तियों को अंतरण	7,302.49	10,398.14

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वर्ष के दौरान पश्चलेखित कुएं	58,912.76	32,053.72
अन्य समायोजन	-	0.01
विनिमय अंतरों का प्रभाव (देखें टिप्पणी सं. 12.2.6)	(70.67)	900.30
कुल (ख)	**66,144.58**	**43,352.17**
उप–जोड़ (क–ख)	**258,007.22**	**241,873.94**
घटाएं : संचित क्षति (देखें टिप्पणी सं. 12.1)		
प्रारंभिक शेष	14,619.23	11,152.51
वर्ष के दौरान प्रावधान की गई	1,820.96	4,545.57
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(1,065.44)	(966.05)
विनिमय अंतरों का प्रभाव (देखें टिप्पणी सं. 12.2.6)	5.26	(112.80)
कुल	**15,380.01**	**14,619.23**
प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुओं की वहन राशि	**242,627.21**	**227,254.71**
(2) अधिग्रहण लागत		
लागत अथवा मानद लागत		
प्रारंभिक शेष	1,65,519.88	1,66,269.81
वर्ष के दौरान वर्धन (देखें टिप्पणी सं. 12.2.5)	16,629.33	3,089.69
अवधि के दौरान पश्चलेखित अधिग्रहण लागत	(4,756.26)	-
विनिमय अंतरों का प्रभाव (देखें टिप्पणी सं. 12.2.6)	(2,084.78)	(3,839.62)
कुल	**175,308.17**	**165,519.88**
घटाएं : संचित क्षति		
प्रारंभिक शेष	16,082.66	15,780.70
वर्ष के दौरान प्रावधान की गई (देखें टिप्पणी सं. 40)	526.44	856.13
विनिमय अंतरों का प्रभाव (देखें टिप्पणी सं. 12.2.6)	21.02	(554.17)
कुल	**16,630.12**	**16,082.66**
अधिग्रहण लागत की वहन राशि	**158,678.05**	**149,437.22**
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों की वहन राशि	**401,305.26**	**376,691.93**

12.1 वर्ष 2004–05 में कंपनी ने अन्वेषण ब्लाक केजी–डीडब्ल्यूएन–98/2 में मैसर्स केर्न एनर्जी इंडिया लिमिटेड से ₹3,711.22 मिलियन के एकमुश्त मूल्य पर 90 प्रतिशत प्रतिभागिता हित प्राप्त किया है जिसे कुओं की परिणामी अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग लागतों के साथ चालू अन्वेषणात्मक कुओं के अंतर्गत पूंजीकृत किया गया है। वर्ष 2012–13 में कंपनी ने ₹ 2124.44 मिलियन के प्रतिफल पर वास्तविक पूर्व लागत आधार पर मैसर्स केर्न एनर्जी इंडिया लिमिटेड से ब्लाक में शेष 10 प्रतिशत प्रतिभागिता हित को प्राप्त किया है। इस ब्लाक में प्रारंभिक इन–प्लेस भण्डारों को स्थापित किया जा चुका है और मूल पीएससी समय सीमाओं का पालन करते हुए एक अवधारणात्मक क्लस्टर विकास योजना के साथ वाणिज्यिकता की घोषणा (डीओसी) को दक्षिणी खोज क्षेत्र हेतु 21.12.2009 को और उत्तरी खोज क्षेत्र हेतु 15.7.2010 को प्रस्तुत किया गया था। तत्पश्चात, दिसम्बर, 2013 में प्रस्तुत संशोधित डीओसी में समूचे विकास क्षेत्र को 3 क्लस्टरों में विभाजित करके ब्लाक के क्लस्टर–वार विकास की परिकल्पना की गई थी। क्लस्टर–2 के संबंध में डीओसी की समीक्षा 25.9.2014 को ब्लाक की प्रबंध समिति (एमसी) द्वारा की गई थी। क्लस्टर–2 के लिए फील्ड विकास योजना (एफडीपी) दिनांक 08–09–2015 को प्रस्तुत की गई थी और इसे प्रबंध समिति द्वारा दिनांक 31–3–2017 को अनुमोदित कर दिया गया था। कंपनी द्वारा निवेश निर्णय को अनुमोदित कर दिया गया है। क्लस्टर–2 में कुओं की ड्रिलिंग 8 अप्रैल, 2018 को प्रारंभ हुई।

क्लस्टर–1 हेतु डीओसी को 14 दिसम्बर, 2016 को अनुमोदित किया गया था और क्लस्टर–1 हेतु एफडीपी 13 दिसम्बर, 2017 को दायर की गई है तथा डीजीएच द्वारा समीक्षा के अधीन है। क्लस्टर–3 की संशोधित डीओसी 14 दिसम्बर, 2017 को एसओपी प्रारूप के अंतर्गत डीजीएच को प्रस्तुत की गई है और अनुमोदन की प्राप्ति पर एफडीपी प्रस्तुत की जाएगी।

सभी क्लस्टरों के विकास हेतु निश्चित योजना के मद्देनजर ब्लाक में अन्वेषणात्मक कुओं की लागत को अग्रेनित किया गया है।

12.2 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में

12.2.1 कंपनी ओवीएल का ब्लाक–14, सीरिया में 60 प्रतिशत प्रतिभागिता हित है। सीरिया में कानून एवं व्यवस्था की बिगड़ती हुई स्थिति के मद्देनजर परियोजना के प्रचालन 29 अप्रैल, 2012 से अस्थाई रूप से स्थगित हैं। इसके मद्देनजर, प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुओं के संबंध में प्रावधान किया गया है। परियोजना के संबंध में, 31 मार्च, 2018 के अनुसार क्षति ₹ 2,666.27 मिलियन (31 मार्च, 2017 के अनुसार ₹ 2,663.39 मिलियन) की क्षति का प्रावधान किया गया है।

12.2.2 फारसी ब्लाक, ईरान के संबंध में, कंपनी तथा अन्य भागीदारों के संघ ने 25 दिसम्बर, 2002 को नेशनल इरनियन ऑयल कंपनी (एनआईओसी) के साथ एक अन्वेषण सेवा संविदा (ईएससी) की थी। अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग के पश्चात, ब्लाक का एफबी क्षेत्र गैसधारी सिद्ध हुआ और बाद में उसका नाम बदल कर फरजाद–बी रखा गया था। एनआईओसी ने फरजाद–बी हेतु वाणिज्यिकता की तिथि की घोषणा 18 अगस्त, 2008 की थी। तथापि, विकास के संबंध में संविदात्मक व्यवस्था को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। फारसी ब्लाक में अन्वेषण में कंपनी के निवेश के संबंध में क्षति का प्रावधान किया गया है। 31 मार्च, 2018 के अनुसार क्षति ₹ 2,213.30 मिलियन (31 मार्च, 2017 के अनुसार ₹2,210.92 मिलियन) का प्रावधान किया गया है।

12.2.3 अधिग्रहण लागत सिद्ध और गैर–सिद्ध तेल एवं गैस सम्पत्तियों को अर्जित करने अथवा खनिज अधिकारों की लागत से संबंधित हैं, जो इस समय अन्वेषण/विकास चरण पर हैं, वह ऐसी लागत है जो परियोजना से वाणिज्यिक उत्पादन की शुरुआत होने पर अथवा अन्वेषण परियोजना को छोड़ने के मामले में बट्टे खाते डालने पर तेल एवं गैस परिसम्पत्ति के लिए अन्तरित कर दी जायेगी।

12.2.4 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के दौरान ₹ 288.73 मिलियन (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 241.18 मिलियन) की ऋण राशि को प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुओं में पूंजीकृत किया गया है। ओवीएल द्वारा ऋण ली गई निधियों पर भारित औसत पूंजीकरण दर 2.66 प्रतिशत प्रति वर्ष (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु 2.23 प्रतिशत प्रति वर्ष) है।

12.2.5 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के दौरान ₹ 3,698.88 मिलियन (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 3,089.69 मिलियन) की ऋण राशि को अधिग्रहण लागत में पूंजीकृत किया गया है। ओवीएल द्वारा ऋण ली गई निधियों पर भारित औसत पूंजीकरण दर 2.66 प्रतिशत प्रति वर्ष (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु 2.23 प्रतिशत प्रति वर्ष) है।

12.2.6 कंपनी ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनिमय अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा "भारतीय रूपये" में परिवर्तित किए जाने के कारण अंतरों को दर्शाता है। देखें टिप्पणी 3.21 और 5.1(क)।

13. निवेश

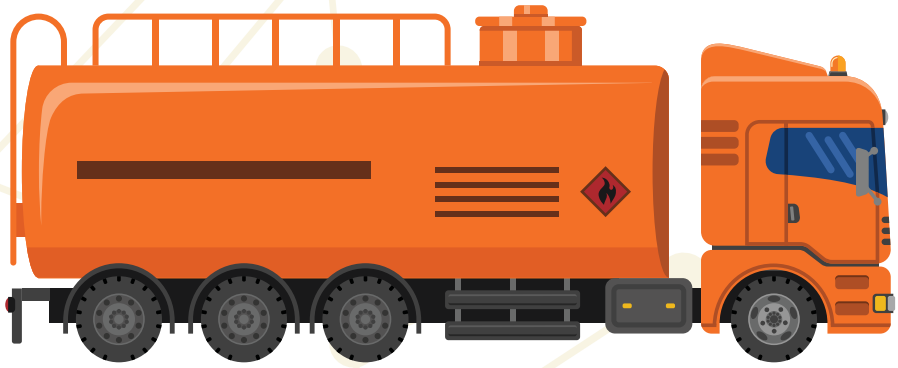
(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
13.1 संयुक्त उद्यमों और एसोसिएट में निवेश		
(1) एसोसिएट	230,623.74	212,226.97
(2) संयुक्त उद्यम	92,063.61	91,968.18
उप–जोड़	**322,687.35**	**304,195.15**
13.2 अन्य निवेश		
(1) अन्य इक्विटी लिखत में निवेश (देखें टिप्पणी सं. 13.2(1))	277,694.14	295,523.15
(2) प्रतिभूतियों में निवेश (देखें टिप्पणी सं. 13.2(2))	22,960.74	20,307.71
(3) बाध्यकारी परिवर्तनीय अधिमानी शेयर में निवेश (देखें टिप्पणी सं. 13.2.6)	9.74	-
उप जोड़	**300,664.62**	**315,830.86**
कुल निवेश	**623,351.97**	**620,026.01**

13.1 इक्विटी लिखतों में निवेश

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
इक्विटी लिखतों में निवेश				
(1) एसोसिएट में निवेश (देखें टिप्पणी सं.13.1.9)				
(क) पवन हंस लिमिटेड				
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)	0.27	5,385.51	0.12	3,978.88
(अंकित मूल्य 10,000 रूपए प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं. 13.1.9ख)				
(ख) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड				
(उद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)	187.50	12,264.12	93.75	10,222.99
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)				
(ग) पेट्रो कारावोबो एस.ए.				
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)	0.01	4,204.68	0.01	579.73
(अंकित मूल्य 10 बोलीवर प्रति शेयर)				
(घ) कारावोबो इन्जेनेरिया वाई कन्स्ट्रकशियोन्स, एस.ए. (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)	0.00	0.27	0.00	0.27
(अंकित मूल्य 1 बोलीवर प्रति शेयर)				
(ङ) पेट्रोलीरा इंडोवेनेजोलाना एस.ए.				
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)	0.04	26,578.48	0.04	26,294.95
(अंकित मूल्य 4.65 डॉलर प्रति शेयर)				
(च) साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)	0.02	1,009.21	0.02	1,016.26
(अंकित मूल्य 1 डॉलर प्रति शेयर)				
(छ) तम्बा बी.वी.				
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)***	0.00	23,271.09	0.00	27,792.13
(अंकित मूल्य 10 यूरो प्रति शेयर)				
(ज) जेएससी वेन्कोरनेफ्ट, रूस				
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)	3.09	141,187.63	3.09	141,766.96
(अंकित मूल्य 1 रूबल प्रति शेयर)				
(झ) मोजाम्बिक एलएनजीआई				
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)	0.00	-	0.00	32.43
(अंकित मूल्य 1000 डॉलर प्रति शेयर) ***				
फाल्कन ऑयल एंड गैस बी.वी., नीदरलैंड				
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)	0.00	15,863.30	-	-
(अंकित मूल्य 1 डॉलर प्रति शेयर) ***				
जीएसपीएल इंडिया ट्रांसको लिमिटेड				
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)	41.91	426.59	22.55	231.51
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)				
जीएसपीएल इंडिया गैसनेट लिमिटेड				
(अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)	42.57	432.86	30.47	310.86
(अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)				
एसोसिएट में कुल निवेश		**230,623.74**		**212,226.97**



विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
(2) संयुक्त उद्यम में निवेश (देखें टिप्पणी सं.13.1.10)				
अनुद्धृत				
(क) मंगलौर एसईजेड लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)	13.48	189.96	13.48	180.12
(ख) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं.13.1.1 और 13.1.2)	997.96	9,302.47	997.96	19,024.61
(ग) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)	0.02	241.45	0.02	201.05
(घ) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)	560.00	6,407.32	560.00	6,537.41
(ङ) दहेज एसईजेड लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)	23.02	1,318.86	23.02	1,194.94
(च) शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं. 13.1.2)	15.00	301.18	15.00	413.44
(छ) ओएनजीसी मित्तल एनर्जी लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 1 डॉलर प्रति शेयर)	24.99	1,622.35	24.99	1,620.60
(ज) मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 1 डॉलर प्रति शेयर)	0.01	21,401.35	0.01	22,259.79
(झ) हिमालय एनर्जी सीरिया बी.वी. (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 1 यूरो प्रति शेयर)	0.05	261.80	0.05	239.59
(ञ) एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)	3,939.56	45,172.99	3,939.56	36,814.25
(ट) हिंदुस्तान कोल्स प्राइवेट लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)	4.73	1,248.85	4.73	1,311.84
(ठ) क्रेडा एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं. 13.1.6)	-	-	16.10	0.10
(ड) एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं. 13.1.4 और 13.1.5)	188.74	1,729.10	0.04	725.02
(ढ) पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं. 13.1.8)	16.00	4.36	16.00	169.06

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
(ण) साउथ एशिया एलपीएफ कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)	50.00	1,278.56	50.00	1,558.94
(त) भाग्यनगर गैस लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)	43.65	1,407.66	22.50	327.14
(थ) अवंतिका गैस लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)	29.55	850.07	22.50	453.87
(द) एचपीसीएल शापूरजी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)	20.00	188.22	13.00	125.15
(ध) मुंबई एविएशन फ्यूल फार्म फैसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)	41.89	533.16	38.27	408.17
(न) रत्नागिरी रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)	25.00	202.98	-	-
(प) गोदावरी गैस प्राइवेट लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)	2.60	23.27	2.60	23.69
(फ) सुड पेट्रोलियम ऑपरेटिंग कंपनी *** (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 1 डॉलर प्रति शेयर)	0.00	-	0.00	-
घटाएं : संयुक्त उद्यमों (ओएमईएल) में कुल निवेश के मूल्य में क्षति की कुल राशि		(1,622.35)		(1,620.60)
संयुक्त उद्यमों में कुल निवेश		92,063.61		91,968.18
संयुक्त उद्यमों और एसोसिएट में कुल निवेश	-	**322,687.35**		**304,195.15**

*** *शेयरों की संख्या*



विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
	शेयरों की संख्या	शेयरों की संख्या
तम्बा बी.वी.	1620	1620
काराबोबो इन्जेनेरिया वाई कन्स्ट्रकशियोन्स, एस.ए.	275	275
मोजाम्बिक एलएनजीआई कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	500	500
फाल्कन ऑयल एण्ड गैस बी.वी.	40	0
सूड पेट्रोलियम ऑपरेटिंग कंपनी	241.25	241.25

13.1.1(क) शेल एमआरपीएल एवीएशन फ्यूलस एण्ड सर्विसेज लिमिटेड ने शेयरों के विनिवेश पर प्रतिबंध ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड के बोर्ड के अनुमोदन के अधीन है।

(ख) कंपनी पर संबंधित कंपनियों में निवेश को कम करने पर तब तक प्रतिबंधित है जब तक कि प्रायोजित ऋणों को संबंधित कंपनियों के संबंधित ऋण समझौतों में प्रसंविदाओं के अनुसार पूर्णतः चुकता न कर लिया जाए।

13.1.2 वर्ष 2015–16 के दौरान कंपनी ने ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड के शेयर वारंट को सबस्क्राइब किया था जिससे कंपनी 25 अगस्त, 2015 को जारी शेयर वारंट के सबस्क्रिप्शन के 48 माह के भीतर 0.25 रूपये प्रति इक्विटी शेयर के शेष भुगतान के पश्चात 10 रूपये प्रत्येक के अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयर के प्रत्येक वारंट का विनिमय करने की पात्र थी। कंपनी ने ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड द्वारा जारी 77,780.00 मिलियन रूपये की राशि के बाध्यकारी रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर और 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु 4,670.19 मिलियन रूपये की राशि के ब्याज हेतु मूलधन तथा संचित कूपन राशि के पुनर्भुगतान के प्रति बैक स्टोपिंग सहायता हेतु एक समझौता भी किया है।

13.1.3 इक्विटी लेखांकित संयुक्त उद्यम के मूल्य में क्षति का संचलन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	1,620.60	1,658.09
विनियम अंतरों का प्रभाव (देखें टिप्पणी सं. 13.1.3.1)	1.75	(37.49)
वर्ष के अंत में शेष	**1,622.35**	**1,620.60**

13.1.3.1 समूह की अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपने क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी मूल्य अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा भारतीय राष्ट्रीय रूपये में परिवर्तित किए जाने के चलते अंतरों को प्रदर्शित करते हैं। देखें टिप्पणी 3.21 तथा 5.1(क)।

अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

13.1.4 एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड में निवेश हेतु सबस्क्राइब किए गए किंतु एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड के शेयरों हेतु अदा न किए गए के प्रति शून्य रूपये (31 मार्च, 2017 को 739.60 मिलियन रूपये) की राशि शामिल है जो उस एमओए/ एओए का हिस्सा है जिसके लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 10(2) के अंतर्गत देयता का सृजन किया गया है। इसमें एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड में सबस्क्राइब किए गए किंतु अदा न किए गए शेयरों के प्रति शून्य रूपये (31 मार्च, 2017 को 739.60 मिलियन रूपये) की राशि शामिल है जो उस एमओए/एओए का हिस्सा है जिसके लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 10(2) के अंतर्गत देयता का सृजन किया गया है।

13.1.5 क्रेडा एचपीसीएल बायोफील लिमिटेड को 8 मार्च, 2018 से भंग किया गया था।

13.1.6 अगस्त, 2005 में लोक उद्यम विभाग द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (पीएसयू) के निदेशक मंडल संयुक्त उद्यमों तथा पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनियों में निवेश कर सकते हैं जो पीएसई के निवल मूल्य के 30 प्रतिशत की समग्र सीमा के अधीन है। कंपनी ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय से इस समझ की पुष्टि करने का अनुरोध किया है कि इस अधिकतम सीमा की गणना हेतु भारत सरकार द्वारा विशिष्ट रूप से अनुमोदित निवेश की राशि को शामिल न किया जाए (अर्थात एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचएमईएल) और एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) में निवेश)। कंपनी ने भारत सरकार द्वारा विशिष्ट रूप से अनुमोदित निवेश को शामिल न करते हुए संयुक्त उद्यमों और पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनियों में 30 प्रतिशत निवेश की सीमा की गणना की है। 31 मार्च, 2018 को वित्तीय स्थिति के अनुसार संयुक्त उद्यम तथा पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनियों में निवेश 30 प्रतिशत की सीमा के भीतर है।

13.1.7 वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड (पीआईएल) के शेयरों के अंकित मूल्य में 10 रूपये प्रति शेयर से 0.10 रूपये की कमी के परिणामस्वरूप 320 पीआईएल 31 मार्च, 2017 को 160 मिलियन रूपये से कम होकर 31 मार्च, 2018 को 1.60 मिलियन रूपये हो गया है। परिणामस्वरूप कंपनी को वर्ष के दौरान 158.40 मिलियन रूपये प्राप्त हुए हैं।

13.1.8 सहयोगी कंपनी के ब्यौरे

सहयोगी कंपनी का नाम	प्रमुख कार्यकलाप	अधिनिगमन का स्थान और व्यापार का प्रमुख स्थल	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित/ मताधिकार का अनुपात	
			31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(i) पवन हंस लिमिटेड (देखें टिप्पणी 13.1.9 क)	हैलीकॉप्टर सेवाएं	भारत	49.00%	49.00%
(ii) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (देखें टिप्पणी 13.1.9 ग)	तरलीकृत प्राकृतिक गैस आपूर्ति	भारत	12.50%	12.50%
(iii) काराबोटो इन्जेनेरिया वाई कन्स्ट्रकशियोन्स, एस.ए.	सेवा प्रदाता	वेनेजुएला में अधिनिगमित	37.93%	37.93%
(iv) पेट्रोलेरा इंडोवेनेजोलाना एस.ए-	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	वेनेजुएला में अधिनिगमित	40.00%	40.00%
(v) साउथ–ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	हांगकांग में अधिनिगमित, म्यांमार में प्रचालन	8.35%	8.35%
(vi) तम्बा बी.वी.	उपकरण पट्टा	बीसी–10 परियोजनाा, ब्राजील हेतु एम्सटर्डम में अधिनिगमित	27.00%	27.00%
(vii) पेट्रो काराबोबो एस.ए.	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	वेनेजुएला में अधिनिगमित	11.00%	11.00%
(viii) जेएससी वेन्कोरनेफ्ट (देखें टिप्पणी 13.1.9 (ख))	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	रूस	26.00%	26.00%
(ix) मोजाम्बिक एलएनजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	तरलीकृत प्राकृतिक गैस का विपणन और परिवहन	सिंगापुर में अधिनिगमित और प्रचालन	16.00%	16.00%
(x) जीएसपीएल इंडिया ट्रांसको लिमिटेड (देखें टिप्पणी 3.2 तथा 3.4)	गैस पाइपलाइन का डिजाइन, निर्माण, विकास और प्रचालन	भारत	11.00%	11.00%
(xi) जीएसपीएल इंडिया गैसनेट लिमिटेड (देखें टिप्पणी 3.2 तथा 3.4)	गैस पाइपलाइन का डिजाइन, निर्माण, विकास और प्रचालन	भारत	11.00%	11.00%
(xii) फाल्कन ऑयल एण्ड गैस बी.वी.	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	नीदरलैण्डस में अधिनिगमित, प्रचालन अबू धाबी में	40.00%	-

(क) कंपनी ने वर्ष के दौरान पवन हंस लिमिटेड में 1528.16 मिलियन रूपये की राशि के 152,816 अतिरिक्त इक्विटी शेयरों हेतु सबस्क्राइब किया है और कंपनी द्वारा 49 प्रतिशत स्वामित्व हित को धारित किए रहना जारी है।

(ख) अनुषंगी कंपनी ओवीएल ने 31 मई, 2016 को एक अन्य पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड (ओवीएसएल) के माध्यम से भारित एक पूर्ण स्वामित्व वाली स्टेप डाउन अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश वेनकोरनेफ्ट प्राइवेट लिमिटेड (ओवीवीएल) के माध्यम से जेएससी वेनकोरनेफ्ट ने 15 प्रतिशत अंश खरीदा है। इसके अतिरिक्त, 28 अक्तूबर, 2016 को जेएससी वेनकोरनेफ्ट ने और 11 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी गई है। ओवीवीएल घटक में अधिग्रहण की तिथि से ईपीए को अंतिम रूप देने हेतु एक वर्ष की मापन अवधि थी और तदनुसार 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु वित्तीय विवरणों में समायोजन को पुनः बताया गया है और इन वित्तीय विवरणों में तुलनात्मक आंकड़ों के रूप में समाहित किया गया है। पुनः बताए जाने में 31 मार्च, 2017 के अनुसार 2897.24 मिलियन रूपये (43.16 मिलियन अमेरिकी डालर), साख की मान्यता 8300.80 मिलियन रूपये (128 मिलियन अमेरिकी डालर) और 15034.82 मिलियन रूपये (231.84 मिलियन अमेरिकी डालर की विलंबित कर देयता मान्यता शामिल है। साख तथा विलंबित कर देयता के मूल्य को इंड एएस के सिद्धांत के अनुसार निवेश के मूल्य में समाहित किया गया है। पुनः बताए जाने में लाभ एवं हानि विवरण में 275.01 मिलियन रूपये (4.10 मिलियन अमेरिकी डालर) की अमूर्त परिसंपत्ति और 831.73 मिलियन रूपये (12.40 मिलियन अमेरिकी डालर) के विलंबित कर लाभ के अतिरिक्त परिशोधन को मान्यता दिया जाना भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु लाभ एवं हानि विवरण में 803.56 मिलियन रूपये (11.98 मिलियन अमेरिकी डालर) की अतिरिक्त ओसीआई को भी मान्यता प्रदान की गई है।

ग) वर्ष के दौरान कंपनी को पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड से 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर के तौर पर 93,743,705 इक्विटी शेयर प्राप्त हुए थे।

13.19 संयुक्त उद्यमों के ब्यौरे तथा वित्तीय सूचना

संयुक्त उद्यम का नाम	प्रमुख कार्यकलाप	अधिनिगमन का स्थान और व्यापार का प्रमुख स्थल	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित/ मताधिकार का अनुपात	
			31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
मंगलौर एसईजेड लिमिटेड	विशेष आर्थिक क्षेत्र	भारत	26.82%	26.82%
सुड पेट्रोलियम ऑपरेटिंग कंपनी	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	साइप्रस में अधिनिगमित और प्रचालन नाईजीरिया तथा सीरिया में	24.13%	24.13%
ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड (टिप्पणी सं. 13.1.10 ख, ग तथा घ)	पेट्रोरसायन	भारत	49.36%	49.36%
ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	जैवउपचार	भारत	49.98%	49.98%
ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	विद्युत उत्पादन	भारत	50.00%	50.00%
दहेज एसईजेड लिमिटेड	विशेष आर्थिक क्षेत्र	भारत	50.00%	50.00%
शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड	विमानन ईंधन का व्यापार	भारत	50.00%	50.00%
ओएनजीसी मित्तल एनर्जी लिमिटेड	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	साइप्रस में अधिनिगमित और प्रचालन सीरिया में	49.98%	49.98%
मानसरोवर एनर्जी कोल्मबिया लिमिटेड	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	कोलंबिया	50%	50%
हिमालय एनर्जी सीरिया बी.वी.	हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण और उत्पादन	एम्सटर्डम में अधिनिगमित और प्रचालन सीरिया में	50%	50%
एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) (देखें टिप्पणी 3.2 और 3.4)	रिफाइनरी	भारत	74.00%	74.00%
क्रेडा एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) (देखें टिप्पणी 3.2 और 3.4, 13.1.5)	चीनी और इथेनॉल का विनिर्माण	भारत	-	74.00%
एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) (देखें टिप्पणी 3.2 और 3.4)	खनिज तेल की रिफाइनिंग और पेट्रोलियम उत्पादों का विनिर्माण	भारत	48.99%	48.99%
हिंदुस्तान कोल्स प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) (देखें टिप्पणी 3.2 और 3.4)	बिटुमिन इमल्शन और संशोधित बिटुमिन का विनिर्माण तथा विपणन	भारत	50.00%	50.00%
साउथ एशिया एलपीएफ कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) (देखें टिप्पणी 3.2 और 3.4)	भूमिगत केवर्न में एलपीजी का भंडारण और विशाखापट्टनम में संबद्ध प्राप्ति तथा प्रेषण सुविधाएं	भारत	50.00%	50.00%
भाग्यनगर गैस लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) (देखें टिप्पणी 3.2 और 3.4)	आंध्र प्रदेश/ तेलंगाना राज्य में सीएनजी और ऑटो एलपीजी का वितरण तथा विपणन	भारत	24.99%	24.99%
गोदावरी गैस प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) (देखें टिप्पणी 3.2 और 3.4)	आंध्र प्रदेश के ईस्ट गोदावरी तथा पश्चिम गोदावरी जिलों में सीएनजी का वितरण तथा विपणन	भारत	26.00%	26.00%
पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) (देखें टिप्पणी 3.2 और 3.4)	देश में चिन्हित तथा प्राथमिकताबद्ध पेट्रोलियम उत्पाद पाइपलाइनों के विकास हेतु एक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करना। कंपनी समापन की प्रक्रिया में है।	भारत	16.00%	16.00%
अवंतिका गैस लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) (देखें टिप्पणी 3.2 और 3.4)	मध्य प्रदेश राज्य में सीएनजी का वितरण और विपणन	भारत	49.98%	49.98%

संयुक्त उद्यम का नाम	प्रमुख कार्यकलाप	अधिनिगमन का स्थान और व्यापार का प्रमुख स्थल	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित / मताधिकार का अनुपात	
			31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
रत्नागिरी रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) (देखें टिप्पणी 3.2 और 3.4)	महाराष्ट्र राज्य में भारत के पश्चिमी तट के साथ–साथ लगभग 60 एमएमटीपीए एक रिफाइनरी तथा पेट्रोरसायन स्थापित करना।	भारत	25.00%	25.00%
एचपीसीएल शापूरजी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) (देखें टिप्पणी 3.2 और 3.4)	छारा (गुजरात) में ग्रीनफील्ड बंदरगाह पर एलएनजी पुनः गैसीकरण टर्मिनल को स्थापित और प्रचालित करना	भारत	50.00%	50.00%
मुंबई एविएशन फ्यूल फार्म फैसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से) (देखें टिप्पणी 3.2 और 3.4)	छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, मुंबई में विमानन ईंधन सुविधा का डिजाइन, विकास, निर्माण और प्रचालन	भारत	25.00%	25.00%

क) समूह के संयुक्त उद्यमों की सारबद्ध वित्तीय सूचना

समूह के प्रत्येक संयुक्त उद्यम के संबंध में सारबद्ध वित्तीय सूचना नीचे दी गई है। नीचे दी गई सारबद्ध वित्तीय सूचना इंड एएस के अनुरूप तैयार किए गए संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरणों में इक्विटी लेखांकन प्रयोजन हेतु समूह द्वारा समायोजित की गई राशियों को दर्शाती है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	एमएसईजेड		ओपीएएल	
	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	14,900.42	15,008.35	282,938.25	283,461.53
वर्तमान परिसंपत्तियां	2,546.12	1,333.88	21,684.19	12,348.64
गैर–वर्तमान देयताएं	15,371.19	14,381.87	197,304.07	179,940.17
वर्तमान देयताएं	1,367.08	1,288.79	1,01,180.76	87,540.44
परिसंपत्तियों तथा देयताओं की उक्त राशियों में निम्नलिखित शामिल है:				
नकदी और नकदी तुल्य	83.96	614.20	113.79	52.43
वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार और प्रावधान को छोड़ कर)	834.96	956.75	92,410.25	83,180.17
गैर–वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार और प्रावधान को छोड़ कर)	5,632.18	5,727.55	197,176.27	179,861.25

(₹ मिलियन में)

विवरण	एमएसईजेड		ओपीएएल	
	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
राजस्व	1,742.31	1,285.24	55,918.21	1,094.48
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	36.57	-59.85	-22,195.56	-8,821.96
बंद किए गए प्रचालनों से कर–पश्चात लाभ (हानि)	-	-	-	-
अन्य व्यापक आय	0.13	(1.44)	3.61	(1.73)
कुल व्यापक आय	36.70	(61.29)	(22,191.95)	(8,823.69)
वर्ष हेतु उक्त लाभ / (हानि) में निम्नलिखित शामिल है :				
मूल्यह्रास / परिशोधन	414.60	293.33	11,522.89	3,427.32
ब्याज आय	14.06	23.65	33.57	36.10
ब्याज व्यय	509.03	533.48	21,522.19	7,055.47
आय कर व्यय अथवा आय	72.60	151.28	-7,254.19	-2,479.57

उक्त सारबद्ध वित्तीय सूचना का समेकित वित्तीय विवरणों में मान्यता दिए गए संयुक्त उद्यमों में हित के वहनमूल्य के साथ मिलान :

(₹ मिलियन में)

विवरण	एमएसईजेड		ओपीएएल	
	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
संयुक्त उद्यम की निवल परिसंपत्तियां	708.27	671.57	6,137.61	28,329.56
संयुक्त उद्यमों में समूह के स्वामित्व हित का अनुपात (%)	26.82%	26.82%	49.36%	49.36%
संयुक्त उद्यमों में समूह के स्वामित्व हित का अनुपात (भारतीय रूपए)	189.96	180.12	3,029.33	13,982.52
जोड़ें : शेयर वारंट के प्रति अतिरिक्त सबस्क्रिप्शन	-	-	9,490.32	9,490.32
घटाएं : वसूल न किया गया लाभ	-	-	(3,217.17)	(4,448.23)
संयुक्त उद्यम की निवल परिसपंत्तियों में समूह का अंश	189.96	180.12	9,302.47	19,024.61
संयुक्त उद्यम में समूह के हित की वहन राशि	189.96	180.12	9,302.47	19,024.61

(₹ मिलियन में)

विवरण	डीएसएल		ओटीपीसी		ओटीबीएल	
	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	7,754.22	7,769.73	32,992.64	34,237.70	11.60	9.41
वर्तमान परिसंपत्तियां	3,157.89	2,633.92	5,023.78	6,500.14	499.42	467.46
गैर–वर्तमान देयताएं	6,604.58	6,707.18	20,776.46	23,808.84	0.95	0.72
वर्तमान देयताएं	1,669.84	1,306.62	4,425.31	3,854.19	26.97	73.90
परिसंपत्तियों तथा देयताओं की उक्त राशियों में निम्नलिखित शामिल है:						
नकदी और नकदी तुल्य	2,545.71	2,159.29	364.92	62.54	120.68	113.07
वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार और प्रावधान को छोड़ कर)	-	-	3,963.56	3,420.29	-	-
गैर–वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार और प्रावधान को छोड़ कर)	6,604.58	6,707.18	20,526.16	23,803.91	-	-

(₹ मिलियन में)

विवरण	डीएसएल		ओटीपीसी		ओटीबीएल	
	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
राजस्व	541.20	663.41	12,515.67	12,627.69	177.88	176.67
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	369.65	461.78	1,426.54	1,385.38	80.92	55.08
बंद किए गए प्रचालनों से कर–पश्चात लाभ (हानि)	-	-	-	-	-	-
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	-	-	(1.70)	(0.48)	(0.08)	(0.06)
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	369.65	461.78	1,424.84	1,384.90	80.84	55.02
वर्ष हेतु उक्त लाभ/(हानि) में निम्नलिखित शामिल है:						
मूल्यह्रास और परिशोधन	126.31	133.34	1,936.32	1,913.43	0.65	0.84
ब्याज आय	171.98	165.17	129.15	217.75	26.19	25.86
ब्याज व्यय	35.98	34.58	2,030.49	2,464.77	-	0.00
आय कर व्यय अथवा आय	100.29	125.29	328.62	287.16	33.54	31.74

उक्त सारबद्ध वित्तीय सूचना का समेकित वित्तीय विवरणों में मान्यता दिए गए संयुक्त उद्यमों में हित के वहन मूल्य के साथ मिलान :

(₹ मिलियन में)

विवरण	डीएसएल		ओटीपीसी		ओटीबीएल	
	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
संयुक्त उद्यम की निवल परिसंपत्तियां	2,637.68	2,389.85	12,814.64	13,074.81	483.09	402.25
संयुक्त उद्यमों में समूह के स्वामित्व हित का अनुपात (%)	50.00%	50.00%	50.00%	50.00%	49.98%	49.98%
संयुक्त उद्यमों में समूह के स्वामित्व हित का अनुपात (भारतीय रूपए)	1,318.86	1,194.94	6,407.32	6,537.41	241.45	201.05
जोड़ें : इक्विटी के प्रति अतिरिक्त अग्रिम						
संयुक्त उद्यम की निवल परिसंपत्तियों में समूह का अंश	**1,318.86**	**1,194.94**	**6,407.32**	**6,537.41**	**241.45**	**201.05**
संयुक्त उद्यम में समूह के हित की वहन राशि	**1,318.86**	**1,194.94**	**6,407.32**	**6,537.41**	**241.45**	**201.05**

ख) समूह के सहयोगी कंपनी की सारबद्ध वित्तीय सूचना

समूह के प्रत्येक सहयोगी कंपनी के संबंध में सारबद्ध वित्तीय सूचना नीचे दी गई है। नीचे दी गई सारबद्ध वित्तीय सूचना इंड एएस के अनुरूप तैयार किए गए सहयोगी कंपनी के वित्तीय विवरणों में इक्विटी लेखांकन प्रयोजन हेतु समूह द्वारा समायोजित की गई राशियों को दर्शाती है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	पीएलएल		पीएचएल	
	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	87,174.43	90,109.61	9,080.12	9,033.52
वर्तमान परिसंपत्तियां	70,270.99	49,026.27	6,484.93	4,544.98
गैर–वर्तमान देयताएं	30,730.22	35,725.19	2,744.40	2,688.51
वर्तमान देयताएं	28,602.28	21,626.71	1,829.86	2,086.39

(₹ मिलियन में)

विवरण	पीएलएल		पीएचएल	
	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
राजस्व	305,986.24	246,160.33	4,365.31	
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	21,104.39	17,231.30	2,478.31	
बंद किए गए प्रचालनों से कर–पश्चात लाभ (हानि)	-	-	-	
अन्य व्यापक आय	5.24	(17.85)	-	
कुल व्यापक आय	**21,109.63**	**17,213.46**	**2,478.31**	

उक्त सारबद्ध वित्तीय सूचना का समेकित वित्तीय विवरणों में मान्यता दिए गए एसोसिएट में हित के वहन मूल्य के साथ मिलान :

(₹ मिलियन में)

विवरण	पीएलएल		पीएचएल	
	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
सहयोगी कंपनी की निवल परिसंपत्तियां	98,112.92	81,783.98	10,990.79	8,803.60
सहयोगी कंपनी में समूह के स्वामित्व हित का अनुपात (%)	12.50%	12.50%	49.00%	49.00%
सहयोगी कंपनी में समूह के स्वामित्व हित का अनुपात (भारतीय रूपए)	12,264.12	10,222.99	5,385.51	4,313.76
पूंजीगत आरक्षित				
अन्य समायोजन				-334.88
सहयोगी कंपनी की निवल परिसंपत्तियों में समूह का अंश	**12,264.12**	**10,222.99**	**5,385.51**	**3,978.88**
सहयोगी कंपनी में समूह के हित की वहन राशि	12,264.12	10,222.99	5,385.51	3,978.88

छ) अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संयुक्त उद्यमों की वित्तीय स्थिति का ब्यौरा :

(₹ मिलियन में)

विवरण (31 मार्च, 2018 के अनुसार)	वर्तमान परिसंपत्तियां	गैर– वर्तमान परिसंपत्तियां	वर्तमान देयताएं	गैर– वर्तमान देयताएं	कुल राजस्व	सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	बंद किए प्रचालनों से लाभ या हानि	अन्य व्यापक आय	कुल व्यापक आय
शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड	2,086.94	100.59	1,578.22	1.81	5,491.94	54.18	-	(1.62)	52.56
कुल	**2,086.94**	**100.59**	**1,578.22**	**1.81**	**5,491.94**	**54.18**	**-**	**(1.62)**	**52.56**

विवरण (31 मार्च, 2018 के अनुसार)	वर्तमान परिसंपत्तियां	गैर– वर्तमान परिसंपत्तियां	वर्तमान देयताएं	गैर– वर्तमान देयताएं	कुल राजस्व	सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	बंद किए प्रचालनों से लाभ या हानि	अन्य व्यापक आय	कुल व्यापक आय
शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड	2,228.01	101.18	1496.12	1.33	5,603.71	90.62	-	7.63	98.25
कुल	2,228.01	**101.18**	**1496.12**	**1.33**	**5,603.71**	**90.62**	**-**	**7.63**	**98.25**

ज) संयुक्त उद्यमों के संबंध में अतिरिक्त वित्तीय सूचना निम्नवत हैं :

(₹ मिलियन में)

विवरण (31 मार्च, 2018 के अनुसार)	नकदी और नकदी तुल्य	वर्तमान वित्तीय देयताएं	गैर–वर्तमान वित्तीय देयताएं	मूल्यह्रास और परिशोधन	ब्याज आय	ब्याज व्यय	आयकर व्यय या आय
शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड	195.74	1,423.78	-	6.06	28.36	3.73	27.16
कुल	**195.74**	**1,423.78**	**-**	**6.06**	**28.36**	**3.73**	**27.16**

विवरण (31 मार्च, 2018 के अनुसार)	नकदी और नकदी तुल्य	वर्तमान वित्तीय देयताएं	गैर–वर्तमान वित्तीय देयताएं	मूल्यह्रास और परिशोधन	ब्याज आय	ब्याज व्यय	आयकर व्यय या आय
शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड	375.11	1,351.14	-	7.45	22.02	1.11	49.88
कुल	**375.11**	**1,351.14**	**-**	**7.45**	**22.02**	**1.11**	**49.88**

झ) अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संयुक्त उद्यमों तथा सहयोगी कंपनी की वित्तीय स्थिति का ब्यौरा :

(₹ मिलियन में)

(i)

मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	50,042.91	58,670.42
वर्तमान परिसंपत्तियां	9,207.74	8,186.81
गैर–वर्तमान देयताएं	8,696.75	16,636.92
वर्तमान देयताएं	4,355.28	4,036.60
परिसंपत्तियों तथा देयताओं की उक्त राशि में निम्नलिखित शामिल हैं :		
नकदी और नकदी तुल्य	3,076.82	3,223.64
वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	1,490.13	1,472.01
गैर–वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	8,495.52	16,387.95

मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
राजस्व	18,308.96	17,164.34
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	(64.16)	(6,613.51)
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	61.94	33.78
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	(2.22)	(6,579.74)
वर्ष के दौरान संयुक्त उद्यम से प्राप्त लाभांश	-	-
उक्त लाभ (हानि) में निम्नलिखित शामिल है		

मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
मूल्यह्रास और परिशोधन	8,259.21	10,814.74
ब्याज आय	721.05	1,424.08
ब्याज व्यय	5.38	8.46
आयकर व्यय (आय)	(40.23)	(1,002.88)

(ii)

जेएससी वेंकोरनेफ्ट	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	251,190.74	225,357.71
वर्तमान परिसंपत्तियां	133,268.20	155,703.80
गैर–वर्तमान देयताएं	31,691.61	26,983.53
वर्तमान देयताएं	48,227.71	61,288.39
परिसंपत्तियों तथा देयताओं की उक्त राशि में निम्नलिखित शामिल हैं :		
नकदी और नकदी तुल्य	0.20	16,032.92
वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	31,037.29	27,394.70
गैर–वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	17,708.83	14,256.28

जेएससी वेंकोरनेफ्ट	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
राजस्व	381,507.95	93,678.38
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	63,076.13	15,832.80
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	-	-
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	63,076.13	15,832.80
वर्ष के दौरान सहयोगी कंपनी से प्राप्त लाभांश	-	-
उक्त लाभ (हानि) में निम्नलिखित शामिल है		
मूल्यह्रास और परिशोधन	27,068.25	11,126.45
ब्याज आय	4,940.64	1,038.37
ब्याज व्यय	-	-
आयकर व्यय (आय)	21,052.96	3,981.86

(iii)

पेट्रोलीरा इंडोवेनेजोलाना एस.ए.	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	25,624.46	29,313.53
वर्तमान परिसंपत्तियां	212,801.84	199,388.80
गैर–वर्तमान देयताएं	(318.19)	(2,699.76)
वर्तमान देयताएं	181,602.19	176,010.07
परिसंपत्तियों तथा देयताओं की उक्त राशि में निम्नलिखित शामिल हैं :		
नकदी और नकदी तुल्य	468.33	67.05
वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	23,102.21	20,817.66
गैर–वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	(318.19)	(2,699.76)

पेट्रोलीरा इंडोवेनेजोलाना एस.ए.	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
राजस्व	17,959.43	17,806.36
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	1,678.80	12,132.38
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	-	-
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	1,678.80	12,132.38
वर्ष के दौरान सहयोगी कंपनी से प्राप्त लाभांश	-	-
उक्त लाभ (हानि) में निम्नलिखित शामिल है:		
मूल्यह्रास और परिशोधन	6,084.00	6,463.36
ब्याज आय	0.01	0.01
ब्याज व्यय	-	-
आयकर व्यय (आय)	1,267.65	7,467.53

(iv)

ताम्बा बी.वी.	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	62,632.61	72,955.73
वर्तमान परिसंपत्तियां	22,047.48	32,250.16
गैर–वर्तमान देयताएं	6,222.65	9,381.85
वर्तमान देयताएं	6,334.18	6,941.03
परिसंपत्तियों तथा देयताओं की उक्त राशि में निम्नलिखित शामिल हैं :		
नकदी और नकदी तुल्य	906.15	4,328.74
वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	4,246.09	4,963.42
गैर–वर्तमान वित्तीय देयताएं (देय व्यापार तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	6,222.65	9,381.85

ताम्बा बी.वी.	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
राजस्व	5,118.96	4,957.07
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	3,505.15	4,027.85
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	-	-
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	3,505.15	4,027.85
वर्ष के दौरान सहयोगी कंपनी से प्राप्त लाभांश	8,024.73	4,762.98
उक्त लाभ (हानि) में निम्नलिखित शामिल है		
मूल्यह्रास और परिशोधन	-	-
ब्याज आय	5,083.27	4,564.49
ब्याज व्यय	1,467.64	413.98
आयकर व्यय (आय)	162.48	163.55

ञ) अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संयुक्त उद्यमों की वित्तीय स्थिति का ब्यौरा:

(₹ मिलियन में)

विवरण	एचएमईएल	
	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017
परिसंपत्तियां :		
गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	262,422.80	246,101.20
वर्तमान परिसंपत्तियां		-
नकदी और नकदी तुल्य	66.70	726.00
अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां (नकदी और नकदी तुल्य के अतिरिक्त)	88,622.50	75,970.70
कुल (क)	**351,112.00**	**322,797.90**
देयताएं :		
गैर–वर्तमान देयताएं		
गैर–वर्तमान वित्तीय देयताएं (व्यापार/ अन्य देय तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	164,843.90	168,737.00
अन्य गैर–वर्तमान देयताएं	5,797.60	6,718.30
वर्तमान देयताएं		
वर्तमान वित्तीय देयताएं (व्यापार/ अन्य देय तथा प्रावधान के अतिरिक्त)	32,416.20	31,122.00
अन्य वर्तमान देयताएं	55,850.50	41,078.00
कुल (ख)	**258,908.20**	**247,655.30**
संयुक्त उद्यम/सहयोगी कंपनी के वित्तीय विवरणों में शामिल निवल परिसंपत्तियां	**92,203.90**	**75,142.60**
स्वामित्व हित	48.99%	48.99%
संयुक्त उद्यम/सहयोगी कंपनी में हित की वहन राशि	**45,173.00**	**36,814.20**
शेयरों का उद्धृत बाजार मूल्य	**लागू नहीं**	**लागू नहीं**

अन्य सूचना :	2017-18	2016-17
राजस्व	399,430.60	424,886.00
लाभांश आय	-	-
ब्याज आय	78.00	120.00
ब्याज व्यय	11,527.40	10,731.00
मूल्यह्रास	11,429.30	11,387.00
आय कर व्यय	5,556.20	11,606.00
वर्ष हेतु लाभ/हानि	17,066.30	32,093.20
अन्य व्यापक आय (कर का निवल)	(4.40)	(10.00)
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	17,061.80	32,083.20

सहायक कंपनी एचपीसीएल के सभी व्यक्तिगत रूप सारहीन इक्विटी अकाउंट किए गये निवेशकों का विवरण

विवरण	अन्य सारहीन संयुक्त उद्यम		अन्य सारहीन सहयोगी कंपनी	
	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
इक्विटी लेखांकित निवेशधारकों के निवेश की वहन राशि	9,720.26	7,278.45	859.45	542.38
सतत प्रचालनों से लाभ या हानि में समूह का अंश	1,463.29	1,683.16	2.47	2.19
अन्य व्यापक आय में समूह का अंश	1.11	(0.34)	-	-
कुल व्यापक आय में समूह का अंश	1,464.40	1,682.82	2.47	2.19

13.2 अन्य निवेश

(i) अन्य इक्विटी लिखत में निवेश

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
एफवीटीओसीआई पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियां				
(क) इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (उद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं. 13.2.4)	1337.22	236,152.21	668.61	258,784.58
(ख) गेल (इंडिया) लिमिटेड (उद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)	108.91	35,780.89	81.68	30,788.94
(ग) ऑयल इंडिया लिमिटेड (उद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)	26.75	5,759.39	17.83	5,948.43
(घ) स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड (उद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)	0.01	0.60	0.01	0.40
(ङ) ऑयल स्पिल रिस्पॉन्स लिमिटेड* (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर)		0.01		0.01
(च) सुशुश्रा सिटीजन को–ऑपरेटिव हॉस्पिटल लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 100 रूपए प्रति शेयर)	0.00	0.01	0.00	0.01
(छ) प्लेनिस टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 1500 रूपए प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं. 13.2.2)	0	0.25	0	-

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
(ज) मंगलम रिटेल सर्विसेस लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 10 रूपए प्रति शेयर) (देखें टिप्पणी सं. 13.2.3)	0.02	0.28	0.02	0.28
ख. एफवीटीपीएल पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियां				
(क) पेट्रोलियम इंडिया इंटरनेशनल (व्यक्तियों का संघ) (अनुद्धृत)		0.50		0.50
अन्य इक्विटी लिखत में कुल निवेश		**277,694.14**		**295,523.15**

13.2.1 जारी किए जाने के समय 1 जीबीपी प्रत्येक के मूल्य वाले ऑयल स्पिल रिसपौंस लिमिटेड के 100 इक्विटी शेयर। जारी किए जाने के समय शेयरों का कुल मूल्य भारतीय रूपये में 6885 रूपये था।

13.2.2 वर्ष के दौरान कंपनी ने एक स्टार्टअप कंपनी प्लैनिस टैक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड के 10 इक्विटी शेयरों को सबस्क्राइब किया है जिनका अंकित मूल्य 10 रूपये प्रति शेयर है और ऐसा ₹ 25,430 प्रति शेयर के प्रीमियम पर किया गया है।

13.2.3 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में वर्ष के दौरान कंपनी ने एमआरएसएल में अपने 31 प्रतिशत इक्विटी हित को बेच दिया जो एमआरएसएल पर संयुक्त नियंत्रण के समाप्त होने में परिणत हुआ है। 31 मार्च, 2018 के अनुसार एमआरएसएल में निवेश को लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा गया है। प्रबंधन ने ऐसे निवेश के उचित मूल्य (स्तर 3 क्रम) को रिपोर्टिंग अवधि के दोरान वहन राशि के समतुल्य निवेश माना है।

13.2.4 वर्ष के दौरान कंपनी को 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर के तौर पर इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड से 668,607,628 इक्विटी शेयर, 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर के रूप में पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड से 93,743,705 इक्विटी शेयर और 1:3 के अनुपात में बोनस शेयर के रूप में गेल (इंडिया) लिमिटेड से 227,226,365 इक्विटी शेयर प्राप्त हुए हैं।

(2) प्रतिभूतियों में निवेश

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
अन्य निवेश				
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश				
– 8.40% तेल कंपनी भारत सरकार विशेष बाण्ड 2025 (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त)	0.20	1,975.08	0.20	1,975.27
म्यूचुअल फंडों में निवेश				
– स्थल पुनरूद्धार निधि हेतु		20,985.64		18,332.42
परिशोधित लागत पर किया गया डिबेंचर या बाण्ड में निवेश				
ईस्ट इंडिया क्लीनिक लिमिटेड				
– 0.15 लाख रूपए के अंकित मूल्य के 1/2 % डिबेंचर		0.01		0.01
– 0.07 लाख रूपए के अंकित मूल्य के 5 % डिबेंचर		0.01		0.01
सरकारी या न्यास की प्रतिभूतियों में कुल निवेश		**22,960.74**		**20,307.71**
अनुद्धृत निवेश का कुल वहन मूल्य		22,960.74		20,307.71
निवेश में कमी की क्षति की कुल राशि		-		-

13.2.5 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में सखालिन–1, रूस से संबंधित स्थल पुनरूद्धार हेतु निधियों को जे.पी. मॉर्गन चेस बैंक एन.ए., विदेशी पक्ष प्रशासक (एफपीए) ने संबंधित उत्पादन साझेदारी समझौते (पीएसए) के अनुसार एफपीए तथा संघ के विदेशी पक्षों के मध्य हुए सखालिन–1 समाप्त किए जाने हेतु वित्त–पोषण समझौते के अंतर्गत मुहैया करवाए गए पोर्टफोलियो निवेश दिशा निर्देशों के अनुसार निवेश किया गया है। निवेश की प्राप्तियों का उपयोग पीएसए के अनुसार रूसी सरकार के प्रति समाप्त किए जाने की देयता हेतु किया जाएगा।

13.2.6 बाध्यकारी परिवर्तनीय अधिमानी शेयर में निवेश

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	संख्या (मिलियन में)	राशि	संख्या (मिलियन में)	राशि
(क) प्लैनिस टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड (अनुद्धृत – पूर्णतः प्रदत्त) (अंकित मूल्य 1500 रूपए प्रति शेयर)	-	9.74		-
अधिमानी शेयर में कुल निवेश		9.74		-
अनुद्धृत निवेश का कुल वहन मूल्य		9.74		-
अनुद्धृत निवेश का कुल बाजार मूल्य				

13.2.6.1 वर्ष के दौरान कंपनी ने एक स्टार्टअप कंपनी प्लैनिस टैक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड (पीटीपीएल) के 383 बाध्यकारी परिवर्तनीय अधिमानी शेयर (सीसीपीएस) को सबस्क्राइब किया है जिनका अंकित मूल्य 1,500 रूपये प्रति शेयर है और ऐसा 23940 रूपये प्रति शेयर के प्रीमियम पर किया गया है। सीसीपीएस जारी किए जाने की तिथि अर्थात 13 मार्च, 2017 से 19 वर्ष की समाप्ति पर बाध्यकारी रूप से इक्विटी शेयरों के रूप मे परिवर्तनीय है। कंपनी जारी किए जाने की तिथि से 19 वर्ष की समाप्ति से पूर्व किसी भी समय, चाहे पात्र आईपीओ या निकास हो अथवा न हो, 360 मिलियन रूपये के पूर्व–राशि मूल्यांकन पर 1:1 आधार (अर्थात एक सीसीपीएस हेतु पीटीपीएल एक इक्विटी शेयर जारी करेगा) ("परिवर्तन अनुपात ") पर किसी सीसीपीएस के इक्विटी शेयरों में परिवर्तन हेतु पीटीपीएल को नोटिस जारी कर सकती है, जो कमी–रोधी बचाव के अधीन होगा और ऐसे नोटिस की प्राप्ति पर पीटीपीएल बिना किसी तत्संबंधी और मूल्य को प्राप्त करने की आवश्यकता के परिवर्तन अनुपात के अनुसार ऐसे सीसीपीएस को इक्विटी शेयरों में परिवर्तित करने के लिए बाध्य होगा।

सीसीपीएस में 0.0001 प्रतिशत की स्थिर दर पर अथवा सीसीपीएस के परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली इक्विटी शेयरों अर्थात यथा परिवर्तित आधार पर पात्र होने वाले सीसीपीएस के धारकों को इक्विटी शेयरों पर वित्तीय वर्ष में देय होने वाले लाभांश, जो भी अधिक हो, पर एक संचित लाभांश देय होगा। यदि परिवर्तित आधार पर लाभांश राशि का सीसीपीएस के धारकों को भुगतान केवल तब ही किया जाएगा जब यदि इक्विटी शेयरों पर लाभांश को घोषित किया जाए।

13.2.7 निवेश के वहन मूल्य और बाजार मूल्य के संबंध में प्रकटीकरण

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
उद्धृत निवेश का कुल वहन मूल्य	289,957.21	305,745.34
अनुद्धृत निवेश का कुल वहन मूल्य	310,424.28	293,972.96
उद्धृत निवेश का कुल बाजार मूल्य	589,585.00	333,317.66
अनुद्धृत निवेश का कुल मूल्य	(1,622.35)	(1,620.60)

14. प्राप्य व्यापार

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
(अप्रतिभूत) (देखें टिप्पणी सं. 14.6)				
– अच्छे माने गए	-	1,332.90	-	2,244.46
(अप्रतिभूत, अच्छे माने गए जब तक कि अन्यथा न बताया गया हो)				
– अच्छे माने गए	16,564.13	137,658.77	13,630.08	123,226.75
– संदिग्ध माने गए	1,873.28	5,423.08	1,729.62	5,030.01
घटाएं : संदिग्ध प्राप्यों हेतु क्षति	1,873.28	5,423.08	1,729.62	5,030.01
कुल	**16,564.13**	**138,991.67**	**13,630.08**	**125,471.21**

14.1 वस्तुओं तथा सेवाओं की बिक्री पर समूह का औसत ऋण 7–45 दिवसों का है। इस ऋण अवधि के दौरान कोई ब्याज प्रभारित नहीं किया जाता है। भुगतानों की विलंबित अवधि हेतु ब्याज संबंधित समझौतों के अनुसार प्रभारित किया जाता है जो बकाया शेष पर लागू बैंक दर से 6 प्रतिशत प्रति वर्ष तक अधिक हो सकता है। तथापि, अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में ब्याज का निर्धारण बकाया शेष पर लागू बैंक दर से एक माह आईसीई लिबोर 2 प्रतिशत प्रतिवर्ष अधिक निर्धारित किया जाता है।

14.2 कंपनी के संबंध में 31 मार्च, 2018 के अनुसार 66,328.20 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 54,071.42 मिलियन रूपये) के शेष प्राप्य व्यापार कंपनी के सबसे बड़े उपभोक्ताओं तेल विपणन कंपनियों से है। ऐसे कोई और उपभोक्ता नहीं है जिनसे व्यापार प्राप्य के कुल शेष का 5 प्रतिशत से अधिक देय हो।

तदनुसार, कंपनी तेल विपणन कंपनियों से देयों पर क्षति हानि का आकलन प्रत्येक संव्यवहार से संगत तथ्यों तथा परिस्थितियों पर करती है।

कंपनी के ऋण जोखिम का संकेन्द्रण इस तथ्य के चलते है कि कंपनी को तेल विपणन कंपनियों से बड़ी राशियां प्राप्त करनी है। तथापि, ये कंपनियां प्रतिष्ठित और विश्वसनीय सार्वजनिक क्षेत्रक उपक्रम (पीएसयू) हैं।

14.3 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में कंपनी के ऋण जोखिम का संकेन्द्रण इस तथ्य के चलते है कि कंपनी को तेल विपणन कंपनियों तथा अंतर्राष्ट्रीय तेल कंपनियों (आईओसी) से बड़ी राशियां प्राप्त करनी है। तथापि, ये कंपनियां प्रतिष्ठित राष्ट्रीय तेल कंपनियां (एनओसी) है।

14.4 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में, कंपनी आमतौर पर अपने प्रत्येक कार्गो हेतु निविदा प्रक्रिया के आधार पर प्रतिष्ठित तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) /अंतर्राष्ट्रीय तेल कंपनियों (आईओसी)/राष्ट्रीय तेल कंपनियों (एनओसी) के साथ खनिज तेल बिक्री संविदाएं करती है। तथापि, कंपनी ने खनिज तेल बिक्री और प्राकृतिक गैस की घरेलू आपूर्ति के लिए अंतर्राष्ट्रीय तेल कंपनियों/राष्ट्रीय तेल कंपनियों के साथ कुछ दीर्घावधि बिक्री व्यवस्थाएं भी की हैं।

14.5 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में 5 प्रतिशत से अधिक बकाया वाले उपभोक्ताओं तथा अन्यों के मध्य प्राप्य व्यापार का ब्यौरा निम्नवत है :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
प्राप्य व्यापार के 5 प्रतिशत से अधिक बकाया होने वाले उपभोक्ता	33,297.77	30,132.91
अन्य उपभोक्ता	631.56	867.42
कुल	**33,929.33**	**31,000.33**

14.6 उक्त में 1,332.90 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 2,244.46 मिलियन) की राशि शामिल है जो एमआरपीएल के मामले में ग्राहकों से प्राप्त बैंक गारंटी तथा लेटर ऑफ क्रेडिट से समर्थित है।

14.7 संदिग्ध प्राप्यों हेतु क्षति का संचलन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	6,759.63	5,891.30
प्रत्याशित क्रेडिट भत्ते में वर्धन	1,846.00	1,089.47
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(374.39)	(88.94)
पुनःवर्गीकरण/अन्य समायोजन	(934.88)	(132.20)
वर्ष के अंत में शेष	**7,296.36**	**6,759.63**

14.7.1 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। समायोजन में ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा "भारतीय रूपये" में परिवर्तित किए जाने के कारण 31 मार्च, 2018 को 0.12 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 33.33 मिलियन रूपये) के विनिमय अंतरों का निवल प्रभाव शामिल है। देखें टिप्पणी 3.21 और 5.1(क)।

15. ऋण

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
(अप्रतिभूत, अच्छे माने गए जब तक कि अन्यथा न बताया गया हो)				
क. जमा				
– अच्छे माने गए	2,784.68	4,600.12	2,476.14	4,752.66
– संदिग्ध माने गए	14.14	-	83.64	4.40
घटाएं : संदिग्ध ऋणों हेतु क्षति	14.14	-	83.64	4.40
कुल	2,784.68	4,600.12	2,476.14	4,752.66
ख. संबंधित पक्षों को ऋण				
संयुक्त उद्यमों से प्राप्य	3,667.55	-	7,794.82	-
केएमपी और संयुक्त उद्यमों को ऋण	-	2,112.51	-	2,024.44
कुल	3,667.55	2,112.51	7,794.82	2,024.44
ग. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को ऋण	170.50	-	170.50	-
– संदिग्ध माने गए	170.50	-	170.50	-
घटाएं : संदिग्ध प्राप्यों हेतु क्षति	-	-	-	-
कुल	364.77	327.41	330.31	173.28
घ. कर्मचारियो को ऋण (देखें टिप्पणी 15.1)				
– प्रतिभूत और अच्छे माने गए	10,709.14	2,611.04	10,367.61	2,663.33
– अप्रतिभूत और अच्छे माने गए	713.46	260.27	576.98	313.38
– अप्रतिभूत और संदिग्ध माने गए	-	13.42	-	13.77
घटाएं : संदिग्ध ऋणों हेतु क्षति	-	13.42	-	13.77
कुल	11,422.60	2,871.31	10,944.59	2,976.71
कुल ऋण	18,239.60	9,911.35	21,545.86	9,927.09

15.1 कर्मचारियों को ऋण में प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों से बकाया 9.36 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 8.10 मिलियन रूपये) की राशि शामिल है।

15.2 क्षति का संचलन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	**272.31**	**282.01**
वर्ष के दौरान मानी गई	1.14	24.02
वर्ष के दौरान वापिस की गई	(223.81)	(71.41)
पुनःवर्गीकरण/समायोजन	148.42	37.69
वर्ष के अंत में शेष	**198.06**	**272.31**

16. स्थल पुनरूद्धार निधि के अंतर्गत जमा

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
स्थल पुनरूद्धार निधि के अंतर्गत जमा	160,639.59	145,942.72
कुल	**160,639.59**	**145,942.72**

16.1 उक्त राशि को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 33एबीए के अंतर्गत बैंकों के साथ जमा करवाया गया है और इसे केवल योजना में निर्दिष्ट प्रयोजनों यथा जीवन, ,संपत्ति, पर्यावरण आदि को होने वाले खतरों को रोकने के लिए किसी परित्याग योजना के अनुसरण में केन्द्र सरकार के साथ सहमत तरीके से उपकरणों तथा संस्थापनाओ को हटाने के प्रति, ही निकाला जा सकता है। इस राशि को प्रतिबंधित नकदी माना गया है और अतः "नकदी तथा नकदी तुल्य" के रूप में नहीं लिया गया है।

16.2 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में ब्लाक 6.1, वियतनाम के स्थल पुनरूद्धार हेतु बैक में जमा को वियतनाम सरकार के दिनांक 21 मार्च, 2007 के निर्णय और वियतनाम तेल तथा गैस समूह, टीएनके वियतनाम बी.वी. और ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के मध्य हुए समाप्त की जाने की निधि प्रतिभूति समझौते के अनुसार समाप्त किए जाने की निधि प्रयोजनों हेतु एक पृथक बैंक खाते में रखा गया है।

17. प्राप्य वित्त पट्टे

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
प्राप्य वित्त पट्टे (देखें टिप्पणी 17.2)		
अप्रतिभूत, संदिग्ध माने गए	4840.47	4,834.29
घटाएं : एक न किए जा सकने वाले पट्टा भुगतानों हेतु क्षति (देखें टिप्पणी 17.1)	4840.47	4,834.29
	-	-

17.1 प्राप्त संदिग्ध वित्त पट्टे हेतु क्षति का संचलन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	4,834.29	4,966.85
विनियम अंतरों का प्रभाव (देखें टिप्पणी सं. 17.1.1)	5.22	(153.53)
वर्ष के दौरान मान्यता प्रदत्त	0.96	20.97
वर्ष के अंत में शेष	**4,840.47**	**4,834.29**

17.1.1 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनिमय अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा "भारतीय रूपये" में परिवर्तित किए जाने के कारण अंतरों को दर्शाता है। देखें टिप्पणी 3.21 और 5.1(क)।

17.2 अनुषंगी कंपनी ओवीएल ने सुडान सरकार (जीओएस) के ऊर्जा और खनन मंत्रालय हेतु खारतूम रिफाइनरी से पोर्ट सुडान तक 12,741 किलोमीटर बहु उत्पाद पाइपलाइन को निर्माण, स्वामित्व, पट्टा तथा अंतरण (बीओएलटी) आधार पर तैयार किया है और उक्त को वित्तीय वर्ष 2005–06 के दौरान सुडान सरकार को सौंपा है। परियोजना को ऑल इंडिया लिमिटेड के साथ संघ में कार्यान्वित किया गया था, कंपनी का अंश 90 प्रतिशत था। गैर–वर्तमान वित्त पट्टा राशि की प्राप्ति न होने के चलते 100 प्रतिशत क्षति हेतु प्रावधान किया गया है।

18. वित्तीय परिसंपत्तियां – अन्य

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
क. व्युत्पन्न परिसंपत्ति	**1,980.44**	**920.93**	-	**584.09**
ख. वहन हित (देखें टिप्पणी सं. 18.3.1 और 18.3.3)				
– अच्छे माने गए	7,880.70	-	7,612.21	-
– संदिग्ध माने गए	14,389.71	-	10,193.94	-
घटाएं : संदिग्ध हेतु क्षति	14,389.71	-	10,193.94	-
	7,880.70	-	**7,612.21**	-
ग. कर्मचारियों को ऋणों पर प्रोदभूत ब्याज				
अप्रतिभूत अच्छे माने गए	94.83	0.93	68.74	0.42
	94.83	**0.93**	**68.74**	**0.42**
घ. जमा और ऋणों पर प्रोदभूत ब्याज				
– अच्छे माने गए	-	1,706.60	-	2,707.57
– संदिग्ध माने गए	22.87	-	24.84	-
घटाएं : प्रोदभूत सदिग्ध ब्याज हेतु क्षति	22.87	-	24.84	-
निम्नलिखित पर प्रोदभूत ब्याज				
स्थल पुनरूद्धार निधि के अंतर्गत जमा	-	0.66	-	0.66
अन्य		-		-
	-	**1,707.26**	-	**2,708.23**
ङ प्रचालकों से प्राप्य नकदी आमंत्रण				
– अच्छे माने गए	-	4,534.36	458.71	4,350.81
– संदिग्ध माने गए	6,904.11	-	6,540.75	-
घटाएं : संदिग्ध दावों/अग्रिम हेतु क्षति	6,904.11	-	6,540.75	-
	-	**4,534.36**	**458.71**	**4,350.81**
च. नकदी में प्राप्य अग्रिम				
– अच्छे माने गए (देखें टिप्पणी सं. 18.1)	1,646.62	79,538.07	1,252.18	46,640.74
– संदिग्ध माने गए (देखें टिप्पणी सं.18.2)	408.50	14,443.95	1,085.58	14,070.17
घटाएं : संदिग्ध दावों/अग्रिम हेतु क्षति	408.50	14,443.95	1,085.58	14,070.17
	1,646.62	**79,538.07**	**1,252.18**	**46,640.74**
छ. प्राप्य अग्रिम (प्रचालकों के संबंध में)				
ज. बैंक में जमा	-	2,603.80	-	5,001.36
झ. प्रचालकों से प्राप्य		14,020.12		5,350.13
घटाएं : संदिग्ध दावों/अग्रिम हेतु क्षति	-	813.74	-	1,025.56
		563.03		
	-	**250.71**	-	**1,025.56**
ञ. अन्य				
– अच्छे माने गए	-	44,832.96	-	44,472.04
घटाएं : संदिग्ध दावों/अग्रिम हेतु क्षति	-	758.07	-	117.08
	-	**44,074.89**	-	**44,354.96**
कुल अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	**11,602.59**	**147,651.07**	**9,391.84**	**110,016.30**

18.1 वित्तीय वर्ष 2010–11 के दौरान, भारत सरकार की नामिति, तेल विपणन कंपनियों ने संयुक्त रूप से नियंत्रित परिसंपत्तियों पन्ना, मुक्ता एवं ताप्ती के संबंध में भारत सरकार के निदेशों के अनुसार ओएनजीसी का 32.07 मिलियन अमेरीकी डालर ₹ 2,079.90 मिलियन) का अंश वसूल किया। वसूली भारत सरकार को देय लागत एवं लाभ पेट्रोलियम अंश के संबंध में वर्ष 2002–03 से 2005–06 तक की अवधि के लिए उत्पादन भागीदारी संविदा (पीएससी) के तहत हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) द्वारा नियुक्त लेखा–परीक्षकों द्वारा लगाई गई कुछ टिप्पणियों के लिए की गई है। आरआईएल के साथ बीजीईपीआईएल (''दावेदारों'') ने पन्ना, मुक्ता एवं ताप्ती उत्पादन भागीदारी संविदा की शर्तों के संबंध में उत्पन्न हुए विवाद, मतभेद एवं दावों के संबंध में भारत सरकार को विवाचन का एक नोटिस सौंपा। चूंकि, कंपनी विवाचन कार्यवाहियों में एक पक्ष नहीं है, इसलिए इसने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय से अनुरोध किया गया था कि मध्यस्थ अधिनिर्णय की स्थिति में, उत्पादन भागीदारी संविदा दोनों के लिए संविदाकार के संघटक के रूप में ओएनजीसी पर भी उक्त को लागू करवाया जाए। तदुपरांत, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 4 जुलाई, 2011 के पत्र द्वारा ओएनजीसी को पन्ना, मुक्ता एवं ताप्ती उत्पादन भागीदारी संविदा के तहत आरआईएल एवं बीजीईपीआईएल द्वारा प्रारंभ किए गए मध्यस्थ में शामिल न हो। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने यह भी बताया कि माध्यस्थम निर्णय की स्थिति में, दोनों उत्पादन भागीदारी संविदा के लिए संविदाकार के संघटक के रूप में उक्त ओएनजीसी के लिए भी लागू होगा। आरआईएल, बीजीईपीआईएल तथा भारतीय संघ के मध्य माध्यस्थम मामले में अधिकरण द्वारा एक अंतिम आंशिक निर्णय (एफपीए) दिया गया है।

संयुक्त प्रचालन भागीदार आरआईएल तथा बीजीईपीआईएल ने एफपीए को ब्रिटिश वाणिज्यिक न्यायालय के समक्ष चुनौती दी है। माध्यस्थम अधिकरण द्वारा देयताओं को अंतिम मात्रात्मक रूप दिए जाने और ब्रिटिश वाणिज्यिक न्यायालय का निर्णय लंबित होने के चलते उक्त को "नकदी में प्राप्य अग्रिम" के अंतर्गत भारत सरकार से प्राप्य के रूप में दर्शाया गया है (रूपये में आकड़ों को पुनः व्यक्त किया गया है)।

18.2 रव्वा संयुक्त उद्यम में, प्रचालक के पक्ष में पूर्व के विवाचन अधिकरण अधिनिर्णय को रद्द करते हुए मलेशिया उच्च न्यायालय के निर्णय के आधार पर, कर पश्चात् प्रतिलाभ दर (पीटीआरआर) के अभिकलन के संबंध में उत्पादन भागीदारी संविदा के प्रावधानों की व्याख्या में मतभेद होने के कारण, भारत सरकार (जीओआई) द्वारा उठाई गई अतिरिक्त लाभ पेट्रोलियम की मांग पर प्रचालक मैसर्स वेदांता लिमिटेड (पूर्व में मैसर्स केयर्न एनर्जी इंडिया प्रा. लि.) द्वारा विवाद उत्पन्न किया गया था। कंपनी विवाद की पक्षकार नहीं है लेकिन यह प्रचालक पर लागू होने वाले निर्णय का पालन करने पर सहमत हुई है।कंपनी ब्याज और विनिमय दर उतार–चढ़ाव हेतु समायोजनों के पश्चात 10,896.48 मिलियन रूपये (167.84 मिलियन अमेरिकी डालर के समतुल्य) की राशि को वहन कर रही है जिससे भारत सरकार द्वारा वसूल किया गया है और इसमें 54.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर (3,562.81 मिलियन रूपये) की राशि का ब्याज शामिल है। कंपनी ने भारत सरकार द्वारा इस वसूली के प्रति क्षति प्रावधान किया है।

बाद की विधिक कार्यवाहियों में, माननीय मलेशिया के उच्च न्यायालय, कुआलालमपुर के अपीलीय प्राधिकरण ने मलेशिया के उच्च न्यायालय के निर्णय को रद्द कर दिया था तथा प्रचालक के पक्ष में विवाचन अधिकरण के पूर्व निर्णय को पुनः स्थापित किया गया, जिसके विरूद्ध भारत सरकार ने फेडरल कोर्ट ऑफ मलेशिया के समक्ष एक अपील प्रस्तुत की। वर्ष के दौरान, फेडरल कोर्ट ऑफ मलेशिया ने 11 अक्तूबर, 2011 के अपने आदेश द्वारा भारत सरकार की उक्त अपील को खारिज कर दिया।

कंपनी ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ फेडरल कोर्ट ऑफ मलेशिया के अनुकूल निर्णय को ध्यान में रखते हुए की गई वसूलियों के प्रतिदाय के संबंध में मामले में उठाया है। तथापि,13 जनवरी जनवरी, 2012 को प्राप्त पत्र के अनुसार, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मत अभिव्यक्त किया कि ओएनजीसी के प्रस्ताव की तब जांच की जाएगी जब रव्वा उत्पादन भागीदारी संविदा के तहत रखे ओएनजीसी के मुद्दे पर अन्य भागीदारों के साथ भारत सरकार द्वारा इसकी सम्पूर्णता में निर्णय किया जाएगा।

इस स्थिति में प्रतिदाय प्राप्त करने में अनुभव की गई अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए, उक्त अनुसार लेखा बही में किए गए प्रावधानों को 31 मार्च, 2018 (भारतीय ₹ में आंकडे पुनः बताये गए हैं) को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों में उक्त अनुसार प्राप्य राशि के प्रति बनाए रखा तथा निवल करके रखा गया है।

18.3 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के मामले में

18.3.1 कंपनी ने फरवरी/मार्च, 2017 में यूरो 525 मिलियन बॉण्ड 2021 की 2.75 प्रतिशत की मूलधन राशि में से 199.50 मिलियन यूरो (पिछले वर्ष 105 मिलियन यूरो) को कवर करने वाली अग्रगामी संविदाएं की हैं।

18.3.2 कंपनी का कजाकिस्तान के सतपायेव अन्वेषण ब्लाक में 25 प्रतिशत प्रतिभागिता हित है। वहन समझौते के अनुसार कंपनी अन्वेषण और मूल्यांकन अवधि के दौरान अन्वेषण ब्लाकों में व्यय का वित्त–पोषण कर रही है (25 प्रतिशत स्वयं का प्रतिभागिता हित और 75 प्रतिशत केएमजी का प्रतिभागिता हित)।

18.3.3 ब्लाकों के अन्वेषण के अंतर्गत होने के चलते वाणिज्यिक खोज की कोई निश्चितता न होने पर 31 मार्च, 2018 को 14,389.71 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 10,193.94 मिलियन रूपये) की राशि के वहन हित के प्रति क्षति मुहैया करवाई गई है।

18.3.4 अन्वेषण ब्लाक सतपायेव, कजाकिस्तान के संबंध में वहन समझौते के अनुसार वाणिज्यिक उत्पादन की स्थिति के मामले में कंपनी द्वारा वित्त–पोषित केएमजी लागतें जमा प्रोदभूत तथा अदा न किए गए ब्याज को केएमजी नकदी प्रवाह से कंपनी को चुकौती की जाएगी। वित्त–पोषण लागत पर ब्याज को असफल अन्वेषण परिणाम के मद्देनजर लेखांकित नहीं किया गया है।

18.3.4 कजाकिस्तान के सतपायेव एरिया ब्लाक में वहन हित की राशि को केएमजी द्वारा वाणिज्यिक खोज तथा परियोजना से उत्पादन की स्थिति में प्रोदभूत ब्याज के साथ मुहैया करवाया जाएगा। वहन हित पर ब्याज को वसूली की अनिश्चितता के मद्देनजर लेखांकित नहीं किया गया है।

18.4 क्षति का संचलन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	**32,032.36**	**24,672.06**
वर्ष के दौरान मानी गई	6,004.56	5,779.01
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(379.06)	(132.39)
अन्य समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 18.4.1)	(167.63)	1,713.68
वर्ष के अंत में शेष	**37,490.23**	**32,032.36**

18.4.1 समूह की अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनिमय अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा "भारतीय रूपये" में परिवर्तित किए जाने के कारण 31 मार्च, 2018 को 45.86 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 294.94 मिलियन रूपये) के विनिमय अंतरों के निवल प्रभाव का समायोजन शामिल है। देखें टिप्पणी 3.21 और 5.1(क)।

19. अन्य परिसंपत्तियां

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
क. पूंजीगत अग्रिम				
– अच्छे माने गए	11,564.39	-	9,781.53	-
– संदिग्ध माने गए (देखें टिप्पणी सं.19.5)	25.44	-	25.44	-
घटाएं : क्षति	25.44	-	25.44	-
	11,564.39	**-**	**9,781.53**	**-**
ख. अन्य प्राप्य				
– अच्छे माने गए	8.23	1,456.23	7.48	174.04
– संदिग्ध माने गए	501.38	-	481.07	-
घटाएं : क्षति	501.38	-	481.07	-
	8.23	**1,456.23**	**7.48**	**174.04**
ग. जमा				
सीमा शुल्क/पत्तन न्यास आदि के साथ	4,272.98	4,487.63	2,203.95	4,858.28
अन्य				
– अच्छे माने गए	2,456.88	3,659.43	1,780.62	3,058.09
– संदिग्ध माने गए	1,262.73	43.11	1,300.13	43.10
घटाएं : क्षति	1,262.73	43.11	1,300.13	43.10
	6,729.86	**8,147.06**	**3,984.57**	**7,916.37**

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
घ. प्राप्य अग्रिम				
– अच्छे माने गए	151.42	14,109.67	1,710.14	16,606.70
– संदिग्ध माने गए	610.18	1,104.00	1,221.41	21.92
घटाएं : क्षति	610.18	1,104.00	1,221.41	21.92
	151.42	**14,109.67**	**1,710.14**	**16,606.70**
ङ. वहन किया गया हित (देखें टिप्पणी सं. 19.1, 19.2 तथा 19.3)				
– अच्छे माने गए	5,634.22	-	5,367.87	-
– संदिग्ध माने गए	155.35	-	118.19	-
घटाएं : क्षति	155.35	-	118.19	-
	5,634.22	**-**	**5,367.87**	**-**
पूर्व भुगतान – ईटीपी सुविधाएं	1,302.29	110.56	1,357.34	100.90
पूर्व भुगतान – जुटाए जाने के प्रभार	1,296.90	1,120.36	1,021.25	1,358.89
पूर्व भुगतान – पट्टाधारी भूमि	12,662.60	641.68	11,565.72	502.34
अन्य पूर्व प्रदत्त व्यय	1,233.60	1,424.51	560.61	1,196.80
कम उठान की गई मात्रा हेतु पूर्व प्रदत्त व्यय	-	35.62	-	419.69
	16,495.39	**3,332.73**	**14,504.92**	**3,578.62**
कुल अन्य परिसंपत्तियां	**40,583.51**	**27,045.69**	**35,356.51**	**28,275.73**

19.1 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में कंपनी का क्षेत्र–1, मोजाम्बिक में विकास परियोजना में प्रतिभागिता हित है। वहन समझौते के अनुसार कंपनी, नेशनल आयल कंपनी हेतु परियोजना में व्यय का वित्त–पोषण कर रही है ("वहन हित") जिसे अप्रतिभूत, अच्छा समझा गया श्रेणी के अंतर्गत दर्शाया गया है।

19.2 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में कंपनी के ब्लाक 5ए साउथ सुडान, एसएस–04 बांग्लादेश, एसएस–09 बांग्लादेश, ईपी–3 म्यांमार और बी–2 म्यांमार में प्रतिभागिता हित हैं। वहन समझौतों के अनुसार कंपनी अन्वेषणात्मक अवधि के दौरान इन ब्लाकों मं वेब का वित्त–पोषण "वहन ब्याज " पर कर रही है। वहन ब्याज की राशि 5,634.22 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 के अनुसार 5,367.87 मिलियन रूपये) को परियोजना से वाणिज्यिक उत्पादन की स्थिति में वापिस किया जाएगा।

19.3 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में ब्लाक 5ए साउथ सूडान, एसएस–04 बांग्लादेश, एसएस–09 बांग्लादेश, ईपी–3 म्यांमार और बी–2 म्यांमार से संबंधित 31 मार्च, 2018 को 155.35 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 118.19 मिलियन रूपये) की राशि के वहन ब्याज के प्रति क्षति का प्रावधान किया गया है क्योंकि ये अन्वेषण अवधि के अधीन हैं व अन्वेषण चरण में वाणिज्यिक खोज की कोई निश्चितता नहीं है।

19.4 ओएमपीएल–मंगलौर एसईजेड लिमिटेड ("डेवलपर") गलियारा पाइपलाइन तथा संबद्ध सुविधाओं ("सुविधाएं") का निर्माण कर रहा है। उक्त सुविधाओं हेतु कंपनी द्वारा अदा किए गए अंशदान को आरओडब्ल्यू प्रभारों के पूर्व भुगतान के अंतर्गत दर्शाया गया है और यह परिसंपत्ति के उपयोगी जीवनकाल पर परिशोधित मूल्य का निवल है।

19.5 क्षति का संचलन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष	3,211.26	5,304.44
वर्ष के दौरान मानी गई	432.18	256.57
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(18.46)	(1.51)
अन्य समायोजन (देखें टिप्पणी सं. 19.5.1)	77.19	(2,348.24)
वर्ष के अंत में शेष	**3,702.19**	**3,211.26**

19.5.1 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनिमय अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा "भारतीय रूपये" में परिवर्तित किए जाने के कारण 31 मार्च, 2018 को 0.38 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 3.19 मिलियन रूपये) के विनिमय अंतरों के निवल प्रभाव के समायोजन शामिल है। देखें टिप्पणी 3.21 और 5.1(क)।

19.6 कंपनी के संबंध में 14 (पिछले वर्ष 154) पट्टाधारी भूमियों के संबंध में अंतरण विलेख का निष्पादन प्रक्रियाधीन है जिसकी राशि 392.40 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष 399.87 मिलियन रूपये) है।

20. मालसूची (लेखांकन नीति सं. 3.18 के अनुसार मूल्यांकित)

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
कच्चा माल (संघनित सहित)		
– हस्तगत	35,274.61	31,832.83
– मार्गस्थ	17,882.27	20,383.21
	53,156.88	**52,216.04**
तैयार वस्तुए (कार्बन क्रेडिट सहित, देखें टिप्पणी सं. 20.1 तथा 20.2)	91,526.62	84,420.49
घटाएं : स्टाक हानि हेतु क्षति	5.91	5.91
	91,520.71	**84,414.58**
व्यापार की गई वस्तुएं	**75,477.80**	**84,276.62**
भंडार तथा कलपुर्जे		
– हस्तगत	75,756.23	67,575.58
– मार्गस्थ (अंतः क्षेपण हस्तांतरण सहित)	5,023.64	7,428.19
घटाएं : प्रयुक्त न होने वाली मदों हेतु क्षति	6,958.60	6,730.56
	73,821.27	**68,273.21**
प्रक्रियाधीन स्टाक	11,131.31	9,482.34
गैर–सेवायोज्य मदें	522.47	154.52
कुल	**305,630.44**	**298,817.31**

20.1 इसमें कार्बन क्रेडिट के संबंध में 1.76 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 2.15 मिलियन रूपये) की राशि शामिल है।

20.2 95.16 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 81.58 मिलियन रूपये) की राशि की माल–सूची को निवल वसूली योग्य मूल्य पर मापा गया है। 119.30 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 24.40 मिलियन रूपये) की राशि को टिप्पणी 38 के अंतर्गत लाभ और हानि के समेकित विवरण में व्यय के रूप में पश्चलेखित किया गया है।

20.3 अनुषंगी कंपनी ओएमपीएल में माल–सूची की मान्य लागत में 11.59 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु 155.24 मिलियन रूपये) के व्यय को शामिल किया है जो निवल वसूली योग्य मूल्य के प्रति तैयार वस्तु माल–सूची के पश्चलेखन के संबंध में है।

20.4 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल ने व्यापार में होने वाले स्टॉक की माल–सूची मूल्यांकन पद्धति को एफआईएफओ से भारित औसत पद्धति में परिवर्तित किया है और उक्त का प्रभाव भौतिक नहीं है।

20.5 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में संयुक्त प्रचालकों के मामले में जहां उत्पादित खनिज तेल को संपत्ति में एक विशिष्ट डिलीवरी बिंदु तक नहीं पहुंचाया जाता, उस डिलीवरी बिंदु तक खनिज तेल के स्टॉक को कंपनी द्वारा मान्यता प्रदान नहीं की जाती है।

20.6 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में वर्ष के दौरान माल–सूची को कम करके निवल वसूली योग्य मूल्य तक लिखे जाने में 1143.50 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु 2120.90 मिलियन रूपये) की राशि शामिल है। कम किए जाने तथा प्रत्यावर्तन को उपभोग की गई सामग्री की लागत, तैयार वस्तुओं की माल–सूची में परिवर्तन और प्रगतिधीन कार्य में शामिल किया गया है।

21. निवेश – वर्तमान

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
लाभ एवं हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वहन की गई वित्तीय परिसंपत्तियां		
(क) म्युचुअल फंडों में निवेश (देखें टिप्पणी सं. 21.1)	-	36,343.29
(ख) भारत सरकार के बाण्ड में निवेश (देखें टिप्पणी सं. 21.2)	49,993.82	51,009.56
(ग) इक्विटी में निवेश	-	77.83
कुल	**49,993.82**	**87,430.68**

21.1 म्युचुअल फंड में निवेश का ब्यौरा – वर्तमान

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	मात्रा (मिलियन में)	राशि मिलियन ₹ में	(मिलियन ₹ में)	राशि मिलियन ₹ में
अनुद्धृत निवेश				
म्युचुअल फंडों में निवेश (लाभ एवं हानि के माध्यम से उचित मूल्य)				
(क) यूटीआई लिक्विड कैश प्लान	-	-	12.76	13,008.83
(ख) यूटीआई मनी मार्केट फंड	-	-	8.97	9,001.86
(ग) एसबीआई प्रीमियर लिक्विड फंड – डायरेक्ट प्लान	-	-	13.96	14,002.60
(घ) आईडीबीआई लिक्विड फंड – डाइरेक्ट डेली डिविडेंड	-	-	0.33	330.00
कुल निवेश – वर्तमान	-	-		**36,343.29**
अनुद्धृत निवेश का संचित मूल्य	-	-		**36,343.29**

21.2 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में 6.90 प्रतिशत तेल विपणन कंपनी भारत सरकार विशेष बॉण्ड 2026 के 13786.40 मिलियन रूपये, 7.59 प्रतिशत जी–सेक बॉण्ड 2026 के 1830.00 मिलियन रूपये, 7.72 प्रतिशत जी–सेक बॉण्ड 2025 के 6150.00 मिलियन रूपये, 8.33 प्रतिशत जी–सेक बॉण्ड 2026ए 1800.00 मिलियन रूपये और 8.15 प्रतिशत जी–सेक बॉण्ड 2016 के 2750.00 मिलियन रूपये सीबीएलओ ऋण के प्रति क्लीरियिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ रेहन रखे गए हैं।

21.3 लागत/बाजार मूल्य के संबंध में प्रकटीकरण

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
क. उद्धृत निवेश का कुल मूल्य (बाजार मूल्य)	32,538.31	31,691.42
ख. उद्धृत निवेश का कुल मूल्य (लागत)	4,716.80	4,716.80
ग. अनुद्धृत निवेश का कुल मूल्य (लागत)	47,193.20	44,362.05

22. नकदी और नकदी समतुल्य

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
बैंकों के साथ शेष	8,438.93	4,428.23
हस्तगत नकदी	89.19	84.35
3 माह तक की मूल परिपक्वता के साथ बैंक जमा	16,592.76	13,637.59
कुल नकदी और नकदी तुल्य	**25,120.88**	**18,150.17**

22.1 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में हस्तगत नकदी विदेशी शाखाओं द्वारा संबंधित स्थानीय मुद्राओं में धारित नकदी शेष को दर्शाती है और इसमें पेशगी धारकों द्वारा धारित 0.89 मिलियन रूपये की राशि शामिल है (30 मार्च, 2017 को 0.70 मिलियन रूपये)।

22.2 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में कंपनी द्वारा बैंकों के साथ रखे गए जमा में अल्पावधि जमा शामिल हैं जिन्हें कंपनी द्वारा किसी भी समय बिना किसी पूर्व सूचना के अथवा मूलधन पर जुर्माने के बिना निकाला जा सकता है।

23. अन्य बैंक शेष

(₹ मिलियन में

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
लियन के अंतर्गत बैंक जमा जिनकी मूल परिपक्वता 3 माह से अधिक और 12 माह तक है	2,899.11	9,439.50
अन्य बैंक जमा जिनकी मूल परिपक्वता 3 माह से अधिक और 12 माह तक है (देखें टिप्पणी सं. 23.1)	20,779.70	96,002.57
दावा न किया गया लाभांश खाता (देखें टिप्पणी सं. 23.2 तथा 23.4)	686.32	508.93
एसक्रो खाते में जमा (देखें टिप्पणी सं. 23.3 और 23.5)	1,297.70	8,025.20
कुल अन्य बैंक जमा	**25,662.83**	**113,976.20**

23.1 समूह द्वारा बैंकों के साथ रखी गई जमा में सावधि जमा शामिल है जिसे समूह द्वारा किसी भी समय बिना किसी पूर्व सूचना या मूलधन पर जुर्माने के बिना निकाला जा सकता है। इसमें परियोजना प्रयोजनों हेतु निर्दिष्ट 11,500 मिलियन रूपए (31 मार्च, 2017 को शून्य रूपए) शामिल है।

23.2 दावा न किए गए लाभांश खाते में जमा राशि लाभांश के भुगतान हेतु निर्दिष्ट है और इसका उपयोग किसी अन्य प्रयोजन हेतु नहीं किया जा सकता है। निवेशक शिक्षा और संरक्षा निधि में जमा हेतु कोई राशि देय नहीं है।

23.3 भारत सरकार और पीएमटी जेओ भागीदारों के मध्य पन्ना–मुक्ता गैस के डिलीवरी बिन्दु के विवाद का मामला संगत पीएससी खंडों की भिन्न व्याख्या के कारण उत्पन्न हुआ। संयुक्त उद्यम भागीदारों के अनुसार पन्ना–मुक्ता गैस हेतु डिलीवरी बिन्दु अपतट है, तथापि, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और गेल का तर्क यह था है कि डिलीवरी बिन्दु अभितट में हजीरा है। पन्ना–मुक्ता फील्डों से उत्पादित गैस का परिवहन कंपनी की पाइपलाइनों के माध्यम से किया जाता है। डिलीवरी बिन्दु विवाद के चलते न तो बिक्रेता (पीएमटी जेओ) और न ही गैस का क्रेता (गेल) ओएनजीसी को गैस परिवहन हेतु इसकी पाइपलाइनों के उपयोग हेतु कोई पारितोषिक दे रहा था।

माननीय गुजरात उच्च न्यायालय ने यह निर्णय दिया है कि पन्ना–मुक्ता तेल फील्ड जहां से वस्तुओं का संचलन होता है, भारत के सीमा शुल्क क्षेत्र में आता है। परिणामस्वरूप वस्तुओं की बिक्री को भारत में वस्तुओ का आयात नहीं कहा जा सकता। गुजरात राज्य सरकार ने माननीय गुजरात उच्च न्यायालय के निर्णय के प्रति भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की है।

चूंकि डिलीवरी बिन्दु के निर्धारण का उक्त मामला भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय में लंबित है, राशि को जेओ भागीदारों द्वारा एसक्रो खाते में रखा जा रहा है। एसक्रो खाते में जमा में पीएमटी जेओ के संबंध में 1,297.70 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 1,249.18 मिलियन रूपये) के प्रतिबंधित बैंक शेष शामिल हैं ।

23.4 दावा न किए गए लाभांश खाते में डिबेंचर खाते पर दावा न किए गए ब्याज की जमा की गई राशि के संबंध में 0.01 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 0.01 मिलियन रूपये) शामिल हैं जो ब्याज के भुगतान हेतु निर्दिष्ट हैं और जिन्हें किन्हीं अन्य प्रयोजनों हेतु उपयोग नहीं किया जा सकता।

23.5 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में, एसक्रो खाते में 10.11 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 9.14 मिलियन रूपये) शामिल हैं जो बाहरी वाणिज्यिक ऋण के माध्यम से ली गई अप्रयुक्त पूंजीगत व्यय निधि को दर्शाते हैं जिन्हें भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा–निर्देशों के अनुसार एक गैर–ब्याजधारी खाते में रखा गया है जिनका उपयोग केवल निर्धारित प्रयोजनों हेतु ही किया जा सकता है।

24. बिक्री हेतु धारित परिसंपत्तियां

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
फ्रीहोल्ड भूमि तथा अन्य परिसंपत्तियां (देखें टिप्पणी सं. 24.1)	76.89	159.61
कुल बिक्री हेतु धारित परिसंपत्तियां	**76.89**	**159.61**

24.1 समूह पाइपलाइन बिछाए जाने की परियोजना में प्रयुक्त ऐसी अधिशेष सामग्री के निपटान की मंशा रखती है, जिसका वह अगले 12 माह में उपयोग नहीं करेगी। यह सामग्री विभिन्न परियोजना स्थलों पर अवस्थित है तथा इन्हें पाइपलाइन के निर्माण के दौरान उपयोग हेतु खरीदा गया था। परियोजना अधिशेष सामग्री का निपटान तेल कंपनियों को किए जाने के प्रयास जारी है। समूह को यह प्रत्याशा है कि उचित मूल्य (घटा बिक्री की लागत), वहन मूल्य से अधिक होगा।

25. इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
इक्विटी शेयर पूंजी	64,166.32	64,166.32
	64,166.32	**64,166.32**
प्राधिकृत:		
₹5/– प्रत्येक के 30,000,000,000 इक्विटी शेयर	**150,000.00**	**150,000.00**
(31 मार्च, 2016 को ₹5/– प्रत्येक के 30,000,000,000 इक्विटी शेयर)		
निर्गमित एवं अभिदत्त:		
₹5/– प्रत्येक के 12,833,273,124 इक्विटी शेयर	**64,166.37**	**64,166.37**
(31 मार्च, 2017 को ₹5/– प्रत्येक के 12,833,271,124 इक्विटी शेयर)		
पूर्णत: प्रदत्त इक्विटी शेयर :		
₹5/– प्रत्येक के 12,833,235,180 इक्विटी शेयर	64,166.17	64,166.17
(31 मार्च, 2017 को ₹5/– प्रत्येक के 12,833,235,180 शेयर)		
जोड़ें : जब्त शेयर (देखें टिप्पणी सं. 25.5)	0.15	0.15
कुल	**64,166.32**	**64,166.32**

25.1 रिपोर्टिंग अवधि की शुरूआत तथा समाप्ति पर बकाया इक्विटी शेयरों का लेखा–समाधान :

(₹ मिलियन में

विवरण	शेयरों की संख्या मिलियन में	राशि
1 अप्रैल, 2016 को शेष	**8,555.49**	**42,777.45**
वर्ष के दौरान परिवर्तन	4,277.75	21,388.75
31 मार्च, 2017 को शेष	**12,833.24**	**64,166.20**
वर्ष के दौरान परिवर्तन	-	-
31 मार्च, 2018 को बकाया	**12,833.24**	**64,166.20**

25.2 इक्विटी शेयरों से संबद्ध शर्तें/अधिकार

कंपनी के पास केवल एक श्रेणी के इक्विटी शेयर हैं जिनका सम मूल्य 5 रूपये प्रति शेयर है। इक्विटी शेयर का प्रत्येक धारक एक मत प्रति शेयर हेतु पात्र है। निदेशक मंडल द्वारा प्रस्तावित लाभांश आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है।

कंपनी के परिसमापन के मामले में इक्विटी शेयर के धारक सभी अधिमानी राशियों के वितरण के पश्चात कंपनी की शेष परिसंपत्तियों को प्राप्त करने के पात्र होंगे। वितरण शेयरधारकों द्वारा धारित इक्विटी शेयरों की संख्या के अनुपात में होगा।

25.3 कंपनी ने 18.12.2017 को 5 रूपये प्रत्येक के पूर्णत: प्रदत्त प्रत्येक 2 विद्यमान इक्विटी शेयरों हेतु 5 रूपये प्रत्येक के एक इक्विटी शेयर के अनुपात में 4,277,745,060 पूर्णत: प्रदत्त बोनस शेयर आवंटित किए हैं।

25.4 कंपनी के 5 प्रतिशत से अधिक शेयरधारित करने वाले शेयरधारकों का ब्यौरा निम्नवत है :

इक्विटी शेयर धारक का नाम	31 मार्च, 2018 को		31 मार्च, 2017 को	
	संख्या मिलियन में	% धारिता	संख्या मिलियन में	% धारिता
भारत के राष्ट्रपति	8,690.03	67.72	8,735.65	68.07
भारतीय जीवन बीमा निगम	1,191.02	9.28	1,152.81	8.98
इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	986.89	7.69	986.89	7.69

25.5 वर्ष 2006–07 में 10/– रूपये प्रत्येक के 18,972 इक्विटी शेयरों (5/– रूपये प्रत्येक के 37,944 इक्विटी शेयरों के समतुल्य) को जब्त किया गया था जिनके प्रति मूल रूप से अदा की गई राशि 0.15 मिलियन रूपये थी।

26. गैर–नियंत्रक हित के अतिरिक्त अन्य इक्विटी

(₹ मिलियन में

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
पूंजीगत मोचन आरक्षिति	99.82	99.82
अन्य पूंजीगत आरक्षिति – समान नियंत्रण	(353,907.90)	(358,987.28)
पूंजीगत आरक्षिति	614.14	646.85
प्रतिभूति प्रीमियम लेखा	-	2,435.48
विधिक आरक्षिति	49,127.49	39,597.32
डिबेंचर मोचन आरक्षिति	80,142.96	80,530.26
विदेशी प्रचालनों के वित्तीय विवरण के परिवर्तन पर विनिमय अंतर	133,294.31	133,623.80
विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद परिवर्तन अंतर लेखा	(3.31)	(2.25)
प्रतिधारित आय	190,809.21	184,723.93
सामान्य आरक्षिति	1,660,032.68	1,550,154.27
अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी लिखत हेतु आरक्षिति	215,813.31	246,863.72
कुल अन्य इक्विटी	**1,976,022.72**	**1,879,685.92**

(₹ मिलियन में

विवरण	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
क. पूंजीगत मोचन आरक्षिति (देखें टिप्पणी सं. 26.6)		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	99.82	99.82
संचलन	-	-
वर्ष के अंत में शेष	**99.82**	**99.82**
ख. पूंजीगत आरक्षिति लेखा (देखें टिप्पणी सं. 26.12)		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	2,435.48	5,896.94
अन्य पूंजीगत आरक्षिति – समान नियंत्रण	(2,435.48)	(3,461.46)
वर्ष के अंत में शेष	-	**2,435.48**
ग. पूंजीगत आरक्षिति (देखें टिप्पणी सं. 26.1, 26.7 और 26.8)		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	646.85	621.15
संचलन	(32.71)	25.70
वर्ष के अंत में शेष	**614.14**	**646.85**
घ. विधिक आरक्षिति		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	39,597.32	39,016.19
जोड़ें : प्रतिधारित आय से अंतरण	9,530.17	581.13
वर्ष के अंत में शेष	**49,127.49**	**39,597.32**
ङ. डिबेंचर मोचन आरक्षिति (देखें टिप्पणी सं. 26.9)		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	80,530.26	60,069.35
जोड़ें : प्रतिधारित आय से अंतरण	(387.30)	17,481.95
जोड़ें : सामान्य आरक्षिति से अंतरण	-	2,978.96

विवरण	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
वर्ष के अंत में शेष	**80,142.96**	**80,530.26**
च. विदेशी प्रचालनों के वित्तीय विवरण के परिवर्तन पर विनिमय अंतर (देखें टिप्पणी सं. 26.11)		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	133,623.80	125,569.71
जोड़ें : अंतरण	(329.49)	8,054.09
वर्ष के अंत में शेष	**133,294.31**	**133,623.80**
छ. विदेशी मुद्रा मौद्रिक मद परिवर्तन अंतर लेखा		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(2.25)	(995.64)
जोड़ें : वर्ष के दौरान उत्पन्न	-2.88	(817.84)
घटाएं : परिशोधन	1.82	1,811.23
वर्ष के अंत में शेष	**(3.31)**	**(2.25)**
ज. प्रतिधारित आय		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	184,723.93	162,942.38
जोड़ें :		
वर्ष हेतु कर पश्चात लाभ	221,059.28	244,192.50
निर्धारित लाभ बाध्यता के पुनः मापन से उत्पन्न होने वाली अन्य व्यापक आय, आय कर का निवल	(533.71)	(3,121.15)
अन्य समायोजन (संयुक्त उद्यम और एसोसिएट सहित)	(419.74)	(61.65)
घटाएं :		
निवेश की अंतरधारिता के कारण समायोजन	(2,988.60)	(2,834.15)
एचपीसीएल द्वारा बोनस शेयर हेतु अधिग्रहण पूर्व समायोजन	2,483.32	3,311.11
अन्य समायोजन	-	70.93
लाभांश का भुगतान (देखें टिप्पणी सं. 26.4)	79,205.90	112,954.41
लाभांश पर कर	15,705.07	22,971.98
सामान्य आरक्षिति को अंतरित	110,471.99	64,690.79
विधिक आरक्षिति को अंतरित	9,530.17	581.13
डीआरआर से/को अंतरण	(387.30)	17,481.95
वर्ष के अंत में शेष	**190,809.21**	**184,723.93**
झ. सामान्य आरक्षिति (देखें टिप्पणी सं. 26.3)		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	1,550,154.27	1,509,923.55
जोड़ें : प्रतिधारित आय से अंतरण	110,471.99	64,690.79
घटाएं : जारी किए गए बोनस शेयर	160.59	21,388.72
घटाएं : डीआरआर को अंतरित	-	2,978.96
घटाएं : घोषित लाभांश	-	-
घटाएं : घोषित लाभांश पर कर	427.51	-
घटाएं : शेयरों की पुनः खरीद हेतु प्रयुक्त	5.48	92.39
वर्ष के अंत में शेष	**1,660,032.68**	**1,550,154.27**
ञ. अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी लिखित के लिए आरक्षिति (देखें टिप्पणी सं. 26.2)		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	246,863.72	109,807.47
एफवीटीओसीआई पर इक्विटी लिखत में निवेश पर निवल उचित मूल्य लाभ	(31,050.41)	137,056.25
वर्ष के अंत में शेष	**215,813.31**	**246,863.72**
ट. अन्य पूंजीगत आरक्षिति – समान नियंत्रण (देखें टिप्पणी सं. 26.5)		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(358,987.28)	(365,759.85)
एचपीसीएल द्वारा बोनस शेयर हेतु अधिग्रहण पूर्व समायोजन	5,079.38	6,772.57
वर्ष के अंत में शेष	**(353,907.90)**	**(358,987.28)**
कुल अन्य इक्विटी	**1,976,022.72**	**1,879,685.92**

26.1 कंपनी के संबंध में उपहार के रूप में प्राप्त परिसंपत्तियों का आंकलित मूल्य दर्शाया गया है।

26.2 कंपनी में अन्य व्यापक आय में इक्विटी प्रतिभूतियों की कुछ निवेश के उचित मूल्य में परिवर्तनों को मान्यता देने का विकल्प चुना है। यह आरक्षिति अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए इक्विटी लिखत के पुनर्मूल्यांकन पर उत्पन्न होने वाले संचित लाभों तथा हानियों को दर्शाता है। कंपनी इस आरक्षिति से राशियों को प्रतिधारित आय में तब अंतरित करती है जब संगत इक्विटी प्रतिभूतियों का निपटान किया जाता है।

26.3 सामान्य आरक्षिति का उपयोग समय–समय पर विनियोजन प्रयोजनों हेतु प्रतिधारित आय से लाभों को अंतरित करने के लिए किया जाता है। चूंकि सामान्य आरक्षिति को इक्विटी की एक घटक से दूसरे में अंतराण द्वारा बनाया जाता है, यह अन्य व्यापक आय की कोई मद नहीं है।

26.4 कंपनी द्वारा अपने इक्विटी शेयरधारकों को लाभांश के रूप में वितरित की जा सकने वाली राशि का निर्धारण कंपनी अधिनियम, 2013 की आवश्यकताओं और कंपनी की लाभांश वितरण नीति को ध्यान में रखते हुए किया जाता है।

29 सितम्बर, 2017 को वर्ष 2016–17 हेतु ₹ 0.80 प्रति शेयर का एक अंतिम लाभांश पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयरों के धारकों को अदा किया गया था।

28 अक्तूबर, 2017 तथा 01 मार्च, 2018 को कंपनी ने क्रमशः ₹ 3.00 प्रति शेयर (60 प्रतिशत) और ₹ 2.25 प्रति शेयर (45 प्रतिशत) के अंतरिम लाभांश की घोषणा की थी जिसका भुगतान किया जा चुका है।

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के संबंध में निदेशक मंडल ने पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयर पर अदा किए जाने वाले ₹ 1.35 प्रति शेयर (27 प्रतिशत) के अंतिम लाभांश को प्रस्तावित किया है। यह इक्विटी लाभांश वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है और इसे इन वित्तीय विवरणों में किसी देयता के रूप में शामिल नहीं किया गया है। प्रस्तावित इक्विटी लाभांश पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयरों के सभी धारकों को देय है। अदा की जाने वाली कुल अनुमानित इक्विटी लाभांश की राशि ₹ 17,324.87 मिलियन और उस पर लाभांश वितरण कर की राशि ₹ 3,561.18 मिलियन है।

26.5 टिप्पणी 1 में बताए गए अनुसार एचपीसीएल के अधिग्रहण के परिणामस्वरूप ₹ 3,390.15 मिलियन की एचपीसीएल की शेयर पूंजी और ₹ 369,150.00 मिलियन के अदा किए गए प्रतिफल के मध्य अंतर को 1 अप्रैल, 2016 को अन्य पूंजीगत आरक्षिति – समान नियंत्रण के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।

26.6 अनुषंगी कंपनी, एमआरपीएल के संबंध में कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2011–12 तथा 2012–13 में ₹ 91.86 मिलियन की अधिमानी शेयर पूंजी की चुकौती पर पूंजीगत मोचन आरक्षिति बनाया है।

26.7 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के साथ में पूंजीगत आरक्षिति की पहचान कंपनी द्वारा ब्लाक 06.1, वितयनाम के संबंध में प्रतिभागिता हित के हिस्से की बिक्री के संबंध में की थी जहां गैर–प्रमाणित संपत्ति में आंशिक फार्म–आउट हेतु प्राप्त मूल्य कुल लागत से अधिक नहीं था।

26.8 अनुषंगी कंपनी ओवीएल ने 31 मई, 2016 को एक अन्य पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड (ओवीएसएल) के माध्यम से भारित एक पूर्ण स्वामित्व वाली स्टेप डाउन अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश वेनकोरनेफ्ट प्राइवेट लिमिटेड (ओवीवीएल) के माध्यम से जेएससी वेनकोरनेफ्ट ने 15 प्रतिशत अंश खरीदा है। इसके अतिरिक्त, 28 अक्तूबर, 2017 को जेएससी वेनकोरनेफ्ट ने और 11 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। कंपनी का निवेश किए जाने वाले में व्यापक प्रभाव है अतः इस निवेश को एसोसिएट के रूप में वर्गीकृत किया गया है। निवेश को प्रारंभिक मान्यता की लागत पर मान्यता प्रदान की गई है। ओवीवीएल घटक में अधिग्रहण की तिथि से ईपीए को अंतिम रूप देने हेतु एक वर्ष की मापन अवधि थी और तदनुसार 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु वित्तीय विवरणों में समायोजन को पुनः बताया गया है और इन वित्तीय विवरणों में तुलनात्मक आंकड़ों के रूप में समाहित किया गया है। पुनः बताए जाने में 31 मार्च, 2017 के अनुसार ₹ 2897.24 मिलियन (43.13 मिलियन अमेरिकी डालर), साख की मान्यता ₹ 8300.80 मिलियन (128 मिलियन अमेरिकी डालर) और ₹ 15034.82 मिलियन (231.84 मिलियन अमेरिकी डालर की विलंबित कर देयता मान्यता शामिल है। साख तथा विलंबित कर देयता के मूल्य को इंड एएस के सिद्धांत के अनुसार निवेश के मूल्य में समाहित किया गया है। पुनः बताए जाने में लाभ एवं हानि विवरण में ₹ 275.01 मिलियन (4.10 मिलियन अमेरिकी डालर) की अमूर्त परिसंपत्ति और ₹ 831.73 मिलियन (12.40 मिलियन अमेरिकी डालर) के विलंबित कर लाभ के अतिरिक्त परिशोधन को मान्यता दिया जाना भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु लाभ एवं हानि विवरण में ₹ 803.56 मिलियन (11.98 मिलियन अमेरिकी डालर) की अतिरिक्त ओसीआई को भी मान्यता प्रदान की गई है।

26.9 अनुषंगी ओवीएल के संबंध में उक्त हेतु डिबेंचर मोचन आरक्षिति स्थिति निम्नानुसार है :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
अप्रतिभूत 8.54 प्रतिशत 10 वर्षीय गैर–परिवर्तनीय बाण्ड डिबेंचर सीरीज–2 की प्रकृति वाले	2,585.55	2,585.55
अप्रतिभूत 4.625 प्रतिशत 10 वर्षीय अमेरीकी डालर बाण्ड – 750 मिलियन अमेरीकी डालर	12,299.86	12,299.86
अप्रतिभूत 3.75 प्रतिशत 10 वर्षीय अमेरीकी डालर बाण्ड – 500 मिलियन अमेरीकी डालर	12,153.02	12,153.02
अप्रतिभूत 2.75 प्रतिशत 7 वर्षीय यूरो बाण्ड – 525 मिलियन यूरो	12,946.68	12,946.68
अप्रतिभूत 3.25 प्रतिशत 5 वर्षीय अमेरीकी डालर बाण्ड – 750 मिलियन अमेरीकी डालर	24,606.46	24,606.46
अप्रतिभूत 2.50 प्रतिशत 5 वर्षीय अमेरीकी डालर बाण्ड – 300 मिलियन अमेरीकी डालर	14,583.63	14,583.63
कुल	**79,175.20**	**79,175.20**

26.10 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में डिबेंचर मोचन आरक्षित को कंपनी द्वारा चुकौती हेतु देय होने वाले डिबेंचरों/बॉण्ड की चुकौती के प्रयोजन हेतु प्रतिधारित आय में से बनाया गया है। ये आरक्षित कंपनी के व्यापार क्रियाकलापों में निवेशित रहते हैं।

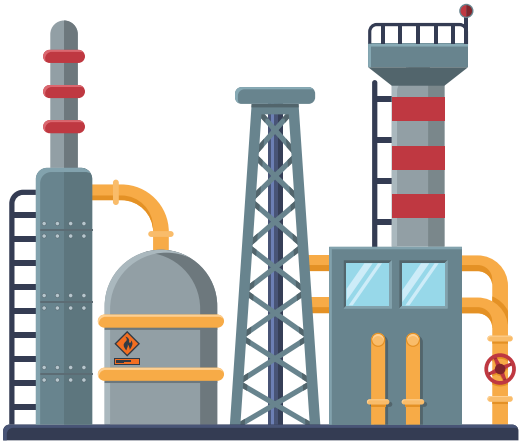
26.11 समूह की अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने अपनी क्रियात्मक मुद्रा अमेरिकी डालर के रूप में निर्धारित की है। उक्त विदेशी विनिमय अंतर ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा "भारतीय राष्ट्रीय रूपये" में परिवर्तित किए जाने के कारण अंतरों को दर्शाता है। देखें टिप्पणी 3.21 और 5.1(क)।

26.12 31 मार्च, 2018 और 31 मार्च, 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान एचपीसीएल ने प्रतिभूति प्रीमियम लेखे और सामान्य राजस्व का उपयोग करके बोनस शेयर जारी किए हैं। यह एचपीसीएल के अधिग्रहण की तिथि से पूर्व होने के चलते 6722.57 मिलियन रूपये और 5079.38 मिलियन रूपये की राशि को अन्य पूंजीगत आरक्षित–संबंधित वर्षों हेतु समान नियंत्रण के प्रति समायोजित किया गया है।

27. गैर–नियंत्रक हित

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वर्ष के प्रारंभ में शेष	**132,919.64**	**102,628.89**
वर्ष हेतु लाभ का अंश	39,620.58	47,498.69
ओसीआई का अंश	185.69	787.48
हित के अधिग्रहण/ निपटान पर उत्पन्न होने वाले अतिरिक्त गैर–नियंत्रक हित	494.49	1,651.69
एनसीआई को अदा किया गया लाभांश	-13,670.70	-17,002.48
लाभांश कर	-2,783.03	-3,461.31
अन्य (देखें टिप्पणी सं. 27.3)	-706.70	816.68
वर्ष के अंत में शेष	**156,059.97**	**132,919.64**



27.1 समूह की पूर्णतः स्वामित्व वाली न होने वाली अनुषंगियों का ब्यौरा जिनमें भौतिक गैर–नियंत्रक हित शामिल है :

(₹ मिलियन में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	अधिनिगमन का स्थान और व्यापार का प्रमुख स्थान	गैर–नियंत्रक हितों द्वारा धारित स्वामित्व हितों और मताधिकारों का अनुपात		गैर–नियंत्रक हितों को आवंटित लाभ/(हानि)		संचित गैर–नियंत्रक हित	
		31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
एचपीसीएल	भारत	48.89%	48.89%	35,469.30	41,062.15	117,740.56	96,606.14
एमआरपीएल	भारत	19.71%	19.71%	3,933.38	6,833.80	20,382.16	18,799.90
पीएमएचबीएल	भारत	50.56%	50.56%	421.94	409.22	3,461.76	3,340.36
ब्यास रोवूमा एनर्जी मोजाम्बिक लिमिटेड	ब्रिटिश वर्जिन द्वीप में अधिनिगमित, प्रचालन मोजाम्बिक में	40.00%	40.00%	(18.34)	(35.42)	13,591.84	13,067.43
गैर–नियंत्रक हितों के साथ पृथक रूप से अभौतिक अनुषंगी कंपनियां						883.64	1,105.81
कुल						**156,059.97**	**132,919.64**

27.2 समूह की अनुषंगियों में से प्रत्येक के संबंध में सारबद्ध वित्तीय सूचना जिनमें भौतिक गैर–नियंत्रक हित है, नीचे नीचे दी गई सारबद्ध वित्तीय सूचना अंतरा–समूह हटायी जाने वाली मदों से पूर्व राशियों को दर्शाती है।

(₹ मिलियन में)

1.एचपीसील	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	525,307.75	472,529.67
वर्तमान परिसंपत्तियां	371,409.63	330,660.67
गैर–वर्तमान देयताएं	165,748.87	134,744.50
वर्तमान देयताएं	475,644.32	457,731.58
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य इक्विटी	137,583.64	114,108.13
गैर–नियंत्रक हित	117,740.56	96,606.14

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
राजस्व	2,457,899.88	2,156,730.38
व्यय	2,370,014.36	2,067,946.00
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	**72,549.18**	**83,988.85**
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य लाभ (हानि)	36,892.66	42,093.28
गैर–नियंत्रक हितों को आरोप्य लाभ (हानि)	35,290.20	40,264.93
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	**72,182.86**	**82,358.21**
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	187.23	833.42
गैर–नियंत्रक हितों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	179.10	797.22
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	366.33	1,630.64
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य कुल व्यापक आय	37,079.89	42,926.70
गैर–नियंत्रक हितों को आरोप्य कुल व्यापक आय	35,469.30	41,062.15
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	72,549.18	83,988.85
गैर–नियंत्रक हितों को अदा किया गया लाभांश	11348.79	-
प्रचालन क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बाहिरप्रवाह)	110,372.10	102,544.80
निवेश क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बाहिरप्रवाह)	(73,979.60)	(53,040.30)
वित–पोषण क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बाहिरप्रवाह)	(44,229.60)	(42,387.20)
निवल नकदी अंतरप्रवाह (बाहिरप्रवाह)	(7,837.10)	7,117.30

(₹ मिलियन में)

2. एमआरपीएल	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	229,552.10	227,965.62
वर्तमान परिसंपत्तियां	89,954.01	100,431.72
गैर–वर्तमान देयताएं	49,778.33	86,571.02
वर्तमान देयताएं	165,853.86	143,074.68
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य इक्विटी	83,491.76	79,951.74
गैर–नियंत्रक हित	20,382.16	18,799.90

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
राजस्व	639,619.77	604,079.92
व्यय	610,647.91	569,561.06
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	**17,770.73**	**32,883.10**
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य लाभ (हानि)	19,926.45	34,726.41
गैर–नियंत्रक हितों को आरोप्य लाभ (हानि)	(2,190.82)	(1,794.31)
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	**17,735.63**	**32,932.10**
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	33.77	(47.79)
गैर–नियंत्रक हितों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	1.33	(1.21)
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	35.10	(49.00)
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य कुल व्यापक आय	19,960.22	34,678.62
गैर–नियंत्रक हितों को आरोप्य कुल व्यापक आय	(2,189.49)	(1,795.52)
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	17,770.73	32,883.10
गैर–नियंत्रक हितों को अदा किया गया लाभांश	2,983.27	-
प्रचालन क्रियाकलापों से निवल नकदी अंत:प्रवाह (बहि:प्रवाह)	39,718.63	(11,693.12)
निवेश क्रियाकलापों से निवल नकदी अंत:प्रवाह (बहि:प्रवाह)	(9,813.47)	(2,310.06)
वित–पोषण क्रियाकलापों से निवल नकदी अंत:प्रवाह (बहि:प्रवाह)	(27,963.00)	2,911.53
निवल नकदी अंत:प्रवाह (बहि:प्रवाह)	1,942.16	(11,091.65)

(₹ मिलियन में)

3. पीएमएचबीएल	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	1,363.64	1,355.31
वर्तमान परिसंपत्तियां	5,781.33	6,319.53
गैर–वर्तमान देयताएं	76.11	73.29
वर्तमान देयताएं	222.56	995.34
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य इक्विटी	3,384.54	3,265.85
गैर–नियंत्रक हित	3,461.76	3,340.36



(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
राजस्व	1,711.30	1,702.04
व्यय	444.22	453.40
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	**834.46**	**809.32**
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य लाभ (हानि)	412.58	809.48
गैर–नियंत्रक हितों को आरोप्य लाभ (हानि)	422.00	-
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	**834.58**	**809.48**
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	(0.06)	(0.16)
गैर–नियंत्रक हितों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	(0.06)	-
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	(0.12)	(0.16)
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य कुल व्यापक आय	412.52	809.32
गैर–नियंत्रक हितों को आरोप्य कुल व्यापक आय	421.14	-
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	834.46	809.32
गैर–नियंत्रक हितों को अदा किया गया लाभांश	170.67	-
प्रचालन क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बहिरप्रवाह)	557.11	835.68
निवेश क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बहिरप्रवाह)	275.98	234.26
वित–पोषण क्रियाकलापों से निवल नकदी अंतरप्रवाह (बहिरप्रवाह)	(1,416.91)	(3.40)
निवल नकदी अंतरप्रवाह (बहिरप्रवाह)	(583.82)	1,066.54

(₹ मिलियन में)

4. ब्यास रोवूमा एनर्जी मोजाम्बिक लिमिटेड	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	34,644.52	33,353.68
वर्तमान परिसंपत्तियां	914.54	512.22
गैर–वर्तमान देयताएं	-	-
वर्तमान देयताएं	31.78	148.74
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य इक्विटी	21,316.37	20,230.29
गैर–नियंत्रक हित	**14,210.91**	**13,486.87**

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
राजस्व	(16.00)	0.04
व्यय	29.86	88.57
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	**(45.86)**	**(88.53)**
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य लाभ (हानि)	(27.52)	(53.12)
गैर–नियंत्रक हितों को आरोप्य लाभ (हानि)	(18.34)	(35.41)
वर्ष हेतु लाभ (हानि)	**(45.86)**	**(88.53)**
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	-	-
गैर–नियंत्रक हितों को आरोप्य अन्य व्यापक आय	-	-
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	-	-
कंपनी के स्वामियों को आरोप्य कुल व्यापक आय	(27.52)	(53.12)
गैर–नियंत्रक हितों को आरोप्य कुल व्यापक आय	(18.34)	(35.41)
वर्ष हेतु कुल व्यापक आय	(45.86)	(88.53)
गैर–नियंत्रक हितों को अदा किया गया लाभांश	-	-

27.3 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को ''अमेरिकी डालर'' ($) से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा "भारतीय रूपये" (₹) में परिवर्तित किए जाने के कारण विनिमय अंतरों को दर्शाता है। देखें टिप्पणी 3.21 और 5.1(क)।

28. ऋण

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
प्रतिभूत				
बैंकों से	9,794.41	41,179.76	40,692.06	24,108.28
अन्यों से	3,644.76	14,894.68	5,537.39	14,895.13
गैर–परिवर्तनीय डिबेंचर	19,997.58	-	24,991.90	-
विलंबित भुगतान देयताएं : वैट ऋण	169.24			
वित्त पट्टे के प्रति देयता	18,775.20	-	22,300.52	-
अप्रतिभूत				
बैंकों से	222,547.73	371,789.33	180,327.60	85,415.27
अन्यों से	2,927.90	14,949.30	-	91,855.71
वित्त पट्टे के प्रति देयता	382.93	-	382.93	-
विलंबित भुगतान देयताएं	218.63	-	618.63	-
गैर–परिवर्तनीय विमोच्य डिबेंचर	3,700.00	-	3,700.00	-
विदेशी मुद्रा बॉण्ड	268,090.60	19,398.47	249,172.42	-
कुल ऋण	**550,248.98**	**462,211.54**	**527,723.45**	**216,274.39**

28.1 पट्टा समझौते के अनुसार कंपनी को स्थायित्व तक 35.03 मिलियन रूपये के वार्षिक पट्टा किराया का भुगतान करना है। वित्तीय पटटा बाध्यताएं वार्षिकीकृत पट्टा भुगतान के स्थायीत्व मूल्य को प्रदर्शित करती हैं जो 417.96 मिलियन रूपये है।

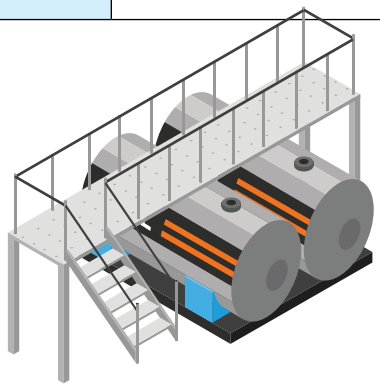
28.2 कंपनी के संबंध में

विदेशी मुद्रा और रूपये सावधि ऋणों को बैंकों से भारत सरकार से एचपीसीएल में 51.11 प्रतिशत की शेयरधारिता की सामरिक खरीद के वित्त–पोषण हेतु लिया गया है।

इन ऋणों को निम्नलिखित शर्तों पर लिया गया है :

28.2.1 विदेशी मुद्रा सावधि ऋण (एफसीटीएल)/विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) ऋण (एफसीएनआर–बी)

क्रम सं.	31 मार्च, 2018 को राशि अमेरीकी डालर में	31 मार्च, 2018 को राशि मिलियन रूपए में	चुकौती की अवधि	ब्याज दर
1.	250 मिलियन अमेरीकी डालर	16,230.00	31 जनवरी, 2019 तक	1एम लीबोर + 0.90 प्रतिशत मासिक रूप से देय
2.	300 मिलियन अमेरीकी डालर	19,476.00	31 जनवरी, 2019 तक (निधियों की उपलब्धता के अधीन 31 जनवरी, 2018 से 6 माह के पश्चात रोल ओवर के साथ)	6एम लीबोर + 0.80 प्रतिशत मासिक रूप से देय
3.	750 मिलियन अमेरीकी डालर	48,689.71	31 जनवरी, 2019 तक	1एम लीबोर + 1.30 प्रतिशत 26 अप्रैल, 2018 तक मासिक रूप से देय और 27 अप्रैल, 2018 से मासिक रूप से देय 1एम लीबोर + 1.65 प्रतिशत
कुल	**1300 मिलियन अमेरीकी डालर**	**84,395.71**		



28.2.2 रूपए में सावधि ऋण

(₹ मिलियन में)

क्रम सं.	31 मार्च, 2018 के अनुसार	चुकौती की अवधि	ब्याज दर
1.	40,000.00	31 जनवरी, 2019 तक	3 माह टी–बिल + 1.2027 प्रतिशत मासिक रूप से देय
2.	30,000.00	31 जनवरी, 2019 तक	ओवरनाइट एमसीएलआर
3.	27,741.43	31 जनवरी, 2019 तक	ओवरनाइट एमसीएलआर
कुल	**97,741.43**		

**31 जनवरी, 2018 को आहरित 30,000.00 मिलियन रूपये के ऋण को 1 माह के एमआईबीओआर के साथ बेंचमार्क किया गया था और इसका पुनर्वित्त पोषण 31 मार्च, 2018 को ओवरनाइट एमसीएलआर से बेंचमार्क ऋण के साथ किया गया है।*

28.2.3 कार्यशील पूंजी ऋण

ऋण रेखा को कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बैंकों के एक संघ से प्राप्त किया गया था। ब्याज ओवरनाइट एमसीएलआर के साथ बेंचमार्क है।

28.2.4 वित्तीय पट्टा बाध्यता

पट्टा समझौते के अनुसार कंपनी द्वारा स्थायीत्व काल तक 35.03 मिलियन रूपये के वार्षिक पट्टा किराए का भुगतान अपेक्षित है। वित्तीय पट्टा बाध्यता वार्षिकीकृत पट्टा भुगतान के स्थायीत्व मूल्य को दर्शाता है जो 417.96 मिलियन रूपये है।

28.3 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में बॉण्ड का ब्यौरा निम्नवत है (रूपये मुद्रा के अतिरिक्त)

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
750 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	48,307.43	48,255.34
500 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	32,426.54	32,391.57
525 मिलियन यूरो अप्रतिभूत यूरो बाण्ड	41,775.36	36,180.78
50 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	48,377.54	48,325.38
300 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	19,398.47	19,377.55
600 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	38,810.69	38,785.08
400 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	25,924.25	25,856.72
कुल	**255,020.28**	**249,172.42**

उक्त बाण्डों की अवधि का नीचे उल्लेख किया गया है :

विवरण	निम्नलिखित में सूचीबद्ध	इश्यु मूल्य	मूल्य वर्ग	ऋण जारी करने की तिथि	परिपक्वता की निर्धारित तिथि	कूपन
600 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	सिंगापुर एक्सचेंज (एसजीएक्स)	99.810%	200,000 अमेरीकी डालर और उससे अधिक होने पर 1,000 अमेरीकी डालरों के अविभाज्य गुणकों में	27 जुलाई, 2016	27 जुलाई, 2026	3.750%, बकाया के तौर पर अर्धवार्षिक रूप से देय
750 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	सिंगापुर एक्सचेंज (एसजीएक्स)	99.454%	200,000 अमेरीकी डालर और उससे अधिक होने पर 1,000 अमेरीकी डालरों के अविभाज्य गुणकों में	15 जुलाई, 2014	15 जुलाई, 2024	4.625%, बकाया के तौर पर अर्धवार्षिक रूप से देय
500 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	सिंगापुर एक्सचेंज (एसजीएक्स)	99.950%	200,000 अमेरीकी डालर और उससे अधिक होने पर 1,000 अमेरीकी डालरों के अविभाज्य गुणकों में	7 मई, 2013	7 मई, 2023	3.75%, बकाया के तौर पर अर्धवार्षिक रूप से देय
400 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	सिंगापुर एक्सचेंज (एसजीएक्स)	100.000%	200,000 अमेरीकी डालर और उससे अधिक होने पर 1,000 अमेरीकी डालरों के अविभाज्य गुणकों में	27 जुलाई, 2017	27 जनवरी, 2022	2.875%, बकाया के तौर पर अर्धवार्षिक रूप से देय

विवरण	निम्नलिखित में सूचीबद्ध	इश्यु मूल्य	मूल्य वर्ग	ऋण जारी करने की तिथि	परिपक्वता की निर्धारित तिथि	कूपन
525 मिलियन यूरो अप्रतिभूत यूरो बाण्ड	फ्रैंकफट स्टॉक एक्सचेंज	99.623%	100,000 यूरो और तत्पश्चात 1,000 यूरो के गुणकों में	15 जुलाई, 2014	15 जुलाई, 2021	2.75% बकाया के तौर पर वार्षिक रूप से देय
750 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	सिंगापुर एक्सचेंज (एसजीएक्स)	99.598%	200,000 अमेरीकी डालर और उससे अधिक होने पर 1,000 अमेरीकी डालरों के अविभाज्य गुणकों में	15 जुलाई , 2014	15 जुलाई, 2019	3.25% बकाया के तौर पर अर्धवार्षिक रूप से देय
300 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	सिंगापुर एक्सचेंज (एसजीएक्स)	99.655%	200,000 अमेरीकी डालर और उससे अधिक होने पर 1,000 अमेरीकी डालरों के अविभाज्य गुणकों में	7 मई, 2013	7 मई, 2018	2.50% बकाया के तौर पर अर्धवार्षिक रूप से देय

28.4 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबध में गैर–परिवर्तनीय चुकौती योग्य डिबेंचर (रूपये बॉण्ड)

गैर–परिवर्तनीय चुकौती योग्य डिबेंचर (रूपये बॉण्ड) की अवधि नीचे दी गई है :

विवरण	जारी करने की तिथि	चुकौती की तिथि	कूपन
अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय विमोच्य बाण्ड डिबेंचर सीरीज–2 की प्रकृति वाले जिनका अंकित मूल्य ₹1 मिलियन प्रत्येक है (₹3,700 मिलियन)	6 जनवरी, 2010	6 जनवरी, 2020	8.54% बकाया में वार्षिक रूप से देय

उक्त बॉण्ड नेशनल स्टाक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) में सूचीबद्ध हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी को ऋण प्रतिभूतियों हेतु सूचीकरण समझौते के अनुसार 100 प्रतिसंपत्ति कवर रखना अपेक्षित होता है। कोई आवधिक पुट/कॉल विकल्प नहीं है। बॉण्ड को परिपक्वता तिथि को पूर्ण रूप से चुकाया जाना है (बुलेट चुकौती)।

28.5 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में बैंकों से सावधि ऋण

सावधि ऋण की अवधि नीचे दी गई है

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	जारी करने की तिथि	चुकौती की अवधि	कूपन
1,775 अमेरीकी डालर मिलियन सावधि ऋण (देखें टिप्पणी 28.5.1)	113,776.68	113,654.00	27 नवम्बर, 2015	बुलेट चुकौती नवम्बर 27, 2020 को	लीबोर+ 0.95% त्रैमासिक रूप से देय
500 मिलियन अमेरीकी डालर सावधि ऋण (देखें टिप्पणी 28.5.2)	27,475.50	-	26 अप्रैल, 2017	5 समान किश्तों में, जिसमें विफल रहने पर आहरित तिथि से 15, 27, 39, 51 और 60वें माह में	लीबोर+ 0.76% त्रैमासिक रूप से देय
38 बिलियन जापानी येन सावधि ऋण (देखें टिप्पणी 28.5.2)	23,014.68	-	26 अप्रैल, 2017	3 समान किश्तों में, जिसमें विफल रहने पर आहरित तिथि से 5, 6 और 7वें वर्ष में	लीबोर+ 0.47% त्रैमासिक रूप से देय
	164,266.86	**113,654.00**			

28.5.1 सावधि ऋण एरिया–1, मोजाम्बिक में अंडारको से 10 प्रतिशत हित के अधिग्रहण के आंशिक वित्त–पोषण हेतु वाणिज्यिक बैंकों के एक संघ से प्राप्त किया गया था।

28.5.2 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश ने एक पूर्णतः स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड (ओवीएसएल) को अधिनिगमित किया है। ओवीएसएल ने आगे एक पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश वेनकोरनेफ्ट प्राइवेट लिमिटेड (ओवीवीएल) को अधिनिगमित किया है। ओवीवीएल ने जेएससी वेनकोनेफ्ट में 26 प्रतिशत शेयरों की खरीद की (मई, 2017 में 15 प्रतिशत और अक्तूबर, 2017 में 11 प्रतिशत) और खरीद मूल्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैंकों से 2 पृथक सिंडीकेटिड ब्रिज ऋण जुटाए थे।

पहली ब्रिज ऋण सुविधा 1,155 मिलियन अमेरिकी डालर (74,901.75 मिलियन रूपए) हेतु 19 मई, 2016 को प्राप्त की गई थी जिसमें से 1,086 मिलियन अमेरिकी डालर (70,427.10 मिलियन रूपए) की निकासी 31 मई, 2016 को की गई जिसमें 1,085.00 मिलियन अमेरिकी डालर (70,362.25 मिलियन रूपए) अंतिम भुगतान और शेष व्यवस्था शुल्क तथा जेबखर्ची व्यय के प्रति थे।

27 जुलाई, 2016 को ओवीवीएल ने 600 मिलियन अमेरिकी डालर (38,910.00 मिलियन रूपए) के 3.75 प्रतिशत नोट 27 जुलाई, 2026 तथा 400.00 मिलियन अमेरिकी डालर (25,940.00 मिलियन रूपए), 2875 प्रतिशत नोट 27 जनवरी, 2022 को देय होने वाले अंकित मूल्य हेतु नोट जारी किए। 998.49 मिलियन अमेरिकी डालर (64,752.08 मिलियन रूपए) के जारी किए गए बॉण्ड की प्राप्तियों का उपयोग 29 जुलाई, 2016 को समय से पूर्व ब्रिज ऋण को चुकाने के लिए किया गया था। 87.58 मिलियन अमेरीकी डालर (5,679.56 मिलियन रूपए) की शेष राशि को 28 जून, 2017 को परिपक्व होने वाली एक अल्पवाधि सुविधा के माध्यम से पुनः वित्त पोषित किया गया है।

इसके अतिरिक्त, अस्थायी नकदी प्रवाह असंतुलनों को पूरा करने के लिए 17 मिलियन अमेरिकी डालर की एक अल्पावधि सुविधा को प्राप्त किया गया था। दूसरी ब्रिज ऋण सुविधा 14 अक्तूबर, 2016 की 875.00 मिलियन अमेरिकी डालर (56,743.75 मिलियन रूपए) की सुविधा थी जिसमें से 828.00 मिलियन अमेरिकी डालर (56,695.80 मिलियन रूपए) को 31 मार्च, 2017 को निकाला गया था। ऋण मूल कंपनी ओएनजीसी द्वारा गारंटीबद्ध है।

बाद में एसबीआई से 500 मिलियन अमेरिकी डालर (491.74 मिलियन अमेरिकी डालर की सीमा तक प्राप्त किया गया) और 38 बिलियन जापानी येन की एसएमडीसी हेतु 2पृथक सुविधा ऋणों को 26 अप्रैल, 2017 को दूसरी ब्रिज ऋण सुविधा के बकाया शेष अर्थात 828.00 मिलियन अमेरिकी डालर की चुकौती हेतु प्राप्त किया गया था। 31 मार्च, 2018 के अनुसार, 500 मिलियन अमेरिकी डालर सुविधा तथा 38 बिलियन जापानी येन सुविधा के प्रति बकाया राशियां क्रमशः 426.74 मिलियन अमेरिकी डालर और 38 बिलियन जापानी येन की थी। वर्ष 2017–18 के दौरान 17 मिलियन अमेरिकी डालर और 87.58 मिलियन अमेरिकी डालर की अल्पावधि सुविधा को पूरी तरह से चुका दिया गया था।

28.6 ओएनजीसी नाइलगंगा बीबी ने संयुक्त उद्यम भागीदारों के साथ एडनोक समूह के स्वामित्व वाले अपतटीय लोअर जाकुम कंसेशन में 10 प्रतिशत प्रतिभागिता हित प्राप्त किए हैं। इस अधिग्रहण हेतु 240 मिलियन अमेरिकी डालर के वित्त पोषण के लिए कंपनी ने अपने बैंकरों के पास उपलब्ध दीर्घावधि जमा के प्रति मार्च, 2018 में 205.11 अमेरिकी डालर (13315.42 मिलियन रूपये) का अल्पावधि टीडीआर ऋण लिया है।

28.7 वित्तीय पट्टा बाध्यताओं की दीर्घावधि परिपक्वताएं

पट्टा समझौते के अंतर्गत अनुषंगी कंपनी ओवीएल को स्थायित्व तक 31.65 मिलियन रूपये के वार्षिक पट्टा किराये का भुगतान करना अपेक्षित है। वित्तीय पट्टा बाध्यता वार्षिकीकृत भुगतान के स्थायित्व मूल्य को प्रदर्शित करती है जो 377.69 मिलियन रूपये है (देखे टिप्पणी संख्या 39 और 45.1.1)।

28.8 बाहरी वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी)

28.8.1 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में लिए गए ईसीबी अमेरिकी डालर में दर्शाए गए ऋण हैं और इनमें ब्याज की एक परिवर्तनशील मात्रा होती है जो लीबोर (6 माह) जमा फैलाव है। ये अचल स्थिर परिसंपत्तियों पर प्रथम समरूप प्रभार और वर्तमान तथा भविष्य दोनों के चल पीपीई पर प्रथम दर्जे के समरूप प्रभार से प्रतिभूत हैं।

28.8.2 अनुषंगी कंपनी ओएमपीएल के संबंध में कंपनी ने 331.32 मिलियन अमेरिकी डालर के बाहरी वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी) लिए हैं। 331.32 मिलियन अमेरिकी डालर की समूची ईसीबी सुविधा को 3 किश्तों में प्राप्त किया गया है। 250 मिलियन अमेरिकी डालर की पहली ईसीबी–किश्त 1 अप्रैल, 2015 से प्रारंभ होने वाली 14 समान अर्धवार्षिक किश्तों में चुकौती योग्य है और लीबोर (6 माह) जमा 3.13 प्रतिशत के फैलाव वाली ब्याज की एक परिवर्तनशील दर पर है। 60 मिलियन अमेरिकी डालर की दूसरी ईसीबी–किश्त 31 अक्तूबर, 2015 से प्रारंभ होने वाली 14 समान अर्धवार्षिक किश्तों में चुकौती योग्य है और लीबोर (6 माह) जमा 3.15 प्रतिशत के फैलाव वाली ब्याज की एक परिवर्तनशील दर पर है। 21.32 मिलियन अमेरिकी डालर की तीसरी ईसीबी–किश्त 31 अक्तूबर, 2017 से प्रारंभ होने वाली 14 समान अर्धवार्षिक किश्तों में चुकौती योग्य है और लीबोर (6 माह) जमा 3.15 प्रतिशत के फैलाव वाली ब्याज की एक परिवर्तनशील दर पर है।

उक्त उल्लिखित ईसीबी ऋण भूमि और सभी संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण पर प्रथम प्रभार और सभी चल संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण के रेहन द्वारा द्वितीय प्रभार के माध्यम से प्रतिभूत है।

28.8.3 28,801.65 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 13,039.40 मिलियन रूपये) एक वर्ष के भीतर चुकौती योग्य हैं और उक्त को टिप्पणी 29 के अंतर्गत "दीर्घावधि ऋणों की वर्तमान परिपक्वता" के रूप में दर्शाया गया है।

28.8.4 ईसीबी ऋण का चुकौती कार्यक्रम निम्नानुसार है :

(₹ मिलियन में)

चुकौती का वर्ष	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
2017-18	-	13,122.21
2018-19	28,831.16	29,579.16
2019-20	3,085.06	4,042.51
2020-21	3,085.06	3,556.09
2021-22	3,085.06	3,069.68
2022-23	477.86	475.48
2023-24	99.25	98.76
कुल	**38,663.45**	**53,943.89**

28.9 अनुषंगी ओएमपीएल के मामले में आईसीआईसीआई बैंक से प्राप्त अप्रतिभूत अल्पावधि रूपये ऋण की न्यूनतम अवधि एक दिवस से 365 दिवस के मध्य है और लागू ब्याज दर एक वर्ष की सीडी दर जमा 1.1625 प्रतिशत प्रतिवर्ष की है।

28.10 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) ऋण का ब्यौरा

28.10.1 कंपनी द्वारा ओआईडीबी से लिए गए ऋण पर ब्याज की एक स्थिर दर है। ये सभी अचल संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण पर प्रथम प्रभार और सभी चल संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण, वर्तमान और भविष्य देनों, पर रेहन के माध्यम से द्वितीय प्रभार द्वारा प्रतिभूत है। 10 दिसम्बर, 2015 पूर्व ओआईडीबी का ऋण प्रतिभूत था।

28.10.2 750 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 1,750.00 मिलियन रूपये) एक वर्ष के भीतर चुकौती योग्य हैं और उक्त को 31 मार्च, 2018 तथा 31 मार्च, 2017 के अनुसार टिप्पणी 29 के अंतर्गत "दीर्घावधि ऋणों की वर्तमान परिपक्वता" (प्रतिभूत) के रूप में दर्शाया गया है।

28.10.3 **ओआईडीबी ऋण का पुनर्भुगतान कार्यक्रम निम्नवत है**

(₹ मिलियन में)

चुकौती का वर्ष	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
2017-18	-	1,750.00
2018-19	750.00	750.00
कुल	**750.00**	**2,500.00**

28.11 अनुषंगी कंपनियों एमआरपीएल के संबंध में इसकी अनुषगी कंपनी ओएमपीएल ने फरवरी, 2017 के दौरान 8.4 प्रतिशत प्रति वर्ष की कूपन दर और वार्षिक रूप से देय ब्याज के साथ 5,000/– मिलियन रूपये के गैर–संचयी, प्रतिभूत, चुकौती योग्य, कर योग्य, सूचीबद्ध, रेटिड गैर परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जारी किए हैं। कंपनी ने जून, 2017 के दौरान 8.12 प्रतिशत प्रति वर्ष की कूपन दर और वार्षिक रूप से देय ब्याज के साथ 20,000/– मिलियन रूपये के गैर–संचयी, प्रतिभूत, चुकौती योग्य, कर योग्य, सूचीबद्ध, रेटिड गैर परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) भी जारी किए हैं।

28.11.1 ये एनसीडी मंगलौर एसईजेड, मंगलूरू तालूक और पंजीकरण उप जिले के परमूड तथा कलावार गांव, दक्षिण कन्नड़ जिले में अवस्थित 441.436 एकड़ मात्रा वाली कुल भूमि और भवन, सड़क तथा संयंत्र एवं उपकरण सहित संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण पर प्रथम दर्जे के समरूप प्रभार द्वारा प्रतिभूत है।

28.11.2 4998.21 रूपये (31 मार्च, 2017 के अनुसार शून्य रूपये) एक वर्ष के भीतर चुकौती योग्य है और उक्त को टिप्पणी 29 के अंतर्गत "दीर्घावधि ऋणों की वर्तमान परिपक्वता (अप्रतिभूत)" के रूप में दर्शाया गया है।

28.11.3 **गैर–परिवर्तनीय डिबेंचर का चुकौती कार्यक्रम निम्नानुसार है :**

(₹ मिलियन में)

चुकौती का वर्ष	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
2018-19	5,000.00	5,000.00
2019-20	20,000.00	20,000.00
कुल	**25,000.00**	**25,000.00**

28.12 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में बैंकों के संघ से कार्यशील पूंजी ऋण कपंनी के कच्चे माल, तैयार वस्तुओं, प्रक्रियाधीन स्टाक, भंडार, कलपुर्जो, घटकों, प्राप्य व्यापार, प्राप्य बकाया राशि, दावों, बिलों, संविदा, नियोजन, वर्तमान तथा भविष्य दोनों की प्रतिभूतियों के रेहन द्वारा प्रतिभूत है और आगे कंपनी की वर्तमान तथा भविष्य दोनों की चल तथा अचल संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण पर दूसरे दर्जे के समरूप प्रभार से प्रतिभूत है।

इसकी अनुषंगी कंपनी ओएमपीएल के कार्यशील पूंजी लेनदार एनसीडी धारकों से अनापत्ति प्रमाण–पत्र की प्राप्ति पर वर्तमान तथा भविष्य दोनों के कंपनी की अचल संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण पर दूसरे दर्जे के समरूप प्रभार से प्रतिभूत है।

28.13 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में "विलंबित भुगतान देयताएं : सीएसटी" के ब्यौरे

28.13.1 विलंबित भुगतान देयता बिक्री कर प्राधिकारी, कर्नाटक को एक निश्चित अवधि के पश्चात अदा की जाने वाली बिक्री कर देयता के कारण देय राशि को दर्शाती है। बिक्री कर देयता का ऐसा विलंब किसी ब्याज हेतु दायित्व नहीं उत्पन्न करता है।

28.13.2 400 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 526.54 मिलियन रूपये) 1 वर्ष के भीतर चुकौती योग्य है और उक्त को टिप्पणी 29 के अंतर्गत "दीर्घावधि ऋणों की वर्तमान परिपक्वता (अप्रतिभूत)" के रूप में दर्शाया गया है।

28.13.3 विलंबित भुगतान देयता का पुनर्भुगतान कार्यक्रम निम्नवत हैं

(₹ मिलियन में)

चुकौती का वर्ष	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
2017-18	-	526.54
2018-19	400.00	400.00
2019-20	218.63	218.63
कुल	**618.63**	**1,145.17**

28.14 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में "विलंबित भुगतान देयताएं – वैट" का ब्यौरा

28.14.1 वैट ऋण के प्रति विलंबित भुगतान दायित्व कर्नाटक सरकार से प्राप्त "ब्याज मुक्त ऋण" के कारण देय राशियों को दर्शाता है। वैट के प्रति ब्याज मुक्त ऋण की चुकौती 31 मार्च, 2028 से की जाएगी।

28.14.2 ब्याज की बाजार दर से कम के सरकारी ऋण का लाभ सरकारी अनुदान माना जाता है। ब्याज मुक्त ऋण को इंड एएस–109 वित्तीय लिखत के अनुसार मान्यता दी जाती है तथा मापा जाता है। ब्याज मुक्त ऋण के लाभ का मापन इंड एएस–109 के अनुसार निर्धारित ऋण के प्रारंभिक वहन मूल्य तथा प्राप्त प्राप्तियों के मध्य अंतर के रूप में मापा जाता है। लाभ को इस मानक के अनुसार रेखांकित किया जाता है।

28.14.3 विलंबित भुगतान दायित्व – वैट ऋण एमआरपीएल द्वारा दी गई बैंक गारंटियों से प्रतिभूत है।

28.14.4 **वैट ऋण की विलंबित भुगतान देयता की चुकौती निम्नानुसार है :**

(₹ मिलियन में)

चुकौती का वर्ष	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
2027-28	132.61	-
2028-29	155.16	-
2029-30	197.76	-
कुल	**485.53**	-

28.15 अनुषंगी कंपनी ओएमपीएल के मामले में दीर्घावधि ऋण का संबंध एक्सिस बैंक से प्राप्त अप्रतिभूत आरटीएल से है जिसे सितम्बर, 2015 में पूरी तरह से चुका दिया गया था और अल्पावधि ऋण में विभिन्न बैंकों से प्राप्त औसत ब्याज भिन्न होने वाला प्रतिभूत एसटीएल शामिल है (31 मार्च, 2017 के अनुसार 9.34 प्रतिशत से 9.35 प्रतिशत प्रति वर्ष)।

28.16 अनुषंगी कंपनी ओएमपीएल के संबंध में वाणिज्यिक पत्र अप्रतिभूत स्थिर दर ऋण लिखत हैं जिनकी अवधि 30 से 180 दिवस के मध्य है।

28.17 अनुषंगी कंपनी ओएमपीएल के मामले में बैंकों से प्राप्त क्रेता ऋण विदेशी मुद्रा में दर्शाए गए स्थिर दर अप्रतिभूत ऋण हैं जिन्हें प्रत्येक 6 माह की अवधि हेतु रोल ओवर किया जाता है।

28.18 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के मामले में बैंक से विदेशी मुद्रा गैर–परिवर्तनीय ऋण अमेरिकी डालर में दर्शाया गया ऋण है जिसकी ब्याज की दर परिवर्तनशील होती है जो एक माह लिबोर जमा फैलाव होता है और इसे प्रत्येक संवितरण की तिथि से एक वर्ष के अंत में चुकाया जाना होता है।

28.19 अनुषंगी कंपनी ओएमपीएल के मामले में बैंक ऑफ बडोदा से प्राप्त अप्रतिभूत अल्पावधि विदेशी मुद्रा ऋण (एफसीएनआरे) की अवधि 6 माह की है और लागू ब्याज दर लीबोर (एक माह) जमा 0.65 प्रतिशत का फैलाव है।

28.20 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में विदेशी मुद्रा सावधि ऋण (एफसीटीएल) के ब्यौरे :

28.20.1 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में बैंक से एफसीटीएल अमेरिकी डालर में दर्शाए गए ऋण हैं जिन पर ब्याज की परिवर्तनशील दर लागू होती है जोकि एक माह लीबोर जमा फैलाव है।

28.20.2 विदेशी मुद्रा सावधि ऋण (एफसीटीएल) का चुकौती कार्यक्रम निम्नानुसार है :

(₹ मिलियन में)

चुकौती का वर्ष	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
2019-20	2,607.20	-
कुल	**2,607.20**	-

28.21 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में बैंकों से क्रेता ऋण और शिपमेंट पूर्व/पश्च निर्यात ऋण अमेरिकी डालर में दर्शाए गए ऋण हैं जिन पर ब्याज की दर परिवर्तनशील होती है जो कि एक माह की लीबोर जमा फैलाव है और यह प्रत्येक संवितरण के तिथि से एक वर्ष के भीतर चुकौती योग्य होती है।

ऊपर प्रकट किए गए चुकौती कार्यक्रम संविदात्मक नकदी बाह्य प्रवाह पर आधारित हैं और अतः ऐसे ऋणों की वहन राशि से इनका मिलान नहीं हो पाएगा जिन्हें परिशोधित लागत पर लेखांकित किया जाता है।

अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

प्रतिभूत ऋण :

28.22 **डिबेंचर**

(क) **समूह ने निम्नलिखित प्रतिभूत चुकौती योग्य गैर–परिवर्तनीय डिबेंचर जारी किए हैं :**

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) द्वारा जारी डिबेंचरों के संबंध में :

8.77 प्रतिशत गैर–परिवर्तनीय डिबेंचर 13 मार्च, 2013 को 13 मार्च, 2018 की परिपक्वता तिथि के साथ जारी किए गए थे। ये कंपनी की अहमदाबाद मे स्थित हाईस्ट्रीट–1 भवन के समूचे प्रथम तल के साथ भूमि के अविभाजित अंश की अचल संपत्ति और विशाख रिफाइनरी में मुख्यतः कुछ सयंत्र तथा मशीनरी की स्थिर परसंपत्तियों के प्रथम प्रभार पर एक पंजीकृत डिबेंचर न्यास विलेख के माध्यम से प्रथम कानूनी रेहन द्वारा प्रतिभूत थे। संगत प्रभार को संतुष्ट किया गया है। 31 मार्च, 2017 को ऐसी परिसंपत्तियों का मूल्य 11,118.70 मिलियन रूपये था।

28.23 **विदेशी मुद्रा बॉण्ड**

बॉण्ड का विवरण	जारी करने की तिथि	चुकौती की तिथि
500 मिलियन अमेरीकी डालर बाण्ड; ब्याज दर: 4 प्रतिशत प्रतिवर्ष जो छमाही रूप में देय है	12 जुलाई, 2017	12 जुलाई, 2027

28.23 **तेल उद्योग विकास बोर्ड से सावधि ऋण (प्रतिभूत)**

वर्ष के दौरान पुनर्भुगतान	राशि मिलियन रूपए में		ब्याज दर की सीमा	
	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
2017-18	-	956.90	-	7.86% -9.27%
2018-19	956.90	956.90	7.86% -9.27%	7.86% -9.27%
2019-20	611.90	611.90	7.86% -9.11%	7.86% -9.11%
2020-21	311.80	311.90	7.86% -8.09%	7.86% -8.09%
कुल	**1,880.60**	**2,837.50**		

अवा सलावास पाइपलाइन, मंगलौर हसन मैसूर एलपीजी पाइपलाइन, उरान–चकन/शिकारपुर एलपीजी पाइप लाइन और रेवाड़ी परियोजना पाइपलाइन की सुविधाओं पर प्रथम प्रभार के साथ प्रतिभूति सृजित की गई है। ऐसी परिसंपत्तियों का मूल्य 22472.40 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 21992.90 मिलियन रूपये) है। 956.90 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 956.90 मिलियन रूपये) एक वर्ष के भीतर देय हैं और उक्त को टिप्पणी 29 के अंतर्गत "दीर्घावधि ऋणों की वर्तमान परिपक्वता" के रूप में दर्शाया गया है।

28.25 **विदेशी बैंकों से सिंडिकेट ऋण (विदेशी मुद्रा में चुकौती योग्य)**

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा लिए गए ऋण के संबंध में :

निगम ने बैंकों से दीर्घावधि विदेशी मुद्रा सिंडीकेट ऋण को 3 माह की फ्लोटिंग लीबोर प्लस फैलाव पर लिया है (फैलाव श्रृंखला – 30 से 155 आधार बिंदु प्रति वर्ष)। इन ऋणों को 5 वर्ष की अवधि हेतु लिया गया है। 13022.30 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 के अनुसार 30084.60 मिलियन रूपये) एक वर्ष के भीतर चुकौती योग्य है और उक्त को टिप्पणी 29 के अंतर्गत "दीर्घावधि ऋणों की वर्तमान परिपक्वता" के रूप में दर्शाया गया है।

प्राइज पेट्रोलियम इंटरनेशनल पीटीई लिमिटेड द्वारा लिए गए ऋण के संबंध में

बैंक ऋण में 1.2 प्रतिशत + 6 माह लीबोर प्रति वर्ष का ब्याज धारित होता है (2017 में 1.2 प्रतिशत + 6 माह लीबोर प्रतिवर्ष, 2016 – 3.65 प्रतिशत + 6 माह लीबोर प्रतिवर्ष) जो 31 मार्च, 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु 2.43 प्रतिशत से 2.76 प्रतिशत के मध्य है (2017 में 2.46 प्रतिशत से 2.60 प्रतिशत प्रति वर्ष)। बैंक ऋण उपयोग तिथि की सातवीं वर्षगांठ पर 28 अक्तूबर, 2023 को चुकौती योग्य है।

28.26 **अन्य ऋण**

एचपीसीएल बॉयोफ्यूल्स लिमिटेड (एचबीएल) द्वारा लिए गए ऋण के संबंध में

वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान एसबीआई के माध्यम से ₹ 164.80 मिलियन के आसान ऋण को बिहार सरकार से प्राप्त किया गया था जिसमें 10 प्रतिशत तक की ब्याज छूट थी। वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान ₹ 33.00 मिलियन की राशि की 4 किश्तों

का भुगतान किया गया था (2016–17 – 33.00 मिलियन रूपये)। 31 मार्च, 2018 के अनुसार बिहार सरकार के आसान ऋण का शेष ₹ 98.60 मिलियन था (31 मार्च, 2017 को ₹ 131.40 मिलियन)।

वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान एसबीआई के माध्यम से ₹ 3088.00 मिलियन का सावधि ऋण प्राप्त किया गया था। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान ₹ 154.40 मिलियन की राशि की 3 किश्तों का भुगतान किया गया था (2016–17 – 115.80 मिलियन रूपये)। 31 मार्च, 2018 के अनुसार सावधि ऋण का शेष ₹ 2809.90 मिलियन था (31 मार्च, 2017 को ₹ 2962.80 मिलियन)।

भारत सरकार तथा बिहार सरकार की योजनाओं के अंतर्गत सावधि ऋण और साथ ही आसान ऋणों को भूमि, भवन तथा अचल परिसंपत्तियों के साम्य रेहन द्वारा प्रतिभूत किया जाता है। भारतीय स्टेट बैंक से कार्यशील पूंजी ऋण एक वर्ष एमसीएलआर + 0.35 प्रतिशत स्थिर फैलाव की दर पर ब्याज के साथ है और सीमा ₹ 1250.00 मिलियन है। कार्यशील पूंजी ऋण को कंपनी के स्टॉक तथा देनदारों के रेहन द्वारा प्रतिभूत किया जाता है। 31 मार्च, 2018 के अनुसार कार्यशील पूंजी ऋण शेष ₹ 1172.40 मिलियन था (31 मार्च, 2017 को ₹ 219.70 मिलियन)।

28.27 6.90 प्रतिशत तेल विपणन कंपनी भारत सरकार विशेष बॉण्ड 2026 के ₹ 13786.40 मिलियन 7.59 प्रतिशत जी–सेक बॉण्ड 2026 के ₹ 1830.00 मिलियन 7.72 प्रतिशत जी–सेक बॉण्ड 2025 के ₹ 6150.00 मिलियन 8.33 प्रतिशत जी–सेक बॉण्ड 2026 ₹ 1800.00 मिलियन और 8.15 प्रतिशत जी–सेक बॉण्ड 2016 के ₹ 2750.00 मिलियन सीबीएलओ ऋण के प्रति क्लीयरिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ रेहन रखे गए हैं।

29. अन्य वित्तीय देयताएं

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
एचपीसीएल के अधिग्रहण हेतु देयता (देखें टिप्पणी सं. 29.7)	-	-	-	3,69,150.00
दीर्घकालिक ऋण की चालू परिपक्वता (देखें टिप्पणी सं. 29.5)	-	49,116.42	-	56,294.83
उपार्जित ब्याज परन्तु ऋण पर देय नहीं	-	1,314.42	-	1,099.22
उपार्जित ब्याज परन्तु बाण्ड/डिबेंचर पर देय नहीं	-	2,861.48	-	2,671.98
परिपक्व डिबेंचर पर अदावाकृत ब्याज (देखें टिप्पणी सं. 29.2)	-	0.01	-	0.01
अदावाकृत लाभांश (देखें टिप्पणी सं. 29.1)	-	467.96	-	433.16
एफवीटीपीएल पर मापी गई व्युत्पन्न देयताएं (देखें टिप्पणी सं. 29.4)	1,093.78	199.42	1,425.74	17.46
पूँजीगत वस्तुओं हेतु देयता (देखें टिप्पणी सं. 29.3)	64.03	33,474.54	64.03	25,181.40
आपूर्तिकर्ताओं एवं ग्राहकों से प्राप्त जमा राशि (देखें टिप्पणी सं. 29.6)	50.81	127,241.91	33.62	113,913.97
कर्मचारियों हेतु देयता	-	20,919.54	-	12,566.87
पीआरबीएस हेतु देयता	-	1,161.42	-	1,078.65
प्रचालकों को देय नकदी आमंत्रण	-	21,273.56	-	22,388.20
पक्षों से कटौती की गई परिसमाप्त क्षतियां	1.68	36,655.48	1.68	29,116.04
गैर–रीकोर्स विलंबित ऋण	-	372.29	-	371.89
वित्त पट्टों हेतु देयता	-	3,922.49	-	5,264.17
विलंबित सरकारी अनुदान	-	-	-	-
अन्य देयताएं (देखें टिप्पणी सं. 29.8)	6,099.72	23,375.49	796.08	22,009.00
कुल अन्य वित्तीय देयताएं	**7,310.02**	**322,356.43**	**2,321.15**	**661,556.85**

29.1 निवेशक शिक्षा और बचाव निधि में जमा हेतु कोई राशि देय नहीं है।

29.2 परिपक्व डिबेंचर पर देय ब्याज को दर्शाता है।

29.3 मूल्य कमी खंड

अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में पूंजीगत वस्तुओं के प्रति देय में 186.78 मिलियन रूपये(31 मार्च, 2017 को 988.40 मिलियन रूपये) शामिल हैं जो मूल्य कमी खंड के अनुपालन में वेंडरों से रोकी गई राशि है जिसका निपटान ऐसे वेंडरों के साथ कार्यवाहियों को अंतिम रूप देने पर किया जाएगा। जब रोकी गई राशियों को अंततः अंतिम रूप दिया जाता है तो संबंधित समायोजन संदर्शी रूप से संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण को किया जाता है।

29.4 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में कंपनी ने मूलधन की राशि में से 105 मिलियन यूरो को कवर करने वाली अग्रगामी संविदाएं की थी जो फरवरी/मार्च, 2017 में 2.75 प्रतिशत यूरो 525 मिलियन बॉण्ड द्वारा की गई थी।

3700 मिलियन रूपये के डिबेंचर हेतु अंतर मुद्रा अदला–बदली संविदाएं और यूरो 525 मिलियन अप्रतिभूत यूरो बॉण्ड हेतु की गई अग्रगामी संविदाएं व्युत्पन्न देयताओं से संबंधित हैं।

29.5 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल संबंध में दीर्घावधि ऋण की वर्तमान परिपक्वता के प्रति प्रदर्शित राशि में एक वर्ष के भीतर चुकौती योग्य ऋण शामिल है – विदेशी बैंकों से सिंडीकेट ऋण (विदेशी मुद्रा में चुकौती योग्य) जिसकी राशि 13022.30 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2107 को 30084.60 मिलियन रूपये), गैर–परिवर्तनीय डिबेंचर शून्य (31 मार्च, 2017 को 9750.00 मिलियन रूपये), तेल उद्योग एवं विकास बोर्ड से 956.90 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 956.90 मिलियन रूपये) का ऋण और 187.40 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 187.40 मिलियन रूपये) के अन्य ऋण शामिल हैं।

29.6 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में मुख्यतः सिलेंडरों के प्रति उपभोक्ताओं/डीलरों से प्राप्त जमा के सार तथा प्रकृति के आधार पर ऐसे जमा को वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान गैर–वर्तमान वित्तीय देयताएं शीर्ष के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया था। बाद में वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान उक्त वर्गीकरण पर नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक से एक निदेश प्राप्त हुआ था। उक्त के मद्देनजर संबंधित जमा को वर्तमान वित्तीय देयताओं के रूप में पुनः वर्गीकृत किया गया है। इस वर्गीकरण का अवधि हेतु लाभ पर कोई प्रभाव नहीं हुआ है। भारतीय सनदी लेखाकर संस्थान की विशेषज्ञ परामर्शी समिति से मामले में मत मांगा गया है जो प्रतीक्षित है। इसमें राजीव गांधी ग्रामीण एलपीजी वितरक योजना और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के प्रति प्राप्त की गई 15578.60 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 9416.10 मिलियन रूपये) की राशि के जमा शामिल हैं। इन योजनाओं के प्रति जमा को सीएसआर निधि अथवा भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है।

29.7 इंड एएस 103 "व्यापार संयोजन" के परिशिष्ट ग के अनुपालन में 31 मार्च, 2017 के अनुसार समेकित तुलन–पत्र को पुनः बताया गया है। तदनुसार, 31 जनवरी, 2018 को देय 369150.00 मिलियन रूपये की एचपीसीएल की खरीद हेतु कुल नकदी मूल्य को 31 मार्च, 2017 को वर्तमान देयता माना गया है।

29.8 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में प्रतिभागिता हित को संशोधित पुनः बताए गए एसीजी पीएसए, संशोधित जेओए और अन्य संबंधित समझौते/समझौता शीर्ष (एचओए) आदि के अनुसार प्रतिभागिता हित को 2.7213 प्रतिशत से संशोधित करके 2.31 प्रतिशत कर दिया गया है और (1 जनवरी, 2017 की प्रभावी तिथि से) अजरबेजान की राष्ट्रीय तेल कंपनी सॉकर के साथ सभी भागीदारों द्वारा संयुक्त रूप से सहमति हुए के अनुसार दिसम्बर, 2049 तक एसीजीपीएसए को विस्तार प्रदान किया गया है। 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के दौरान उक्त हेतु परिसंपत्तियों, देयताओं, राजस्व तथा व्यय में कंपनी के अंश में आवश्यक समायोजन किए गए हैं और देयताओं को 1 जनवरी, 2017 से प्रतिभागिता में हित में कमी के कारण सॉकर को देय राशि के संबंध में 1 जनवरी, 2017 से 5813.65 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को शून्य रूपये) की राशि के संबंध में देयता को मान्यता दी गई है।

29.9 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के संबंध में प्रकटीकरण

(₹ मिलियन में)

विवरण (अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में)	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
क. वर्ष के अंत में किसी आपूर्तिकार को अदा किए जाने हेतु शेष तत्संबंधी मूलधन राशि	4.07	10.67
ख. वर्ष के अंत में किसी आपूर्तिकार को अदा किए जाने हेतु शेष तत्संबंधी ब्याज राशि	-	-
ग. क्रेता द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अंतर्गत अदा की गई ब्याज की राशि, और साथ में वर्ष के दौरान निर्धारित दिवस से परे आपूर्तिकार को किए गए भुगतान की राशि	-	-
घ. भुगतान करने में विलंब की अवधि हेतु देय तथा अदा किए जाने वाले ब्याज की राशि (जिसे वर्ष के दौरान निर्धारित दिवस के पश्चात अदा किया गया है) परन्तु सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अंतर्गत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना	-	-
ड. वर्ष के अंत में प्रोदभूत तथा अदा किए जाने हेतु ब्याज की शेष राशि; और	-	-
च. आगे के वर्षों में शेष रहने वाली तथा अदा की जाने वाली और ब्याज की राशि की मात्रा जब तक कि ऐसी तिथि को देय ब्याज वास्तव में छोटे उद्यम हेतु सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 23 के अंतर्गत कटौती योग्य व्यय को अस्वीकृत करने के प्रयोजन हेतु लघु उद्यम को वास्तव में अदा न किए जाए	-	-

30. प्रावधान

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान (देखे टिप्पणी सं. 46)				
सेवानिवृत्ति पश्च चिकित्सा और अंतिम लाभों हेतु	36,857.61	1,805.05	36,341.43	1,619.43
लिए न गए अवकाश और प्रतिपूरक अनुपस्थिति	1,179.88	20,444.96	2,391.44	25,151.42
नियमित कर्मचारियों हेतु उपदान	36.68	144.82	30.59	8,597.79
आकस्मिक कर्मचारियों हेतु उपदान	63.68	8.67	73.16	5.62
अन्यों हेतु प्रावधान				
बंद किए जाने हेतु प्रावधान (देखें टिप्पणी सं. 30.4)	213,862.93	6,365.95	192,309.00	1,289.02
अन्य प्रावधान (देखें टिप्पणी सं. 30.1 तथा 30.2)	0.72	14,670.18	0.68	12848.70
कुल प्रावधान	**252,001.50**	**43,439.63**	**231,146.30**	**49,511.98**

30.1 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में अन्य प्रावधानों में अंतिम स्टाक पर उत्पाद शुल्क हेतु प्रावधान शामिल है। कंपनी ने 31 मार्च, 2018 को 3,993.55 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 2,797.68 मिलियन रूपये) की स्टाक में पड़ी वस्तुओं की स्वीकृति पर देय उत्पाद शुल्क के अनुमानन हेतु व्यापक डिग्री पर आधारित प्रावधान का अनुमान लगाया है। यह प्रावधान फैक्ट्री परिसर से वस्तुओं को हटाए जाने पर निपटान किए जाने की प्रत्याशा है।

30.2 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में अन्य प्रावधान में 31 मार्च, 2018 को 1,681.43 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 1,621.25 मिलियन रूपये) की न्यूनतम कार्य कार्यक्रम प्रतिबद्धता हेतु प्रावधान शामिल है, जिन्हें एरिया 43, लीबिया और ब्लाक सतपायेव, कजाकिस्तान के संबंध में सृजित किया गया है।

30.3 अन्यों हेतु संचलन का प्रावधान

(₹ मिलियन में)

विवरण	बंद किए जाने हेतु प्रावधान		अन्य प्रावधान	
	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
वर्ष के प्रारंभ में शेष	**193,598.02**	**191,393.44**	**12,849.38**	**13,417.49**
वर्ष के दौरान माना गया	8,094.20	11,138.71	5,602.73	3,094.82
वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	(257.44)	(1,568.54)	(2,800.66)	(3,510.16)
छूट की समाप्ति	11,780.57	12,128.16	-	-
वर्ष के दौरान पश्चलेखित	(2,035.64)	(20,048.04)	(1,152.71)	(15.73)
पुनः मापन/ पुनः वर्गीकरण का प्रभाव	8,734.51	(313.56)	138.64	(70.42)
विनिमय अंतर का प्रभाव	314.66	867.85	33.52	(66.63)
वर्ष के अंत में शेष	**220,228.88**	**193,598.02**	**14,670.90**	**12,849.38**

30.4 समूह तेल तथा गैस परिसंपत्तियों को उनके आर्थिक जीवनकाल की समाप्ति पर आगे बंद किए जाने हेतु इंड एएस 37 "प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां" के सिद्धांतों के अनुसार चालू न किए जाने हेतु प्रावधानों का अनुमान लगाता है। इनमें से अधिकांश बंद किए जाने के क्रियाकलाप भविष्य में होंगे, हटाए जाने की घटनाओं के समय पूरा की जाने वाली सटीक आवश्यकताओं में अनिश्चितता शामिल हो सकती है। बंद किए जाने हेतु प्रौद्योगिकी तथा लागतों में लगातार बदलाव हो रहे हैं। भविष्य के नकदी प्रवाहों का समय तथा राशि काफी अनिश्चिततापूर्ण है। तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के आर्थिक जीवनकाल का अनुमान संगत तेल तथा गैस परिसपंत्ति की दीर्घावधि उत्पादन प्रोफाइल के आधार पर अनुमानित किया जाता है। भविष्य के व्ययों के समय तथा राशि की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में वर्तमान लागत अनुमानों की वृद्धि हेतु मुद्रास्फीति की दर तथा नकदी प्रवाहों की छूट में प्रयुक्त ब्याज दरों के साथ की जाती है।

30.5 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में यह वित्तीय विवरणों को क्रियात्मक मुद्रा से प्रस्तुतिकरण वाली मुद्रा में परिवर्तन के कारण विनिमय अंतरों को प्रदर्शित करता है। देखें टिप्पणी 3.2.1 तथा 5.1(क)।

31. विलंबित कर देयताएं (निवल)

तुलन–पत्र में प्रस्तुत विलंबित कर परिसंपत्तियों/(देयताओं) का विश्लेषण निम्नवत है :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
विलंबित कर परिसंपत्तियां	160,299.73	148,867.81
विलंबित कर देयताएं	558,369.28	501,039.47
निवल विलंबित परिसंपत्तियां (देयताएं)	**(398,069.55)**	**(352,171.67)**

(₹ मिलियन में)

वर्ष 2017–18 हेतु विवरण	प्रारंभिक शेष	लाभ एवं हानि लेखे में मान्यता प्रदान किए गए	अन्य व्यापक आय में मान्यता दिए गए	विनिमय अंतरों का प्रभाव	अंतिम शेष
विलंबित कर (देयताओं)/परिसंपत्तियों के संबंध में :					
विलंबित कर परिसंपत्तियां					
दावा न किए गए पश्चलेखित अन्वेषणात्मक कुएं	36,707.93	(2,840.57)	-	-	33,867.36
आय के अंतर्गत गैर–अनुमेय क्षतियां/व्यय	25,679.89	53.73	-	13.69	25,747.31
ईआईआर का उपयोग करते हुए परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां	1,434.31	(239.72)	-	-	1,194.59
परित्याग हेतु प्रावधान	-	-	-	-	-
अतिरिक्त लाभ पेट्रोलियम और ब्याज के प्रति प्रावधान – रव्वा	-	-	-	-	-
आय कर के अंतर्गत गैर–अनुमेय व्यय	4,467.21	354.94	50.90	-	4,873.05
अमूर्त परिसंपत्तियां	-	8,617.41	-	-	8,617.41
एफवीटीपीएल वित्तीय परिसंपत्तियां	169.16	-	-	-	169.16
एफवीटीओसीआई पर वित्तीय परिसंपत्तियां	83.03	-	-	-	83.03
निर्धारित लाभ बाध्यता	1,738.79	-	494.99	-	2,233.78
पुनः प्रतिपूर्ति व्यय	287.88	(287.88)	-	-	-
वर्तमान निवेश	893.85	98.20	-	-	992.05
मैट क्रेडिट पात्रता	19,059.48	(1,754.45)	-	(1.34)	17,303.69
अग्रेनीत कर हानियां/मूल्यह्रास	56,838.56	(344.52)	-	42.77	56,536.81
अन्य	1,507.72	8,543.08	(19.30)	(1,350.00)	8,681.49
कुल परिसंपत्तियां	**148,867.81**	**12,200.22**	**526.59**	**(1,294.88)**	**160,299.73**
विलंबित कर देयताएं					
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	414,743.24	28,700.35	-	(392.91)	443,050.68
प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं	42,790.74	17,725.64	-	-	60,516.38
प्रगतिधीन विकास कुएं	8,547.85	(1,292.25)	-	-	7,255.60
अमूर्त परिसंपत्तियां	241.53	(238.08)	-	-	3.45
ईआईआर का उपयोग करते हुए परिशोधित लागत पर वित्तीय देयताएं	1.36	0.37	-	-	1.73
एफवीटीओसीआई पर इक्विटी शेयरों निवेश के संबंध में उचित मूल्य लाभ	-	-	13,313.51	-	13,313.51
विदेशी कर	25,251.30	(3,354.58)	-	3.91	21,900.63
विदेशी प्रचालनों के वित्तीय विवरणों के परिवर्तन पर विनिमय अंतर (देखें टिप्पणी सं. 31.6)	4,011.55	-	(350.23)	-	3,661.32
एफपीटीओसीआई पर वित्तीय देयताएं	-	-	-	-	-
प्राप्त न किए गए लाभों का कर समायोजन	(1,539.44)	415.23	-	-	(1,124.21)
अवितरित लाभ पर लाभांश वितरण कर (एसोसिएट)	2,358.77	503.10	0.38	-	2,862.25
अवितरित आय	2,665.31	1,495.41	-	-	4,160.72
अन्य	1,967.26	799.95	-	-	2,767.21
कुल देयताएं	**501,039.47**	**44,755.14**	**12,963.66**	**(389.00)**	**558,369.28**
निवल विलंबित कर देयताएं	**352,171.67**	**32,554.92**	**12,437.07**	**905.88**	**398,069.55**

(₹ मिलियन में)

वर्ष 2017–18 हेतु विवरण	प्रारंभिक शेष	लाभ एवं हानि लेखे में मान्यता प्रदान किए गए	अन्य व्यापक आय में मान्यता दिए गए	विनिमय अंतरों का प्रभाव	अंतिम शेष
विलंबित कर (देयताओं)/परिसंपत्तियों के संबंध में :					
विलंबित कर परिसंपत्तियां					
दावा न किए गए पश्चलेखित अन्वेषणात्मक कुएं	33,402.98	3,304.95	-	-	36,707.93
आयकर के अंतर्गत गैर–अनुमेय क्षतियां/व्यय	26,688.78	(854.64)	-	(154.25)	25,679.89
ईआईआर का उपयोग करते हुए परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां	1,434.31	-	-	-	1,434.31
परित्याग हेतु प्रावधान	-	-	-	-	-
अतिरिक्त लाभ पेट्रोलियम और ब्याज के प्रति प्रावधान – रव्वा	-	-	-	-	-
आय कर के अंतर्गत गैर–अनुमेय व्यय	4,030.26	411.43	25.52	-	4,467.21
एफवीटीपीएल वित्तीय परिसंपत्तियां	31.63	137.53	-	-	169.16
एफवीटीओसीआई पर वित्तीय परिसंपत्तियां	-	83.03	-	-	83.03
निर्धारित लाभ बाध्यता	157.39	-	1,581.40	-	1,738.79
पुनः प्रतिपूर्ति व्यय	287.88	-	-	-	287.88
वर्तमान निवेश	1,667.82	(773.97)	-	-	893.85
मैट क्रेडिट पात्रता	7,912.39	11,175.85	-	(28.76)	19,059.48
अग्रेनीत कर हानियां/मूल्यह्रास	62,496.23	(6,219.53)	27.96	533.90	56,838.56
अन्य	1,565.53	(19.33)	-	(38.48)	1,507.72
कुल परिसंपत्तियां	**139,675.18**	**7,245.33**	**1,634.88**	**312.41**	**148,867.81**
विलंबित कर देयताएं					
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	362,028.98	53,896.73	-	(1,182.47)	414,743.24
प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं	41,043.46	1,747.28	-	-	42,790.74
प्रगतिधीन विकास कुएं	10,846.05	(2,298.20)	-	-	8,547.85
अमूर्त परिसंपत्तियां	156.31	85.22	-	-	241.53
एफवीटीपीएल वित्तीय देयताएं	8.37	(7.01)	-	-	1.36
विदेशी कर	25,899.07	(64.50)	-	(583.27)	25,251.30
विदेशी प्रचालनों के वित्तीय विवरणों के परिवर्तन पर विनिमय अंतर (देखें टिप्पणी सं. 31.6)	8,726.85	-	4,011.55	(8,726.85)	4,011.55
एफपीटीओसीआई पर वित्तीय देयताएं	-	-	-	-	-
प्राप्त न किए गए लाभों का कर समायोजन	-	(1,539.44)	-	-	(1,539.44)
अवितरित लाभ पर लाभांश वितरण कर (एसोसिएट)	1,739.38	619.85	(0.46)	-	2,358.77
अवितरित आय	1,453.90	1,211.41	-	-	2,665.31
अन्य	1,988.41	(21.17)	-	-	1,967.24
कुल देयताएं	**453,890.77**	**53,630.18**	**4,011.09**	**(10,492.59)**	**501,039.47**
निवल विलंबित कर देयताएं	**314,215.59**	**46,384.85**	**2,376.21**	**(10,805.00)**	**352,171.67**

31.1 उक्त में नीचे समेकित किए गए विभिन्न घटकों/निकायों के संबंध में 16,989.89 मिलियन रूपये (मार्च, 2017 में 15,458.12 मिलियन रूपये) की निवल विलंबित कर परिसंपत्ति और 4,15,059.44 मिलियन रूपए (31 मार्च, 2017 को 3,67,629.79 मिलियन रूपये) की निवल विलंबित कर देयता शामिल है :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
ओएनजीसी की निवल विलंबित कर देयता	264,139.22	279,842.58
ओवीएल की निवल विलंबित कर देयता	78,593.57	79,118.66
ओएनजीबीवी की निवल विलंबित कर देयता	2,588.11	3,342.00
ओवीएआई की निवल विलंबित कर देयता	5.70	8.03
ओवीएसएल की निवल विलंबित कर देयता	782.35	551.89
एमआरपीएल की निवल विलंबित कर देयता	902.24	4,766.63
एचपीसीएल की निवल विलंबित कर देयता	68,048.25	-
समेकित निवल विलंबित कर देयता	**415,059.44**	**367,629.79**
ओएनजीबीवी की निवल विलंबित कर परिसंपत्ति	16,954.55	12,155.61
ओएमपीएल की निवल विलंबित कर परिसंपत्ति	-	3,106.87
एमआरपीएल की निवल विलंबित कर परिसंपत्ति	-	-
पीएमबीएचएल की निवल विलंबित कर परिसंपत्ति	35.34	195.64
समेकित निवल विलंबित कर परिसंपत्ति	**16,989.89**	**15,458.12**

31.2 विलंबित कर परिसंपत्तियों को उस सीमा तक मान्यता दी जाती है कि जहाँ तक यह संभाव्य हो कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके प्रति कटौती योग्य अस्थायी अंतरों, समाहित न किए गए मूल्यह्रास के कैरीफार्वड और अप्रयुक्त कर हानियों का उपयोग किया जा सके। तदनुसार, समूह ने कटौती योग्य अस्थायी अंतरों, समाहित न किए गए मूल्यह्रास के कैरीफार्वड और अप्रयुक्त कर हानियों के संबंध में शून्य रूपये (पिछले वर्ष शून्य रूपये) की विलंबित कर परिसंपत्तियों को मान्यता नहीं दी है क्योंकि यह संभावना नहीं है कि कर योग्य लाभ भविष्य में उपलब्ध होंगे।

31.3 समूह ने पारेषित न की गई प्रतिधारित आयों के संबंध में विलंबित कर देयताओं को और इसकी अनुषंगी कंपनियों तथा संयुक्त उद्यमों के संबंध में संबद्ध विदेशी मुद्रा परिवर्तन आरक्षितों को मान्यता नहीं दी है जहां समूह लाभों के वितरण के समय को नियंत्रित करने की स्थिति में है और यह संभाव्यता है कि अनुषंगी कंपनियां और संयुक्त उद्यम निकट भविष्य में लाभ वितरित नहीं करेंगे। साथ ही समूह अपनी अनुषंगी कंपनियों तथा संयुक्त उद्यमों की पारेषित न की गई प्रतिधारित आय पर विलंबित कर देयताओं को मान्यता प्रदान नहीं करता है जहां यह मानता है कि यह इसके लाभांश वितरण पर अनुषंगी कंपनियों द्व ारा देय लाभांश वितरण कर हेतु कर क्रेडिट को प्राप्त कर सकता है। पारेषित अर्जन और संबद्ध विदेशी मुद्रा आरक्षित से संबंधित कर योग्य अस्थायी अंतर 477,046.04 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 342,827.06 मिलियन रूपये) के हैं। उक्त के वितरण पर संबंधित समूह निकाय के प्रचालन के क्षेत्राधिकार में 31 मार्च 2018 को लागू कर दर पर निर्भर करते हुए शून्य से 30.26 प्रतिशत के मध्य कर आकर्षित करने की प्रत्याशा है।

31.4 समूह ने अनुषंगी कंपनी और संयुक्त उद्यम के वसूल न किए गए लाभ और एसोसिएट की पारेषित न की गई प्रतिधारित आय के संबंध में विलंबित कर देयताओं को मान्यता प्रदान की है जहां समूह लाभ के वितरण के समय को नियंत्रित करने की स्थिति में नहीं है। अनुषंगी कंपनियों तथा संयुक्त उद्यम के वसूल न किए गए लाभों के संबंध में संबद्ध कर योग्य अस्थायी अंतर और एसोसिएट हेतु पारेषित न की गई आय जिसके लिए 2864.10 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 2,358.77 मिलियन रूपये) की सीमा तक विलंबित कर देयता का सृजन किया गया है।

31.5 अनुषंगी कंपनी ओएमपीएल के संबंध में कंपनी एक एसईजेड यूनिट होने के चलते आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10एए के अंतर्गत कुछ छूटों हेतु पात्र है। तदनुसार अप्रयुक्त कर हानियों तथा अप्रयुक्त कर क्रेडिट पर विलंबित कर परिसंपत्तियों की पहचान इस सीमा तक की गई है कि यह संभावना है कि भविष्य का कर योग्य लाभ निम्नलिखित पर विचार करते हुए उपलब्ध होगा (1) इसके प्रमुख उत्पाद नामतः पैराजाइलीन हेतु ग्राहकों के साथ की गई प्रतिबद्ध दीर्घावधि उठान व्यवस्था (2) अन्य उत्पादों नामतः पैराफीनिक रैफीनेट, हाइड्रोजन और डी एथेनाइजर कॉलम बॉटम लिक्विड की बिक्री हेतु मूल कंपनी के साथ व्यवस्थाएं (3) मूल कंपनी के साथ फीड स्टाक की खरीद हेतु मूल्यनिर्धारण शर्तों का संशोधन (4) क्षमता उपयोग में वृद्धि करने के लिए अन्य तेल कंपनियों से नाफ्था की खरीद हेतु व्यवस्थाएं (5) एरोमेटिक परिसर की एरोमीटिक फीड स्टाक आवश्यकता में वृद्धि करने के लिए स्रोत को रीफार्मेट करने हेतु मूल कंपनी के साथ व्यवस्था (6) ईंधन आवश्यकता हेतु प्राकृतिक गैस के स्रोत के लिएगैस अथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ गैस परिवहन हेतु समझौता।

31.6 अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों को अमेरिकी डालर से समूह की प्रस्तुतिकरण मुद्रा "भारतीय रूपये" में परिवर्तित किए जाने के कारण अंतरों को दर्शाता है। देखें टिप्पणी 3.21 और 5.1(क)।

32. अन्य देयताएं

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	गैर–वर्तमान	वर्तमान	गैर–वर्तमान	वर्तमान
सांविधिक भुगतान हेतु देयता	-	50,559.39	-	49,056.74
ग्राहकों से अग्रिम	-	8,282.31	-	8,049.40
विलंबित सरकारी अनुदान (देखें टिप्पणी सं. 32.1, 32.2, 7.3.7 और 28.14.2)	11,409.98	227.50	7,860.41	43.91
गैस बिक्री पर विलंबित क्रेडिट (देखें टिप्पणी सं. 32.3)	-	888.54	-	723.56
अन्य देयताएं	398.11	6,715.74	228.89	5,988.02
कुल	**11,808.09**	**66,673.48**	**8,089.30**	**63,861.63**

32.1 ताप्ती ए श्रृंखला परिसंपत्तियों, सुविधाएं तथा माल–सूची के संबंध में ₹ 7,615.73 मिलियन की राशि शामिल है जो पीएमटी संयुक्त प्रचालन की परिसंपत्तियों का हिस्सा थी और जिन्हें संयुक्त उद्यम समझौते के निबंधन एवं शर्तों के अनुसार भारत सरकार को संयुक्त उद्यम द्वारा अभ्यर्पित किया गया था। वर्ष के दौरान इन परिसंपत्तियों तथा सुविधाओं को भारत सरकार द्वारा कंपनी को निशुल्क इसके नामिति के रूप में अंतरित किया गया है। कंपनी ने एक तृतीय पक्ष एजेंसी द्वारा दी गई मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर उक्त परिसंपत्तियों तथा सुविधाओं का उचित मूल्य ₹ 7,156.89 मिलियन आकलित किया है जिसे प्रगतिधीन पूंजीगत कार्य के रूप में तथा विलंबित सरकारी अनुदान के रूप में एक तदनुरूपी देयता के तौर पर लेखांकित किया गया है। ₹ 458.84 मिलियन मूल्य की माल–सूची को विलंबित सरकारी अनुदान की तदनुरूपी देयता के साथ लेखांकित किया गया है।

32.2 अनुसंधान एवं विकास के पूंजीगत व्यय की प्रतिपूर्ति के चलते 8.31 मिलियन रूपये (पिछले वर्ष 8.57 मिलियन रूपये) शामिल हैं।

32.3 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में गैस बिक्री पर विलंबित क्रेडिट गैस उपभोक्ताओं से संगत गैस बिक्री समझौतों के अंतर्गत "ले जाओ या भुगतान करो" के प्रति प्राप्त राशियों को दर्शाता है। राशियों का उपयोग आगे के वर्षों में निशुल्क गैस की आपूर्ति करने हेतु किया जाएगा।

33. व्यापार देय

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
व्यापार देय	265,506.87	240,137.87
कुल	**265,506.87**	**240,137.87**

33.1 व्यापार देय – सूक्ष्म और लघु उद्यमों के कुल बकाया देय*

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
क. वर्ष के अंत में किसी आपूर्तिकार को अदा किए जाने हेतु शेष तत्संबंधी मूलधन राशि	2,193.46	428.99
ख. वर्ष के अंत में किसी आपूर्तिकार को अदा किए जाने हेतु शेष तत्संबंधी ब्याज राशि	-	-
ग. क्रेता द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अंतर्गत अदा की गई ब्याज की राशि, और साथ में वर्ष के दौरान निर्धारित दिवस से परे आपूर्तिकार को किए गए भुगतान की राशि	-	-

विवरण	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
घ. भुगतान करने में विलंब की अवधि हेतु देय तथा अदा किए जाने वाले ब्याज की राशि (जिसे वर्ष के दौरान निर्धारित दिवस के पश्चात अदा किया गया है) परन्तु सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अंतर्गत निर्दिष्ट ब्याज को नहीं जोड़ा गया है	-	-
ङ वर्ष के अंत में प्रोदभूत तथा अदा किए जाने हेतु ब्याज की शेष राशि; और	-	-
च. आगे के वर्षों में शेष रहने वाली तथा अदा की जाने वाली और ब्याज की राशि की मात्रा जब तक कि ऐसी तिथि को देय ब्याज वास्तव में छोटे उद्यम हेतु सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 23 के अंतर्गत कटौती योग्य व्यय को अस्वीकृत करने के प्रयोजन हेतु लघु उद्यम को वास्तव में अदा न किए जाए	-	-

**विक्रेताओं की पुष्टी पर आधारित*

33.2 व्यापार देय के प्रति भुगतान संविदा/क्रय आदेशों के निबंधन एवं शर्तों के अनुसार किया जाता है। औसत क्रेडिट अवधि 21 से 30 दिवस की है।

33.3 अनुषंगी एमआरपीएल के संबंध में खनिज तेल, भण्डार तथा कलपुर्जों, अन्य कच्चे माल, सेवाओं आदि के संबंध में औसत क्रेडिट अवधि 15 से 60 दिवस की है तत्पश्चात, बकाया शेष पर संबंधित समझौतों के अनुसार संगत बैंक रेट पर 6.75 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक ब्याज प्रभारित किया जाता है। कंपनी की सभी देयताओं का भुगतान पूर्व सहमत क्रेडिट शर्तों के अनुसार किए जाने को सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय जोखिम प्रबंधन नीतियां मौजूद हैं।

34. कर देयताएं/परिसंपत्तियां (निवल)

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर–वर्तमान कर परिसंपत्तियां		
भुगतान किया गया कर	473,217.98	469,099.28
गैर–वर्तमान कर देयताएं		
देय आयकर	364,904.25	370,379.00
कुल (निवल)	**108,313.73**	**98,720.28**

वर्तमान कर परिसंपत्तियां

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वर्तमान कर परिसंपत्तियां		
पूर्व अवधि में अदा किए गए करों की वसूली के लिए पीछे ले जाई गई	7,279.62	-
प्राप्त कर प्रतिदाय	-	-
अन्य	-	-
	7,279.62	-
वर्तमान कर देयताएं		
अदा किया जाने वाला आयकर	6,995.74	-
अन्य	-	-
	6,995.74	-
कुल (निवल)	**283.88**	-

वर्तमान कर देयताएं (₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वर्तमान कर देयताएं		
देय आयकर	101,036.30	96,078.31
घटाएं :		
वर्तमान कर देयताएं		
प्राप्य कर प्रतिदाय	91,552.24	87,128.12
कुल (निवल)	**9,484.06**	**8,950.19**

35. प्रचालनों से राजस्व

वर्ष हेतु प्रचालनों से समूह के राजस्व का विश्लेषण निम्नलिखित है : (₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
क. उत्पादों की बिक्री (देखें टिप्पणी सं. 35.1, 35.4 और 35.5)		
उत्पादों की बिक्री (उत्पाद शुल्क सहित)	3,620,044.16	3,253,501.61
घटाएं : प्रगतिधीन कुओं में अंतरण	40.87	359.12
घटाएं : पेट्रोलियम लाभ में भारत सरकार का अंश	21,213.86	20,393.22
कुल	**3,598,789.43**	**3,232,749.27**
ख. अन्य प्रचालन राजस्व		
संविदात्मक कम मात्रा में उठाई गई गैस से प्राप्तियां	176.63	510.87
पाइपलाइन परिवहन प्राप्तियां	2,960.03	3,128.86
पूर्वोत्तर गैस सबसिडी (टिप्पणी सं. 35.3)	1,555.87	1,897.46
उत्पादन बोनस	1,021.84	60.34
विद्युत की बिक्री	615.99	700.02
प्रसंस्करण प्रभार	1,038.03	815.08
अन्य प्राप्तियां (टिप्पणी सं. 35.6)	16,304.01	16,800.31
कुल	**23,672.40**	**23,912.94**
प्रचालनों से कुल राजस्व	**3,622,461.83**	**3,256,662.21**

35.1 वर्ष के दौरान समूह द्वारा तेल विपणन कंपनियों को कोई सब्सिडी छूट नहीं दी गई थी।

35.2 नामित खनिज तेल से राजस्व (सिवाय पूर्वोत्तर खनिज तेल के) पहले से ही हस्ताक्षरित खनिज तेल बिक्री समझौतों (सीओएसए) के अनुसार होता है और इसे 01 अप्रैल, 2010 से प्रभावी किया गया है। असम में उत्पादित खनिज तेल हेतु बिक्री राजस्व पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा मुहैया करवाए गए मूल्य निर्धारण सूत्र पर आधरित होता है।

35.3 ''नए घरेलू प्राकृतिक गैस मूल्य निर्धारण दिशा–निर्देश, 2014'' के अनुसार प्राकृतिक गैस का बिक्री राजस्व 1 अप्रैल, 2017 से 30 सितम्बर, 2017 तक और 1 अक्तूबर, 2017 से 31 मार्च, 2018 तक की अवधि के लिए भारत सरकार द्वारा अधिसूचित (जीसीवी आधार पर) क्रमशः 2.48/एमएमबीटीयू और 2.89/एमएमबीटीयू है। पूर्वोत्तर में गैस उपभोक्ताओं हेतु उपभोक्ता मूल्य, घरेलू गैस मूल्य का 60 प्रतिशत है और घरेलू गैस मूल्य तथा उपभोक्ता मूल्य के मध्य अंतर का भुगतान कंपनी को भारत सरकार के बजट के माध्यम से किया जाता है और उसे ''पूर्वोत्तर गैस आर्थिक सहायता'' के रूप में दर्शाया जाता है।

अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

35.4 उत्पाद की बिक्री ₹22291.70 मिलियन (2106–17 ₹19200.70 मिलियन) की छूट के निवल पर है और इसमें अतिरिक्त राज्य विशिष्ट लागत (एसएससी) के प्रति शून्य ₹(2016–17 ₹572.10 मिलियन रूपये) की राशि शामिल है।

35.5 वर्तमान वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान केन्द्र और राज्य सरकारों से पीडीएस केरोसीन और घरेलू सब्सिडी युक्त एलपीजी पर सब्सिडी की राशि ₹ 75.40 मिलियन (2016–17 ₹200.10 मिलियन) लेखांकित की गई है।

35.6 भारत सरकार से बजटीय सहायता हेतु ₹ 7563.40 मिलियन (2016–17 ₹ 12725.70 मिलियन) की राशि का अनुमोदन प्राप्त हुआ है और उक्त को "सब्सिडी योजनाओं के अंतर्गत वसूली" में लेखांकित किया गया है।

36. अन्य आय

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
निम्नलिखित पर ब्याज :		
बैंकों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में जमा	8,311.01	12,826.03
कर्मचारियों को ऋण	294.45	368.72
आयकर प्रतिदाय	6,164.48	3,911.59
ग्राहकों एवं अन्यों से भुगतान में विलंब	3,590.82	2,613.13
परिशोधित लागत पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियां		
अन्य निवेश	165.79	165.79
एसोसिएट को ऋण	-	0.45
स्थल पुनरूद्धार निधि जमा	10,737.93	9,684.00
कर्मचारी ऋण	1,079.29	1,101.75
एफवीटीपीएल पर वहन किए गए वर्तमान निवेश	3,709.91	3,749.17
अन्य	2,062.55	1,751.57
ओवीएल ऋण	-	-
कुल	**36,116.23**	**36,172.20**
निम्नलिखित से लाभांश आय		
अन्य निवेश	15,987.43	17,527.24
कुल	**15,987.43**	**17,527.24**
अन्य गैर प्रचालन आय		
पुनर्लेखन से क्षति	5,101.57	22,362.50
पुनर्लेखन की आवश्यकता न होने वाली देयताएं	1,382.63	1,737.50
विनिमय लाभ	2,399.21	1,300.37
सांविदात्मक प्राप्तियां	1,647.04	763.25
निवेश की बिक्री पर लाभ	0.10	326.58
गैर चालू परिसंत्तियों की बिक्री पर लाभ	-	124.07
वित्तीय लिखतों का उचित मूल्यांकन	6.24	2,226.27
विविध प्राप्तियां	12,041.09	10,691.76
कुल	**22,577.88**	**39,532.30**
कुल अन्य आय	**74,681.54**	**93,231.74**

37. तैयार वस्तुओं, व्यापार में स्टॉक और प्रगतिधीन कार्य की मालसूचियों में परिवर्तन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
अंतिम स्टॉक – तैयार वस्तुए और प्रक्रियाधीन स्टॉक	178,129.82	178,173.54
प्रारंभिक स्टॉक – तैयार वस्तुए और प्रक्रियाधीन स्टॉक	178,173.54	130,292.96
विनिमय अंतर का प्रभाव	(125.37)	33.71
माल–सूची में (वृद्धि)/कमी	**(81.65)**	**(47,846.87)**

38. तैयार वस्तुओं, व्यापार में स्टॉक और प्रगतिधीन कार्य की मालसूचियों में परिवर्तन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
रॉयल्टी	109,379.33	125,241.73
उपकर	99,637.78	89,044.63
प्राकृतिक आपदा आकस्मिक शुल्क	1,122.12	1,128.79
उत्पाद शुल्क	395,406.66	431,601.06
सेवा कर	464.48	366.90
चुंगी एवं पत्तन न्यास प्रभार	4,933.22	4,118.14
कर्मचारी व्यय	60,926.88	59,760.52
वर्क ओवर प्रचालन	23,302.66	20,185.92
जल अंतःक्षेपण, विसादन एवं विपासीकरण	12,210.10	11,885.10
कच्चा माल, भंडार एवं यंत्रांग की खपत	762,296.46	667,708.41
प्रदूषण नियंत्रण	2,379.22	2,566.43
परिवहन व्यय	6,739.74	8,658.09
बीमा	1,911.31	2,222.44
विद्युत एवं ईंधन	11,027.29	9,367.65
लीजहोल्ड किराया	8,347.53	8,084.69
मरम्मत एवं अनुरक्षण	35,569.97	35,418.96
किराया प्रभार आदि सहित संविदात्मक भुगतान	28,987.42	28,499.13
अन्य उत्पादन व्यय	33,065.12	38,417.51
उत्पादों का परिवहन एवं भाड़ा	76,595.75	69,813.72
अनुसंधान एवं विकास	5,862.25	5,918.62
सामान्य प्रशासनिक व्यय	38,425.02	43,401.22
सीएसआर पर किया गया व्यय(देखें टिप्पणी सं. 38.5 और 38.6)	6,728.11	6,296.49
अधिक मात्रा उठाने/कम मात्रा उठाने के कारण कमी/(वृद्धि)	692.04	9.43
विविध व्यय (देखें टिप्पणी सं. 38.7)	20,035.85	8,023.42
संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की बिक्री पर हानि	295.54	122.75
वित्तीय लिखतों के उचित मूल्यांकन पर हानि	957.57	1,079.77
कुल उत्पादन, परिवहन, बिक्री और वितरण व्यय	**1,747,299.42**	**1,678,941.52**

38.1 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल अपने चरण–3 प्रचालनों हेतु खनिज तेल संबंधी प्रवेश कर छूट का लाभ उठाती है जो सरकारी अनुदान के रूप में अर्हक होता है। एमआरपीएल ने ऐसे अनुदान को निवल आधार पर मान्यता प्रदान की है और यह "उपभोग की गई सामग्री की लागत" में शामिल है। खनिज तेल पर प्रवेश कर के छूट की राशि 31 मार्च, 2018 तथा 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु क्रमशः 166.76 और 563.57 मिलियन रूपये थी। और 1 जुलाई, 2017 से वस्तु एवं सेवा कर के लागू होने के चलते प्रवेश कर शुल्क ही समाप्त हो गया है।

38.2 पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 1 जनवरी, 2017 से प्रभावी होने वाले कंपनी के प्रबंधन कर्मचारियों के वेतन तथा भत्ते में संशोधन को अनुमोदित किया है। तदनुसार, प्रबंधन कर्मचारियों के संबंध में वेतन संशोधन को प्रभावी किया गया। गैर–प्रबंधन कर्मचारी वेतन संशोधन 1 जनवरी, 2017 से संशोधन हेतु देय है और कर्मचारी यूनियन के साथ विचार–विमर्श प्रगति पर है। अंतिम विचार–विमर्श लंबित होने के चलते कंपनी ने 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु 245.70 मिलियन रूपये की राशि (पिछले वर्ष 57.38 मिलियन रूपये) का वेतन संशोधन हेतु प्रावधान किया है और इसे "कर्मचारी लाभ व्यय" के अंतर्गत दर्शाया गया है।

38.3 स्वरूप–वार व्यय का ब्यौरा

(₹ मिलियन में)

विवरण	2017-18	2016-17
जनशक्ति लागत (टिप्पणी 38.4)		
(क) वेतन, मजदूरी, अनुग्रहराशि आदि	121,123.21	99,587.92
(ख) भविष्य निधि और अन्य निधियों में अंशदान	13,411.34	11,868.77
(ग) उपदान के लिए प्रावधान	2,333.61	15,089.38
(घ) छुट्टी के लिए प्रावधान (प्रतिपूरक अनुपस्थिति सहित)	3,925.91	9,235.71
(ङ) सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा और सेवांत लाभों के लिए प्रावधान	3,292.02	9,222.77
(च) कर्मचारी कल्याण व्यय	5,621.12	6,277.07
उप–जोड़	**149,707.21**	**151,281.62**
कच्चे माल, स्टोर्स और अतिरिक्त पुर्जों की खपत	806,091.06	711,784.64
उप–कर	99,637.78	89,044.63
प्राकृतिक आपदा आकस्मिक शुल्क	1,122.12	1,128.79
उत्पाद शुल्क	395,406.66	431,601.06
रॉयल्टी (टिप्पणी 55.1.2)	109,379.33	125,241.73
पोर्ट ट्रस्ट प्रभार	4,933.22	4,118.14
सेवा कर/ वस्तु एवं सेवा कर	464.48	366.90
किराया	7,608.57	7,687.66
दरें और कर	4,591.64	4,499.30
उपकरणों और वाहनों के किराया प्रभार	110,522.73	126,244.17
विद्युत, ईंधन और जल प्रभार	21,774.96	19,579.26
संविदात्मक ड्रिलिंग, लॉगिंग, वर्कओवर आदि	56,317.22	44,793.72
संविदात्मक प्रतिभूति	9,772.93	7,745.33
संविदात्मक परिवहन	62,760.43	57,812.72
भवनों की मरम्मत	1,405.99	1,573.12
संयंत्र और उपकरण की मरम्मत	22,084.87	19,695.89
अन्य मरम्मत	6,682.66	6,932.92
बीमा	2,872.28	3,117.82
दौरे/यात्रा पर किया गया व्यय	7,032.07	6,368.19
सीएसआर पर किया गया व्यय (टिप्पणी सं. 38.5 और 38.6)	6,728.11	6,296.49
अन्य प्रचालनशील व्यय *	19,765.31	19,928.71
विविध व्यय (टिप्पणी सं. 38.7)	21,261.95	26,877.87
	1,927,923.60	**1,873,720.69**
घटाएं :		
अन्वेषण, विकासात्मक वेधन, पूंजीगत कार्यों, प्राप्तियोग्य आदि को आबंटित	180,624.18	194,779.17
उत्पादन, परिवहन, बिक्री और वितरण व्यय	**1,747,299.42**	**1,678,941.52**

**अनुषंगी ओवीएल के मामले में अन्य प्रचालनशील व्यय में परियोजनाओं के संबंध में किए गए व्यय शामिल है जहां उक्त वर्णित शीर्षों में परियोजना के प्रचालक द्वारा ब्यौरा नहीं मुहैया करवाया गया है।*

38.4 समूह ने "तृतीय वेतन समीक्षा समिति रिपोर्ट" की सिफारिश के अनुसार 1 जनवरी, 2017 से वेतन में संशोधन के संबंध में एक सुविचारित प्रावधान किया है।

38.5 सीएसआर व्यय में निम्नलिखित शामिल है :

(क) समूह द्वारा वर्ष के दौरान व्यय किए जाने हेतु अपेक्षित सकल राशि ₹5,406.66 मिलियन (गत वर्ष ₹5,960.36 मिलियन)

(ख) **वर्ष के दौरान निम्नलिखित पर व्यय राशि:**

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष			31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष		
	नकद	अभी नकद में भुगतान किया जाना है	कुल	नकद में	अभी नकद में भुगतान किया जाना है	कुल
किसी परिसंपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	78.64	-	78.64	24.92	-	24.92
उक्त के अतिरिक्त अन्य कोई प्रयोजन	5,664.94	984.53	6,649.47	6,036.95	234.62	6,271.57
कुल	**5,743.58**	**984.53**	**6,728.11**	**6,061.87**	**234.62**	**6,296.49**

38.6 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में कंपनी के प्रचालन भारत से बाहर हैं और इसलिए कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के प्रयोजन हेतु वर्ष का पात्र निवल लाभ "शून्य" होगा। तथापि, 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु कंपनी ने सीधे या अपने संयुक्त उद्यमों के माध्यम से भारत के बाहर सीएसआर क्रियाकलापों के प्रति ₹ 41.11 मिलियन का कुल व्यय किया है (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 40.02 मिलियन)।

38.7 टिप्पणी संख्या 38.3 में विविध व्यय में सांविधिक लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक निम्नानुसार शामिल है :

(₹ मिलियन में)

लेखापरीक्षकों को भुगतान	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
लेखापरीक्षा शुल्क	44.44	45.62
प्रमाणीकरण और अन्य सेवाएं	16.82	19.92
यात्रा और जेबखर्ची व्यय	23.57	24.24
कुल	**84.83**	**89.78**

38.8 आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 35(2एबी) के अंतर्गत कटौती हेतु पात्र वैज्ञानिक अनुसंधान पर विभिन्न आंतरिक आर एंड डी संस्थानों द्वारा किया गया व्यय निम्नानुसार है :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
पूंजीगत व्यय	196.41	292.33
राजस्व व्यय	4,590.78	4,124.26

39. वित्त–पोषण लागत

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
निम्नलिखित पर ब्याज :		
– ऋण	18,885.02	14,283.57
– नकदी क्रेडिट	1.43	2.62
– वित्त पट्टों के अंतर्गत बाध्यता	5,368.33	6,083.71
– डिबेंचर	9,275.18	8,747.31
– ऋण लागत से संबंधित विदेशी मुद्रा विनिमय उतार–चढ़ाव	8,464.91	(5,877.64)
– अर्हक परिसंपत्तियों की लागत में शामिल राशियां	(4,109.46)	(3,432.65)
निम्नलिखित पर छूट को समाप्त करना :		
– वित्तीय पट्टा बाध्यता	66.68	66.68
– समाप्त किए जाने के प्रावधान	13,557.00	13,851.95
– वित्तीय देयताएं	3.15	21.94
लाभ एवं हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापी गई बाध्यकारी व्युत्पन्न संविदाओं के उचित मूल्य पर निवल हानि/ (लाभ)	(2,108.95)	96.49
अन्य	587.14	2,067.10
कुल	**49,990.43**	**35,911.08**

39.1 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में, ऋण ली गई निधियों पर भारित औसत पूंजीकरण दर 2.66 प्रतिशत प्रति वर्ष है (31 मार्च, 2017 के अनुसार : 2.23 प्रतिशत प्रति वर्ष)।

39.2 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में, अन्य में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 234बी / 234सी के अंतर्गत ₹ 102.00 मिलियन (2016–17 : ₹ 267.30 मिलियन) की राशि शामिल है।

40. मूल्यह्रास, क्षय, परिशोधन और क्षति

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
निः शेषण	180,433.76	161,031.55
मूल्यह्रास और ऋण परिशोधन	61,077.96	58,568.53
घटाएं : अन्वेषणात्मक वेधन को आवंटित	(4,894.46)	(4,110.51)
घटाएं : विकासात्मक वेधन को आवंटित	(2,316.86)	(3,586.15)
घटाएं : अन्यों को आवंटित	(389.05)	(767.71)
कुल	**53,477.59**	**50,104.16**
अमूर्त परिसंपत्तियों का ऋण परिशोधन	**795.89**	**740.96**
क्षति		
वर्ष के दौरान प्रावधान	3,163.44	5,261.02
घटाएं : वर्ष के दौरान प्रत्यावर्तित	(6,985.33)	(14,945.68)
कुल	**(3,821.89)**	**(9,684.66)**
कुल मूल्यह्रास, निः शेषण, परिशोधन और क्षति	**230,885.35**	**202,192.01**

41. अन्य अपलिखित क्षति

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
निम्नलिखित हेतु क्षति		
संदिग्ध ऋण	6,738.96	1,464.24
अधिग्रहण लागत	128.94	-
प्रगतिधीन तेल और गैस सुविधाएं	36.23	-
तेल और गैस परिसंपत्तियां	68.53	-
संदिग्ध दावे / अग्रिम	563.54	533.58
खपत न होने वाली मालसूची	577.01	148.69
अन्य	1,222.64	79.70
	9,335.85	**2,226.21**
अपलिखित		
अन्य पीपीई का निपटान / समाप्ति	4,859.97	344.18
पुनर्लेखन प्रावधान	(88.16)	(7.32)
	4,771.81	**336.86**

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
मालसूची	**412.02**	**669.16**
प्राप्ति योग्य		
दावे/अग्रिम	**472.34**	**59.37**
	80.93	61.04
	80.93	**61.04**
कुल अन्य क्षति और अपलिखित	**15,072.95**	**3,352.64**

42. असाधारण मदें

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण से संबंधित क्षति प्रभार का अपलेखन और सीमांत प्रभारों का निवल होने वाले विनिमय दर उतार–चढ़ाव	2,481.22	5,910.13

42.1 अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में वर्तमान वर्ष हेतु असाधारण मदें वित्तीय वर्ष 2003–04 से पश्चगामी रूप से ₹ 258.90 मिलियन के समूचे देश में प्रेषण पर तेल विपणन कंपनियों से एकत्रित टर्मिनल प्रभारों को साझा किए जाने के चलते है। नेशनल इरानियन ऑयल कंपनी (एनआईओसी) को अति देय व्यापार प्राप्यों के निपटान से उत्पन्न होने वाले विनिमय दर भिन्नता लाभ के कारण पिछले वर्ष में ₹15972.91 मिलियन की राशि की अपवादजनक मदें शामिल हैं, जो प्रेषण चैनल को अंतिम रूप न दिए जाने के कारण संचित हो गई थी।

42.2 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में इसने उपयोग में मूल्य पद्धति के आधार पर अपनी नकदी उत्पादन यूनिटों (सीजीयू) के संबंध में क्षति परीक्षण 31 मार्च, 2018 के अनुसार किया है। कंपनी ने 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के दौरान 2 सीजीयू के संबंध में क्षति के पश्च लेखन और तीन सीजीयू के संबंध में क्षति की पहचान की है तथा ₹ 2,740.12 मिलियन की क्षति के निवल अपलेखन को मान्यता प्रदान की है (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु 2 सीजीयू के संबंध में क्षति के अपलेखन और तथा 3 सीजीयू के संबंध में क्षति हेतु ₹10,062.78 मिलियन के क्षति प्रावधान को मान्यता दी गई थी)। क्षति हेतु वर्तमान वर्ष के प्रावधान को एक अपवादजनक मद माना गया है।

43. कर व्यय

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
निम्नलिखित के संबंध में वर्तमान कर :		
वर्तमान वर्ष	104,765.69	88,083.23
पहले के वर्ष	(5,574.57)	(5,986.42)
कुल	**99,191.12**	**82,096.81**
विलंबित कर		
वर्तमान वर्ष के संबंध में	32,204.04	42,833.95
मैट क्रेडिट पात्रता	-	553.46
कुल	**32,204.04**	**43,387.41**
कुल कर व्यय	**131,395.16**	**125,484.22**

वर्ष हेतु आयकर व्यय का मिलान लेखांकन लाभ के संबंध में निम्नानुसार किया जा सकता है :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
कर पूर्व लाभ	**392,075.02**	**417,175.41**
आयकर व्यय की गणना 34.608%	135,689.31	144,376.07
(2016–2017: 34.608%) पर की गई		
घटाएं : छूट/कटौती		
लाभांश	(13,138.49)	(5,968.14)
धारा 80–1ए के अंतर्गत कटौती	(376.13)	(159.09)
निवेश भत्ता @ 15%	-	(6,632.45)
कर से छूट प्राप्त आय का प्रभाव	(535.60)	(1,105.66)
कर योग्य लाभ के निर्धारण में न ली गई असाधारण (आय)/ व्यय का प्रभाव	(2,655.22)	-
जोड़ें :		
पूर्व की अवधियों के वर्तमान कर के अस्थायी अंतरों का तदनुरूपी प्रभाव	1,958.26	2,638.85
गैर–कटौतीयोग्य कर व्यय	572.30	(96.91)
ओसीआई में सीधे मान्यता प्रदान की गई राशि	(299.90)	81.99
सीएसआर व्यय	1,472.89	1,417.74
आय कर में अनुमेय न किए गए व्यय	1,279.91	625.05
विदेशी क्षेत्राधिकारों हेतु अतिरिक्त विलंबित कर	-	64.50
घटाएं : छूट का प्रभाव (अनुसंधान एवं विकास धारा 35 (2एबी) और आय कर की धारा 32 एसी के तहत)	(784.75)	(1,498.64)
घटाएं : समूह लाभ में समायोजन हेतु उपलब्ध न होने वाली अनुषंगी कंपनियों की हानियां	314.40	822.44
घटाएं : अनुसंधान और विकास व्यय हेतु कटौती	(636.20)	(859.69)
घटाएं : भिन्न दरों पर कर लगाई गई आय (पूंजी लाभ)	(137.17)	(473.62)
घटाएं : एसोसिएट के लाभ से प्रभाव	(4,320.68)	(7,097.18)
घटाएं : संयुक्त उद्यम के लाभ से प्रभाव	3,557.21	1,079.24
जोड़ें : वसूल न किए गए लाभों पर विलंबित कर का प्रभाव	(1,820.10)	(1,682.30)
जोड़ें : अवितरित लाभों पर विलंबित कर का प्रभाव	2,649.20	1,939.17
जोड़ें : समाप्ति पर प्रभाव	9,673.11	1,925.81
जोड़ें : विदेशी करों का प्रभाव	-	-
आयकर दर 34.608% से बदल कर 34.944% किए जाने के चलते विलंबित कर शेषों पर प्रभाव	2,401.85	(42.13)
पहले के वर्षों के मैट क्रेडिट को 21.3416% पर मान्यता देने का प्रभाव	(7.16)	-
पिछले वर्ष 2016–17 के पूर्व वर्ष के कर को मान्यता दिए जाने का प्रभाव	7.16	-
संतुलित समायोजनों के कारण विलंबित कर शेष परिवर्तन का प्रभाव	(330.05)	(356.69)
पिछले वर्ष की मान्यता न दी गई कर हानियों पर विलंबित कर का प्रभाव	-	-
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10एए के अंतर्गत छूट का प्रभाव	1,384.72	419.80
उप जोड़	**135,918.89**	**129,418.15**
अन्य	1,050.84	2,052.50
	136,969.73	**131,470.65**
पिछले वर्ष के वर्तमान कर के संबंध में वर्तमान वर्ष में मान्यता दिए गए समायोजन	(5,574.57)	(5,986.43)
लाभ या हानि में मान्यता दिए गए आयकर व्यय (सतत प्रचालनों से संबंधित)	**131,395.16**	**125,484.22**
समेकित ओएनजीसी के अनुसार आय कर व्यय	**131,395.16**	**125,484.22**

43.1 अन्य व्यापक आय में मान्यता दिया गया आयकर :

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
निम्नलिखित पर विलंबित कर		
क) लाभ या हानि को पुनः वर्गीकृत की जाने वाली मदें		
विदेशी प्रचालनों के वित्तीय विवरणों को परिवर्तन करने में विनिमय अंतर	350.23	(991.37)
ख) लाभ या हानि को पुनः वर्गीकृत न की जाने वाली मदें	-	-
निर्धारित लाभ बाध्यता का पुनः मापन	175.96	1,697.27
एफवीटीओसीआई पर इक्विटी शेयरों में निवेश पर निवल उचित मूल्य लाभ	(13,313.50)	-
अन्य व्यापक आय में एसोसिएट और संयुक्त उद्यमों में ओसीआई का अंश	(0.51)	(0.46)
अन्य व्यापक आय में मान्यता दिया गया कुल आय कर	**(12,787.82)**	**705.44**
अन्य व्यापक आय में मान्यता दिए गए आयकर का निम्न में विभाजन :		
लाभ एवं हानि के रूप में पुनः वर्गीकृत न की जाने वाली मदें	**(13,138.05)**	**1,696.81**
लाभ एवं हानि के रूप में पुनः वर्गीकृत की जाने वाली मदें	**350.23**	**(991.37)**

44. प्रति इक्विटी शेयर अर्जन

(सभी राशियां मिलियन ₹ में जब तक कि अन्यथा बताया न गया हो)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
इक्विटी शेयरधारकों को आरोप्य वर्ष हेतु कर पश्चात लाभ	221,059.28	244,192.50
इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या (संख्या मिलियन में)	12,833.24	12,833.24
प्रति इक्विटी शेयर आधारभूत और तनुकृत अर्जन (₹)	17.23	19.03
प्रति इक्विटी शेयर अंकित मूल्य (₹)	5	5

45. पट्टे

45.1 वित्त पट्टे

45.1.1 पट्टा व्यवस्थाएं

पट्टाधारी भूमि जिनकी पट्टा अवधि स्थायित्व तक है, उन्हें वित्त पट्टे के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

वित्त पट्टे के अंतर्गत बाध्यताएं

(₹ मिलियन में)

विवरण	न्यूनतम पट्टा भुगतान		न्यूनतम पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य	
	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
एक वर्ष से अधिक नहीं	8,582.67	10,682.88	3,951.43	5,303.42
एक वर्ष से अधिक और पांच वर्ष से अधिक नहीं	22,335.61	25,770.32	8,104.45	10,032.87
पांच वर्ष से अधिक *	31,689.77	35,165.07	11,305.96	13,089.25
न्यूनतम पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य *	**56,418.15**	**66,560.97**	**23,080.63**	**27,947.62**

**पट्टा समझौते के अंतर्गत् समूह के स्थायित्व तक 66.68 मिलियन रूपये के वार्षिक पट्टा किराए का भुगतान अपेक्षित है। वित्तीय पट्टा बाध्यता वार्षिकीकृत पट्टा भुगतान के अस्थायित्व को दर्शाती है जो 795.65 मिलियन रूपये है और स्थायित्व तक समान बना रहेगा। वित्त प्रभार वार्षिक आधार पर 66.68 मिलियन स्थायित्व तक बने रहेंगे।*

अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में कंपनी ने ऐसी भूमियों हेतु पट्टा समझौते किए हैं जिन्हे वित्त पट्टे के रूप मे वर्गीकृत किया गया है। इन भूमियों के स्वामित्व को पट्टा अवधि के अंत में प्रशासनिक प्रभारों के नाममात्र भुगतान पर कंपनी को अंतरित किया जाएगा। औसत पट्टा अवधि 5–44 वर्षों की है। कंपनी ने इन पट्टाधारी भूमियों को ऋण प्राप्त करने हेतु रेहन रखा है।

31 मार्च, 2018 को वित्तीय पट्टा बाध्यता नगण्य है (31 मार्च, 2017 को नगण्य)।

45.2 प्रचालन पट्टा समझौते

45.2.1 पट्टा व्यवस्थाएं

कंपनी ने रिग, वेसल, हैलीकॉप्टर आदि की किराया/सेवा संविदाओं पर इंड एएस 17 "पट्टे" के परिशिष्ट–ग को लगाया है ताकि यह मूल्यांकन किया जा सके कि इन संविदाओं में कोई पट्टा शामिल है अथवा नहीं। समझौतों के निबंधन एवं शर्तों के मूल्यांकन के आधार पर कंपनी ने ऐसी व्यवस्थाओं का मूल्यांकन प्रचालन पट्टे के रूप में किया है।

प्रचालन पट्टे रिग, वेसल, हैलीकॉप्टर आदि के पट्टे से संबंधित है जिनकी पट्टा अवधि 10 वर्ष तक की हो सकती है। कंपनी के पास पट्टा अवधि की समाप्ति पर पट्टे पर लिए गए रिग, वेसल, हैलीकॉप्टर आदि को खरीदने का विकल्प नहीं है।

अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में कंपनी ने पाइपलाइनों हेतु मार्ग के अधिकार भूमि के पट्टे की व्यवस्थाएं की है जिन्हें प्रचालन पट्टों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। मार्ग के अधिकार हेतु औसत पट्टा अवधि 11 माह से 30 वर्ष तक और भूमि के है। पट्टाधारी भूमि के मामले में कंपनी के पास पट्टा अवधि के अंत में भूमि को खरीदने का विकल्प नहीं होता है। आमतौर पर भूमि हेतु पट्टा व्यवस्था के लिए पट्टा व्यवस्था के निष्पादन के समय कंपनी को एकमुश्त भुगतान करना होता है तथा इसमें वार्षिक पट्टा किराया में वृद्धि के साथ वार्षिक पुनरावृत्ति प्रभार होते हैं।

45.2.2 व्यय के रूप में माने गए भुगतान

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
न्यूनतम पट्टा भुगतान	116,148.92	87,279.77
आकस्मिक किराया		
प्राप्त उप–पट्टा भुगतान		
	116,148.92	**87,279.77**

45.2.3 निरस्त न किए जा सकने वाली प्रचालन पट्टा प्रतिबद्धताएं

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
एक वर्ष से अधिक नहीं	86,185.30	82,742.80
एक वर्ष से अधिक और पांच वर्ष से अधिक नहीं	97,048.17	102,555.31
पांच वर्ष से अधिक	10,346.18	14,622.85
कुल	**193,579.65**	**199,920.95**

46. कर्मचारी लाभ योजनाएं

46.1 निर्धारित अंशदान योजनाएं :

46.1.1 भविष्य निधि

समूह एक पृथक न्यास को पूर्ण निर्धारित दरों पर भविष्य निधि का निश्चित अंशदान अदा करता है, इस ट्रस्ट की निधियों का निवेश अनुमेय प्रतिभूतियों में किया जाता है। समूह की बाध्यता ऐसे निर्धारित अंशदान को करने तथा भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट किए अनुसार सदस्यों को प्रतिफल की एक न्यूनतम दर सुनिश्चित करने की है। बीमांकक की रिपोर्ट के अनुसार समग्र ब्याज आय तथा संचित अधिशेष सांविधिक ब्याज भुगतान आवश्यकता से अधिक है। अतः आगे किसी प्रावधान को आवश्यक नहीं समझा गया है। योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य तथा बाध्यताओं का ब्यौरा निम्नानुसार है :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
वर्ष के अंत में बाध्यताएं	120,412.14	112,743.97
वर्ष के अंत में योजनागत परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	121,139.39	113,967.60

भविष्य निधि को एक पृथक न्यास के माध्यम से प्रशासित किया जाता है। न्यास के न्यासी समय–समय पर केन्द्र सरकार या केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की ओर से जारी लागू दिशा–निर्देशों या निदेशों के अनुसार कार्य करते हैं, न्यासी बोर्ड के निम्नलिखित दायित्व होते हैं :

(i) सरकार द्वारा इस संबंध में अधिसूचित पैटर्न के अनुसार अधिशेष का निवेश ताकि समय–समय पर निधियों की आवश्यकताओ को पूरा किया जा सके।

(ii) निवेश को पूर्णतः या आंशिक रूप से बिक्री, रेहन अथवा भाराक्रांत द्वारा निधि के प्रयोजन हेतु यथापेक्षित धन जुटाना।

(iii) सदस्य के खाते में क्रेडिट की जाने वाली ब्याज की दर का निर्धारण।

46.1.2 सेवानिवृत्ति पश्च लाभ योजना

समूह की इसके कर्मचारियों हेतु निर्धारित अंशदान पेंशन योजना का प्रशासन एक पृथक न्यास के माध्यम से किया जाता है। समूह का दायित्व भविष्य निधि, उपदान, सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभ(पीआरएमबी) अथवा अन्य किसी सेवांत लाभ के प्रति नियोक्ता का अंशदान घटा मूल वेतन तथा मंहगाई भत्ते के 30 प्रतिशत से अधिक न होने वाली राशि का न्यास में योगदान देने का होता है।

न्यास का न्यासी बोर्ड केन्द्र सरकार द्वारा समय–समय पर इस संबंध में जारी लागू दिशा–निर्देशों या निदेशों के अनुसार कार्य करता है और न्यासी बोर्ड के निम्नलिखित दायित्व होते हैं :

(i) सरकार द्वारा इस संबंध में अधिसूचित पैटर्न के अनुसार अधिशेष का निवेश ताकि समय–समय पर निधियों की आवश्यकताओ को पूरा किया जा सके।

(ii) अंशदान की दर तथा उस पर ब्याज का निर्धारण

(iii) सदस्यों हेतु वार्षिक वृत्ति की खरीद।

46.2 कर्मचारी पेंशन योजना–1995

कर्मचारी पेंशन योजना–1995 का प्रशासन भारत के कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा किया जाता है जिसमें समूह को भविष्य निधि में नियोक्ता के अंशदान के रूप में वेतन के 8.33 प्रतिशत (15,000/– रूपये प्रतिमाह की अधिकतम सीमा के अधीन) का अंशदान देना होता है।

46.3 सामूहिक सामाजिक सुरक्षा योजना (सीएसएसएस)

समूह द्वारा सामूहिक सामाजिक सुरक्षा योजना को इसके नियमित कर्मचारियों के कल्याण हेतु बनाया गया है और इसका प्रशासन समेकित सामाजिक सुरक्षा योजना न्यास नामक एक पृथक न्यास के माध्यम से किया जाता है। समूह का दायित्व अपने नियमित कर्मचारियों के अंशदान की सीमा तक न्यास में समान अंशदान मुहैया करवाने का है। न्यास सेवाकाल के दौरान किसी कर्मचारी की मृत्यु या पूर्णतः स्थायी निशक्तता के मामले में एक सुनिश्चित एकमुश्त सहायता राशि मुहैया करवाता है। मृत्यु/स्थायी पूर्ण निशक्तता के अतिरिक्त पृथकीकरण के मामले में कर्मचारी के स्वयं के अंशदान को ब्याज सहित वापिस किया जाता है।

न्यास का न्यासी बोर्ड न्यास विलेख, नियम, योजना तथा समय–समय पर प्रबंधन द्वारा जारी लागू दिशा–निर्देशों या निदेशों के अनुसार कार्य करता है।

न्यासी बोर्ड के निम्नलिखित दायित्व होते हैं :

(i) सरकार द्वारा इस संबंध में अधिसूचित पैटर्न के अनुसार अधिशेष का निवेश ताकि समय–समय पर निधियों की आवश्यकताओ को पूरा किया जा सके।

(ii) सदस्य के खाते में क्रेडिट की जाने वाली ब्याज की दर का निर्धारण।

(iii) किसी कर्मचारी की मृत्यु अथवा स्थायी पूर्ण निशक्तता जो सेवा समाप्ति में परिणत होती हो, उसके नामितियों को नकदी लाभ मुहैया करवाना और मृत्यु के अतिरिक्त किसी अन्य तरीके से पृथकीकरण के मामले में ब्याज के साथ स्वयं के अंशदान की राशि की वापिसी करना।

46.4 निर्धारित अंशदान योजनाओं हेतु आवंटन से पूर्व वित्तीय विवरणों में मान्यता प्रदान की गई राशि निम्नानुसार हैं:

(₹ मिलियन में)

निर्धारित अंशदान योजना	निम्न के दौरान मानी गई राशि		प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों हेतु अंशदान	
	2017–18	2016–17	2017–18	2016–17
भविष्य निधि	6,068.84	5,292.21	2.90	3.01
सेवानिवृत्ति–पश्च लाभ योजना	7,775.73	6,903.47	3.17	3.36
कर्मचारी पेंशन योजना – 1995 (ईपीएस)	379.69	403.12	0.02	0.04
सामूहिक सामाजिक सुरक्षा योजना (सीएसएसएस)	599.09	649.56	0.13	0.19

46.5 निर्धारित लाभ योजनाएं

46.5.1 **संक्षिप्त सार** : कर्मचारी लाभ योजनाओं के प्रकार का एक सामान्य विवरण निम्नानुसार है :

46.5.2 कंपनी की सभी कर्मचारी लाभ योजनाओं को समूह प्रशासन योजनाओं (एकल नियोक्ता योजना) के रूप में चलाया जाता है जिसमें 100 प्रतिशत अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) में भेजे गए कर्मचारी शामिल हैं।

46.5.3 **उपदान**

सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष हेतु 15 दिवस का वेतन। न्यूनतम अवधि 5 वर्ष है और अधिवर्षिता, त्याग–पत्र, बर्खास्तगी, निशक्तता अथवा मृत्यु पर भुगतान ₹ 2 मिलियन तक सीमित है।

योजना का वित्त–पोषण स्वयं के उपदान न्यास के माध्यम से किया जाता है। उपर्युक्तानुसार उपदान हेतु देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है।

46.5.4 **सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभ**

समूह की एक सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभ (पीआरएमबी) योजना है जिसके अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मचारियों, उनके जीवन साथियों तथा आश्रित माता–पिता को समूह के अस्पतालों/सूचीबद्ध अस्पतालों में कर्मचारियों को एक बार विहित अंशदान के भुगतान पर चिकित्सा सुविधाएं मुहैया करवाई जाती हैं। वे बहिरंग रोगी के रूप में भी उपचार प्राप्त कर सकते हैं। उक्त हेतु देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर वार्षिक रूप से मान्यता दी जाती है। अधिवर्षिता तथा स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर पूर्ण चिकित्सा लाभ न्यूनतम 20 वर्ष की सेवा तथा 50 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर उपलब्ध हैं।

किसी कर्मचारी द्वारा सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए पात्र होने हेतु अधिवर्षिता के समय ओएनजीसी में निरंतर न्यूनतम 15 वर्ष की सेवा प्रदान की गई होनी चाहिए।

46.5.5 **सेवांत लाभ**

अधिवर्षिता के समय कर्मचारी अपनी इच्छा के किसी स्थान पर रहने के पात्र होते हैं और इसके लिए वे स्थापन भत्ता पाने के हकदार होते हैं।

46.5.6 **पेंशन**

समूह के पेंशन योजना द्वारा आने वाले कर्मचारी आजीवन मासिक पेंशन प्राप्त करने के पात्र हैं।

46.5.7 **अनुग्रह राशि**

समूह के योजना के अंतर्गत आने वाले पूर्व कर्मचारी अपने सेवानिवृत्ति के समय अपने ग्रेड के आधार पर अनुग्रह राशि प्राप्त करने के पात्र हैं। पात्र कर्मचारियों को उनके जीवित रहने तक, और उसके पश्चात उनके साथी के जीवित रहने तक लाभ अदा किए जाएंगे।

46.5.8 ये योजनाएं आमतौर पर समूह को बीमांकिक जोखिमों जैसे कि निवेश जोखिम, ब्याज दर जोखिम, दीर्घायु जोखिम और वेतन जोखिम के सम्मुख लाती हैं।

निवेश जोखिम	निर्धारित लाभ योजना देयता के वर्तमान मूल्य की गणना एक छूट दर का उपयोग करके की जाती है जिसका निर्धारण सरकारी बॉण्ड पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार प्राप्तियों के संदर्भ में किया जाता है। जब ऐसे बॉण्ड हेतु व्यापक बाजार हो; यदि योजना की परिसंपत्ति पर प्रतिफल इस दर से नीचे हो, तो यह योजनागत घाटा उत्पन्न करेगा। वर्तमान में इन योजनाओं हेतु वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार सरकारी प्रतिभूतियों, ऋण लिखतों, अल्पावधि ऋण लिखतों, इक्विटी लिखतों और परिसंपत्ति आधारित, न्यास ढांचाबद्ध प्रतिभूतियों में निवेश किया जाता है।
ब्याज जोखिम	बॉण्ड ब्याज दर में कमी योजनागत दायित्व में वृद्धि करेगी; तथापि, यह योजना के निवेश पर प्रतिफल में वृद्धि द्वारा आंशिक रूप से समायोजित हो जाएगी।
दीर्घकालिकता जोखिम	निर्धारित लाभ योजना दायित्व के वर्तमान मूल्य की गणना योजना प्रतिभागियो के नियोजन के दौरान तथा उसके पश्चात मृत्यु दर के श्रेष्ठ अनुमान के संदर्भ में की जाती है। योजना प्रतिभागियों की जीवन प्रत्याशा में वृद्धि योजना के दायित्व में वृद्धि करेगी।
वेतन जोखिम	निर्धारित लाभ योजना दायित्व के वर्तमान मूल्य की गणना योजना प्रतिभागियों के भविष्य के वेतनों के संदर्भ में की जाती है। इस प्रकार योजना प्रतिभागियों के वेतन में वृद्धि योजना के दायित्व में वृद्धि करेगी।

इन कर्मचारियों को कोई अन्य सेवानिवृत्ति–पश्च लाभ मुहैया नहीं करवाए जाते हैं।

उक्त योजनाओं के संबंध में योजना परिसंपत्तियों और निर्धारित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य का सबसे हाल का बीमांकिक मूल्यांकन 31 मार्च, 2018 को भारतीय बीमांकिक संस्थान की एक सदस्य फर्म द्वारा किया गया था। निर्धारित लाभ बाध्यता के वर्तमान मूल्य और संबंधित वर्तमान सेवा लागत तथा पिछली सेवा लागत का मापन प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके किया गया था।

46.6 अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभ

46.6.1 **संक्षिप्त विवरण** : अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभ के प्रकार का एक सामान्य विवरण निम्नवत है–

46.6.2 कंपनी की सभी कर्मचारी लाभ योजनाओं को समूह प्रशासन योजनाओं (एकल नियोक्ता योजना) के रूप में चलाया जाता है जिसमें 100 प्रतिशत अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) में भेजे गए कर्मचारी भी शामिल हैं।

46.6.3 **अर्जित अवकाश (ईएल) लाभ**

प्रोदभवन – 30 दिवस प्रति वर्ष

सेवा के दौरान नकदीकरण – अर्जित अवकाश शेष का 75 प्रतिशत जो एक केलेंडर वर्ष में अधिकतम 90 दिवस की सीमा के अधीन है।

सेवानिवृत्ति पर नकदीकरण – अधिकतम 300 दिवस।

योजना का वित्त–पोषण भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के माध्यम से किया जाता है।

46.6.4 **अच्छा स्वास्थ्य प्रोत्साहन (अर्ध वेतन अवकाश)**

प्रोदभवन – 20 दिवस प्रति वर्ष

सेवा के दौरान नकदीकरण – शून्य।

सेवानिवृत्ति पर नकदीकरण – अर्ध वेतन अवकाश शेष का 50 प्रतिशत।

योजना का वित्त–पोषण भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के माध्यम से किया जाता है। उक्त हेतु देयता को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर वार्षिक रूप में मान्यता दी जाती है।

46.7 बीमांकिक मूल्यांकन के प्रयोजनों हेतु प्रयुक्त प्रमुख मान्यताएं निम्नवत हैं :

क्रम सं.	विवरण	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017
	उपदान		
I.	छूट दर	7.66% -7.88%	7.31%-7.88%
II.	योजित परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	7.66% -7.88%	7.31%-7.88%
III.	वेतन में वार्षिक वृद्धि	5.50%-8.00%	5.50%-8.00%
	अवकाश		
IV.	छूट दर	7.66%	7.31%
V.	योजित परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	7.66%	7.31%
VI.	वेतन में वार्षिक वृद्धि	6.50%	6.50%
	सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभ		
VII.	छूट दर	7.66%-7.85%	7.31%-7.45%
VIII.	योजित परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	लागू नहीं	लागू नहीं
IX.	लागत में वार्षिक वृद्धि	3.00%-6.50%	3.00%-6.50%
	सेवातं लाभ		
X.	छूट दर	7.66%	7.31%
XI.	योजित परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	लागू नहीं	लागू नहीं
XII.	लागत में वार्षिक वृद्धि	6.50%	6.50%
XIII.	वेतन में वार्षिक वृद्धि	5.50%-8.00%	5.50%-8.00%

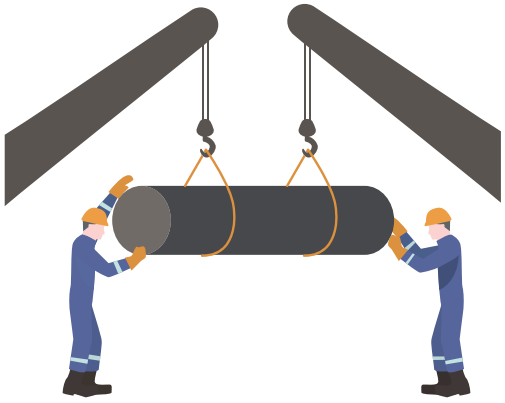
क्रम सं.	विवरण	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017
	कर्मचारी टर्नओवर (प्रतिशत)		
XIV.	30 वर्ष तक	3.00	3.00
XV.	31 से 44 वर्ष तक	2.00	2.00
XVI.	44 वर्ष से अधिक	1.00	1.00
	मृत्यु दर		
XVII.	सेवानिवृत्ति से पूर्व	भारतीय सुनिश्चित जीवन मृत्यु तालिका (2006–08) के अनुसार	
XVIII.	सेवानिवृत्ति के पश्चात	भारतीय सुनिश्चित जीवन मृत्यु तालिका (2006–08) के अनुसार	

छूट दर लेखांकन अवधि को समान अवधि वाले सरकारी बॉण्डों पर उपलब्ध बाजार प्रतिफल पर आधारित होती है। वेतन वृद्धि में दीर्घावधि आधार पर मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति तथा अन्य संगत कारकों को लिया जाता है। योजना परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल की दर वर्ष के प्रारंभ में बाजार प्रत्याशा पर संबंधित बाध्यता के समूचे जीवनकाल पर प्रतिफल पर आधारित होती है।

46.8 इन निर्धारित लाभ योजनाओं और अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभों के संबंध में आवंटन से पूर्व समेकित वित्तीय विवरणों में मान्यता दी गई राशियां निम्नानुसार हैं :

उपदान **(₹ मिलियन में)**

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
सेवा लागत :		
वर्तमान सेवा लागत	1,301.76	1,239.98
पिछली सेवा लागत और निपटानों से (लाभ)/हानि	76.84	11,882.08
निवल ब्याज व्यय	1,317.56	327.52
लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप प्रारंभिक निधि में समायोजन के कारण वृद्धि या कमी	2.10	(68.22)
कर्मचारी लाभ व्ययों में मान्यता प्रदान किए गए निश्चित लाभ लागतों के घटक	**2,698.26**	**13,381.37**
निवल निर्धारित लाभ देयता का पुनः मापन		
योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (निवल ब्याज व्यय में शामिल की गई राशियों के अतिरिक्त)	-	-
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(827.52)	1,734.44
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(1,019.44)	(571.99)
योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल निवल ब्याज लागत में शामिल की गई राशियों के अतिरिक्त	252.54	184.10
पुनः मापन के घटक	**(1,594.42)**	**1,346.55**
कुल	**1,103.84**	**14,727.92**



अवकाश

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
सेवा लागत :		
वर्तमान सेवा लागत	1,411.49	1,416.49
पिछली सेवा लागत और निपटानों से (लाभ)/हानि	-	-
निवल ब्याज व्यय	670.33	324.30
लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप प्रारंभिक निधि में समायोजन के कारण वृद्धि या कमी	-	101.36
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(555.41)	2,606.24
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	3,126.58	5,012.02
योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल निवल ब्याज व्यय में शामिल की गई राशियों के अतिरिक्त	560.23	(297.19)
कर्मचारी लाभ व्ययों में मान्यता प्रदान किए गए निश्चित लाभ लागतों के घटक	**5,213.23**	**9,163.23**

सेवानिवृत्ति पश्च चिकित्सा लाभ :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018*	31 मार्च, 2017*
सेवा लागत :		
वर्तमान सेवा लागत	615.22	554.25
पिछली सेवा लागत और निपटानों से (लाभ)/हानि	-	-
निवल ब्याज व्यय	2,738.01	2,438.02
कर्मचारी लाभ व्ययों में मान्यता प्रदान किए गए निश्चित लाभ लागतों के घटक	**3,353.23**	**2,992.28**
निवल निर्धारित लाभ देयता का पुनः मापन		
योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (निवल ब्याज व्यय में शामिल की गई राशियों के अतिरिक्त)	लागू नहीं	लागू नहीं
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(960.56)	4,925.43
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	3,630.08	1,222.73
निर्धारित लाभ परिसंपत्ति पर प्रतिबंधों हेतु समायोजन		-
पुनः मापन के घटक	**2,669.52**	**6,148.17**
कुल	**6,022.75**	**9,140.44**

सेवांत लाभ

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
सेवा लागत :		
वर्तमान सेवा लागत	51.86	48.31
पिछली सेवा लागत और निपटानों से (लाभ)/हानि	-	-
निवल ब्याज व्यय	45.96	51.92

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
कर्मचारी लाभ व्ययों में मान्यता प्रदान किए गए निश्चित लाभ लागतों के घटक	**97.82**	**100.23**
निवल निर्धारित लाभ देयता का पुनः मापन		
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(16.14)	48.44
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	51.28	(94.75)
निर्धारित लाभ परिसंपत्ति पर प्रतिबंधों हेतु समायोजन		
पुनः मापन के घटक	**35.14**	**(46.32)**
कुल	**132.96**	**53.92**

अनुग्रह राशि

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
निवल ब्याज व्यय	21.50	25.00
कर्मचारी लाभ व्ययों में मान्यता प्रदान किए गए निश्चित लाभ लागतों के घटक	**21.50**	**25.00**
निवल निर्धारित लाभ देयता का पुनः मापन		
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(5.20)	7.10
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	9.80	7.20
पुनः मापन के घटक	**4.60**	**14.30**
कुल	**26.10**	**39.30**

उपदान वित्त–पोषण रहित

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वर्तमान सेवा लागत	8.51	7.80
पिछली सेवा लागत और निपटानों से (लाभ)/हानि	2.18	-
निवल ब्याज व्यय	2.98	1.98
कर्मचारी लाभ व्ययों में मान्यता प्रदान किए गए निश्चित लाभ लागतों के घटक	**13.67**	**9.78**
निवल निर्धारित लाभ देयता का पुनः मापन :		
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(1.95)	1.79
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(1.20)	1.81
पुनः मापन के घटक	**(3.15)**	**3.60**
कुल	**10.52**	**13.38**

सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभ : वित्त–पोषित (₹ मिलियन में)

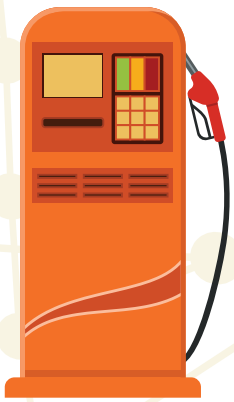
विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
वर्तमान सेवा लागत	521.70	490.80
पिछली सेवा लागत और निपटानों से (लाभ)/हानि	-	-
निवल ब्याज व्यय	481.90	453.50
कर्मचारी लाभ व्ययों में मान्यता प्रदान किए गए निश्चित लाभ लागतों के घटक	**1,003.60**	**944.30**
निवल निर्धारित लाभ देयता का पुनः मापन		
योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (निवल ब्याज व्यय में शामिल की गई राशियों के अलावा)	(86.80)	(111.10)
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(293.70)	494.00
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	408.20	(195.90)
पुनः मापन के घटक	**27.70**	**187.00**
कुल	**1,031.30**	**1,131.30**

अन्य व्यापक आय में मान्यता प्रदत्त निवल निर्धारित लाभ देयता के पुनः मापन का घटक ₹ 1,248.00 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 4,694.49 मिलियन) है।

46.9 निर्धारित लाभ बाध्यता और अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभों के वर्तमान मूल्य में संचलन निम्नानुसार है :

उपदान (₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
प्रारंभिक निर्धारित लाभ देयता	39,614.47	25,720.14
वर्तमान सेवा लागत	1,301.76	1,239.98
ब्याज लागत	2,891.69	2,057.61
पुनः मापन (लाभ)/हानियां :		
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(827.52)	1,734.44
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(1,019.44)	(571.99)
पूर्व की सेवा लागत, कटौती पर हानियां/(लाभ) सहित	76.84	11,882.08
अदा किए गए लाभ	(4,302.50)	(2,447.81)
अंतिम निर्धारित लाभ देयता	**37,735.29**	**39,614.47**



अवकाश (₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक निर्धारित लाभ देयता	28,680.26	22,083.57
वर्तमान सेवा लागत	1,411.49	1,416.49
ब्याज लागत	2,096.80	1,766.67
पुनः मापन (लाभ)/हानियां :		
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(555.41)	2,606.24
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	3,126.58	5,012.02
पूर्व की सेवा लागत, कटौती पर हानियां/(लाभ) सहित	-	-
अदा किए गए लाभ	(7,040.80)	(4,204.74)
अंतिम निर्धारित लाभ देयता	**27,718.92**	**28,680.26**

सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभ : गैरवित्त पोषित (₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक निर्धारित लाभ देयता	37,455.40	30,474.73
वर्तमान सेवा लागत	615.22	554.25
ब्याज लागत	2,738.01	2,438.02
पुनः मापन (लाभ)/हानियां :		
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(960.56)	4,925.43
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	3,630.08	1,222.73
पूर्व की सेवा लागत, कटौती पर हानियां/(लाभ) सहित	-	-
अदा किए गए लाभ	(5,366.96)	(2,159.77)
अंतिम निर्धारित लाभ देयता	**38,111.19**	**37,455.40**

सीमांत लाभ (₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक निर्धारित लाभ देयता	630.06	649.62
वर्तमान सेवा लागत	51.86	48.31
ब्याज लागत	45.96	51.92
पुनः मापन (लाभ)/हानियां :		
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(16.14)	48.44
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	51.28	(94.75)
पूर्व की सेवा लागत, कटौती पर हानियां/(लाभ) सहित	-	-
अदा किए गए लाभ	(94.05)	(73.48)
अंतिम निर्धारित लाभ देयता	**668.97**	**630.06**

पेंशन

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक निर्धारित लाभ देयता	590.30	648.40
वर्तमान सेवा लागत	-	-
ब्याज लागत	42.00	50.50
पुनः मापन (लाभ)/हानियां :		
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(9.10)	25.10
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(168.10)	(98.60)
पूर्व की सेवा लागत, कटौती पर हानियां/(लाभ) सहित	-	-
अदा किए गए लाभ	(44.00)	(35.10)
अंतिम निर्धारित लाभ देयता	**411.10**	**590.30**

अनुग्रह राशि

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक निर्धारित लाभ देयता	303.50	321.40
वर्तमान सेवा लागत	-	-
ब्याज लागत	21.50	25.00
पुनः मापन (लाभ)/हानियां :		
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(5.20)	7.10
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	9.80	7.20
पूर्व की सेवा लागत, कटौती पर हानियां/(लाभ) सहित	-	-
अदा किए गए लाभ	(56.50)	(57.20)
अंतिम निर्धारित लाभ देयता	**273.10**	**303.50**

उपदान – गैर–वित्तपोषित

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक निर्धारित लाभ देयता	38.42	25.04
वर्तमान सेवा लागत	8.51	7.80
ब्याज लागत	2.98	1.98
पुनः मापन (लाभ)/हानियां :		
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(1.95)	1.79
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(1.20)	1.81
पूर्व की सेवा लागत, कटौती पर हानियां/(लाभ) सहित	2.18	-
अदा किए गए लाभ	(1.34)	-
अंतिम निर्धारित लाभ देयता	**47.60**	**38.42**

सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभ : वित्त–पोषित (₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक निर्धारित लाभ देयता	6,467.90	5,626.10
वर्तमान सेवा लागत	521.70	490.80
ब्याज लागत	481.90	453.50
पुनः मापन (लाभ)/हानियां :		
जनसांख्यकीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	(293.70)	494.00
अनुभव समायोजन से उत्पन्न होने वाली बीमांकिक (लाभ)/हानियां	408.20	(195.90)
पूर्व की सेवा लागत, कटौती पर हानियां/(लाभ) सहित	-	-
अदा किए गए लाभ	(465.50)	(400.60)
अंतिम निर्धारित लाभ देयता	**7,120.50**	**6,467.90**

46.10 निकाय की निर्धारित लाभ योजना और अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभ के संबंध में बाध्यता से उत्पन्न होने वाली समेकित तुलन–पत्र में शामिल की गई राशि निम्नवत है :

उपदान : वित्त–पोषित (₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वित्त–पोषित निर्धारित लाभ देयता का वर्तमान मूल्य	37,735.29	39,614.47
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	34,104.29	27,234.66
वित्त–पोषित स्थिति	-	-
परिसंपत्ति पर माने गए प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
निर्धारित लाभ देयता से उत्पन्न होने वाली निवल देयता	**3,631.00**	**12,379.81**

रिपोर्टिंग उद्यम के स्वयं के वित्तीय लिखत और इसके द्वारा काबिज किसी संपत्ति, अथवा रिपोर्टिंग उद्यम द्वारा प्रयुक्त की जा रही अन्य परिसंपत्तियों के संबंध में उपदान निधि की योजित परिसंपत्तियों में शामिल राशियां शून्य (31 मार्च, 2017 को शून्य) है।

अवकाश (₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वित्त–पोषित निर्धारित लाभ देयता का वर्तमान मूल्य	27,711.74	28,676.05
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	23,811.75	19,513.91
वित्त–पोषित स्थिति	(3,899.99)	(9,162.14)
परिसंपत्ति पर माने गए प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
निर्धारित लाभ देयता से उत्पन्न होने वाली निवल देयता	**3,899.99**	**9,162.14**

सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभ – गैरवित्त–पोषित (₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर वित्त–पोषित निर्धारित लाभ देयता का वर्तमान मूल्य	38,111.19	37,455.40
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	लागू नहीं	लागू नहीं
वित्त–पोषित स्थिति	लागू नहीं	लागू नहीं
परिसंपत्ति पर माने गए प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
निर्धारित लाभ देयता से उत्पन्न होने वाली निवल देयता	**38,111.19**	**37,455.40**

सेवांत लाभ

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर वित्त–पोषित निर्धारित लाभ देयता का वर्तमान मूल्य	668.97	630.06
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
वित्त–पोषित स्थिति	लागू नहीं	लागू नहीं
परिसंपत्ति पर माने गए प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
निर्धारित लाभ देयता से उत्पन्न होने वाली निवल देयता	**668.97**	**630.06**

पेंशन :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर वित्त–पोषित निर्धारित लाभ देयता का वर्तमान मूल्य	411.10	590.30
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
वित्त–पोषित स्थिति	लागू नहीं	लागू नहीं
परिसंपत्ति पर माने गए प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
निर्धारित लाभ देयता से उत्पन्न होने वाली निवल देयता	**411.10**	**590.30**

अनुग्रह राशि :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर वित्त–पोषित निर्धारित लाभ देयता का वर्तमान मूल्य	273.10	303.50
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
वित्त–पोषित स्थिति	लागू नहीं	लागू नहीं
परिसंपत्ति पर माने गए प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
निर्धारित लाभ देयता से उत्पन्न होने वाली निवल देयता	**273.10**	**303.50**

उपदान : गैर वित्त–पोषित

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर वित्त–पोषित निर्धारित लाभ देयता का वर्तमान मूल्य	47.60	38.42
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
वित्त–पोषित स्थिति	लागू नहीं	लागू नहीं
परिसंपत्ति पर माने गए प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
निर्धारित लाभ देयता से उत्पन्न होने वाली निवल देयता	**47.60**	**38.42**

सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभ : वित्त–पोषित

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
गैर वित्त–पोषित निर्धारित लाभ देयता का वर्तमान मूल्य	7,120.50	6,467.90
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	7,036.20	5,608.50
वित्त–पोषित स्थिति	(84.30)	(859.40)
परिसंपत्ति पर माने गए प्रतिबंध	लागू नहीं	लागू नहीं
निर्धारित लाभ देयता से उत्पन्न होने वाली निवल देयता	**(84.30)**	**(859.40)**

46.11 योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में संचलन निम्नवत है :

उपदान : (₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
योजित परिसंपत्तियों का प्रारंभिक उचित मूल्य	27,234.66	27,288.04
लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप प्रारंभिक स्थायी निधि में समायोजन	(2.10)	-
योजित परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	1,988.29	2,182.97
योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (निवल ब्याज व्यय में शामिल की गई राशियों को छोड़ कर)	252.54	184.10
नियोक्ता से अंशदान	8,921.27	27.35
अदा किए गए लाभ	(4,290.37)	(2,447.80)
योजित परिसंपत्तियों का अंतिम उचित मूल्य	**34,104.29**	**27,234.66**

अगले वर्ष हेतु उपदान के संबंध में प्रत्याशित अंशदान ₹ 1,277.68 मिलियन होगा (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 1,999.38 मिलियन)।

समूह ने विभिन्न कार्य केन्द्रों में नियोजित 256 आकस्मिक कर्मचारियों (31 मार्च, 2017 के अनुसार 228) हेतु बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार 31 मार्च, 2018 को ₹ 72.35 मिलियन (31 मार्च, 2017 को ₹ 78.78 मिलियन) की उपदान देयता को मान्यता प्रदान की है।

अवकाश : (₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
योजित परिसंपत्तियों का प्रारंभिक उचित मूल्य	19,513.91	18,130.86
लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप प्रारंभिक स्थायी निधि में समायोजन	-	(101.35)
योजित परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	1,426.47	1,442.36
योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (निवल ब्याज व्यय में शामिल की गई राशियों को छोड़ कर)	560.23	297.19
नियोक्ता से अंशदान	9,350.07	3,949.39
अदा किए गए लाभ	(7,038.92)	(4,204.54)
योजित परिसंपत्तियों का अंतिम उचित मूल्य	**23,811.75**	**19,513.91**

सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभ : (₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
योजित परिसंपत्तियों का प्रारंभिक उचित मूल्य	5,608.50	4,118.10
लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप प्रारंभिक स्थायी निधि में समायोजन	-	-
योजित परिसंपत्तियों पर प्रत्याशित प्रतिफल	417.80	331.90
योजित परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (निवल ब्याज व्यय में शामिल की गई राशियों को छोड़ कर)	86.80	111.10
नियोक्ता से अंशदान	1,388.60	1,448.00
अदा किए गए लाभ	(465.50)	(400.60)
योजित परिसंपत्तियों का अंतिम उचित मूल्य	**7,036.20**	**5,608.50**

46.12 प्रत्येक श्रेणी हेतु रिपोर्टिंग अवधि के अंत में योजनागत परिसंपत्तियों का उचित मूल्य निम्नानुसार है :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
उपदान :		
नकदी और नकदी तुल्य	7.62	3.03
म्युचुअल फंड में निवेश :		
– म्युचुअल फंड	20.41	19.25
जारीकर्ता की क्रेडिट रेटिंग द्वारा ऋण निवेशों का श्रेणीकरण :		
एएए	2,299.24	2,833.25
एए+	7.02	192.08
एए	6.00	6.02
एए-	-	1.00
ए+	4.00	5.98
ए-	-	11.00
समूह उपदान नकदी संचयन योजना (परम्परागत निधि)		
जीवन बीमा निगम	21,740.60	13,626.72
एसबीआई लाइफ	1,328.57	1,812.88
बजाज एलाएंज	121.78	79.48
एचडीएफसी स्टैडर्ड लाइफ इन्श्योरेंस कंपनी	124.77	79.41
बिरला सनलाइफ इन्श्योरेंस कंपनी	55.02	20.42
इंडिया फर्स्ट लाइफ इन्श्योरेंस कंपनी	55.03	20.42
बीमा कंपनी के यूनिट लिंक्ड प्लान	1,120.00	1,200.00
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	139.66	151.35
बैंक टीडीआर	1,420.72	1,422.33
ट्रेजरी बिल	-	-
निवल वर्तमान परिसंपत्तियां	593.66	655.84
बीमा निधि	5,060.20	5,094.20
कुल उपदान	**34,104.30**	**27,234.66**
अवकाश		
बीमाकर्ता (एलआईसी ट्रस्ट) द्वारा 100% प्रबंधित	23,811.75	19,513.91
सेवानिवृत्ति पश्च चिकित्सा लाभ :		
बीमाकर्ता (एलआईसी ट्रस्ट) द्वारा 100% प्रबंधित	7,036.20	5,608.50
कुल	**64,952.25**	**52,357.07**

46.12.1 उक्त इक्विटी तथा ऋण लिखतों के उचित मूल्य का निर्धारण सक्रिय बाजारों में उद्धृत बाजार मूल्य पर आधारित होता है।

46.12.2 निवेश की लागत को बीमा कंपनी के यूनिट लिंक्ड प्लान (यूलिप) तथा बैंक टीडीआर में निवेश के उचित मूल्य पर लिया जाता है।

46.12.3 पीएसयू बॉण्ड, सरकारी प्रतिभूतियों और टी बिल में सभी निवेश सक्रिय बाजार में उद्धृत किये जाते हैं।

46.12.4 बीमा कंपनी की समूह उपदान नकदी संचयी योजना (परंपरागत निधि) में निवेश के उचित मूल्य को रिपोर्टिंग तिथि पर बही मूल्य के रूप में लिया गया है।

46.12.5 निवल वर्तमान परिसंपत्तियां निवेश पर प्रोदभूत ब्याज घटा रिपोर्टिंग तिथि को बकाया उपदान प्रतिपूर्तियों को दर्शाता है।

46.12.6 उपदान की योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्रतिफल वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान ₹ 1,852.06 मिलियन (वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान ₹ 1,931.44 मिलियन) और अवकाश हेतु ₹ 1,986.70 मिलियन (वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान ₹ 1739.55 मिलियन) था।

46.13 निर्धारित बाध्यता के निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण बीमांकिक मान्यताएं छूट दर तथा प्रत्याशित वेतन वृद्धि है। नीचे दिए गए संवेदनशीलता विश्लेषण का निर्धारण अन्य सभी मान्यताओं को स्थिर रखते हुए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में होने वाली संबंधित मान्यताओं में तर्कसंगत संभाव्य परिवर्तनों पर आधारित है।

46.13.1 **31 मार्च, 2018 के अनुसार संवेदनशीलता विश्लेषण**

ओएनजीसी तथा ओवीएल हेतु :

(₹ मिलियन में)

महत्वपूर्ण बीमांकिक मान्यताएं	उपदान	अवकाश	सेवानिवृत्ति– पश्च चिकित्सा लाभ	सेवांत लाभ
छूट दर				
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	(656.21)	(751.51)	(2,705.55)	(14.66)
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	695.29	800.80	2,264.19	15.62
वेतन वृद्धि				
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	172.24	805.91	-	-
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	(178.70)	(762.91)	-	-
लागत वृद्धि				
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	-	-	2,275.29	15.71
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	-	-	(2,691.89)	(14.87)

एचपीसीएल हेतु :

(₹ मिलियन में)

31 मार्च, 2018	उपदान	पीआरएमबीएस	पेंशन	अनुग्रह राशि	पुनर्स्थापन भत्ता
छूट की दर में +1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	(447.90)	(819.80)	(19.10)	(8.40)	(7.20)
छूट की दर में –1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	506.70	1,029.50	21.30	9.00	8.40
भविष्य की लाभ लागत वृद्धि में +1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	-	1,036.60	-	-	-
भविष्य की लाभ लागत वृद्धि में –1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	-	(828.70)	-	-	-
वेतन वृद्धि की दर में +1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	151.00	-	-	-	-
वेतन वृद्धि की दर में –1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	(167.80)	-	-	-	-
कर्मचारी टर्न ओवर की दर में +1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	152.00	-	-	-	(8.00)
कर्मचारी टर्न ओवर की दर में –1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	(169.20)	-	-	-	9.30

एमआरपीएल हेतु :

31 मार्च, 2018 के अनुसार संवेदनशीलता विश्लेषण (₹ मिलियन में)

महत्वपूर्ण बीमांकिक मान्यताएं	उपदान	सेवानिवृत्ति– पश्च चिकित्सा लाभ	सेवांत लाभ
छूट की दर			
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	(69.32)	(4.74)	(0.70)
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	80.82	5.27	0.78
वेतन में बढ़ोत्तरी की दर			
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	34.95	-	0.79
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	(37.85)	-	(0.72)
कर्मचारी टर्नओवर की दर			
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	29.79	(1.90)	0.20
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	(33.37)	1.60	(0.22)

ओएमपीएल हेतु :

31 मार्च, 2018 के अनुसार संवेदनशीलता विश्लेषण (₹ मिलियन में)

महत्वपूर्ण बीमांकिक मान्यताएं	उपदान
छूट दर	
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	(2.48)
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	2.76
वेतन में बढ़ोत्तरी	
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	2.72
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	(2.47)
कर्मचारी टर्नओवर	
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	(0.13)
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	0.14

46.13.2 **31 मार्च, 2017 के अनुसार संवेदनशीलता विश्लेषण**

ओएनजीसी तथा ओवीएल हेतु:

(₹ मिलियन में)

महत्वपूर्ण बीमांकिक मान्यताएं	उपदान	अवकाश	सेवानिवृत्ति– पश्च चिकित्सा लाभ	सेवांत लाभ
छूट दर				
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	(722.19)	(836.73)	(2,654.51)	(13.90)
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	763.69	869.97	2,221.64	14.79
वेतन में बढ़ोत्तरी				
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	176.91	872.57	-	-
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	(183.70)	(826.51)	-	-
लागत वृद्धि				
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	-	-	2,238.82	13.83
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	-	-	(2,647.25)	(14.71)

एचपीसीएल हेतु :

(₹ मिलियन में)

31 मार्च, 2017	उपदान	पीआरएमबीएस	पेंशन	अनुग्रह राशि	पुनर्स्थापन भत्ता
छूट की दर में +1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	(497.60)	(776.30)	(29.90)	(10.00)	(8.30)
छूट की दर में –1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	564.40	979.30	33.60	10.70	9.50
भविष्य की लाभ लागत वृद्धि में +1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	-	985.00	-	-	-
भविष्य की लाभ लागत वृद्धि में –1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	-	(784.30)	-	-	-
वेतन वृद्धि की दर में +1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	174.90	-	-	-	-
वेतन वृद्धि की दर में –1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	(196.10)	-	-	-	-
कर्मचारी टर्नओवर की दर में +1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	134.10	-	-	-	-
कर्मचारी टर्नओवर की दर में –1% परिवर्तन का डेल्टा प्रभाव	(148.70)	-	-	-	-

एमआरपीएल हेतु :

31 मार्च, 2017 के अनुसार संवेदनशीलता विश्लेषण

(₹ मिलियन में)

महत्वपूर्ण बीमांकिक मान्यताएं	उपदान	सेवानिवृत्ति– पश्च चिकित्सा लाभ	सेवांत लाभ
छूट की दर			
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	(36.75)	(4.95)	(0.79)
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	39.88	5.53	0.88
वेतन बढ़ोत्तरी की दर			
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	40.41	-	0.89
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	(37.53)	-	(0.81)
कर्मचारी टर्नओवर की दर			
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	6.72	(2.15)	0.18
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	(7.17)	1.85	(0.19)

ओएमपीएल हेतु :

31 मार्च, 2017 के अनुसार संवेदनशीलता विश्लेषण

(₹ मिलियन में)

महत्वपूर्ण बीमांकिक मान्यताएं	उपदान
छूट दर	
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	(2.14)
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	2.40
वेतन बढ़ोत्तरी	
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	1.94
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	(1.96)
कर्मचारी टर्नओवर	
– 50 आधार बिंदु की वृद्धि के कारण प्रभाव	(0.17)
– 50 आधार बिंदु की कमी के कारण प्रभाव	0.18

प्रस्तुत संवेदनशीलता विश्लेषण निर्धारित लाभ दायित्व में वास्तविक परिवर्तन का प्रतिनिधि नहीं भी हो सकता है क्योंकि इसकी संभावना नहीं है कि मान्यताओं में परिवर्तन एक दूसरे से पृथक होगा क्योंकि कुछ मान्यताएं सह–संबंधित हो सकती हैं। मृत्यु दर तथा निकासी के कारण संवेदनशीलता भौतिक नहीं है और अतः परिवर्तन के प्रभाव की गणना नहीं की गई है।

इसके अतिरिक्त, उक्त संवेदनशीलता विश्लेषण को प्रस्तुत करने में निर्धारित लाभ देयता के वर्तमान मूल्य की गणना रिपोर्टिंग अवधि के अंत में प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके की गई है, जो तुलन–पत्र में मान्यता दी गई निर्धारित लाभ बाध्यता दायित्व की गणना करते समय प्रयोग किए गए के समान है।

46.14 निर्धारित लाभ बाध्यता और अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभों का परिपक्वता विवरण :

ओएनजीसी तथा ओवीएल हेतु : (₹ मिलियन मे)

निर्धारित लाभ	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
उपदान :		
एक वर्ष से कम	5,324.54	4,719.88
एक से तीन वर्ष	4,127.26	2,947.15
तीन से पांच वर्ष	2,050.76	2,504.85
पांच वर्ष से अधिक	16,948.99	19,961.48
अवकाश :		
एक वर्ष से कम	4,003.07	3,777.26
एक से तीन वर्ष	6,753.92	5,717.78
तीन से पांच वर्ष	5,104.01	6,450.95
पांच वर्ष से अधिक	11,850.75	12,730.06

एचपीसीएल हेतु : (₹ मिलियन मे)

31.03.2018	1 वर्ष से कम	1 से 2 वर्ष	2 से 5 वर्ष	6 से 10 वर्ष
उपदान	1,044.50	729.50	3,272.50	4,275.20
पीआरएमबीएस	336.10	368.20	1,327.30	2,342.30
पेंशन	51.10	50.80	149.80	239.10
अनुग्रह राशि	49.00	48.40	140.70	216.30
पुनर्स्थापन भत्ता	11.10	7.00	42.20	64.70
कुल	**1,491.80**	**1,203.90**	**4,932.50**	**7,137.60**

(₹ मिलियन मे)

31.03.2017	1 वर्ष से कम	1 से 2 वर्ष	2 से 5 वर्ष	6 से 10 वर्ष
उपदान	928.5	685.4	3089	4,527.5
पीआरएमबीएस	283	308.9	1,110.9	1,991.9
पेंशन	68.2	67.8	200.4	321.9
अनुग्रह राशि	52.4	51.2	149.5	223.2
पुनर्स्थापन भत्ता	9.6	6.4	38.9	70.2
कुल	**1,341.7**	**1,119.7**	**4,588.7**	**7,134.7**

एमआरपीएल हेतु

निर्धारित लाभ बाध्यता का परिपक्वता विवरण :

(₹ मिलियन मे)

निर्धारित लाभ	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
उपदान :		
एक वर्ष से कम	55.23	31.21
एक से तीन वर्ष	89.60	63.81
तीन से पांच वर्ष	111.20	75.14
पांच वर्ष से अधिक	321.31	239.24
सेवानिवृत्ति–पश्च चिकित्सा लाभ		
एक वर्ष से कम	2.27	1.97
एक से तीन वर्ष	5.06	4.49
तीन से पांच वर्ष	5.90	5.24
पांच वर्ष से अधिक	19.88	17.47
पुनर्स्थापन भत्ता		
एक वर्ष से कम	0.35	0.32
एक से तीन वर्ष	0.75	0.77
तीन से पांच वर्ष	0.75	0.75
पांच वर्ष से अधिक	2.06	2.00

47. खंड रिपोर्टिंग

47.1 समूह ने विभिन्न जोखिमों तथा प्रतिफल, संगठन ढांचे और आंतरिक रिपोर्टिंग प्रणालियों को ध्यान में रखते हुए खंडों की पहचान तथा उन्हें सूचित किया है। इन्हें निम्नलिखित भौगोलिक और व्यापार खंडों में व्यवस्थित किया गया है :

भौगोलिक खंड

क. भारत में –

- अपतट
- अभितट

ख. भारत के बाहर

व्यापार खंड

क. अन्वेषण और उत्पादन

ख. रिफाइनिंग और विपणन

47.2 खंड राजस्व, परिणाम, परिसंपत्ति और देयताएं

47.2.1 रिपोर्टयोग्य खंड द्वारा सतत प्रचालनों से समूह के राजस्व, परिणाम, परिसंपत्तियों तथा देयताओं का विश्लेषण इस प्रकार है :

(₹ मिलियन मे)

विवरण	2017–18						
	भारत में			भारत से बाहर	अनिर्धारित	अंतः खंड बिक्री का निरसन	सकल योग
	अन्वेषण एवं उत्पादन		रिफाइनिंग और विपणन	अन्वेषण एवं उत्पादन			
	अपतट	अभितट					
राजस्व खंड							
बाह्य बिक्री	412,037.53	245,944.98	2,859,692.53	104,175.74	611.05	-	3,622,461.83
अतः खंड बिक्री	169,754.21	20,286.56	221,826.72	-	697.85	(412,565.33)	-
प्रचालनों से राजस्व	**581,791.74**	**266,231.54**	**3,081,519.24**	**104,175.74**	**1,308.89**	**(412,565.33)**	**3,622,461.83**
खंड परिणाम – लाभ/ (हानि)	221,652.65	39,091.46	112,933.88	6,388.54			**380,066.52**
अनावंटित कारपोरेट व्यय					20,898.10		**20,898.10**
कुल	**221,652.65**	**39,091.46**	**112,933.89**	**6,388.54**	**(20,898.10)**		**359,168.43**
वित्त लागतें					49,990.43		**49,990.43**
ब्याज आय					36,116.23		**36,116.23**
लाभांश आय					15,987.44		**15,987.44**
संयुक्त का लाभ/हानि का हिस्सा उद्यम और सहयोगी कंपनी का अंश			13,217.01	23,695.63	(6,119.28)	(3,662.02)	**27,131.34**
कर पूर्व लाभ	**221,652.65**	**39,091.46**	**126,150.88**	**30,084.17**	**(24,904.14)**		**392,075.02**
आयकर					131,395.16		**131,395.16**
वर्ष हेतु लाभ							**260,679.86**
खंड परिसंपत्तियां	1,178,443.65	552,916.44	1,203,382.89	1,102,819.89			**4,037,562.87**
अनिर्धारित कारपोरेट व्यय					564,786.18		**564,786.18**
कुल परिसंपत्तियां	**1,178,443.65**	**552,916.44**	**1,203,382.89**	**1,102,819.89**	**564,786.18**		**4,602,349.05**
खंड देयताए	300,171.45	109,157.91	801,403.49	625,880.52			**1,836,613.36**
अनावंटित कारपोरेट देयताएं					569,486.68		**569,486.68**
कुल देयताएं	**300,171.45**	**109,157.91**	**801,403.49**	**625,880.52**	**569,486.68**		**2,406,100.04**
अन्य सूचना							
मूल्यह्रास *	115,922.82	31,376.05	37,709.56	48,393.56	1,305.25		**234,707.24**
क्षति (संबंधित असाधारण हानियों सहित) **	1,085.50	(4,907.39)	258.90	(2,740.12)	-		**(6,303.11)**
अन्य गैर नकद व्यय	2,066.87	765.08	472.34	11,709.30	59.36		**15,072.95**

विवरण	2016.17						
	भारत में			अन्वेषण एवं उत्पादन	अनिर्धारित	अंतः खंड बिक्री का निरसन	सकल योग
	अन्वेषण एवं उत्पादन		रिफाइनिंग और विपणन				
	अपतट	अभितट					
राजस्व खंड							
बाह्य बिक्री	391,547.94	221,130.82	2,542,501.59	100,799.77	682.10	-	3,256,662.21
अतः खंड बिक्री	152,266.49	12,402.95	202,014.77	-	601.18	(367,285.40)	-
प्रचालनों से राजस्व	**543,814.43**	**233,533.76**	**2,744,516.36**	**100,799.77**	**1,283.28**	**(367,285.40)**	**3,256,662.21**
खंड परिणाम – लाभ/ (हानि)	236,476.31	6,176.91	136,225.58	7,529.60			**386,408.40**

अनावंटित कारपोरेट व्यय					21,246.07		**21,246.07**
कुल	**236,476.31**	**6,176.91**	**136,225.58**	**7,529.61**	**(21,246.07)**		**365,162.34**
वित्त लागतें					35,911.08		**35,911.08**
ब्याज आय					36,172.19		**36,172.19**
लाभांश आय					17,527.24		**17,527.24**
लाभ/हानी में सयुंक्त उदगमों और एसोसिएट का अंश			23,236.60	15,487.22	(4,499.11)	(6,124.81)	**28,099.90**
कर पूर्व लाभ	**236,476.31**	**6,176.91**	**159,462.19**	**23,016.84**	**(7,956.84)**		**417,175.41**
आयकर					125,484.22		**125,484.22**
वर्ष हेतु लाभ							**291,691.19**
खंड परिसंपत्तियां	1,060,842.78	495,474.28	1,125,509.64	1,087,356.25			**3,769,182.95**
अनाबंटित कारपोरेट परिसंपत्तियाँ					684,791.83		**684,791.83**
कुल परिसंपत्तियां	**1,060,842.78**	**495,474.28**	**1,125,509.64**	**1,087,356.25**	**684,791.83**		**4,453,974.78**
खंड देयताएं	250,732.07	94,019.79	774,755.63	617,252.24			**1,736,759.73**
अनावंटित कारपोरेट देयताएँ					640,443.17		**640,443.17**
कुल देयताएं	**250,732.07**	**94,019.79**	**774,755.63**	**617,252.24**	**640,443.17**		**2,377,202.90**
अन्य सूचना							
मूल्यह्रास *	101,812.60	28,821.29	37,317.53	42,904.83	1,020.42		**211,876.67**
क्षति (संबंधित अपवादजनक हानियों सहित) **	3,338.96	(13,023.62)	(15,972.91)	10,062.78	-		**(15,594.79)**
अन्य गैर नकद व्यय	774.29	791.45	362.17	1,398.28	26.45		**3,352.64**

** क्षय तथा परिशोधन भी शामिल हैं।*

*** अपवादजनक मदें अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में ₹ 2740.12 मिलियन की क्षति (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 10062.78 मिलियन के क्षति प्रभार) के पश्च लेखन को प्रदर्शित करती है। इसी प्रकार अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में अपवादजनक मदें वित्तीय वर्ष 2003–4 से पश्चगामी रूप से ₹ 258.90 मिलियन (पिछले वर्ष अति देय व्यापार प्राप्यों के निपटान से उत्पन्न होने वाले विनिमय दर भिन्नता लाभ के कारण पिछले वर्ष में ₹ 15972.91 मिलियन की राशि की अपवादजनक मदों का लाभ शामिल था।) (देखें टिप्पणी 42)।*

47.2.2 ऊपर सूचित खंड राजस्व बाहरी ग्राहकों से उत्पन्न राजस्व को दर्शाता है।

47.2.3 रिपोर्ट किए गए खंडों की लेखांकन नीतियां टिप्पणी–3 में वर्णित समूह की लेखांकन नीतियों के समान है। खंड परिणाम प्रत्येक खंड द्वारा वित्त लागत तथा ब्याज/लाभांश आय जैसी अन्य आय को छोड़कर अर्जित कर–पूर्व लाभ को दर्शाता है। यह संसाधन आवंटन और खंड निष्पादन के प्रयोजनों हेतु मुख्य प्रचालक निर्णयकर्ता को सूचित की जाने वाली मद है।

47.2.4 खंड राजस्व, परिणामों, परिसंपत्तियों तथा देयताओं में प्रत्येक खंड को चिन्हित संबंधित राशियां तथा तर्कसंगत आधार पर आवंटित राशि शामिल है। आवंटित न किए गए व्यय में सभी खंडों हेतु व्यय किया गया आम व्यय और कारपोरेट स्तर पर किए गए व्यय शामिल होते हैं। वित्त लागत में खंड को आवंटित न की गई बंद किए जाने की देयताओं पर छूट को हटाना भी शामिल होता है।

47.3 गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों में वृद्धि

47.3.1 कंपनी के संबंध में, वित्तीय लिखत के अतिरिक्त गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों में वृद्धि में विलंबित कर परिसंपत्तियां, नियोजन–पश्च लाभ परिसंपत्तियां, स्थल द्वारा विभाजित परिसंपत्तियां शामिल होती हैं :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
अपतट	113,875.28	81,212.69
अभितट	34,761.96	33,793.11
अनावंटित	**3,185.16**	**769.56**
कुल	**151,822.70**	**115,775.36**

47.3.2 अनुषंगी कंपनी ओवीएल, एमआरपीएल तथा एचपीसीएल के संबंध में, वित्तीय लिखत के अतिरिक्त गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों में वृद्धि में विलंबित कर परिसंपत्तियां, नियोजन–पश्च लाभ परिसंपत्तियां, स्थल द्वारा विभाजित परिसंपत्तियां शामिल होती हैं।

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
ओवीएल	(19,000.70)	(31,640.19)
एमआरपीएल	4,598.92	(5,695.20)
एचपीसीएल	52,579.40	53,907.50

47.4 प्रमुख उपभोक्ताओं के संबंध में सूचना

समूह के महत्वपूर्ण राजस्व तेल विपणन कंपनियों तथा अंतर्राष्ट्रीय तेल कंपनियों (आईओसी) को बिक्री से प्राप्त होते हैं।

किसी अन्य एकल ग्राहक ने वर्ष 2017–18 तथा 2016–17 हेतु समूह के राजस्व में 10 प्रतिशत या उससे अधिक का योगदान नहीं दिया है।

47.5 भौगोलिक क्षेत्रों के संबंध में सूचना

- समूह भारत में अधिवासित है। बहारी उपभोक्ताओं से इसके राजस्व की राशि को ग्राहकों के स्थल–वार नीचे तालिका में दर्शाया गया है :

(₹ मिलियन में)

बाहरी ग्राहकों से राजस्व	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
भारत	3,272,438.33	2,951,720.71
अन्य देश	326,389.55	281,037.92
कुल	**3,598,827.88**	**3,232,758.63**

- वित्तीय लिखत के अतिरिक्त गैर–वर्तमान परिसंपत्तियों, विलंबित कर परिसंपत्तियां, नियोजन–पश्च लाभ परिसंपत्तियां, स्थल द्वारा विभाजित परिसंपत्तियों के योग को नीचे दर्शाया गया हैं :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
भारत	2,307,359.98	2,096,711.35
अन्य देश	691,840.45	713,185.42
कुल	**2,999,200.43**	**2,809,896.77**

47.6 उत्पादों और सेवाओं के संबंध में सूचना

समूह खनिज तेल, प्राकृतिक गैस, मूल्यवर्धित उत्पादों और डाउनस्ट्रीम (रिफाइनरी तथा पेट्रोरसायन) प्रचालनों की बिक्री से राजस्व प्राप्त करता है।

48. संबंधित पक्षकार संव्यवहार

48.1 संबंधित पक्षकारों के नाम और संबंध का विवरण :

क. अनुषंगी कंपनियां

1. ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल)
1.1. ओएनजीसी नील गंगा बी.वी (ओएनजीबीवी)
1.1.1. ओएनजीसी कम्पोस लिमिटेड
1.1.2. ओएनजीसी नील गंगा (साइप्रस) लिमिटेड
1.1.3. ओएनजीसी नील गंगा (सेन क्रिस्टोबल) बी.वी.
1.1.4. ओएनजीसी कैस्पियन ई. एंड पी. बी.वी
1.2. ओएनजीसी नर्मदा लिमिटेड (ओएनएल)
1.3. ओएनजीसी अमेजन अलकनंदा लिमिटेड (ओएएएल)
1.4. इम्पीरियल एनर्जी लिमिटेड
1.4.1. इम्पीरियल एनर्जी टॉम्स्क लिमिटेड
1.4.2. इम्पीरियल एनर्जी (साइप्रस) लिमिटेड
1.4.3. इम्पीरियल एनर्जी नॉर्ड लिमिटेड
1.4.4. बायनकस होल्डिंग्स लिमिटेड
1.4.5. रेडक्लिफ होल्डिंग्स लिमिटेड
1.4.6. इम्पीरियल फ्रेक सर्विसेज़ (साइप्रस) लिमिटेड
1.4.7. सेन एजिओ इन्वेस्टमेंट लिमिटेड
1.4.8. एलएलसी सिबिंटरनेफ्त
1.4.9. एलएलसी एलाइंसनेफ्तगेज
1.4.10. एलएलसी नॉर्ड इम्पीरियल
1.4.11. एलएलसी रस इम्पीरियल ग्रुप
1.4.12. एलएलसी इम्पीरियल फ्रैक सर्विसेस
1.5. काराबोबो वन एबी
1.5.1. पेट्रो काराबोबो गंगा बी.वी.
1.6. ओएनजीसी (बीटीसी) लिमिटेड
1.7. ब्यास रोवूमा एनर्जी मोजाम्बिक लिमिटेड
1.8. ओएनजीसी विदेश रोवूमा लि. (ओवीआरएल)
1.9. ओएनजीसी विदेश अटलांटिक कॉरपोरेशन (ओवीएआई)
1.10. ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्रा. लिमिटेड
1.10.1 ओएनजीसी विदेश वेन्कोरनेफ्ट प्रा. लिमिटेड
1.11 इंडस ईस्ट मेडीटेरेनियन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड, इजराइल
2. मंगलौर रिफाइनरी एडं पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल)
3. ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (ओएमपीएल)
4. हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) (31 जनवरी, 2018 से)
4.1 प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड
4.2 एचपीसीएल बायो फ्यूल्स लिमिटेड
4.3 प्राइज पेट्रोलियम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड
4.4 एचपीसीएल मिडिल ईस्ट एफजेसीओ
5. पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल) (31 जनवरी, 2018 से)

ख. संयुक्त उद्यम

1. पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल) (30 जनवरी, 2018 तक)
2. मंगलौर सेज लिमिटेड (एमएसईजेड)
3. ओएनजीसी पेट्रो एडीशंस लिमिटेड (ओपीएल)
4. ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी)
5. ओएनजीसी टेरी बॉयोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल)
6. दहेज एसईजेड लिमिटेड (डीएसईजेड)

7. ओएनजीसी मितताल एनर्जी लिमिटेड (ओएमईएल) (ओवीएल के माध्यम से)
8. एसयूडीडी पेट्रोलियम ऑपरेटिंग कंपनी, मॉरीशस (ओवीएल के माध्यम से)
9. मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड, कोलंबिया (ओवीएल के माध्यम से)
10. हिमालय एनर्जी सीरिया बी.वी., नीदरलैंड (ओवीएल के माध्यम से)
11. शैल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड (एसएमएएसएल) (एमआरपीएल के माध्यम से)
12. मंगलम रिटेल सर्विसेस लिमिटेड (एमआरपीएल के माध्यम से) (16 जनवरी, 2017 तक)
13. एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
14. क्रेडा एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
15. एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
16. हिंदुस्तान कोल्स प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
17. साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
18. भाग्यनगर गैस लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
19. गोदावरी गैस प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
20. एचपीसीएल शापूरजी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
21. मुंबई एविएशन फ्यूल फार्म फैसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
22. पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
23. अवंतिका गैस लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
24. रत्नागिरी रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
25. नार्थ ईस्ट ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (एनईटीसी) (ओटीपीसी के माध्यम से)
26. मंगलौर एसटीपी लिमिटेड (एमएसईजेड के माध्यम से)
27. एमएसईजेड पावर लिमिटेड (एमएसईजेड के माध्यम से)
28. अडानी पेट्रोनेट दहेज पोर्ट प्रा. लि. (एपीपीपीएल) (पीएलएल के माध्यम से)

ग. एसोसिएट

1. पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)
2. पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)
3. मोजाम्बिक एलएनजी1 कंपनी प्रा. लि. (ओवीएल के माध्यम से)
4. पेट्रो काराबोबो एसए, वेनेजुएला (ओवीएल के माध्यम से)
5. काराबोबो इन्जेनेरिया वाई कंस्ट्रक्शंस, एस.ए., वेनेजुएला (ओवीएल के माध्यम से)
6. पेट्रोलेरा इंडोवेनेजोलाना एसए, वेनेजुएला (ओवीएल के माध्यम से)
7. साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन लिमिटेड, हांगकांग (ओवीएल के माध्यम से)
8. तम्बा बी.वी., नीदरलैंड (ओवीएल के माध्यम से)
9. जेएससी वैन्कोरनेफ्ट,रूस (ओवीएल के माध्यम से)
10. फाल्कन ऑयल एंड गैस बी.वी., नीदरलैंड (ओवीएल के माध्यम से)
11. जीएसपीएल इंडिया गैसनेट लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)
12. जीएसपीएल इंडिया ट्रांसको लिमिटेड (एचपीसीएल के माध्यम से)

घ. न्यास (सेवानिवृत्ति–पश्च कर्मचारी लाभ न्यास सहित) जिन पर ओएनजीसी का नियंत्रण है

1. ओएनजीसी अंशदायी भविष्य निधि न्यास
2. ओएनजीसी सीएसएसएस न्यास
3. ओएनजीसी सहयोग न्यास
4. ओएनजीसी पीआरबीएस न्यास
5. ओएनजीसी उपदान निधि
6. ओएनजीसी एनर्जी सेंटर
7. ओएनजीसी फाउन्डेशन
8. एमआरपीएल उपदान निधि न्यास
9. एमआरपीएल भविष्य निधि न्यास
10. उज्ज्वला प्लस फाउन्डेशन

ङ. कंपनी के प्रमुख प्रबंधन कर्मिक

ङ1. पूर्णकालिक निदेशक

1. श्री शशि शंकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (01 अक्तूबर, 2017 से)
2. श्री डी.के. सर्राफ, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (30 सितम्बर, 2017 तक)
3. श्री डी.डी. मिश्र, निदेशक (मानव संसाधन)
4. श्री ए.के. द्विवेदी, निदेशक (अन्वेषण)
5. श्री राजेश कक्कड़, निदेशक (अपतट) (19 फरवरी, 2018 से)
6. श्री सुभाष कुमार, निदेशक (वित्त) (31 जनवरी, 2018 से)
7. श्री संजय कुमार मोइत्रा, निदेशक (अभितट) (18 अप्रैल, 2018 से)
8. श्री वी.पी. महावर, निदेशक (अभितट) (28 फरवरी, 2018 तक)
9. श्री शशि शंकर, निदेशक (टी एवं एफएस) (30 सितम्बर, 2017 तक)
10. श्री ए.के. श्रीनिवासन, निदेशक (वित्त) (31 अक्तूबर, 2017 तक)
11. श्री टी.के. सेनगुप्ता, निदेशक (अपतट) (31 दिसम्बर, 2017 तक)

ङ2. कंपनी सचिव

1. श्री एम ई वी सेल्वम, कंपनी सचिव (01 जून, 2017 से)
2. श्री वी.एन.मूर्ति, कंपनी सचिव (31 मई, 2017 तक)

ङ3. स्वतंत्र निदेशक

1. श्री अजय मल्होत्रा
2. श्री के.एम.पदमनाभन
3. प्रो.एस.बी.केदारे
4. श्री विवेक माल्या
5. श्री सुमित बोस
6. श्री दीपक सेठी
7. डा. संतृप्त मिश्रा
8. श्रीमती गंगा मूर्ति, 23 सितम्बर, 2017 से
9. श्री संबित पात्रा, 28 अक्तूबर, 2017 से

ङ4. सरकारी नामिति – निदेशक

1. श्री अमर नाथ
2. श्री राजीव बंसल (10 अगस्त, 2017 से)
3. श्री ए.पी.सहानी (23 जून, 2017 तक)
4. श्री यू.पी.सिंह (28 जून, 2016 तक)

च1. सहायक कंपनियों के प्रमुख प्रबंधन कार्मिक

1 श्री एच. कुमार, प्रबंध निदेशक, एमआरपीएल,
2 श्री एम. वेंकटेश, निदेशक (रिफाइनरी), एमआरपीएल
3 श्री ए.के.साहू, निदेशक (वित्त), एमआरपीएल
4 श्री नरेन्द्र के वर्मा, प्रबंध निदशक, ओवीएल

5	श्री पी. के. राव, निदेशक (प्रचालन), ओवीएल
6	श्री सुधीर शर्मा, निदेशक (अन्वेषण), ओवीएल
7	श्री विवेकानंद, निदेशक (वित्त), ओवीएल, (1 सितम्बर, 2017 से)
8	श्री एम. सेल्वाकुमार, प्रबंध निदेशक (01 मई, 2017 से नियुक्त), पीएमएचबीएल
9	श्री अनिल कुराना, 30 अप्रैल, 2017 तक प्रबंध निदेशक, पीएमएचबीएल
10	कुमार हरीहरन, निदेशक, पीएमएचबीएल
11	राकेश कौल, निदेशक (3 नवम्बर, 2017 से) पीएमएचबीएल
12	वेंकटेश माधव राव, निदेशक, पीएमएचबीएल
13	जे.एस.प्रसाद, निदेशक, पीएमएचबीएल
14	सत्य प्रकाश गुप्ता, निदेशक, पीएमएचबीएल
15	सुनील कुमार गुप्ता, निदेशक (5 अक्तूबर, 2017 तक) , पीएमएचबीएल
16	वनिता कुमार, निदेशक, पीएमएचबीएल
17	श्री मुकेश कुमार सुराना, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक – एचपीसीएल
18	श्री पुष्प कुमार जोशी, निदेशक – मानव संसाधन, एचपीसीएल
19	श्री जे. रामास्वामी, निदेशक – वित्त, एचपीसीएल
20	श्री एस. जयकृष्णन, निदेशक – विपणन, एचपीसीएल
21	श्री विनोद एस. शिनॉय, निदेशक –रिफाइनरी, एचपीसीएल

छ2. स्वतंत्र निदेशक

1	श्री अजय मल्होत्रा
2	श्री भारतेंदू नाथ श्रीवास्तव (15 सितम्बर, 2017 से)
3	श्रीमती किरन ओबराय वासुदेव (15 सितम्बर, 2017 से)
4	श्री राकेश कक्कड़ (15 सितम्बर, 2017 से)
5	श्री राम निवास जैन, एचपीसीएल
6	श्रीमती असीफा खान, एचपीसीएल
7	श्री जी.वी.कृष्णा, एचपीसीएल
8	डा. त्रिलोक नाथ सिंह, एचपीसीएल
9	श्री अमर सिन्हा (21.09.2017 से), एचपीसीएल
10	श्री सिराज हुसैन (21.09.2017 से), एचपीसीएल

छ2. सरकारी नामिति – निदेशक

1	श्री संजय सुधीर, संयुक्त सचिव (आईसी), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार, ओवीएल
2	सुश्री शर्मिला छावले, संयुक्त सचिव, आर्थिक मामले विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार (15 जनवरी, 2018 तक), ओवीएल
3	डा. कुमार वी. प्रताप, संयुक्त सचिव, आर्थिक मामले विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार (16 जनवरी, 2018 से), ओवीएल
4	श्री संदीप पौंडरिक
5	श्रीमती सुषमा ताइशेते (05.12.2017 से)
6	श्रीमती ऊर्वशी साधवानी (24.11.2017 तक)

छ3. अन्य गैर–कार्यकारी निदेशक

1	श्री विनोद एस.शिनॉय, नामिति निदेशक, एमआरपीएल
2	श्रीमती पेरिन देवी, सरकारी नामिति निदेशक, एमआरपीएल, 24 नवम्बर, 2017 तक
3	श्री दिवाकर नाथ मिश्रा, सरकारी नामिति निदेशक, एमआरपीएल, 24 नवम्बर, 2017 तक
4	श्री के.एम.महेश, सरकारी नामिति निदेशक, एमआरपीएल, 24 नवम्बर, 2017 से
5	श्री संजय कुमार जैन, सरकारी नामिति निदेशक, एमआरपीएल, 24 नवम्बर, 2017 से
6	सुश्री मंजुला, स्वतंत्र निदेशक, एमआरपीएल
7	श्री वी.पी.हरन, स्वतंत्र निदेशक, एमआरपीएल, 08 सितम्बर, 2017 से
8	श्री सेवा राम, स्वतंत्र निदेशक, एमआरपीएल, 08 सितम्बर, 2017 से
9	श्री जी.के.पटेल, स्वतंत्र निदेशक, एमआरपीएल, 08 सितम्बर, 2017 से
10	श्री बलबीर सिंह यादव, स्वतंत्र निदेशक, एमआरपीएल, 08 सितम्बर, 2017 से
11	श्री आई एस एन प्रसाद, स्वतंत्र निदेशक (27 मार्च, 2017 तक), ओएमपीएल
12	श्री संतोष नौटियाल, स्वतंत्र निदेशक (27 मार्च, 2017 तक), ओएमपीएल
13	श्री जी.एम.रामामूर्ति, स्वतंत्र निदेशक (27 मार्च, 2017 तक), ओएमपीएल
14	श्री एम.एम.चिताले, स्वतंत्र निदेशक (27 मार्च, 2017 तक), ओएमपीएल

छ4. सीएफओ और कंपनी सचिव

1	श्री दिनेश मिश्रा, कंपनी सचिव, एमआरपीएल
2	श्री के.सुशील शिनॉय, मुख्य वित्त अधिकारी और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रभारी, ओएमपीएल
3	श्री के.बी. श्याम कुमार, कंपनी सचिव, ओएमपीएल
4	श्री रजनी कांत (13 नवम्बर, 2017 से), ओवीएल
5	श्री एस.बी.सिंह, कंपनी सचिव (12 नवम्बर, 2017 तक), ओवीएल
6	चंदन कुमार दास, सीएमओ, पीएमएचबीएल
7	सचिन जायसवाल, कंपनी सचिव, पीएमएचबीएल
8	श्री श्रीकांत मधुकर भोसेकर, कंपनी सचिव, एचपीसीएल

48.2 अनुषंगी कंपनी ओवीएल में 47.52 प्रतिशत का प्रभावी स्वामित्व हित है परन्तु इसके एलएलसी सिबिनटरनेफ्त में 55.90 प्रतिशत मताधिकार है।

48.3 समाप्ति के पश्चात संबंधित पक्षकार संव्यवहार का ब्यौरा

48.3.1 अनुषंगी कंपनियों के साथ अंतर–समूह संबंधित पक्षकार संव्यवहारों और बकाया शेष को समूह के समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करने में समाप्त किया जाता है। अतः उक्त को समूह के संबंधित संव्यवहारों में प्रकट नहीं किया गया है।

48.3.2 संयुक्त उद्यमों के साथ संव्यवहार

(₹ मिलियन में)

संबंधित पक्षकार का नाम	संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
निम्नलिखित से उत्पाद की खरीद :			
क) एचपीसीएल – मित्तल एनर्जी लिमिटेड	पेट्रोलियम उत्पाद	244,432.60	231,011.80
ख) हिंदुस्तान कोल्स प्रा. लि.	पेट्रोलियम उत्पाद	716.20	1,153.40
ग) शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड (एसएमएएफएसएल)	संदूषित उत्पाद	0.62	-
निम्नलिखित को उत्पाद की बिक्री :			
क) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	प्राकृतिक गैस की बिक्री	5,486.38	5,389.99
ख) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	नाफ्था और सी2–सी3 की बिक्री	36,599.87	16,055.62
ग) शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड (एसएमएएफएसएल)	पेट्रोलियम उत्पाद	4,749.18	4,720.78
घ) एचपीसीएल – मित्तल एनर्जी लिमिटेड		597.90	866.10
ङ) हिंदुस्तान कोल्स प्रा. लिमिटेड		3,243.70	3,324.80
च) साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्रा. लिमिटेड		0.90	1.70
निम्नलिखित से सेवाएं प्राप्त की :			
क) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	जैव–उपचार सेवाएं	127.60	191.57
ख) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	सी2–सी3 संयंत्र हेतु एसईजेड भूमि के लिए पट्टा किराया प्रभार	13.67	8.71
ग) एमएसईजेड लिमिटेड	आपूर्ति और सेवाएं प्राप्त तथा पट्टा किराया	963.91	989.57
घ) एचपीसीएल – मित्तल एनर्जी लिमिटेड	अन्य सेवाएं प्राप्त की गई		
ङ) हिंदुस्तान कोल्स प्रा. लि.	अन्य सेवाएं प्राप्त की गई	122.50	156.00
च) साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्रा. लिमिटेड	अन्य सेवाएं प्राप्त की गई	11.60	23.60
		1,201.90	1,251.20
निम्नलिखित को सेवाएं प्रदत्त :			
क) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	जनशक्ति प्रतिनियुक्ति, लोडिंग और अन्य प्रभार	202.12	374.54
ख) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	फील्ड अध्ययन प्रभार और कालोनी आवास हेतु किराया	0.19	3.94
ग) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	प्रबंधन परामर्श और ब्याज प्रभार	0.12	1.1
घ) मंगलौर एसईजेड लिमिटेड	अन्य प्रतिपूर्ति	0.09	0.03
घ) मंगलौर एसईजेड लिमिटेड	विद्युत प्रभारों की प्रतिपूर्ति और रायल्टी आय	9.23	10.78
ङ) शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड (एसएमएएफएसएल)	जनशक्ति आपूर्ति सेवा, पट्टा किराया और अन्य सेवाएं	198.10	158.70
च) एचपीसीएल – मित्तल एनर्जी लिमिटेड	जनशक्ति आपूर्ति सेवा, पट्टा किराया और अन्य सेवाएं		
छ) हिंदुस्तान कोल्स प्रा. लि.		60.20	52.80
ज) साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्रा. लिमिटेड	जनशक्ति आपूर्ति सेवा		
	पट्टा किराया और अन्य सेवाएं	22.30	26.60
निम्नलिखित से प्राप्त लाभांश आय :			
क) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड		700.00	-
ख) शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड (एसएमएएफएसएल)		112.50	7.50
ग) हिंदुस्तान कोल्स प्रा. लिमिटेड		472.50	165.40
घ) साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्रा. लिमिटेड		725.00	325.00
ङ) पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड		7.20	36.80

संबंधित पक्षकार का नाम	संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
अतिरिक्त निवेश :			
क) मोजाम्बिक एलएनजी 1 कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	इक्विटी शेयरों में निवेश/ इक्विटी शेयरों में परिवर्तित	-	16.66
ख) एचपीसीएल शापूरजी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड		70.00	15.00
दी गई प्रतिबद्धताएं			
- ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	शेयर वारंट का सब्सक्रिपशन	-	480.5
- ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	बाध्यकारी परिवर्तनीय डिबेंचर हेतु सपोर्ट रोकना	21,630.00	56,150.00
- ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	बाध्यकारी परिवर्तनीय डिबेंचर हेतु सपोर्ट रोकना – प्रोदभूत ब्याज	1,058.13	3,612.06

48.3.3 संयुक्त उद्यमों के साथ बकाया शेष

(₹ मिलियन मे)

संबंधित पक्षकार नाम	संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
प्रयाप्त राशि :			
क) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	7,412.62	3,658.13
ख) ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	258.98	263.3
ग) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	0.01	0.01
घ) शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एण्ड सर्विसेस लिमिटेड (एसएमएएफएसएल)	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	426.41	510.17
ङ) ओएनजीसी मित्तल एनर्जी लिमिटेड (ओएमईएल)	अन्य प्राप्य	293.20	292.89
च) एचपीसीएल – मित्तल एनर्जी लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	99.00	82.80
छ) हिंदुस्तान कोल्स प्रा. लि.	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	60.20	108.20
ज) साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्रा. लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	2.10	1.20
ख. देय राशि :			
क) ओएनजीसी टेरी बायोटेक लिमिटेड	देय राशि	39.61	96.51
ख) दहेज एसईजेड लिमिटेड	देय राशि	-	7.8
ग) मंगलौर एसईजेड लिमिटेड	देय राशि	233.47	65.16
घ) एचपीसीएल – मित्तल एनर्जी लिमिटेड	देय राशि	19,974.60	13212.50
ङ) हिंदुस्तान कोल्स प्रा. लि.	देय राशि	195.10	257.40
च) साउथ एशिया एलपीजी कंपनी प्रा. लिमिटेड	देय राशि	95.80	139.40
ग. बकाया ऋण और अग्रिम :			
क) ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	लंबित होने वाले इक्विटी/शेयर वारंट के प्रति अग्रिम	18,739.50	18,739.50
ख) मंगलौर एसईजेड लिमिटेड	पूंजीगत अग्रिम और सुरक्षा जमा	1,002.73	1986.55
घ. प्रतिबद्धताएं :			
- ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	शेयर वारंट का अदा न किया गया सब्सक्रिपशन	480.50	480.5
- ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	बाध्यकारी परिवर्तनीय डिबेंचर हेतु सपोर्ट रोकना	77,780.00	56,150.00
- ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड	बाध्यकारी परिवर्तनीय डिबेंचर हेतु सपोर्ट रोकना – प्रोदभूत ब्याज	4,670.19	3,612.06

48.3.4 एसोसिएट के साथ संव्यवहार

(₹ मिलियन में)

संबंधित पक्षकार का नाम	संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
क. निम्नलिखित से सेवाएं प्राप्त :			
क) पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	हैलीकॉप्टर किराए पर लेने में विदेशी मुद्रा हानि(लाभ)	5.46	(5.24)
	हैलीकॉप्टर सेवाएं किराए पर लेना	1,456.81	1,933.42
ख) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	एलएनजी की खरीद	2,025.47	-
	सी2–सी3 पर सुविधाएं प्रभार और परामर्शदाता शुल्क की प्रतिपूर्ति	210.69	85.74
ख. निम्नलिखित को प्रदत्त सेवाएं :			
क) पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	अन्य सेवाएं	-	8.39
	परिसमाप्त क्षतियों के कारण विविध प्राप्तियां	0.45	19.03
ख) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	निदेशक बैठक शुल्क तथा अन्य प्रभार	0.26	0.18
ग. निम्नलिखित से प्राप्त आय :			
क) पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	ब्याज आय	-	0.45
	लाभांश आय	181.24	53.04
ख) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	लाभांश आय	468.75	234.38
घ) निवेश :			
क) पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	इक्विटी शेयरों में निवेश (टिप्पणी सं. 13.1.8.क)	1,528.16	-

48.3.5 एसोसिएट के साथ बकाया शेष

(₹ मिलियन में)

संबंधित पक्षकार का नाम	संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
क. प्राप्य राशि			
क) पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	व्यापार और अन्य प्राप्य	-	0.1
ख) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	-	0.1
ख. देय राशिः			
क) पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	देय व्यापार	202.15	293.6
ख) पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	देय व्यापार	464.84	3.51

48.3.6 ऋण 7 नए डालफिन एन 3 हैलीकॉप्टरों के रेहन द्वारा प्रतिभूत है और इस पर एसबीआई आधार दर जमा 1.5 प्रतिशत के आधार पर 10.75 प्रतिशत (पिछले वर्ष 10.80 प्रतिशत) की ब्याज दर लगाई गई है और यह ऋण प्रदान किए जाने से प्रारंभ होने वाली 60 समान मासिक किश्तों में वसूली योग्य है जिसे वर्ष 2016–17 तक पूरा वसूल लिया गया है।

48.3.7 न्यास के साथ संव्यवहार

(₹ मिलियन में)

संबंधित पक्षकार का नाम	संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
क. भुगतान का प्रेषण			
क) ओएनजीसी अंशदायी भविष्य निधि न्यास	अंशदान	12,158.32	10,727.47
ख) ओएनजीसी सीएसएसएस न्यास	अंशदान	1,217.78	1,319.51
ग) ओएनजीसी सहयोग न्यास	अंशदान	28.07	28.60
घ) ओएनजीसी पीआरबीएस न्यास	अंशदान	11,066.09	10,091.21
ङ) ओएनजीसी उपदान न्यास	अंशदान	8,822.28	-
च) एमआरपीएल भविष्य निधि न्यास	अंशदान	428.25	352.16

संबंधित पक्षकार का नाम	संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
ख. न्यास की ओर से किए गए उपदान भुगतान की प्रतिपूर्ति			
क) ओएनजीसी उपदान निधि न्यास	प्रतिपूर्ति	3,651.09	1,674.14
ख) एमआरपीएल उपदान निधि न्यास	प्रतिपूर्ति	12.12	12.20
ग. न्यास को योगदान			
क) ओएनजीसी एनर्जी सेंटर	अनुसंधान एवं विकास हेतु	300.00	162.50
ख) ओएनजीसी फाउन्डेशन	अंशदान	1,563.61	2,257.50

48.3.8 प्रमुख प्रबंधन कर्मियों का पारिश्रमिक

- **पूर्णकालिक निदेशक और कंपनी सचिव**

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
अल्पावधि कर्मचारी लाभ	173.33	135.56
नियोजन–पश्च लाभ	30.82	28.98
दीर्घावधि लाभ	7.71	4.78
कुल	**211.86**	**169.32**

- **स्वतंत्र निदेशक**

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
बैठक शुल्क	22.62	10.15
कुल	**22.62**	**10.15**

48.4 सरकारी निकायों के संबंध में प्रकटीकरण

48.4.1 सरकारी निकायों का नाम और संबंध का विवरण जिनके साथ बड़ी मात्रा में संव्यवहार किया जाता है :

क्रम सं.	सरकारी निकाय	संबंध
1.	इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
2.	गेल (इंडिया) लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
3.	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
4.	भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
5.	चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
6.	नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
7.	कोच्चि रिफाइनरीज लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
8.	भारत हैवी इलेक्ट्रिक्लस लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
9.	यूनाइटेड इंडिया इन्श्योरेन्स कंपनी लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
10.	भारत संचार निगम लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
11.	महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
12.	बामर लॉरी एण्ड कंपनी लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
13.	इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
14.	शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
15.	इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्वस लिमिटेड (आईएसपीआरएल)	केन्द्रीय पीएसयू
16.	न्यू मंगलौर पोर्ट ट्रस्ट	केन्द्रीय पीएसयू
17.	ब्रहमपुत्र क्रैकर एण्ड पॉलीमर लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
18.	भारत इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
19.	ब्रिज एण्ड रूफ कंपनी (इंडिया) लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
20.	कोंकण रेलवे कॉरपोरेशन लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
21.	सेन्ट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन	केन्द्रीय पीएसयू
22.	नेशनल इन्श्योरेंस कंपनी लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू
23.	न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	केन्द्रीय पीएसयू

48.4.2 सरकारी निकायों के साथ समूह का लेन देन (समूह कंपनियों के साथ संव्यवहार एवं बकाया शेष)

(₹ मिलियन में)

संबंधित सरकारी निकाय का नाम	संव्यवहार की प्रकृति	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष
वर्ष के दौरान निम्नलिखित को उत्पादों की बिक्री:			
क) इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	खनिज तेल, सी2–सी3, एसकेओ और एलपीजी की बिक्री	363,697.83	316,114.47
ख) भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	खनिज तेल, सी2–सी3, एसकेओ, एचएसडी और एलपीजी की बिक्री	192,982.23	201,685.32
ग) चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	खनिज तेल की बिक्री	47,425.98	42,674.79
घ) नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड	खनिज तेल की बिक्री	19,661.69	16,251.43
ङ) कोच्चि रिफाइनरीज लिमिटेड	खनिज तेल की बिक्री	4,393.87	13,539.79
च) गेल (इंडिया) लिमिटेड	प्राकृतिक गैस और अन्य उत्पाद की बिक्री	124,652.62	131,778.79
छ) ब्रहमपुत्र क्रैकर एण्ड पॉलीमर लिमिटेड	गैस की बिक्री	708.79	100.69
ज) न्यू मंगलौर पोर्ट ट्रस्ट	पत्तन सेवाएं	1.34	-
झ) इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्वस लिमिटेड (आईएसपीआरएल)	क) पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री	3.06	-
	ख) आईएसपीआरएल की ओर से खनिज तेल की खरीद	4.99	6,186.72
वर्ष के दौरान निम्नलिखित से उत्पादों की खरीद :			
क) इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	पेट्रोल ऑयल तथा ल्यूब्रीकेंट की खरीद तथा सेवाएं	2,506.62	5,675.05
ख) भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	पेट्रोल ऑयल तथा ल्यूब्रीकेंट की खरीद तथा सेवाएं	553.66	2,200.61
ग) गेल (इंडिया) लिमिटेड	एलएनजी की खरीद	4,950.14	11,226.89
घ) भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	कलपुर्जों सहित ड्रिलिंग रिग से संबंधित मदों की खरीद	2,330.54	1,924.17
ङ) इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्वस लिमिटेड (आईएसपीआरएल)	एमआरपीएल कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति	9.02	-
निम्नलिखित से सेवाएं प्राप्त :			
क) यूनाइटेड इंडिया इन्श्योरेन्स कंपनी लिमिटेड	बीमा प्रीमियम	1,212.42	1,338.81
ख) बामर लॉरी एण्ड कंपनी लिमिटेड	यात्रा व्यय	1,206.51	1,161.26
ग) शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	वेसल किराए पर लेना	8,703.77	9,409.61
घ) भारत इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड	कर्मचारी पहुंच नियंत्रण प्रणाली	887.51	-
ङ) ओरिएण्टल इन्श्योरेंस कंपनी लिमिटेड	बीमा प्रीमियम	251.20	271.44
च) न्यू मंगलौर पोर्ट ट्रस्ट	पत्तन सेवाएं	1503.77	1364.54
छ) ब्रिज एण्ड रूफ कंपनी (इंडिया) लिमिटेड	कार्य सेवाएं	192.38	43.07
ज) इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड	तकनीकी सेवाएं	771.36	552.06
झ) कोंकण रेलवे कॉरपोरेशन लिमिटेड	रेलवे साइडिंग	248.09	320.64
ञ) नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	बीमा प्रीमियम	12.09	12.22
ट) न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	बीमा प्रीमियम	117.64	116.15
ठ) इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)	परीक्षण शुल्क	0.04	-
ड) केन्द्रीय भंडारण निगम	सेवाएं	0.50	-
लाभांश आय प्राप्त :			
इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	लाभांश आय	13,372.15	14,876.52
गेल (इंडिया) लिमिटेड	लाभांश आय	845.38	704.48

(₹ मिलियन में)

		31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
प्राप्य राशि :			
क) इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	11,834.05	24,853.32
ख) भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	13,620.03	13,769.06
ग) चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	2,270.88	2,655.00
घ) नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	1,856.90	1,543.32
ङ) गेल (इंडिया) लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य प्राप्य	8,915.50	8,387.40
च) युनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	प्राप्य दावें (निवल)	2.52	2.71
छ) इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्वस लिमिटेड (आईएसपीआरएल)	व्यापार, अन्य प्राप्य और दिया गया अग्रिम	5.28	3,033.94
ज) न्यू मंगलौर पोर्ट ट्रस्ट		53.46	38.13
देय राशि			
क) इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य देय	51.93	199.40
ख) भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य देय	80.75	237.14
ग) गेल (इंडिया) लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य देय	246.75	539.03
घ) भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य देय	1,879.54	1,953.62
ङ) बामर लॉरी एण्ड कंपनी लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य देय	16.96	64.61
च) शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य देय	2,017.35	915.07
छ) नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य देय	6.15	-
ज) भारत इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य देय	887.51	-
झ) ब्रिज एण्ड रूफ कंपनी (इंडिया) लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य देय	103.84	75.53
ञ) इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य देय	558.64	1,087.32
ट) कोंकण रेलवे कॉरपोरेशन लिमिटेड	व्यापार तथा अन्य देय	16.85	0.03
ठ) न्यू मंगलौर पोर्ट ट्रस्ट	व्यापार तथा अन्य देय	(0.09)	(0.41)
ड) केन्द्रीय भंडारण निगम	व्यापार तथा अन्य देय	(0.06)	-

सरकारी निकायों के साथ उक्त संव्यवहार में ऐसे लेन देन शामिल होते हैं जो पृथक तथा सामूहिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। समूह ने उल्लिखित तथा अन्य विभिन्न सरकार संबंधित निकायों के साथ टेलीफोन व्यय, हवाई यात्रा, ईंधन खरीद तथा जमा आदि जैसे अन्य संव्यवहार भी किए हैं। ये संव्यवहार पृथक तथा सामूहिक रूप से नगण्य हैं और अतः इन्हें प्रकट नहीं किया गया है।

49. वित्तीय लिखत प्रकटीकरण

49.1 पूंजी प्रबंधन

पूंजी के प्रबंधन के समय समूह का उद्देश्य निम्नलिखित होता है :

- चालू कंसर्न के रूप में बने रहने की अपनी क्षमता की रक्षा करना ताकि समूह हितधारकों को अधिकतम प्रतिफल और अन्य हितधारकों को लाभ मुहैया करवा पाने में समर्थ हो; और
- पूंजी की लागत को कम करने के लिए एक ईष्टतम पूंजीगत ढांचे को बनाए रखना।

समूह एक सुरक्षित वित्तीय आधार को सुनिश्चित करते हुए शेयरधारकों के लिए मूल्य वृद्धि की खोज को सपोर्ट करने के लिए अपने वित्तीय ढांचे को बनाए रखता है। पूंजीगत ढांचे को बनाए रखने या समायोजित करने के लिए समूह शेयरधारकों को लाभांश की राशि के समायोजन, शेयरधारकों को प्रतिफल पूंजी लौटाने, नए शेयर जारी करने अथवा ऋण को कम करने के लिए परिसंपत्तियों की बिक्री कर सकता है।

समूह के पूंजीगत ढांचे में निवल ऋण (टिप्पणी 28 तथा 29 में विस्तारपूर्वक दिए गए ऋण जिनका नकदी तथा बैंक शेष से समायोजन किया जाता है) तथा कुल इक्विटी शामिल है (देखें टिप्पणी 25 तथा 26)।

समूह की वित्तीय प्रबंधन समितियां नियमित आधार पर पूंजीगत ढांचे की समीक्षा करती हैं। इस समीक्षा के एक भाग के रूप में समिति पूंजी की लागत, पूंजी आवश्यकताओं की प्रत्येक श्रेणी के साथ संबद्ध जोखिमों और पर्याप्त नकदी को बनाए रखने पर विचार करती है।

49.1.1 गियरिंग अनुपात :

गियरिंग अनुपात को निम्नानुसार निकाला जाता है :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
क) ऋण *	1,012,460.52	743,997.84
ख) कुल नकदी तथा बैंक शेष	50,783.71	132,126.37
घटाएं: कार्यशील पूंजी हेतु अपेक्षित नकदी और बैंक शेष	8,329.85	21,308.45
ग) निवल नकदी और बैंक शेष	42,453.86	110,817.92
घ) निवल ऋण	**970,006.66**	**633,179.92**
ङ) कुल इक्विटी	**2,196,249.01**	**2,076,771.88**
च) निवल ऋण इक्विटी अनुपात	**0.44**	**0.30**

** दीर्घावधि और अल्पावधि ऋणों को टिप्पणी 28 में प्रकट किया गया है।*

49.2 वित्तीय लिखतों की श्रेणिया

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वित्तीय परिसंपत्तियां		
लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापी गई (एफवीटीपीएल)		
(क) म्युचुअल फंडों में निवेश	20,985.64	54,675.71
(ख) बाध्यकारी परिवर्तनीय अधिमानी शेयर	9.74	-
(ग) व्युत्पन्न परिसंपत्तियां	2,901.34	584.10
(घ) ऋण लिखत	49,993.80	51,009.60
(ङ) अन्य	5.58	83.38
परिशोधित लागत पर मापी गई		
(क) भारत सरकार के विशेष बॉण्ड में निवेश	1,975.08	1,975.27
(ख) व्यापार एवं अन्य प्राप्य	155,555.78	139,101.29
(ग) नकदी और नकदी तुल्य	25,120.85	18,150.15
(घ) अन्य बैंक शेष	25,662.79	113,976.24
(ङ) स्थल पुनरूद्धार निधि के अंतर्गत जमा	160,639.59	145,942.72
(च) ऋण	28,132.40	31,455.01
(छ) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	156,370.72	118,841.97
एफवीटीओसीआई में मापी गई		
क) इक्विटी लिखत में निवेश	277,693.36	295,522.32
वित्तीय देयताएं		
लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापी गई (एफवीटीपीएल)		
(क) व्युत्पन्न देयताएं	1,293.18	1,443.24
परिशोधित लागत पर मापी गई		
(ख) देय व्यापार	265,506.90	240,137.50
(ग) अन्य वित्तीय देयताएं	310,282.97	247,041.68
वित्तीय गारंटी संविदाएं	-	-
वित्तीय पट्टा बाध्यता	23,080.62	27,947.62

49.3 वित्तीय जोखिम प्रबंधन उद्देश्य

यह सुनिश्चित करते हुए कि नकदी समूह की प्रचालनात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त होते हुए, समूह की वित्तीय प्रबंधन समितियां जोखिमों के डिग्री तथा व्याप्त होने के संपर्कों का विश्लेषण करते हुए संबंधित कंपनियों के प्रचालनों से संबंधित प्रमुख वित्तीय जोखिमों की निगरानी तथा प्रबंधन भी करती हैं। इन जोखिमों में बाजार जोखिम (मुद्रा जोखिम तथा मूल्य जोखिम सहित), ऋण जोखिम तथा नकदी जोखिम शामिल होता है।

अनुषंगी कंपनी ओवीएल के मामले में कंपनी का प्रबंधन जोखिम प्रभावों को हेज करने के लिए व्युत्पन्न वित्तीय लिखतों का उपयोग करके इन जोखिमों के प्रभावों का न्यूनतम करने की आकांक्षा रखता है। वित्तीय व्युत्पन्नों का उपयोग निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कंपनी की नीतियों द्वारा शासित होता है जो विदेशी मुद्रा जोखिम, ब्याज दर जोखिम, ऋण जोखिम, वित्तीय व्युत्पन्नों तथा गैर–व्युत्पन्न वित्तीय लिखत का उपयोग, और अधिक्य नकदी के निवेश पर लिखित सिद्धांतों को मुहैया करवाती हैं। नीतियों तथा संपर्क सीमाओं के साथ अनुपालन की आंतरिक लेखापरीक्षकों द्वारा सतत आधार पर समीक्षा की जाती है। समूह सट्टे के प्रयोजनों हेतु व्युत्पन्न वित्तीय लिखतों सहित वित्तीय लिखतों को नहीं लेता अथवा उनका व्यापार नहीं करता है।

अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के मामले में, कंपनी ने अपने जोखिमों को सतत आधार पर प्रबंधन करने हेतु और व्यापार को एक जोखिम सचेत तरीके से संचालित करने के लिए एक सुपरिभाषित प्रक्रिया अपनाई है। सतत आधार पर जोखिमों की पहचान, आकलन तथा प्रशमन हेतु निर्धारित प्रक्रियाएं हैं। जोखिम आकलन को रणनीति निरूपण और पूंजीगत आवंटन से संबंधित निर्णय लेने के लिए एक महत्वपूर्ण आदान माना जाता है। आपके समूह ने उद्यम जोखिम प्रबंधन की समूची प्रक्रिया को एकीकृत तथा स्वचालित करने के लिए प्रौद्योगिकी का भी लाभ उठाया है। समूह में प्रभावी जोखिम प्रबंधन ढांचे की सतत कार्यान्वयन और ढांचे में आगे सुधार के लिए एक स्वतंत्र विशेषज्ञ की सेवाएं भी प्राप्त की हैं। ये स्वतः नियामक ईआरएम प्रक्रियाएं और प्रक्रियाविधियां हमारे जोखिम प्रबंधन चार्टर तथा नीति, 2007 का एक भाग है।

जोखिम प्रबंधन संचालन समिति (आरएमएससी) इस संबंध में अपने मार्गदर्शन को मुहैया करवाने को जारी रखा है। आपके समूह ने बोर्ड सदस्यों को जोखिम आकलन तथा न्यूनीकरण प्रक्रियाओं को सूचित करने हेतु एक तंत्र बनाया है ताकि एक उचित चिह्नित ढांचे के माध्यम से कार्यपालक प्रबंधन नियंत्रण जोखिमों की आवधिक समीक्षा को सुनिश्चित किया जा सके।

समूह सट्टेबाजी प्रयोजनों हेतु व्युत्पन्न वित्तीय लिखतों सहित वित्तीय लिखतों का उपयोग नहीं करता है।

49.4 बाजार जोखिम

बाजार जोखिम संभावित बाजार मूल्य संचलनों से उत्पन्न होने वाला जोखिम या अनिश्चितता और व्यापार के भविष्य के निष्पादन पर उनका प्रभाव है। बाजार जोखिम के प्रमुख घटक वस्तु मूल्य जोखिम, विदेशी मुद्रा जोखिम तथा ब्याज दर जोखिम है।

समूह जिन प्राथमिक वस्तु मूल्य जोखिमों के संपर्क में आता है उसमें अंतर्राष्ट्रीय खनिज तेल मूल्य शामिल हैं जो समूह की वित्तीय परिसंपत्तियों अथवा प्रत्याशित भविष्य के नकदी प्रवाहों के मूल्य को प्रतिकूल ढंग से प्रभावित कर सकते हैं। खनिज तेल तथा प्राकृतिक गैस के अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों में व्यापक तथा विस्तारित कमी का समूह के सूचित परिणामों पर प्रतिकूल प्रभाव हो सकता है।

अनुषंगी कंपनी ओवीएल विदेशी मुद्रा जोखिम और ब्याज दर जोखिम के साथ अपने संपर्क के प्रबंधन के लिए कई व्युत्पन्न वित्तीय लिखत लेती है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं :

(क) बढ़ती हुई ब्याज दर के प्रभाव को कम करने के लिए ब्याज दर अदला–बदली

(ख) कंपनी द्वारा रूसी रूबल में जारी किए गए यूरो बॉण्ड तथा कुछ भुगतानों के संबंध में इसके संपर्क को हेज करने के लिए अग्रगामी विदेशी मुद्रा संविदा।

49.5 विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन

कपंनी के मामले में, खनिज तेल के बिक्री मूल्य को अमेरिकी डालर में दर्शाया जाता है भले ही इसका बिल तथा प्राप्ति भारतीय रूपये में हो। अतः कंपनी मूलतः अमेरिकी डालर के प्रति भारतीय रूपये के बढ़ने से विदेशी मुद्रा जोखिम के संपर्क में आ जाती है। विदेशी मुद्रा विनिमय जोखिमों का प्रबंधन जहां–कहीं संभव हो निर्यात आय के माध्यम से प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होने वाले विपरीत संपर्कों को निवल करके तथा घरेलू बिक्री से उपलब्ध प्राकृतिक हेज को लेते हुए शेष हेज न किए गए संपर्कों को करके किया जाता है। कंपनी विभिन्न विदेशी मुद्राओं में दर्शाए गए लेन देन को करती है और परिणामस्वरूप विनिमय दर उतार–चढ़ाव के संपर्क में आती है। विनिमय दर प्रभावों का प्रबंधन अनुमोदित नीति पैरामीटरों के भीतर किया जाता है।

इसी प्रकार, अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल विभिन्न विदेशी मुद्राओं में दर्शाए जाने वाले लेन देन को मुख्यतः खनिज तेल की खरीद तथा निर्यात बिक्री के लिए करती है तथा ऋण को विदेशी मुद्रा में दर्शाया जाता है; परिणामस्वरूप विनिमय दर उतार–चढ़ाव के संपर्क में आती है। विनिमय दर प्रभावों का प्रबंधन अनुमोदित नीति पैरामीटरों के भीतर किया जाता है।

अनुषंगी कंपनी ओवीएल की क्रियाशील मुद्रा अमेरिकी डालर है। कंपनी विभिन्न विदेशी मुद्राओं में दर्शाए गए संव्यवहार

को करती है और परिणामस्वरूप विदेशी प्रचालनों के चलते विनिमय दर उतार–चढ़ाव के संपर्क में आती है।

समूह की विदेशी मुद्रा में दर्शायी गई मौद्रिक परिसंपत्तियों तथा मौद्रिक देयताओं की वहन राशि रिपोर्टिंग अवधि के अंत में निम्नानुसार है :

(₹ मिलियन में)

	निम्न के अनुसार देयताएं		निम्न के अनुसार परिसंपत्तियां	
विवरण	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017
अमरीकी डालर	498,166.88	317,555.83	35,320.64	20,602.31
ब्रिटिश पाउंड	1,899.94	866.29	-	-
यूरो	43,219.10	37,316.52	0.84	-
जापानी येन	23,130.40	451.80	-	-
अन्य	4,266.17	3,910.75	-	-

49.5.1 विदेशी मुद्रा संवेदनशीलता विश्लेषण

समूह मुख्यतः क्रियात्मक मुद्रा के अतिरिक्त मुद्रा के प्रति विदेशी मुद्रा जोखिम के संपर्क में आता है। लाभ या हानि की संवेदनशीलता मुख्यतः ओवीएल के मामले में यूरो तथा भारतीय रूपये में ऋण और अन्य मामलों में अमेरिकी डालर द्वारा दर्शाए गए प्राप्यों तथा देयों के प्रति है।

कंपनी के संबंध में

अमेरिकी डालर–भारतीय रूपये मुद्रा युग्म के मध्य +/– 5% के विनिमय दर में तर्कसंगत संभाव्य परिवर्तनों के प्रबंधन के आकलन के अनुसार लाभ अथवा हानि की संवेदनशीलता केवल नीचे दी गई अवधि के अंत में दर्शायी गई बकाया विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों पर होती है :

(₹ मिलियन में)

वर्ष के अंत में अमेरीकी डालर संवेदनशीलता	2017.2018	2016.2017
प्राप्य :		
भारतीय रूपए का 5% तक कमजोर होना	1,346.81	603.80
भारतीय रूपए का 5% तक मजबूत होना	(1,346.81)	(603.80)
देय		
भारतीय रूपए का 5% तक कमजोर होना	(8,860.93)	(3,341.60)
भारतीय रूपए का 5% तक मजबूत होना	8,860.93	3,341.60

अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में

(₹ मिलियन में)

वर्ष के अंत में अमेरीकी डालर संवेदनशीलता	2017–2018	2016–2017
प्राप्य :		
भारतीय रूपए का 5% तक कमजोर होना	1,346.81	385.91
भारतीय रूपए का 5% तक मजबूत होना	(1,346.81)	(385.91)
देय		
भारतीय रूपए का 5% तक कमजोर होना	(8,860.93)	(2,786.80)
भारतीय रूपए का 5% तक मजबूत होना	8,860.93	2,786.80

अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में

कंपनी क्रियाशील मुद्रा के अतिरिक्त अन्य मुद्रा के प्रति विदेशी मुद्रा जोखिम के संपर्क में है। लाभ एवं हानि की संवेदनशीलता मुख्यतः यूरो, जापानी येन तथा भारतीय रूपये में ऋण के प्रति उत्पन्न होती है।

यूरो–अमेरीकी डालर, जापानी येन–अमेरीकी डालर और अमेरिकी डालर–भारतीय रूपये मुद्रा युग्म के मध्य +/– 5% के विनिमय दर में तर्कसंगत संभाव्य परिवर्तनों के प्रबंधन के आकलन के अनुसार लाभ अथवा हानि की संवेदनशीलता केवल नीचे दी गई अवधि के अंत में दर्शायी गई बकाया विदेशी मुद्रा मौद्रिक मदों पर होती है :

(₹ मिलियन में)

वर्ष के अंत में अमेरीकी डालर संवेदनशीलता	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु	31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु
ऋण		
यूरो–अमेरीकी डालर का 5% तक मजबूत होना	2,171.79	1,819.24
यूरो–अमेरीकी डालर का 5% तक कमजोर होना	(2,171.79)	(1,819.24)
जापानी येन–अमेरीकी डालर का 5% तक मजबूत होना	1,174.74	-
जापानी येन–अमेरीकी डालर का 5% तक कमजोर होना	(1,174.74)	-
अमेरीकी डालर – भारतीय रूपए का 5% तक मजबूत होना	200.80	193.17
अमेरीकी डालर – भारतीय रूपए का 5% तक कमजोर होना	(200.80)	(193.17)

कंपनी के मामले में

खनिज तेल, प्राकृतिक गैस तथा मूल्य वर्धित उत्पादों (वीएपी) के मूल्यों में +/–1 अमेरिकी डालर में परिवर्तन और भारतीय रूपये – अमेरिकी डालर की मुद्रा जोड़ी के मध्य विनिमय दर में +/–1 रूपये के परिवर्तन से कर पूर्व लाभ अथवा हानि की संवेदनशीलता को नीचे प्रदर्शित किया गया है :

(₹ मिलियन में)

प्रचालन से राजस्व की संवेदनशीलता	2017-2018	2016-2017
विनिमय दर हेतु प्रचालन से राजस्व पर प्रभाव	(+/-) 10,041.06	(+/-) 8,640.13

अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

नीचे दी गई तालिका अमेरिकी डालर/भारतीय रूपये के संचलन से संपर्क में आने वाले विदेशी मुद्रा संवेदनशीलता को दर्शाती है। हमने अमेरिकी डालर/भारतीय रूपये के संचलन में 1% (+/–) परिवर्तन पर विचार किया है, जिसमें वृद्धि अमेरिकी डालर/भारतीय राष्ट्रीय रूपये मे वृद्धि को दर्शाती है और कमी अमेरिकी डालर/भारतीय रूपये में गिरावट को दर्शाती है । 1% के सांकेतिक संचलन दिशात्मक है और मुद्रा संचलन के संबंध में प्रबंधन के पूर्वानुमान को प्रदर्शित नहीं करता है।

(₹ मिलियन में)

भारतीय रूपए में प्रभाव	मुद्रा में 1% वृद्धि/कमी के कारण लाभ या हानि का प्रभाव			
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
	31 मार्च 2018		31 मार्च 2017	
1% संचलन	1%		1%	
अमेरीकी डालर	1,877.80	(1,877.80)	1,402.30	(1,402.30)

49.5.2 अग्रगामी विदेशी मुद्रा संविदाएं

अनुषंगी कंपनी ओवीएल आमतौर पर विदेशी मुद्रा उतार–चढ़ाव जोखिम को कम करने के लिए विशिष्ट विदेशी मुद्रा भुगतानों तथा प्राप्तियों को कवर करने के लिए अग्रगामी विनिमय संविदाएं करती हैं। वर्तमान वर्ष में कंपनी ने यूरो बॉण्ड के प्रति संपर्क को कवर करने के लिए कुछ अग्रगामी संविदाएं की हैं।

49.6 ब्याज दर जोखिम प्रबंधन

समूह ने निश्चित तथा परिवर्तनशील ब्याज दरों पर ऋण लिया है अतः यह ब्याज दर जोखिम के संपर्क में आती है।

49.6.1 ब्याज दर संवेदनशीलता विश्लेषण

कंपनी के संबंध में

कंपनी ब्याज दर जोखिम के संपर्क में है क्योंकि कंपनी ने ओवरनाइट एमसीएलआर, ट्रेजरी बिल और अमेरिकी लीबोर से बेंचमार्क की गई निधियों का ऋण लिया है। वित्तीय देयताओं पर ब्याज के संबंध में कंपनी के संपर्क का विवरण टिप्पणी 28.2 में दिया गया है।

अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में

नीचे दिए गए संवेदनशीलता विश्लेषण को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में ब्याज दरों के संपर्क के आधार पर निर्धारित किया गया है। परिवर्तनशील दर वाले ऋणों हेतु विश्लेषण को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बकाया ऋण की राशि को समूचे वर्ष हेतु बकाया मानकर तैयार किया गया है। 50 आधार बिंदुओं वृद्धि या कमी का उपयोग संवेदनशीलता विश्लेषण को प्रकट करने के लिए किया जाता है।

यदि ब्याज दरें 50 आधार बिंदु उच्चतर/निम्नतर हों तथा अन्य सभी परिवर्तनशील कारकों को स्थिर रखा जाए, तो 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु समूह के लाभ में ₹ 613 मिलियन (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 404.64 मिलियन की कमी/वृद्धि) की कमी/वृद्धि होगी। यह मुख्यतः इसके परिवर्तनशील दर ऋणों पर ब्याज दरों के प्रभाव के चलते हैं।

अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में

नीचे दिए गए संवेदनशीलता विश्लेषण को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में व्युत्पन्न तथा गैर–व्युत्पन्न दोनों लिखतों हेतु ब्याज दरों के संपर्क के आधार पर निर्धारित किया गया है। परिवर्तनशील दर वाले ऋणों हेतु विश्लेषण को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बकाया ऋण की राशि को समूचे वर्ष हेतु बकाया मानकर तैयार किया गया है। 50 आधार बिंदुओं वृद्धि या कमी का उपयोग प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों को आंतरिक रूप से ब्याज दर जोखिम सूचित करते हुए किया गया है और यह ब्याज दरों में तर्कसंगत संभाव्य परिवर्तन के प्रबंधन के आकलन को दर्शाता है।

यदि ब्याज दरें 50 आधार बिंदु उच्चतर/निम्नतर हों तथा अन्य सभी परिवर्तनशील कारकों को स्थिर रखा जाए, तो विश्लेषण निम्नानुसार होगा :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष			31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष		
	1,175 मिलियन अमेरिकी डॉलर आवधिक ऋण	500 मिलियन अमेरिकी डॉलर आवधिक ऋण	38 मिलियन जापानी येन आवधिक ऋण	1,175 मिलियन अमेरिकी डॉलर आवधिक ऋण	500 मिलियन अमेरिकी डॉलर आवधिक ऋण	38 मिलियन जापानी येन आवधिक ऋण
1. ब्याज दर में वृद्धि हेतु वर्ष के लिए लाभ या हानि पर प्रभाव	572.18	137.56	110.60	595.62	-	-
2. ब्याज दर में कमी हेतु वर्ष के लिए लाभ या हानि पर प्रभाव	(572.18)	(137.56)	(110.60)	(595.62)	-	-

ब्याज दर अदला–बदली संविदाएं

अनुषंगी कंपनी ओवीएल भारत से बाहर ई एण्ड पी व्यवसाय में नियोजित है। इसके खनिज तेल तथा प्राकृतिक गैस के राजस्व मुख्यतः अमेरिकी डालर में दर्शाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, जहां कहीं लागू हो मूल्य बेंचमार्क भी मुख्यतः अमेरिकी डालर में है। अतः कंपनी ने कूपन 8.54 प्रतिशत अप्रतिभूत मोचनयोग्य डिबेंचर (3700 मिलियन रूपये का अंकित मूल्य) की अमेरिकी डालर में अदला–बदली की है।

अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

कंपनी ने परिवर्तनशील दर के साथ दीर्घावधि विदेशी मुद्रा सिंडीकेट ऋणों को लिया है जिससे कंपनी नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम के संपर्क में आती है। परिवर्तनशील दर पर ऋण को अमेरिकी डालर में दर्शाया गया है। कंपनी अपने नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम का प्रबंधन परिवर्तनशील से स्थिर ब्याज दरो में अदला–बदली करके करती है। इन अदला–बदलियों में कंपनी अन्य पक्षों से एक निर्दिष्ट अंतराल पर (अर्थात तिमाही) सहमत नामितिक मूलधन राशियों के संदर्भ में गणना किए गए स्थिर संविदा दरों और परिवर्तनशील दर ब्याज राशियों के मध्य अंतर के आदान–प्रदान पर सहमत होती है। कंपनी ब्याज दर संचलन की निगरानी करती है और ब्याज दर जोखिम का प्रबंधन कंपनी की विदेशी मुद्रा प्रबंधन नीति के आधार पर करती है। कपंनी का एक विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरएमएससी) भी है जो सक्रिय रूप से विदेशी मुद्रा और ब्याज दर संपर्क की समीक्षा करता है। कंपनी व्यापार या सट्टेबाजी प्रयोजनों हेतु व्युत्पन्न वित्तीय लिखतों का उपयोग नहीं करती।

कपंनी के स्थिर दर ऋणों को परिशोधित लागत पर वहन किया जाता है। अतः वे इंड एएस–107 में यथापरिभाषित ब्याज दर जोखिम के अधीन नही है, चूंकि न तो वहन राशि और न ही भविष्य के नकदी प्रवाह, बाजार ब्याज दरों में परिवर्तन के कारण उतार–चढाव का सामना करेंगे।

अद्यतन तिथि के अनुसार ब्याज दर जोखिम को हेज करने के लिए व्युत्पन्न वित्तीय लिखत निम्नवत हैं :

(₹ मिलियन में)

श्रेणी	लिखत	मुद्रा	अंतर मुद्रा	31.03.2018	31.03.2017
परिवर्तनशील दर विदेशी मुद्रा ऋणों की हेजिंग (600 मिलियन डालर (31.03.2017 : 530 मिलियन डालर))	ब्याज दर अदला–बदली	अमेरीकी डॉलर	भारतीय रूपए	39,108.00	34,373.15

ब्याज दर जोखिम संपर्क

कंपनी का ब्याज दर जोखिम मुख्यतः ऋणों से आता है। कंपनी के प्रबंधन द्वारा यथासूचित किए गए अनुसार कंपनी की ब्याजधारी वित्तीय लिखतों में ब्याज दर प्रोफाइल निम्नानुसार है :

(₹ मिलियन में)

	वहन राशि	
	31.03.2018	31.03.2017
स्थिर दर लिखत		
वित्तीय परिसंपत्तियां	62,904.20	53,011.20
वित्तीय देयताएं	115,768.00	121,731.30
परिवर्तनशील दर लिखत		
वित्तीय परिसंपत्तियां	12,294.90	11,432.30
वित्तीय देयताएं	100,843.80	96,475.20

परिवर्तनशील दर लिखतों हेतु नकदी प्रवाह संवेदनशीलता विश्लेषण

रिपोर्टिंग तिथि को ब्याज दरों में 25 आधार बिंदुओं के एक तर्कसंगत संभाव्य परिवर्तन से लाभ या हानि में नीचे दी गई राशियों की वृद्धि/(कमी) होगी। 25 आधार बिंदु (0.25 प्रतिशत) का सांकेतिक संचलन दिशात्मक है और ब्याज दर संचलन के संबंध में प्रबंधन के पूर्वानुमान को प्रतिबिंबित नहीं करता है।

यह विश्लेषण मानता है कि अन्य सभी परिवर्तनशील कारक, विशेष रूप से विदेशी मुद्रा विनियम दरें, स्थिर रहें।

(₹ मिलियन में)

विवरण	लाभ अथवा हानि			
	25 बीपी वृद्धि	25 बीपी कमी	25 बीपी वृद्धि	25 बीपी कमी
	31.03.2018		31.03.2017	
परिवर्तनशील दर ऋण	(171.94)	171.94	(211.48)	211.48
ब्याज दर अदला–बदली (नामितिक मूलधन)	86.20	(86.20)	87.10	(87.10)
नकदी प्रवाह संवेदनशीलता (निवल)	**(85.74)**	**85.74**	**(124.38)**	**124.38**

समूह प्रचालनों से उत्पन्न अधिशेष निधियों का निवेश बैंकों के साथ सावधि जमा और म्यूचुअल फंडों में करता है। बैंक जमा 12 माह तक की अवधि हेतु किए जाते हैं और इसमें विद्यमान बाजार ब्याज दर के अनुसार ब्याज दर लागू होती है। इन बैंक जमाओं की प्रकृति अल्पावधि वाली होने के कारण कोई महत्वपूर्ण ब्याज दर जोखिम नहीं होता है। 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु सावधि जमा तथा म्युचुअल फंड पर अर्जित औसत बयाज 6.16 प्रतिशत था।

49.7 मूल्य जोखिम

कंपनी के इक्विटी प्रतिभूति मूल्य जोखिम तुलन–पत्र में या तो ओसीआई के माध्यम से उचित मूल्य अथवा लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर तुलन–पत्र में धारित तथा वर्गीकृत निवेश से उत्पन्न होते हैं। आईओसी तथा गेल ने कंपनी के इक्विटी निवेश का सार्वजनिक तौर पर व्यापार किया जाता है।

समूह की अल्पावधि अधिशेष निधियों का म्यूचुअल फंडों की नकदी योजनाओं में निवेश धन बाजार प्रतिभूतियों तथा उच्च गुणवत्ता वाले ऋण के एक पोर्टफोलियो से नकदी के उच्च स्तर को मुहैया करवाता है और इसे नकदी तथा ब्याज दर जोखिम परिपेक्ष्य से "निम्न जोखिम" उत्पाद के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया है।

49.7.1 मूल्य संवेदनशीलता विश्लेषण

कंपनी के संबंध में,

रिपोर्टाधीन अवधि के अंत में इक्विटी शेयरों तथा म्यूचुअल फंड में निवेश के संबंध में लाभ या हानि के संवेदनशीलता मूल्य तथा निवल परिसंपत्ति मूल्य में +/–5 प्रतिशत परिवर्तन हेतु नीचे दी गई है –

- एफवीटीओसीआई पर मापे गए इक्विटी निवेश के उचित मूल्य में 5 प्रतिशत परिवर्तन के परिणामस्वरूप 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय में 13,596.66 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु 14,478.68 मिलियन रूपये की वृद्धि/कमी) की वृद्धि/कमी होगी।

- चूंकि 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार म्यूचुअल फंडों में कोई निवेश नहीं किया गया है, निवेश के निवल परिसंपत्ति मूल्य में परिवर्तन 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु लागू नहीं है (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु इसमें 1817.16 मिलियन रूपये की वृद्धि/कमी होगी जो म्यूचुअल फंडों में निवेश के निवल परिसंपत्ति मूल्य में 5 प्रतिशत परिवर्तन के परिणामस्वरूप है)।

अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में,

रिपोर्टाधीन अवधि के अंत में म्यूचुअल फंड में निवेश के संबंध में लाभ या हानि के संवेदनशीलता मूल्य तथा निवल परिसंपत्ति मूल्य में +/–5 प्रतिशत परिवर्तन हेतु नीचे दी गई है :

म्यूचुअल फंडों में निवेश के निवल परिसंपत्ति मूल्य में परिवर्तन के परिणामस्वरूप 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु कर पूर्व लाभ में 1,049.28 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु 916.62 मिलियन रूपये की वृद्धि/कमी) की वृद्धि/कमी होगी।

49.8 ऋण जोखिम प्रबंधन

ऋण जोखिम नकदी तथा नकदी तुल्यों, परिशोधित लागत पर किए गए निवेश और प्राप्यों सहित बैंकों तथा ग्राहकों के साथ किए गए जमा से उत्पन्न होते हैं। ऋण जोखिम प्रबंधन उपलब्ध तर्कसंगत तथा सहायक अग्रगामी दृष्टि वाली सूचनाओं पर विचार करते हैं जिसमें बाहरी ऋण रेटिंग (जहां तक उपलब्ध हो), व्यष्टि–आर्थिक सूचना (जैसे कि नियामक परिवर्तन, सरकारी निदेश, बाजार ब्याज दर) जैसे संकेतक शामिल होते हैं।

ऋण संपर्क का प्रबंधन अधिशेष निधियों की निवेश हेतु प्रतिपक्षीय सीमाओं द्वारा किया जाता है जिसकी समीक्षा प्रबंधन द्वारा की जाती है। नकदी योजना/स्कीमों में निवेश उच्चतम रेटिंग वाली सार्वजनिक क्षेत्र की परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों में किया गया है। बैंकों हेतु, केवल उच्च रेटिड बैंकों को जमा किए जाने हेतु लिया गया है।

बैंक शेष प्रतिष्ठित तथा साख वाले बैंकिंग संस्थानों में धारित हैं।

कंपनी के संबंध में

प्रमुख ग्राहक सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) और गैस कंपनियां होने के चलते उनकी उच्चतम क्रेडिट रेटिंग होती है तथा इसमें ऋण जोखिम नगण्य हैं। किसी अन्य प्रतिपक्ष को ऋण जोखिम का संकेन्द्रण वर्ष के दौरान किसी समय कुल मौद्रिक परिसंपत्तियों के 4.17 प्रतिशत (पिछले वर्ष 3.61 प्रतिशत) से अधिक नहीं होता है।

कंपनी दायित्व को लेने के लिए तृतीय पक्ष को देय होने वाली अनुमानित राशि के लिए अनुषंगी कंपनियों/संयुक्त उद्यम कंपनियों की ओर से बैंकों/वेंडरों को दी गई वित्तीय गारंटी के संबंध में चूक जोखिम के संपर्क में है। इस संबंध में कंपनी का अधिकतम संपर्क 31 मार्च, 2018 को 441,956.86 मिलियन रूपये है (31 मार्च, 2017 को 443,308.48 मिलियन रूपये)।

खनिज तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्यवर्धित उत्पाद (वीएपी) के मूल्यों में +/– 1 अमेरिकी डालर के परिवर्तन से प्रचालन में राजस्व की संवेदनशीलता।

(₹ मिलियन में)

प्रचालन से राजस्व की संवेदनशीलता	2017-18	2016-17
खनिज तेल, प्राकृतिक गैस और मूल्यवर्धित उत्पाद के मूल्यों में अमेरिकी डालर के परिवर्तन से प्रचालन में प्रभाव	(+/-) 54,162.28	(+/-) 50,010.72

अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में

प्रमुख ग्राहक सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) होने के चलते उनकी उच्चतम क्रेडिट रेटिंग होती है तथा इसमें ऋण जोखिम नगण्य हैं। किसी अन्य प्रतिपक्ष को ऋण जोखिम का संकेन्द्रण वर्ष के दौरान किसी समय कुल मौद्रिक परिसंपत्तियों के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होता है।

अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में

प्रमुख ग्राहक प्रतिष्ठित तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी)/अंतर्राष्ट्रीय तेल कंपनियां (आईओसी)/राष्ट्रीय तेल कंपनियां (एनओसी) हैं और उनकी उच्चतम क्रेडिट रेटिंग होती है तथा इसमें ऋण जोखिम नगण्य हैं।

अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

ऋण जोखिम के प्रति कपंनी का संपर्क मुख्य रूप से प्रत्येक ग्राहक की व्यक्तिगत विशेषताओं से प्रभावित होता है। ऋण जोखिम का प्रबंधन ऋण अनुमोदन, ऋण सीमाएं स्थापित करके और समूह द्वारा व्यापार के सामान्य चालने के दौरान प्रदान किए जाने वाले ऋण के ग्राहकों की ऋण उपयुक्तता की सतत निगरानी करके किया जाता है।

31 मार्च, 2018 के अनुसार कंपनी के सबसे महत्वपूर्ण उपभोक्ता हेतु 11,093.00 मिलियन रूपये के व्यापार प्राप्य की वहन राशि को लेखांकित किया गया है (31.3.2017 को 10,688.60 मिलियन रूपये)।

कंपनी व्यापार प्राप्य (जिन्हें अच्छा समझा जाए) की प्रत्याशित ऋण हानियों के मापन हेतु एक अनुमेय मैट्रिक्स का उपयोग करती है। निम्नलिखित तालिका प्राप्य व्यापारों हेतु ऋण जोखिम से संपर्क तथा अनुमेय हानि के संबंध में जानकारी मुहैया कराती है :

(₹ मिलियन में)

	31.03.2018			31.03.2017		
	सकल वहन राशि	भारित औसत हानि दर	हानि भत्ता	सकल वहन राशि	भारित औसत हानि दर	हानि भत्ता
0–90 दिवस से देय	52,330.82	0.03%	18.30	37,219.58	0.06%	22.61
91–360 दिवस से देय	3,534.37	0.42%	14.70	3,557.88	0.62%	22.01
360 दिवस से अधिक से देय	1,337.92	97.05%	1,298.50	1,786.73	89.72%	1,603.10
	57,203.12		**1,331.50**	**42,564.18**		**1,647.71**

नकदी और नकदी तुल्य :

समूह ने 31 मार्च, 2018 को 1215.20 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 को 1114.70 मिलियन रूपये) के नकदी तथा नकदी तुल्य को धारित किया था।

नकदी तथा नकदी तुल्यों को संघ के बैंकों में रखा जाता है। समूह अपनी अधिशेष निधियों का निवेश बैंक के सावधि जमा, भारत सरकार के पी–बिल और म्यूचुअल फंडों की नकदी योजनाओं में निवेश करता है, जिनमें अल्पावधि हेतु बाजार जोखिम का कोई संकेत नहीं होता और समूह निम्न ऋण जोखिम के संपर्क में आता है।

व्युत्पन्न :

विदेशी मुद्रा और ब्याज दर व्युत्पन्न बैंकों के साथ एक निवेश ग्रेड रेटिंग और काउंटर पक्षों के साथ निकट रूप से संपर्क करने हेतु किए गए थे और इन्हें अनुमोदित सीमाओं के भीतर रखा गया था। वस्तु व्युत्पन्न को ओटीसी (ओवर द काउंटर) बाजार में प्रतिष्ठित काउंटर पक्षों द्वारा किया जाता है।

ऋण प्रतिभूतियों में निवेश :

ऋण प्रतिभूतियों में निवेश सरकारी प्रतिभूतियों या बॉण्डों में किया जाता है जिनकी संप्रभुत्ता वाली प्रकृति होने के कारण कोई ऋण जोखिम नहीं होता है।

व्यापार प्राप्य के अतिरिक्त समूह की ऐसी कोई अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां नहीं हैं जिनका समय निकल चुका हो परन्तु वे क्षतिग्रस्त न हो।

49.9 नकदी जोखिम प्रबंधन

समूह नकदी जोखिम का प्रबंधन नकदी तथा नकदी तुल्यों को पर्याप्त मात्रा में रख कर करता है जिसमें बैंक जमा और देय होने पर बाध्यताओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध ऋण सुविधाओं की एक पर्याप्त मात्रा के माध्यम से वित्त–पोषण की उपलब्धता शामिल है। प्रबंधन नकदी स्थिति तथा नकदी तथा नकदी तुल्यों के रोलिंग पूर्वानुमानों की निगरानी प्रत्याशित नकदी प्रवाहों के आधार पर करता है। इसके अतिरिक्त, नकदी प्रबंधन में वित्तीय परिसंपत्तियों तथा देयताओं की परिपक्वता प्रोफाइल का मिलान और तुलन–पत्र नकदी अनुपातों की निगरानी करके दायित्वों को पूरा करने हेतु आवश्यक नकदी परिसंपत्तियों के स्तर पर विचार करते हुए नकदी प्रवाहों का प्रक्षेपण भी शामिल है।

निम्नलिखित तालिका सहमत चुकौती अवधि के साथ समूह की गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देयताओं हेतु शेष संविदात्मक परिपक्वता को दर्शाती है। तालिकाओं में शामिल सूचना को समूह द्वारा भुगतान किए जाने हेतु अपेक्षित सबसे पहली तिथि पर आधारित वित्तीय देयताओं के छूट न होने वाले नकदी प्रवाहों के आधार पर तैयार किया गया है। इस तालिका में ब्याज तथा मूलधन दोनों नकदी प्रवाह शामिल हैं। संविदात्मक परिपक्वता उस सबसे पहली तिथि पर आधारित है जिसमें समूह द्वारा भुगतान किया जाना अपेक्षित है :

(₹ मिलियन में)

विवरण	भारित औसत प्रभावी ब्याज दर	1 माह से कम	1 माह – 1 वर्ष	1 वर्ष – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
31 मार्च, 2018 के अनुसार परिशोधित लागत पर मापी गई स्थिर दर ऋण						
अल्पावधि ऋण	-	-	255,922.08	-	-	**255,922.08**

विवरण	भारित औसत प्रभावी ब्याज दर	1 माह से कम	1 माह – 1 वर्ष	1 वर्ष – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
ऋण	दीर्घावधि – 5.42% अल्पावधि – 6.24% अनुषंगी ओएमपीएल दीर्घावधि – 6.93% अल्पावधि – 2.34%	28,257.00	22,359.56	44,080.70	1,062.64	**95,759.90**
ऋण और उस पर ब्याज	-	-	127,710.20	62,778.20	53,498.30	**243,986.70**
750 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	4.72%	-	-	-	48,307.43	**48,307.43**
500 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	3.76%	-	-	-	32,426.54	**32,426.54**
525 मिलियन यूरो अप्रतिभूत यूरो बाण्ड	2.84%	-	-	-	41,775.36	**41,775.36**
750 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	3.39%	-	-	48,377.54	-	**48,377.54**
300 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	2.59%	-	19,398.47	-	-	**19,398.47**
600 मिलियन अमेरीकी डालर विदेशी मुद्रा बाण्ड	3.802%	-	-	-	38,810.69	**38,810.69**
400 मिलियन अमेरीकी डालर विदेशी मुद्रा बाण्ड	2.923%	-	-	-	25,924.25	**25,924.25**
गैर–परिवर्तनीय मोचनयोग्य डिबेंचर	8.54%	-	-	3,700.00	-	**3,700.00**
परिवर्तनशील दर ऋण						
बैंक से सावधि ऋण	**3एम$लीवोर + 95 बीपीएस**	-	-	113,776.68	-	**113,776.68**
बैंक से सावधि ऋण (500 मिलियन अमेरीकी डालर सुविधा)	**3एम$लीवोर + 76 बीपीएस**	-	2,165.05	12,655.23	12,655.23	**27,475.51**
बैंक से सावधि ऋण (38 बिलियन जापानी येन सुविधा)	**3एमजेपीवाइ लीवोर + 47 बीपीएस**	-	-	-	23,014.68	**23,014.68**
बैंक से अल्पावधि ऋण (ओएनजीबीवी)	**1एम$लीवोर + 55 बीपीएस**	-	-	-	-	-
टीडीआर के प्रति ऋण	3.49%	-	13,315.42	-	-	**13,315.42**
व्युत्पन्न वित्तीय देयताएं						
ब्याज दर अदला बदली	-	-	(318.80)	(419.30)	-	**(738.10)**
वस्तु संविदाएं (निवल निपटान)	-	-	(197.60)	-	-	**(197.60)**
वित्तीय पट्टा बाध्यताएं (एकल)	-	-	31.65	126.60	219.44	**377.69**
वित्तीय पट्टा बाध्यताएं (ओसीएल)	-	319.00	3,568.46	4,489.35	13,908.16	**22,284.97**
संबंधित पक्ष से ऋण	-	320.70	-	-	-	**320.70**
देय व्यापार	-	98,681.29	166,825.62	-	-	**265,506.91**
गैर–रिकोर्स विलंबित जमा (निवल)	-	372.29	-	-	-	**372.29**
प्रचालकों को देय	-	3,986.33	-	-	-	**3,986.33**
उत्पादन साझेदारी समझौतें के विस्तार हेतु देय बोनस	-	-	890.18	-	4,923.47	**5,813.65**
आपूर्तिकारों / वेंडरों से जमा	-	2,121.84	51.08	61.59	0.34	**2,234.85**
प्रोदभूत ब्याज	-	-	2,916.73	1,171.50	-	**4,088.23**
अन्य (अन्य वित्तीय देयताएं)	-	119,948.10	49,397.11	-	124,169.30	**293,514.51**
कुल	-	**254,006.56**	**664,035.21**	**290,798.09**	**420,695.83**	**1,629,535.69**

(₹ मिलियन में)

विवरण	भारित औसत प्रभावी ब्याज दर	1 माह से कम	1 माह – 1 वर्ष	1 वर्ष – 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
31 मार्च, 2017 के अनुसार						
परिशोधित लागत पर मापी गई						
स्थिर दर ऋण						
ऋण	दीर्घावधि – 5.92% अल्पावधि – 7.19% अनुषंगी ओएमपीएल दीर्घावधि – 6.90% अल्पावधि – 4.21%	10,466.58	17,158.50	76,774.38	9,272.84	**113,672.30**
ऋण और उस पर ब्याज			154,005.50	50,384.00	30,229.70	**234,619.20**
750 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	4.72%	-	-	-	48,255.34	**48,255.34**
500 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	3.76%	-	-	-	32,391.57	**32,391.57**
525 मिलियन यूरो अप्रतिभूत यूरो बाण्ड	2.84%	-	-	-	36,180.78	**36,180.78**
750 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	3.39%	-	-	48,325.38	-	**48,325.38**
300 मिलियन अमेरीकी डालर अप्रतिभूत गैर–परिवर्तनीय नियमित एस बाण्ड	2.59%	-	-	19,377.55	-	**19,377.55**
600 मिलियन अमेरीकी डालर विदेशी मुद्रा बाण्ड	3.802%	-	-	-	38,785.08	**38,785.08**
400 मिलियन अमेरीकी डालर विदेशी मुद्रा बाण्ड	2.923%	-	-	-	25,856.72	**25,856.72**
गैर–परिवर्तनीय मोचनयोग्य डिबेंचर	8.54%	-	-	3,700.00	-	**3,700.00**
परिवर्तनशील दर ऋण						-
बैंक से सावधि ऋण	**3एम$लीवोर + 95 बीपीएस**	-	-	-	113,654.00	**113,654.00**
बैंक से अल्पावधि ऋण	-	53,662.26	-	-	-	**53,662.26**
(875 मिलियन अमेरीकी डालर सुविधा)						
बैंक से अल्पावधि ऋण	-	-	5,679.56	-	-	**5,679.56**
(87.59 मिलियन अमेरीकी डालर सुविधा)						
बैंक से अल्पावधि ऋण	-	1,102.45	-	-	-	**1,102.45**
(17 मिलियन अमेरीकी डालर सुविधा)						
टीडीआर के प्रति ऋण	3.49%	-	-	-	-	-
व्युत्पन्न वित्तीय देयताएं						
ब्याज दर अदला बदली		-	107.50	98.60	5.40	**211.50**
वस्तु संविदाएं (निवल निपटान)		-	51.40	-	-	**51.40**
वित्तीय पट्टा बाध्यताएं (एकल)	-	-	31.65	126.60	219.44	**377.69**
वित्तीय पट्टा बाध्यताएं (ओसीएल)	-	388.67	4,347.81	5,469.82	16,945.68	**27,151.97**
संबंधित पक्ष से ऋण	-	-	-	283.03	-	**283.03**
देय व्यापार	-	88,056.42	152,081.08	-	-	**240,137.51**
गैर–रिकोर्स विलंबित जमा (निवल)	-	371.89	-	-	-	**371.89**
प्रचालकों को देय	-	6,456.76	-	-	-	**6,456.76**
उत्पादन साझेदारी समझौतें के विस्तार हेतु देय बोनस	-	-	-	-	-	-
नियंत्रक कंपनी को देय	-	-	-	-	-	-
आपूर्तिकारों / वेंडरों से जमा	-	2,829.09	137.97	35.54	0.34	**3,002.94**
प्रोदभूत ब्याज	-	-	791.69	2,685.42	-	**3,477.11**
अन्य (अन्य वित्तीय देयताएं)	-	94,705.43	28,863.52	-	109,968.30	**233,537.25**
कुल		**258,039.55**	**363,256.18**	**207,260.32**	**461,765.19**	**1,290,321.24**

समूह अपने अन्य बाध्यताओं को प्रचालनशील नकदी प्रवाह और वित्तीय परिसंपत्तियों की परिपक्वता से प्राप्त आय से अपनी बाध्यता को पूरा करने की आशा रखता है।

कपनी के संबंध में,

कंपनी के पास नीचे दिए गए अनुसार प्रतिबद्ध ऋण सुविधाओं पर पहुंच है जिसमें से रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक शून्य रूपये (31 मार्च, 2017 के अनुसार शून्य रूपये) का उपयोग किया गया था । कंपनी अपनी अन्य बाध्यताओं को प्रचालनशील नकदी प्रवाहों तथा परिपक्व वित्तीय परिसंपत्तियों की प्राप्ति से पूरा करने की प्रत्याशा रखती है।

अप्रतिभूत बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा जिसकी वार्षिक रूप से समीक्षा की जाती है और जो आमंत्रण पर देय है :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
प्रयुक्त राशि	-	-
अप्रयुक्त राशि	5,000.00	5,000.00

अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में

कंपनी के पास नीचे दिए गए अनुसार प्रतिबद्ध ऋण सुविधाओं पर पहुंच है जिसमें रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक 8,032.25 मिलियन रूपये (31 मार्च, 2017 के अनुसार 9,470.53 मिलियन रूपये) की राशि का उपयोग नहीं किया गया था । कंपनी अपनी अन्य बाध्यताओं को प्रचालनशील नकदी प्रवाहों तथा परिपक्व वित्तीय परिसंपत्तियों की प्राप्ति से पूरा करने की प्रत्याशा रखती है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
अप्रतिभूत बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा जिसकी वार्षिक रूप से समीक्षा की जाती है और जो आमंत्रण पर देय है :		
प्रयुक्त राशि	6,462.47	6,462.47
अप्रयुक्त राशि	9,470.53	9,470.53
	15,933.00	**15,933.00**

अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में

निम्नलिखित तालिका कंपनी के व्युत्पन्न वित्तीय लिखत हेतु नकदी विश्लेषण का ब्यौरा देती है। तालिका को व्युत्पन्न लिखतों पर छूट न दिए गए संविदात्मक निवल नकदी अंतर–वाह तथा बहिःप्रवाह के आधार पर तैयार किया गया है जिनका निपटान एक सकल आधार पर किया जाता है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	3 माह से कम	3 माह – 6 माह	6 माह – 1 वर्ष	1 वर्ष से अधिक	कुल	वहन राशि
31 मार्च, 2018 के अनुसार						
सकल निपटान :						
व्युत्पन्न देयताएं						
– विदेशी मुद्रा अग्रग्रामी संविदाएं	-	-	-	1,093.78	1,093.78	1,093.78
कुल	-	-	-	**1,093.78**	**1,093.78**	**1,093.78**
सकल निपटान :						
व्युत्पन्न परिसंपत्तियां						
– विदेशी मुद्रा अग्रग्रामी संविदाएं	-	-	-	1,980.44	1,980.44	1,980.44
कुल	-	-	-	**1,980.44**	**1,980.44**	**1,980.44**

विवरण	3 माह से कम	3 माह – 6 माह	6 माह – 1 वर्ष	1 वर्ष से अधिक	कुल	वहन राशि
31 मार्च, 2017 के अनुसार						
सकल निपटान :						
व्युत्पन्न देयताएं						
– विदेशी मुद्रा अग्रग्रामी संविदाएं	-	-	-	1,425.74	1,425.74	1,425.74
कुल	-	-	-	**1,425.74**	**1,425.74**	**1,425.74**
सकल निपटान :						
व्युत्पन्न परिसंपत्तियां						
– विदेशी मुद्रा अग्रग्रामी संविदाएं	-	-	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-	-	-

49.10 उचित मूल्य मापन

यह टिप्पणी इस संबंध में जानकारी प्रदान करती है कि समूह किस प्रकार विभिन्न वित्तीय परिसंपत्तियों के उचित मूल्यों को निर्धारित करता है।

49.11 आवृत्ति आधार पर उचित मूल्य पर मापन की जाने वाली समूह की वित्तीय परिसंपत्तियों का उचित मूल्य

समूह की कुछ वित्तीय परिसंपत्तियों का मापन प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उचित मूल्यों पर किया जाता है। निम्नलिखित तालिका इन वित्तीय परिसंपत्तियों के उचित मूल्यों के निर्धारण के संबंध में जानकारी देती है :

कंपनी के संबंध में

वित्तीय परिसंपत्तियां / (वित्तीय देयताएं)	निम्न को उचित मूल्य		उचित मूल्य स्तर	मूल्यांकन तकनीक (को) और प्रमुख आदान (नों)
	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2017		
इक्विटी लिखत में निवेश (उद्धृत)	271,933.10	289,573.52	स्तर 1	स्टाक एक्सचेंज – एनएसई लिमिटेड से उद्धृत बिड मूल्य।
बाध्यकरी रूप से परिवर्तनीय अधिमानी शेयर	9.74	-	स्तर 2	बाजार में समान लिखतों के आधार पर।
म्यूचल फंडों में निवेश	-	36,343.29	स्तर 2	संबंधित परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों द्वारा घोषित एनएवी
कर्मचारी ऋण	10,193.66	10,214.10	स्तर 2	छूट दिए गए नकदी प्रवाह अर्थात प्रत्याशित प्राप्ति/भुगतान का वर्तमान मूल्य जिसे उचित छूट दर का प्रयोग करके छूट प्रदान की गई है।
वित्तीय गारंटी	(1,464.95)	(2,707.55)	स्तर 2	ब्याज दर विभेदीय मॉडल।
वित्तीय पट्टा बाध्यता	(417.96)	(417.96)	स्तर 2	मूल्यांकन अनंत तक वार्षिकी के वर्तमान मूल्य को प्राप्त करने के लिए लागू जोखिम समायोजित छूट दर पर आधारित है (वार्षिकी पूंजीकरण मॉडल)।
संविदाकारों से सुरक्षा जमा	(2,222.95)	(2,982.33)	स्तर 2	छूट दिए गए नकदी प्रवाह अर्थात प्रत्याशित प्राप्ति/ भुगतान का वर्तमान मूल्य जिसे उचित छूट दर का उपयोग करके छूट दी गई है।

अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में

कंपनी की कुछ वित्तीय परिसंपत्तियों को प्रत्येक रिपोर्टिंग वर्ष के अंत में उचित मूल्य पर मापा जाता है। निम्नलिखित तालिका इस संबंध में जानकारी देती है कि इन वित्तीय परिसंपत्तियों के उचित मूल्य का निर्धारण किस प्रकार किया जाता है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	निम्न को उचित मूल्य		उचित मूल्य अनुक्रम	मूल्यांकन तकनीक और प्रमुख आदान (नों)
	31 मार्च 2018 को	31 मार्च 2017 को		
म्युचुअल फंड में निवेश	20,985.64	18,332.42	स्तर 1	संबंधित परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों द्वारा घोषित एनएवी

अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

उचित मूल्य स्तर अनुक्रम

यह खंड वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं के उचित मूल्यों के निर्धारण में लिए गए निर्णयों तथा अनुमानों को विस्तारपूर्वक बताता है जिनका उचित मूल्य तथा परिशोधित लागत पर मान्यता तथा मापन किया जाता है। उचित मूल्य के निर्धारण में प्रयुक्त आदानों की विश्वसनीयता के संबंध में एक संकेत मुहैया कराने के लिए समूह ने अपनी वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं को लेखांकन मानक के अंतर्गत विहित तीन स्तरों में वर्गीकृत किया है। इसमें उचित मूल्य पर मापन न की गई वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं हेतु उचित मूल्य जानकारी शामिल नहीं होती है यदि वहन राशि उचित मूल्य का एक तर्कसंगत अनुमानन है। प्रत्येक स्तर का स्पष्टीकरण महत्वपूर्ण लेखांकन नीति के अंतर्गत मुहैया कराया गया है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	31.03.2018			31.03.2017		
	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
वित्तीय परिसंपत्तियां						
निवेश	-	-	-	-	-	-
– इक्विटी लिखत में निवेश	5,760.00	-	-	5,948.80	-	-
– ऋण लिखत में निवेश	49,993.80	-	-	51,009.60	-	-
– अन्य	-	0.50	-	0.20	78.30	-
ऋण और अग्रिम	-	-	-	-	-	-
– कर्मचारी ऋण	-	3,372.40	-	-	3,167.10	-
व्युत्पन्न परिसंपत्तियां	-	920.90	-	-	584.10	-
कुल	**55,753.80**	**4,293.80**	-	**56,958.60**	**3,829.50**	-
वित्तीय देयताएं						
ऋण	-	-	-	-	-	-
– गैर–परिवर्तनीय डिबेंचर	-	-	-	-	9,906.56	-
– विदेशी मुद्रा बॉण्ड	-	31,257.50	-	-	-	-
– तेल उद्योग विकास बोर्ड ऋण	-	1,903.90	-	-	2,909.91	-
व्युत्पन्न देयताएं	-	199.40	-	-	17.50	-
कुल	-	**33,360.80**	-	-	**12,833.98**	-

इक्विटी निवेश मूल्य जोखिम से कंपनी का संपर्क समूह द्वारा धारित निवेश से उत्पन्न होता है। समूह ने इन निवेशों को अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर निर्धारित किया है क्योंकि ये निवेश उन निवेशों को दर्शाते हैं जिन्हें समूह दीर्घावधि रणनीतिक प्रयोजनों हेतु धारित करने की मंशा रखता है।

संवेदनशीलता विश्लेषण

नीचे दी गई तालिका अवधि हेतु अन्य व्यापक आय में मूल्यों में वृद्धि /कमी के प्रवाह को सारबद्ध करती है :

(₹ मिलियन में)

विवरण	ओसीआई के माध्यम से इक्विटी लिखत			
	1%	-1%	1%	-1%
	31 मार्च, 2018		31 मार्च, 2017	
ऑयल इंडिया लिमिटेड और स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड में इक्विटी निवेश	57.60	(57.60)	59.50	(59.50)

49.12 समायोजन करना

अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

निम्नलिखित तालिका 31.3.2018 तथा 31.3.2017 की स्थिति के अनुसार मान्यता प्राप्त वित्तीय लिखतों को प्रस्तुत करती है जो समायोजन तथा इस प्रकार की अन्य व्यवस्थाएं किंतु समायोजन नहीं, के लिए पात्र हैं। "निवल राशि" कॉलम सभी समायोजन अधिकारों का उपयोग किए जाने पर कंपनी के तुलन–पत्र पर प्रभाव को दर्शाता है।

(₹ मिलियन में)

	तुलन–पत्र पर समायोजन का प्रभाव			समायोजन न की गई संबंधित राशि	
	सकल राशि	तुलन पत्र में समायोजित न की गई सकल राशि	तुलन पत्र में प्रस्तुत निवल राशि	वित्तीय लिखत संपार्श्विक	निवल राशि
31 मार्च, 2018					
वित्तीय परिसंपत्तियां					
प्राप्य व्यापार	92,731.90	(36,861.70)	55,870.20	(1,093.00)	54,777.20
अन्य वर्तमान वित्तीय परिसंपत्तियां	59,044.20	-	59,044.20	-	59,044.20
वित्तीय देयताएं					
देय व्यापार	195,320.80	(36,861.70)	158,459.10	-	158,459.10
अन्य वर्तमान वित्तीय देयताएं	145,672.10	-	145,672.10	(1,093.00)	144,579.10
31 मार्च, 2017					
वित्तीय परिसंपत्तियां					
प्राप्य व्यापार	51,818.70	(10,902.10)	40,916.60	(2,342.11)	38,574.49
अन्य वर्तमान वित्तीय परिसंपत्तियां	43,172.30	-	43,172.30	-	-
वित्तीय देयताएं					
देय व्यापार	137,898.70	(10,902.10)	126,996.60	-	126,996.60
अन्य वर्तमान वित्तीय देयताएं	158,415.40	-	158,415.40	(2,342.11)	156,073.29

49.13 वस्तु जोखिम

अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में

समूह की लाभप्रदत्ता अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में खनिज तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्यों मे उतार–चढ़ाव के जोखिम के संपर्क में आती है। समूह ओटीसी बाजार में व्युत्पन्न सुविदाओं को करके अनुमोदित तेल मूल्य जोखिम प्रबंधन नीति के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय तेल मूल्यों में उतार–चढ़ाव के प्रभावों की निगरानी और उन्हें कम करने का कार्य करता है।

समूह की एक तेल मूल्य जोखिम प्रबंधन समिति (ओपीआरएमसी) भी है जो सक्रिय रूप से जोखिम प्रबंधन सिद्धांतों, नीतियों और जोखिम प्रबंधन क्रियाकलापों की समीक्षा और निगरानी करती है।

समूह द्वारा की गई वस्तु व्युत्पन्न संविदाओं का श्रेणी–वार मात्रात्मक ब्यौरा और तुलन–पत्र तिथि को बकाया नीचे दिया गया है :

विवरण	मात्रा (मिलियन बैरल में)	
	31.03.2018	31.03.2017
खनिज तेल/उत्पाद अदला–बदली	3.05	0.71

तुलन–पत्र तिथि को बकाया वस्तु हेजिंग स्थितियों के संबंध में खनिज तेल/उत्पाद अदला–बदली के मूल्य में 10 प्रतिशत के एक संभाव्य तर्कसंगत परिवर्तन के प्रति संवेदनशीलता तुलन–पत्र तिथि को नीचे दी गई राशि से लाभ या हानि को बढा/घटा देगी। 10% की यह परिवर्तन शीलता निदेशात्मक है और भविष्य के किसी भी मूल्य परिवर्तन का संकेत नही करती है।

विवरण	कर पूर्व लाभ पर प्रभाव (मिलियन रूपए में)			
	10 प्रतिशत वृद्धि	10 प्रतिशत कमी	10 प्रतिशत वृद्धि	10 प्रतिशत कमी
	31.03.2018		31.03.2017	
खनिज तेल/उत्पाद अदला–बदली	(162.70)	162.70	(2.10)	2.10

49.14 उचित मूल्य पर मापन न की जाने वाली वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं का उचित मूल्य (परन्तु जिनके उचित मूल्य प्रकटीकरण अपेक्षित हैं)

प्रबंधन वित्तीय विवरणों में मान्य वित्तीय परिसंपत्तियों तथा वित्तीय देयताओं की वहन राशि को उनका लगभग उचित मूल्य मानता है सिवाय टिप्पणी 49.11 के अनुसार।

50. संयुक्त प्रचालन में हितों का प्रकटीकरण :

50.1 भारत में संयुक्त प्रचालन

कुछ गैर–अधिनिगमित पीएससी/नेल्प/सीबीएम ब्लॉकों के संबंध में कुछ कॉरपोरेट निकायों के साथ कंपनी के संयुक्त प्रचालन ने भारत में प्रचालन हेतु भारत सरकार के साथ उत्पादन साझेदारी संविदाएं (पीएससी) की हैं। हस्ताक्षरित पीएससी तथा जेओए के अनुसार कंपनी का ब्लाकों की परिसंपत्तियों, देयताओं, आय तथा व्यय पर सीधा अधिकार है। इन संयुक्त प्रचालन ब्लाकों का ब्यौरा निम्नानुसार है :

क्रम सं.	ब्लॉक	कंपनी का सहभागिता हित		अन्य साझेदार और संयुक्त प्रचालन में उनका सहभागिता हित/ प्रचालन अधिकार*
		31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	
क	**संयुक्त रूप से प्रचालित संयुक्त उद्यम**			
1	पन्ना, मुक्ता और तात्पी	40%	40%	बीजीईपीआईएल 30% आरआईएल 30%
2	एनके–सीबीएम–2001/1	55%	55%	आईओसी 20%, पीईपीएल 25%
ख	**ओएनजीसी द्वारा प्रचालित संयुक्त उद्यम**			
3	सीबी–ओएस/1 विकास चरण (टिप्पणी 50.1.1)	55.26%	55.26%	टीपीएल 6.7%, एचओईसी 38.04%
4	एए–ओएनएन–2001/2	80%	80%	आईओसी 20%
5	सीवाई–ओएनएन–2002/2	60%	60%	बीपीआरएल 40%
6	केजी–ओएनएन–2003/1	51%	51%	वेदांता लिमिटेड (पूर्व में केयर्न इंडिया) – 49%
7	सीबी–ओएनएन–2004/1 (टिप्पणी 50.1.1)	60%	60%	जीएसपीसी 40%
8	सीबी–ओएनएन–2004/2	55%	55%	जीएसपीसी 45%
9	सीबी–ओएनएन–2004/3	65%	65%	जीएसपीसी 35%
10	सीवाई–ओएनएन–2004/2	80%	80%	बीपीआरएल 20%
11	एमबी–ओएसएन–2005-1	80%	80%	जीएसपीसी 20%
12	रानीगंज	74%	74%	सीआईएल 26:

क्रम सं.	ब्लॉक	कंपनी का सहभागिता हित		अन्य साझेदार और संयुक्त प्रचालन में उनका सहभागिता हित/ प्रचालन अधिकार*
		31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	
13	झरिया	74%	74%	सीआईएल 26%
14	बीके–सीबीएम–2001/1	80%	80%	आईओसी 20%
15	डब्ल्यूबी–ओएनएन–2005/4	75%	75%	ओआईएल 25%
16	जीके–ओएसएन–2009/1	40%	40%	एडब्ल्यूईएल 20%, जीएसपीसी 20%, आईओसी 20%
17	जीके–ओएसएन–.2009/2	40%	40%	एडब्ल्यूईएल 30%, आईओसी 30%
18	केजी–ओएसएन–2009/2	90%	90%	एपीजीआईसी 10%
19	जीके–ओएसएन.2010/1	60%	60%	ओआईएल–30%, गेल–10%
20	एमबी–ओएसएन–2005/3	70%	70%	ईईपीएल–30%
21	केजी–ओएसएन–2001/3 (टिप्पणी सं. 50.1.5.6)	80%	-	जीएसपीसी–10%, जेओडीपीएल–10,
ग.	**संयुक्त प्रचालन साझेदारों द्वारा प्रचालित**			
22	रव्वा	40%	40%	वेदांता लिमिटेड (पूर्व में केयर्न इंडिया) (प्रचालक) 22.5% ए वीआईएल 25% आरओपीएल 12.5%
23	सीवाई–ओएस–90/1 (पीवाई3)	40%	40%	एचईपीआई (प्रचालक) 18%, एचओईसी 21% टीपीएल 21%
24	आरजे–ओएन–90/1	30%	30%	वेदांता लिमिटेड (पूर्व में केयर्न इंडिया) (प्रचालक) 35% सीईएचएल 35%
25	सीबी–ओएस/2–विकास चरण	50%	50%	वेदांता लिमिटेड (पूर्व में केयर्न इंडिया) (प्रचालक), 40% एटीपीएल 10%
26	सीबी–ओएन–7	30%	30%	एचओईसी (प्रचालक) 35% जीएसपीसी 35%
27	सीबी–ओएन–3–विकास चरण	30%	30%	ईओएल (प्रचालक) 70%
28	सीबी–ओएन/2–विकास चरण.	30%	30%	जीएसपीसी (प्रचालक) 56%
29	एए–ओएनएन–2010/2	30%	30%	जियो–ग्लोबल रिसोर्सिज 14%
30	एए–ओएनएन–2010/3	40%	40%	ओआईएल–50% (प्रचालक), गेल–20% ईडब्ल्यूपी–10%
				ओआईएल–40% (प्रचालक), बीपीआरएल –20%

* *पिछले वर्ष के ब्यौरों में कोई परिवर्तन नहीं है, जब तक कि अन्यथा बताया न गया हो।*

50.1.1 **भारत सरकार से सहभागिता हित सौंपे जाने के प्रति अनुमोदन प्रतीक्षित है।**

संक्षेपाक्षर :– एपीजीआईसी – एपी गैस इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड, एडब्ल्यूईल – अदानी वेलस्पन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड, बीजीईपीआईएल – ब्रिटिश गैस एक्सप्लोरेशन एण्ड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड, बीपीआरएल – भारत पेट्रो रिसोर्स लिमिटेड, केयर्न इंडिया – केयर्न इंडिया लिमिटेड, सीईएचएल – केयर्न एनर्जी हाइड्रोकार्बन्स लिमिटेड, सीआईएल – कोल इंडिया लिमिटेड, ईईपीएल – एस्सार एक्सप्लोरेशन एण्ड प्रोडक्शन लिमिटेड, ईएनआई – एंटे नेजीनल इदरोकारबुरी, ईओएल – एस्सार ऑयल लिमिटेड, जीएआईएल – गैस अथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, जीएसपीसी– गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, एचईपीआई – हार्डी एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड, एचओईसी– हिंदुस्तान ऑयल एक्सप्लोरेशन कम्पनी लिमिटेड, आईओसी– इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, एनटीपीसी – नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड, ओआईएल – ऑयल इंडिया लिमिटेड, पीईपीएल – प्रभा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, आरआईएल – रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड, आरओपीएल – रव्वा आयॅल (सिंगापुर) प्रा. लिमिटेड, टीपीएल – टाटा पेट्रोडाइन लिमिटेड, वीआईएल – वीडियाकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जेओडीपीएल – जुबीलेंट ऑफशोर ड्रिलिंग प्राइवेट लिमिटेड, ईडब्ल्यूपी – ईस्ट वेस्ट पेट्रोलियम।

50.1.2 **(क) वर्ष के दौरान अभ्यर्पण किए गए ब्लॉकों की सूची नीचे दी गई है**

क्रम सं	संयुक्त प्रचालन/ उत्पादन साझेदारी संविदा	कंपनी का प्रतिभागिता हित	
		31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
1	एएन–डीडब्ल्यूएन–2003/2	45%	45%
2	पीआर–ओएसएन–2004/1	35%	35%
3	सीवाई–ओएसएन–2009/2	50%	50%
4	डब्ल्यूबी–ओएनएन–2005/2	100%	100%
5	सीबी–ओएनएन–2009/4	50%	50%
6	केजी–ओएसएन–2009/4	50%	50%
7	सीबी–ओएनएन–2010/6	80%	80%

(ख) वर्ष के दौरान फार्म–आउट किए गए ब्लॉकों की सूची नीचे दी गई है

क्रम सं	संयुक्त प्रचालन/ उत्पादन साझेदारी संविदा	कंपनी का प्रतिभागिता हित	
		31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
1	आरजे–ओएन–06 – विकास चरण (टिप्पणी सं. 50.1.5.3)	30%	30%

50.1.3 कंपनी द्वारा उत्पादन भागीदारी संविदा के अनुसार प्रमाणित विवरणों के आधार पर परिसंपत्ति, देयताएँ, आय, व्यय और कर पूर्व लाभ/(हानि) में कंपनी के भागीदारी हित की सीमा तक, 136 (वित्तीय वर्ष 2016–17 में 135) में से 125 (वित्तीय वर्ष 2016–17 में 125) संयुक्त प्रचालन ब्लाक (जेओ/नेल्प/सीबीएम ब्लाक) के वित्तीय विवरण लेखों में शामिल किये गए है और शेष 11 (वित्तीय वर्ष 2016–17 में 10) संयुक्त प्रचालन ब्लाक (पीएससी/नेल्प/सीबीएम ब्लाक) के संबंध में आंकड़ों को उत्पादन साझेदारी संविदा के अंतर्गत तैयार किए गए अप्रमाणित विवरणों के आधार पर समाहित किया गया हैं। संयुक्त प्रचालित ब्लाकों के वित्तीय विवरणों को टिप्पणी संख्या 3.8 के अनुसार परिवर्तन के लिए समायोजित किया गया है। संयुक्त प्रचालन (पीएससी/नेल्प/सीबीएम ब्लाकों) में कंपनी के अंश की वित्तीय स्थिति टिप्पणी सं. 50.1.4 में प्रकट की गई है।

50.1.4 **संयुक्त प्रचालन की वित्तीय स्थिति – कंपनी का अंश निम्नानुसार है :**

कंपनी द्वारा उत्पादन भागीदारी संविदा के अनुसार प्रमाणित विवरणों के आधार पर परिसंपत्ति, देयताएँ, आय, व्यय और कर पूर्व लाभ/(हानि) में कंपनी के भागीदारी हित की सीमा तक, 136 (वित्तीय वर्ष 2016–17 में 135) में से 125 (वित्तीय वर्ष 2016–17 में 125) संयुक्त प्रचालन ब्लॉक (जेओ/नेल्प) के वित्तीय विवरण लेखों में शामिल किये गए है और शेष 11 (वित्तीय वर्ष 2016–17 में 10) संयुक्त प्रचालन ब्लॉक (जेओ/नेल्प) के संबंध में आंकड़ों को उत्पादन साझेदारी संविदा के अंतर्गत तैयार किए गए अप्रमाणित विवरणों के आधार पर समाहित किया गया हैं। दोनों आंकड़ों को टिप्पणी संख्या 3.8 के अनुसार परिवर्तन के लिए समायोजित किया गया है। जेओ/नेल्प ब्लाकों की वित्तीय स्थिति निम्नानुसार है :–

31 मार्च, 2018 के अनुसार

(₹ मिलियन में)

विवरण	वर्तमान परिसंपत्तियां	गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	वर्तमान देयताएं	गैर–वर्तमान देयताएं	राजस्व	सतत प्रचालनों से लाभ अथवा हानि	अन्य व्यापक आय	कुल व्यापक आय
नेल्प-100% पीआई (13)	152.84	67,668.73	358.46	13.40	29.81	(7,299.54)	0.28	(7,299.26)
अन्य भागीदारों के साथ ब्लाक (30)	35,001.74	1,35,464.10	29,322.18	27,984.05	88,601.64	6,885.90	0.09	6,885.99
अभ्यर्पित (93)	2,013.54	44.75	14,292.04	59.07	-	(1,446.21)	(0.06)	(1,446.27)
कुल	**37,168.13**	**2,03,177.58**	**43,972.68**	**28,056.51**	**88,631.45**	**(1,859.85)**	**0.31**	**(1,859.54)**
उक्त ब्लाकों का आगे का ब्यौरा निम्नवत है :								
लेखापरीक्षित (125)	7,589.92	1,57,841.49	13,829.09	3,414.93	6,291.02	(18,235.14)	0.31	(18,234.83)
गैर– लेखापरीक्षित (11)	29,578.21	45,336.08	30,143.59	24,641.59	82,340.43	16,375.29	-	16,375.29
कुल (136)	**37,168.13**	**2,03,177.58**	**43,972.68**	**28,056.51**	**88,631.45**	**(1,859.85)**	**0.31**	**(1,859.54)**

31 मार्च, 2017 के अनुसार

(₹ मिलियन में)

विवरण	वर्तमान परिसंपत्तियां	गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	वर्तमान देयताएं	गैर–वर्तमान देयताएं	राजस्व	सतत प्रचालनें से लाभ अथवा हानि	अन्य व्यापक आय	कुल व्यापक आय
नेल्प-100% पीआई (14)	120.01	64,777.15	156.85	11.49	31.55	(2,635.55)	(0.82)	(2,636.37)
अन्य भागीदारों के साथ ब्लाक (35)	19,186.89	69,831.18	22,140.06	27,714.00	80,032.44	9,529.96	(0.12)	9,529.86
अभ्यर्पित (86)	2,005.72	43.51	12,917.39	59.07	262.81	(4,853.44)	(0.58)	(4,854.02)
कुल (135)	**21,312.62**	**134,651.84**	**35,214.30**	**27,784.56**	**80,326.80**	**2,040.98**	**(1.52)**	**2,039.46**
उक्त ब्लाकों का आगे का ब्यौरा निम्नवत है :								
लेखापरीक्षित (125)	20,084.08	131,281.00	30,242.16	25,057.99	75,613.44	2,362.11	(1.52)	2,360.58
गैर– लेखापरीक्षित (10)	1,228.54	3,370.84	4,972.14	2,726.57	4,713.36	(321.13)	-	(321.12)
कुल (135)	**21,312.62**	**134,651.84**	**35,214.30**	**27,784.56**	**80,326.80**	**2,040.98**	**(1.52)**	**2,039.46**

50.1.5 **संयुक्त प्रचालन ब्लाकों से संबंधित अतिरिक्त वित्तीय जानकारी निम्नानुसार है**

31 मार्च, 2018 के अनुसार

(₹ मिलियन में)

विवरण	नकदी और नकदी तुल्य	वर्तमान वित्तीय देयताएं	मूल्यह्रास और परिशोधन	ब्याज आय	ब्याज व्यय
नेल्प.100% पीआई (13)	0.02	282.14	18.42	0.05	0.90
अन्य भागीदारों के साथ ब्लाक (30)	225.22	21,018.60	20,932.23	628.24	1,927.55
अभ्यर्पित (93)	0.31	14,208.12	1.84	1.07	0.00
कुल (136)	**225.55**	**35,508.85**	**20,952.50**	**629.36**	**1,928.45**
लेखापरीक्षित (125)	84.48	13,024.18	4,152.17	107.32	187.94
गैर– लेखापरीक्षित (11)	141.07	22,484.67	16,800.33	522.04	1,740.52
कुल (136)	**225.55**	**35,508.85**	**20,952.50**	**629.36**	**1,928.45**

31 मार्च, 2017 के अनुसार

(₹ मिलियन में)

विवरण	नकदी और नकदी तुल्य	वर्तमान वित्तीय देयताएं	मूल्यह्रास और परिशोधन	ब्याज आय	ब्याज व्यय
नेल्प.100% पीआई(14)	0.02	89.74	12.61	0.06	0.88
अन्य भागीदारों के साथ ब्लाक(35)	1,453.27	17,093.31	14,753.48	530.80	1,195.82
अभ्यर्पित (86)	0.27	12,098.49	889.65	0.99	4.27
कुल (135)	**1,453.56**	**29,281.54**	**15,655.74**	**531.85**	**1,200.97**
लेखापरीक्षित (125)	1,450.26	25,252.55	14,365.56	321.76	934.83
गैर– लेखापरीक्षित(10)	3.30	4,028.99	1,290.18	210.09	266.14
कुल (135)	**1,453.56**	**29,281.54**	**15,655.74**	**531.85**	**1,200.97**

50.1.5.1 31 मार्च, 2018 को समाप्त होने वाले 4 नेल्प ब्लॉकों (पिछले वर्ष 6) के संबंध में ₹ 753.13 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 1,167.54 मिलियन) की राशि के अपूर्ण न्यूनतम कार्य कार्यक्रम के कंपनी के अंश के लिए प्रावधान नहीं किया गया है क्योंकि कंपनी ने पहले ही नेल्प ब्लॉकों की विस्तार नीति के भीतर 'क्षमा योग्य विलंब' / तकनीकी जटिलताएँ बताते हुए विशेष

व्यवस्थाएं बताते हुए अवधि के और विस्तार के लिए आवेदन किया है, जो भारत सरकार के पास सक्रिय रूप से विचाराधीन है। ये विलंब सामान्यतः विभिन्न सरकारी प्राधिकारियों जैसे कि रक्षा मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय, पर्यावरणीय स्वीकृतियों, राज्य सरकार की अनुमति आदि से सांविधिक स्वीकृतियों के लंबित होने के कारण हुई थी। ₹ 753.13 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 1,167.54 मिलियन) की एमडब्ल्यूपी को टिप्पणी संख्या 55.3.2 (क) के अंतर्गत एमडब्ल्यूपी प्रतिबद्धता में शामिल किया गया है।

50.1.5.2 कंपनी द्वारा भारत सरकार के साथ हस्ताक्षरित उत्पादन साझेदारी संविदाओं के अनुसार कंपनी द्वारा निर्धारित समय के भीतर न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) को पूर्ण किया जाना अपेक्षित है। एमडब्ल्यूपी की पूर्णता में विलंब के मामले में, एमडब्ल्यूपी को पूरा करने के लिए समय के विस्तार हेतु परिसमाप्त क्षतियां (एलडी) देय होती है। इसके अतिरिक्त, यदि कंपनी एमडब्ल्यूपी को पूरा नहीं करती है या एमडब्ल्यूपी को पूरा किए बिना ब्लाक को समर्पित कर देती है, तो शेष कार्य कार्यक्रम को पूरा करने के लिए अनुमानित लागत भारत सरकार को अदा की जानी होती है। ₹ 688.06 मिलियन (पिछले वर्ष 14.90 मिलियन रूपए) की राशि की एलडी और भारत सरकार को अदा की गई/अदा की जाने वाली अपूर्ण एमडब्ल्यूपी की लागत के (वापसी का निवल) ₹ 160.71 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 965.69 मिलियन) को क्रमशः सर्वेक्षण तथा कूप बट्टे खाते में डाले गए व्यय में शामिल किया गया है।

50.1.5.3 भारत सरकार ने एसजीएस फील्ड में ओएनजीसी के 30 प्रतिशत प्रतिभागिता हित का परित्याग फोकस एनर्जी लिमिटेड (प्रचालक) को राजस्थान के जैसलमेर बेसिन में ब्लाक आरजे–ओएन/6 में भविष्य के हित के साथ परित्याग को इस शर्त के अधीन अनुमोदित किया है कि फोकस एनर्जी लिमिटेड (प्रचालक) पूर्व के रॉयल्टी भुगतान, पीईएल/एमएल शुल्क, अन्य सांविधिक कर (31 मार्च, 2018 के अनुसार 1557.81 मिलियन रूपये की कुल राशि) के प्रति 100 प्रतिशत का भुगतान करेगा और ब्लाक के एसजीएल फील्ड में ओएनजीसी द्वारा देय विकास/उत्पादन लागत में छूट प्रदान करेगा तथा साथ ही साथ लाइसेंसधारी के रूप में ओएनजीसी की भविष्य की शत प्रतिशत रायल्टी बाध्यता को भी लेगा। फार्मआउट समझौते के निष्पादन और उत्पादन साझेदार संविदा (पीएससी) में संशोधन लंबित होने के चलते आरजे–ओएन–6 के परित्याग के संबंध में लेखे में कोई समायोजन नहीं किया गया है।

50.1.5.4 कपंनी का ब्लाक आरजे–ओएन–90/1 में वेदांता लिमिटेड (पूर्व में केर्न इंडिया लिमिटेड) (प्रचालक) ओर केयर्न एनर्जी हाइड्रोकार्बन्स लिमिटेड के साथ 30 प्रतिशत प्रतिभागिता हित है। 1071.51 मिलियन अमेरिकी डालर (69,562.43 मिलियन रूपये) की राशि की अन्वेषण, विकास तथा उत्पादन लागत के संबंध में लागत वसूली से संबंधित कुछ अनसुलझे मुद्दे हैं। ये मुद्दे निपटान हेतु संयुक्त उद्यम भागीदारों के मध्य चर्चा के अधीन हैं। मुद्दों का निपटान लंबित होने तक विकास तथा उत्पादन लागत से संबंधित 824.30 अमेरिकी डालर (52,513.56 मिलियन रूपये) की राशि को कंपनी के प्रतिभागिता हितों के अनुसार लेखांकित किया गया है।

50.1.5.5 झरिया सीबीएम ब्लॉक के संबंध में भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल) के साथ कुछ अतिव्याप्ति वाले मुद्दे हैं। अतिव्याप्ति मुद्दे के कारण विकासात्मक क्रियाकलाप (सिवाय प्रासंगिक गैस उत्पादन के) जून, 2014 से स्थगित थे। हाल ही में खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) ने ओएनजीसी को सह–विकास समझौते के सिद्धांततः अनुमोदन (डीजीएमएस/डीजीएच द्वारा) का पालन करते हुए सेल के साथ अतिव्याप्ति वाले क्षेत्र में प्रचालन को बहाल करने की अनुमति प्रदान की है। तथापि, सेल के साथ सह–विकास समझौते का निष्पादन लंबित है। इसी प्रकार, रानीगंज सीबीएम ब्लाक में बंगाल एरोट्रोपोलिस प्रोजेक्टस लिमिटेड (बीएपीएल) की एअरपोर्ट सिटी परियोजना का कुछ हिस्सा रानीगंज सीबीएम ब्लाक के एफडीपी क्षेत्र से अतिव्याप्त होता है। इस मुद्दे पर बीएपीएल और पश्चिम बगाल सरकार से चर्चा की जा रही है। तथापि, पर्यावरणीय स्वीकृति (ईसी) प्राप्त करने के लिए जन सुनवाई आयोजित की गई है और पर्यावरणीय स्वीकृति आवेदन पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत किया गया है। ब्लाक की तकनीकी आर्थिकी को लागत ईष्टतम किए जाने के साथ पुनः निर्धारित किया जा रहा है। ब्लाक पर अंतिम निर्णय लंबित होने के चलते बहियों में 611.95 मिलियन रूपये का क्षति प्रावधान किया गया है।

50.1.5.6 वर्ष के दौरान कपंनी ने केजी–ओएसएम–2001/3ब्लाक में दीन दयाल वेस्ट (डीडीडब्ल्यू) फील्ड हेतु 995.26 मिलियन अमेरिकी डालर (62950.20 मिलियन रूपये) के खरीद मूल्य पर प्रचालन अधिकार सहित गुजरात राज्य पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएसपीसी) में समूचे 80 प्रतिशत प्रतिभागिता हित की खरीद की है। जीएसपीसी के साथ 10 मार्च, 2017 को एक फार्म–इन – फार्म–आउट (एफआईएफओ) समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे जिसकी आर्थिक तिथि 31 मार्च, 2017 (23:59 बजे भारतीय मानक समय) थी और उक्त मूल्य को अंतिम तिथि 4 अगस्त, 2017 को अदा किया गया है।

एफआईएफओ के अनुसार कंपनी द्वारा वास्तविक गैस उत्पादन और सहमत गैस मूल्य में अंतर पर आधारित पहले से भुगतान किए गए मूल्य में समायोजन के रूप

में राशियों का भुगतान/प्राप्त करना अपेक्षित है। मूल कूप के निष्पादन और भविष्य के उत्पादन का अनुमान लंबित होने के चलते मूल्य हेतु आकस्मिक समायोजन को मात्रात्मक रूप दिया जाना शेष है।

मूल्य प्रतिफल हेतु समापन समायोजन के लिए लेखांकन (अर्थात कार्यशील पूंजी तथा अन्य समायोजन) यथा आर्थिक तिथि से समापन तिथि तक संव्यवहार को अनंतिम आधार पर किया गया है और 198.31 मिलियन रूपये की राशि जीएसपीसी से निवल प्राप्य है जो जीएसपीसी तथा कंपनी के मध्य परस्पर समझौते के अनुसार अंतिम निपटान के अधीन है।

कंपनी ने जीएसपीसी को केजी–ओएसएन–2001/3 ब्लाक में डीडीडब्ल्यू फील्ड के अतिरिक्त 6 खोजों हेतु 200 मिलियन अमेरिकी डालर (12,650.00 मिलियन रूपये) के आंशिक मूल्य का भुगतान केजी–ओएसएन–2001/3 ब्लॉक में इन खोजों हेतु अधिग्रहण अधिकारों के प्रति भी कर दिया है जिसे जीएसपीसी तथा कंपनी के मध्य सहमत मूल्यांकन पैरामीटरों के आधार पर ऐसे फील्डों से मूल्यांकन के प्रति समायोजित किया जाएगा।

50.2 भारत के बाहर संयुक्त प्रचालन

कंपनी के संयुक्त प्रचालनों का ब्यौरा निम्नानुसार है :

क्रम. सं.	परियोजना का नाम और प्रचालन का देश	कंपनी का प्रतिभागिता अंश (%)	अन्य कंसार्टियम सदस्य	प्रचालक*	परियोजना की स्थिति
1.	अजेरी, चिराग, गुनेशली फील्डस, अजरबेजान, (एसीजी) अपतट	2.31*	बीपी– 30.37% सोकार–25.00% शेवरन–9.57% इन्पेक्स–9.31% स्टेटॉइल–7.27% एक्सान–मोबिल–6.79% टीपीएओ–5.73% इटोचू–3.65%	बीपी	परियोजना विकास तथा उत्पादन चरण में है।
2.	ब्लॉक 06.1, परियोजना, वियतनाम, अपतट	45	रोजनेफ्ट वियतनाम बी.वी.–35% पेट्रोवियतनाम – 20%	रोजनेफ्ट वियतनाम बी.वी.	परियोजना विकास और उत्पादन के अधीन है।
3.	ब्लॉक 5ए, दक्षिणी सूडान, अभितट	24.125	पेट्रोनास – 67.875% नीलापेट – 8%	संयुक्त प्रचालनाधिकार	परियोजना में अन्वेषण, विकास और उत्पादन के अधीन है। वर्तमान में सुरक्षा स्थिति के कारण अस्थाई रूप से बंद है।
4.	ब्लॉक ए–1 म्यांमार, अपतट	17	पोस्को देवू–51% एमओजीई–15% कोगास–8.5% गेल–8.5%	देवू कॉरपोरेशन	परियोजना उत्पादन चरण के अधीन है।
5.	ब्लॉक ए–3, म्यांमार, अपतट	17	पोस्को देवू–51% कोगास–8.5% गेल–8.5% एमओजीई–15%	देवू कॉरपोरेशन	परियोजना उत्पादन चरण के अधीन है।
6.	ब्लाक एरिया 1 मोजाम्बिक अपतटीय	10	अंडारको – 26.5% मितसुई – 20% ईएनएच – 15% बीपीआरएल – 10% बीआरईएमएल – 10%# पीटीटीईपी – 8.5%	अंडारको	परियोजना विकास चरण के अधीन है।
7.	ब्लाक बी2, म्यानमार, अभितट	97	मशीनरी एण्ड सॉल्यूशन्स कंपनी लिमिटेड – 3%	ओएनजीसी विदेश	परियोजना अन्वेषण चरण के अधीन है।
8.	ब्लॉक सीपीओ–5, कोलंबिया, अपतट	70	पेट्रोडोराडो–30%	ओएनजीसी विदेश	परियोजना अन्वेषण के चरण के अधीन है।
9.	ब्लाक ईपी3, म्यांमार, अभितट	97	मशीनरी एण्ड सॉल्यूशन्स कंपनी लिमिटेड – 3%	ओएनजीसी विदेश	परियोजना अन्वेषण चरण के अधीन है।

क्रम. सं.	परियोजना का नाम और प्रचालन का देश	कंपनी का प्रतिभागिता अंश (%)	अन्य कंसार्टियम सदस्य	प्रचालक*	परियोजना की स्थिति
10.	फारसी ब्लॉक परियोजना, ईरान, अपतट	40	आईओसी–40% ओआईएल–20%	ओवीएल	परियोजना की अन्वेषण अवधि 24 जून, 2009 को समाप्त हुई। एमडीपी पर समझौते तथा विकास सेवा संविदा लंबित है।
11.	ब्लॉक आरसी–9, कोलंबिया, अपतट	50	इकोपेट्रोल – 50%	इकोपेट्रोल	परियोजना अन्वेषण चरण के अधीन है।
12.	ब्लॉक आरसी–10, कोलंबिया, अपतट	50	इकोपेट्रोल – 50%	ओवीएल	परियोजना अन्वेषण चरण के अधीन है।
13.	ब्लाक एसएस 04, बांग्लादेश अपतट	45	ओआईएल – 45% बैपेक्स – 10%	ओवीएल	परियोजना अन्वेषण चरण के अधीन है।
14.	ब्लाक एसएस 09, बांग्लादेश अपतट	45	ओआईएल – 45% बैपेक्स – 10%	ओवीएल	परियोजना अन्वेषण चरण के अधीन है।
15.	ब्लॉक एसएसजेएन–7, कोलंबिया, अभितट	50	पेसिफीक–50%	पेसिफिक	परियोजना अन्वेषण चरण के अधीन है।
16.	ब्लॉक xxiv, सीरिया अभितट	60	आईपीआरएमईएल–25% ट्राई–ओशियन–15%	आईपीआर एमईएल	परियोजना बाध्यकारी कारकों के चलते बंद है।
17.	सखालिन–1 परियोजना, रूस, अपतट	20	ईएनएल–30% सोडेको–30% एसएमएनजी–11. 5%आरएन–अस्त्रा–8.5%	ईएनएल	परियोजना में विकास और उत्पादन हो रहा है।
18.	सत्यापेव संविदा क्षेत्र 3575, कजाकिस्तान, अपतट	25	केएमजी – 75%	एसओएलएलपी	परियोजना अन्वेषण चरण के अधीन है।
19.	एसएचडब्ल्यूई, अपतट पाइपलाइन परियोजना, म्यांमार, अपतट	17	पोस्को देवू – 51% कोगास – 8.5% गेल–8.5% मोगे–15%	पोस्को देवू कॉरपोरेशन	पाइपलाइन पूर्ण और ब्लाक ए1/ए3 मयान्मार से गैस के परिवहन हेतु उपयोग में है।
20.	पोर्ट सूडान उत्पाद पाइपलाइन सूडान, अभितट	90	ओआईएल–10%	ओवीएल	पाइपलाइन पूर्ण हो गयी है तथा सूडान सरकार को सौंपी गई है।
21.	ब्लॉक 2ए और 4, जीएनपीओसी, सूडान (ओएनजीसी नील गंगा बी. वी. के माध्यम से)	25	सीएनपीसी–40% पेट्रोनास–30% सूडापेट–5%	संयुक्त प्रचालनाधिकार (जीएनपीओसी)	परियोजना में उत्पादन हो रहा है।
22.	ब्लॉक 1ए, 1बी और 4, जीपीओसी, दक्षिणी सूडान (ओएनजीसी नील गंगा बी.वी. के माध्यम से)	25	सीएनपीसी–40% पेट्रोनास–30% नीलापेट–5%	संयुक्त प्रचालनाधिकार (जीपीओसी)	परियोजना में उत्पादन हो रहा है। वर्तमान में सुरक्षा स्थिति के कारण अस्थाई रूप से बंद है।
23.	ब्लॉक बीसी–10, ब्राजील, अपतट (ओएनजीसी नील गंगा बी.वी के माध्यम से)	27	शैल–50% क्यूपीआई–23%	शेल	परियोजना में विकास तथा उत्पादन हो रहा है।
24.	ब्लॉक बीएम–सील–4, ब्राजील, अपतट (ओएनजीसी नील गंगा बी.वी के माध्यम से)	25	पेट्रोब्रास–75%	पेट्रोब्रास	परियोजना अन्वेषण चरण के अधीन है।
25.	ब्लॉक पीईएल–0037, नामीबिया अपतट, (ओएनजीसी विदेश वेन्कोरनेफ्ट प्रा. लि. के माध्यम से)	30	टुलो नामीबिया लिमिटेड–75% पैन कॉन्टीनेंटल नामीबिया (प्रा.) लिमिटेड – 30% पैरागॉन ऑयल एण्ड गैस (प्रा.) लिमिटेड – 5%	टुलो नामीबिया लिमिटेड	परियोजना अन्वेषण चरण के अधीन है।

क्रम. सं.	परियोजना का नाम और प्रचालन का देश	कंपनी का प्रतिभागिता अंश (%)	अन्य कंसार्टियम सदस्य	प्रचालक*	परियोजना की स्थिति
26.	लोअर जाकूम अबू धाबी (फैलकॉन ऑयल एण्ड गैस बी.वी. के माध्यम से)	4	इंड ऑयल ग्लोबल बी.वी. – 3% बीआरपीएल इंटरनेशनल वेंचर्स बी.वी. – 3% एडीएनओसी – 60% जापान की इन्पेक्स – 10% सीएनपीसी – 10% ईएनआई – 5% टोटल – 5%	एडनॉक अपतट	परियोजना विकास और उत्पादन चरण में है।
27.	ब्लॉक–32, इजरायल अपतट (इंडस ईस्ट मेडीटेरियन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड के माध्यम से)	25	ओआईएल – 25% आईओसीएल – 25% बीपीआरएल – 25%	ओएनजीसी विदेश	परियोजना अन्वेषण चरण के अधीन है।

नोट : पूर्व वर्ष के विवरणों में कोई परिवर्तन नही किया गया है, जब तक कि अन्यथा वर्णित न हों।

प्रयुक्त संक्षेपाक्षर :

अंडारको – अडारको पेट्रोलियम कॉरपोरेशन; बैपेक्स – बांग्लादेश पेट्रोलियम एक्सप्लोरेशन एण्ड प्रोडक्शन कंपनी लिमिटेड; बीपी – ब्रिटिश पेट्रोलियम, बीपीआरएल – भारत पेट्रो रिसोर्ससेज लिमिटेड; बीआरईएमएल – ब्यास रोवूमा एनर्जी मोजाम्बिक लिमिटेड; शेवरॉन – शेवरॉन कॉरपोरेशन; सीएनपीसी – चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, देवू – देवू इंटरनेशनल कॉरपोरेशन; ईकोपेट्रोल – ईकोपेट्रोल एस.ए., कोलम्बिया; ईएनएच – एम्प्रेसा नैकिओनल डी हाइड्रोकार्बोनेटस, ई.पी.; ईएनएल – एक्सॉन नेफ्टेगैस लिमिटेड; एक्सॉन मोबिल – एक्सॉन मोबिल कॉरपोरेशन; जीएआईएल – गेल (इंडिया) लिमिटेड; इन्पेक्स – इन्पेक्स कॉरपोरेशन; आईओसी– इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड; आईपीआरएमईएल – आईपीआर मेडीटेरियन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड; ईटोचू – ईटोचू कॉरपोरेशन; केएमजी – कजमुनायगैस; कोगास – कोरिया गैस कॉरपोरेशन; मितसुई – मितसुई एण्ड कंपनी लिमिटेड, एमओजीई – म्यांमार ऑयल एंड गैस एन्टरप्राइज, नीलापेट – नाइल पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड; ओआईएल – ऑयल इंडिया लिमिटेड; ओएनजीसी विदेश – ओएनजीसी विदेश लिमिटेड; पैसिफिक – पैसिफिक स्ट्रेटस एनर्जी, कोलम्बिया; पेट्रोब्रास – पेट्रोलियो कोलंबिया लि. एस.ए.; पेट्रो–डोरोडो – पेट्रो–डोरोडो साउथ अमेरीका एस.ए.; पेट्रोनास – पेट्रोनास करीगली ओवरसीस सडन बहड; पेट्रोवियतनाम – वियतनाम तेल एवं गैस ग्रुप; पीटीटीईपी – पीटीटी पब्लिक कंपनी लिमिटेड; क्यूपीआई – कतर पेट्रोलियम इंटरनेशनल; एसएमएनजी – सखालिनमोरनेफ्तेगैस शेल्फ; एसओसीएआर – स्टेट ऑयल कंपनी ऑफ अजरबेजान रिपब्लिक; सोडेको – सखालिन ऑयल डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड, एसओएलएलपी – सत्यापेव ऑपरेटिंग एलएलपी; स्टैटऑयल – डेन नार्सक स्टैट्स ओलजेसेलस्कॉप; टीपीएओ – टर्कीये पेट्रोलेरी ए.ओ; ट्राइओशियन – ट्राइओशियन मेडीटेरियन।

*संशोधित एसीजी पीएसए, संशोधित जेएओ, और अन्य संबंधित अनुबंध/अनुबंध शीर्ष (एचओए) आदि के अनुसार प्रतिभागिता हित 2.7213 प्रतिशत से संशोधित होकर 2.31 प्रतिशत रह गया है। (1 जनवरी, 2017 से प्रभावी तिथि के साथ)। सॉकर के सभी भागीदारों द्वारा संयुक्त रूप से सहमति होने पर दिसम्बर, 2049 तक एसीजी पीएसए का विस्तार किया गया है, जिसमें अजरबेजान की राष्ट्रीय तेल कंपनी शामिल है। अन्य संघ सदस्यो का प्रतिभागिता हित पिछले वर्ष (बीपी–35.79 प्रतिशत, सॉकर 11.65 प्रतिशत, शेवरॉन–11.27 प्रतिशत, इंपेक्स 10.96 प्रतिशत, स्टेट ऑयल 8.56 प्रतिशत, एक्सोन–मोविल 8 प्रतिशत, टीपीएओ 6.75 प्रतिशत, इटोचू 4.30 प्रतिशत) है।

ओएनजीसी विदेश बीआरईएमएल ने 60 प्रतिशत शेयर धारित किए हुए हैं

50.2.1 वर्ष के दौरान अभ्यर्पित किए गए ब्लाकों की सूची नीचे दी गई है :

क्रम सं.	संयुक्त प्रचालन/पीएससी	कंपनी का सहभागिता हित	
		31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
1	गुआ ऑफ 2 (कंपनी की हिस्सेदारी : 100%) लाइसेंस 25 जनवरी, 2017 को समाप्त हुआ। परित्याग प्रक्रियाधीन है!	-	100
2	आरसी 8 (कंपनी का अंश : 40 प्रतिशत, इकोपेट्रोल – 40 प्रतिशत, पेट्रोब्रास–20 प्रतिशत) कंपनी ब्लाक की प्रचालक है। लाइसेंस 29 नवम्बर, 2013 को समाप्त हुआ। 20 अक्तूबर, 2016 को परित्याग किया गया।	-	40
3	अजेरी, चिराग, गुनेशी फील्ड (एसीजी), अजरबेजान, अपतट	2.31	2.7213

50.2.2 संयुक्त प्रचालन परियोजनाओं/ब्लॉकों की वित्तीय स्थिति निम्नानुसार है

31 मार्च, 2018 के अनुसार

(₹ मिलियन में)

विवरण	वर्तमान परिसंपत्तियां	गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	वर्तमान देयताएं	गैर–वर्तमान देयताए	कुल राजस्व	सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	रूके हुए प्रचालनों से लाभ या हानि	अन्य व्यापक आय	कुल व्यापक आय
क. 31 मार्च, 2018 तक लेखा–परीक्षित									
ब्लॉक 06.1, वियतनाम	2,337.12	6,232.97	2,053.42	1,497.70	8,495.23	4,480.38	-	-	4,480.38
पोर्ट सूडान उत्पादन पाइपलाइन, सूडान	3.90	-	1,551.59	-	-	0.03	-	-	0.03
ब्लॉक फारसी, ईरान	9.09	-	24.02	-	-	(20.66)	-	-	(20.66)
ब्लॉक एसएस–04, बंगलादेश	111.01	0.65	102.57	-	-	(66.23)	-	-	(66.23)
ब्लॉक एसएस–09, बंगलादेश	90.24	(0.65)	96.73	-	-	(44.48)	-	-	(44.48)
जीएनपीओसी और जीपीओसी, सूडान	26,801.70	175,316.08	24,430.15	3,065.09	7,182.67	(8,320.64)	-	-	(8,320.64)
ब्लॉक बीसी–10 ब्राजील और ब्लॉक बीएम–सील–4	3,950.14	49,672.62	4,263.47	22,565.50	13,736.79	(6,597.41)	-	-	(6,597.41)
कुल (क)	**33,303.20**	**231,221.67**	**32,521.95**	**27,128.29**	**29,414.69**	**(10,569.01)**	**-**	**-**	**(10,569.01)**
ख. 31 दिसम्बर, 2017 तक लेखा–परीक्षित									
ब्लॉक सखालिन–1, रूस	12,563.97	216,403.68	7,378.16	26,793.13	51,697.45	13,288.72	-	-	13,288.72
ब्लॉक आरसी–9 ब्लॉक, कोलंबिया	21.42	-	4.54	-	-	(1,609.32)	-	-	(1,609.32)
ब्लॉक आरसी–10 ब्लॉक, कोलंबिया	77.25	0.65	265.52	-	-	(88.27)	-	-	(88.27)
ब्लॉक सीपीओ 5, कोलंबिया	389.52	2,744.82	2,228.70	-	-	99.88	-	-	99.88
कुल (ख)	**13,052.16**	**219,149.15**	**9,876.92**	**26,793.13**	**51,697.45**	**11,691.01**	**-**	**-**	**11,691.01**
ग. गैर लेखा–परीक्षित									
ब्लॉक एसीजी, अजरबेजान	1,373.06	39,042.24	434.96	10,448.22	6,310.80	3,468.52	-	-	3,468.52
ब्लॉक एसएसजेएन–7, कोलम्बिया	-	-	12.33	-	-	(19.32)	-	-	(19.32)
ब्लॉक ए–1, म्यांमार	736.84	11,423.97	973.80	-	4,884.09	2,890.72	-	-	2,890.72
ब्लॉक ए–3, म्यांमार	401.21	3,376.49	440.16	-	3,780.93	1,759.87	-	-	1,759.87
एसएचडब्ल्यूई अपतट पाइपलाइन, म्यांमार	192.81	1,324.37	268.12	-	1,594.93	1,269.91	-	-	1,269.91
म्यांमार ब्लॉक ईपी3, ओ/एस (गैर प्रचालन)	186.97	0.65	236.96	-	-	(314.43)	-	-	(314.43)
म्यांमार ब्लॉक बी2 अभितट	25.97	0.65	200.60	-	-	(192.79)	-	-	(192.79)
ब्लॉक एरिया 1, मोजाम्बिक	307.07	179,237.63	70.11	-	-	(429.65)	-	-	(429.65)
ब्लॉक 5ए, साऊथ सूडान	688.15	13,826.01	1,133.50	-	-	(876.35)	-	-	(876.35)
ब्लॉक सत्यापेव, कजाकिस्तान	293.44	11.69	262.93	-	-	(10,515.33)	-	-	(10,515.33)
ब्लॉक–24, सीरिया	60.38	1.30	545.98	-	-	(68.72)	-	-	(68.72)
कुल (ग)	**4,265.90**	**248,245.00**	**4,579.45**	**10,448.22**	**16,570.75**	**(3,027.57)**	**-**	**-**	**(3,027.57)**
सकल योग	**50,621.26**	**698,615.82**	**46,978.32**	**64,369.64**	**97,682.89**	**(1,905.57)**			**(1,905.57)**

31 मार्च, 2017 के अनुसार

(₹ मिलियन में)

विवरण	वर्तमान परिसंपत्तियां	गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	वर्तमान देयताएं	गैर–वर्तमान देयताए	कुल राजस्व	सतत प्रचालनों से लाभ या हानि	रूके हुए प्रचालनों से लाभ या हानि	अन्य व्यापक आय	कुल व्यापक आय
ब्लॉक 06.1, वियतनाम	2,060.93	4,493.46	207.52	1,475.99	8,021.91	3,390.20	-	-	3,390.20
पोर्ट सूडान उत्पादन पाइपलाइन, सूडान	3.89	-	1,549.92	-	-	0.02	-	-	0.02
ब्लॉक फारसी, ईरान	3.24	1.30	-	-	-	(50.34)	-	-	(50.34)
ब्लॉक एसएस–04, बंगलादेश	38.91	1.30	-	-	-	(318.32)	-	-	(318.32)
ब्लॉक एसएस–09, बंगलादेश	38.91	(0.65)	-	-	-	(101.27)	-	-	(101.27)
जीएनपीओसी और जीपीओसी, सूडान	39,172.08	13,630.08	10,692.27	3,769.71	11,477.64	(629.46)	-	-	(629.46)
ब्लॉक बीसी–10 ब्राजील और ब्लॉक बीएम–सील–4	5,210.79	63,004.05	8,538.93	47,119.96	11,483.14	(4,215.74)	-	-	(4,215.74)
ब्लॉक सखालिन–1, रूस	23,757.15	2,18,165.13	302.20	25,489.94	46,602.15	13,837.36	-	-	13,837.36
ब्लॉक आरसी–9 ब्लॉक, कोलंबिया	40.86	5.19	-	-	-	(100.42)	-	-	(100.42)
ब्लॉक आरसी–10 ब्लॉक, कोलंबिया	5.19	22.05	-	-	-	(22.28)	-	-	(22.28)
ब्लॉक सीपीओ 5, कोलंबिया	92.09	2,125.78	-	-	-	(90.36)	-	-	(90.36)
ब्लॉक एसीजी, अजरबेजान	2,146.54	31,781.04	81.06	5,398.11	8,735.40	3,624.28	-	-	3,624.28
ब्लॉक एसएसजेएन–7, कोलम्बिया	6.49	-	-	-	-	(10.62)	-	-	(10.62)
ब्लॉक ए–1, म्यांमार	798.30	13,394.77	570.68	-	4,340.12	2,442.05	-	-	2,442.05
ब्लॉक ए–3, म्यांमार	499.99	5,159.47	-	-	4,079.00	1,201.73	-	-	1,201.73
एसएचडब्ल्यूई अपतट पाइपलाइन, म्यांमार	186.77	1,763.92	114.14	-	1,546.05	1,127.63	-	-	1,127.63
म्यांमार ब्लॉक ईपी3, ओ/एस (गैर प्रचालन)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
म्यांमार ब्लॉक बी2 अभितट	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ब्लॉक एरिया 1, मोजाम्बिक	366.40	1,73,961.42	-	-	-	(955.42)	-	-	(955.42)
ब्लॉक 5ए, साऊथ सूडान	891.04	14,460.90	-	-	-	4,786.70	-	-	4,786.70
ब्लॉक सत्यापेव, कजाकिस्तान	221.79	6,254.78	-	-	-	(407.91)	-	-	(407.91)
ब्लॉक–24, सीरिया	59.66	69.39	-	-	-	(0.18)	-	-	(0.18)
सकल योग	**75,601.01**	**5,48,293.37**	**22,056.71**	**83,253.71**	**96,285.41**	**23,507.65**	**-**	**-**	**23,507.65**

50.2.3 संयुक्त प्रचालन ब्लॉकों से संबंधित अतिरिक्त वित्तीय सूचना निम्नानुसार है

31 मार्च, 2018 के अनुसार

(₹ मिलियन में)

विवरण	नकदी और नकदी तुल्य	वर्तमान वित्तीय देयताएं	गैर–वर्तमान वित्तीय देयताएं	मूल्यह्रास और परिशोधन	ब्याज आय	ब्याज व्यय	आयकर व्यय अथवा आय
क. 31 मार्च, 2018 तक लेखा–परीक्षित							
ब्लॉक 06.1, वियतनाम	-	1,759.98	1,497.70	877.97	0.64	-	-
पोर्ट सूडान उत्पादन पाइपलाइन, सूडान	3.90	1,551.59	-	-	0.04	-	-
ब्लॉक फारसी, ईरान	1.30	24.02	-	-	0.06	-	-
ब्लॉक एसएस–04, बंगलादेश	41.55	102.57	-	-	-	-	-
ब्लॉक एसएस–09, बंगलादेश	20.77	96.73	-	-	-	-	-
जीएनपीओसी और जीपीओसी, सूडान	597.39	22,574.47	320.70	2,744.93	1,304.12	26.22	(28.29)
ब्लॉक बीसी–10 ब्राजील और ब्लॉक बीएम–सील–4	1,125.52	3,352.50	20,065.96	12,619.87	224.21	7,112.68	(2,972.40)
कुल (क)	**67.52**	**3,534.89**	**1,497.70**	**877.97**	**0.74**	-	-
ख. 31 दिसम्बर, 2017 तक लेखा–परीक्षित							
ब्लॉक सखालिन–1, रूस	-	6,243.36	26,793.13	17,734.39	247.94	-	6,665.25
ब्लॉक आरसी–9 ब्लॉक, कोलंबिया	-	4.54	-	-	2.32	-	-
ब्लॉक आरसी–10 ब्लॉक, कोलंबिया	77.25	265.52	-	-	0.83	-	-
ब्लॉक सीपीओ 5, कोलंबिया	366.15	2,228.70	-	-	3.56	-	-
कुल (ख)	**443.40**	**8,742.12**	**26,793.13**	**17,734.39**	**254.65**	-	**6,665.25**
ग. गैर लेखा–परीक्षित							
ब्लॉक एसीजी, अजरबेजान	-	383.03	10,448.22	6,934.38	0.24	-	634.80
ब्लॉक एसएसजेएन–7, कोलम्बिया	-	12.33	-	-	-	-	-
ब्लॉक ए–1, म्यांमार	-	417.44	-	902.53	2.25	-	-
ब्लॉक ए–3, म्यांमार	-	271.37	-	1,196.67	3.21	-	-
एसएचडब्ल्यूई अपतट पाइपलाइन, म्यांमार	-	126.59	-	223.63	1.02	-	-
म्यांमार ब्लॉक ईपी3, ओ/एस (गैर प्रचालन)	179.83	236.96	-	-	-	-	-
म्यांमार ब्लॉक बी2 अभितट	18.83	200.60	-	-	-	-	-
ब्लॉक एरिया 1, मोजाम्बिक	-	70.11	-	27.06	-	-	-
ब्लॉक 5ए, साऊथ सूडान	-	1,133.50	-	38.94	-	-	-
ब्लॉक सत्यापेव, कजाकिस्तान	-	8.44	-	-	-	-	-
ब्लॉक–24, सीरिया	-	545.98	-	0.09	-	-	-
कुल (ग)	**198.66**	**3,406.35**	**10,448.22**	**9,323.30**	**6.72**	-	**634.80**
सकल योग	**709.58**	**15,683.36**	**38,739.05**	**27,935.66**	**262.11**	-	**7,300.05**

31 मार्च, 2017 के अनुसार

(₹ मिलियन में)

विवरण	नकदी और नकदी समतुल्य	वर्तमान वित्तीय देयताएं	गैर–वर्तमान वित्तीय देयताएं	मूल्यह्रास और परिशोधन	ब्याज आय	ब्याज व्यय	आयकर व्यय अथवा आय
ब्लॉक 06.1, वियतनाम	-	1,070.03	1,475.99	1,180.92	0.72	-	-
पोर्ट सूडान उत्पादन पाइपलाइन, सूडान	3.89	1,549.92	-	-	0.02	-	-
ब्लॉक फारसी, ईरान	1.95	-	-	-	0.66	-	-
ब्लॉक एसएस–04, बंगलादेश	74.58	282.75	-	-	-	-	-
ब्लॉक एसएस–09, बंगलादेश	18.16	78.47	-	-	-	-	-
जीएनपीओसी और जीपीओसी, सूडान	6,135.28	10,692.27	283.03	4,132.03	1,117.25	(0.84)	249.99
ब्लॉक बीसी–10 ब्राजील और ब्लॉक बीएम–सील–4	2,544.81	8,416.43	44,212.43	10,183.34	179.54	7,123.41	-
ब्लॉक सखालिन–1, रूस	-	18,351.25	25,489.94	17,117.81	174.28	-	2,945.84
ब्लॉक आरसी–9 ब्लॉक, कोलंबिया	0.65	-	-	-	0.37	-	-
ब्लॉक आरसी–10 ब्लॉक, कोलंबिया	157.59	-	-	-	0.31	-	-
ब्लॉक सीपीओ 5, कोलंबिया	5.84	-	-	-	0.51	-	-
ब्लॉक एसीजी, अजरबेजान	-	851.48	5,398.11	4,811.87	-	-	738.78
ब्लॉक एसएसजेएन–7, कोलम्बिया	-	-	-	-	-	-	-
ब्लॉक ए–1, म्यांमार	-	2,302.18	-	814.52	1.91	-	-
ब्लॉक ए–3, म्यांमार	-	159.53	-	1,780.13	-	-	-
एसएचडब्ल्यूई अपतट पाइपलाइन, म्यांमार	-	-	-	254.21	0.23	-	-
म्यांमार ब्लॉक ईपी3, ओ/एस (गैर प्रचालन)	-	-	-	-	-	-	-
म्यांमार ब्लॉक बी2 अभितट	-	-	-	-	-	-	-
ब्लॉक एरिया 1, मोजाम्बिक	-	570.68	-	43.45	-	-	-
ब्लॉक 5ए, साऊथ सूडान	-	1,080.40	-	47.34	-	-	-
ब्लॉक सत्यापेव, कजाकिस्तान	-	23.35	-	-	-	-	-
ब्लॉक 24, सीरिया	-	542.79	-	-	-	-	-
सकल योग	**8,942.73**	**45,971.52**	**76,859.50**	**40,365.62**	**1,475.80**	**7,122.57**	**3,934.61**

50.2.4 बीसी–10, ब्राजील के संबंध में कंपनी के संयुक्त प्रचालनों हेतु वर्ष के दौरान साथ लगे हुए बुक संचयन क्षेत्र मस्सा फील्ड के एमई–1 भंडार के एकीकरण हेतु समझौता हुआ है। समझौते के अनुसार ब्राजील के सरकारी नामिति (पीपीएसए) अपने प्रतिभागिता हित के अनुसार संबद्ध लागत को वस्तु रूप में वहन करेगा और बीसी–10 संघ पर कोई भौतिक वित्तीय/तकनीकी प्रभाव प्रत्याशित नहीं है।

50.3 अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में संयुक्त प्रचालन :

50.3.1 समूह ने अन्य कारपोरेट निकाय के साथ मिल कर भारत में तेल तथा गैस अन्वेषण संविदाओं की उत्पादन साझेदारी की है। ये संघ हैं :

ब्लॉक का नाम	निम्नलिखित में एचपीसीएल का प्रतिभागिता हित %	
	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
भारत में		
नेल्प – IV के अंतर्गत		
केके–डीडब्ल्यूएन–2002/2	20	20
केके–डीडब्ल्यूएन–2002/3	20	20
सीबी–ओएनएन–2002/3	15	15
नेल्प – V के अंतर्गत		
एए–ओएनएन–2003/3	15	15
नेल्प – VI के अंतर्गत		
सीवाई–डीडब्ल्यूएन–2004/1	10	10
सीवाई–डीडब्ल्यूएन–2004/2	10	10
सीवाई–डीडब्ल्यूएन–2004/3	10	10
सीवाई–डीडब्ल्यूएन–2004/4	10	10
सीवाई–पीआर–डीडब्ल्यूएन–2004/1	10	10
सीवाई–पीआर–डीडब्ल्यूएन–2004/2	10	10
केजी–डीडब्ल्यूएन–2004/1	10	10
केजी–डीडब्ल्यूएन–2004/2	10	10
केजी–डीडब्ल्यूएन–2004/3	10	10
केजी–डीडब्ल्यूएन–2004/5	10	10
केजी–डीडब्ल्यूएन–2004/6	10	10
एमबी–ओएसएन–2004/1	20	20
एमबी–ओएसएन–2004/2	20	20
आरजे–ओएनएन–2004/1	22.22	22.22
आरजे–ओएनएन–2004/3	15	15
नेल्प – IX के अंतर्गत		
एमबी–ओएसएन–2010/2	30	30
क्लस्टर – 7	60	60
पीपीसीएल के संबंध में		
भारत में		
एसआर–ओएनएन–2004/1	10	10
एए–ओएनएन–2010/1	20	20
संगनपुर फील्ड	50	50
भारत से बाहर		
योल्ला फील्ड (आस्ट्रेलिया) लाइसेंस टी/एल–1	11.25	11.25
ट्रेफोइल फील्ड (आस्ट्रेलिया) परमिट टी/18पी	9.75	9.75

50.3.1.1 ब्लॉक आरजे–ओएनएन–2004/3 और एमबी–ओएसएन–2010/2 परित्याग किए जाने की प्रक्रिया में है। इन यूजेवी के संबंध में लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2017 तक के प्राप्त हो गए हैं। ब्लॉक आरजे–ओएनएल–2004/1, केके–डीडब्ल्यूएन–2002/2, एमबी–ओएसएन–2004/1 और एमबी–ओएसएन–2004/2 परित्याग किए जाने की प्रक्रिया में है। इन यूजेवी के संबंध में लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2016 तक के प्राप्त हो गए हैं। ब्लॉक सीवाई–डीडब्ल्यूएन–2004/1,2,3,4,

सीवाई–पीआर–डीडब्ल्यूएन–2004/1 तथा 2, केजी–डीडब्ल्यूएन–2004/1,2,3,5 तथा 6 परित्याग किए जाने के अधीन हैं। इन यूजेवी के संबंध में लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2015 तक के प्राप्त हो गए हैं। कंपनी ने 31 मार्च, 2018 के अनुसार प्रचालक से प्राप्त गैर–लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों/डाटा के आधार पर परिसंपत्तियों, देयताओं, आय तथा व्यय के अंश को निकाला है।

50.3.1.2 ब्लॉक एए–ओएनएन–2003/3 और केके–डीडब्ल्यूएन–2002/3 परित्याग किए जाने के अधीन हैं। इन यूजेवी के संबंध में लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण क्रमशः 31 मार्च, 2011 तथा 31 मार्च, 2012 तक के प्राप्त हो गए हैं। कंपनी ने 31 मार्च, 2018 के अनुसार प्रचालक से प्राप्त गैर–लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों/डाटा के आधार पर परिसंपत्तियों, देयताओं, आय तथा व्यय के अंश को शामिल किया है।

50.3.1.3 ब्लॉक सीबी–ओएनएन–2002/3 को नेल्प–4 बोली दौर के दौरान प्रदान किया गया था और उत्पादन साझेदारी संविदा पर 06.02.2004 को हस्ताक्षर किए गए थे। अन्वेषण संबंधी न्यूनतम कार्य कार्यक्रम पूरा हो गया है। ब्लॉक को 2 क्षेत्रों अर्थात मिरोली और सानंद में विभाजित किया गया है। सानंद फील्ड से उत्पादन प्रारंभ करने के लिए खनन पट्टे हेतु अनुमोदन गुजरात सरकार से प्राप्त हो गया है। कलोल भंडार में अतिरिक्त खोज हेतु सानंद एफडीपी (फील्ड विकास योजना) के संबंध में अतिरिक्त जानकारी प्रस्तुत की गई है। ब्लॉक एसई–3 तथा एसई–4 के कुओं से वर्ष के दौरान उत्पादन प्रारंभ हो गया है। इन के संबंध में लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2017 तक के प्राप्त हो गए हैं। कंपनी ने 31 मार्च, 2018 के अनुसार प्रचालक से प्राप्त गैर–लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों/डाटा के आधार पर परिसंपत्तियों, देयताओं, आय तथा व्यय के अंश को निकाला है।

50.3.1.4 क्लस्टर–7 के संबंध में मामला माध्यस्थम कार्यवाही के अधीन है।

50.3.2 स्टेप–डाउन अनुषंगी कंपनी पीपीसीएल के संबंध में

50.3.2.1 ओएनजीसी अभितटीय सीमांत फील्ड

कंपनी को ओएनजीसी के हीरापुर, खम्बेल और वेस्ट बेचार्जी अभितटीय सीमांत ऑयल फील्डों के विकास हेतु 28 अप्रैल, 2004 को सेवा संविदाएं प्रदान की गई थी।

कंपनी ने हीरापुर, खंबेल और वेस्ट बेचार्जी अभितटीय सीमांत फील्डों के विकास हेतु सेवा संविदाओं में समान अंश के साथ वालडेल ऑयल एण्ड गैस प्राइवेट लिमिटेड (वालडेल) के साथ सेवा संविदाएं की थी। खंबेल तथा वेस्ट बेचार्जी के संबंध में सेवा संविदाओं को ओएनजीसी द्वारा फरवरी 2009 में समाप्त किया गया था और हीरापुर फील्ड के संबंध में सेवा संविदा वर्तमान में प्रचालनशील है। 31 मार्च, 2018 के अनुसार उक्त संयुक्त उद्यम के संबंध में कपंनी का परिसंपत्तियों तथा देयताओं में अंश और आय तथा व्यय निम्नानुसार है :

(₹ मिलियन में)

	विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
क.	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (सकल)	99.80	99.80
ख.	विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति	13.60	13.60
ग.	अन्य निवल गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	0.30	(0.20)
घ.	निवल वर्तमान परिसंपत्तियां (*)	15.80	13.90
ङ.	आय	9.10	10.20
च.	व्यय	12.20	12.70

(*) इसमें संयुक्त उद्यम से प्राप्य ₹ 10.60 मिलियन (वित्तीय वर्ष 16–17 हेतु ₹ 8.20 मिलियन) की राशि शामिल है।

50.3.2.2 संगनपुर फील्ड

कंपनी ने 1 सितम्बर, 2004 से मैसर्स हाइड्रोकार्बन डेवलपमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (एचडीसीपीएल) से संगनपुर फील्ड में 50 प्रतिशत प्रतिभागिता हित प्राप्त किया है। संगनपुर फील्ड के अधिग्रहण से पूर्व ₹ 11,817,034 की राशि वाली संचित राशि को संगनपुर फील्ड परिसंपत्तियों में शामिल किया गया है। कंपनी ने संगनपुर फील्ड में अपने अनुपातिक अंश का लेखांकन 31 मार्च, 2017 के अनुसार अनुमानित गैर–लेखापरीक्षित लेखाओं के आधार पर किया है।

बम्बई उच्च न्यायालय ने कंपनी याचिका 2013 की 550 में अपने दिनांक 14 नवम्बर, 2014 के आदेश के माध्यम से मैसर्स एचडीसीपीएल कंपनी की परिसंपत्तियों तथा व्यापार हेतु परिसमापक की नियुक्ति के लिए आदेश पारित किया है। इस याचिका को ईटीए स्टार गोल्डिंग लिमिटेड द्वारा मैसर्स एचडीसीपीएल द्वारा उसके बीजकों का भुगतान न करने के कारण दायर किया गया था। बम्बई उच्च न्यायालय के उक्त आदेश को इसकी खंडपीठ के समक्ष चुनौती दी गई है और यह मामला अभी न्यायालय में लंबित है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अपने दिनांक 2 जून, 2017 के पत्र के माध्यम से पीएससी को समाप्त कर दिया है। तदनुसार, कंपनी ने ₹ 66. 50 मिलियन की राशि के "संगनपुर परिसंपत्तियों के अपलेखन हेतु प्रावधान" को सृजित किया है।

31 मार्च, 2018 के अनुसार उक्त संयुक्त उद्यम के संबंध में कपंनी का परिसंपत्तियों तथा देयताओं में अंश और आय तथा व्यय निम्नानुसार है :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (सकल)	56.30	56.30
अन्य निवल गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	(0.20)	(0.20)
निवल वर्तमान परिसंपत्तियां (*)	(1.00)	(1.00)
आय	-	0.90
व्यय	-	0.90

(*)इसमें संयुक्त उद्यम को देय ₹ 0.40 मिलियन (वित्तीय वर्ष 16–17 हेतु ₹ 0.40 मिलियन) की राशि शामिल है।

50.3.2.3 ओएनजीसी अपतट सीमांत फील्ड (क्लस्टर–7)

कंपनी को संघ भागीदार मैसर्स हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) (प्रतिभागिता हित 60 प्रतिशत) और मैसर्स एम3 एनर्जी (प्रतिभागिता हित 30 प्रतिशत) के साथ ओएनजीसी के अपतटीय सीमांत तेल फील्डों यथा बी–192, बी–45 तथा डब्ल्यूओ–24 के विकास हेतु दिनांक 31 मार्च, 2006 के अवार्ड पत्र के माध्यम से एक संविदा दी गई थी। क्लस्टर 7 हेतु सेवा संविदा पर ओएनजीसी तथा संघ सदस्यों के मध्य 27 सितम्बर, 2006 को हस्ताक्षर किए गए थे। कंपनी निष्पादक संविदाकार है और इसका प्रतिभागिता हित 10 प्रतिशत है।

उक्त सेवा संविदा को ओएनजीसी द्वारा समाप्त किया गया था। बाद में एचपीसीएल/पीपीसीएल ने एम–3 एनर्जी के विरूद्ध माध्यस्थम कार्यवाहियां प्रारंभ की जो अभी भी प्रगति पर हैं अतः संयुक्त बैंक खाते को एचपीसीएल के विधिक विभाग के परामर्श पर बन्द नहीं किया गया है।

50.3.2.4 एसआर–ओएनएन–2004/1 (साऊथ रीवा ब्लॉक)

कंपनी को संघ भागीदार मैसर्स जयप्रकाश एसोसिएटस लिमिटेड (प्रतिभागिता हित 90 प्रतिशत) के साथ नेल्प–VI दौर के अंतर्गत पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के दिनांक 12 फरवरी, 2007 के पत्र के माध्यम से ब्लॉक एसआर–ओएनएन–2004/1 हेतु पीएससी दी गई थी। कंपनी निष्पादक संविदाकार है और इसका प्रतिभागिता हित 10 प्रतिशत है। पीएससी पर 2 मार्च, 2007 को हस्ताक्षर किए गए थे।

संघ ने 23 अक्तूबर, 2014 से ब्लॉक के परित्याग का प्रस्ताव किया और ब्लॉक के परित्याग हेतु प्रचालन समिति समाधान (ओसीआर) हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) को प्रस्तुत किया गया है। डीजीएच ने अपने 5 फरवरी, 2018 के पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि यह ब्लॉक 23.10.2014 से परित्यक्त रहेगा जो पीएससी तथा पी एण्ड एनजी नियमों के अनुपालन के अधीन है।

31 मार्च, 2018 के अनुसार उक्त संयुक्त उद्यम के संबंध में कपंनी का परिसंपत्तियों तथा देयताओं में अंश और आय तथा व्यय निम्नानुसार है :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (सकल)	-	-
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति	-	-
अन्य निवल गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां	-	-
निवल वर्तमान परिसंपत्तियां (*)	32.10	28.10
व्यय	0.40	0.40

(*) इसमें संयुक्त उद्यम से प्राप्य ₹ 28.20 मिलियन (वित्तीय वर्ष 16–17 हेतु ₹ 24.20 मिलियन) की राशि शामिल है।

51. अनुषंगी कंपनी एचपीसीएल के संबंध में 31 मार्च, 2018 के अनुसार ऑयल फील्डों में अनुमानित प्रमाणित हाइड्रोकार्बन भंडार निम्नानुसार हैं :

विवरण (*)	31 मार्च, 2018 के अनुसार		31 मार्च, 2017 के अनुसार	
	एमएम बीबीएलएस	एमएमटी	एमएम बीबीएलएस	एमएमटी
वसूली योग्य भंडार (+)	2.43	0.328	3.01	0.403

51.1 घरेलू प्रचालन (हीरापुर और संगनपुर (अभितटीय सीमांत फील्ड))

(*) कंपनी का अंश कुल का 50 प्रतिशत है।

(+) पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अपने दिनांक 2 जून, 2017 के पत्र के माध्यम से पीएससी को समाप्त कर दिया है। अतः उक्त उल्लिखित प्राप्ति योग्य भंडारों में संगनपुर फील्ड के प्राप्ति योग्य भंडार शामिल नहीं है।

51.2 अंतर्राष्ट्रीय प्रचालन (योल्ला फील्ड, अस्ट्रेलिया–2 लाइसेंस टी/एल 1 – अपतट फील्ड)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
	एमएम बीओई	एमएम बीओई
प्राप्तियोग्य भंडार (*)	1.903	2.049

(*) *कंपनी के संबंधित अंश हेतु।*

51.3 पेट्रोलियम का मात्रात्मक विवरण :

कुल शुष्क खनिज तेल उत्पादन	31 मार्च, 2018 के अनुसार (बीओई)	31 मार्च, 2017 के अनुसार (बीओई)
हीरापुर फील्ड (*)	33,752	36,503
संगनपुर फील्ड (+) (*)	-	555
योल्ला फील्ड (टी/एल1) आस्ट्रेलिया	459,269	429,582
कुल	**493,021**	**466,640**

(*) फील्ड में कुल अंश हेतु।

(+) पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अपने दिनांक 2 जून, 2017 के पत्र के माध्यम से पीएससी को समाप्त कर दिया है। अतः वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान संगनपुर फील्ड से कोई उत्पादन नहीं हुआ है।

52. अनुषंगी कंपनियों में हितों का प्रकटीकरण :

अनुषंगी कंपनियों से संबंधित प्रकटीकरण हेतु टिप्पणी सं. 4 देखें।

53. संयुक्त व्यवस्थाओं और एसोसिएट में हितों का प्रकटीकरण :

संयुक्त उद्यमों और एसोसिएट से संबंधित प्रकटीकरण टिप्पणी सं. 13.1.9 तथा 13.1.10 में दिया गया है।

54. लेखांकन मानक 36 – परिसंपत्तियों की क्षति के अंतर्गत प्रकटीकरण

54.1 कंपनी मुख्यतः अभितट और अपतटीय क्षेत्र में तेल और गैस अन्वेषण और उत्पादन के व्यवसाय में लगी है । अभितट परिसंपत्तियों के मामले में, फील्डें समान उत्पादन/परिवहन सुविधाओं का प्रयोग करती हैं और एकल नकदी सृजन इकइयां (सीजीयू) की गठन करने के लिए पर्याप्त रूप में आर्थिक दृष्टि से अंतर पर निर्भर है। तदनुसार सभी अभितट फील्डों का क्षति परीक्षण परिसंपत्ति स्तर की उन सभी फील्डों के समुच्चय में निष्पादित किया जाता है। अपतटीय परिसंपत्तियों के मामले में फील्ड को सामान्यतः सीजीयू माना जाता है, सिवाय ऐसी फील्डों के जो संकुल के रूप में विकसित हों, और जिनके लिए समान सुविधाओं का प्रयोग किया जाता हो, ऐसी स्थिति में संकुल, में सम्मिलित सभी फील्डों हेतु क्षति परीक्षण समुच्चय में किया जाता है।

54.2 उत्पादनशील/विकासशील सीजीयू के प्रयोग का मान एक बहुचरणीय दृष्टिकोण के अंतर्गत निर्धारित किया जाता है, जहां भावी नकद भाव प्रारंभ में सिद्ध विकसित आरक्षणों पर आधारित होता है। ऐसी परिस्थितियों में प्रगति अधीन सीजीयू में फील्डों का विकास और जहां सीजीयू का धारक मान केवल सिद्ध विकसित भण्डारों के अन्वेषण से ही नहीं वसूला जा सकता, सीजीयू के सिद्ध और संभावित भण्डारों (2पी) को भावी रोकड़ आवक के अनुमान हेतु भी प्रयोग किया जाता है । ऐसे मामलों में, प्रयोग में मान का निर्धारण करते समय मूल्यांकन/विकास की अपेक्षित लागत का पूर्ण प्राक्क्लन किया जाता है।

54.3 प्रयोग में मान का आकलन करते समय परिसंपत्तियों के निरंतर प्रयोग से अनुमानित भावी नकद आवक और इसकी प्रयोग अवधि समाप्त होने पर इसके निपटान से इसके वर्तमान मूल्य में से घटा दिया जाता है। नकद प्रवाह का वर्तमान मूल्य रुपए लेन–देनों हेतु 14.88 प्रतिशत (31 मार्च, 2017 को – 14.88 प्रतिशत) की छूट दरों का प्रयोग करके निर्धारित किया जाता है और कच्चे तेल तथा मूल्य संवर्धित उत्पाद राजस्व, जो अमरीकी डालर में मापे जाते हैं, यह 9.68 प्रतिशत (31 मार्च, 2017 को – 10.57 प्रतिशत) है। कच्चे तेल की बिक्री और मूल्य संवर्धित उत्पाद की बिक्री से भावी नकद आवक का परिकलन, भावी मूल्यों के आधार पर किया जाता है, जो संयंत्र के कच्चा तेल मार्किट वायर और बेंचमार्क कच्चे तेल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के साथ इसके सह–संबंध द्वारा आकलन के अनुसार डेटेड ब्रंट कच्चा तेल के बाज़ार आधारित औसत मूल्यों पर आधारित होता है। प्राकृतिक गैस की बिक्री से भावी नकद आवक का परिकलन, भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के आधार पर अपेक्षित भावी मूल्यों पर आधारित होता है और भारत सरकार द्वारा जारी किए गए नए मूल्य निर्धारण दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए, अमरीकी डालर में मापे गए नकदी प्रवाहों पर लागू दरों को लागू करते हुए इस पर छूट दी जाती है। (संदर्भ टिप्पणी सं. 35.3)

54.4 कंपनी ने 31 मार्च, 2018 के अनुसार अपने सीजीयू हेतु क्षति का आकलन किया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में खनिज तेल तथा प्राकृतिक गैस के मूल्यों में सुधार हुआ है। मूल्यों में परिवर्तन तथा अन्य परिवर्तनशील कारकों के परिणामस्वरूप ₹ 6,985.33 मिलियन (31 मार्च, 2017 को ₹ 13,979.63 मिलियन) की राशि का प्रत्यावर्तन हुआ है जिसमें मुख्यतः ₹ 6,954.96 मिलियन (31 मार्च, 2017 को ₹ 12,203.54 मिलियन) की राशि अभितटीय सीजीयू शिवसागर से संबंधित है और शेष अन्य सीजीयू से संबंधित क्षति के शेष प्रत्यावर्तन के कारण है।

54.5 वर्ष के दौरान, क्षति हानि हेतु ₹ 1,342.92 मिलियन (गत वर्ष ₹ 715.62 मिलियन) की राशि मुहैया करवाई गई है जिसमें मुख्यतः अभितटीय सीजीयू सिलचर तथा जोधपुर के संबंध में ₹ 241.96 मिलियन (गत वर्ष ₹ 235.11 मिलियन) की राशि मुहैया करवाई गई है। ₹ 1,100.96 मिलियन (गत वर्ष ₹ 480.51 मिलियन) की राशि की शेष क्षति हानि अन्य सीजीयू से संबंधित है।

54.6 31 मार्च, 2018 के अनुसार संबंधित सीजीयू हेतु निम्नलिखित 2पी भंडारों को क्षति आकलन हेतु एक आधार के लिए लिया गया है:–

सीजीयू का नाम	क्षति आकलन हेतु प्रयुक्त भंडारों की मात्रा (एमएमटी में)
जी1–जीएस 15	8.65
सिलचर अभितटीय परिसंपत्ति	0.32
आरजे–ओएन–90/1 (नेल्प–पूर्व पीएससी ब्लॉक)	5.10
शिबसागर अभितटीय परिसंपत्ति	40.75
डब्ल्यूओ 16	12.25
राजमहेन्द्री अभितट	13.74

54.7 कंपनी के संबंध में, अन्वेषणात्मक चरण (प्रगतिधीन अन्वेषणात्मक कुएं) के अंतर्गत परिसंपत्तियों के क्षति परीक्षण को 31 मार्च, 2018 को किया गया और वर्ष 2017–18 के दौरान ₹ 1,820.94 मिलियन की राशि क्षति हानि के रूप में मुहैया करवाई गई है (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 4,539.44 मिलियन)। इसके अतिरिक्त, लाभ एवं हानि के एकल विवरण में ₹ 1,065.43 मिलियन (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 966.05 मिलियन) की क्षति हानि को वापिस किया गया है क्योंकि अन्वेषणात्मक चरण परिसंपत्तियों को शुष्क कूप व्यय में अंतरित किया गया है।

54.8 अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में क्षति परीक्षण 31 मार्च, 2018 को इसकी नकदी उत्पादन इकाइयों (सीजीयू) के संबंध में उपयोग में मूल्य पद्धति आधार पर किया गया है। कंपनी ने दो सीजीयू के संबंध में क्षति के पश्च लेखन की पहचान की और 3 सीजीयू के संबंध में क्षति तथा 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के दौरान ₹ 2,740.12 मिलियन की क्षति के निवल पश्च लेखन को मान्यता दी है (31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष हेतु 4 सीजीयू के संबंध में ₹ 10,062.78 मिलियन के क्षति प्रावधान को मान्यता दी गई थी)। क्षति हेतु वर्तमान वर्ष के प्रावधान को एक अपवाद जनक मद माना गया है। टिप्पणी संख्या 4.2 देखें।

संबंधित सीजीयू के निम्नलिखित 2पी भंडारों को क्षति आकलन हेतु लिया गया है :

सं.	सीजीयू	प्रमाणित और संभावित भंडार (एमएमटीओई)
1	इम्पीरियल, रूस	95.411
2	सखालिन–1, रूस	140.758
3	वैन्कोर, रूस	113.106
4	ब्लॉक 06.1, वियतनाम	8.090
5	जीएनपीओसी, सूडान	9.088
6	जीपीओसी, सूडान	6.473
7	ब्लॉक 5ए, साऊथ सूडान	6.311
8	एमईसीएल, कोलम्बिया	2.121
9	ब्लॉक बीसी–10 ब्राजील	4.199
10	पीआईवीएसए, वेनेजुएला	8.194
11	काराबोबो–1, वेनेजुएला	52.499
12	ब्लॉक ए–1, ए–3 म्यांमार	17.735
13	एसीजी, अजरबेजान	11.171
14	एरिया–1, मोजाम्बिक	214.785

55. आकस्मिक देयताएं और प्रतिबद्धताएं (प्रावधान न किए गए की सीमा तक)

55.1 आकस्मिक देयताएं : कंपनी के प्रति दावे/विवादित माँगे जो ऋण के रूप में नहीं माने गए :

(₹ मिलियन में)

सं.	विवरण	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
I	**कंपनी के संबंध में :**		
	आयकर	112,875.17	104,182.97
	उत्पाद शुल्क	19,049.78	18,163.45
	सीमा शुल्क	1,231.54	1,145.28
	रॉयल्टी (देखें टिप्पणी 55.1.2)	496.82	496.81
	उपकर	6.57	6.57
	बिक्री कर	42,235.52	38,560.45
	चुंगी और अन्य निगम कर	66.89	233.98
	एपी खनिजयुक्त भूमि (आधारभूत ढांचा) उपकर	2,909.76	2,704.18
	विनिर्दिष्ट भूमि कर (असम)	4,865.55	4,531.38
	अधिनिर्णय/न्यायालयों में संविदाकारों के दावे (एलएक्यू सहित)	155,231.18	159,309.27
	सेवा कर (देखें टिप्पणी 55.1.2)	105,910.72	69,947.61
	वस्तु एवं सेवा कर (देखें टिप्पणी 55.1.2)	14,315.98	-
	कर्मचारी भविष्य निधि	66.35	66.35
	अन्य मामले (देखें टिप्पणी 55.1.3)	168,715.22	64,604.80
	अनुयोग (क)	**627,977.04**	**463,953.09**
II	**संयुक्त उद्यमों तथा एसोसिएटों के संबंध में (समूह का अंश)**		
	आयकर	579.45	358.87
	उत्पाद शुल्क	847.55	951.64
	सीमा शुल्क	116.97	116.97
	बिक्री कर	2,360.92	133.87
	सेवा कर	214.42	103.56
	माध्यस्थम/न्यायालयों में संविदाकारों के दावे	456.89	229.53
	अन्य	4,064.92	9,249.50
	अनुयोग (ख)	**8,641.11**	**11,143.93**
	कुल (क+ख)	**636,618.15**	**475,097.02**

55.1.1 समूह की लम्बित मुकदमेबाजी में समूह के विरूद्ध दावे और कर/सांविधिक/सरकारी प्राधिकारियों के समक्ष लम्बित कार्यवाहियां शामिल है। समूह ने अपने सभी लम्बित मुकदमों तथा कार्यवाहियों की समीक्षा की है और जहां कहीं अपेक्षित हों पर्याप्त प्रावधान किए हैं तथा जहां कहीं लागू हों आकस्मिक देयताओं को अपने वित्तीय विवरणों में प्रकट किया है। समूह इन कार्यवाहियों के परिणामों की इसकी वित्तीय स्थिति पर अधिक प्रभाव होने की आशा नहीं रखता है। उक्त के संबंध में भविष्य के नकदी बाह्य प्रवाह को विभिन्न फोरम/प्राधिकारियों के साथ लम्बित आदेशों/निर्णयों के प्राप्त होने पर ही निर्धारित किया जा सकता है।

55.1.2 वर्ष के दौरान कंपनी को ऑयल फील्ड (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1948 के अंतर्गत लगाई गई खनिज तेल और प्राकृतिक गैस पर ब्याज तथा अर्थदंड सहित सेवा कर, रॉयल्टी के चलते विभिन्न कार्य केन्द्रों को कारण बताओ नोटिस प्राप्त हुए हैं। कंपनी ने एक अप्रैल, 2016 से 30 जून, 2017 की अवधि हेतु ₹ 19,834.29 मिलियन के सेवा कर (ब्याज सहित) की गणना की है। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने 1 जुलाई, 2017 से 31 मार्च, 2018 तक की अवधि हेतु ₹ 14,315.98 मिलियन के जीएसटी (ब्याज सहित) की गणना की है। उक्त के संबंध में शास्ति को मात्रात्मक रूप नहीं दिया जा सकता। कंपनी द्वारा प्राप्त विधिक मत के आधार पर रायल्टी पर सेवा कर/जीएसटी लागू नहीं होता है। कंपनी उचित प्राधिकारियों के समक्ष इसका प्रतिवाद कर रही है और तदनुसार उक्त को आकस्मिक देयता के रूप में दर्शाया गया है। तथापि, पर्याप्त सावधानी के तौर पर कंपनी ने ₹ 25,153.29 मिलियन की राशि को मई, 2018 में विरोध के अंतर्गत सेवा कर, जीएसटी तथा ब्याज के रूप में जमा करवाया है।

55.1.3 कंपनी 40 प्रतिशत प्रतिभागिता हित के साथ पन्ना/मुक्ता और मिड तथा साऊथ ताप्ती फील्डों में संयुक्त प्रचालक है जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और बीजी एक्सप्लोरेशन एण्ड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड (बीजीईपीआईएल) प्रत्येक का 30 प्रतिशत प्रतिभागिता हित है। पन्ना–मुक्ता और मिड तथा साऊथ ताप्ती संविदा क्षेत्रों के संबंध में उत्पादन साझेदारी संविदाओं (पीएससी) पर संविदाकारों तथा भारत सरकार के मध्य 22 दिसम्बर, 1994 को 25 वर्षों की अवधि के लिए हस्ताक्षर किए गए थे। दिसम्बर, 2010 में आरआईएल और बीजी ईपीआईएल ने पीएससी के अनुच्छेद 33 और अनसिट्राल नियम, 1976 के प्रावधानों के अनुपालन में पन्ना–मुक्ता और मिड तथा साऊथ ताप्ती संविदा क्षेत्रों के संबंध में दोनों पीएससी से उतपन्न होने वाले या उससे संबंधित कुछ विवादों, मतभेदों तथा दावों के संबंध में भारतीय संघ के विरूद्ध माध्यस्थम कार्यवाही प्रारंभ की। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अपने दिनांक 4 जुलाई, 2011 के पत्र के माध्यम से कंपनी को पन्ना–मुक्ता तथा ताप्ती पीएससी के अंतर्गत आरआईएल तथा बीजीईपीआईएल द्वारा प्रारंभ की गई माध्यस्थम कार्यवाही में भाग न लेने का परामर्श दिया था। तथापि, माध्यस्थम निर्णय के मामले में वह दोनों पीएससी हेतु संविदाकार के एक घटक के रूप में कंपनी पर भी लागू होता। 12 अक्तूबर, 2016 को आरआईएल, बीजीईआईएल तथा भारतीय संघ के मध्य माध्यस्थम मामले में अधिकरण द्वारा एक अंतिम आंशिक निर्णय (एफपीए) की घोषणा की गई थी। तथापि, इस संबंध में कार्यवाहियों के ब्यौरे कंपनी को ज्ञात नहीं है क्योंकि कंपनी इस माध्यस्थम की कार्यवाही की पक्षकार नहीं है। हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) ने 25 मई, 2017 के पत्र के माध्यम से सभी संयुक्त उद्यम भागीदारों (आरआईएल, बीजीईपीआईएल तथा ओएनजीसी) को संबोधित करते हुए एफपीए की सरकार की व्याख्या के अनुपालन में संविदाकार द्वारा देय तथाकथित लाभ पेट्रोलियम एवं रायल्टी के अंतर भारत सरकार के अंश के भुगतान हेतु कहा था (कंपनी का 40 प्रतिशत का अंश 1,574.76 मिलियन अमेरिकी डालर की राशि का होता है जो 30 नवम्बर, 2016 तक ब्याज सहित समतुल्य रूप में ₹ 102,233.41 मिलियन बनता है। तथापि, डीजीएच के 25 मई, 2017 के पत्र के प्रतिउत्तर में संयुक्त उद्यम भागीदार आरआईएल तथा बीजीईपीआईएल (जिसकी प्रति सभी संयुक्त उद्यम भागीदारों को भेजी गई है) ने कहा है कि डीजीएच की मांग समय से पूर्व की गई है क्योंकि एफपीए में भारत सरकार के पक्ष में राशि का कोई निर्णय नहीं दिया गया है क्योंकि देयताओं को मात्रात्मक रूप दिए जाने का निर्धारण माध्यस्थम कार्यवाही के अंतिम चरण में होगा और उक्त को ब्रिटिश वाणिज्यिक न्यायालय के समक्ष चुनौती दी गई है।

इसके अतिरिक्त, दिनांक 16 अप्रैल, 2018 और 2 मई, 2018 के लंदन उच्च न्यायालय के आदेशों के परिणामस्वरूप डीजीएच ने दिनांक 4 मई, 2018 और 15 मई, 2018 के पत्र के माध्यम से संयुक्त उद्यम के लेखे को रिकास्ट करने और प्रेषण की तिथि तक ब्याज सहित शेष देयों के संबंधित प्रतिभागिता हित के अंश को प्रेषित करने के लिए कहा है। तत्संबंधी कार्यवाही और लंदन उच्च न्यायालय के आदेशों की कंपनी को जानकारी नहीं है क्योंकि कंपनी माध्यस्थम कार्यवाही की एक पक्षकार नहीं है। डीजीएच के पत्र के प्रतिउत्तर में आरआईएल तथा बीजीईपीआईएल ने कहा है (सभी संयुक्त उद्यम भागीदारों को जिसकी एक प्रति भेजी गई है) की अक्तूबर, 2016 के एफपीए में सरकार के पक्ष में राशि से संबंधित कोई निर्णय नहीं दिया गया है। इसके अतिरिक्त, आरआईएल तथा बीजीईपीआईएल द्वारा यह भी बताया गया है कि

ब्रिटिश न्यायालय ने "समझौता मामले" के संबंध में दावाकर्ताओं (आरआईएल तथा बीजीईपीआईएल) के चौथे दावे को सही ठहराया है और यह निर्णय दिया है कि अधिकरण के निर्णय में गंभीर अनियमितताएं थी। इसके अतिरिक्त, 2 मई, 2018 के न्यायालय के निर्णय में ब्रिटिश न्यायालय ने अधिकरण को "समझौता मामले" पर पुनर्विचार करने और उक्त तिथि से 3 माह के भीतर एक नया निर्णय देने का निदेश दिया है। "समझौता मामला प्रबंधन समिति के समक्ष संविदाकार द्वारा दायर लागत वसूली सीमा (सीआरएल) वृद्धि आवेदन के साथ निकट रूप से संयोजित है और इस मुद्दे पर अधिकरण द्वारा पुनर्विचार किया जाना आवश्यक रूप से लेखे की पुनः गणना को प्रभावित करता है। लेखे की पुनः गणना और संविदाकार (कंपनी सहित संयुक्त उद्यम के घटक) द्वारा देय और भुगतान योग्य किसी राशि के परिणामी निर्धारण को अधिकरण द्वारा सभी व्यापक मुद्दों के निर्धारण के पश्चात माध्यस्थम कार्यवाहियों के अंतिम चरण के दौरान निर्धारित किया जाना है (ताप्ती तथा पन्ना मुक्ता सीआरएल में वृद्धि हेतु किसी आवेदन और समझौता मामले में किसी निर्णय सहित)। कंपनी ने भी डीजीएच को यह प्रतिउत्तर दिया है कि अभी तक न तो माध्यस्थम अधिकरण और न ही न्यायालय ने कोई आदेश पारित किया है अथवा कंपनी द्वारा देय तथा भुगतान योग्य किसी राशि को मात्रात्मक रूप दिया है। इन परिस्थितियों में डीजीएच द्वारा किसी राशि या तत्संबंधी ब्याज की मांग किया जाना अपरिपक्व है तथा न्यायोचित नहीं ठहरता। कंपनी ने डीजीएच से निर्णय को अंतिम रूप दिए जाने तक मुद्दे को लंबित रखने का अनुरोध किया है।

माध्यस्थम अधिकरण द्वारा देयताओं को अंतिम रूप से मात्रात्मक रूप दिए जाने के लंबित होने के चलते उक्त हेतु किसी प्रावधान को आवश्यक नहीं समझा गया है। तथापि, उक्त को आकस्मिक देयता माना गया है।

55.2 आकस्मिक परिसंपत्ति

आकस्मिक परिसंपत्ति एक ऐसी संभावित परिसंपत्ति है जो पूर्व की घटनाओं से उत्पन्न होती है और जिसकी मौजूदगी की पुष्टि भविष्य की एक अथवा अधिक अनिश्चित घटनाओं के होने या न होने पर होगी जिन पर निकाय का कोई नियंत्रण नहीं होता। ऐसे दावों के संबंध में आर्थिक लाभ के अंतर–प्रवाह को संबंधित घटनाओं तथा परिस्थितियों के आस–पास मौजूद होने वाली अनिश्चितताओं के चलते मापा नहीं जा सकता।

ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के संबंध में आकस्मिक परिसंपत्तियां ऐसी अन्वेषणात्मक परिसंपत्तियों के संबंध में वहन किए गए वित्त में हित को दर्शाती हैं जिसे प्राप्ति की निश्चितता पर मान्यता दी जाएगी, उक्त के ब्यौरों का उल्लेख नीचे किया गया है :

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
आकस्मिक परिसंपत्तियां	364.45	566.86

55.3 प्रतिबद्धताएं

55.3.1 पूंजीगत प्रतिबद्धताएं :

क पूंजीगत लेखे पर निष्पादन हेतु शेष संविदाओं की अनुमानित राशि

1. समूह के संबंध में – ₹ 343,310.17 मिलियन (31 मार्च, 2017 के अनुसार ₹ 183,233.62 मिलियन)।

ख. बिना शर्त खरीद बाध्यता :

1. समूह के संबंध में – ₹ 6,407.14 मिलियन (गत वर्ष ₹ 1,042.02 मिलियन।

ग. समूह के संबंध में निरस्त न की जा सकने वाली प्रचालन पट्टा बाध्यताएं ₹ 193,579.65 मिलियन

55.3.2 अन्य प्रतिबद्धताएं

(क) भारत सरकार /नामांकित ब्लॉकों के साथ विभिन्न "उत्पादन साझेदारी संविदाओं" के अंतर्गत प्रतिबद्ध न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) की अनुमानित राशि :

i. नेल्प ब्लॉकों के संबंध में जिनमें कंपनी का 100 प्रतिशत प्रतिभागिता हित है– ₹ 2,750 मिलियन (गत वर्ष ₹ 3,325.69 मिलियन)।

ii. संयुक्त उद्यमों में नेल्प ब्लॉकों के संबंध में कंपनी का अंश ₹ 2,581.97 मिलियन (गत वर्ष ₹ 7,576.08 मिलियन)।

iii. अनुषंगी कंपनी ओवीएल के संबंध में न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) की अनुमानित राशि ₹ 9,473.78 मिलियन (31 मार्च, 2017 को ₹ 12,637.91 मिलियन)।

(ख) एक संयुक्त उद्यम कंपनी ओएनजीसी पेट्रो एडीशन्स लिमिटेड के संबंध में शेयर वारंट के सबस्क्रिप्शन के चलते ₹ 480.50 मिलियन की राशि ₹ 0.25 प्रति शेयर के शेष भुगतान के पश्चात शेयरों को परिवर्तित करने की शर्त के साथ है।

(ग) कंपनी ने 2 जुलाई, 2016 को ओपीएएल द्वारा जारी ₹ 77,780.00 मिलियन (₹ 56,150.00 मिलियन) की राशि के बाध्यकारी परिवर्तनीय डिबेंचर तथा उस पर 31 मार्च, 2018 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु ₹ 4,670.19 मिलियन (गत वर्ष ₹ 3,612.06

मिलियन) की राशि के ब्याज हेतु मूलधन तथा 3 वर्ष की संचित कूपन राशि के पुनर्भुगतान के प्रति सहायता को रोकने के लिए एक व्यवस्था भी की है।

(घ) कंपनी ने ब्लॉक केजी–ओएसएन–2001/03 में दीन दयाल वेस्ट (डीडीडब्ल्यू) फील्ड हेतु 995.26 मिलियन अमेरिकी डालर (₹ 62,950.20 मिलियन) के क्रय मूल्य पर प्रचालन अधिकार सहित गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएसपीसी) के समूचे 80 प्रतिशत प्रतिभागिता हित की खरीद के प्रस्ताव को अनुमोदित किया है। कंपनी ने ब्लॉक केजी–ओएसएन–2001/3 में डीडीडब्ल्यू फील्ड के अतिरिक्त 6 खोजों हेतु ब्लॉक केजी–ओएसएन–2001/3 में इन ब्लॉकों के अधिग्रहण अधिकार के प्रति जीएसपीसी को 200 मिलियन अमेरिकी डालर (₹ 12,650.00 मिलियन) के आंशिक भुगतान को भी किया है जिसका समायोजन जीएसपीसी तथा कंपनी के मध्य सहमत मूल्यांकन पैरामीटरों पर आधारित ऐसे फील्डों के मूल्यांकन के प्रति किया जाएगा। टिप्पणी 50.1.5.6)

(च) अनुषंगी कंपनी एमआरपीएल के संबंध में

i. कंपनी की रिफाइनरी–एमआरपीएल के चलते एक लम्बित प्रतिबद्धता के एमआरपीएल चरण–3 विस्तार तथा उन्नयन कार्य द्वारा उपयोग हेतु एचपीसीएल द्वारा दी गई 39.76 एकड़ के आकार की कुछ भूमि का अनंतिम कब्जा रखे हुए है। ऐसी भूमि हेतु मूल्य पर परस्पर सहमति एमआरपीएल/एचपीसीएल के कब्जे वाली भूमि की अदला–बदली द्वारा की जानी है। इस संबंध में अंतिम प्रलेखन निष्पादित किया जाना लम्बित है।

ii. मैसर्स शेल ग्लोबल इंटरनेशनल सोल्यूशन (मैसर्स शेल जीआईएस) द्वारा रिफाइनरी निष्पादन सुधार कार्यक्रम के चलते प्रतिबद्धता के लंबित होने पर 31 मार्च, 2018 को अग्रिम के निवल पर 496.81 मिलियन अमेरिकी डालर (31 मार्च, 2017 को 1.46 मिलियन अमेरिकी डालर, अग्रिम की निवल) राशि लम्बित है।

iii. कंपनी की 31 मार्च, 2018 के अनुसार ₹ 496.81 मिलियन (31 मार्च, 2017 के अनुसार ₹ 1,313.68 मिलियन) की निर्यात बाध्यता पूंजीगत वस्तुओं के आयात पर ईपीसीजी लाइसेंस योजना के अंतर्गत प्राप्त की गई सीमा शुल्क की रियायती दर के कारण है।

iv. वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान आयात शुल्क के भुगतान के प्रयोजन हेतु री–फार्मेट के गलत वर्गीकरण का प्रतिवाद करने के लिए सीमा शुल्क विभाग से एक प्रश्न के उत्तर में समूह ने पूर्व जमा के रूप में विभेदीय सीमा शुल्क के प्रति विरोध के अधीन ₹ 2125.25 मिलियन रूपये की राशि जमा करवाई है। चूंकि समूह द्वारा अदा किये गये शुल्क की वापिसी या अन्यथा को आकलनों के पूरा होने तथा अंतिम रूप दिए जाने पर ही किया जा सकता है, कंपनी द्वारा इस स्तर पर वास्तविक देयता के वास्तविक प्रभाव का पता लगा पाना व्यवहार्य नहीं होगा।

v. अनुषंगी कंपनी ओएमपीएल ने 441.438 एकड़ भूमि को 47 वर्ष तथा 10 माह की अवधि हेतु मंगलौर एसईजेड से पट्टे पर लिया है। मंगलौर एसईजेड लिमिटेड को देय वार्षिक पट्टा किराया ₹ 23.40 मिलियन रूपये है।

vi. अनुषंगी कंपनी ओएमपीएल ने 15 वर्षों हेतु मंगलौर एसईजेड लिमिटेड द्वारा 3.86 मिलियन गैलन प्रति दिन (एमजीडी) पानी की आपूर्ति हेतु मंगलौर एसईजेड लिमिटेड तथा मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड के साथ एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मंगलौर एसईजेड लिमिटेड को देय वार्षिक प्रभार ₹ 85.60 मिलियन है।

56 तेल और गैस उत्पादन क्रियाकलापों हेतु लेखांकन" संबंधी मार्गदर्शन टिप्पणी (संशोधित) के अंतर्गत प्रकटीकरण :

56.1 भौगोलिक आधार पर प्रमाणित भंडारों में समूह का अंश इस प्रकार है :

विवरण	ब्यौरा	खनिज तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन घन मीटर)		कुल तेल समतुल्य (एमएमटीओई)	
		31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
क. भारत में							
अपतट	प्रारंभिक	198.98	200.76	186.075	176.306	385.06	377.05
	वर्धन	4.94	14.48	14.903	27.375	19.84	41.86
	उत्पादन	16.19	16.26	18.607	17.606	34.80	33.86
	अंतिम	**187.73**	**198.98**	**182.371**	**186.075**	**370.10**	**385.05**
अमितट	प्रारंभिक	183.30	187.73	142.583	145.083	325.88	332.81
	वर्धन	4.32	3.91	8.867	2.864	13.19	6.77
	उत्पादन	8.41	8.34	5.888	5.364	14.30	13.70
	अंतिम	**179.21**	**183.30**	**145.562**	**142.583**	**324.77**	**325.88**
कुल	प्रारंभिक	382.28	388.49	328.658	321.389	710.93	709.88
	वर्धन	9.26	18.39	23.770	30.239	33.03	48.62
	उत्पादन	24.60	24.60	24.495	22.970	49.08	47.57
	अंतिम	**366.94**	**382.28**	**327.933**	**328.658**	**694.88**	**710.93**
ख. भारत के बाहर							
जीएनओपी, सूडान	प्रारंभिक	6.401	8.901	-	-	6.401	8.901
	वर्धन	0.806		-	-	0.806	-
	कटौती / समायोजन	-	2.019	-	-	-	2.019
	उत्पादन	0.282	0.481	-	-	0.282	0.481
	अंतिम	**6.925**	**6.401**	**-**	**-**	**6.925**	**6.401**
जीपीओसी, सूडान	प्रारंभिक	6.377	6.377	-	-	6.377	6.377
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	-	-	-	-	-	-
	अंतिम	**6.377**	**6.377**	**-**	**-**	**6.377**	**6.377**
ब्लॉक 5ए, साऊथ सूडान	प्रारंभिक	5.886	5.886	-	-	5.886	5.886
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	-	-	-	-	-	-
	अंतिम	**5.886**	**5.886**	**-**	**-**	**5.886**	**5.886**

विवरण	ब्यौरा	खनिज तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन घन मीटर)		कुल तेल समतुल्य (एमएमटीओई)	
		31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
सखलिन–1, रूस	प्रारंभिक	36.001	37.810	71.969	72.525	107.970	110.335
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	0.006		0.022	0.001	0.028	0.001
	उत्पादन	1.856	1.809	0.594	0.555	2.450	2.364
	अंतिम	**34.139**	**36.001**	**71.353**	**71.969**	**105.492**	**107.970**
ब्लॉक 06.1, वियतनाम	प्रारंभिक	0.594	0.563	5.821	4.380	6.415	4.943
	वर्धन	0.055	0.055	2.568	2.919	2.623	2.974
	कटौती / समायोजन	-	-	(0.001)	-	(0.001)	-
	उत्पादन	0.022	0.024	1.403	1.478	1.425	1.502
	अंतिम	**0.627**	**0.594**	**6.987**	**5.821**	**7.614**	**6.415**
एएफपीसी, सीरिया	प्रारंभिक	2.581	2.581	-	-	2.581	2.581
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	-	-	-	-	-	-
	अंतिम	**2.581**	**2.581**	**-**	**-**	**2.581**	**2.581**
बीसी–10, ब्राजील	प्रारंभिक	3.019	6.737	0.200	0.464	3.219	7.201
	वर्धन	-	-	0.033	-	0.033	-
	कटौती / समायोजन	0.784	3.114	-	0.225	0.784	3.339
	उत्पादन	0.663	0.604	0.041	0.039	0.704	0.643
	अंतिम	**1.572**	**3.019**	**0.192**	**0.200**	**1.764**	**3.219**
एमईसीएल, कोलंबिया	प्रारंभिक	1.994	2.744	-	-	1.994	2.744
	वर्धन	0.503	-	-	-	0.503	-
	कटौती / समायोजन	-	0.207	-	-	-	0.207
	उत्पादन	0.476	0.543	-	-	0.476	0.543
	अंतिम	**2.021**	**1.994**	**-**	**-**	**2.021**	**1.994**
आईईसी, रूस	प्रारंभिक	14.688	16.397	3.926	4.750	18.614	21.147
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	1.438	-	0.797	-	2.235
	उत्पादन	0.257	0.271	0.037	0.027	0.294	0.298
	अंतिम	**14.431**	**14.688**	**3.889**	**3.926**	**18.320**	**18.614**
पीआईवीएसए, वेनेजुएला	प्रारंभिक	8.542	8.969	-	-	8.542	8.969
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	0.348	0.427	-	-	0.348	0.427
	अंतिम	**8.194**	**8.542**	**-**	**-**	**8.194**	**8.542**

विवरण	ब्यौरा	खनिज तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन घन मीटर)		कुल तेल समतुल्य (एमएमटीओई)	
		31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
कारांबोबो–1, वेनेजुएला	प्रारंभिक	4.356	3.622	-	-	4.356	3.622
	वर्धन	-	0.874	-	-	-	0.874
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	0.154	0.140	-	-	0.154	0.140
	अंतिम	**4.202**	**4.356**	**-**	**-**	**4.202**	**4.356**
ब्लॉक–XXIV, सीरिया	प्रारंभिक	1.803	1.803	-	-	1.803	1.803
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	-	-	-	-	-	-
	अंतिम	**1.803**	**1.803**	**-**	**-**	**1.803**	**1.803**
ब्लॉक ए1 तथा ए3, म्यांमार	प्रारंभिक	-	-	9.295	10.138	9.295	10.138
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	-	-	0.828	0.843	0.828	0.843
	अंतिम	**-**	**-**	**8.467**	**9.295**	**8.467**	**9.295**
एसीजी, अजरबेजान	प्रारंभिक	5.655	7.057	-	-	5.655	7.057
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	1.113	0.584	-	-	1.113	0.584
	उत्पादन	0.762	0.818	-	-	0.762	0.818
	अंतिम	**3.780**	**5.655**	**-**	**-**	**3.780**	**5.655**
वेनकोर, रूस	प्रारंभिक	74.798	-	7.326	-	82.124	-
	वर्धन	4.258	78.115	10.281	8.553	14.539	86.668
	कटौती / समायोजन	-	-	-	(0.001)	-	(0.001)
	उत्पादन	4.444	3.317	1.747	1.228	6.191	4.545
	अंतिम	**74.612**	**74.798**	**15.860**	**7.326**	**90.472**	**82.124**
लोअर जाकूम, अबू धाबी	प्रारंभिक	-	-	-	-	-	-
	वर्धन	13.284	-	-	-	13.284	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	0.051	-	-	-	0.051	-
	अंतिम	**13.233**	**-**	**-**	**-**	**13.233**	**-**
कुल भंडार	प्रारंभिक	172.694	109.446	98.536	92.256	271.230	201.702
	वर्धन	18.906	79.044	12.882	11.472	31.788	90.516
	कटौती / समायोजन	1.903	7.362	0.020	1.022	1.923	8.384
	उत्पादन	9.315	8.434	4.650	4.170	13.965	12.604
	अंतिम	**180.382**	**172.694**	**106.748**	**98.536**	**287.130**	**271.230**

56.2 भौगोलिक आधार पर प्रमाणित विकसित भंडारों में समूह का अंश इस प्रकार है :

विवरण	ब्यौरा	खनिज तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन घन मीटर)		कुल तेल समतुल्य (एमएमटीओई)	
		31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
क. भारत में							
अपतट	प्रारंभिक	134.08	146.61	112.541	113.525	246.62	260.14
	वर्धन	9.35	3.73	18.371	16.622	27.72	20.35
	उत्पादन	16.20	16.26	18.607	17.606	34.80	33.87
	अंतिम	**127.23**	**134.08**	**112.305**	**112.541**	**239.54**	**246.62**
अभितट	प्रारंभिक	137.85	142.71	94.438	100.172	232.29	242.88
	वर्धन	3.58	3.49	1.110	(0.370)	4.69	3.12
	उत्पादन	8.40	8.35	5.991	5.364	14.39	13.71
	अंतिम	**133.03**	**137.85**	**89.557**	**94.438**	**222.59**	**232.29**
कुल	प्रारंभिक	271.93	289.32	206.979	213.697	478.91	503.02
	वर्धन	12.93	7.22	19.481	16.252	32.41	23.47
	उत्पादन	24.60	24.61	24.598	22.970	49.20	47.58
	अंतिम	**260.26**	**271.93**	**201.862**	**206.979**	**462.12**	**478.91**
ख. भारत के बाहर							
जीएनओपी, सूडान	प्रारंभिक	2.254	2.463	-	-	2.254	2.463
	वर्धन	-	0.272	-	-	-	0.272
	कटौती / समायोजन	0.375	-	-	-	0.375	-
	उत्पादन	0.282	0.481	-	-	0.282	0.481
	अंतिम	**1.597**	**2.254**	**-**	**-**	**1.597**	**2.254**
जीपीओसी, साऊथ सूडान	प्रारंभिक	4.312	4.312	-	-	4.312	4.312
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	-	-	-	-	-	-
	अंतिम	**4.312**	**4.312**	**-**	**-**	**4.312**	**4.312**
ब्लॉक 5ए, साऊथ सूडान	प्रारंभिक	2.565	2.565	-	-	2.565	2.565
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	-	-	-	-	-	-
	अंतिम	**2.565**	**2.565**	**-**	**-**	**2.565**	**2.565**
सखलिन–1, रूस	प्रारंभिक	16.765	16.197	9.838	10.169	26.603	26.366
	वर्धन	1.828	2.378	0.262	0.223	2.090	2.601
	कटौती / समायोजन	-	0.001	-	(0.001)	-	-
	उत्पादन	1.856	1.809	0.594	0.555	2.450	2.364
	अंतिम	**16.737**	**16.765**	**9.506**	**9.838**	**26.243**	**26.603**

विवरण	ब्यौरा	खनिज तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन घन मीटर)		कुल तेल समतुल्य (एमएमटीओई)	
		31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
ब्लॉक 06.1, वियतनाम	प्रारंभिक	0.586	0.563	3.902	4.380	4.488	4.943
	वर्धन	0.047	0.047	1.000	1.000	1.047	1.047
	कटौती / समायोजन	-	-	(0.001)	-	(0.001)	-
	उत्पादन	0.022	0.024	1.403	1.478	1.425	1.502
	अंतिम	**0.611**	**0.586**	**3.500**	**3.902**	**4.111**	**4.488**
एएफपीसी, सीरिया	प्रारंभिक	2.206	2.206	-	-	2.206	2.206
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	-	-	-	-	-	-
	अंतिम	**2.206**	**2.206**	**-**	**-**	**2.206**	**2.206**
बीसी–10, ब्राजील	प्रारंभिक	3.019	6.737	0.200	0.464	3.219	7.201
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	0.900	3.114	0.068	0.225	0.968	3.339
	उत्पादन	0.663	0.604	0.041	0.039	0.704	0.643
	अंतिम	**1.456**	**3.019**	**0.091**	**0.200**	**1.547**	**3.219**
एमईसीएल, कोलंबिया	प्रारंभिक	1.749	2.403	-	-	1.749	2.403
	वर्धन	0.295	-	-	-	0.295	-
	कटौती / समायोजन	-	0.111	-	-	-	0.111
	उत्पादन	0.476	0.543	-	-	0.476	0.543
	अंतिम	**1.568**	**1.749**	**-**	**-**	**1.568**	**1.749**
आईईसी, रूस	प्रारंभिक	4.934	5.206	1.084	1.110	6.018	6.316
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	0.001	-	(0.001)	-	-
	उत्पादन	0.257	0.271	0.037	0.027	0.294	0.298
	अंतिम	**4.677**	**4.934**	**1.047**	**1.084**	**5.724**	**6.018**
पीआईवीएसए, वेनेजुएला	प्रारंभिक	1.270	1.697	-	-	1.270	1.697
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	0.348	0.427	-	-	0.348	0.427
	अंतिम	**0.922**	**1.270**	**-**	**-**	**0.922**	**1.270**

विवरण	ब्यौरा	खनिज तेल (एमएमटी)		गैस (बिलियन घन मीटर)		कुल तेल समतुल्य (एमएमटीओई)	
		31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को	31 मार्च, 2018 को	31 मार्च, 2017 को
कारांबोबो–1, वेनेजुएला	प्रारंभिक	1.813	1.231	-	-	1.813	1.231
	वर्धन	0.380	0.722	-	-	0.380	0.722
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	0.154	0.140	-	-	0.154	0.140
	अंतिम	**2.039**	**1.813**	**-**	**-**	**2.039**	**1.813**
ब्लॉक–XXIV, सीरिया	प्रारंभिक	0.049	0.049	-	-	0.049	0.049
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	-	-	-	-	-	-
	अंतिम	**0.049**	**0.049**	**-**	**-**	**0.049**	**0.049**
ब्लॉक ए1 तथा ए3, म्यांमार	प्रारंभिक	-	-	5.872	6.716	5.872	6.716
	वर्धन	-	-	-	-	-	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	0.001	-	0.001
	उत्पादन	-	-	0.828	0.843	0.828	0.843
	अंतिम	**-**	**-**	**5.044**	**5.872**	**5.044**	**5.872**
एसीजी, अजरबेजान	प्रारंभिक	4.492	2.585	-	-	4.492	2.585
	वर्धन	-	2.725	-	-	-	2.725
	कटौती / समायोजन	0.396	-	-	-	0.396	-
	उत्पादन	0.762	0.818	-	-	0.762	0.818
	अंतिम	**3.334**	**4.492**	**-**	**-**	**3.334**	**4.492**
वेनकोर, रूस	प्रारंभिक	55.896	-	5.392	-	61.288	-
	वर्धन	-	59.213	5.009	6.620	5.009	65.833
	कटौती / समायोजन	10.352	-	-	-	10.352	-
	उत्पादन	4.444	3.317	1.747	1.228	6.191	4.545
	अंतिम	**41.100**	**55.896**	**8.654**	**5.392**	**49.754**	**61.288**
लोअर जाकूम, अबु धाबी	प्रारंभिक	-	-	-	-	-	-
	वर्धन	10.956	-	-	-	10.956	-
	कटौती / समायोजन	-	-	-	-	-	-
	उत्पादन	0.051	-	-	-	0.051	-
	अंतिम	**10.905**	**-**	**-**	**-**	**10.905**	**-**
कुल भंडार	प्रारंभिक	101.911	48.214	26.288	22.840	128.199	71.054
	वर्धन	13.506	65.356	6.271	7.843	19.777	73.200
	कटौती / समायोजन	12.023	3.227	0.067	0.222	12.090	3.449
	उत्पादन	9.315	8.434	4.650	4.170	13.965	12.604
	अंतिम	**94.078**	**101.911**	**27.843**	**26.288**	**121.921**	**128.199**

56.2.1 एमटीओई "मिलियन टन तेल समतुल्य'' को दर्शाता है और तेल समतुल्य गैस का परिकलन करने के लिए 1000 एम3 गैस को 1 एमटी खनिज तेल के बराबर माना गया है।

कुल में अंतर, यदि कोई हो, तो वह आंतरिक जोड़ तथा पूर्णांक किए जाने के कारण है।

56.2.2 56.1 तथा 56.2 पर उल्लेखित उक्त भंडार डीएसएफ बोली दौर 2016 (डीएसएफ–1) में दिए गए फील्डों से संबंधित 0.03 एमएमटी के प्रमाणित विकसित भंडारों और 0.02 एमएमटी के प्रमाणित भंडारों को हटाने के पश्चात है।

57. स्टेप डाउन अनुषंगी कंपनी ओएमपीएल के संबंध में वित्तीय विवरणों को प्रचलित मान्यताओं के आधार पर तैयार किया गया है यद्यपि कंपनी ने वर्तमान वर्ष सहित विगत में हानियां वहन की हैं और कंपनी के निवल मूल्य में कमी आई है क्योंकि कंपनी प्रबंधन का यह मानना है कि प्रचालनों को बनाए रखने और निम्नलिखित कारणों के आधार पर इसकी सभी बाध्यताओं तथा देयताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त रूप से नकदी उत्पन्न होगी :

क) कंपनी की एक हरित फील्ड परियोजना है और इसने संयंत्र के कम क्षमता उपयोग तथा स्थिरीकरण के कारण हानियां वहन की हैं। प्रबंधन ने आने वाले वर्षों में ईष्टतम क्षमता उपयोग प्राप्त करने के लिए कदम उठाए हैं।

ख) कंपनी की घरेलू बाजारों में अपने बिक्री में वृद्धि करने की योजना है जिसका निर्यात बिक्री की तुलना में उच्चतर योगदान होगा और जिसके लिए उच्च दृढ़ प्रतिबद्धता संविदाओं को किया गया है।

ग) कंपनी अपनी क्षमता के आधार पर अपने ऋण तथा साथ ही साथ ब्याज बाध्यता को समय पर पूरा करने में समर्थ होगी जो प्रमोटरों के दृढ़ सहयोग के साथ वित्तीय बाजार के आकलन में कंपनी की क्षमता पर आधारित है।

घ) प्रशासनिक मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण–पत्र की प्राप्ति के परिणामस्वरूप कंपनी के इसकी धारक कंपनी एमआरपीएल के साथ आमेलन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

58. बोर्ड ने अनुषंगी कंपनी ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड के मंगलौर रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) के साथ आमेलन हेतु सहमति प्रदान कर दी है, जो आवश्यक अनुमोदनों के अधीन होगी। कंपनी को अब पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के दिनांक 18 अप्रैल, 2018 के पत्र के माध्यम से ''अनापत्ति'' प्राप्त हो गई है। वित्तीय विवरणों में उक्त के प्रति किसी प्रभाव पर विचार नहीं किया गया है क्योंकि यह अभी भी प्रारंभिक चरण में है।

59. सहायक कंपनियों/संयुक्त उद्यम कंपनियों के संबंध में आंकड़ों को संबंधित समूह कंपनियों की समेकन प्रक्रिया और लेखा–परीक्षित लेखे के भाग के रूप में उनके प्रबंधन से प्राप्त ब्यौरों के आधार पर उन्हें पुनर्समूहित/पुनःवर्गीकृत किया गया है। व्यापार/अन्य प्राप्ति योग्य, व्यापार/ अन्य भुगतान योग्य और ऋणों तथा अग्रिमों के कुछ शेष, पुष्टि/कराधन की शर्त के अधीन हैं। समायोजन, यदि कोई है, इसकी पुष्टि/समाधन प्राप्त होने पर लेखे पर लेखे में लिए जाएंगे, जिनका कोई महत्त्वपूर्ण प्रभाव नहीं होगा।



60. अनुसूची–III के अंतर्गत अतिरिक्त प्रकटीकरण

60.1 अनुसूची–III – 31 मार्च, 2018 के अनुसार समेकित वित्तीय विवरणों में अतिरिक्त प्रकटीकरण)

(₹ मिलियन में)

क्रम सं.	समूह में शामिल निकाय का नाम	अधिनिगमन का देश	निवल परिसंपत्ति अर्थात कुल परिसंपत्तियां घटा कुल देयताएं		लाभ या हानि में अंश		अन्य व्यापक आय में अंश		कुल व्यापक आय में अंश	
			समेकित निवल परिसंपत्तियों के प्रतिशत के रूप में	राशि	समेकित लाभ एवं हानियों के प्रतिशत के रूप में	राशि	समेकित अन्य व्यापक आय के प्रतिशत के रूप में	राशि	समेकित कुल व्यापक आय के प्रतिशत के रूप में	राशि
	1		2	3	4	5				
ए	मूल कंपनी									
ए.1	ओएनजीसी	भारत	53.56%	1,176,235.49	48.60%	126,688.62	99.87%	(31,686.75)	41.49%	95,001.87
बी	**अनुषंगी कंपनी (समूह का अंश)**									
बी.1	भारतीय									
बी.1.1	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल)	भारत	14.20%	311,776.86	1.57%	4,105.47	1.75%	(554.90)	1.55%	3,550.57
बी.1.2	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)	भारत	9.33%	204,941.91	24.53%	63,940.66	-1.21%	383.53	28.10%	64,324.18
बी.1.3	मंगलौर रिफाइनरी एडं पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल)	भारत	4.57%	100,450.29	8.51%	22,179.61	-0.10%	33.19	9.70%	22,212.80
बी.1.4	ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (ओएमपीएल)	भारत	0.07%	1,580.08	-0.87%	(2,280.25)	0.00%	1.39	-1.00%	(2,278.86)
बी.1.5	पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमएचबीएल) (देखें टिप्पणी 1)	भारत	0.31%	6,846.30	0.32%	834.58	0.00%	(0.12)	0.36%	834.46
बी.1.6	प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड	भारत	-0.09%	(2,063.70)	-0.05%	(129.60)	0.05%	(15.80)	-0.06%	(145.40)
बी.1.7	एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड	भारत	-0.02%	(390.90)	-0.30%	(778.50)	0.00%	(0.40)	-0.34%	(778.90)
बी.1.8	एचपीसीएल मिडल ईस्ट एफजेडसीओ	दुबई	0.00%	(0.40)	0.00%	(0.40)	0.00%	0.00	0.00%	(0.40)
बी.2	**विदेशी**									
बी.2.1	ओएनजीसी नील गंगा बी.वी (ओएनजीबीवी)	नीदरलैंड	-1.68%	(36,825.76)	-2.30%	(5,993.29)	7.08%	(2,246.94)	-3.60%	(8,240.23)
बी.2.2	ओएनजीसी कम्पोस लिमिटेड	ब्राजील	-0.26%	(5,655.72)	6.47%	16,865.11	0.00%	-	7.37%	16,865.11
बी.2.3	ओएनजीसी नील गंगा (साइप्रस) लिमिटेड	साइप्रस	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-
बी.2.4	ओएनजीसी नील गंगा (सेन क्रिस्टोबल) बी.वी.	नीदरलैंड	-0.40%	(8,790.11)	-0.01%	(16.39)	0.00%	-	-0.01%	(16.39)
बी.2.5	ओएनजीसी कैस्पियन ई. एंड पी. बी.वी.	नीदरलैंड	-0.07%	(1,555.80)	-1.09%	(2,834.21)	0.00%	-	-1.24%	(2,834.21)
बी.2.6	ओएनजीसी नील गंगा बी.वी (ओएनजीबीवी)	नीदरलैंड	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-
बी.2.7	ओएनजीसी नर्मदा लिमिटेड (ओएनएल)	नाइजीरिया	0.00%	-	0.00%	-	0.08%	(26.64)	-0.01%	(26.64)
बी.2.8	ओएनजीसी अमेजन अलकनंदा लिमिटेड (ओएएएल)	बरमूडा	0.08%	1,669.92	-0.01%	(23.53)	-1.27%	401.68	0.17%	378.15

बी.2.9	इम्पीरियल एनर्जी लिमिटेड	साइप्रस	-0.35%	(7,688.63)	-0.04%	(111.57)	-2.44%	775.36	0.29%	663.79
बी.2.10	इम्पीरियल एनर्जी टॉम्स्क लिमिटेड	साइप्रस	0.00%	(29.74)	0.00%	5.78	0.00%	-	0.00%	5.78
बी.2.11	इम्पीरियल एनर्जी (साइप्रस) लिमिटेड	साइप्रस	0.00%	(4.03)	-0.03%	(81.71)	0.00%	-	-0.04%	(81.71)
बी.2.12	इम्पीरियल एनर्जी नॉर्ड लिमिटेड	साइप्रस	0.00%	5.64	0.05%	130.39	0.00%	-	0.06%	130.39
बी.2.13	बायनकस होल्डिंग्स लिमिटेड	साइप्रस	0.00%	(64.22)	-0.13%	(328.25)	0.00%	-	-0.14%	(328.25)
बी.2.14	रेडक्लिफ होल्डिंग्स लिमिटेड	साइप्रस	-0.03%	(751.70)	0.00%	5.68	0.00%	-	0.00%	5.68
बी.2.15	इम्पीरियल फ्रेक सर्विसेज़ (साइप्रस) लिमिटेड	साइप्रस	-0.01%	(184.39)	0.00%	5.21	0.00%	-	0.00%	5.21
बी.2.16	सेन एजिओ इन्वेस्टमेंट लिमिटेड	साइप्रस	-0.14%	(3,121.37)	0.00%	6.01	0.00%	-	0.00%	6.01
बी.2.17	एलएलसी सिबिंटरनेफ्त	रूस	0.00%	76.87	0.05%	120.90	0.00%	-	0.05%	120.90
बी.2.18	एलएलसी एलाइंसनेफ्तगेज	रूस	0.01%	308.97	0.72%	1,877.34	0.00%	-	0.82%	1,877.34
बी.2.19	एलएलसी नॉर्ड इम्पीरियल	रूस	0.00%	33.37	0.09%	239.90	0.00%	-	0.10%	239.90
बी.2.20	एलएलसी रस इम्पीरियल ग्रुप	रूस	-0.03%	(677.98)	0.40%	1,039.18	0.00%	-	0.45%	1,039.18
बी.2.21	एलएलसी इम्पीरियल फ्रैक सर्विसेस	रूस	0.00%	(6.04)	-0.04%	(97.89)	0.00%	-	-0.04%	(97.89)
बी.2.22	काराबोबो वन एबी	स्वीडन	-0.11%	(2,475.52)	-0.02%	(43.03)	-0.64%	201.81	0.07%	158.78
बी.2.23	पेट्रो काराबोबो गंगा बी.वी	नीदरलैंड	-0.03%	(735.95)	0.01%	15.16	0.00%	-	0.01%	15.16
बी.2.24	ओएनजीसी (बीटीसी) लिमिटेड	केमन द्वीप	0.00%	4.72	-0.18%	(461.62)	0.00%	(0.30)	-0.20%	(461.93)
बी.2.25	ब्यास रोवूमा एनर्जी मोजाम्बिक लिमिटेड	ब्रिटिश वर्जिन द्वीप	-0.34%	(7,499.21)	0.04%	117.21	-1.51%	480.41	0.26%	597.62
बी.2.26	ओएनजीसी विदेश रोवूमा लिमिटेड	मॉरिशियस गणराज्य	0.00%	(0.03)	0.00%	1.86	0.00%	0.00	0.00%	1.86
बी.2.27	ओएनजीसी विदेश अटलांटिक इंक	टेक्सास	0.00%	(32.11)	-0.01%	(14.36)	-0.01%	2.06	-0.01%	(12.31)
बी.2.28	ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्रा. लिमिटेड	सिंगापुर	0.00%	5.98	0.05%	126.60	-1.06%	337.68	0.20%	464.28
बी.2.29	ओएनजीसी विदेश वेन्कोरनेफ्ट प्रा. लिमिटेड	सिंगापुर	-0.25%	(5,600.24)	-10.95%	(28,537.07)	0.00%	-	-12.46%	(28,537.07)
बी.2.30	इंडस ईस्ट मेडीटेरियन एक्सप्लोरेशन लिमिटेड	इजराइल	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-
सी	**सभी अनुषंगी कंपनियों में गैर–नियंत्रक हित**		7.11%	156,059.96	15.20%	39,620.58	-0.59%	185.69	17.39%	39,806.27
डी	**एसोसिएट (इक्विटी पद्धति के अनुसार निवेश)**									
डी.1	**भारतीय**									
डी.1.1	पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	भारत	0.25%	5,385.51	-0.08%	(205.60)	0.00%	1.49	-0.09%	(204.11)
डी.1.2	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)	भारत	0.56%	12,264.12	0.66%	1,708.68	0.00%	0.52	0.75%	1,709.20
डी.1.3	जीएसपीएल इंडिया गैसनेट लिमिटेड	भारत	0.02%	433.00	0.00%	1.00	0.00%	-	0.00%	1.00
डी.1.4	जीएसपीएल इंडिया ट्रांसको लिमिटेड	भारत	0.02%	426.90	0.00%	1.50	0.00%	-	0.00%	1.50
डी.2	**विदेशी**									
डी.2.1	पेट्रो काराबोबो एस.ए.	वेनेजुएला	0.19%	4,204.68	1.38%	3,599.27	0.00%	-	1.57%	3,599.27
डी.2.2	काराबोबो इन्जेनेरिया वाई कंस्ट्रक्शंस, एस.ए.	वेनेजुएला	0.00%	0.27	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-
डी.2.3	साऊथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	हांगकांग	0.05%	1,009.21	0.31%	799.23	0.00%	-	0.35%	799.23

डी.2.4	ताम्बा बी.वी.	नीदरलैण्ड	1.06%	23,271.09	1.34%	3,505.15	0.00%	-	1.53%	3,505.15
डी.2.5	जेएससी वेन्कोरनेफ्त	रूस	6.43%	141,187.63	6.29%	16,399.79	0.00%	-	7.16%	16,399.79
डी.2.6	एसयूडीडी पेट्रोलियम ऑपरेटिंग कंपनी	मॉरिशियस	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-
डी.2.7	पेट्रोलेरा इंडोवेनेजोलाना एसए (ओवीएल के माध्यम से)	वेनेजुएला	1.21%	26,578.48	0.10%	253.40	0.00%	-	0.11%	253.40
डी.2.8	फाल्कौन ऑयल एण्ड गैस बी.वी.	नीदरलैण्ड	0.72%	15,863.30	0.03%	71.61	0.00%	-	0.03%	71.61
डी.2.9	मोजाम्बिक एलएनजी1 कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	सिंगापुर	0.00%	-	-0.01%	(32.24)	0.00%	-	-0.01%	(32.24)
	संयुक्त उद्यम (इक्विटी पद्धति के अनुसार निवेश)									
ई.1	**भारतीय**									
ई.1.1	मंगलौर सेज लिमिटेड (एमएसईजेड)	भारत	0.01%	189.96	0.00%	9.81	0.00%	0.03	0.00%	9.84
ई.1.2	ओएनजीसी पेट्रो एडीशंस लिमिटेड (ओपीएल)	भारत	0.42%	9,302.47	-3.89%	(10,139.15)	-0.01%	1.78	-4.43%	(10,137.37)
ई.1.3	ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी)	भारत	0.29%	6,407.32	0.01%	13.27	0.00%	(0.85)	0.01%	12.42
ई.1.4	ओएनजीसी टेरी बॉयोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल)	भारत	0.01%	241.45	0.02%	40.44	0.00%	(0.04)	0.02%	40.40
ई.1.5	दहेज एसईजेड लिमिटेड (डीएसईजेड)	भारत	0.06%	1,318.86	0.07%	184.82	0.00%	-	0.08%	184.82
ई.1.6	हिंदुस्तान कोल्स प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.06%	1,251.70	0.19%	500.80	0.00%	(0.20)	0.22%	500.60
ई.1.7	क्रेडा एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड	भारत	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-
ई.1.8	एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड	भारत	0.08%	1,729.10	-0.05%	(143.30)	0.00%	-	-0.06%	(143.30)
ई.1.9	साऊथ एशिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.06%	1,278.60	0.23%	591.00	0.00%	1.10	0.26%	592.10
ई.1.10	एचपीसीएल शापूरजी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.01%	188.20	0.00%	(1.40)	0.00%	0.20	0.00%	(1.20)
ई.1.11	एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड	भारत	2.05%	45,119.80	3.06%	7,983.00	0.01%	(2.20)	3.49%	7,980.80
ई.1.12	गोदावरी गैस प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.00%	23.30	0.00%	(0.40)	0.00%	-	0.00%	(0.40)
ई.1.13	पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड	भारत	0.00%	4.40	0.00%	3.30	0.00%	-	0.00%	3.30
ई.1.14	मुंबई एविएशन फ्यूल फार्म फैसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.03%	568.00	0.05%	118.00	0.00%	-	0.05%	118.00
ई.1.15	अवंतिका गैस लिमिटेड	भारत	0.04%	844.70	0.05%	121.30	0.00%	0.00	0.05%	121.30
ई.1.16	भाग्यनगर गैस लिमिटेड	भारत	0.03%	766.60	0.01%	22.90	0.00%	0.10	0.01%	23.00
ई.1.17	रत्नागिरी रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड	भारत	0.01%	203.00	-0.02%	(47.00)	0.00%	-	-0.02%	(47.00)
ई.1.18	शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड (एसएमएएसएल) (एमआरपीएल के माध्यम से)	भारत	0.01%	303.75	0.01%	27.09	0.00%	(0.81)	0.01%	26.28
ई.2	**विदेश**									
ई.2.1	**ओएनजीसी** मितल एनर्जी लिमिटेड (ओएमईएल) (ओवीएल के माध्यम से)	साइप्रस	-0.07%	(1,622.35)	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-
ई.2.2	हिमालय एनर्जी सीरिया बी.वी.	नीदरलैण्ड	0.01%	261.80	-0.01%	(24.22)	0.00%	-	-0.01%	(24.22)
ई.2.3	मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड	बरमुडा	0.97%	21,401.35	-0.34%	(876.36)	0.00%	-	-0.38%	(876.36)
	कुल		100.00%	2,196,249.01	100.00%	260,679.86	100.00%	(31,727.92)	100.00%	228,951.94

60.2 अनुसूची–III – 31 मार्च, 2017 के अनुसार समेकित वित्तीय विवरणों में अतिरिक्त प्रकटीकरण)

क्रम सं.	समूह में शामिल निकाय का नाम	अधिनिगमन का देश	निवल परिसंपत्ति अर्थात कुल परिसंपत्तियां घटा कुल देयताएं		लाभ या हानि में अंश		अन्य व्यापक आय में अंश		कुल व्यापक आय में अंश	
			समेकित निवल परिसंपत्तियों के प्रतिशत के रूप में	राशि	समेकित लाभ एवं हानियों के प्रतिशत के रूप में	राशि	समेकित अन्य व्यापक आय के प्रतिशत के रूप में	राशि	समेकित कुल व्यापक आय के प्रतिशत के रूप में	राशि
	1		2	3	4	5				
ए	मूल कंपनी									
ए.1	ओएनजीसी	भारत	54.54%	1,132,603.46	42.03%	122,592.15	96.92%	132,842.67	59.58%	255,434.82
बी	**अनुषंगी कंपनी (समूह का अंश)**									
बी.1	भारतीय									
बी.1.1	ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल)	भारत	14.96%	310,734.64	6.00%	17,493.80	-4.18%	(5,723.94)	2.75%	11,769.86
बी.1.2	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)	भारत	8.20%	170,253.09	23.40%	68,269.98	0.01	1,593.02	16.29%	69,863.00
बी.1.3	मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल)	भारत	4.37%	90,747.54	12.53%	36,548.65	-0.04%	(50.35)	8.51%	36,498.30
बी.1.4	ओएनजीसी मंगलौर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (ओएमपीएल)	भारत	0.19%	3,858.94	-0.64%	(1,867.55)	0.00%	(1.26)	-0.44%	(1,868.81)
बी.1.5	पेट्रोनेट एमएचबी लिमिटेड (पीएमबीएचएल)	भारत	0.32%	6,606.21	0.28%	809.48	0.00%	(0.16)	0.19%	809.32
बी.1.6	प्राइज पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड	भारत	-0.09%	(1,918.30)	-0.71%	(2,069.20)	0.03%	42.40	-0.47%	(2,026.80)
बी.1.7	एचपीसीएस बायोफ्यूल्स लिमिटेड	भारत	0.02%	388.00	-0.11%	(307.20)	0.00%	0.40	-0.07%	(306.80)
बी.1.8	एचपीसीएल मिडिल ईस्ट एफजेडसीओ	दुबई								
बी.2	**विदेशी**									
बी.2.1	ओएनजीसी नील गंगा बी.वी (ओएनजीबीवी)	नीदरलैंड	-1.17%	(24,344.42)	-0.69%	(2,016.06)	0.80%	1,099.22	-0.21%	(916.84)
बी.2.2	ओएनजीसी कम्पोस लिमिटेड	ब्राजील	-0.08%	(1,637.07)	-3.12%	(9,099.21)	0.00%	-	-2.12%	(9,099.21)
बी.2.3	ओएनजीसी नील गंगा (साइप्रस) लिमिटेड	साइप्रस	0.00%	(0.05)	0.00%	(2.28)	0.00%	-	0.00%	(2.28)
बी.2.4	ओएनजीसी नील गंगा (सेन क्रिस्टोबल) बी.वी.	नीदरलैंड	-0.29%	(6,003.11)	0.00%	7.58	0.00%	-	0.00%	7.58
बी.2.5	ओएनजीसी कैस्पियन ई. एंड पी. बी.वी	नीदरलैंड	-0.05%	(1,000.05)	0.11%	328.12	0.00%	-	0.08%	328.12
बी.2.6	ओएनजीसी नील गंगा बी.वी (ओएनजीबीवी)	नीदरलैंड	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-
बी.2.7	ओएनजीसी नर्मदा लिमिटेड (ओएनएल)	नाइजीरिया	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-

बी.2.8	ओएनजीसी अमेजन अलकनंदा लिमिटेड (ओएएएल)	बरमूडा	-0.16%	(3,270.17)	-2.39%	(6,970.37)	0.00%	-	-1.63%	(6,970.37)
बी.2.9	इम्पीरियल एनर्जी लिमिटेड	साइप्रस	-0.70%	(14,590.54)	0.04%	109.22	1.40%	1,924.48	0.47%	2,033.70
बी.2.10	इम्पीरियल एनर्जी टॉम्स्क लिमिटेड	साइप्रस	0.00%	(82.48)	0.00%	(2.70)	0.00%	-	0.00%	(2.70)
बी.2.11	इम्पीरियल एनर्जी (साइप्रस) लिमिटेड	साइप्रस	-0.10%	(2,077.70)	0.00%	(2.65)	0.00%	-	0.00%	(2.65)
बी.2.12	इम्पीरियल एनर्जी नॉर्ड लिमिटेड	साइप्रस	-0.42%	(8,626.63)	0.00%	(2.58)	0.00%	-	0.00%	(2.58)
बी.2.13	बायनकस होल्डिंग्स लिमिटेड	साइप्रस	-0.01%	(160.65)	0.05%	146.38	0.00%	-	0.03%	146.38
बी.2.14	रेडक्लिफ होल्डिंग्स लिमिटेड	साइप्रस	-0.02%	(509.85)	0.00%	(2.73)	0.00%	-	0.00%	(2.73)
बी.2.15	इम्पीरियल फ्रैक सर्विसेज़ (साइप्रस) लिमिटेड	साइप्रस	0.00%	(6.95)	0.00%	(4.52)	0.00%	-	0.00%	(4.52)
बी.2.16	सेन एजिओ इन्वेस्टमेंट लिमिटेड	साइप्रस	0.00%	8.90	-0.04%	(122.66)	0.00%	-	-0.03%	(122.66)
बी.2.17	एलएलसी सिबिंटरनेफ्त	रूस	0.01%	206.75	-0.03%	(99.20)	0.00%	-	-0.02%	(99.20)
बी.2.18	एलएलसी एलाइंसनेफ्तगेज	रूस	0.04%	751.25	-0.33%	(974.05)	0.00%	-	-0.23%	(974.05)
बी.2.19	एलएलसी नॉर्ड इम्पीरियल	रूस	-0.09%	(1,960.14)	0.11%	321.89	0.00%	-	0.08%	321.89
बी.2.20	एलएलसी रस इम्पीरियल ग्रुप	रूस	0.00%	66.71	-0.10%	(281.35)	0.00%	-	-0.07%	(281.35)
बी.2.21	एलएलसी इम्पीरियल फ्रैक सर्विसेस	रूस	0.00%	(61.14)	-0.56%	(1,620.66)	0.00%	-	-0.38%	(1,620.66)
बी.2.22	काराबोबो वन एबी	स्वीडन	-0.02%	(454.87)	0.00%	-	0.11%	146.60	0.03%	146.60
बी.2.23	पेट्रो काराबोबो गंगा बी.वी.	नीदरलैंड	-0.07%	(1,448.94)	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-
बी.2.24	ओएनजीसी (बीटीसी) लिमिटेड	केमन द्वीप	0.00%	(0.74)	0.17%	500.94	0.00%	-	0.12%	500.94
बी.2.25	ब्यास रोवूमा एनर्जी मोजाम्बिक लिमिटेड	ब्रिटिश वर्जिन द्वीप	-0.21%	(4,396.12)	-0.07%	(191.09)	0.00%	-	-0.04%	(191.09)
बी.2.26	ओएनजीसी विदेश रोवूमा लिमिटेड	मॉरिशियस गणराज्य	0.00%	0.03	0.00%	(1.50)	0.00%	-	0.00%	(1.50)
बी.2.27	ओएनजीसी विदेश अटलांटिक इंक	टेक्सास	0.00%	(19.08)	0.01%	27.17	0.00%	-	0.01%	27.17
बी.2.28	ओएनजीसी विदेश सिंगापुर प्रा. लिमिटेड	सिंगापुर	0.00%	1.31	-0.02%	(47.76)	3.22%	4,414.99	1.02%	4,367.23
बी.2.29	ओएनजीसी विदेश वेन्कोरनेफ्ट प्रा. लिमिटेड	सिंगापुर	-0.11%	(2,241.12)	-1.85%	(5,407.76)	0.00%	-	-1.26%	(5,407.76)
सी	**सभी अनुषंगी कंपनियों में गैर–नियंत्रक हित**									
डी	**एसोसिएट (इक्विटी पद्धति के अनुसार निवेश)**		**6.40%**	132,919.64	16.28%	47,498.69	0.57%	787.48	11.26%	48,286.17
डी.1	भारतीय									
डी.1.1	पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल)	भारत								
डी.1.2	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल)	भारत	0.19%	3,978.88	0.32%	927.11	0.00%	-	0.22%	927.11
डी.1.3	जीएसपीएल इंडिया गैसनेट लिमिटेड	भारत	0.49%	10,222.99	0.53%	1,533.90	0.00%	(2.69)	0.36%	1,531.21

डी.1.4	जीएसपीएल इंडिया ट्रांसको लिमिटेड	भारत	0.01%	310.99	0.00%	1.18	0.00%	-	0.00%	1.18
डी.2	**विदेशी**		0.01%	231.77	0.00%	1.01	0.00%	-	0.00%	1.01
डी.2.1	पेट्रो काराबोबो एस.ए.	वेनेजुएला								
डी.2.2	काराबोबो इन्जेनेरिया वाई कंस्ट्रक्शंस, एस.ए.	वेनेजुएला	0.03%	579.73	0.21%	599.61	0.00%	-	0.14%	599.61
डी.2.3	साऊथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	हांगकांग	0.00%	0.27	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-
डी.2.4	ताम्बा बी.वी.	नीदरलैण्ड	0.05%	1,016.26	0.31%	900.41	0.00%	-	0.21%	900.41
डी.2.5	जेएससी वेन्कोरनेफ्त	रूस	1.34%	27,792.13	1.38%	4,027.86	0.00%	-	0.94%	4,027.86
डी.2.6	एसयूडीडी पेट्रोलियम ऑपरेटिंग कंपनी	मॉरिशियस	6.77%	140,502.97	2.77%	8,089.11	0.00%	-	1.89%	8,089.11
डी.2.7	पेट्रोलेरा इंडोवेनेजोलाना एस.ए. (ओवीएल के माध्यम से)	वेनेजुएला	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-
डी.2.8	फाल्कौन ऑयल एण्ड गैस बी.वी.	नीदरलैण्ड	1.27%	26,294.95	1.18%	3,456.32	0.00%	-	0.81%	3,456.32
डी.2.9	मोजाम्बिक एलएनजी1 कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	सिंगापुर	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-
ई.	**संयुक्त उद्यम (इक्विटी पद्धति के अनुसार निवेश)**		0.00%	2.50	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-
ई.1	**भारतीय**									
ई.1.1	मंगलौर सेज लिमिटेड (एमएसईजेड)	भारत								
ई.1.2	ओएनजीसी पेट्रो एडीशंस लिमिटेड (ओपीएल)	भारत	0.01%	180.12	-0.01%	(16.05)	0.00%	(0.39)	0.00%	(16.44)
ई.1.3	ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड (ओटीपीसी)	भारत	0.92%	19,024.61	-2.49%	(7,263.01)	0.00%	(0.85)	-1.69%	(7,263.86)
ई.1.4	ओएनजीसी टेरी बॉयोटेक लिमिटेड (ओटीबीएल)	भारत	0.31%	6,537.41	0.24%	692.69	0.00%	(0.24)	0.16%	692.45
ई.1.5	दहेज एसईजेड लिमिटेड (डीएसईजेड)	भारत	0.01%	201.05	0.01%	27.53	0.00%	(0.03)	0.01%	27.50
ई.1.6	हिंदुस्तान कोल्स प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.06%	1,194.94	0.08%	230.89	0.00%	-	0.05%	230.89
ई.1.7	क्रेडा एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड	भारत	0.06%	1,319.80	0.16%	461.90	0.00%	(0.22)	0.11%	461.67
ई.1.8	एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड	भारत	0.00%	0.10	-0.01%	(27.80)	0.00%	-	-0.01%	(27.80)
ई.1.9	साऊथ एशिया एलपीजी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.00%	(14.61)	0.00%	(0.05)	0.00%	-	0.00%	(0.05)
ई.1.10	एचपीसीएल शापूरजी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.08%	1,559.05	0.21%	601.10	0.00%	(0.05)	0.14%	601.05
ई.1.11	एचपीसीएल–मित्तल एनर्जी लिमिटेड	भारत	0.01%	125.15	0.00%	(1.44)	0.00%	(0.08)	0.00%	(1.52)
ई.1.12	गोदावरी गैस प्राइवेट लिमिटेड	भारत	1.79%	37,138.96	5.19%	15,141.63	0.00%	(4.90)	3.53%	15,136.73
ई.1.13	पेट्रोनेट इंडिया लिमिटेड	भारत	0.00%	23.69	0.00%	(2.31)	0.00%	-	0.00%	(2.31)
ई.1.14	मुंबई एविएशन फ्यूल फार्म फैसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड	भारत	0.01%	169.06	0.03%	94.92	0.00%	-	0.02%	94.92

ई.1.15	अवंतिका गैस लिमिटेड	भारत	0.02%	464.34	0.02%	66.46	0.00%	-	0.02%	66.46
ई.1.16	भाग्यनगर गैस लिमिटेड	भारत	0.02%	448.51	0.03%	95.30	0.00%	0.06	0.02%	95.36
ई.1.17	शेल एमआरपीएल एविएशन फ्यूल्स एंड सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड (एसएमएएसएल) (एमआरपीएल के माध्यम से)	भारत	0.01%	214.68	0.01%	32.74	0.00%	0.00	0.01%	32.75
ई.2	**विदेश**		0.02%	415.87	0.02%	45.31	0.00%	3.82	0.01%	49.13
ई.2.1	ओएनजीसी मिततल एनर्जी लिमिटेड (ओएमईएल) (ओवीएल के माध्यम से)	साइप्रस	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-	0.00%	-
ई.2.2	हिमालय एनर्जी सीरिया बी.वी.	नीदरलैण्ड	0.01%	239.59	-0.01%	(21.69)	0.00%	-	-0.01%	(21.69)
ई.2.3	मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड	बरमुडा	1.07%	22,259.79	-0.54%	(1,564.40)	0.00%	-	-0.36%	(1,564.40)
	कुल		**100.00%**	**2,076,771.88**	**100.00%**	**291,691.19**	**100.00%**	**137,069.99**	**100.00%**	**428,761.18**

61. वित्तीय विवरणों का अनुमोदन

समेकित वित्तीय विवरणों को निदेशक मंडल द्वारा 30 मई, 2018 को अनुमोदित किया गया था।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त), कंपनी सचिव और कंपनी के लेखापरीक्षकों द्वारा नई दिल्ली में पृष्ठ सं. 345 के अनुसार हस्ताक्षरित तथा दिनांकित।



एचपीसीएल का ई–ईंधन स्टेशन

नोट्स

नोट्स

ओएनजीसी के सितारे भारत का गौरव









जकार्ता में हाल ही में संपन्न एशियाई खेल 2018 में पंजीकृत और छात्रवृत्ति प्राप्त दोनों प्रकार के खिलाड़ियों ने 3 स्वर्ण, 7 रजत और 5 कांस्य पदक जीत कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

इसके पहले आस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में हाल ही में आयोजित राष्ट्रमंडलीय खेल 2018 में ओएनजीसी के खिलाड़ियों ने 5 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 13 पदक जीत कर भारत की 66 पदकों की पदक तालिका में योगदान किया।











आज ओएनजीसी संगठन में
40 राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता हैं :

- पद्म भूषण - 1
- खेल रत्न - 1
- पद्म श्री - 3
- अर्जुन - 34
- ध्यानचंद पुरस्कार - 1

कंपनी सचिवालय
ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : दीनदयाल ऊर्जा भवन,
5 नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली : 110070
दूरभाष : 011-26752021, 26122148, फैक्स : 011-26129091
www.ongcindia.com, CIN: L74899DL1993GOI054155
secretariat@ongc.co.in
/ONGCLimited @ONGC_